संपादन उपसमिति

श्री कृष्णदेवप्रसाद गौड़—संयोजक

** श्री डा. वासुदेवशरण अग्रवाल
** श्री डा. जगन्नाथप्रसाद शर्मा
श्री डा. राय गोविंदचंद्र
** श्री पं. शिवप्रसाद मिश्र
** श्री डा. भोलाशंकर व्यास
** श्री देवकीनंदन खेड़िया

** श्री पं. विद्याभूषण मिश्र—संयो.
** श्री प. इंद्रचंद्र नारंग
श्री डा. भगीरथ मिश्र
** श्री पं. करुणापति त्रिपाठी
** श्री पं. सुधाकर पांडेय
श्री डा. त्रिभुवनसिंह

संवत् २ ११ वि. से
** संवत् २ १८ से २ २१ वि. तक
संवत् २ १८ से अब तक

संकेत सूची

अनु	अनुमान से
अप्र	अप्रकाशित (खो वि सन् १९४१ ४३ के अप्रकाशित विवरण पत्र)
उप	उपनाम
खो वि	खोज विवरण
गो	गोस्वामी
टि	टिप्पणी
ठा	ठाकुर
दि	दिल्ली खोज विवरण सन् १९३१
पं	पंजाब खोज विवरण सन् १९२२-२४
परि	परिशिष्ट
प्रा	प्राप्तिस्थान
मा वि हि	दी माडर्न वर्नाक्यूलर लिटरेचर आफ हिंदुस्तान
मि वि	मिश्रबंधुविनोद
मु का सं	मुद्रण काल संवत्
र का सं	रचना काल संवत्
लि का सं	लिपि काल संवत्
वि	विषय
सं०	संवत्
सं का सं	संग्रह काल संवत्
सं० वि	संक्षिप्त विवरण
स्व	स्वर्गीय
स्वा	स्वामी
हि	हिंदी
→	देखिए

००	सन् १९००	का वार्षिक खोज विवरण
०१	,, १९०१	,, ,, ,,
०२	,, १९०२	,, ,, ,,
०३	,, १९०३	,, ,, ,,
०४	,, १९०४	,, ,, ,,
०५	,, १९०५	,, ,, ,,
०६	,, १९०६–८	,, त्रैवार्षिक ,,
०९	,, १९०९-११	,, ,, ,,
१२	,, १९१२-१४	,, ,, ,,
१७	,, १९१७ १९	,, ,, ,,
२०	,, १९२०-२२	,, ,, ,,
२३	,, १९२३-२५	,, ,, ,,
२६	,, १९२६-२८	,, ,, ,,
२९	,, १९२९-३१	,, ,, ,,
३२	,, १९३२-३४	,, ,, ,,
३५	,, १९३५-३७	,, ,, ,,
३८	,, १९३८-४०	,, ,, ,,
४१	,, १९४१-४३	,, ,, ,,
सं० ०१	संवत् २००१–२००३ (सन् १९४४-४६)	,,
सं० ०४	,, २००४–२००६ (,, १९४७-४९)	,,
सं० ०७	,, २००७–२००९ (,, १९५०-५२)	,,
सं० १०	,, २०१०–२०१२ (,, १९५३-५५)	,,

[इस संक्षिप्त विवरण में खोज विवरणों के संकेतित सन् या संवत् के साथ आई हुई दूसरी संख्या वह क्रमांक सूचित करती है जहाँ संबद्ध ग्रंथ या ग्रंथकार के विवरण उस खोज विवरण में दिए गए हैं। जैसे → १७–८९ का तात्पर्य यह है कि सन् १९१७-१९ के विवरण की ८९वीं क्रमसंख्या देखें।]

खोज में उपलब्ध

हस्तलिखित हिंदी ग्रंथों

का

संक्षिप्त विवरण

(खंड २)

[सन् १९०० से १९५५ ई० तक]

बाँकीदास (आसिया)—जोधपुर के राजा मानसिंह के समकालीन और संभवतः उन्हीं के आश्रित।

पवनपचीसी (पद्य)→४१–१५४ क।

मानजसोमंडन (पद्य)→४१–१५४ ख।

बाँकीदास (बीठू)—सं० १८८१ के लगभग वर्तमान।

दामोदर हरिदास चरित (पद्य)→४१–१६ ।

बाँकेराम (दीक्षित)—(?)

सामुद्रिक (पद्य)→२६ ४ ए, बी।

बाँदावली (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८९१। वि० हाथी के बाँदाओं द्वारा औषधि निर्माण और उपचार विधि।

प्रा०—पं० चंद्रभूषण त्रिपाठी वैद्य, डीह (रायबरेली)।→सं० ७–२४४।

बाँदीनामा (पद्य)—आम कवि (न्यामत खाँ) कृत। वि० शृंगार।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० १–१२६ ग।

बाँसुरी (पद्य)—नजीर कृत। वि० श्रीकृष्णजी की मुरली का वर्णन।

प्रा०—मुंशी पद्मसिंह कायस्थ, कैथा, डा० कोयला (आगरा)।→२६–२५१ बी।

बाँसुरीलीला (पद्य)—गौरीशंकर (चौबे) कृत। र० का० सं० १९४ । लि० का० सं० १९५४ । वि० राधा का श्रीकृष्ण की बाँसुरी चुराना और श्रीकृष्ण का उनसे माँगना।

प्रा०—गो० भगवानदास, श्यामविहारीलाल का मंदिर, पीलीभीत । → १२-६३ बी ।

बाँसुरीलीला → 'वंशीलीला' (सूरदास कृत) ।

बाग वर्णन (पद्य)—बोधा कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—मु० शंकरलाल कुलश्रेष्ठ, खैरगढ (मैनपुरी) । → ३२-३१ ए ।

बागविलास (गद्यपद्य)—सेवक (सेवकराम) कृत । वि० नायिकाभेद और महाराज हरिशंकर द्वारा काशी में लगवाए गए बाग का वर्णन ।
(क) लि० का० सं० १९२१ ।
प्रा०—ठा० अनिरुद्धसिंह, सहायक प्रबंधक, नीलगाँव (सीतापुर) । → २३-३८३ ।
(ख) प्रा०—पं० परशुराम चतुर्वेदी, एम० ए०, एलएल० बी०, बलिया ।
४१-२९८ क, ख ।

बागीराम और गाडूराम—भाई भाई और सहयोगी कवि । मारवाड़ निवासी । जलधरनाथ के शिष्य । जोधपुर नरेश महाराज मानसिंह के आश्रित । सं० १८८२ के लगभग वर्तमान ।
जसभूषण (पद्य) → ०२-३२ ।
जसरूपक (पद्य) → ०२-३३ ।

बागेश्वर भारती—अतीथ । माता का नाम सती । बुढानपुर (यमुनातट पर) के निवासी । सं० १९०६ के पूर्व वर्तमान ।
सुखदेवपुराण (पद्य) → सं० ०४-२३६ ।

बाघमल्ल (साह)—बीकाणपुरी (बीकानेर ?) के साह । चोरडीया गोत्रीय । बीकाणपुरी के संस्थापक खींमसी के पुत्र । लखमीवल्लभ (लक्ष्मीवल्लभ) के आश्रयदाता । → सं० ०७-१७२ ।

बाघरा—(?)
बाघरा रा दुहा (पद्य) → ४१-१५५ ।

बाघरा रा दुहा (पद्य)—बाघरा कृत । वि० विरह वर्णन ।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर । → ४१-१५५ ।

बाघोरा (भाट)—चंद के पुत्र । सागर कवि ने इनका उल्लेख किया है । → सं० ०४-४६ ।

बाजनामा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) । लि० का० सं० १७७७ । वि० बाज पक्षी को पकड़ने की युक्ति तथा उसके पालन पोषण और रोग आदि के उपचारों का वर्णन ।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद । → सं० ०१-१२६ घ ।

बाजनामा (पद्य)—सिकंदर फिरंगी कृत । लि० का० सं० १८२० । वि० बाज पक्षी को पकड़ने और पालने की विधि ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १-४४९।

बाजनामा (गद्यपद्य)—रचयिता। वि० शिकारी बाज के रोगों की चिकित्सा।
प्रा०—महाराज महेंद्रमानसिंहदेव, महाराज भदावर, नौगवाँ (आगरा)। → १२-२११।

बाजनामा→'दौलतनामा' (फिरोजशाह बादशाह की आज्ञा से निर्मित)।

बाजनामा मय चीतेनामा व हिरननामा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९१२। वि० बाज, चीते और हिरन आदि को पहचानने के लक्षण तथा उनकी चिकित्सा इत्यादि।
प्रा०—महाराज महेंद्रमानसिंहदेव, महाराज भदावर, नौगवाँ (आगरा)। → १२-२१७।

बाजनामा रूमी (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० पक्षियों का आखेट।
प्रा०—महाराज महेंद्रमानसिंहदेव, महाराज भदावर, नौगवाँ (आगरा) ।→ १९-१४२।

बाजिद—जाति के पठान। दादूदयाल के शिष्य। सं० १६५७ के लगभग वर्तमान।
पचवाणी का पद नामक संग्रह ग्रंथ में भी संगृहीत।→ २-९४ (मा)।
अरिल्ल (पद्य)→२६-१२७ ए, सं० ७-१११ क।
गुणराजा री बात (पद्य)→ २-७६, १२-२२० सी, ४१-५२४ (अप्र०)।
गुनकठियारानामा (पद्य)→सं० ७-१११ ख।
गुननामा (पद्य)→१२-१२७ ए।
चलती (पद्य)→सं० ७-१११ ग।
नैननामो (पद्य)→१२-२२७ बी।
पंछीनामा (पद्य)→४१-२५।
पद (पद्य)→सं० ७-१११ घ।
सुखमामो और गुनकठियारा (पद्य)→४१-२५१।
सुपनामौ योग (ग्रंथ) (पद्य)→सं० ७-१११ ङ।
बाजिद की साखी (पद्य)→२६-१२७ बी।
विरहअंग (पद्य)→सं० १-१८४।

बाजीलाल (शुक्ल)—कान्यकुब्ज ब्राह्मण। कुंडवा (सीतापुर) निवासी। सं० १८९ के लगभग वर्तमान।
कान्यकुब्ज वंशावली (गद्यपद्य)→ १-१६; २६-१८।

बाबूराव—संभवतः बुंदेलखंड निवासी। सं० १८१२ के लगभग वर्तमान।
भागवत (दशमस्कंध की संक्षिप्त कथा) (पद्य)→६-६।

बाज (कवि)—मथुरिया पाठक। दिल्ली के निकट किसी गाँव के निवासी। अब्दुर्रहीम खानखाना के आश्रित। इन्हें राव की उपाधि और अकबर की ओर से नरौं गाँव जागीर में मिला था। सं० १६७४ के लगभग वर्तमान।

कलिचरित्र (पद्य)→०६–१३४ ।

बात दूर देश की (गद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० स० १८२२ (लगभग) । लि० का० स० १८८६ । वि० जैन तीर्थस्थान गोमठ की यात्रा का वर्णन ।
प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→स० ०७–२४५ ।

बादशाहो राज्यकाल का परगना आदि विवरण (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० मुसलमानी बादशाहों के राज्यकाल और उनके सूबों का उल्लेख ।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, कॉंकरोली ।→स० ०१–५४२ ।

बादीराय→'बादेराय' ('रामायण' के रचयिता) ।

बादेराय—सभवत कायस्थ । तिलोई राज के दीवान । पिता का नाम रामगुलाम । जफरपुर (बाराबकी) में ग्रथ रचना की ।
रामायण (पद्य)→२६–१६ ।

बानचद→'बनचद्र' (गोस्वामी) ।

बानी (पद्य)—ईश्वरनंद कृत । लि० का० स० १६२७ । वि० भक्ति तथा ज्ञानोपदेश ।
प्रा–महत श्री अज्ञारामदास, कुटी गूँगदास, पचपेड़वा (गोंडा) । → स० ०७–८ ।

बानी (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० स० १५६६ ।
प्रा०—महत जगन्नाथदास, मऊ (छतरपुर) ।→०६–१७७ ए (विवरण अप्राप्त) ।
(ख) लि० का० स० १५६६ ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१७७ बी (विवरण अप्राप्त) ।
(ग) लि० का० स० १८५५ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→०६–१४३ एम ।
(घ) लि० का० स० १८५५ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२१ क ।
(ङ) प्रा०—श्री दाताराम महत, कबीरगद्दी, मेवली, डा० जगनेर (आगरा) । →३२–१०३ एम ।

बानी (पद्य —गुलाबलाल (हित) कृत । लि० का० स० १८६७ । वि० भिन्न भिन्न प्रकार के अनुभवों का वर्णन ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१७३ (विवरण अप्राप्त) ।

बानी (पद्य)—गुलाल साहब कृत । र० का० स० १८०० । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—महंत त्रिवेणीशरण, पलटूदास का स्थान, अयोध्या ।→२०–५५ ।

बानी (पद्य)—दीनदास (बाबा) कृत । लि० का० स० १६३४ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—महंत गुरुप्रसाद, बछरावाँ (रायबरेली) ।→स० ०४–१५६ क ।

बानी (पद्य)—बखतकुँवरि (प्रियासखी) कृत । र का सं १८७८ (लगभग) । लि का सं १८७८ । वि राधाकृष्ण का प्रेम ।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६–८ ।

बानी (पद्य)—मनमोहनदास कृत । लि का सं १९ ७ । वि भक्ति ।
प्रा —श्री परमेश्वर दूबे दुबौली डा कप्तानगंज (बस्ती) ।→सं ४–२०९ ।

बानी (पद्य)—रामसखे कृत । लि का सं १९२१ । वि रामचंद्र जी की भक्ति ।
प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक, छतरपुर ।→ ५–८२ ।

बानी (पद्य)—रैदास कृत । र का सं १९ ७ । ईश्वर महिमा ।
(क) लि का सं १८९५ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१–२१४ ।
(ख) लि का सं १८९९ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–१७१ ग ।
(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→ ६–२४ ।

बानी (पद्य)—लालस्वामी (हित) या लालदास स्वामी कृत । वि ईश्वर प्रेम ।
प्रा —गो गोवर्धनलाल जी वृंदावन (मथुरा) ।→११–१ २ ए ।

बानी (पद्य)—ग्रन्थ नाम 'विट्ठल विपुल की बानी । विट्ठलनाथ कृत । वि राधाकृष्ण का शृंगार ।
(क) प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान अर्थ लेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।→०६–६ ।
(ख) प्रा —गो गोवर्धनलाल वृंदावन (मथुर) ।→११–२९ ।
(ग)→पं २२–१६ ।

बानी (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत । वि ज्ञानोपदेश ।
प्रा —महंत श्री रामकिशोर डा रतसंड (बलिया) ।→४१–२६१ घ ।

बानी (पद्य)—ग्रन्थ नाम सरनदास की बानी । सरनदास कृत । वि राधाकृष्ण का सौंदर्य और गुण वर्णन ।
(क) प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान अर्थ लेखक, छतरपुर ।→ ६–२२६ (विवरण अप्राप्त) ।
(ख) प्रा —बाबू श्यामकुमार निगम रायबरेली ।→११–१७६ ।

बानी (पद्य)– शिवप्रसाद कृत । लि का सं १९९ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा —महंत गुरुप्रसादबहादुर हरियोंव डा पर्वतपुर (सुलतानपुर) । → सं ४ ४ ६ क ।

बानी (पद्य —ग्रन्थ नाम 'सेवकहित की बाणी । सेवकहित कृत । वि हित हरिवंश की प्रशंसा ।
(क) लि का सं १ १ ।

प्रा०—श्री कालिकाप्रसाद अध्यापक, कमतरी (आगरा) ।→३२-१६६ ।

(ख) लि० का० सं० १८७१ ।

प्रा०—गो० महाराज गोपीकृष्ण जी, विहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद ।→४१-५७५ (अप्र०) ।

(ग) लि० का० सं० १८६८ ।

प्रा०–लाला राधिकाप्रसाद, बिजावर ।→०६-२३२ (विवरण अप्राप्त) ।

(एक अन्य प्रति दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया में है) ।

बानी (पद्य)—सेवादास (स्वामी) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१ ४६७ ।

बानी (पद्य)—हजारीदास कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली) ।→सं० ०४-४२७ क ।

बानी (पद्य)—अन्य नाम 'मालाजोग (ग्रंथ) ।' हरिदास (स्वामी) कृत । वि० राधाकृष्ण की भक्ति ।

(क) लि० का० सं० १८३८ ।

प्रा०–डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→३५-३६ बी ।

(ख) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।→०५-६७ ।

(ग) प्रा०–पं० राधाचरण गोस्वामी, अवैतनिक नगराधीश, वृंदावन (मथुरा) । →०६-१०६ बी ।

(घ) प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली ।→२३-१५५ ।

(ङ) प्रा०—श्री रेवतीराम चतुर्वेदी, दुली, डा० फिरोजाबाद (आगरा) ।→ २६-'४० ई ।

(च) प्रा०—पं० गंगाधर शर्मा, गोंछ, डा० फिरोजाबाद (आगरा) । → २६-'४० एच ।

(छ) प्रा०--पं० हरदत्त, मानपुर, डा० बरसाना (मथुरा) ।→३२-७८ ए ।

(ज) प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→४१-३१८ ।

बानी (पद्य)—हितचंदलाल कृत । वि० राधा वल्लभ की विनय ।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-३५ सी ।

बानी→'आनंदवर्द्धिनी' (बाबा फकीरदास कृत) ।

बानी→'तुलसीदास की बानी' (तुलसीदास कृत) ।

बानी→'पलटूसाहब की बानी' (पलटूदास कृत) ।

बानी→'रससार' (रसिकदास कृत) ।

बानी→'रामचरणजी की बानी' (स्वा० रामचरण ...) ।

बानी चरनदासजी की (पद्य)—चरनदास (स्वामी) कृत। लि का सं १८८५ ।
  वि ज्ञान और भक्ति।
  प्रा —पं परमानंद, मौनेरा डा पहाड़ी (भरतपुर) ।→१८-२५ ए।
बानी दादूजी→ दादू की बानी' (दादूदयाल कृत)।
बानीभूषण (गद्यपद्य)—रामसहाय कृत। वि काव्यांग।
  प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ ४-२१।
बानी या शब्द (पद्य)—प्रहलाददास कृत। लि का सं १६१ । वि भक्ति
  और ज्ञानोपदेश।
  प्रा —महंत गुरुप्रसाददास बछरावाँ (रायबरेली) ।→सं ४-१ क।
बानी या शब्दावली (पद्य)—गिरधरदास साहब कृत। लि का स १६१ । वि
  भक्ति और ज्ञानोपदेश।
  प्रा —महंत गुरुप्रसाददास बछरावाँ (रायबरेली) ।→सं ४-६४ ग।
बानी या साखी (पद्य)—संतदास कृत। वि ज्ञान भक्ति, उपदेश आदि।
  (क) लि का सं १८५९।
  प्रा —श्री हरवंशदास, देकारी (रायबरेली) ।→२१-१७५ ए।
  (ख) लि का सं १८७ ।
  प्रा —पं वेणीदत्त शर्मा फतेहपुर (बाराबंकी) ।→२१-१७५ बी।
बानीविलास (पद्य)—रूपलाल (गोस्वामी) कृत। वि हित हरिवंश की जीवनी।
  प्रा —गो पुरुषोत्तमलाल अठखंभा वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१५८ जे।
बाबा दादू→'दादू जी (स्वामी दादूदयाल के शिष्य)।
बाबा साहब (डाक्टर)—मजूमदार (गुजराती ?)। नेपाल निवासी। बीसवीं शताब्दी
  में वर्तमान।
  अमृत संजीवनी (पद्य)→०६-१२ बी।
  उपदंशादि (गद्य)→०६-१२ ए।
  ज्वर चिकित्सा प्रकरण (गद्य)→ ६-१२ सी।
  स्त्रीरोग चिकित्सा (गद्य)→ ६-१२ डी
बाबूराम (पांडे)—गौंडा (प्रतापगढ़) निवासी। सं १८ २ के लगभग वर्तमान।
  औषधि संग्रह (गद्यपद्य)→२६-१२।
बाबूलाल रघुसुत या रघुवरसुत (जैन)—निज का नाम बाबूलाल और पिता का
  नाम रघुवर।
  विष्णुकुमार महामुनि पूजन (पद्य)→सं १ —८७ क।
  लक्ष्मीपूजन (पद्य)→सं १ —८७ ख।
बामन कथा (पद्य)—वरसिंह (ब्रह्मदेव) कृत। वि वामन अवतार की कथा।
  प्रा०—माधवेश भारती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ।→ ०—१४१।

वार ग्रंथ (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १७४७। वि० आदित्यवार से शनिवार तक प्रत्येक दिन की साधना और सिद्धांत का वर्णन।
प्रा०—काशी हिंदू विश्वविद्यालय का पुस्तकालय, वाराणसी।→३५-४६ ई।

बारह अनुप्रेक्षा भावना (पद्य)—अवधू कृत। लि० का० सं० १८२३। वि० जैनधर्म।
प्रा०—श्री रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७-१०।

बारहखड़ी (पद्य)—चंचल (जैन) कृत। लि० का० सं० १६५६। वि० भजन के द्वारा ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री वेदप्रकाश गर्ग, १०, खटीकान स्ट्रीट, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-३१।

बारहखडी (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। र० का० सं० १६३७। वि० गोपी विरह वर्णन।
प्रा०—पं० दौलतराम भटेले, कुतकपुर, डा० मदनपुर (मैनपुरी)।→३२-१६६ ए।

बारहखडी (पद्य)—प्रभुलाल कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-२१५।

बारहखड़ी (पद्य)—भीखजन कृत। वि० उपदेश।
प्रा०—पं० शोभाराम, जैंत (मथुरा)। →३५-१३।

बारहखड़ी (पद्य)—रामरंग कृत। लि० का० सं० १८०६। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→४१-२२८।

बारहखड़ी (पद्य)—विष्णुदास कृत। र० का० सं० १८५१। वि० कृष्ण लीला।
(क) लि० का० सं० १८६६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-१६७।
(ख) प्रा०—पं० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, तिमुहानी, मिरजापुर।→ ०६-३२७।
(ग) प्रा०—पं० कृष्णकुमार, बहादुरगंज, रायबरेली।→२३-४४२।

बारहखडी (पद्य)—अन्य नाम 'भक्तपत्रिका'। व्रजदूलह कृत। लि० का० सं० १६२६। वि० कृष्णभक्ति।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-४०१ ख।

बारहखड़ी (पद्य)—सूरत कृत। लि० का० सं० १६०३। वि० ज्ञानोपदेश और जिनदेव की भक्ति।→पं० २२-१०८।

बारहखड़ी (पद्य)—सूरदास कृत। लि० का० सं० १८३६। वि० प्रहलाद चरित्र।
प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→सं० ०१-४६२।

बारहखड़ी (पद्य)—सूरदास कृत। लि० का० सं० १८८७। वि० कृष्ण सुदामा चरित्र।
प्रा०—पं० प्रभुदयाल, अकबरा, डा० रुनकुता (आगरा)।→३२-२१२ ए।

बारहखड़ी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रामकथा।
प्रा०—पं० बाबूराम मिश्र, घरवार, डा० बलरई (इटावा) →३५-१२४।

बारहखडी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—पं० प्रभुदयाल शर्मा, संपादक 'सनाढ्य जीवन', इटावा।→३५-१२५।

बारहखड़ी→"कवितावली (बनकराजकिशोरीशरण कृत)।
बारहखड़ी→ गोपीकृष्ण की बारहखड़ी (संतदास कृत)।
बारहखड़ी→"सिद्धांतचौंतीसी (बनकराजकिशोरीशरण कृत)।
बारहबाट अठारह पैंडे (पद्य)—मलूकमरसिक कृत। वि राधाकृष्ण का स्नेह।
मा —बाबा संतदास राधारमण का मंदिर वृंदावन (मथुरा)।→१२-१४ बी।
बारहमासा (पद्य)—मँगनेराव (रसाल) कृत। र का सं १८८१। वि विरह वर्णन।
(क) लि का सं १९४८।
प्रा०—कुमार रामेश्वरसिंह जमींदार सीतापुर।→११- ५१।
(ख) लि का सं १९६१।
प्रा०—ठा कमलसिंह, सोमामऊ डा संडीला (हरदोई)।→२६-१०।
बारहमासा (पद्य)—अवधविहारीलाल कृत। र का सं १९१७। वि वियोग वर्णन।
प्रा —श्री अवधबहादुरलाल प्रतापगढ़।→२६- ९ सी।
बारहमासा (पद्य)—लैराबाह कृत। वि शृंगार।
(क) लि का सं १९२१।
प्रा —श्री दलपतिसिंह (पत्नी दलपतिसिंह), प्रेम का पुरा डा लाला की बाजार (प्रतापगढ़)→सं ४-५१ ल।
(ख) लि का सं १९२७।
प्रा —ठा रामनरेशसिंह वारामव का मिसारा, डा भगिवाबुबुर्ग (खीरी)।→२६-११४ ए।
(ग) प्रा —बाबू विश्वेश्वरनाथ शाहजहाँपुर।→१२-९१।
(घ) प्रा०—श्री कृष्णगोपालशर्मा श्री गंग म व प्रेस के चाँदनी चौक दिल्ली।→दि ११-४१।
(ङ) प्रा —श्री शिवरतनराम खत्री मवाबगंज, डा परियावाँ (प्रतापगढ़)। →२६-११४ बी।
(च) प्रा —डा वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी।→सं ७-२८।
बारहमासा (पद्य)—गंगाराम (तिवारी) कृत। वि बारह महीनों का शृंगारिक वर्णन।
प्रा —पं देवीदत्त शुक्ल 'सरस्वती' संपादक, प्रयाग।→४१-८६ ल।
बारहमासा (पद्य)—गोपाल (बनगोपाल) कृत। वि विरह वर्णन।
(क) लि का सं १७९१।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-१६ क।

(ग) प्रा०—श्री दामोदर वैश्य, कटारा, लोहबाजार, गंगागर (मथुरा)।
१२-८३।

वारहमासा (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत। र० का० सं० १८१७। लि० का० सं० १६४०। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर)। →
२६-१६२ एम।

वारहमासा (पद्य)—जवाहिरराय कृत। र० का० सं० १८२७। वि० राधाकृष्ण का विरह।
प्रा०—श्री भगवानदास ब्रह्मभट्ट, बिलग्राम (हरदोई)।→१२-८४ ए।

वारहमासा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि० का० सं० १७७८। वि० शृंगार।
प्रा०—हिंदुस्तानी श्रकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१-१२६ छ।

वारहमासा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। वि० शृंगार।
प्रा०—हिंदुस्तानी श्रकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१-१२६ फ'।

वारहमासा (पद्य)—नंदलाल कृत। लि० का० सं० १६२१। वि० राधाकृष्ण विरह।
प्रा०—ठा० जयरामसिंह, मिरजापुर, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)। →
२३-२६६।

वारहमासा (पद्य)—नत्थन कृत। लि० का० सं० १६२२। वि० विरह शृंगार।
प्रा०—श्रीमती दलपतिसिंह, प्रान का पुरा, डा० लाला की बाजार (प्रतापगढ)।
→सं० ०४-१८०।

वारहमासा (पद्य)—बहाव कृत। विरह वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८४८।
प्रा०—पं० बाबूराम वित्थरिया, सिरसागंज (मैनपुरी)।→२६-४८६ ए।
(ख) लि० का० सं० १६१६।
प्रा०—पं० शिवकंठ तिवारी, बरगदिया (सीतापुर)।→२६-४८६ बी।
(ग) लि० का० सं० १६२७।
प्रा०—लाला दिलसुखराय, महोली (सीतापुर)।→२६-३८६ सी।
(घ) प्रा०—श्री गुरुप्रसाद मिश्र, हिंगनगौरा, डा० कादीपुर (सुलतानपुर)।
→सं० ०४-२३५ क।
(ङ) प्रा०—श्री विश्वभरनाथ पांडेय, पोखरा पांडेय, डा० डुमरियागंज (बस्ती)।
→सं० ०४-२३५ ख।
(च) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१२६।

वारहमासा (पद्य)—बालमुकुंद कृत। र० का० सं० १८४७। लि० का० सं० १६३६। वि० विरह वर्णन।
प्रा०—पं० रामअधार मिश्र, लखीमपुर (खीरी)। →२६-३७।

बारहमासा (पद्य)—भगनदास कृत। लि० का० सं० १६ १। वि० बारह महीनों का वर्णन।
प्रा०—महंत मथुरारामदास, कुटी गैंगदास, पंचपेड़वा (गोंडा)। → सं० ७–११६ क।

बारहमासा (पद्य)—भगवतीदास कृत। वि० गोपियों का विरह वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–१६६।

बारहमासा (पद्य)—महादेव कृत। वि० विरह वर्णन।
(क) लि० का० सं० १६१६।
प्रा०—लाला जगनारायण नगला राजा डा० नौनेरा (एटा)। → २६–२११ सी।
(ख) लि० का० सं० १६५ ।
प्रा०—लाला रामदीन अटरौली (हरदोई)।→२६ २११ बी।

बारहमासा (पद्य)—मुहम्मदशाह कृत। वि० विरह वर्णन।
प्रा०—कुँवर मदनसिंह गोरहार।→ १–२६४ (विवरण अप्राप्त)।

बारहमासा (पद्य)—रामरूप कृत। वि० ईश्वर प्रेम तथा भक्ति।
प्रा०—सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७–१५७।

बारहमासा (पद्य)—रामनाथ (बुलाकी कवि) कृत। र० का० सं० १८७१। लि० का० सं० १८३१। वि० विरह वर्णन।
प्रा०—पं० राममदन पाठक महमूदपुर नबाब डा० हरगाँव (सीतापुर)। → २६–४ १।

बारहमासा (पद्य)—लालनदेनि कृत। वि० शृंगार।
(क) लि० का० सं० १७८६।
प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, गोलबारा सदावर्ती (आजमगढ़)। → ४१–२१६ क।
(ख) लि० का० सं० १८६५।
प्रा०—श्री रामवचन पांडेय चौधरी का लेंगरा (जौनपुर)।→सं० १–११८।
(ग) प्रा०—पं० सरल चौबे पं० राममनोहर चौबे तहत्वार, हल्लिमपेला बलिया।→४१–२१६ क।

बारहमासा (पद्य)—शंकर (कवि) कृत। वि० विरह।
प्रा०—पं० विश्वनाथ कैमहरा डा० लखीमपुर (खीरी)।→२६–४२१।

बारहमासा (पद्य)—सुदर्शन कृत। र० का० सं० १८३१। वि० ज्ञान और भक्ति।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७–१८१।

बारहमासा (पद्य)—सूरदास कृत। लि० का० सं० १६१ । वि० विरह वर्णन।
प्रा०—ठा०—सूरतसिंह विसरा डा० महमूदाबाद (सीतापुर)। → २६–४७१ सी।

बारहमासा (पद्य)—हंसराज कृत। वि० गोपियों का विरह वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→ ४१–२०६ ।

वारहमासा (पद्य)—हरिजन कृत । वि० राधा का विरह वर्णन ।

प्रा०—श्री श्रीनाथ द्विवेदी, वासूपुर, डा० मानधाता (प्रतापगढ) । → स० ०४–४३६ ।

बारहमासा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि शृंगार ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । स० ०१–५८३ ।

वारहमासा→'ज्ञान की बारहमासी' (शिवदत्त रामप्रसाद कृत) ।

वारहमासा→'बारहमासा विरहिनी' (गणेशप्रसाद कृत) ।

वारहमासा→'बारहमासा' (कबीरदास कृत) ।

वारहमासा (हरनाम का) (पद्य)—हरनाम कृत । र० का० स० १६१० । वि० विरह वर्णन ।

(क) लि० का० स० १६१७ ।

प्रा०—प० रामभरोसे मिश्र, बटौली, डा० नेरी (सीतापुर) ।→२६–१६७ ए ।

(ख) प्रा०—ठा० अजयपालसिंह गाजीमऊ, डा० सिधौली (सीतापुर) ।→ २६–१६७ बी ।

वारहमासा द्वादसानुप्रेक्षा→'नेमनाथजी को बारामासो' (विनोदीलाल कृत) ।

वारहमासा निपट नादान (पद्य)—रंगीलाल (द्विज) कृत । वि० अल्पवयस्क बालक का युवती से विवाह होने पर युवती के कष्ट का वर्णन ।

प्रा०—लाला पुरुषोत्तमदास, कालाकाँकर (प्रतापगढ) ।→२६–४०१ ।

वारहमासा लावनी (पद्य)—भोलानाथ कृत । लि० का० स० १६३६ । वि० विरह वर्णन ।

प्रा०—ठा० विश्रामसिंह, रहीमपुर, डा० बारहद्वारी (एटा) ।→२६–४७ आई ।

वारहमासा वर्णन (पद्य)—केशवदास (?) कृत । वि० विरह वर्णन ।

प्रा०—श्री राजाराम, नरहा (सीतापुर) ।→२६–२३३ ए ।

वारहमासा विनय (पद्य)—सर्वसुखशरण कृत । लि० का० स० १६०३ । वि० विरह वर्णन ।

प्रा० सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–१७० ए ।

वारहमासा विरह का (पद्य)—भोलानाथ कृत । लि० का० स० १६३२ । वि० राधिका का विरह वर्णन ।

प्रा—बाबा नारायणाश्रम, कुटी मोहनपुर (एटा) ।→२६–४७ डी ।

वारहमासा विरहिनी (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत । वि० विरह वर्णन ।

(क) लि० का० स० १६२५ ।

प्रा०—श्री कृष्णसहाय, भोंभनी, डा० जलाली (अलीगढ) ।→२६–१०७ ए ।

(ख) मु० का० स० १६५४ ।

बारहमासा विरहिनी→'बारहमासा' (महादेव कृत)।

बारहमासा श्रीकृष्णजी का (पद्य)—भोलानाथ कृत। लि का सं १९११। वि राधिका और गोपियों का विरह वर्णन।
प्रा —पं रामदीन गौड़ सिरहपुरा (एटा)।→२६–४० एफ।

बारहमासी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि बारहमासा में ज्ञानोपदेश।
(क) लि का सं १६५१।
प्रा —श्री पा रत्नसिंह विशेष कार्याधिकारी, हिंदी विभाग लखनऊ। → सं ७–११ ब।
(ख) प्रा —पं शिवदुलारे दूबे, हुसेनगंज फतेहपुर। → ६–१४१ के।
(ग) प्रा —पं रामनारायण मगसा मुकुंद का मकान (मैनपुरी)। → १२–१ १ डी।
(घ) प्रा —लाला बालाप्रसाद श्रीठौत डा सिरसागंज (मैनपुरी)। → →१२–१ १ ई।
(ङ) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ४–१४ म।

बारहमासी (पद्य)—खेमसिंह कृत। र का सं १८७८। वि निर्गुण सगुण ज्ञान वर्णन।
प्रा —बिजावरनरेश का पुस्तकालय बिजावर।→ ६–१ ए।

बारहमासी (पद्य)—चेतसिंह (कुरमी) कृत। लि का सं १६२४। वि विरह वर्णन।
प्रा —पं बाबूराम शर्मा हबिलिया डा करहल (मैनपुरी)।→१२–५९।

बारहमासी (पद्य)—जगनाथ कृत। लि का सं १९१०। वि विराग।
प्रा —लाला भक्तराम बनैसा डा गुलाबरपुर (उन्नाव)।→२९–१९।

बारहमासी (पद्य) देवीसिंह (राजा) कृत। लि का सं १८११। वि विरह वर्णन।
प्रा —श्री रामप्रताप गोतमियों प्रतापगढ़।→ ६–२८ एफ।

बारहमासी (पद्य)—नरहरिदास (बरुरी) कृत। लि का सं १९४२। वि ऋतु और त्योहारों का वर्णन।
प्रा —बिजावरनरेश का पुस्तकालय बिजावर।→ ६–७७।

बारहमासी (पद्य)—पवनकुँवरि कृत। वि गोपीउद्धव संवाद।
प्रा॰—बिजावरनरेश का पुस्तकालय बिजावर।→ ६–८६।

बारहमासी (पद्य)—पृथ्वीसिंह (राजा) उप रसनिधि कृत। वि विरह वर्णन।
प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→ ६–९५ बी।

बारहमासी (पद्य)—मथुरालाल कृत। वि गोपी विरह वर्णन।
प्रा —पं ब्रजकिशोर शास्त्री शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→१२–१११ बी।

बारहमासो (पद्य)—बलभद्रसिंह कृत । र० का० स० १८७८ । लि० का० स० १६११ । वि० राधाकृष्ण के बारह महीना का शृंगारिक वर्णन ।
प्रा०—प० रामभरोसे उपाध्याय, उचेहरा (नागोद) ।→००–५० ।

बारहमासी (पद्य)—अन्य नाम 'वेनीमाधव की बारहमासी' । वेनीमाधव कृत । वि० राधा का विरह वर्णन ।
(क) लि० का० स० १८१० ।
प्रा०—श्री गगादीन मुराऊ, लछिमनपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) । → २६–४७१ श्रो ।
(ख) लि० का० स० १६४१ ।
प्रा०—श्रीमती चौरासीदेवी, धर्मपत्नी स्व० रामशकर पाडेय, फौंढीहार (सुरसुतीपुर), डा० अटरामपुर (इलाहाबाद) ।→स० ०१–४६४ ख ।
(ग) प्रा०—बाबू ब्रजबहादुरलाल, प्रतापगढ ।→२६–४३ ।
(घ) प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→स० ०१–४६४ क ।
टि० खो० वि० २६–४७१ और स० ०१–४६४ क, ख पर भूल से सूरदास को रचयिता मान लिया गया है ।

बारहमासी (पद्य)—बोधा कृत । वि० सयोग वियोग वर्णन ।
प्रा०—मुशी शकरलाल कुलश्रेष्ठ, खैरगढ (मैनपुरी) ।→३२–३१ बी ।

बारहमासो (पद्य)—भोला कृत । लि० का० स० १६३६ । वि० शृगार ।
प्रा०—श्री उमाशकर शुक्ल, मुडेरा शुक्ल, डा० सिरसी (बस्ती) । → स० ०४–२७१ ।

बारहमासी (पद्य)—मगन जी कृत । वि० गोपियों का विरह वर्णन ।
प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–२६६ ।

बारहमासी (पद्य)—रतनदास कृत । वि० साधु रामचरण की महिमा का वर्णन ।
प्रा०—प० भूदेव, छौली, डा० बलदेव (मथुरा) ।→३५–८८ ।

बारहमासी (पद्य)—रसानद कृत । वि० गोपियों का विरह वर्णन ।
प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–३२६ ख ।

बारहमासी (पद्य)—रिसालगिरि कृत । र० का० सं० १७०४ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—प० द्वारिकाप्रसाद पुरोहित, खेड़ाबुजर्ग, डा० बलरई (इटावा) ।→ ३५–८६ ।

बारहमासी (पद्य)—लालदास कृत । वि० गोपियों का विरह ।
(क) लि० का० सं० १६२२ ।
प्रा०—ठीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ । →०६–१६० ए (विवरण अप्राप्त) ।
(ख) प्रा०—लाला महावीरप्रसाद पटवारी, सरैयाखीमा, डा० रामनगर (सुलतानपुर) ।→२३–२३६ डी ।

(ग) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-२१६ ।

बारहमासी (पद्य)—सुंदर कृत । वि विरह वर्णन ।

प्रा —दतिया नरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६-२०१ बी (विवरण अप्राप्त) ।

बारहमासी (पद्य)—सुंदर (कवि) कृत । वि शृंगार वर्णन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली ।→अ १-४५२ ।

टि प्रस्तुत पुस्तक फारसी लिपि में लिखित खड़ी बोली में है ।

बारहमासी (पद्य)—सूरदास (?) कृत । वि कृष्ण जन्म से नाग नाथने तक की लीला ।

प्रा —चौ मंगलसिंह नयानगला डा मदान (मैनपुरी) ।→१२-२१२ बी ।

बारहमासी (पद्य)—हजारीलाल (कायस्थ) कृत । वि रामचंद्र की की लंका विजय ।

प्रा —पं मुन्नीलाल, द्वारा चौधरी जनकसिंह बावमई डा मदान (मैनपुरी) । →१५-४१ ।

बारहमासी (पद्य)—हरिनाम (मिश्र) कृत । लि का सं १६ ८ । वि वियोग वर्णन ।

प्रा —पं रेवतीरमण मिश्र बेरी डा बरारी (मथुरा) ।→१८-५८ बी ।

बारहमासी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि विरह वर्णन ।

प्रा —पं राधाकृष्ण शर्मा भ्मारी मटपुरा डा कमरई (इटावा) ।→१५-१२६ ।

बारहमासी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि गोपी विरह वर्णन ।

प्रा०—पं द्वारिकाप्रसाद मिश्र खेड़ा डा बसरई (इटावा) ।→१५-१२७ ।

बारहमासी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि संक्षिप्त रामकथा ।

प्रा —पं श्यामलाल शर्मा ईचौवा डा इकदिल (इटावा) ।→१५-१२८ ।

बारहमासी कीर्तनसागर (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप तथा अन्य कृष्णभक्त) कृत । लि का सं १८२४ । वि कृष्ण भक्ति ।

प्रा —पं मूरेव शर्मा गंगाजी का मंदिर छाता (मथुरा) ।→१५-१२६ ।

बारहमासी कृष्णजी की (पद्य)—हरदास कृत । लि का सं १६१७ । वि श्रीकृष्ण विरह ।

प्रा —पं देवतादीन मिश्र सुलतानपुर डा बाना (उन्नाव) ।→२५-१६६ बी ।

बारहमासी श्यामह (पद्य)—श्याम कृत । वि विरह वर्णन ।

प्रा -पं मुन्नालाल शुक्ल शाहदरा दिल्ली ।→दि ३१-२ ।

बारहमासी गदर (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि सन् १८५७ के गदर (क्रांति) का वर्णन ।

प्रा —श्री ओंकारनाथ जैन रुनकुता (आगरा) ।→१२-२१८ ।

बारहमासी पूर्वी भरतजी की (पद्य)—प्रभुदयाल कृत । वि राम के वियोग में भरत जी की दशा का वर्णन ।

प्रा —ठा महिपालसिंह करहरा, डा सिरसागंज (मैनपुरी) ।→१२-१६६ ई ।

बारहमासी पूर्वी में (पद्य)—प्रभुदयाल कृत । वि कृष्ण के वियोग में ब्रज बालाओं की करुणावस्था का वर्णन ।

प्रा०—ठा० महिपालसिंह, करहरा, डा० सिरसागज (मैनपुरी) ।→३२–१६६ डी ।

बारहमासी रसखान (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० विरह वर्णन ।

प्रा०– प० नारंगीलाल, मदेसरा, डा० सिरसागज (मैनपुरी) ।→३५–१३० ।

बारहमासी लावनी की (पद्य)—प्रभुदयाल कृत । वि० ब्रज वनिताओं की विरह दशा का वर्णन ।

प्रा० - प० दौलतराम भटेले, कुतकपुर, डा० मदनपुर (मैनपुरी) । → ३२–१६६ सी ।

बारहमासी विरहिनी (पद्य)—देवीप्रसाद (ब्राह्मण) कृत । र० का० स० १६०५ । लि० का० स० १६१२ । वि० श्रीकृष्ण के वियोग मे गोपियों का विरह वर्णन ।

प्रा०—प० रामसनेही मिश्र, मानिकखेड़ा, डा० फिसेरगज (एटा) । → २६–८४ ए ।

बारहराशि को जन्म (गद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० स० १८६० । लि० का० स० १८६१ । वि० आयु पर राशियों का प्रभाव वर्णन ।

प्रा०—श्री उमाशकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई ।→२६–५६ (परि० ३) ।

बाराखडी (पद्य)—मोकमदास कृत । र० का० स० १८३५ । लि० का० स० १८४० । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—हिंदी साहित्य समेलन, प्रयाग ।→स० ०१–३०५ ।

बाराखडी (पद्य)—रमयोज कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–३२१ ।

बाराभावन (बारहभावना) (पद्य)—जगदीश (स्वामी) कृत । वि० जैन धर्मानुसार बारह भावनाओं का वर्णन ।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→स० ०७–५१ ।

बारामासा (पद्य —मनसुख कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०४–२८२ ।

बारामासा या बारामासी→'बारहमासी' (कबीरदास कृत) ।

बारामासी (पद्य)—मडन (मणिमडन) कृत । वि० शृगार ।

प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–२६५ ।

बारामासी (पद्य)—मुरलीदास कृत । वि० शृगार ।

प्रा०—सरस्वती भडार, विद्याविभाग, कॉंकरोली ।→स० ०१–३०२ ।

बाराहपुराण (पद्य)—दुर्गाप्रसाद कृत । र० का० स० १६२७ । वि० वाराह अवतार की कथा ।

(क) लि० का० स० १६२८ ।

प्रा०—प० हरिविष्णु, पुरवा [illegible] , डा० पिहानी (हरदोई) ।→२६–६४ ए ।

(ख) लि० [illegible] १६२६

प्रा —पं रामनाथ शास्त्री रामनगर डा सोरों (एटा)।→२६–६४ बी।

बाराहसंहिता (पद्य)—रसिकराम (रसिकदेव कृत)। वि बाराह संहिता का अनुवाद।
(क) प्रा —महंत भगवानदास ट्रस्टीस्थान वृंदावन (मथुरा)। → १२–१५४ बाद।
(ख) प्रा —श्री श्यामकुमार निगम रायबरेली।→२१–१५७ सी।

बालअलि→'बालकृष्ण (नायक) ('अवतार चेतावनी आदि के रचयिता)।

बालकदास—कदम के शिष्य। संभवतः कोई मुसलमान साधु।
सामुद्रिक (पद्य)→२ –१ ।
सुदामाचरित्र (पद्य)→ ६–१११।

बालकराम—भक्तमाल के अनुसार सुंदरदास जी के शिष्य और स्वा दादूदयाल जी के पौत्र शिष्य। सं १८८ के पूर्व वर्तमान।
कवित्त (पद्य)→पं २२–११ १८–१ सं ०–११२।

बालकराम—सं १८७१ के पूर्व वर्तमान।
भक्तनामगुण चितावनी टीका (पद्य)→२३–१२।

बालकराम (मयनसुख)—सं १८७ के लगभग वर्तमान।
बालचिकित्सा (पद्य)→२६–२६।

बालकराम विनोद नवरस (गद्यपद्य)—हरिप्रसाद कृत। वि नौ रसों का वर्णन।
प्रा०—श्री मथाशंकर याज्ञिक, गोकुल (मथुरा)।→१९–८२।

बालकांड→ रामचरितमानस' (गो तुलसीदास कृत)।

बालकांड की टीका→'भावप्रकाशिनी टीका' (संतसिंह कृत)।

बालकृष्ण—त्रिपाठी ब्राह्मण। पिता का नाम बलभद्र त्रिपाठी। बड़े भाई का नाम काशीनाथ त्रिपाठी।
रसचंद्रिका (पद्य)→ १–१५७।

बालकृष्ण—गोपी मिश्र के पुत्र। बारहा (?) निवासी। राय रनजीत स् के पुत्र भागवानदास के आश्रित। सं १७०५ में वर्तमान।
रामरूपमाल (पद्य)→१२–११।

बालकृष्ण—सं १८ ४ के लगभग वर्तमान।
भागवत (एकादश स्कंध) (पद्य)→१६–२६ दि ११–१ ।

बालकृष्ण—(?)
जानकीराममंगल (पद्य)→सं ०४ ११७।

बालकृष्ण (नायक)—अन्य नाम रामकृष्ण चौबे और मानदास। बुंदेलखंड निवासी। बरदादास और पुरुषोत्तम के शिष्य। पन्ना नरेश अमानसिंह और हृदयशाहि के समय में कालिंजर के किलेदार। अंत में साधु होकर ब्रज में रहने लगे। सं १७९९–९८ के लगभग वर्तमान।
खो सं दि १ (११ –५४)

अवतार चेतावनी (पद्य)→०६–१०० जे।
अष्टक (पद्य)→०६–१०० के।
एकादशी माहात्म्य (पद्य)→२६–२२६।
कृष्णविलास (पद्य)→०६–१०० ए, ०६–१६५ ए।
ग्वालपहेली लीला (पद्य)→०६–६ जी, ०६–१०० एल।
ध्यानमंजरी (पद्य)→०६–६ ए, १७–१६ ए, २३–३३।
नायिकाभेद (पद्य)→०५–७७, ०६–१०० जे।
नेहप्रकाश (पद्य)→००–३५, १७–१६ बी, २०–६, स० ०४–२३८।
परतीतपरीक्षा (पद्य)→०६–६ टी, ०६–२४८, प० २२–६३ ए।
प्रेमपरीक्षा (पद्य)→०५–६ सी, प० २२–६३ बी।
ब्रजनाम की कथा (पद्य)→ ६–१०० आई।
रामकूट विस्तार (पद्य)→०६–१६५ बी।
रासपंचाध्यायी (पद्य)→०६–१०० एफ।
रुक्मिणीमंगल (पद्य)→०६–१०० ई।
रुक्मिणीमंगल (दूसरो) (पद्य)→०६–१०० एच।
विनयपचीसी (पद्य)→०६–१०० बी।
स्फुट कवित्त (पद्य)→०६–१०० डी।
स्फुट पद (पद्य)→०६–१०० सी।

बालकृष्ण (भट्ट)—गोकुल निवासी।
वैद्यमातंग (पद्य)→१२–१९।

बालकृष्ण (वैष्णव)—पूरा नाम बालकृष्णदास। वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी। गो० गिरधरदास के शिष्य। सं० १८८५ के लगभग वर्तमान।
दृष्टिकूट के पद (गद्यपद्य)→००–६, ४१–५७३ (अप्र०) स० ०१–२३७, स० ०१–४६१ घ।

बालगुदाई—अन्य नाम बालनाथ, लक्ष्मण या लक्ष्मणनाथ। पूरा नाम बालगोविंद। गोरखनाथ की शिष्या विमलादेवी द्वारा प्रवर्तित आई पंथ के अनुयायी। गुरु का नाम संभवत अजयपाल। तेरहवीं शताब्दी (?) में वर्तमान। इनके नाम से पंजाब में बालानाथ का टीला प्रसिद्ध है। 'सिद्धों की बाणी' में भी संगृहीत।→४१–१६, ४१–१५८।
सबदी (पद्य)→स० १०–८८।

बालगोपाल चरित्र (पद्य)—रघुनाथ (वंदीजन) कृत। वि० कृष्णचरित्र।
(क) लि० का० सं० १८४१।
प्रा०—मन्नूलाल पुस्तकालय, गया।→२६–३६६ ए।
(ख) प्रा०—श्री कृष्णगोपाल शर्मा, दी यंग फ्रेंड ऐंड क०, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१–६८।

बालगोविंद—(?)

संस्कृत के कुछ पद्य संतों पर टीके (पद्य)→१८–२ ।

बालगोविंद—(?)

भागवत (पद्य)→२६–१५ ।

बालगोविंद→'बालगुदाई' (भाई पंथ के अनुयायी) ।

बालगोविंद (वैष्णव)—गोकुल निवासी । सं १८ १ के पूर्व वर्तमान ।

भगवद्गीता (पद्य)→२६–१५/१ ।

बालचंद—अन्य नाम बालनदास । संभवतः सत्रहवीं शताब्दी के अंत में वर्तमान ।

स्वरोदय (पद्य)→२६–१ ।

बालचरित्र (पद्य)—देवीदास कृत । वि श्रीकृष्णजी का बाल चरित्र ।

प्रा —श्री बलवंतसिंह अध्यापक, विरपला डा सैयाँ (आगरा) ।→२६–८१ ।

बालचरित्र (पद्य)—महाबदास कृत । वि श्रीकृष्ण की बाल लीलाएँ ।

प्रा —हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग ।→सं १–९८ ।

बालचिकित्सा (पद्य)—बालकराम (नयनसुख) कृत । र का सं १८७ । लि का सं १९१४ । वि वैद्यक ।

प्रा॰—लाला रामप्रसाद पटवारी बेहटा, डा संडीला (सीतापुर) ।→२६–२६ ।

बालतंत्र (भाषा)→ स्त्री चिकित्सा (दीपचंद कृत) ।

बालदास—संभवतः सं १८७५ के पूर्व वर्तमान ।

साठिका (पद्य)→१२–१ ।

बालदास (बाबा)—एक सिद्ध महात्मा । त्रिपाठी ब्राह्मण । जन्मस्थान बबनगरा (रायबरेली) । पिता का नाम नंदलाल । जन्म सं १८ ८ में और दीक्षा सं १८२ में । पक्के वैष्णव तथा निर्गुण सगुण दोनों के प्रतिपादक । गुरु का नाम गायभीतहाह । इनके पूर्वज दयालपुर में रहते थे जहाँ से इनके पिता सोमिक-पुर और फिर बबनगरा में बस गए । सं १८४ के भीषण अकाल में इन्होंने एक स्त्री को अपना बच्चा काटकर पकाते और खाते हुए देखा जिससे वे अत्यंत मर्माहत हुए । लोगों के कहने से अकाल का निवारण किया । हरिग्राम के राजा रामदेव द्विवेदी का पक्ष लेकर खीरी लखीमपुर के राजा और नवाबों को युद्ध में परास्त किया । सं १८०८-४४ के लगभग वर्तमान ।

अघोरबाहक (पद्य)→२९–२४ बी ।

चिंताबोध (पद्य)→१७–१४; २६–२१ बी सं ४–२१९ क ख; सं ७–१११ ।

बालपुरान (भागवत) (पद्य)→सं ४–२१९ ग ।

ब्रह्मवाद (पद्य)→२६–११ ए ।

भागवत की अनुक्रमनी (पद्य)→सं ४–२१९ घ ।

मथनगो (?) (पद्य)→२९–२४ ए ।

मारकंडेयपुराण (पद्य)→सं ४–२१९ ट ।

सवार्थपुराण (पद्य)→स० ०४–२३६ च ।

स्वरोदय तथा वेदांत (पद्य)→स० ०४–२३६ ट ।

बालनदास→'बालचंद' ('स्वरोदय' के रचयिता) ।

बालनाथ—'नाथसिद्धों की बानियाँ' (आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी) के अनुसार बालनाथ, बालगुदाई, लक्ष्मण या लक्ष्मणनाथ एक ही हैं। गुरु का नाम अजैपाल ।

सबदी (पद्य)→स० १०–८ ।

बालनाथ→'बालगुदाई' (आई पंथ के अनुयायी) ।

बालपुरान भागवत (पद्य)—बालदास (बाबा) कृत । लि० का० सं० १९५६ । वि० कृष्ण का बालचरित्र वर्णन ।

प्रा०—श्री बालाप्रसाद, जैनगरा, डा० राजाफत्तेहपुर (रायबरेली) । → स० ०४–२३६ ग ।

बालबजरंगी चरित्र (पद्य) रचयिता अज्ञात । वि० हनुमान जी की उत्पत्ति का वर्णन ।

प्रा०—पं० लल्लूप्रसाद महेरे, बाउथ, डा० जसवंतनगर (इटावा) ।→३८–१६७ ।

बालबोध (पद्य)—जानकीदास कृत । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—भैया हनुमतप्रसादसिंह, अठदमा रियासत (बस्ती) ।→स० ०४–१२५ घ ।

बालबोधनी (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री बलभद्र मिश्र, सिरजम, डा० गौरीबाजार (गोरखपुर) । → स० ०१–५४४ ।

बालबोधनी→'विनयपत्रिका तिलकम' (गंगाप्रसाद व्यास कृत) ।

बालमीकि रामायण बालकांड की सुखबोधनी टीका (गद्य)—वैद्यनाथ (त्रिपाठी) कृत । र० का० सं० १९४३ । लि० का० सं० १९२४ । वि० बालमीकि रामायण का अनुवाद ।

प्रा०—पं० रामकुमार त्रिपाठी, मास्टर कन्हैयालाल रोड, ऐशबाग, लखनऊ । →स० ०९–१८२ ।

बालमुकुंद—ठाकुरद्वारा (मुरादाबाद) निवासी । संभवत सं० १८४७ के लगभग वर्तमान ।

बारहमासा (पद्य → ६–३७ ।

बालमुकुंद—ब्राह्मण । बगनेर निवासी ।

निघंट (भाषा) (पद्य)→२६–२८ ।

बालमुकुंद—शालिग्राम के पुत्र और अलिरसिकगोविंद के भाई । जयपुर निवासी । इन्हीं के पुत्र नारायण के लिये गोविंद ने 'गोविंदानंदघन' की रचना की थी । सं० १८५७ के लगभग वतमान ।→०६–१२२, १२–६५ ।

बालमुकुंद लीला (पद्य)—भ भ्म(कवि) कृत । वि० भागवत (दशमस्कंध पूर्वार्द्ध) का अनुवाद ।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ १–१२ ।

बाललीला (पद्य)—परमानंददास (स्वामी) कृत । वि श्रीकृष्ण की बाललीला ।

प्रा०—पं चंद्रशेखर त्रिपाठी बाह (आगरा) ।→२६–६५ डी ।

बालविनोद (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । र का सं १८ ६ । वि कृष्ण की बाललीला ।

प्रा —बाबू राधाकृष्णदास चौखंबा वाराणसी ।→ १–१२८ ।

बालविवेक (पद्य)—जनार्दन (भट्ट) कृत । वि वि ज्योतिष ।

प्रा —लाला विद्याधर हीरीपुरा रतिया ।→ ६–२६७ ए (विवरण अप्राप्त) ।

बालसनेहीदास—ब्रज निवासी कोई गोसाईं ।

वसंतमान लीला (पद्य)→१२–११ ।

बाल्मीकि रामायण(पद्य) – कृपानिधि कृत । वि नाम से स्पष्ट ।

बालकांड

(क) लि का सं १८३६ ।

प्रा —श्री पब्लिक लाइब्रेरी भरतपुर ।→१७–२३ बी ।

युद्धकांड

(ख) लि का सं १८२ ।

प्रा०—हिंदी साहित्य समिति भरतपुर ।→१७–२३ सी ।

लंकाकांड

(ग) प्रा —पं मदनलाल गली कसेरान रामदास मंडी मथुरा । → १८–१४६ ।

उत्तरकांड

(घ) लि का सं १८२८ ।

प्रा —श्री पब्लिक लाइब्रेरी भरतपुर ।→१७ २३ डी ।

बाल्मीकि रामायण (पद्य)— केसरीसिंह कृत । र का सं १९२७ । लि का सं १९८८ । वि रामचरित्र ।

प्रा —श्री रामकृष्णदास कलाभवन काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी । → सं १ –१८ ।

बाल्मीकि रामायण (भाषा) (पद्य)—विष्णुदास कृत । लि का सं १८ ७ से पूर्व । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद ।→४१–२५४ ।

बाल्मीकि रामायण (श्लोकार्थ प्रकाश) (पद्य)—गणेश (कवि) कृत । वि संपूर्ण बालकांड तथा सुंदरकांड के पाँच अध्यायों का अनुवाद ।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ १–२४ ।

बावनअक्षरी (पद्य)—जीवेदास कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—पं देवीदत्त पांडेय चारियाबाग डालीगंज लखनऊ ।→सं ७–१७८ ।

बावनअक्षरी छै ढाल (पद्य)—अन्य नाम 'सबोध पचाशिका'। द्यानतराय कृत। र० का० स० १७६८। वि० उपदेश।
प्रा०—श्री जैन मदिर (नया), सिरसागज (मैनपुरी)।→३२-५८ सी।

बावनचाल रूपदीप पिंगल (पद्य)—रूपदीप (कटारियो) कृत। र० का० स० १७७२। लि० का० स० १९१७। वि० पिंगल।
प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१-७२।

बावनवृहद्पुराण की भाषा (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० व्रज की गोपियों का माहात्म्य।
(क) प्रा०—बाबू हरिश्चद्र का पुस्तकालय, चौखम्भा, वाराणसी।→००-१४।
(ख) प्रा०—प० चुन्नीलाल वैद्य, दडपाणि की गली, वाराणसी। → ०६-७३ एच।

बावन सवैया (पद्य)—बनारसीदास कृत। र० का० स० १६८६। वि० जैन धर्म विषयक उपदेश।
प्रा०—प० कालिकाप्रसाद, रुस्तमपुर, राजेपुर (उन्नाव)।→२६-३६ ए।

बावनीजोग (ग्रथ) (पद्य)—सेवादास कृत। लि० का० स० १८५५। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२६६ ठ।

बावनी रमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० स० १८३८। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्व विद्यालय, वाराणसी।→३५-४६ एफ।

बावनीलीला (पद्य)—परसुराम कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—लाला रामगोपाल अग्रवाल, मोतीराम धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा)। →३५-७४ एल।

बावरी साहबा—निर्गुणपथी मुसलमान महिला। सत्यनामी पथ की प्रवतिका। दयानद जी की शिष्या। सत्यनामी पथ के विशेष प्रचारक बुल्लासाहब के शिष्य जगजीवनदास इन्हीं की शिष्य परपरा में थे। सभवत. मुगल सम्राट् अकबर के पूर्व वर्तमान।→४१-१७४।
बावरी साहबा के शब्द (पद्य)→४१-१५६।

बावरी साहबा के शब्द (पद्य)—बावरी साहबा कृत। लि० का० स० १८६७। वि० ज्ञान।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-१५६।

बावेनानकदोयाँ बैंतालीस→'सिहरफी' (गुरु नानक कृत)।

बाहुप्रकाशिका (गद्यपद्य)—जुगलदास कृत। र० का० स० १९०८। लि० का० सं० १९०८। वि० तुलसी कृत [illegible] बाहुक की टीका।

प्रा —राजा भगवानबक्शसिंह जी अमेठी (सीतापुर) ।→११-१६६ ।

बाहुक या बाहुक विनय→ हनुमानबाहुक' (गो तुलसीदास कृत) ।

बाहुकस्तोत्र→ हनुमानबाहुक (गो तुलसीदास कृत) ।

बाहुविलास (पद्य)—रामसिंह (महाराणा) कृत । वि श्रीकृष्ण और जरासिंध के युद्ध का वर्णन ।

(क) लि का सं १७९१ ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→ १-७४ ।

(ख) लि का सं १८२७ ।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरौली ।→सं १-१११ ।

बाहुसर्वांग (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । लि का सं १८८२ । वि हनुमान जी की स्तुति ।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ १-११ ।

बिंद्रावन (वृंदावन)—गुरु का नाम उदासदास ।

नीतिनिधि (पद्य)→सं ७-११४ ।

बिरहुली (पद्य)—कबीरदास कृत । लि का सं १९६२ । वि ज्ञानोपदेश ।

प्रा —श्री लक्ष्मीप्रसाद दुकानदार अगरमाला डा बैंद (मथुरा) । → ११-४६ बी ।

बिसनदास (जन)—(?)

सांझवंत (पद्य)→१८-१६१ ।

बिसराम—सं १९ के लगभग वर्तमान ।

मानलीला (पद्य)→२६-४६ ए, बी ।

संगीत लीलामकर्न (पद्य)→२६-४६ सी ।

बिसातिन लीला (पद्य)—प्रेमदास कृत । वि श्रीकृष्ण का बिसातिन के रूप में राधा के पास जाना ।

(क) लि का सं १८८७ ।

प्रा —ठा श्यामसनोहरसिंह मुबारकपुर डा मगराहर (उन्नाव) । → २६-१६५ ए ।

(ख) लि का सं १९२४ ।

प्रा —लाला मकराम पनेला डा गुलबारपुर (उन्नाव) ।→२६-१५५ बी ।

(ग) प्रा —पं रघुनाथराम शर्मा गायघाट वाराणसी ।→४१-२२६ बी ।

बिसातिन लीला (पद्य)—ब्रजदास कृत । वि श्रीकृष्ण का बिसातिन लीला का वर्णन ।

(क) लि का सं १८११ ।

प्रा०—ठा० हरिसिंह रघुवशी, रामगढ, डा० दतौली (अलीगढ)। →
२६–३१६ जे।

(ख) लि० का० स० १८८४।
प्रा०—श्री दूधनाथ चौबे, पीथापुर, डा० अमरगढ (प्रतापगढ)। →
स० ०४–४२० ख।

(ग) लि० का० स० १६३२।
प्रा०—लाला रामनारायण, नसीरपुर, डा० लखीमपुर (खीरी)। →
२६–४७१ बी।

(घ) प्रा०—श्री गणेशीलाल, ग्राम तथा डा० जैतपुर कलाँ (आगरा) ।→
२६–३१६ के।

बिहारिनदास—ब्राह्मण। वृदावन निवासी। स्वामी हरिदास के अनुयायी। विट्ठल-विपुल (विट्ठलनाथ गोसाँई) के शिष्य। दिल्ली के शाही दीवान। अनतर विरक्त हो गये थे। अपने गुरु के बाद ये ही गद्दी के अधिकारी हुए थे। सरसदास और नागरीदास के गुरु। स० १६३० के लगभग वर्तमान। →
०५–३१, ०६–२२६, २३–२६१।

बिहारिनदास की बानी (पद्य)→०५–६१, १२–२७, २६–५२, ३८–१६।
समयप्रबध (पद्य)→०६–३१, २३–६४।

बिहारिनदास की बानी (पद्य)—बिहारिनदास कृत। र० का० स० १६३०। वि० शृगार आदि।

(क) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, छतरपुर।→०५–६१।
(ख) प्रा० - गोरेलाल की कुज, वृदावन (मथुरा)।→१२–२७।
(ग) प्रा०—श्री अद्वैतचरण जी, घेरा राधारमण, वृदावन (मथुरा)। →
६–५२।
(घ) प्रा०—मदिर श्री ठाकुर रसिक बिहारी जी, वृदावन (मथुरा)।→३८–१६।

बिहारिनदेव→'बिहारिनदास' (वृदावन निवासी)।

बिहारी—जन्मकाल सं० १७६६। स० १८२० के लगभग वर्तमान।
नखशिख रामचद्रजू को (पद्य)→०६–३०, १२–२५।

बिहारी→'बिहारीलाल' (सुप्रसिद्ध रीतिकालीन कवि)।

बिहारीदास—जैन। आगरा निवासी। स० १७५८ के लगभग वर्तमान।
सबोधिपचाशिका (भाषा) (पद्य)→००–११६।

बिहारीदास—इन्होंने बिहारी के दोहों पर कवित्तों की रचना की थी।
राधाकृष्ण कीर्ति (गद्यपद्य)→१७–२८।

बिहारीदास (?)—सभवत जैन।
कृष्ण व्रजलीला (पद्य)→३२–२८।

बिहारीदास—'कमाल दिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → २ ५७ (पच्चीस)।

बिहारीरमणेश (रमणबिहारी)—कनकभवन (अयोध्या) के महंत रसिकेश के शिष्य। रामामय माहात्म्य (पद्य)→र्स १–२४ ।

बिहारीलाल– हिंदी के सुप्रसिद्ध कवि। माथुर चौबे। ग्वालियर के पास बसुआ गोविंद पुर में लगभग सं १६६ में जन्म। जयपुर नरेश जयसिंह मिर्जा के आश्रित। कृष्ण कवि के गुरु।→ १–५२ २१–२११ दि ११–५१।
बिहारी सतसई (पद्य)→ ०–११५ १–२७ २ ८ १ –२ ए, बी पं २२–१४ २१–५२ ए से बी तक २६–६८ ए से ई तक २६–५३ ए, सी दि ११ ११ ४१–५२६ क ख (अप्र)।

बिहारीलाल—सनाढ्य ब्राह्मण। बाह (आगरा) के निवासी। सं १६ २ के पूर्व वर्तमान।
रसप्रक्रिया (पद्य)→२६–५४।

बिहारीलाल—बुंदेलखंड निवासी। सं १८१५ के लगभग वर्तमान।
हरदौलचरित्र (पद्य)→ ५–११।

बिहारीलाल—सं १८६१ के पूर्व वर्तमान।
धर्मेंद्रमोक्ष कथा (पद्य)→१२–२६।

बिहारीलाल (अग्रवाल)—कोसीकलाँ (मथुरा) निवासी। गुरु का नाम हरबारीलाल। किसी दरबारी सुकवि से पिंगल की शिक्षा पाई थी। सं १६२१ में वर्तमान।
गंगाष्टक (पद्य)→१२–१ बी।
छंदप्रकाश (पद्य)→१८–१५।
दोषनिवारण (पद्य)→११ १ ए।
नामप्रकाश (पद्य)→१५–१५।

बिहारीलाल (याज्ञिक)—गुर्जर ब्राह्मण। सं १६२६ के लगभग वर्तमान।
मरियम (भाषा) (गद्यपद्य)→२१–५३।

बिहारीवल्लभ—भगवतरसिक के शिष्य। पहले ग्वालियर और बाद में ब्रज के निवासी। सं १६१२ के लगभग वर्तमान।→ ०–१२ १२–२ ।
बिहारीवल्लभ की बानी (पद्य)→१२–२६।
भगवतरसिक की प्रशंसा (पद्य)→ ६–११६।

बिहारीवल्लभ की बानी (पद्य)—बिहारीवल्लभ कृत। वि ईश्वर और भक्त माहात्म्य तथा भगवतचरित्र वर्णन।
प्रा०—महंत भगवानदास ग्वालस्थान वृंदावन (मथुरा)।→१२–२६।
खो सं वि ४ (११ –५४)

बिहारी सतसई (पद्य)—बिहारीलाल [illegible] । र० का० सं० १७[illegible] । [illegible] शृंगार रस, नायिकाभेद और नीति [illegible] आदि [illegible] सात सौ दोहों का संग्रह ।

(क) लि० का० सं० १७[illegible] (?) ।

प्रा०—पं० ललिताप्रसाद दीक्षित, [illegible] ([illegible]) ।→ ६-१२ बी ।

(ख) लि० का० सं० १७[illegible] ।

प्रा०—पं० महावीरप्रसाद दीक्षित, [illegible] ।→[illegible] ।

(ग) लि० का० सं० १७[illegible] ।

प्रा०—बाबू कृष्णबलदेव वर्मा, [illegible] ।→[illegible] ।

(घ) लि० का० सं० १७८० ।

प्रा०—पं० शशिशेखर शुक्ल, शिवलालराम [illegible] का पुरवा, डा० गौरीगंज (सुलतानपुर) ।→२३-१२ ए ।

(ङ) लि० का० सं० १७८[illegible] ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-१२६ क (अप्र०) ।

(च) लि० का० सं० १७८६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-१२[illegible] ख (अप्र०) ।

(छ) लि० का० सं० १८१४ ।

प्रा०—पं० श्यामबिहारी पांडे, चौक बाजार, बहराइच ।→२३-६२ बी ।

(ज) लि० का० सं० १८२८ ।

प्रा०—आनंद भवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६-६८ ए ।

(झ) लि० का० सं० १८४० ।

प्रा०—मुंशी ब्रजमोहनलाल साहब, टेकवाँ (प्रतापगढ़) ।→२६-६८ बी ।

(ञ) लि० का० सं० १८६२ ।

प्रा०—बाबू ब्रजरत्नदास, बुलानाला, वाराणसी ।→१०-२० बी ।

(ट) लि० का० सं० १८८० ।

प्रा०—भैया सतबक्ससिंह, गुठवा (बहराइच) ।→२३-६२ सी ।

(ठ) लि० का० सं० १८६८ ।

प्रा०—पं० शीतलाप्रसाद दीक्षित, सीकरी, डा० तंबोर (सीतापुर) । → २६-६८ सी ।

(ड) लि० का० सं० १६०० ।

प्रा०—पं० कृष्णबिहारी मिश्र, मिर्जालेन, ३१८, लाटूश रोड, लखनऊ । → २३-६२ डी ।

(ढ) लि० का० सं० १६०८ ।

प्रा०—पं० कृष्णबिहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ ।→२६-६८ डी ।

(ण) लि० का० सं० १६४१ ।

प्रा०—बाबू पद्मनाभसिंह तलेसपुर (बहराइच)।→२१-१२ ई-ई

(ठ) प्रा०—श्री जैन वैद्य, जयपुर।→ -११५।

(ड) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ १-८।

(सं० १८ १ की एक प्रति इस पुस्तकालय में और है)।

(ढ) प्रा०—लाला महावीरप्रसाद पटवारी सराय खीमा डा० रामनगर (सुलतानपुर)।→२१-१२ एफ।

(ण) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२१-१२ जी।

(त) प्रा०—पं० भगवतचंद्र मिश्र रसिकन टोला, डा० मलीहाबाद (लखनऊ)।→२६-१८ इ।

(थ) प्रा०—पं० कैलाशपति सेंगुरिया किरौली, डा० बाह (आगरा)।→२६-५१ ए।

(द) प्रा०—पं० मदार शुक्ल शाहदरा दिल्ली।→दि० ३१-११।

(ध)→पं० २२-१४।

बिहारी सतसई (पद्य)—राम (कवि) कृत। लि० का० सं० १८८२। वि० बिहारी के दोहों का विषयानुसार वर्गीकरण।

प्रा०—पं० मोहनवल्लभ पंत किशोरीरमण कालेज मथुरा।→३८-११९।

बिहारी सतसई (पद्य) अन्य नाम रसचंद्रिका। हरजू (सुकवि) कृत। वि० नायिका भेद के अनुसार बिहारी सतसई का संपादन।

(क) लि० का० सं० १८३१।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-३१२।

(ख) लि० का० सं० १९४३।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० १-८०७।

बिहारी सतसई (गोवर्द्धन सतसया को सार (पद्य)—काम और प्यार कृत। लि० का० सं० १०-७। वि० बिहारी सतसई का अकारादि क्रम से संपादन।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० १-३६।

बिहारी सतसई की टीका (गद्य)—ब्रजनेश कृत। र० का० सं० १८६८। लि० का० सं० १८६८। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री कन्हैयालाल महाजन डा० असनी (फतेहपुर)।→१-१।

बिहारी सतसई की टीका (पद्य)—राधाकृष्ण (चौबे) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८८५।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान रामलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→१ ६६।

(सं० १८५१ की एक प्रति उपयुक्त पुस्तकाधिकारी के पास और है)।

(ख) लि० का० सं० १८७७।

प्रा०—पं० शंकरप्रसाद अवस्थी गोरखा (सीतापुर)।→२६-१६५।

बिहारी सतसई की टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०४-४७८।

बिहारी सतसई की टीका (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—बाबू जयमंगल राय बी० ए०, एल० टी०, गाजीपुर। → २८-६० (परि० ३)।

बिहारी सतसई की टीका→'अमरचंद्रिका' (सूरति मिश्र कृत)।

बिहारी सतसई की टीका→'सतसैया वरनार्थ (ठाकुर कवि कृत)।

बिहारी सतसई की टीका→'हरिप्रकाश टीका (बिहारी सतसई)' (हरिचरणदास कृत)।

बिहारी सतसई की टीका (संस्कृत में)—आत्माराम कृत। र० का० सं० १८८१। वि० नाम से स्पष्ट।→प० २२-६।

बिहारी सतसई सटीक (पद्य)—कृष्ण (कवि) कृत। र० का० सं० १७७७। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १८२४।
प्रा०—ठा० नारायणसिंह, हुसेनपुर, डा० पैनेपुर (सीतापुर)।→२६-२४८ ए।
(ख) लि० का० सं० १८३७।
प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१-५२।
(ग) लि० का० सं० १८६७।
प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)।→२३-२३-२२२ ए।
(घ) प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६-२४८ बी।
(ङ) प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद शर्मा, फतेहाबाद (आगरा)।→२९-२०५ ए।

बिहारी सतसई सटीक (गद्यपद्य)—मानसिंह कृत। लि० का० सं० १८२३। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—चारण चालकदान जी, खाट (जोधपुर)।→०१-७५।

बीजक (पद्य)—अन्य नाम 'कबीरबीजक' और 'बीजकरमैनी'। कबीरदास कृत। र० का० सं० १७७५ के लगभग। वि० ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १८६४।
प्रा०—टैगोर पुस्तकालय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→स० ०४-२४ ञ।
(ख) लि० का० सं० १८८५।
प्रा०—पं० दाताराम, श्री कबीर जी की शाला, मेवली, डा० जगनेर (आगरा)। →२९-१७८ डी।
(ग) लि० का० सं० १८८५।
प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→स० ०७-११ द।
(घ) लि० का० सं० १८८६।

प्रा —महंत बनादिरदास, नरोत्तमपुर डा लैरीघाट (बहराइच)। → २१-१६८ घाई।

(ङ) लि का सं १६ ७।

प्रा —मुंशी मीनारायण श्रीवास्तव बौलपुर डा फिरोजाबाद (आगरा)।→ २६-२७८ एफ।

(च) लि का सं १६११।

प्रा —बाबा सुदर्शनदास आचार्य, गौंडा।→२ –७४ ए।

(छ) प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)→ ६–१४१ एल।

(ज) प्रा —ठा मौनिहालसिंह, कौंता (उन्नाव)।→२१-११८ जे।

(झ) प्रा —पं वेदनिधि चतुर्वेदी पारना (आगरा)।→२६-१७८ ई।

बीजक (हरिया साहब) (पद्य)—हरिया साहब कृत। वि ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ ६ ५५ बी।

बीजक चिंतामणि (पद्य —कबीरदास कृत। वि सुरति तथा अनहद शब्द की महत्ता।

प्रा०—ठा गुलजुसिंह,कुआकार डा बकरई (इटावा)।→१५-४६ एच।

बीजक रमैनी → बीजक (कबीरदास कृत)।

बीज मंत्र (पद्य)—कबीरदास (बाबा) कृत। र का सं १८३८। वि ज्ञानोपदेश।

प्रा —महंत बनादरदास नरोत्तमपुर डा लैरीघाट (बहराइच)। → २१ १११ बी।

बीजमंत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८७६। वि मंत्र।

प्रा —श्री विंदेश्वरीप्रसाद जायसवाल मढ़ियाहूँ बाजार, जौनपुर। → सं ४-४७६।

बीभैवीयो रा दुहा (पद्य)—साहबो कृत। वि बीभैं और स दरबी का संवाद।

प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१-१ ४।

बीतक (पद्य)—प्राणनाथ कृत। वि धामी पंथ के सिद्धांत।

प्रा श्री महंत की रजनीसी मठ डा सिरसी (बस्ती)।→सं ४–२१८ ग।

बीर→वीर (प्रेमदीपिका के रचयिता)।

बीरबल (राजा)—वास्तविक नाम राजा महेशदास। उप ब्रह्म कवि। अकबरी दरबार के प्रसिद्ध रत्न। इनके प्रहसन और चुटकुले प्रसिद्ध हैं।

कवित्त संग्रह (पद्य)→२१ ६७।

बीरूसाहब—दिल्ली निवासी। मुसलमान। निर्गुण मतानुयायी बावरी साहिबा के शिष्य।

बीरूसाहब के शब्द (पद्य)→४१-१६१।

बीरूसाहब के शब्द (पद्य)—बीरूसाहब कृत। लि का सं १८६७। वि आध्यात्मिक ज्ञानोपदेश।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४ –१६ ।

बीस गिरोहों का बाब (पद्य)—प्राणनाथ कृत। वि० मुसलमानों की धार्मिक पुस्तकों की शिक्षाप्रद कहानियाँ।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६-६० सी।

बीस ग्रंथ टीका (गद्य)—वल्लभाचार्य कृत। वि० वल्लभ संप्रदाय के बीस संस्कृत ग्रंथों की टीका।
प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल, (मथुरा)।→३२-२२८।

बीस बिहरमान पाठ (पद्य)—थानमल (जैन) कृत। र० का० सं० १९३५। लि० का० सं० १९८४। वि० बीस बिरहमन जी की पूजा।
प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-५४।

बीसलदेव (राजा)—अजमेर के चौहान महाराज विग्रहराज चतुर्थ का दूसरा नाम। पृथ्वीराज चौहान के पूर्वज। नरपतिनाल्ह और सोमदेव ('ललितविग्रहराज नाटक' संस्कृत ग्रंथ के रचयिता) के आश्रयदाता। सं० १२१०-१२२० के लगभग वर्तमान।→००-६०।

बीसलदेवरासो (पद्य)—नरपति नाल्ह कृत। र० का० सं० १२१२ (१३५५ ?)। लि० का० सं० १६६६। वि० राजा बीसलदेव का चरित्र।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००-६०।

बीसा जी—कोई वैष्णव भक्त। संभवतः पश्चिमी राजस्थान निवासी।
पद (पद्य)→सं० १०-६०।

बुंदेलवंशावली (पद्य)—शाह जू (पंडित) कृत। र० का० सं० १८८८। वि० बुंदेलखंड के राजाओं की वंशावली।
प्रा०—गो० गोविंददास, दतिया।→०६-१०७ बी।

बुढियालीला (पद्य)—वीरभद्र कृत। वि० कृष्ण का बुढिया बनकर गोपियों को उपदेश देना।
प्रा०—ठा० मोहरसिंह जाट, रार, डा० बरसाना (मथुरा)।→३५-१०५।

बुद्धसिंह (रावराजा)—बूँदी नरेश राजा अनिरुद्धसिंह के पुत्र। सिंहासनारोहण काल सं० १७६४। कृष्ण कवि (कलानिधि) के आश्रयदाता। सं० १७८४ के लगभग वर्तमान।→००-८३, १२-१७६, १७-६३।
स्नेहतरंग (पद्य)→३८-१६।

बुद्धसिंहवंस भास्कर (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६००। वि० वंशावली।
प्रा०—सरदार भूरासिंह पजात्री, बरला (अलीगढ)।→२६-३५४।

बुद्धिदायक (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१-१२६ स।

बुद्धिदीप (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१-१२६ स।

बुद्धिपरीक्षा (पद्य)—जगन्नाथ (जगदीश) कृत । र का सं १८९१ । वि पहेलियाँ ।

प्रा —श्री मगन उपाध्याय मह्ल्ल, मथुरा ।→१७–७८ बी ।

बुद्धिप्रकाश (पद्य)—दुलारराम कृत । र का सं १८   । लि का सं १९२१ । वि पिंगल नायिकाभेद इत्यादि ।

प्रा —पं मथुराप्रसाद मिश्र, रामनगर धमेड़ी (बाराबंकी) ।→२१–१७ ए ।

बुद्धिविलास (पद्य)–मथेशप्रसाद कृत । लि का सं १९२८ । वि देवी देवताओं की स्तुति ।

प्रा —पं गिरजाशंकर मोतीपुर डा भलीगंज (खीरी) ।→२६–१५५ ए ।

बुद्धिविलास (पद्य)—मोहनदास कृत । वि उपदेश और कृष्णभक्ति ।

प्रा —पं भवराम राछ (मथुरा) ।→१८–९९ ।

बुद्धिविलास (पद्य)—रामहरी (चौहरी) कृत । र का सं १८३१ । वि कृष्ण की वंदना तथा उपदेश ।

(क) लि का सं १८३२ ।

प्रा —बाबा वंशीदास गोविंदकुंड वृंदावन (मथुरा) ।→२६–३८१ एफ ।

(ख) लि का सं १९१५ ।

प्रा —बाबा वंशीदास निरमोहीका बगीचा गऊघाट वृंदावन (मथुरा) ।→ ४१–५५४ (अप्र) ।

बुद्धिवृद्धि (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । र का सं १७८८ । लि का सं १९४ । वि अध्यात्म ।

प्रा —महंत गुरुप्रसाददास हरिगाँव डा जगेसरगंज (सुलतानपुर) । → २६ १९२ बी ।

बुद्धिसागर (पद्य)—अन्य नाम 'मधुकरमालती की कथा । जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र का सं १६९१ । लि का सं १७७८ । वि मधुकर और मालती की कथा ।

प्रा —हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद ।→सं १–११९ ग ।

बुद्धिसिंह—अन्य नाम बुधदेवसिंह । कायस्थ । बुंदेलखंड निवासी । सं १८९७ के लगभग वर्तमान ।

रामप्रकाश (पद्य)→ १–१७ ४१ ५१७ (अप्र) ।

बुद्धिसेन→भाषा (राबापुर निवासी) ।

बुध (ब्राह्मण)—काशी निवासी । सं १८१७ के लगभग वर्तमान ।

ज्योतिष विचार (पद्य)→२९–७१ ए, बी सी ।

बुध कथा (?) (पद्य)—गिरधरदास (गोपालचंद) कृत । वि श्रीकृष्ण चरित्र ।

(क) लि का सं १९१४ ।

प्रा०—सेठ जयदयाल ताल्लुकेदार, कटरा, सीतापुर ।→१२-६० बी ।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-४८८ (अप्र०) ।

बुधचातुरी विचार (पद्य)—रतन (कवि) कृत । लि० का० सं० १८५५ । वि० बुद्धि की चतुराई के भेद ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०६-६८ ।

बुधजन—जैन । जयपुर राज्य के निवासी । सं० १८५६-१८६५ के लगभग वर्तमान ।
छैढालो (पद्य)→सं० ०४-२४० ।
देवानुराग सतक (पद्य)→२६-६१ ।
बुधजन सतसई (पद्य)→२६-७४ ।
योगींद्रसार (भाषा) (पद्य)→ ०-१८ ।

बुधजनदास→'बुधजन' ('छैढालो' आदि के रचयिता) ।

बुधजन सतसई (पद्य)—बुधजन कृत । र० का० सं० १८६५ । लि० का० सं० १९०५ ।
वि० भगवान की महिमा और भक्ति ।
प्रा०—लाला प्रभुदयाल, आलमनगर, लखनऊ ।→२६-७४ ।

बुधदेवसिंह→'बुद्धिसिंह' ('सभाप्रकाश' के रचयिता) ।

बुधविलास→'बुद्धिविलास' (रामहरी जौहरी कृत) ।

बुधानंद—'दयालजी का पद' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं । → ०२-६४ (पाँच) ।

बुनिविया साहब (डाक्टर)—किसी समय इटावा जिले के इम्पीरियल अस्पताल के सिविल सर्जन ।
दवाओं की किताब (गद्य)→३२-३५ ।

बुरहान—चिश्ती संप्रदाय के फकीर । सहसराम (बिहार) निवासी । मलिकमुहम्मद जायसी और कुतबन शेख के गुरु । जौनपुर के बादशाह के समकालीन । सं० १५६६ के पूर्व वर्तमान ।→००-४ ००-५८ ।

बुरहानउद्दीन जानम (शाह)—सूफी । सं० १६६५ के पूर्व वर्तमान ।
इरशादनामा (गद्यपद्य)→४ -१६३ ।
कशफुलवजूद अर्थात ब्रह्मनिरूपण (पद्य)→४१-१६२ क ।
मुनफातुलइमान (पद्य)→४१-१६२ ख ।

बुलाकराम—मथुरा निवासी । सं० १८२६ के पूर्व वर्तमान ।
गरुणपुराण (गद्य)→१२-३३ ।

बुलाकीदास—अन्य नाम बूलचंद । जैन मतावलंबी । गोयलगोत्रीय अग्रवाल वैश्य । माता पिता के नाम क्रमश जैनुलदे और नंदलाल । पितामह और पितामही के नाम क्रमश श्रवनदास और आनंदी । प्रपितामह का नाम प्रेमचंद । गुरु का नाम अरुनरतन, जो गढगोपाचल (ग्वालियर) के निवासी थे । मूलस्थान बयानो

नगर (मध्यदेश)। जन्मस्थान आगरा (शाहाबाद)। अनंतर दिल्ली में निवास। बादशाह औरंगजेब के समकालीन। सं० १७५४ के लगभग वर्तमान।
जैनचौबीसी (पद्य)→१२-१४ ए।
पांडवपुराण कथा (पद्य)→१२-१८ सी सं० ४-२११ सं० १०-६१ क।
भावकाचार (पद्य)→२१-७१ सं० १-६१ ख।
श्रीमत्महावीरस्वामिस्तवमुनि (?) (पद्य)→११-१४ बी।

बुलाकीनाथ (बाबा)—गौतम गोत्र के सेंगर ठाकुर। सुल्तानपुर (बलिया) निवासी। सिद्ध महात्मा। जोधसिंह के पुत्र। बुद्धावन परवत के शिष्य। संभवतः सं० १८ ७ में वर्तमान।
गीताज्ञान सागर (पद्य)→४१- ६४ ग।
रामायण (पद्य)→४१-१६४ क ख।

बुलाकीराम→'बुल्ला साहब' (यारी साहब के शिष्य)।

बुल्ला साहब—वास्तविक नाम बुलाकीराम। कुनबी। यारीसाहब के शिष्य। भुरकुड़ा (गाजीपुर) निवासी। जगजीवनदास और गुलाल साहब के गुरु। सं० १८ के पूर्व वर्तमान।
शब्दसार (पद्य)→१ २१।
साखी (पद्य)→४१-१६५।

बूटीसंग्रह वैद्यक (गद्य)—बुलाराम कृत। र० का० सं० १६ । लि० का० सं० १६१४। वि० वैद्यक।
प्रा० —पं० रामनाथ वैद्य दातागाँव डा० खैर (अलीगढ़)।→११-२ ६।

बुद्धारासो (पद्य)—नरपतिंग कृत। र० का० सं० १८१२। लि० का० सं० १६१८। वि० उपदेश।
प्रा० —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० १ १ ७।

बूलचंद→'बुलाकीदास (पांडवपुराण कथा आदि के रचयिता)।

बूलचंद (जैन) - बलपयनगर (?) निवासी। गुरु का नाम समसेन। इनके तीन मित्र थे—ठंबीराम, अबाम और बलसहाय।
भरतमचरित्र (भाषा) (पद्य)→सं० १ ६ ।

बृहज्जातक और रामामृत मरन (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १७७४। वि० फलित ज्योतिष।
प्रा० —श्री दिवाकरराय भट्ट गुलेर (काँगड़ा)।→ १-२।

बृहद्भागवत पुराण की भाषा→'भागवतबृहद्पुराण की भाषा (बुधराम कृत)।

बेहली (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १६६२। वि० कबीर दर्शन।
प्रा०—श्री लक्ष्मीप्रसाद अग्रवाल डा० बैठ (मथुरा)।→१५-४६ बी।

बेगुनदास→'शिवदयाल जी' ('परमात्मा श्री भगवान जी' के रचयिता)।
खो० सं० वि० ५ (११ -६४)

बेधा (?)—पूरा नाम शिवलाल [illegible]। [illegible] प्रसिद्ध कवि थे। सं० १८१८ के लगभग वर्तमान।

कवित्त संग्रह (पद्य)→सं० ०१-२४२।

बेन (वैद्य)→'बेनीप्रसाद (त्रिपाठी)' ('लोलिमराज' के रचयिता)।

बेनी (कवि)—बैंती (रायबरेली) निवासी। [illegible] ([illegible]) के [illegible] कायस्थ और अवध के नवाब के मंत्री राजा टिकैतराय (लखनऊ निवासी) के आश्रित। सं० १८४६-७५ के लगभग वर्तमान।

टिकैतराय प्रकाश (पद्य)→०६-१४, २३-३८ सी, सं० ०१-२४३ [illegible]।

यशलहरी (पद्य)→२३-३८ बी।

रसविलास (पद्य)→१२-१६, २३-३८ ए, सं० ०१-२४२ [illegible]।

बेनी (कवि)—असनी (फतेहपुर) निवासी। [illegible] के आश्रित। सं० १८१७ के लगभग वर्तमान।

कवित्त (पद्य)→०३-८६।

कवित्त संग्रह (पद्य)→२३-३७।

रसमय (ग्रंथ) (पद्य)→०३-१२२, ०४-१२।

शृंगार (पद्य)→०३-६२।

बेनी (कवि)—भिंड (ग्वालियर) निवासी। [illegible] के पुत्र।

शालिहोत्र (पद्य)→०६-१३४।

बेनीप्रवीन—वाजपेयी ब्राह्मण। लखनऊ निवासी। अवध के नवाब गाजीउद्दीन हैदर के समकालीन। लखनऊ के राजा दयाकृष्ण के पुत्र नवलकृष्ण (नवलराय) एवं हित हरिवंश के वंशज वंशीलाल के आश्रित। सं० १८७४ के लगभग वर्तमान।

नवरसतरंग (पद्य)→०६-१६, २०-१३, २३-४०, २६-४५।

बेनीप्रसाद—उप० प्रसाद। महाराज छत्रसाल के पुत्र राजा जगतराज के आश्रित सं० १७६५ के लगभग वर्तमान।

रसशृंगार समुद्र (पद्य)→१७-२१।

बेनीप्रसाद (त्रिपाठी)—उप० बेन वैद्य। सं० १ ६६ म वर्तमान। संभवत: शालिहोत्र के रचयिता बेनी कवि भी यही हैं।→०६-१३५।

लोलिमराज (पद्य)→२६-३१ ए, बी।

बेनीबख्श—राजपूत। जिला सीतापुर के निवासी। सं० १८१६ के लगभग वर्तमान

हरिश्चंद्र कथा (पद्य)→१२-१७, २६-४२।

बेनीमाधव (?

बारहमासी (पद्य)→२३-४३, २६-४७१ ओ, सं० ०१-४६४ क, ख।

बेनीमाधव की बारहमासी→'बारहमासी' (बेनीमाधव कृत)।

बेनीमाधवदास (बाबा)—गो० तुलसीदास के शिष्य। सं० १६८७ के लगभग वर्तमान।

गोसाईंचरित (मूल) (पद्य)→२६-४४।

बेनीराम—जैन। दयाराम के शिष्य। खतरगच्छ निवासी। पीपाड़ (जोधपुर) के जागीरदार राठौर के आश्रित। सं १७७६ के लगभग वर्तमान।

बिनरख (पद्य)→ १-११।

बेहरा→ श्रीकृष्णदेव रुक्मिणी बेलि' (पृथ्वीराज राठौर कृत)।

बैजनाथ—नकश्राबाद (बादशाहपुर के उधर जौनपुर) के निवासी। त्रिपाठी ब्राह्मण। दिनेश के पुत्र। बादशाहपुर के बाबू सीताराम के आश्रित। सं १९१४ के लगभग वर्तमान।

गोपीविरह (पद्य)→२६-२४ ए, सं ४-२४४।

प्रेमविलास (पद्य)→२६-२४ बी।

टि खो रि सं ४ १७१ के बैजनाथ प्रस्तुत रचयिता ही प्रतीत होते हैं।

बैजनाथ—कान्यकुब्ज त्रिपाठी ब्राह्मण। ऐशबाग (लखनऊ) निवासी। पिता का नाम भवानीदत्त। सं १११ के लगभग वर्तमान।

वाल्मीकि रामायण बालकांड की सुलबोधनी टीका (गद्य)→सं ७-१८२।

संस्कृत मलमास की टीका (गद्य)→सं ७-१३५।

बैजनाथ—अन्य नाम बैद्यनाथ। सं १९२१ के लगभग वर्तमान।

शार्ङ्गधर सुधाकर (गद्यप२)→सं ४-२४५ क ख।

बैजनाथ—(?)

नीलकंठ स्तोत्र (पद्य)→सं १-२४१।

बैजनाथ→बैद्यनाथ (श्रीकृष्ण लीला के रचयिता)।

बैजनाथ (कुर्मी)—मानपुर बेहटा (बाराबंकी) के निवासी। सं १९३५ में वर्तमान।

काव्यकल्पद्रुम (गद्य)→१६-२ ।

बैजू—संभवतः ग्वालियर निवासी। सं१ १८८७ के पूर्वमान।

मतिबोधिनी (पद्य)→१२-१ बी।

मनमोहनी (पद्य)→१२-१ ए।

बैजू (कवि)—सं १८७१ के लगभग वर्तमान।

कवित्त समाइ (पद्य)→२१-२५।

बैत सरमद की (पद्य)—सरमद (महम्मद कौशिया) कृत। वि ज्ञानोपदेश।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-२७१ सं १-४४१।

बैतहाफिज साहिब (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि सूफी मतानुसार अध्यात्म।

प्रा —सर्वोपकारक पुस्तकालय सुरीर (मथुरा)।→११-२३५।

बैताल (कवि)—(?)

बैतालपचीसी (पद्य)→१६-२७।

बैतालपचीसी (पद्य)—देवीदत्त कृत। र का सं १८१२। वि संस्कृत ग्रंथ बैतालपचीसी का अनुवाद।

वेधा (?)—गुरु का नाम [illegible] मिश्र। [illegible] गुरु का नाम [illegible] मिश्र, जो हिंदी के प्रसिद्ध कवि थे। सं० १८१८ में लगभग वर्तमान।

कवित्त संग्रह (पद्य)→सं० ०४–२५८।

वेन (वैद्य)→'वेनीप्रसाद (त्रिपाठी)' ('शालिहोत्र' के रचयिता)।

वेनी (कवि)—बंती (रायबरेली) निवासी। [illegible] ([illegible]) के [illegible] कायस्थ और अवध के नवाब के मंत्री राजा टिकैतराय (लखनऊ निवासी) के आश्रित। सं० १८४६–७५ के लगभग वर्तमान।

टिकैतराय प्रकाश (पद्य)→०६–१५, २९–३८ सी, सं० ०४–२४२ ग।

यशलहरी (पद्य)→२३–३८ डी।

रसविलास (पद्य)→१२–१६ २३–३८ ए, सं० ०४–२४३ क।

वेनी (कवि)—असनी (फतेहपुर) निवासी। निहालसिंह के आश्रित। सं० १८१७ के लगभग वर्तमान।

कवित्त (पद्य)→०३ ८६।

कवित्त संग्रह (पद्य)→२९–३७।

रसमय (ग्रंथ) (पद्य)→०३–१२२, ०४–५२।

शृंगार (पद्य)→०३–६२।

वेनी (कवि)—भिंड (ग्वालियर) निवासी। गणेश के पुत्र।

शालिहोत्र (पद्य)→०६–१३५।

वेनीप्रवीन—वाजपेयी ब्राह्मण। लखनऊ निवासी। अवध के नवाब गाजीउद्दीन हैदर के समकालीन। लखनऊ के राजा दयाकृष्ण के पुत्र नवलकृष्ण (नवलराय) एवं हित हरिवंश के वंशज वंशीलाल के आश्रित। सं० १८७५ के लगभग वर्तमान।

नवरसतरंग (पद्य)→०६–१६, २०–१३, २३–४०, २६–४५।

वेनीप्रसाद—उप० प्रसाद। महाराज छत्रसाल के पुत्र राजा जगतराज के आश्रित। सं० १७६५ के लगभग वर्तमान।

रसशृंगार समुद्र (पद्य)→१७–२१।

वेनीप्रसाद (त्रिपाठी)—उप० वेन वैद्य। सं० १ ६६ में वर्तमान। संभवतः शालिहोत्र के रचयिता वेनी कवि भी यही हैं।→०६–१३५।

लोलिमराज (पद्य)→२६–३१ ए, बी।

वेनीबख्श—राजपूत। जिला सीतापुर के निवासी। सं० १८३६ के लगभग वर्तमान।

हरिश्चंद्र कथा (पद्य)→१२–१७, २६–४२।

वेनीमाधव (?

बारहमासी (पद्य)→२०–४३, २६–४७१ ओ, सं० ०१–४६४ क, ख।

वेनीमाधव की बारहमासी→'बारहमासी' (वेनीमाधव कृत)।

वेनीमाधवदास (बाबा)—गो० तुलसीदास के शिष्य। सं० १६८७ के लगभग वर्तमान।

मोसाईंचरित (मूल) (पद्य)→२६–४४।

बेनीराम—जैन। दयाराम के शिष्य। सतरमढ़ निवासी। पीपाड़ (जोधपुर) के जागीरदार राठौर के आश्रित। सं० १७५६ के लगभग वर्तमान।

जिनरस (पद्य)→ १–१ ६।

बेहरा→'श्रीकृष्णदेव रुक्मिणी बलि' (पृथ्वीराज राठौर कृत)।

बैजनाथ—नऊआडीह (बादशाहपुर के उत्तर, जौनपुर) के निवासी। त्रिपाठी ब्राह्मण। त्रिलोक के पुत्र। बादशाहपुर के बाबू सीताराम के आश्रित। सं० १९१४ के लगभग वर्तमान।

गोपीविरह (पद्य)→२६–२४ ए; सं० ४–२४४।

कामविलास (पद्य)→२६–२४ बी।

टि० खो० वि० सं० ४ १०१ के बैजनाथ प्रस्तुत रचयिता ही प्रतीत होते हैं।

बैजनाथ—कान्यकुब्ज त्रिपाठी ब्राह्मण। ऐशबाग (लखनऊ) निवासी। पिता का नाम भवानीदत्त। सं० १११ के लगभग वर्तमान।

बाल्मीकि रामायण बालकांड की सुखबोधनी टीका (गद्य)→सं० ७–१८२।

संस्कृत भक्तमाल की टीका (गद्य)→सं० ७–११५।

बैजनाथ—अपर नाम बैजनाथ। सं० १९२१ के लगभग वर्तमान।

शारंगधर सुधाकर (गद्यपद्य)→सं० ४–२४५ क ख।

बैजनाथ—(?)

नीलकंठ स्तोत्र (पद्य)→सं० १–२४१।

बैजनाथ→बैजनाथ (श्रीकृष्ण मंगल के रचयिता)।

बैजनाथ (कूर्म)—मानपुर डेरवा (बाराबंकी) के निवासी। सं० १९१५ में वर्तमान।

कल्पकल्पद्रुम (गद्य)→२६–२ ।

बैजू—संभवतः ग्वालियर निवासी। सं० १८८७ के पूर्वमान।

मतिबोधिनी (पद्य)→१२–१ बी।

मनमोहनी (पद्य)→१२–१ ए।

बैजू (कवि)—सं० १८७६ के लगभग वर्तमान।

कवित्त समह (पद्य)→१६ ९५।

बैत सरमद को (पद्य)—सरमद (महम्मद कौलिया) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० १–२०१; सं० १–४४१।

बैतहाफिज साहिब (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० सूफी मतानुसार अध्यात्म।

प्रा०—हरीप्रचारक पुस्तकालय भुगीर (मथुरा)।→११–२१५।

बैताल (कवि)—(?)

बैतालपचीसी (पद्य)→११–२०।

बैतालपचीसी (पद्य)—देवीदत्त कृत। र० का० सं० १८१२। वि० संस्कृत ग्रंथ बैतालपचीसी का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १६४६।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, छतरपुर।→०५–२७।

(ख)→पं० २२–२६।

वैतालपचीसी (पद्य)—प्रह्लाद कृत। र० का० सं० १७६१ (?)। वि० संस्कृत ग्रंथ वैताल पचीसी का अनुवाद।→पं० २२–८५।

वैतालपचीसी (पद्य)—वैताल (कवि ?) कृत। लि० का० सं० १७६८। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →२६–२७।

वैतालपचीसी (पद्य)—भवानीशंकर कृत। र० का० सं० १८७१। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८९५।

प्रा०—दरबार पुस्तकालय, रीवाँ।→०१–१३।

(ख) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—श्री अंबिकाप्रसाद, रामापुरा, वाराणसी।→०६–२६ (रचयिता की स्वहस्तलिखित प्रति)।

टि० खो० वि० ०६–२६ में भूल से रचयिता का नाम भवानीसहाय माना गया है।

वैतालपचीसी (पद्य)—मनिकंठमनि कृत। र० का० सं० १७८२। वि० संस्कृत ग्रंथ वैतालपचीसी का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १८४७।

प्रा०—श्री सरजू स्वर्णकार, डेहमा (गाजीपुर)।→सं० ०१–२२३।

(ख) लि० का० सं० १८८१।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–२७३ क।

(ग) लि० का० सं० १८६२।

प्रा०—श्री चंद्रचारुमणि त्रिपाठी, खिरजम, डा० गौरीबाजार (गोरखपुर)।→ सं० ०१–२७३ ख।

(घ) लि० का० सं० १८६४।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)।→२३–२६६।

(ङ) प्रा०—श्री महेश्वरप्रसाद वर्मा, लखनौर, डा० रामपुर (आजमगढ़)। →४१–१४७।

टि० खो० वि० सं० ०१–२२३ में भूल से फकीरसिंह को रचयिता मान लिया गया है।

वैतालपचीसी (पद्य)—मानिक (कवि) कृत। र० का० सं० १५४९। लि० का० सं० १७६३। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० रामनारायण, फांसीअनौं (...)→२०–१०२।

वैतालपचीसी (पद्य)—शंभुनाथ (त्रिपाठी) कृत । र का सं १८१९ । वि नाम से स्पष्ट ।

(क) लि का सं १८२१ ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→२६–४२१ ए ।

(ख) लि का सं १८८५ ।

प्रा —लाला मोहनलाल हलवाई, नवाबगंज वाराणसी ।→२३–३७१ ए ।

(ग) लि का सं १८८९ ।

प्रा०—ठा सर्वतसिंह ग्राम व डा शाहमऊ (रायबरेली) ।→२३–३७१ एफ ।

(घ) लि का सं १९१६ ।

प्रा —मीरडाहनरेश का पुस्तकालय मीरडाह ।→ ६–२३४ बी (विवरण अप्राप्त) ।

(ङ) प्रा०—श्री गोपालवंशसिंह सिविललाइन सुलतानपुर ।→सं १–४ ८ ।

वैतालपचीसी (पद्य)—शिवरतन (मिश्र) कृत । र का सं १८२६ । लि का सं १८२६ । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—लाला शिवदयाल बरखेड़वा डा हरियावाँ (हरदोई) ।→२६–११४ ।

वैतालपचीसी (पद्य)—सूरति (मिश्र) कृत । वि नाम से स्पष्ट ।

(क) लि का सं १८२१ ।

प्रा —श्री गंगादीन गंगापुत्र कबीरपुर, डा मैरी (सीतापुर) ।→२६–४७४ बी ।

(ख) लि का सं १८२० ।

प्रा०—ठा रतनसिंह कपसिंह का खेड़ा डा टीरा (उन्नाव) ।→२६–४७४ सी ।

(ग) लि का सं १९ ।

प्रा —पं लालताप्रसाद अवस्थी बिरहौर (कानपुर) ।→२६–४७४ डी ।

(घ) लि का सं १९१४ ।

प्रा०—श्री रामरत्न दुबे मुबारकपुर डा लहरपुर (सीतापुर) ।→२६–४७४ ई ।

(ङ) प्रा –महाराजकुमार रणंजयसिंह जी युवराज अमेठीराज अमेठी (सुलतानपुर) ।→सं ७–२ ।

वैतालपचीसी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १७८१ । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री मन्नूलाल जी पुस्तकालय मुरारपुर (गया) ।→२६–९ (परि १) ।

वैतालपचीसी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा जयपुर ।→ ८९ ।

वैतालपचीसी (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–४११ ।

वैद्यकसार संग्रहावा (पद्य)—ग्राम कवि (न्यामत खाँ) कृत । र का सं १९१८ । लि का सं १७०० । वि वैद्यक ।

प्रा —हिंदुस्तानी एकाडमी इलाहाबाद ।→अं –१९९ म ।

बैनबत्तीसी (पद्य)—हेमराज कृत। र० का० सं० १८१६। वि० श्रीकृष्ण की वंशी के प्रति गोपियों का द्वेषभाव वर्णन।
प्रा०—श्री मुन्नूलाल शुक्ल, स्थान व डा० पश्चिम सरीरा (इलाहाबाद)।→ सं० ०१–४६५।

बैनबिलास (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावतसिंह) कृत। वि० बाँसुरी के व्याज से कृष्ण प्रेम का वर्णन।→प० २२–६६ बी।

बैराग बारहमासा (पद्य)—जनवेगम कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–११३।

बैरिसाल (रायराया)—रामपुर (गंगा के तट) के राजा। मझौली (गोरखपुर) के राजाओं के वंशज। शिवराज महापात्र के आश्रयदाता।→सं० ०४–३८६।

बैरीसाल—असनी (फतेहपुर) निवासी। सं० १८२५ के लगभग वर्तमान।
भाषाभरण (पद्य)→०६-१३२, ०६-१३, २३–२५ ए, बी, २६–२६।

बैसाख माहात्म्य (गद्य)—वैकुंठमणि (शुक्ल) कृत। लि० का० सं० १७६६। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६–५ ए।

बोधदास—अन्य नाम बोधमल। कायस्थ। सतनामी संप्रदाय के अनुयायी। बरैठा (बाराबंकी) के निवासी। अनंतर कोटवा में बस गए। पर कौटुंबिक झगड़ों के कारण वहाँ से भागकर लखनऊ के कागदीटोला में रहने लगे। कोटवा (बाराबंकी) के रामेश्वर के शिष्य। सं० १८४८ के लगभग वर्तमान।
भक्तिविनोद (पद्य)→२३–६६, २६–७०, सं० ०४–२४६ क, ख, ग।

बोधदास→'बोधीदास' ('झूलना' आदि के रचयिता)।

बोधप्रकाश (पद्य)—गोपाल कृत। र० का० सं० १८३१। लि० का० सं० १८६२। वि० राम नाम की महिमा।
प्रा०—बाबा बिहारीदास, स्यारपुर (बहराइच)।→२३–१३१।

बोधबावनी (पद्य)—रामहरी (जौहरी) कृत। र० का० सं० १८३५। वि० वैष्णवों की प्रेमाभक्ति।
प्रा०—बाबा वंशीदास, गोविंदकुंड, वृंदावन (मथुरा)।→२६–३८३ बी।

बोधमल→'बोधदास' ('भक्तिविनोद' के रचयिता)।

बोधरतन (पद्य)—भगवतदास कृत। वि० वेदांत।
(क) लि० का० सं० १८६२।
प्रा०—पं० बेनीमाधव, हसनपुर (सुलतानपुर)।→२३–४४।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–२४६।

बोधरत्नाकर→'बोधरतन' (भगवानदास कृत)।

बोधलाल—(?)
सोनालोहानाद (पद्य)→सं० ०१–२४३।

बोधबीसा (पद्य)—धरनीदास कृत । वि ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-११४ क ।

बोधविलास (पद्य)—लछाराम कृत । लि का सं १८७१ । वि बोध और ब्रह्म का विवेचन ।

प्रा —पं रघुनाथराम शर्मा गायघाट वाराणसी ।→ ९-२०२ बी ।

बोधा—चंद्रापनी (फिरोजाबाद, आगरा) निवासी । सं १९१६ में वर्तमान ।

पचीसी (पद्य)→१२-११ डी ।

पद्मजाति नायिका नायक मथन (पद्य)→१२-११ ई ।

फूलमाला (पद्य)→१२-११ सी सं ४-२४७ ।

बाग बर्णन (पद्य)→१२ ११ ए ।

बारहमासी (पद्य)→१२-११ बी ।

बोधा—सरयूपारी ब्राह्मण । वास्तविक नाम बुद्धिसेन । राजापुर (बाँदा) निवासी । जन्म सं १८ ४ । र का सं १८३०-६ । बाल्यावस्था से ही पन्ना (बुंदेलखंड) में जाकर रहने लगे थे और वहीं के तत्कालीन महाराज के दरबारी कवि थे । कुछ समय तक फिरोजाबाद के राजा खेतसिंह के भी आश्रय में रहे ।

इश्कनामा (पद्य)→१७-१ २०-११ ।

बोधीदास—कोई संत । सं १९१ के लगभग वर्तमान ।

भूलना (पद्य)→ ९-११ सं १-२४२ ।

भक्तिविवेक (पद्य)→२१-३५ २९-४५ ए, बी सं ४-२४८ ।

योगवाशिष्ठ (पद्य)→२६ ७ दि ३१- ४ ।

बोधैदास—कोई महाराष्ट्रीय संत । संभवतः सुरबाडोन कैसवा कुंडी तिलवाला (बरार) के निवासी ।

विवेकवैराग्य दर्शक (पद्य)→सं ४-२४९ ।

बोलारचरित्र (पद्य)—तुलसीराम (बरनवाल) कृत । र का सं १८६१ । लि का सं १८५१ । वि नागकन्या से उत्पन्न भीमसेन के पुत्र बोलार की कथा ।

प्रा०—श्री रघुनंदनप्रसाद चौबे तिलिया बड़ी डा लहरौंव (गोरखपुर) ।→ सं १-१६ ।

बोलारचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाग कन्या से उत्पन्न भीमसेन के पुत्र बोलार की कथा ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ १७ ।

ब्यालीस बानी (पद्य)—ध्रुवदास कृत । लि का सं १८२७ । वि विविध ।

प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६ १९९ सी (विवरण अप्राप्त) ।

ब्यालीस लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत । लि का सं १८३६ । वि रचनाकार के ४२ ग्रंथों का संग्रह ।

प्रा०—पं० छोटेलाल शर्मा वैद्य, फतेहाबाद (आगरा)।→२६-८८ बी।

ब्याहलो (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण विवाह।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर।→०६-७३ एल।

ब्याहलो (पद्य)—रसिकबिहारिनदास कृत। वि० राधाकृष्ण का विवाह।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२१८ (विवरण अप्राप्त)।

ब्याहविनोद (पद्य)—गणेश कृत। वि० भरतपुरनरेश महाराज बलवतसिंह (ब्रजेंद्र) का ब्याह वर्णन।
प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७-५४।

ब्रज की बाललीला (पद्य)—वीरभगत कृत। लि० का० सं० १८४८। वि० श्रीकृष्ण की ब्रजलीलाओं का वर्णन।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-३६२।

ब्रजगोपालदास—वृंदावन निवासी। रासबिहारीलाल के शिष्य।
फुटकर बानी की भावना बोधिनी टीका (गद्यपद्य)→१२-३१।

ब्रजचरित्र (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि० कृष्ण की ब्रजलीलाओं का वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८८५।
प्रा०—बाबा रामदास, जहाँगीरपुर, डा० फरौली (एटा)।→२६-६५ एल।
(ख) प्रा०—श्री बच्चन गोस्वामी, ताहिरपुर, डा० सिकरारा (जौनपुर)।→ सं० ०४ ६३ क।

ब्रजदीपिका (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। र० का० सं० १८८३। लि० का० सं० १८८३। वि० ब्रज वर्णन।
प्रा०—लाला छोटेलाल, कामदार, समथर।→०६-१६ ई।

ब्रजनाथ—ब्राह्मण। महीपति मिश्र के वंशज। कपिला निवासी। सं० १७३२ के लगभग वर्तमान।
पिंगल (पद्य)→०६-१४२, सं० ०४-३७२।

ब्रजपरिक्रमा (पद्य)—जगतानंद कृत। वि० ब्रज के बन, उपबन कुंड, सरोवर आदि का वर्णन।
(क) प्रा०—पं० नत्थी भट्ट, दस बिस्सा, गोवर्द्धन (मथुरा)।→१७-८० ए।
(ख) प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→सं० ०७-५८।

ब्रजभूषन स्तोत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० महादेव जी की स्तुति।
प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७-१६ (परि० ३)।

ब्रजमहात्म चंद्रिका (पद्य)—दास कृत। लि० का० सं० १८०५। वि० ब्रज माहात्म्य।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-१५५।

ब्रजलीला (पद्य)—आत्माराम कृत। वि० श्रीकृष्ण की ब्रजलीला।

प्रा —श्री गयाप्रसाद पांडेय अध्यापक, मिल्ट्रि स्कूल कुंडा (प्रतापगढ़)। → सं ४-१२ ग।

ब्रजलीला (पद्य)—मुकुंददास कृत। वि श्री कृष्ण की ब्रजलीलाओं का वर्णन।

(क) प्रा —गो गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर। → ६ ७१ बी।

(ख) प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→ ४१-५ ७ ख (भाग)।

(ग) प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग, काँकरौली।→सं १ १७४ ब।

ब्रजलीला (पद्य)—हरिकेश (द्विज) कृत। लि का सं १८७१। वि राजा छत्रसाल और हरवंशादि की प्रशंसा और राधाकृष्ण चरित्र।

प्रा —चरखारीनरेश का पुस्तकालय चरखारी।→ ६-४६ बी।

ब्रजलीला (पद्य)—हरिदास कृत। वि श्रीकृष्ण की ब्रजलीलाओं का वर्णन।

प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-८८२।

ब्रजलीला के पद (पद्य)—परमानंददास कृत। वि ब्रजलीला तथा भक्ति।

प्रा —श्री रामचंद्र सैनी बेलनगंज आगरा।→१२-१६२ ए।

ब्रजवासीदास—वृंदावन निवासी। सं १८२० के लगभग वर्तमान।

प्रभासुदाम लीला (पद्य)→२६-५७ एफ।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)→ ४-८ ६-१४१ २१-६६।

मानचरित्र लीला (पद्य)→२६-५७ बी।

माखनचोरी लीला (पद्य)→२६-५७ ई।

ब्रजविलास (पद्य)→ ६-१६ २ -११ ए, बी २३-० ए, बी २६-७२ ए, बी २६-५७ ए बी सी डी ४१-२११ सं ७-१८१।

ब्रजविलास (पद्य)—ब्रजवासीदास कृत। र का सं १८२७। वि कृष्ण चरित्र।

(क) लि का सं १८२७।

प्रा —बलरामपुर महाराज का पुस्तकालय बलरामपुर (गोंडा)। → १ -२१ बी।

(ख) लि का सं १८७८।

प्रा —पं केदारनाथ पाठक, राजा दरवाजा वाराणसी।→२ -२२ ए।

(ग) लि का सं १८८४।

प्रा०—श्री भवानंद मिश्र बाबूजी का फाटक रामघाट, वाराणसी।→४१-२११।

(घ) लि का सं १८८७।

प्रा०—लाला भगवतप्रसाद रामनापुर डा बिसैया (बहराइच)।→२३-७ ए।

(ङ) लि का सं १८६४।

प्रा०—पं शिवमंगल शिवगंज डा मारहरा (एटा)।→२६-५७ बी।

(च) लि का सं १८६६।

प्रा०—ठा० गयादीनसिंह, जमींदार जोगीपुर, डा० रमहा (प्रतापगढ)। → २६-७२ ए।

(छ) लि० का स० १८६६।

प्रा०—प० श्यामबिहारी, फररा, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)।→२६-७२ बी।

(ज) लि० का० स० १६००।

प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)।→०६-२६।

(झ) लि० का० स० १६१८।

प्रा०—ठा० गुरुप्रसादसिंह, गुटवा (बहराइच)।→२३-७० बी।

(ञ) प्रा०—प० लक्ष्मीनारायण आयुर्वेदाचार्य, सैंगई, डा० फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-५७ ए।

(ट) प्रा०—प० भोजराम शुक्ल, एतमादपुर (आगरा)।→२६-५७ बी।

(ठ प्रा०—प० शिवकंठ तिवारी, पचलोई, डा० माधोगज (हरदोई)। → २६-५७ सी।

(ड) प्रा०—प० कनकराम शुक्ल, सरदहा, डा० पथराबाजार (बस्ती)। → स० ०७-१८३।

व्रजविलास (पद्य)—अन्य नाम 'व्रजविहार'। वीरभद्र कृत। वि० श्रीकृष्ण की व्रज लीलाएँ।

(क) प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। → स० ०१-३६४ क।

(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१-३६४ ख।

व्रजविहार→'व्रजविलास' (वीरभद्र कृत)।

व्रजविहार (द्वितीय सोपान) (पद्य)—ब्रह्मज्ञानेंदु कृत। लि० का० स० १८४४। वि० श्रीकृष्ण का व्रजविहार वर्णन।

प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१-२४४।

व्रजविहार लीला (पद्य)—हरिलाल कृत। लि० का० स० १६०१। वि० श्रीकृष्ण की व्रज लीलाओं का वर्णन।

प्रा०—श्री रामनारायण चौबे, मलौली चौबे, डा० घनघटा (बस्ती)। → स० ०४-४३८।

व्रजसंबंध नाममाला (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावतसिंह) कृत। वि० श्रीकृष्ण के व्रज सबधी नामों की प्रशसा।

प्रा०—बाबा राधाकृष्णदास, चौखवा, वाराणसी।→०१-११८।

व्रजाभार (दीक्षित)→'व्रजाभरण (दीक्षित)' ('वल्लभाख्यान सटीक' के रचयिता)।

व्रजेंद्रविनोद दशमस्कध भाषा उत्तरार्ध (पद्य)—सोमनाथ (शशिनाथ) कृत। लि० का० स० १८३७। वि० भागवत दशमस्कध।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७-१७६ ए।

ब्रह्म→'ब्रह्मानंदु' ('ब्रह्मविलास' के रचयिता)।
ब्रह्म (कवि)→वीरबल (राजा)।
ब्रह्मगुलाल—जैन। आगरा जिलांतर्गत किसी गाँव के निवासी। सं १६७१ के लगभग वर्तमान।
कृपणजगावनिक कथा (पद्य)→१९-१२।
ब्रह्मगुलाल चरित्र (पद्य)—छत्र या छत्र (जैन) कृत। र का सं १६ १। वि ब्रह्म गुलाल का जीवनवृत्त।
प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १०-११।
ब्रह्मअभ्यास योग सासत्र (गद्य)—शंकराचारज कृत। लि का सं १८५६। वि ब्रह्मज्ञान।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७ १८४ ख।
ब्रह्मविलास→'रामगीता (रचयिता प्रज्ञात)।
ब्रह्मजिज्ञासा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि माया और ब्रह्म का विवेचन।
प्रा —पं नंदलाल, बाजना (मथुरा)।→१८-१९९।
ब्रह्मज्ञान (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत। वि वेदांत।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→ ६-८ डी।
ब्रह्मज्ञान (पद्य)—व्यासदास कृत। लि का सं १८११। वि विष्णु अवतार का वर्णन।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६-१४१ ए (विवरण अप्राप्त)।
ब्रह्मज्ञान→'ब्रह्मज्ञान सागर (स्वा चरणदास कृत)।
ब्रह्मज्ञान की गूदरी→ज्ञानगूदरी (कबीरदास कृत)।
ब्रह्मज्ञान सागर (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि वेदांत।
(क) लि का सं १८७२।
प्रा०—श्री कालीप्रसाद द्विवेदी इटौरा डा मानिकपुर (प्रतापगढ़)। → सं ४ ६१ ख।
(ख) लि का सं १८८-।
प्रा —ठा रामसिंह रामपुर डा मगरायर (उन्नाव)।→२६-७८ बी।
(ग) लि का सं १८८८।
प्रा —पं देवतादीन मिश्र सुलतानपुर, डा पाना (उन्नाव)।→२६ ७८ ई।
(घ) लि का सं १८९६।
प्रा —भगत रामदीन काछी रसूलपुर कलाँ डा गुलवारपुर (उन्नाव)। → २६-७८ एफ।
(ङ) लि का सं १९ १।
प्रा —बाबा विष्णुगिरि शिवनगर डा सहावर (एटा)।→१९-१४ एच।
(च) लि का सं १९१५।

प्रा०—लाला दामोदर वैश्य, कठीवाला, लोई बाजार, वृंदावन (मथुरा)। →
१२-३६ सी।
(छ) प्रा०—प० देवकीनन्दन शुक्ल, रामपुर गढौली, डा० संग्रामगढ (प्रतापगढ)।
→२६-७८ जी।
(ज) प्रा०—ठा० जोरावरसिंह, मिढाकुर (आगरा)।→२६-६१ आई।
(झ) प्रा०—प० भगवतीप्रसाद शर्मा, नरतरा, डा० कोटला (आगरा)। →
२६-६५ जे।
(ञ) प्रा०—प० दीनानाथ अध्यापक, चंद्रपुर, ठा० कमतरी (आगरा)। →
२६-६१ के।
(ट) प्रा०—पं० कृष्णगोपाल, यंग ब्रदर्स एँड क०, चाँदनी चौक, दिल्ली। →
दि० ३१-१८ नी।

ब्रह्मज्ञानेंदु—किसी शंकराचार्य के शिष्य।
ब्रह्मविहार (द्वितीय सोपान) (पद्य)→स० ०१-२४४।
ब्रह्मविलास (पद्य)→०६-३७, १७-३१।

ब्रह्मदत्त (उपाध्याय)—काशी नरेश महाराज उदितनारायणसिंह और उनके भाई बाबू
दीपनारायणसिंह के आश्रित। ई० १८६६ के लगभग वर्तमान।
दीपप्रकाश (गद्य)→०३-४६।
विद्वद्विलास (पद्य)→०४-३४।

ब्रह्मदास—सिकंदरा (आगरा) के निवासी।
मंत्र (गद्य)→२६-५६।

ब्रह्मनिरूपण (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० कबीर और धर्मदास के संवादरूप में
ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० स० १८६५।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७-११ ज।
(ख) लि० का० स० १६१८।
प्रा०—महंत जगन्नाथ, मऊ, छतरपुर।→०६-१७७ एम (विवरण अप्राप्त)।

ब्रह्मवानी (पद्य)—प्राणनाथ कृत। वि० ईश्वर प्रेम।
प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६-६० डी।

ब्रह्ममाला और योगसिंधु (?) (पद्य)—चिंतामणि (ऋषिचिंतु) कृत। लि० का०
स० १७७५ से १७८० के बीच। वि० ब्रह्मज्ञानोपदेश।
प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, प्रोविंशियल हाईजीन इंस्टीच्यूट, लखनऊ।→
स० ०४-६५।

ब्रह्मरहस्य (पद्य)—रतनहरि (रत्नहरि) कृत। वि० ब्रह्मज्ञान।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०४-३२०।

ब्रह्मरायमल (जैन)—मूलसंघ और सारदगच्छ के आचार्य रत्नकीर्ति मुनि की शिष्य

परंपरा में मेघचंद्र के शिष्य। ढूँढाहर (जयपुर-राजस्थान) के अंतर्गत साँगानेर तथा रणथंभौर के निवासी। बादशाह अकबर और राजा भगवंतदास के समकालीन। सं० १६१६ ३३ के लगभग वर्तमान।
श्रीपालरासो (पद्य)→ -१३४।
मुदर्शनसी कथा (पद्य)→२३-१८।
हनूमानचरित्र (पद्य)→ -१२१; सं० १०-२१।
ब्रह्मलीला (पद्य)—मोहनदास कृत। लि० का० सं० १७४ । वि० ब्रह्मज्ञान।
प्रा० —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० ७-१५६।
ब्रह्मवाद (पद्य)—बालदास (महात्मा) कृत। वि० वेदांत।
प्रा० —पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी विशारद, मिडिल स्कूल, तिलोई (रायबरेली)। →२१ ३१ ए।
ब्रह्मवाद (पद्य)—यज्ञप्रसाद कृत। वि० वेदांत।
(क) लि० का० सं० १६३४।
प्रा०—पं० कालाप्रसाद बैमगरा का० राजाफत्तेपुर (रायबरेली)। → सं० ४-३१२ क।
(ख) प्रा० —महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली)।→सं० ४-३१२ ख।
ब्रह्मविचार (पद्य)—अन्य नाम शिष्य सवाल। रचयिता अज्ञात। वि० सृष्टि तत्व और ब्रह्मज्ञान।
प्रा० —श्री दयाशंकर द्विवेदी वैद्य कुबड़ा रामपुर डा० शिवरतनगंज (रायबरेली)।→सं० ४-४८ ।
ब्रह्मविलास (पद्य) - ब्रह्मानंद कृत। वि० वेदांत।
(क) प्रा० —पं० बचनेश मिश्र कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→ ६-१७।
(ख) प्रा० —श्री रामगोपाल वैद्य जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७-३१।
ब्रह्मविलास (पद्य)—भगौतीदास (भैया) कृत। र० का० सं० १७५५। वि० ब्रह्मज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १८ ४ (?)।
प्रा० —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली चौक, लखनऊ। →सं० ४-२५३ क।
(ख) लि० का० सं० १८५४।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, द्वारा श्री केशवदेव रंगवाले पुरानी डीग (भरतपुर)।→१९-८ बी।
(ग) लि० का० सं० १८८१।
प्रा० —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं० १०-१४ ग।
(घ) लि० का० सं० १९ २।
प्रा०—श्री जैनमंदिर, रायभा डा० अछनेरा (आगरा)।→१२-२१।

(ङ) लि० का० सं० १६८६ ।
प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नई मंडी, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-६८ ड ।

ब्रह्मविलास (पद्य)—रामभरोसादास (बाबा) कृत । र० का० सं० १६१८-२१ । वि० सांख्ययोग ।
(क) लि० का० सं० १६३५ ।
प्रा०—ठा० रामदेवीसिंह, भीमपुरा, डा० श्रौराईकलाँ (बलिया) । → ४१-२२७ ख ।
(ख) लि० का० सं० १६३६ ।
प्रा०—पं० ब्रह्मदेव शर्मा आचार्य, रतनपुरा कुटी, डा० रतनपुरा (बलिया) ।→ ४१-२२७ क ।

ब्रह्मविवेक (पद्य)—दरिया-साहब कृत । लि० का० सं० १६४६ । वि० अध्यात्म ।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-५५ जी ।

ब्रह्मवैवर्तपुराण (पद्य)—श्रीगोविंद कृत । र० का० सं० १८६७ । लि० का० सं० १६५२ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० भगवानदीन मिश्र, वैद्य बहराइच ।→२३-४०३ ।

ब्रह्मवैवर्तपुराण (कृष्णखंड भाषा) (पद्य)—जयजयराम कृत । र० का० सं० १८६७ । वि० ब्रह्मवैवर्त पुराणांतर्गत कृष्ण खंड का अनुवाद ।
(क) लि० का० सं० १८६७ ।
प्रा०—श्री भारती भवन, फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६-१७३ ।
(ख) प्रा०—अखिल भारतीय हिंदी साहित्य समेलन, इंदौर ।→१७-८७ ।

ब्रह्मस्तुति (पद्य)—ज्ञानीजी कृत । वि० ब्रह्म स्तुति ।
प्रा०—पं० उजागरलाल, लुधियानी, डा० बरेवर (इटावा) ।→३८-७५ ए ।

ब्रह्मस्तुति (पद्य)—हरिदास कृत । र० का० सं० १५२०-१५४० के बीच । वि० ब्रह्म की महिमा ।
प्रा०—महंत गोपालदास, नारनौल, पटियाला राज्य ।→पं० २२-३७ बी ।

ब्रह्मांडलीला (पद्य)—गुरुगोविंद कृत । र० का० सं० १५५६ । वि० सृष्टि वर्णन ।
प्रा०—श्री रामअधार पांडेय, करमपुर, डा० जयनिहार (गाजीपुर) । → सं० ०१-८३ ।

ब्रह्मांडवर्णन (पद्य) -श्यामराम कृत । र० का० सं० १७७१ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-८० ।

ब्रह्मा के चतुर्मुख के नाम (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १७६७ । वि० ब्रह्मा के चार मुखों के नाम और उनसे वेदों की उत्पत्ति का वर्णन ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-२६३ ।
टि० प्रस्तुत हस्तलेख में नरसिंह, सुंदरदास और नानक की रचनाएँ संगृहीत हैं ।

ब्रह्मपिंड (पद्य)—अन्य नाम 'ब्रह्मबत्तीसी'। ब्रह्मपुरी कृत। वि मंत्र तीसा, चौबीसा, गायत्री आदि।

(क) प्रा —मुं मुन्नालाल, मढ़ौली डा हिम्मतपुर (आगरा)।→२९-९।

(ख) प्रा —पं कृष्णगोपाल दी मेन मेंड ऐंड कं चाँदनी चौक, दिल्ली।
→दि ३१-५५।

टि प्रस्तुत हस्तलेख में कुछ पद हितहरिवंश के भी हैं तथा मुहम्मद शाह की भी प्रशंसा की गई है।

ब्रह्मायण ज्ञानमुक्तावली→'विज्ञान मुक्तावली (बनादास कृत)।

ब्रह्मायण तत्त्वनिरूपण (पद्य)—बनादास कृत। वि ज्ञान वैराग्य।

प्रा —महंत भगवानदास भवहरन कुंज, अयोध्या।→२ -११ एच।

ब्रह्मायण सार (पद्य)—बनादास कृत। र का सं १९२१। वि ब्रह्मज्ञान।

(क) प्रा—बाबा मोहनदास पुजारी, भवहरन कुंज अयोध्या। →
२ -११ आई।

(ख) प्रा —श्री भगवतीप्रसादसिंह प्रधानाध्यापक, डी ए वी हाई स्कूल बलरामपुर (गोंडा)।→सं १-२१ ग।

ब्रह्मायण परमात्मबोध (पद्य)—बनादास कृत। वि ज्ञान वैराग्य।

प्रा —श्री मोहनदास पुजारी भवहरन कुंज अयोध्या।→२ -११ के।

ब्रह्मायण पराभक्ति परत्व (परत्व) (पद्य)—बनादास कृत। वि ज्ञान वैराग्य।

प्रा —महंत भगवानदास, भवहरन कुंज, अयोध्या।→२ -११ जे।

ब्रह्मायण विज्ञान छत्तीसा (पद्य)—बनादास कृत। वि ज्ञान वैराग्य।

प्रा —महंत भगवानदास, भवहरन कुंज अयोध्या।→२ -११ एल।

ब्रह्मायण शांति सुषुप्ति (पद्य)—बनादास कृत। वि ज्ञान वैराग्य।

प्रा—महंत भगवानदास भवहरन कुंज अयोध्या।→२ -११ एम।

ब्रह्मावर्त माहात्म्य (पद्य)—अन्य नाम उत्पलारण्य माहात्म्य। शिवदत्त रामप्रसाद कृत। र का सं १९२१। वि ब्रह्मावर्त तीर्थ माहात्म्य।

(क) लि का सं १९२८।

प्रा—श्री देवीप्रसाद शास्त्री लकड़िया डा महोली (सीतापुर)। →
२९-४४१ ए।

(ख) लि का सं १९३१।

प्रा —ठा शिवरतनसिंह, मीनगर डा लखीमपुर (खीरी)।→२९-४४१ बी।

(ग) लि का सं १९४।

प्रा—पं मथीलाल तिवारी गंगापुर मिमिसख (सीतापुर)।→२९-४४१ सी।

ब्रह्मोत्तरखंड (भाषा) (पद्य)—दीनानाथ कृत। लि का सं १८८४। वि ब्रह्मोत्तर खंड' का अनुवाद।

प्रा०—राजा अवधेशसिंह रईस, तालुकेदार, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)। → २६-१०७।

ब्रह्मोत्सव आनद निधि (पद्य)—श्रीनिवास कृत। वि० वर्ष भर के ब्रह्मोत्सवों का वर्णन।

प्रा०—प० बालकराम विनायक, स्वर्गद्वार, अयोध्या।→२०-१८४।

ब्रह्मोपासना (पद्य)—केवलकृष्ण शर्मा (कृष्ण कवि) कृत। वि० उपासना विधि।

प्रा०—प० भगदेव शर्मा, कुरावली (मैनपुरी)।→६८-८४ एग।

भँड़ुवा (पद्य)—शिव कृत। वि० चुटकुले, भड़ौवे आदि।

प्रा० —प० कन्हैयालाल प० महावीरप्रसाद चतुर्वेदी, फतेहपुर।→२०-१८०।

भँवरगीत (पद्य)—प्रागन (प्रागनि) कृत। वि० गोपी उद्धव सवाद।

(क) लि० का० स० १८६५।

प्रा०—आनदभवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-३४७ ए।

(ख) लि० का० स० १८८६।

प्रा०—प० शिवदानीलाल मिश्र, मुहम्मदपुर खाला (बाराबकी)। → २३-३१६ ए।

(ग) लि० का० स० १८६३।

प्रा०—ठा० शिवप्रसादसिंह, कटैला, डा० फखरपुर (बहराइच)। → २३-३१२ डी।

(घ) लि० का० स० १६०१।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)।→२३-३१६ बी।

(ङ) लि० का० स० १६ ६।

प्रा०—ठा० गुरुप्रसादसिंह बिसेन, गुठवाँ (बहराइच)।→२३-३१६ सी।

(च) लि० का० स० १६२१।

प्रा०—श्री दुर्गाप्रसाद कुर्मी, सेहरी, डा० इटवा (बस्ती)।→स० ०४-२१७ क।

(छ) लि० का० स० १६४६।

प्रा०—प० केदारनाथ, उत्तरपाड़ा, रायबरेली।→२३-३१६ ई।

(ज) प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण मिश्र, पुरा कोलाहल, डा० माधोगज (प्रतापगढ)।→२६-३४७ बी।

(झ) प्रा०—नगरपालिका सग्रहालय, इलाहाबाद। →४१-५१७ क, ख (अप्र०)।

(ञ) प्रा०—प० जमुनाप्रसाद, सुनखरी, डा० हरिहरपुर (बस्ती)। → स० ०४-२१७ ख।

(ट) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०४-२१७ ग।

(ठ) प्रा०—श्री सद्गुरुप्रसाद श्रीवास्तव, किला, रायबरेली। → स० ०४-२१७ घ।

भँवरगीत (पद्य)—रसिकराय कृत। वि गोपी उद्धव संवाद।
(क) प्रा जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २-१८।
(ख) प्रा —प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़। → ६-२१२ बी (विवरण अप्राप्त)।

भँवरगीत (पद्य)—संतदास (संतरसिक) कृत। लि का सं १९२२। वि गोपी उद्धव संवाद।
प्रा —श्री नृसिंहनारायण शुक्ल मीरबहाँपुर डा सिंगारा (इलाहाबाद)। → सं १-४१५।

भँवरगीत (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र का सं १८ ४। वि गोपी उद्धव संवाद।
प्रा —गो छोहनकिशोर मोहनबाग वृंदावन (मथुरा)।→११- ६१ आई।

भँवरगीत→'भ्रमरगीत (नंद और मुकुंद कृत)।

भँवरगीत→'भ्रमरगीत (सूरदास कृत)।

भँवरगीता (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। लि का सं १९१९। वि भक्ति।
प्रा०—पं गयाप्रसाद नैपालपुरा (सीतापुर)।→२३-४११ डी।

भँवरगुंजार (पद्य)—भगमदास कृत। लि का सं १८८४। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा —महंत भाशारामदास, कुटी गूँगदास पचपेड़वा (गोंडा)। → सं ४-२१ घ।

भक्तउपदेशमणि (पद्य)—मुकुन्दसखी कृत। वि भक्ति संबंधी उपदेश।
प्रा—पं उमाशंकर द्विवेदी आयुर्वेदाचार्य पुराना शहर वृंदावन (मथुरा)।→ १५-६५ ए।

भक्तगीतामृत (पद्य)—उमराव (बन उमराव) कृत। र का सं १६ ५। लि का सं १९१४। वि भक्तों का चरित्र वर्णन।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-१८।

भक्तचंद्रिका (भाषा) (पद्य)—विश्वनाथसिंह कृत। र का सं १८९४। लि का सं १६ ५। वि गोपी उद्धव संवाद।
प्रा —रतन शरन अमेठी (सुलतानपुर)।→सं १-१८०।

भक्तचरितावली (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि भक्तों के चरित्र।
प्रा०—पं दे दित्त शुक्ल 'सरस्वती संपादक, प्रयाग।→४१ १६४।

भक्तचरित्रावली (गद्य)—ज्वालानाथ कृत। वि विविध भक्तों का चरित्र वर्णन।
प्रा —डा श्रीनारायणसिंह बरसाना (मथुरा)।→११-१ २।

भक्तचिंतामणि (पद्य)—भक्तदास द्वारा संगृहीत। र का सं १८६५ (?)। लि का सं १६ ७ (?)। वि श्रीकृष्णलीला और राग रागिनी।
प्रा —डा मन्नासिंह, शारदपुर डा कुतुबनगर (सीतापुर)।→२६-२६।

भक्तदामगुणचित्रणी टीका (पद्य)—ग्रालकराम कृत । लि० का० स० १८७६ । वि० नाभादास के 'भक्तमाल' की टीका ।

प्रा०—ठा० यदुनाथसिंह रईस, रेहुवाँ, डा० गोंडी (बहराइच) ।→२३-३२ ।

भक्तन के नाममाला या भक्तवछावली (पद्य)—गरीबदास कृत । लि० का० स० १८३८ । वि भक्तों का गुणगान ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-४८ ।

भक्तनामावली (पद्य)—ध्रुवदास कृत । वि० भक्तों का चरित्र वर्णन ।

(क) प्रा०—बाबू हरिश्चद्र का पुस्तकालय, चौखम्भा, वाराणसी ।→००-१५ ।

(ख) प्रा०–प० चुन्नीलाल वैद्य, दडपाणि की गली, वाराणसी ।→०६-७३ जी ।

(ग) प्रा०—सद्गुरु सदन, अयोध्या ।→१७-५१ सी ।

भक्तनामावली (पद्य)—अन्य नाम 'हरिजन यशावली' । सुधामुखी कृत । वि० भक्तों की नामावली ।

(क) प्रा०—महत रामविहारीशरण, तुलसीपत्र कार्यालय, अयोध्या । → २०- ८६ ।

(ख) प्रा०—श्री गणेशप्रसाद, दनोज (रायबरेली) ।→२३-४१० ।

भक्तपत्रिका→ 'बारहखड़ी' (व्रजदूलह कृत) ।

भक्तबछावली (पद्य)—मलूकदास कृत । वि० भक्ति वर्णन ।

(क) लि० का० स० १८५५ ।

प्रा०—प० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६-१८५ ए ।

(ख) लि० का० स० १८७६ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-८० ।

(ग) लि० का० स० १८८६ ।

प्रा०—जती जी का मदिर, करहल (मैनपुरी) ।→३२-१३८ बी ।

(घ) लि० का० स० १८८७ ।

प्रा०—प० रामवरण पाडे, चिरैया, डा० पट्टी (प्रतापगढ) ।→२६-२६० ।

(ङ) लि० का० स० १८६६ ।

प्रा०—श्री रामलाल दूबे, दुबौलीबाजार (बस्ती) ।→स० ०४-२८८ छ ।

(च) प्रा०—ठा० विजयपालसिंह, रीठरा, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) । → ३२-१३८ ए ।

भक्तभावन (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत । र० का० स० १६१६ । वि० यमुनालहरी श्रीकृष्णचद्रजू को नखशिख, गोपीपचीसी, राधाष्टक, कृष्णाष्टक, रामाष्टक, कवित्त गगाजी के, देवीदेवतान के गणेशाष्टक ध्यानादि, षट्ऋतु वर्णन, अन्योक्तिमित्रता' आदि छोटे छोटे ग्रथों का सग्रह ।

(क) लि० का० स० १६५४ ।

प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान धर्मलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर। →५-१४।

(ख) प्रा —पं नवनीत चौबे कवि, मारूगली मथुरा।→१७-१४ बी।

भक्तभावन (पद्य)—लीचनदास कृत। र का सं ११ १। वि कबीरदास का चरित्र वर्णन।

प्रा —सेठ अयोध्याप्रसाद शृंगारहाट, अयोध्या।→२ ६१।

भक्तमंजरी (पद्य) - दीनानाथ कृत। वि भागवत रामायण और अवतारों का वर्णन।

प्रा —पं रामबक्स तामोल आगरा।→ ६-७५।

भक्तमाल (पद्य)—दुखहरन कृत। वि भक्तों का वर्णन।

प्रा —पं शिवबचन उपाध्याय सिकंदरपुर (बलिया)।→४१-१ ५ ख।

भक्तमाल (पद्य)—नाभादास (नारायणदास) कृत। र का सं १६१२। वि लगभग दो सौ प्रसिद्ध भक्तों का वर्णन।

(क) लि का सं १७७ ।

प्रा —निमराननरेश का पुस्तकालय निमराना।→ ६-२११।

(ख) लि का सं १८१६।

प्रा॰—पं सरजूप्रसाद महंत, ग्रा मैसरा (बहराइच)।→२३-२८६ बी।

(ग) प्रा —पं रघुनंदनप्रसाद पाठक, सिरसा (इलाहाबाद)।→१७-११७।

भक्तमाल (पद्य)—राघवदास (राघोदास) कृत। र का सं १७१७। लि का सं १६११। वि भक्तों के चरित्र।

प्रा॰—गो देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय श्री गोकुलचंद्रमा जी का मंदिर काम वन (भरतपुर)।→१८ ११२।

भक्तमाल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १६६१। वि भक्तों का चरित्र वर्णन।

प्रा॰—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-१६१।

भक्तमाल की टिप्पणी (गद्यपद्य)—कमाल कृत। वि भक्तमाल पर टिप्पणी।

प्रा —लाला बद्रीदास वैश्य वृंदावन (मथुरा)।→१२ ८२ बी।

भक्तमाल प्रसंग (गद्यपद्य)—वैष्णवदास कृत। लि का सं १८२६। वि भक्तमाल की टीका।

प्रा॰—एशियाटिक लाइब्रेरी आफ बंगाल कलकत्ता।→०१-५४।

भक्तमाल माहात्म्य (पद्य)—पुरुषोत्तम कृत। वि 'भक्तमाल' की महिमा।

प्रा —ला बद्रीलाल वृंदावन (मथुरा)।→१२-१३१ बी।

भक्तमाल माहात्म्य (पद्य)—भागवतदास कृत। वि भक्तमाल की महत्ता का वर्णन।

(क) लि का सं १८३६।

प्रा०—ठा० महादेवसिंह, अमौली, डा० परियावाँ (प्रतापगढ)।→२६-५३ बी।

(ख) लि० का० स० १९१३।

प्रा०—प० रामकृष्ण शुक्ल, सुदर्शन भवन, सूरजकुड, प्रयाग। → ४१-५३३ (अप्र०)।

भक्तमाल माहात्म्य (पद्य)—रघुनाथदास (बाबा) कृत। र० का० सं० १९१४। लि० का० स० १९१४। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री प्रभुदयाल अवस्थी, मुशीगज, डा० मलीहाबाद (लखनऊ)। → ४१-३७० डी।

भक्तमाल माहात्म्य (गद्य)—वैष्णवदास कृत। लि० का० स० १८८६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा —दतितानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२४७ ए (विवरण अप्राप्त)।

भक्तमाल रसबोधनी टीका (पद्य)—अन्य नाम 'भक्तरसबोधिनी'। प्रियादास कृत। र० का० स० १७६९। वि० नाभादास कृत 'भक्तमाल की टीका।

(क) लि० का० स० १८३१।

प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-१३८।

(ख) लि० का० स० १८६५।

प्रा०—मुशी चतुरविहारीलाल, जिलेदार, सढवा चडिका, डा० अतू (प्रतापगढ)। →२६-३६१ ए।

(ग) लि० का० स० १८६७।

प्रा०—ठा० लक्ष्मणसिंह, सैदपुर, डा० माडिहा (सीतापुर)।→२३-३२३ ए।

(घ) लि० का० स० १८७७।

प्रा०—ठा० विश्वनाथसिंह तालुकेदार, अगरेसर, डा० तिरसडी (सुलतानपुर)। →२३-३२३ डी।

(ड) लि० का० स० १८९९।

प्रा० -ठाकुर द्वारा पचायती, खजुहा (फतेहपुर)।→२०-१३५ ए।

(च) लि० का० स० १९०२।

प्रा०—श्री हरिमोहन मिश्र, सिंगरावली, डा० ताँतपुर (आगरा)। → २९-२७३ बी।

(छ) लि० का० स० १९१३।

प्रा०—प० प्रभुदयाल अवस्थी, मुशीगज, डा० मलीहाबाद (लखनऊ)। → २६-३६१ बी।

(ज) लि० का० स० १९१८।

प्रा०—प० सरजूप्रसाद, महरू, डा० मेतारा (बहराइच)।→२३-३२३ बी।

(झ) लि० का० स० १९३०।

प्रा —बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा) ।→१०—१३५ बी ।
(म) लि का सं १८३७ ।
प्रा —विद्यार्थी श्री कोल्विन तालुकेदार कालेज, लखनऊ ।→२३-१२१ सी ।
(ट) प्रा —एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल कलकत्ता ।→ १-५५ ।
(ठ) प्रा —पं प्रह्लाद शुक्ल शाहदरा दिल्ली ।→दि ३१-६७ ।

भक्त माहात्म्य (पद्य)—गंगासुत कृत । र का सं १७ । लि का सं १८२२ । वि भक्तों की महिमा और कथाएँ ।
प्रा —बाबा रामबिहारीदास, अध्यापक, टाउनस्कूल फतेहपुर (बाराबंकी) ।→२३-१२ ।

भक्त माहात्म्य (पद्य)—रामदास कृत । वि भक्तों का वर्णन ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-२१५ ।

भक्तरसबोधिनी टीका (गद्यपद्य)—श्रमनारायण और मैय्यादास कृत । र का सं १८७४ । वि प्रियादास के भक्तमाल की टीका पर व्याख्या ।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ ४-८८ ।

भक्तरसमाल (पद्य)—ब्रजजीवनदास कृत । र का सं १८१४ (लगभग) । वि नाभादास की कृत भक्तमाल की टीका ।
प्रा०—पं महावीरप्रसाद, गाजीपुर ।→ ३-१४ ए ।

भक्तराम—शाहदरा (पंजाब) निवासी ।
भक्तचिंतामणि (पद्य)→२३-४६ ।

भक्तवत्सल→ भक्तबावनी (मलूकदास कृत) ।

भक्तविनोद (पद्य)—सुरति (मिश्र) कृत । वि रामकृष्ण के विविध चरित्र ।
प्रा —श्री पब्लिक लाइब्रेरी भरतपुर । →१७-१८८ बी ।

भक्तविनोद→ भक्तिविनोद (गोपदास या गोपाल कृत) ।

भक्तविरुदावली (पद्य)—अमरदास कृत । र का सं १७५ । वि ईश्वर भक्ति ।
(क) लि का १७६४ ।
प्रा —बाबा रामदास बड़ी नगर हेरहौं (उन्नाव) ।→२६-३ बी ।
(ख) लि का सं १८८४ ।
प्रा —पं दीनानाथ मिश्र फतेहपुर चौरासी डा सफीपुर (उन्नाव) ।→ २६-८८ ।
(ग) लि का सं १८६ ।
प्रा —पं रामरत्न शुक्ल हरियामाल उन्नाव ।→२६ ८ बी ।
(घ) लि का सं १८९८ ।
प्रा —पं लालूराम मिश्र मकरवा (फतेहपुर) ।→२ -५ ।
(ङ) प्रा —बलियानरेश का पुस्तकालय बलिया । → ९-१२१ (विवरण अप्राप्त) ।

(च) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२६-९ ए ।

भक्तविरुदावली (पद्य)—दास कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्तों का माहात्म्य ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-८२ ग ।

भक्तविरुदावली (पद्य)—मलूकदास । वि० भक्तों की प्रशंसा ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया । →०६-१६४ ए (विवरण अप्राप्त) ।

भक्तविरुदावली (पद्य)—लघुराम कृत । वि० भक्तों की महिमा का वर्णन ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया । →०६-२८७ बी (विवरण अप्राप्त) ।

भक्तविरुदावली (पद्य)—शिवलाल कृत । वि० राम नाम तथा भक्तों की महिमा ।

(क) प्रा०—पं० महादेवप्रसाद, जसवंतनगर (इटावा) ।→२६-६२ ए ।

(ख) प्रा०—पं० द्वारिकाप्रसाद, सिसिहाट, डा० बलरई (इटावा) । →३५-६२ बी ।

भक्तविहार (पद्य)—चंददास कृत । र० का० सं० १८०७ । लि० का० सं० १८०७ । वि० भक्तों का वर्णन ।

प्रा०—पं० भैरोप्रसाद, हँसुआ (फतेहपुर) ।→२०-२६ बी ।

भक्तशिरोमणि (पद्य)—गंगादास कृत । लि० का० सं० १८५२ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-५६ ।

भक्त साक्त का झगड़ा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १७०१ । वि० वैष्णव भक्तों और शाक्तों का झगड़ा ।

प्रा०—मौलवी शेख अब्दुल्ला, धुनियाँ टोला, मिरजापुर ।→०२-११० ।

भक्तसार (पद्य)—नवनदास कृत । लि० का० सं० १८१७ । वि० वैराग्य प्रतिपादन ।

प्रा०—ठा० प्रतापसिंह, रतौली, डा० होलीपुरा (आगरा) ।→२६-२५० ।

भक्तसुजसवेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० सं० १८०४ । वि० भक्तों का सुयश वर्णन ।

प्रा०—राधावल्लवी गोस्वामी सोहनकिशोर जी, मोहनबाग, वृंदावन (मथुरा) । →१२-१६६ जी ।

भक्तानंद (गुरु)→'रामरूप' (गौड़ ब्राह्मण) ।

भक्तामर की कथा→'भक्तामरचरित्र' (विनोदीलाल कृत) ।

भक्तामरचरित्र (पद्य)—अन्य नाम 'भक्तावर की कथा । विनोदीलाल कृत । र० का० सं० १७७० । वि० जैन धर्मानुयायियों की कथाएँ ।

(क) लि० का० सं० १८८३ ।

प्रा —जैन मंदिर (बड़ा) बाराबंकी ।→२१ ४४ ए ।

(ख) लि का ई १८८१ ।

प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।
→ई ४-१६२ ख ।

(ग) लि का ई १९ ६ ।

प्रा॰—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर) चूड़ीवाली गली, चौक लखनऊ ।
→ई ४-१६२ का ।

(घ) लि का ई १९२५ ।

प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर । →
ई १ -१२१ क ।

(ङ) लि का ई १९१६ ।

प्रा —दिगंबर जैन मंदिर, नई मंडी मुजफ्फरनगर ।→ई १ -१२१ ख ।

(च) लि का १९६२ ।

प्रा॰—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा मुजफ्फरनगर ।→ई १ -१२१ ग ।

भक्तामर संस्कृत की भाषा→ भक्तामर स्तोत्र (भाषा) (हेमराज जैन कृत) ।

भक्तामर स्तोत्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि जैन मंत्रादि ।

प्रा —पं रामगोपाल वैद्य जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७-११ (परि ३) ।

भक्तामर स्तोत्र (भाषा) (पद्य)—हेमराज (जैन) कृत । वि जिन भगवान की
भक्ति ।

(क) लि का ई १८४४ ।

प्रा —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद ।→४१-१६६ क ।

(ख) लि का ई १११४ ।

प्रा॰—डा वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय काशी हिंदू विश्व
विद्यालय वाराणसी ।→ई ७-२१६ ग ।

(ग) लि का ई १९१८ ।

प्रा॰—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→ई १०-१४९ ख ।

(घ) लि का ई १९५५ ।

प्रा —श्री वेदप्रकाश वर्मा १ लक्ष्मीधाम स्ट्रीट, मुजफ्फरनगर । →
ई १ -१७१ ।

(ङ) प्रा —विद्याप्रचारिणी जैन सभा जयपुर ।→ -१ ८ ।

(च) प्रा —श्री धर्मचंद जैन चूड़ीवाली गली चौक, लखनऊ ।→२६-१७८ ।

(छ) प्रा —श्री जैन मंदिर कटवारी का आइनेरा (आगरा)→११-८७ ए ।

(ज) प्रा॰—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१ १६६ प ।

(झ) प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा मुजफ्फरनगर । →
ई १०-१४९ क ।

(ज)→प० २२-८० ।

टि० खो० वि० ८१-३६६ क, ख, स० १०-१७१ की प्रतियाँ भूल से अज्ञात कृत मान ली गई हैं ।

भक्तिउक्ति कृष्ण आज्ञा (पद्य)—दासराम कृत । र० का० सं० १७७१ । वि० कृष्णभक्ति ।
प्रा०—श्री केदारनाथ मिश्र, इमलिया, डा० बाघानारा (बस्ती) । → स० ०४-१५६ ।

भक्तिकल्पतरु (पद्य)—पदुमनदास कृत । र० का० सं० १७३६ । वि० भागवत का सक्षिप्त अनुवाद ।
प्रा०—श्री रघुनाथप्रसाद श्रीवास्तव, सोन बरसा, डा० बैरिया (बलिया) । → ४१-१३१ ।

भक्ति कौ अंग (पद्य)— कबीरदास कृत । वि० भक्ति और उसका प्रभाव ।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-१४३ के ।

भक्तिचिंतामणि (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६३४ । वि० भक्ति ।
प्रा०—पं० रामदेव तिवारी, पट्टी बरकत नगर, डा० नगराम (लखनऊ) । →२६-३५० ।

भक्तिजयमाल (पद्य)—शिवराम (स्वामी) कृत । र० का० सं० १७८७ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १८०३ ।
प्रा०—कीनाराम बाबा की धर्मशाला, रामगढ (वाराणसी) ।→०६-२६६ ।
(ख) प्रा०—पं० जगदेवराय शर्मा, वकील, नरहरी (बलिया) ।→४१-२६६ ।
(ग) प्रा०—मु० हरप्रसादलाल, कारो (बलिया) ।→स० ०१-४१८ ।

भक्तिपचीसी (पद्य)—खेमदास कृत । र० का० सं० १७१६ । वि० राजा परीक्षित, ध्रुव, प्रह्लाद आदि पचीस भक्तों का वर्णन ।
प्रा०—श्री बद्रीप्रसाद डाकिया, सीतापुर ।→२३-२०६ ए ।

भक्तिपदारथ→'भक्तिपदार्थ' (स्वा० चरणदास कृत) ।

भक्तिपदार्थ (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत । वि० भक्ति, ज्ञान और उपदेश आदि ।
(क) लि० का० सं० १८६२ ।
प्रा०—पं०—भोजराम शुक्ल, एतमादपुर (आगरा) ।→२६-६५ एफ ।
(ख) लि० का० सं० १८६६ ।
प्रा०—बाबा रामदास, जहाँगीरपुर, डा० फरौली (एटा) ।→२६-६५ ई ।
(ग) लि० का० सं० १६२० ।
प्रा०—श्री धीरजराम पुजारी, बड़ी सगत, बहराइच ।→२३-७४ बी ।
(घ) लि० का० सं० १६२० ।
प्रा०—श्री धीरजराम पुजारी, बड़ी सगत, बहराइच ।→२३-७४ सी ।
(ङ) लि० का० सं० १६३३ ।

प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७ १८ बी ।

(ग) प्रा —महंत जगन्नाथदास कबीर पंथी, मऊ (छतरपुर) ।→ ६–१७० बी (विवरण अप्राप्त) ।

(छ) प्रा —पं अमोल शर्मा चंडनियाँ (रायबरेली) ।→२१–७४ डी ।

(च) प्रा —बाबू चंद्रभान जी ए अमीनाबाद लखनऊ ।→२१–७४ ई ।

(झ) प्रा —पं मोतीराम शुक्ल अवकाशप्राप्त विद्यालय निरीक्षक, दलगाजपुर (आगरा) ।→२६–६५ बी ।

(म) प्रा —श्री रघुनाथप्रसाद कौशिक ज्योतिषरत्न बनजारान मुजफ्फरनगर । →सं १०–१२ ।

भक्तिप्रकाश (पद्य)—लक्ष्मणसिंह (राजा) कृत । र का सं १९ १ । लि का सं १९ १ । वि राम का मानव प्रेम वर्णन ।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय बिजावर ।→०६–६५ सी ।

भक्तिप्रकाश (पद्य)—लोकीदास कृत । र का सं १८५७ । वि धार्मिक कथाओं द्वारा उपदेश ।

(क) लि का सं १८६६ ।

प्रा —बाबा रामानंद महंत लालाकुटी तहसील केसरगंज (बहराइच) । → २१–२४८ बी ।

(ख) लि का सं ६ ७ ।

प्रा —लाला रघुवरदयाल फकीरचंद्र बहराइच ।→२१–२४८ सी ।

भक्तिप्रकाश (पद्य)—शिवसिंह कृत । र का सं १८५२ । वि पिंगल ।

प्रा —महाराज रामेंद्रबहादुरसिंह भिनगा (बहराइच) ।→२१–१९७ डी ।

भक्तिप्रकाशिका टीका पद्य)—विष्णुपुरी कृत । वि भक्ति ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १–१६२ ।

भक्तिप्रताप (पद्य)—चतुर्भुज कृत । लि का सं १७९४ । वि भक्ति माहात्म्य ।

प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६–१४८ बी (विवरण अप्राप्त) ।

भक्तिप्रबोध (पद्य)—युगलानंद कृत । र का सं १८२४ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद ।→४१–८१ क ।

भक्तिप्रभा की सुबोधनी टीका (पद्य)—प्रियादास कृत । लि का सं १८८६ । वि भक्ति और ज्ञान आदि विषयक 'भक्तिप्रभा' की टीका ।

प्रा०—पं महावीरप्रसाद दीक्षित चकियामा (फतेहपुर) ।→१ –११५ डी ।

भक्तिप्रशंसा (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि वैष्णव और भागवतभक्ति की विवेचना ।

को सं वि ८ (११ ०–१४)

प्रा०—भगत मनीराम वैश्य, आन्योर, डा० गोरधन (मथुरा) ।→३५–१४४ ।

भक्तिबावनी (पद्य)—जसराम (उपगारी) कृत । र० का० सं० १८७१ । लि० का० सं० १८७१ । वि० भक्ति ।
प्रा०—श्री रामेश्वर दूबे, खीरों (रायबरेली) ।→सं० ०४–१२३ क ।

भक्तिवैकुंठजोग (ग्रंथ) (पद्य)—पृथ्वीनाथ कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–११८ क ।

भक्तिबोध (पद्य)—जसराम (उपगारी) कृत । र० का० सं० १८३४ । वि० भक्ति ।
(क) लि० का० सं० १८७१ ।
प्रा०—श्री रामेश्वर दूबे, खीरों (रायबरेली) ।→सं० ०४–१२३ ख ।
(ख) प्रा०—पुत्री श्री द्वारिकाप्रसाद त्रिवेदी, द्वारा श्री देवीदीन कूर्म नंबरदार, लक्ष्मणपुर, डा० सतरिखा (बाराबंकी) ।→१३–१८२ ।

भक्तिभयहर स्तोत्र (पद्य)—अग्निभू कृत । लि० का० सं० १८५३ । वि० वेदांत तथा गुरुभक्ति वर्णन ।
प्रा०—पं० मक्खनलाल मिश्र, मथुरा ।→००–६५ ।

भक्तिभावती (पद्य)—प्रपन्न गैसानंद कृत । र० का० सं० १६०६ । वि० ज्ञान और भक्ति ।
(क) लि० का० सं० १८१० ।
प्रा०—लाला राजकिशोर, जाहिदपुर, डा० अतरौली (हरदोई) ।→२६–२७० ।
(ख) लि० का० सं० १८५६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–११६ ।
(ग) प्रा०—श्री ललितराम, जोधपुर ।→०२–१३६ ।

भक्तिमंजरी (पद्य)—गुरुदत्त कृत । वि० भक्ति ।
(क) लि० का० सन् १२७७ साल ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–६७ ।
(ख) लि० का० सं० १२७७ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–३२ ।

भक्तिमगदीपिका (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावतसिंह) कृत । र० का० सं० १८०२ । वि० नवधा भक्ति के लक्षणादि ।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→०१–१२४ ।

भक्तिमहिमा (पद्य)—किशोरीअली कृत । र० का० सं० १८३८ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री गोपाल जी का मंदिर, नगर, डा० फतेहपुर सीकरी (आगरा) । → ३२–१२० बी ।

भक्तिमाला (पद्य)—चरणदास कृत। वि० भक्ति का माहात्म्य।
प्रा —गो पुरुषोत्तमदास वृंदावन (मथुरा)।→१२-१७ बी।

भक्तिमाहात्म्य (पद्य)—गिरधारी कृत। र का सं १७५। वि भक्तों का माहात्म्य।
(क) लि का सं १८१७।
प्रा —पं गयाप्रसाद तिवारी, दोस्तपुर (सुलतानपुर)।→२३-१२५ ए।
(ख) लि का सं १८५८।
प्रा —श्री काशीनाथ पांडेय खतीरपुर डा कादीपुर (सुलतानपुर)। → सं ४-६५ क।
(ग) लि का सं १८८१।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-४८८ (अप्र)।
(घ) लि का सं १९१४।
प्रा —श्री जगन्नाथदास मठाधीश बनकेगाँव डा कादीपुर (सुलतानपुर)। →सं ४-६५ ख।
(ङ) लि का सं १९४१।
प्रा —महंत बनारसदास नरोत्तमपुर, डा खैरीघाट (बहराइच)। → २३ १२५ बी।
(च) लि का सं १९४४।
प्रा —महंत बाबा पूर्णमासीदास दरदीघाट, गाजीपुर।→सं ७-११।
(छ) प्रा —मैया तालुकेदारसिंह, मानव दयाकर संपति गोंडा।→ ६-६४।
(ज) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ४-६५ ग।

भक्तिरत्नमाला (पद्य)—हरवर (कवि) कृत। र का सं १६१। वि भक्ति सत्संग आदि।
प्रा —बाबू हनुमानप्रसाद पोद्दार, सहायक पोस्ट मास्टर, राधा (मथुरा)।→ १९-१९८ ए, बी।

भक्तिरत्नावली टीका (गद्य)—विष्णुपुरी (परमहंस) कृत। वि कृष्ण भक्ति।
(क) प्रा —पं भगवानदीन मिश्र वैद्य बहराइच।→२३-४४४।
(ख प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-५११ (अप्र)।

भक्तिरसबोधिनी (पद्य)—रामदयाल कृत। लि का सं १९११। वि ईश्वर भक्ति।
प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-१४४ बी।

भक्तिरसबोधिनी टीका→'भक्तमाल रसबोधिनी टीका' (प्रियादास कृत)।

भक्तिवल्लभ→'भक्तवल्लावली (मलूकदास कृत)।

भक्तिवर्द्धिनी (गद्य)—गुलाब जी कृत। वि भक्ति।
प्रा —श्री मुकुंदलाल चौधरी अल्मोर डा बलीपुरा (मथुरा)।→१५-२१ बी।

भक्तिविधान (पद्य)—शोभाचन्द कृत । र० का० स० १६८१ । लि० का० स० १७४८ । वि० पुष्टिमार्गी सेवा प्रकार और उत्सवादि का वर्णन ।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→स० ०१–४२३ ।

भक्तिविनय दोहावली (पद्य)—गिरवरदास कृत । र० का० स० १८८८ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० स० १८६३ ।
प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, प्रानपाडेय का पुरवा, डा० तिलोई (रायबरेली) । →स० ०४–६४ क ।
(ख) लि० का० स० १६५० ।
प्रा०—महत गुरुप्रसाद, हरग्राम, डा० पर्वतपुर (सुलतानपुर) ।→२३–१२८ ए ।
(ग) लि० का० स० १६८२ ।
प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरान पाडे, डा० तिलोई (रायबरेली) । →२६–१४२ ।
(घ) प्रा०—बाबा लक्ष्मणशरण, कामदकुज, अयोध्या ।→२०–५० ।
(ङ) प्रा०—ठा० रछपालसिंह, अग्रहार, डा० रुदौली (बाराबकी) । → २३–१२८ बी ।
(च) प्रा०—महत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव (सिध्यादास बाबा की कुटी), डा० पर्वतपुर (सुलतानपुर) ।→स० ०४–६४ ख ।

भक्तिविनोद (पद्य)—बोधदास (बोधमल) कृत । र० का० स० १८४८ । वि० सतनामी भक्तों का माहात्म्य ।
(क) लि० का० स० १६२३ ।
प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबकी) ।→ स० ०४–२४६ क ।
(ख) लि० का० स० १६४७ ।
प्रा०—महत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली) ।→स० ०४–२४६ ग ।
(ग) लि० का० सं० १६६६ ।
प्रा०—ठा० गगादीन ईश्वरी मुराऊ, उदवापुर, डा० बरनापुर (बहराइच) ।→ २३ ६६ ।
(घ) लि० का० स० १६८० ।
प्रा०—पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरान पाडे, डा० तिलोई (रायबरेली) । →२६–७० ।
(ङ) प्रा०—महत गयाप्रसाद, भीखीपुर, डा० राजाफत्तेपुर (रायबरेली) । → स० ०४–२४६ ख ।

भक्तिविनोद (पद्य)—भीषमदास कृत । र० का० स० १८५० । लि० का० सं० १८५० । वि० भक्ति ।

प्रा०—बाबा प्रयागदत्तदास उमेहनी, डा० फतेहपुर (रायबरेली)। →
१५-१४ सी।

भक्तिविनोद (पद्य)—मोहनदास कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—महंत मदनदास उमेहनी डा० राजा फतेहपुर (रायबरेली)। →
सं० ४-२१६।

भक्तिविरुदावली→भक्तविरुदावली (अमरदास कृत)।

भक्तिविलास (पद्य)—तुलसीदास कृत। वि० भक्ति।
प्रा०—पं० शालिग्राम दीक्षित, बामू डा० संडीला (हरदोई)।→२९-८१।

भक्तिविलास (पद्य)—बरसीदास (बाबा) कृत। लि० का० सं० १९१५। वि०
रामचरित।
प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली)।→सं० ४-२२६ ग।

भक्तिविलास (पद्य)—हरिदास (बाबा) कृत। र० का० सं० १९१८। वि० भक्ति
और ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १९८२।
प्रा०—मुंशी शंभुप्रसाद, बड़ागाँव डा० रसेहता (रायबरेली)।→१५-१५।
(ख) प्रा०—बाबा भगवानदास बहुरहा का पुरवा डा० महाराजगंज
(रायबरेली)।→सं० ४-४११ ख।

भक्तिविलास (भाषा) (पद्य)—संतदास कृत। र० का० सं० १९११। लि० का०
सं० १९१७। वि० रामचरित।
प्रा०—महंत जगेश्वरदास कचरीगनेशपुर डा० रायबरेली (रायबरेली)। →
सं० ४-१९८।

भक्तिविवेक (पद्य)—जोधीदास (मोहनदास) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १९९ ।
प्रा०—पं० श्यामसुमनोहर शुक्ल मानपुर (हरदोई)।→१९-५५ बी।
(ख) लि० का० सं० १९११।
प्रा०—ठा० परशुरामसिंह रामनगर डा० धारा (सीतापुर)।→१९-५५ ए।
(ग) लि० का० सं० १९१९।
प्रा०—श्री महाराजाराम मठाधीश कनकेगाँव डा० कादीपुर (सुलतानपुर)।
→सं० ४-२४८।
(घ) प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद मिश्र कटैला डा० भिनगबलिया (बहराइच)।
→२३-९५।

भक्तिप्रकाश (पद्य)—भूपनारायणसिंह कृत। र० का० सं० १८४०। वि० काशी की
की वंदना।
प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य वंशपाणि की गली बाराणसी।→ १-२९ ए।

भक्तिसागर (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। र० का० सं० १७८१। वि० ब्रज और नाम महिमा तथा भक्ति का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८३६।

प्रा०—लाला जीवनलाल भक्त, चौपी बाड़ा, मुजफ्फरनगर।→१२-३६ ए।

(ख) लि० का० सं० १८४०।

प्रा०—पं० गणपति दूबे, नयागाँव, डा० सादरपुर (सीतापुर)।→२६-७८ बी।

(ग) प्रा०—पं० लालताप्रसाद दूबे, जदरापुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर)। →२६-७८ सी।

भक्तिसागर (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावतसिंह) कृत। र० का० सं० १७९९। वि० आध्यात्म के विषय में भक्ति की दृष्टि से विचार।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया। →०६-१९८ बी (विवरण अप्राप्त)।

भक्तिसिद्धांतमणि (पद्य)—रसिकदास कृत। वि० भक्ति के सिद्धांत।

(क) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२१८ सी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—महंत भगवानदास, टट्टीस्थान, वृंदावन (मथुरा)। → १२-१५४ यू।

भक्तिसुमिरनी (पद्य)—चैनराय कृत। लि० का० सं० १८३५। वि० भक्तों का वर्णन।

प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ। →०६-१४३ (विवरण अप्राप्त)।

भक्तिहेतु (पद्य)—दरिया साहब कृत। र० का० सं० १८३७। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→ ०६-१५ सी।

(ख) लि० का० सं० १९६४।

प्रा०—रियासत शोहरतगढ (बस्ती)।→सं० ०४-१५४ घ।

भक्त्यक्षर मालिका बावनी स्तवन→'अध्यात्म बारहखड़ी' (दौलतराम जैन कृत)।

भगत—(?)

भगतचालीसा (पद्य)→०९-२०।

भगतचालीसा (पद्य)—भगत कृत। लि० का० सं० १९५७। वि० भक्तों की नामावली।

प्रा०—मुहम्मद इब्राहीम तहसीलदार, नयाबाजार, बस्ती।→ ०९-२०।

भगतवछल (भक्तवच्छल)→'भक्त बछावली' (मलूकदास कृत)।

भगनदास—प्राणपंथी साधु। जाति के क्षत्रिय। कुटी गूँगदास (पंचपेड़वा, गोंडा) के महंत। गूँगदास के शिष्य। सं १८८८ के लगभग वर्तमान।
गुरुगोष्ठी (पत्रनगुंसार) (पद्य)→सं ४–२५ क।
गुरुमहिमा (पद्य)→सं ४–२५ ख।
नामनिधि (पद्य)→सं ४–२५ ग।
बारहमासा (पद्य)→सं ७–११६ क।
भैंवरगुंसार (पद्य)→सं ४–२५ घ।
शब्दगुंसार (पद्य)→सं ४–२५ ङ।
शब्दावली (पद्य)→सं ७–११६ ख ग।

भगवतभूपण (पद्य)—ललितदास कृत। र का सं १९ १। वि बीलपुर राज्य के स्थानों उत्सवों, मेलों और राजकार्य का वर्णन।
प्रा —बाबू हनुमानप्रसाद, सहायक पोस्ट मास्टर, राया (मथुरा)। → ९६–२१।

भगवंतराय की विरुदावली (पद्य)—गोपाल (कवि) कृत। लि का सं १९१४। वि राजा भगवंतराय खीची और सआदतखाँ के युद्ध का वर्णन।
प्रा —पं मुरलीमनोहर त्रिवेदी महोबा (हमीरपुर)।→ ६–२८।

भगवंतराय खीची—सं १७२० के लगभग वर्तमान। असोथर (फतेहपुर) के जागीरदार। सुखदेव मिश्र और गोपाल कवि के आश्रयदाता।→ १–२४ ६–२८ १७–१८१; २ –१८७ दि ११ ८।
हनुमतपचासा (पद्य)→२३–४३ २६–४२ ए, बी।

भगवंतराय यश वर्णन (पद्य)—शंभुनाथ (मिश्र) कृत। वि भगवंतराय खीची का यश वर्णन।
प्रा —पं रामप्रताप द्विवेदी गोपालपुर डा असनी (फतेहपुर)। → २ –१७२ बी।

भगवंतरायरासा (पद्य)—सदानंद कृत। र का सं १७९७। वि भगवंतराय खीची और सआदतखाँ का युद्ध।
(क) लि का सं १७९८।
प्रा —श्रीमान महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह साहब भिनगाराज (बहराइच)।→ २१–११४ ए।
(ख) लि का सं १९१६।
प्रा —ठा चित्रवेणुसिंह मरावनपुरवपरा (हरिहरपुर) डा चिलवरिया (बहराइच)।→२१–११४ बी।
(ग) लि का सन् १९५७ (संभवतः फसली)।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–५६७ (अप्र)।

भगवतसिंह (महाराणा)—धोलपुर के महाराजा। ईश्वर कवि के आश्रयदाता।
स० १६१८ के लगभग वर्तमान।→पं० २२-११७।

भगवत—(?)
नागरसभा (पद्य)→२६-५०।

भगवतगीता (पद्य)—रामानुजदास कृत। लि० का० स० १६३४। वि० गीता की टीका।
प्रा०- श्री अम्बिकाप्रसाद दूबे, कड़ा (इलाहाबाद)।→स० ०१-२५६।

भगवतगीता (पद्य)—हरदेव (गिरि) कृत। र० का० स० १६०१। वि० गीता का अनुवाद।
(क) लि० का० स० १६०१।
प्रा०—कालाकाँकरनरेश का पुस्तकालय, कालाकाँकर (प्रतापगढ)।→१७-६६।
(ख) लि० का० स० १६०१।
प्रा० - नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१-४७८।

भगवतगीता (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८३८। वि० गीता का अनुवाद।
प्रा०—श्री रामअनद त्रिपाठी, दरवेशपुर, डा० भरवारी (इलाहाबाद)। → स० ०१-५४५।

भगवतगीता→'भगवद्गीता' (काशीगिरि कृत)।

भगवत्तगीता (भाषा) (पद्य)—माधव कृत। वि० गीता का अनुवाद।
प्रा०—श्री गुरुप्रसाद, धरनपुर, डा० परशुरामपुर (बस्ती)।→स० ०४-२६४।

भगवतचरित्र→'भागवतचरित्र' (भागवतदास कृत)।

भगवतदास—श्रीनिवास के शिष्य। रामानुज सप्रदाय के वैष्णव। १४वीं शताब्दी में वर्तमान।
भेदभास्कर (पद्य)→१७-२३।

भगवतदास—अयोध्या के दक्षिण ओर के निवासी। संभवत. 'रामसावित्री' के रचयिता भगवतदास भी यही हैं।→सं० ०१-२४६।
दीपरामायण (पद्य)→स० ०१-२४७।

भगवतदास—किसी कृष्णदास के वशज। स० १७७० के लगभग वर्तमान।
शृगाररससिंधु (पद्य)→स० ०१-२४५।

भगवतदास—रामानुज सप्रदाय के अनुयायी।
बोधरतन (पद्य)→२३-४४, स० ०१-२४६।

भगवतदास—(?)
रामसावित्री (पद्य)→२६-५२, स० ०१-२४६।

भगवतदास (भागवतदास)—प्रयाग निवासी। किसी टहलदास के शिष्य।
प्रयागशतक (भाषा) (पद्य)→स० ०१-२४८, स० ०४-२५६।

भगवतबानी (पद्य)—उद्योतसिंह (महाराज) कृत । वि० कृष्ण चरित्र ।
प्रा०—ठा० वासुदेवसिंह अहलमद, गोंडा ।→२ -१२१ ।

भगवतमुदित या भागवतमुदित—संभवतः माधोमुदित के पुत्र । राधावल्लभी संप्रदाय के स्वामी हित हरिवंश के अनुयायी । सं० १७ ७ के लगभग वर्तमान ।
रसिक अनन्यमाल (पद्य)→ ६–२१ सी ।
वृंदावनशतक (पद्य)→१२-२१ ४१-५१८ (अप्र०) ।
सेवकचरित्र (पद्य)→ ६–२१ बी ।
हितचरित्र (पद्य)→६–२१ ए ।

भगवतरसिक—अन्य नाम अनन्यरसिक । स्वा० हरिदास (या स्वा० ललितमोहनीदास) के शिष्य । बिहारीवल्लभ के गुरु । जन्म सं० (अनुमानतः) १७९५ । र० का० सं० १८३ ० के लगभग ।→ ६–११६ १२ २१ ।
अनन्यनिश्चयात्मक (ग्रंथ) (पद्य)→ -१६ -१२ ४१-५२६ (अप्र०) ।
अनन्यरसिकाभरण (पद्य)→ -११ ।
जुगलध्यान (पद्य)→१२ २ ।
नित्यविहारी जुगल ध्यान (पद्य)→ -१ २१-२ ।
निर्विरोध मनरंजन (पद्य)→ -२१ ।

भगवतरसिक की प्रशंसा (पद्य)—बिहारीवल्लभ कृत । लि० का० सं० १८८७ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर । → ६–११६ (विवरण अप्राप्त) ।

भगवतविहार लीला (पद्य)—प्रेमदास कृत । वि० राधाकृष्ण का चरित्र ।
प्रा०—श्री रामरत्नदास गुप्त रामघाट, वाराणसी ।→ ६ २१६ सी ।

भगवतीअस्तुति→'दुर्गास्तुति (मुरलीदास कृत) ।

भगवती आराधना की देशभाषा मय वचनिका (गद्य)—सदासुख (जैन) कृत । र० का० सं० १९ ८ । लि० का० सं० १९१ । वि० सम्यक दर्शन सम्यक ज्ञान सम्यक चरित्र और सम्यक तप आदि का वर्णन ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर ।→सं० १ -११० क ।

भगवतीगीत (पद्य)—विद्याकमल कृत । वि० जैन धर्मानुसार सरस्वती की वंदना ।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा जयपुर ।→ -६७ ।

भगवतीदास—(१)
बारहमासा (पद्य)→४१ १६६ ।

भगवतीदास→ भगौतीदास (कवि)' ('वीतराग माला' के रचयिता) ।

भगवतीदास (द्विज)—सं० १६८८ के लगभग वर्तमान ।
माधवानलकथा प्रसंग (पद्य)→२१–८८ ए, बी सी; २६–५५, २६–१८ ४१ १७० ।

भगवतीदास (भया)→'भगौतीदास (भैया) ('चेतनकर्मचरित्र' आदि के रचयिता) ।
खो० सं० वि० ६ (११ -४४)

भगवतीपचरत्न (पद्य)—दीनदयाल (गिरि) कृत। वि० भगवती की स्तुति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०४-१५७ ख।

भगवतीरसिक→'भगवतरसिक' ('अनन्यरसिकाभरण' आदि के रचयिता)।

भगवतीविनय (पद्य)—जानकीप्रसाद (पँवार) कृत। वि० भगवती देवी की स्तुति।
(क) मु० का० स० १६२३।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०५-१३० क।
(ख) प्रा —ठा० कृष्णपालसिंह, 'वीर' कवि, तिवारीपुर, डा० साँगीपुर (प्रतापगढ)।→२६-१६६ ए।

भगवतीस्तुति (पद्य)—काशीप्रसाद (शुक्ल) कृत। वि० भगवती की स्तुति।
प्रा०—प० कृष्णकुमार शुक्ल, रामदयाल का पुरवा, डा० सग्रामगढ (प्रतापगढ)। →स० ०४-३१ ख।

भगवद्गीता (पद्य)—आनद कृत। र० का० स० १८३६। लि० का० स० १८६'।
वि० भगवतगीता का अनुवाद।
प्रा०—प० लक्ष्मीनारायण शर्मा, मिरजापुर।→०६-४ ए।

भगवद्गीता (पद्य)—काशीगिरि कृत। र० का० स० १७६१। वि० गीता का अनुवाद।
(क) लि० का० स० १७६१।
प्रा०—श्री बुद्धप्रकाश वैद्य, होलीपुरा (आगरा)।→३२-१०८।
(ख) लि० का० स० १८६३।
प्रा०—श्री शिवदुलारे मिश्र, दारानगर, इलाहाबाद।→स० ०१-४१।

भगवद्गीता (पद्य)—अन्य नाम 'अर्जुनगीता'। जनभुवाल (भुवाल) कृत। र० का० स० १७००। वि० भगवद्गीतातर्गत कृष्णार्जुन सवाद।
(क) लि० का० स० १७६२।
प्रा०—प० भनुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-१३२।
(ख) लि० का० स० १८००।
प्रा०—श्री देवकीनदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, मथुरा।→१७-२७।
(ग) लि० का० स० १८६८।
प्रा०—श्री राधाप्रसाद, फेफना (बलिया)।→४१-१७६।
(घ) प्रा०—प० रामलछन पाडेय, ग्रा० तथा डा० नवली (गाजीपुर)। → स० ०१-२६२ क।

भगवद्गीता (गद्य)—नदीराम कृत। र० का० स० १८६४। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—प० हरभगवान (लेखक के पौत्र), फरछना (इलाहाबाद)।→१७-१२२।

भगवद्गीता (पद्य)—बालगोविंद (वैष्णव) कृत। लि० का० स० १८०६। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री उमाशकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। २६-३५।१।

भगवद्गीता (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र का सं १७२१ । लि का सं १८९८ । वि भगवद्गीता की भाषा टीका ।
प्रा —ठा० उमरावसिंह बचौत (बुलंदशहर) ।→१७-९१ (परि १) ।

भगवद्गीता (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि भगवद्गीता की भाषा टीका ।
प्रा —पं बहौसिंह सालिगपुरा डा जसवंतनगर (इटावा) ।→१५-११२ ।

भगवद्गीता (भाषा) (पद्य)—उदयरामदास कृत । लि का सं १७७१ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं कृपानारायण शुक्ल मुंशीगंज कटरा मसीहाबाद (लखनऊ) । → २९-४८७ ।

भगवद्गीता (भाषा) (पद्य)—तुलसीदास कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —भारती भवन पुस्तकालय छतरपुर ।→ ६-११८ ए (विवरण अप्राप्त) ।

भगवद्गीता (भाषा) (पद्य)—रामानंद कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं शंकरदयाल मलमल्ह धामर्मजी पाठशाला कानपुर ।→ ६-२५१ ए ।

भगवद्गीता (भाषा) (गद्य)—हरबंशराय कृत । र का सं १९२८ । वि नाम से स्पष्ट ।
(क) लि का सं १९३१ ।
प्रा —पं मुरलीधर द्विवेदी, लहरपुर (सीतापुर) ।→२९-१७५ बी ।
(ख) लि का सं १९३३ ।
प्रा —वैद्य राममूरत जी कमलापुर डा मड़ौना (लखनऊ) ।→२९-१७५ ए ।

भगवद्गीता (भाषा) (पद्य)—हरिवल्लभ कृत । र का सं १७०१ । वि नाम से स्पष्ट ।
(क) लि का सं १८२४ ।
प्रा —श्री काशीराम ज्योतिषी डा रिसौर (एटा) ।→२६-१४० ए ।
(ख) लि का सं १८८४ ।
प्रा —बाबू राधाकृष्ण कुंजिया बजाज मथुरा आगमी मथुरा ।→२६-१४० ई ।
(ग) लि का सं १८८५ ।
प्रा०—एडवर्ड हिंदी पुस्तकालय हाथरस (अलीगढ़) ।→१७-७ ।
(घ) लि का सं १८५८ ।
प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर ।→ १-६ ।
(ङ) लि का सं १८७४ ।
प्रा —श्री शारदाराम अध्यापक, रसौली (बाराबंकी) ।→११-११ ए ।
(च) लि का सं १८७५ ।
प्रा०—पं गदोदबिहारी मिश्र हुसैनगंज गोलागंज (लखनऊ) ।→२६-१४१ ।
(छ) लि का सं १८७८ ।

प्रा०—श्री अयोध्याप्रसाद, सहायक विद्यालय निरीक्षक, बीकानेर ।→२३-१५० बी।
(ज) लि० का० स० १६०० ।
प्रा०—महत भजनदास, चित्राहाट (आगरा) ।→०६-१४७ एफ ।
(झ) लि० का० स० १६०४ ।
प्रा०—श्री रामभरोसे, केवलपुर (खीरी) ।→२६-१७३ ए ।
(प्रस्तुत हस्तलेख में अन्य हस्तलेखों से कुछ अतर है)।
(ञ) लि० का० स० १६०६ ।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ ।→०६-२६० (विवरण अप्राप्त)।
(एक अन्य प्रति इसी पुस्तकालय में और है) ।
(ट) लि० का० स० १६२२ ।
प्रा०—प० गगाविष्णु अवस्थी, पुरहिया, डा० निगोहाँ (लखनऊ) । → २६-१४७ एच ।
(ठ) लि० का० स० १६२३ ।
प्रा०—ठा० लछमणसिंह, सैदापुर डा० नीलगाँव (सीतापुर) ।→२३-१५० सी ।
(ड) लि० का० स० १६२६ ।
प्रा०—प० दाताराम दीक्षित, जयनगर, डा० डोहकी (आगरा) ।→२६-१४७ सी ।
(ढ) लि० का० स० १६३१ ।
प्रा०—लाला रतनलाल, मोहारी, डा० सरदारपुर (सीतापुर) ।→२६-१७१ सी ।
(ण) लि० का० स० १६३३ ।
प्रा०—प० हरिप्रसाद आचार्य, आवलखेड़ा (आगरा) ।→२६-१४७ बी ।
(त) प्रा०—प० रामप्रसाद भट्ट, सस्कृत अध्यापक, ललितपुर (झाँसी) । → ०६-११७ ।
(थ) प्रा०—प० अयोध्याप्रसाद शर्मा, सहायक विद्यालय निरीक्षक, बीकानेर । →२३-१५० डी ।
(द) प्रा०—ठा० हुकुमसिंह, प्रधानाध्यापक, मिढाकुर (आगरा) । → २६-१४७ डी ।
(ध) प्रा०—प० शालिग्राम, महुआ, डा० बाह (आगरा) । → २६-१४७ आई ।
(न) प्रा०—प० भोलानाथ शर्मा, फतेहाबाद (आगरा) ।→२६-१४७ जे ।
(प)→प० २२-३५ बी ।

भगवद्गीता (भाषा) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १७६८ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री जगतजी, मथानिया, जोधपुर ।→०१-६१ ।

भगवद्गीता (भाषा टीका) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—चौ० बुद्धूसिंह, बलरई (इटावा) ।→३५-१३१ ।

भगवद्गीता (भाषा टीका) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —भारत कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→४१-१६५ ।

भगवद्गीता (संबोधनी टीका)→'भगवद्गीता सटीक (आनंदराम कृत) ।

भगवद्गीता की टीका (पद्य)—बकराम कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री तुलसीदास जी का बड़ा स्थान दारागंज प्रयाग ।→४१-७७ ।

भगवद्गीता की टीका (गद्य)—अन्य नाम 'भाषामृत । भगवानदास कृत । र का सं १७५६ । वि रामानुजाचार्य कृत गीताभाष्य का अनुवाद ।
(क) लि का सं १८६६ ।
प्रा —पं माखनलाल मिश्र मथुरा ।→ ०-६६ ।
(ख) लि का सं १८८६ ।
प्रा —पं रामकृष्ण शुक्ल शुक्लयान भवन सूरजकुंड प्रयाग । → ४१-५१ (अप)।

भगवद्गीता की टीका (गद्य)—मंगू (मिश्र) कृत । लि का सं १८ ७ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —श्री गदाधर तिवारी बंदा डा गड़वारा (प्रतापगढ़) ।→२६-२६४ ।

भगवद्गीता की टीका (गद्य)—वासुदेव (सनाढ्य) कृत । वि गीता के प्रारंभिक दो अध्यायों की टीका ।
प्रा०—पं लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा) ।→२६-१ ई ।

भगवद्गीता की टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८ ७ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं गदाधर तिवारी बंदा डा गड़वारा (प्रतापगढ़) । → २६-६१ (परि १) ।

भगवद्गीता की बालबोधनी टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८६७ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —ठा अवभूषणसिंह, मुख्तारा डा परियावाँ (प्रतापगढ़) । → २६-६२ (परि १) ।

भगवद्गीता की भाषा टीका (गद्य)—बद्रीलाल (गुसाईं) कृत । लि का सं १६१८ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —श्री महावीरसिंह गहलोत जोधपुर ।→४१-१४२ ।

भगवद्गीता के प्रश्न (गद्य)—नवरंग (स्वामी) कृत । वि भगवद्गीता संबंधी प्रश्नोत्तर ।
प्रा —बाबू राममनोहर विशपुरिया पुरानीबस्ती कन्नौमुहवारा (जबलपुर) । →२६-३३१ ।

भगवद्गीता टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—भारत कला भवन काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी ।→४१-१६६ ।

भगवद्गीता टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—प० राममनोहर, फौडिहार, डा० अटरामपुर (इलाहाबाद)। → ४१-३५७।

भगवद्गीतामाला (पद्य)—जुगतानद कृत। लि० का० स० १८५६। वि० भगवद्गीता का अनुवाद।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-८३ स।
टि० प्रस्तुत हस्तलेख में रामअष्टक, मनुमानजैत, विष्णुपजर स्तोत्र, मानसहस शुचि भाषा, चतुश्लोकी गीता, चतुर्विंशतिगायत्री, पचमुखी रतन सागर भी सकलित हैं।

भगवद्गीता सबोधिनी वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० भगवद्गीता का अनुवाद।
प्रा०—प० कृष्णविहारी, अजनौरा, डा० जसवतनगर (इटावा)।→३५-१३३।

भगवद्गीता सटीक (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'गीताप्रकाश' और 'परमानदप्रबोध'। आनदराम कृत। र० का० स० १७६१। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० स० १७६१।
प्रा०—श्री प्यारेलाल हलवाई, अतरौली (अलीगढ)।→१७-६ बी।
(ख) लि० का० स० १८०५।
प्रा०—प० गणपति दूबे, नयागाँव, डा० सादरपुर (सीतापुर)।→२६-१३।
(ग) लि० का० स० १८१७।
प्रा०—पं० छिंगामल पुजारी, राधाकृष्ण मदिर, फिरोजाबाद (आगरा)। → २६-१२ सी।
(घ) लि० का० स० १८५७।
प्रा०—श्री बनवारीदास पुजारी, बाह्मन थोक, समाई, आगरा।→२६-१२ ई।
(ङ) लि० का० स० १८७१।
प्रा०—प० श्रीनाथ, दालो, डा० रामनगर (सुलतानपुर)।→२३-१५ ए।
(च) लि० का० सं० १८७५।
प्रा०—प० श्यामविहारी मिश्र, गोलागज, लखनऊ।→२३-१५ बी।
(छ) लि० का० स० १८७५।
प्रा०—प० विहारीलाल, प्रधानाध्यापक, नौगवाँ (आगरा)।→२६-१२ एच।
(ज) लि० का० स० १८७७।
प्रा०—पं० जयगोविंद मिश्र, सरहैदी, डा० जगनेर (आगरा)।→२६-१२ जे।
(झ) लि० का० स० १८६३।
प्रा०—मुशी देवीप्रसाद मुसिफ, जोधपुर।→०१-८४।
(ञ) लि० का० स० १६००।
प्रा०—श्रीमद् मातगध्वजप्रसादसिंह, बसवाना (अलीगढ)।→१७-६ ए।
(ट) लि० का० स० १६०२।

प्रा —आचार्य पं रामनारायण, पवहारी बाबा की कुटी, कुरथा, गाजीपुर ।→ सं ७–६ ।

(ठ) लि का सं १९१६।

प्रा०—पं बेदनिधि चतुर्वेदी पारना (आगरा) ।→२६–१२ बी ।

(ड) लि का सं १९१८।

प्रा – श्री परशुराम चौहरे नगलाधीर डा बरहन (आगरा) ।→२६–१२ ए ।

(ढ) प्रा —हथिवानरेश का पुस्तकालय हथिया । → ६–१२० (विवरण अप्राप्त) ।

(ण) प्रा०—महंत दयालगिरि कमलेश्वर का मंदिर श्रीनगर (गढ़वाल) । →१२–५ ।

(त) प्रा —पं मागीरथी पीपरपुर (सुलतानपुर) ।→२१–१५ सी ।

(थ) प्रा०—पं केदारनाथ कुंडोला डा डौकी (आगरा) ।→२६–११ बी ।

(द) प्रा —पं गंगाप्रसाद तिवारी, प्रधानाध्यापक, टाउनस्कूल, फतेहाबाद (आगरा) ।→२६–१२ एफ ।

(ध) प्रा —पं गौरीशंकर गौड़ मगला चौकस, बरहन (आगरा) । → २६–१२ सी ।

(न) प्रा —पं बद्रीप्रसाद मूसेपुरा डा फतेहाबाद (आगरा) । → २६–१२ आई ।

भगवद्‌गीता सटीक (पद्य)—हरिदास कृत । र का सं १८११ । वि गीता का अनुवाद ।

(क) लि का सं १८२ ।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ ४–७१ ।

(ख) लि का सं १८४६ ।

प्रा —हथिवानरेश का पुस्तकालय हथिया ।→०६–२५६ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(ग) लि का सं १८८ ।

प्रा०—पं रामेश्वरदत्त शर्मा सहायक अध्यापक, हाईस्कूल, रायबरेली । → १७–८१ ।

भगवान—प्राणनाथ के शिष्य ।

गुरुगोष्ठी (ग्रंथ) (पद्य)→२६–१८ ए ।

तमाशा (पद्य)→२६–१४ बी ।

भगवान—सं १७२६ के लगभग वर्तमान ।

विचारमाला (पद्य)→११–४१ ।

भगवान (?)—सं १८५५ के पूर्व वर्तमान ।

अनुभवहुलास (पद्य)→३८–६

भगवान—'रसाल दिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं । → २–५७ (वैतालीव) ।

भगवान के दसौ अवतार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई।→४६-६३ (परि० ३)।

भगवानदास—काशी निवासी। कूबाजी की शिष्यपरंपरा में मयनकाचार्य के शिष्य।
सं० १७५६ के लगभग वर्तमान।
गीतावार्तिक (गद्य)→१६-३५।
भगवद्गीता की टीका (गद्य)→००-६६, ४१-५३० (अप्र०)।

भगवानदास—सनाढ्य ब्राह्मण। वासुदेव के भाई। माह (आगरा) निवासी।
सं० १८८५ के पूर्व वर्तमान।
शीघ्रबोध सटीक (गद्य)→२६-३७ ए, बी।

भगवानदास—हित संप्रदाय के अनुयायी। रामराय के शिष्य।
प्रेमपदारथ (पद्य)→४१-१६७।

भगवानदास—रामानुजी संप्रदाय के अनुयायी।
गीतगोविंद (अमृतभाष्य) (पद्य)→४१-१६६।

भगवानदास—सं० १८८५ के लगभग वर्तमान।
आरतमोचन (पद्य)→सं० ०४-२५१।

भगवानदास—सं० १८६६ के पूर्व वर्तमान।
रमलसार (पद्य)→२५-११ ए, बी, सी, सं० ०१-२५०।

भगवानदास—सं० १६३१ में वर्तमान।
हरिचरित्रपारायण अमृत कथा (वृंदावन खंड) (पद्य)→४१-१६८।

भगवानदास (खत्री)—(?)
महारामायण (गद्य)→१७-२२ ए, बी।

भगवानदास (निरंजनी)—वारल विहटा क्षेत्रवास निवासी। अर्जुनदास के शिष्य।
निरंजनी संप्रदाय के अनुयायी। सं० १७२२ के लगभग वर्तमान।
अमृतधारा (पद्य)→०६-१३६, २६-४८, २६-३६ डी।
कातिकमाहात्म्य (गद्य)→पं० २२-१३, २६-३६ ए, बी, सी, ३८-१० बी।
गीतामाहात्म्य (पद्य)→२३-४२ ए, बी, सी, सं० ०१-२५१।
जैमिनी अश्वमेध (पद्य)→३८-१० ए।
वैरागवृंद टीका (पद्य)→सं० ०७-१३७।

भगवानहितु रामराय—वास्तविक नाम भगवान। कोई राजा (जयपुर ?)। माध्वगौडे-श्वर संप्रदाय के आचार्य रामराय के शिष्य। अकबर बादशाह के समकालीन। इन्होंने गोवर्द्धन में मानसीगंगा का पक्का घाट और हरदेव जी का मंदिर बनवाया था।
प्रह्लादचरित्र (पद्य)→सं० ०१-२५२ ख।
रुक्मिणीमंगल (पद्य)→सं० ०१-२५२ क।

भगीरथप्रसाद (त्रिपाठी)—निगोहाँ (रायबरेली) के निवासी । सं १९११ के लगभग वर्तमान ।
अंबिकाचरित्र (पद्य)→सं ४ २५२ ।

भगौतीदास (कवि)—जैन । गुरु का नाम मुनि महेंद्रसेना महारक । बुहावे बूढ़ीपे (?) के निवासी । बादशाह जहाँगीर के राजत्वकाल में सं १६८ के लगभग वर्तमान ।
श्रीचूनरी (पद्य)→१८-८ए ।
सीतासत (भाषा)→सं १ –५ ।
टि संभवतः ये भगौतीदास भैया ही हैं ।

भगौतीदास (भैया)—जैन । कटारिया गोत्रीय ओसवाल वैश्य । आगरा निवासी । पिता का नाम लालजी । पितामह का नाम दशरथ साहु । औरंगजेब बादशाह के समकालीन । सं १७१२-१७५५ के लगभग वर्तमान ।
चेतनकर्म चरित्र (पद्य)→ –११६; सं ४–२५३ ग ।
निर्वाणकांड (पद्य)→२१–४७ सं १ –९४ क, ख, ग ।
पुन्यपचीसिका (पद्य)→२१–५४ सं ४–२५३ ख ।
ब्रह्मविलास (पद्य)→११–२१ १८–८ बी; सं ४–२५३ क सं १०–९४ घ क ।
वैराग्यपचीसी (पद्य)→१५–१ सी ।

भजन (पद्य)—देवीसहाय कृत । लि सं १९६ । वि ईश्वर विनय ।
प्रा०—मुहम्मद इब्राहीम तहसीलदार नया बाजार बस्ती ।→ ९– ९ ।

भजन (पद्य)—शक्तिमनदास (उदासी) कृत । वि नानक जी की प्रशंसा ।
प्रा —पं प्रभुदयाल शर्मा संपादक सनाढ्य जीवन' इटावा ।→१८–८७ ।

भजन (पद्य)—शंकरप्रसाद (तिवारी) कृत । र का सं १९१ । लि का सं १९८२ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—श्री दुर्गानारायण तिवारी हरिदासपुर (रायबरेली) । → सं ४–२१५ ।

भजन(पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि ज्ञानोपदेश ।
प्रा —पं गिरीशदयाल गढ़ा बाद (आगरा) ।→२६–१४८ ।

भजन (अभिमन्यु की लड़ाई के) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि अभिमन्यु का चक्रव्यूह भेदन वर्णन ।
प्रा —पं बूटीलाल बलीपुर डा उरावर (मैनपुरी) ।→३५–११४ ।

भजन (गोपीचंद संबंधी) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि राजा गोपीचंद की कथा ।
प्रा —श्री प्यारेलाल बाद, मुखियापुरा डा फिरावली (आगरा) । → २६–१४६ ।

भजन उपदेश वेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० स० १८१०। वि० भक्ति, उपदेश आदि।
प्रा०—श्री राधागोविंदचंद्र जी का मंदिर, प्रेमसरोवर, डा० बरसाना (मथुरा)।→ २३–२३२ ए।

भजन कुंडलिया (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० कृष्ण की रासलीला।
(क) प्र०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी। → ००-१३ (चौदह)।
(ख) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी। → ०६–७३ यू।

भजन खिमटा (पद्य)—इंद्रजीत कृत। वि० भक्ति तथा उपदेश।
प्रा०—श्री ताल्लुकेदारसिंह वैद्य, गोंडा।→२०–६१।

भजन पचासा (पद्य)—पहिलमान (द्विज) कृत। लि० का० स० १९३०। वि० भजन।
प्रा०—बाबू दीपचंद, चौगन्नापुर, डा० मारहरा (एटा)।→२६–२६०।

भजन प्रभाती (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रामभक्ति।
(क) प्रा०—ठा० शेरसिंह साहब जमींदार, मैयामई, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३५–१३७ ए।
(ख) प्रा०—पं० सीताराम, भीखनपुर, डा० बरनाहल (मैनपुरी)। → ३५–१३७ बी।

भजन मनोरंजनी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० भक्ति।
प्रा०—मुं० बच्चनलाल, चकवाखुर्द, डा० बसरेहर (इटावा)।→३५–१३६।

भजन महाभारत (उद्योगपर्व) (पद्य)—नौबतिराय कृत। वि० महाभारत के उद्योग-पर्व की कथा।
प्रा०—पं० धूरीमल, बलीपुर, डा० उरावर (मैनपुरी)।→ २५–६८।

भजन मुक्तावली (पद्य)—दुनियामणि कृत। लि० का० स० १९५२। वि० रामभक्ति।
प्रा०—बाबू कौशिल्यानंदन, शृंगारहाट, अयोध्या।→२०–४७।

भजन रामायणादि (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रामकथा, भागवत तथा अन्य रसात्मक गीत।
प्रा०—पं० लज्जाराम शर्मा, लदपुरा, डा० जसवंतनगर (इटावा)।→३५–१३८।

भजन विनोद (पद्य)—जानकीसहाय कृत। र० का० स० १८८३। वि० भक्ति।
प्रा०— श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। → २६–१९८।

भजन विलास (पद्य)—लक्ष्मीनाथ कृत। र० का० स० १८८३। वि० जालंधरनाथ के भजन।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–२३।

भजन संग्रह (पद्य)—रामचरण कृत । वि भक्तों का संग्रह ।→पं २२-११८ ।

भजन संग्रह (पद्य)—रामानंद कृत । लि का सं १९११ । वि नाम से स्पष्ट ।
 प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर) ।→ ६-२५१ बी ।

भजन संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
 प्रा —पं सत्यनारायण त्रिपाठी, मंझा डा० गड़वारा (प्रतापगढ़) । → २१-१४ (परि १) ।

भजन संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि रामभक्ति ।
 प्रा —पं बाबूराम चौरई, डा उराबर (मैनपुरी) ।→१५-१४१ ।

भजन संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
 प्रा —पं खड़गसिंह पालिकपुरा डा जसवंतनगर (इटावा) ।→१५-१४२ ।

भजन सत लीला (पद्य)—सुखदास कृत । वि राधाकृष्ण के भजन का माहात्म्य ।
 (क) लि का सं १८५० ।
 प्रा —बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंभा वाराणसी ।→ १७ ।
 (ख) लि का सं १८५६ ।
 प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६ १५६ एफ (विवरण अप्राप्त) ।
 (ग) प्रा —पं चुन्नीलाल वैद्य ढूंढवानि की गली वाराणसी । → ६-७१ आर ।

भजन सत संग्रह (पद्य)—पतितदास कृत । लि का सं १८२६ । वि फुटकर भजन ।
 प्रा —महंत किशोरराम, रामघाट अयोध्या ।→२०-१२७ ।

भजन सागर (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि भक्ति ।
 प्रा —चौधरी मिश्रीलाल बैदपुरा (इटावा) ।→१५-११६ ।

भजन सागर (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि रामकृष्ण भक्ति ।
 प्रा०—चौ कुबूसिंह बसरई (इटावा) ।→१५-१४ ।

भजनादि संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि राम और कृष्ण भक्ति ।
 प्रा —पं रामसनेही परवार डा बसरई (इटावा) ।→१५-११५ ।

भजनावली (पद्य)—गयाप्रसाद (कायस्थ) कृत । लि का सं १९४१ । वि निर्गुण ज्ञान ।
 प्रा०—पं रामशंकर गौड़ रती का नगला डा हाथरस (अलीगढ़) । → २९-११२ ।

भजनावली (पद्य)—त्रिलोकदास कृत । वि ईश्वर विनय ।
 प्रा०—पं शिवदुलारे दूबे हुसेनगंज फतेहपुर ।→ ६-११ ।

भजनावली (पद्य)—पातीराम कृत। वि० द्रौपदी, हनुमान, गज, उद्धव व्रज गमन आदि के भजन।
प्रा०—पं० टीकाराम शास्त्री, अछनेरा (आगरा)।→३२-१६८ ए।

भजनावली (पद्य)—समरदास कृत। लि० का० सं० १६४८। वि० स्फुट भजन।
प्रा०—श्री चंद्रिकाप्रकाशसिंह, डा० तालाबगार्गी (लखनऊ)।→२६-४१६ बी।

भजनावली (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रामकृष्ण की भक्ति।
प्रा०—श्री रामजी दूबे, चौत्रिया (इटावा)।→३५-१८३।

भजनाष्टक (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० हित संप्रदायानुसार भगवद्भजन की महिमा का वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८३५।
प्रा०—श्री नारायण जी दंडी, नारायणगढ तथा श्रीनगर, डा० श्रीनगर (बलिया)। →४१-११७ क।
(ख) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-११७ ख।
(ग) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-११७ ग।
(घ) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-१७४ घ।

भट्ट जो (महाराज)→'रसिकदास' ('कीर्तन संग्रह' के रचयिता)।
भट्टाचार्य→'श्रीभट्ट' ('जुगलसत' आदि के रचयिता)।
भट्टोत्पल—किसी महाराज कुमार अचलसिंह के आश्रित।
प्रश्नज्ञान (गद्य)→३८-११।
बृहत्संहिता भाषार्थ (गद्य)→सं० ०१-२५३।

भड्डरपुराण→'भड्डलिपुराण' (भड्डलि कृत)।
भड्डरी→'भड्डलि (भड्डरी)' (प्रसिद्ध शकुनशास्त्री)।
भड्डलि (भड्डरी)—संभवतः वास्तविक नाम सहदेव भड्डरी। डक्क ऋषि के नाम से भी प्रसिद्ध। ज्योतिष और कृषि शास्त्र के पंडित। घाघ की भाँति इनकी अनेक कहावतें गाँवों में प्रचलित हैं। जनश्रुति के अनुसार काशी के किसी ज्योतिषाचार्य और गडेरिये या अहीरनी से उत्पन्न। कालांतर में मारवाड़ में जाकर रहने लगे थे। एक मत के अनुसार यह किसी व्यक्ति का नाम नहीं, वरन् एक जाति है जो अभी भी पश्चिमी उत्तरप्रदेश में निवास करती है। जोइषी और जुतषी या ज्योतिषी नाम से भी ये प्रसिद्ध हैं। संभवतः सं० १७०७ के लगभग वर्तमान।
भड्डलिपुराण (गद्य)→००-६८, पं० २२-११३, २६-४६ ए, दि० ३१-२३।
भड्डलीज्योतिष टीका (गद्यपद्य)→सं० ०१-२५४।
भड्डलीवाक्य (पद्य)→१२-२०।
बृहस्पतिकांड (गद्यपद्य)→२६-४६ बी।

सगुनावली (पद्य)→२६–८६ सी डी ई; ३५–९ १८–७ ए बी
४१–५१६ (भ्रम)।

भड्डलिपुराण (गद्य)—भड्डलि (भड्डरी) कृत। वि कृषि विषयक कहावतें।
(क) लि का का ई १६ ६।
प्रा —विद्याप्रचारिणी जैन सभा जयपुर।→ –९८।
(ख) लि का ई ८६१।
प्रा०—श्री रविदत्त शर्मा मरेला दिल्ली।→दि ३१–२१।
(ग) लि का ई १९१२।
प्रा —श्री रामप्रसाद मुराऊ पुरा विश्रामदास, डा परियावाँ (प्रतापगढ़)।→
२६–४६ ए।
(घ) ई २२–१११।

भड्डली (ग्रंथ)→'भड्डलिपुराण' (भड्डलि या भड्डरी कृत)।

भड्डली ज्योतिष टीका (गद्यपद्य)—भड्डलि (भड्डरी) कृत। वि ज्योतिष।
प्रा —श्री राघवराम द्विवेदी, पूरेनीव डा सराबसमरेव (इलाहाबाद)।→
ई १–२५४।

भड्डलीवाक्य (पद्य)—भड्डलि (भड्डरी) कृत। वि शकुन आदि कहावतें।
प्रा०—गो बदरीलाल वृंदावन (मथुरा)।→१२–२ ।

भड्डली सगुनावली→'सगुनावली (भड्डलि या भड्डरी कृत)।

भड़ईविलास (गद्य)—गोपाल कृत। र का ई १९ २। लि का ई १९२७।
वि अकबर और बीरबल की कहानियाँ।
प्रा —श्री मुरलीराम दुर्गापुर डा मौखेड़ा (एटा)।→२९–१२२।

भद्रनाथ (दीक्षित)—बिल्होर (कानपुर) निवासी। ई १८८ के लगभग वर्तमान।
कविशिरोमणि (पद्य)→२६–४७; २९–१२।

भद्रबाहु चरित्र (पद्य)—किसनहरि (किसनसिंह) कृत। र का ई १७८१। वि
जैनधर्म के अनुयायी भद्रबाहु की कथा।
(क) लि का ई १८६१।
प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज डाटपट्टी मोहल्ला लखनऊ। →
ई ४–१४।
(ख) लि का ई १९१२।
प्रा —आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→ई १ –१४ ख।

भद्रबाहु चरित्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का ई १८७४। वि जैनधर्मा
नुयायी भद्रबाहु का चरित्र वर्णन।
प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली चौक, लखनऊ।
→ई ४–४८१।

भद्रसेन (मुनि)—संभवतः १७वीं शताब्दी में वर्तमान।

चदन मलयगिरि कथा (पद्य)→२०-१४, ४१-५११ (अप्र०)।

भमरबत्तीसी→'भ्रमरबत्तीसी' (केशवदास कृत)।

भयचिंतावनी (पद्य)—अन्य नाम 'चिंतावणी'। लालस्वामी (हित) या लालदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० स० १८५६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-५५५ (अप्र०)।
(ख) प्रा०—लाला दामोदर वैश्य, कठीवाला, लोईबाजार, वृंदावन (मथुरा)। →१२-१०२ सी।

भरत (भरथ)→ 'भारतशाह' ('हनुमानविरुदावली' के रचयिता)।

भरत की बारहमासी (पद्य)—लालदास कृत। र० का० स० १६६०। वि० बारह महीनों में भरत और राम की दशा का वर्णन।
(क) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१६० बी (विवरण अप्राप्त)।
(ख) प्रा०—श्री रामअधार मिश्र, लखीमपुर (खीरी)।→२६-२६२ बी।

भरतमिलाप (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—महत मोहनदास, द्वारा स्वा० पीताबरदास, सोनामऊ, डा० परियावाँ (प्रतापगढ,।→२६-६५ (परि० ३)।

भरतमिलाप→'भरतविलाप' (ईश्वरदास कृत)।

भरतरीचरित्र→'भरथरीचरित्र' (काशीनाथ कृत)।

भरतविलाप (पद्य)—अन्य नाम 'भरतकथा'। ईश्वरदास (इसरदास) कृत। वि० राम कथातर्गत भरत विलाप का वर्णन।
(क) लि० का० स० १ ८०।
प्रा०—श्री गयाप्रसाद शास्त्री, वेलासदाँ, डा० भदैयाँ (सुलतानपुर)। → स० ०१-२१ क।
(ख) लि० का० स० १६०३।
प्रा०—प० रामावतार, पडित रामावतार का पुरवा, डा० रिसिआ (बहराइच)। →२३-१७३।
(ग) प्रा०—प० शालिग्राम दीक्षित, जामू, डा० सडीला (हरदोई)। → २६-४८५ ए।
(घ) प्रा०—श्री दौलतराम पाडेय, सहिजादपुर (इलाहाबाद)। → स० ०१-२१ ख।
(ङ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१-२१ ग।
(च) प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। → स० ०१-२१ घ।
(छ) प्रा०—श्री देवनारायण पाडेय, ग्राम तथा डा० सेत्रटा (आजमगढ)।→ स० ०१-१४३ घ।

(ञ) प्रा०—श्री रामेश्वर मिश्र, डोंगीपार, डा० मैंगावाजार (गोरखपुर)।→
ह्र० -१८१ ङ।

(ट) प्रा०—श्री रामनरेश द्विवेदी गवहहा डा० मुबारकपुर (आजमगढ़)।
→ह्र० १-१४१ च।

(ठ) प्रा०—श्री मिश्रा मिश्र बेलहर (बस्ती)।→ह्र० ४-१८ क।

(ड) प्रा०—श्री रामअवतार नाऊ माठायाँव, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली)।
→ह्र० ४-१८ ख।

(ढ) प्रा०—श्री काशीप्रसाद ओझा सीतापुर (प्रतापगढ़)। →
ह्र० ४-१८ ग।

(ण) प्रा०—मुं० भोलाप्रसाद श्रीवास्तव रामपुर रहिई डा० शिवरतनगंज
(रायबरेली)।→ह्र० ४-१४९।

टि० खो० वि० २९-४८८ ए, ह्र० १-१४१ ग ~ घ; ह्र० ४-१४९ में भूल
से तुलसीदास को रचयिता मान लिया गया है।

भरतसंगीत (पद्य)—लघुचन (विक्रमाजीत) कृत। लि० का० ह्र० १८८१।
वि० ह्र० संगीत।

प्रा०—श्रीअजगढ़नरेश का पुस्तकालय श्रीअजगढ़ → ६-६७ बी।

भरथ (राजा) चरित्र→'भरथचरित' (गोपाल कृत)।

भरथरी—गोरखनाथ के शिष्य। कोई राजा। सिद्धों की वाणी में भी संग्रहीत। →
४१-५६ ४१-१७२।

सबदी (पद्य)→ह्र० ७-११८।

भरथरीकथा (पद्य)-रचयिता अज्ञात। लि० का० ह्र० १९४१। वि० भरथरी का
चरित्र वर्णन।

प्रा०—श्रीमती चौरासादेवी धर्मपत्नी स्व० पं० रामशंकर पांडेय सुरसुती
(कौवीहार) डा० भरद्रामपुर (इलाहाबाद)।→ह्र० १-१५९।

भरथरीचरित्र (पद्य)—काशीनाथ कृत। र० का० ह्र० १८ ६। वि० राजा भर्तृहरि
की कथा।

(क) लि० का० ह्र० १८७२।

प्रा०—श्री गोविंदलाल निहालपुर, डा० मारायणदास का खेड़ा (उन्नाव)।
→२६-२२६ ए।

(ख) लि० का० सं० १९१६।

प्रा०—पं० रामदत्त रायपुर, डा० गौनमत (अलीगढ़)।→१९-१८८।

(ग) लि० का० ह्र० १९१२।

प्रा०—ठा० रतनसिंह भरवा डा० किसवाँ (सीतापुर)।→२६-२१९ बी।

(घ) लि० का० ह्र० १९११।

प्रा०—श्री शिवकुमार मोचालपुर डा० अलीमपुर (खीरी)।→२६-२२६ डी।

(ङ) प्रा०—श्री ओंकारनाथ जैन, रुनकुता (आगरा) ।→३२-१०६ ।

भरथरीचरित्र (पद्य)—जीवणदाव (जन) कृत । लि० का० स० १८५६ । वि० राजा भर्तृहरि की कथा ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-६४ ।

भरथरीचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) प्रा०—प० रामनरायण, जसराना (मैनपुरी) ।→३५-१४५ ए ।

(ख) प्रा०—ठा० तोपसिंह, कीठौत, डा० सिरसागज (मैनपुरी) । → ३५-१४५ बी ।

भरथरीजो का श्लोक सुलकस्मई का (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८५६ । वि० भर्तृहरि, विक्रमादित्य और मत्री के ज्ञानोपदेश सबधी प्रश्नोत्तर ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-२४६ ।

भरथरीजो की महिमा के पद (पद्य)—कालू कृत । लि० का० स० १८५F । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-१७ ख ।

भरथरोशतक (पद्य)—प्रतापसिंह (सवाई) कृत । लि० का० स० १६०८ । वि० भर्तृहरि के तीनों शतकों का अनुवाद ।

प्रा० प० बद्रीनाथ भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→२३-३२२ बी ।

भरथविलाप (पद्य)—प्रानचद कृत । लि० का० स० १६१७ । वि० भरत विलाप ।

प्रा०—प० कनकराम शुक्ल, खदरा, डा० पथराबाजार (बस्ती) ।→स० ०७-१२१ ।

भरसी मिश्र और रामनाथ (पडित)—आजमगढ के दक्षिण मेहाग्राम और महादेवपारा के निवासी ।

नलोपाख्यान (पद्य)→स० ०१-२५५ ।

भर्तृहरिशतक की टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—प० लल्लूमल शर्मा, बाउथ, डा० बलरई (इटावा) ।→३५-१४६ ।

भर्तृहरिसार (पद्य)—अर्जुन कृत । र० का० स० १८८० । लि० का० स० १६५८ । वि० भर्तृहरि कृत नीतिशतक का अनुवाद ।

प्रा०—लाला परमानद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ ।→०६-१३१ (विवरण अप्राप्त) ।

भवँरबत्तीसो (भमरबत्तीसो)→'भ्रमरबत्तीसी' (केशवदास कृत) ।

भवतारन (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० स० १६१८ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२१ ग ।

(ख) लि० का० स० १६१८ ।

प्रा०—श्री जगन्नाथदास, मठाधीश, बनकेगाँव कादीपुर (सुलतानपुर) । → स० ०४-२४ ट ।

भवनसारसंग्रह (पद्य)—कृपाराम (दूबे) कृत । वि ज्योतिष ।
(क) लि का सं ११ ।
प्रा —पं गंगाविष्णु ज्योतिषी बंथर (उन्नाव) ।→२६-२३८ बी ।
(ख) लि का सं १६१ ।
प्रा —पं शिवदीन जोशी मऊराला डा खैराबाद (सीतापुर) । →
२६-२३८ सी ।
(ग) लि का सं १६१२ ।
प्रा —श्री बद्रीसिंह जमींदार खानीपुर, डा ता व बख्शी (लखनऊ) । →
२६-२३८ डी ।

भवानी—अयोध्या निवासी ।
रामजी के बारहमासा (पद्य)→२६-५८ सं १-२५६ क ख ।

भवानी अष्टक (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८५१ । वि भवानी स्तुति ।
प्रा —चौहरे रोशनलाल जी डा सुरीर (मथुरा) ।→३५-१४० ।

भवानी की स्तुति → 'स्तुति (भवानी की)' (तुलसीदास कृत) ।

भवानीचरण—गोविंदपुर (गोरखपुर) के निवासी । मानीराम ग्राम (गोरखपुर) के जमींदार हरिनिधि त्रिपाठी और कोई सामवंशी राजा सर्वजीतसिंह के आश्रित । सं १६ ४ के पूर्व वर्तमान ।
रसरीति (पद्य)→सं ८-२५४ ।

भवानीचरित्र (भाषा) (पद्य)—गुनीराम (श्रीवास्तव) कृत । र का सं १७१८ । वि दुर्गा जी का चरित्र । (संस्कृत 'दुर्गापाठ' का अनुवाद) ।
प्रा०—मुंशी मयमबिहारीलाल (मुहर्रिरान) दरियाबाद (बाराबंकी) । →
२३-१४२ ।

भवानीछंद (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १७७२ । वि भवानी की महिमा का वर्णन ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-१६७ ।

भवानीदास—जन्मकाल संभवतः सं १८७४ ।
सूर्यमाहात्म्य (पद्य)→२ -१६ ।

भवानीदास—(?) ।
चाणक्यनीति टीका (गद्य)→२६-१ ।

भवानीदास—(?)
ब्रजराजविनोद (पद्य)→२६-५६ ।
खो सं वि ११ (११ -६४)

भवानीदास—(?)
स्वरोदय मनबोध (पद्य)→२३-५३ ।

भवानीप्रसाद—सं० १९२० के पूर्व पर्तमान ।
श्रीराम को परमधाम वर्णन (पद्य)→सं० ०४-२५५ ।

भवानीप्रसाद→'भावन' ('कवित्त' आदि के रचयिता) ।

भवानीप्रसाद (ब्राह्मण)—नौपुरा (आगरा) निवासी । सं० १९२१ के लगभग वर्तमान ।
गोपालसहस्रनाम सटीक (गद्य)→२६-४२ ।

भवानीप्रसाद (शुक्ल)—सं० १९१६ के पूर्व वर्तमान ।
उपालभशत (पद्य)→१७-२४ बी ।
दीनव्यंगशत (पद्य)→१७-२४ ए ।

भवानीबख्शराय—दलीपपुर निवासी ।
ज्योतिषरत्न (पद्य)→२०-१५ ।

भवानीलाल—सं० १८४० से १८५७ के लगभग वर्तमान ।
अद्भुतरामायण (पद्य)→३५-१२ ।

भवानीशकर—लक्ष्मण पाठक के पुत्र । जन्मभूमि गोरखपुर । अनतर काशी चले आए और भदैनी मुहल्ले में रहने लगे । सं० १८६६ के लगभग वर्तमान ।
वैतालपचीसी (पद्य)→०१-१३, ०६-२६ ।

भवानीसहस्रनाम (पद्य)—अजीतसिंह (महाराज) कृत । र० का० सं० १७६८ ।
वि० देवी सहस्रनाम का अनुवाद ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-८७ ।

भवानीसिंह (भैया)—दूधाधारी के आश्रयदाता ।→२६-१०८ ।

भवानीस्तोत्र (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत । वि० स्तुति ।
प्रा०—लाला कल्याणसिंह, मुतसद्दी, प्रधान मजिस्ट्रेट का न्यायालय, टीकमगढ ।
→०६-२ आई ।

भविष्यदत्त कथा (पद्य)—धनपाल कृत । वि० भविष्यदत्त की कथा ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-१६६ ।
टि० प्रस्तुत ग्रंथ अपभ्रंश में है ।

भाँवरगीता→'भ्रमरगीत' (नददास) कृत ।

भाऊ (कवि)—गर्ग गोत्री जैन । मलूक के पुत्र । माता का नाम गौरी ।
आदित्य कथा (बड़ी) (पद्य)→००-११४ ।

पुष्पदंत कथा (पद्य)→१२-२२।

भागचंद (जैन)—ओसवाल वैश्य। ग्वालियर राज्यांतर्गत ईसागढ़ निवासी। सं १६१२ के लगभग वर्तमान।

उपदेश सिद्धांत रत्नमाला ग्रंथ की वचनिका (पद्य)→सं १-६६ क।

नेमपुराण की कथा वचनिका (गद्य)→सं १ ६६ ख।

पद (पद्य)→११-१६।

श्रावकाचार (पद्य)→२६-३३।

भागवत (पद्य)—कृष्णदास कृत। र का सं १८५२ से १८५५ तक। लि का सं १८८६। वि भागवत का अनुवाद।

प्रा —श्री वासुदेव कौंधू गौंठावास डा रोहरी पार (आजमगढ़)। →४१-४८२ क (ग्रप्र)।

भागवत (पद्य)—केशवदास कृत। वि भागवत की कथा।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१ ११।

भागवत (पद्य)—गोपाल कृत। र का सं १७८७। वि भागवत का अनुवाद।

(क) लि का सं १८५६।

प्रा —श्री उमाशंकर दूबे साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२६-१४१ (नवमस्कंध तक)।

(ख) लि का सं १६ ७।

प्रा —श्री बद्रीनारायण पांडेय अगरापट्टी डा मैसहन (इलाहाबाद)।→सं १-८६।

भागवत (पद्य)—नागरीदास कृत। र का सं १८५८ से ६१ तक। वि नाम से स्पष्ट।

(क) प्रा —हिंदी साहित्य समिति भरतपुर।→१७-११८।

टि इसमें प्रथम पंचम नवम तथा दशमस्कंध नहीं हैं।

(ख) प्रा —पं सियाराम शर्मा उदनपुरा डा बाह (आगरा)। →२६-२४१।

टि यह दशमस्कंध का अनुवाद है।

भागवत (पद्य)—बालगोविंद कृत। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —पं रमाकांत त्रिपाठी 'प्रकाश' बंका मढ़वारा (प्रतापगढ़)। →३१-३६।

भागवत (पद्य)—भीष्म कृत। वि नाम से स्पष्ट।

(क) लि का सं १८७१।

प्रा —पं कन्हैयालाल कटैला डा श्री बलदेव (मथुरा)।→१८-१२ बी।

(संपूर्ण भागवत पंचम स्कंध को छोड़कर)।

प्रथम स्कंध

(ख) लि० का० सं० १८६२।

प्रा०—पं० ज्वालाप्रसाद वैद्य, सेमरा (आगरा)।→२६-४६ ए।

(ग) लि० का० सं० १६००।

प्रा०—पं० जयदेव मिश्र, सरैंधी, डा० जगनेर (आगरा)।→२६-४१ बी।

प्रथम तथा तृतीय स्कंध

(घ) लि० का० सं० १६२४।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७-२५ ए।

नवम स्कंध

(ङ प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७-२५ बी।

दशम स्कंध

(च) लि० का० सं० १८६५।

प्रा०—पं० हरीनारायण पुजारी, चंदवार, डा० फिरोजाबाद (आगरा)। → २६ ४६ डी।

(छ) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—पं० हरीनारायण, चंदवार, डा० फिरोजाबाद (आगरा)। → २६-४६ एफ।

दशम स्कंध उत्तरार्द्ध

(ज) लि० का० सं० १६१८।

प्रा०—श्री जानकीप्रसाद, नमरौली कटारा (आगरा)।→२६-४६ सी।

(झ प्रा०—श्री ईश्वरीप्रसाद शर्मा, सेमरा, डा० खंदौली (आगरा)। → २६-४६ ई।

(ञ) प्रा०—पं० धर्मानंद, पेलखूँ, डा० राल (मथुरा)।→३८-१२ ए।

भावगत (पद्य)—सेवाराम मिश्र या सेवादास कृत। र० का० सं० १८८४। लि० का० सं० १८८४। वि० संपूर्ण भागवत का अनुवाद।

प्रा०—श्री गनेसीलाल मिश्र, अछनेरा (आगरा)।→३२-१६८ बी।

भागवत—(?)

सतसंगतिमहातम (पद्य)→सं० ०७-१३६।

भागवत→'दशमस्कंध (संक्षेपलीला)' (माधवदास कृत)।

भागवत→'सूरसागर' (सूरदास कृत)।

भागवत (एकादश अध्याय) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० भागवत (एकादश स्कंध) के अंतर्गत श्रीकृष्ण उद्धव संवाद।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२५१।

भागवत (एकादश की भाषा)→'भागवत (एकादश स्कंध)' (चतुरदास कृत)।
भागवत (एकादश स्कंध) (पद्य)—कृपाराम कृत। वि भागवत का अनुवाद।
(क) लि का सं १८७६।
प्रा०—आनंदभवन पुस्तकालय बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-२४५ ए।
(ख) लि का सं १८६६।
प्रा —श्री बालमोहन विक्रमपुर (गाजीपुर)।→सं १-४२।
भागवत (एकादश स्कंध) (पद्य)—चतुरदास कृत। र का सं १६६२। वि नाम से स्पष्ट।
(क) लि का सं १७९१।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-८३ क।
(ख) लि का सं १७८५।
प्रा —गोपालजी का मंदिर जोधपुर।→ १-११।
(ग) लि का सं १८४१।
प्रा —पं माखनलाल मिश्र मथुरा।→ -७१।
(घ) लि का सं १८४१।
प्रा —सामंती पुस्तकालय बुलंदशहर।→१७-४।
(ङ) लि का सं १८७१।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-४१ ख।
(च) लि का सं १८७८।
प्रा —महंत रामदास कबीरपंथी मैथली डा कमोरा (आगरा)। → २१ ६६।
(छ) लि का सं १६२१।
प्रा —पं दुर्गाप्रसाद दुबे रामनगर, डा परिवावाँ (प्रतापगढ़)। → २६-७८।
(ज) लि का सं १६२१।
प्रा —भारत कला भवन काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी। → ४१-४६४ (क्रम)।
(झ) लि का सं १६१४।
प्रा —विद्याधरमरेश का पुस्तकालय बिजावर।→ ६-१४६ (विवरण अप्राप्त)।
(ञ) प्रा —महंत राधाकृष्ण बड़ी संगत बहराइच।→२१-७६।
(ट)→पं २२-१।
भागवत (एकादश स्कंध) (पद्य)—बालकृष्ण कृत। र का सं १८ ४। वि नाम से स्पष्ट।
(क) लि का सं १८७५।
प्रा —पं काशीराम बाजार सीताराम ११५, कूचा शरीफ बेग मुंशाराम का

मदिर, दिल्ली ।→दि० ३१-१० ।

(ख) लि० का० स० १८८० ।

प्रा०– श्री बनवारीदास पुजारी, बाह्मन थोक मदिर, ममाई, डा० एतमादपुर (श्रागरा) ।→२६-१६ ।

भागवत (एकादश स्कध) (पद्य)—रामरसिक कृत । लि० का० स० १८४० । वि० भागवत एकादश स्कध का श्रनुवाद ।

प्रा०—प० रामरक्षा त्रिपाठी 'निर्भीक', श्रध्यापक, फर्स्ट हाईस्कूल (फैजाबाद) । →स० ०१-३५१ ।

भागवत (एकादश स्कध टीका) (गद्य)—रचयिता श्रज्ञात । लि० का० स० १६०१ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—ठा० महादेवसिंह, रजनपुर (गगासिंह का पुरवा), डा० तिलोई (रायबरेली) ।→स० ०४-४८२ ।

भागवत (दशम स्कध) (पद्य)—खर्ग (कवि) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—गजाधरसिंह, सुरहैदी (श्रागरा) ।→३२-११६ ।

भागवत (दशम स्कध) (पद्य)—जनलाल (सोती) कृत । र० का० स० १५३७ । लि० का० स० १८८३ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—प० कन्हैयाराम सोती, सीस्ता, डा० सैमरा (मथुरा) ।→३२-६५ ।

भागवत (दशम स्कध) (पद्य)—जयकृष्ण कृत । लि० का० स० १८२२ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—प० भजनराम, पानी ग्राम, वृदावन (मथुरा) ।→३२-६८ ।

भागवत (दशम स्कध) (पद्य)—ज्ञानानद कृत । लि० का० स० १६०५ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—प० चोखेलाल, परसोत्तीगढी, डा० सुरीर (मथुरा) ।→३२-६६ ।

भागवत (दशम स्कध) (पद्य)—नददास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० स० १८३३ ।

प्रा०—रीवाँनरेश का पुस्तकालय, रीवाँ ।→०१-११ ।

(ख) प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६-२०० बी (विवरण श्रप्राप्त) ।

(ग) प्रा०—श्री मुरालीलाल केडिया, नदनसाहु की गली, वाराणसी । → ४१-५०८ ग (श्रप्र०) ।

भागवत (दशम स्कध) (पद्य)—नवलदास कृत । र० का० स० १८२३ । वि० भागवत दशम स्कध का श्रनुवाद ।

(क) लि० का० स० १८३१ ।

प्रा०—महत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० पर्वतपुर (सुलतानपुर) । → स० ०४-१८३ ज ।

(ख) लि० का० स० १६०८ ।

प्रा०—पं० श्यामसुंदर रासीबोल डा० भरतुरिया (बस्ती)।→सं० ७-६६।

(ग) लि० का० सं० १६१५।

प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)।→०६-२११ १ -११८।

भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)—निहालदास कृत। लि० का० सं० १६ । वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—महंत राधाकृष्ण की बड़ी संगत बहराइच।→११-१ ५।

भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)—नवल (कवि) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८८१।

प्रा०—श्री विष्णुमरोसे शुक्ल, बनगाँव, डा० अतरौली (हरदोई)। → २६-११ ए।

(ख) प्रा०—श्री हरिवल्लभ मिश्र मध्मकन डा० पिहानी (हरदोई)।→ २६-११ बी।

भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)—अन्य नाम 'हरिचरित्र'। भूपति कृत। र० का० सं० १७४४। वि० भागवत का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १८६७।

प्रा०—बाबू कृष्णप्रसादसिंह गोरखपुर।→ २-११६।

(ख) लि० का० सं० १६ १।

प्रा०—अमीरउद्दौला पुस्तकालय लखनऊ।→सं० ७-१४१।

(ग लि० का० सं० १६६२।

प्रा०—श्री रामभरोसेलाल मदनामर गौरवान (मुजफ्फरनगर)।→सं० १ -१ १।

(घ) प्रा०—पं० गोकुलचंद्र चमराखला गिरीश बाबू राधाकुंड मथुरा।→ १७-१६ ए।

(ङ) प्रा०—पं० चंद्रसेन पुजारी जुम्भ, बुलंदशहर।→१७-१६ बी।

(च) प्रा०—मुंशी गंगासहाय लिपिक (क्लर्क) अमेठी राज्य करौंदी (सुलतानपुर)।→११-५६।

(छ) प्रा०—गो० हितरूपलाल जी अधिकारी राधावल्लभ का मंदिर वृंदावन (मथुरा)।→१८ १ ए।

(ज) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→१८-११ बी।

(झ) प्रा०—पं० लालताप्रसाद चतुर्वेदी इटावा।→१८-११ सी।

भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)—रामदास कृत। वि० भागवत दशम स्कंध का अनुवाद।

(क) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० ४-१११ क।

(ख) प्रा०—पं० कामनाथप्रसाद दूबे उसरहा डा० शिवरतनगंज (रायबरेली)। →सं० ४-१११ ख।

भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)—श्रीलाल कृत। र० का० सं० १६७४। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री मयाशकर याज्ञिक, गोकुलनाथ जी का मदिर, गोकुल (मथुरा)।→ ३२–२०७।

भागवत (दशम स्कध) (पद्य)—हरिदास कृत। वि० नाम से स्पष्ठ।
प्रा०—सर्वोपकारक पुस्तकालय, अछनेरा (आगरा)।→३२–७७ ए।

भागवत (दशम स्कध) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १७६०। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्रीयुत गोपालचद्रसिंह, जिला न्यायाधीश, गाजीपुर।→स० ०७–२५०।

भागवत (दशम स्कध) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—प० लक्ष्मीनारायण मोटर ड्राइवर, उसायनी, डा० फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–३४५।

भागवत (दशम स्कध) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा —मु० रामप्रसाद, धीरपुरा, डा० टूँडला (आगरा)।→२६–३४६।

भागवत (दशम स्कध)→'आनदमगल' (मनीराम कृत)।

भागवत (दशम स्कध)→'आनदलहरी' (रतन कृत)।

भागवत (दशम स्कध)→'कृष्णविलास' (शभुनाथ त्रिपाठी 'शभु' कृत)।

भागवत (दशम स्कध)→'सुधासार' (छत्र कवि कृत)।

भागवत (दशम स्कध)→'हरिभक्ति विलास' (राजा विक्रमसाहि कृत)।

भागवत (दशम स्कध की सक्षिप्त कथा) (पद्य)—बाजूराय कृत। लि० का० स० १८४३। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—लाला भगवानदीन जी, छतरपुर।→०६–६।

भागवत (दशम स्कध चरित्र उपाख्यान सहित) (पद्य)—जगतानद कृत। र० का० स० १७३१। वि० भागवत दशम स्कध का सक्षिप्त वर्णन।
(क) प्रा०—श्री देवकीनदाचार्य पुस्तकालय, कामवन, अयोध्या।→१७–८० बी।
(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१–११६ क।

भागवत (दशम स्कध पूर्वार्द्ध) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—प० लक्ष्मीनारायण मोटर ड्राइवर, उसायनी, डा० फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–३४८।

भागवत (दशम स्कध पूर्वार्द्ध भाषा) (पद्य)—गोपीनाथ (द्विज) कृत। र० का० स० १६३६। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—ठा० शिवलालसिंह, पिपरौली (आगरा)।→२६–१२६।

भागवत (दशम स्कध भाषा) (गद्य)—अगद (शास्त्री) कृत। लि० का० स० १६४२। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—प० मुरलीधर द्विवेदी, लहरपुर (सीतापुर)।→२६–१६।

भागवत (दशम स्कध भाषा) (पद्य)—आनद कृत। लि० का० सं० १८३८। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा —पं० बद्रीप्रसाद पांडेय किशोरा डा० हथुआ (फतेहपुर)।→२-७।

भागवत (दशम स्कंध भाषा) (पद्य)—कनकसिंह कृत। लि० का० सं० १८८५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा —श्री रामनाथ वैद्य सलेमपुर (अलीगढ़)।→२६ १८२।

भागवत (दशम स्कंध भाषा) (पद्य)—ग्रन्थ नाम 'भागवत भाषानुवाद'। कृपाराम कृत। र० का० सं० १८१४। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८१९।

प्रा —गूदड़ बाबा का मंदिर चित्रकूट बाँदा।→ ६-११५।

(ख) लि० का० सं० १६ १-१९ ६ के बीच।

प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान धर्मलेख (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→ ५ १।

भागवत (दशम स्कंध भाषा) (पद्य)—ग्रन्थ नाम 'कृष्णचरित्र' 'रासविलास और गिरिधारी काव्य'। गिरिधारीदास (गिरिधारी) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १९११।

प्रा —हिंदी साहित्य पुस्तकालय मौरावाँ (उन्नाव)।→सं० ८-६१ ख।

(ख) लि० का० सं० १९४१।

प्रा —पं० ज्वालाप्रसाद मिश्र दीनदारपुर (मुरादाबाद)।→१२ ६१।

(ग) लि० का० सं० १९४८।

प्रा —पं० केदारनाथ तिवारी उत्तरपारा रायबरेली।→२१-१२४ ए।

(घ) लि० का० सं० १९५९।

प्रा —श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी विशारद पूरेपरान पाहे (रायबरेली)।→ २६-१४१।

(ङ) लि० का० सं० १९९५।

प्रा —श्री उमाशंकर त्रिपाठी गौरा (उन्नाव)।→सं० ४-६६ ग।

(च) लि० का० सं० १९९९।

प्रा —श्री रामशंकर त्रिपाठी उत्तरपारा (रायबरेली)।→सं० ४-६६ घ।

भागवत (दशम स्कंध भाषा) (पद्य)—नरहरिदास (बारहठ) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ १ ४८।

भागवत (दशम स्कंध भाषा) (गद्य)—मक्खनलाल (काशी) कृत। र० का० सं० १९ १। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १९११।

प्रा०—पं० रामनाथ शुक्ल शिवगढ़ डा० सिधौली (सीतापुर)। → २६-२८८ ए।

(ख) लि० का० सं० १९ (।

प्रा —पं० विष्णुस्वरूप बैसापुर डा० पंचागांव (सीतापुर)।→२६-२८८ बी।

भागवत (दशम स्कध भाषा) (पद्य)—मोहनदास (मिश्र) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—प० अयोध्याप्रसाद, सगरगेट, झाँसी।→०६–१६६ बी।

भागवत (दशम स्कध भाषा) (गद्य)—शालिग्राम (वैश्य) कृत। लि० का० स० क्रमश १६५० और १६५१। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—लाला रामचरण कुर्मी, इनायतपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)। → २६–४१८ ए, बी।

भागवत (दशम स्कध भाषा) (गद्य)—सेवादास (सेवाराम) कृत। र० का० स० १८८०। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० स० १८८०।

प्रा०—प० भजनलाल, सौंख (मथुरा)।→३८–१३६ सी।

(ख) प्रा०—श्री मुरलीधर, कचौरा (आगरा)।→३२–१६८ ए।

भागवत (दशम स्कध भाषा) (पद्य)—हरलाल (चतुर्वेदी) कृत। र० का० स० १८०१। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री नटवरलाल वैद्य, गुजरहट्टा, मथुरा।→३२–७१।

भागवत (दशम स्कध भाषा) (पद्य)— हितदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा० गो० पुरुषोत्तमलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२–७६ सी।

भागवत (दशम स्कध भाषा)→'कृष्णविनोद' (चददास कृत)।

भागवत (दशम स्कध भाषा)→'हरिचरित्र' (लालचदास हलवाई कृत)।

भागवत (द्वादश स्कध) (पद्य)—देवीदास कृत। लि० का० स० १८४६-५१। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–८३।

भागवत (द्वादस स्कध अनुवाद) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० स० १८०७। लि० का० स० १६वीं शती। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—नगरपालिका सग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–३७६।

भागवत (प्रथम स्कध) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० भागवत प्रथम स्कध का अनुवाद।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७–२४०।

भागवत (प्रथम स्कध) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० भागवत प्रथम स्कध का अनुवाद।

प्रा०—श्रीयुत गोपालचद्रसिंह, जिला न्यायाधीश, गाजीपुर।→स० ०७–२४८।

भागवत (भाषा) (पद्य)—अन्य नाम 'भागवत (महापुराण)'। रसजानिदास कृत। र० का० स० १८०७। वि० नाम से स्पष्ट।

भागवत के बारहो स्कध

(क) लि० का० स० १६०५।

प्रा —महंत त्रिवेणीदास चेला मंगलदास जी रामवल्लभ जी शाखा का बमरौली कटारा (आगरा) ।→२६–२६४ बी ।

(ख) प्रा —श्री ललितराम, जोधपुर ।→ १–६४ ।

(ग) प्रा —श्री ललितप्रसाद हकीम चौक की मंडी मुरादाबाद । → १२–१५ ।

(घ) प्रा —पं चुन्नीलाल राजौरिया कुंडौल डा जौनी (आगरा) ।→ २६–२६४ एं ।

प्रथम तथा द्वितीय स्कंध

(ङ) लि का सं १९१४ ।

प्रा —श्री नन्दूप्रसाद दुबे बमरौली कटारा (आगरा) ।→२६–२६४ एफ ।

अन्य स्कंध क्रमशः

(च) लि का सं १९१९ ।

(प्रथम स्कंध) ।→२६–२६४ सी ।

(छ) (द्वितीय स्कंध) ।→२६–२६४ ई ।

(ज) (तृतीय स्कंध) ।→२६–२६४ जी ।

(झ) लि का सं १८६१ ।

(चतुर्थ स्कंध) ।→२६–२६४ एच ।

(ञ) लि का सं १९१२ ।

(पंचम स्कंध) ।→२६–२६४ आई ।

(ट) (षष्ठम स्कंध) ।→२६–२६४ जे ।

(ठ) लि का सं १८६४ ।

(सप्तम स्कंध) ।→२६–२६४ के ।

(ड) लि का सं १८६४ ।

(अष्टम स्कंध) ।→२६–२६४ एल ।

प्रा —(उपर्युक्त सभी का)—पं कैलाश शर्मा बिजौली डा बाह (आगरा) ।

प्रथम स्कंध

(ढ) प्रा —पं बलदेव मिश्र सरैधी डा बाजनेर (आगरा) । → २६–२६४ बी ।

अष्टम स्कंध

(ण) प्रा —बाबू रामबहादुर अमवाला बाह (आगरा) ।→२६–२६४ एम ।

भागवत (भाषा) (गद्यपद्य)—रामचरण (कवि बाल) कृत । र का सं और लि का सं १ ८१ १८७० तक । वि भागवत दशम स्कंध का अनुवाद ।

प्रा —श्री उमेश्वर मिश्र कौसीचार, डा मैना बाजार (गोरखपुर) । → सं १–१५१ ।

भागवत (भाषा) (पद्य)—लच्छीराम कृत । वि भागवत के कुछ अंशों का अनुवाद ।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी) ।→०६–१६३ ।

भागवत (भाषा)→'कृष्णविनोद' (चंददास कृत) ।

भागवत (भाषानुवाद)→'आनंदाम्बुनिधि' (महाराजा रघुनाथसिंह कृत) ।

भागवत (भाषानुवाद)→'भागवत (दशम स्कंध भाषा)' (कृपाराम कृत) ।

भागवत (भावार्थदीपिका) (गद्य)—श्रीधर (स्वामी) कृत । वि० भागवत चतुर्थ पंचम, षष्ट, अष्टम और नवम स्कंध का भावार्थ ।

प्रा०—पं० गौरीशंकर गौड़, धौंकल, डा० बरहन (आगरा) ।→२६–३१५ ए से ई तक ।

भागवत (महापुराण) (पद्य)—मुकुंददास कृत । वि० भागवत के प्रथम से अष्टम स्कंध तक का अनुवाद ।

प्रा०—पं० केदारनाथ ज्योतिषी, मारू गली, मथुरा ।→३५–६५ ।

भागवत (महापुराण)→'भागवत (भाषा)' (रसजानिदास कृत) ।

भागवत (षष्ठ और सप्तम स्कंध) (पद्य)—परशुराम कृत । वि० भागवत के षष्ट और सप्तम स्कंध का अनुवाद ।

प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद चौहरे, जसवतनगर (इटावा) ।→३५–७३ ।

भागवत (सप्तम स्कंध) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० भागवत सप्तम स्कंध की टीका ।

प्रा०—पं० बाबूलाल दूबे, भलिया, डा० काकोरी (लखनऊ) ।→सं० ०७–२४६ ।

भागवत अवतरणिका (पद्य)—गणेशदत्त कृत । र० का० सं० १८१२ । वि० भागवत की विषय सूची ।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर ।→१७–५५ ।

भागवत की अनुक्रमनी (पद्य)—बालदास (बाबा) कृत । लि० का० सं० ६२१ । वि० भागवत की अनुक्रमणिका ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०८–२३६ घ ।

भागवतगीता (भाषा) (पद्य)—जयतराम कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८५५ ।

प्रा०—श्री एडवर्ड हिंदी पुस्तकालय, हाथरस ।→१२–८५ ।

(ख)→१७–८८ ।

भागवतगीतावली (दशम स्कंध) (पद्य)—लोकेदास (बाबा) कृत । र० का० सं० १८६६ । वि० श्रीमद् भागवत के दशम स्कंध में श्रीकृष्ण चरित्र का वर्णन ।

प्रा०—महंत रामानंद, खसहाकुटी (बहराइच) ।→२३–२४८ ए ।

भागवतचक्र (पंचम स्कंध) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० पृथ्वीखंड सागर इत्यादि का परिमाण दर्शक चक्र ।

प्रा०—पं० जौहरीलाल शर्मा, बुलंदशहर ।→१७–१२ (परि० ३) ।

भागवतचरित्र (पद्य)—भागवतदास कृत । र० का० सं० १८६३ । वि० शंकराचार्य,

रामानुज, मीरा नरसी नामदेव, मधुरदास, हितहरिवंश, कबीर, तुलसीदास और सूरदास आदि भक्तों का चरित्र वर्णन।
(क) का सं १८८८।
प्रा —पं रामकृष्ण शुक्ल सुदर्शन भवन सूरजकुंड, प्रयाग।→४१-१७१ क।
(ख) लि का सं १९११।
प्रा —राजा अवधेशसिंह साहब, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→२६-५१ ए।
(ग) प्रा —प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय कालाकाँकर (प्रतापगढ़)। → ६-२२।
भागवतदर्शन स्तोत्र की वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि गुरु भक्ति एवं उपदेश।
प्रा —श्री मन्ती मह गोवर्धन (मथुरा)।→१७-११ (परि १)।
भागवतदास—श्री संप्रदाय के वैष्णव। मगरौरा (रायबरेली) के निवासी। रामप्रसाद के पुत्र। पहले प्रयाग में बाबा सीता राम के शिष्य हुए। अनंतर शिवाबत गाँव (फतेहपुर) में रहने लगे। सं १८८३-१८८७ के लगभग वर्तमान।
तत्त्वबोध (पद्य)→४१-१७१ ड।
मनमालमाहात्म्य (पद्य)→२६-५१ बी ४१-५११ (अप्र)।
भागवतचरित्र (पद्य)→ ६-२२ २६-५१ ए, ४१-१७१ क।
रामकंठाभरण (पद्य)→४१-१७१ ट।
रामलोचन पिंगल (पद्य)→ ६-२१ २३-४८, ४१-१७१ ध छ।
रामरहस्य (पद्य)→४१-१७१ म।
रामायणमाहात्म्य (पद्य)→४१-१७१ ग घ।
सम्मिश्रानंदविहार स्तोत्र (पद्य)→४१-१७१ झ।
सर्वपुराण (पद्य)→४१-१७१ ख।
हनुमानाष्टक (पद्य)→४१-१७१ ज।
भागवतदास—रेहुआ (बहराइच) में सरयू किनारे बरनापुर के निवासी। बीसवीं शताब्दी में वर्तमान।
ज्ञाननिरूपण ककहरा (पद्य)→२१-४६।
भागवतदास→'भागवतदास' (वीररतन' के रचयिता)।
भागवतपचीसी (पद्य) – नाथ (कवि) कृत। लि का सं १६ ६। वि भागवत का माहात्म्य।
प्रा —पं रघुनाथराम गायघाट वाराणसी।→ ६ २ ८।
भागवतपुराण (दशम एकादश द्वादश स्कंध)→'सूरसागर (सूरदास कृत)।
भागवत भाषा (दशम मध्य और पाराशयय कांड) (पद्य)—भवानदास कृत। र का सं १८२१। वि भागवत की कथाओं का वर्णन।
(क) लि का सं १८११।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाद, हरगाँव, डा० परवतपुर (सुलतानपुर)।→२३-३०१ डी।
(ख) लि० का० सं० १६३५।
प्रा०—मुंशी अशरफीलाल, राज पुस्तकालयाध्यक्ष, बलरामपुर (गोंडा)। →
०६-२१६।
(ग) प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, प्रानपांडे का पुरवा, डा० तिलोई
(रायबरेली)।→स० ०४-१८३ झ।

भागवत भाषा (दशम स्कंध) (पद्य)—अन्य नाम 'हरिचरित्र'। सबलस्याम (सबलश्याम)
कृत। र० का० सं० १७२६। वि० कृष्ण चरित्र।
(क) लि० का० सं० १७७५।
प्रा०—पुजारी रघुवर पाठक, बिसवाँ (सीतापुर)।→१२-१६०।
(ख) लि० का० सं० १७७५।
प्रा०—आनंद भवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-४१३ ए।
(ग) लि० का० सं० १८१०।
प्रा०—पं० रामसुंदर मिश्र, कटाघरी, डा० अकौना (बहराइच)। →
२३-३६३ ए (ए)।
(घ) लि० का० सं० १८१८।
प्रा०—ठा० दलजीतसिंह, जालिमसिंह का पुरवा, डा० केसरगंज (बहराइच)।→
२३-३६३ ए (बी)।
(ङ) लि० का० सं० १८७१।
प्रा०—भैया सतबक्ससिंह, गुठवारा (बहराइच)।→२३-३६३ ए (सी)।
(च) लि० का० सं० १८७१।
प्रा०—श्री सीतलप्रसाद निगम, पट्टीदारान, सैदपुर (बाराबंकी)। →
२३-३६३ ए (ई)।
(छ) का० सं० १८८८।
प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगाराज (बहराइच)। →
२३-३६३ ए (डी)।
(ज) लि० का० सं० १६०६।
प्रा०—ठा० रामसिंह अध्यापक, बभनगवाँ, डा० अमोढा (बस्ती)। →
स० ०४-४०१।
(झ) प्रा०—भैया सतबकशसिंह, गुठवा (बहराइच)।→२३-३६३ ए (एफ)।
(ञ) प्रा०—पं० मुरलीधर त्रिपाठी, मैला सराय, डा० बौंड़ी (बहराइच)।→
२३-३६३ ए (जी)।
(ट) प्रा०—राजा अवधेशसिंह रईस, तालुकेदार, कालाकाँकर (प्रतापगढ)।→
२६-४१३ बी।

भागवत भाषा (द्वादश स्कंध) (पद्य)—कृष्णदास कृत । र का सं १८८१ । लि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं कृष्णमोहन व्यास, आलियापुर, इलाहाबाद ।→ ६–१५८ ए ।

भागवत भाषा (पंचम स्कंध) (पद्य)—मुरलीधर (कविराई) कृत । वि भागवत पंचम स्कंध का अनुवाद ।
प्रा —याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं १–१ १ ।

भागवत भाषा (प्रथम स्कंध) (पद्य)—कृष्णदास कृत । लि का सं १८६६ । वि भागवत प्रथम स्कंध का अपूर्ण अनुवाद ।
प्रा —पं केदारनाथ पाठक पुस्तकालयाध्यक्ष नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी । →२ –८७ ।

भागवत भाषा (संपूर्ण) (पद्य)—कृष्णदास कृत । वि प्रथम से द्वादश स्कंध तक का अनुवाद ।
(क) प्रथम स्कंध ।→२१–२१८ ए ।
(ख) लि का सं १८६१ । द्वितीय स्कंध ।→२१–२१८ बी ।
(ग) तृतीय स्कंध ।→२०–२१८ सी ।
(घ) लि का सं १६ । चतुर्थ स्कंध ।→२१–२१८ डी ।
(ङ) लि का सं १११ । पंचम स्कंध ।→२१–२१८ ई ।
(च) लि का सं १११ । षष्ठ स्कंध ।→२१–२१८ एफ ।
(छ) लि का सं १११ । सप्तम स्कंध ।→२१–२१८ जी ।
(ज) अष्टम स्कंध ।→२१–२१८ एच ।
(झ) लि का सं १११ । नवम स्कंध ।→२१–२१८ आई ।
(ञ) लि का सं १११ । दशम स्कंध ।→२१–२१८ जे ।
(ट) एकादश स्कंध ।→२१–२१८ के ।
(ठ) लि का सं १११० । द्वादश स्कंध ।→२१–२१८ एल ।
प्रा —(उपर्युक्त सभी का) हिंदी पुस्तकालय मथावगंज वाराणसी ।

भागवत महिमा (पद्य)—किशोरीअली कृत । र का सं १८१७ । वि भागवत का माहात्म्य और बारहों स्कंधों का सार ।
प्रा —श्री गोपाल जी का मंदिर नगर ग्रा फतेहपुर सीकरी (आगरा) ।→ ११–१२ ए ।

भागवत माहात्म्य (पद्य)—कृष्णदास कृत । र का सं १८५५ । वि पद्मपुराण के भागवत माहात्म्य का अनुवाद ।
(क) प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान अर्थलेखक (डेड एकाउंटेंट), छतरपुर । →०५–६ ।
(ख) प्रा —पं कृष्णमोहन व्यास आलियापुर, इलाहाबाद ।→०२–१५८ बी ।

भागवत माहात्म्य (पद्य)—मेहरबानदास कृत । र० का० सं० १८१६ । लि० का० सं० १९३१ । वि० भागवत का संक्षिप्त वर्णन ।
प्रा०—मुंशी अशरफीलाल राजकीय पुस्तकालयाध्यक्ष, बलरामपुर ।→०६-१६८ ।

भागवत माहात्म्य (पद्य)—यमुनादास कृत । र० का० सं० १६०८ (?) । वि० पद्मपुराणांतर्गत भागवतमाहात्म्य का अनुवाद ।
प्रा०—श्री दुर्गाप्रसाद ब्रजभट्ट, लालदरवाजा, मथुरा ।→३५-१०७ ।

भागवत माहात्म्य (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत । र० का० सं० १६११ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-१८ ।

भागवत माहात्म्य (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री रामचंद्र जाट, पनवारी, डा० अछनेरा (आगरा) ।→२६-३४७ ।

भागवत मुदित→'भगवत मुदित' ('वृंदावनसत' के रचयिता) ।

भागवत विलासिका (पद्य)—रामहित (जन) कृत । र० का० सं० १८८१ । लि० का० सं० १८८३ । वि० भागवत के अंतर्गत खगोल विद्या का वर्णन ।
प्रा०—श्री रामानंद द्विवेदी पीडरी, डा० फाफा (आजमगढ) । → सं० ०१-३५८ घ ।

भागवतशरण (पांडेय)—सरयूपारीण ब्राह्मण । पुरवा हरदत्त मिश्र (प्रतापगढ) के निवासी । कानपुर की ब्राह्मण पलटन के जमादार ।
अक्षरशब्दप्रपाटिका (पद्य)→२६-५३ ए ।
ज्ञानदीपक (पद्य)→२६-५३ बी ।

भागवतसार (भाषा)→'भागवतसार पचीसी' (हितचंदलाल कृत) ।

भागवतसार पचीसी (पद्य)—हितचंदलाल कृत । र० का० सं० १८५४ । वि० भागवत की संक्षिप्त कथा ।
(क) लि० का० सं० १८६१ ।
प्रा०—पं० माखनलाल मिश्र, मथुरा ।→००-६६ ।
(ख प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर । →०६-४३ सी ।

भागवतसुलोचना टीका (पद्य)—प्रियादास कृत । वि० भागवत का माहात्म्य ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-१४१ ।

भागीरथीप्रसाद→'अधीन' (बाँकीमौली) निवासी ।

भागीरथीलीला (पद्य)—तारापति कृत । वि० राजा भगीरथ द्वारा गंगा को पृथ्वीपर लाने की कथा ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-३३६ (विवरण अप्राप्त) ।

भाग्यबोधिनी (गद्य)—रामेश्वर कृत । लि० का० सं० १६३१ । वि० ज्योतिष ।

प्रा —श्री रामलखन शर्मा मीरमपुर, डा किशनी (मैनपुरी) ।→१२-१८४।

भान→ हरिभान' ('नरेंद्रभूषण' के रचयिता) ।

भानु (मिश्र)—सं १८५ के लगभग वर्तमान ।

रसरंग (गद्यपद्य)→२१-२ ।

भानुजोति→(?)

भारित्य कथा (पद्य)→२६-४१ ।

त्रि लो वि में रचयिता का नाम भूल से भाऊ कवि मान लिया गया है ।

भानुकुँवर—ग्वालियर (गोपाचल) नरेश कीरतिसिंह के पुत्र । वैद्यनाथ के आश्रयदाता । →सं १-१४६ ।

भानुसिंह—सं १८८८ के पूर्व वर्तमान ।

जपमंगल (पद्य)→सं ४-२५७ ।

भानुप्रताप—बिजावर नरेश । महाराज छत्रशाल के वंशज । लक्ष्मीप्रसाद (मुसाहिब) के आश्रयदाता । सं १९ ३ के लगभग वर्तमान ।→०५-८४ ।

भानुमती कबूतरबाजा चरित्र (गद्य)—नरसिंह कृत । वि मंत्र सिद्धि के उपाय ।

प्रा —पं कन्हैयालाल फतेहाबाद (आगरा) ।→२६-२४६ ।

भारत (मूल) (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । र का सं १९१२ । वि महाभारत की कथा ।

प्रा —श्री गदाधर चौकसी समथर ।→ ६-७९ आई ।

भारत कवितावली (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । र का सं १९१२ । लि का सं १९१२ । वि महाभारत की कथा ।

प्रा —श्री गदाधर चौकसी समथर ।→ ६-७९ के ।

भारत का इतिहास (पद्य)—गणेशीलाल कृत । वि इतिहास तिमिर नाशक के आधार पर भारतवर्ष का इतिहास ।

प्रा —पं सरयूलाल मिश्र मवइया (फतेहपुर) ।→२ -८६ ।

भारतप्रबंध (पद्य)—मनसाराम (पाडे) कृत । र का सं १८६४ । वि महाभारत की संक्षिप्त कथा ।

प्रा —भारती भवन पुस्तकालय छतरपुर ।→ ५ ६६ ।

भारतवर्ष का इतिहास (गद्य)—वंशीधर कृत । र का सं १९ ६ । वि सन् १८४० ई तक का भारतवर्ष का इतिहास ।

(क) लि का सं १९११ ।

प्रा —डा हरिहरसिंह पद्म ।→२६ ९६ ए ।

(ख) लि का सं १९१४ ।

प्रा०—लाला रामदयाल बाबनगर डा मौलहा (एटा) ।→२६-९६ एच ।

भारतवर्षीय वृत्तांतप्रकाश (गद्य)—मगनलाल (पंडित) कृत । र का सं १९२६ । मु का सं १९६ । वि उर्दू तवारीख वाकियातहिंद का अनुवाद ।

खो सं वि ११ (११ -६४)

प्रा०—श्री विक्रमाजीतसिंह भादर (सुलतानपुर) ।→स० ०४–२७४।

भारतवार्तिक (गद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। लि० का० स० १६१२ । वि० महाभारत की कथा ।

प्रा०—लाला लक्ष्मीप्रसाद, वन अधिकारी (फारेस्ट आफीसर), दतिया ।→ ०६–७६ एक्स ।

भारतविलास (पद्य)—दिग्गज (कवि) कृत । र० का० स० १७६६ । वि० महाभारत की कथा ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–३८ ।

भारतशाह—उप० भरत (भरथ) । दीवान सावतसिंह (बिजना, बुंदेलखंड) के जागीरदार के पौत्र । स० १७६७ के लगभग वर्तमान ।

उषाअनिरुद्ध की कथा (पद्य)→०६–१४ ए ।

हनुमान विरुदावली (पद्य)→०६–१४ बी, ०६–२५, ४१-५३२ (अप्र०) ।

भारतसार (पद्य)—लाल (कवि) कृत । लि० का० स० १६१२ । वि० महाभारत विराट्, वन और उद्योग पर्व की कथा ।

प्रा०—श्री गौरीशकर कवि, दतिया ।→०६–१८८ ए (विवरण अप्राप्त) ।

भारतसार (भाषा) (पद्य)—चैनराम कृत । र० का० स० १८८५ । वि० महाभारत की सक्षिप्त कथा ।

प्रा०—श्री आरतराम, महामदिर, जोधपुर ।→०१–८३ ।

भारतसावित्री (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । र० का० स० और लि० का० स० १६१२ । वि० कौरव और पाडवों के जन्म की कथा ।

प्रा०—श्री गदाधर चौकसी, समथर ।→०६–७६ जे ।

भारती—वास्तविक नाम भारतीचद । ओछड़ा नरेश । स० १८३२ के लगभग वर्तमान ।

रसशृंगार (गद्यपद्य)→०६–१३ ।

भारतीकठाभरण (पद्य)—जगतसिंह कृत । र० का० स० १८६३ । वि० पिंगल ।

(क) लि० का० स० १८६४ ।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३–१७६ बी ।

(ख) लि० का० स० १८६६ ।

प्रा०—श्री मगलाप्रसाद द्विवेदी, गोगहर, डा० ढंगुर (प्रतापगढ) । → स० ०८–१०६ क ।

भारतीचद→'भारती' ('रसशृंगार' के रचयिता) ।

भारथसाहि—अन्य नाम भारथसिंह । कोई राजवशी । पिता का नाम हरिसिंह । देउरा निवासी । स० १८६७ के पूर्व वर्तमान ।

सतकविकुलदीपिका (पद्य)→स० ०१–२५७ ।

भारथसिंह→'भारथसाहि ('सतकविकुलदीपिका' के रचयिता) ।

भारामल्ल (जैन)—फर्रुखाबाद निवासी । पश्चात् भदावर राज्यातर्गत भिंड नगर में

निवास । पिता का नाम संभई परशुराम । ई १८१४-१९ के लगभग वर्तमान ।
चार कथा का गुटका (पद्य)→ई ४-२५८ क ।
दिग्दर्शन कथा (पद्य)→२६-१९ ए ई १ -८७ क से च तक ।
दान कथा (पद्य)→ई ४-२५८ ख ।
निशिभोजन त्याग व्रत कथा (पद्य)→२१-११ ए ।
मुक्तावली व्रत कथा (पद्य)→२६-१६ बी ।
शीलकथा (पद्य)→२१-५१ बी ई १ -८७ घ ङ ।
रतनचंद्र पुराण की भाषा (पद्य)→ई १ -८७ छ, ज ट ।
भावप्रबोध (पद्य)—भाव कवि (न्यामत खाँ) कृत । र का ई १७११ । वि शृंगार
काव्य ।
प्रा•—हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद ।→ई १-११६ ठ¹ ।
भावचंद्रिका (पद्य)—मोहनदास (मिश्र) कृत । र का ई १८५१ । वि गीत-
गोविंद का अनुवाद ।
(क) लि का ई १९१५ ।
प्रा —ठा कामतासिंह किशनपुर डा सेवढा (ब्राह्मनगढ़) । →
ई १-१ ३ ।
(ख) लि का ई १९२१ ।
प्रा•—लाला हरप्रसाद छतरपुर ।→४ —७१ ।
भावदीपक→ सुरतप्रकाश (गंगाराम मवि कृत) ।
भावन—वास्तविक नाम भवानीदत्त । मयूरध्वज नगर (मौरावाँ उन्नाव) के निवासी ।
पाठक (त्रिपुरी) ब्राह्मण । छोटे भाई का नाम सर्वीदत्त । पिता का नाम
मंगप्रसाद । पितामह का नाम शीतल शर्मा और परपितामह का नाम माधवदत्त ।
ई १८५१ के लगभग वर्तमान ।
कवित्त (पद्य)→ई ४-२६ क ।
बरवै (पद्य)→ई ४-२६ ख ।
शक्तिचिंतामणि (पद्य)→ ६ २८ २३-५१ सी २६-५७ ई ४-२६ ग घ ।
भावन—(?)
मंगलागारी (पद्य)→ई ४-१५६ ।
भावनापचीसी (पद्य)—कृपानिवास कृत । वि राम सीता की छवियों और उनकी
दिनचर्या का वर्णन ।
प्रा•—सरस्वती भंडार लक्ष्मण कोट, अयोध्या ।→१७-९९ सी ।
भावनापचीसी (पद्य)—हित भोरलाल कृत । वि राधाकृष्ण विहार ।
(क) प्रा —पं चुन्नीलाल वैद्य चंद्रपारि की गली वाराणसी ।→ ६-१६ बी ।
(ख) प्रा —गो गोवर्द्धननाथ जी राधारमण का मंदिर मिर्जापुरी
मिरजापुर ।→ ६-८१ ये ।

भावनाप्रकाश (पद्य)—सुंदरकुँवरि कृत । र० का० सं० १८४६ । वि० व्रज की नित्य विहार लीला ।
प्रा०—साधु निर्मलदास, वेरू (जोधपुर) ।→०१–१०४ ।

भावनामृत कादंबिनी (पद्य)—युगलअलि (युगलमंजरी) कृत । वि० भगवद्भक्ति और रामसीता का विहार ।
(क) लि० का० सं० १८६३ ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–३८६ (विवरण अप्राप्त) ।
(ख) लि० का० सं० १९०६ ।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–२०५ ।

भावनारहस्य→'चरचाविलास' (युगलानन्यशरण कृत) ।

भावनासत (पद्य)—कृपानिवास कृत । वि० रामोपासना की विधि ।
(क) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२७६ डी (विवरण अप्राप्त) ।
(ख) प्रा०—ठाकुरद्वारा, खजुहा (फतेहपुर) ।→२०–८५ ।

भावनासागर (गद्य)—चतुरशिरोमणिलाल कृत । र० का० सं० १८६८ । लि० का० सं० १९६४ । वि० राधावल्लभ संप्रदाय के सिद्धांत ।
प्रा०—गो० हितरूपलाल जी, अधिकारी श्री राधावल्लभ मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→३८–२६ ।

भावनासुबोधिनी (पद्य)—हित चंदलाल कृत । लि० का० सं० १८८६ । वि० राधा-कृष्ण विहार ।
प्रा०—गो० गिरधरलाल जी झाँसी ।→०६–४३ ई ।

भावनिदान (पद्य)—गंगाराम (यति) कृत । र० का० सं० १८७८ । वि० वैद्यक ।→पं० २२–३१ सी ।

भावपंचाशिका→'भावप्रकाश पंचाशिका' (वृंद कवि कृत) ।

भावप्रकाश (पद्य)—गिरिधर (भट्ट) कृत । र० का० सं० १९१२ । लि० का० सं० १९३९ । वि० चिकित्सा विषयक संस्कृत 'भावप्रकाश' का अनुवाद ।
प्रा०—गौरहारनरेश का पुस्तकालय, गौरहार ।→०६–३८ सी ।

भावप्रकाश→'भावप्रकाशिनी टीका' (संतसिंह कृत) ।

भावप्रकाश पंचाशिका (पद्य)—अन्य नाम 'भावपंचाशिका' । वृंद (कवि) कृत । र० का० सं० १७४३ । वि० शृंगार, रस, नायिकाभेद आदि ।
(क) लि० का० सं० १८२६ ।
प्रा०—ठा० गंगासिंह, देवरिया, डा० असोरा (सीतापुर) ।→२६–५०४ ।
(ख) लि० का० सं० १९५३ ।
प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी ।→०६–३३० ए ।

(घ) प्रा —पं रामदेव, बघुरीगाँव डा मनौली (बाराबंकी) ।→२१-४४६ ए ।

(घ) प्रा —श्री मथुरापतिराम शर्मा शाहदरा दिल्ली ।→दि ११ १६ ।

(क) प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर ।→४१-५६२ (अप्र) ।

भावप्रकाशिनी टीका (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'भावप्रकाश और 'विमलवैराग्य संपादिनी'। संतसिंह कृत । र का सं १८८१-८८ । वि रामचरितमानस की टीका ।

संपूर्ण

(क) लि का सं १८८६ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→ ४-७८ ।

बालकांड

(ख) लि का सं १९१ ।

प्रा —महंत लखनलालशरण लक्ष्मणकिला अयोध्या ।→ ९-२८२ ए ।

(ग) लि का सं १९५२ ।

प्रा —महाराज प्रकाशसिंह जी मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६-४९९ बी ।

अयोध्याकांड

(घ) लि का सं १९११ ।

प्रा —महंत लखनलालशरण लक्ष्मण किला अयोध्या ।→ ९-२८२ बी ।

(ड) लि का सं १९५९ ।

प्रा —महाराज प्रकाशसिंह जी मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६-४९९ ए ।

अरण्यकांड

(च) लि का सं १९११ ।

प्रा —महंत लखनलालशरण लक्ष्मणकिला अयोध्या ।→ ९-२८२ सी ।

किष्किंधाकांड

(छ) लि का सं १९११ ।

प्रा —महंत लखनलालशरण लक्ष्मण किला अयोध्या ।→ ९-२८२ डी ।

सुंदरकांड

(ज) लि का सं १९११ ।

प्रा —महंत लखनलालशरण लक्ष्मणकिला अयोध्या ।→ ९-२८२ ई ।

लंकाकांड

(झ) लि का सं १९११ ।

प्रा —महंत लखनलालशरण, लक्ष्मणकिला अयोध्या ।→ ९-२८२ एफ ।

उत्तरकांड

(ञ) प्रा —महंत लखनलालशरण लक्ष्मणकिला अयोध्या ।→ ९-२८२ जी ।

भावभावना (गद्य)—हरिराय कृत । वि पुष्टिमार्गीय सिद्धांतानुसार राधाकृष्ण विषयक उत्सव एवं सेवाएँ ।

प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२-८३ जी।

भावरसामृत (पद्य)—गुलाबसिंह कृत। र० का० सं० १८३४। वि० भक्ति।

(क) लि० का० सं० १६०१।

प्रा०—श्री दुर्गाप्रसाद शुर्मा, सेहरी, डा० इटवा (बस्ती)।→सं० ०४-७१।

(ख) लि० का० सं० १६०१।

प्रा०—पं० अवधेश, भिउरा, डा० वाल्टरगंज (बस्ती)।→सं० ०७-३३।

भावविलास (पद्य)—गोपालराय (भाट) कृत। वि० काव्य के भावों का वर्णन।

प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा)।→१२-६२ जी।

भावविलास (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत। र० का० सं० १७४६। वि० अलंकार, नायिकाभेद आदि।

(क) लि० का० सं० १८१७।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-४१।

(ख) लि० का० सं० १६०५।

प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)।→०६-६४ एफ।

(ग) लि० का० सं० १६०५।

प्रा०—श्री ललिताप्रसाद वैश्य, नयाघाट, अयोध्या।→२०-३६ ए।

(घ) लि० का० सं० १६१२।

प्रा०—श्री हनुमानप्रसाद, सहायक पोस्टमास्टर, राया (मथुरा)।→२६-८० ई।

(ङ) लि० का० सं० १६३५।

प्रा०—पं० श्यामबिहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ।→२३-८६ जी।

(च) लि० का० सं० १६३५।

प्रा०—श्री मुन्नू मिश्र, नीलगाँव (सीतापुर)।→२३-८६ एच।

(छ) लि० का० सं० १६४२।

प्रा०—पं० श्यामबिहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ।→२३-८६ आई।

(ज) प्रा०—पं० महाराजदीन चौबे, कसराय (रायबरेली)।→२३-८६ जे।

भावविलास (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८२०। वि० राधाकृष्ण विहार।

प्रा०—गो० गोर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी (मिरजापुर)। → ०६-३३१ सी।

भावशतक (पद्य)—शारंगधर कृत। लि० का० सं० १६६६। वि० शृंगार।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→सं० ०१-४११।

टि० प्रस्तुत ग्रंथ की प्रतिलिपि सं० १७६२ की प्रति से हुई है।

भावसत (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि० का० सं० १७७७। वि० भावपूर्ण सौ दोहों का संग्रह।

प्रा —हिंदुस्तानी एकाडमी, इलाहाबाद।→सं १–१२६ द।

भावसिंह—आगरा निवासी। जैन धर्मानुयायी। सं १७८२ के लगभग वर्तमान। 'पुरुषार्थकपाकोश' भाषा नामक इनकी रचना इनकी मृत्यु के कारण अधूरी रह गई थी जिसको भिपराज ने पूरा किया।→सं ४–११३।
जीवनचरित्र (भाषा) (पद्य)→२३–५४ ४१–५३४ (भ्रम)।

भावसिंह—बूँदी के महाराज हाड़ा सुरजनराव के वंशज। मतिराम के आश्रयदाता। सं १७०७ के लगभग वर्तमान।→ १ ९७।

भावार्थचंद्रिका (पद्य)—मनियारसिंह कृत। र का सं १८४१। लि का सं १८५६। वि महिम्नस्तोत्र का अनुवाद।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ १–४७।

भाषा काव्यप्रकाश→ 'कवित्त भाषावृत्तक विचार' (बलभद्र कृत)।

भाषाकोश (हिंदी संस्कृत) (गद्यपद्य)—माधवदास (मट्ट) कृत। वि कोश।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग कौंकरोली।→सं १–२८८।

भाषाचंद्रोदय (गद्य)—वंशीधर कृत। र का सं १९११। लि का सं १९११। वि हिंदी का व्याकरण।
प्रा —पं रामभरोसे देवकुली ग्रा मारहरा (एटा)।→२६–२८ बी।

भाषाचंद्रोदय (गद्य)—श्रीलाल (पंडित) कृत। र का सं १९१२। मु का सं १९२२। वि व्याकरण।
प्रा॰—श्री नरसिंहनारायण शुक्ल मीरजहाँपुर डा सिंगरा (इलाहाबाद)।→सं १–४१२ क।

भाषाभूषण→ 'बालकालंकार (भाषा)' (लाखनसिंह कायस्थ कृत)।

भाषात्रिपटिका (पद्य)—रघुवरदयाल कृत। वि ज्योतिष।
प्रा —ठा बलदेवसिंह चौरी डा माल (लखनऊ)। →सं ७ १५९ ख।

भाषापचपक्षी (पद्य)—सुमत कृत। वि शुभाशुभ शकुन वर्णन।
प्रा —श्री सरजूप्रसाद दूबे लच्छी पट्टी डा गैंगरामऊ (जौनपुर)। →सं ४–२२१।

भाषापंचाध्यायी→ रासपंचाध्यायी (गोपालराय भट्ट कृत)।

भाषापिंगल→'पिंगल' (चिंतामणि त्रिपाठी कृत)।

भाषाभरण (पद्य)—बैरीसाल कृत। र का सं १८२५। वि अलंकार।
(क) लि का सं १९४९।
प्रा —पं कृष्णबिहारी मिश्र गंधौली माइल हाउस लखनऊ।→२६–२६।
(ख) लि का सं १८७९।
प्रा —पं शिवनारायण वाजपेयी वाजपेयी का पुरवा डा सिसैंया (बहराइच)।→२३–२९ ए।
(ग) लि का सं १९१५।

प्रा०—ठा० लक्ष्मणसिंह, सैदापुर, डा० मडिया, तालुका नीलगाम (सीतापुर)। →२३-२५ बी।

(घ) लि० का० स० १६४६।

प्रा०—प० जुगलकिशोर मिश्र, गघौली (सीतापुर)।→०६-१३।

(ङ) प्रा०—श्री छुन्नूलाल भट्ट, अजयगढ।→०६-१३२ (विवरण अप्राप्त)।

भाषा भागवत समूल एकादश स्कंध (पद्य)—हरिदास कृत। र० का० स० १८१३। लि० का० स० १८२०। वि० भागवत एकादश स्कंध का अनुवाद।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-५५।

भाषाभूषण (पद्य)- जसवंतसिंह (महाराज) कृत। र० का० स० १७७७। वि० नायक नायिकाभेद और अलंकार।

(क) लि० का० स० १७८४।

प्रा०—प० ब्रजभूषण, दानयालपुर, डा० तंबोर (सीतापुर)।→२६-२०१ बी।

(ख) लि० का० स० १८४२।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१७६ (विवरण अप्राप्त)।

(ग) लि० का० स० १८५४।

प्रा०—राजा भगवानबक्श जी, अमेठी राज (सुलतानपुर)।→२३-१८३ ए।

(घ) लि० का० स० १८७६।

प्रा०—प० शिवनारायण बाजपेयी, बाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच)।→२३-१८३ बी।

(ङ) लि० का० स० १८६०।

प्रा०—बाबू जयमगलराय बी० ए०, एल० टी०, गाजीपुर।→२६-२०१ ई।

(च) लि० का० स० १८६१।

प्रा०—प० बद्रीनाथ भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→२३-१८३ सी।

(छ) लि० का० स० १६१७।

प्रा०—प० केदारनाथ पाठक, पुस्तकालयाध्यक्ष, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२०-७०।

(ज) लि० का० स० १६१७।

प्रा०—ठा० शिवरतनसिंह, गगापुरवा, डा० औरंगाबाद (सीतापुर)। → २६-२०१ सी।

(झ) लि० का० स० १६४१।

प्रा०—प० राधाकृष्ण शास्त्री, अध्यापक, किठावर पाठशाला, डा० पूरबगाँव (प्रतापगढ)।→२६-२०१ डी।

(ञ) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-४७।

(ट) प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६-२५१ (विवरण अप्राप्त)।

(ट) प्रा०—पं० केदारनाथ, बुकसेलर डा० रामनगर (वाराणसी)। → २१-१८३ डी।

(ठ) प्रा०—बाबू पद्मबक्ससिंह, ताल्लुकेदार समदपुर (बहराइच)। → २१-१८३ ई।

(ड) प्रा०—पं० बद्रीनाथ भट्ट लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ। → २१-१८३ एफ।

(ढ) प्रा०—ठा० प्रतापसिंह रतौली डा० होलीपुरा (आगरा)। → २६-१७।

(त) प्रा०—ठा० रामसिंह मंडौली शाहदरा दिल्ली।→दि० ११-४१।

(थ) प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित हरिशंकरी गाजीपुर।→सं० ७-६१।

भाषाभूषण (पद्य)—श्रीधर (मुरलीधर) कृत। र० का० सं० १७६७। वि० अलंकार।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-२७।

भाषाभूषण→'अलंकाररत्नाकर (दलपतिराम कृत)।

भाषाभूषण की टीका (पद्य)—नारायणराय कृत। लि० का० सं० १९४३। वि० महाराज जसवंतसिंह कृत 'भाषाभूषण' की टीका।
प्रा०—गौरहारनरेश का पुस्तकालय गौरहार।→ ६-७८ बी।

भाषाभूषण की टीका (गद्यपद्य)—हरि (कवि) कृत। वि० अलंकार।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-३११।

भाषाभूषण की टीका (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'चमत्कारचंद्रिका'। हरिचरणदास कृत। र० का० सं० १८३४। वि० महाराज जसवंतसिंह कृत भाषाभूषण की टीका।
(क) लि० का० सं० १८९७।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६-४७।
(ख) लि० का० सं० १९४८।
प्रा०—पं० रामेश्वर दूबे असनी (फतहपुर)।→२-१९ ए।
(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-३११।
(घ)→पं० २१-१६ ए, बी।

भाषामहिम्न→'शिवमहिम्न' (दयाल कृत)।

भाषामृत→'भगवद्गीता की टीका (भगवानदास निरंजनी कृत)।

भाषा लघुव्याकरण (दूसरा भाग) (गद्य)—अयोध्याप्रसाद (त्रिपाठी) कृत। र० का० सं० १९३६। वि० हिंदी व्याकरण।
प्रा०—ठा० अमरेशसिंह गौरी का माल (लखनऊ)।→सं० ७-१८।

भाषा लीलावती→'लीलावती (भाषा)' (जनपालि कृत)।

भाषा संमर (पद्य)—चतुर्भुज (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७०२। लि० का०
सो० सं० वि० १४ (११-५८)

सं० १८०२ के पूर्व। वि० नवरसों पर रचे गए विविध कवियों के १२०० छंदों का संग्रह।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-१११।

भाषा सप्तशती (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। र० का० सं० १६१७। लि० का० सं० १६१७। वि० 'भाषा सप्तशती' नामक संस्कृत ग्रंथ का अनुवाद।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→०६-७६ एल।

भाषा सामुद्रिक (पद्य)—अजयराज कृत। वि० सामुद्रिक ज्योतिष।

(क) लि० का० सं० १६२८।

प्रा०—पं० रामलाल, तुरकैया, अछनेरा (आगरा)।→२६-८ ए।

(ख) प्रा०—पं० सोहनलाल शर्मा, नगला अनिया, डा० करहल (मैनपुरी)। →दि० ३१-८।

भाष्यप्रकाश (पद्य)—कृपाराम कृत। र० का० सं० १८०८। वि० रामानुजाचार्य के गीता भाष्य का अनुवाद।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-४६।

भास्वति (भाषाटीका) (गद्य)—यशोधर कृत। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० महादेव मिश्र, बटसरा, डा० कसिया (गोरखपुर)। → सं० ०१-३११।

भिक्षुकगीत (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्रीकृष्ण का उद्धव को ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० वासुदेव, अकोरा (मथुरा)।→३५-१४८।

भिखारीदास—उप० दास। कायस्थ। हिंदी के प्रसिद्ध आचार्य कवि। कृपालदास के पुत्र और वीरभानु के पौत्र। ट्योंगा (अरवर, प्रतापगढ) निवासी। रचनाकाल सं० १७६५–१८०७ के लगभग। पहले ये बुंदेलखंड के सोमवंशी राजा पृथ्वीसिंह के भाई कुँवर हिंदूपति और पश्चात काशी नरेश महाराज उदितनारायणसिंह के आश्रित रहे।

अमरकोश (नामप्रकाश) (पद्य)→सं० ०४-२६१ क।

अमरतिलक (पद्य)→२६-६१ ए, बी।

काव्यनिर्णय (पद्य)→०३-६१, २०-१७ ए, बी, पं० २२-२२, २३-५५ डी, ई, २६-६१ ई से आई तक, २६-४४, सं० ०४-२६१ ख, ग।

छंदप्रकाश (गद्यपद्य)→०३-३२।

छंदार्णव (पिंगल) (पद्य)→०३-३१, २०-१७ सी, २३-५५, ए, बी, सी, २६-६१ सी, डी, सं० ०४-२६१ घ, ङ।

तेरिज काव्यनिर्णय (पद्य)→२६-६१ ओ।

तेरिज रससारांश (पद्य)→२६-६१ पी।

रससारांश (पद्य)→०३-४५, ०४-२१, २३-५५ एफ, जी, २६-६१ जे, के, सं० ०४-२६१ च, छ, ज।

विष्णुपुराण (पद्य)→ ६-२७ बी २६ ६१ क्यू आर सं ४-२६१ क।
शतरंजशतक (पद्य)→ ६-२७ ए, सं ४-२६१ म।
शृंगारनिर्णय (पद्य)→०१-४६; २१-१५ एच आई १६-६१ एल एम एन।

भिषजप्रिया (पद्य)—सुदर्शन (वैद्य) कृत। र का सं १७२६। वि वैद्यक।
(क) लि का सं १८६१।
प्रा —पं रामाधीन वैद्य बाराबंकी।→२१-४६।
(ख) लि का सं १८७१।
प्रा —श्री गौरीशंकर कवि पतिया।→ ६-११२।
(ग) लि का सं १८८२।
प्रा —पं ताराचंद मुनीम दूकान मुरलीधर महादेवप्रसाद सिरसागंज (मैनपुरी)।
→२६-१६२।
(घ) लि का सं १६११।
प्रा —लाला देवीप्रसाद मुत्सद्दी, छत्तरपुर।→०५-८७।

भीखजन—ब्राह्मण। सं १६८२ में वर्तमान।
बारहखड़ी (पद्य)→१५-१३।
सर्वंगबावनी (पद्य)→१२-४५, १२-२४।

भीखा साहब—सतनामी साधु। संत गुलाल साहब के शिष्य। गोविंद साहब के गुरु।
जन्म स्थान खानपुरबोहना (आजमगढ़)। पश्चात् भुड़कुड़ा (गाजीपुर) में
रहे। स १७७०-८२ के लगभग वर्तमान।→२ -०१।
ककहरा (पद्य)→४१-१७४ क।
नामबहारा (पद्य)→४१-१७४ ख।
रामकुंडलिया (पद्य)→४१ १७४ ग।
रेखता (पद्य)→४१-१७४ ट।
शब्दावली (पद्य)→२ -१८।
सहस्रनाम (पद्य)→४१-१७४ घ सं ७ १४ सं १ -६८।

भीम—संभवतः अमरनगर के निवासी। मधुकरहरदेव कायस्थ के पुत्र नौरतन के कुल में
उत्पन्न। सं १५५ के लगभग वर्तमान।
डंगवेपुराण (पद्य)→सं १-२५८ सं ४-२६१।

भीम—राजस्थान के निवासी। सं १५४१ के लगभग वर्तमान।
हरिलीला सोलह कला (पद्य)→सं १-२५६।

भीम—(?)
महाभारत (द्रोणपर्व) (पद्य)→० -१६।

भीम— दयालजी का पद नामक ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संग्रहीत हैं। →
१-१४(ग्यारह)।

स० १९०३ के पूर्व। वि० नवरसों पर रचे गए विविध कवियों के का संग्रह।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→ग० ०२-

भाषा सप्तशती (पद्य)--नवलसिंह (प्रधान) कृत। र० का० स० १६
स० १९१७। वि० 'भाषा सप्तशती' नामक संस्कृत ग्रंथ का अनु
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेट एकाउ
०६-७६ एल।

भाषा सामुद्रिक (पद्य)—अजयराज कृत। वि सामुद्रिक ज्योतिष
(क) लि० का० सं० १९२८।
प्रा०—पं० रामलाल, तुरकैया, अछनेरा (आगरा)।→
(ख) प्रा०—पं० सोहनलाल शर्मा, नगला अनिया,
→दि० ३१-४।

भाष्यप्रकाश (पद्य)—कृपाराम कृत। र० का० स० १८०८
गीता भाष्य का अनुवाद।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (

भास्वति (भाषाटीका) (गद्य)—यशोधर कृत। वि०
प्रा०—पं० महादेव मिश्र, बटसरा, डा०
स० ०१-३११।

भिक्षुकगीत (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्रीकृष्ण
प्रा०—पं० वासुदेव, अकोरा (मथुरा)।→३५-

भिखारीदास—उप० दास। कायस्थ। हिंदी के प्रसिद्ध
और वीरभानु के पौत्र। ट्योंगा (अरवर,
स० १७६५-१८०७ के लगभग। पहले ये बु
के भाई कुँवर हिंदूपति और पश्चात काशी
के आश्रित रहे।
अमरकोश (नामप्रकाश) (पद्य)→स० ०
अमरतिलक (पद्य)→२६-६१ ए, बी।
काव्यनिर्णय (पद्य)→०३-६१, २०-१
ई, २६-६१ ई से आई तक, २९-४४, स
छंदप्रकाश (गद्यपद्य)→०३-३२।
छंदार्णव (पिंगल) (पद्य)→०३-३१
२६-६१ सी, डी, स० ०४-२६१ घ,
तेरिज काव्यनिर्णय (पद्य)→२६-६१
तेरिज रससाराश (पद्य)→२६-६१ पी
रससारांश (पद्य)→०३-४५, ०४-२१,
स० ०४-२६१ च, छ, ज।

सखिसागर (पद्य)→१९-१४ के; सं ४ २६४।

दोहासार (पद्य)→१५-१४ ग्राई।

भीष्म—कबीरपंथी साधु। रामदास के शिष्य। मंदसौर निवासी। सं १६१४-१६२१ के लगभग वर्तमान।

नखशिख (पद्य)→२१-६१; सं ४-२६१।

भागवत (पद्य)→१०-२५ ए, बी २६-४१ ए से एक तक; १८-११ ए, बी।

भीष्म—पुष्पावती के राजा गोविंदचंद के आश्रित। सं १८ के लगभग वर्तमान।

माधवविलास (पद्य)→सं १-२६१।

भीष्म (कवि)—काशी नरेश महाराज बलवंतसिंह (चरित्रसिंह) के आश्रित।

बालमुकुंदलीला (पद्य)→ १-१२।

भीष्म पर्व→'महाभारत।

भुक्खन (शेख) – भरतपुर निवासी।

मिलाप श्री महाराज को लाट साहब से (गद्य)→२१-६४ २६-५।

भुवनदास—कानपुर (करहिया बाजार रायबरेली) के निवासी। इनके वंशज देवता महाराज अभी तक वर्तमान हैं। १८ वीं विक्रम शती में वर्तमान।

दोहावली (पद्य)→सं ४-२६५।

भुवनदास—(?)

कृष्णसंहिता (पद्य)→४१- ७१ क।

रामसंहिता (पद्य)→४१-१७१ ख।

भुवनदीपक (पद्य) – रचयिता अज्ञात। लि का सं १६७१। वि ज्योतिष।

प्रा —विद्याप्रचारिणी जैन सभा जयपुर।→ -१।

भुवनसार संग्रह (पद्य)—भुवाल (कवि) कृत। लि का सं १८२१। वि ज्योतिष।

प्रा —श्री हरिहरदत्त दूबे बहरा डा तिगरा (जौनपुर)।→सं ४-४१।

भुवाल→'भनभुवाल ('भगवद्गीता के रचयिता)।

भूगोल (पद्य)—शंकरदत्त कृत। र का सं १६२६। लि का स १६२६।

वि खगोलिक और प्राकृतिक भूगोल।

प्रा —प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय प्रतापगढ़।→२६-४१५।

भूगोल (गद्य) – रचयिता अज्ञात। वि पौराणिक भूगोल।

प्रा०—राजा अवधेशसिंह, रईस तालुकेदार, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)। → २६-६१ (परि १)।

भूगोल कथा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८४८। वि पुराणों के भूगोल का वर्णन।

प्रा —धर्मशास्त्री पं रामाराम मिश्र रामवाला डा समाही (आजमगढ़)। →सं १-१४०।

भीमचद (गधैया)—विविध कवि कृत 'श्रृंगार पचीसी' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→०२-७२ (नोटिस)।

भीम जी—संभवत राजस्थानी। कोई विवरण।

पद (पद्य)→पं० २० ६६।

भीम जू—कायस्थ। भदावर (कानपुर) निवासी। सं० १८७३ के लगभग वर्तमान। इनके किसी पूर्वज को दिल्ली के बादशाह ने 'दहामल' की उपाधि दी थी।

गणितसार (पद्य)→०६-१३७।

भीमसिंह—मालवा के कोई राजा। वृन्दादास ('सिंहासनबत्तीसी' के रचयिता) के आश्रयदाता।→०६-१८४।

भीमसिंह—जयपुर के जागीरदार। राधाकृष्ण के आश्रयदाता। सं० १८५१ के लगभग वर्तमान।→०६-२३२।

भीमसिंह (महाराज)—जोधपुर नरेश। राज्यकाल सं० १८४६-६०। कुशल शासक। भडारी उत्तमचद के आश्रयदाता।→०२-१८, ०२-१६।

भीमसिंह (महाराणा)—उदयपुर के राणा। राय निरजीलाल और उनके पुत्र विनोदीलाल के आश्रयदाता। सं० १८२४ में जन्म तथा सं० १८८५ में मृत्यु।→०२-१०२।

भीमसेन—संभवत 'डगवेपुराण' के रचयिता भीम।→सं० ०१-२५८, सं० ०४-२६२।

चक्रव्यूह (पद्य)→सं० ०१-२६०।

भीषमदास (बाबा)—कश्यप गोत्रीय भट्ट। डौंडियाखेड़ा (बैसवाड़ा) निवासी। हरिवंशराय के पुत्र। युवावस्था में अवध के नवाब शुजाउद्दौला की फौज में नौकर हुए और वहाँ साधुओं के सत्संग से वैराग्य उत्पन्न हुआ। फलस्वरूप किसी अनतदास के शिष्य हो गए जिनके नाम पर अनतपथ चलाया। सं० १७७० के लगभग वर्तमान।

अमरावली (पद्य)→३५-१४ ए।

अनुरागभूषण (पद्य)→३५-१४ बी।

कृष्णकेलि (पद्य)→३५-१४ डी।

तत्वसार (ग्रथ) (पद्य)→३५-१४ एल।

भक्तिविनोद (पद्य)→३५-१४ सी।

मगलाचरण (पद्य)→३५-१४ ई।

विवेकसागर (पद्य)→३५-१४ एम।

शब्दावली (पद्य)→३५-१४ एफ।

शब्दावली (पद्य)→३५-१४ एन।

समतसार (ग्रथ) (पद्य)→३५-१४ एच।

समुझिसार (पद्य)→३५-१४ जी।

सुक्खसागर (पद्य)→३५-१४ के।

सुमिरसागर (पद्य)→१६-१४ के सं ४ २६४।
सोबासार (पद्य)→१५-१४ आई।

भीष्म—कबीरपंथी साधु। श्यामदास के शिष्य। अंतर्वेद निवासी। सं १६२४-१६६१ के लगभग वर्तमान।
नखशिख (पद्य)→२६-४२ सं ८-२६१।
भागवत (पद्य)→१०-२५ ए, बी २६-४६ ए से एफ तक; १८-१२ ए, बी।

भीष्म—पुष्पावती के राजा गोविंदचंद के आश्रित। सं १८ के लगभग वर्तमान।
माधवविलास (पद्य)→सं १-२६१।

भीष्म (कवि)—काशी नरेश महाराज बलवंतसिंह (वरिबंडसिंह) के आश्रित।
बालमुकुंदलीला (पद्य)→ १-१२।

भीष्म पर्व→'महाभारत।

भुम्मन (शेख)– भरतपुर निवासी।
मिलाप श्री महाराज की लाट साहब से (गद्य)→२६-४४ २६-४।

भुवनदास—कानपुर (करहिया बाजार रायबरेली) के निवासी। इनके वंशज देवता महाराज अभी तक वर्तमान हैं। १८ वीं विक्रम शती में वर्तमान।
दोहावली (पद्य)→सं ४-२६५।

भुवनदास—(?)
कृष्णसंहिता (पद्य)→४१- ७५ क।
रामसंहिता (पद्य)→४१-१७५ ख।

भुवनदीपक (पद्य)– रचयिता अज्ञात। लि का सं १९७२। वि ज्योतिष।
प्रा —विद्याप्रचारिणी जैन सभा जयपुर।→ –१।

भुवनसार संग्रह (पद्य)—भुवाल (कवि) कृत। लि का सं १८२१। वि ज्योतिष।
प्रा०—श्री हरिहरदत्त दूबे महरा डा तिसरा (जौनपुर)।→सं ४-४६।

भुवाल→ भनभुवाल ('भगवद्गीता के रचयिता)।

भूगोल (पद्य)—शंकरदत्त कृत। र का सं १९९६। लि का स १९९६।
वि खगोलिक और प्राकृतिक भूगोल।
प्रा —प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय प्रतापगढ़।→११-४२९।

भूगोल (गद्य)– रचयिता अज्ञात। वि पौराणिक भूगोल।
प्रा०—राजा अवधेशसिंह रईस तालुकेदार, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)। → २६-६६ (परि १)।

भूगोल कथा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८४८। वि पुराणों के भूगोल का वर्णन।
प्रा —धर्मशास्त्री पं रघुराम मिश्र रामशाला डा छगढ़ी (आजमगढ़)। →सं १-१४०।

भूगोलपुराण (गद्यपद्य)—जनगुलाल कृत। लि० का० सं० १८६२। वि० भूगोल वर्णन।

प्रा०—ठा० रघुनाथसिंह, समोगरा, डा० नैनी (इलाहाबाद)। → सं० ०१–२६२ ख।

भूगोलपुराण (गद्य)—व्यास (वेदव्यास) कृत। वि० पौराणिक भूगोल।

(क) लि० का० सं० १८०८।

प्रा०—पं० भानुदत्त, मुनाई, डा० फग्लुना (इलाहाबाद)।→२०–२०१।

(ख) प्रा०—राजा अवधेशसिंह जी साहब, कालाकाँकर, प्रतापगढ़ ।→ २६–५०६ ए।

(ग) प्रा०—बाबू राममनोहर बिचपुरिया, पुरानी बस्ती, कटनी मुड़वारा (जबलपुर)।→२६–५०६ बी।

(घ) प्रा०—ठा० चंद्रिकाबक्ससिंह जमींदार, खानीपुर, डा० बक्सीतालाब (लखनऊ)।→२६–५०६ सी।

भूगोलपुराण (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १८४६। वि० पौराणिक भूगोल।

प्रा०—पं० रामअभिलाष, आमापुर, डा० पट्टी (प्रतापगढ)।→सं० ०४–४८३।

भूगोलपुराण (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० प्राचीन भूगोल।

प्रा०—श्री जेंदामल पसारी, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–३५२।

भूगोलपुराण (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० प्राचीन भूगोल।

प्रा०—श्री राममनोहर बिचपुरिया, पुरानी बस्ती, कटनी मुड़वारा (जबलपुर)। →२६–३५३।

भूगोलपुराण (प्रमाण) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० पौराणिक भूगोल।

(क) प्रा०—बाबू राममनोहर बिचरिया, पुरानी बस्ती, कटनी मुड़वारा (जबलपुर)।→२६–६६ (परि० ३)।

(ख) प्रा०—ठा० चंद्रिकाबक्ससिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबक्शी (लखनऊ)।→२६–६६ (परि० ३)।

भूगोलप्रमाण (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६६१। वि० पौराणिक भूगोल।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–५४८।

भूगोलसार (पद्य)—ओंकार (भट्ट) कृत। वि० भूगोल।

प्रा०—लाला महादेवप्रसाद, हकीम और ज्योतिषी, मनगरी (लखनऊ)।→ ०६–२१६।

भूगोलसार (गद्य)—श्रीलाल कृत। र० का० सं० १६१८। वि० भूगोल।

प्रा०—पं० बालगोविंद, शेषशायी, डा० होरल (गुड़गाँव)।→३८–१४७।

भूधरदास—(?)

सुदामाचरित्र (पद्य)→२६-४८।

भूधरदास (जैन)—अन्य नाम भूधरमल। खंडेलवाल जैन वैश्य। आगरा निवासी। सं १७८१ के लगभग वर्तमान।

चरचासमाधान (पद्य)→१६-४२ बी सं १ -१ क ख।

जैनशतक (पद्य)→२१-५८।

पार्श्वनाथपुराण (पद्य →२६-४६ सी सं ४-२६६ क से ङ तक सं १ -१ ग से ह तक।

भूधरविलास (पद्य)→२६-४६ ए, सं १ -१ ख, म, अ।

भूधरचौबीसी (पद्य)→ -१ १।

भूधरमल→ भूधरदास (जैन)' ('चरचासमाधान आदि के रचयिता)।

भूधरविलास (पद्य —भूधरदास (जैन) कृत। र का सं १८३८। वि जैन धर्म विषयक ज्ञानोपदेश।

(क) लि का सं १९१२।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। → सं १ -१ ख।

(ख) लि का सं १९३१।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १ -१ म।

(ग) लि का सं १९१४।

प्रा —लाला ऋषभदास जैन महोना टा इटौंजा (लखनऊ)।→२६-४६ ए।

(घ) लि का सं १९३४।

प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १ -१ म।

भूप (कवि)—भाट। संभवतः काकपुर (कानपुर ?) निवासी। नवाब शुजाउद्दौला के समकालीन। सं १८१ के लगभग वर्तमान।

अलंकार वर्णन (पद्य)→१८-१४।

शृंगारतिलक (भाषा) (पद्य)→२६-४५।

भूप (भूपति)—सं १९६५ के पूर्व वर्तमान।

पंपूलाख्य (सामुद्रिक) (पद्य)→सं ४-२६७।

भूपति—अन्य नाम मोपति। कंगालभाट के वंशज। विट्ठलदास के पौत्र। लैकराज के पुत्र। दामोदर गुसाईं के पुत्र गो सेघरवाम के शिष्य। सं १७०४ के लगभग वर्तमान।

कृष्णचम्प (पद्य)→सं ४-९७।

भागवत (दशमस्कंध) (पद्य) → २-११५ १७-२९ ए, बी २६-५६, १-११ ए, बी सी; सं ७-१४१; सं १ -१ १।

रामचरित्र रामायण (पद्य)→०६-१३८ ।
वेदस्तुति (पद्य)→२६-५१ ए, बी ।

भूपति—गोविंदपुर (पंजाब) निवासी । पटियाला नरेश महाराज धर्मसिंह के आश्रित । सं० १८३१ के लगभग वर्तमान ।
सुनीतिप्रकाश (पद्य)→०४-२ ।

भूपति→'गुरुदत्तसिंह' ('भूपतिसतसई' आदि के रचयिता) ।

भूपति→'भूप' ('नपूसाघ्य सामुद्रिक' के रचयिता) ।

भूपतिसतसई (पद्य)—अन्य नाम 'सतसैया' । गुरुदत्तसिंह (भूपति) कृत । र० का० सं० १७९१ । वि० शृंगार ।
(क) लि० का० सं० १९५८ ।
प्रा०—पं० कृष्णबिहारी मिश्र, संपादक 'माधुरी', लखनऊ ।→२३-६० ए ।
(ख) लि० का० सं० १९५८ ।
प्रा०—पं० कृष्णबिहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ ।→२६-६६ ।
(ग) प्रा०—पं० विपिनबिहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गधौली, डा० सिधौली (सीतापुर) ।→२३-६० बी ।

भूपनारायणसिंह—सं० १८४५ के लगभग वर्तमान ।
भक्तिशाल (पद्य)→०६-२६ ए ।
वर्णमाला (पद्य)→०६-२६ बी ।
वेदरामायण (पद्य)→०६-२६ सी ।

भूपभूषण (पद्य) जैकेहरि कृत । र० का० सं० १८६० । वि० राजनीति ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)→०३-११७ ।

भूपराम—(?)
सूर्य कथा (पद्य)→४१-१७७ ।

भूपालचौवीसी (पद्य)—भूधरमल (भूधरदास) कृत । वि० भूपाल कृत संस्कृत के जैन ग्रंथ का अनुवाद ।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००-१०२ ।

भूषण—कान्यकुब्ज त्रिपाठी ब्राह्मण । तिकवाँपुर (कानपुर) निवासी । मतिराम और चिंतामणि के भाई । शिवाजी और छत्रसाल (पन्ना नरेश) के दरबारी कवि । प्रारंभ में औरंगजेब के भी आश्रित रहे । जन्म सं० १६७० । सं० १७३० के लगभग वर्तमान । जयकृष्ण कवि कृत 'कवित्त' में भी संगृहीत ।→०२-६८ (तीन), पं० २२-२१, दि० ३१-२२ ।
महाकवि भूषण के कुछ नवीन छंद (पद्य)→सं० ०१-२६३ ।
शिवराजभूषण (पद्य)→०३-५८, १२-२४, २३-६१ ए, बी, २६-६७ ए, बी ।

भूषणकौमुदी (गद्यपद्य)—रणधीरसिंह (राजा) कृत । लि का सं १९२१ । वि भाषाभूषण की टीका ।
 प्रा —ठा दिग्विजयसिंह तालुकेदार दिकौलिया डा बिसवाँ (सीतापुर) । →२१-१५२ ए ।

भूषणदाम (पद्य)—लक्षन कृत । र का सं १८ ९—(?) । वि अलंकार ।
 (क) लि का सं १८८४ ।
 प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर । → ५-९६ ।
 (ख) लि का सं १९२९ ।
 प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→ ६-५१ सी ।

भूषणभक्तिविलास (पद्य)—हरिदेव कृत । र का सं १९१४ । वि अलंकार ।
 (क) प्रा —श्री रमणलाल हरिचंद चौधरी कोसी (मथुरा) ।→१७-७२ बी ।
 (ख) प्रा —श्री मदनलाल आत्मज श्री पन्नालाल हवेलिया बलदेवगंज, डा कोसी (मथुरा) ।→१२-७६ बी

भूषणविलास (पद्य)—गोपालराव (भाट) कृत । वि अलंकार ।
 प्रा —लाला बद्रीदास वैश्य वृंदावन (मथुरा) ।→१९-६२ आई ।

मृगुलाप (पद्य)—कमलाकर (भट्ट) कृत । लि का सं १९९६ । वि मृगुलाप के मोक्ष का वर्णन ।
 प्रा —लाला रामलाल रती का नगला हाथरस (अलीगढ़) ।→२६-२८१ ए ।

मृगुपति—(?)
 सुदामाचरित्र (पद्य)→४१-१७८ ।

भेंट (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि देवी जी की स्तुति ।
 प्रा मास्टर लाला बाबूलाल प्यारेलाल पुस्तकालय सहार (मथुरा) । → १७-११ (परि १) ।

भेदमक्तौषा (पद्य)—भेदादास कृत । वि ज्ञानोपदेश ।
 प्रा —श्री मनोहरलाल कायस्थ मुंशी डा साँगीपुर (प्रतापगढ़) । → सं ४-१६५ ।

मेघप्रकाश (पद्य)—चंद (कवि) कृत । र का सं १९ ४ । लि का सं १९११ ।
 वि 'मुद्राराक्षस' नाटक का अनुवाद ।
 प्रा —श्री गौरीशंकर कवि बलिया ।→ ६-१४४ (विवरण अप्राप्त) ।

भेदभास्कर (पद्य)—जनकमोहिनीदास कृत । लि का सं १८६१ । वि वेदांत ।
 प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६-२६६ (विवरण अप्राप्त) ।

भेदभास्कर (पद्य)—रमानंददास कृत । वि वैष्णव धर्म का माहात्म्य और इतर धर्मों का खंडन ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–२३ ।

भेदीराम—ब्राह्मण । आगरा निवासी । सं० १९१६ के पूर्व वर्तमान ।
फर्सादी की लड़ाई (पद्य)→२२–२३ ।
चमकेवली (गद्य)→२६–४३ ए ।
सालिगरामदावृत्त (गद्यपद्य)→२६–४३ बी ।

भैरवनाथ—मीरापुर (मेरठ) निवासी । चेतराम के पुत्र ।
चंडीचरित्र (पद्य)→१२–२३ ।

भैरववल्लभ—(?)

युद्धविलास (पद्य)→०६–२४ ।

भोगीलाल—कुसुमरा (मैनपुरी) निवासी । अलवर नरेश बख्तावरसिंह के अनौरस पुत्र बलवतसिंह और अनतर उनके भतीजे विनयसिंह के आश्रित । सं० १८५६ के लगभग वर्तमान ।
अलकारप्रदीप (पद्य)→२३–५६ ।
बखतविलास (पद्य)→२६–६३ ।

भोज—वास्तविक नाम भोजराज । राजा विक्रमसाहि और राजा रतनसिंह (चरखारी) के आश्रित । सं० १८९७ के लगभग वर्तमान ।
उपवनविनोद (पद्य)→०६–१५ बी ।
भोजभूषण (गद्यपद्य)→०१–६५, ०६–१५ ए ।
रसिकविलास (पद्य)→०३–५६ ।

भोजदास—सभवत. अनतपथ के अनुयायी कोई सत । गुरु का नाम प्रेमदास ।
भक्तिविनोद (पद्य)→सं० ०४–२६६ ।

भोजनविलास (पद्य)—प्रयागदास कृत । र० का० सं० १८८५ । लि० का० सं० १९१२ । वि० पाकशास्त्र ।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६–८६ बी ।

भोजनानद अष्टक (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावतसिंह) कृत । वि० कृष्णलीला ।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखम्बा, वाराणसी ।→०१–१२१ (दो) ।

भोजपालसिंह—यदुवशी राजा । संभवत करौली नरेश । कृष्ण कवि के आश्रयदाता । सं० १८४६ के पूर्व वर्तमान ।→१७–१०० ।

भोजप्रबधसार (गद्य)—वशीधर कृत । वि० सस्कृत ग्रथ भोजप्रबध का सार वर्णन ।
(क) लि० का० सं० १९०७ ।
प्रा०—ठा० रामसिंह, मझगवाँ, डा० वेनीगज (हरदोई) ।→२६–२६ के ।
(ख) लि० का० सं० १९२३ ।

प्रा —ठा शिवमंगलसिंह, कमसेड़ा, डा अमरगढ़ (एटा)।→२६-२६ एल।
(ग) मु का सं १६१४।
प्रा —श्री शिवनाथ पांडेय, बरई, डा मिसरौली (सुलतानपुर)। → सं १-२१०।
(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं ४-१६१ ख।

मोजभूषण (गद्यपद्य)—भोज (भोजराज) कृत। वि अलंकार।
(क) लि का सं १८१८।
प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय, छतरपुर।→ ५-४५।
(ख) लि का सं १८२२।
प्रा —श्री ललिताप्रसाद, परसारी।→ ६-१६ ए।

भोजराज→'भोज' ('भोजभूषण' के रचयिता)।

भोजराज (महामहोपाध्याय)—कुलमंडन के बड़े भाई और गुरु। बघुरी गाँव (बाराबंकी) निवासी। लखनऊ के नवाब नासिरुद्दीन के आश्रित। सं १६ ७ के लगभग वर्तमान।→२१-१ ६।

भोपति→ भूपति (कंगाल भाट के वंशज)।

भोरलीला (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि राधाकृष्ण का प्रातःकालीन विहार।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास चौखंबा वाराणसी।→ १-११४।

भोलागिरि (महंत)— भैगू (मैनपुरी) के निवासी।
सन्यासविधि (पद्य)→१२ ३५।

भोलानाथ—कायस्थ। महानगॉव (फर्रुखाबाद) निवासी। सं १६ ७ के लगभग वर्तमान।
स्नान संग्रह (पद्य)→२६- ७ एच।
जोगीलीला (पद्य)→२६-४० सी।
पथरीगढ़ की लड़ाई (पद्य)→२६-४० ई।
बारहमासा श्रीकृष्णजी का (पद्य)→२६-४० एफ।
बारहमासा विरह का (पद्य →२६-४० डी।
बारहमासा लावनी (पद्य)→२६-४० आई।
बारहमासी (पद्य)→सं ४-२७१।
राधाकृष्ण लीला (पद्य)→२६-४० सी।
शिवपार्वती संवाद (पद्य)→२६-४० ए।
शिवस्तुति (पद्य)→२६-४० बी।

भोलानाथ—भरतपुर के निवासी और वहाँ के राजा भरतसिंह के आश्रित।
सुमनप्रकाश (पद्य)→१२-२६; सं १-२६४।

टि॰ श्री मुनि कातिसागर (उदयपुर) ने भोलानाथ के पौत्र चैनराम की कृति 'रससमुद्र' से उदाहरण देकर यह सिद्ध किया है कि ये गगा यमुना के मध्य भाग में देवकुलीपुर के निवासी थे। इनके पितामह देवकुलीपुर से आकर आगरा में बस गए थे जहाँ शाहजहाँ द्वितीय से भोलानाथ को समान मिला था। अनतर सूर्यमल्ल जाट इन्हें शाह से माँगकर भरतपुर ले आए, जहाँ कुछ दिनों तक रहकर ये जयपुर चले गए। जयपुर में महाराज माधवसिंह और प्रतापसिंह के परामर्श-दाता प्रकाड विद्वान सदाशिव भट्ट के आश्रय में रहे।

भोलानाथ—ब्राह्मण। प्रजापति दीक्षित के पुत्र। बुदेलखड निवासी। वेलाहारी (छतरपुर राज्य) के जागीदार। स० १८६० के पूर्व वर्तमान।

लीलावती (भाषा) (पद्य)→०६–'६।

विक्रमविलास (पद्य)→२३–५७।

भोलाराम (?)

हरिद्वार कुभ के चौबोला (पद्य)→३२–२७।

भौन (कवि)—बैंती (रायबरेली) के निवासी। पिता का नाम खुशालचद महापात्र। किसी महाराजकुमार ठा० रामबक्स के आश्रित। स० १८२५–६१ के लगभग वर्तमान।

रसरत्नाकर (पद्य)→१२–२२, २३–५२ ए, बी, स० ०४–२७२।

भ्रमखडन (पद्य)—सूरतराम 'जन' कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७–२०१ घ।

भ्रमनिवारण (पद्य)—नित्यानद कृत। वि० योग।

प्रा० बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउटेंट), छतरपुर।→ ०५–४१।

भ्रमभजन (पद्य)—मनबोध कृत। र० का० स० १८४१। वि० काव्य के गुण दोषों का वर्णन।

प्रा०—मालवीय शिवनाथ बाजपेयी, दूलहपुर (मिरजापुर)।→०६–१८६।

भ्रमरगीत (पद्य)—तेज (कवि) कृत। वि० गोपी उद्धव सवाद।

प्रा०—श्री महेशप्रसाद मिश्र, लेदहाबरा, डा० अटरामपुर (इलाहाबाद)।→ ४१-६२, स० ०१–१८४।

भ्रमरगीत (पद्य)–नद और मुकुद (जनमुकुद) कृत। वि० गोपी उद्धव सवाद।

(क) लि० का० सं० १८६३।

प्रा०—लाला सूरजपाल माथुर वैश्य, फचौराघाट (आगरा)। → २६–२४४ डी।

(ख) लि० का० स० १८६८।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०८–१९४।

(ग) लि का सं १९ ६।
प्रा —पं रामप्रपन्न मालवीय वैद्य, सुलतानपुर।→२१–२८३।
(घ) लि का सं १९२१।
प्रा —पं केदारनाथ पाठक, पुस्तकालयाध्यक्ष, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२ –२११ एफ।
(ङ) प्रा॰—पं केदारनाथ पाठक बेलेखलीगोव मिरजापुर।→•२–१ ४ (डी)।
(च) प्रा॰—दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६–२७१ (विवरण अप्राप्त)।
(छ) प्रा —महंत प्रकाल जमींदार सिराथू (इलाहाबाद)।→•६–१८४।
टि खो रि १ –२११ एफ में प्रस्तुत पुस्तक को भूल से नंददास कृत माना गया है।

भ्रमरगीत (पद्य)—सूरदास कृत। वि गोपी उद्धव संवाद।
(क) लि का सं १८३६।
प्रा॰—श्री स्वामीदयाल वाजपेयी स्वामीदयाल का पुरवा डा सिसैया (बहराइच)।→२१–४१६ ए।
(ख) लि का सं १९११।
प्रा —श्री चुन्नीलाल गोप विट्ठलदास पुरुषोत्तमदास कंठीमालावाले विश्रामघाट (मथुरा)।→४१–२६४ क।
(ग) प्रा—पं बद्रीनाथ भट्ट प्राध्यापक, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ।→ २१–४१६ बी।

भ्रमरगीत→भँवरगीत (मागल या मागनि कृत)।

भ्रमरगीत संवाद (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत। वि रागरागिनियों में उद्धव गोपी संवाद।
प्रा —पं श्रीधरमल अध्यापक, पिथौरा डा सिकन्दराराऊ (अलीगढ़)।→ २६–१ ७ बी।

भ्रमरगोता (पद्य)—कालिदास कृत। वि उद्धव और गोपियों का संवाद।
प्रा —पं रघुनंदनप्रसाद भारती मंत्री सनातन धर्म सभा कालपी (जालौन)। → ९–१४४।

भ्रमरबत्तीसी (पद्य)—केशवदास कृत। वि भ्रमर के माध्यम से उपदेश।
(क) लि का सं १८४४।
प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २–१४।
(ख) प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१–४८४ (अप्र)।

भ्रमविध्वंस मनरंजन (पद्य)—नेविराम कृत। वि निर्गुण ज्ञानोपदेश।
प्रा —पं शालिग्राम गौगला डा शाहाबाद (मथुरा)।→११–१५७।

मंगदसिंह—जकपुर (बुंदेलखंड) के राजा। मंडन के आश्रयदाता। सं १७११ के लगभग वर्तमान।→ ६ ७९; १ १११।

मगल (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० स० १६०८। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री गणेशधर दूबे, वीरपुर, डा० हंडिया (इलाहाबाद)।→स० ०१–३२ ख।

मगल (पद्य)—लालस्वामी (हित) या लालदास कृत। वि० हित हरिवंश जी की प्रशसा।
(क) लि० का० स० १८२५।
प्रा०—नगरपालिका सग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–२४७।
(ख) प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१०२ बी।

मगल (मिश्र)—महाराजकुमार शिवदानसिंह के आश्रित। स० १८७६ के लगभग वर्तमान।
समरातसार (पद्य)→०६–१८८।

मगलआरती (पद्य)—गल्लू जी (महाराज) कृत। लि० का० स० १८७७। वि० श्रीकृष्ण की मगल आरती का वर्णन।
प्रा०—श्री अद्वैतचरण जी, गोस्वामी, घेरा राधारमण, वृंदावन (मथुरा)। → २६–१०३ ए।

मगलआरती (पद्य)—द्यानतराय कृत। वि० जिनदेव की आरती।
प्रा०—श्री जैन मदिर, कटरा मेदनीगज (प्रतापगढ)।→२६–११७।

मगलगारी (पद्य)—भावन (?) कृत। वि० शृगार।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०४–२५६।

मगलगीत और शब्दावली (पद्य)—नवलसिंह (नवल) कृत। वि० रामजन्मोत्सव और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, प्रानपाडेय का पुरवा, डा० तिलोइ (रायबरेली)। →स० ०४–१८४।

मगलगीता (पद्य)—नवनिधिदास कृत। र० का० सं० १६०५। लि० का० स० १६७४। वि० विविध।
प्रा०—श्री कन्हैयालाल पटवारी, लखौलिया, डा० नवानगर (बलिया)। → ४१–१२१।

मगलगीता (पद्य)—नेवलसिंह कृत। लि० का० स० १६८८। वि० रामजन्म वर्णन।
प्रा०—प० परमेश्वरदत्त, जगदिसवापुर, डा० इन्हौना (रायबरेली)। → ३५–७० ए।

मगलगीता→'नहछुरनिर्गुन' (बाबा बूलनदास कृत)।

मगलदास (बाबा)—ब्राह्मण। गुरु का नाम पूर्णानद। हरिदासपुर (रायबरेली) के निवासी।
कवित्त रामायण (पद्य)→स० ०४–२७३ ख।
दोहावली (पद्य)→स० ०४–२७३ क।

मंगलदेव—आगरा निवासी। सं० १९२२ के लगभग वर्तमान।
गणिकाचरित्र (पद्य)→२१-२२८।

मंगलरामायण→'जानकीमंगल' (गो० तुलसीदास कृत)।

मंगलरामायण→'पार्वतीमंगल' (गो० तुलसीदास कृत)।

मंगलराय—महाभारत के नौ अनुवादकों में से एक ये भी हैं। पटियाला नरेश महाराज नरेंद्रसिंह। के आश्रित। सं० १९१९ के लगभग वर्तमान।→ ४-६७।

मंगललतिका (पद्य)—रामसखे कृत। लि० का० सं० १९२१। वि० राम जानकी का ध्यान वर्णन।
प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त चिरगाँव (झाँसी)।→ ६-२५७ ए।

मंगलविनोदबेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८१२। वि० राधाकृष्ण का शृंगार और विहार।
(क) प्रा०—श्री अद्वैतचरण जी गोस्वामी श्री राधारमण का घेरा, वृंदावन (मथुरा)।→२९-५८ ए।
(ख) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद।→४१-५११ ख (अप्र०)।

मंगलशब्द (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० स्तुति।
प्रा०—पं० मन्नुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ ६-१४१ बाई।

मंगलशाखोच्चार (पद्य) - राम (कवि) कृत। वि० शिवपार्वती विवाह और उसका शाखोच्चार।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० १-११७ ख।

मंगलसंग्रह (पद्य)—कृष्णदास और ललितकिशोरी कृत। वि० कृष्णभक्ति।
प्रा०—श्री दयाराम दीक्षित बोहरी (आगरा)।→२९-२ २।

मंगलाचरण (पद्य)—भीखमदास कृत। र० का० सं० १८१। लि० का० सं० १९१४। वि० ब्रह्मज्ञान।
प्रा०—बाबा परागदास जी उमेहनी डा० फतेहपुर (रायबरेली)।→११-१४ ई।

मंगलाष्टक (पद्य)—रामसखे कृत। वि० राम भक्ति।
(क) लि० का० सं० १८२८।
प्रा०—श्री रामप्रताप मुराऊ पुरवा विश्रामदास डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)।
→२६-१६५।
(ख) लि० का० सं० १८२६।
प्रा०—श्री गणपतिराम शर्मा पाइवारा दिल्ली।→दि० ३१-७४।
(ग) प्रा०—सरस्वती भंडार लक्ष्मण कोट अयोध्या।→१७-१६८ बी।

मंगीदास—(?)
सोलोक की किकरी (पद्य)→२९-२४१।

मंजु (मिश्र)—(?)

भगवद्गीता की टीका (गद्य)→२६-२६४।

मंजुमंजावली→'सरसमंजावली' (सहचरीशरण कृत)।

मंडन—पूरा नाम मणिमंडन। जयतपुर (बुंदेलखंड) निवासी। राजा मंगदसिंह के आश्रित। सं० १७१६ के लगभग वर्तमान।

जनकपचीसी (पद्य)→०६-७२।

बारामासी (पद्य)→सं० ०१-२६५।

रसरत्नावली (पद्य)→२०-१०३, २३-२६५, २६-२६२ ए, बी, सी, डी, ४१-१७६।

मंत्र (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० उपदेश।

प्रा०—लाला बालाप्रसाद, फीटौत, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)। → ३२-१०३ क्यू।

मंत्र (गद्य)—ब्रह्मदास कृत। वि० तंत्र मंत्र।

प्रा०—मुंशी ज्योतिप्रसाद, सिकंदरा (आगरा)।→ ६-१६।

मंत्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० रामस्वरूप मिश्र, अर्जुनपुर, डा० अतू (प्रतापगढ)। → २६-६७ (परि०३)।

मंत्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० नेकराम शर्मा, कायथा, डा० कोटला (आगरा)।→२६-४२७।

मंत्रजंत्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री जगन्नाथप्रसाद, प्रधानाध्यापक, कुडौल, डा० डौकी (आगरा)।→ २६-४२६।

मंत्रतंत्र (अनु०) (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६४। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० शिवशंकर शर्मा, डा० अछनेरा (आगरा)।→३२-२५६।

मंत्रध्यान पद्धति (पद्य)—अतिवल्लभ कृत। वि० अपने गुरुओं की नामावली और मंत्रों का विवेचन।

प्रा०—फौजदार मदनगोपाल शर्मा, वृंदावन (मथुरा)।→१२-८ ए।

मंत्रप्रयोग संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० मंत्रों से रोग निदान और वशीकरण आदि।

प्रा०—पं० शिवकंठ दूबे, देवदारपुर (खीरी)।→२६-६६ (परि०३)।

मंत्र संग्रह (पद्य)—देवीदास कृत। वि० मंत्रों का संग्रह।

प्रा०—मुंशी जंगबहादुर, अध्यापक, हरगाँव, डा० पर्वतपुर (सुलतानपुर)।→ २३-६५।

मंत्र संग्रह (गद्य) रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —श्री उमाशंकर दुबे साहित्यान्वेषक, हरदोई ।→२६-७ (परि १) ।

मंत्र संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —बाबा सम्पूदास बादशाहनगर (लखनऊ) ।→२६-७ (परि १) ।

मंत्र संग्रह (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं बिहारीलाल प्रधानाध्यापक अरसपाठशाला डा अछनेरा (आगरा) ।
→१२-२५८ ।

मंत्र संग्रह श्री वैष्णव (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि तंत्रमंत्र ।
प्रा —पं जगन्नाथप्रसाद त्रिवेदी निगोहा (लखनऊ) ।→१६-४१८ ।

मंत्र साबरी हनुमानजी को (भाषा) (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का
सं १८८८ । वि तंत्रमंत्र ।
प्रा —पं गंगाधर कौरला (आगरा) ।→२६-१५१ ।

मंत्रावली (पद्य) - लंगदास (बड्भदास) कृत । वि साधुओं के कर्मादि विषयक
मंत्रों का वर्णन ।
प्रा —ठा विजयपालसिंह रीठरा डा शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→१२-११५ ए ।

मंत्रावली (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि तंत्रमंत्र ।
प्रा —बाबा देवगिरि रामगढ़ डा स्तौली (अलीगढ़) ।→२६-४१ ।

मंत्रों का ग्रंथ (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८७५ । वि तंत्रमंत्र ।
प्रा•—ठा ब्रजमेरसिंह नगरा रामू डा हरावभगत (एटा) ।→२६-४११ ।

मंत्रों की पुस्तक (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —महंत संतदास संग्रामपुर (ब्रह्मचारी जी का स्थान), डा परियावाँ
(प्रतापगढ़) ।→२६-६८ (परि १) ।

मंत्रों की पुस्तक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —श्री विश्वेश्वरीप्रसाद मिश्र अध्यापक संस्कृत पाठशाला डा मानीगंज
(प्रतापगढ़) ।→२६-६८ (परि १) ।

मंसाराम—बिलग्राम (हरदोई) निवासी । हरप्रसाद के पिता । हरिवंश (मलीहा) के
पुत्र । सं १८४१ के पूर्व वर्तमान ।→११-७ ।
वियोगमालिका (पद्य)→११-११ ।

मंसाराम→ मनसाराम (सुर्वंश शुक्ल के वंशज) ।

मंसूर—मुसलमान । सं १८९६ के लगभग वर्तमान ।
विकट कहानी (पद्य)→१ -१ ४ ।

मकरंद—सं १८१४ के पूर्व वर्तमान । वसंतपुरी कवि कृत कवित्त नामक ग्रंथ में भी
संग्रहीत ।→ १ १८ (सै) ।
खो• सं वि १६ (११ -१४)

जगन्नाथ माहात्म्य (पद्य)→६६–१८२ ।

मकरद—स० १८२१ के लगभग वर्तमान ।

हसाभरण (पद्य)→१२–१०६ ।

मकरद (जैन)—(?)

सूत्रजी की टीका (गद्य)→सं० १८–१०२ क, ख ।

मकरदवानी (पद्य)—हितमकरद कृत । र० का० स० १८१८ । लि० का० स० १८२५ ।

वि० राधाकृष्ण का रास वर्णन ।

प्रा०—नगरपालिका सग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–१८० ।

मकरदशाह- भोंसला । नागपुर नरेश । चिंतामणि और जनअनाथ (?) के आश्रयदाता । स० १७२६ के लगभग वर्तमान ।→००–४०, ००–१२७, ०३–३६, ०६–१३१, प० २२–२१ ।

मकरध्वज की कथा (पद्य)—मेघराज (प्रधान) कृत । वि० हनुमान जी के पुत्र मकरध्वज की कथा ।

(क) लि० का० स० १७८१ ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–७४ बी ।

(ख) प्रा०—प० सीताराम शर्मा, आरे, डा० कमतरी (आगरा) । → २६–२३० बी ।

(ग) प्रा०—श्री ब्रजकिशोर, पुरानाशहर, इटावा ।→दि० ३१–५८ ।

मकसूद—(?)

मकसूद बारहमासा (पद्य)→२६–२८६ ।

मकसूदन (गिरि)—(?)

वैद्यकसार (गद्यपद्य)→२०–६६ ।

मकसूद बारहमासा (पद्य)—मकसूद कृत । लि० का० स० १६२८ । वि० विरह ।

प्रा०—ठा० रामनरेशसिंह, तारापद का निवादा, डा० मलियाबुजुर्ग (खीरी) । →२६–२८६ ।

मक्खनलाल (खत्री)—काशी निवासी । स० १६०३ के लगभग वर्तमान ।

गोकर्ण माहात्म्य (गद्य)→२६–२८८ सी ।

भागवत (दशमस्कध भाषा) (गद्य)→२६–२८८ ए, बी ।

मखोनाखडचौंतीसा (गद्य)—कबीरदास कृत । वि० आत्म ज्ञान ।

प्रा०—कबीर साहब का स्थान, मगहर (बस्ती)→०६–१४३ एन ।

मगन जी—(?)

बारहमासी (पद्य)→सं० ०१–२६६ ।

मगनलाल (पंडित)—केनिंग कालेज (प्रयाग) के संस्कृत अध्यापक। सं १६२६ के लगभग वर्तमान।
 भारतवर्षीय वृत्तांतप्रकाश (गद्य)→सं ४-२७८।
मगनानंद—कोई बैरागी भक्त।
 पद (पद्य)→सं ४-१७५।
मगनिया—संभवतः राजस्थान निवासी।
 मगनिया रा दूहा (पद्य)→४१-१८१।
मगनिया रा दूहा (पद्य)—मगनिया कृत। वि नीति और धर्म।
 प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१-१८१।
मघड़—कोई मारवाड़ी।
 छुनावकपक (पद्य)→ १-२८८।
मछंदरनाथ→'महादेव' ('सबदी' के रचयिता)।
मछींद्रनाथ—संभवतः गोरखनाथ के गुरु।→सं १ -८ सं १ -१।
 पद (पद्य)→सं ७-१४२ सं १ -१ १।
मजलिसमंडन (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि शृंगार वर्णन।
 प्रा —बाबू राधाकृष्णदास चौखंभा वाराणसी।→ १-११५।
मटकी और हेली (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि कृष्णलीला।
 प्रा —पं मूलचंद, पुजारी, रा छाता (मथुरा)।→१८-१९ डी।
मटुकमनि—(?)
 गोविंदस्तुति (पद्य)→सं १-२६७।
मणिदेव—बंदीजन। बहानपुर (भरतपुर राज्य) निवासी। अनंतर काशी में रहने लगे।
 गोकुलनाथ बंदीजन के शिष्य। काशी नरेश महाराज उदितनारायणसिंह के आश्रित।
 मृत्यु सं १६१ ।→ ४-६५।
 भीष्मपर्व (पद्य)→२६-२८१ ए।
 दर्शनिदोकपर्व (पद्य)→२६-२८१ बी।
मणिमंडन→'मंडन' ('जनकपचीसी' आदि के रचयिता)।
मणिमंडन (मिश्र)—राजा केशरीसिंह के आश्रित। सं १६४७ के पूर्व वर्तमान।
 पुरंदरमाया (पद्य)→ ६-२६१।
मणिमाला (पद्य)—जुगलानन्यशरण कृत। लि का सं १६१२। वि रामनाम माहात्म्य और चरित्र वर्णन।
 प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-१ ६ ८।
मणिराम—चतौली (?) निवासी। उमिआरी (मारवाड़) के राव महासिंह के आश्रित। सं ८४२ के लगभग वर्तमान।
 नलशिख वर्णन (गद्यपद्य)→१२ १ ८; ४१-२१६ (अप्र)।

मणिराम—कौथा (?) निवासी। सं० १८१४ के लगभग वर्तमान।
सगुनपरीक्षा (पद्य)→२३–२६६।
मणिराम (मिश्र)—सं० १८२६ के लगभग वर्तमान।
छंदछप्पनी (पद्य)→१२–१०७, २३–२६७।
मणिराम (शुक्ल)—(?)
शालिहोत्र (पद्य)→२३–२६८।
मतचंद्र→'मतचंद्रिका' (फतेहसिंह कृत)।
मतचंद्रिका (पद्य)—अन्य नाम 'मतचंद्र' और 'मुहर्रम'। फतेहसिंह कृत। र० का० सं० १८१३। वि० ज्योतिष (फारसी से अनूदित)।
(क) लि० का० सं० १९४०।
प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय, छतरपुर।→०५–५५।
(ख) लि० का० सं० १९४६।
प्रा० – पं० गणेशदत्त मिश्र, द्वितीय अध्यापक, इंगलिश ब्रांच स्कूल, गोंडा। → ०६–८०।
(ग) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–३१ ए।
मतसुंदर—(?)
पद (पद्य)→सं० ०७–१४३।
मतिबोधिनी (पद्य)—बैजू कृत। लि० का० सं० १८८७। वि० ज्ञान, वैराग्य आदि।
प्रा०—श्री बिहारीलाल जैन, रुनकुता (आगरा)।→३२–१० बी।
मतिराम—कान्यकुब्ज त्रिपाठी ब्राह्मण। तिकवाँपुर (कानपुर) निवासी। जन्मकाल सं० १६६६ और मृत्युकाल सं० १७७३। बादशाह औरंगजेब और बूँदी नरेश भावसिंह के दरबारी कवि। ओड़छा नरेश महाराज स्वरूपसिंह और कुमाऊँ नरेश महाराज उद्योतचंद्र (विद्योतचंद्र) के पुत्र राजा ज्ञानचंद्र के भी आश्रित। इनके तीन भाई थे भूषण, चिंतामणि और नीलकंठ (जटाशंकर)।
अलंकारपंचाशिका (पद्य)→पं० २२–६४ ए।
छंदसारपिंगल (पद्य)→१२–११२, २०–१०५ ए, पं० २२–६४ सी, ४१–१८२।
बरवै नायिकाभेद (पद्य)→२३–२७६ ई, सं० ०१–२६६।
मतिरामसतसई (पद्य)→०६–१९६, २३–२७६ डी, २६–३०० के, एल।
रसराज (पद्य)→००–४०, ०१–६७, ०६–१९६ ए, २०–१०५ बी, पं० २२–६४ बी, २३–२७६ एफ से जे तक, २६–३०० डी से जे तक, सं० ०४–१७६ क, ख।
लक्षणशृंगार (पद्य)→०६–१९६ सी।
ललितललाम (पद्य)→०३–६७, २३–२७६ ए, बी, सी, २६–३०० ए, बी, सी, सं० १०–१०४।
साहित्यसार (पद्य)→०६–१९६ बी।

मतिराम—(?)
  कंठाभरण टीका (पद्य)→सं १–२५८।

मतिरामसतसई (पद्य)—मतिराम कृत। वि शृंगार।
  (क) लि का सं १८८९।
  प्रा०—श्री बलभद्रसिंह बिजनौर (लखनऊ)।→२१–२ के।
  (ख) प्रा०—पं शिवदुलारे दूबे, हुसेनगंज, फतेहपुर।→ ६–१६१।
  (घ) प्रा —पं०—भगीरथप्रसाद दीक्षित, मई, डा बटेश्वर (आगरा)। →
  २१–२०६ डी।
  (घ) प्रा —पं कृष्णबिहारी मिश्र माडल हाउस, लखनऊ।→२६–२ एल।

मथुरा (भट्ट)—ब्राह्मण। जयपुर के महाराज सवाई प्रतापसिंह के आश्रित। इन्होंने
  श्रीकृष्ण चुन्नीलाल और रामराय के साथ मिलकर ग्रंथ रचना की थी।
  सं १८५१ के लगभग वर्तमान।
  राधागोविंद संगीतसार (गद्यपद्य)→१२–१११।

मथुरादास—कायस्थ। सं १७२७ के लगभग वर्तमान।
  वैद्यकसार (सर्व) संग्रह (गद्य)→२६–२१६।

मथुरादास—ब्राह्मण।
  रामायण (लंकाकांड) (पद्य)→१६–२६८।

मथुरादास (कवि)—(?)
  नीतिविलास (पद्य)→सं १–२७।

मथुरानाथ—भारद्वाज ब्राह्मण। सं १८२५ के पूर्व वर्तमान।
  गीतगोविंद भाषा पद्यानुवाद (पद्य)→सं १–२७१।

मथुरानाथ (शुक्ल)—मालवीय ब्राह्मण। रघुनाथ शुक्ल के पिता (?)। वाराणसी
  निवासी। भजराम के पुत्र। राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद के प्रपितामह राजा
  डालचंद के आश्रित। जन्म सं १८१२। मृत्यु सं १८७६।→१६–न ७।
  चूड़ामणि शकुन (पद्य)→०६–१६५ बी।
  ज्योतिषचक्र (पद्य)→ ६–१६५ सी।
  पार्थध्वजि टीका (गद्यपद्य)→०६–१६५ ई।
  पार्थध्वजि (भाषा) (पद्य)→ ६ १६५ डी।
  विरहपचीसी (पद्य)→ ६–१६५ ए।
  विवेकपंचामृत (पद्य)→ ६–१६५ एफ।
  सूत्रार्थपार्थध्वजि (भाषा) (गद्य)→०६–१६५ जी।

मथुराभेरा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि श्रीकृष्ण का मथुरा गमन।
  प्रा०—श्री जयगोविंद मिश्र बरैनी डा जसमेर (आगरा)।→२६–४१२।

मथुरा वर्णन (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्री कृष्ण का मथुरा में पहुँचना, वहाँ की शोभा और ग्वालों के साथ आनद विनोद।
प्रा०—प० अयोध्याप्रसाद, फुलरई, डा० वलरई (इटावा)।→३८-१८३।

मथुरेश (कवि)—स० १६१५ के लगभग वर्तमान।
अंग्रेजनामा (पद्य)→२३-२७५।

मथुरेशजी की भावना (गद्य)—माधोराम कृत। वि० वल्लभ सप्रदाय के सिद्धात।
प्रा०—श्री जमनाप्रसाद ब्राह्मण, इमलीवाले, गोकुल (मथुरा)।→३५-५६।

मथुरेशजी को ढोल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० मथुरेश की वदना।
प्रा०—श्री देवकीनदनाचार्य, पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७-४५ (परि०३)

मदचरित्र (पद्य)—दाताराम (दीनदास) कृत। वि० चंडू, आमिष, मद और जुए आदि से होने वाली हानि का वर्णन।
(क) लि० का० स० १६३४।
प्रा०—पं० शिवदत्त मिश्र, बिलावती, डा० धूमरी (एटा)।→२६-६० बी।
(ख) लि० का० स० १६४०।
प्रा०—ठा० रामपालसिंह, दातागाँव, डा० बरताल (सीतापुर)।→२६-६० सी।

मदनकोक→'कोकसार' (नद और मुकुद कृत)।

मदनगोपाल—कान्यकुब्ज ब्राह्मण। फतूहाबाद के निवासी। पिता का नाम गगाराम। बलरामपुर (गोंडा) के राजा अर्जुनसिंह के आश्रित। स० १८७६ के लगभग वर्तमान।
अर्जुनविलास (पद्य)→२३-२५०, स० ०४-२७८।

मदनगोपालसिंह—उप० खालसा।
विनयपत्रिका (पद्य)→२१-२७२।

मदनचक्रवर्ती (गद्य)—रमाकात (नेपाली) कृत। वि० वैद्यक।
प्रा०—लाला अयोध्याप्रसाद, शृगारहाट, अयोध्या।→२०-१४६।

मदनपाल—(?)
निघटु (भाषा) (गद्य)→०६-१७६, २६-२७३ ए, बी, सी, डी।

मदनविनोद (पद्य)—प्रसाद (कवि) कृत। लि० का० सं० १८१६। वि० कामशास्त्र।
प्रा०—प० रामप्रसाद द्विवेदी, गोपालपुर, डा० असनी (फतेहपुर)। → २०-१३१।

मदनविनोद निघटु (गद्य)—ईश्वरीप्रसाद (बोहरे) कृत। लि० का० स० १६०६। वि० वैद्यक।
प्रा०—प० नारायण, हँसेला, डा० अछनेरा (आगरा)।→३२-६२ ए।

मदनविनोद निघटु→'निघटु (भाषा)' (मदनपाल कृत)।

मदन साहब—खरौना ग्राम (जौनपुर) निवासी एक उच्चकुल के रईस। विरक्त होकर मदनपथ की स्थापना की। स० १६१५ के पूर्व वर्तमान।

सामप्रकाश (पद्य)→ऐ ४–१७० क ख।

रागीशतक (पद्य)→ऐ ४ १७७ ग।

मदनसुधाकर (गद्यपद्य)—हीरालाल (वैश्य) कृत। वि वैद्यक।

मा —पं उमरावसिंह नेरिया ग्रा शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→११–८८।

मदनाष्टक (पद्य)—पठान (मिश्र) कृत। वि विरह वर्णन।

मा —चतुर्वेदी उमरावसिंह पाठक विशारद (लेखक), कलक्टरी कचहरी, मैनपुरी।→११–७६।

मदनाष्टक (पद्य)—रहीम कृत। लि का सं १८८१। वि शृंगार रस।

मा – पं शिवप्रसाद मिश्र मुजफ्फराबाद (फतेहपुर)।→२०–१४।

मदमुसव्विर (गद्य)—मामार (मिश्र) कृत। लि० का सं १९ ९। वि वैद्यक।

मा०—पं कृष्णकुमार शास्त्री अलीगंज (एटा)।→२६–२ बी।

मदारबक्स—पैठान बंशीय। माधुपुर के राजा। सं १८१७ के लगभग वर्तमान। रसायिनि में इनका उल्लेख किया है।→सं ८–१७।

मदालसा (मदालसा आख्यान ?) (पद्य)—माधवदास कृत। वि रानी मदालसा की कथा।

(क) लि का सं १७५८।

मा —पं रघुनंदन पांडेय चौकिया ग्रा लैंगुवा (सुलतानपुर)। → सं ४–२१५।

(ख) लि का सं १७६४।→पं २२–६।

मधुमरिदास—माथुर चौबे। उप मधुसूदनदास और माधुरीदास। इटावा निवासी। सं १८१६ (?) के लगभग वर्तमान।

रामाश्वमेध (पद्य)→ १–८७ ७६ १८१; २–६७; ११–१५१ ए, बी १६–२७८ ए, बी सी।

मधुकर→'चरमकदरस' (अयोध्या निवासी वैष्णव)।

मधुकरदास—सं १७८१ के लगभग वर्तमान।

ध्रुवचरित्र (पद्य)→१८–६४ ए, बी।

मधुकरमालती की कथा→'बुद्धिसागर (चान कवि कृत)।

मधुकरशाह—ओड़छा नरेश। वेणीसिंह के पूर्वज। राजा वीरसिंहदेव के पिता। राज्यकाल सं १६११ १६४९। केशवदास के आश्रयदाता। मोहनलाल इनके वंशजों के कुल पुरोहित थे।→ ०–२१ –६६ १–८६; ५–७१; १–६८ ६–५८; ६–११६।

मधुकरशाह—फर्रुख (इटावा) के जागीरदार। कुशलसिंह के पिता। सं १९७७ के पूर्व वर्तमान।→ ४–१७।

मधुप्रिया की टीका (गद्यपद्य)—टीकाकार अज्ञात। लि० का० सं० १६०५। वि० राधा के नखशिख विषयक पजनेस कृत मधुप्रिया की टीका।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेडकाउटेंट), छतरपुर। → ०५–६३।

मधुमालती की कथा (पद्य)—चतुर्भुज (कायस्थ) कृत। वि० प्रेमकथा।
(क) लि० का० स० १८३७।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–४४।
(ख) लि० का० स० १८४४।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१–११०।
(ग)→प० २२–१६।

मधुरअलि—अयोध्या निवासी साधु। १६वीं शताब्दी में वर्तमान।
युगलविनोद (पद्य)→२०–६८ सी।
युगलविनोद कवितावली (पद्य)→२०–६८ डी।
युगलवसतविहार लीला (पद्य)→२०–६८ ए।
युगलहिंडोला लीला (पद्य)→२०–६८ बी।

मधुराष्टक की टीका (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत। वि० पुष्टिमार्गी सिद्धात।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–४८६ क।

मधुसूदनदास—स० १७४६ के लगभग वर्तमान।
द्वैतप्रकाश (पद्य)→२६–२१८।

मधुसूदनदास→'मधुअरिदास' ('रामाश्वमेध' के रचयिता)।

मनखडन (ग्रथ) (पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत। वि० मन को वश में रखने का उपाय।
(क) प्रा०—गो० रघुवरदयाल, खुशहाली, डा० सिरसागज (मैनपुरी)। → ३२–१७५ आई।
(ख) प्रा०—पं० हुब्बलाल तिवारी, मदनपुर (मैनपुरी)।→३१–१७५ एन।
(ग) प्रा०—पं० पूरनमल, बैजुआ, डा० अरॉव (मैनपुरी)।→३२–१७५ ओ।
(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१६५ छ।
(ङ)→२२–६१ सी।

मनखडनजोग→'मनखडन (ग्रथ)' (स्वामी रामचरण)।

मनचितावनीवेलि (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८२०। वि० वैराग्य।
प्रा०—नगरपालिका सग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–२५७ च।

मनचित--ब्राह्मण। बाँदा निवासी। सं० १७८५ के लगभग वर्तमान।
दानलीला (पद्य) १–७१।
मन सू (?)
हनुनाटक (पद्य)→६–२१२
मनपरसंगजोग (प्रबंध) (पद्य)—हरिदास (रमला) कृत। लि० का० सं० १८१८।
वि० मनोनिग्रह।
प्रा० —श्री वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय काशी हिंदू विश्व विद्यालय वाराणसी।→११–११ बी।
मनपूरन (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत। र० का० सं० ८१४। लि० का० सं० ११४। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा० —महंत गुरुप्रसाददास हरिगाँव डा० कोतसराँव (सुलतानपुर)। → १६–१६२ ए।
मनप्रबोध (पद्य)—ईश्वर (कवि) कृत। लि० का० सं० १९११। वि० नवधा भक्ति।
प्रा०—श्री हनुमानप्रसाद पोद्दार, सहायक पोस्टमास्टर, राधा (मथुरा)। → २६–११८ सी।
मनप्रबोध (पद्य)—गहरगोपाल कृत। वि० गोकुलेश की वंदना।
प्रा० —श्री चौहरीमल बाजपेयी बटेश्वर (आगरा)।→१२–५६ सी।
मनप्रबोधवेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८११।
वि० भक्ति का उपदेश।
प्रा० —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद।→४१–२५७ क।
मनबत्तीसी (पद्य)—जगन्नाथ (जन) कृत। लि० का० सं० १९१६। वि० मन की प्रकृति का वर्णन।
प्रा० —लाला विश्वेश्वर हरिपुरा रतिया।→ ६–२६९ (विवरण अप्राप्त)।
टि० 'मनबत्तीसी और गुरुमहिमा दोनों एक ही हस्तलेख में संग्रहीत हैं।
मनबोध—मालवीय ब्राह्मण। दूलहपुर (मिरजापुर) निवासी। रामदयाल के पुत्र।
सं० १८४१ के लगभग वर्तमान।
भ्रमभंजन (पद्य)→ ६–१८६।
मनबोधराखक (पद्य)—सुखशानन्ददास कृत। लि० का० सं० १९११। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–२ १ ठ।
मनमोहनी (पद्य)—वैद्य कृत। लि० का० सं० १८८७। वि० माया और ब्रह्म का विवेचन।
प्रा० —श्री बिहारीलाल जैन चलकुआ (आगरा)।→१२–१ ए।
मनमोहन—(?)
रसशिरोमणि (पद्य)→२०–१ २।

मधुप्रिया की टीका (गद्यपद्य)—टीकाकार अज्ञात। लि० का० स० १६०५। वि० राधा के नखशिख विषयक पजनेस कृत मधुप्रिया की टीका।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेडकाउटेंट), छतरपुर। → ०५–६३।

मधुमालती की कथा (पद्य)—चतुर्भुज (कायस्थ) कृत। वि० प्रेमकथा।
(क) लि० का० स० १८३७।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–४४।
(ख) लि० का० स० १८४४।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–११०।
(ग)→प० २२–१६।

मधुरअलि—अयोध्या निवासी साधु। १६वीं शताब्दी में वर्तमान।
युगलविनोद (पद्य)→२०–६८ सी।
युगलविनोद कवितावली (पद्य)→२०–६८ डी।
युगलवसंतविहार लीला (पद्य)→२०–६८ ए।
युगलहिंडोला लीला (पद्य)→२०–६८ बी।

मधुराष्टक की टीका (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत। वि० पुष्टिमार्गी सिद्धांत।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–४८६ क।

मधुसूदनदास—स० १७४६ के लगभग वर्तमान।
द्वैतप्रकाश (पद्य)→२६–२१८।

मधुसूदनदास→'मधुअरिदास' ('रामाश्वमेध' के रचयिता)।

मनखंडन (ग्रंथ) (पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत। वि० मन को वश में रखने का उपाय।
(क) प्रा०—गो० रघुवरदयाल, खुशहाली, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)। → ३२–१७५ आई।
(ख) प्रा०—पं० हुब्बलाल तिवारी, मदनपुर (मैनपुरी)।→३२–१७५ एन।
(ग) प्रा०—पं० पूरनमल, वैजुआ, डा० अराँव (मैनपुरी)।→३२–१७५ ओ।
(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१६५ छ।
(ङ)→२२–६१ सी।

मनखंडनजोग→'मनखंडन (ग्रंथ)' (स्वामी रामचरण)।

मनचिंतावनीवेलि (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० स० १८२०। वि० वैराग्य।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–२५७ घ।

प्रा —श्री बिहारी जी का मंदिर महाजनी टोला, इलाहाबाद। →
४१-५ ७ ङ (अप्र)।
(ख) प्रा —बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा वाराणसी।→ -१८।
(ग) प्रा —पं० चुन्नीलाल वैद्य दंडपाणि की गली वाराणसी।→०९-७१ ई।
(घ) प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१-५ ७ म (अप्र)।

मनशुद्धसागर (जैन)—अन्य नाम मनसुखसागर। गुरु का नाम संतोषसागर (गुलाल कीर्ति के पट्टधर शिष्य)। सं० १८४५ (?) के लगभग वर्तमान।
पद्मनाभिचरित्र (पद्य)→सं० ४-२८१ क।
शिखरमाहात्म्य (पद्य)→२१-२६४ सं० ४-२८१ ख ग।

मनशृंगार (पद्य)—भुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण का प्रेम विहार।
प्रा —बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा वाराणसी।→ -१६।

मनसंतोष→ संतोष (वैद्य) ('विघ्ननाशन' के रचयिता)।

मनसंतोष (पद्य)—रघुवंशवल्लभ श्रीलाल कृत। र० का० सं० १९१२। वि० ज्ञान भक्ति, वैराग्य और शृंगार आदि।
(क) लि० का० सं० १९१२।
प्रा —लाला हरमीनारायण मारवाड़ी रायबरेली।→२१-१११।
(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-२७२।

मनसाराम—(?)
चिंतामणि (पद्य)→सं० १-२७२ क।
चौबीसअवतार को भेद (पद्य)→सं० १-२७२ ख।

मनसाराम (पाँडे)—सं० १८६४ के लगभग वर्तमान।
भारतप्रबंध (गद्य)→ ५-६६।

मनसाराम (शुक्ल)—सुर्गंश शुक्ल के वंशज। डेवा (उन्नाव) निवासी।
कवित्त (पद्य)→२१ २७१।

मनसुख—(?)
बारामासा (पद्य)→सं० ४ २८२।

मनसुखराय (जैन)—(?)
भरमदपूजा (पद्य)→सं० १ -१ ६।

मनसुखसागर→ मनशुद्धसागर (जैन) ('पद्मनाभिचरित्र' आदि के रचयिता)।

मनहठजोग (ग्रंथ) (पद्य)- हरिदास कृत। लि० का० सं० १८३८। वि० नाम के द्वारा मन को भगवद्भजन में लगाने का उपदेश।
प्रा —श्री वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी।→१५-१६ सी।

मनमोहनदास—टट्टी सप्रदाय के अनुयायी। भगवतरसिक के शिष्य। स० १६०७ के पूर्व वर्तमान।

वानी (पद्य)→स० ०४–२७६।

मनमोहनदास→'जनमोहन' (ओड़छा निवासी)।

मनमोहनभक्तिविलास (पद्य)—रामसिंह (महाराज) कृत। वि० स्तुति और भक्ति।

(क) लि० का० स० १८३०।

प्रा० प० भालचद मिश्र, शीतलनटोला, डा० मलीहाबाद (लखनऊ)। → २६–३६६ ए।

(ख) प्रा०—बाबा गोपालदास, चैतन्यरोड, वाराणसी। → ४१–५५३ क (अप्र०)।

मनमोहनलीला (पद्य)—प्रेमदास कृत। वि० श्रीकृष्ण की गेंदलीला और शिवदरसन लीला का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →स० ०१–२२१ क।

मनरगलाल—जैन। कन्नौज निवासी। पिता का नाम कन्नौजीलाल पल्लीवार। सवत् १८८७-१६११ के लगभग वर्तमान।

धर्मसार (गद्यपद्य)→स० ०४–२८०।

नदीश्वरद्वीपपूजा (पद्य)→दि० ३१–५७।

नेमिचद्रिका (पद्य)→२६–२६१।

पिंगल (पद्य)→स० १०–१०५।

वर्तमान चतुर्विंशति जिनपूजा (पद्य)→२३–२६०।

मनराखनदास—कायस्थ। बाँदा निवासी। हरिनारायणदास के पुत्र। स० १८६१ के लगभग वर्तमान।

छदोनिधि पिंगल (पद्य)→०६–१८७।

मनलगन (पद्य)—महमूद बहरी (काजी) कृत। र० का० स० १८वीं शती। वि० सूफी मत का प्रतिपादन।

प्रा०—डा० मुहम्मद हफीज सैयद, चैथमलाइन, प्रयाग।→४१–१८६।

मनविरक्तकरन गुटका सार (पद्य) - चरणदास स्वामी) कृत। वि० वैराग्य (भागवत के एकादश स्कध के आधार पर दत्तात्रेय द्वारा वर्णित)।

(क) प्रा०—महत जगन्नाथदास कबीरपथी, मऊ (छतरपुर)।→०६-१४७ बी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—बाबू चद्रभान, अमीनाबाद, लखनऊ।→२३–७४ एफ।

(ग) प्रा०—प० अमोल शर्मा, चदनिया, रायबरेली।→२३–७४ जी।

(घ) प्रा०—बाबा विष्णुगिरि, शिवनगर, डा० सहावर (एटा)।→२६-६५ वी।

मनशिक्षालीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० ईश्वर में मन लगाने की शिक्षा।

(क) लि० का० स० १८३६।

मनीराम—(?)
    आनंदमंगल (पद्य)→ ६–२६ ।
मनीराम (द्विज)→'मनिराम (नखशिख' के रचयिता)।
मनीराम (शुक्ल)—(?)
    मंडीचरित (पद्य)→सं ५–१४५ ।
मनीराम के कवित्त (पद्य)—मनीराम कृत । वि शाहजहाँ की प्रशंसा ।
    प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१–१८५ क ।
मनुधर्मसार (गद्य)—शिवप्रसाद (सितारेहिंद) कृत । लि का सं १९११ । वि मनु कृत धर्मशास्त्र का अनुवाद ।
    प्रा —लाला हरगहीलाल कुर्मी, बीबीपुर डा बिल्हौर (कानपुर)। → १९–११२ ।
मनुष्यविचार (पद्य)—कबीरदास कृत । वि साखी और स्फुट रचना ।
    प्रा०—ठा नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव)। →२१–१९८ एल ।
मनुस्मृति की टीका (गद्य)—रामकृष्ण कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
    प्रा —श्री ज्योतिप्रसाद मोहरे, बाउम डा बलरई (इटावा) ।→१५–८९ एन, बी ।
मनोजलतिका (पद्य)—माधोसिंह कृत । र का सं १९११ । वि नखशिख वर्णन ।
    प्रा —रत्नाकर संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१–१९८ ।
मनोत्सव→ वैद्यमनोत्सव (नैनसुख कृत)।
मनोरंजनमाला (पद्य)—हरिवंश कृत । र का सं १८५५ । लि का सं १८५५ । वि शांतरस वर्णन ।
    प्रा०—पं हरदास दूबे हरिहर (बलिया), द्वारा गुरैबा शुगरमिल नवाबगंज, कानपुर ।→१८–६१ ।
मनोरंजनी शिक्षा कौमुदी (पद्य)—ग्रन्थ नाम ज्ञानतरंग । प्रभुदयाल कृत । वि भक्ति एवं ज्ञानोपदेश ।
    (क) प्रा —पं दौलतराम मढ़ैले कुरकपुर डा मदनपुर (मैनपुरी)। → १२–१६६ के ।
    (ख) प्रा —पं युगलकिशोर अगसौरा (इटावा) ।→१५–७७ ए ।
    (ग) प्रा —पं बैजनाथ बलवंतनगर (इटावा) ।→१५–७७ बी ।
    (घ) प्रा —पं हारिकाप्रसाद बनकटी डा बलवंतनगर (इटावा)। → १५–७७ सी ।
मनोरमयुक्तावली (पद्य)– मदनीत (कवि) कृत । वि कृष्णलीला ।
    प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरौली ।→सं १–१८१ ।
मनोरथलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि राधा कृष्ण की लीला ।
    प्रा०—बाबा संतदास राधावल्लभ का मंदिर वृंदावन (मथुरा)। → ११–१५४ क्यू ।

मना जो—कोई सत ।

नौनिधि (पद्य)→स० ०७-१४४ ।

मनिकठ (मिश्र)→'मनिकठमनि' ('वैतालपच्चीसी' के रचयिता) ।

मनिकठमनि—अन्य नाम मनिकठ मिश्र । नगरानगर (गाजीपुर) के राजा फकीरसिंह के आश्रित । स० १७८२ के लगभग वर्तमान ।

वैतालपच्चीसी (पद्य)→२३-२६६, ४१-१८७, स० ०१-२२३, स० ०१-२७३ क, ख ।

मनियारसिंह—क्षत्रिय । काशी निवासी । पिता का नाम श्यामसिंह । गुरु का नाम कृष्ण कवि । पंडित आरामचन्द्र के सेवक । स० १८४३ के लगभग वर्तमान ।

भावार्थचंद्रिका (पद्य)→००-४७ ।

सौंदर्यलहरी (पद्य)→२३-२७० ।

हनुमानछब्बीसी (पद्य)→स० ०४-२८३ ।

हनुमानविजय (पद्य)→३२-४५ ।

मनिराम (द्विज)—(?)

नखशिख टीका (गद्यपद्य)→४१-५३५ (अप्र०) ।

मनिवेद→'वेदमणि' ('कवित्त' के रचयिता) ।

मनिहारिन भेष की पोथी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० श्रीकृष्ण का मनिहारिन भेष में राधा को छलना ।

प्रा०—प० मथुराप्रसाद मिश्र, परियावाँ (प्रतापगढ) →२६-७१ (परि०३) ।

मनिहारिन लीला (पद्य)—गौरीशकर कृत । र० का० स० १९३१ । लि० का० स० १९३४ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—ठा० रामसिंह, दीनाखेड़ा, डा० सोरों (एटा) ।→२६-१०२ सी ।

मनिहारिन लीला (पद्य)—जयराम (भारती) कृत । लि० का० स० १९१४ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—प० गयादीन तिवारी, बिलरिहा, डा० थानगाँव (सीतापुर) । →२६-२०५ ।

मनिहारिनादि लीला (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० श्रीकृष्ण की मनिहारिन, त्रिसातिन, चीरहरण आदि लीलाएँ ।

प्रा०—बौहरे गजाधरप्रसाद, धरवार, डा० बलरई (इटावा) ।→३५-२१३ ।

मनोराम—असनी के महापात्र नरहरि के वशज । जैतसिंह के पिता । शाहजहाँ के आश्रित ।→४१-८५ ।

पातिशाही कवित्त साहिजहाँ के (पद्य)→४१-१८५ ख ।

मनीराम के कवित्त (पद्य)→४१-१८५ क ।

मन्नालाल—सिम्मनलाल के पितृव्य जिनकी (सिम्मनलाल की) प्रेरणा से इन्होंने 'प्रद्युम्नचरित्र' की वचनिका तैयार की थी ।→सं १ –११ ।

मन्नालाल (जैन)—खंडेलवाल सेठीगोत्र सवाई जयपुर के निवासी । पिता का नाम जोगीदास । जयपुर के महाराज जगतसिंह (सं १८६०-७५) और दिल्ली के बादशाह अकबर (द्वितीय) के समकालीन ।
चरित्रसारकी भाषा वचनिका (गद्य)→सं १ –१ ८ ।

मयनगो (?)(पद्य)—बालदास (महात्मा) कृत । र का सं १८८५ (लगभग) । लि का सं १९ । परब्रह्म मक्कों और मुर्गों का वर्णन तथा वंदना ।
प्रा —पं त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी पूरेफत्तनपांडे डा सिलोई (रायबरेली) । →२६-२४ ए ।

मयनामती—प्रसिद्ध जालंधरीपाव की शिष्या ।→सं १ –४१ ।

मयाराम—संभवतः निंबार्क संप्रदाय के अनुयायी ।
हरिचरचाविलास (पद्य)→१२-१४४ ।

मयूरचित्रम(गद्य)—केशवप्रसाद (द्विवेदी) कृत । र का सं १९२१ । वि ज्योतिष ।
(क) लि का सं १९२९ ।
प्रा —पं रामनाथ पुजारी बिसवाँ डा बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६–२१ सी ।
(ख) लि का सं १९३१ ।
प्रा —पं बलदेवप्रसाद तिवारी भौंता डा ककवन (कानपुर) । →२६–२१ डी ।

मयूरध्वज चरित्र (पद्य)—मलूकदास कृत । लि का सं १७८४ । वि राजा मोरध्वज का वर्णन ।
प्रा —डा त्रिलोकीनारायण दीक्षित हिंदी विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ ।→सं ४–१८८ ब ।

मरदान रसार्णव (पद्य)—अन्य नाम 'रस रत्नार्णव' । सुखदेव (मिश्र) कृत । र का सं १७१६ । वि रस और नायिकाभेद ।
(क) लि का सं १८ ९ ।
प्रा —पं शिवलाल बाजपेयी असनी (फतेहपुर) ।→२०–१८० डी ।
(ख) लि का सं १८३४ ।
प्रा —ठा शिवप्रसादसिंह करैली डा फखरपुर (बहराइच) । →११–४१२ आर ।
(ग) लि का सं १८७९ ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→०१–११४ ।
(घ) लि का सं १८७१ ।

मनोहर कहानी (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६६ । वि० मनोरंजक किस्से ।
प्रा०—लाला चैजूमल, चौरापूर (हरदोई)।→२६–४२६ ।

मनोहर कहानी संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६३६ । वि० चमत्कारिक कहानियों का संग्रह ।
प्रा०—ठा० शिवसिंह, विक्रमपुर, डा० श्रोयल (खीरी)। → २६–७२ (परि० ३)।

मनोहरदास—सेवक जाति के चारण। जोधपुर नरेश महराज मानसिंह के आश्रित। इनको गुरु आयुस लाड़नाथ ने एक लाख रुपए (पचास ?) और एक हाथी पुरस्कार में दिया था। महाराज की ओर से भी उन्हें एक गाँव मिला था। सं० १८५७ के लगभग वर्तमान।
जसआभूषणचंद्रिका (पद्य)→०२–१३ ।
फूलचरित्र (पद्य)→०६–१६२, २६–२६६, सं० ०४–२८५ ।
बरनचरित्र (पद्य)→सं० ०१–२७४ ।

मनोहरदास – जैन । गुरु का नाम ब्रह्मकल्यान, जो मूलसंघ के ब्रप जती के शिष्य थे ।
दीतवार की कथा (पद्य)→सं० ०७–१४६ ।

मनोहरदास (जैन)—सोनी खंडेलवाल जैन वैश्य। साँगानेर निवासी। पीछे धामपुर (धरमपुर ? दादुरो देश के अंतर्गत) में बस गए। कोइ हीरामणि और जेठमल के पुत्र विधिचंद तथा रावत सालिवाहन (आगरा), जगदत्त मिश्र गौड़ (हिसार) तथा पंडित वेगराज ज्योतिषी (धामपुर) इनके मित्र और सहायक थे। सं० १७०५ के लगभग वर्तमान।
धर्मपरीक्षा (पद्य)→० –१२२, २३–२७१, सं० ०४–२८४ क, ख, ग, सं० ०७–१४७, सं० १०–१०७ क, ख ।

मनोहरदास (निरंजनी)—निरंजनी संप्रदाय के साधु। सं० १७१७ के लगभग वर्तमान।
ज्ञानचूर्णिका (गद्यपद्य) →०३–८४, २६–२६३ ई, २३–२७२ बी, ४१–५३६ (अप्र०)।
ज्ञानमंजरी (पद्य)→०६–२६३ ए, २३–२७२ ए ।
वेदांत परिभाषा (पद्य)→०६–२६३ बी, २३–२७२ सी ।
शतप्रश्नोत्तरी (पद्य)→०३–८३, ०६–२६३ सी, सं० ०४–२८६ ।
षट्प्रदर्शनीनिर्णय (गद्यपद्य)→०१–५८, ०२–१२, ०६–२६३ डी ।

मनोहरदास (मनोहर)→'किशोरीदास' ('राधारमण रससागर लीला' के रचयिता) ।

मन्नालाल—वैश्य। दोड़वा (कानपुर) निवासी। सं० १६३१ के लगभग वर्तमान।
राग संग्रह (पद्य)→२६–२२६ ए, बी, सी ।

मन्नालाल—आंध्र देशीय।
वेदांतत्रयी (गद्य)→२६–२६५ ।

मन्नालाल—चिम्मनलाल के पितृव्य जिनकी (चिम्मनलाल की) प्रेरणा से इन्होंने प्रद्युम्नचरित्र की वचनिका तैयार की थी ।→सं १ -११ ।

मन्नालाल (जैन)—खंडेलवाल वैश्यांतर्गत सवाई जयपुर के निवासी। पिता का नाम जोगीदास। जयपुर के महाराज जगतसिंह (स १८६ ७५) और दिल्ली के बादशाह अकबर (द्वितीय) के समकालीन।

चरित्रसारकी भाषा वचनिका (गद्य)→सं १ -१ ८ ।

मयमगो (?)(पद्य)—बालदास (महात्मा) कृत। र का सं १८८५ (लगभग)। लि का सं १९ । पंजाब मक्के और पुरों का वर्णन तथा वंदना।

प्रा —पं त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी पूरेसानपांडे डा तिलोई (रायबरेली)। →१९-२४ ए।

मयमासती—प्रसिद्ध कर्णाटीपाव की शिष्या ।→सं १ -४१ ।

मयाराम—संभवतः निंबार्क संप्रदाय के अनुयायी।

हरिचरणविलास (पद्य)→१२-१४४ ।

मयूरचित्रम(गद्य)—केशवप्रसाद (द्विवेदी) कृत। र का सं १९११। वि ज्योतिष।

(क) लि का सं १९२९।

प्रा —पं रामनाथ पुजारी बिसवाँ डा बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६-२१ सी।

(ख) लि का सं १९११।

प्रा —पं बलदेवप्रसाद तिवारी बंता डा ककवन (कानपुर) । → २६-२१ डी।

मयूरध्वज चरित्र (पद्य)—मधुकरराव कृत। लि का सं १७८४। वि राजा मोरध्वज का वर्णन।

प्रा —डा त्रिलोकीनारायण दीक्षित हिंदी विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ।→सं ४-१९८८ ख।

मरदान रसार्णव (पद्य)—अन्य नाम 'रस रत्नार्णव । सुखदेव (मिश्र) कृत। र का सं १७१६। वि रस और नायिकाभेद।

(क) लि का सं १८ ६।

प्रा —पं शिवलाल बाजपेयी असनी (फतेहपुर) ।→१ -१८७ डी।

(ख) लि का सं १८१४।

प्रा—डा शिवप्रसादसिंह कनौजी डा फखरपुर (बहराइच) । → २३-४१९ आर।

(ग) लि का सं १८५६।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ १-१२४।

(घ) लि का सं १८७१।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–३३।

मरदानसिंह—डौंडियाखेरा के ताल्लुकेदार। सुखदेव मिश्र के आश्रयदाता। इन्हीं के नाम पर सुखदेव मिश्र ने 'मरदान रसार्णव' की रचना की थी। स० १७५७ के लगभग वर्तमान।→०३–१२४, ०४–३३, २० १८७।

मलकामुअज्जम का दरबार देहली (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत। लि० का० सं० १९३४। वि० अंग्रेजो के दिल्ली दरबार का वर्णन।
प्रा०—लाला दीनदयाल पटवारी, सराय रहीम, डा० हबीबगंज (अलीगढ)।
→२६–१०७ जी।

मलिकमुहम्मद जायसी—प्रसिद्ध सूफी कवि। जायस निवासी अशरफ जहाँगीर तथा शेख बुरहान के शिष्य। दिल्ली के बादशाह शेरशाह सूरी के समकालीन। स० १५९७ के लगभग वर्तमान।
अखरावट (पद्य)→०२–१०८, स० ०४–२८७ क, ख।
कहरानामा (पद्य)→२६–२८६ ए, स० ०४–२८७ ख।
पद्मावत (पद्य)→००–५४, ०१–२४, ०१–२५, ०२–५३, १७–११५, २०–१०६, २३–२८४ ए, बी, २६–२८६ बी, २६–२२५, ४१–५३७ (अप्र०), स० ०४–२८७ ख, स० ०७–१४८।
मसला (पद्य)→स० ०४–२८७ ख, ग।
टि० खो० वि० स० ०४–२८७ ख में 'पद्मावत' के साथ 'अखरावत,' कहरानामा' और मसला' भी संगृहीत हैं।

मलिखान का ब्याह→'पथरीगढ की लड़ाई' (भोलानाथ कृत)।

मलूक—(?)
ऊधौपचीसी (पद्य)→४१–१८७।

मलूकचंद—संभवत पंजाबी।
तिब्बसहाबी (पद्य)→पं० २२–६३।

मलूकजस (पद्य)—मलूकदास कृत। वि० संतों का यश वर्णन।
प्रा०—चौ० नेकसेसिंह, नगला फौजी, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)। →३२–१३८ सी।

मलूकदास—खत्री। कड़ामानिकपुर (इलाहाबाद) निवासी। लाला सुंदरदास खत्री के पुत्र। गो० तुलसीदास के समकालीन। सेवादास के गुरु। इनके वंशज कड़ा के निकट सिराथू में अभी भी वर्तमान हैं। जन्म स० १६३१। मृत्यु स० १७३९। →०६–२८८।
अलखबानी (पद्य)→०६–१९४ डी।
फरखा (पद्य)→स० ०४–२८८ क।

गुरुप्रताप (पद्य)→ ९ १६४ बी।
ज्ञानपरीक्षा (पद्य)→सं ४–२८८ ख।
ज्ञानबोध (पद्य)→ ७–१ ६ ए सं ४–२८८ ग, घ क।
ध्रुवचरित्र (पद्य)→सं ४–२८८ घ।
पुष्पविलास रमैनी (पद्य)→ १–१६४ सी।
भगटज्ञान (पद्य)→४१–१८८।
भक्तमालावली (पद्य)→ ४–८ ६–१८५ ए, २६–२६ १ –११८ ए, बी; सं ४–२८८ छ।
भक्तविरुदावली (पद्य)→ १–१६४ ए।
मयूरध्वजचरित्र (पद्य)→सं ४–२८८ च।
मलूकसत (पद्य)→१२ ११८ सी।
रतनखान (पद्य)→ ६–१८५ बी ४१–११८ (ग्रप्र)।
रामअवतार लीला (पद्य)→१७–१ ६ बी।
विभैविभूति (पद्य)→सं ४ २८८ झ।
विष्णुसहस्रनाम (पद्य)→१२–११८ डी।
साखी (पद्य)→सं १–१७५।
सुखसागर (पद्य)→सं ४ २८८ म।
मलूकपरिचयी→'परिचयी बाबा मलूकदासजी' (सुथरादास कृत)।
मल्ल (कवि)—संभवतः ये वीरमल हैं। नूरपूर (काँगड़ा ?) निवासी। सं १८११ के लगभग वर्तमान।
देवीमहात्म्य (पद्य)→पं २२–६२।
मल्लअखारो (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। वि कृष्ण की लीलाओं का वर्णन।
प्रा —पं रामकिशोर चरेला का फरे (मथुरा)।→१५–२ १।
मल्लिकनाथ—पिता का नाम गोविंद। संभवतः महाराष्ट्र निवासी।
ममरत्नमाला (गद्य)→सं ४–२८६।
मल्लिनाथ चरित्र (पद्य)—सेवाराम कृत। र का सं १८५ । लि का सं १८७६। वि मल्लिनाथ का चरित्र (भट्टारक सकलकीर्ति के संस्कृत ग्रंथ की टीका)।
प्रा॰—लाला मनोहरलाल जैन लाला बालचंद जैन मंदिर चौड़ा कोसीकलाँ (मथुरा)।→४१–१ ।
मसलाविवेक (पद्य)—हरिदास (बाबा) कृत। मु का सं १९९१। वि ज्ञानोपदेश।
प्रा —बाबा भगवानदास बहुरिहा का पुरवा डा महाराजगंज (रायबरेली)।→सं ४–२१९ क।
खो सं वि १८ (११ —१४)

मसला (पद्य)— मलिकमुहम्मद जायसी कृत। वि० ज्ञानोपदेश पद्मावती में)।
(क) प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली)।→स० ०४-२८७ ख।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०४-२८७ ग।

मसलेनामा→उपाख्यानविवेक (पहलवानदास) कृत।

मस्तराम—(?)
रामाश्वमेध (पद्य)→३२-१४३ ए, बी।

महताबराय (सेठ)—संभवत यशोदानंद शुक्ल मालवीय के आश्रयदाता। सं० १८१५ के लगभग वर्तमान।→०६-३३४।

महमदस्तु→'ब्रह्मपिंड' (अक्कपुरी कृत)

महमूदचिश्ती (शेख)—(?)
गजुलइसरार (पद्य)→४१-२६७।

महमूद बहरी (काजी)—सूफी मतावलंबी। बादशाह औरंगजेब के समकालीन। गोगी (?) निवासी। इन्होंने दक्खिनी हिंदी को अपनी भाषा माना है।
मनलगन (पद्य)→४१-१८६।

महम्मद (काजी)—राजस्थानी। दादूपंथी। संभवत राघोदास के भक्तमाल के काजी महम्मद।
पद (पद्य)→स० ०७-१४६।

महरचंद—उप० द्विजदास। नागर ब्राह्मण। शाहगंज निवासी। सं० १७८६ (?) के लगभग वर्तमान।
रुक्मिणीमंगल (पद्य)→१२-११८, ३२-७८ स० ०१-२७७।

महरबानसिंह—होलागढ (इलाहाबाद) के राजा देवीदत्त शुक्ल 'धीर' के आश्रयदाता।→स० ०१-१६३।

महराईगोसाईं धरनीदास (पद्य)—धरनीदास कृत। वि० योगानुकूल अध्यात्म वर्णन।
प्रा०—पं० राधावल्लभ, रेवती (बलिया)।→४१-११४ ख।

महरीमुनस की कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० एक वेदांती पंडित का स्त्री के द्वारा कष्ट पाने का वर्णन।
प्रा०—मौनी साधु साधनखेड़ा।→३२-२५५।

महाआनंदसाह—साँईं मत के प्रवर्तक साँईं मोहनदास के शिष्य।→स० ०४-३०६।
अरसआशिक विनय (पद्य)→स० ०४-२६० क, ख।

महाकविभूषण के कुछ नवीन छंद (पद्य)—भूषण कृत। वि० जयपुर के महाराज जयसिंह, रामसिंह तथा शिवाजी और साहुजी की प्रशंसा एवं नायिकाभेद।
प्राप्त याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१-२६३।

महाकारण (गद्य)—देवचंद्र कृत। वि० ब्रह्म और सृष्टि वर्णन।

प्रा —मिनगानरेश का पुस्तकालय, मिनगा (बहराइच)।→११-८८।

महाजनीसारदीपिका (गद्य)—श्रीलाल (पंडित) कृत। र का सं १६११ (१६ १)। वि बहीखाते और महाजनी लेख की रीति।

(क) लि का सं १६ ३।

प्रा —लाला मनसुखराय बैरगिया, डा पाली (हरदोई)।→२६-११६ ई।

(ख) लि का सं १६२ ।

प्रा —चौधरी रामकिशन मालीखेड़ा डा फतौली (एटा)।→२६-११६ जी।

महादास—संभवतः राजस्थान निवासी।

गनगौर के ख्याल (गीत) (पद्य)→सं १-२७८।

महादेव—बैरव। मैनपुरी निवासी। अनंतर अयोध्या में रहने लगे। सं १८१५ के पूर्व वर्तमान।

ध्रुवलीला (पद्य)→२१-२८ २१-११६ ए।

बारहमासा (पद्य)→२६-२१६ बी सी।

महादेव—संभवतः मत्स्येंद्रनाथ जिन्होंने 'महादेव पार्वती के संवाद रूप में अपने मत को लिखा। परम योगी। 'सिद्धों की वाणी' में भी संगृहीत।→४१-५६ ४ -१६ ।

सबदी (पद्य)→सं १ -१ ६।

महादेव (कोरी)—(?)

शकुनविचार (पद्य →११-५ ।

सामुद्रिक (पद्य)→२६-२७६।

महादेव गोरख गोष्टी→'गोरख महादेव संवाद (गोरखनाथ कृत)।

महादेव गोरख गोष्ठी (पद्य)—सेवादास कृत। लि का सं १७५४। वि योग।

प्रा —श्री महंत शिवदास मंदिर हरिदास जी जोधपुर।→२१-३८१ सी।

महादेवजी का ब्याह (कछहरा में) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १६२५। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —पं राजाराम मरहा (सीतापुर)।→११-१२ (परि १)।

महादेव लीला (पद्य)—सूरदास (?) कृत। वि श्रीकृष्ण दर्शन के लिये शंकर जी का कैलाश पर्वत से आना।

प्रा —पं रामअवतार मिश्र, ममरा, डा लखीमपुर (खीरी)।→२६-४७१ ई।

महादेव विवाह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८२१। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —श्री उमाशंकर दूबे साहित्यान्वेषक, हरदोई।→११-७१ (परि १)।

महादेवसिंह—कवि। नरिआवपुर (प्रभाग) के निवासी। मदनगोपाल के पुत्र। किसी श्रीकृष्ण के आश्रित। सं ११९४ के लगभग वर्तमान।

नीतिसदोह (पद्य)→२६-२८१ स० ०५-२६१ ।

महादेव स्वरोदय (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० स्वरोदय ।
प्रा०—पं० मुन्नी चौबे, हुरमुजपुर, डा० सादात (गाजीपुर) ।→स० ०१-५४६ ।

महानंद (वाजपेयी)—डालमऊ (रायबरेली) निवासी । मृत्यु सं० १९१६ ।
शिवपुराण (पद्य)→२३-२५२ ए, बी ।

महानाटक→'रामायण महानाटक' (प्राणचंद चौहान कृत) ।

महापद (पद्य)—जवाहरदास कृत । र० का० सं० १८८० । लि० का० सं० १८८६ ।
वि० निर्गुण सगुण निरूपण, नाम माहात्म्य और गुरु महिमा आदि ।
प्रा०—पं० बाँकेलाल उपाध्याय, छत्तावाला, फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६-१७१ ।

महापद्मपुराण→'पद्मपुराण की भाषा वचनिका' (दौलतराम कृत) ।

महापुरषाँ का पद फुटकर (पद्य)—मुकनदास कृत । र० का० सं० १८५६ । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-१५३ क ।

महापुरषाँ का पद (पद्य)—विविध कर्ता का संग्रह । लि० का० सं० १८५५ । वि० भक्ति तथा ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-४६३ (अप्र०) ।

महाप्रभून के पद (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के) कृत । वल्लभाचार्य जी का चरित्र, कृष्ण रथयात्रा, होली तथा वसंतोत्सव आदि ।
प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखम्भा, वाराणसी ।→४१-४६४ (अप्र०) ।

महाप्रभूनजी के सेव्य स्वरूप (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० श्री महाप्रभु जी के सेव्य स्वरूपों के निवास स्थान ।
प्रा०—मथुरा संग्रहालय, मथुरा ।→१७-६४ (परि०३) ।

महाप्रलय (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । र० का० सं० १८१३ । वि० ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १९२२ ।
प्रा०—श्री हरिचरणदास एम० ए, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबंकी) । → स० ०४-१०५ अ ।
(ख) लि० का० सं० १९२३ ।
प्रा०—श्री भोलानाथ (उप० मोरेलाल) ज्योतिषी, घाता (फतेहपुर) । → स० ०१-११८ क ।
(ग) लि० का० सं० १९४० ।
प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर) । → २६-१६२ क्यू ।

महाप्रलै कहरानामा→'महाप्रलय' (स्वा० जगजीवनदास कृत) ।

महावदास—(?)

बालचरित्र (पद्य)→र्स १–२८ ।

महावदास (वैष्णव)—गोकुल निवासी । वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी । स १८१५ के पूर्व वर्तमान । संभवतः बालचरित्र के रचयिता भी यही हैं।→सं ०१–२८ ।

रससिंधु (पद्य)→र्स १–२८१ क ल ।

महावानी→'महावानी प्रकाश सेवासुख (हरिव्यासदेव कृत) ।

महावानी प्रकाश सेवा सुख (पद्य)—अन्य नाम 'पदविलास निकुंज' तथा 'महावानी सिद्धांतसुख' । हरिव्यासदेव (हरिप्रिया) कृत । वि श्री राधाकृष्ण विहार ।

(क) लि का सं १८३१ ।

प्रा०—बाबा श्यामदास दतिया की कुंज वृंदावन (मथुरा) ।→१२–७४ ।

(ख) लि का सं १६७६ ।

प्रा —पं रामपदारथ शुक्ल नंदौर डा बाछरांव (रायबरेली) । → २३-११२ ए, बी ।

(ग) प्रा०—पं चतुर्भुज पुरोहित मंदमास (मथुरा) ।→१२–८६ ।

महावानी सिद्धांतसुख→ महावानी प्रकाश सेवासुख (हरिव्यासदेव कृत) ।

महावीरजी की स्तुति (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १६३३ । वि हनुमान स्तुति ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→र्स १ १७२ ।

महाभारत (पद्य)—गंग (कवि) कृत । वि नाम से स्पष्ट ।

शल्यपर्व और गदापर्व

(क) लि का सं १८८६ ।

प्रा —श्री पारसनाथ पाठक पुराना रामपुर डा रामपुर (जौनपुर) । → सं ४–३१ ।

शल्यपर्व

(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→र्स १–६५ ।

महाभारत (पद्य)—सर्बलदास कृत । र का सं १६६४–१७११ के लगभग । वि महाभारत का अनुवाद ।

उद्योगपर्व

(क) लि का सं १८६१ ।

प्रा —कुँवर लक्ष्मणप्रतापसिंह काशीपुर नौलखा डा हंडिया (इलाहाबाद) । →र्स १–१७२ ग ।

सभापर्व, वनपर्व, उद्योगपर्व

(ख) लि का सं १८७० ।

प्रा —डा रघुनाथसिंह शिवबरनसिंह जंगबहादुरसिंह सभोगरा डा मैनी (इलाहाबाद) ।→र्स १–१७२ ख ।

उद्योगपर्व, भीष्मपर्व, द्रोणपर्व ।

(ग) लि० का० स० १८८४ ।

प्रा०—ठा० रघुनाथसिंह शिखरनसिंह जगबहादुरसिंह, समोगरा, डा० नैनी (इलाहाबाद) ।→स० ०१-१७२ ग ।

सभापर्व, वनपर्व, कर्णपर्व और गदापर्व

(घ) लि० का० स० १९२७ ।

प्रा०—श्री हरिवंशदीन, वी० मासिका, इलाहाबाद ।→१९-४८ ।

भीष्मपर्व

(ङ) लि० का० स० १९१० ।

प्रा०—प० बलदेवप्रसाद अध्यापक, फठौली, डा० मेजारोड (इलाहाबाद) । → २०-४१ ए ।

(च) लि० का० स० १९५० ।

प्रा०—श्री जनार्दनप्रसाद, एम० ए०, एल० टी०, फठौली, डा० मेजारोड (इलाहाबाद) ।→स० ०१-१७२ क ।

द्रोणपर्व

(छ) लि० का० स० १९५० ।

प्रा०—प० बलदेवप्रसाद अध्यापक, फठौली, डा० मेजारोड(इलाहाबाद) । → २०-४१ बी ।

महाभारत (पद्य)—नामदेव कृत । लि० का० स० १९८१ । वि० महाभारत कथा का संक्षिप्त वर्णन ।

प्रा०—प० जगन्नाथ द्विवेदी, महरूपुर, डा० बेलारामपुर (प्रतापगढ) । → स० ०४-१६० ।

महाभारत (पद्य)—लखनसेन कृत । लि० का० स० १८७० । वि० महाभारत के आदि, उद्योग, भीष्म, द्रोण और गदापर्वों का अनुवाद ।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६-१६७ ।

महाभारत (अश्वमेधपर्व) (पद्य)—मानसिंह कृत । र० का० सं० १६६२ । लि० का० स० १८३६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—प० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-१८६ ।

महाभारत (अश्वमेधपर्व)→'जैमिनीपुराण' (सरयूराम कृत) ।

महाभारत (आदिपर्व) (पद्य)—प्रेमनाथ (पाडे) कृत । लि० का० स० १९११ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—कुँवर रामेश्वरसिंह जमींदार, नेरी (सीतापुर) ।→१२-१३६ ।

महाभारत (कर्णपर्व) (पद्य)—श्रीपति कृत । र० का० स० १७१६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० स० १९५० ।

प्रा —पं बलदेवप्रसाद, कठौली (इलाहाबाद) ।→२ -१८८ ।

(ख) प्रा०—ठा रघुनाथसिंह वंशबहादुरसिंह अमौगढ़ डा नैनी (इलाहाबाद) ।→सं १-४१ क ख ।

महाभारत (कर्णपर्व)→'महाभारत (भाषा)' (सबलसिंह चौहान कृत) ।

महाभारत (कर्णार्जुनयुद्ध) (पद्य)—ठाकुर (कवि) कृत । लि का सं १७९६ । वि कर्णार्जुन युद्ध ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-८९ ।

महाभारत (गदापर्व) (पद्य)—शंकरदास कृत । लि का सं १८७१ । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री भवानीलाल प्रधानाध्यापक अछनेरा (आगरा) ।→२९-२ १ ।

महाभारत (द्रोणपर्व) (पद्य)—अन्य नाम 'वीरविलास' । दत्त (देवदत्त) कृत । र का सं १८१८ । वि नाम से स्पष्ट ।

(क) लि का सं १९२५ ।

प्रा०—पं दुर्गाप्रसाद मिश्र क्लाइव स्ट्रीट कलकत्ता ।→ १-६१ ।

(ख) लि का सं १९४२ ।

प्रा —ठा [illegible] मंत्री, धर्मार्थ अमर तथा पुरानी मंडी जम्मू (कश्मीर) ।→२०-१८ बी ।

महाभारत (द्रोणपर्व (पद्य)—भीम (कवि) कृत । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —पं लल्लूलाल मिश्र मवइया (फतेहपुर) ।→२ -१९ ।

महाभारत (द्रोणपर्व) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद ।→४१-१७८ ।

महाभारत (द्रोणपर्व भाषा) (पद्य)—अन्य नाम संग्रामसार कुलपति (मिश्र) कृत । र का सं १७३३ । वि नाम से स्पष्ट ।

(क) लि का सं १८४२ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा गोकुलपुरा आगरा ।→१२-१२७ ए ।

(ख) लि का सं १८५९ ।

प्रा —राजकीय पुस्तकालय मिमराना ।→ ६-१६ ।

(ग) लि का सं १८७२ ।

प्रा —पं माखनलाल मिश्र मथुरा ।→ -७२ ।

(घ) लि का सं १९२६ ।

प्रा —श्री जगपतिराम चतुर्वेदी होलीपुरा (आगरा) ।→१२-१२७ बी ।

महाभारत (भाषा) (पद्य)—सबलसिंह (चौहान) कृत । र का सं १७१८-१७१४ । वि महाभारत का अनुवाद ।

(क) लि का सं १८३३ ।

प्रा —श्री रामनारायणलाल वाराणसी ।→२३-३६१ क्यू ।

(ख) लि० का० सं० १८३४ ।

प्रा०—पं० रामसुदर मिश्र, फटाघरी, डा० अर्फौना (बहराइच)। → २३-३६३ आर ।

(ग) लि० का० स० १८५२ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-६६ ।

<u>अश्वमेधपर्व</u>

(घ) प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)। →२६-४१२ सी ।

<u>आदिपर्व</u>

(ङ) लि० का० स० १६३४ ।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमीदार, तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→२६-४१२ ए ।

<u>आश्रमवासिकपर्व (र० का० स० १७५१</u>)

(च) लि० का० स० १६३४ ।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→ २६-४१२ बी ।

<u>उद्योगपर्व</u>

(छ) लि० का० स० १६३१ ।

प्रा०—ठा० जदुनाथबख्शसिंह, तालुकेदार, हरिहरपुर (बहराइच)। → २३-३६३ एन ।

(ज) लि० का० स० १६३३ ।

प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→ २६-४१२ वाई ।

(झ) लि० का० सं० १८३५ ।

प्रा०—श्री बद्रीसिंह, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)। → २६-४१२ जेड ।

<u>कर्णपर्व</u>

(ञ) लि० का० स० १८६३ ।

प्रा०—ठा० दलजीतसिंह, जालिमसिंह का पुरवा, केसरगज (बहराइच)। → २३-३६३ एम ।

(ट) लि० का० स० १६३६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०४-४०० ।

(ठ) लि० का० स० १६१७ ।

प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)। →२६-४१२ के ।

(ड) लि० का० स० १६२४ ।

प्रा०—श्री शिवधारीलाल, ममरेजपुर (हरदोई) ।→२६-४१२ एल ।

(ट) लि का सं १९१४।
प्रा —श्री बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा ताराबक्सी (लखनऊ)।→
२१-४१२ एम।
(ठ) लि का सं १९१९।
प्रा —श्री हजारीलाल सोहार बिसावर।→ ६-२२४ बी (विवरण अप्राप्त)।
(ड) प्रा —बाबू पद्मबक्ससिंह लखेरपुर (बहराइच)।→२१-१११ एन।
(ण) प्रा —ठा रघुवीरसिंह खानीपुर डा ताराबक्सी (लखनऊ)।→
२१-४ १ एन।

<u>सभापर्व (र का सं १७२७)</u>

(च) लि का सं १९११।
प्रा —ठा यदुनाथबक्ससिंह हरिहरपुर (बहराइच)।→२१-१११ के।
(छ) लि का सं १९१४।
प्रा०—ठा बद्रीसिंह जमींदार खानीपुर डा ताराबक्सी (लखनऊ)। →
२१-४१२ आई।
(ज) प्रा —बाबू पद्मबक्ससिंह लखेरपुर, भिनगाराज (बहराइच)। →
२१-१११ के।

<u>द्रोणपर्व (र का सं १७२७)</u>

(च) लि का सं १९ ।
प्रा —बाबू पद्मबक्ससिंह लखेरपुर (बहराइच)।→२१-१११ एम।
(छ) लि का सं १९ ७।
प्रा —ठा बद्रीसिंह खानीपुर डा ताराबक्सी (लखनऊ)। →
२१-४१२ एच।
(ज) लि का सं १९१२।
प्रा —ठा जगबक्ससिंह सिपौरा डा कैसरगंज (बहराइच)। →
२१-१११ आई।

<u>भीष्मपर्व (र का सं १७१८)</u>

(अ) लि का सं १८ ४।
प्रा —बाबू कालकाप्रसाद लवाची खिमौली (सीतापुर)।→२१-४१२ ई।
(म) लि का सं १९ ७।
प्रा०—ठा बद्रीसिंह खानीपुर डा ताराबक्सी (लखनऊ)। →
२१-४१२ एफ।
(च) लि का सं १७८१।
प्रा०—पं बंसगोपाल दीक्षित सिंगपुर डा परियावाँ (प्रतापगढ़)। →
२१-४१२ के।
(र) लि का सं १९१९।
प्रा —ठा उग्रसेनसिंह, माणिकपुर डा सिवाँ (सीतापुर)।→२१-१११ ए।
खो सं वि १९ (११ —१४)

(ल) लि० का० स० १६२३ ।
प्रा०—ठा० जयबख्शसिंह, मियौरा, डा० केशरगंज (बहराइच) ।→२३-३६३ बी ।
(व) लि० का० स० १६३७ ।
प्रा० —श्री हजारीलाल लोहार, निजावर ।→०६-२२४ ए (विवरण अप्राप्त) ।
(श) लि० का० स० १६४० ।
प्रा०—प० गयादीन शुक्ल, मानपुर, डा० तम्रोर (सीतापुर) ।→२६-४१२ श्री ।
(ष) प्रा०—बाबू पद्मबख्शसिंह, लवेदपुर (बहराइच) ।→२३-३६३ मी ।
(स)→प० २२-६७ ।

महाप्रस्थानपर्व

(ह) लि० का० स० १६३४ ।
प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबख्शी (लखनऊ) । →
२६-४१२ ओ ।

मूसलपर्व (र० का० स० १७३०)

(क[1]) लि० का० स० १६३४ ।
प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→
२६-४१२ पी ।

वनपर्व

(ख[1]) लि० का० स० १६२४ ।
प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।
→२६-४१२ डी ।

विराटपर्व

(ग[1]) लि० का० स० १६२४ ।
प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । →
२६-४१२ ए[1] ।
(घ[1]) लि० का० स० १६३६ ।
प्रा०—श्री रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा तालाबबख्शी (लखनऊ) । →
२६-४१२ वी ।

शल्यपर्व (र० का० स० १७२४) ।

(ङ[1]) लि० का० स० १६०२ ।
प्रा०—महाराज भगवानबख्शसिंह, अमेठी राज्य, अमेठी (सुलतानपुर) । →
२३-३६३ डी ।
(च[1]) लि० का० स० १६२२ ।
प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।
२६-४१२ एस ।
(छ[1]) लि० का० स० १६३४ ।
प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।
→२६-४१२ टी ।

(च[1]) प्रा —बाबू पद्मबक्सशसिंह सवेयपुर (बहराइच) ।→२१-१६१ ई ।

शांतिपर्व

(छ) लि का सं १९१४ ।

प्रा —ठा रणबीरसिंह जमींदार खानीपुर डा ताताबक्सशी (लखनऊ) । →२६ ४१२ यू ।

सभापर्व (र का सं १७२७)

(ज[1]) लि का सं १९२२ ।

प्रा०—ठा बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर डा ताताबक्सशी (लखनऊ) । →२६-४१२ आर ।

(झ[1]) लि का सं १९१२ ।

प्रा —ठा यदुनाथबक्सशसिंह हरिहरपुर (बहराइच) ।→२१-१६१ एफ ।

(ठ) लि का सं १९११ ।

प्रा —ठा जगबक्सशसिंह मिश्रौरा डा केसरगंज (बहराइच)।→२१-१६१ बी ।

(ड) लि का सं १९४१ ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→२६-४१२ क्यू ।

कर्णपर्व

(ढ) प्रा —ठा बद्रीसिंह जमींदार खानीपुर डा ताताबक्सशी (लखनऊ) →२६-४१२ बी ।

स्वर्गारोहणपर्व (र का सं १७१४) ।

(ब) लि का सं १९११ ।

प्रा —बाबू यदुनाथसिंह हरिहरपुर (बहराइच) ।→२१-१६१ ओ ।

(त) लि का सं ९११ ।

प्रा —ठा जगबक्सशसिंह, मिश्रौरा डा केसरगंज (बहराइच) ।→२१-१६१ पी ।

(थ) लि का सं १९१४ ।

प्रा —श्री रामावतारसिंह सुरजिया डा मस्कींपुर (सीतापुर) । →२६-४१२ एक्स ।

(द[1]) लि का सं १९१४ ।

प्रा —ठा बद्रीसिंह जमींदार खानीपुर डा ताताबक्सशी (लखनऊ) ।→२६-४१२ डब्ल्यू ।

महाभारत (भाषा) (पद्य)—विविध कवि (छत्रसाल रामनाथ प्रभुराम चंद कुबेर निहाल ईश्वरदास मंगलराय और देवीदयराय) कृत । वि महाभारत के पंद्रह पर्वों का अनुवाद ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ ४-६७ ।

महाभारत (वनपर्व) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १७ ८ । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —भारत कला भवन काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी ।→४१-८ ६ ।

र० का० सं० १८७६ । वि० वल्लभ संप्रदाय में मनाये जाने वाले अन्नकूटलीला महोत्सव का वर्णन ।

(क) प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, गोकुल (मथुरा) ।→३२-६० ।

(ख) प्रा०—रत्नाकर संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-१६ ।

महाराज—'फुटकर कवित्त' नामक संग्रह ग्रंथ में भी इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं । →०२-५६ (पाँच) ।

कवित्त (पद्य)→दि० ३१-५५ ।

महाराज (कवि)—(?)

निघटमदनोदै (पद्य)→सं० ०१ २७६ ।

महाराज गजसिंहजी का गुणरूपक बंध (पद्य)—केशवदास (चारण) कृत । र० का० सं० १६८१ । लि० का० सं० १७८० । वि० महाराज गजसिंह का यश वर्णन ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-२० ।

महाराजदास—सं० १६१६ के लगभग वर्तमान ।

सुदामाचरित्र (पद्य)→२६ २८२ ।

महाराजदीन (दीक्षित)—चरौंहा (उन्नाव) निवासी ।

लग्नजातक (गद्य)→दि० ३१-५६ ।

महाराजप्रकाश—मुनि (महाराज) कृत । र० का० सं० १८०६ । वि० ज्योतिष ।→पं० २२-६७ ।

महाराजा भरतपुर और लाट साहब का मिलाप→'मिलाप श्री महाराज को लाट साहब से' (भुल्लन शेख कृत) ।

महारामायण (गद्य) - भगवानदास (खत्री) कृत । वि० योगवाशिष्ठ का अनुवाद ।

उत्पत्ति प्रकरण

(क) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—श्री पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा ।→१७-२२ वी ।

(योगवाशिष्ठ के उत्पत्ति प्रकरण का अनुवाद) ।

उपशम और निर्वाण प्रकरण

(ख) प्रा०—श्री विट्ठलदास पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा ।→१७-२२ ए ।

महालक्ष्मी की कथा (पद्य)—कृष्णदास कृत । र० का० सं० १७५३ । वि० लक्ष्मी पूजन कथा ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकाल, दतिया ।→ ६-६४ बी ।

महालक्ष्मीजू को कथा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० महालक्ष्मी का माहात्म्य और पूजा ।

प्रा०—पं० रघुबरदयाल अध्यापक, जसवंतनगर (इटावा) ।→३५-२१० ।

महालक्ष्मीजू के पद (पद्य)—गंगादास कृत । वि० महालक्ष्मी जी की स्तुति ।
 प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६–२५२ सी (विवरण अप्राप्त) ।

महावाक्य विवरण (भाषा) (पद्य)—विष्णुदत्त कृत । वि० द्वादश महावाक्यों (तत्त्वमसि, अहं ब्रह्मास्मि आदि) का विवरण ।
 प्रा०—ठाकुर लक्ष्मणप्रतापसिंह, ताहिरपुर (नावल्ला), डा० ईश्वाताथ (इलाहाबाद) ।→ सं० १–१८९ ।

महावीर—(?)
 सोने लौहे का झगड़ा (पद्य)→१९–२८१ ।

महावीरकवच (पद्य)—पतितदास कृत । लि० का० सं० १९०८ । वि० हनुमान जी की स्तुति ।
 प्रा०—पं० रामावतार पंडितपुरवा, डा० रिठिया (बहराइच) । → २१–११४ बी ।

महावीर की स्तुति (पद्य)—तुलसीदास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
 प्रा०—श्री बमबहादुर अध्यापक, हरगाँव डा० परवतपुर (सुलतानपुर) । → २१–१ ८ बी ।

महावीरजी की स्तुति→'स्तुति (महावीरजी की)' (कालीचनदास कृत) ।

महावीरप्रसाद—कायस्थ । बाँसगाँव (गोरखपुर) निवासी । सं० १९१७ के लगभग वर्तमान ।
 कृष्णगीतावली (पद्य)→२१–२८४ ए, बी ।
 विष्णुगीतावली (पद्य)→२१ २८४ सी ।

महावीरस्तवन (पद्य)—कमलकलश सूरि कृत । लि० का० सं० १८४२ । वि० चौबीसवें तीर्थंकर महावीर की स्तुति ।
 प्रा०—श्री शिवगोविंद शुक्ल गोपालपुर डा० असनी (फतेहपुर) ।→२ ७० ।

महासागर→ सागरमंथ (दामोदर पंडित कृत) ।

महासिंह (राव)—उमियारो ? (नागरचाल) के शासक । मणिराम के आश्रयदाता । सं० १८४१ के लगभग वर्तमान ।→११–१ ८ ।

महीपालचरित्र की देशभाषा मय वचनिका (गद्य)—नथमल (जैन) कृत । र० का० सं० १९१८ । वि० चंपावती के राजा का चरित्र ।
 (क) लि० का० सं० १९५५ ।
 प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर ।→सं० १ –९९ ख ।
 (ख) लि० का० सं० १९८५ ।
 प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर नईमंडी मुजफ्फरनगर ।→सं० १ –९९ क ।

महीपालसिंह—तिगवस (प्रतापगढ़) के राजा । शिवप्रसाद के आश्रयदाता । सं० १९ के लगभग वर्तमान ।→१७–१७५, २१– ५ ।

महाभारत (विराटपर्व) (पद्य)—गोविंद कवि ('द्विज') कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा —श्री सत्यनारायण उपाध्याय, नेउढिया, डा० सग्रामगढ (प्रतापगढ)।
→स० ०४–८२।

महाभारत (विराटपर्व) (पद्य)—सुन्दर कृत। र० का० स० १६८१। वि० नाम से स्पष्ट।→पं० २२–१०५।

महाभारत (विराटपर्व) (पद्य)—हेमनाथ कृत। लि० का० स० १८७५। वि० महाभारत विराटपर्व का अनुवाद।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०४–४४५।

महाभारत (विराटपर्व) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८६४। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—प० मिट्ठूलाल मिश्र, अध्यापक, तिलकभवन, फिरोजाबाद (आगरा)।
→२६–४२२।

महाभारत (विराटपर्व) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६०२। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—प० दामोदरप्रसाद गौड़, शमशाबाद (आगरा)।→२६–४२१।

महाभारत (विराटपर्व) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—ठा० शिवनाथसिंह रईस, एतमाद्पुर, आगरा।→२६–४२४।

महाभारत (विराटपर्व) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३६८।

महाभारत (विराटपर्व) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१–५५०।

महाभारत (विराटपर्व भाषा) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८६५। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—प० गोकरणनाथ शुक्ल, अलियामऊ, डा० गोसाईंगज (लखनऊ)।
→२६–४२३।

महाभारत (शल्यपर्व)→'समरातसार' (मगल मिश्र कृत)।

महाभारत (सभापर्व) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६१५। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—प० दामोदरप्रसाद गौड़, शमशाबाद (आगरा)।→२६–४२५।

महाभारत (स्वर्गारोहणपर्व) (पद्य)—ईश्वरदास (रामप्रसाद ?) कृत। लि० का० स० १६१४। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—ठा० चद्रिकाबख्शसिंह, जमींदार, खानीपुर, डा० बक्सीतालाब (लखनऊ)।
→२६–१८५।

महाभारत (स्वर्गारोहणपर्व) (पद्य)—केशोदास कृत। लि० का० स० १८३२। वि० महाभारत स्वर्गारोहणपर्व का अनुवाद।

प्रा०—श्री रामचंद्र तिवारी, हरवेशपुर, डा भरवारी (इलाहाबाद)। →
सं १-३१।

महाभारत (स्वर्गारोहणपर्व) (पद्य)—विष्णुदास कृत। वि महाभारत स्वर्गारोहण-
पर्व का अनुवाद।

(क) लि का सं० १८ ९।

प्रा —ठा शिवदानसिंह, सिरसपुर अचारीकलाँ (पत्र)।→२६-१२८ बी।

(ख) लि का सं १८१२।

प्रा०—बलियानरेश का पुस्तकालय, बलिया।→ ६-२४८ बी (विवरण अप्राप्त)।

(ग) लि का सं १८२१।

प्रा —लाला शंकरलाल पटवारी मभौसा डा हरिहरगंज (पत्र)।→
२६-१२८ ई।

(घ) लि का सं १९११।

प्रा —श्री मिठ्ठूलाल अध्यापक, गढ़ुवार डा पारना (आगरा)। →
२६-१२८ सी।

(ङ) प्रा०—पं अलीराम अध्यापक, एतमादपुर (आगरा)।→२६-१२८ एफ।

(च) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-१८८।

महाभारत कथा (पद्य)—विष्णुदास कृत। र का सं १४९२। वि नाम से स्पष्ट।

(क) लि का सं १८२४।

प्रा —बलियानरेश का पुस्तकालय बलिया।→ ६-२४८ ए (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा —श्रीकृष्ण जी चौबे पिनाहट (आगरा)।→२६-१२८ ए।

महाभारतदर्पण (पद्य)—गोकुलनाथ (भट्ट) कृत। वि महाभारत का हरिवंश
पुराण सहित अनुवाद।

(क) प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।
४-३५।

<u>वनपर्व</u>

(ख) प्रा —ठा चंद्रिकाबख्शसिंह जमींदार कासीपुर डा तालाबकसी
(लखनऊ)।→२३-१४४।

टि प्रस्तुत ग्रंथ का अनुवाद गोकुलनाथ भट्ट गोपीनाथ और मणिदेव तीनों
ने मिलकर किया है।

महाभारतवैराट (विराटपुर) की कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि महाभारत
विराट पर्व की कथा।

प्रा —श्री ठाकुरप्रसादसिंह अध्यापक, माधव प्रेस बलिया।→४१-४१३।

महामति (महामंत)→'प्राणनाथ' (धामीपंथ के प्रवर्तक)।

महामहोत्सव (पद्य)—अन्य नाम 'अध्यात्मगीता'। देव (मंत्रवेत्ता) कवि कृत।

र० का० सं० १८७६। वि० वल्लभ संप्रदाय में मनाये जाने वाले अन्नकूटलीला महोत्सव का वर्णन।

(क) प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, गोकुल (मथुरा)।→३२-६०।

(ख) प्रा०—रत्नाकर संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-१६।

महाराज—'फुटकर कवित्त' नामक संग्रह ग्रंथ में भी इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → ०२-५६ (पाँच)।

कवित्त (पद्य)→दि० ३१-५५।

महाराज (कवि)—(?)

निघटमदनोदै (पद्य)→सं० ०१ २७६।

महाराज गजसिंहजी का गुणरूपक वंध (पद्य)—केशवदास (चारण) कृत। र० का० सं० १६८१। लि० का० सं० १७८०। वि० महाराज गजसिंह का यश वर्णन।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-२०।

महाराजदास—सं० १६१६ के लगभग वर्तमान।

सुदामाचरित्र (पद्य)→२६ २८२।

महाराजदीन (दीक्षित)—चरौढ़ा (उन्नाव) निवासी।

लग्नजातक (गद्य)→दि० ३१-१६।

महाराजप्रकाश—मुनि (महाराज) कृत। र० का० सं० १८०६। वि० ज्योतिष।→ पं० २२-६७।

महाराजा भरतपुर और लाट साहब का मिलाप→'मिलाप श्री महाराज को लाट साहब से' (भुल्लन शेख कृत)।

महारामायण (गद्य) - भगवानदास (खत्री) कृत। वि० योगवाशिष्ठ का अनुवाद।

उत्पत्ति प्रकरण

(क) लि० का० सं० १८७६।

प्रा०—श्री पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा।→१७-२२ बी।

(योगवाशिष्ठ के उत्पत्ति प्रकरण का अनुवाद)।

उपशम और निर्वाण प्रकरण

(ख) प्रा०—श्री विट्ठलदास पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा।→१७-२२ ए।

महालक्ष्मी की कथा (पद्य)—कृष्णदास कृत। र० का० सं० १७५३। वि० लक्ष्मी पूजन कथा।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकाल, दतिया।→०६-६४ बी।

महालक्ष्मीजू को कथा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० महालक्ष्मी का माहात्म्य और पूजा।

प्रा०—पं० रघुवरदयाल अध्यापक, जसवतनगर (इटावा)।→३५-२१०।

महालक्ष्मीजू के पद (पद्य)—गंगादास कृत। वि महालक्ष्मी जी की स्तुति।
 प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०१–२५२ टी (विवरण अप्राप्त)।
महावाक्य विवरण (भाषा) (पद्य —विष्णुदत्त कृत। वि द्वादश महावाक्यों (तत्त्वमसि अहं ब्रह्मास्मि आदि) का विवरण।
 प्रा —ईश्वर करनप्रतापसिंह, शाहिपुर (नौबस्ता), डा हैबियासाव (इलाहाबाद)।→सं १–१८६।
महावीर—(?)
 सोने लोहे का झगड़ा (पद्य)→२६–२८१।
महावीरकवच (पद्य)—पतितदास कृत। लि का सं १६४८। वि हनुमान जी की स्तुति।
 प्रा०—पं रामावतार, पंडितपुरवा, डा रिरिया (बहराइच)। → २३–११४ बी।
महावीर की स्तुति (पद्य)—तुलसीदास कृत। वि नाम से स्पष्ट।
 प्रा०—श्री भैरवबहादुर अध्यापक, हरगाँव डा परवतपुर (सुलतानपुर)। → ३१–१ ८ सी।
महावीरजी की स्तुति→'स्तुति (महावीरजी की)' (कालीचरणदास कृत)।
महावीरप्रसाद—कायस्थ। बौरगाँव (गोरखपुर) निवासी। सं १९१० के लगभग वर्तमान।
 कृष्णगीतावली (पद्य)→२६–२८४ ए, बी।
 विष्णुगीतावली (पद्य)→२६ २८४ सी।
महावीरस्तवन (पद्य)—कमलकलश सूरि कृत। लि का सं १८८२। वि चौबीसवें तीर्थंकर महावीर की स्तुति।
 प्रा०—श्री शिवगोविंद शुक्ल गोपालपुर डा असनी (फतेहपुर)।→२ ७७।
महासागर→ सागरसंग (दामोदर पंडित कृत)।
महासिंह (राव)—उनियारी ? (नागरचाल) के शासक। मणिराम के आश्रयदाता। सं १८४१ के लगभग वर्तमान।→१२ १ ८।
महिपालचरित्र की देशभाषा मय वचनिका (गद्य)—नथमल (जैन) कृत। र का सं १९१८। वि अवंती के राजा का चरित्र।
 (क) लि का सं १९५५।
 प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १ –६१ ख।
 (ख) लि का सं १९८६।
 प्रा —दिगंबर जैन मंदिर नईमंडी मुजफ्फरनगर।→सं १ –६१ क।
महिपालसिंह—टिगवा (प्रतापगढ़) के राजा। शिवप्रसाद के आश्रयदाता। सं १९ के लगभग वर्तमान।→१७–१७५; २१–८६ ।

महिम्न (भाषा) (गद्यपद्य)—बिहारीलाल (याज्ञिक) कृत । र० का० सं० १९२६ । लि० का० सं० १९३६ । वि० महिम्न स्तोत्र का अनुवाद ।
प्रा०—पं० दीनदयाल, गौशलपुर, बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३-६३ ।

महिम्नस्तोत्र (भाषा) (पद्य)—अमरसिंह (महाराज) कृत । लि० का० सं० १८४० । वि० महिम्नस्तोत्र का अनुवाद ।
प्रा०—कुँवर लक्ष्मणप्रतापसिंह, साहीपुर (नौलखा), डा० हँडियाखास (इलाहाबाद) ।→सं० ०१-४३६ ।

महिम्नस्तोत्र की टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० पुष्पदंताचार्य कृत महिम्नस्तोत्र की टीका ।
प्रा०—पं० यज्ञदत्त मिश्र, खेड़ा, डा० जलरई (इटावा) ।→३५-२७१ ।

महिम्नादर्श (पद्य)—शंकरसिंह कृत । लि० का० सं० १९५४ । वि० 'महिम्नस्तोत्र' भाषा टीका सहित ।
प्रा०—कुँवर दिल्लीपतिसिंह जमींदार, चड़गावाँ (सीतापुर) ।→१२-१६८ बी ।

महीप→'महीपति ('कविकुलतिलकप्रकाश' के रचयिता) ।

महीपति—अन्य नाम महीप । वास्तविक नाम हिम्मतसिंह । अमेठी (रायपुर) के राजा । राजा गुरुदत्तसिंह के पिता ।
कविकुलतिलकप्रकाश (पद्य)→सं० ०१-२८२ ।

महीपति—सं० १८१० के लगभग वर्तमान ।
रहसलीला (पद्य)→२३-२५३ ।

महीपनारायणसिंह—काशी नरेश । महाराज दुर्गविजयसिंह के पुत्र । महाराज उदितनारायणसिंह, दीपनारायणसिंह और प्रसिद्धनारायणसिंह के पिता । लाल कवि के आश्रयदाता । सं० १८१४ में जन्म और सं० १८५२ में ३८ वर्ष की अवस्था में मृत्यु ।→०३-११४ ।

महीपाल—उप० द्विजदत्त । ब्राह्मण । तरोहाँ (बाँदा) निवासी । सं० १९२८ के लगभग वर्तमान ।
चित्रकूटमाहात्म्य (पद्य)→२६-२२२ ।

मुहूर्तविचार (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्योतिष ।
प्रा०—श्री रामप्रसाद मुराऊ, विश्रामदास का पुरवा, डा० परियावाँ (प्रतापगढ) । →२६-७५ (परि०३) ।

महेंद्रसिंह—पटियाला नरेश । राज्यकाल सं० १९१९-१९३३ । मृगेंद्र कवि के आश्रयदाता ।→०४ ५० ।

महेंद्र हिम्मतसिंह→'हिम्मतसिंहदेव (महेंद्र)' ।

महेश—(?)
हम्मीररासो (पद्य)→०१-६२, ४१-५३६ (अप्र०) ।

महेश (महेश जू)—संभवतः कस्ती के राजा। सं० १८१ के लगभग वर्तमान।
शृंगारशतक (पद्य)→सं० ४-२६१।

महेशदत्त—शुक्ल आस्पद के ब्राह्मण। पिता का नाम जनकराम। धनावली (बाराबंकी) के निवासी। सं० १६४ के पूर्व वर्तमान।
अठारह पुराण और पचीस अवतारों के नाम (पद्य)→२६-२८५।
अमरकोष (भाषानुवाद) (पद्य)→२६-२२ ए।
नरसिंहपुराण (गद्यपद्य)→२६-२२ बी सी डी।
रामायण (वाल्मीकीय) (पद्य)→२६-२२ ई से के तक।
विष्णुपुराण (भाषा) (गद्यपद्य)→२६-२२ एल।

महेशदत्त (त्रिपाठी)—बेलापुर (सुलतानपुर) निवासी।
स्वार्क (भाषा) (पद्य)→२६-२२१।

महेशनारायणसिंह (महाराज)—राजाबाजार (?) के राजा। कवियित्री धर्मकुंअरि के पति।
ज्ञानचालीसी (पद्य)→२८ ६१।

महेशमल्ल—सेवाराम जैन ने इनके और रघुनाथ के कहने पर ही शांतिनाथपुराण की रचना की थी।→सं० ४-४२५।

महेशमहिमा (पद्य)—देवीसहाय (भाषा) कृत। वि० शिव जी की महिमा।
प्रा०—बाबा गोविंदानंद ठाँवपुर डा० तिर्वाराराऊ (अलीगढ़)।→२६-८५।

महेस्वरमहिमा (पद्य)—किंकर (कवि) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० मथनारायण शर्मा भकना (इटावा)।→२८-८२।

महोबासमयो→पृथ्वीराजरासो (चंद बरदाई कृत)।

महोबे की लड़ाई (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० माहो के कुँवर करिंगा की लड़ाई।
प्रा०—लाला बालाप्रसाद किरौल डा० तिरवागंज (मैनपुरी)।→२६-२११।

माँझ (पद्य)—मोहनमत्त कृत। लि० का० सं० १६४२। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री हिंदी साहित्य पुस्तकालय मोरावाँ (उन्नाव)।→सं० ४-११।

माँझचौसी (पद्य)—रसिकराम कृत। वि० कृष्ण की महिमा।
प्रा०—महंत संतदास ब्रह्मचारी आश्रम संग्रामपुर डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६-४ ५।

माँझचौसी (पद्य)—सर्वसुखदास कृत। लि० का० सं० १६६६। वि० श्री हित हरिवंश जी की महिमा।
प्रा०—गो० श्री हित रूपलाल श्री राधावल्लभ मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→१८-११८।

माँझमत्तमाल→हरमाल (ब्रजभीखदास कृत)।

माहूकोपनिषद (भाषाटीका) (गद्य)—प्रभुनार्थकर (मामर) कृत। वि० माहूक उपनिषद का भावार्थ।
खो० सं० वि० २ (११-१४)

प्रा०—पं॰ वासुदेव, सिकदरपुर, बथरा (लखनऊ) ।→२६–३२६ सी ।

माधाता→'मानमहीप' (वशीधर प्रधान के आश्रयदाता) ।

मासदशक (पद्य —अवधूतसिंह कृत । र० का० स० १८४४ । लि० का० स० १८४४ ।
वि० मास की प्रशसा और महिमा ।
प्रा०—श्री देवकीनदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर ।→१७–११ बी ।

माईदास (मुशी)—विविध कवि कृत 'शकरपच्चीसी' नामक सग्रह ग्रथ में इनकी रचनाएँ सगृहीत हैं ।→०२–७२ (छै) ।

माखन—चाणक । गोपाल के पुत्र । गगाराम के पौत्र । रायपुर (बिलासपुर) निवासी । रतनपुर (बिलासपुर) के राजा राजसिंह के आश्रित ।
श्रीनागपिंगल (पद्य)→४१–१६१ ।

माखन (लखेरा)—पन्ना निवासी । स० १६०७ के लगभग वर्तमान ।
दानचौंतीसी (पद्य)→०६–६८ ।

माखनचोरलहरी (पद्य)—वृदावनदास कृत । वि० श्रीकृष्ण जी की माखन चोरी की कथा ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२५० डी (विवरण अप्राप्त) ।

माखनचोरी लीला (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—प० लक्ष्मीनारायण, धनुआँ (इटावा) ।→३५–१६ सी ।

माखनचोरी लीला (पद्य)—व्रजवासीदास कृत । लि० का० स० १६१७ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री बेनीराम पाठक, मानिकपुर, डा० बिलराम (एटा) ।→२६–५७ ई ।

माखनदास—राममार्गी वैष्णव । स० १८६१ के पूर्व वर्तमान ।
दोहावली (पद्य)→४१–१६२ ।

माखनलाल—चौबे ब्राह्मण । कुलपहाड़ (हम्मीरपुर) निवासी । सं० १८०० के पूर्व वर्तमान ।
गणेशजू की कथा (पद्य)→०६–६६ ए ।
गणेशपूजा तथा होमविधि (पद्य)→२६–२२३ ए, बी ।
सत्यनारायण कथा (पद्य)→०६–६६ बी ।

माजम प्रभाव अलकार (पद्य)—जैतसिंह कृत । र० का० स० १७२७ । वि० अलकार ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–८५ ग ।

माणक—(?)
माणकबोध (पद्य)→४१–१६३ ।

माणकदास—(?)
माणक पदावली (पद्य)→३८–६७ ।

माणक पदावली (पद्य)—अन्य नाम 'पदावली' । माणकदास कृत । वि० भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→३८–६७ ।

माणकबोध (पद्य)—अन्य नाम 'आत्मविचार'। मायक कृत। लि का सं १९१५।
वि आत्मज्ञान।
प्रा —पं श्यामसुंदर, नंदगाँव (मथुरा)।→ ४१-१९१।

माणिकदास—उज्जैन निवासी साधु। ये सफरा नदी के तट पर रहा करते थे।
कवित्तप्रबंध (गद्यपद्य)→ १-११२।
संतोषसुरतरु (गद्यपद्य)→१२-११९।

मातादीन (शुक्ल)—अजगरा (प्रतापगढ़) के निवासी। प्रतापगढ़ के राजा बाबू अजीतसिंह के आश्रित। सं १९ १ के लगभग वर्तमान।
बीजगति (पद्य)→सं ४-२९१ क।
ज्ञानदोहावली (पद्य)→२९-२१७ ए, बी ४१-५४ (अप्र) सं ४-२९१ ख ग।
नानार्थनवसंग्रहावली (पद्य)→११-२०४ २९-२१७ आई जे के, एल, सं ४-२९१ च।
रससारिणी (पद्य)→२९ २१७ एच बी सं १-२८१ क, ग सं ४-२९१ ट प छ।
रामसीतायक (पद्य)→२९-२१७ सी डी सं १-२८१ घ ङ, सं ४-२९१ ध झ।
रामायणमाला (पद्य)→२९ २१७ इ, एफ सं १-२८१ ग सं ४-२९१ म ढ, ठ।
वृत्तदीपिका (पद्य)→५१-६१।

मातामयशावली गोपीपद संवाद→'लावनी (गोपीचंद कृत)।

मात्राप्रस्तारपद्मसमर्पदो→'छंदार्णव (भिखारीदास 'दास' कृत)।

मात्रामुक्तावली (पद्य)—मनादास कृत। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि का सं १९२।
प्रा —श्री मोहनदास पुजारी मनहरन कुंज अयोध्या।→१०-११ एम।
(ख) लि का सं १९२।
प्रा —श्री रामरक्षा त्रिपाठी 'निर्भीक', अध्यापक काष्ठ हाईस्कूल देवाबाद।→ सं १-२१ ग।

माधव—संभवतः सं १९१८ के पूर्व वर्तमान।
गीतानुवादिनी टीका (गद्यपद्य)→१९-२१४।
भगवतगीता (भाषा) (पद्य)→सं ४-२९४।

माधव—सं १९५९ के लगभग वर्तमान।
विनोदसागर (पद्य)→०२ ९८।

माधव—(?)
गोगुह्वार (पद्य)→३५–५८ ।
माधव (माधो)—सं० १६३६ के लगभग वर्तमान ।
रेल वर्णन (पद्य)→२६–२७४ ।
माधव जू→'माधवदास' (रीवाँ निवासी) ।
माधवदास - कायस्थ । नागौढ (राजस्थान) निवासी ।
सभवत. जोधपुर नरेश महाराज विजयसिंह के आश्रित । १८वीं शताब्दी में वर्तमान ।
करुणाबत्तीसी (पद्य)→०१–७८, २६–२७१ ए, बी, २६–२१५ बी, सी, डी, ई, ४१–५४३ (अप्र०) ।
करुणाष्टक (पद्य)→४१–१६४ ।
जनमकरम लीला (पद्य)→०६–२११ ए ।
दशमस्कध (सक्षेपलीला) (पद्य)→सं० ०१–२८६ ख ।
दानलीला (पद्य)→४१–१६५ ।
नरसिंहलीला (पद्य)→३८–६२ ।
नारायणलीला (पद्य)→०६–१७७ ए, सं० ०१–२८६ ग ।
पदावली (पद्य)→४१–१६७ ।
मुरली की लीला (पद्य)→सं० ०१–२८६ क ।
मुहूर्तचिंतामणि (पद्य)→०६–१७७ बी ।
रथलीला (पद्य)→४१–१६६ ।
माधवदास—अन्य नाम माधव जू । कत्थक । काशीराम के पुत्र । गगाप्रसाद के पौत्र । रीवाँ नरेश महाराज विश्वनाथसिंह इनके पालनपोषण कर्ता, गुरु और आश्रयदाता थे । सं० १६०० के लगभग वर्तमान ।
आदिरामायण (पद्य)→२६–२१७ ।
सारस्वतसार मधुकर कलानिधि (पद्य)→२६–२७६ ।
माधवदास—मिश्र ब्राह्मण । सं० १८३७ के लगभग वर्तमान ।
अवतारगीता (पद्य)→१२–१०४ ए, २३–२५४ ।
करुणापचीसी (पद्य)→१२–१०४ सी ।
दधिलीला (पद्य)→१२–१०४ बी ।
माधवदास—सभवत दादूपथी । किसी दामोदर के शिष्य । सं० १७५८ के पूर्व वर्तमान ।
अध्यात्मरामायण (बाल तथा अयोध्याकाड) (पद्य)→सं० ०१–२८४ ।
मदालसा (मदालसा आख्यान ?) (पद्य)→पं० २२–६०, सं० ०४–२६५ ।
माधवदास—(?)
तत्वचिंतामणि (पद्य)→सं० ०१–२८५ ।
माधवदास—(?)
दानलीला (पद्य)→सं० ०१–२८७ ।

माधवदास—(?)
माधिकेतु की कथा (पद्य)→१२-२११ ए, बी।

माधवदास—(?)
वर्षोत्सव के पद (पद्य)→११-११६।

माधवदास—'रयालजी का पद' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संग्रहीत हैं।→ २-६४ (बाईस)।

माधवदास (चारण)—दधिवरिया जाति के चारण। मारवाड़ निवासी। सं० १६७५ के लगभग वर्तमान।
गुणरामरासो तथा रामरासो (पद्य) → १-८; ४१-२४१ (प्रथम) सं० १-२८७।

माधवदास (भट्ट)—(?)
भाषाबोध (गद्यपद्य)→सं० १-२८८।

माधवनिदान (गद्य)—चंद्रसेन कृत। लि० का० सं० १७२१। वि० वैद्यक (माधव कृत संस्कृत ग्रंथ 'माधवनिदान' का अनुवाद)।
प्रा०—पं० ब्रजमोहन व्यास अहियापुर इलाहाबाद।→ ६-४४।

माधवनिदान (भाषा) (पद्य)—हरिवल्लभराय कृत। लि० का० सं० १६११। वि० चिकित्सा।
प्रा०—लाला राधाकृष्ण बड़ाबाजार कालपी।→ -११६।

माधवनृप (नृपमाधव)→'माधवसिंह (राजा)' ('रागप्रकाश' आदि के रचयिता)।

माधवप्रतापसिंह—अमेठी के राजा। शंभुनाथ ('शिवस्तोत्र' के रचयिता) के आश्रयदाता।→सं० १-४ ६।

माधवप्रसाद—जौनपुर निवासी। कुछ दिन मिरजापुर और बनारस (वाराणसी) में भी रहे।
काशीयात्रा (गद्य)→ ६-१७८।

माधवप्रसाद—ब्राह्मण। दुर्गा शुक्ल के वंशज।
कवित्त (पद्य)→११-१९५।

माधवमधुररामायण→'आदिरामायण' (माधवदास कृत)।

माधवरसग्राम→'रसखान' (मधवराय कृत)।

माधवराम—यमुना किनारे गौहरपुर (कालपी के निकट) के निवासी। जन्म सं० १८१०। सं० १८८८ के लगभग वर्तमान।
माधवराम की कुंडली (पद्य)→ ६-१७१; ११-१९८।

माधवराम (अग्निहोत्री)—(?)
एकादशीमाहात्म्य कथा (पद्य)→११-१९७।

माधवराम की कुंडली (पद्य)—माधवराम कृत। र० का० सं० १८८८। वि० देवी देवताओं की स्तुति।
(क) प्रा०—लाला तुलसीराम निगम रायबरेली।→ ६-१७१।

(ख) प्रा०—लाला तुलसीराम श्रीवास्तव, रायबरेली ।→२३–२५८ ।

माधवविजयविनोद (पद्य)—जगन्नाथ (जगदीश) कृत । वि० माधव नामक किसी राजा का यश वर्णन ।

प्रा०—श्री मगन उपाध्याय भट्ट, मथुरा ।→१७–९८ सी ।

माधवविनोद नाटक (पद्य)—सोमनाथ (शशिनाथ) कृत । र० का० स० १८०६ । लि० का० स० १६०० । वि० संस्कृत नाटक 'मालतीमाधव' का अनुवाद ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर, वाराणसी ।→०४–४७ ।

माधवविलास (पद्य)—अन्य नाम 'माधवानलकामकंदला' । भीष्म कृत । र० का० स० १८१० (?) । वि० माधव और कामकंदला की प्रेम कथा ।

प्रा०—कुँवर लक्ष्मणप्रतापसिंह, साहिपुर (नौलखा), डा० हँडिया (इलाहाबाद) ।→स० ०१–२६१ ।

माधवविलास (पद्य)—लल्लूलाल कृत । लि० का० स० १६१६ । वि० माधव और सुलोचना की कथा ।

प्रा०—प० लालताप्रसाद दूबे, जादवपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) । → २६–२६६ ए ।

माधवसिंह—स० १८७५ के लगभग वर्तमान । नरवर (ग्वालियर) के राजा । अर्जुन कवि के आश्रयदाता ।→०६–१३१ ।

माधवसिंह (माधौसिंह) जयपुर नरेश । राज्यकाल स० १८२५ के लगभग । छविनाथ कवि के आश्रयदाता ।→स० ०१–११५ ।

माधवसिंह (राजा)—उप० छितिपाल (क्षितिपाल), माधवनृप और नृपमाधव । अमेठी (सुलतानपुर) के राजा । काव्यकाल स० १६१५–१६४५ तक ।

देवीचरितसरोज (पद्य)→२३–२५६ ।

मनोजलतिका (पद्य)→४१–१६८ ।

रागप्रकाश (पद्य)→स० ०१–२६० क ।

स्तुति (?) (पद्य)→स० ०१–२६० ख ।

माधवसिंह (राठौर)—पीपाड़ (मारवाड़) के शासक । वेनीराम के आश्रयदाता । स० १७७६ के लगभग वर्तमान ।→०१–१०६ ।

माधवसुयशप्रकाश (पद्य)—छविनाथ (कवि) कृत । वि० पिंगल ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→ [illegible] ०१–११५ ।

माधवानंद (भारती)—रामकृष्ण भारती के शिष्य । स० [illegible] गभग व[illegible]

कैलाशमार्ग (पद्य)→२६–२७७ ए ।

माधवीशंकरदिग्विजय (पद्य)→२६–२७७ बी ।

माधवानल कथा—लाल (नेवजीलाल) कृत अनुपलब्ध [illegible] ।

माधवानलकामकंदला (पद्य)—आल[illegible] [illegible] का० स० [illegible] –३)

वि० माधवानल और कामकं[illegible] ।

(क) लि का सं १८१३।
प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→सं १ १८ घ।
(ख) लि का सं १८२१।
प्रा०—श्री गुर्विराम ब्राह्मण हिंगोट मिरिया डा बमरौलीकटारा (आगरा)।
→१९–८।
(ग) लि का सं १८३३।
प्रा —डा भवानीशंकर याज्ञिक, प्रोमि हाईबीन इंस्टीच्यूट, लखनऊ। →
सं ४–१५ क।
(घ) लि का सं १८४।
प्रा —श्री रामरक्षा त्रिपाठी 'निर्भीक' अध्यापक काम्स हाईस्कूल फैजाबाद। →
सं १–१८ क।
(ङ) लि का सं १८५१।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४–९।
(च) लि का सं १९१५।
प्रा —डा भवानीशंकर याज्ञिक, प्रोमि हाईबीन इंस्टीच्यूट, लखनऊ। →
→सं ४–१५ ख।
(छ) प्रा —पं बद्रीनाथ भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ।→११–८।
(ज) प्रा —श्री बाबूकृष्णदास चौखंबा वाराणसी।→४१–४७५ (अप्र)।
(झ) प्रा —श्री बलदेव चौबे दुर्गौंडा (जौनपुर)।→सं १–१८ ट।
(ञ) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद।→सं १–१८ ख।
(ट) प्रा —श्री रामचंद्र टंडन १ साउथरोड इलाहाबाद। →
सं १–१८ क्ष।
(ठ) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १–१८ म।

माधवानलकामकंदला (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि माधवानल और कामकंदला की प्रेमकथा।
प्रा —डा भवानीशंकर याज्ञिक लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ। →
सं ४–४८४।

माधवानलकामकंदला→'माधवविलास (भीष्म कृत)।

माधवानल की कथा (पद्य)—हरिनारायण कृत। र का सं १८११। वि माधवानल और कामकंदला की कथा।
प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→
०९. ६१।

माधवीशंकर दिग्विजय (पद्य)—माधवानंद (भारती) कृत। लि का सं १९१७।
वि शंकराचार्य की दिग्विजय का वर्णन।
प्रा०—पं वेंकटाप्रसाद अवस्थी कोटरा (सीतापुर)।→२६–२७० बी।

माधुरीदास→'मधुअरिदास' ('रामाश्वमेध' के रचयिता)।

माधुरीदास (कपूर)—मथुरा (माधुरीकुंड) के निवासी। गौड़ीय संप्रदाय के अनुयायी रूपगोस्वामी के शिष्य। सं० १६८० के लगभग वर्तमान।

उत्कंठामाधुरी (पद्य)→०२-१०४ (चार)।

दानमाधुरी (पद्य)→०२-१०४ (सात), ०६-१६३, १२-१०५, ४१-५८२ क (अप्र०)।

भँवरगीत (पद्य)→०२-१०४ (दो)।

माधुरीदासजी की बानी (पद्य)→३२-१३७।

मानलीला (पद्य)→०२-१०४ (आठ), ०६-१८०, ५०-२२-५?, ४१-५४२ ख, ग (अप्र०)।

राधारमन विहार माधुरी (पद्य)→०२-१०४ (एक)।

वंशीवट विलास माधुरी (पद्य)→०२-१०४ (तीन)।

वनविहार माधुरी (पद्य)→सं० ०१-२६१।

वृंदावनकेलि माधुरी (पद्य)→०२-१०४ (पाँच)।

वृंदावनविहार माधुरी (पद्य)→०२-१०४ (छै)।

संग्रह (पद्य)→०२-१०४ (नौ)।

माधुरीदासजी की बानी (पद्य)—माधुरीदास कृत। र० का० सं० १६८७। वि० कृष्ण भक्ति। (उत्कंठमाधुरी, वंशीवटमाधुरी, केलिमाधुरी, वृंदावनमाधुरी, दानमाधुरी, मानमाधुरी नामक छै रचनाओं का संग्रह)।
प्रा०—पं० रामलाल, गिड़ोह, डा० कोसीकलाँ (मथुरा)।→३२-१३७।

माधुरीप्रकाश (पद्य)—कृपानिवास कृत। वि० सीताराम की शोभा।
(क) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२७६ सी (विवरण अप्राप्त)।
(ख) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७-६६ एफ।
(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२३-२२५।

माधुरीविलास (पद्य)—शंकर (दीक्षित) कृत। र० का० सं० १६३२। लि० का० सं० १६४४। वि० वेदांत।
प्रा०—ठा० शिवनरेशसिंह, रामनगर, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६-४२६।

माधुर्यलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेवजी) कृत। र० का० सं० १७४४। वि० राधाकृष्ण का माधुर्य वर्णन।
प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१५४ ए।

माधुर्यलहरी (पद्य)—कृष्णदास कृत। र० का० सं० १८५२। वि० राधाकृष्ण की लीला।
(क) लि० का० सं० १८५२।

प्रा —पं दुलारेप्रसाद शास्त्री वृंदावन (मथुरा)।→१२–१०७ बी।
(ख) प्रा —संग्रहालय हिंदी साहित्य संमेलन इलाहाबाद। →
४१–४८१[२] ख (प्रप्र)।

माधुर्यलहरी (पद्य)—बनदास कृत। लि का सं १८३७। वि राधाकृष्ण की लीलाएँ।
प्रा —पं मिलना मिश्र बेलहर (बस्ती)।→सं ४–११६।

माधोदास—(?)
चढ़ीमोनम (पद्य)→३८–६१ ए, बी।

माधोदास→'माधवदास ('कल्याणपच्चीसी आदि के रचयिता)।

माधोराम—मेड़ता (मारवाड़) निवासी। माथुर कायस्थ। जोधपुर नरेश महाराज अभयसिंह के आश्रित। सं १७९५ के लगभग वर्तमान।
शालिमक्ति प्रकाश (पद्य)→ २–४१।

माधोराम (चौबे)→'माधवदास ('अवतारगीता आदि के रचयिता)।

माधोराम (मुंशी)—विविध कवि कृत 'शंकरपच्चीसी में इनकी रचनाएँ संग्रहीत हैं।
→ २–७१ (चार)।

माधोराम—संभवतः पुष्टिमार्ग के वैष्णव।
मथुरेशजी की भावना (गद्य)→१५–५६।

माधौदास—संभवतः दामूदलाल के शिष्य।
पद (पद्य)→सं ७–१६।

माधौदास—(?)
सवैया (पद्य)→सं ७–१६१।

मान→'उसमान ('चित्रावली के रचयिता)।

मान→'खुमान' ('अमरप्रकाश' आदि के रचयिता)।

मान→'मानमहीप (बंशीधर प्रधान के आश्रयदाता)।

मान (कवि)—कुलदेव मिश्र के शिष्य। हरिहरपुर (बहराइच) के राजा रूपसिंह के आश्रित।
हरिराधाविलास (पद्य)→२१–२५६।

मानकदास→माणिकदास (संतोषसुरतरु के रचयिता)।

मानकवित्त (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। वि राधा और कृष्ण की मानलीला।
प्रा०—पं जुगलकिशोर शर्मा बगरौरा (इटावा)।→१८–१ ८ ए।

मानकवि या मुनिमान—जैन। सुमतिमेर के शिष्य। बीकानेर निवासी। सं १७११ के लगभग वर्तमान।
कविप्रमोदरस (पद्य)→२ –१ १।
कविविनोद (पद्य)→१२–१११ ए, १५ ९९, सं १ २९२ ख।

मानपच्चीसी (पद्य)→४१-१६६ ।
सयोगपच्चीसी (पद्य)→स० ०१-२६२ क ।

मानचरित्रलीला (पद्य)—व्रजवासीदास कृत । लि० का० स० १६०१ । वि० श्री कृष्ण और राधिका की मानलीला ।
प्रा०—श्री रामदास गोसाईं, गढी जयसिंह, डा० सिकंदराराव (अलीगढ)।
→२६-५७ जी ।

मानजसोमंडन (पद्य)—बाँकीदास (आसिया) कृत । वि० जोधपुर नरेश महाराज मानसिंह का यश वर्णन ।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-१५४ ग ।

मानजीमुनि→'मानकवि या मुनिमान' ('कवि प्रमोदरस' आदि के रचयिता) ।

मानतुंग मानवती चउपई (पद्य)—अभयसोम कृत । र० का० सं० १७२० । लि० का० सं० १७५६ । वि० मानतुंग और मानवती की कथा जिसमें मानवती ने श्रावकों के आठ कर्मों का उपदेश ग्रहण किया था ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-४ ।

मानदास—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं ।→ ०२-५७ (अड़तीस) ।

मानदास→'बालकृष्ण (नायक)' (बुंदेलखंड निवासी) ।

मानपचीसी (पद्य)—गोपालराय (भाट) कृत । वि० राधाकृष्ण की मान लीला ।
प्रा०—पं० सोहनलाल पाठक, मथुरा ।→०६-६७ ए ।

मानबत्तीसी (पद्य)→तिलोक (त्रिलोकदास) कृत । र० का० सं० १७२६ । वि० राधिका का मान वर्णन ।
(क) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-६७ ।
(ख) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-४६६ (अप्र०) ।

मानबत्तीसी (पद्य)—मानजी मुनि कृत । र० का० सं० १७३१ । वि० शृंगार ।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-१६६ ।

मानबत्तीसी (पद्य)—अन्य नाम 'मानमंजरी' । लाल (कवि) कृत । वि० शृंगार ।
(क) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→स० ०१-३७४ ।
(ख) प्रा०—पं० आद्याप्रसाद, परमा का पुरवा, डा० रानीगंज (प्रतापगढ) ।
→स० ०४-३५६ ।

मानमंजरी (पद्य)—अन्य नाम 'नाममाला' और 'नाममंजरी' । नंददास कृत । र० का० सं० १६२४ । वि० एकार्थक (पर्यायवाची) शब्द संग्रह ।
(क) लि० का० सं० १७८२ ।
प्रा०—लाला भगवतीप्रसाद पटवारी, अनूपशहर (बुलंदशहर) ।→१७-११६ ए ।
(ख) लि० का० सं० १८१४ ।

प्रा —पं भीरामजी शर्मा प्रधानाध्यापक, मद रा बटेश्वर (आगरा) । →
२६-२४४ एफ ।

(ग) लि का सं १८५९ ।

प्रा —ठा प्रतापसिंह रठौली डा होलीपुरा (आगरा) ।→२६-२४४ बी ।

(घ) लि का सं १८५९ ।

प्रा —श्री भारतकलाभवन, चौखंभा, वाराणसी ।→४१-२ ८ क (अप्र) ।

(ङ) लि का सं १८६१ ।

प्रा —लाला महावीरप्रसाद गौरीगंज (सुलतानपुर) ।→२१-२६४ एक ।

(च) लि का सं १८६८ ।

प्रा॰—पं रूपकमलम पंडित अनूपशहर (बुलंदशहर) ।→२ -१११ बी ।

(छ) लि का सं १८८ ।

प्रा —श्री दामोदरदास गौड़ रामगढ़ाबाद (आगरा)→२६-२४४ ई ।

(ज) लि का सं १८९१ ।

प्रा —श्री शिवबिहारीलाल वकील गोलागंज, लखनऊ ।→ ९-१०८ सी ।

(झ) लि का सं १८९१ ।

प्रा —पं शिवप्रसाद, पुसनी डा सिठैला (बहराइच) ।→२१-२६४ बी ।

(ञ) लि का सं १८७६ ।

प्रा —मिनगानरेश का पुस्तकालय मिनगा (बहराइच) ।→२१-२६४ ई ।

(ट) लि का सं १९ ४ ।

प्रा —पं गणेशदत्त मिश्र इंगलिश प्राय स्कूल गोंडा ।→०६-२ ८ बी ।

(ठ) लि का सं १९ १ ।

प्रा —पं शिवलाल वाजपेयी असनी (फतेहपुर) ।→२ -१११ सी ।

(ड) लि का सं १९१८ ।

प्रा —पं सिद्धिनाथ वाजपेयी बैती (रायबरेली) ।→२१-२६४ एच ।

(ढ) लि का सं १९२८ ।

प्रा॰—ठा रणजीतसिंह कासिमपुरवा डा केसरगंज (बहराइच) । →
२१-२६४ आई ।

(ण) प्रा —पं भैरों मिश्र कक्रा (इलाहाबाद) ।→२ -१११ ए ।

(त) प्रा बाबू पद्मभवनसिंह तमेरपुर मिनगा (बहराइच) ।→२१- ६४ जे ।

(थ) प्रा —श्री महावीरसिंह गहलौत पुस्तक प्रकाश जोधपुर । →
४१-५ ८ ग (अप्र) ।

(द) प्रा —श्री गणपतिराम शर्मा शाहदरा दिल्ली ।→दि ३१-९१ ए ।

मानमंजरी→'मानबत्तीसी (नाम कवि कृत) ।

मानसदीप—अन्य नाम माधवा । दुर्दिसलंड निवासी । बंदीवर प्रधान के आश्रयदाता ।
सं १७ ४ के लगभग वर्तमान ।→ ५-९४, ०६-१२; १७-२ ।

मानमाधुरी→'मानलीला' (माधुरीदास कृत)।

मानरसलीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण की मानलीला।

प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी।→००–१३ (दस)।

मानरहस्य→'मानलीला' (माधुरीदास कृत)।

मानलीला (पद्य)—गौरीशंकर (चौबे) कृत। र० का० सं० १६४२। लि० का० सं० १६४२। वि० राधा का रूठना और कृष्ण का उन्हें मनाना।

प्रा०—गो० भगवानदास, श्यामबिहारीलाल का मंदिर, पीलीभीत। → १२–६३ सी।

मानलीला (पद्य)—ध्यानदास कृत। लि० का० सं० १६१३। वि० राधा की मानलीला।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६–१६० बी (विवरण अप्राप्त)।

मानलीला (पद्य)—नंद (व्यास) कृत। वि० राधा का कृष्ण के प्रति मान करना।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–३०० ए (विवरण अप्राप्त)।

मानलीला (पद्य)—बिसराम कृत। र० का० सं० १६००। वि० राधा की मानलीला।

(क) लि० का० सं० १६०१।

प्रा०—ठा० गंगासिंह, मझगवाँ, डा० ओयल (खीरी)।→२६–६६ ए।

(ख) लि० का० सं० १६०२।

प्रा०—पं० शिवकंठ बाजपेयी, बुझारा, डा० जैतीपुर (उन्नाव)।→२६–६६ बी।

मानलीला (पद्य)—अन्य नाम 'मानमाधुरी', 'मानरहस्य' और 'मानसमय'। माधुरीदास कृत। वि० राधा का रूठना।

(क) लि० का० सं० १८१३।

प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर।→४१–५४२ ग (अप्र०)।

(ख) लि० का० सं० १८३६।

प्रा०—श्री बिहारी जी का मंदिर, महाजनीटोला, इलाहाबाद। → ४१–५४२ ख (अप्र०)।

(ग) प्रा०—पं० केदारनाथ पाठक, बेलेजलीगंज, मिरजापुर। → ०२–१०४ (आठ)।

(घ) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर। →०६—१८०।

(ङ)→पं० २२–६१।

मानलीला (पद्य)—श्रीधर (सीधर) कृत। वि० राधा द्वारा मान करना।

प्रा०—पं० भजराम, राल (मथुरा)।→३८–१४०।

मानविनोद (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि० का० सं० १७७८। वि० शृंगार काव्य।

प्रा०—हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ घ[1]।

मानविनोद लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधा का मान वर्णन।

(क) प्रा —रविवानरेश का पुस्तकालय, रतिया।→ ६-११६ सी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा —गो गोवर्धनलाल राधारमण का मंदिर, मिरजापुर।→ ६-७१ ए।

मानविलास (पद्य)—बल्लभदास कृत। लि का सं १९१४। वि राधा की मानलीला।

प्रा —सिंही कृष्णसिंह जी सखागी गोवर्द्धन (मथुरा)।→१२-११।

मानशिक्षाबत्तीसी (पद्य)—शिवरूपलाल कृत। वि ज्ञानोपदेश।

प्रा —गो पुरुषोत्तमलाल मठसंघा, वृंदावन (मथुरा)।→११-१५८ सी।

मानसदीपिका (गद्यपद्य)—रघुनाथदास (बाबा) कृत। वि तुलसी कृत 'रामचरित-मानस' की शंकाओं का समाधान।

(क) लि का सं १९ ६।

प्रा —पं रामशंकर वाजपेयी बहोरिका वाजपेयी का पुरवा, डा सिसैया (बहराइच)।→११-१२७ ए।

(ख) लि का सं १९१४।

प्रा —भैया मथुनाथसिंह रईस रसुआ डा बौंडी (बहराइच)। → ११-१२७ बी।

(ग) लि का सं १९६।

प्रा०—श्री जयरामसिंह, महमूदाबाद (सीतापुर)।→२९-३७ ए।

मानसदीपिका (काव्यांग) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि 'रामचरितमानस' के छंदों और अलंकारों के लक्षणादि का वर्णन।

प्रा —श्री सोहनलाल वैद्य डा भरौंव (मैनपुरी)।→१२-२५६।

मानसदीपिका (कोश) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि रामचरितमानस का कोश।

प्रा—पं सोहनलाल वैद्य डा भरौंव (मैनपुरी)।→१२-२५७।

मानसदीपिका विश्राम→ विश्रामसागर (बाबा रघुनाथदास कृत)।

मानसदीपिका शंकावली→'शंकावली रामायण (बाबा रघुनाथदास कृत)।

मानस पर पत्रावली (प्रश्नावली) (पद्य)—पमरदास (त्रिवेदी) कृत। वि तुलसी कृत रामायण की कुछ शंकाएँ और उनका समाधान।

प्रा —पं रामलाल भूतपूर्व कोतवाल बलरामपुर।→०६-६।

मानसमर्यंक (पद्य)—शिवलाल (पाठक) कृत। र का सं १८७१। लि का सं १९११। वि रामचरितमानस की टीका।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४-१११। (रामचरितमानस के एक अंश की दो टीकाएँ इस पुस्तकालय में और हैं)।

मानसमय→'मानलीला' (माधुरीदास कृत)।

मानसमार्त्तंडमाला (पद्य)—युगलमाधुरी कृत। लि का सं १९४६। वि राम नाम रूप और लीलाएँ तथा उपासना इत्यादि।

प्रा०—महंत लक्ष्मणलालशरण, लक्ष्मणकिला, अयोध्या ।→०६–२३५ ।

मानसरहस्य (गद्यपद्य)—सरदार कृत । र० का० सं० १६०४ । लि० का० सं० १६२१ ।
वि० रामचरितमानस का विवेचन ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२७६ ।

मानसशंकावली (गद्यपद्य)—वंदन (पाठक) कृत । र० का० सं० १६०६ । वि० तुलसी कृत रामायण की शंकाओं का समाधान ।
(क) लि० का० सं० १६५१ ।
प्रा०—श्री सतन, अरिया, डा० पिपरी (बहराइच) ।→२३–४३८ ।
(ख) प्रा०—पं० विनायकदत्त, कठौती (इलाहाबाद) ।→२०–२०१ ।

मानसहंस रामायण (गद्य)—सुखदेवलाल कृत । र० का० सं० १७४६ । लि० का० सं० १६४२ । वि० तुलसी कृत रामायण (बालकांड) की टीका ।
प्रा०—महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय, बलरामपुर ।→०६–३०८ ।

मानसागर (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० राधा का मान वर्णन ।
प्रा०—ठा० भजनलाल, होल्ला, डा० राया (मथुरा) ।→३५–२१२ ।

मानसिंह—जैन । विजयगच्छ (?) निवासी । इन्होंने उदयपुर में ग्रंथ रचना की थी ।
बिहारी सतसई सटीक (गद्यपद्य)→०१–७५ ।

मानसिंह—चौहान क्षत्री । बेलिहरी गाँव (खीरी) निवासी । अंत में ये सपरिवार चंद्रगढ (बंगाल) में जा बसे थे । सं० १६६२ के लगभग वर्तमान ।
महाभारत (अश्वमेधपर्व) (पद्य)→०६–१८६ ।

मानसिंह (अवस्थी)—गिरिग्राम या गिरवान (बाँदा) के निवासी ।
शालिहोत्र (गद्यपद्य)→०६–७३, २३–२६३ ।

मानसिंह (द्विज)—उप० सिंह । संभवत ब्राह्मण (ब्रह्मभट्ट) । पवारा के किसी क्षत्री राजा के आश्रित । सं० १८०५ के लगभग वर्तमान ।
बहुला कथा (पद्य)→१७–११०, २३–२६१ ।

मानसिंह (द्विजदेव)—अन्य नाम प्रतापनारायण सेन । अयोध्या के राजा । भैया त्रिलोकीनाथसिंह (भावन या भुवन) के पितृव्य । रामनारायण के आश्रयदाता ।
→०६–२८, ०६–२५२ ।
शृंगारलतिका (गद्यपद्य)→२३–२६२, सं० ०४–२६६ ।

मानसिंह (महाराज)—जोधपुर नरेश । राज्यकाल सं० १८६०–१६००। राजा भीमसिंह के चचेरे भाई और उनके उत्तराधिकारी । छत्रसिंह के पिता । बागीराम, गाढूराम, दौलतराम, मनोहरदास, उत्तमचंद भंडारी, लक्ष्मीनाथ और शंभूदत्त जोशी के आश्रयदाता ।→०१–६६, ०२–१८, ०२–२१, ०२–३०, ०२–३२, ०२–३३, ०२–३६, ०६–१६२ ।
जलधरनाथजी रा चरित्र (पद्य)→०२–२४ ।

नावचरित (पद्य)→ २-११ ।
नामकी रा दुहा (पद्य)→ २-६ ।
नायप्रशंसा (गद्यपद्य)→ १-७८ ।
रायसागर (पद्य)→ २-७७ ।

मानसिकसेवा (पद्य)— हितरूपलाल कृत । र का सं १७७५ । वि राधाकृष्ण की सेवा और पूजाविधि ।
मा —गो पुरुषोत्तमलाल मठसेवा वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१५८ ए ।

मानसीतीर्थमाहात्म्य (पद्य)—लालदास (वैरव) कृत । लि का सं १८४ ।
वि मन की पवित्रता ।
प्रा —ठा त्रिभुवनसिंह शाहपुर डा मेरी (सीतापुर) ।→२६ २११ बी ।

मानामंत्री— मैनावती (गोपीचंद की माता) ।

मानिक—(?)
पंडितलीला (पद्य)→सं १-२९१ ।

मानिक (कवि)—कायस्थ । अयोध्या निवासी । सं १५४९ के लगभग वर्तमान ।
बैतालपचीसी (पद्य)→१२ १४२ ।

मान्य—(?)
रसकंद (पद्य)→ ६-२११ ।

मापमार्ग (गद्य)—गिरधारीलाल कृत । र का सं १९१ । लि का सं ९११ ।
वि क्षेत्रफल निकालने की रीति ।
प्रा —लाला रामदयाल पटवारी, गूदरपुर डा विसराम (एटा) ।→ २१-१२ ।

मापविधान (गद्य)—देवीदीन कृत । र का सं १९१ । लि का सं १९१८ ।
वि रेखागणित और क्षेत्रफलादि वर्णन ।
प्रा —पं लक्ष्मण मोरे, मऊकरा (इटावा) ।→१८-४ ।

मामकीमा का हिंदी अनुवाद (पद्य)—देवीदास कृत । लि का सं १९ ९ ।
वि फारसी ग्रंथ मामकीमा का अनुवाद ।
प्रा०—श्री कैलाशप्रसाद हकीम मछियाहू बाजार (जौनपुर) । → सं ४-१९५ ख ।

मामूलनामतिब्बा (गद्य)—मीरपुरुषोत्तम कृत । लि का सं १९ ७ । वि वैद्यक ।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद ।→४१-८७ ।
टि प्रस्तुत ग्रंथ में मूल फारसी के साथ पूर्वोक्तलम कृत टीका भी संमिलित है ।

माया (मिश्र)—मैंयथारी ग्राम (बस्ती) के निवासी । सं १८९२ के लगभग वर्तमान ।
कवित्त (स्फुट) (पद्य)→सं ४-१९७ ।

माया का अंग (पद्य)—नित्यानंद कृत । लि का सं १८९१ । वि ब्रह्मज्ञान ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-१६४ ।

मारकंडे (मिश्र)—ग्रंथाधिकारी पं० महावीर मिश्र के पूर्वज । सं० १८६६ के पूर्व वर्तमान ।

चंडीचरित्र (पद्य)→०६-१६४ ।

मार्कंडेयपुराण (गद्यपद्य)—दामोदरदास कृत । लि० का० सं० १८७८ । वि० मार्कंडेय पुराण का अनुवाद ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-६३ ।

मार्कंडेयपुराण (पद्य)—बालदास (बाबा) कृत । लि० का० सं० १६५६ । वि० मार्कंडेयपुराण का अनुवाद ।

प्रा०—श्री बालाप्रसाद, जैनगरा, डा० राजाफत्तेहपुर (रायबरेली) । → सं० ०४-२३६ ड ।

मार्कंडेयपुराण (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १६८८ । वि० मार्कंडेयपुराण का अनुवाद ।

प्रा०—पं० शोभाराम, जैंत (मथुरा) ।→३८-१८२ ।

मार्कंडेयपुराण (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १९२२ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—महंत श्री रामचरित्तर भगत, मनियर मठ (बलिया) ।→४१-३६६ ।

मार्गनाविधान (पद्य)—बनारसीदास कृत । वि० जैन मतानुसार जीव के ६२ मार्ग विधानों का वर्णन ।

प्रा०—श्री रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद, बुलंदशहर ।→१७-१६ डी ।

माला (पद्य)—उमादास कृत । र० का० सं० १८६४ । वि० पटियाला नरेश महाराज कर्मसिंह के कोई मान्य साधु मनोहरदास की प्रशंसा ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-६४ ।

मालाजोग (ग्रंथ)→'बानी' (स्वामी हरिदास कृत) ।

मालीपाव (सिद्ध)—कोई सिद्ध । 'सिद्धों की वाणी' में संगृहीत ।→४१-५६, २८४ ।

मालीराम—संभवत राजस्थान निवासी ।

ख्याल बनारे को (पद्य)→सं० ०४ २६८ क ।

ख्याल जोरी को (पद्य)→सं० ०४-२६८ ख ।

मिट्ठूलाल—(?)

फूलचिंतनी (पद्य)→३५-६३ ।

मिताक्षरा अथवा व्यवहारचंद्रिका (गद्य)—हरिश्चंद्र कृत । लि० का० सं० १९२८ । वि० नीति शास्त्र ।

प्रा०—स्कूल पुस्तकालय, चंपा अग्रवाल हाईस्कूल, मथुरा ।→३२-८८ ।

मित्रमनोहर (पद्य)—वंशीधर (प्रधान) कृत । र० का० सं० १७७४ । वि० हितोपदेश का अनुवाद ।

(क) लि का सं १८११।
प्रा —बाबू पुरुषोत्तमदास टंडन बी ए एलएल बी वकील, उच्च न्यायालय इलाहाबाद।→१७-२।
(ख) लि का सं १८५४।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→२६-४१।
(ग) लि का सं १९ ५।
प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→ ६-११।
(घ) लि का सं १९१२।
प्रा —लाला माधवप्रसाद छतरपुर।→ ५-६४।
(एक अन्य प्रति लाला बिहारी की काशीपुर दतिया के पास है)।

मित्रविलास (पद्य)—घासीराम जैन) कृत। र का सं १६ १ (?) लि का सं १९५१। वि ज्ञान।
प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर अम्बूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १ ६६।

मित्रसिंह—हरयाना के राजा। अपवसराम के आश्रयदाता। सं १८६० के पूर्व वर्तमान।
→१७-८७।

मिथिलाखंड (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। लि का सं १९१७। वि सीता स्वयंवर के समय मिथिलापुरी का वर्णन।
प्रा —लाला परमानंद पुरानी टेहरी (टीकमगढ़)।→ ६-७६ (बी बो)।

मिथिलामाहात्म्य (पद्य)—युगकिशोर कृत। वि मिथिला की प्रशंसा।
प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७-१८८।

मिथ्यात्वखंडन नाटक (पद्य)—बख्तराम कृत। र का सं १८२१। लि का सं १८६१। वि जैनधर्म के अंतर्गत तेरहपंथी नामक शाखा के उपदेशों का खंडन।
प्रा —श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३-२६।

मिरजामुहम्मद (जान)—(?)
प्रेमलीला (पद्य)→सं १-१२७।

मिलाप श्री महाराज का लाट साहब से (गद्य)—सुल्तान (खान) कृत। र का सं १८७१। वि महाराज श्री रणवीरसिंह (पुरबपुराधीश) का गवर्नर जनरल से मिलना।
(क) लि का सं १८७१।
प्रा —पं रामशरण गुरुत्व नुभानपुर नरैना डा बिसवाँ (सीतापुर)।→ २६ ६४।
(ख) लि का सं १८७१।
प्रा —पं शिवदत्त दूबे शिवपुर डा न्यान (उन्नाव)।→२६-५।

मिश्र—(?)

रत्नावली (पद्य)→३५–६२ ।

मिश्र—(?)

शाहनामा (गद्य)→०४-१११ ।

मिहरबानदास→'मेहरबानदास' ('भागवत माहात्म्य' के रचयिता) ।

मिहिर (कवि)—अन्य नाम छत्रपति चौहान ।

समरसार (पद्य)→स० ०१–२६४, स० ०४–२६६ क ख ।

मिहीलाल—वैष्णवदास के शिष्य । स० १७०७ के लगभग वर्तमान ।

गुरुप्रकारी भजन पद्य)→००–५८, १२–११५ ।

मींडकीपाव—कोई सिद्ध । 'सिद्धों की वाणी' में भी संगृहीत ।→४१-५६, ४१–२०० ।

सबदी (पद्य)→स० १०–११० ।

मीनराज (प्रधान)—कायस्थ । बुंदेलखंड निवासी । संभवत. मेघनाथ प्रधान के संबंधी ।

हरतालिका की कथा (गद्य)→ ०६–७५ ।

मीराबाई—मेड़ता (जोधपुर) की महारानी । सुप्रसिद्ध कृष्ण भक्त । राव दूदा जी राठौर की पौत्री और रत्नसिंह की पुत्री । जन्म सं १५७३ । उदयपुर के महाराणा कुमार भोजराज की पत्नी । थोड़ी ही अवस्था में विधवा होने के कारण विरक्त होकर वृंदावन में रहने लगीं थीं । इनके महल और मंदिर अभी तक वर्तमान हैं । →०२–५७ (छब्बीस), ०२–६४ (दो) ।

मीराबाई के पद (पद्य)→०६ ३०३, ३२–१४५ ।

मीराबाई की बानी (पद्य)→२६–२३१ ।

मीराबाई की बानी (पद्य)—मीराबाई कृत । लि० का० सं० १८०२ । वि० भजन । प्रा०—पं० रामभरोसे दूबे, मानपुर कलाँ, डा० हुँडवारागंज (एटा) । → २६–२३१ ।

मीराबाई के पद (पद्य)—मीराबाई कृत । वि० ज्ञान, भक्ति और वैराग्य ।

(क) लि० का सं० १८८८ ।

प्रा०—पं० रामेश्वर, कोसीकलाँ (मथुरा) ।→३२–१४५ ।

(ख) प्रा०—बाबा मनीरामदास, अरगाँव, डा० महोबा (लखनऊ) । → २६–३०३ ।

मुअज्जमशाह→'बहादुरशाह' (मुगल बादशाह औरंगजेब के पुत्र) ।

मुअज्जमशाह के कवित्त (पद्य)—अन्य नाम 'साहिजादे माजम के कवित्त' । जैतसिंह कृत । वि० मुअज्जमशाह की प्रशंसा ।

(क) लि० का० सं० १७४२ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–८५ ख ।

(ख) प्रा —संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन इलाहाबाद ।→४१–८६ क ।

मुकुनदास—निरंजनी पंथानुयायी । दरसदास जी के शिष्य । मारवाड़ (राजस्थान) के निवासी ।

महापुरुषों का पद फुटकर (पद्य)→सं ७–१५१ क ।

सवईया या कवित (पद्य)→सं ७–१५१ ख ।

मुकुंद—संभवतः वास्तविक नाम शिवमुकुंद । ब्याना (भरतपुर) नरेश गंगाप्रसाद के आश्रित ।

गंगापुरान (गद्यपद्य)→सं १–२६५ ।

मुकुंद— स्वाहा टिप्पा नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी भी रचनाएँ संगृहीत हैं । → २–५७ (तेईस) ।

मुकुंद— कोकसार के रचयिता नंद के छोटे भाई ।→सं ४–१७६ ।

मुकुंद (रूपरेख्या)—संभवतः दो भिन्न व्यक्ति । सं १६ ८ के लगभग वर्तमान ।

विनयविहारीरूप उत्सवादक (पद्य)→सं १–२६१ ।

मुकुंददास —धामीपंथी के अनुयायी । संभवतः स्वा प्राणनाथ के शिष्य । इन्होंने महाराज छत्रसाल का उल्लेख किया है ।

साखी (पद्य)→सं ४ १ ।

मुकुंददास→नंद और मुकुंद (भ्रमरगीत आदि के रचयिता) ।

मुकुंदभारती—निरंजनी पंथी साधु । सं १७५४ के पूर्व वर्तमान ।

पद (पद्य)→सं ७ १५२ ।

मुकुंदभारतीजी की शब्दी (पद्य)→पं २२–६६ ।

मुकुंदभारतीजी की शब्दी (पद्य)—मुकुंदभारती कृत । लि का सं १७५४ । वि ज्ञान और उपदेश ।→पं २२–६६ ।

मुकुंदमहिमास्तोत्र (व्याख्या भक्तसोपिणी) (गद्य) –रचयिता अज्ञात । वि स्तोत्र । प्रा —पं किंगामल मु इंदावाला फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६–४१४ ।

मुकुंदराय – अज्ञात । सं १६ के पूर्व वर्तमान ।

ज्ञानमाला (गद्य)→२६–३१६ ।

मुकुंदराय की यात्रा (गद्य)—गिरिधर कृत । र का सं १८८ । वि श्रीनाथ (मेवाड़) से श्री मुकुंदराय की प्रतिमा के काशीस्थ गोपालमंदिर में पधारने का वर्णन ।

प्रा —बाबू ब्रजचंद, चौखंबा वाराणसी ।→ ६–६१ ।

मुकुंदलाल—(?)

पिंगल (पद्य)→सं १ १६८ ।

टि रचना की भाषा अविकांशतः अपभ्रंश है जिससे रचयिता प्राचीन सिद्ध होता ।

मुकुंदाचार्य—रीवाँ नरेश महाराज रघुराजसिंह के दीक्षा गुरु ।→ १ ७ ।

मुक्तमाल (पद्य)—बलदेवप्रसाद (अवस्थी) कृत। लि० का० स० १६३०। वि० श्रीकृष्ण की महिमा।
प्रा०—प० चन्द्रधर अवस्थी, मानपुर चौकी, डा० बिसवाँ (सीतापुर)। → २३-३१ ए।

मुक्तलीला (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० स० १६५१। वि० मुक्ति विषयक ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री गोपालचन्द्रसिंह, विशेष कार्याधिकारी (हिंदी विभाग), लखनऊ। → स० ०७-११ ग।

मुक्तायन (पद्य)—पहलवानदास कृत। र० का० स० १८५५। वि० ईश्वर भजन की विधि।
प्रा०—महंत चन्द्रभूषणदास, उमापुर, डा० मीरमऊ (वाराणसी)। → २६-३४० बी।

मुक्तावलीव्रत कथा (पद्य)—भारामल (जैन) कृत। र० का० स० १८३२। लि० का० स० १८५५। वि० मुक्तावलिराय नामक जैन का वर्णन।
प्रा०—बाबा खरगीराम पुजारी, अलीगंज (एटा)। → २६-३६ बी।

मुक्तिमार्ग (पद्य)—अन्य नाम 'गुरुभक्तिप्रकाश'। रामरूप (भक्तानंद) कृत। र० का० सं० १८२६। वि० साधु चरणदास जी का चरित्र तथा भक्ति, ज्ञान, एवं वैराग्य।
(क) लि० का० स० १८५४।
प्रा०—प० चन्द्रपालसिंह, पत्थरवालों की गली, मेरठ। → १२-१४८ बी।
(ख) प्रा०—प० चन्द्रपालसिंह, पत्थरवालों की गली, मेरठ। → १२-१४८ ए।

मुक्तिरत्नाकर (पद्य)—दलेलसिंह (राजा) कृत। र० का० स० १७५५। वि० श्रीकृष्णचरित्र और गोलोक वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। → ४१-१०० क, ख।

मुक्तिविलास (हठप्रदीपिका (पद्य)—ताहिर कृत। वि० हठयोग।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। → सं० ०१-१४० ख।

मुखदास—पंजाब निवासी। स० १८१२ के लगभग वर्तमान।
गर्भगीता (गद्य) → २६-२३४ डी, ई, एफ, ४१-५४४ (अप्र०)।
दुर्गास्तुति (पद्य) → २६-२३४ बी, सी।
धर्मसंवाद (गद्य) → २६-२३४ ए।
सारगीता (पद्य) → २६-२३४ जी, एच, आई, स० ०४-३०२।

मुखनामौ और गुनकठियारा (पद्य)—वाजिद (बाबा) या वजदी कृत। लि० का० स० १८५६। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। → ४१-१५६।
टि० 'मुखनामौ' और 'गुनकठियारा' दो हस्तलेख हैं।

मुन—अमोधर (फतहपुर) निवासी। जन्मकाल सं १८६६।
तीतारान बिवाह (पद्य)→ ६–२ १।

मुनाफ़ातुलइमान (पद्य)—शाह बुरहान साहब कृत। वि सूफीमत के अनुसार ब्रह्म में भक्ति रखने का उपदेश।
प्रा —डा मुहम्मद हफ़ीज सैयद, ११ चैथमलाइन, इलाहाबाद।→४१–१६२ ख।

मुनि (महाराज)—सं १८ ६ के लगभग वर्तमान।
महाराजप्रकाश →पं २२–६७।

मुनि (साहब)—कोई जैन।
भाषाअमृत स्तवन (पद्य)→रि ११–६ ।

मुनिमान→मान (कवि) (सुमतिमेर के शिष्य)।

मुनिमाल→(?)
अंजनासुंदरी कथा (पद्य)→४१–१२५।
रि लो वि में प्रस्तुत रचयिता को भूल से अज्ञात कवि मान लिया गया है जो श्री मुनिकांतिसागर के अनुसार मानदेवसूरि के शिष्य थे मडनेर की बड़गच्छीय शाखा से संबद्ध थे तथा सं १६१४ के लगभग वर्तमान थे।

मुनिलाल—सं १६३७ के लगभग वर्तमान।
रामप्रकाश (पद्य)→ ६–१६८।

मुनिलावण्य—(?)
रावणमंदोदरी संवाद (पद्य)→ –८५।

मुनीदास→कैवरीदास और मुनिदास (सबद के रचयिता)।

मुनीश्वरबख्शप्रकाश (पद्य)—लछिराम कृत। लि का सं १९११। वि मुनीश्वरबख्श सिंह का चरित्र और काव्य के लक्षण।
प्रा०—ठा हरपालसिंह मंजूरा डा मौधी (बहराइच)→२१–२१२।

मुनीश्वरबख्शसिंह—मल्लापुर (सीतापुर) के राजा। बीसवीं शताब्दी के आरंभ में वर्तमान।
लछिराम के आश्रयदाता।→२१–२१२।

मुन्ना—(?)
संतानकल्पलतिका (पद्य)→२१–२११, सं १–२१६।

मुन्नालाल—हरनाथ के पुत्र।
रघुनाथशतक (पद्य)→२३–२८६।

मुन्नूलाल—माथुर कायस्थ। सैरकोट (प्रयाग) निवासी। पिता का नाम इंद्रजीत। सं १८८१ के लगभग वर्तमान।
चित्रगुप्त की कथा (पद्य)→२३–२१८।

मुमोक्षशास्त्र (गद्य)—गोविंद पंडित (काश्मीरी) कृत। वि० मोक्षज्ञान।
प्रा०—श्री रामसुदर पाडेय, पाडेयपुर, डा० लेवरुश्रा (जौनपुर)।→स० ०१-६७।

मुरली—सतनामी सप्रदाय के अनुयायी। समवत' १६वीं शताब्दी में वर्तमान।
गुरुमहिमा (पद्य)→२६-३१२।

मुरली की लीला (पद्य)—माधवदास कृत। वि० कृष्ण की मुरली लीला।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१-२८६ क।

मुरलीदास—सभवत सतनामी पथी। १६वीं शताब्दी में वर्तमान।
ऊषाचरित्र (पद्य)→स० ०१-३०१ क।
सुखदेवलीला (पद्य)→स० ०१-३०१ ख।

मुरलीदास—(?)
बारामासी (पद्य)→स० ०१-३०२।

मुरलीदास—(?)
नामरहित ग्रथ (पद्य)→१७-११६।

मुरलीधर—पन्ना निवासी। स्वामी प्राणनाथ के प्रणामी (धामी) सप्रदाय के अनुयायी।
साहिबजी की कविता (पद्य)→०६-७६

मुरलीधर (कविराई)—भरतपुर नरेश महाराज नवलसिंह (स० १८१८ में वर्तमान) के आश्रित।
भागवत भाषा (पंचमस्कध) (पद्य)→स० ०१-३०३।

मुरलीधर (कविराज और कविवर)—किसी फतेहअली के आश्रित।
फतेहअलीप्रकाश (पद्य)→स० ०४-३०४।

मुरलीधर (मिश्र)—माथुर ब्राह्मण। अर्गला (आगरा) निवासी। दिनमणि के पुत्र। परमानद शतावधानी (अकबर के आश्रित कवि) और पुरुषोत्तम (शाहजहाँ के आश्रित कवि) के वशज। स० १८१४ के लगभग वर्तमान।
नखशिख (पद्य)→प० २२-६८, २३-२८८ ए, स० ०४-३०३ क।
नलोपाख्यान (पद्य)→१२-११७, स० ०१-३०४ क।
पिंगलपीयूष (पद्य)→२३-२८८ बी, स० ०४-३०३ ख।
रससग्रह (पद्य)→२३-२८८ सी, डी।
रामचरित्र (पद्य)→१२-१४८, सं० ०१-३०४ ख।
शृंगारसार (पद्य)→२६-२४०, ३८-१०२, ४१-५८५ (अप्र०)।

मुरलीधर (यदुवशी)—बरसाना (मथुरा) के निवासी। स० १८१२ के लगभग वर्तमान।
ज्ञानचद्रोदय (पद्य)→२३-२८७।

बरसाना वर्णन (पद्य)→१२-१४७ ।

मुरलीलीला (पद्य)—माधवदास कृत । वि श्रीकृष्ण की मुरलीलीला ।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग काँकरौली ।→सं १-२८६ क ।

मुरार जी→मुरारीदास (पद के रचयिता) ।

मुरारीदास—अन्य नाम मुरार जी । कोई संत । धना और सेना के साथी । संभवतः नाभादास जी के भक्तमाल के बिलौंदा ग्राम (मारवाड़) निवासी मुरारीदास । 'पचास टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में भी उद्धृत ।→ २-५७ (तीन) ।
पद (पद्य)→सं ७ १५८ ।

मुसलमौजोग (ग्रंथ) (पद्य)—शाकिर कृत । लि का सं १८५१ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-१११ क ।

मुष्टिकप्रश्न (गद्य)—भगोतीराम कृत । लि का सं १८ २ । वि ज्योतिष ।
प्रा —पं राममखन मिश्र बेहदरकलाँ डा संडीला (हरदोई) । → ६-१७६ बी ।

मुष्टिकप्रश्न (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १७८४ । वि ज्योतिष ।
प्रा —पं शिवकंठ दूबे देवदासपुर डा खीरी (खलीमपुर) । → २६ ७४ (परि १) ।

मुष्टिका→ब्रह्ममुष्टि (रंगनाथ कृत) ।

मुसाफिर—(?)
हरकमैंना (पद्य)→सं ४-१ ५ ।

मुहम्मदअजीम—शाह आलम के पुत्र । औरंगजेब के पौत्र । बलबीर के आश्रयदाता । सं १७५६ के लगभग वर्तमान ।→ २-१८ ।

मुहम्मदअनवर—शाहआलम के एक सरदार । इन्हीं के कहने से बलबीर ने 'दंपति विलास' नामक ग्रंथ की रचना की थी ।→ २-१८; ११-१४ ।

मुहम्मदखाँ (नवाब) उप पठान सुलतान । राजगढ़ (भोपाल) के नवाब । अनवर खाँ के बड़े भाई । गुमानदास और चंद्र कवि के आश्रयदाता । सं १७५७ के लगभग वर्तमान ।→ ४-११; ०५ २ ; ६-२१ ०६ १८ ।

मुहम्मदगजाली किताब ऊपर भाषा पारस भाग (गद्य)—रूपराम कृत । लि का सं १८ ४ । वि मुसलमानी वेदांत और धर्म नीति की पुस्तक 'कीमियाए सआदत' का अनुवाद ।
प्रा —जोधपुर नरेश का पुस्तकालय जोधपुर ।→ २ ११ ।

मुहम्मदफाजिल (ख्वाजा)—ख्वाजा मुहम्मद कासिम के पुत्र । नवाब इस्तखार खाँ के शिष्य । ये हिरात से भारत आये थे । सं १८२१ के पूर्व वर्तमान ।
हीरंराझीरिसाला (गद्य)→१८-२१ ।

मुहम्मदबोध (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० कबीर और मुहम्मद के प्रश्नोत्तर।
(क) प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-१४३ जेड।
(ख)→४१-४७७ ज (अप्र०)।

मुहम्मद राजा की कथा→'मोहमर्द राजा की कथा' (गोपाल या जगन्नाथ जन कृत)।

मुहम्मदशाह—(?)
बारहमासा (पद्य)→०६-२६४।

मुहम्मदशाह—प्रसिद्ध मुगल बादशाह। राज्यकाल सं० १७७६-१८०५। सूरत मिश्र, आजम, जुगलकिशोरी भट्ट और घनानद के आश्रयदाता। गजन कवि के आश्रयदाता कमरुद्दीन खाँ इनके दीवान थे।→०३-६५, ०६-१२५, ०६-२४३, ०६-११, ०६-१४२, दि० ३१-६।

मुहर्रम और घुर्र→मतचंद्रिका' (फतेहसिंह कृत)

मुहूर्तकल्पद्रुम→'मुहूर्तचिंतामणि' (शंभुनाथ त्रिपाठी कृत)।

मुहूर्तचिंतामणि (पद्य)—अरैराम कृत। लि० का० सं० १६३८। वि० ज्योतिष।
प्रा०—पं० रेवतीनंदन (रेवतीरमण मिश्र), बेरी, डा० बरारी (मथुरा)। → ३८-१ ए।

मुहूर्तचिंतामणि (पद्य)—दलेलपुरी कृत। वि० ज्योतिष।
(क) प्रा०—पं० जुगलकिशोर, जगसौरा (इटावा)।→३५-१६ ए।
(ख) प्रा०—पं० रामचंद्र, बियामऊ, डा० बलरई (इटावा)।→३५-१६ बी।
(ग) प्रा०—पं० काशीराम, गोशपुरा, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)। → ३५-१६ सी।

मुहूर्तचिंतामणि (पद्य)—माधवदास कृत। वि० संस्कृत 'मुहूर्तचिंतामणि' का अनुवाद।
प्रा०-पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-१७७ बी।

मुहूर्तचिंतामणि (पद्य)—अन्य नाम 'मुहूर्तमंजरी' और 'मुहूर्तकल्पद्रुम'। शंभुनाथ (त्रिपाठी) कृत। र० का० सं० १८०३। वि० ज्योतिष।
(क) लि० का० सं० १८५२।
प्रा०—श्री रामेश्वर त्रिपाठी महंत, सूरजपुर मोहल्ला, रायबरेली। → सं० ०४-३७७ घ
(ख) लि० का० सं० १८७५।
प्रा०—प्रतापगढनरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ।→२६-४२१ सी।
(ग) लि० का० सं० १८८६।
प्रा०—पं० रामजियावन, निगोहाँ, लखनऊ।→सं० ०४-३७७ ङ।
(घ) लि० का० सं० १८६३।
प्रा०—पं० भगवानदीन, अजयगढ।→०६-२३४ ए (विवरण अप्राप्त)।
(ङ) लि० का० सं० १६०:

प्रा —तालुकेदार राजा ललिताबख्शसिंह का पुस्तकालय, नीलगाँव (सीतापुर)। →२१-२७१ बी।

(च) लि का सं १६११।

प्रा०—ठा कृष्णसिंह करैला ग्रा फरूखपुर (बहराइच)।→२१-२७१ सी।

(छ) लि का सं १६११।

प्रा —ठा मल्लसिंह जमींदार संडीला ग्रा महरदस्त (सीतापुर)। → २६-४२१ ई।

(ज) प्रा –पं बंशीधर चतुर्वेदी, ग्रा असनी (फतेहपुर)।→२ १७१।

(झ) प्रा —पं ब्रजभूषणकुमार उत्तरपाड़ा रायबरेली।→२१-२७१ डी।

(ञ) प्रा —ठा बरीसिंह जमींदार कामीपुर ग्रा ताजबख्शी (लखनऊ)→२६-४२१ डी।

मुहूर्तदर्पण (पद्य)—गोविंद (चंद्रमणि) कृत। लि का सं १८३६। वि ज्योतिष।

प्रा०—पं शालिग्राम दूबे नंदगाँव ग्रा बेवपुरकलाँ (आगरा)।→२६-१४।

मुहूर्तप्रभावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि ज्योतिष।

प्रा —श्री लक्ष्मणदास दूबे समरोलीकटारा (आगरा)।→२६-४११।

मुहूर्तमंजरी→ मुहूर्तचिंतामणि (रामनाथ त्रिपाठी कृत)।

मुहूर्तमुक्तावली (गद्य)—गणेशदत्त कृत। र का सं १८४७। लि का सं १८४७। वि ज्योतिष।

प्रा०—सर्वोपकारक नागरी पुस्तकालय अछनेरा (आगरा)।→१२-६१।

मुहूर्तमुक्तावली (गद्य)—गिरिधर (गोस्वामी) कृत। वि ज्योतिष।

प्रा –श्री रामनेत मंत्री, राज्य सीकमगढ़।→ १-१६८ ए (विवरण अप्राप्त)।

मुहूर्तसंचय (गद्य)—वासुदेव (सनाढ्य) कृत। वि शुभाशुभ योग और संस्कारादि वर्णन।

प्रा—पं लक्ष्मीनारायण वैद्य बाह (आगरा)।→२६-१ डी।

मुहूर्तसंचय सुखमार्ग प्रकाशिका टीका (गद्य)—वासुदेव (सनाढ्य) कृत। वि विवाह द्विरागमन यज्ञभूषण धारण और क्षौर आदि मुहूर्तों का वर्णन।

प्रा —पं लक्ष्मीनारायण वैद्य बाह (आगरा)।→२६-१ सी।

मूरिमसागर (पद्य)—नैनेश्याह कृत। र का सं १८६१। लि का सं १६१२। वि वैद्यक।

प्रा —श्री हरिचरण उपाध्याय कालीमर्दनपुर समकर।→ १-८ बी।

(*एक प्रति हस्तिकारेया का पुस्तकालय हथिया में है*)।

मूलचंद—(?)

कुंजविहार (पद्य)→२६-३१।

मूलज्ञान (पद्य)—कबीरदास कृत। वि ज्ञानोपदेश।

को सं वि २१ (११ –६४)

(क) लि० का० स० १६२६ ।

प्रा०—श्री जगन्नाथदास मठाधीश, ननकेगाँव, डा० फादीपुर (सुलतानपुर) ।→ स० ०४–२४ ठ ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–३२ च ।

मूलढोला→'ढोला (मूल)' (नवलसिंह प्रधान) कृत ।

मूलपुरुष (पद्य)—द्वारिकेश कृत । वि० वल्लभाचार्य का वंशवृक्ष और चरित्र ।

प्रा०—मथुरा ।→३८–४८ ।

मूलबानी (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—गुसाँई रामस्वरूपदास, सठियाँवाँ, डा० जहानागजरोड (आजमगढ) ।→ स० ०१–३२ छ ।

मूलभारत→'भारत (मूल)' (नवलसिंह प्रधान कृत) ।

मूलस्थान की वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० श्री वल्लभाचार्य की मूलस्थान की वार्ता, उनका व्रज विहार वर्णन तथा श्री पद्मनाभ और प्रभुदास की वार्ता ।

प्रा०—श्री देवकीनदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर । → १७–४६ (परि० ३) ।

मूलाचार (भाषा) (गद्य)—नदलाल और ऋषभदास कृत । र० का० स० १८८८ । वि० श्रावकों के लिये विहित आचार ।

(क) लि० का० स० १६०२ ।

प्रा०—सरस्वती भडार, जैन मदिर, खुरजा ।→१७–१२१ ।

(ख) लि० का० स० १६०७ ।

प्रा०—दिगबर जैन पचायती मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→स० १०–६७ ।

मूलाराम—अयोध्या निवासी । १६वीं शताब्दी में वर्तमान ।

विज्ञाननिरूपिणी (पद्य)→२०–११० ।

मृगकपोत की लीला (पद्य)—चतुर्भुजदास कृत । लि० का० स० १८८८ । वि० मृग और एक कपोत की कथा का वर्णन ।

प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–११२ क ।

मृगयाविहार (पद्य)—हरिराम (कविराज) कृत । र० का० स० १६१५ । लि० का० स० १६१५ । वि० भदावर के राजा महेंद्रसिंह की मृगया का वर्णन ।

प्रा०—राजा महेंद्रमानसिंह जी, नौगवाँ (आगरा) ।→२६–१४४ ।

मृगावती (पद्य)—कुतबन कृत । र० का० स० १५६६ । वि० राजा गणपतिदेव के राजकुमार और राजा रूपमुरार की कन्या मृगावती की प्रेम कथा ।

प्रा०—बाबू हरिश्चद्र का पुस्तकालय, चौखबा, वाराणसी ।→००–४ ।

मृगावती की कथा (पद्य)—मेघराज (प्रधान) कृत । र० का० स० १७२३ । लि० का० स० १८०६ । वि० कुँवर इद्रजीत और मृगावती की प्रेमकथा ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–७१ ।

मृगावती की चौपाई (पद्य)—चंद्रकीर्ति कृत । र का सं १६८२ । लि का सं १८८६ । वि मृगावती का चरित्र (जैनों की दृष्टि से) ।
प्रा —श्री महावीर जैन पुस्तकालय चाँदनी चौक दिल्ली ।→दि ३१-१७ ।

मृगेंद्र—अमृतसर (पंजाब) निवासी । पटियाला नरेश महाराज महेंद्रसिंह के आश्रित । सं १६१२ के लगभग वर्तमान ।
कवित्तकुसुमकलिका (पद्य)→ ४-५ ।
प्रेमपयोनिधि (पद्य)→ ४ ४६ ।

मेघनाथ—(?)
बरषवर्णन (पद्य)→२ -१ ९ ।

मेघप्रकाश (ज्योतिष)→'मेघमाला (मेघराज मुनि कृत) ।

मेघमाला (पद्य)—अन्य नाम 'मेघप्रकाश (ज्योतिष) । मेघराज (मुनि) कृत । र का सं १८१७ । वि ज्योतिष के अनुसार मेघों का वर्णन ।
(क) लि का सं १८२५ ।
प्रा —बाबा भागवतदास, बरवला (महाराष्ट्र) ।→२१-२०८ ।
(ख) लि का सं १६१६ ।
प्रा०—श्री रामसुंदर पंडित चांदपुर डाक का सेवकरा (जौनपुर) । →
सं १-६ ।
(ग) प्रा —पं रामनाथ पांडे प्रधानाध्यापक, प्राइमरी स्कूल कुरकी डा सिठवारा (प्रतापगढ़) ।→२६-३ २ ।
(घ)→पं २२-६५ बी ।

मेघमुनि→'मेघराज (मुनि)' ('मेघमाला' आदि के रचयिता) ।

मेघराज (प्रधान)—कायस्थ । ओड़छा नरेश राजा सुजानसिंह के आश्रित । सं १७१७ के लगभग वर्तमान ।
एकादशीमाहात्म्य (गद्य)→२६-२१ ए ।
मकरध्वज की कथा (पद्य)→१-७४ बी २६-२१ बी दि ३१-५८ ।
मृगावती की कथा (पद्य)→ १-७४ ए ।
राधाकृष्णजू को झगरो (पद्य)→ १-७४ सी ।
सिंहासनबत्तीसी (पद्य)→ १-७४ डी ।

मेघराज (मुनि)—उप मेघमुनि । श्वेतांबरी जैन । गुरु का नाम नरोत्तम । कपथला (कपूरथला राज्य) निवासी तथा वहीं के राजा सुरेमल चौधरी के आश्रित । सं १८१७ के लगभग वर्तमान ।
मेघमाला (पद्य)→पं २२-६५ बी; २१-२०८; २६-३ २; सं १-६ ।
मेघविनोद (पद्य)→ ६-११७ पं २२-६५ ए ।
मेघविलास (पद्य)→१२-११९; पं २२-६५ सी; सं ४-१ ९ ।

मेघविनोद (पद्य)—मेघराज (मेघमुनि) कृत । वि० वैद्यक ।
(क) प्रा०—प० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६–१६७ ।
(ख)→पं० २२–६५ ए ।

मेघविलास (पद्य)—मेघराज (मेघमुनि) कृत । र० का० स० १८०८ । वि० वैद्यक ।
(क) लि० का० स० १८७७ ।
प्रा०—श्री शिवबालकराम पाठक, देउरी, डा० अठेहा (प्रतापगढ) । → स० ०४–३०६ ।
(ख) लि० का० स० १६१५ ।
प्रा०—प० बाबूराम वैद्य, नगीना, बिजनौर ।→१२–११३ ।
(ग)→प० २२–६५ सी ।

मेड़ईलाल (अवस्थी)—स० १६०५ के लगभग वर्तमान ।
अँतरिया की कथा (पद्य)→२३–२७७ ।

मेड़ेलाल—बिल्हौर (कानपुर) के वैश्य । स० १८४४–१६२४ तक वर्तमान ।
कवित्तसवैया (पद्य)→२६–३०१ ।

मेदराम (बारैठ)—सभवत. राजपूताना के निवासी । स० १६७६ के पूर्व वर्तमान ।
अयोध्यापचीसी (और) मिथिलापचीसी (पद्य)→४१–२०२ ।

मेदिनीमल्ल जू देव (कुँवर)—दीवान हृदयसाहि के पुत्र । पन्ना नरेश महाराज छत्रसाल के पौत्र । स० १७८७ के लगभग वर्तमान ।
कृष्णप्रकाश (पद्य)→०५–६६ ।

मेषादिदोषोपाय (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० बारह लग्नों के दोष और उनके निवारण के उपाय ।
प्रा०—लाला जगन्नाथप्रसाद आढतिया, जसवतनगर (इटावा) ।→१५–२१४ ।

मेहरबानदास—कोटवा (बाराबकी) निवासी साधु । किसी मदिर के पुजारी । सं० १८४६ के लगभग वर्तमान ।
भागवतमाहात्म्य (पद्य)→०६–१६८ ।
व्याधिनाश वैद्यक (गद्यपद्य)→२३–२७६ ए, बी, स० ०४–३०७ ।

मेहा—(?)
मेहाजी की चितावणी (पद्य)→स० ०७–१५५ ।

मेहाजी की चितावणी (पद्य)—मेहा कृत । लि० का० स० १७४० । वि० चेतावनी और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७–१५५ ।

मैन—'ख्यालटिप्पा' नामक सग्रह ग्रथ में इनकी भी रचनाएँ सगृहीत हैं । → ०२–५७ (उनचास) ।

मैना को सत (

वि० मैना नामक सती स्त्री की कथा के माध्यम से ज्ञानोपदेश।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं ७–२१ ख।
मैनावती—गोपीचंद की माता। गोरखनाथ की शिष्या।
गोपीचंद राजा की कथा (पद्य)→१९–२२७।
मैनासत (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि मैना नामक एक स्त्री की सच्चरित्रता का वर्णन।
प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→ २–१७।
मोक्मदास—जोगीपुरा (रामपुर बावन वर्णित स्थान के अंतर्गत) के निवासी।
सं १८३५ के लगभग वर्तमान।
बारामासी (पद्य)→सं १–१ ५।
मोक्षदायकपथ (पद्य)—ग्रन्थ नाम 'मोक्षपंथप्रकाश'। गुलाबसिंह कृत। र का
सं १८३५। वि मोक्ष साधन।
(क) लि का सं १८३७।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ १–७८।
(ख) लि का सं १८७५।
प्रा —पं शिवकुमार मकरहा गौंडा।→२०–१४।
(ग) प्रा —बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय बलरामपुर।→ ६–१९।
टि खो वि ६–१९ पर भूल से मानसिंह को रचयिता मान लिया गया है।
मोक्षपंथप्रकाश→'मोक्षदायकपंथ' (गुलाबसिंह कृत)।
मोक्षमार्ग निरूपण (पद्य)—प्रताप (जैन) कृत। लि का सं १८२८। वि जैन
मतानुसार मोक्षप्राप्ति का उपाय।
प्रा —श्री राधावल्लभ, खैराबाद, डा राजेपुर (बस्ती)।→२६–२५।
मोक्षमार्गपैड़ी (पद्य)—बनारसीदास कृत। र का सं १६८४। वि जैन मतानुसार
मोक्षमार्ग वर्णन।
(क) प्रा —विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→ ०–१ १।
(ख) प्रा —पं रामगोपाल वैद्य जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)। →
१७–१६ बी।
मोक्षमार्गप्रकाश (गद्य)—टोडरमल कृत। वि जैन धर्मानुसार मोक्ष ज्ञान।
(क) लि का सं १८५१।
प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली चौक, लखनऊ।
→सं ७–६८ ख।
(ख) लि का सं १९५१।
प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १७–४६ क।
(ग) प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा) वाराणसी।→२३–४२६ बी।
(घ) प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा मुजफ्फरनगर। →
सं १०–४६ घ।

मोतीविनौले का झगड़ा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९३३। वि० मोती और बिनौले की लड़ाई का अन्योक्तिपरक वर्णन।
प्रा०—पं० देवतादीन मिश्र, सुलतानपुर, डा० थाना (उन्नाव)। → २६-७६ (परि० ३)।

मोतीराइ→'गुलाबराइ मोतीराइ' ('सुमेरशिखर माहात्म्य' के रचयिता)।

मोतीराम—भरतपुरेश महाराज बलवतसिंह (व्रजेंद्र) के आश्रित। सं० १८८५ के लगभग वर्तमान।
कवित्तसंकलन (पद्य)→३२-१४६।
प्रार्थना (पद्य)→२३-२८३ ए।
व्रजेंद्रविनोद (पद्य)→१७-११४।
रामाष्टक (पद्य)→२३-२८३ बी।

मोतीराम—गयामानो गाँव के धीरजसिंह के आश्रित। सं० १८२७ के लगभग वर्तमान।
धीररससागर (पद्य)→१२-११६।

मोतीलाल—नौरस्ता (नागनगर परगना, प्रयाग) के निवासी। जन्मकाल सं० १५६७।
गणेश कथा (पद्य)→०१-७६, ०६-२००, २३-२८२ ए, बी, सी, डी, २६-३०६ ए से ई तक, सं० ०१-३०६ क, ख।

मोतीलाल—लखनऊ निवासी। सं० १९३० के पूर्व वर्तमान।
कहानियों का संग्रह (पद्य)→२६-२३३।

मोतीलाल—वृंदावन निवासी।
मोतीलाल के गीत (पद्य)→३५-६४।

मोतीलाल (द्विज कवि)—(?)
चित्रगुप्त की कथा (पद्य)→३८-१०१।

मोतीलाल के गीत (पद्य)—मोतीलाल कृत। वि० रासोत्सव और फाग होरी आदि।
प्रा०—पं० रामलाल, सफरवा, डा० गोवर्द्धन (मथुरा)।→३५-६४।

मोतीसखि—किसी मौजीदास के शिष्य। सं० १८८२ के पूर्व वर्तमान।
होरी (पद्य)→सं० ०४-३०८।

मोदचौंतीसी (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। वि० राम यश वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२०६ ड।

मोरध्वज चरित्र→'मयूरध्वज चरित्र' (मलूकदास कृत)।

मोहन—उप० सहजसनेही। मथुरा निवासी। शिरोमणि के पिता। बादशाह जहाँगीर के आश्रित। सं० १६६७ के लगभग वर्तमान।→०६-२३५।
अष्टावक्र (पद्य)→०३-४।
आनंदलहरी (पद्य)→सं० ०१-३०७ क।
कल्लोलकेलि (पद्य)→१७-११२, सं० ०१-३०७ ख।

मोहनहुलास (पद्य)→सं १-१ ७ ग।

मोहन—चित्रकूट के निकट ग्रामि ग्राम के निवासी। सं १८२८ के लगभग वर्तमान।

चित्रकूट माहात्म्य (पद्य)→१७ १११ १ -१ ७।

मोहन—(?)

कवित्त संग्रह (पद्य)→२१-२८ ।

मोहन (कवि)—चरखारी (बुंदेलखंड) निवासी।

आदिशक्ति के कवित्त (पद्य)→२६-३ ५ ए।

कपीशविनय (पद्य)→२६-३ ५ ई एफ।

नरसिंहजू को अष्टक (पद्य)→२६-३ ५ बी।

रामाष्टक (पद्य)→२६-३ ५ सी।

वासुदेवाष्टक (पद्य)→२६-३ ५ डी।

मोहन (साँई)—साँई मत के प्रवर्तक एक महात्मा। संभवतः सुलतानपुर जिले के निवासी।

अरतअरहनिशानी (पद्य)→सं ४-१ ६ क।

अरतअरिलककहरा (पद्य)→सं ४-१ ६ ख।

अरतअरिलबानी (पद्य)→सं ४ १ ६ ग।

अरतनाम ककहरा (पद्य)→सं ४-१ ६ घ।

अरतमिलापाती (पद्य)→सं ४ १ ६ ङ।

अरतमतिबोध (पद्य)→सं ४-१ ६ च छ।

सेहरा (पद्य)→सं ४-१ ६ ज।

मोहनकुँवरि—बिजय (रीवाँराज्य) के जागीरदार सार्वसिंह की पत्नी। इन्हीं के कहने से वैकुंठमणि शुक्ल ने 'अगहनमाहात्म्य' की रचना की थी।→ १–५।

मोहनगिरि (यति)—पंजाब निवासी। आनंदगिरि के आश्रयदाता।→पं २२–६।

मोहनदास—दादू पंथी। राघोदास के भक्तमाल के अनुसार मेवाड़ निवासी। स्वरोदय के ज्ञाता और हठयोग में निपुण।

ब्रह्मलीला (पद्य)→सं ७-१५६।

मोहनदास—अन्य नाम मनमोहन। ओड़छा के राम मंदिर के पुजारी। सं १८५१ के लगभग वर्तमान।

रामहोलीला (पद्य)→ ६-५४ ६-११७- १७-२ ४; २६-३ ७ ए, बी ति ३१ ४१।

हनुमानजी के कवित्त (पद्य)→२६-३ ७ सी।

मोहनदास—कायस्थ। नैमिषारण्य के निकट कुरसठ (हरदोई) निवासी। सं १९८७ के लगभग वर्तमान।

पवनविजय स्वरोदय (पद्य)→ -५ ६-१६७ ए; २६-३ ६।

मोहनदास—संभवतः 'अष्टावक्र' के रचयिता मथुरा निवासी मोहन ।→०३-४ ।
कपोतलीला (पद्य)→२३-२८१ ।

मोहनदास—(?)
अध्यात्म लीला (पद्य)→४१-५४७ (अप्र०) ।

मोहनदास—(?)
दत्तात्रय लीला (पद्य)→सं० ०१-३०८ ।

मोहनदास—(?)
बुद्धिविलास (पद्य)→३८-६६ ।

मोहनदास (भंडारी)—(?)
पद (पद्य)→०६-२६६ ।

मोहनदास (मिश्र)—उप० शिवराम । ब्राह्मण । संभवतः चंदपुरी के समीप पचनपुर निवासी । कपूर मिश्र के पुत्र । चरखारी नरेश महाराज मधुकरशाह के वंशजों के कुल पुरोहित तथा उसी वंश के राजा सिंघ नृप के आश्रित । सं० १८५१ के लगभग वर्तमान ।
कृष्णचंद्रिका (पद्य)→०६-१६६ ए ।
भागवत (दशमस्कंध भाषा) (पद्य)→०६-१६६ बी ।
भावचंद्रिका (पद्य)→०५-७२, सं० ०१-३०६ ।
रामाश्वमेध (पद्य)→०६-२६५ ए ०६-१६६ सी ।

मोहनदेवजी की वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० मोहनदेव स्वामी के ध्यानादि के समय की आध्यात्मिक घटनाओं का वर्णन ।
प्रा०—पं० सोहनलाल, विशंभरा, डा० शेरगढ (मथुरा) ।→३८-१८४ ।

मोहनमत्त—संभवत पंजाब निवासी ।
माँझ (पद्य)→सं० ०४-३१० ।

मोहनलाल—कुम्हेर (भरतपुर) के निवासी । पिता का नाम केशव । सं० १८३७ से १८४५ के लगभग वर्तमान ।
पचलि (पद्य)→१७-११३ ।
फूलमंजरी (पद्य)→सं० ०१-३१० क ।
रंगमंजरी (पद्य)→सं० ०१-३१० ख ।
सगुनावली (पद्य)→३८-६८ ।

मोहनलाल—ब्राह्मण । चूड़ामणि मिश्र के पुत्र । लक्ष्मीचंद के पिता । चरखारी (बुंदेलखंड) निवासी । सं० १६१६ के लगभग वर्तमान ।
शृंगारसागर (पद्य)→०५-७० ।

मोहनलाल—ब्राह्मण । सं० १६०६ के लगभग वर्तमान ।
गणितनिदान (गद्य)→२१-२३२ ए, बी, सी ।

मोहनलाल—(?)
गुरुमनाली (गद्यपद्य)→सं ८–२११ ।

मोहनलाल (जैन)—(?)
नेमनाथब्याहलो (पद्य)→४ –२ ३ ।

मोहनलाल (भट्ट)—सागर (बाँदा) निवासी । पद्माकर भट्ट के पिता । ये स्वयं भी अच्छे कवि थे । सं १८७१ के पूर्व वर्तमान ।→ १–१ २–१ ।

मोहनलाल (समाधिया)—कुलपहार निवासी । सं १९११ के लगभग वर्तमान ।
रामायण की घटनाओं का तिथिपत्र (पद्य)→१८–१ ।

मोहनविजय—जैन । ब्रह्मलपुर पट्टन निवासी । सं १७४ के लगभग वर्तमान ।
नर्मदासुंदरी (पद्य)→२०–१ ८ ।
टि रचयिता का अन्य अनुपलब्ध पुस्तक 'मानतुंगमानवती' है ।

मोहनसुंदर—संभवतः राजस्थानी ।
फूलबत्तीसी (गद्य)→४१–२ ४ ।

मोहनसूरत—(?)
राजाजी और ललितासखी का बारहमासा (पद्य)→११ १०८ ।

मोहनहुलास (पद्य)—मोहन कृत । लि का सं १७८६ । वि शृंगार ।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली ।→सं १ १ ७ ग ।

मोहनिशिदीपिका (पद्य)—जुगराजसिंह कृत । लि का सं १९११ । वि ज्ञान उपदेशादि ।
प्रा —ठा गुरुप्रसादसिंह गुठवा (बहराइच) ।→२१ १० बी ।

मोहनी (पद्य)—शेखअहमद कृत । लि का सं १७०८ । वि नखशिख वर्णन ।
प्रा —हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद ।→सं १–४२१ ।

मोहनीचरित्र (गद्य) – प्राणकिशन कृत । र का सं १९११ । वि मान आलम की कथा ।
(क) लि का सं १९२७ ।
प्रा —पं शिवदुलारे, ललनपुर डा मगरैर (उन्नाव) ।→२६–१४८ ए ।
(ख) लि का सं १९११ ।
प्रा —पं कुंदनलाल सफीपुर (उन्नाव) ।→२६–१४८ बी ।

मोहमीमांसा (पद्य)—उदय (कवि) कृत । वि कृष्ण का गुणानुवाद और स्तुति ।
प्रा —पं रामचंद्र सैनी बेलनगंज, आगरा ।→१२–२११ एफ ।

मोहमर्दन राजा की कथा (पद्य)—मोहन कृत । र का सं १७८८ । लि का सं १८६१ । वि किसी मोहमर्दन नामक राजा की कथा ।
प्रा —लाला बिनायक गोपीपुर (हरदोई) ।→ ९ ५९ बी ।

मोहमर्दन राजा की कथा→ मोहमर्द राजा की कथा (कामनाथ कवि कृत) ।
को सं वि २४ (११ ६४)

मोहमर्द राजा की कथा (पद्य)—अन्य नाम 'मोहमर्दन राजा की कथा'। जगन्नाथ (जन) कृत। र० का० सं० १७७६। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १७६०।

प्रा०—ठा० सूरतसिंह, शिवरा, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)।→२६-१६४ जी।

(ख) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—लाला छीतरमल, रायजीत का नगला, डा० लखनौ (अलीगढ)। → २६-१६३ डी।

(ग) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—बाबा रामदास, रामकुटी, डा० सिकदराराउ (अलीगढ)। → २६-१६३ ई।

(घ) लि० का० सं० १८७५।

प्रा०—पं० दुलारेलाल मिश्र, फतेहपुर, डा० नाँगरमऊ (उन्नाव)। → २६-१६३ सी।

(ङ) प्रा०—पं० रघुवरदयाल, शिवगंज, डा० सिसैया (बहराइच)। → २३-१७७।

(च)→पं० २२-४२।

मोहमर्द राजा की कथा (पद्य)—गोपाल या जगन्नाथ (जन) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १७४०।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-५७ क।

(ख) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-७४।

(ग) प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, वेलनगंज, आगरा।→२६-१२३ ए।

(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-५७ ख।

मोहमुद्गर (गद्यपद्य)—तुलसीदास कृत। लि० का० सं० १६३६। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४ १४४।

मोहविवेक की कथा (पद्य)—अन्य नाम 'मोहविवेक संवाद'। गोपाल कृत। वि० मोह विवेक की रूपक कथा में ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १७४०।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-३६ द।

(ख) लि० का० सं० १८४०।

प्रा०—ठा० बेचूसिंह, उमरा, डा० सिधौली (सीतापुर)।→२३-१८० सी।

मोहविवेक की कथा (पद्य)—दामोदरदास कृत। र० का० सं० १७७७। वि० मोह और विवेक का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८६१।

प्रा —श्री वासुदेवसहाय फतेहपुरसीकरी (आगरा) ।→२६–७५ ए ।

(ख) प्रा —मुंशी हुक्मसिंह मिश्राकुर (आगरा) ।→२६–७५ बी ।

मोहविवेक संवाद→'मोहविवेक की कथा' (गोपाल कृत) ।

मोहिनीजी को वर्णन (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १९५१ । वि विष्णु भगवान के मोहिनी रूप का वर्णन ।

प्रा —पं लक्ष्मीनारायण चतुर्वेदी ग्रा कसरई (इटावा) ।→१८–१८५ ।

यंत्रराज विवरण (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि ज्योतिष ।

प्रा —एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल कलकत्ता ।→ १–५१ ।

यंत्रविधि (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि मंत्रपूर्वक ।

प्रा —बाबू राममनोहर बिलपुरिया, पुरानी बस्ती कमनी मुहवारा (जबलपुर) । →२६–७७ (परि १) ।

यंत्रावली (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि मंत्रपूर्वक ।

प्रा —पं भगवानदत्त, बेनीपुर, ग्रा माधौगंज (प्रतापगढ़) । → २६–७८ (परि १) ।

यंत्रावली (ग्रंथ) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि मंत्रपूर्वक ।

प्रा —श्री गुप्ता पंडित, बहुरावपुर ग्रा पुरवा (उन्नाव) । → २६ ७७ (परि १) ।

यज्ञप्रसाद—बैनगरा (रायबरेली) निवासी । पिता का नाम बालदास । सं १८७७ के लगभग वर्तमान ।

ब्रह्मसार (पद्य)→सं ४–११२ क, ख ।

समैहेत (ग्रंथ) (पद्य)→सं ४–११२ ग ।

यज्ञलीला (पद्य)—नैन (ब्यास) कृत । लि का सं १९५६ । वि मथुरा के चौबों का यज्ञ करना तथा उनकी स्त्रियों का श्री कृष्ण को भोजन कराना ।

प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६–१ बी (विवरण अप्राप्त) ।

यज्ञसमाधि (पद्य)—कबीरदास कृत । लि का सं १९०८ । वि काम क्रोधादि से बचने के उपायों का वर्णन ।

प्रा —लाला गंगादीन कोंदू गुलाम अलीपुरा (बहराइच) ।→२३–१९८ आर ।

यज्ञोपवीत पद्धति (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १९५९ । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —पं बनीप्रसाद मौआ ग्रा काकोरी (लखनऊ) ।→१९–५१६ ।

यदुनाथ (सुध)—ध्रुव स्वामी (पं विश्वंभरनाथ पाण्डेय) के पूर्वज । संभवतः विक्रम की १९वीं शताब्दी में वर्तमान ।

नायिकाभेद (पद्य)→सं ७–१२७ ।

यदुनाथ (भट्ट)—गोकुल (ब्रज) निवासी । गोप कवि के पिता । अठारहवीं शताब्दी में वर्तमान । 'रामविलास' (?) के रचयिता ।→ ६ ३९ ।

यदुनाथ (शुक्ल)—मालवीय शुक्ल ब्राह्मण। वाराणसी निवासी। मथुरानाथ मालवीय के पुत्र। काशी के राजा डालचद के आश्रित। स० १८०३ से १८५७ के लगभग वर्तमान।
पचागदर्शन (गद्य)→०१–११६, ०६–३३३ ए, ४१–५४८ (अप्र०)।
वाक्सहस्री (पद्य)→०६–३३३ बी।
सामुद्रिक (पद्य)→०६–३४४, २६–५०७।

यमकदमक दोहावली (पद्य)—रतनहरि कृत। लि० का० स० १९२३। वि० रामचरित्र।
प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–१६२ सी।

यमकालकार सतसैया (पद्य)—अन्य नाम 'वृदविनोद' तथा 'यमकसतसई'। वृद (कवि) कृत। वि० यमकालकार के भेदोपभेद वर्णन।
(क) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–२५६ ग।
(ख) प्रा०—श्रीयुत गोपालचद्रसिंह, सिविलजज, सुलतानपुर।→स० ०१–३६६।

यमद्वितीया की कथा (पद्य)—राजाराम कृत। र० का० स० १८०६। लि० का० स० १९४०। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—लाला कुदनलाल, बिजावर।→०६–६६।

यमुनाचार्य—सभवत. मारवाड़ी। स० १९१० के पूर्व वर्तमान।
रमल (भाषा) (गद्य)→२०–२०७।

यमुनाचालीसी (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० यमुना जी की स्तुति।
प्रा०—श्री राधावल्लभ जी का मदिर, वाद (मथुरा)।→३५–२४१।

यमुनाचालीसी (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० यमुना की शोभा और महिमा।
प्रा०—श्री भोगीराम, सेई, डा० तरौली (मथुरा)।→३५–२४२।

यमुनाजी के नाम (पद्य)—हरिराय कृत। वि० यमुना जी तथा उनके घाटों की वदना।
प्रा०—श्री देवकीनदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७–७४ ए।

यमुनाजी के पद (पद्य)—अष्टछाप के कवि कृत। लि० का० स० १८६२। वि० यमुना वर्णन।
प्रा०—लाला छोटेलाल, पुस्तक विक्रेता, फाटक रगीलदास, वाराणसी। →४१–४६१ (अप्र०)।
टि० प्रस्तुत पुस्तक के अत में आचार्य वल्लभ जी कृत 'यमुनाष्टक' भी है।

यमुनादास—नामदेव के वशज। रामदास के शिष्य। जगदीशपुर (बहावलपुर) के निवासी। सभवत. स० १९०४ के लगभग वर्तमान।
भागवतमाहात्म्य (पद्य)→३५–१०७।

यमुनानवरत्न (पद्य)—पूरन (कवि) कृत। वि० यमुना की स्तुति।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१–२१०।

यमुनालहरी (पद्य)—यमदयामदास कृत । वि यमुना की स्तुति ।
प्रा —याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-१ ५ ।

यमुनाशंकर (नागर)—काशी निवासी । सं १९११ के लगभग वर्तमान ।
गीतारससिद्धि (ग्रंथ) (गद्य)→२९-१२९ ए ।
मांडूक्योपनिषद (भाषाटीका) (गद्य)→२९-१२९ सी ।
रामगीता की टीका (गद्य)→२९-१२९ बी ।

यमुनाष्टक (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि यमुना स्तवन । (शंकराचार्य के संस्कृत ग्रंथ का अनुवाद) ।
प्रा —श्री रामकृष्णलाल वैद्य गोकुल (मथुरा) ।→१२-१६७ ।

यमुनाष्टक की टीका भाषा में (गद्य)—विट्ठलनाथ (गोस्वामी) कृत । वि यमुना की स्तुति ।
(क) लि का सं १८२९ ।
प्रा॰—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→१२-२८ ए ।
(ख) प्रा —श्री प्रेमबिहारी जी का मंदिर प्रेम सरोवर डा बरसाना (मथुरा) →१२ ७२ ए ।
(ग) प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग कांकरौली । → सं १-१३१ क ख ।

यमुनाष्टक सटीक (पद्य)—शिवशंकरलाल कृत । लि का सं १९६५ । वि यमुना जी की वंदना ।
प्रा —गो गोवर्द्धनलाल जी वृंदावन (मथुरा) ।→१२-३५ ई ।

यशकवित्त (पद्य)—विविध कवि कृत । लि का सं १८१५ । वि राजा महाराजाओं का यश वर्णन ।
प्रा॰—दी पब्लिक लाइब्रेरी भरतपुर ।→१७-१ ७ (परि १) ।

यशलहरी (पद्य)—बेनी (कवि) कृत । वि विविध ।
प्रा —डा मौलाबक्स रईस लखुरी डा रानीकटरा (बाराबंकी) । → २१-३८ बी ।

यशवंत (गौड़)—चिरंजीव भट्टाचार्य के आश्रयदाता ।→सं ४ ६७ ।

यशवंतविलास (पद्य)—यशवंतसिंह कृत । र का सं १८२१ । लि का सं १९२५ । वि अलंकार और पिंगल ।
प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→ ६-१ ६ ।

यशवंतसिंह—पन्ना नरेश महाराज हिंदूपति के मंत्री मान और दीवान अमरसिंह के पुत्र । सं १८२१ के लगभग वर्तमान ।
यशवंतविलास (पद्य)→ ६-११२ ।

यशवंतसिंह—बुंदेला क्षत्रिय । विजागर के पुत्र ।

धनुर्वेद (पद्य)→०६–१२० ।

शवर्णन (पद्य)—मेघनाथ कृत । वि० इन्द्रालाल, भगवंतराय, रूपराय और कमाल-
सर्वा आदि व्यक्तियों का प्रशंसात्मक वर्णन ।
प्रा०—पं० शिवप्रसाद मिश्र, मौजुमाबाद (फतेहपुर) ।→२०–१०६ ।

शोदानंद (शुक्ल)—मालवीय शुक्ल ब्राह्मण। संभवतः सेठ महताबराय के आश्रित ।
सं० १८१५ के लगभग वर्तमान ।
रागमाला (पद्य)→ ६–१३४ ।

यशोदा श्रीकृष्ण का झगड़ा (पद्य)—रामनाथ कृत । लि० का० सं० १६ ७ । वि०
माखनचोरी का उलाहना सुनकर यशोदा का कृष्ण को समझाना ।
प्रा०—ठा० श्याममनोहरसिंह, मुबारकपुर, डा० मगरायर (उन्नाव) । →
२६–३८४ बी ।

यशोधर—(?)
भास्वति (भाषाटीका) (गद्य)→सं० ०१–३११

यशोधरचरित्र (पद्य)—श्रीसेरीलाल कृत । लि० का० सं० १८८७ । वि० राजा
यशोधर की कथा । (वासवसेन कृत संस्कृत 'यशोधरचरित्र' का अनुवाद) ।
प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३–२३ ।

यशोधरचरित्र (पद्य)—नंद (नंदलाल) कृत । र० का० सं० १६७० । वि० जैन
धर्मानुयायी यशोधर नामक व्यक्ति की कथा ।
(क) लि० का० सं० १८८० ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–६६ ।
(ख) प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक,
लखनऊ ।→सं० ०४–१७८ ग ।

यशोधर राजा का चरित्र (पद्य)—खुशालचंद (काला) कृत । र० का० सं० १७८' ।
लि० का० सं० १८२५ । वि० जैन धर्मानुयायी राजा यशोधर की कथा ।
प्रा०—श्री जैनमंदिर, रायभा, डा० अछनेरा (आगरा) ।→३२–१३० ए ।
टि० प्रस्तुत ग्रंथ को खो० वि० में भूल से लक्ष्मीदास कृत मान लिया गया है ।

याकूब खाँ—सं० १७७६ के लगभग वर्तमान ।
रसभूषण (पद्य)→०५–७१, ०६–३४५ ।

याज्ञवल्क्यस्मृति (भाषा) (गद्य)—गुरुप्रसाद (पंडित) कृत । लि० का० सं० १६३० ।
वि० याज्ञवल्क्यस्मृति का अनुवाद ।
प्रा०—ठा० परशुसिंह, रामनगर, डा० बारा (सीतापुर) ।→२६–१३४ ।

यात्रागुण (पद्य)—पतितदास कृत । लि० का० सं० १६४६ । वि० शकुनविचार ।
प्रा०—महाराज श्री प्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६–३४६ पी ।

यादवराज हरराज जैसलमेर (राजपूताना) के राजा। इन्हीं के लिये कुशललाभ ने ढोलामारू रा दूहा की रचना की थी। सं १६१६ के लगभग वर्तमान। →
-१६ २-८६ १२-२११।

यारी साहब—बीरू साहब के शिष्य। दिल्ली निवासी। शाही घराने के महात्मा। बुल्ला साहब केशवदास सूफी शाह की (शाहफकीर) और हस्त मुहम्मद शाह के गुरु।
यारीसाहब के शब्द (पद्य)→४१-२०५ क।
रमैनी (पद्य)→४१-२ ५ ख।
राम के कहरा (पद्य)→४१-२ ५ ग

यारीसाहब क शब्द (पद्य)—यारी साहब कृत। लि का सं १८६७। वि निर्गुण भक्ति।
प्रा —महंत रामाराम का भिटखुरा गाँव (बलिया) ।→४१ २०५ क।

युक्ति (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १६११। वि ज्ञान।
प्रा —पं बालमुकुंद ज्योतिषी सिकंदराबाद।→१७-१ ६ (परि १)।

युक्तितरंगिणी (पद्य)—कुलपति (मिश्र) कृत। र का सं १७४१। वि नखशिख नायिकाभेद और रस वर्णन।
(क) लि का सं १६०७।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-२१।
(ख) प्रा —श्री गौरीशंकर कवि दतिया।→ ६-१८५ ए (विवरण अप्राप्त)।

युक्तिरामायण (पद्य)—ग्रन्थ नाम 'तत्वार्थप्रदीप'। बनीराम कृत। वि रामचरित।
(क) लि का सं १६६१।
प्रा —महाराज श्री प्रकाशसिंह जी मल्लाँपुर (सीतापुर)।→११-१ १ बी।
(ख) प्रा —राजा अवधेशसिंह रईस रमेश पुस्तकालय कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→२६-१६०।
(ग) प्रा —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद।→४१-८।

युगरसलप्रकाशिका (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि स्वामी विट्ठल विपुल जी के ज्ञान संबंधी चालीस पदों की टीका।
प्रा —पं राधाचंद्र बद चौबे मथुरा।→१७-१ (परि १)।

युगलभक्ति—उप युगलमंजरी। संभवतः अयोध्या निवासी। रामानुज संप्रदाय के त्यागी समाज के वैष्णव।
भावनामृत कादंबिनी (पद्य)→ ६-१४६ १०-२ ५।

युगलकिशोर सहस्रनाम (पद्य)—रामनारायण (विष्णुशक्ति) कृत। वि श्रीकृष्ण की स्तुति और प्रशंसा।
प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७-१५१।

युगलकिशोरी (भट्ट)—बालकृष्ण के पुत्र और निहालराम के पौत्र। जन्म भूमि कैथल

ग्राम। दिल्ली में निवास। खाँ शुजा के आश्रित। बादशाह मुहम्मदशाह ने इन्हें 'राजा' की उपधि दी थी। सं० १८०५ के लगभग वर्तमान।

अलंकारनिधि (पद्य)→०६ १८२।

युगलकृत→'जुगलकृत' (जुगलदास कृत)।

युगलकेलि रस माधुरी (पद्य)—रूपमंजरी कृत। र० का० सं० १८११। लि० का० सं० १८११। वि० राधाकृष्ण विहार।

प्रा०—गो० सोहनबाग, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१५६ बी।

युगलकेलि ललित लीला (पद्य)—रूपमंजरी कृत। र० का० सं० १८११। लि० का० सं० १८११। वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ।

प्रा०—गो० सोहनकिशोर, मोहनबाग, वृंदावन (मथुरा)।→१२ १५६ ए।

युगलप्रसाद—चौबे। अन्य नाम गंगाप्रसाद। भयंकर पीड़ा से पीड़ित होने पर इन्होंने इस ग्रंथ की रचना की थी।

रामचरितदोहावली (पद्य)→१७-६१।

युगलप्रसाद—उप० पतित। कायस्थ।

विनयवाटिका (पद्य)→१७-२०६।

युगलप्रिया→'जीवाराम' (अग्रदास के शिष्य)।

युगलप्रीति प्रकाश पचीसी (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८२६। वि० राधाकृष्ण का प्रेम।

प्रा०—लाला नाह्नकचंद, मथुरा।→१७-३४ बी।

युगलमंजरी→'युगलअलि' (अयोध्या निवासी)।

युगलमाधुरी—अयोध्या के महंत।

मानसमार्तंडमाला (पद्य)→०६-३३१।

युगलमानचरित्र→'जुगलमानचरित्र' (कृष्णदास पयहारी कृत)।

युगलरसमाधुरी (पद्य)—रसिकगोविंद कृत। वि० राधाकृष्ण तथा वृंदावन की शोभा का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६७२।

प्रा०—निंबार्क पुस्तकालय, बाबा माधवदास जी महंत का मंदिर, नानपारा (बहराइच)।→२३-३५८।

(ख) प्रा०—बाबू रामनारायण, बिजावर।→०६-१२२ सी।

(ग) प्रा—पं० रघुनाथराम शर्मा, गायघाट, वाराणसी।→०६-१६३ ए।

(घ) प्रा—बाबू विट्ठलदास पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा।→१७-१६१।

टि० खो० वि० ०६-१२२ सी की प्रति कवि की स्वहस्तलिखित है।

युगलरहस्यसिद्धांत (पद्य)—रूपमंजरी कृत। लि० का० सं० १८११। वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ।

प्रा —गो मोहनकिशोर मोहनबाग वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१६६ सी।

युगलवसंत विहार लीला (पद्य)—मधुरअली कृत। वि बसंत में श्री सीताराम का विहार।

प्रा०—मधुरअली का स्थान सावनकुंज अयोध्या ।→१ -६८ ए।

युगलविनोद (पद्य)—मधुरअलि कृत। लि का सं १६१ । वि स्तुति सीताराम का विवाह रूपदर्शन विरह इत्यादि।

प्रा —महंत केशरराम रामघाटी अयोध्या ।→२ -६८ सी।

युगलविनोद कवितावली (पद्य)—मधुरअलि कृत। वि सीताराम की शोभा, बारह मासा विरह आदि।

प्रा —मधुरअली का स्थान सावनकुंज, अयोध्या ।→१ -६८ डी।

युगलविहार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि जीव और ईश्वर का मिलन वर्णन।

प्रा —हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग ।→सं १-५५१।

युगलशतक पद्य)—राधाकिशोरलाल द्वारा संगृहीत। वि उनहत्तर कवियों की विविध कविताओं का संग्रह।

प्रा —श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तकविक्रेता अयोध्या ।→ ६-१४२।

युगलसत (पद्य)—अन्य नाम श्री युगलसत की आदि बानी । श्रीभट्ट कृत। र का सं १६५२। वि राधाकृष्ण विहार।

(क) लि का सं १८६८।

प्रा —पं गणेश एक्का डा सिसैया (बहराइच) ।→११ ४ ए।

(ख) लि का सं १६१८।

प्रा - दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६-२१७ (विवरण अप्राप्त)। (दो अन्य प्रतियाँ लि का सं १८८१ और १८ ७ की इसी पुस्तकालय में और हैं)।

(ग) लि का सं १६६६।

प्रा०—श्री अद्वैतचरण जी गोस्वामी घरा श्री राधारमण जी वृंदावन (मथुरा)। →२६-४ ।

(घ) लि का सं १६६६।

प्रा —पं राधाचरण जी गोस्वामी अवैतनिक मजिस्ट्रेट वृंदावन (मथुरा)। → ६-२६६।

(ङ) प्रा —श्री निंबार्क पुस्तकालय मंदिर बाबा माधौदासजी महंत नानपारा (बहराइच) ।→११-८ बी।

(च) लि का सं १६१६।

प्रा —बाबू राधाकृष्णदास चौखंभा वाराणसी ।→ -१६।

युगलसनेहविनोद (पद्य)—रसिकवल्लभशरण कृत। वि सीताराम का प्रेम।

प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१६६ ए।

युगलसुधा (पद्य)—अन्य नाम 'कृष्णसुधा'। निआरणयतीर्थ 'देव' कृत। र० का० स० १८६८। मु० का० स० १८६८। वि० राधाकृष्ण चरित्र।

(क) लि० का० स० १८६८।

प्रा०—श्री मुन्नूलाल पुस्तकालय, मुरारपुर (गया)।→२६-,६५।

(ख) मु० का० स० १८६८।

प्रा०—प० तामेश्वरप्रसाद मिश्र, टाँगीपार, डा० भैंसाबाजार (गोरखपुर)।→ स० ०१-३८६।

युगलस्वरूप विरहपत्रिका→'जुगलस्वरूप विरहपत्रिका' (बख्शी हशरान कृत)।

युगलहिंडोलालीला (पद्य)—मधुरअलि कृत। वि० सीताराम की हिंडोला लीला।

प्रा०—श्री मधुरअली का स्थान, सावनकुड, अयोध्या।→२०-६८ बी।

युगलानन्यशरण – ब्राह्मण। अयोध्या के प्रसिद्ध महत। महत जीवाराम के शिष्य। रामवल्लभ के गुरु। स० १६०४-१६३५ तक वर्तमान।

अर्थपचक (पद्य)→४१-२०४ क।

उपदेशनीति शतक (पद्य)→४१-२०६ ख।

जानकीसनेह हुलास शतक (पद्य)→४१-२०६ ग।

नवलअगप्रकाश (पद्य)→४१-२०६ घ।

नामपरत्व पचासिका (पद्य)→४१-२०६ ङ।

निंदकविंसतिका (पद्य)→४१-२०६ च।

निंदकविनोदाष्टक (पद्य)→४१-२०६ छ।

प्रकाशभक्तिरहस्य (पद्य)→४१-२०६ ज।

प्रश्नोत्तरीप्रकाश (पद्य)→४१ २०६ झ।

फारसी (वरनमय) झूलना (पद्य)→४१ २०६ ञ।

बरनउमग (पद्य)→४१-२०६ ढ।

बरनबोध (पद्य)→४१-२०६ द।

बरनमाला (पद्य)→४१-२०६ ण।

बरनविचित्र (पद्य)→४१-२०६ त।

बरनविहार (पद्य)→४१-२०६ थ।

बरवाविलास भावना रहस्य (पद्य)→४१-२०६ ध।

मणिमाला (पद्य)→४१-२०६ ट।

मनबोधशतक (पद्य)→४१-२०६ ठ।

मोदचौतीसी (पद्य)→४१-२०६ ड।

वचनावली (पद्य)→१२-८८।

वर्णविचार (पद्य)→४१-२०६ न।

विरतिविनोद (पद्य)→४१-२०६ प।

विरतिशतक (पद्य)—४१२- १ ङ ।

संतविनयशतक (पद्य)→४१-२ १ ब ।

युगलाष्टक (पद्य)—हरिवक्षसिंह कृत । वि सियाराम के युगल स्वरूप का वर्णन ।
प्रा —पं श्यामलाल शर्मा, इंदौखा डा इकदिल (इटावा) ।→१५-१४ ।

युद्धज्योतिष (पद्य)—ज्ञान्नाथसिंह (बिसेन) कृत । र का सं १८८० । वि युद्ध में हारजीत होने के संबंध में ज्योतिष द्वारा फलाफल वर्णन ।
(क) लि का सं १८९१ ।
प्रा —प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़ ।→१७-७७ ।
(ख) लि का सं १८९८ ।
प्रा —राजा साहब बहादुर प्रतापगढ़ ।→ ९-१२१ ।
(ग) लि का सं १९१४ ।
प्रा —राय अंबिकानाथसिंह, माहम स्टेट (रायबरेली) ।→सं ४-१ ९ क ।
(घ) प्रा —श्री मंगलाप्रसाद द्विवेदी गोगहर डा हँगुर (प्रतापगढ़) । → सं ४-१ ९ ख ।

युद्धदीपक (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि सिंधु तरण से लंका के युद्ध तक रामायण का संक्षिप्त वर्णन ।
प्रा —सन्नूलाल पुस्तकालय गया ।→२६-७८ (परि १) ।

युद्धविलास (पद्य)—भैरवबख्श कृत । लि का सं १९ २ । वि महाभारत के कर्ण पर्व का अनुवाद ।
प्रा —निमरानानरेश का पुस्तकालय निमराना ।→ ६-१४ ।

युद्धसार का चित्रावली→'समरसार (मिहिर कृत) ।

युद्धोत्सव→ युद्धज्योतिष' (ज्ञान्नाथ बिसेन कृत) ।

युधिष्ठिरयज्ञ (पद्य)—ईश्वरदास (गोसाँई कृत । लि का सं १९१९ । वि युधिष्ठिर के यज्ञ का वर्णन ।
प्रा —भैया हनुमतप्रसादसिंह अठदमा रियासत (बस्ती) ।→सं ४-१९ ।

युवतीधर्म (पद्य)—कृष्ण (कवि) कृत । वि स्त्रियोपयोगी शिक्षा ।
प्रा —पं मनदेव शर्मा कुराव्ली (मैनपुरी) ।→१८-८४ बी ।

युवराजसिंह—बिसेन क्षत्री । भिनगा राजवंश से संबद्ध । पिता का नाम उमरावसिंह । पितामह का नाम शिवसिंह । इनके पितृव्य कालीप्रसादसिंह भी अच्छे कवि थे ।
अपराधसूदन स्तोत्र (भाषा) (पद्य)→२१-१९७ ए ।
प्रेमपंचाशिका (पद्य)→२१-१९७ बी ।
मोहनिशिदीपिका (पद्य)→२१-१९७ सी ।
योगवाशिष्ठ (उत्तरार्द्ध) (पद्य)→२१-१९७ डी ।
योगवाशिष्ठ (भाषा) (पद्य)→२१-१९७ ई ।

युसुफजुलेखा (पद्य)—शेखनिसार कृत। र० का० म० १८४७। लि० का० स० १६५६। वि० सूफी प्रेमकथा।
प्रा०—श्रीयुत गोपालचद्रसिंह एम० ए०, सिविलजज, सुलतानपुर। → स० ०१–४२२।

यूनानीसार (गद्य)—असगरहुसेन कृत। र० का० स० १६३२। वि० वैद्यक।
(क) लि० का० स० १६३६।
प्रा०—प० शिवनारायण, बड़ैला, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६–१८।
(ख) लि० का० स० १६४४।
प्रा०—श्री रामभूषण वैद्य, जमुनिया (हरदोई)।→२६– ८।

योग और ब्रह्म (पद्य)—रूपराम (रूपकिशोर) कृत। वि० ब्रह्म ज्ञान।
प्रा०—प० रामचद्र ब्राह्मण, नीलकठ महादेव के सामने, सिटीस्टेशन, आगरा। →३२–१६१ जे।

योगचंद्रिका की टीका (गद्य)—दयाराम (तिवारी) कृत। वि० वैद्यक।
प्रा०—प० रामेश्वरप्रसाद तिवारी, छीतनटोला, फतेहपुर।→२०–३८।

योगचिंतामणि (गद्य)—हर्षकीर्तिसूरि कृत। वि० वैद्यक।→प० २२–३६।

योगदर्पणसार (पद्य)—अकबर खाँ कृत। र० का० स० १८८६। लि० का० स० १६०२। वि० वैद्यक।
प्रा०—प० जगन्नाथ शर्मा, अजयगढ।→०६–१।

योगप्रेमावली (पद्य)—शशिधर (स्वामी) कृत। वि० वेदात।
प्रा०—महत हरिशरण मुनि, पौरी (गढवाल)।→१२–१७० डी।

योगरत्नमाला (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।
प्रा०—निरजनी अखाड़ा, औंवराडह, डा० माँडा (इलाहाबाद)। → सं० ०१–५५२।

योगरत्नाकर (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६०७। वि० चिकित्साशास्त्र।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०४–४८५।

योगवाशिष्ठ (पद्य)—बोधीदास (बोधदास) कृत। वि० योगवाशिष्ठ का साराश।
(क) लि० का० स० १८७१।
प्रा०—प० देवकीनदन शुक्ल, रामपुर गढौली, डा० सग्रामगढ (प्रतापगढ)।→ २६–७१।
(ख) लि० का० सं० १८७५।
प्रा०—प० कृष्णगोपाल, दी यग फ्रेंड एंड क०, चाँदनी चौक, दिल्ली। → दि० ३१–१४।

योगवाशिष्ठ (गद्य)—रामप्रसाद (निरजनी) कृत। र० का० स० १७६८। वि० योगवाशिष्ट का अनुवाद।
(क) लि० का० स० १८५६

प्रा —पं रामभजन शास्त्री, भीपमपुरकलाँ डा कसेहर (एटा)। → १६–२११ बी।

(ख) लि का सं १८७१।

प्रा —पं केदारनाथ, मनौता डा सोरौं (एटा)।→१६–२११ सी।

(ग) लि का सं १८८ ।

प्रा —लाला लक्ष्मीरामपटवारी, पीपरगाँव, डा सरायअगत (एटा)। → १६–२११ डी।

(घ) लि का सं १६१२।

प्रा०—लाला दीनदयाल भगवानप्रसाद तहसीलदार, इग्लास (अलीगढ़)। → १६–२११ ए।

(ङ) मु का सं १६६ ।

प्रा —लाल रमापतुत्रालसिंह युवराज नसीनपुर तालुका डा करहिया बाजार (रायबरेली) →सं ४–११७।

योगवाशिष्ठ (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १७१४। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —भट्ट दिवाकरराम का पुस्तकालय गुलेरा (काँगड़ा)।→ १–८।

योगवाशिष्ठ (?) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सन् १९११ (?)। वि वशिष्ठ मुनि द्वारा रामचंद्र को ब्रह्मज्ञानोपदेश।

प्रा नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १ –१७१।

योगवाशिष्ठ→ वशिष्ठसार (कवींद्र सरस्वती कृत)।

योगवाशिष्ठ (उत्तरार्द्ध) (पद्य)—युवराजसिंह कृत। लि का सं १६३८। वि योगवाशिष्ठ के उत्तरार्द्ध का अनुवाद।

प्रा —महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच)।→२१–१६७ ई।

योगवाशिष्ठ (भाषा) (पद्य)—युवराजसिंह कृत। लि का सं १६१८। वि योगवाशिष्ठ के वैराग्य प्रकरण का अनुवाद।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच)।→२१–१६७ ई।

योगवाशिष्ठ (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८११–१८३४। वि योगवाशिष्ठ का अनुवाद।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४–६४।

योगसार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि वैद्यक।

प्रा०—श्री मुरलीधर वैद्यदेव मिश्र जगनेर (आगरा)।→१६–२१७।

योगसारक टीका→'गोरखसार' (रचयिता अज्ञात)।

योगसारस (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत। वि वेदांत।

प्रा —श्री भवानी दत्तबाई, चौपड़ बाजार, समथर राज्य।→ ६–१ के।

योगशास्त्र (योग सा) (गद्य)—रामेश्वर (भट्ट) कृत। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० मन्नन गोसाई, ताहिरपुर, डा० सिकरारा (जौनपुर)। → स० ०४-३४६।

योगसंग्रहवैद्यक→'वैद्यकजोगसंग्रह' (श्यामदास मिश्र कृत)।

योगसंदेह सागर (पद्य)—जगन्नाथ (स्वामी) कृत। वि० वेदांत।

(क) लि० का० सं० १८१८।

प्रा०—पं० देवतादीन मिश्र, सुलतानपुर, डा० माखा (उन्नाव)। → २६-७८ श्राह।

(ख) लि० का० सं० १८५८।

प्रा०—ठा० रामसिंह, रामपुर, मगरायर (उन्नाव)।→२६-७८ जे।

(ग) लि० का० सं० १८६२।

प्रा०—भगत रामदीन काछी, रुस्तमपुरकलाँ, डा० गुलजारपुर (उन्नाव)।→ २६-७८ के।

(घ) लि० का० सं० १६५०।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउटेंट), छतरपुर। → ०५-१६।

योगसाधन (भाषा)→'स्वरोदय' (ऋषिकेश कृत)।

योगसार→'वैद्यकसार' (हीरालाल वैश्य कृत)।

योगसारार्थदीपिका (गद्य)—वासुदेव (सनाढ्य) कृत। लि० का० सं० १८६४। वि० 'अध्यात्मगर्भसारस्तोत्र' की टीका।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा)।→२६-३० नी।

योगसुधानिधि (पद्य)—लछिराम कृत। र० का० सं० १८६८। वि० योगवाशिष्ठ का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १६२६।

प्रा०—गौरहारनरेश का पुस्तकालय, गौरहार।→०६-२८५ (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—पं० वेनीमाधव उर्फ बच्चा, हसनपुर (सुलतानपुर)। → २३-२३४।

योगाद्भुतसार (पद्य)—हजूरी (संत) कृत। लि० का० सं० १६४६। वि० योगशास्त्र।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७-६६।

योगींद्रसार (भाषा) (पद्य)—बुधजन (बुद्धजन) कृत। र० का० सं० १८६५। वि० आत्मज्ञान द्वारा निर्वाण प्राप्त करने के उपाय।

प्रा०—श्री जैन वैद्य, जयपुर।→००-११८।

योगीरासा (पद्य)—जिनदास पांडे (जैन) कृत। वि० जैन दर्शन।

प्रा०—बाबू रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलदशहर)।→१७-८६।

योगोभ्याससमुद्रा (गद्यपद्य)—कुमुटीपाव कृत। लि० का० सं० १८६७। वि० योग।

प्रा०—श्री मोतीराम, पलेसौं, डा० गोवर्द्धन (मथुरा)।→३८-८५।

रस→'हिम्मतबहादुर नरेंद्रगिरि ('रसरंग' के रचयिता)।
रंगमहर (पद्य)—सुंदरकुँवरि कृत। र का सं १८४५। वि राधाकृष्ण का नित्य विहार।
मा —साधु निर्मलदास वेरू (जोधपुर)।→ १-६६।
रंगनाथ—रघुवर गर्ग के पुत्र।
मनमुदि (पद्य)→२१-१५४ ए, बी।
रंगपाल—(?)
कवित्त (पद्य)→सं ०-१११।
रंगभावमाधुरी (पद्य)—नवपति (भट्ट) कृत। वि नवरस नायिकाभेद, मनोविकार आदि।
प्रा०—रेवू कन्हैयालाल गोकुल (मथुरा)।→११-११।
रंगभावमाधुरी (पद्य)—हरिदेव (भट्टाचार्य) कृत। वि नायिकाभेद और रसादि।
(क) लि का सं १८०१।
प्रा —पं रामस्वरूप शुक्ल मकाम सरैया डा मिसवाँ (सीतापुर)। → २६-१६८।
(ख) लि का सं १८०१।
प्रा०—पं शिवकंठ दूबे बिगहापुर (उन्नाव)।→१९-१४२ ए।
रंगभूमि (पद्य)—नाम (कवि) कृत। र का सं १८६७। वि राम और सीता का विवाह।
(क) लि का सं १८६८।
प्रा —पं रामप्रसाद तिवारी डा परिवावाँ (प्रतापगढ़)।→२६-११५।
(ख) लि का सं १८६८।
प्रा —भारत कला भवन काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी।→४१-४ ।
टि खो रि ४१-४ में प्रस्तुत ग्रंथ को अज्ञात कृत माना है।
रंगमंजरी (पद्य)—मोहनलाल कृत। र का सं १८६७। वि शृंगार।
प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-११ ख।
रंगमाला (पद्य)—तुलसी कृत। वि राधा जी का चरित्र।
प्रा —पं कुन्नीलाल वैद्य रंकपाडि की गली वाराणसी।→ ६-१ ६ ए।
रंगलाल—जैन। कन्नौज निवासी। सं १८८७ के लगभग वर्तमान।
उपस्मरण (पद्य)→११-१६१।
रंगविनोदलीला (पद्य)—मुकुंदलाल कृत। वि राधाकृष्ण का विहार।
(क) प्रा०—बाबू हरिचंद्र का पुस्तकालय चौखंभा वाराणसी।→ ०-११ डाव।
(ख) प्रा०—गो गोवर्धनलाल राधारमण का मंदिर, मिरजापुर। → १-७१ कम्मृ।
रंगविहारीलीला (पद्य)—व्रजदास कृत। वि राधाकृष्ण का चरित्र।

(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखम्भा, वाराणसी। →
००-१३ (चार)।
(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर। →
०६-७३ एक्स।
(ग) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-५०७ ठ (अप्र०)।

रंगहुलासलीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधा का कृष्ण को नित्य विहार लीला में स्त्री बनाना।
(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखम्भा, वाराणसी। →
००-१३ (नौ)।
(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर। →
०६-७३ के'।
(ग) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहबाद।→४१-५०७ ड (अप्र०)।

रंगीलाल—मथुरा निवासी। सं० १६२७-'६४० के लगभग वर्तमान।
कार्तिकमाहात्म्य (गद्य)→२६-२६३ ए, बी।
चिकित्सासिंधु (गद्य)→सं० ०४-३१४।
जर्राहीप्रकाश (गद्य)→२६-४००, २६-२६३ सी, डी।

रंगीलाल—आगरा निवासी। सं० १८६६ के लगभग वर्तमान।
तोतामैना की कहानी (गद्य)→२६-३६६।

रंगीलाल (द्विज)—(?)
बारहमासा निपटनिदान (पद्य)→२६-४०१।

रंगीलाल (माथुर)—इन्होंने गदाधर त्रिपाठी से 'औषधिसुधातरंगिणी' की रचना करवाई थी।→सं० ०४-६२।

रंजीत→'चरणदास' ('ज्ञानस्वरोदय' के रचयिता)।

रंभाशुकसंवाद (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शुक मुनि और रंभा अप्सरा का संवाद।
प्रा० - श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई।→२६-७६ (परि० ३)।

रक्षाबंधन की कथा (गद्य)—नाथूराम और दामोदरदास (जैन) कृत। वि० रक्षाबंधन का महत्त्व।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-७१।

रक्षावली (पद्य) —मिश्र कृत। वि० रक्षा के निमित्त कल्कि आदि देवों से विनय।
प्रा०—पं० रामदयाल, कथरी, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३५-६२।

रखनराम—संभवत शिवनारायणी पंथी।
अग्यारीविलास (पद्य)→सं० ०१-३१५।

रखीकेस→'हरिकेस' (परमोत्रलीला' के रचयिता)।

रघू (जैन —?)
    दश लाक्षणिक धर्मपूजा (गद्य)→२६–१७७ ।

रघुनंदन—(?)
    द्रौपदी स्वयंवर (पद्य)→र्सं १–११२ ।

रघुनाथ—ब्राह्मण । प्रसिद्ध कवि गंग के शिष्य । जहाँगीर के समकालीन । र्सं १६६७ के लगभग वर्तमान ।
    रघुनाथविलास (पद्य)→ ६–११ ; प २२–८७ ।
    रसमंजरी (पद्य)→२६–३६७ र्सं १–११४ ।

रघुनाथ—संडीला (सीतापुर) निवासी । र्सं १८८४ के लगभग वर्तमान ।
    कृष्णचालिनी का झगड़ा (पद्य)→२६–३६८ ।

रघुनाथ—(?)
    चिकित्सासार संग्रह (गद्य)→र्सं ४–११६ ।

- रघुनाथ—(?)
    देवीजी के छप्पय (पद्य)→४१–२ ७ ।

रघुनाथ—सेवाराम जैन ने इनके और महेशमल्ल के कहने पर ही 'शांतिनाथपुराण' की रचना की थी ।→र्सं ४–४२६ ।

रघुनाथ→'पुरुषोत्तमदास (जैमिनिपुराण के रचयिता) ।

रघुनाथ (कवि)—किसी बख्तावरसिंह और शारदाप्रताप राजा के आश्रित ।
    कवित्त (पद्य)→र्सं ४–११७ ।

रघुनाथ (खान)→'रघुनाथदास (बाबा) (प्रश्नावली आदि के रचयिता) ।

रघुनाथ (बंदीजन)—काशी निवासी । इनके आश्रयदाता काशी नरेश महाराज बरिबंड सिंह (बलवंतसिंह) थे जिन्होंने प्रसन्न होकर इन्हें चौरा ग्राम पारितोषिक में दिया था । गोकुलनाथ भट्ट के पिता । र्सं १७९१ के लगभग वर्तमान । → ०–२ २–५६ (दो) ३–१५ ।
    काव्यकलाधर (पद्य)→ ३–१४ ६ २१५ ए; २३–३३६ डी २६–३३९ सी ती डी ।
    जगतमोहन (पद्य)→ ३–१११ ६–२१५ बी १ –११८; २३–३३६ बी ।
    जगतविमोहन (पद्य)→२३–३३६ सी ।
    भूषणभूषण (पद्य)→२३–३३६ ए ।
    बालगोपालचरित्र (पद्य)→२६–३६९ ए; दि ३१–९८ ।
    रसिकमोहन (पद्य)→ ३–५६; २३–३३६ ई; एफ र्सं १–१११ ।

रघुनाथअलंकार→'अलंकार (देवादास कृत) ।

रघुनाथदास(बाबा)—उप रामसनेही । अन्य नाम खानरघुनाथ । अयोध्या के महंत । देवदास के शिष्य । सीतापुर जिले में जन्म । रामसनेही संप्रदाय के अनुयायी ।

सं० १६१४ के लगभग वर्तमान।
ज्ञानफकदरा (पद्य)→सं० ०१–३१५।
दोहाकवित्त (पद्य)→२३–३२८ बी।
प्रश्नावली (गद्यपद्य)→२६– ७८ डी।
भक्तमालमाहात्म्य (पद्य)→२६–३७० डी।
मानसदीपिका (पद्य)→२३–३२७ ए, बी, २६–३७० ए।
विश्राममानस (गद्यपद्य)→२६–३७० सी, २६–२७८ बी।
विश्रामसागर (पद्य)→२६–२७८ सी।
शकावलीरामायण (पद्य)→२६–३७० बी, २६–२७८ ए।
हरिनामसुमिरनी (पद्य)→२०–१३६, २३–३२८ ए।

रघुनाथदास(रुघनाथदास)—निरंजनी पंथी। गुरु का नाम अमरदास (स्वामी सेवादास जी के शिष्य)। गुरु भाई रूपादास के समय में सं० १८३२ के लगभग वर्तमान।
हरिदासजी की परिचयी (पद्य)→०६–२३६, सं० ०७–१५८।

रघुनाथदास रामसनेही→'रघुनाथदास (बाबा)' ('प्रश्नावली' आदि के रचयिता)।

रघुनाथनाटक (पद्य)—दास (?) कृत। वि० सीताराम का सखा सखी के साथ फाग खेलना और क्रीड़ा करना।
प्रा०—पं० प्रभुदयाल शर्मा, सिरसा, डा० इकदिल (इटावा)।→३५–२०।

रघुनाथराव – नागपुर नरेश। राज्यकाल सं० १८७३–७५। हरदेव के आश्रयदाता।→०६–१७१।

रघुनाथरूपक (पद्य)—मञ्छ कृत। वि० रामकथा।
प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ।→०६–२८६ (विवरण अप्राप्त)।

रघुनाथविजय (पद्य)—रामदयाल (चतुर्वेदी) कृत। र० का० सं० १६१२। वि० रामचरित्र।
प्रा०—श्री ईश्वरीदास चतुर्वेदी, होलीपुरा (आगरा)।→३२- १७८।

रघुनाथविलास (पद्य)—रघुनाथ कृत। वि० अलंकार (संस्कृत 'रसमंजरी' का अनुवाद)।
(क) लि० का० सं० १८६६।
प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६–३१० (विवरण अप्राप्त)।
(ख) लि० का० सं० १७४१।→पं० २२–८७।

रघुनाथशतक (पद्य)—मुन्नालाल द्वारा संगृहीत। लि० सं० १६३१। वि० रामकथा।
प्रा०—पं० रामजीवनलाल, खोलतपुर, बिलहरा (बाराबंकी)।→२३–२८६।

रघुनाथशिकार (पद्य)—अयोध्याप्रसाद (वाजपेयी) कृत। र० का० सं० १८८८।
वि० श्री रामचंद्र जी का शिकार वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८८८।
प्रा०—पं० शिवप्रसाद शुक्ल सिकंदरपुर (बहराइच)।→२३-२४ बी।
(ख) मु० का० सं० १९७२।
प्रा०—कुँवर सुरेशसिंह जी, कालाकाँकर प्रतापगढ़।→सं० ४-६।

रघुनाथसवारी→रघुनाथशिकार (अयोध्याप्रसाद वाजपेयी कृत)।

रघुनाथसिंह—ओयल (खीरी) के राजा। राजा मल्लसिंह के पुत्र। सं० १८८१ के लगभग वर्तमान।
करिकल्पद्रुम (पद्य)→२३-१४१ २३-१२६।

रघुपति—(?)
स्वप्नविचार (पद्य)→दि० ३१-६६।

रघुराज के कवित्तों का संग्रह (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत। वि० रामचरित्र।
प्रा०—श्री रघुवरदयाल दीक्षित कटरा साहब खाँ इटावा।→१८-११४।

रघुराजघनाक्षरी (पद्य)—क्षेमकरन (मिश्र) कृत। र० का० सं० १९११। वि० रामकथा।
प्रा०—पं० व्रजबिहारी मिश्र कनौजी (बाराबंकी)।→२३-२२७ सी।

रघुराजविनोद (पद्य)—पुरंदर (कवि) कृत। र० का० सं० १९४१। मु० का० सं० १९५६। वि० जयपुर और जोधपुर के राजाओं का यश और विभिन्न पहेली तथा देवताओं का वर्णन।
प्रा०—श्री पुरुषोत्तम उपाध्याय गोलपुरा डा० सेवीबाजार (जौनपुर)। → सं० ४-२६।

रघुराजविलास (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत। लि० का० सं० १९१९। वि० रामचरित के साथ संपूर्ण अवतार वर्णन।
प्रा०—नागरप्रचारिका संग्रहालय इलाहाबाद।→४१-२ ८।

रघुराजसिंह (महाराज)—रीवाँ नरेश। जन्म सं० १८८८। राज्यकाल सं० १९११-१९३७। महाराज विश्वनाथसिंह के पुत्र। रामानुजदास के शिष्य। मुकुंदाचार्य से मंत्र दीक्षा ली थी। गोकुलप्रसाद, सुदर्शनदास विश्वनाथ शास्त्री रामचंद्र शास्त्री रसिकप्यारामल्ल रसिकबिहारी गोविंदकिशोर, बालगोविंद और हरिप्रसाद के आश्रयदाता।→ ६-२२७; १२- ८१; २१-१७०।
आनंदांबुनिधि (पद्य)→ ६-१७; २६-३७१ ए।
जगदीशशतक (पद्य)→ ४-८२।
रघुराजविलास (पद्य)→०-४६।

भागवतमाहात्म्य (पद्य)→०३–१८ ।
रघुराज के कवित्तों का संग्रह (पद्य)→३८–११४ ।
रघुराजविलास (पद्य)→४१–२०८ ।
रघुराजसिंह की पदावली (पद्य)→२३–३३० बी ।
रामरसिकावली (पद्य)→०४–८६ ।
रामस्वयंवर (पद्य)→०१–७, २६–३७१ बी ।
रुक्मिणीपरिणय (पद्य)→०६–२१०, २३–३३० ए ।
विनयपत्रिका (पद्य)→००–४६ ।
सुंदरशतक (पद्य)→००–४५, ०६–२३७ ।

रघुराजसिंह की पदावली (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत । वि० राधाकृष्ण विषयक होली आदि की लीलाएँ ।
प्रा०—राजा भगवानबक्ससिंह, अमेठी राज्य (सुलतानपुर) ।→२३–३३० बी ।

रघुराम—नागर ब्राह्मण । अहमदाबाद निवासी । सं० १७५७ के लगभग वर्तमान ।
सभासारनाटक (पद्य)→०६–२३८, १२–१४० ।
टि० 'माधवविलासशतक' इनकी अनुपलब्ध रचना है ।

रघुराम—कायस्थ । ओड़छा (बुंदेलखंड) निवासी । राजा जसवंतसिंह के आश्रित । सं० १७३७ के लगभग वर्तमान ।
कृष्णमोदिका (पद्य)→०६–६८ ।

रघुवंशदीपक (पद्य)—सहजराम कृत । वि० रामकथा ('मानस' के अनुकरण पर) ।
(क) लि० का० सं० १८६१ ।
प्रा०—कुँवर रामेश्वरसिंह, जमींदार, नेरी (सीतापुर) ।→१२–१६३ ।
(ख) लि० का० सं० १६२५ ।
प्रा०—विश्वनाथ पुस्तकालय, ठाकुर गहेश्वरसिंह, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३–३६७ डी ।

रघुवंशवल्लभ (श्रीलाल)—सीताराम के पुत्र । सं० १६१२ के लगभग वर्तमान ।
मनसबोध (पद्य)→२३–३३१, ४१–२७२ ।

रघुवर—कायस्थ । जुगराजपुर (बरेली) के निवासी । सं० १६२६ में वर्तमान ।
प्रेमप्रमोद (पद्य)→४१–२०६ ।

रघुवर—(?)
ग्वालपहेली (पद्य)→सं० ०१–३१६ क ।
द्रौपदी की स्तुति (पद्य)→सं० ०१–३१६ ख ।

रघुवर—दोहाराम के पुत्र । राजा चेतसिंह के दीवान । ऋषिनाथ के आश्रयदाता । → सं० ०८–२३ ।

रघुवर (रघुवरदयाल)—ढकवा ग्राम (मलीहाबाद, लखनऊ) के निवासी । ज्योतिषी ।
कवित्त (पद्य)→सं० ०७–१५६ क ।

भावार्थदीपिका (पद्य)→सं ७-१५६ ख ।

रघुबरकरुणाभरण→ रघुबरकरुणाभरण' (जनकराजकिशोरीशरण कृत) ।

रघुबरकरुणाभरण (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत । वि अलंकार ।

(क) लि का सं १९३ ।

प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→०१-१८१ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) लि का सं १९१ ।

प्रा —बाबू मैथिलीशरण गुप्त चिरगाँव (झाँसी) ।→ ६-११४ एन ।

रघुबरदास—उप रघुबरसखा । जाति के मुराऊ । मिरजापुर (बहराइच) निवासी ।

जन्म सं १८९ । मृत्यु सं १९४३ ।

कृष्णचरितामृतचुंडी (पद्य)→२१-१११ बी ।

कृष्णचरितामृतगीता (पद्य)→२१-१११ सी ।

गुरुपरंपरा (पद्य)→२१-१११ बी ।

धर्मराजगीता (पद्य)→२१-१११ ए ।

प्रेमपारसागर (पद्य)→४१-२१ क, ख ।

वैरागसार (पद्य)→२१-१११ एफ ।

वैधकचिंतामणि (गद्यपद्य)→२१-१११ ई ।

रघुबरदास—कायस्थ । अयोध्या निवासी । सं १९११ के लगभग वर्तमान ।

योगबोध (भाषा) (पद्य)→२१-११२ ।

रघुबरदास—(?)

आत्मविचार (प्रकाश) (पद्य)→१६-७७ ।

रघुबरमंगल→ जानकीमंगल' (गो तुलसीदास कृत) ।

रघुबरशरण—(?)

जानकीजू को मंगलाचरण (पद्य)→०१-१ ६ ए ।

बना (पद्य)→ १-१ ६ बी ।

रामभावेशकवित्त (पद्य)→२१-११४ ।

राममंगलरहस्यमय (पद्य)→१७-१४१ ।

रघुबरशलाका→'रामशलाका' (गो तुलसीदास कृत) ।

रघुबरसखा→'रघुबरदास' ('कृष्णचरितामृतचुंडी' के रचयिता) ।

रघुबरसिंह—कलहंस गोत्र के क्षत्रिय । भजीपुर (बहराइच) के ताल्लुकेदार ।

सं १९ ४ के लगभग वर्तमान ।

चिकित्सामृतवर्धन (पद्य)→२१-११५ ए ।

तुलसीचरित्र (पद्य)→२१-११५ बी ।

बंदीमोचन (पद्य)→२१-११२ ए, बी ।

रघुवरसुत→'बाबूलाल' ('सलूनोपूजन' के रचयिता)।

रजस्वला रोग दोष (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'रजस्वलावैद्यक'। पतितदास कृत।
र० का० सं० १८६०। वि० वैद्यक।
(क) लि० का० स० १६१२।
प्रा०—श्री नारायणदत्त, इटौरा (लखनऊ)।→२६–२६७।
(ख) लि० का० स० १६४८।
प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६–३४६ एच।
(ग) लि० का० स० १६४८।
प्रा०—पं० विष्णुस्वरूप शुक्ल, बसोरा (सीतापुर)।→२६–३४६ आई।
(घ) लि० का० स० १६४८।
प्रा०—श्री कृपाशकर वैद्य, सुलतानपुर, डा० सिधौली (सीतापुर)। → २६–३४६ जे।

रजस्वलावैद्यक या रजस्वलाविधान→'रजस्वला रोग दोष' (पतितदास कृत)।

रज्जब—दादूदयाल जी के शिष्य। आमेर (जयपुर) के निवासी। संभवत. मुसलमान।
स० १७०० के लगभग वर्तमान।
कवित्त (पद्य)→स० ०१–३१७, स० ०७–१६० क, स० १०–१११।
छप्पय (पद्य)→१७–१४२।
फुटकर साखी और कायाबेली (पद्य)→४१–२११।
सर्वंगी (पद्य)→स० ०७–१६० ख, ग, घ।
सवइया मेट का (पद्य)→स० ०७–१६० ङ।

रज्जबजी का कवित्त→'कवित्त' (रज्जब कृत)।

रणजीत—सभवत स्वा० चरणदास।
नासिकेतोपाख्यान (पद्य)→स० ०१–३१६।

रणजीत—'चरणदास (स्वामी)'।

रणजीतसिंह—ढढेर क्षत्री। अनिरुद्धसिंह के पुत्र। पचमपुर निवासी। स० १६०० के लगभग वर्तमान।
कलाभास्कर (पद्य)→०६–१०२।

रणजीतसिंह (महाराज)—पजाब के प्रसिद्ध सिक्ख महाराज। चरणसिंह के पौत्र। खगसिंह के पिता। स० १८३७ में जन्म। स० १८६६ में मृत्यु।
धर्मादर्श (पद्य)→२६–३६७।

रणजोरसिंह—बुदेलखड निवासी। हरिभान (भान) के आश्रयदाता। स० १६१२ के पूर्व वर्तमान।→२३–१५२।

रणधीरसिंह (राजा)—सिंगरामऊ (जौनपुर) के राजा। स० १८६४ के लगभग वर्तमान।

काव्यरत्नाकर (गद्यपद्य)→०१-११६ बी २१-१५२ बी।

पिंगलनामाख्य (पद्य)→ १-११६ ए, २१-१५२ सी सं १-११८।

भूपकौमुदी (गद्यपद्य)→२१-१५२ ए।

शालिहोत्र (गद्यपद्य)→२०-१६१।

रणभूपण (पद्य)—ईश्वरनाथ (सर्मा) कृत। र का सं १८२८। लि का सं १८७८। वि शकुनविचार।

प्रा०—पं शत्रुघ्न तिर्कंवरपुर डा सिसैया (बहराइच)।→२१-१७४।

रणविजय बहादुरसिंह—पूरा नाम महाराज कुमार दीवान रणविजय बहादुरसिंह।

विक्रमनाटक (गद्य)→सं ४-११८।

रणसागर (पद्य)—पलीराम कृत। वि महाभारत के सभापर्व का अनुवाद।

प्रा —श्री कमदेव मिश्र तरहैदी डा अगनेर (आगरा)।→२१-२६६ ए।

रतन—(?)

फ्रार्नवलहरी (व्रजमलभ भाषा) (पद्य)→१८-१२६।

रतन—(?)

चूकविवेक (पद्य)→ ४-२ ।

दोहा (पद्य)→ ४-१ १।

बुधचातुरीविचार (पद्य)→ ४-३८।

विष्णुपद (पद्य)→ ४-१ २।

रतन (कवि)→प्रेमराम ('फतेहप्रकाश' के रचयिता।

रतनज्ञान पद्य)—मलूकदास कृत। वि आत्मा और ब्रह्म।

(क) प्रा०—महंत ब्रजनाल जमींदार सिराथू (इलाहाबाद)।→ ९-१८५ बी।

(ख) प्रा०—संग्रहालय हिंदी साहित्य संमेलन इलाहाबाद। → ४१-५३८ (अप्र)।

रतनचंद्रिका (गद्य)—प्रतापसाहि कृत। र का सं १८९१। लि का सं १८९१। वि बिहारी सतसई की टीका।

प्रा —कवि काशीप्रसाद जी चरखारी।→०१-२१ एक।

रतनदास—रामसनेही पंथ के संस्थापक साधु रामचरण के अनुयायी। गुरु का नाम संभवतः परमहंस सुरतेश देव।

बारहमासी (पद्य)→३५-८८।

रतनदास (रत्नदास)—(?)

स्वरोदय (पद्य)→०१-१२ सं ४-११६।

रतनमंजरी (पद्य)—ज्ञान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र का सं १६८७। लि का सं १७०८। वि राजकुमार मधुसूदन और राजकुमारी रतनमंजरी की प्रेमकथा।

प्रा०—हिंदुस्तानी एकेडेमी इलाहाबाद।→सं १-१२६ ग।

रतनमाल (पद्य)—सूजनदास (बाबा) कृत। वि ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं सुखनंदन वाजपेयी डा मानिकपुर (प्रतापगढ़)। →

स० ०४-१६३ ग।

रतनमाला (पद्य)—गोरखनाथ कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७-३६ झ।

रतनरंग—स० १६८२ के पूर्व वर्तमान।

छिताई कथा (पद्य)→४१-२१२।

रतनलाल (जैन)→'बखतावरमल या रतनलाल (जैन)' ('आराधनाकथाकोश' के रचयिता)।

रतनवल्लभ—जैन। स० १७२८ के लगभग वर्तमान।

चद्रलेहा की चौपाई (पद्य)→दि० ३१-७५।

रतनविलास (पद्य)—कालिका (सेठ) कृत। र० का० स० १६१०। लि० का० स० १६१६। वि० सीता स्वयवर वर्णन।

प्रा०—प० गणपति दूबे, नया गाँव, डा० सादरपुर (सीतापुर)।→२६-२१६।

रतनसागर (पद्य)—तुलसीदास (साहिब) कृत। वि० आत्म और ब्रह्म ज्ञान।

(क) प्रा०—श्री धर्मपाल बोहरे, सलीमपुर, डा० सादाबाद (मथुरा)। → ३२-२२२ ए।

(ख) प्रा०—श्री शातिस्वरूप, राष्ट्रीय पाठशाला, किरावली (आगरा)। → ३२-२२२ बी।

रतनहजारा (पद्य)—पृथ्वीसिंह (राजा) उप० रसनिधि कृत। वि० प्रेम विषयक १००० दोहे।

(क) लि० का० स० १८६४।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-६४।

(ख) लि० का० स० १६०८।

प्रा०—श्री गुमानसिंह, सूपा, डा० कुलपहाड़ (हमीरपुर)।→२६-४०२।

रतनहरि (रत्नहरि)—स० १८६६ के लगभग वर्तमान।

ब्रह्मरहस्य (पद्य)→सं० ०४-३२०।

रतना (रत्न) हमीर की वात—उत्तमचद (भंडारी) कृत।→०१-६६ (चार), ०२-१८ (तीन)।

रतनू वीरभाण—जोधपुर नरेश महाराज अभयसिंह के आश्रित। करणीदान के समकालीन। स० १७६१ के लगभग वर्तमान। विविध कवि कृत 'शकरपच्चीसी' में इनकी रचनाएँ सगृहीत हैं।→०२-७२ (आठ)।

रतनेश—बुदेलखंड निवासी। मि० वि० के अनुसार सं० १६७८ के लगभग वर्तमान।

कांताभूषण (पद्य)→२०-१५५।

रतिभान—पिता का नाम परशुराम। मध्यप्रदेश के इटौरा ग्राम के निवासी। प्रणामी पथ के सस्थापक सतगुरु रोपन के अनुयायी। स० १६८८ के लगभग वर्तमान।

जैमिनीपराण (पद्य)→२६-२६५ ए. बी।

रतिमंजरी (पद्य)—तोषनिधि (तोष कृत । र का सं १७९४ । लि का सं १८४१ । वि कोकशास्त्र ।
प्रा —पं बच्चूलाल मह महापात्र असनी (फतेहपुर) ।→२०–१६६ ।

रतिमंजरीलीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत । वि राधाकृष्ण का विहार ।
(क) प्रा —बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय चौखंभा वाराणसी । → –११ (डी) ।
(ख) प्रा —पं पुन्नीलाल वैद्य दंडपाणि की गली वाराणसी ।→०९–७१ एल ।

रतिरंगलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । र का सं १७४६ । वि राधाकृष्ण की क्रीड़ा ।
प्रा —बाबा संतदास राधावल्लभ का मंदिर वृंदावन (मथुरा) । → १२–१५४ बी ।

रतिरहस्य (गद्य)—श्रीरमानुदेव कृत । वि कामशास्त्र ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ४ १६६ ।

रतिराम—हरिदेव के पिता । सं १८५२ के पूर्व वर्तमान ।→१७–७२ २९ २६६ ।
रि को वि २९–२६६ में रतिराम को 'नैनप्रमाननिधि' का रचयिता माना गया है । पर वास्तव में ग्रंथ हरिदेव कृत है ।

रतिविनोद (भाष्य)→ रसविनोद (ब्रह्मदत्त ताहिर कृत) ।

रतिविनोद रस चंद्रिका→'रसचंद्रोदय (उदयनाथ कवींद्र कृत) ।

रतिविहार (पद्य)—ध्रुवदास (?) कृत । वि राधाकृष्ण विहार ।
प्रा —पं वर्धमान चोबेरा का बाजार (मथुरा) ।→१८–४२ ए ।

रत्न (द्विज)—(?)
गणेशस्तोत्र (पद्य)→ १–१२१ ।

रत्न (मट्ट)—तैलंग ब्राह्मण । कृष्ण भट्ट के पुत्र । नरवर (ग्वालियर) निवासी । मोहनलाल के शिष्य ।
सामुद्रिक (पद्य)→०१–११६ ।

रत्नकरंड (वचनिका सहित) (गद्य)—पन्नालाल कृत । र का सं १९११ । वि जैन धर्मानुसार ज्ञानोपदेश ।
प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर, चौपटियागंज डाटपटी मोहल्ला लखनऊ ।→सं ४–१२८ ।

रत्नकरंड श्रावकाचार (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि श्रावकों के लिये योग्य आचरणों का उपदेश ।
प्रा —श्री दिगंबर जैन पंचायती मंदिर मुजफ्फरनगर ।→सं १०–१०४ ।

रत्नकरंड श्रावकाचार की देशभाषा मय वचनिका (गद्य)—सदासुखलाल (जैन) कृत । र का सं १९१९–२ । वि जैन धर्मानुसार श्रावकों के लिये विहित कर्मों का निर्देश ।
(क) लि का सं १९२४ ।
खो ह वि १७ (११ ०–५४)

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, श्रामूपुरा, मुजफ्फरनगर। →
स० १०–१२७ न।

(ख) लि० का० सं० १९५३।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर श्रामूपुरा, मुजफ्फरनगर। →
स० १०–१२८ छ।

(ग) लि० का० स० १९५८।
प्रा०—श्री ऋषभदास जैन, महोना, डा० इटौंजा (लखनऊ)।→२६–३००।

रत्नकुँवरि—शिवप्रसाद सितारेहिंद की पितामही। काशी निवासिनी। संस्कृत और फारसी की विदुषी। स० १८४४ के लगभग वर्तमान।
प्रेमरत्न (पद्य)→०६–२८७, २३–३५६, २६–३६७ ए बी ४१–२१३, स० ०७–१६१।

रत्नज्ञान (पद्य)—नवलदास (बाबा) कृत। र० का० स० १८३८। लि० का० स० १८५२। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—महंत गुरुप्रसाद, हरगाँव, डा० परवतपुर (सुलतानपुर)।→२३–३०१ बी, स० ०४–१८३ अ।

रत्नत्रयव्रत की कथा (पद्य)—हरिकृष्ण कृत। र० का० स० १८५५। लि० का० स० १९८२। वि० एक पौराणिक कथा।
प्रा०—श्री सुरचंद जैन साधु, नहटौली, डा० चंद्रपुर (आगरा)।→३२–८० बी।

रत्नपरीक्षा (पद्य)—अन्य नाम 'रत्नसागर'। गुरुप्रसाद (गुरुदास) कृत। र० का० स० १७५५। वि० रत्नों का गुण और उनकी पहचान।

(क) लि० का० स० १९३०।
प्रा०—श्री भूरे तमोली, छतरपुर।→०५–२५।

(ख) प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६–३२६ (विवरण अप्राप्त)।

रत्नपाल (भैया)—करौली (राजपूताना) नरेश। देवीदास के आश्रयदाता। स० १७४२ के लगभग वर्तमान।→०२–१, ०६–२७, ०६–२२०, १७–४७, २३–९६, दि० ३१–२५।

रत्नप्रकाश (पद्य)—अन्य नाम 'कृष्णचंद्रिका'। अखैराम कृत। र० का० स० १८११। वि० भागवत की कथा।

(क) लि० का० स० १८७३।
प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा)।→१२–२।

(ख) लि० का० स० १८८३।
प्रा०—पं० पन्नालाल, कठैला, डा० श्री बलदेव (मथुरा)।→३८–१ डी।

रतनबावनी (पद्य)—केशवदास कृत । वि० राजा मधुकर शाहि के पुत्र कुँवर रतनसिंह का अकबर बादशाह की सेना से युद्ध ।
प्रा० —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→०६–२८ बी ।

रतनमंजरीकोश (पद्य)—भगवतसिंह कृत । र० का० सं० १८९१ । लि० का० सं० १८९१ ।
वि० एकाक्षरी कोष ।
प्रा० —महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह भिनगाराज (बहराइच) →२३–१७१ एल ।

रतनमहेश—रतलाम के राजा । इन्होंने जसवंतसिंह और औरंगजेब के युद्ध में अपने प्राण देकर महाराज जसवंतसिंह की रक्षा की थी । सं० १७१५ के लगभग वर्तमान ।
→ ९–१९ ।

रतनमहेशदासोत वचनिका (गद्यपद्य)—जगा जी (खिड़िया) कृत । र० का० सं० १७१६ । लि० का० सं० १८०२ । वि० रतलाम नरेश महाराज रतनमहेश का महाराज जसवंतसिंह की ओर से औरंगजेब का युद्ध में सामना करते हुए बलिदान होना ।
प्रा० —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर ।→ ९–२९ ।

रतनमुहूर्त (पद्य)—हरिप्रसाद (मिश्र) कृत । र० का० सं० १९१९ । वि० ज्योतिष ।
(क) लि० का० सं० १९१५ ।
प्रा० —श्री प्रभातसिंह रईस हरिहरपुर डा० चिलबिला (बहराइच) ।→ २३–१५८ ।
(ख) लि० का० सं० १९५१ ।
प्रा० —पं० जगन्नाथप्रसाद अजगरापुर डा० अजगरा (प्रतापगढ़) । → २६–१०१ ए ।
(ग) प्रा० —पं० रामचरन उपाध्याय कंठीपुर डा० गड़वारा (प्रतापगढ़) ।
→२६–१०१ बी ।

रतनश्रवा (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि० राधाकृष्ण की क्रीड़ा ।
प्रा० —बाबा संतदास राधावल्लभ का मंदिर वृंदावन (मथुरा) । →
१२–१५४ बी ।

रतनसागर (पद्य)—अमानदास कृत । र० का० सं० १९ ९ । वि० वेदांत ।
प्रा० —बाबा साहबदास गणेश मंदिर, भवानीदेवी डा० समाधखमोद (लखनऊ) ।→२६–२ ई ।

रतनसागर→ रत्नपरीक्षा (गुरुप्रसाद कृत) ।

रतनसागर ज्योतिष (पद्य)—अन्य नाम 'बृहस्पतिकांड' । तुलसीदास कृत । र० का० सं० १६ ६ । वि० बृहस्पति ग्रह का द्वादश राशियों का फलाफल वर्णन ।
(क) लि० का० सं० १९३१ ।
प्रा०—डा० रामकिशुनसिंह सुरेरी डा० मारिकपुर (जौनपुर) । →
सं० ४–१४१ ए ।

(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। → ०३-३० ।

(ग) प्रा०—श्री विश्वनाथ दूबे, रेफधारेडीह, डा० मऊ (आजमगढ)। → स० ०१-१४२ ग।

रत्नसाठिका (पद्य)—रामहित (जन) कृत। वि० साठ संवत्सरों के फलाफल का वर्णन।

प्रा०—पं० रामहर्ष, गोंहुग्रा, डा० फैयोला (प्रतापगढ)।→स० ०४-३४५।

रत्नसिंह—चरखारी (बुंदेलखंड) नरेश। राज्यकाल सं० १८८६-१६१७। प्रतापसाहि, भोजराज, गोपाल और घनश्यामदास के आश्रयदाता।→०५-५५, ०६-१५, ०६-३६, ०६-४०, ०६-६१।

विनयपत्रिका की टीका (गद्य)→०६-१०४।

रत्नसिंह—सीतामऊ नरेश राजा राजसिंह के पुत्र। स० १६०० के लगभग वर्तमान।

नटनागरविनोद (पद्य)→०२-१०१।

रत्नसिंह—(?)

विग्रहवर्णन (पद्य)→२६-३६८।

रत्नसिंह—बिजावर (बुंदेलखंड) नरेश। राज्यकाल सं० १८६७-१८८६। प्रयागदास के आश्रयदाता।→०६-२२८।

रत्नसिंह—मैंडू (हाथरस) के राजा। जयजयराम के पिता सेवाराम इनके दीवान थे। →१७-८७।

रत्नसिंह (रतनसिंह)—मीराबाई के पिता। मेड़तिया के राठौर। राव दूदाजी के पुत्र। राव जोधा जी के पौत्र। स० १५७३ के लगभग वर्तमान।→२६-२३१।

रत्नहरि—स० १८६६ के लगभग वर्तमान।

दाशरथि दोहावली (पद्य)→१७-१६२ ए।

दूरादूरार्थ दोहावली (पद्य)→१७-१६२ बी।

यमकदमक दोहावली (पद्य)→१७-१६२ सी।

रामरहस्य (पद्य)→१६-१६२ डी, ई।

रत्नहरि—संभवत 'दाशरथि दोहावली' आदि के रचयिता रत्नहरि। सं० १६१० के लगभग वर्तमान।→१७-१६२।

रामायण (पद्य)→प० २२-६६ ए, बी, सी, डी।

रत्नाकर (पद्य)—वारण (कवि) कृत। र० का० स १७१२। लि० का० स० १८६०। वि० पिंगल और कोष।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-८६।

रत्नावती (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० स० १६६१। लि० का० स० १७८४। वि० अमृतपुरी के राजा जगतराइ के पुत्र मनमोहन और अप्सराओं के राजा सूरजमल की पुत्री रत्नावती की प्रेमकथा।

प्रा —हिंदुस्तानी प्रकादमी इलाहाबाद ।→ह १-१२६ क।

रसावली (पद्य)—भवनप्रताप कृत । र का सं १६९६। लि का सं १६८ ।
वि भक्तारस ।
प्रा —पं परमेश्वरदत्त त्रिपाठी, जगदिशपुर डा इन्हौना (रायबरेली)।
→१५-५ बी ।

रसेरा—चरखारी (बुंदेलखंड) निवासी । प्रतापसाहि के पिता । सं १८८६ के पूर्व
वर्तमान ।→ ५ ४६ ।

रथयात्रा के गीत (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि रथयात्रा का
उत्सव वर्णन ।
प्रा —पं पन्नालाल चतोरा डा राऊबी (मथुरा) ।→१५-२८६ ।

रथलीला (पद्य)—माधोदास कृत । वि जगन्नाथ जी की रथयात्रा का वर्णन ।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश जोधपुर ।→४१-१६९ ।

रमईराम (रमैयाराम)—(?)
रामरहस्य (गद्यपद्य)→४१ २१४ ।

रमजानमामा (पद्य)—इलाहीबक्स (रमजान शेख) कृत । वि रमजान मास की
प्रशंसा और माहात्म्य ।
प्रा०—मुहम्मद सुलेमान साहब मुदर्रिस इस्लामिया मकतब शाहजनगर
(प्रतापगढ़) ।→२६-१८४ डी ।

रमजान शेख→इलाहीबक्स (रमजाननामा आदि के रचयिता) ।

रमणविहारी—उप रसवेश । सं १९१४ के पूर्व वर्तमान ।
करुणाष्टक (पद्य)→२१-१८८ ए ।
राममहलीला (पद्य)→२६-१८८ बी सी ।

रमवेश→ रमणविहारी (करुणाष्टक के रचयिता) ।

रमताराम— ?)
गंगाष्टक (गंगाजी की स्तुति) (पद्य)→सं १-१२ ।

रमनदास—(?)
मकमाहात्म्य (पद्य)→४१-२१५ ।

रमयोज—(?)
बारहखड़ी (पद्य)→सं १-१२१ ।

रमल (पद्य)—पंडितदास कृत । लि का सं १६४८ । वि रमल ज्योतिष ।
प्रा —महाराज श्रीप्रकाशसिंह, मक्खौंपुर (सीतापुर) ।→२६-३४६ के ।

रमल (पद्य)—नवमन कृत । र का सन् १२२१ हिजरी । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —श्री रामस्वरूप पांडेय अर्जुन पंडितपुरा डा लाला बाजार (प्रतापगढ़) ।
→सं ४ २१४ ।

रमल (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १८६० । वि० ज्योतिष ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-४०१ ।

रमल (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्योतिष ।
प्रा०—प० भागीरथीप्रसाद, उसफा, डा० फोढौर (प्रतापगढ)। → २६-८० (परि०३) ।

रमल (भाषा) (गद्य)—यमुनाचार्य कृत । लि० का० सं० १६१० । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा) ।→२०-२०७ ।

रमलजातक (पद्य)—अन्य नाम 'रमलसहिता' और 'रमलार्णव' । ओरीलाल (शर्मा) कृत । वि० रमल ज्योतिष ।
(क) लि० का० स० १६५७ ।
प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद ज्योतिषी, सागर गेट, झाँसी ।→०६-२१८ ।
(ख)→प० २२-७६ ।

रमल नवरत्न दर्पण (गद्य)—दत्तराम (माथुर) कृत । र० का० स० १६१२ । लि० का० स० १६४८ । वि० शकुन विचार (सस्कृत से अनूदित) ।
प्रा०—प० श्यामाचरण ज्योतिषी, द्वारा श्री आदित्यप्रसाद पांडे, कर्णौदिया, डा० डलियाँ (मिरजापुर) ।→२६-६२ डी ।

रमलप्रकाश (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० रमल ।
प्रा०—सेठ अमृतलाल गुलजारीलाल, फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६-४६३ ।

रमलप्रश्न (पद्य)—धौंकलसिंह कृत । लि० का० स० १६१८ । वि० रमल ।
प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-५० ।

रमलप्रश्न (पद्य)—अन्य नाम 'शिवशक्ति रमल विचार' । भगवानदास कृत । वि० रमल ।
(क) लि० का० स० १८६६ ।
प्रा०—श्री लक्ष्मीशकर वाजपेयी, व्यवस्थापक, अमेठी राज्य (सुलतानपुर) ।→ स० ०१-२५० ।
(ख) लि० का० स० १६१६ ।
प्रा०—मास्टर भानुकिशोर जी, कटरा साहब खाँ, इटावा ।→३५-११ सी ।
(ग) प्रा०—पं० महादेवप्रसाद, जसवंतनगर (इटावा) ।→३५-११ ए ।
(घ) प्रा०—प० रामप्रसाद, बकेवर (इटावा) ।→३५-११ बी ।

रमलप्रश्न (पद्य)—राघवदास कृत । लि० का० स १८१७ । वि० रमल ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०४-३२१ ।

रमलप्रश्न (गद्य)—राममजन (त्रिपाठी) कृत । लि० का० स० १६४८ । वि० रमल ।
प्रा०—श्री गौरीशंकर त्रिपाठी, कोथराखुर्द, डा० चाँदा (सुलतानपुर) । → स० ०४-३३८ ।

रमलप्रश्न (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० रमल ।

प्रा —श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई →२६–८१ (परि १)।

रमलप्रश्नावली (पद्य)—प्रयागदेव कृत। लि का सं १९१२। वि रमल ज्योतिष।
प्रा —श्री रामप्रसाद मुराऊ पुरवा निभामदास डा परियावाँ (प्रतापगढ़)। →२६–४ ८।

रमलविचार (पद्य)—कोविद (चंद्रमणि मिश्र) कृत। लि का सं १९३१। वि रमल ज्योतिष।
प्रा —श्री गंगाविष्णु ज्योतिषी चंवर (उन्नाव)।→२६–२४३।

रमलशकुनावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि रमल।
प्रा —पं कालिकाप्रसाद भट्ट, तकरौली डा मोहनगंज (प्रतापगढ़)। → २६–८२ (परि १)।

रमलशास्त्र (भाषा) (गद्य)— गोपाल कृत। लि का सं १९३१। वि रमल। २ –१२ ए।

रमलसंहिता→'रमलशास्त्र (गौरीलाल शर्मा कृत)।

रमलसगुन (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि रमल ज्योतिष।
प्रा०—पं मातादीनप्रसाद, उत्तरा, डा कोहोर (प्रतापगढ़)। → २६–८३ (परि १)।

रमलसगुन (पोथी) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि रमल।
प्रा —पं श्यामसुंदर पांडे, बाबनपुर डा पट्टी (प्रतापगढ़)। → २६–८१ (परि १)।

रमलसार (पद्य)—गंगाराम (गंगाराम मिश्र) कृत। लि का सं १९११। वि रमल।
प्रा —श्रीमती महंतिनी लक्ष्मणदासी कुटी बाबा श्यामदास डा कंगेसरगंज (सुलतानपुर)।→२६–११५।

रमलसार→'रमलप्रश्न (भगवानदास कृत)।

रमलसार प्रश्नावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १९१६। वि शुभाशुभ प्रश्न विचार।
प्रा —पं शिवरतन पांडे रामनगर डा मिसरिख (सीतापुर)। → २६–८४ (परि १)।

रमलसार प्रश्नावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १९२७। वि रमल।
प्रा —श्री श्यामसुंदर अग्रवाल कमालैर (आगरा)।→२६–४४४।

रमलसार प्रश्नावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १९३६। वि रमल।
प्रा०—श्री लखेरीराम अग्रवाल बर्रई, डा वोंदपुर (आगरा)।→२६–४४५।

रमलसारप्रश्नावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि रमल ज्योतिष।
प्रा —रामकली स्व पं वैजनाथ सिरसौरी डा गड़वारा (प्रतापगढ़)।→ २६–८४ (परि १)।

रमलसार फलनामा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० रमल ज्योतिष ।
प्रा०—श्री ताराचंद मुनीम, द्वारा मेसर्स महादेवप्रसाद मुरलीधर, शिरसागंज, (मैनपुरी) ।→२६-८५ (परि० ३) ।

रमलार्णव→'रमलताजक' (ओरीलाल शर्मा कृत) ।

रमाकांत (नेपाली)—(?)
मदनचक्रवर्ती (गद्य)→२०-१४६ ।

रमैणी (गद्य)—हरिदास कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १७७१ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी →सं० १०-१४४ ख ।
(ख) लि० का० सं० १८७२ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७ २१० ग ।

रमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत । र० का० सं० १४५७ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १७७१ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-६ ग ।
(ख) लि० का० सं० १७६७ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-११ त ।
(ग) लि० का० सं० १६४१ ।
प्रा०—श्री सतान मुराऊ, अयरिया, डा० पिपरी (बहराइच) ।→२३-१६८ एम ।
(घ) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-१७७ ई (विवरण अप्राप्त) ।
(ङ) प्रा०—श्री बाँकेलाल शर्मा, हुडावाला मुहल्ला, फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६-१७८ ओ ।

रमैनी (पद्य)—यारीसाहब कृत । लि० का० सं० १८६७ । वि० आत्मज्ञान ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२०५ ख ।

रमैया—वाराणसी (बनारस) निवासी साधु । २०वीं शताब्दी में वर्तमान ।
रमैया की कविता (पद्य)→०४-१ ८, ०४-११० ।
रमैया के कवित्त (पद्य)→०४-१०६ ।

रमैया की कविता (पद्य)—रमैया कृत । वि० रामनाम माहात्म्य और उपदेश ।
(क) लि० का० सं० १६१३ ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-११० ।
(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । →००-१०८ ।

रमैया के कवित्त (पद्य)—रमैया कृत । वि० भजन और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-१०६ ।

रवि कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि कौडिन्य के पुत्र रवि की कथा तथा पारश नाथ की भक्ति का उपदेश।
प्रा —पं रामस्वरूप मिश्र मंडित का पुरवा डा संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़)।→ २६–८६ (परि १)।

रविदास→ रैदास (भक्ति मत)।

रविदेव→'रघुवरसिंह (बंदीमोचन आदि के रचयिता)।

रविव्रत कथा (पद्य)—गुणाधर कृत। वि रविवार के व्रत का माहात्म्य।
प्रा —श्री ज्ञानचंद जैन मुड़ियापुरा डा फिरावली (आगरा)।→१२–७ ।

रविव्रत कथा (पद्य)—सुरेंद्रकीर्ति कृत। र का सं १७४ । लि का सं १६६५।
वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–४२ ।

रसकौमुदी—नसीरशाह कृत। लि का सं १७०८। वि वैद्यक।→पं २२–७४।

रसकंद (पद्य)—मान्य कृत। वि नायिकाभेद।
प्रा —पं शिवचरनलाल कालपी (जालौन)।→०९–२६१।

रसकदंबचूड़ामणि (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। र० का सं १७५१।
लि का सं १६४१। वि देवताओं के स्वरूप तथा स्थान।
प्रा —गो गिरधरलाल जी हर्षमंडि झाँसी।→ ६–२६१।

रसकल्लोल (पद्य —करन (भट्ट) कृत। वि रस ध्वनि भेद आदि।
(क) लि का सं १ ६७।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४–२६।
(इस पुस्तकालय में सं १८५८ और १८६ की दो प्रतियाँ और हैं)।
(ख) लि का सं १८८५।
प्रा —ठा मौनिहालसिंह सेंगर रईस काँथा (उन्नाव)→२३–२ ४ ए।
(ग) लि का सं १८८ ।
प्रा०—सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७–६९।
(घ) लि का सं १८८ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→२३–२ ४ बी।

रसकल्लोल (पद्य)—चंदन कृत। वि रस निरूपण।
प्रा —कुँवर विश्वपतिसिंह जमींदार बहगवाँ (सीतापुर)।→२२–१४ एफ।

रसकल्लोल (पद्य)—तुलसीदास कृत। र का सं १७११। लि का सं १६२२।
वि नवरस।
प्रा —लाला परमानंद, पुरानी टेहरी टीकमगढ़।→ ६–११६ ए (विवरण अप्राप्त)।

रसकल्लोल (पद्य)—शंभुनाथ (मिश्र) कृत। वि नायिकाभेद।
(क) प्रा —गो राधाचरण वृंदावन (मथुरा)।→१२–१६५।
को

(ख) प्रा०—पं० रामप्रताप दूबे, गोपालपुर, डा० असनी (फतेहपुर)।→ २०-१७२ ए।

रसकवित्त (पद्य)—आलम और शेख कृत। लि० का० स० १७६१। वि० भक्ति और शृंगार।

प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, हाईजीन इस्टीच्यूट, मेडिकल कालेज, लखनऊ। →स० ०४-१५ ग।

रस के पद (पद्य)—व्यास कृत। वि० श्रीकृष्ण लीला।

(क) लि० का० स० १६१५।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६-११८ बी।

(ख) प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→४१-२५६ ख।

रस के पद (पद्य)—हरिदास (स्वामी) कृत। वि० राधाकृष्ण का शृंगार।

प्रा०—श्री रेवतीराम चतुर्वेदी, दुली, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-१४० डी।

रसकेलिवल्ली →'आनदघन के कवित्त' (आनदघन कृत)।

रसकोष (ग्रंथ) (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० स० १६७६। लि० का० स १७७७। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→स० ०१-१२६ छ।

रसकौमुदी (पद्य) –कृष्णचैतन्य देव कृत। लि० का० स० १६३४। वि० कृष्णराधिका प्रेम एव नखशिख वर्णन।

प्रा०—पं० दीनदयाल, गौशालपुर, डा० बिस्वा (सीतापुर)।→२३-२१७।

रसकौमुदी (पद्य)—हरिदास कृत। र० का० स० १८६७। वि० काव्यांग, नायिकाभेद आदि।

(क) प्रा०—लाला जानकीप्रसाद, छतरपुर।→०५-६५।

(ख) प्रा०—कुँवर महमसिंह, गौरहार।→०६-४६ ए।

रसखान—शाही खानदान के एक पठान सरदार। अनतर गोसाँई विट्ठलनाथ जी के शिष्य हो गए थे। उच्चकोटि के कवि। र० का० स० १६४० के लगभग।

कवित्त (पद्य)→४१-२१६ क।

दानलीला (पद्य)→४१-२१६ ख।

रसखान संग्रह (पद्य)→३२-१८५, ३५-८४।

सवैया (पद्य)→२३-३५५।

रसखान संग्रह (पद्य)—अन्य नाम 'ककहरा रसखान'। रसखान कृत। वि० शृंगार।

(क) प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२-१८५।

(ख) प्रा०—श्री दुर्गाप्रसाद भट्ट, लाल दरवाजा, मथुरा।→३५-८४।

रसगाहक→'नसरुल्लाखाँ' (सूरति मिश्र के आश्रयदाता)।

रसगाहकचंद्रिका (पद्य)—अन्य नाम 'जोरावरप्रकाश' और 'रसिकप्रिया की टीका'।

हाति (मिश्र) कृत। र का सं १७६१। वि केशव कृत रसिकप्रिया की टीका।

(क) लि का सं० १७६१।

प्रा —श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→ ११-४७४ बी।

(ख) लि का सं १८४२।

प्रा०—पं महावीर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़।→०६-११४ ए।

(ग) लि का सं १८६६।

प्रा —भरतपुरनरेश का पुस्तकालय भरतपुर।→०६-२४३ ए (विवरण अप्राप्त)।

(घ) लि का सं १८८०।

प्रा —लाला विद्याधर, हरिपुरा (दतिया)।→ ६-२४३ बी (विवरण अप्राप्त)।

(ङ) लि का सं १६३८।

प्रा —श्री रमणलाल हरिचंद चौधरी बाजार कोसी (मथुरा)।→१७-१५८ ए।

(च) प्रा०—ठा हनुमानप्रसाद गोयनी, ग्रा मैदीपुर (उन्नाव)। → ११ ४७४ एफ।

(छ)→पं २२-१ ६।

रसचंद—चतुर्भुज कवि कृत 'कवित्त' और विविध कवि कृत 'शंकरपच्चीसी' में इनकी रचनाएँ संग्रहीत हैं।→ २-५८ (दो) १-७१ (एफ)।

रसचंद्रिका (गद्यपद्य)—ईसवीखाँ (मवाय) कृत। र का सं १८०६। वि बिहारी सतसई के दोहों का अकारादि क्रम टीका तथा अलंकार निरूपण।

(क) लि का सं १८८८।

प्रा —दैमौर पुस्तकालय अवनजड़ विश्वविद्यालय अलमाड़ा।→सं ४-३।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-१४ क।

(ग) प्रा —रत्नाकर संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१ १४ ख।

रसचंद्रिका (पद्य)—मौहरमल (मदन कवि) कृत। वि नायिकाभेद।

प्रा पं दुर्गादत्त अवस्थी कंपिला (फरुखाबाद)।→१७-११४।

रसचंद्रिका (पद्य)—दौलतराम कृत। वि कृष्ण और शिव की स्तुति।

प्रा०—पं भवानीशंकर याज्ञिक, गोकुल (मथुरा)।→११-४६।

रसचंद्रिका (पद्य)—बालकृष्ण कृत। वि रस वर्णन।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-१४७।

रसचंद्रिका (पद्य)—चंद्रमणि (चंद्रराज) कृत। वि नायिकाभेद के क्रम से बिहारी के दोहों पर कवित्त और सवैये।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-१५६।

रसचंद्रोदय (पद्य)—अन्य नाम 'दर्पविनोद रस चंद्रिका', 'रसदीप (काव्य) पंचविनोद चंद्रिका और 'विनोदचंद्रोदय'। उदयनाथ (कवींद्र कृत। र का सं १७६६ (?)। वि नायिकाभेद।

(क) लि० का० स० १८०४।

प्रा०—रेतू छन्नूलाल जी, गोकुल (मथुरा)।→१२-१६२।

(ख) लि० का० स० १८६०।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-११८।

(ग) लि० का० स० १८६८।

प्रा०—कवि काशीप्रसाद जी, चरखारी।→०६-२८६ (विवरण अप्राप्त)।

(घ) लि० का० स० १६१३।

प्रा०—प० अवधेश पांडे, सँभरिहा पौंडेन की, डा० चरनापुर (बहराइच)।→ २३-४३५ ए।

(ङ) लि० का० स० १६३०।

प्रा०—लाला जानकीप्रसाद, छतरपुर।→०५-३।

(च) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी।→०३-४२, ०४-२८।

(छ) प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)। → २३-६० सी।

(ज) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव)।→२३-४३५ बी।

टि० प्रस्तुत पुस्तक खो० वि० ०३-४२, २३-६० सी पर भ्रम से आश्रयदाता गुरुदत्तसिंह के नाम पर उल्लिखित है।

रसजान→'रसजानिदास' ('भागवत भाषा' के रचयिता)।

रसजानिदास—संभवत प्रियादास के शिष्य। स० १८०७ के लगभग वर्तमान।

भागवत (भाषा) (पद्य)→०१-६४, १२-१५०, २६-२६४ ए से एम तक।

रसतरंग (पद्य)—खुशीलाल कृत। र० का० स० १६२५। लि० का० स० १६४०। वि० शृंगार।

प्रा०—प० विष्णुभरोसे, बहादुरपुर, डा० बेहटागोकुल (हरदोई)।→ ६-१६७।

रसतरंग (पद्य)—सेनापति कृत। र० का० स० १७०७। वि० शृंगार।

प्रा०—श्री माधोराम गोवर्द्धनदास दालवाले, मथुरा।→१२-१७१।

टि० प्रस्तुत पुस्तक संभवत 'कविरत्नाकर' का एक अंश है।

रसतरंगिणी (पद्य)—प्राणनाथ कृत। लि० का० स० १८६५। वि० शृंगार और भगवतप्रेम आदि।

प्रा०—पं० श्रीनारायणप्रसाद, माड़री, डा० तिलियानी (मैनपुरी)।→३२-१६८।

रसतरंगिणी (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नौ रसों का विवेचन।

प्रा०—रत्नाकर संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-४०२।

रसतरंगिनी (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० स० १७१'। लि० का० सं० १७७८। वि० भानुकृत संस्कृत ग्रंथ 'रसतरंगिनी' का अनुवाद।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→स० ०१-१२६ ढ'।

रसतरंगिनी (पद्य)—मुकुंद (शुक्ल) कृत। र का सं १८९१। लि का सं १८९९। वि रस और नायिकाभेद।

प्रा०—महाराज प्रतापसिंह जी मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६-४७५ एफ।

रसदर्पण (पद्य)—वेणीदास कृत। र का सं १८४ । लि का सं १८७५। वि नौ रसों की व्याख्या।

प्रा —पं मथाशंकर याज्ञिक गोकुल (मथुरा)।→१२-१६७ बी।

रसदीप (काव्य)→'रसचंद्रोदय (उदयनाथ 'कवींद्र' कृत)।

रसदीपक (पद्य)—लरगराय कृत। र का सं १७६५। वि रस वर्णन।

प्रा —लाला बद्रीदास वैश्य वृंदावन (मथुरा)।→११-९१ ए।

रसदीपक (पद्य)—मदन (कवि) कृत। र का सं १८८८। लि का सं १८८८। वि रस और नायिकाभेद।

प्रा —लाला भगवानदीन छतरपुर।→ ४-५७।

रसधमार (पद्य)—मुल्लीमुहिम्म खाँ (प्रीतम) कृत। र का सं १७६७। लि का सं १८ । वि शृंगार।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-१ ।

रसनिधि—उपनाम दतियावाले पृथ्वीसिंह। सेहड़ों (सेंहुड़ा ?) के जागीरदार।

बलदेवपदक (पद्य)→सं १-२२१।

रसनिधि→पृथ्वीसिंह (राजा) ('अरिल्लें आदि के रचयिता)।

रसनिधि की अरिल्ल और माँझ→'अरिल्लें (राजा पृथ्वीसिंह कृत)।

रसनिधि की कविता (पद्य)—पृथ्वीसिंह (राजा) उप रसनिधि कृत। वि शृंगार।

प्रा दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→१-६१ एच आई।

रसनिधि के दोहा दोहरा या दोहों का संग्रह→'दोहा' (राजा पृथ्वीसिंह उप रसनिधि कृत)।

रसनिधिसागर (पद्य)—पृथ्वीसिंह (राजा) उप रसनिधि कृत। वि कृष्ण चरित्र।

(क) लि का सं १८११।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ १ ६१ एफ।

(ख) लि का सं १८१४।

प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ १ ६१ बी।

(ग) प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→१- ६ पी।

रसनिरूपण (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि काव्य रस का विवेचन।

प्रा —पं श्रीपतिलाल दूबे अमरौलीअमारा (आमरा)। →२६-८० (परि १)।

रसनिवास (पद्य)—रामसिंह (महाराज) कृत। र का सं १८३६। लि का सं १९१ । वि नायिकाभेद।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→०१-२१७ ए (विवरण अप्राप्य)।

रसपचीसी (पद्य)—रामहरि (चौहरी) कृत। र का सं १८१५। लि का सं १८३५। वि मंदना तथा राधा जी का शृंगार।

—

प्रा०—बाबा वंशीदास, गोविंदकुंड, वृंदावन (मथुरा) ।→२६-२८३ ए ।

रसपद (पद्य)—पीताम्बरदास कृत । वि० राधाकृष्ण की भक्ति ।
प्रा०—श्री हरिश्चन्द्र पटवारी, कोसी (मथुरा) ।→३२-१६५ बी ।

रसपयोधि (पद्य)—टीकाराम कृत । र० का० सं० १८५१ । वि० रस और नायिकाभेद ।
प्रा०—पं० रामनारायण ब्रह्मभट्ट, बिलग्राम (हरदोई) ।→१२-१८८ ।

रसपायनायक (पद्य)—राजसिंह कृत । वि० शृंगार और इतिहास ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-७३ ।

रसपियूषनिधि (पद्य)—सोमनाथ (शशिनाथ) कृत । र० का० सं० १७६४ । वि० पिंगल, रस, अलंकार, और नायिकाभेद आदि ।
(क) लि० का० सं० १८६५ ।
प्रा०—श्री नवनीत चौबे, कविरत्न, मारूगली, मथुरा ।→१७-१७६ एफ ।
(ख) लि० का० सं० १८६७ ।
प्रा०—श्री ब्रजवासीलाल चौबे, विश्रामघाट, मथुरा ।→०६-२९८ ए ।
(ग) लि० का० सं० १९४१ ।
प्रा०—पं० श्यामबिहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ ।→२३-३९९ ए ।
(घ) लि० का० सं० १९४८ ।
प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह तालुकेदार, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→ २३-३९९ बी ।
(ङ)→पं० २२-१०३ ।

रसपुंज—सेवक ब्राह्मण । जोधपुर नरेश अभयसिंह के आश्रित । सं० १७९० के लगभग वर्तमान । जयकृष्ण कवि कृत 'कवित्त' तथा विविध कवि कृत 'शंकरपचीसी' में भी संगृहीत ।→०२-६८ (एफ), ०२-७२ (दो) ।
कवित्त श्रीमाताजी रा (पद्य)→०२ ८१ ।

रसपुंज (पद्य)—सुंदरकुँवरि कृत । र० का० सं० १८३४ । वि० राधाकृष्ण का प्रेम और विलास ।
प्रा०— साधु निर्मलदास, वेरू (जोधपुर) ।→०१-१०१ ।

रसप्रकाश (पद्य)—जगन्नाथ (भट्ट) कृत । वि० नायिकाभेद ।
प्रा०—कवि नवनीत जी चौबे, मथुरा ।→१७-७६ ।

रसप्रक्रिया (गद्य)—बिहारीलाल कृत । लि० का० सं० १८०२ । वि० वैद्यक ।
प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा) ।→२६-५४ ।

रसप्रदोप (गद्य)—प्राणनाथ (भट्ट) [illegible] लि० का० सं० १८८३ । वि० वैद्यक ।
प्रा०—पं० रामजियावन, बिलंद[illegible] [illegible]ग्रा (फतेहपुर) ।→२०-१३० ए ।

रसप्रबोध (प[illegible] -गुलामनबी (रसली[illegible] [illegible]० का० सं० [illegible] । वि० नायिकाभेद[illegible]
(क[illegible] सं० १८९३ ।

प्रा —भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२१–१४ बी ।

(ख) लि का सं १९ ७ ।

प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान धर्मलेखक, (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।
→ ५–११ ।

(ग) लि का सं १९१५ ।

प्रा —ठा त्रिभुवनसिंह सैदापुर का नीलगाँव (सीतापुर) ।→२१–१४ सी ।

(घ) प्रा —लाला कुंदनलाल, बिसावर ।→ ६–१६९ (विवरण अप्राप्त) ।

(ङ) प्रा०—लाला श्रीकंठनाथसिंह, बेनुगावाँ (बस्ती) ।→सं ४–७१ ।

रसमसूम→'फूलचेतनी' (गुरुदास कृत) ।

रसप्रेमपचीसी (पद्य)—प्रेमदास कृत । र का सं १७१५ । वि भगवत्प्रेम का उपदेश ।

प्रा०—ठा बेचूसिंह, उमरा का सिघौली (सीतापुर) ।→२१–२०९ बी ।

रसभस्मो (पद्य)—गणेश कृत । र का सं १८१८ । वि नायिकाभेद ।

(क) लि का सं १९४१ ।

प्रा —पं शिवबिहारीलाल वकील गोलागंज, लखनऊ ।→ ९ ८२ ।

(ख) लि का सं १९४१ ।

प्रा०—पं श्यामबिहारी मिश्र, गोलागंज लखनऊ ।→११–१११ ।

रसबोध (पद्य)—वीर (कवि) कृत । र का सं १९१० । वि महाराज नरेंद्रसिंह (पटियाला नरेश) की प्रशंसा →पं २२–१९ ।

रसभूषण (पद्य)—तुलसीदास कृत । लि का सं १९५२ । वि नवरस ।

प्रा —लाला परमानंद, पुरानी देहरी टीकमगढ़ ।→ ६–११६ (विवरण अप्राप्त) ।

रसभूषण (पद्य)—याकूब खाँ कृत । वि अलंकार और नायिकाभेद ।

(क) लि का सं १८१७ ।

प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६–१४५ (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) लि का सं १९१७ ।

प्रा —लाला माधवप्रसाद, छतरपुर ।→०५–७१ ।

रसभूषण (पद्य)—रामनाथ (वाजपेयी) कृत । वि नायिकाभेद ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (बनारसी) ।→ १ ६१ ।

रसभूषण (पद्य)—शिवप्रसादराय कृत । र का सं १८६९ । लि का सं १८६७ । वि रसालंकार आदि ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६– ९ ।

रसमंजरी—वास्तविक नाम संभवतः नारायणदास ।

भक्तमाल (पद्य)→१२–११२ ।

रसमंजरी (गद्यपद्य)—चिंतामणि कृत । लि का सं १८८५ । वि नायिकाभेद ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२१० (विवरण अप्राप्त) ।

रसमंजरी (पद्य)—दपताचार्य कृत । लि० का० सं० १६३१ । वि० राम जानकी का विहार ।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी) ।→०६–५८ ।

रसमंजरी (पद्य)—ध्रुवदास कृत । वि० राधाकृष्ण की एकांत क्रीड़ा ।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–११७ घ ।

रसमंजरी (पद्य)—नंददास कृत । वि० नायिकाभेद ।

(क) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी ।→०६–२०८ई ।

(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–१७५ ख ।

रसमंजरी (पद्य)—रघुनाथ कृत । वि० नायिकाभेद आदि । (संस्कृत ग्रंथ 'रसमंजरी' का अनुवाद) ।

(क) लि० का० सं० १७४८ ।

प्रा०—ठा० विक्रमसिंह, रायपुर सासन, डा० तौरा (उन्नाव) ।→२६–३६७ ।

(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–३१८ ।

रसमंजरी (पद्य)—रामनिवास (तिवारी) कृत । लि० का० सं० १६१० । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री सोमेश्वरनाथ दूबे, खानपुर (इलाहाबाद) ।→१७–१५३ ।

रसमंजरी (पद्य)—सनेहीराम कृत । लि० का० सं० १६११ । वि० नायिकाभेद ।

प्रा०—राजा साहबबहादुर जी, प्रतापगढ ।→०६–२७५ ।

रसमंजरी (पद्य)—सुबंश (शुक्ल) कृत । र० का० सं० १८६५ । लि० का० सं० १८६६ । वि० नायिकाभेद और रस ।

प्रा०—महाराज श्री प्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६–४७५ ई ।

रसमंजरी (पद्य)—हरिवंश (टंडन) कृत । वि० नायिकाभेद ।

(क) लि० का० सं० १७०६ ।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, श्री गोकुलचंद्रमा जी का मंदिर, कामवन (भरतपुर) ।→३८–६५ ।

(ख) लि० का० सं० १८०७ ।

प्रा०—पं० महावीरप्रसाद, गाजीपुर ।→०६–२५० बी ।

(ग) प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर ।→सं० ०७–२१२ ।

टि० खो० वि० ०६–२५० बी पर रामानंद का उल्लेख भूल से हुआ है ।

रसमंजरी (गद्यपद्य)—हीरालाल (वैश्य) कृत । लि० का० सं० १६१२ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—ठा० जगदंबिकाप्रसादसिंह, गुड़वापुर, डा० चिलबलिया (बहराइच) ।→२३–१६६ बी ।

रसमंजूषा (गद्य)—द्वारिकाप्रसाद (तिवारी) कृत । वि० वैद्यक ।

(क) लि० का० सं० १६०७ ।

प्रा —श्री रामनाथ शर्मा वैद्य मीरपुर का मकबरों (हरदोई)। → २२-२१ बी।

(ख) प्रा —पं रामकिशन मिश्र वैद्य बालामऊ का ताल्लुकदक्षी (लखनऊ)।→२६-६६ ए।

रसमणिका (?)→'रसमालिका (रामचरणदास कृत)।

रसमय ग्रंथ (पद्य)—मनी (कवि) कृत। र का सं १८१७। वि नायिकाभेद।

(क) लि सं १८१८।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर वाराणसी)।→ १-१२१।

(ख) लि का सं १८६६।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४-५२।

रसमसाख (पद्य)—गिरिवर कृत। लि का सं १९३४। वि नायिकाभेद।

प्रा —पं रघुनाथराम गायघाट, वाराणसी।→०९ ६९।

रसमहोदधि (पद्य)—हरिकृष्ण (कृष्णदास) कृत। र का सं १९ ७। लि का सं १९४१। वि गो गिरिधरलाल जी का चरित्र वर्णन।

प्रा —याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-४८।

रसमाला→'जानकीरसिकशरण (अवधविलासागर के रचयिता)।

रसमालिका (पद्य)—रामचरणदास कृत। र का सं १८४४। वि ज्ञान, वैराग्य भक्ति आदि।

(क) लि का सं १८५४।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ १-४४।

(ख) प्रा —महंत जानकीशरण, अयोध्या।→०६-२४५ सी।

(ग) प्रा नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ४-१२७ ख।

(घ) प्रा —ठा शिवबहादुरसिंह सैबसी का शाहमऊ (रायबरेली)। → सं ४-१२७ क।

रसमुक्तावली टीका (पद्य)—मुकुन्ददास कृत। वि राधाकृष्ण की आठों पहर की दिनचर्या।

(क) प्रा —बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय चौखंबा वाराणसी।→० -२।

(ख) प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६ १५९ डी (विवरण अप्राप्त)।

(ग) प्रा —पं चुन्नीलाल वैद्य रंगमाथि की मन्डी वाराणसी। → ९-७१ बी।

(घ) प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१-५ ७ ड (अप्र)।

रसमूल (पद्य)—लाल (कवि) कृत। र का सं १८११। वि नायिकाभेद।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→०१ १११।

रसमृगांक (पद्य)—भानसिंह कृत। र का सं १८६१। लि का सं १८६१। वि रस अलंकार आदि।

खो सं वि २९ (११ ०-९४)

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगाराज (बहराइच) ।→२३-१७६ के ।

समोदक (पद्य)—अक्षधगिरि (कुँवर) कृत । र० का० स० १६०५ । लि० का० स० १६०५ । वि० नायिकाभेद ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक, छतरपुर । → ०५-३२ ।

रसरंग (पद्य)—काह्न (कवि) कृत । र० का० स० १८०२ । वि० नायिकाभेद ।

(क) लि० का० स० १८८१ ।

प्रा०—श्री अद्वैतचरण गोस्वामी, घेरा, श्रीराधारमण जी, वृंदावन (मथुरा) ।→ २६-१८३ ।

(ख) लि० का० स० १८६८ ।

प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२-१०७ ए ।

(ग) लि० का० स० १८६८ ।

प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, प्रान्ति० हाइजीन इंस्टीच्यूट, मेडिकल कालेज, लखनऊ ।→स० ०४-२८ ।

रसरंग (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत । र० का० स० १६०४ । वि० रस और नायिकाभेद ।

(क) लि० का० स० १६२२ ।

प्रा०—सेठ कन्हैयालाल पोद्दार, मथुरा ।→३२-७३ डी ।

(ख) लि० का० स० १६५४ ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक, छतरपुर । → ०१-११ ।

रसरंग (पद्य)—हिम्मतबहादुर नरेंद्रगिरि कृत । र० का० स० १८७४ । लि० का० स० १६०१ । वि० रस वर्णन ।

प्रा०—श्री लखपतराय श्रीवास्तव, कायस्थ पुस्तकालय, मल्हौसी (इटावा) । →स० १०-१४६ ।

रसरंगनायिका→'रसरंग' (काह्न कवि कृत) ।

रसरंजन (पद्य)—शिवनाथ (द्विवेदी) कृत । र० का० स० १८४० । वि० नायिकाभेद ।

(क) लि० का० स० १८४६ ।

प्रा०—श्री रामनारायण पटवारी, हरपुर, डा० बारहद्वारी (एटा) ।→२६-३११ ।

(ख) लि० का० स० १८४६ ।

प्रा०—संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→४१-२६४ (अप्र०) ।

(ग) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, काँथा (उन्नाव) ।→२३-३६३ बी ।

(घ) प्रा०—ठा० विक्रमसिंह, टहवा, डा० हदामऊ (उन्नाव) ।→२६-४४६ ए ।

(ङ) प्रा०—ठा० रामनारायणसिंह, चाँदपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) ।→ २६-४४६ बी ।

(घ) प्रा —श्री देवीप्रसाद शास्त्री सकरिया डा महोली (सीतापुर)।→ २६-४४९ सी।

(ङ) प्रा —पं मन्नीलाल तिवारी गयाप्रसाद डा मिश्रिख (सीतापुर)। → २६-४४९ डी।

(च) प्रा —श्री रामसरोवरसिंह सुलतानपुर डा राजेपुर (उन्नाव)। → २६-४४९ ई।

रसरतन (पद्य)—पुहकर (पोहकर) कृत। र का सं १६७१ (१६७५)। वि विजयपाल की कन्या रंभावती और सूरसेन की कथा।

(क) लि का सं १८६५।

प्रा —श्री हनुमत जी मिरदहा चरखारी। १-२ ८ (विवरण अप्राप्त)।

(ख) लि का सं १ ६२।

प्रा —दीवान रघुवीरसिंह जी छतरपुर।→ ६-४८।

(ग) लि का सं १८८२।

प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास टंडन जी प एम एल बी वकील, इलाहाबाद।→ १७-१४।

(घ) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी →२०-१२८।

(ङ)→पं २२-८४।

रसरत्न (पद्य)—भूपति (गुरुदत्तसिंह) कृत। र का सं १७८८। वि रस अलंकार आदि।

(क) लि का सं १८६४।

प्रा —महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगाराज (बहराइच)।→२१-६ बी।

(ख) प्रा —श्री शिवकुमार द्विवेदी, धनगढ़ रियासत (प्रतापगढ़)। → सं ४-२६८।

रसरत्न (पद्य)—साकार कृत। वि अलंकार रस और काव्य विवेचन।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ४-४ ७।

रसरत्न (पद्य)—अन्य नाम रसरत्नमाला और रसरत्नाकर। सुरति (मिश्र) कृत। र का सं १७६८। वि शृंगार रस।

(क) लि का सं १८६१।

प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २-६६।

(ख) लि का सं १८८७।

प्रा०—श्री देवकरण जोधपुर २-०१-८९।

(ग) लि का सं १६१६।

प्रा —पं कृष्णबिहारी मिश्र मंगार्लीज माइल हाउस लखनऊ। → २६-४७४ एच।

(घ) लि० का० सं० १६४० ।

प्रा०—पं० कन्हैयालाल महापात्र, असनी (फतेहपुर) ।→२०-१६० ।

(ङ) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-२४३ बी (विवरण अप्राप्त) ।

रसरत्नमंजरी (पद्य)—प्रियासखी (जानकीचरण) कृत । वि० राम जानकी का विहार ।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी) ।→०६-२३२ ।

रसरत्नमाला→'रसरत्न' (सूरति मिश्र कृत) ।

रसरत्नाकर (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत । लि० का० सं० १८८१ । वि० नायिकाभेद ।

प्रा०—श्री नागेश्वरबख्शप्रमोद, नुनरा, लाम्हा (सुलतानपुर) ।→२३-८६ बी ।

रसरत्नाकर (पद्य)—निंब (कवि) कृत । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री नौबतराम गुलजारीलाल, फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६-२५२ ए ।

रसरत्नाकर (पद्य)—नित्यनाथ कृत । वि० तंत्र मंत्र ।

(क) लि० का० सं० १६१५ ।

प्रा०—पं० रामसेवक मिश्र, मीरकनगर, डा० निगोहाँ (लखनऊ) । → २६-२५५ सी ।

(ख) लि० का० सं० १६१६ ।

प्रा०—श्री रेवतीराम शर्मा, कमतरी (आगरा) ।→२६-२५५ डी ।

(ग) लि० का० सं० १६१६ ।

प्रा०—पं० सोहनलाल शर्मा, नगला अनिया, डा० करहल (मैनपुरी) ।→ दि० ३१-६३ बी ।

रसरत्नाकर (गद्यपद्य)—निरमल (कवि) कृत । र० का० सं० १७७३ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री रामधारी चौबे, पैना, डा० बरहज (गोरखपुर) ।→सं० ०१-१६५ ।

रसरत्नाकर (पद्य)—मौन (कवि) कृत । र० का० सं० १८६१ । वि० नायिकाभेद और नवरस ।

(क) लि० का० सं० १६४१ ।

प्रा०—पं० जुगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर) ।→१२-२२ ।

(ख) लि० का० सं० १६४१ ।

प्रा०—पं० श्यामबिहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ ।→२३-५२ ए ।

(ग) लि० का० सं० १६४१ ।

प्रा०—श्री कृष्णबिहारी मिश्र, ब्रजराजपुस्तकालय, गंधौली (सीतापुर) ।→ सं० ०४-२७२ ।

(घ) प्रा०—ठा० मौलाबख्शसिंह, रजुरी, डा० रानीकटरा (बाराबंकी) ।→ २३-५२ बी ।

रसरत्नाकर—विश्वनाथ कृत । वि वैद्यक ।→पं १२-१ २ ।

रसरत्नाकर (पद्य)—सुखदेव (मिश्र) कृत । लि का सं १८६१ । वि नायिकाभेद और नवरस वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-२६१ ।

रसरत्नाकर (पद्य)—अन्य नाम 'रसरत्नागार' । सैयद पहाड़ कृत । वि वैद्यक ।

(क) लि का सं १६४ ।

प्रा —भिनगानरेश का पुस्तकालय भिनगा (बहराइच) ।→२१-११८ ।

(ख) प्रा —श्री गौरीशंकर कवि दतिया ।→०६-१ ५ बी (विवरण अप्राप्त) ।

(ग) प्रा —पं युगलीलाल वैद्य संकघारिष की गली वाराणसी ।→ ६-२७१ ।

रसरत्नाकर→शिवरूपलाल (गोस्वामी) कृत । वि राधाकृष्ण का विहार ।

प्रा०—गो पुरुषोत्तमलाल मठवंश्या वृंदावन (मथुरा) ।→१२-११८ ब्राई ।

रसरत्नाकर→ रसराज (मुरलि मिश्र कृत) ।

रसरत्नागार→'रसरत्नाकर' (सैयद पहाड़ कृत) ।

रसरत्नावली (पद्य)—मणिमंडन (मंडन) कृत । वि नवरस वर्णन ।

(क) लि का सं १७० ।

प्रा०—बाबा शिवपुरी कश्मीरी मुहल्ला लखनऊ ।→६-२६२ ए ।

(ख) लि का सं १७८८ ।

प्रा —श्री बालकृष्णदास चौखंबा वाराणसी ।→४१-१०६ ।

(ग) लि का सं १८ २ ।

प्रा —पं रघुवीरचरण मिश्र बिल्हौर (कानपुर) ।→२६-२६२ सी ।

(घ) लि का सं १८ ७ ।

प्रा०—श्री रामनरौलेसिंह, मुलतानपुर डा राजेपुर (उन्नाव) ।→२६-२६२ डी ।

(ङ) लि का सं १६२४ ।

प्रा —ठा विश्रामसिंह बारानगरी डा चौखरा (लखीमपुर) । → २६-२६२ ई ।

(च) प्रा —पं गंगाप्रसाद शुक्ल भरनी (फतेहपुर) ।→२ -१ १ ।

(छ) प्रा —पं कमलाकांत त्रिपाठी (रायबरेली) ।→२३-२६५ ।

रसरत्नावली लीला (पद्य)—कृष्णदास कृत । वि श्रीकृष्ण राधा विहार ।

(क) प्रा —बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय चौखंबा वाराणसी ।→ -१ ।

(ख) प्रा —पं युगलीलाल वैद्य संकघारिष की गली वाराणसी ।→ ६-७१ क्यू ।

रससारार्णव→'मरदानरसार्णव' (सुखदेव मिश्र कृत) ।

रसरहस्य (पद्य)—कुलपति (मिश्र) कृत । र का सं १७२७ । वि काव्यांग वर्णन ।

(क) लि का सं १८६ ।

प्रा —डा वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय काशी हिंदू विश्व विद्यालय वाराणसी ।→सं ७ १६ ।

(ख) लि० का० स० १६३५ ।

प्रा०—लाला मुन्नीलाल रामप्रसाद, कसेरा बाजार, नवाबगंज, बाराबंकी । → २३–२२८ ए ।

(ग) लि० का० स० १६४४ ।

प्रा०—पं० कृष्णबिहारी मिश्र, संपादक 'समालोचक' लखनऊ ।→२३–२२८ बी ।

(घ) लि० का० स० १६४८ ।

प्रा०—पं० कृष्णबिहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ ।→२६–२५० ए ।

(ङ) लि० का० स० १६५२ ।

प्रा०—प्रतापगढनरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ ।→२६–२५० बी ।

(च) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । → ०३–५१ ।

(छ) प्रा०—श्री शिवलाल बाजपेयी, पं० कन्हैयालाल महापात्र भट्ट, असनी (फतेहपुर) ।→२०–८६ ए ।

(ज) प्रा०—पं० रूपनाथ पाडे, लक्ष्मण घाट, अयोध्या ।→२०–८६ बी ।

(झ) प्रा०—श्री बाबूलाल, गुरागंज, रायबरेली ।→२३–२२८ सी ।

(ञ) प्रा०—पं० महादेवप्रसाद पाडेय, अध्यापक, हाईस्कूल, प्रतापगढ । → २६–२५० सी ।

(ट)→पं० २२–५७ ।

रसराज (पद्य)—मतिराम कृत । र० का० स० १७०७ । वि० रस और नायिकाभेद ।

(क) लि० का० स० १७८० ।

प्रा०—पं० शशिशेखर शुक्ल कणिजही, शिवलाल राम पडित का पुरवा (इटौंजा पश्चिम), डा० गौरीगंज (सुलतानपुर) ।→२३–२७६ एफ ।

(ख) लि० का० स० १७६० ।

प्रा०—हिंदी साहित्य पुस्तकालय, मौरावाँ (उन्नाव) ।→सं० ०४–२७६ क ।

(ग) लि० का० स० १८०६ ।

प्रा०—श्री नारायण जी, तरमुरारपुर, डा० मौरावाँ (उन्नाव) ।→२६–३०० डी ।

(घ) लि० का० स० १८३४ ।

प्रा०—टा० शिवसिंह, रायमरदी, डा० तबौर (सीतापुर) ।→२६–३०० ई ।

(ङ) लि० का० स० १८४८ ।

प्रा०—श्री ब्रह्मभट्ट नानूराम, जोधपुर ।→०१–६७ ।

(च) लि० का० स० १८५१ ।

प्रा०—श्री शिवबालकराम, कपुरीपुर, डा० करन्हिया (रायबरेली) । → स० ०४–२७६ ख ।

(छ) लि० का० स० १८६० ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१६६ ए (विवरण अप्राप्त ।

(च) लि का सं १८८६।
प्रा —पं रघुनाथप्रसाद चौबे, इटावा।→२१-२७१ बी।
(छ) लि का सं १८८७।
प्रा॰—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय प्रतापगढ़।→२६-१ एफ।
(ज) लि का सं १९
प्रा —पं कृष्णबिहारी मिश्र गंधौली का सिधौली (सीतापुर)। →
२१-२७१ एच।
(ट) लि का सं १९ १।
प्रा —लाला भागवतप्रसाद, रामबापुर का सिसैया (बहराइच)। →
२१-२७१ आई।
(ठ) लि का सं १९२
प्रा —ठा जसकरनसिंह बिजनौर (लखनऊ)।→२६-१ बी।
(ड) लि का सं १९४।
प्रा —ठा हरिवंशसिंह ममरेजपुर का बेनीगंज (हरदोई)।→२६-१ एच।
(ढ) प्रा —बाबू काशीप्रसाद वाराणसी। → ०-८।
(ण) प्रा —पं शिवलाल वाजपेयी असनी (फतेहपुर)।→२०-१ ५ बी।
(त) प्रा —ठा बर्सतसिंह उरवा का शाहमऊ (रायबरेली)। →
२१ २७१ जे।
(थ) प्रा —श्री परमात्माशरण टूयीगा प्रतापगढ़।→२६-१ आई।
(द) प्रा —श्री कृष्णबिहारी मिश्र मामक हाउस लखनऊ।→२६-१ जे।
(ध)→पं २९-४ बी।

रसराज की टीका (गद्यपद्य)—बलदेव कृत। र का सं १८२१। वि मतिराम के 'रसराज' की टीका।
(क) लि का सं १८८३।
प्रा —लाला कुंदनलाल निवासर।→ ६-७।
(ख) लि का सं १९१९।→पं २२-१।

रसराजविलक (गद्यपद्य)—प्रतापसाहि कृत। र का सं १८८६। लि का सं १ ९६। वि मतिराम कृत 'रसराज' की टीका।
प्रा —कवि काशीप्रसाद जी चरखारी → ६-९ बी।

रसरासि—वास्तविक नाम रामनारायण। जयपुर निवासी ब्राह्मण। रामानुज संप्रदाय के अनुयायी। जयपुर नरेश महाराज प्रतापसिंह के दीवान जोरावरसिंह के आश्रित। सं १८२७ के लगभग वर्तमान।
कवित्तरत्नमालिका (पद्य)→ १-९१।
रसिकपचीसी (पद्य)→सं १-१२१।

रसरासिपचीसी→'रसिकपचीसी (रसरासि कृत)।

रसरूप—जन्मकाल सं० १७८८। इन्हें सुकवि की उपाधि मिली थी। संस्कृत और फारसी के विद्वान। सं० १८११ के लगभग कविताकाल।
 उपालंभशतक (पद्य)→०६–२६१, २६–४०३।
 तुलसीभूषण (पद्य)→०४–११, सं० ०९–३२८।
 शिखनख (पद्य)→०५–७६।
रसरूप (पद्य)—सरस्वती कृत। लि० का० सं० १८८६। वि० रसों का वर्णन।
 प्रा०—पं० रामचंद्र सारस्वत, छीतमटोला, बियाना (भरतपुर)।→३८–१३७।
रसललित (पद्य)—केशवराय कृत। वि० नायिकाभेद।
 प्रा०—पं० शिवदुलारे दूबे, हुसेनगंज, फतेहपुर।→०६–१८६।
रसलीन→'गुलामनबी' (बिलग्राम हरदोई निवासी)।
रसलीला (पद्य)—दामोदरदास कृत। वि० राधाकृष्ण का चरित्र।
 प्रा०—गो० किशोरीलाल अधिकारी, बृंदावन (मथुरा)।→१२–४६ आई।
रसवल्ली (पद्य)—गणेश (कवि) कृत। र० का० सं० १८१८। लि० का० सं० १९४१। वि० नायिकाभेद।
 प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, व्रजराज पुस्तकालय, गंधौली (सीतापुर)। → सं० ०४–५६।
रसविनोद (गद्यपद्य)—ताहिर (अहमद) कृत। वि० कामशास्त्र।
 प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२३–१, ४१–४७१ (अप्र०)।
रसविनोद (पद्य)—रामसिंह (महाराज) कृत। र० का० सं० १८६०। वि० नायिकाभेद।
 प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय टीकमगढ।→०६–२१७ बी (विवरण अप्राप्त)।
रसविलास (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत। र० का० सं० १७८३। वि० नायिकाभेद आदि।
 (क) लि० का० सं० १९२१।
 प्रा०—ठा० वीरसिंह, भूदरा, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३–८६ यू।
 (ख) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–७।
रसविलास (पद्य)—पीतांबर कृत। र० का० सं० १७०२। लि० का० सं० १९३४। वि० राधाकृष्ण विहार।
 प्रा०—सिंधी कृष्णसिंह महाजन, गोवर्द्धन (मथुरा)।→१२–१२८।
रसविलास (पद्य)—बेनी (कवि) कृत। र० का० सं० १८७४। वि० रस और नायिकाभेद।
 (क) लि० का० सं० १९५३।
 प्रा०—पं० जुगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर)।→१२ १६।
 (ख) लि० का० सं० १९५३।

प्रा —पं विपिनविहारी मिश्र भ्रकराज पुस्तकालय, गंधौली डा सिधौली (सीतापुर) ।→ ११–१८ ए ।

(ग) लि का सं १८५१ ।

प्रा —श्री कृष्णविहारी मिश्र भ्रकराज पुस्तकालय गंधोली (सीतापुर) । → सं ४–२४१ क ।

रसविवाह मोश्रन (पद्य) – परमानंद (द्विव) कृत । लि का सं १८२१ । वि विवाहोत्सव में मोक्षम के समय के गीत ।

प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६–२ ४ ई (विवरण अप्राप्त) ।

रसविवेक (पद्य)—बलिराम कृत । र का सं १७११ । वि रस काव्य तथा काव्य रचना वर्णन ।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ ४–११ ।

रसविहारलीला पद्य)—भुवदास कृत । वि श्रीकृष्ण विहार ।

(क) लि का सं १८५६ ।

प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→ ६–१५६ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) प्रा —बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय चौखंभा वाराणसी । → –११ (पाँच) ।

(ग) प्रा•—गो गोवर्द्धनलाल राधारमण का मंदिर मिरजापुर । → ६–७१ बाई ।

रसपुंज (गद्यपद्य)—भानु (मिश्र) कृत । र का सं १८५ । वि नायिकाभेद ।

प्रा —महाराज रार्जेद्रबहादुरसिंह मिनगाराज (बहराइच) ।→२१–५ ।

रसपुष्टि (पद्य)—शिवनाथ (द्विवेदी) कृत । वि रस नायिकाभेद आदि ।

(क) प्रा —पं अवधेश पाडेय लमरिहा डा बरमापुर (बहराइच) । → २१ १९३ ए ।

(ख) →पं २१–१ ।

रसशिरोमणि (पद्य)—मनमोहन कृत । वि नायिकाभेद ।

प्रा —पं लक्ष्मणलाल पांडेय श्री एस सी धनूपशहर (बुलंदशहर) ।→ २ १ १ ।

रसशिरोमणि (पद्य)—रामसिंह (महाराज) कृत । र का सं १८१ । वि नायिकाभेद ।

(क) लि का सं १८१९ ।

प्रा —श्री बिहारी जी का मंदिर महावनी टोला इलाहाबाद । → ४१–४५१ ख (अप्र) ।

(ख) प्रा —गो मनोहरलाल वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१४८ बी ।

(ग) प्रा —पं मातादीन मिश्र, शीतलगंजटोला डा सफीपुर (लखनऊ) । →२६–३९६ सी ।

(ङ) प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २-२८।

रससागर (पद्य)—शिवराव (महाराज) कृत। र का सं १८३३। वि नायिकाभेद और नवरस वर्णन।

प्रा —टैगोर पुस्तकालय लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ।→सं ४-१८८ ख

रससागर (पद्य)—सैयद पहाड़ कृत। लि का सं १६१२। वि रसायन।

प्रा —श्री गदाधर दूबे मीरपुर डा ईदिया (इलाहाबाद)।→सं १-४७

रससार (पद्य)—ग्रन्थ नाम ध्यानी। रसिकदास कृत। वि कृष्ण भक्ति।

(क) लि का सं १६३५।

प्रा —महंत भगवानदास उद्धरी स्थान वृंदावन (मथुरा)।→१२-१२४ बी।

(ख) प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान मर्म लेखक, छतरपुर। → ६-२१८ बी (विवरण अप्राप्त)।

(ग) प्रा —श्री हंसबहादुर सिंह बोधीपुर (रायबरेली)।→११-१५७ ए।

रससार→ रससारांश (भिखारीदास कृत)।

रससार (ग्रंथ) (पद्य)—सैयद पहाड़ कृत। लि का सं १८८१। वि वैद्यक।

प्रा —लाला भगवप्रसाद छतरपुर।→ ६-१ ५ सी (विवरण अप्राप्त)।

रससारसंग्रह (पद्य)—प्रेमदास कृत। वि स्वामी ध्रुवदास जी की व्याख्यात लीलाओं (ग्रंथों) के भाव।

प्रा —गो कुलवल्लभ राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)। → १२-१३५।

रससारांश (पद्य)—ग्रन्थ नाम 'रससार'। भिखारीदास (दास) कृत। र का सं १७९१। वि नवरस वर्णन।

(क) लि का सं १८४१।

प्रा—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४-२१।

(ख) लि का सं १८७९।

प्रा —श्री लालताप्रसाद पांडेय सदहा डा रैनीगाराधुर (प्रतापगढ़)। → सं ४ २११ ख।

(ग) लि का सं १८८१।

प्रा —श्री पुरुषोत्तम उपाध्याय शेखपुरा डा तेजीबाजार (जौनपुर)।→ सं ४-२११ ङ।

(घ) लि का सं १६१ ।

प्रा—श्री भक्तपाल त्रिपाठी रामाधारा डा लालगंज (प्रतापगढ़)। → सं ४-२११ क।

(ङ) लि का सं १६११।

प्रा —श्री मनीरामप्रसाद, ठाकुर (प्रतापगढ़)।→२६-४१ के।

(च) लि का सं १६१६।

(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२३० क ।

रसश्रृंगार (पद्य)—भारती कृत । वि० शृंगार रस ।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ ।→०२-११ ।

रसश्रृंगारसमुद्र (पद्य)—वेनीप्रसाद कृत । र० का० सं० १७६५ । लि० का० सं० १८६३ । वि० नायिकाभेद ।
प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा ।→१७-२१ ।

रससंग्रह (पद्य)—मुरलीधर (मिश्र) कृत । र० का० सं० १८१६ । वि० रस और नायिकाभेद ।
(क) लि० का० सं० १८६५ ।
प्रा०—ठा० यदुनाथबक्शसिंह, हरिहरपुर (बहराइच) ।→२३-२८८ सी ।
(ख) लि० का० सं० १८६३ ।
प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगाराज (बहराइच) ।→२३-२८८ डी ।

रससरोज (पद्य)—दामोदरदेव कृत । र० का० सं० १६२३ । वि० अलंकार ।
प्रा०—पं० पीतांबर भट्ट, बानपुर दरवाजा, टीकमगढ ।→०६-२४ ए ।

रससागर (पद्य)—गोपालराय कृत । र० का० सं० १८८७ । वि० नायिकाभेद ।
(क) प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-६२ बी ।
(ख)→पं० २२-३२ सी ।

रससागर (पद्य)—पृथ्वीसिंह (राजा) उप० रसनिधि कृत । लि० का० सं० १८१६ । वि० विनय ।
प्रा०—गो० राधाचरण जी, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१५३ ।

रससागर (पद्य)—अन्य नाम 'दंपतिविलास' । बलवीर कृत । र० का० सं० १७१६ । वि० नायिकाभेद ।
(क) लि० का० सं० १८४७ ।
प्रा०—पं० मन्नीलाल तिवारी गंगापुत्र, मिश्रिख (सीतापुर) ।→२६-३८ सी ।
(ख) लि० का० सं० १८५६ ।
प्रा०—पं० रामभजन मिश्र, चोगाँवा, डा० मल्लाँवाँ (हरदोई) →२६-२२ बी ।
(ग) लि० का० सं० १८७० ।
प्रा०—पं० सुखनंदन बाजपेयी, कुतुबनगर, सीतापुर ।→२३-३४ ए ।
(घ) लि० का० सं० १८८० ।
प्रा०—पं० शिवदयाल ब्रह्मभट्ट, मुहम्मदपुर, डा० वेनीगंज (हरदोई) । → २६-२२ ए ।
(ङ) लि० का० सं० १८८८ ।
प्रा०—ठा० मन्नासिंह, शरबतपुर, डा० कुतुबनगर (सीतापुर) ।→२६-३८ डी ।
(च) लि० का० सं० १८८८ ।
प्रा०—पं० गंगादीन कवि, समरहा, डा० घाटमपुर (उन्नाव) ।→२६-३८ ई ।

(ख) प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१-५ ७ घ (प्रथम)।

(ग) प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग, काँकरोली।→सं १-१०४ च।

रसानंद—भट्ट। गोकुल निवासी। वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी। विट्ठलेश के शिष्य। भरतपुर नरेश महाराज बलवंतसिंह के आश्रित। सं १८८६ के लगभग वर्तमान।

बारहमासी (पद्य)→सं १-१२६ ख।

रासपंचाध्यायी (पद्य)→सं १-१२६ क।

सर्वांगप्रकाश (पद्य)→पं २२-९५, ४१-२१७।

संग्रामरत्नाकर (पद्य)→ ६-२६।

रसानंदलीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत। र का सं १६८५। वि राधाकृष्ण विहार।

(क) प्रा —गो गोवर्द्धनलाल राधारमण का मंदिर मिरजापुर। → ६-७१ ए।

(ख) प्रा —श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग काँकरोली। → सं १-१०४ ड।

रसानुराग (पद्य)—प्रयागीलाल (तीर्थराज) कृत। र का सं १९१ । लि का सं १९१५। वि नायिकाभेद आदि।

प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान धर्म लेखक छतरपुर।→ ५-५१।

रसायन (पद्य)—सेनापति कृत। वि रामचंद्र जी की प्रार्थना स्तुति आदि।

प्रा —श्री चुन्नीलाल ताजपुरा मथुरा।→१२-१६६ बी।

रसायन (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा॰—श्री नौबतराम गुलजारीलाल वैद्य फिरोजाबाद (आगरा)। → २९-४११।

रसाल→'धर्मलेखक' ('बारहमासा के रचयिता)।

रसाल→'स्वरूपदास ('पाडवयशेंदुचंद्रिका' के रचयिता)।

रसालगिरि→ रिसालगिरि ('भड़रा के रचयिता)।

रसालगिरि (गोसाँई)—मैनपुरी निवासी। गो मेदिनीगिरि के शिष्य। अंत समय में सन्यासी होकर मथुरा में रहने लगे थे। यहीं के सेठ लेखराज की प्रेरणा से ग्रंथ रचना की। मृत्यु सं १८८१। सं १८७४ के लगभग वर्तमान।

वैद्यप्रकाश (गद्यपद्य)→ ६-२४६ ए, ११-११९।

स्वरोदय (पद्य)→ ६-२४६ बी।

रसाले (रसालय) (पद्य)—बालमनि कृत। वि नायिकाभेद।

प्रा —पं रमाशंकर मिश्र, गुडहोला आजमगढ़।→४१-१४५।

रसिक—(?)

दानलीला (पद्य)→सं १-१२७ सं ७-१६२।

प्रा०—प्रतापगढनरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़ ।→२६-६१ के

(छ) लि० का० सं० १६४२ ।

प्रा०—पं० विपिनविहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गधौली, डा० सिधौली (सीतापुर) ।→२३-५५ एफ ।

(ज) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । → ०३-४५ ।

(झ) प्रा०—ठा० महावीरबख्शसिंह, तालुकेदार, कोथराकलाँ (सुलतानपुर) । →२३-५५ जी ।

रससारिणी (पद्य)—मातादीन (शुक्ल) कृत । र० का० सं० १६०३ । वि० नायिका-भेद और नवरस वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—पं० कुबेरदत्त शुक्ल, शुक्ल का पुरवा, डा० अजगरा (प्रतापगढ) । → २६-२०७ बी ।

(ख) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—पं० रामदुलारे दूबे, रामनगर, डा० औरंगाबाद (सीतापुर) । → २६-२६७ एच ।

(ग) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—श्री सरस्वतीप्रसाद उपाध्याय, सुदीकपुरा, डा० फूलपुर (इलाहाबाद) । →सं० ०१-२८३ ख ।

(घ) मु० का० सं० १६२२ ।

प्रा०—श्री देवनाथ उपाध्याय, खेतकुरी, डा० धम्मौर (सुलतानपुर) । → सं० ०१-२८३ क ।

(ङ) मु० का० सं० १६२२ ।

प्रा० - राज पुस्तकालय, किला, प्रतापगढ ।→सं० ०४-२६३ च ।

(छ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-२६३ ङ ।

रससिंधु—वास्तविक नाम श्रीकृष्ण लाला । काशीस्थ गोपाल मंदिर के गो० गिरिधर महाराज की पुत्री श्यामा बेटी के पुत्र । सं० १६३० के लगभग वर्तमान ।

षट्ऋतुमार्तंड (गद्यपद्य)→सं० ०१-३२५ ।

रससिंधु (गद्य)—महाबदास (वैष्णव) कृत । लि० सं० १८३५ । वि० वल्लभ संप्रदाय के सिद्धांतों का वर्णन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-२८१ क ख ।

रससिंधु—'कमलनयन' ('रामसिंह मुखारविंद मकरंद' के रचयिता) ।

रसहीरावली लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत । वि० राधाकृष्ण लीला ।

(क) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी । → ०६-७३ पी ।

रसिकगोविंदचंद्रचंद्रिका (पद्य)—रसिकगोविंद कृत । र का सं १८५८ ।
लि का सं १६१२ । वि अलंकार ।
प्रा —लाला रामानंद हरीचंद चौधरी कोसी (मथुरा) ।→१७–५ ।

रसिकचरण→ हरिराय (नित्यलीला के रचयिता) ।

रसिकदास—उप रसिकदेव । शाडिल्य ब्राह्मण । स्वामी नरहरिदास के शिष्य । राधा
वल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । जन्म स्थान बुंदेलखंड । अनंतर वृंदावन में रहने लगे ।
अघनलता (पद्य)→१२–१५४ एफ ।
अद्भुतलता (पद्य)→१२–१५४ जे ।
अभिलाषलता (पद्य)→१२–१५४ पी ।
अष्टक (पद्य)→१२–१५४ टी ।
आनंदलता (पद्य)→१२–१५४ डी ।
एकादशीमाहात्म्य (पद्य)→ ६–२१८ ई ।
कुंजकौतुक (पद्य)→ १–८८ १२–१५४ डब्लयू ४१–२५६ (अप्र) ।
कृष्णजन्मोत्सव (पद्य)→४१–२१८ ।
कौतुकलता (पद्य)→१२–१५४ आई ।
गिरिराज वर्णन (पद्य)→१२–१८६ ए ।
पाकसमागन (पद्य)→१५–८६ बी ।
चाहलता (पद्य)→१२–१५४ एल ।
तरंगलता (पद्य)→१२–१५४ एस ।
ध्यानलीला (पद्य)→१२–१५४ एक्स ।
पूजाविलास (पद्य)→६–२१८ डी १७–१६ ।
प्रसादलता (पद्य)→ ६ २१८ ए ।
बाराहसंहिता (पद्य)→१२–१५४ आई; १२–१५७ सी ।
भक्तिसिद्धांतमणि (पद्य)→ ६–२१२ सी १२ १५४ यू ।
मनोरथलता (पद्य)→१२–१५४ क्यू ।
माधुर्यलता (पद्य)→१२–१५४ ए ।
रसलता (पद्य)→१२–१५४ बी ।
रसिकरंगलता (पद्य)→१२–१५४ सी ।
रसकदंबचूड़ामणि (पद्य)→ ६–२१२ ।
रससार (पद्य)→ ६–२१८ बी १२–१५४ सी १२–१५७ ए ।
रसिकदासजी के पद (पद्य)→१२–१५७ बी; १२–१८६ बी ।
रसिकसागर (पद्य)→१५–८६ ए ।
रसिकाष्टक (पद्य)→१२–१५४ जेड ।
रहस्यलता (पद्य)→१२ १५४ एच ।
विनोदलता (पद्य)→१२ १५४ एम ।

रसिक—'ख्याल टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → ०२-५७ (आइ७)।

रसिक→'जनकराजकिशोरीशरण' (अयोध्या के वैष्णव महंत)।

रसिकअनन्य (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। वि० राधावल्लभ संप्रदाय के भक्तों की नामावली।

(क) प्रा०—गो० सोहनकिशोर, मोहनबाग, वृंदावन (मथुरा)। → १२-१९६ पी।

(ख) प्रा०—श्री राधागोविंदचंद्र का मंदिर, प्रेम सरोवर, डा० बरसाना (मथुरा)।→३१-२३२ एल।

रसिकअनन्य प्रचावली→'रसिकअनन्य' (हित वृंदावनदास चाचा कृत)।

रसिकअनन्यमाल (पद्य)—भगवतमुदित कृत। लि० का० सं० १८७४। वि० हित हरिवंश तथा उनके शिष्यों का वर्णन।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर। → ०६-२३ सी।

रसिकअनन्यसार (पद्य)—अन्य नाम 'अनन्यसार'। जतनलाल कृत। वि० हितहरिवंश का जीवन वृत्त और वंशावली।

(क) लि० का सं० १८६१।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर। → ०६-१३७।

(ख) प्रा०—हिंदी साहित्य पुस्तकालय, मौरावाँ, उन्नाव।→सं० ०४-११०।

रसिकअलि→'जनकराजकिशोरीशरण' (अयोध्या के वैष्णव महंत)।

रसिकगोविंद—अन्य नाम अलिरसिकगोविंद। वास्तविक नाम गोविंद। जाति के नटानी। जयपुर निवासी। अनंतर विरक्त होकर वृंदावन में रहने लगे थे। शालिग्राम के पुत्र और जादोदास के पौत्र। माता का नाम गुमाना। बड़े भाई का नाम बालमुकुंद। सर्वेश्वरशरण के शिष्य। निंबार्क संप्रदाय के अनुयायी। कविताकाल सं० १८५८-१८९०।

अष्टदेश (भाषा) (पद्य)→०६-१२२ बी।

उत्सवावली (गद्यपद्य)→३५-३१।

कलियुगरासो (पद्य)→०६-१२२ डी, ०९-२६३ बी।

गोविंदानंदघन (पद्य)→०६-१२२ ए, १२-६५, पं० २२-२, ३२-१८८।

पिंगल (ग्रंथ) (पद्य)०६-१२२ ई।

युगलरसमाधुरी (पद्य)→०६-१२२ सी, ०९-२६३ ए, १७-१६१, २३-३५८।

रसिकगोविंदचंदचंद्रिका (पद्य)→१७-५।

रामायणसूचनिका (पद्य)→०६-१२२ जी, ३५-८६।

समयप्रबंध (पद्य)→०६-१२२ एफ।

रसिकगोविंदचन्द्रचंद्रिका (पद्य)—ग्रसिररसिकगोविंद कृत। र का सं १८८ । लि का सं १६१२। वि अलंकार।
प्रा —लाला रामानंद हरीचंद चौधरी कोसी (मथुरा)।→१७–५।

रसिकचरण→'हरिराय ('नित्यलीला के रचयिता)।

रसिकदास—उप रसिकदेव। शाडिल्य ब्राह्मण। स्वामी नरहरिदास के शिष्य। राधा वल्लभ संप्रदाय के वैष्णव। जन्म स्थान बुंदेलखंड। अनंतर वृंदावन में रहने लगे।
अंगनलता (पद्य)→१२–१५४ एफ।
अद्भुतलता (पद्य)→१२–१५४ जे।
अभिलाषलता (पद्य)→१२–१५४ पी।
अष्टक (पद्य)→१२–१५४ डी।
आनंदलता (पद्य)→१२–१५४ डी।
एकादशीमाहात्म्य (पद्य)→ ६–२१८ ई।
कुंजकौतुक (पद्य)→ २–२८ १२–१५४ डब्ल्यू ४१–४४६ (अप्र)।
कृष्णजन्मोत्सव (पद्य)→४१–२१८।
कौतुकलता (पद्य)→१२–१५४ क्यू।
गिरिराज वर्णन (पद्य)→१२–१८६ ए।
चावकलगन (पद्य)→१५–८३ बी।
चारुलता (पद्य)→१२–१५४ एल।
तरंगलता (पद्य)→१२–१५४ एल।
ध्यानलीला (पद्य)→१२–१५४ एक्स।
पूजाविलास (पद्य)→ ६–२१८ डी; १७–१६ ।
प्रसादलता (पद्य)→ ६ २१८ ए।
बारहखड़ी (पद्य)→१२–१५४ वाई; २१–१५७ सी।
भक्तिसिद्धांतमणि (पद्य)→ ६–२१२ सी १२–१५४ यू।
मनोरथलता (पद्य)→१२–१५४ क्यू।
माधुर्यलता (पद्य)→१२–१५४ ए।
रत्नलता (पद्य)→१२–१५४ बी।
रतिरंगलता (पद्य)→१२–१५४ बी।
रसकदंबचूडामणि (पद्य)→ ६–२१२।
रससार (पद्य)→ ६–२१८ सी १२–१५४ सी; २१–१५७ ए।
रसिकदासजी के पद (पद्य)→२१–१५७ बी; १२–१८६ बी।
रसिकसागर (पद्य)→१२–८३ ए।
रसिकाष्टक (पद्य)→१२–१५४ केज।
रहस्यलता (पद्य)→१२ १५४ एच।
विनोदलता (पद्य)→१२ १५४ एम।

विलासलता (पद्य)→१२-१५४ के।
सुआमैना चरित्र लता (पद्य)→१२ १५४ सी।
सुरससारलता (पद्य)→१२-१५४ आर।
सौंदर्यलता (पद्य)→१२-१५४ ओ।
सौभागलता (पद्य)→१२-१५४ एन।
हुलासलता (पद्य)→१२-१५४ ई।

रसिकदास—वास्तविक नाम गोपिकालकार या भट्ट जी महाराज। वल्लभ सम्प्रदाय के गो० द्वारिकेश जी के पुत्र।
कीर्तन संग्रह (पद्य)→स० ०१-३२८ क।
कीर्तन समूह (पद्य)→स० ०१-३२८ ख।

रसिकदास—जतीपुरा (?) के निवासी। वल्लभ सम्प्रदाय के अनुयायी। स० १६२७ के लगभग वर्तमान।
रसिकदास की वानी (पद्य)→३२-१८७।

रसिकदास→'हरिराय' ('मधुराष्टक की टीका' आदि के रचयिता)।

रसिकदास की वानी (पद्य)—रसिकदास कृत। र० का० स० १६२७। वि० कृष्णलीला।
प्रा०—श्री जमनादास कीर्तनियाँ, नवा मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२-१८७।

रसिकदासजी के पद (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० भक्ति, उपासना आदि।
(क) प्रा०—श्री श्यामकुमार निगम, रायबरेली।→२३-३५७ बी।
(ख) प्रा०—श्री राधावल्लभ ब्राह्मण, गिडोह, डा० कोसीकलाँ (मथुरा)।→३२-१८६ बी।

रसिकदेव→'रसिकदास' (नरहरिदास के शिष्य)।

रसिकनिधि→'पृथ्वीसिंह (रसनिधि)।'

रसिकपचीसी (पद्य)—रसिकराय कृत। वि० कृष्ण का ऊधो द्वारा गोपियों को संदेश।
(क) लि० का० स० १८६३।
प्रा०—पं० वंशीधर चतुर्वेदी, असनी (फतेहपुर)।→२०-१६३।
(ख) प्रा०—पं० मातादीन, खजाची, गौरिहर।→०६-३१६ सी (विवरण अप्राप्त)।

रसिकपचीसी (पद्य)—अन्य नाम 'रसरासिपच्चीसी'। रसराशि कृत। वि० गोपी उद्धव संवाद।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१-३२३।

रसिकप्रकाश भक्तमाल→रसिकप्रबोधिनी टीका' (जानकीरसिकशरण कृत)।

रसिकप्रिया (पद्य)—केशवदास कृत। र० का० सं० १६४८। वि० रस और नायक नायिका भेद।

(क) लि का सं १७२२।
प्रा —श्री बालकृष्णदास चौखंभा, वाराणसी।→४१-४८५ ख (प्रथम)।
(ख) लि का सं १७३०।
प्रा —प्रानंदभवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-२३६ एफ।
(ग) लि का सं १७७४।
प्रा —श्री महावीरप्रसाद दीक्षित चंदनियाँ (फतेहपुर)।→२ -८२ सी।
(घ) लि का सं १८८१।
प्रा॰—बकसी गयाप्रसाद जी उपरहटी रीवाँ।→सं १ -१७ क।
(ङ) लि का सं १६०८।
प्रा —पं उलफतराय बसायक नवीस फतेहाबाद (ग्रागरा)। →
२६-१६२ एफ।
(च) प्रा॰—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)। →
१-८८।
(छ) प्रा —सेठ चंद्रशेखर अमृतसागर (बुलंदशहर)।→१७-२६ ए।
(ज) प्रा —श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय कामवन (भरतपुर)। →
१७-६६ बी।
(झ) प्रा —पं शंभुनाथ मधुरी का अलीगंज बाजार (सुलतानपुर)।→
३१-२ ७ आई।
(ञ) प्रा —श्री उमाशंकर दूबे साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।
→२६ २३६ बी।
(ट) प्रा —श्री बालकृष्णदास चौखंभा वाराणसी ।→४१-४८५ क (प्रथम)।
(ठ)→पं १२-५४ ए।

रसिकप्रिया की टीका→ रसगाहकचंद्रिका (सुरति मिश्र कृत)।

रसिकप्रिया की टीका—→ मुग्धविलासिका (सरदार कवि कृत)।

रसिकप्रिया तिलक (गद्यपद्य)—ग्रन्य नाम 'जगतविलास'। जगतसिंह कृत। वि
रसिकप्रिया की टीका।
(क) लि का सं १ ६६।
प्रा —महाराज श्री प्रकाशसिंह मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६-१६१ ए।
(ख) प्रा॰—महाराज रामेश्वरबहादुरसिंह भिनगा राज्य (बहराइच)। →
३१-१८८ एच।
(ग) प्रा —बाबू पद्मजसिंह ललेरपुर (बहराइच)।→३१-१८८ आई जे।

रसिकप्रिया सटीक (पद्य)—कासिम कृत। र का सं १६५८ (?)। वि केशव
कृत रसिकप्रिया की टीका।→ ६-१४७।

रसिकप्रीतम—वृंदावन निवासी। राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव।
नो सं वि ११ (११ —४४)

वृंदावनसत (पद्य)→०६–२६४ ।

रसिकप्रीतम→'हरिराय' ('मधुराष्टक की टीका' आदि के रचयिता) ।

रसिकबिहारिनदास—टट्टी सप्रदाय के वैष्णव महत। ललितकिशोरीदास के गुरु। स० १७५० के लगभग वर्तमान ।→२३–२४६ ।

ब्याहलो (पद्य)→०६–३१८ ।

रसिकबिहारी→'जनकराजकिशोरीशरण' (अयोध्या के वैष्णव महत) ।

रसिकबिहारीलाल—स० १६२१ के पूर्व वर्तमान ।

गीता (भाषानुवाद) (पद्य)→०४–५६, ४१–२२० ।

रसिकबोध (गद्यपद्य)—सीताराम (उपाध्याय) कृत । र० का० स० १६२५ । वि० नायिकाभेद ।

(क) लि० का० स० १६२५ ।

प्रा०—श्री रामप्रतापसिंह, चिलौली, डा० तिलोई (रायबरेली) ।→३५–६१ ।

(ख) प्रा०—श्री माताप्रसाद उपाध्याय, जगतपुर, डा० शिवरतनगज (रायबरेली) ।→स० ०४–४१३ स ।

रसिकमुकुद—गो० विलासदास के शिष्य । राधावल्लभ सप्रदाय के वैष्णव । स० १७६६ के लगभग वर्तमान ।

अष्टक (पद्य)→१२–१५६ ।

रसिकमोदिनी (पद्य)—प्रियादास कृत । र० का० सं० १७६४ । वि० वन मे विशेषत. व्रज के वन में निवास करने का माहात्म्य ।

(क) लि० का० स० १८२६ ।

प्रा०—बाबा वशीदास, श्री नित्यानद बगीचा, गऊघाट, वृंदावन (मथुरा) । → ४१–११६ घ (अप्र०) ।

(ख) लि० का० स० १८३५ ।

प्रा०—बाबा वशीदास, गोविंदकुड, वृ दावन (मथुरा) ।→२६–२७३ डी ।

रसिकमोहन (पद्य)—रघुनाथ (बदीजन) कृत । र० का० स० १७६६ । वि० अलकार ।

(क) लि० का० स० १८३४ ।

प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह तालुकेदार, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर) । →२३–३२६ एफ ।

(ख) लि० का० स० १८६२ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–५६ ।

(ग) प्रा०—बाबू पद्मबख्शसिंह, तालुकेदार, लवेदपुर (बहराइच) । → २३–३२६ ई ।

(घ) प्रा०—श्री देवीदयाल पाडेय, सोहवल, डा० टाड़ीघाट (गाजीपुर) । → स० ०१–३१३ ।

रसिकमोहनराय—अन्य नाम रसिकसेवक । बगाल के राजा । गोस्वामी प्रभुचद्र गोपाल

के शिष्य। माधव संप्रदाय के अनुयायी। माधव संप्रदाय के लोग इन्हें चंद्रसखी का अवतार मानते हैं। अनुमानतः जहाँगीर के समकालीन।→१८–२४।

सेवकबानी (पद्य)→१८–१२५।

रसिकअनन्यशतकबेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८२५। वि० भक्ति और ज्ञान।

प्रा०—लाला नान्हकचंद, मथुरा।→१७–१४ ए।

रसिकअंजनरामायण (पद्य)—बलराम कृत। वि० रामचरित्र।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण पांडेय हरिशंकरी गाजीपुर।→सं० १–११।

रसिकरंजनी (पद्य)—लक्ष्मसिंह (प्रताप) कृत। र० का० सं० १८५७। लि० का० सं० १८८३। वि० शृंगार।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→६–१८ सी।

रसिकरसायन→'विविधप्रश्न तथा स्फुट रसायन' (पुरुषोत्तम कृत)।

रसिकरसाल (गद्यपद्य)—कुमारमणि कृत। र० का० सं० १७७९। वि० रस अलंकार और नायिकाभेद आदि।

(क) लि० का० सं० १७७४।

प्रा०—पं० शिवप्रसाद मिश्र मुबारकाबाद (फतेहपुर)।→२ ६।

(ख) लि० का० सं० १९६१।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान अध्यापक (हेड एकाउंटेंट) छतरपुर।→ ५–५।

(ग) प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि बलिया।→ ६–१८६ (विवरण अप्राप्त)।

(घ) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह कौंथा (उन्नाव)।→११ २२६।

रसिकराय—कोई भक्त कवि। सं० १८७२ के पूर्व वर्तमान। रसिक दिप्पा नामक संग्रह ग्रंथ में भी संग्रहीत।→ २–५७ (उनवानीय)।

कवित्त (पद्य)→४१–२१६।

भैंवरगीत (पद्य)→ २ १८३ ६–११६ बी।

रसिकपचीसी (पद्य)→ ६–११६ सी २–११३।

स्नेहलीला (पद्य)→ ६ ११६ ए, ३–११४ १६–४ ४ ए, बी।

रसिकराय—(?)

कलिचरित्र (पद्य)→सं० १–२२१।

रसिकराय→'हरिराय' ('मधुराष्टक की टीका' आदि के रचयिता)।

रसिकरायजी (स्वामी)→'रसिकराय' ('रसिकपचीसी' के रचयिता)।

रसिकरूप—(?)

मोहनपचीसी (पद्य)→१९–१ ५।

रसिकलहरी या कीर्तन (पद्य)—हरिराय कृत। वि० कृष्ण की बाललीला और वल्लभाचार्य की स्तुति।

प्रा०—प० रमणलाल, राधाकुड, मथुरा ।→३८–५६ ।

रसिकलाल—अन्य नाम रसिकसुजान । वृंदावन निवासी । राधावल्लभ सप्रदाय के गो० दामोदरहित के शिष्य । स० १७२४ के लगभग वर्तमान ।→१२–१३० ।

करुणानद (भाषा) (पद्य)→१२–१५७, स० ०१–३३० ।

रसिकलाल—राधावल्लभ सप्रदाय के वैष्णव ।

चौरासी की टीका (पद्य)→१२–१५५ ।

रसिकवल्लभशरण—(?)

प्रेमचद्रिका (पद्य)→१७–१५६ बी ।

युगलसनेहविनोद (पद्य)→१७–१५६ ए ।

रसिकवस्तुप्रकाश (पद्य)—सरयूदास (सुधामुखी) कृत । वि० पचरस, नवधाभक्ति, विरह आदि का वर्णन ।

प्रा०—सारस्वती भडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–१६६ सी ।

रसिकविनोद (गद्यपद्य)—कालीदत्त (नागर) कृत । वि० नायिकाभेद ।

(क) लि० का० स० १६३४ ।

प्रा०—लाला कल्लूमल, गौरियाकलाँ, डा० फतेहपुर (उन्नाव) ।→२६–२१५ सी ।

(ख) लि० का० स० १६७८ ।

प्रा०—पं० रघुवरदयाल मिश्र, इटावा ।→२६–२१५ बी ।

(ग) प्रा०—श्री रघुवरदयाल, अध्यापक मिडिल स्कूल, कबीरचौरा, वाराणसी । →२६–२१५ टी ।

रसिकविनोद (पद्य)—हरिवशराय कृत । र० का० स० १८२३ । वि० नायिकाभेद, रस एव हावभाव वर्णन ।

(क) लि० का० स० १८४० ।

प्रा०—ठा० जवाहिरसिंह, खेलई, डा० मुरादाबाद (हरदोई) ।→२६–१४८ ए ।

(ख) लि० का० स० १८४५ ।

प्रा०—प० अमरनाथ, दातारपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) ।→२६–१७४ ए ।

(ग) लि० का० स० १८४५ ।

प्रा०—सेठ गोविंदराम भरतराम, अमिलिहा (उन्नाव) ।→२६–१७४ बी ।

(घ) लि० का० स० १८४५ ।

प्रा०—ठा० शिवसिंह, हिम्मतपुर, डा० सिधौली (सीतापुर) ।→२६–१७४ सी ।

(ङ) लि० का० स० १८४५ ।

प्रा०—लाला शिवराम पटवारी, विशुनपुर, डा० जलेसर (एटा) । → २६–१४८ बी ।

(च) लि० का० स० १८५६ ।

प्रा०—प० शिवदयाल ब्रह्मभट्ट, मुहम्मदपुर, डा० बेनीगज (उन्नाव) । → २६–१४८ सी ।

रसिकविनोद (ग्रंथ) (पद्य)—चंद्रशेखर कृत। र का सं १६ ३। वि नवरस।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ३-१ ३।
रसिकविनोदिनी (पद्य)—ग्रन्थ नाम 'नेहप्रकाशिका टीका'। कनकलालिनीशरण कृत।
र का सं १६ ४। वि 'बालअलि कृत नेहप्रकाश' की टीका।
(क) लि का सं १६१६।
प्रा —महंत लखनलालशरण, लक्ष्मण किला अयोध्या।→ ६-१११।
(ख) लि का सं १६२५।
प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७-८२।
रसिकविलास (पद्य)—मीर (मीरजान) कृत। वि नायिकाभेद।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ १-५६।
रसिकविलास (पद्य)—भारत (कवि) कृत। र का सं १७२१। लि का सं १७४५। वि नायिकाभेद।
प्रा —बाबू बालनाथप्रसाद प्रधान अर्थ लेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर। → ५ ६१।
रसिकविलास (पद्य)—समनसिंह बख्शी (समनेश) कृत। र का सं १८४०। लि का सं १८६६। वि नायिकाभेद।
प्रा —रतिमानरेश का पुस्तकालय रतिया।→ ६-२२७ (विवरण अप्राप्त)।
रसिकशिरोमणि→हरिराय (नित्यलीला के रचयिता)।
रसिकशृंगार (पद्य)—परनाथ (नाथ कवि) कृत। वि कृष्ण की दानलीला।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→१८-५२।
रसिकशृंगार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि श्रीकृष्ण की रासलीला।
प्रा —पं राममारायन शर्मा बसरामा (मैनपुरी)।→१५-२८४।
रसिकसंजीवनी (पद्य)—विनेश (पाठक) कृत। र का सं १७२४। वि रस और नायिकाभेद।
(क) लि का सं १७६४।
प्रा – रत्नाकर संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१ १ १ ख।
(ख) प्रा —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद।→४१-१ १ क।
रसिकसागर (पद्य)—रसिकराय (रसिकेश) कृत। वि भक्ति और वैराग्य।
प्रा —श्री रामजी मैंयमा का रावली (मथुरा)।→१५-८५ ए।
रसिकसुंदर→ सुंदरलाल (मुन्नालाल के पुत्र)।
रसिकसुजान→रसिकलाल ('करुणानंद भाषा' के रचयिता)।
रसिकसुबोधिनी टीका (पद्य)—जानकीरसिकशरण कृत। र का सं १६११। लि का सं १६९१। वि नाभा जी के भक्तमाल की टीका।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४-८७।

रसिकसुमति—व्रज निवासी। राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव। ईश्वरदास के पुत्र। सं० १७८५ में वर्तमान।

अलंकारचंद्रोदय (पद्य)→०६-२६५।

रसिकानंद (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत। र० का० सं० १८७९। वि० अलंकार।

(क) लि० का० सं० १९४२।

प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६-१६१ बी।

(ख) लि० का० सं० १९५०।

प्रा०—पं० नवनीत चतुर्वेदी, मथुरा।→००-८४।

रसिकाष्टक (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० ईश्वर की प्रार्थना।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१५४ जेड।

रसीलेतरंग (पद्य)—गुलजारीलाल (रसीले) कृत। र० का० सं० १९२८। वि० रामलीला।

(क) लि० का० सं० १९३२।

प्रा०—ठा० रामसिंह, देवपुरा, डा० सोरों (एटा)।→२९-१३१।

(ख) लि० का० सं० १९३८।

प्रा०—पं० शोभाराम दूबे, उनियाँकलाँ, मैगलगंज (सीतापुर)।→२६-१५६।

रसूल→'स्वरूपदास' ('पांडवयशेंदुचंद्रिका' के रचयिता)।

रसोईलीला (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० पांडे और श्रीकृष्ण की रसोई लीला।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७-६५ (परि० ३)।

रहरास—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संगृहीत।→०२-६१ (बीस)।

रहसपचासा (पद्य)—गौरीशंकर कृत। लि० का० सं० १९३६। वि० कृष्णजी की रासलीला।

प्रा०—पं० शिवविहारी गौड़, जैतपुर, डा० पिलवा (एटा)।→२९-१०२ डी।

रहसलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० आठ सखियों द्वारा राधा जी की सेवा का वर्णन।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)। → १२-१५४ एच।

रहसलावनी (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। र० का० सं० १९२६। लि० का० सं० १९२६। वि० कृष्ण जी की रासलीला।

प्रा०—लाला छोटेलाल, कामदार, समथर।→०६-७९ आर।

(एक अन्य प्रति दतिया के लाला लक्ष्मीप्रसाद के पास है)।

रहसलीला (पद्य)—देवीसिंह (राजा) कृत। वि० श्रीकृष्ण की रासलीला।

प्रा०—लाला कल्याणसिंह, मुत्सद्दी, छतरपुर।→०६-२८ सी।

रहसलीला (पद्य)—महीपति कृत । र का सं १८१ । लि का सं १६१ । वि श्रीकृष्ण की रास लीला मानलीला आदि ।
प्रा —ठा बलभद्रसिंह बाँस का पुरवा डा सिसैया (बहराइच) । → १९-२८१ ।

रहसविलास (पद्य)—दामोदरदास कृत । वि राधाकृष्ण विहार ।
प्रा —गो किशोरीलाल अधिकारी वृंदावन (मथुरा) । → ११-४१ एच ।

रहसमंजरी लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत । र का सं १६९८ । वि राधाकृष्ण विहार ।
(क) प्रा —बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय चौखंबा बाराणसी । → -१२ ।
(ख) प्रा —पं चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली बाराणसी । → ६-७१ बी ।

रहसि (रहस्य) लता लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत । वि राधाकृष्ण का विहार ।
(क) प्रा —बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय चौखंबा बाराणसी । → ०-११ (ग्यारह) ।
(ख) प्रा —गो गोवर्द्धनलाल राधारमण का मंदिर मिरजापुर । → ६-७१ ड ।

रहस्यचंद्रिका (पद्य)—चरणदास कृत । र का सं १८१८ । लि का सं १८३५ ।
वि राधाकृष्ण की लीला ।
प्रा —गो गोवर्द्धनलाल जी वृंदावन (मथुरा) । → १२-३७ डी ।

रहस्यपद्य (पद्य)—चरणदास कृत । र का सं १८१२ । लि का सं १८३५ ।
वि राधाकृष्ण विहार ।

रहस्यप्रकाशिका (पद्य)—नारायणदास कृत । र का सं १८२८ । लि का सं १९११ । वि भाषाभूषण की टीका ।
प्रा —पं कन्हैयालाल महापात्र असनी (फतेहपुर) । → २ -११६ ।

रहस्यभावना (गद्यपद्य)—गोकुलनाथ कृत । लि का सं १९११ । वि भक्ति ।
प्रा —पं चतुर्भुज जी नंदग्राम (मथुरा) । → ३९-६५ बी ।

रहस्यमंडल (पद्य)—गिरिधारी (गिरिधरदास) कृत । वि श्रीकृष्णलीला ।
प्रा —पं केदारनाथ तिवारी उचरपाड़ा रायबरेली । → २३-१२४ बी ।

रहस्योपास्य (मंत्र) (पद्य)—कृपालदयारी कृत । वि राम और सीता का प्रेम ।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया । → ६-२८१ (विवरण अप्राप्त) ।

रहीम→'अब्दुर्रहीम खानखाना (हिंदी के प्रसिद्ध कवि) ।

रहोबा जी—कोई संत । संभवतः पंजाबी ।
पद (पद्य)→सं १ -११२ ।

राँकाबाँका की परिचयी (पद्य)—अनंतदास कृत । वि राँकाबाँका नामक संतों की परिचयी ।
(क) लि का सं १८८९ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा बाराणसी । →४१-२ ।

(ख) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-२ ज ।

राँमरछ्या (पद्य)—गोरखनाथ कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० शरीर रक्षा विषयक मंत्र ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-३६ ज ।

राइचंद्र→'रायचंद्र (राइचंद्र)' ('सीताचरित्र' के रचयिता) ।

राऊराह्या खाँ (नवाब)→'ब्रह्मन' ('रमल' के रचयिता) ।

राऊवाँका जी—'नामदेव आदि की परची संग्रह' में इनके भी पद संगृहीत हैं । → ०१-१३३ (सात) ।

राखन—ब्राह्मण । पाली (हरदोई) निवासी । शिवगुलाम मिश्र के आश्रित ।

सुदामाचरित्र (पद्य)→१२-१४२ ।

रागकल्पद्रुम नित्यकीर्तन संग्रह (पद्य)—कृष्णानंदव्यासदेव द्वारा संगृहीत । लि० का० सं० १८६६ । वि० राग रागनियों में भक्तों के पदों का संग्रह ।

प्रा०—पं० रामशंकर, वाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच)।→२३-२२३ ।

रागगौड़ा (पद्य)—हरिदास कृत । र० का० सं० १५२०-४० के बीच । वि० संगीत ।→ पं० २२-३७ एफ ।

रागज्ञान संग्रह→'रागसार' (हरिविलास कृत) ।

रागनिरूपण (पद्य)—पूरन (मिश्र) कृत । वि० संगीत ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-४२ ।

रागनिर्णय (पद्य)—दास कृत । लि० का० सं० १८३५ । वि० रागों का वर्णन ।

प्रा०—कुँवर लक्ष्मणप्रतापसिंह, साहीपुर नौलखा, डा० हँडिया (इलाहाबाद) । →सं० ०१-१५४ ।

रागप्रकाश (पद्य)—माधवसिंह (राजा) कृत । र० का० सं० १९१५ । वि० संगीत ।

प्रा०—दद्दन सदन, अमेठी (सुलतानपुर) ।→सं० ०१-२६० क ।

रागप्रकाश (पद्य)—श्यामसखे कृत । वि० संगीत ।

प्रा०—बाबू कौशिल्यानंदन, सिंगारहाट, अयोध्या ।→२०-१६२ ।

रागप्रबोध (पद्य)—नंदलाल कृत र० का० सं० १८४८ । लि० का० सं० १८६५ । वि० संगीत ।

प्रा०—महंत जनार्दनदास, रामशाला, डा० मलीहाबाद (लखनऊ) ।→२६-३१६ ।

रागफुलवारी (पद्य)—देवीप्रसाद कृत । र० का० सं० १९०२ । लि० का० सं० १९३२ । वि० कृष्ण की दानलीला और चीरलीला ।

प्रा०—पं० रामसनेही मिश्र, मानिकखेड़ा, डा० फिसेरगंज (एटा) । → २६-८४ बी ।

रागबसंत (पद्य)—पुरुषोत्तमदास कृत । वि० श्रीकृष्ण और राम का विहार वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२०-१३६ ।

रागबारामास का सगल (पद्य)—गंगन कृत । वि विरह शृंगार ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ४–५१ ।
रागमनोहर (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत । लि का सं १६२२ । वि संगीत ।
प्रा —बाबा मेरूदास रामकुटी मीरपमपुर डा कलेसर (एटा) । →
६-१ ७ ग्राइ ।
रागमाला (पद्य)—कुवरउमला कृत । लि का सं १६११ । वि राग रागिनियों
का संग्रह ।
प्रा —बाबा बालकराम गोविंदपुर डा माधोगंज (हरदोई) ।→२६-२ १ सी ।
रागमाला (पद्य)—गरति (कन) कृत । र का सं १८५५ । लि का सं १८५५ ।
वि संगीत ।
प्रा —लाला दिलसुखराय महोली (सीतापुर) ।→२६-१११ ।
रागमाला (पद्य)—घनश्याम कृत । र का सं १७ । वि संगीत ।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली ।→सं १-१ २ ।
रागमाला (पद्य)–तानसेन कृत । वि संगीत ।
प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर ।→ २-४१ ।
रागमाला (पद्य)—ताराचंद कृत । वि संगीत ।
प्रा —शारदासदन पुस्तकालय रायबरेली ।→सं ४– १८ ।
रागमाला (पद्य)—दुर्जनलाल कृत । वि रामकृष्ण का गुणानुवाद ।
प्रा —बिजावरनरेश का पुस्तकालय बिजावर ।→ ६-१६१ (विवरण अप्राप्त) ।
रागमाला (पद्य)—नैन (कवि) कृत । लि का सं १८६१ । वि संगीत ।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६-१५५ (विवरण अप्राप्त) ।
रागमाला (पद्य)—नवलकिशोर कृत । वि संगीत ।→पं २२-७६ ।
रागमाला (पद्य)—यशोदानंद (शुक्ल) कृत । र का सं १८१५ । वि संगीत ।
प्रा —पं रघुनाथराम गायघाट, वाराणसी ।→ ६-११४ ।
रागमाला (पद्य)—रामसखे कृत । लि का सं १६११ । वि रामचरित ।
प्रा —पं पीताम्बर भट्ट बानपुरादरवाजा टीकमगढ़ । → ६-२१६ सी
(विवरण अप्राप्त) ।
रागमाला (पद्य)—ल्याल वाँ कृत । लि का सं १८५५ । वि संगीत ।
प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→६-११८ ए ।
रागमाला (पद्य)—सूरदास कृत । वि सूरदास के लगभग एक हजार पदों का संग्रह ।
प्रा —पं —सियाराम शर्मा उगनपुरा डा बाह (आगरा) । →
२१-११६ ग्राइ ।
रागमाला (पद्य)—विविध कवि (तुलसी सूर परमानंद आदि) कृत । वि स्फुट ।
प्रा —डा लक्ष्मणसिंह सुमेरपुर (इटावा) ।→१५ १७६ ।
प्रा सं रि ११ (११ –६४)

रागमाला (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० संगीत ।

प्रा०—पं० श्यामलाल, भरोठा, डा० आनई (मथुरा) ।→३८–१६२ ।

रागमाला (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० संगीत ।

प्रा०—पं० छोटेलाल रामभारी, मुरगढ़, डा० राराकुर (मथुरा) ।→३८–१६१ ।

रागमाला (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० संगीत ।

प्रा०—संग्रहालय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद ।→४१–४०३ ।

रागमाला (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० संगीत ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–४०४ ।

रागमाला (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० संगीत ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–८८६ ।

रागरत्नप्रकाश (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत । लि० का० सं० १८६३ । वि० संगीत ।

प्रा०—पं० महावीर दीक्षित चटियाना, फतेहपुर ।→२०–३६ सी ।

रागरत्नाकर (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत । वि० संगीत ।

प्रा०—श्री जुगलकिशोर मिश्र, गधौली (सीतापुर) ।→१२–५० ए ।

रागरत्नाकर (पद्य)—राधाकृष्ण कृत । र० का० सं० १८५३ । वि० संगीत ।

(क) लि० का० सं० १८६७ ।

प्रा०—निमरानाराज का पुस्तकालय, निमराना ।→०६–२३३ ।

(ख) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–२३५ ।

रागरत्नावली (पद्य)—अयोध्याप्रसाद (वाजपेयी) कृत । र० का० सं० १६०७ । लि० का० सं० १६२३ । वि० परमात्मा, शंकर तथा राधाकृष्ण आदि की महिमा ।

प्रा०—पं० शिवनारायण वाजपेयी, वाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच) ।→२३–२४ सी ।

रागरत्नावली (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत । वि० भागवत दशमस्कंध के आधार पर दशावतार का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १६२० ।

प्रा०—पं० राममनोहर, माधोगंज (हरदोई) ।→२६–१०७ जे ।

(ख) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—पं० गिरजाशंकर, मोतीपुर, डा० अलीगंज (खीरी) ।→२६–१२५ बी ।

रागरत्नावली (पद्य)—गोपालसिंह (कुँवर) कृत । र० का० सं० १७५८ । वि० संगीत ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६–४२ ।

रागरागनियों का वर्णन (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० संगीत ।

प्रा०—श्री हरिनारायण मिश्र, सिकंदरा (इलाहाबाद) ।→सं० ०१–५५३ ।

रागरागिनी (पद्य)—विविध कवि (विट्ठल, वृंदावन, कृष्णदास आदि) कृत । वि० राधाकृष्ण की भक्ति ।

प्रा०—पं० चोखेलाल, गढ़ी परसोत्ती, डा० सुरीर (मथुरा) ।→३२–२७६ ।

रागरागिनी भेद (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि संगीत ।
   प्रा —पं लाड़िलीप्रसाद, परवार का बसरह (इटावा) ।→११–२७७ ।
रागरागिनी स्वरूप (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि संगीत ।
   प्रा —पं महावीरप्रसाद, इकदिल (इटावा) ।→१८–१६४ ।
रागरूपमाला (पद्य)—बालकृष्ण कृत । र का सं १७ ५ । वि संगीत ।
   प्रा —पं सीताराम पंचोली खामरी का शिकोहाबाद (मैनपुरी) । →
   १२ ११ ।
रागलावनी→लावनी (गंगादास साधु कृत) ।
रागविलास (पद्य)—देवीप्रसाद कृत । र का सं १८२९ । लि का सं १९१ ।
   वि देवी और रागरागिनियों का वर्णन ।
   प्रा —पं रामसनेही मिश्र मानिकखेड़ा का किछेरगांव (एटा) । →
   २९ ८४ सी ।
रागविवेक (पद्य)—पुरुषोत्तम कृत । र का सं १७१५ । लि का सं १७४४ ।
   वि संगीत ।
   प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ १–४८ ।
रागसंक्लिस रागमाला (पद्य)—स्वामी कार्तिक कृत । वि संगीत ।
   प्रा०—पं शम्भुशंकर वाजपेयी व्यवस्थापक अमेठीराज (सुलतानपुर) । →
   सं १–८०१ ।
रागसंग्रह (पद्य)—गरीबदास कृत । वि संगीत ।
   प्रा —श्री रामचंद्र सैनी बेलनगंज, आगरा ।→१२–१४ ।
रागसंग्रह (पद्य)—देवकीनंदन द्वारा संगृहीत । सं का सं १९१७ । लि का
   सं १९१७ । वि संगीत ।
   प्रा —बाबा मन्नूदास बादशाहनगर लखनऊ ।→२६–९१ ।
रागसंग्रह (पद्य)—अन्य नाम 'रागसार संग्रह और संगीतसार । मथ्थालाल कृत ।
   र का सं १९११ । वि संगीत ।
   (क) लि सं १९४१ ।
   प्रा —लाला बालकराम गाविंदपुर का माधवगंज माधवगंज (हरदोई) ।→
   २६ २१६ ए ।
   (ख) लि का सं १९४२ ।
   प्रा —पं शिवमहेश बिशुनपुर का अलीगंज (एटा) ।→२९–२९९ बी ।
   (ग) प्रा०—पं गंगाप्रसाद दूबे नरायनपाल का सोरों (एटा) । →
   २९–२२९ सी ।
रागसंग्रह (अनु) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि यशोदा की
   द्वारा कृष्ण को वन में भेजी जानेवाली छाक का वर्णन ।

प्रा०—श्री कीर्तनिया जी, मदनमोहन का मदिर, जतीपुरा (मथुरा)। →
३५-२७६ ।

रागसमूह (पद्य)—कृष्ण कृत । लि० का० स० १८४६ । वि० सगीत ।
प्रा०—प० नटवरलाल चतुर्वेदी, कोठेवाला, शीतलपायसा (मथुरा)। →
१७-१०० ।

रागसागर (पद्य)—अन्य नाम 'सगीतकल्पद्रुम' । कृष्णानद कृत । वि सगीतशास्त्र ।
प्रा०—श्री रामचद्र सैनी, बेलनगज, आगरा ।→३२-१२५ ।

रागसागर (पद्य)—परसुराम कृत । वि० राम कृष्ण भक्ति एव वैराग्य ।
प्रा०—श्री रामगोपाल अग्रवाल, मोतीराम की धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा)।
→३२-१६३ सी ।

रागसागर (पद्य)—मानसिंह (महाराज) कृत । वि० संगीत ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर ।→०२-७७ ।

रागसागर (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत । वि० सगीत ।
प्रा०—प० रामेश्वर दूबे, डा० असनी (फतेहपुर) ।→२०-२०५ बी ।

रागसागर (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । कृष्णलीला आदि ।
प्रा०—श्री शकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३५-२७८ ।

रागसागरोद्भव रागकल्पद्रुम सग्रह (पद्य)—कृष्णानदव्यासदेव द्वारा सगृहीत । र० का० स० १८६६ । लि० का० सं० १८६६ । वि० सगीत ।
प्रा०—प० कमलाकात, रायगज, अयोध्या ।→२०-८८ ।

रागसागर (पद्य)—अन्य नाम 'गाने की पुस्तक', 'रागज्ञान सग्रह' और 'गाने के पद' ।
हरिविलास कृत । वि० सगीत ।
(क) लि० का० स० १९३२ ।
प्रा०—चौधरी गगासिंह, विशुनपुर, डा० भूमरी (एटा) ।→२६-१४६ सी ।
(ख) लि० का० स० १९३४ ।
प्रा०—बरगदिया बाबा का स्थान, हिंडोलने का नाका, लखनऊ ।→२६-१७७ ए ।
(ग) लि० का० स० १९४० ।
प्रा०—लाला भजनलाल पटवारी, रानीपुर, डा० मारहरा (एटा)। →
२६-१४६ बी ।
(घ) प्रा०—प० शिवमहेश, विशुनपुर, डा० अलीगज (एटा)। →
२६-१४६ ए ।

रागसार सग्रह→'रागसग्रह' (मन्नालाल कृत) ।

रागोड़ा (ग्रंथ) (पद्य)—कबीरदास कृत । वि०अध्यात्म ।→प० २२-५' बी ।

राघोदास या राघवदास (उपाध्याय)—ब्राह्मण। संभवत. नवाबगंज (मोराँव तहसील, इलाहाबाद) के निवासी। सं० १८४६ के लगभग वर्तमान।
कातिकमाहात्म्य (पद्य)→सं० ०१-३३१ क, सं० ०४-३२२।
नागलीला (पद्य)→सं० ०१-३३१ ख।
रुक्मिणीमंगल (पद्य)→४१-२२१, सं० ०१-३३१ ग।
राजइलाहीखान—कूड़ा जाहानाबाद के सूबा। सं० १८३७ के लगभग वर्तमान। इच्छागिरि के आश्रयदाता।→सं० ०४-१७।
राजकिशोरलाल—अयोध्याप्रसाद के पुत्र। घनश्यामपुर (जौनपुर) निवासी। कृष्णभक्त।
युगलशतक (पद्य)→ ६-२४२।
राजकीर्तन→'गुणराजा री वात' (वाजिंद कृत)।
राजकुमारप्रबोध (पद्य)—शंभुदत्त कृत। र० का० सं० १८७३। लि० का० सं० १८७३। वि० नारद और पांडवों का नीति विषयक संवाद।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-३६।
टि० प्रस्तुत पुस्तक कवि की स्वहस्तलिखित है।
राजनीति (पद्य)—अमृत (कवि) कृत। र० का० सं० १८३३। लि० का० सं० १८५५। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—भट्ट श्री मगन उपाध्याय, तुलसीचौतरा, मथुरा।→१७-६।
राजनीति (पद्य)—छबिनाथ कृत। र० का० सं० १८२४। लि० का० सं० १६३७। वि० हितोपदेश का अनुवाद।
प्रा० ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० बख्शी का तालाब (लखनऊ)। →२६-८२।
राजनीति (पद्य)—जसूराम कृत। र० का० सं० १८१४। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) प्रा०—श्री पूनमचंद, जोधपुर।→०१-१११।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-१२४।
राजनीति (पद्य)—अन्य नाम 'राजनीति हितोपदेश'। नंददास (?) कृत। वि० हितोपदेश की कथाएँ।
(क) लि० का० सं० १८४२।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउटेंट), छतरपुर।→ ०५-३६।
(ख) लि० का० सं० १६३३।
प्रा०—प्रतापगढनरेश का पुस्तकाल, प्रतापगढ।→२६-३१६ आई।
(ग) प्रा०—प्रतापगढनरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ।→२६-३१६ जे।
राजनीति पद्य)—नारायण कृत। वि० 'चाणक्यनीति' का अनुवाद।
(क) लि० का० सं० १६२३।

प्रा०—ठा सीतारामसिंह, महाराजनगर, डा मैगलगंज (सीतापुर)। → २६-१२१ बी।

(ख) प्रा —पं मन्नीलाल तिवारी मिश्रिख (सीतापुर) ।→२६-१२१ ए।

(ग) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-१०५।

राजनीति (गद्यपद्य)—पद्माकर कृत। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —लाला भगवानदीन छतरपुर।→ ५-४१।

राजनीति (पद्य)—राम कवि या सीताराम वैद्य कृत। र का सं १७६। वि नाम से स्पष्ट।→पं २२-८ बी।

राजनीति (गद्य)—लल्लूलाल कृत। र का सं १८६९। वि नाम से स्पष्ट।

(क) लि का सं १८७।

प्रा —श्री मुरारीलाल केडिया, नंदनसाहु की गली वाराणसी।→४१-२१७।

(ख) लि का सं १९६७।

प्रा —पं राममनोहर प्यारे, डा माधोगंज (हरदोई) ।→२६-१११ सी।

(ग) प्रा —प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय प्रतापगढ़ ।→२६-२६६ बी।

(घ) प्रा —राजा साहब बहादुर प्रतापगढ़ ।→ ९-१७४ बी।

राजनीति (भाषा) (पद्य)—कीर्तिसेन कृत। लि का सं १८७। वि चाणक्य कृत राजनीति का अनुवाद।

प्रा —श्री रामभूषण वैद्य कामतापुर डा इटौंजा (लखनऊ)।→२६-२४२।

राजनीति कवित्त (पद्य)—अन्य नाम 'कवित्त राजनीति' और 'प्रधाननीति'। रामनाथ (प्रधान) कृत। वि भिन्न भिन्न राजकर्मचारियों के लक्षण।

(क) प्रा०—लाला गोविंदप्रसाद प्रधान रीवाँ।→ १ १।

(ख) प्रा —पं मनरखन वैद्य गढ़ी (गौंडा) ।→२ -१५१ बी।

(ग) प्रा —पं रामशंकर बाजपेयी बहोरी बाजपेयी का पुरवा डा सिसैंडा (बाराबंकी) ।→२१-१४९ ए।

(घ) प्रा —लाला नरसिंहनारायण शिवगढ़ रायबरेली ।→२१-१४९ बी।

राजनीति के कवित्त→'राजनीति रा कवित्त (देवीदास कृत)।

राजनीति के दोहा→ राजनीतिचंद्रिका (त्रिलोकसिंह कृत)।

राजनीति के भाव (पद्य)—देवमणि कृत। लि का सं १८२४। वि चाणक्य नीति के सात अध्यायों का भावानुवाद।

प्रा —बलियानरेश का पुस्तकालय बलिया।→ १-१५७ (विवरण अप्राप्त)।

राजनीतिचंद्रिका (पद्य)—त्रिलोकसिंह कृत। वि राजनीति।

(क) लि का सं १९ ५।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-९३।

(ख) प्रा —हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग ।→सं १-१४५।

राजनीतिचद्रिका (पद्य)—विष्णुदत्त कृत । र० का० स० १८६५ । वि० राजनीति ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-७० ।

राजनीति प्रस्ताविक कवित्त→'राजनीति रा कवित्त' (देवीदास कृत) ।

राजनीति रा कवित्त (पद्य)—अन्य नाम 'राजनीति प्रस्ताविक कवित्त' । देवीदास कृत । वि० नीति ।
(क) लि० का० स० १८५८ ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-१
(ख) लि० का० स० १८७२ ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-८२ ।
(ग) लि० का० स० १८६० ।
प्रा०—प० पीताबर भट्ट, बानपुर दरवाजा, टीकमगढ ।→०६-२७ ।
(घ) प्रा०—प० परमानद शर्मा, बलदेव (मथुरा) ।→१७-४७ ए ।

राजनीतिविस्तार→ 'राजनीति' (जसूराम कृत) ।

राजनीतिशतक भापा कुडलिया (पद्य)—अन्य नाम 'अमरराजतिलक' । श्रीकृष्ण चैतन्यदेव (निज जू) कृत । र० का सं० १६३१ । मु० का० स० १६३२ । वि० भर्तृहरि कृत राजनीतिशतक का अनुवाद ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०४-४१ ।

राजनीति हितोपदेश→ 'राजनीति' (नददास कृत) ।

राजपोरिया लीला (पद्य)—ललितकिशोरी कृत । वि० श्रीकृष्ण की बाल लीला ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→ स० ०१-३७२ ।

राजभूखन (पद्य)—कोविद कृत । र० का० स० १७७६ । वि० राजनीति ।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ ।→ ०६-६२ ए ।

राजमती—(?)
छप्पैरामायण (पत्र)→स० ०१-३३२ ।

राजमनि (राजा)—मलामा (मल्लावाँ ?, हरदोई) के राजा । गणेश कवि के आश्रयदाता ।→ स० ०१ ५६ ।

राजयोग (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत । वि० राजधर्म ।
(क) लि० का० स० १८५६ ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→ ०६-२ बी ।
(ख) लि० का० स० १८८२ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०४-१ ख ।
(ग) लि० का० स० १८८४ ।
प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३-७ बी ।
(घ) लि० का० स० १८८६ ।
प्रा०—पचायती ठाकुरद्वारा, खजुहा ।→२०-४ बी ।

(ट) लि का सं १६१७।
प्रा —बाबा रामदास, सीतामऊ, डा मल्लावाँ (हरदोई)।→ १६–७ ए।
(च) लि का सं १६२७।
प्रा —मुं मुसरासीलाल अध्यापक प्राइमरी स्कूल ढूँडला (आगरा)। →
१६–७ सी।
(छ) लि का सं १६१५।
प्रा०—भारतीभवन पुस्तकालय छतरपुर।→ ०५–२।
(ज) लि का सं १६४७।
प्रा —पं मोहनराम शुक्ल अवकाशप्राप्त सहायक विद्यालय निरीक्षक, एतमादपुर
(आगरा)।→ २६–७ बी।
(झ) प्रा —लाला तुलसीराम श्रीवास्तव रायबरेली।→ २१ ७ डी।

राजयोग (भाषा) (गद्य)—गंगाधर कृत। वि चिकित्सा।
प्रा०—पं गणेशराम द्विवेदी स्वामी घाट, मथुरा।→ १२–६१।

राजविनोद (पद्य)—कृष्णलाल कृत। वि कृष्णलीला।
(क) लि का सं १८११ (?)।
प्रा —चरखारीनरेश का पुस्तकालय चरखारी।→ ६–४१ सी।
(ख) प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→ ६–११ ए।

राजविनोद (पद्य)—प्राणनाथ कृत। वि स्फुट।
प्रा —चरखारीनरेश का पुस्तकालय चरखारी।→ ६–६ ई।

राजविलास (पद्य)—लक्ष्मीनाथ कृत। र का सं १८८१। वि जोधपुर नरेश
महाराज मानसिंह का राज्य वर्णन।
प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २–२१।

राजसमुद्र—सं १६६६ के लगभग वर्तमान।
कर्मबत्तीसी (पद्य)→ दि ११–७।

राजसिंह (महाराजा)—रूपनगर कृष्णगढ़ के राजा। महाराज सावंतसिंह (नागरी
दास) और सुंदरिकुँअरि के पिता। इन्होंने कवि से प्रवीन काव्य शिक्षा ली थी।
राज्यकाल सं १७६१–१८०५ तक।→ १–६५; दि ११–१६।
बाहुविलास (पद्य)→ २–७४ सं १ १११।
रसपायनायक (पद्य)→ २–७१।

राजाराम—सारंगपुर (राजनगर प्रदेश गुजरात) के निवासी। गंगादास के पुत्र।
वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी। सं १७७८ के लगभग वर्तमान।
वल्लभकुल विस्तार कल्पद्रुम (गद्यपद्य)→ सं १–११४।

राजाराम—कायस्थ। बुंदेलखंड निवासी प्राणनाथ के पिता। सं० १८०६ के लगभग वर्तमान।→०५–५३।
यमद्वितिया की कथा (पद्य)→ ०६–६६।

राजाराम—१७वीं शताब्दी के पूर्व वर्तमान।
पटपंचाशिका (पद्य)→ ०६–३११।

राजाराम—(?)
इंद्रजाल (गद्यपद्य)→ २३–३३६।

राजाराम—ब्राह्मण। रीवाँ राज्य निवासी। दुर्गाप्रसाद के आश्रयदाता। सं० १८५३ के लगभग वर्तमान।→ ००–४१।

राजा विक्रम की वार्ता (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६०८। वि० राजा विक्रमादित्य की कथा।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→ सं० ०१–५५४।

राजा वीरविक्रमाजीत की रानी का जुवाब राजा भरत्री जी शेंति (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० भरथरी और वीर विक्रमाजीत के प्रश्नोत्तर।
प्रा०—श्री वेदप्रकाश गर्ग, १०, खटीकान स्ट्रीट, मुजफ्फरनगर। → सं० १०–१७५।

राजिलपचीसी (पद्य)—आनंद (जैन) कृत। वि० राजिल का विरह वर्णन।
प्रा०—श्री वेदप्रकाश गर्ग, १०, खटीकान स्ट्रीट, मुजफ्फरनगर। → सं० १०–६।

राजुलपचीसी (पद्य)—विनोदीलाल कृत। वि० राजमती और जिनदेव का विवाह।
(क) लि० का० सं० १८४२।
प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→ दि० ३१–५४।
(ख) प्रा०—श्री दुर्गासिंह, माँगरोल (गुजर), मझलीपाटी, डा० रुनकुता (आगरा)।→ ३२–१३२ ए।
(ग)→ पं० २२–५६ बी।

राजुलपचीसी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नेमिनाथ के विवाह की कथा।
प्रा०—पं० रामस्वरूप मिश्र, पंडित का पुरवा, डा० [illegible] ड (प्रतापगढ)।→ २६–८८ (पि

राजुलपचीसी (पद्य) [illegible] ज्ञात। लि० का० सं [illegible] लगभग)। वि० जैन तीर्थंकर [illegible] त्याग पर स्त्री राजम [illegible]।
प्रा० [illegible] नाल, भारती मह [illegible] हिंदू विश्व
ल [illegible] २।

रावेंद्रप्रसाद→'गिरिजेंद्रप्रसाद' ('दानलीला' के रचयिता)।

राघेप्रसाद—(?)

दानलीला (पद्य)→२६-१४१।

राधा जी (राँयाँ जी)—अन्य नाम रायाँ। अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध के पूर्व वर्तमान।

पद (पद्य)→ सं १-२११।

राधारासा (पद्य)—दयालदास कृत। र का सं १६७२-७५। वि महाराणा प्रताप और अकबर का युद्ध जगतसिंह और अमरसिंह का चरित्र केशवराव चौहान और अब्दुल्ला का युद्ध तथा कर्मचरित्र।

(क) लि का सं १६४४।

प्रा —पं मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या मथुरा।→ -६४ ६-९१।

(ख) लि का सं १६४६।

प्रा —एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल कलकत्ता।→ १-१।

राधासुरवान—द्वारिका (गुजरात) की ओर कहीं के अधिपति। मनदेव वैष्णव (नवल मेह के रचयिता) के आश्रयदाता।→ सं १-१ १।

रायाँ→'राधा जी ('पद' के रचयिता)।

राधाकृष्ण—अन्य नाम कृष्ण कवि। जयपुर निवासी गौड़ ब्राह्मण। गानविद्या में निपुण। उनियारोगढ़ (जयपुर) के राव राजा भीमसिंह के आश्रित। सं १८३१ के लगभग वर्तमान।

रागरत्नाकर (पद्य)→ ०२-२११ सं १-११६।

राधाकृष्ण (पद्य)—शिवप्रसादसिंह (ठाकुर) कृत। वि राधाकृष्ण की कथा (बंगला पुस्तक 'भुक्तावली' का अनुवाद)।

प्रा०—ठा देवीचरणसिंह बहरी डा जफराबाद (जौनपुर)। → सं १ ४११।

राधाकृष्ण (चौबे) सं १८८६ के लगभग वर्तमान।

बिहारी सतसई की टीका (पद्य)→ ६-२६ २६-३६५।

राधाकृष्ण (द्विवेदी)—(?)

औषधि संग्रह कल्पवल्ली (गद्यपद्य)→ सं १-३३६।

राधाकृष्ण कलाश (पद्य)—मुकुंदलाल कृत। लि का सं १६११। वि राधाकृष्ण की स्तुति।

प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→ ६-२११ बी।

राधाकृष्ण का झगड़ा→'केली (सुर्दश शुक्ल कृत)।

राधाकृष्ण की बारहमासिका (पद्य)—बनारसराम कृत। वि राधाकृष्ण विरह वर्णन।

प्रा०—प० रामवली दूबे, भिटौरालच्छण, डा० जैदपुर (बाराबंकी) → २३-१८५।

टि० रचयिता की 'बारहमासा' और 'राधाकृष्ण की बारहमासिका' दोनों पुस्तकों की विषय वस्तु एक ही है। सम्भवत. 'बारहमासा' पूर्व की रचना है और 'बारहमासिका' बाद की, जब रचनाकार प्रौढ हो गया था।

राधाकृष्णकीर्ति (गद्यपद्य)—बिहारीदास कृत। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—प० मगन उपाध्याय भट्ट, तुलसी चौतरा, मथुरा।→ १७-२८।

राधाकृष्णजू कौ झगरो (पद्य)—मेघराज (प्रधान) कृत। वि० राधा के कृष्ण की वशी और कृष्ण के राधा का हार चुराने पर दोनों का झगड़ा।

प्रा०—लाला जानकीप्रसाद, छतरपुर।→ ०६-७४ टी।

(अन्य प्रति दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया में है)।

राधाकृष्णमगल (पद्य)—अन्य नाम 'ब्याहलो'। सूरदास कृत। वि० राधाकृष्ण का विवाह।

(क) लि० का० स० १६४०।

प्रा०—श्री शिवविहारी, डा० सिधौली (सीतापुर)।→२६-४७१ एच।

(ख) प्रा०—श्री रामअधार मिश्र, लखीमपुर (खीरी)।→ २६-४७१ जी।

(ग) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया। → ०६-२४४ ए (विवरण अप्राप्त)।

राधाकृष्ण रस तरगिणी (पद्य)—लछमणदास कृत। र० का० स० १६१४। वि० कृष्ण के जन्म से दानलीला तक का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→ ४१-२३५।

राधाकृष्ण रासलीला (पद्य)—निहालदास कृत। लि० का० स० १६२५। वि० कृष्ण की रासलीला (व्रजविलास की रासलीला के आधार पर)।

प्रा०—श्री घनश्यामदास चौराही, डा० गोलागोकर्णनाथ (खीरी)। → २६-३३६ बी।

राधाकृष्ण रूप युगल विलास (पद्य)—अमरेशकुमार कृत। र० का० स० १६२३। वि० कृष्णलीला।

प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→ स० ०१-८।

राधाकृष्णलीला (पद्य) -भोलानाथ कृत। लि० का० सं० १६३५। वि० लावनी, भजन, बारहमासा, मलार आदि में राधाकृष्ण की लीला।

प्रा०—लाला रामनारायण, भीष्मपुर, डा० जलेसर (एटा)।→ २६-४७ सी।

राधाकृष्ण वर्णन (पद्य)—दामोदरदास कृत। वि० राधाकृष्ण की शृगार लीला।

प्रा०—नगरपालिका सग्रहालय, इलाहाबाद।→ ४१-१०२ ख।

राधाकृष्ण विनोद (पद्य)—रामचद्र (गोस्वामी) कृत। वि० राधा और कृष्ण का विनोद।

प्रा —हथियानरेश का पुस्तकालय, हथिया ।→ ६–१११ (विवरण अप्राप्त) ।

राधाकृष्ण विलास (पद्य)—कृष्णदास कृत । वि राधा और कृष्ण की लीलाएँ ।

प्रा —बाबा माधवदास महंत, निंबार्क पुस्तकालय, मंदिर नानपारा (बहराइच) । →२१–२२ ।

राधाकृष्ण विलास (पद्य)—गोकुलनाथ (भट्ट) कृत । र का सं १८५९ । लि का सं १८६ । वि नायिकाभेद और राधाकृष्ण चरित्र ।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ १–१५ ।

राधाकृष्ण विवाह विनोद (पद्य)—प्रेमा (कवि) कृत । लि का स १८८८ । वि स्कंध पुराण के आधार पर राधाकृष्ण का विवाह ।

प्रा —श्री बिहारी जी का मंदिर महाजनी टोला इलाहाबाद ।→४१–१४५ ।

राधाकृष्ण विहार कुंज कल्प लतिका (पद्य)—शिवदीनदास कृत । लि का सं १८६१ । वि कृष्णलीला ।

प्रा —बाबू बद्रीनारायणसिंह, कौंवरपुर डा कौंदर (प्रतापगगढ़) । →२६–४४५ ।

राधाकृष्ण हिंडोला (पद्य)—निहालदास कृत । लि का सं १६२५ । वि राधा कृष्ण का झूला झूलना ।

प्रा —श्री घनश्यामदास चौराही गोसाईगोकर्णनाथ (खीरी) ।→२६–३११ ए ।

राधागोविंद संगीतसार (पद्य)—प्रतापसिंह (राजा कृत । वि संगीत ।

प्रा —पं नरबदलाल चतुर्वेदी, कोटेवाला शीतला पयसा ।→१७–१६६ ।

टि प्रस्तुत पुस्तक संभवतः प्रतापसिंह के किसी आश्रित की कृति है ।

राधागोविंद संगीसार (गद्यपद्य)—मथुरा भट्ट भीकृष्ण चुन्नीलाल और रामराव कृत । वि संगीत ।

प्रा —लाला बद्रीदास वैश्य वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१११ ।

राधाजन्मोत्सव के कवित्त (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र का सं १८११ । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —श्री राधागोविंदचंद्र का मंदिर प्रेमसरोवर डा बरसाना (मथुरा) । →१२–११२ के ।

राधाजन्मोत्सववधि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । वि राधा जी के जन्म की बधाई ।

प्रा —श्री रंगीलाल चौबे (मथुरा) ।→१७–१४ के ।

राधाजी और ललितासखी का बारहमासा (पद्य)—मोहमदुदत कृत । लि का सं १६१४ । वि राधा और ललिता का विरह ।

प्रा —पं गयादीन तिवारी बिसरिहा डा पानगाँव (सीतापुर) । →२६–१८ ।

राधाजी की वारहमासी (पद्य)—शिवदयाल कृत। र० का० सं० १६१५। लि० का० स० १६१८। वि० राधा का विरह वर्णन।
प्रा०—लाला दीनदयाल, देवरिया, डा० धानीखेड़ा (उन्नाव)।→२६-४४४।

राधाजी को नखशिख (पद्य)—मान (खुमान) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२-१४० डी।

राधाजू को नखशिख (पद्य)—गोकुलनाथ (भट्ट) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय, बलरामपुर।→०६-६६ सी।

राधातिलाता (राधाललिता ?) (पद्य)—वंशीअली कृत। वि० राधा माधव की मूर्ति की मनोहरता और वृंदावन की महिमा।
प्रा६—मुंसिफ श्यामसुंदर अग्रवाल, नगरपालिका कार्यालय के पास, मथुरा।→ ३५-१०३ बी।

राधानखशिख (पद्य)—गिरिधर (भट्ट) कृत। र० का० स० १८८६। वि० राधा का नखशिख।
प्रा०—गौरहारनरेश का पुस्तकालय, गौरहार।→०६-३८ ए।

राधानखशिख (पद्य)—द्विज (कवि) कृत। लि० का० स० १८५५। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-२७।

राधानाममाधुरी (पद्य)—हरिवल्लभ कृत। वि० राधा जी के नाम माधुर्य का वर्णन।
(क) लि० का० स० १८२४।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-४८७।
(ख) लि० का० स० १८७३।
प्रा०—पं० शिवकंठ दूबे, विगहापुर (उन्नाव)।→२६-१४७ जी।

राधानाममाधुरी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८७३। वि० शृंगार।
प्रा०—श्री रास्वरूप शुक्ल, सुमानपुर, डा० विसवाँ (सीतापुर)।→ २६-८६ (परि० ३)।

राधावालविनोद (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० स० १८३२। वि० राधाजी का बाल चरित्र।
प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१६६ बी।

राधामाधव मिलन बुधविनोद (पद्य)—कालिदास (त्रिवेदी) कृत। वि० नायिकाभेद और राधाकृष्ण मिलन प्रसंग।
प्रा०—श्री ब्रह्मभट्ट नानूराम, जोधपुर।→०१-६८।

राधामुखषोडशी (पद्य)—गोविंद (सुकवि) कृत। वि० राधा के मुख की प्रशंसा।
प्रा०—पं० परशुराम चतुर्वेदी, एम० ए०, एल एल० बी०, बलिया।→४१-६१।

राधारमण के नित्य कीर्तन के पद (पद्य)—गल्लूजी (गोस्वामी) कृत । वि राधाकृष्ण की भक्ति ।
प्रा —पं राममद्र पुजारी, कालाखेड़ा, डा मौरावाँ (उन्नाव) ।→२६-१२२।

राधारमण रससागर लीला (पद्य)—अन्य नाम राधिकारमण रससागर । किशोरीदास कृत । र का सं १७५७ । वि राधाकृष्ण विहार ।
(क) लि का सं १८८३ ।
प्रा —गो राधाचरण वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१ ६ ।
(ख) लि का सं १८८३ ।
प्रा —गो राधाचरण वृंदावन (मथुरा) । →१७ ६८ ।
(ग) लि का सं १६११ ।
प्रा०—गो दामोदराचार्य वैष्णव शास्त्री राधारमणजी का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→४१ १८६ ।
(घ) लि का सं १६१६ ।
प्रा —पं रघुनाथराम गायघाट वाराणसी ।→ ६-१६१ ।

राधारमण विहार माधुरी (पद्य)—माधुरीदास कृत । वि कृष्णलीला ।
प्रा —पं केदारनाथ पाठक बेलीखीर्गज मिरजापुर ।→ २-१ ४ (एक) ।

राधारहस्य (पद्य)—दीक्षाप्रसाद (पंडित) कृत । र का सं १६ ६ । लि का सं १६१८ । वि राधाकृष्ण के जन्म से लेकर विवाह तक का वर्णन ।
प्रा —बाबू सेवाकुमार वकील लखीमपुर (खीरी) ।→२६-१ ५ ।

राधाविनोद (गद्य)—अन्य नाम 'राधाविलास । जयद्युम्न कृत । वि राधाकृष्ण का विहार ।
(क) प्रा —श्री शिवदयाल भीखमपुर डा सफीपुर (उन्नाव) । → २६-२ ६ बी ।
(ख)→पं २२-४७ बी ।

राधाविनोद (पद्य)—हरिवंशसिंह (राजा) कृत । वि राधा जी के रंग प्रसंग का वर्णन ।
(क) लि का सं १६ ।
प्रा०—महाराज अयोध्या का पुस्तकालय अयोध्या ।→ ६-१११ ।
(ख) लि का सं १६८१ ।
प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→ ६-१७२ (विवरण अप्राप्त) ।

राधाविलास (पद्य)—हरिकाप्रसाद कृत । वि कृष्ण की लीलाएँ ।
(क) लि का सं १६१८ ।
प्रा०—श्री रामदीन काछी बल्लभपुर कर्रा (उन्नाव) ।→२६-११४ ए ।
(ख) लि का सं १६४१ ।

प्रा०—ठा० अजयपालसिंह, शिकोहाबाद, डा० मुरादाबाद (उन्नाव)। → २६–११४ बी।

(ग) प्रा०—प० शिवदुलारे, डा० मगरैर (उन्नाव)।→२६–११४ सी।

राधाविलास (पद्य)—रामदास (बरसानिया) कृत। वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ।

प्रा० याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१–२४७ घ।

राधाविलास→'राधाविनोद' (जयसुख कृत)।

राधावृजराजजस→'ककहरा' (लाल कवि कृत)।

राधाशतक (पद्य)—हठी (द्विज) कृत। र० का० स० १८४७। वि० राधा जी की महिमा।

(क) लि० का० स० १९१९।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक, छतरपुर। → ०५–८९।

(ख) लि० का० स० १९२०।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, कौंथा (उन्नाव)।→२३–१६३।

राधाष्टक (पद्य)—परमानद (हित) कृत। वि० राधा जी की प्रशसा।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२०४ डी (विवरण अप्राप्त)।

राधासुधानिधि की टीका→'भावविलास' (हित वृदावनदास चाचा कृत)।

राधासुधानिधि टीका (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १९५२। वि० राधा सुधानिधि काव्य की टीका।

प्रा०—श्री हिंदी साहित्य पुस्तकालय, मौरावाँ (उन्नाव)।→स० ०४–४८७।

राधासुधानिधि सटीक (पद्य)—हितदास कृत। र० का० स० १८३४। वि० राधाकृष्ण विहार विषयक हित हरिवश जी कृत 'सुधानिधि काव्य' की टीका।

(क) लि० का० सं० १८४१।

प्रा०—श्री जुगलवल्लभ गोस्वामी, राधावल्लभ का मदिर, वृदावन (मथुरा)। →१२–७६ बी।

(ख) लि० का० स० १८४१।

प्रा०—प० भगवतप्रसाद, राधाकुड (राधावल्लभ जी का मदिर), मथुरा।→ ३८–६६।

राधास्वामी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राधास्वामी सप्रदाय के सिद्धात।

प्रा०—श्री उमाशकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई।→२६-९० (परि० ३)।

राधिकारमण रससागर→'राधारमण रससागर' (किशोरीदास कृत)।

राधिकाशतक→'राधाशतक' (हठी द्विज कृत)।

राधेकृष्ण – स० १८९० के लगभग वर्तमान।

औषधि सग्रह (गद्यपद्य)→२०–१३७।

राधेहरि मिलन सतसई (पद्य)—शिवबख्तसिंह कृत। र का सं १८८ । लि का सं १ ८ । वि राधाकृष्ण का वियोग शृंगार।
प्रा६—ठा रघुनाथसिंह बलबहादुरसिंह, ससोगरा डा नैनी (इलाहाबाद) → सं १-४१७ ख।

रानारासा→ 'राणारासा' (दयालदास कृत)।

रानोमंगी (पद्य)—मंदराम (?) कृत। वि कृष्ण राधिका प्रेम।
प्रा —ठा प्रतापसिंह रठौली डा डोलीपुरा (आगरा)।→ २९-२४४ आई।

राम—सं १९ २ के पूर्व वर्तमान।
सामुद्रिक (पद्य)→ सं ४-१२१।

राम→ आत्माराम (जयसिंहप्रकाश के रचयिता)।

राम (कवि)—कान्यकुब्ज ब्राह्मण। जगदीशपुर निवासी। बलभद्रसिंह के आश्रित।
सं १८८१ के लगभग वर्तमान।
बलभद्रप्रकाश (पद्य →२६-३७१।

राम (कवि)—भरतपुर के अंतर्गत वन के राजा भागसिंह के पुत्र राजा फतेहसिंह के आश्रित।
फतेहसिंहप्रकाश (पद्य)→ पं २२-८८।

राम (कवि)—विक्रम नगर निवासी। सहजराम के आश्रित। सं १८१४ के लगभग वर्तमान।
सहजराम चंद्रिका (गद्यपद्य)→ ४-९१ ११-१४४।

राम (कवि)—शालिवाहन (?) वंश में किसी राजा के आश्रित। सं १९ ८ के लगभग वर्तमान।
वैद्यशिरोमणि (पद्य)→ सं ४-१२४।

राम (कवि)—अन्य नाम हितराम। ब्राह्मण। डीग (भरतपुर) निवासी।
पिंगल (पद्य)→सं १-११७ क।
मंगल शाखोच्चार (पद्य)→ सं १-११ ख।

राम (कवि)—मीरकरी निवासी। सं १९२७ के पूर्व वर्तमान।
गापनहंमर (पद्य)→२९-२८५

राम (कवि)—सं १८४१ के पूर्व वर्तमान।
गुलसागर (पद्य)→ २६-२४५।

राम (कवि)—संभवतः १९वीं शताब्दी के आरंभ में वर्तमान।
बिहारी सतसई (पद्य)→ १८-११९।

राम (कवि)—जन्म सं १८९८।
भक्तचरित (पद्य)→ ११ २४१।

राम (कवि)→'रामनाथ (नागर)' ('अजननिदान टीका' के रचयिता)।
राम (कवि)→'रामलाल' ('विजयसुधानिधि' आदि के रचयिता)।
राम (कवि)→ 'हृदयराम' (पजाब निवासी)।
रामअक्षरी (पद्य)—स्यामीदास (स्वामीदास) कृत। वि० रामचरित्र।
प्रा०—कुँवर हाकिमसिंह, खजुराहा, तह० राजनगर (छतरपुर)। → स० ०१-४७२।
रामअनुग्रह (पद्य)—गगाप्रसाद (उदैनिया) कृत। र० का० स० १८४४। वि० योगवाशिष्ठ का साराश।
(क) लि० का स० १८६१।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउटेंट), छतरपुर।→ ०६-३४।
(सं० १६१८ की एक प्रति लाला विद्याधर जी, हरिपुर के पास है)।
(ख) लि० का० स० १६०६।
प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→ १७-६०।
रामअलकार→ 'रामचद्राभरण' (गोप कवि) कृत।
रामअवतार लीला(पद्य)—मलूकदास कृत। वि० राम चरित्र।
प्रा०—बाबा महादेवदास, कड़ा (इलाहाबाद)।→ १७-१०६ बी।
रामअश्ववर्णन (पद्य)—दीनबधु (कुर्मी) कृत। वि० जनकपुर में श्री रामचद्र जी के घोडे की प्रशसा।
प्रा०—पं० रामप्रसाद, उम्भियानी (इटावा)।→३८-४४।
रामअष्टक (पद्य)—रामानद (?) कृत। लि० का० स० १८६७। वि० राम स्तुति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→ ४१-२११।
रामआखेट कवित्त (पद्य)—रघुवरशरण कृत। वि० रामचद्र जी का शिकार खेलने का वर्णन।
प्रा०—श्री बजरगीसिंह, स्टेशन रूपमऊ (रायबरेली)।→२३-३३४।
रामआसरे—(?)
वैद्यकसार सग्रह (गद्य)→ २६-३७४।
रामऔतार—स० १६१६ के लगभग वर्तमान।
शिवपार्वती विवाह (पद्य)→ २६-२८६ ए, बी।
रामऔतारदास—(?)
हितउपदेशविलास (पद्य)→स० ०७-१६३।
रामकठाभरण (पद्य)—भागवतदास कृत। र० का० स० १८८६। लि० का० स० १६२६। वि० रामचरित्र।
प्रा०—हिंदी साहित्य समेलन, प्रयाग।→४१-१७३ ट।

रामकलहरा (पद्य)—पीतांबर कृत । वि रामचरित्र ।
प्रा —श्री बिहारी पंडित सहजोरा (रायबरेली) ।→ सं ४-२ ७ ।
रामकथा कल्पद्रुम (पद्य)—हरदार (कवि) कृत । लि का सं १८६१ ।
वि रामचरित्र ।
प्रा —सदन सदन चमेठी (मुलतान) ।→ सं १-४४१ ल ।
रामकलन—श्यामराम के पुत्र और ईश्वरभानु के पौत्र । 'ग्रहण वर्णन' के लिपिकर्ता । →
९-८ ।
रामकरना (पद्य)—उदय (उदयराम बैरव) कृत । वि अहिरावण वध ।
(क) लि का सं १८८६ ।
प्रा —श्री रामदत्त हौंसिया ग्रा बरसाना (मथुरा) ।→ ३१-२२१ के ।
(ख) प्रा —श्रीमती सुखिया ब्राह्मण हैंसिला, ग्रा अछनेरा (आगरा) । →
१२-२२१ आई ।
(ग) प्रा —श्रीमती सुखिया ब्राह्मण हैंसिला ग्रा अछनेरा (आगरा) । →
१२-२२१ जे ।
टि प्रस्तुत ग्रंथ 'उदयप्रेमावली' में भी संकलित है ।
रामकथाधर (पद्य)—सोमनाथ (शशिनाथ) कृत । वि रामचरित्र ।
प्रा —दी पब्लिक लाइब्रेरी भरतपुर ।→ १७-१८६ सी ।
रामकलेवा (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत । लि का सं १६२१ । वि राम के धनुष
भंग से विवाह तक की कथा ।
प्रा —पं रामदत्त, रायपुर ग्रा गोनमत (अलीगढ़) ।→ ११-१ ७ के ।
रामकलेवा रहस्य (पद्य)—ग्रन्थ भाग 'जनकराम संवाद' । पर्वतदास कृत । वि दशरथ
के पुत्रों का जनकपुर में कलेवा करना ।
(क) लि का सं १९१७ ।
प्रा —पं शिवदत्त वाजपेयी महोरानियाँ ग्रा मिश्रिख (सीतापुर) । →
२६-३४५ ए ।
(ख) लि का सं १६ ।
प्रा —ठा भगवानसिंह शासनी (अलीगढ़) ।→ २६-३४५ डी ।
(ग) लि का सं १६११ ।
प्रा —श्री गंगादीन मुराऊ लछिमनपुर ग्रा मिश्रिख (सीतापुर) । →
२६-३४५ बी ।
(घ) लि का सं १६१६ ।
प्रा—पं मथाप्रसाद नैपालपुर ग्रा सीतापुर (सीतापुर) ।→११ ३१२ ए ।
(ङ) लि का सं १६११ ।
प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→ ६-८७ बी ।
(च) लि का सं १६१ ।

प्रा०—पंचायती रघुनाथ जी का मंदिर, रजुहा (फतेहपुर)।→ २०-१२५ ए।
(छ) लि० का० सं० १६३६।
प्रा० – ठा० श्रीप्रकाशसिंह जी रईस, हरिहरपुर, डा० बिलबलिया (बहराइच) ।→ २३-३१२ बी।

रामकलेवा रहस्य (पद्य)—अन्य नाम 'रामकलेवा'। रामनाथ (प्रधान) कृत। र० का० सं० १६०२। वि० राम जी का जनकपुर में कलेवा करना।
(क) लि० का० सं० १६०८।
प्रा०—लाला देवीप्रसाद मुतसद्दी, छतरपुर।→ ०६-२१४ (विवरण अप्राप्त)।
(ख) लि० का० सं० १६२४।
प्रा०—श्री विट्ठलदास महंत, मिरजापुर (बहराइच)।→ २३-३४६ सी।
(ग) मु० का० सं० १६३८।
प्रा०—श्री रामफेर, मडा, डा० हँसरबाजार (बस्ती)।→ सं० ०४-३३४ ख।
(घ) प्रा०—पं० भगवानदीन, इनोना (रायबरेली)।→२३ ३४६ डी।
(ङ) प्रा०—राजा भगवानबक्ससिंह, अमेठी (सुलतानपुर)।→ २३-३४६ ई।
(च) प्रा०—पं० राधाकृष्ण शास्त्री, अध्यापक, किठावर पाठशाला, डा० पूरबगाँव (प्रतापगढ)।→ २६-३८६ ए।
(छ) प्रा०—पं० राघवराम, सहायक अध्यापक, प्राइमरी स्कूल, आममऊ, डा० गड़वारा (प्रतापगढ)।→ २६-३८६ बी।
(ज) प्रा०—श्री नन्हकूप्रसाद, चवजीतपुर, डा० सुजानगंज (जौनपुर)। → सं० ०४-३३४ क।

रामकिंकर—(?)
कुंडलीचक्र (ग्रंथ) (पद्य)→ सं० ०४-३२५।

रामकुंडलिया (पद्य)—पलटूदास कृत। वि० ज्ञान और भक्ति।
प्रा०—महंत त्रिवेणीदास, पलटूदास का मंदिर, अयोध्या।→ २०-१२४ सी।

रामकुंडलिया (पद्य)—भीखासाहब कृत। लि० का० सं० १८८६। वि० रामभक्ति का उपदेश।
प्रा०—महंत राजाराम, मठ भिटबड़ागाँव, रामशाला (बलिया)। → ४१-१७४ ग।

रामकूटविस्तार (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत। र० का० सं० १८६३। लि० का० सं० १६४१। वि० विविध।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउटेंट), छतरपुर।→ ०६-१६५ बी (विवरण अप्राप्त)।

रामकृष्ण—मथुरा निवासी।
सुखसमूह (पद्य)→३२-१७६।

रामकृष्ण— (?)

कार्तिकमाहात्म्य (पद्य)→२६-२८८ ए, बी, सी।

रामकृष्ण—(?)

म्यारिनीभाषा (पद्य)→२६-३८१ सं १-११८।

रामकृष्ण—(?)

लक्ष्मीचरित्र (पद्य)→४१-२२२ सं १-३४।

रामकृष्ण—(?)

विनयपच्चीसी (पद्य)→सं १-११६।

रामकृष्ण—गिरिधारीसिंह के मित्र। कवान लिखने में प्रवीण।→दि ११-११।

रामकृष्ण (चौबे)→'बालकृष्ण (नायक)' (बुंदेलखंड निवासी)।

रामकृष्णयश (पद्य)—शेरसिंह (कुँवर) कृत। र का सं १८७६। लि का सं १८५। वि राम और कृष्ण का यश वर्णन।

प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ ९-२६।

राम के ककहरा (पद्य)—मारी साहब कृत। लि का सं १८६७। वि ज्ञानोपदेश।

प्रा —महंत राजाराम थिरवहागाँव (बलिया)।→४१-१५ ग।

रामगरीब (चौबे)—उप गरीब जू।

कवित्त (पद्य)→सं १-१४१।

रामगीतमाला (पद्य)—क्षेमकरन (मिश्र) कृत। वि राम चरित्र।

(क) प्रा —पं ब्रजबिहारी बनौली (बाराबंकी)।→२१-२२७ ई।

(ख) प्रा —पं भाजीराम शर्मा बाजार सीताराम कूचा शरीफ बेग का सुन्दराराम जी का मंदिर दिल्ली।→दि ११-५१ ए।

(ग) प्रा —श्री ब्रजकिशोर गुप्त पुराना शहर इटावा।→दि ११-५२ बी।

(घ) प्रा —हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग।→सं १-६१।

रामगीता (पद्य)—गोपालदास (द्विज) कृत। वि अध्यात्म।

प्रा —श्री संतान मुराऊ परिवा डा पिपरी (बहराइच)।→२१-१११ ए।

रामगीता (पद्य)—जवाहरदास कृत। र का सं १८८५। लि का सं १९११। वि ज्ञानोपदेश और भक्ति।

प्रा०—श्री हरिशरणदास एम ए कमोली डा रानीकटरा (बाराबंकी)।→सं ४-१८१ द।

रामगीता (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि राम का सौमित्र को आत्मज्ञान का उपदेश देना।

प्रा —पं हरिप्रसाद अकेवर (इटावा)।→२५-१८१।

रामगीता (गद्य)—अन्य नाम 'ब्रह्मविलास'। रचयिता अज्ञात। लि का सं १८८। वि ब्रह्म ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री गोपालचद्रसिंह, विशेष कार्याधिकारी, हिंदी विभाग, प्रातीय सचिवालय, लखनऊ ।→स० ०४-४८८ ।

रामगीता→'गीतावली' (गो० तुलसीदास कृत) ।

रामगीता अष्टक (पद्य)—मातादीन (शुक्ल) कृत । र० का० स० १८६६ । वि० राम स्तुति ।

(क) लि० का० स० १६२२ ।

प्रा०—श्री देवनाथ उपाध्याय, खेतकुरी, डा० धमौर (सुलतानपुर) । → स० ०१-२८३ ट ।

(ख) लि० का० स० १६३१ ।

प्रा०—प० कुबेरदत्त शुक्ल, शुक्ल का पुरवा, डा० अजगरा (प्रतापगढ) । → २६-२६७ सी ।

(ग) लि० का० स० १६३१ ।

प्रा०—श्री नानकराम, भोजपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) ।→२६-२६७ डी ।

(घ) लि० का० स० १६३१ ।

प्रा०—श्री सरस्वतीप्रसाद उपाध्याय, सुदीकपुर (तारडीह), डा० फूलपुर (इलाहाबाद) ।→स० ०१-२८३ घ ।

(ट) मु० का० स० १६२२ ।

प्रा०—राज पुस्तकालय, किला, प्रतापगढ ।→स० ०४-२६३ ज ।

(च) मु० का० स० १६३१ ।

प्रा—श्री शिवमूरति दूबे, सोनाई, डा० बरसेठी (जौनपुर) ।→सं० ०४-२६३ झ ।

रामगीता की टीका (गद्य)—यमुनाशकर (नागर) कृत । र० का० सं० १६२६ । लि० का० स० १६२६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री बनवारीदास पुजारी, बह्मनटोला का मदिर, समाई, डा० एतमादपुर (आगरा) ।→२६-२२६ बी ।

रामगीता की टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० अध्यात्म रामायण के दार्शनिक सवाद ।

प्रा०—ठा० ब्रजभूषणसिंह, भुकवारा, डा० परियावाँ (प्रतापगढ) । → २६-६१ (परि० ३) ।

रामगीतावली→ 'गीतावली' (गो० तुलसीदास कृत) ।

रामगुणोदय (पद्य)—धनीराम कृत । र० का० स० १८६७ । वि० रामाश्वमेध यज्ञ का वर्णन ।

(क) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । → ०३-११६ ।

(ख) प्रा —महाराज श्रीप्रकाशसिंह जी मल्लाँपुर (सीतापुर)। → २६–२१६ए।

रामगुलाम—(?)

पारासरीभाषा की भाषा टीका (गद्य)→ सं ७–११४।

रामगुलाम (द्विवेदी)—मिरजापुर निवासी। तुलसी कृत रामायण के विशेष मर्मज्ञ। सं १८७०–११ १ के लगभग वर्तमान।

प्रबंधरामायण (पद्य)→ १–२८० बी।

रामचैतीसी (पद्य)→सं १–१४२।

रामायण (किष्किंधाकांड) (पद्य)→ १–२४७ सी।

विनयनवपंचक (पद्य)→ ६–२११ १७–१८०।

संकटमोचन (पद्य)→ १–२४७ ए।

रामगुसाँई (द्विज)→ 'रामनारायण' ('सनेहलीलामृत पच्चीसी' के रचयिता हनुमंत के सहयोगी)।

रामगोपाल—सं १८८१ के पूर्व वर्तमान।

अष्टयाम (पद्य)→ १७–१४१।

रामगोपाल वैद्यकराज (गद्य)—लघुलाल कृत। वि वैद्यक।

प्रा —लाला प्रभुलाल वैद्य फिरोजाबाद (आगरा)→ २६–२१६।

रामचंद्र—जैन। केशवदास के पुत्र। पद्मराग के शिष्य। राजपूताना में जन्म। अनंतर जन्नू में जा बसे थे। औरंगजेब के समकालीन। सं १७२ के लगभग वर्तमान।

रामविनोद (गद्यपद्य)→ १–६२ १–११२ १–२४४ २–१४१ ए, बी पं २२–८६ ए, २३– १७ ए, बी २६–१७७ ए बी।

वैद्यविनोद शार्ङ्गधर (भाषा) (गद्य?)→ पं २२–८६ बी।

रामचंद्र—आगरा निवासी। सं १९२७ के लगभग वर्तमान।

उपदंशचिकित्सा (गद्य)→ २६–१०६।

रामचंद्र—राजपूताना निवासी। बहादुरसिंह दीवान के आश्रित। सं १८५८ के लगभग वर्तमान।

ज्योतिषपद्धति (पद्य)→ २६–२८।

रामचंद्र—जैन। सं १ ११ के पूर्व वर्तमान।

सम्यक्त्वगद्य (गद्य)→ १८–११५।

रामचंद्र (?)—सं १९ ४ के पूर्व वर्तमान।

चंद्रचंद्रिका (गद्यपद्य)→४१–२२१।

रामचद्र—(?)

कवित्त (पद्य)→ स ०१–३४३ ।

रामचंद्र→ 'चनरूराम' (नवनिधिदास के गुरु) ।

रामचद्र (गोसाँई)—(?)

राधाकृष्ण विनोद (पद्य)→ ०६–३१३ ।

रामचद्र (जैन)—केशवानददेव के शिष्य । स० १७६२ के लगभग वर्तमान ।

चौबीसतीर्थंकरों की पूजा (जयमाल) (पद्य)→ ३२–१७४ बी, स० १०–११४ ।

पुण्याश्रवकथाकोश (भाषा) (गद्यपद्य)→ २३–३३८, ३२–१७४ ए ।

रामचद्र (बसु)—सं० १६२४ के लगभग वर्तमान ।

कादबरी (गद्य)→२६–३७५ ए, बी, सी, डी ।

रामचद्रऔतार (पद्य)—तुलसीदास कृत । वि० रामावतार का वर्णन ।

प्रा०—प० नत्थीराम पुरोहित कौशिक, पुरानी डीग (भरतपुर) ।→३८–१५४ ।

रामचद्र की बारहमासी (पद्य)—छेदालाल कृत । वि० रामकथा ।

प्रा०—लाला तुलसीराम श्रीवास्तव, रायबरेली ।→२३–७६ ।

रामचद्र की बारहमासी (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । वि० सक्षिप्त राम चरित्र ।

प्रा०—प० रामजती, बड़ागाँव, डा० कमतरी (आगरा) ।→२६–३२५ आई ।

रामचद्र की बारहमासी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० स० १६२८ । वि०वनवास में राम की वर्षचर्या का विवरण ।

प्रा०—ठा० गयादीनसिंह, नोहरहसनपुर, डा० रखहा (प्रतापगढ) । → २६–६२ (परि० ३) ।

रामचंद्र की बारहमासी→'रामजी के बारहमासा' (भवानी कृत) ।

रामचद्र के विवाह का बारहमासा (पद्य)—प्रयागदत्त कृत । वि० श्री रामचद्र के विवाह का वर्णन ।

प्रा०—बाबू विसेश्वरनाथ, शाहजहाँपुर ।→१२–१३३ ।

रामचद्रचंद्रिका→'रामचद्रिका' (केशवदास कृत) ।

रामचद्रचद्रिका→'रामचद्रिका की चद्रिका' (जगतसिंह कृत) ।

रामचद्रचरित (पद्य)—शिवसिंह कृत । र० का० स० १८५७ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगाराज (बहराइच) ।→२३–३६७ जी ।

रामचद्रजी की सवारी (पद्य)—व्रजजीवनदास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर । → ०६–३४ के ।

रामचंद्रजी रो रामरासो → 'गुणरामरासो तथा रामरासो' (माधवदास चारण कृत)।

रामचंद्र ज्ञानविज्ञान प्रदीपिका (पद्य)—रामदास (स्वामी) कृत। लि का सं १९५ ।
वि गुरु महिमा तथा ज्ञान विज्ञान।
प्रा —महंत लक्ष्मणलालशरण, अयोध्या।→ ६-२४८।

रामचंद्रवंश वर्णन और झाँकी वर्णन (पद्य)—गणेश (कवि) कृत। वि रामचंद्र जी के वंश तथा झाँकी का वर्णन।
प्रा —श्री महेश्वरप्रसाद वर्मा ग्रा नौर डा रामपुर (आजमगढ़)।→ ४१-४७ ए।

रामचंद्र वनवास (पद्य)—हरिवंश कृत। वि राम वनवास का वर्णन।
प्रा —पं बाबूराम शर्मा ग्राम तथा डा उराबर (मैनपुरी)।→१२-८४ बी।

रामचंद्र स्वामी परार्द्ध चरित्र (पद्य)—देवराज (चौहान) कृत। र का सं १८९६।
वि राम कथा।
प्रा —मुं शंकरलाल कुलश्रेष्ठ, सैरगढ़ (मैनपुरी)।→१२-५२।

रामचंद्र हनुमान की नामावली (पद्य)—बलदेवदास कृत। र का सं १९१५।
लि का सं १९११। वि सीता राम और हनुमान जी के नामों के पर्याय शब्द।
प्रा —पं रामशंकर बाजपेयी बहोरिका बाजपेयी का पुरवा, डा सिसैया (बहराइच)।→२३-१ बी।

रामचंद्राभरण (पद्य)—अन्य नाम रामअलंकार'। गोप (कवि) कृत। वि अलंकार।
(क) लि का सं १९५१।
प्रा —लाला हीरालाल चौधरी मनीस धरसारी।→०६-१९ ए।
(सं १८८८ की एक अन्य प्रति श्री गौरीशंकर कवि दतिया के पास है)।
(ख) प्रा०—श्री कपिलदेवप्रसाद, विभासपार, डा लालीताबाद (बस्ती)।
→ ३ ४-७७।

रामचंद्रिका (पद्य)—अन्य नाम 'रामचंद्रचंद्रिका । केशवदास कृत। र का सं १६५८। वि रामचरित।
(क) लि का सं १९८५।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→११-२ ७ डी।
(ख) लि का सं १८११।
प्रा —पं रामशंकर बाजपेयी बहोरी के बाजपेयी का पुरवा डा सिसैया (बहराइच)।→११-२ ७ ई।
(ग) लि का सं १८४१।
प्रा —पं बेनीमाधव उर्फ बचा हसनपुर (सुलतानपुर)।→११ २ ७ एफ।
(घ) लि का सं १८४९।
प्रा —श्री मुरलीधर केशवदेव मिश्र कामैर (आगरा)।→२९-१९१ सी।
(ङ) लि का सं १८६७।

प्रा०—ठा० बसतसिंह, उदवा, डा० शाहमऊ (रायबरेली) ।→२३-२०७ जी ।
(च) लि० का० स० १८६६ ।
प्रा०—प० वेनीप्रसाद बरुआ, बमरोली कटारा (आगरा))→२६-१६२ ए ।
(छ) लि० का० स० १६१० ।
प्रा०—लाला भागवतप्रसाद, सधवापुर, डा० सिसैया (बहराइच) ।→ २३-२०७ एच ।
(ज) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→ ०३-२१ ।
(स० १८८२ और १८८८ की दो प्रतियाँ इस पुस्तकालय मे और हैं) ।
(झ) प्रा०—प० दुर्गाप्रसाद तिवारी, बाँध (नरीपाल) (उन्नाव) ।→ २६-२३३ ई ।
(ञ) प्रा०—श्री हुक्मसिंह अध्यापक, मिढाकुर (आगरा) ।→२६-१६२ नी ।

रामचद्रिका की चद्रिका (पद्य)—अन्य नाम 'रामचद्रचद्रिका' । जगतसिंह कृत ।
वि० केशव कृत 'रामचद्रिका' के समस्त छदों का लक्षण निरूपण ।
(क) लि० का० स० १८८५ ।
प्रा०—भैया सतबकशसिंह, गुठवारा (बहराइच) ।→२३-१७६ एफ ।
(ख) प्रा०—बाबू पद्मबरूगसिंह, लवेदपुर, भिनगा (बहराइच) । → २३-१७६ जी ।

रामचद्रिका तिलक→'रामभक्तिप्रकाशिका' (जानकीप्रसाद कृत) ।

रामचंद्रोदय (लकाकाड) (पद्य)—कलानिधि (श्रीकृष्ण कवि) कृत । वि० राम कथा ।
प्रा०—प० मदनलाल, गलीकसेरान, रामदासजी की मडी, मथुरा ।→ ३८-१४६ ।

रामचरण - मॉडा (लखनऊ) निवासी । स० १ ९६ के लगभग वर्तमान ।
उषाअनिरुद्ध का ब्याह (पद्य)→२०-१४४ ।

रामचरण (स्वामी)—शाहपुरा (राजपूताना) निवासी । रामजन, सूरतराम और नवलराम के गुरु । रामसनेही पथ के सस्थापक । जन्म स० १८०६ । मृत्यु स० १८५५ ।→०२-६४, प० २२-४३, पं० २२-७१ ।
अणभैविलास (पद्य)→२६-२८१ जी ।
अमृतउपदेश (पद्य)→२६-२८१ ई ।
कवित्त (पद्य)→३२-१७५ जे, के, एल ।
कालज्ञान (पद्य)→प्र० २२-६२, २३-३४० बी, सी, २६-३७६ ।
कुडलिया (पद्य)→३२-१७५ एम ।
कुडलिया और पद (पद्य)→स० ०७-१६५ क ।

गावनपद (पद्य)→पं २२-६१ बी ।
गुरुमाहात्मा (पद्य)→१२-१७५ एक बी एच सं ७-१६५ ल ।
चंद्रराइण (पद्य)→१२-१७५ ए ।
चिंतावणी (पद्य)→२ -१४३ पं २२-६१ ए, १२-१७८ बी डी जी ई;
सं ७-१६५ ग घ ।
जिज्ञासबोध (पद्य)→१६-२८१ ए ।
दयालुसागर (पद्य)→१८-११६ ए ।
नामप्रताप (पद्य)→पं २२-६१ डी १२-१७५ पी क्यू आर ।
सं ७-१६५ क च ।
नाममाहात्म्य (पद्य)→पं २२-६१ सी ।
पद (पद्य)→१८-११६ बी ।
मनखंडन (ग्रंथ) (पद्य)→पं २२-६१ सी १२-१७५ आई एम ओ
सं ७-१६५ छ ।
रामचरणजी की बानी (पद्य)→पं २२-६१ ई २१-१४ ए ।
रामचरणजी के शब्द (पद्य →१६-२८१ एफ १२-१७५ एल, डी ।
रामरसाइनि (पद्य)→१६-२८१ एच ।
रेखता (पद्य)→१२-१७५ यू ।
वाणीधर्म (पद्य →सं ७-१६५ ब ।
बिश्रामबोध (पद्य)→१६-२८१ बी ।
बिस्वासबोध (पद्य)→१६-२८१ डी ।
शब्द (पद्य)→१२-१७५ वी ।
शब्दप्रकाश (पद्य)→१२-१७५ डब्ल्यू एक्स वाई सं ७-१६५ झ ।
समतानिवास (ग्रंथ) (पद्य)→१६-२८१ सी ।
सवैया (पद्य)→१२-१७५ बी[१] ।
साखी (पद्य)→१२-१७५ ए ।
साखी (देह को अंग) (पद्य)→१२-१७५ सी ।
साखी (मन को अंग) (पद्य)→१२-१७५ बी[१] ।
साखी (माया को अंग) (पद्य)→१२-१७५ बेड ।
सुखविलास (पद्य)→१६-२८१ आई ।
रामचरण (स्वामी)→देवीनराम (रामसनेहामी के रचयिता) ।
रामचरण के शब्द (पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत । वि निर्गुण भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि का सं १६ ।
प्रा०—पं शिवदत्त वैद्य बजाई का नगला डा सिकन्दराराव (अलीगढ़) ।→
१६-२८१ एफ ।

(ख) प्रा०—प० रघुनाथप्रसाद, ताल भदान, डा० मदान (मैनपुरी) ।→ ३२–१७५ एस ।

(ग) प्रा०—प० हुन्नलाल तिवारी, मदनपुर (मैनपुरी) ।→३२–१७५ टी ।

रामचरणजी की बानी (पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत । र० का० स० १८३४ ।
वि० ज्ञान और उपदेश ।

(क) लि० का० स० १८५२ ।

प्रा०—श्री हरवशराय, टिकारी (रायबरेली) ।→२३–३४० ए ।

(ख)→प० २२–६१ ई ।

रामचरणदास—सुप्रसिद्ध महात्मा । अयोध्या के महत । जानकीचरण के गुरु । रामोपासना के अतर्गत पति पत्नी भाव की उपासना इन्होने ही चलाई थी और अपनी शाखा का नाम 'स्वसुखी' शाखा रखा था । स० १८४४–८१ के लगभग वर्तमान ।→१७–८४ ।

अमृतखड (पद्य)→२०–१४५ ए ।

अष्टयाम सेवाविधि (पद्य)→०६–२४५ एफ, २०–१४५ जी, २६–३७८ ए, बी, स० ०४–३२७ ज ।

उपासनाशतक (पद्य)→२०–१४५ सी ।

कवितावली (पद्य)→०६–१४५ जे, १७–१४३ बी ।

काव्यशृगार (पद्य)→२६–३७८ जी ।

कौशलेंद्ररहस्य (पद्य)→०३–६८ ।

छप्पय रामायण (पद्य)→०६–२४५ जी ।

जयमाल सग्रह (पद्य)→०६–२४५ एच ।

झूलना (पद्य)→४१–२२५ ।

तीर्थयात्रा (पद्य)→०६–२४५ एल ।

दृष्टातबोधिका (पद्य)→०६–२११, ०६–१४५ के, १७–१४३ ए, ई, २३–३३६ बी, सी, २६–३७८ ई, एफ, स० ०४–३२७ क, ख ।

नामशतक (पद्य)→२०–१४५ बी ।

पदावली (पद्य)→०६–२४५ एम, १७–१४३ सी, २३–३३६ डी ।

पिंगल (पद्य)→०६–२४५ ए ।

रसमालिका (पद्य)→०३–४४, ०६–२४५ सी, स० ०४–३२७ घ, ड ।

रामचरित्र (पद्य)→१७–१४३ डी ।

रामजानकी चरण चिह्न (पद्य)→०६–२४५ आई, २३–३३६ ए, २६–३७८ सी ।

रामानदलहरी(गद्यपद्य)→०४–६३, ०६–२४५ डी, १२–१४४, २३–३३६ ई, एफ, २६–३७८ एच, स० ०४–३२७ छ ।

रामरत्नसार सग्रह (पद्य)→स० ०४–३२७ च ।

विरहशतक (पद्य)→ ६–२४५ एन २ –१४५ ई २१–११६ बी।
विवेकशतक (पद्य)→२०–१४५ एफ।
वैराग्यशतक (पद्य)→२०–१४५ डी सं ४–१२७ ग।
षतपंचासिका (पद्य)→ ६–२४५ बी २६–१७८ डी।
रामचरित दोहावली (पद्य)—पुरुषप्रसाद (गंगाप्रसाद) कृत। वि गो तुलसी दास जी के आधार पर रामचरित वर्णन।
प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७–११।
रामचरितमानस (पद्य)—तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। र का सं १६३१। वि रामचरित्र वर्णन।
पूर्ण
(क) लि का सं १७०४।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ०–१।
(ख) लि का सं १७२१।
प्रा —बा भूसनसिंह तेवराई डा मदवारा (गाजीपुर)।→सं १–१४१ ग।
(ग) लि का सं १७६२।
प्रा —कलाभवन काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→४१–५ ड (प्रप्र)।
(घ लि का सं १७७७।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १–१४१ घ।
(ङ) लि का सं १७८१।
प्रा०—श्री रामराज पाडेय मझहौ, डा पतरही (जौनपुर)।→सं १–१४१ ड।
(च) लि का सं १६ १–२।
प्रा —ठा विश्वनाथसिंह जमींदार मरहना (इलाहाबाद)।→१७–१६६ डी।
खंडित
(छ) लि का सं १८३१।
प्रा —श्री उमाशंकर दूबे साहित्यान्वेषक नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→ २६–४८४ ओ (अयोध्या कांड के अतिरिक्त शेष सब कांड)।
(ज) लि का सं १६१६।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→२६–४८४ पी (बालकांड अयोध्या कांड सुंदर कांड और अरण्य कांड के कुछ पृष्ठ लुप्त)।
बालकांड
(झ) लि का सं १६६१।
प्रा —बाबा श्रुतिकिशोरशरण लक्ष्मणकुंज अयोध्या।→ १–२२।
(ञ) लि का सं १६६१।
प्रा०—श्री रामप्रियाशरण लक्ष्मणकुंज वासुदेवघाट, अयोध्या।→२०–१६८ ए।
(ट) लि का सं १७०५।

प्रा०—श्री तामेश्वरप्रसाद मिश्र, टाँगीपुर, डा० भैसाबाजार (गोरखपुर) ।→ स० ०२–१४१ फ ।

(ठ) लि० का० स० १८३४ ।

प्रा०—मु० लक्ष्मीनारायण, ढोलपुरा, डा० फिरोजाबाद (आगरा) । → २६–३२५ बी ।

(ड) लि० का० स० १८५७ ।

प्रा०—बाबा गोपालदास जी, चैतन्य गेट, वाराणसी ।→४१–५०० ज (अप्र०) ।

(ढ) लि० का० स० १८५६ ।

प्रा०—श्री ब्रजमोहनलाल, टेउआँ (प्रतापगढ) ।→२६–४८४ जे ।

(ण) लि० का० स० १८७४ ।

प्रा०—प० राधाकृष्ण, हिरनगऊ, डा० फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६–३२५ टी ।

(त) लि० का० स० १८७६ ।

प्रा०—श्री जानकीप्रसाद, बमरौली कटारा (आगरा) ।→२६–३२५ ई ।

(थ) लि० का० स० १८६५ ।

प्रा०—प० रामरतन शर्मा, शलिफ कुआँ, मुजफ्फरनगर ।→स० १०–५२ ख ।

(द) लि० का० स० १६०१ ।

प्रा०—बकसी गयाप्रसाद जी, उपरहटी, रीवाँ ।→ स० १०–५२ ग ।

(ध) लि० का० स० १६०३ ।

प्रा०—ठा० विंध्याबक्ससिंह, टिकरा, डा० धनौली (बाराबंकी) । → २३–४३२ ओ[२] ।

(न) लि० का० स० १६०८ ।

प्रा०—कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→४१–५००घ (अप्र०) ।

(प) लि० का० स० १६१३ ।

प्रा०—श्री राधाकृष्ण, बनिया की माँ के मदिर के पास, पुरानी बस्ती, कटनी ।→ २६–३२५ सी ।

(फ) लि० का० स० १६२५ ।

प्रा०—ठा० महेश्वरसिंह रईस, विश्वनाथ पुस्तकालय, दिकौलिया, डा० निसवाँ (सीतापुर) ।→३२–४३२ डी[3] ।

(ब) लि० का० स० १६३१ ।

प्रा० श्री उमाशकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→ २६–४८४ के ।

(भ) प्रा०—श्री शीतलप्रसाद, प्रतापगढ ।→२६–४८४ एल ।

(म) प्रा०—श्री नन्हूप्रसाद दूबे, बमरौली कटारा (आगरा) ।→२६–३२५ ए ।

(य) प्रा०—प० सोनपाल ब्राह्मण, सरेंधी, डा० जगनेर (आगरा) । → २६–३२५ एफ ।

अयोध्याकांड

(ट) लि का सं १७७० ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं १-१४१ ल ।
(ठ) लि का सं १७६ ।
प्रा — बाबा हरिदास छर्रा (अलीगढ़) ।→२६-३९५ बी ।
(ड) लि का सं १८११ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-५ ब (प्रथम) ।
(ढ) लि का सं १८१७ ।
प्रा —श्री उमाशंकर दुबे साहित्यान्वेषक नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→ २६-४८४ बी (केवल भरत मिलाप) ।
(ण) लि का सं १८४ ।
प्रा —श्री ब्रह्मचारी जी द्वारा श्री लालताप्रसाद त्रिवेदी सिधौली (सीतापुर) ।→ २६-४८४ सी ।
(त) लि का सं १८६६ ।
प्रा०—पं गंगादत्त मिश्र करसेसर (एटा) ।→२६-३९५ एच ।
(थ) लि का सं ८९२ ।
प्रा —मुंशी ब्रजमोहनलाल टेउआँ (प्रतापगढ़) ।→२६-४८४ डी ।
(द) लि का सं १८७६ ।
प्रा —पं द्वारिकाप्रसाद प्रधानाध्यापक बमरौली कटारा (आगरा) । → २६-३९५ आई ।
(ध) लि का सं १८८४ ।
प्रा —ठा चंद्रिकाबख्शसिंह जमींदार जानीपुर डा बख्शीतालाब (लखनऊ) । →२६-४८४ ई ।
(न) लि का सं १८६५ ।
प्रा —पं रामरतन शर्मा शास्त्रि कुआँ मुजफ्फरनगर ।→सं १ -५२ प ।
(प) लि का सं १८६० ।
प्रा —मुंशी शीतलाप्रसाद अथौगा (प्रतापगढ़) ।→२६-४८४ एफ ।
(फ) लि का सं १६ १ ।
प्रा —बख्शी गयाप्रसाद जी उपरहटी रीवाँ ।→सं १ -५२ ब ।
(ब) प्रा —पं विद्याधर वेणी निवास राजापुर (बाँदा) ।→ १-२८ ।
(भ) प्रा —पं लौनपाल दरैंधी डा कागैर (आगरा) । → २६-३९५ जे ।

अरण्यकांड

(क) लि का सं १७६ ।
प्रा०—पं शिवदुलारे, टीकमपुर डा करसेसर (एटा) ।→२६-३९६ के ।

(झ[1]) लि० का० सं० १८७५ ।

प्रा—श्री उमाशकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→ २६-४८४ ए ।

(ञ[1]) लि० का० स० १८७६ ।

प्रा०—प० जानकीप्रसाद, बमरौली कटारा (आगरा) ।→२६-३२५ एल ।

(ट[1]) लि० का० स० १८८३ ।

प्रा०—प० शालिग्राम शर्मा, महुवा, डा० जैतपुरकलाँ (आगरा) । → २६-३५२ एम ।

(ठ[1]) लि० का० स० १८८७ ।

प्रा०—प० दीनदयाल द्वारकाप्रसाद मिश्र, कागारौल (आगरा) । → २६-३२५ एन ।

(ड[1]) लि० का० स० १८६५ ।

प्रा०—प० रामरतन शर्मा, शालिफ कुआँ, मुजफ्फरनगर ।→स० १०-५२ च ।

(ढ[1]) लि० का० स० १६०४ ।

प्रा०—श्री नत्थूदास वैश्य, पुरानी बस्ती, कटनी ।→२६-३२५ ओ ।

(ण[1]) लि० का० स० १६०६ ।

प्रा०—प० जानकीप्रसाद, बमरौली कटारा (आगरा) ।→२६ ३२५ पी ।

(त[1]) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—श्री जगन्नाथ हलवाई, खटीकान, मुजफ्फरनगर ।→स० १०-५२ छ ।

(थ[1]) प्रा०—बक्शी गयाप्रसाद, उपहटी, रीवाँ ।→स० १०-५२ ज ।

किष्किधाकाड

(द[1]) लि० का० स० १८५५ ।

प्रा०—प० शभुनाथ, बबुरी, डा० अलीगजबाजार (सुलतानपुर) । → २३-४३२ क्यू[2] । (उत्तर, सुदर और किष्किधाकाड)

(ध[1]) लि० का स० १८६२ ।

प्रा०—प० गौरीशकर शुक्ल शास्त्री, जगनेर (आगरा) ।→२६-३२५ क्यू ।

(न[1]) लि० का० स० १८७६ ।

प्रा०—प० जानकीप्रसाद, बमरौली कटारा (आगरा) ।→२६-३२५ आर ।

(प[1]) लि० का० स० १८८० ।

प्रा०—पं० विश्वभरनाथ पाठक, पुरा गगाधर, टिकरिया, डा० गौरीगज (सुलतानपुर) ।→२३-४३२ पी[2] ।

(फ[1]) लि० का० स० १८८७ ।

प्रा०—श्री बटेश्वरदयाल, जैतपुर कलाँ (आगरा) ।→२६-३२५ एस ।

(ब[1]) लि० का० स० १८८७ ।

प्रा०—पं दीनदयाल द्वारिकाप्रसाद, ग्रा कागारौल (आगरा) ।→ २६-१२५ टी ।
(म¹) लि का सं १८२४ ।
प्रा —पं रामरतन शर्मा यांत्रिक कुआँ मुजफ्फरनगर ।→सं १ ५२ क ।
(म²) लि का सं १६ १ ।
प्रा —बख्शी गयाप्रसाद, उपरहटी रीवाँ ।→सं १०-५२ म ।
(य¹) लि का सं १६ २ ।
प्रा०—श्री कीर्तिमानुराव मालगुजार रायबाड़ा कटनी ।→२६-१२५ यू ।
(र¹) लि का सं १६ ४ ।
प्रा०—श्री नामदास वैश्य पुरानी बस्ती कटनी ।→२६-१२५ वी ।
(ल¹) लि का सं १६ ४ ।
प्रा०—श्री गयाधरसिंह रामचरण कामी सरैंधी ग्रा बगलेर (आगरा) ।→ २६-१२५ डब्ल्यू ।
(व¹) लि का सं १६ ५ ।
प्रा०—ठा चंद्रिकासिंह खानीपुर ग्रा तालाबबस्ती (लखनऊ) ।→ ११-४८४ बी ।
(श¹) लि का सं १६११ ।
प्रा —श्री जगन्नाथ हलवाई मंडीकाम स्ट्रीट मुजफ्फरनगर ।→सं १ -५२ ढ ।

सुंदरकांड

(प) लि का सं १६०२ ।
प्रा —पं गजाधर शर्मा कुलही (खलीमपुर) ।→सं १ -५२ ठ ।
(ल¹) लि का सं १७६ ।
प्रा०—बाबा हरिदास कुरा (अलीगढ़) ।→२६-१२५ एक्स ।
(ह) लि का सं १८२५ ।
प्रा —श्री चिरंजीलाल मैरीबाजार आगरा ।→२६-१२५ वाई ।
(क) लि का सं १८ २ ।
प्रा —ठा बलवन्तसिंह टिकरिया ग्रा कासगंज (एटा)→२६-१२५ जेड ।
(ख) लि का सं १८७६ ।
प्रा —पं जानकीप्रसाद बमरौली कटारा (आगरा) ।→२६-१२ ए¹ ।
(ग) लि का सं १८८१ ।
प्रा —श्री वासुदेव हकीम कसाई ग्रा सौंधपुर (आगरा)→२६-१२५ बी ।
(घ) लि का सं १८८८ ।
प्रा —श्री कालिकाप्रसाद मीनेरा ग्रा कमतरी (आगरा)→२६-१२५ सी¹ ।
(ङ) लि का सं १६ १ ।

को सं वि १६ (११ -६४)

प्रा०—बफसी गयाप्रसाद, उपरहटी, रीवाँ ।→स० १०-६२ ड ।

(च[२]) प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२६-४८४ यू ।

(छ[२]) प्रा०—श्री कीर्तिभानुराय, मालगुजार, रायवाड़ा, कटनी ।→२६ ३२५ डी[२] ।

(ज[२]) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-५०० छ (अप्र०) ।

(झ[२]) प्रा०—पं० रामरतन शर्मा, शालिक कुआँ, मुजफ्फरनगर । → स० १०-५२ द ।

(ञ[२]) लि० का० १८४४ ।

प्रा०—पं० दुर्गादीन दीक्षित, सीकरी, डा० तंबौर (सीतापुर) । → २६-४८४ आई[१] ।

लंकाकांड

(ट[२]) लि० का० स० १८७८ ।

प्रा०—पं० जानकीप्रसाद, बमरौली कटारा (आगरा) ।→२६-३२५ ई[२] ।

(ठ[२]) लि० का० स० १८८७ ।

प्रा०—पं० दीनदयाल द्वारिकाप्रसाद मिश्र, कागारौल (आगरा) । → २६-३२५ एफ[२] ।

(ड[२]) लि० का० स० १९०० ।

प्रा०—ठा० चंद्रिकाबख्शसिंह, जमीदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→२६-४८४ जे[१] ।

(ढ[२]) लि० का० स० १९०१ ।

प्रा०—बसकी गयाप्रसाद, उपरहटी, रीवाँ ।→स० १०-५२ ण ।

(ण[२]) लि० का० सं० १९३२ ।

प्रा०—श्री कीर्तिभानुराय मालगुजार, रायबाड़ा, कटनी (जबलपुर) । → २६-३२५ जी[२] ।

(त[२]) प्रा०—श्री उमाशंकर, सैदपुर, गाजीपुर ।→२६-४८४ के[१] ।

(थ[२]) प्रा०—पं० रामरतन शर्मा, शालिक कुआँ, मुजफ्फरनगर ।→स० १०-५२ त ।

उत्तरकांड

(द[२]) लि० का० स० १७६० ।

प्रा०—बाबा हरिदास, छर्रा (अलीगढ) ।→२६-३२५ एच[२] ।

(ध[२]) लि० का० स० १८२४ ।

प्रा०—ठा० चंद्रिकाबख्शसिंह जमीदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । →२६-४८४ बी[१] ।

(न[२]) लि० का० स० १८३७ ।

प्रा०—पं० भवानीबख्श, उलरा, डा० मुसाफिरखाना (सुलतानपुर) । → २३-४३२ आर[२] ।

(प[२]) लि का सं १८७१।

प्रा —ठा लालसिंह, मनौना, डा पढ़ियाली (एटा)→२६-१२५ आई[१]।

(फ[१]) लि का सं १८७८।

प्रा —श्री जानकीप्रसाद चमरौली कटारा (आगरा)। →२६-१२५ जे[२]।

(ब[१]) लि का सं १८८७।

प्रा —पं दीनदयाल द्वारिकाप्रसाद मिश्र कागारौल (आगरा)। →२६-१२५ के।

(भ[१]) लि का सं १८६७।

प्रा•—श्री शंकरप्रसाद, चौहपुर (रायबरेली)।→२१-४१२ एच[१]।

(म[१]) लि का सं १६ ।

प्रा —पं रामरतन शर्मा शालिक कुर्मी मुजफ्फरनगर।→सं १ –५२ च।

(य[१]) लि का सं १६ १।

प्रा —बच्ची यशाप्रसाद उपरहटी, रीवाँ।→सं १ –५२ ड।

(र[१]) लि का सं १६ ६।

प्रा —श्री कीर्तिभानुराम मालगुजार, रामबाड़ा कटनी(जबलपुर)।→२६-१२५ एल[१]।

(ल[१]) प्रा•—श्री द्वारिकाप्रसाद प्रधानाध्यापक चमरौली कटारा (आगरा)।
→२६-१२५ एम[१]।

रामचरितमानस की टीका (गद्यपद्य)—हरिचरणदास कृत। र का सं १८७७।
लि का सं १६१७। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —ठा बलिभद्रसिंह तँवर तालुकेदार कौंधा (उन्नाव)।→२१-१५१।

रामचरितमानस की टीका→'रामायणलहरी (स्वा रामचरणदास कृत)।

रामचरितमानस मुक्तावली (पद्य)—शिवलाल पाठक के शिष्य कृत। र का सं १८८६। लि का सं १६१५। वि तुलसी कृत 'रामचरितमानस की टीका।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ १-१ ।

रामचरितसुधाप्रकाश (पद्य)—प्रेमरतन (मिश्र) कृत। र का सं १६ । लि का सं १६१ । वि मिश्रित।

प्रा•—पं ब्रजबिहारी मिश्र बनीकी (बाराबंकी)।→२१-२२७ डी।

रामचरितामृतमहोदधि (पद्य)—मिथिलाचरणदास (बाबा) कृत। लि का सं १६४८। वि रामकृष्ण चरित्र।

प्रा —महंत प्रेमदास बाबा मिथिलाचरणदास बाबा की कुटी सिलसरा (संग्रामपुर), डा कसरोला (रायबरेली)।→सं ४–८८ ख।

रामचरितावली (पद्य)—अन्य नाम 'रामचारदरबारी'। रामरतन कृत। वि रामचंद्र के जन्म से लेकर वन से लौटने तक की कथा।

(क) लि का सं १८६१।

प्रा०—पं० जयतीप्रसाद, गोसाईंखेड़ा, डा० चमयानी (उन्नाव)। → २६–३६२ ए।

(ख) प्रा०—पं० ज्वालाप्रसाद त्रिपाठी, सैरवा, डा० भिटौरा (फतेहपुर)।→ २०–१५६ ।

(ग) प्रा०—श्री व्रजभूषणसिंह, भुकवारा, डा० परियावाँ (प्रतापगढ)। → २६–३६२ बी।

रामचरित्र (पद्य)—चतुर्भुजदास कृत। लि० का० सं० १८६३। वि० रामनाम की महिमा आदि।

प्रा०—श्री रामाधीन मुराऊ, बदऊसराय (बाराबंकी)।→ २३–७५ सी।

रामचरित्र (पद्य)—मुरलीधर (मिश्र) कृत। र० का० सं० १८१८। वि० रामचरित्र वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय, इलाहाबाद।→ सं० ०१–३०४ ए।

(ख) प्रा०—श्री रामचद्र सैनी, वेलनगंज, आगरा।→ ३२–१४८।

रामचरित्र (पद्य)—रामचरणदास कृत। वि० राम नाम की महिमा तथा भक्तों के चरित्र आदि।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→ १७–१४३ डी।

रामचरित्र (पद्य)—सुंदरदास कृत। लि० का० सं० १६२५। वि० राम माहात्म्य।

प्रा०—पं० शंकरदेव, भैंसा, डा० कोसीखुर्द (मथुरा)।→ ३५–६६।

रामचरित्र (पद्य)—सुवंश (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १८७६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—बाबा बनमलदास गुडा, रायबरेली।→ २३–४२२ बी।

रामचरित्र (पद्य)—सूरजराज (कवि) कृत। वि० रामजन्म और विवाह वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→ सं० ०७–१६६।

रामचरित्र → 'रामायण (भाषा)' (कपूरचंद कृत)।

रामचरित्र → 'रामाश्वमेध या रामचरित्र' (गुरुदीन कृत)।

रामचरित्र (कवित्तबंध) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६११। वि० रामचरित्र वर्णन।

प्रा०—श्री हिंदी साहित्य पुस्तकालय, मौरावाँ (उन्नाव)।→ सं० ०४–४८६।

रामचरित्र अवतर्णिका (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्री वाल्मकीय रामायण की अवतरणिका अथवा विषय सूची।

प्रा० दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→ १७–५८ (परि० ३)।

रामचरित्र कथा काकभुसुंडी गरुड़ संवाद (पद्य)—नरहरिदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा —जौनपुरनरेश का पुस्तकालय जौनपुर ।→ २-५६ ।

रामचरित्र के पद (पद्य)—नारायणदास (नारायणदास) कृत । वि राम कथा ।

(क) लि का सं १८८६ ।

प्रा – महंत लालशरण लक्ष्मण किला, अयोध्या ।→ ९-२ २ ।

(ख) लि का सं १९१४ ।

प्रा —ठा जगदेवसिंह गुबौली ग्रा कउनी (बहराइच) ।→२३-२८६ डी ।

रामचरित्र रत्नाकर (पद्य)—सोमनाथ (शशिनाथ) कृत । र का सं १७९६ । वि वाल्मीकि रामायण (अयोध्या अरण्य और सुंदरकांड) का अनुवाद ।

(क) लि का १८३६ ।

प्रा —दी पब्लिक लाइब्रेरी भरतपुर ।→१७-१७६ बी ।

(ख) लि का सं १८४ ।

प्रा —दी पब्लिक लाइब्रेरी भरतपुर ।→१७-१७६ ई ।

रामचरित्र रामायण (पद्य)—भूपति कृत । वि राम कथा ।

प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६-११८ (विवरण अप्राप्त) ।

रामछटा (पद्य)—बनादास कृत । लि का सं १९१९ । वि राम लक्ष्मण और सीता तथा अयोध्या के प्रासाद की छवि का वर्णन ।

प्रा०—श्री मोहनदास पुजारी भवहरण कुंज अयोध्या ।→२ -११ औ ।

रामजन—शाहपुरा (राजपूताना) के निवासी। स्वा रामचरण के शिष्य । सं १८११ के लगभग वर्तमान ।

रसालसागर की टीका (गद्यपद्य)→१८-११८ ।

रामजन्म (पद्य)—तुलसीदास कृत । लि का सं १९२७ । वि रामचरित्र ।

प्रा —श्री रामनरेश दूबे गजहा ग्रा मुबारकपुर (आजमगढ़) ।→ सं १-१४१ ग ।

रामजन्म (पद्य)—सूरदास कृत । वि रामचंद्र जी के जन्म से विवाह तक की कथा ।

(क) लि का सं १९ ६ ।

प्रा०—पं मताफेर तिवारी मंडा ग्रा मड़वारा (प्रतापगढ़) । → २६-४७१ बी ।

(ख) लि का सं १९९३ ।

प्रा —पं यशोदानंदन तिवारी कौंधा (उन्नाव) ।→२६-४७० डी ।

(ग) प्रा —बाबू रामचंद्र टंडन बी ए रामभवन, शाहजहाँपुर ।→ १७-१८७ ए ।

(घ) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-५७४ ख (प्राप्त) ।

(ङ) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १०-१११ ग ।

रामजन्म (पद्य)—सौहन कृत । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा० | चौधरी शंकरलाल जी, मलाजनी (इटावा) ।→३५-६४ ।

रामजन्म कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, फुलरई, डा० नलरई (इटावा) ।→३५-२८२ ।

रामजन्म वधाई (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० राम जन्मोत्सव ।

प्रा०—पं० छोटेलाल शर्मा, फचौराजघाट (आगरा) ।→२६-४६१ ।

रामजन्मोत्सव (पद्यगद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० कैलाशपति, जरार, डा० बाह (आगरा) ।→२६-४६२ ।

रामजानकीचरणचिह्न (पद्य)—अन्य नाम 'चरणचिह्न' । रामचरणदास कृत । वि० सीताराम के चरणों का माहात्म्य तथा चिह्नों का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८७७ ।

प्रा०—महंत जानकीदासशरण, अयोध्या ।→०६-२४५ आई ।

(ख) लि० का० सं० १६०० ।

प्रा०—ठा० अदितसिंह, सरैयाअली, डा० कैसरगंज (बहराइच) ।→ २३-३३६ ए ।

(ग) लि० का० सं० १६४१ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →२६-३७८ सी ।

रामजी (भट्ट)—गुर्जर वंशीय ब्राह्मण । गौरीनाथ के पुत्र रामदेव के पौत्र । गंगा तटस्थ भोजपुर निवासी । सं० १८४३ के लगभग वर्तमान ।

अद्भुतरामायण (पद्य)→३५-८१ ।

रामजी (भट्ट)—फर्रुखाबाद निवासी । सं० १८०३ के लगभग वर्तमान ।

छंदमंजरी (पद्य)→०६-३३१ ।

शृंगारसौरभ (पद्य)→१ -१४६, १७-१४८, २३-४०५, सं० ०४-३२८ ।

रामजी का नहछू (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० राम के विवाह के अवसर पर नहछू कृत्य का वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-५५५ ।

रामजी का बारहमासा (पद्य)—सूरदास कृत । वि० रामचरित्र ।

(क) लि० का० सं० १७८४ ।

प्रा०—ठा० सीतारामसिंह, महराजनगर, डा० मैगलगंज (सीतापुर) ।→ २६-४७१ आई ।

(ख) लि० का० सं० १८४७ ।

प्रा०—पं० रामभूषण वैद्य, कामतापुर, डा० इटौंजा (लखनऊ) ।→ २६-४७१ जे ।

(ग) प्रा०—श्री मन्नीलाल तिवारी, गंगापुत्र, डा० मिश्रिख (सीतापुर) ।→ २६-४७१ के ।

रामजी का सहस्रनाम→'सहस्रनाम' (भीखा साहब कृत) ।

रामजी की वंशावली (पद्य)—हरिलाल कृत । र का सं १८५ । लि का सं १८७२ । वि सूर्यवंश के राजाओं की (रानियों सहित) वंशावली ।
प्रा०—पं महावीर मिश्र गुरुद्वेला आजमगढ़ ।→ ६-१११ ।

रामजी के बारहमासा (पद्य)—अन्य नाम 'कौशिल्या की बारहमासी' । भवानी कृत । वि कौशिल्या का राम वनगमन पर पुत्र वियोग ।
(क) लि का सं १९११ ।
प्रा —मुं मदनकिशोरलाल वरदीपार (गाजीपुर) ।→सं १-२९६ क ।
(ख) लि का सं १९४१ ।
प्रा०—श्रीमती चौरासादेवी धर्मपत्नी स्व रामशंकर पांडे सुरसुतो (कौड़ीहार) डा मऊआइमपुर (इलाहाबाद) ।→सं १-२९६ क ।
(ग) प्रा०—पं रामआधार मिश्र नगर, डा लक्ष्मीपुर (खीरी) ।→ २६-३८ ।

रामजी के सहस्रनाम (गद्य)—गुलाब (ला ?) साहब कृत । लि का सं १८१८-८४ (लगभग) । वि राम सहस्रनामावली ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-४२ क ।

रामजीमल्ल (भट्ट)→ श्रीराम (भट्ट) ('छंदमंजरी' के रचयिता) ।

रामजीवन (द्विवेदी)—ब्राह्मण । तुलाराम के पुत्र । बुधौली बाघर (बस्ती) के निवासी ।
वैद्यजीवन (पद्य)→सं ४-११६ ।

रामजोस्तोत्र (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । वि रामचंद्र जी की प्रशंसा ।
प्रा —श्री महेश्वरदत्त जी गोस्वामी घेरा श्री राधारमण वृंदावन (मथुरा) ।
→२९ ३२९ बे ।

रामजेवनार (पद्य)—अग्रदास (अगरदास) कृत । वि जनकपुर में रामचंद्र जी की जेवनार का वर्णन ।
प्रा—पं हरिशंकर तैंदुआमापी डा सलीमाबाद (बस्ती) ।→सं ४-२ ।

रामतत्वबोधनी टीका (गद्य)—शिवप्रसाद कृत । लि का सं १९१५ । वि विनयपत्रिका की टीका ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ४-१६९ ।

रामतरहस की (पद्य)—प्राणनाथ कृत । वि रासलीला ।
प्रा —बाबू राममनोहर विषपुरिया पुरानी बस्ती डा फूटी मुरवारा (जबलपुर) ।→२६ ३४९ एफ ।

रामतैंतीसी (पद्य)—रामगुलाम कृत । लि का सं १८८१ । वि रामचरित ।

प्रा०—हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।→सं० ०१–३४१ ।

रामदत्त—ब्राह्मण । सं० १७५५ के लगभग वर्तमान ।
दानलीला (पद्य)→२३–३४१ ।

रामदत्त—गौड़ ब्राह्मण । नारनौल निवासी । बीसवीं शताब्दी मे वर्तमान ।
भजनसंग्रह (पद्य)→पं० २२–११८ ।

रामदयाल—(?)
दयाविलास (सभाजीत) (पद्य)→२३–३४२ ए ।
शालिहोत्र (पद्य)→२३–३४२ जी, सं० ०४–३३० ।
सभाजीत ज्योतिष (पद्य)→२३–३४२ सी ।
सभाजीत रागमाला (पद्य)→२३–३४२ डी ।
सभाजीत वैद्यक (पद्य)→२३–३४२ एफ ।
सभाजीत सर्वनीति (पद्य)→२३–३४२ बी, सं० ०१–३४४ क, ख ।
सभाजीत सामुद्रिक (पद्य)→२३–३४२ ई सं० ०१ ३४४ ग ।
सभाजीतसार (पद्य)→१२–१४५ ।

रामदयाल—अयोध्या निवासी । संभवत १६ वीं शताब्दी मे वर्तमान ।
पराधामबोधिनी (पद्य)→१७–१४४ ए, सी ।
भक्तरसबोधिनी (पद्य)→१७–१४४ डी ।
रामनाम तत्वबोधिनी (पद्य)→१७–१४४ बी ।

रामदयाल—(?)
गोपीचंद (पद्य)→३८–१०७ ।

रामदयाल—(?)
सामुद्रिकभेद (पद्य)→२०–१४६ ।

रामदयाल (चतुर्वेदी)—होलीपुरा (आगरा) निवासी । हरदत्तराय के पुत्र । जन्म सं० १८८१ । मृत्यु सं० १९६४ ।
रघुनाथविजय (पद्य)→३२–१७८ ।

रामदयाल (पांडेय)—उप० रामानंद । कान्यकुब्ज ब्राह्मण । चंदन शहर (इटावा) निवासी । विरक्त होने पर रामानंद नाम रख लिया था ।
फुटकर कवित्त (पद्य)→३२–१७७ ।

रामदास—आदि निवास सिरौंज नगर के समीप मालवांतर्गत इमलानों ग्राम । पिता का नाम मनोहरदास । माता का नाम वीरामती । संभवत धर्मसाला नगर के राजा प्रेमसाहि के आश्रित ।

उषा अनिरुद्ध की कथा (पद्य)→ ६–२१२ ए, २६–२६९, सं ७–१६६।
मदनाष्टकलीला (पद्य)→ ६–२१२ बी।
भागवत (दशमस्कंध) (पद्य)→सं ४ १११ क, ख।
रुक्मिणी ब्याह (पद्य)→सं १–३४६।

रामदास—अमहरी (?) बैरम।
सुदामा की कथा (पद्य)→४१–२२९।

रामदास—(?)
आरचर्यमद्भुत (ग्रंथ (गद्य)→१२–१७१ ए।
रामायण (पद्य)→१२ १७१ बी।
सुखमेदांत (गद्यपद्य)→१२–१७१ सी।

रामदास—(?)
कालिकातरंग (पद्य)→सं ४–१११।

रामदास—(?)
गंगामाहात्म्य (पद्य)→२६–१८१ सं १–३४६।

रामदास—(?)
तीर्थमाहात्म्य (पद्य)→२६–१८ ।

रामदास—(?)
मुमुक्षु पचीसी (पद्य)→११–८ ए, बी।

रामदास→'रामप्रताप' (पिंगल रामायण के रचयिता)।

रामदास (बरसानिया)—बरसाना (नंदगाँव मथुरा) के निवासी। सं १०२७ के पूर्व वर्तमान।
गोवर्द्धनलीला (पद्य)→सं १–३४७ क, ख ग।
राधाविलास (पद्य)→सं १ ३४७ घ।

रामदास (मौनी)—गुरु का नाम रामीराम।
कवला (पद्य →सं ७–१६७ क।
पद (पद्य)→सं ७–१६७ ख।

रामदीन—शिवराजपुर (कानपुर) निवासी। सं १८७९ के लगभग वर्तमान।
सत्यनारायण कथा (भाषा) (पद्य)→२ –२४८; ४१–५५ (अप्र)।

रामदेव—(?)
अध्यात्मबिंदु (पद्य)→ ६–२४१; १७–१४५।

रामदेव (द्विवेदी)→'बालदत्त (बाबा) ('वर्णार्णपुराण' के रचयिता)।

रामदोहावली सतसई→'दोहावली सतसई' (तुलसीदास ? कृत)।

रामधन—आगरा के धूसर वनिया। सं १६२४ के लगभग वर्तमान।
को वं वि १७ (११ –१४)

स्वरोदय (गद्य)→२३-२४३ ।

रामधाम (पद्य)—बलराम जी कृत । लि० का० सं० १८७० (?) । वि० रामभक्ति । प्रा०—ठा० हाकिमसिंह चौहान, उत्तरपाड़ा, डा० अमावाँ (रायबरेली) । → ३५-६ ।

रामध्यानमजरी (पद्य)—शिवानद कृत । र० का० स १८७८ । वि० श्री रामध्यान वर्णन ।
प्रा०— सरस्वती भडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१७४ ।

रामध्यानमजरी→'ध्यानमजरी' (अग्रदास कृत) ।

रामनवरत्न→'श्रीरामनौरत्नविनय' (जानकीप्रसाद कृत) ।

रामनाथ—(?)
दानलीला का बारहमासा (पद्य)→२६-३८४ ए ।
यशोदा श्रीकृष्ण का झगड़ा (पद्य)→२६-३८४ बी ।

रामनाथ—(?)
लगनसुदरी (पद्य)→३२-१८२ ।

रामनाथ (नागर)—उप० राम कवि । गुजराती ब्राह्मण । स० १८३४ के लगभग वर्तमान ।
अंजननिदान टीका (पद्य)→प० २२-६४

रामनाथ (पडित)—बादशाहपुर (जौनपुर) के निवासी । ये एक अच्छे पडित थे ।
कालीदमन (पद्य)→२६-३८५, स० ०४-३३३ ।

रामनाथ (पंडित)—आजमगढ के दक्षिण मेहाग्राम और महादेवपारा के निवासी । 'नलोपाख्यान' की रचना में भरसी मिश्र के सहयोगी ।→स० ०१-२५५ ।

रामनाथ (प्रधान)—रीवाँ राज्य के मत्री घराने के वंशज । रीवाँ नरेश के आश्रित । स० १८८७-१९१२ के लगभग वर्तमान ।
चित्रकूटशतक (पद्य)→०६-२५३, २०-११२ ।
धनुषयज्ञ (पद्य)→२०-१५३ ए ।
राजनीति कवित्त (पद्य)→०१-६, २०-१५३ बी, २३-३४६ ए, बी ।
रामकलेवारहस्य (पद्य)→०६-२१४, २३-३४६ सी, डी, ई, २६-३८६ ए, बी, स० ०४-३३४ क, ख ।
रामहोरीरहस्य (पद्य)→०१-८, स० ०१-३४८ ।

रामनाथ (वाजपेयी)—पटियाला नरेश महाराज नरेंद्रसिंह के आश्रित । 'महाभारत (भाषा)' के नौ अनुवादकों में से एक यह भी हैं । सं० १९१६ के लगभग वर्तमान ।→०४-६७ ।

मानवीपच्चीसी (पद्य)→१७–१५२ ।

रसभूषण (पद्य)→ १–८३ ।

रामनाथसहाय—(?)

कोकसार (पद्य)→२६–१८७ ।

रामनाम की महिमा (पद्य)—जमलाल कृत । लि का सं १९२८ । वि रामनाम माहात्म्य तथा कृष्ण और शिवजी की विनती ।

प्रा —पं रामदुलारेलाल मदपुरवा डा मंभर (उन्नाव) ।→२६–२४ ई ।

रामनाम गुणसागर (पद्य)—बिहारीदास कृत । लि का सं १७५१ । वि राम माहात्म्य ।

प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १–२१८ ।

रामनाम तत्त्वबोधिनी (पद्य)—रामदयाल कृत । लि का सं १९११ । वि भगवत भक्ति ।

प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–१४४ बी ।

रामनाम माहात्म्य (पद्य)—स्वयंप्रकाश कृत । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–१९१ ।

रामनाम रसयोग (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि सीताराम के नाम की महिमा ।

प्रा —सद्गुरु सदन अयोध्या ।→१७–१२ , परि १) ।

रामनामा (पद्य)—विसराम (विसरामदास) कृत । लि का सं १९५८ । वि राममक्ति की महिमा ।

प्रा —श्री बलदेवप्रसाद महाजन, बसनही डा रसड़ा (बलिया) । → ४१–१९५ क ।

रामनारायण—अग्रवाल वैश्य । सिरामपुर स्थान (अयोध्या से सात कोस पश्चिम सरयूतट पर) के निवासी और उसी स्थान के पंडित रघुनाथानंद के शिष्य । सं १८८८ के लगभग वर्तमान ।

हारिकाविलास (पद्य)→सं ४–१९५ ।

रामनारायण—अयोध्या नरेश महाराज मानसिंह के मुंशी । १९वीं शताब्दी में वर्तमान ।

षट्ऋतु वर्णन (पद्य)→ ६–९५९ ।

टि संभवतः पूर्वोक्त रचयिता (दे वि सं ४–११५) भी यही हैं ।

रामनारायण—शिवानुयायी । विष्णुदास के शिष्य । सं १८७७ के पूर्व वर्तमान ।

शिवाष्टक (पद्य)→१८–१२१ ।

रामनारायण —उप विष्णुशक्ति ।

युगलकिशोर सहस्रनाम (पद्य)→१७–१५१ ।

रामनारायण—अन्य नाम रामगुलाई सिंह या गुलाईराम । कनेहलीलामृत पचीसी की रचना में हनुमंत कवि के सहयोगी ।→सं १–४७५ ।

रामनारायण→'गोपालराय' ('गोपालदामा' के रचयिता) ।

रामनारायण→'रसरासि' ('रसिकपच्चीसी' के रचयिता)।

रामनिवास (तिवारी)—(?)

रसमजरी (गद्य)→१७–१५३ ।

रामपदावली (पद्य)—प्रतापकुँवरि (बाई) कृत। लि० का० स० १६२४। वि० रामजी का गुणगान।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–१३७।

रामपदावली→'पदावली' (रामचरणदास कृत)।

रामपाल (राजा)—सेवाराम ('नलपुराण' के रचयिता) के आश्रयदाता। सं० १८४४ के लगभग वर्तमान।→स० ०१–४६६।

रामपुराण (पद्य)—खुशालचद (खुस्याल) कृत। र० का० स० १७८३। वि० रामचरित्र।

(क) लि० का० स० १८२७।

प्रा—श्री दिगबर जैन मदिर (वड़ा मदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →स० ०४–४८ घ।

(ख) लि० का० स० १८६०।

प्रा०—श्री जैन मदिर (बड़ा), बाराबकी।→२३ २११ सी।

(ग) लि० का० स० १८६२।

प्रा०—श्री दिगबर जैन मदिर (बड़ा मदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।→ स० ०४–४८ ङ।

(घ) प्रा०—दिगबर जैन मदिर (बड़ा मदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।→स० ०४-४८ ग।

रामपुरी—जगतमनि के शिष्य। स० १७५४ के लगभग वर्तमान।

जैमिनीअश्वमेध (पद्य)→३८–१२२।

रामप्रकाश (पद्य)—मुनिलाल कृत। र० का० स० १६४२। लि० का० स० १८६७। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२६८ (विवरण अप्राप्त)।

रामप्रकाश (गिरि)—गुसाँई। हुरहुरी (जौनपुर) के निवासी। इनके वशज अभी तक उक्त ग्राम में रहते हैं। गुरु का नाम हरिहर। स० १८८३ के पूर्व वर्तमान।

काशी वर्णन (पद्य)→सं० ०१–३४६ क।

नासिकेतपुराण (पद्य)→स० ०१–३४६ ख।

पदावली (पद्य)→स० ०१–३४६ ग।

रामप्रसाद—श्रीवास्तव कायस्थ। उत्तमचद के पुत्र। सतपुरा (दिल्ली) निवासी। सं० १७७६ के लगभग वर्तमान।

कृष्णचद्रिका (पद्य)→१७–१५४।

रामप्रसाद—जयसार (लखनऊ) निवासी। स० १६१२ के लगभग वर्तमान।

अर्जुनगीता (पद्य)→र्स १-३५ ।

रामप्रसाद—अहानगंज के निवासी। सं १६१२ के लगभग वर्तमान।

मुक्तजीवनप्रकाश (पद्य)→२६-२६ ।

रामप्रसाद(?)→'ईश्वरदास' ('महाभारत स्वर्गारोहणपर्व' के रचयिता)।

रामप्रसाद (कविक)—बेतिया (बिहार) निवासी। आनंदकिशोर के आश्रित। सं १८७० के लगभग वर्तमान।

आनंदरस कल्पतरु (पद्य)→२६-३८८ ।

रामप्रसाद (गूजर)—(?)

सत्यनारायण की कथा (पद्य)→१२-१८३ ।

रामप्रसाद (त्रिपाठी)—सं १८६४ के लगभग वर्तमान।

वैद्यविनोद (गद्यपद्य)→२ १५४ ।

रामप्रसाद (निरंजनी)—ये पटियाला की महारानी के यहाँ कथावाचक थे। सं १७६८ के लगभग वर्तमान।

योगवाशिष्ठ (पद्य)→२६-२६१ ए, बी सी डी सं ४-११७ ।

रामप्रसाद (बाबा)—वैश क्षत्रिय। भ्रमरदास की कुटी (सुलतानपुर) के निवासी। बाबा भ्रमरदास के वंशज और बाबा केशवदास के शिष्य। जन्म सं १८७५। मृत्यु सं १६४ ।

रामाश्वमेधावली (पद्य)→१५ ८२; सं ४-११६ ।

रामप्रसाद (माट)—बिलग्राम (हरदोई) निवासी। सं १८ ५ के लगभग वर्तमान।

ज्ञानबारहमासा (पद्य)→२६-३६ बी, सी डी।

कुमारपर (पद्य)→०९-२५४ बी।

जैमिनीपुराण (पद्य)→ ६-२५४ ए।

बभ्रुवाहन की कथा (पद्य)→२६-३६ ए।

रामप्रियाशरण—जनकपुर के महंत। सं १७० के लगभग वर्तमान।

सीतायन (पद्य)→०९-२५५, १७-१५५; २ -१५५ ।

रामफल—(?)

संवत्सामुद्रिक टीका (पद्य)→सं १-३५१ ।

रामबकस—ब्राह्मण।

कवित्त (पद्य)→२६-२८७ ए, सी।

रामाश्वमेध (पद्मपुराण) (पद्य)→सं १-३५२ ।

विप्रकल्पलतासार (पद्य)→२६-२८७ बी।

रामबारहखड़ी→'रामचरितावली (रामरत्न कृत)।

रामबोध—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संग्रहीत।→ २-४१ (सी)।

रामब्याह (कवित्त) (पद्य)—लोकनाथ कृत । लि० का० स० १६१५ । वि० राम-
विवाह वर्णन ।
प्रा०—ठा० भवानीदयालसिंह, ऐतवारा, डा० सत्थिन (सुलतानपुर)। →
स० ०४-३५८ ।

रामभक्ति प्रकाशिका (गद्यपद्य) अन्य नाम 'रामचद्रिकातिलक' । जानकीप्रसाद कृत ।
र० का० सं० १८७२ । वि० केशव कृत 'रामचद्रिका' की टीका ।
(क) लि० का० सं० १८७४ ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-२० ।
(ख) प्रा०—लाल अबिकानाथसिंह (लालसाहब), नाइनस्टेट, डा० सूची
(रायबरेली) ।→स० ०४ १२६ क ।
(ग) प्रा०—प० चद्रपाल, नूरुद्दीनपुर, डा० करहियाबाजार (रायबरेली) ।
→स० ०४-१२६ ख ।

रामभजन (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० रामकृष्ण की भक्ति तथा वियोग ।
प्रा०—ठा० रुस्तमसिंह, दिखतौली, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)→३५-२८० ।

रामभजन (त्रिपाठी)—(?)
रमलप्रश्न (गद्य)→स० ०४-३३८ ।

रामभरोसेदास (बाबा)—रतनपुरा कुटी (बलिया) निवासी । कृपाराम के शिष्य
मृत्यु स० १६३६ ।
गीतरतन (पद्य)→४१-२२७ ग ।
ब्रह्मविलास (पद्य)→४१-२२७ क, ख ।

राममंगल (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । वि० राम विवाह ।
प्रा०—पं० तुलसीराम वैद्य, माट (मथुरा) ।→३२-२२[१] बी ।

राममत्रजोग (ग्रथ) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८५६ । वि०
रामभक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-२५३ ।

राममत्रमुक्तावली (पद्य)—अन्य नाम 'राममुक्तावली' । तुलसीदास (?) कृत ।
वि० राम नाम माहात्म्य ।
(क) लि० का० स० १७२६ ।
प्रा०—प० गोविंदराम, अमहतपुरवा गजाधर तिवारी, डा० सुलतानपुर
(सुलतानपुर) ।→२३-४३२ एम[२] ।
(ख) लि० का० स० १८५६ ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०१-६७ ।
(ग) लि० का० स० १८८४ ।
प्रा०—पं० मगलदेव, खोली (बहराइच) ।→२३-४३२ एन[२] ।

(ग) लि का सं १६ २।
प्रा —कुटिया श्री मस्तहारी बाबा की, स्थान कुसमाबाजार (हाथीखाना), गाजीपुर।→सं ७-७२।
(घ) प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७ १६६ ए।
राममंत्र रहस्यत्रय (पद्य)—रघुबरशरण कृत। लि का सं १६३१। वि० राममंत्र का गूढ़ार्थ।
प्रा —सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७ १४१।
राममंत्रार्थ (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि रामनाम और राममंत्र की महिमा।
प्रा —स्वामी रामवल्लभशरन, लक्ष्मणकिला अयोध्या।→१७-९ (परि १)।
राममंत्राथ (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १६६६। वि राममंत्र का गूढ़ार्थ वर्णन।
प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-११ (परि १)।
राममल्लक्रीड़ा (पद्य)—रामबिहारी (रसकेश) कृत। वि रामचंद्र का व्यायाम करना।
(क) लि का सं १६१४।
प्रा०—पं दयादीन तिवारी, बिलरिहा, डा थानगाँव (सीतापुर)। → २६-३८८ बी।
(ख) प्रा —सेठ गोविंदराम मथुराराम अमिलिहा (उन्नाव)।→२६-३८८ सी।
राममाला (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। लि का सं १६ ६। वि रामनाम की महिमा।
प्रा —बिजावरनरेश का पुस्तकालय बिजावर।→ ६-१४० ए (विवरण अप्राप्त)।
राममाला (पद्य)—शंकरराम कृत। लि का सं १६११। वि रामनाम की महिमा।
प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७-१६८।
राममिलन (पद्य)—निधिरामी कृत। लि का सं १६४। वि राम और गुरु की महिमा।
प्रा —ठा शिवनरेशसिंह रामनगर डा मछरेहटा (सीतापुर)। → २६-३३१।
राममुक्तावली→'राममंत्रमुक्तावली (तुलसीदास ? कृत)।
रामरंग—कोई रामभक्त। सं १८ ६ के पूर्व वर्तमान।
बारहखड़ी (पद्य)→२१-२६८।
रामरँगीले→ माधोराम (रामरँगीले)।
रामरक्षा (पद्य)—कबीरदास कृत। वि रक्षा।
(क) लि का सं १६ ६।
प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→०६-१०७ एन (विवरण अप्राप्त)।

रामब्याह (कवित्त) (पद्य)—लोकनाथ कृत । लि० का० स० १६१५ । वि० रा
विवाह वर्णन ।
प्रा०—ठा० भवानीदयालसिंह, ऐंतबारा, डा० सतिथन (सुलतानपुर)
स० ०४–३५८ ।

रामभक्ति प्रकाशिका (गद्यपद्य) अन्य नाम 'रामचंद्रिकातिलक' । जानकीप्र
र० का० स० १८७२ । वि० केशव कृत 'रामचंद्रिका' की टीका ।
(क) लि० का० स० १८७४ ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)
(ख) प्रा०—लाल अंबिकानाथसिंह (लालसाहब), नाइन
(रायबरेली) ।→स० ०४ १२६ क ।
(ग) प्रा०—पं० चंद्रपाल, नूरुद्दीनपुर, डा० फरहिय
→स० ०४–१२६ ख ।

रामभजन (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० रामकृष्ण
प्रा०—ठा० रुस्तमसिंह, दिखतौली, डा० शिको

रामभजन (त्रिपाठी)—(?)
रमलप्रश्न (गद्य)→स० ०४–३३८

रामभरोसेदास (बाबा)—रतनपुरा
मृत्यु स० १६३६ ।
गीतरतन (पद्य)→४१–२
ब्रह्मविलास (पद्य)→४१

(घ) प्रा —पं राधेश्याम, स्वामीघाट, मथुरा।→१२ १८ डी।
(ङ) प्रा —पं तोताराम, बामरी डा शिकोहाबाद (मैनपुरी)। → १२-१८ ई।
(च) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→र्स ४-१४६ घ।
(छ) प्रा —श्री भगवानदत्त हरिहरपुर (बस्ती)।→र्स ४-१४६ च।
(ज) प्रा —श्री ब्रजकिशोर गुप्त पुराना शहर इटावा।→दि ३१-७१।
टि खो वि २६-२८१ की प्रति रामानुजाचार्य के नाम पर उल्लिखित है।

रामरघुनाथस्तोत्र (पद्य)—उदय कृत। वि स्तुति।
प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→र्स १-२९।

रामरहवा (गद्यपद्य)—रमईराम (रमैयाराम) कृत। वि राम माहात्म्य।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-२१४।

रामरत्नाकर (पद्य)—सरदार कृत। लि का सं १९ १। वि रामचरित्र वर्णन।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४-७१।

रामरतन→'कुशलसिंह (मथुरा निवासी)।
टि खो वि २१-१४७ बी पर भूल से रामरतन को रचयिता का नाम मान लिया गया है। वस्तुतः यह पुस्तक का नाम है।

रामरतन भक्तिसियारसिक→'रामरतन (कृष्णाष्टक आदि के रचयिता)।

रामरतनगीता→'अर्जुनगीता (कुशलसिंह कृत)।

रामरतन साधुदास—हरियाना (पंजाब) क्षेत्र के अंतर्गत सिवाणी (भिवानी ?) नामक गाँव के निवासी। गौड़ ब्राह्मण। पिता का नाम मनिराम। गुरु का नाम मायाराम। सं १८९५ के पूर्व वर्तमान।
कृष्णध्यानाष्टक (पद्य)→र्स १-१५४ ख।
पयोधरपति (पद्य)→र्स ४-११६ क।
हनुमानपचीसी (पद्य)→र्स १-१५४ क र्स ४-११६ ख।

रामरत्नसिंह—काशी के बाबू देवकीनंदनसिंह के पुत्र। मनीराम के आश्रयदाता। सं १८८८ के लगभग वर्तमान।→२१-२६।

रामरत्न—(?)
कृष्णाष्टक (पद्य)→११-१४८।
रामचरितावली (पद्य)→२ -२५६ २६-१६२ ए, बी।
सियाराम समय रसवर्द्धिनी भक्तिरसदाम (पद्य)→१७-१५६।

रामरत्न सार संग्रह (पद्य)—रामचरणदास कृत। लि का सं १९५ । वि राम चरित्र और द्वैताद्वैत वर्णन।
प्रा०—श्री कृष्णदास मिश्र पुस्तकालय चौक (प्रतापगढ़)। → र्स ४-११० च।

रामरत्नावली (पद्य)—अनाथदास (अनाथनाथ) कृत। र का सं० १८ १। लि का सं १९१ । वि राम की स्तुति।
खो सं वि १८(११ -१४)

(ख) प्रा०—प० राममूर्ति शर्मा, बवरीगढ, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→ ३२-'०३ एस ।

रामरक्षा→'रामरक्षास्तोत्र' (रामानद कृत) ।

रामरक्षा सजीवनमत्र (गद्य)—रामानद कृत । वि० मत्र तत्र ।

प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१५० ए ।

रामरक्षास्तोत्र (गद्यपद्य)—रामानद कृत । र० का० स० १४५७ । वि० रामचद्र जी की स्तुति ।

(क) लि० का० स० १८५४ ।

प्रा०—श्री राममूर्ति, वल्टीगढ, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→३२-१८० सी ।

(ख) लि० का० स० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-१६८ ग ।

(ग) लि० का० सं० १८७३ ।

प्रा०—श्री बद्रीप्रसाद द्विवेदी, इटोरा, डा० मानिकपुर (प्रतापगढ) । → सं० ०४-३४६ ङ ।

(घ) लि० का० सं० १८७४ ।

प्रा०—प० कालीचरण, रामनगर, डा० वेलाखारा (रायबरेली) । → स० ०४-३४६ ग ।

(ङ) लि० का० स० १८८४ ।

प्रा०—प० शालिग्राम दीक्षित, जामू , डा० सडीला (हरदोई) ।→२६-३८३ ।

(च) लि० का० स० १६०७ ।

प्रा०—प० रामशकर दूबे, महदोइया, डा० मलीहाबाद (लखनऊ) । → स० ०७-१६८ घ ।

(छ) लि० का० सं० १६४४ ।

प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७ १५० बी ।

(ज) लि० का० स० १६४४ ।

प्रा०—महत रामलखनलाल, लक्ष्मणकिला, अयोध्या ।→२०-१५१ ए ।

(झ) प्रा०—प० माखनलाल मिश्र, मथुरा ।→००-७६ ।

(ञ) प्रा०—प० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-२५० ए ।

(ट) प्रा०—पचायती ठाकुरद्वारा, खजुहा (फतेहपुर) ।→२०-१५१ बी ।

(ठ) प्रा०—श्री नेकराम शर्मा, कायथा, डा० कोटला (आगरा) । → २६-२८६ ।

(ड) प्रा०—चौ० जोधासिंह, सामपुर, डा० जसराना (मैनपुरी) । → ३२-१८० ए ।

(ढ) प्रा०—लाला छैलबिहारीलाल, अरौंव डा० मारौल (मैनपुरी) । → ३२-१८० बी ।

रामरसायन रामायण (पद्य)—पद्माकर कृत। वि वाल्मीकि रामायण के आधार पर बालकांड से उत्तरकांड तक ५ भागों में राम कथा।
प्रा —पं साधुप्रसाद तिवारी, सरदार टीकौं।→ १–१ से १–५ तक।
रामरसार्णव (पद्य)—रघुराजसिंह (राजा) कृत। र का सं १७५ । वि राम चरित्र और दशावतार वर्णन।
(क) लि का सं १७२१ (१२८१ हि)।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–१ ग।
(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–१ घ ङ।
रामरसाल (पद्य)—बेनाराम (औघड़ बाबा) कृत। लि का सं १९३८। वि ज्ञानोपदेश।
प्रा —सुश्री सोनाबती अध्यापिका कन्या विद्यालय रामगढ़ (वाराणसी)।→ →०९–१५ ।
रामरसिक—संभवतः झूसी (प्रयाग) के निवासी। विरक्त साधु। गंगागिरि के शिष्य। सं १८४ के पूर्व वर्तमान।→सं १–१८।
भागवत (एकादश स्कंध) (पद्य)→सं १–१५५।
विवेकसत (पद्य)→०१–११५।
रामरसिक रहस्योपास्य (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि श्री सीताराम रहस्य और युगल छवि की उपासना।
प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७–६१ (परि १)।
रामरसिक रागमाला (पद्य)—गोपाल (बालगोपाल) कृत। वि रामकृष्ण की शृंगारमय क्रीड़ाओं का वर्णन।
प्रा —श्री कालीदत्तनारायण दीक्षित विलौसा डा बहाई (रायबरेली)। → सं ४–७८।
रामरसिकावली (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत। र का सं १९ । वि भगवद्भक्तों का चरित्र।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→०४–८२।
रामरहस्य (पद्य)—बंदराम कृत। वि रामचरित्र वर्णन।
प्रा —पं भैरवप्रसाद बनुआ (फतेहपुर)।→२ –२१ सी।
रामरहस्य (पद्य)—कल हमीर कृत। वि राम का अयोध्या में विहार।
प्रा०—लाला धर्मानंद पुरानी टेहरी टीकमगढ़।→०६–२०१ (विवरण अप्राप्त)।
रामरहस्य (पद्य)—भागवतदास कृत। लि का सं १९११। वि राम कथा।
प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग।→४१–२०३ म।
रामरहस्य (पद्य) रामहरि कृत। वि राम चरित्र।
(क) लि का सं १९१५।

प्रा०—लाला विद्याधर, हरिपुरा, दतिया।→०६–१२६ ए (विवरण अप्राप्त)।

रामरत्नावली (पद्य)—लक्ष्मण कृत। र० का० सं० १६०७। लि० का० सं० १६१४।
वि० रामनाम की महिमा।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१९–१०३ ए।

रामरत्नावली (पद्य)—हरसहाय कृत। र० का० सं० १८८५। लि० का० सं० १८८६।
वि० तुलसीदास कृत रामायण की चौपाइयों का संग्रह।
प्रा०—बाबू विट्ठलदास अग्रवाल, हरिशरी, गाजीपुर।→०६–१०५ ए।

रामरत्नावली (पद्य)—हरिबख्शसिंह कृत। वि० रामचंद्र जी के खानपान, रहनसहन आदि का वर्णन।
प्रा०—ठा० जगदम्बाप्रसाद जमींदार, फरछना (इलाहाबाद)।→१७–६८ बी।

रामरस (पद्य)—घिसियावनदास (बाबा) कृत। र० का० सं० १६२० (लगभग)।
वि० रामनाम की महिमा।
(क) लि० का० सं० १६८५।
प्रा०—मुं० संतप्रसाद, प्राइमरी स्कूल, तिलोई (रायबरेली)।→२६–१३८।
(ख) प्रा०—महंत प्रेमदास बाबा, गंगापुर कुटी, डा० समरौता (रायबरेली)।
→सं० ०४–८८ ग।

रामरसवक्रयत्र (गद्यपद्य)—सरदार कृत। वि० द्व्यर्थक कवित्तों का संग्रह।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)→०४–८८।

रामरसाइनि (पद्य)—रामचरण कृत। लि० का० सं० १६००। वि० उपदेश।
प्रा०—बाबा परमानंददास, मुरसान कुटी, डा० मुरसान (अलीगढ)। →
२६–२८१ एच।

रामरसामृतसिंधु (पद्य)—कृपानिवास कृत। लि० का० सं० १६५८। वि० रामानुज संप्रदाय के सिद्धांत और राम विहार।
प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→०६–१५४ एफ।

रामरसायन→'रामरसायन पिंगल' (भागवतदास कृत)।

रामरसायन पिंगल (पद्य)—भागवतदास कृत। र० का० सं० १८६७। वि० नवरस और पिंगल।
(क) लि० का० सं० १८८८।
प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह तालुकेदार, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→
२३–४५।
(ख) लि० का० सं० १६५६।
प्रा०—पं० मुरलीधर शर्मा, पाठशाला, जनरलगंज, कानपुर।→०६–२१।
(ग) प्रा०—पं० रामकृष्ण शुक्ल, सुदर्शन भवन, प्रयाग।→४१–१७३ च।
(घ) प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→४१–१७३ छ।

रामरासो (पद्य)—सुमान (मान) कृत । र का सं १८६५ । लि का सं १९७९ ।
वि तुलसी कृत रामायण के लंकाकांड की कथा ।
प्रा —श्री हरिनामसिंह बैसार, मनुकमारी के मंदिर के निकट, बरसारी ।→ २१-२१७ बी ।

रामरासो→गुरुरामरासो तथा रामरासो (माधवदास चारण कृत) ।

रामरूप—उप भक्तानंद । गौड़ ब्राह्मण । दिल्ली के निकट किसी गाँव में जन्म । स्वामी चरणदास के शिष्य ।
बारहमासा (पद्य)→१७-१५७ ।
मुक्तिमार्ग (पद्य)→१९-२४८ ए, बी ।

रामलगान (पद्य)—काष्ठजिह्वा (स्वामी) कृत । र का सं १९ । लि० का सं १९ ८ । वि राम का गुणगान ।
प्रा —रीवाँनरेश का पुस्तकालय रीवाँ ।→०६-१७९ ए (विवरण अप्राप्त) ।

रामलला—(?)
रुक्मिणीमंगल (पद्य)→१२-१४७; १८ १२ ४१-५११ (अप) ।

रामलखानहछू (पद्य)—तुलसीदास (गोस्वामी) कृत । वि राम के नहछू के समय के गीत ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ १-११९ ।

रामलाल—उप राम कवि । भरतपुर के महाराज बलवंतसिंह के आश्रित । सं १८९१ के लगभग वर्तमान ।
विज्ञानसुधानिधि (पद्य)→१७-१४९ ए ।
हितामृतलतिका (पद्य)→१७-१४९ बी ।

रामलाल—सं १९ के लगभग वर्तमान ।
चित्तविनोद (पद्य)→२ -१५ ए ।
रामशिरोमणि (पद्य)→२०-१५० बी ।

रामलाल→रामलला (रुक्मिणीमंगल के रचयिता) ।

रामलाल (शर्मा)—(?)
रामचंद्र ज्ञानविज्ञान प्रदीपिका (पद्य)→ ६-२४९ ।

रामलीला नाटक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाटक रूप में रामलीला ।
प्रा०—भारती भवन इलाहाबाद ।→१७-५९ (परि १) ।

रामलीला प्रकाशिका (बाल कांड) (पद्य)—किशोरदास कृत । वि रामायण की कथा ।
प्रा०—मुंशी शंकरदयाल बाबापुरा फैजाबाद ।→१ -८४ ।

रामलीलाविहार नाटक (गद्य)—लक्ष्मणशरण कृत । वि रामायण के बालकांड की कथा (नाटक रूप में) ।
प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद पुस्तक विक्रेता अयोध्या ।→ ६-१९९ ।

प्रा०—सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७–१६२ डी (पूर्वार्द्ध)।

(ख) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७–१६२ ई (उत्तरार्द्ध)।

रामरहस्य (पद्य)—कुंवरकुँवरि कृत। र० का० सं० १८५३। वि० रामचंद्र की श्र वनकुंज विहार वर्णन।

(क) प्रा०—बाबू निर्मलदास, बेरू (जोधपुर)।→०२–६८।

(ख) प्रा०—याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० ०१–५५।

रामरहस्य (पद्य)—हरसहाय कृत। र० का० सं० १८८६। लि० का० सं० १८९०। वि० राम चरित्र।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त चिरगाँव (झाँसी)।→०६–१०५ बी।

रामरहस्य→'आत्मतत्त्वरहस्य (रामचरणदास कृत)।

रामरहस्य कलेवा→'रामकलेवारहस्य (पर्वतदास कृत)।

रामरहस्यदास—कोई फकीर पंथी। सं० १८०८ के पूर्व वर्तमान।

परमविलास (पद्य)→सं० ०१–३५६।

रामरहारी (लवकुशकांड) (पद्य)—दूलहदास कृत। लि० का० सं० १८१६। वि० लवकुश कथा का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–४५८।

रामराइ—आगरा निवासी। सं० १६०८ में वर्तमान।

गुरुसागर (पद्य)→४१–२२६।

रामराज→'रामराव ('काव्यरत्नाकर' के रचयिता)।

रामराव—उप० रामराज। सम्भवत अवध के जमींदार। संस्कृत के ज्ञाता। अनेक कवियों के आश्रयदाता। सं० १८८० के लगभग वर्तमान।

काव्यरत्नाकर (पद्य)→०६–२३५, २६–३६१ ए, बी।

रामराय—सं० १७५७ के लगभग वर्तमान।

कृष्णचरित्र (पद्य)→२०–१५७ बी।

कृष्णगान चरित्र (पद्य)→२०–१५७ ए।

रामराय—(?)

लैलामजनूँ (पद्य)→०६–२३४, २६–३६३ ए बी सी।

रामराय—'ख्यालटप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ और कवि देवकृष्ण कृत 'कवित्त' में इनकी रचनाएँ संग्रहीत हैं।→०२–५३ (इकतीस), ०२–३८ (चार)।

रामराय—ब्राह्मण। जयपुर के महाराज सवाई प्रतापसिंह के आश्रित। 'राधागोविंद संगीतसार' की रचना में मथुरा भट्ट श्रीकृष्ण और चुन्नीलाल के सहयोगी। सं० १८५१ के लगभग वर्तमान।→१२–१४४।

रामराव→'तुलसीसाहब (आपापंथी साधु)।

रामरासो (पद्य)—कुमान (मान) कृत । र का सं १८५५ । लि का सं १९०५ ।
    वि तुलसी कृत रामायण के लंकाकांड की कथा ।
    प्रा —श्री हरिनामसिंह केदार मनुकुमारी के मंदिर के निकट नरवारी ।→
    २६–२१७ डी ।

रामरासो→'गुरुरामरासो तथा रामरासो (माधवदास चारण कृत) ।

रामरूप—उप मकरानंद । गौड़ ब्राह्मण । दिल्ली के निकट किसी गाँव में जन्म ।
    स्वामी चरणदास के शिष्य ।
    बारहमासा (पद्य)→१७–१५७ ।
    मुक्तिमार्ग (पद्य)→१२–१४८ ए, बी ।

रामलगन (पद्य)—काष्ठजिह्वा (स्वामी) कृत । र का सं १९   । लि का
    सं १९०८ । वि राम का गुणगान ।
    प्रा —रीवाँनरेश का पुस्तकालय रीवाँ ।→०१–१०९ ए (विवरण अप्राप्त) ।

रामलला—(?)
    रुक्मिणीमंगल (पद्य)→१२–१४७ १८–१२ ४१–५५१ (भ्रम) ।

रामललानहछू (पद्य)—तुलसीदास (गोस्वामी) कृत । वि राम के नहछू के समय
    के गीत ।
    प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→
    १–१२६ ।

रामलाल—उप राम कवि । भरतपुर के महाराज बलवंतसिंह के आश्रित । सं १८८२ के
    लगभग वर्तमान ।
    विषसुधानिधि (पद्य)→१७–१४९ ए ।
    हितामृतलतिका (पद्य)→१७–१४९ बी ।

रामलाल—सं १९ के लगभग वर्तमान ।
    चित्तविनोद (पद्य)→२ –१५ ए ।
    रामशिरोमणि (पद्य)→२०–१५० बी ।

रामलाल→ रामलला' ('रुक्मिणीमंगल के रचयिता) ।

रामलाल (शर्मा)—(?)
    रामचंद्र कामविज्ञान प्रदीपिका (पद्य)→ ६–२४९ ।

रामलीला नाटक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाटक रूप में रामलीला ।
    प्रा०—भारती भवन इलाहाबाद ।→१७–६९ (परि १) ।

रामलीला प्रकाशिका (बाल कांड) (पद्य)—किशोरदास कृत । वि रामायण की कथा ।
    प्रा०—मुंशी शंकरदयाल बाबापुरा फैजाबाद ।→२ –८४ ।

रामलीलाविहार नाटक (गद्य)—लक्ष्मणशरण कृत । वि रामायण के बालकांड की
    कथा (नाटक रूप में) ।
    प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता अयोध्या ।→ ६–१९५ ।

रामलीला सहायक (पद्य)—दाशरथिदास (दिव्य) कृत। वि० रामायण की कथा।
प्रा०—श्री दशरथिदास, मंदिर धर्मोपुर, रामघाट, अयोध्या।→२०-३३।
रामवच्छ—अन्य नाम कवि वच्छ। सं० १८६१-१८७० के लगभग वर्तमान।
भागवत (भाषा) (गद्यपद्य)→सं० ०१-३५३।
रामविनोद (पद्य)—पद्मरंग कृत। लि० का० सं० १९२८। वि० वैद्यक।
प्रा०—श्री देवनारायण वैद्य, मोहनपुर, डा० वरवान (हरदोई)।→२९-२५८।
रामविनोद (गद्यपद्य)—रामचंद्र कृत। र० का० सं० १७२०। वि० वैद्यक।
(क) लि० का० सं० १८०६।
प्रा०—ठा० रामप्रतापसिंह, अलीपुरदरौना, डा० जैतपुर बाजार (बहराइच)।
→२३-३३७ ए।
(ख) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—लाला रामधनी वैद्य, नवाबगंज (बाराबंकी)।→२३-३३७ बी।
(ग) लि० का० सं० १८७१।
प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया।→०६-३१२ (विवरण अप्राप्त।
(घ) लि० का० सं० १८७१।
प्रा०—पं० रामप्रसाद भट्ट, संस्कृत अध्यापक, ललितपुर (झाँसी) ।→
०६-२४४।
(ङ) लि० का० सं० १८०६।
प्रा०— पं० मनिया मिश्र, सुमानपुर (कानपुर)।→२६-३७७ ए।
(च) लि० का० सं० १९०२।
प्रा०—श्री स्वामीनारायण शर्मा, वछैना, डा० बिल्हौर (कानपुर) ।→
२६-३७७ बी।
(छ) लि० का० सं० १९१७।
प्रा०—पं० रामजियावन, विलंडा, डा० हँसुआ (फतेहपुर)।→२०-१४२ ए।
(ज) प्रा०—यती ज्ञानमल, जोधपुर।→०१-९२।
(झ) प्रा०—पं० राधोप्रसाद वैद्य, करछना (इलाहाबाद)।→२०-१४२ बी।
(ञ)→पं० २२-८६ ए।
रामविरह बारामासी→'विरह वर्णन बारहमासी' (गन्नाराम कृत)।
रामविलास (पद्य)—कुंदनदास कृत। वि० राम भजन एवं रामचरित्र।
प्रा०—पं० रामनारायण, अमरौली, डा० बिजनौर (लखनऊ)।→२६-२०७ बी।
रामविलास रामायण (पद्य)—ईश्वरीप्रसाद (त्रिपाठी) कृत। र० का० सं० १९१६।
वि० वाल्मीकि रामायण का अनुवाद।
(क) लि० का० सं० १९१८।
प्रा०—श्री रामकिशन कुर्मी, अतरौली (अलीगढ)।→२६-१६१ डी।
(ख) लि० का० स १९२०।

प्रा०—ठा० आगमसिंह परिहार, नगला मक्खनसिंह, डा० पीलखाना (अलीगढ़)। →२९–१६१ सी।

(ग) लि० का० सं० १९२५।

प्रा०—पं० रामप्रसन्न शर्मा, हरिभावों डा० पिहानी (हरदोई)। →२९–१६१ ए।

(घ) लि० का० सं० १९२७।

प्रा०—पं० केदारनाथ, मगौठा डा० सोरों (एटा)। →२९–१६१ बी।

(ङ) प्रा०—महाराज श्री प्रकाशसिंह मल्लापुर (सीतापुर)। →२६–१८६।

रामविवाह (?) (पद्य)—भक्तराम कृत। लि० का० सं० १७९९। वि० राम-विवाह वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी। →सं० १–१७।

रामविवाहखंड (पद्य)—भवानसिंह (प्रधान) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया। →१–७९ डब्ल्यू।

रामविहार (पद्य)—नाथ (कवि) कृत। र० का० सं० १८९८। वि० राम का विहार वर्णन।

प्रा०—श्री मुरलीधर पाठक सोनपारा डा० मुबारकपुर (आजमगढ़)। →सं० १–१८७।

रामवैभव→रामायण (रामवैभव)[२] (हरिदेव कृत)।

रामशब्दावली (पद्य)—अन्य नाम शब्दावली। मलूकदास (बाबा) कृत। र० का० सं० १८११। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८११।

प्रा०—महंथिन रामसनेहदासी कुटी बाबा मलूकदास डा० कमेश्वरगांव (सुलतानपुर)। →२१–१९१ बी।

(ख) लि० का० सं० १९८५।

प्रा०—मुंशी कृष्णराम माथुरी डा० शाहमऊ (रायबरेली)। →१२–५७।

(ग) प्रा०—महंत महावीरदास मलूकदास बाबा की कुटी कमेश्वरगांव (सुलतानपुर)। →सं० ४–२१७।

रामशब्दावली (पद्य)—रामप्रसाद (बाबा) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १९७५।

प्रा०—मुंशी रामकृष्ण माथुरी डा० शाहमऊ (रायबरेली)। →१२–८२।

(ख) प्रा०—महंत महावीरदास मलूकदास बाबा की कुटी कमेश्वरगांव (सुलतानपुर)। →सं० ४–२२५।

रामशब्दावली (पद्य)—रामसुमिरन (बाबा) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत महावीरदास मलूकदास बाबा की कुटी डा० कमेश्वरगांव (सुलतानपुर)। →सं० ४–२४२।

रामशलाका (पद्य)—अन्य नाम 'तुलसी शकुनावली' और 'रामाज्ञाप्रश्न' आदि। तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। र० का० सं० १६६२। वि० शकुन विचार।

(क) लि० का० स० १७६७ ।

प्रा०—प्रतापगढनरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ ।→२६–४८४ एम[1] ।

(ख) लि० का० सं० १८०३ ।

प्रा०—पं० रामभजन शास्त्री, भीखमपुर फर्लों, डा० जलेसर (एटा) ।→ २६–३२५ डी[3] ।

(ग) लि० का० स० १८०८ ।

प्रा०—लाला कन्नोमल, सिसर्वां (अलीगढ) ।→२६–३२५ ई[3] ।

(घ) लि० का० स० १८२२ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–६८ । (स० १६८६ की एक प्रति 'रामायण सगुनौती' महाराज बनारस के पुस्तकालय में है) ।

(ङ) लि० का० स० १८३० ।

प्रा०—श्री केदारनाथ पाडेय, हुलासपुरा, डा० भदोही (वाराणसी) ।→ सं० ०४–१४२ ख ।

(च) लि० का० स० १८५० ।

प्रा०—श्री देवीसिंह, छोटागाँव (सीतापुर) ।→२६–४८४ एल[1] ।

(छ) लि० का० स० १८५६ ।

प्रा०—ठा० हनुमानसिंह, गोधनी, डा० जैतीपुर (उन्नाव) ।→२६–४८४ क्यू[1] ।

(ज) लि० का० स० १८५६ ।

प्रा०—प० कैलाशनाथ वाजपेयी, असनी (फतेहपुर) ।→२३–४३२ एच ।

(झ) लि० का० स० १८५६ ।

प्रा०—ठा० ज्वालासिंह, जमींदार, रामपुर चन्द्रसेनी, डा० होलीपुरा (आगरा) । →२६–३२५ एफ[3] ।

(ञ) लि० का० स० १८६३ ।

प्रा०—प० रामप्रताप द्विवेदी, गोपालपुर ।→२०–१६८ एच ।

(ट) लि० का० स० १८७१ ।

प्रा०—महाराज भगवानबक्ससिंह, अमेठी (सुलतानपुर) ।→३२–४३२ डी[2] ।

(ठ) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—प० अयोध्याप्रसाद (मौंदू), बाराबकी ।→२३–४३२ जी[2] ।

(ड) लि० का० स० १८८१ ।

प्रा०—प० गयादत्त शुक्ल, गुरुटोला, आजमगढ ।→०६–२२१ एच ।

(ढ लि० का० स० १८६६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२३–४३२ एफ[2] ।

(ण) लि० का० स० १६०६ ।

प्रा०—पं० ऋषिराम दूबे, ब्राह्मण टोला, डा० फखरपुर (बहराइच) । → २३–४३२ ई[2] ।

(त) लि का र्स १९१ ।
प्रा —पं लालताप्रसाद पंडित का पुरवा डा तिनैया (बहराइच)। →
२१-४१२ एल[१] ।
(थ) लि का र्स १९१५ (१२६५ फसली)।
प्रा —पं अयोध्याप्रसाद मिश्र, कालैल डा विलवलिया (बहराइच)। →
२१ ४१२ आई ।
(द) प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)। →
१–८७ ।
(ध) प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६-२४५ बी (विवरण अप्राप्त) ।
(न) प्रा —पं रामनाथलाल वाराणसी ।→२१–४१२ अ[१] ।
(प) प्रा —पं रघुनंदनप्रसाद, तिलवाय डा सुरतगंज (बाराबंकी)। →
२१-४११ पू[१] ।
(फ) प्रा०—ठा बद्रीसिंह जमींदार, लालीपुर डा लालावरवशी (लखनऊ) ।
→२९-४८४ एम[१] ।
(ब)→पं १२-१११ ई ।

रामशिरोमणि (पद्य)—रामलाल कृत । लि का र्स १९ । वि रामचरित आदि ।
प्रा —ग कुसमसिंह शृंगारहार अयोध्या ।→२ -१५ बी ।

रामशेखर—(?)
रासमंडल (पद्य)→२ – ५९ ।

रामसंहिता (पद्य)—भुवनदास कृत । लि का र्स १९१५ । वि रामकथा (माहात्म्य) ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१–१७७ ल ।

रामसखे—जन्म भूमि जयपुर । साधु होकर अयोध्या में रहने लगे थे । कुछ दिनों तक चित्रकूट में भी रहे । सं १८ ४ के लगभग वर्तमान ।
कवित्त (पद्य)→१७–१५८ बी ।
कवितावली (पद्य)→१७–१५८ ई ।
गीत (पद्य)→ ६-२१९ ए ।
दानलीला (पद्य)→ ५-८१ १७–१५८ ए ।
दोहावली (पद्य)→ ५-८ २ -१५८ ए ।
नित्यरामचन्द्र मिलन (पद्य)→ ५-७८ १७–१५८ डी २१ १५१ ।
पद (पद्य)→ ५-७९ ।
पदावली (पद्य)→ ६-२१७ बी २ -१५८ बी ।
बानी (पद्य)→ ५–८२ ।
मंगलशतिका (पद्य)→०६–२५७ ए ।

खो र्स वि १६ (११ -४४)

मगलाष्टक (पद्य)→१७–१५८ सी, २६–३६५, दि० ३१–७४।
रागमाला (पद्य)→०६–२१६ सी।
रासपद्धति और दानलीला (पद्य)→०६–२१६ बी।
सीतारामचद्र रहस्य पदावली (पद्य)→१७-१५८ एफ़।

रामसखे की दोहावली→'दोहावली' (रामसखे कृत)।

रामसखे की बानी→'बानी' (रामसखे कृत)।

रामसखे के पद→'पद' (रामसखे कृत)।

रामसतसई→'तुलसीसतसई' (गो० तुलसीदास कृत)।

रामसनेही→'रघुनाथदास' ('ज्ञानककहरा' के रचयिता)।

रामसनेहीदास—जन्मभूमि जोहरे (?)। ये सभवत. अयोध्या के महत बाबा रघुनाथदास थे जो रामसनेही संप्रदाय के प्रवर्तक के रूप में प्रसिद्ध हैं।
हृदयप्रकाश (पद्य)→स० ०४–३४०।

रामसप्तशतिका (पद्य)—रामसहाय कृत। वि० राधाकृष्ण के रूप, प्रेम और यश का वर्णन।'
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–२२।

रामसवारी रहस्य (गद्य)–रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६४३। वि० राम कथा।
प्रा०—प० कैलाशपति, जरार, डा० बाह (आगरा)।→२६–४६६।

रामसहाई—किसी पीररोशन अमीर के शिष्य।
अलिफनामा (पद्य)→स० ०४–३४१।

रामसहाय—कायस्थ। चौबेपुर (वाराणसी) निवासी। भवानीदास के पुत्र। किसी चिंतामणि के शिष्य। काशी नरेश महाराज उदितनारायणसिंह के आश्रित। स० १८७३ के लगभग वर्तमान।
ककहरा (पद्य)→०६–२५६।
बानीभूषण (गद्यपद्य)→०४–२३।
रामसप्तशतिका (गद्यपद्य)→०४–२२।
वृत्ततरंगिणी (पद्य)→०४–२४, २३–३४६ ए, बी, २६–३६४ ए, बी, ४१–५५२ (अप्र०)।

रामसहाय—सतनामी सप्रदाय के अनुयायी।
आरती जगजीवन (पद्य)→२३–३५०।

रामसागर (पद्य)—आनदराम कृत। र० का० स० १८७६। वि० संतदास, समदारण, सूरतराम आदि भक्तों की ईश्वर एव गुरु विषयक बानियों का सग्रह।
प्रा०—एशियाटिक सोसायटी आफ बगाल, कलकत्ता।→०१–५६।

रामसागर (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० रामनाम महिमा ।
प्रा०—श्री रघुवरदयाल मुख्तारी द्वा० सिरसागंज (मैनपुरी) ।→१२-११ डी ।

रामसार (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० रामनाम की महिमा ।
प्रा०—गोपालजी का मंदिर सिंगारी (जौनपुर) ।→ १-१ ८ ।

रामसावित्री (पद्य)—रमावतदास कृत । वि० रामचरित के अंतर्गत आई घटनाओं का तिथि पत्र ।
(क) लि० का० सं० १९१२ ।
प्रा०—श्री राधेश्याम, मुक्ता, डा० ब्रह्मरामपुर (इलाहाबाद) ।→सं० १-२४६ ।
(ख) लि० का० सं० १९२१ ।
प्रा०—ठा० नैपालसिंह मउसी, डाक तालाब बक्सी (लखनऊ) ।→१९-५१ ।

रामसाहि (नरेश)—कछवाहा क्षत्रिय । फतहसिंह के पिता । सं० १७२२ के पूर्व वर्तमान ।→२६-१२ ।

रामसिंह—धौमता बुंदेलखंड के कायस्थ ।
रसप्रमालिका (पद्य)→ ६-१ १ ।

रामसिंह—जयपुर नरेश । राज्य काल सं० १७२१-१७१२ । सुंदरलाल (?) कुलपति मिश्र, लाल कवि (लछीराम) और चंद कवि के आश्रयदाता ।→ →०२; -१९५, ६-१४४ ६-१८५ ९ १८८, २-८२ पं० २२-५७; सं० ७-१६ ।

रामसिंह—बीकानेर नरेश । गंगाराम के आश्रयदाता । सं० १७४४ के लगभग वर्तमान ।
→ ६-८७ १२-५८ ।

रामसिंह (पंडित)—(?)
पिंगलमंजरी (पद्य)→१८-१२१ ।

रामसिंह (महाराज)—नरवर (ग्वालियर) के राजा । पिता का नाम छत्रसिंह । सं० १८३६ के लगभग वर्तमान ।
जुगलविलास (पद्य)→१२-१४२ ए, २१-१६६ बी सं० १ ३५७ ।
मनमोहन भक्तिविलास (पद्य)→१६-१६६ ए; ४१-२५१ क (अप्र०) ।
रसनिवास (पद्य)→०१-११७ ए ।
रसविनोद (पद्य)→ १-११७ बी ।
रसशिरोमणि (पद्य)→१२-१४२ बी; १६-१६६ डी; ४१-२१ क; ४१-२५१ ख (अप्र०) ।
राधाकृष्णचौपाई (पद्य)→४१-२१ ख ।

रामसिंह (महाराज)—रीवाँ नरेश । प्रसिद्ध गायनाचार्य तानसेन के आश्रयदाता । इन्होंने सं० १६२ में तानसेन को बादशाह अकबर के दरबार में उपस्थित किया था ।→ १-११ ।

रामसिंह (महाराज)—जयपुर नरेश। राज्यकाल स० १८६२-१९३७। नथमल जैन इन्हीं के समय में थे।→स० १०-६६।

रामसिंह (महाराज)—बूँदी नरेश। कमलनयन के आश्रयदाता। स० १८८८ से १९४६ तक के लगभग वर्तमान।→१२-९०।

रामसिंह (राजा)—तिवाड़ीपुर के राजा। संभवत. गदाधर त्रिपाठी ('औषधिसुधातरंगिणी' के रचयिता) के आश्रयदाता।→सं० ०४-६२।

रामसिंह (राजा)—किसनलाल ('वियोगमालती' के रचयिता) के आश्रयदाता।→स० ०१-४२।

रामसिंहमुखारविंद मकरंद (पद्य)—कमलनयन (रससिंधु) कृत। लि० का० स० १८९६। वि० नायिकाभेद।
प्रा०—श्री छुन्नूलाल, रेतू, गोकुल (मथुरा)।→१२-९०।

रामसुख (स्वामी)—(?)
राघवेंद्ररहस्य रत्नाकर (पद्य)→२०-१६०।

रामसुगनावली (पद्य)—जयतराम कृत। लि० का० स० १८२३। वि० शकुन।
प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→स० ०७-६० ख।

रामसुधिकरन (बाबा)—बाबा झामदास की कुटी (जगेसर, सुलतानपुर) के महंत।
रामशब्दावली (पद्य)—स० ०४-३४२।

रामसुयशपताका (पद्य)—समरदास कृत। र० का० स० १९२५। वि० रामचरित्र।
(क) लि० का० स० १९४८।
प्रा०—ठा० चंद्रिकाबक्शसिंह, जमींदार, मौली, डा० तालाबखल्ली (लखनऊ)।→२६-४१९ एच।
(ख) प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह तालुकेदार, दिकौलिया (सीतापुर)। →१२-१६४।

रामसेवक (महात्मा)—सतनामी संप्रदाय के अनुयायी। देवीदास बाबा के शिष्य। हरिचंदपुर (बाराबंकी) के निवासी। भूलामऊ (सुलतानपुर) के गजाधरदास के गुरु। स० १८८६ के पूर्व वर्तमान।
अखरावली (पद्य)→०९-२५८, २९-२९२, स० ०४-३४३।
ध्यानचिंतामणि (पद्य)→०९-२५८।

रामस्वयंवर (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराजा) कृत। र० का० स० १९३४। वि० रामजन्म से सीता स्वयंवर तक की कथा।
(क) लि० का० स० १९५०।
प्रा०—पं० शिवदयाल, ककारा, डा० ईशानगर (खीरी)।→२६-३७१ बी।
(ख) प्रा०—रीवाँनरेश का पुस्तकालय, रीवाँ।→०१-७।

रामस्वरूप—पितृम्य का नाम गदाधर शर्मा। बलरामपुर (गोंडा) की ओर के निवासी।
दिग्विजय भूषण तिलक (गद्यपद्य)→सं ४-१४४।
रामस्वर्गारोहण (पद्य)—कोनेदास कृत। र का सं १८८२। वि राम के स्वर्गारोहण की कथा।
(क) लि का सं १८२७।
प्रा —ठा बजरंगसिंह (जमादार) मुहम्मदपुरखाला (बाराबंकी)। → २१-२४१।
(ख) प्रा —ठा बद्रीप्रसाद जमींदार खानीपुर डा तालाबबख्शी (लखनऊ)। →२६-२७१।
रामहरनलीला→ रामकरुना नाटक' (उदय कवि कृत)।
रामहरी (जौहरी)—अन्य नाम हरिनाम। जयपुर निवासी। बाद में वृंदावन में रहने लगे थे। सं १८३१ के लगभग वर्तमान।
बुद्धिविलास (पद्य)→२६-२८१ एक ४१-१५४ (भ्रम)।
बोधबावनी (पद्य)→२६-२८१ बी।
रसपचीसी (पद्य)→२६-२८१ प।
लघुराम्बावली (पद्य)→२६-२८१ सी, डी।
सतसई (पद्य)→२६-२८१ ई।
रामहित (जन)—पूरा नाम रामहितसिंह। सिंहेश क्षत्रिय। भितभिसाँव (आजमगढ़) के निवासी। माता पिता का नाम क्रमशः ईश्वर और रामगतिसिंह। सं १८८१-८७ के लगभग वर्तमान।
गद्यकाव्यसारिका (पद्य)→२६-१६६ ए बी २६-२८४ ए, बी; सं १-१५८ क ख।
ध्यानक (पद्य)→सं १-१५८ ग।
भागवतविलासिका (पद्य)→सं १-१५८ घ।
रत्नावलिका (पद्य)→सं ४-१४५।
रामहितसिंह→ रामहित (जन)' (गद्यकाव्यसारिका आदि के रचयिता)।
रामहितावली (पद्य)—हितदास (हितरामदास) कृत। लि का सं १६५८। वि राममक्ति का उपदेश।
प्रा•—श्री बलदेवप्रसाद महाजन बसनाही डा रतड़ा (बलिया)।→४१-२५५ क
रामहोरीरहस्य (पद्य)—रामनाथ (प्रधान) कृत। र का सं १६१२। वि श्री रामचंद्र का मिथिला में होली खेलना।
(क) लि का सं १६४२।
प्रा —लाला गोविंद प्रधान रीवाँ।→ १-८।
(ख) मु का सं १६१६।
प्रा•—श्री महावीरप्रसाद मिश्र हरमाडलगंज, इलाहाबाद।→सं १-१४८।

रामा—'दयालजी का पद' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संग्रहीत हैं। →
०२-६४ (अटाग्रह)।

रामाज्ञा (गद्य)—गौतम (ऋषि) कृत। वि० पासा द्वारा शकुन परीक्षा।
प्रा०—चौधरी मुख्तारसिंह, नागरी, ग्रा० बलरई (इटावा)।→३८-५१।

रामाज्ञाप्रश्न या प्रश्नावली→'रामशलाका' (गो० तुलसीदास कृत)।

रामाज्ञासगुनौती→'रामशलाका' (गो० तुलसीदास कृत)।

रामाधार (त्रिपाठी)—मार्ड्या निवासी। संभवत सं० १८८७ के लगभग वर्तमान।
प्रश्नपोथी (गद्य)→२०-१४७।

रामानंद—ये पहले फौज के सूबेदार थे। अनंतर पंशन मिलने पर संन्यासी हो गए और
अयोध्या में रहने लगे। मृत्यु सं० १९६४। सं० १९३३ के पूर्व वर्तमान।
भगवद्गीता (भाषा) (पद्य)→०६-२५१ ए।
भजनसंग्रह (पद्य)→०६-२५१ बी।

रामानंद—गुरु का नाम श्रीगोपाल। भरतपुर नरेश महाराज बदनेस के आश्रित।
लीलारतन चूड़ामणि (पद्य)→सं० ०४-३४८।

रामानंद—संभवत 'रसमंजरी' के रचयिता रामानंद। सं० १८९० के लगभग वर्तमान।
→०६-२५०।
शनिकथा (पद्य)→३२-१८१ ए, बी।

रामानंद—कबीर के गुरु। काशी निवासी सुप्रसिद्ध महात्मा।
आभूषणमंत्र (गद्य)→सं० ०४-३४६ क।
ज्ञानतिलक (पद्य)→दि० ३१-७१।
चितावणी (पद्य)→सं० ०७-१६८ क।
पंचमात्रा (गद्य)→सं० ०४-३४६ ख।
पद (पद्य)→सं० ०७-१६८ ख सं० १०-११५।
रामअष्टक (पद्य)→४१-२३१।
रामरक्षा संजीवनमंत्र (गद्य)→१७-१५० ए।
रामरक्षास्तोत्र (गद्यपद्य)→००-७६, ०६-२५० ए, १७-१५० बी, २०-१५१ ए,
बी, २६-३८३, दि० ३१-७२, ३२-१८० ए से ई तक, सं० ०४-३४६ ग, घ,
ङ, च, सं० ०७-१६८ ग, घ।

रामानंद—सं० १८२१ के पूर्व वर्तमान।
ज्ञानलीला स्तोत्र (पद्य)→सं० ०४-३४७।

रामानंद—सं० १८२६ के पूर्व वर्तमान।
ज्ञानलीलास्तोत्र (पद्य)→सं० ०४-३४७।

रामानंद→'रामदयाल (पांडेय)' (कान्यकुब्ज ब्राह्मण।

रामानंदलहरी (गद्यपद्य)—रामचरणदास कृत। र० का० सं० १८६५-१८८१। वि०
रामचरितमानस की टीका।

बालकांड (पार्वती मोह तक)

(क) लि का सं १६ ५।

प्रा —राजा प्रचंडेशसिंह रईस कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→२६-१७८ एच।

बालकांड (राम विवाह तक)

(ख) लि का सं १६१७।

प्रा —श्री बलभद्रसिंह सेंगर तालुकेदार, कौंसा (उन्नाव)।→२३-३३६ ई।

(ग) लि का सं १६२४।

प्रा —श्री शिवनारायण शुक्ल सुलतानपुरखेड़ा (रायबरेली)।→सं ४-१२७ क।

अयोध्याकांड (चित्रकूट में राम भरत मिलन तक)।

(घ) लि का सं १६२१।

प्रा —श्री बलभद्रसिंह सेंगर तालुकेदार कौंसा (उन्नाव)।→२३-३३६ एफ।

किष्किंधाकांड

(ङ) लि का सं १६४ ।

प्रा०—पं गुलजारीलाल मिश्र, शाहाबाद (हरदोई)।→१२-१४४।

उत्तरकांड

(च) लि का सं १८८५।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→०४-४१।

अपूर्ण

(छ) प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ ६-२४५ बी।

रामानुजदास—रामानुज संप्रदाय के अनुयायी। सं १६२४ के पूर्व वर्तमान।

भगवद्गीता (पद्य)→सं १-१५६।

रामानुजदासशरण→ लक्ष्मणसिंह (प्रधान) (रामानुज संप्रदाय के वैष्णव)।

रामायण (पद्य)—कुबरदास कृत। वि रामचरित।

प्रा —गुसाँई रामस्वरूपदास सठमौंन बहानार्गकरोड (आज़मगढ़)। → सं १-४१ क।

रामायण (पद्य)—गुरुदयाल (कायस्थ) कृत। र का सं १८८६-१८९८। वि रामचरित (बालकांड अयोध्याकांड लंकाकांड उत्तरकांड)।

प्रा०—पं शालिग्राम कपहरा का सिरसागंज (मैनपुरी)।→२३-७१ ए से ई तक।

रामायण (पद्य)—गोमतीदास कृत। र का सं १६१५। लि का सं १६११-१२। वि रामचरित।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ३-६।

रामायण (पद्य)—गुलाबीनाथ (बाबा) कृत। र का सं १६ ७। वि रामचरित।

अयोध्याकांड और बालकांड

(क) लि० का० सं० १८४१ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–१६४ ग ।

किष्किंधाकांड, और उत्तरकांड

(ख) लि० का० सं० १८३३ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–१६४ क ।

रामायण (पद्य)—बादेराय (बादीराय) कृत । र० का० सं० १६१४ । लि० का० सं० १६१६ । वि० तुलसी कृत 'मानस' के आधार पर सात कांडों में रामचरित ।

प्रा०—बाबू शिवकुमार वकील, लखीमपुर (खीरी) ।→२६–१६ ।

रामायण (पद्य)—रत्नहरि कृत । र० का० सं० १६१० । वि० रामकथा (अयोध्या, अरण्य, किष्किंधा और उत्तरकांड) ।→पं० २२–६४ ए, बी, सी, टी ।

रामायण (पद्य)—राघवजन कृत । वि० संक्षिप्त रामकथा ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–२३४ ।

रामायण (पद्य)—रामदास कृत । वि० रामचरित्र ।

प्रा०—श्री बुद्धप्रकाश वैश्य, डा० होलीपुरा (आगरा) ।→३२–१७६ बी ।

रामायण (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत । वि० रामचरित्र ।

(क) लि० का० सं० १८८६ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–११५ ।

(ख) प्रा० महाराज पुस्तकाल, कालाकाँकर ।→०६–३२६ एफ ।

रामायण (पद्य)—समरदास कृत । र० का० सं० १६००–२२ । वि० रामचरित्र ।

(क) लि० का० सं० १६२७ ।

प्रा०—ठा० दुर्गासिंह रईस, दिकौलिया, डा० निघवाँ (सीतापुर) ।→२३–३७० ।

(सातों कांड) ।

बालकांड

(ख) लि० का० सं० १६३४ ।

प्रा०—डा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→२६–४१६ ए ।

किष्किंधाकांड

(ग) लि० का० सं० १६३३ ।

प्रा०—श्री रणधीरसिंह, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→२६–४१६ सी ।

(घ) लि० का० सं० १६३३ ।

प्रा०—ठा० चंद्रिकाबक्ससिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→२६–४१६ डी ।

सुंदरकांड

(क) प्रा —ठा रणधीरसिंह जमींदार खानीपुर डा ताजाबबखशी (लखनऊ)। →२६–४१६ बी।

लंकाकांड

(ख) लि का सं १९१४।

प्रा —ठा चंद्रिकाबखशसिंह जमींदार खानीपुर, डा ताजाबबखशी (लखनऊ)। →२६–४१६ ई।

(ग) प्रा —ठा रणधीरसिंह खानीपुर डा ताजाबबखशी (लखनऊ)।→ २६–४१६ एफ।

रामायण पद्य)—साहबराम कृत। वि रामचरित।

प्रा॰—पं केशवदत्त, सेर्ई डा छाता (मथुरा)।→१८–११२।

रामायण (पद्य)—सीताराम कृत। लि का सं १८७२। वि मान कवि कृत रामायण की व्याख्या।

प्रा॰—दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६–११२।

रामायण (पद्य)—हरिदास कृत। लि का सं १९१७। वि तुलसी कृत रामायण का अत्यंत संक्षिप्त वर्णन।

प्रा॰—मुहम्मद इब्राहीम तहसीलदार, नया बाजार बस्ती।→॰६–११।

रामायण (पद्य)—सेवक (सुकवि) कृत। लि का सं १८८१। वि रामचरित।

प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १–४६१।

रामायण→'पिंगल रामायण (भगवदास कृत)।

रामायण→'रामचरितमानस' (गो तुलसीदास कृत)।

रामायण (किष्किंधाकांड) (पद्य)—रामगुलाम (द्विवेदी) कृत। लि का सं १९ १। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ ६–२४७ सी।

रामायण (किष्किंधाकांड) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि रामचरित।

प्रा —श्री रामपदारथ दूबे ग्रामदेवा डा महमूदपुर सेमरी (सुलतानपुर)।→ सं १–३६६।

रामायण (किष्किंधाकांड)→पिंगल रामायण (भगवदास कृत)।

रामायण (बालकांड) (पद्य)—देवीदास कृत। लि का सं १८१७। वि रामचरित।

प्रा —मुंशी मगनबिहारीलाल वरिकाबाद मु मुहर्रिरान (बाराबंकी)।→ २३–९७।

रामायण (वाल्मीकीय) (पद्य)—ब्रजवासी कृत। र का सं १६१४। वि वाल्मीकीय रामायण के प्रथम तीन कांडों का अनुवाद।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४–९८।

रामायण (वाल्मीकीय) (पद्य)—महेशदत्त कृत। र० का० सं० १६३०। वि० वाल्मीकि रामायण का भाषानुवाद।

बालकांड

(क) प्रा०—पं० रामावतार शुक्ल, पटियाली (एटा)।→२६–२२० ई।

अयोध्याकांड

(ख) लि० का० सं० १६३४।

प्रा०—पं० बालधर शास्त्री, राजापुर, डा० कादरगंज (एटा)।→२६–२२० एफ।

अरण्यकांड

(ग) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—पं० रामावतार शुक्ल, पटियाली (एटा)।→२६–२२० जी।

किष्किंधाकांड

(घ) लि० का० सं० १६४०।

प्रा०—पं० बालधर शास्त्री, राजापुर, डा० कादरगंज (एटा)।→२६–२२० एच।

सुंदरकांड

(ङ) लि० का० सं० १६४०।

प्रा०—पं० ज्ञानानंद जोशी, मथुरा झालाकुंज (मथुरा)।→२० २२० आई।

लंकाकांड

(च) लि० का० सं० १६३८।

प्रा०—श्री रामकुमार शास्त्री, हरिहरपुर, डा० अवागढ (एटा)।→ २६–२२० जे।

उत्तरकांड

(छ) लि० का० सं० १६४०।

प्रा०—पं० रामकुमार शास्त्री, हरिहरपुर, डा० अवागढ (एटा)।→ २६–२२० के।

रामायण (वाल्मीकीय) (पद्य)—संतोषसिंह कृत। सं० का० सं० १८६ । वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–१२१।

रामायण (वाल्मीकीय)→'वाल्मीकि रामायण' (कलानिधि कृत)।

रामायण (भाषा) (पद्य)—अन्य नाम 'रामचरित्र'। कपूरचंद (चंद) कृत। र० का० सं० १७००। वि० संक्षिप्त रामकथा।

(क) लि० का० सं० १८८५।

प्रा०—श्री चतुर्भुज, भोजापुर, डा० गड़वारा (प्रतापगढ)।→२६–२२४।

(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। → ०३–६६।

रामायण (भाषा) (पद्य)—सीताराम कृत । वि० रामचरित्र ।
प्रा०—पं० रघुनाथराम गायघाट, वाराणसी ।→ ६-१८ बी ।
रामायण (रामलघुचरित्र) (पद्य)—मुनिलाल कृत । र० का० सं० १८८७ ।
लि० का० सं० १९११ । वि० रामचरित्र ।
प्रा०—श्री हिंदी साहित्य पुस्तकालय मौरावाँ (उन्नाव) ।→ सं० ४-१६ ।
रामायण (रामबैसाख) (पद्य)—हरिदेव कृत । र० का० सं० १८५४ । लि० का० सं० १८६४ । वि० रामचरित्र वर्णन ।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→ सं० १-८८५ ख ।
रामायण (लंकाकांड) (पद्य)—मधुरादास कृत । लि० का० सं० १९४१ । वि० वाल्मीकीय रामायण का बंगला से अनुवाद ।
प्रा०—पं० रामदुलारे मिश्र मामपुर (सीतापुर) ।→ २६-२१८ ।
रामायण (सुंदरकांड)→'रामचंद्रोदय' (श्रीकृष्ण कलानिधि कृत) ।
रामायण (अयोध्याकांड) (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । वि० रामचरित ।
(क) लि० का० सं० १७६ ।
प्रा०—ठा० गणेशसिंह आदमपुर डा० रहिबाद (हरदोई) । → २६-१२४ एन ।
(ख) लि० का० सं० १९ २ ।
प्रा०—पं० गयाप्रसाद कूप सराय मकान डा० सोरों (एटा) । → २९-३१५ क्यू ।
रामायण का बारहमासा (पद्य)—सीताराम कृत । र० का० सं० १९ ४ । लि० का० सं० १९४४ । वि० रामचरित्र ।
प्रा०—पं० रामभद्र पुजारी, कल्यानपुर डा० मौरावाँ (उन्नाव) ।→ २६ ११७ ।
रामायण की घटनाओं का तिथिपत्र (पद्य)—मोहनलाल (समाधिया) कृत ।
र० का० सं० १९११ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→ १८-१ ।
रामायणकोश→'नामरामायण (मकसिंह कृत) ।
रामायण तुलसी कृत (पद्य)—हरलाल कृत । वि० गो० तुलसीदास कृत 'रामचरित मानस' के उपदेशात्मक अंशों का संग्रह ।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर) ।→ ६-५६ ।
रामायण नाटक (पद्य)—रघुनाथ प्रसाद । लि० का० सं० १८८५ । वि० रामचरित्र ।
प्रा०—ठा० रघुनाथसिंह बंधबहादुरसिंह, समोसरा डा० नैनी (इलाहाबाद) ।→ सं० १ ५५७ ।
रामायण नाटक→'रामायण महानाटक (प्राणचंद कृत) ।
रामायण परिचर्या (पद्य)—जानकीदास (स्वामी) कृत । वि० तुलसी कृत रामायण की कठिन चौपाइयों पर टीका ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-६६ ।

रामायण महानाटक (पद्य)—अन्य नाम 'रामायण नाटक' । प्राणचंद कृत । र० का० स० १६६७ । वि० रामचरित्र ।

(क) लि० का० स० १७७५ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-६५ ।

(ख) प्रा०—पं० दयाशंकर पाठक, रामदास की मंडी, मथुरा ।→१७-१३४ ।

(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, बहराइच ।→२३-३१७ ।

रामायणमाला (पद्य)—मातादीन (शुक्ल) कृत । र० का० सं० १८६६ । वि० रामायण की कथा ।

(क) मु० का० स० १६२२ ।

प्रा०—राजपुस्तकालय, किला, प्रतापगढ ।→स० ०४-२६३ ट ।

(ख) लि० का० स० १६३१ ।

प्रा०—प० कुबेरदत्त शुक्ल, शुकन का पुरवा, डा० अजगरा (प्रतापगढ) । → २६-२६७ ई ।

(ग) लि० का० स० १६३१ ।

प्रा०—पं० रामदुलारे दूबे, रामनगर, डा० औरंगाबाद (सीतापुर) । → २६-२६७ एफ ।

(घ) मु० का० स० १६३१ ।

प्रा०—श्री सरस्वतीप्रसाद उपाध्याय, सुदीकपुरा (ताराडीह), डा० फूलपुर (इलाहाबाद) ।→स० ०१-२८३ ग ।

(ङ) मु० का० स० १६३१ ।

प्रा०—श्री शिवमूरति दूबे, सोनाई, डा० अरसेठी (जौनपुर) । → स० ०४-२६३ ञ ।

(च) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०४-२६३ ठ ।

रामायण माहात्म्य (पद्य)—कुंदनप्रसाद कृत । लि० स० १६१३ । वि० तुलसी कृत रामायण का माहात्म्य वर्णन ।

प्रा०—प० कृपानारायण शुक्ल, मुशीगंज कटरा, डा० मलीहाबाद (लखनऊ) । →२६-२५१ ।

रामायण माहात्म्य (पद्य)—गोपालदास (द्विज) कृत । र० का० स० १६०८ । वि० तुलसी कृत रामायण की महिमा ।

(क) लि० का० स० १६४८ ।

प्रा०—ठा० चंद्रिकाबख्शसिंह, खानीपुर, डा० तालाबख्शी (लखनऊ) । → २६-१४८ ए ।

(ख) लि० का० स० १६५२ ।

प्रा०—प० बैजनाथ शुक्ल, सिकंदरपुर घुमनी, डा० सिसैया (बहराइच) । → २३-१३३ बी ।

(ग) प्रा —पं शिवसेवकराम मिश्र परिवारों (प्रतापगढ़)। → २६-१४८ बी।

रामायण माहात्म्य (पद्य)—भागवतदास कृत। वि रामचरित।

(क) लि का सं १६१ ।

प्रा —श्री रामकृष्ण शुक्ल सुदर्शन भवन प्रयाग।→४१-१७१ ग।

(ख) प्रा —श्री रामकृष्ण शुक्ल सुदर्शन भवन प्रयाग।→४१-१७१ घ।

रामायण माहात्म्य (पद्य)—मिहारीरमणेश (रमणविहारी) कृत। लि का सं १६१८। वि रामचरितमानस का माहात्म्य।

प्रा॰—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-२८ ।

रामायण माहात्म्य (गद्यपद्य)—रामचरण कृत। लि का सं १६४ । वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —ठा हरविलाससिंह रानीपुर डा मैनपुरी (एटा)।→२६-३ १।

रामायण माहात्म्य (पद्य)—सीतलदास कृत। र का सं १६ ६। वि रामायण माहात्म्य और गो तुलसीदास का जीवनवृत्त।

(क) लि का सं ६३६।

प्रा॰—हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग।→सं १-४१६।

(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ४-१६ क।

(ग) प्रा —शारदासदन पुस्तकालय रायबरेली।→सं ४-१६ ख।

रामायण माहात्म्य और तुलसी चरित्र (पद्य)—गंगादास कृत। वि रामायण का माहात्म्य और गो तुलसीदास का जीवनवृत्त।

प्रा —श्री सूर्यनारायण मिश्र लोधी मिश्र का पुरवा डा करौंदी (सुलतानपुर)। →सं ४-५५।

रामायण रामविलास→ रामविलास रामायण' (ईश्वरीप्रसाद त्रिपाठी कृत)।

रामायणरातक (पद्य)—अन्य नाम ज्ञानप्रभातक'। हरिवक्शसिंह कृत। र का सं १६ ७। वि संक्षिप्त रामकथा।

प्रा —डा जगदंबाप्रसाद जमींदार फरखना (इलाहाबाद)।→१७-१८ ए।

रामायण शृंगार (पद्य)—शिवबख्शराय कृत। र का सं १८८१। लि का सं १६१७। वि रामचरित।

प्रा —सेठ जयदयाल तालुकेदार कटरा सीतापुर।→१२-१७६।

रामायण सगुनौती→'रामशलाका' (गो तुलसीदास कृत)।

रामायणसार (पद्य)—हरिचरणदास कृत। र का सं १८३१। लि का सं १८७८। वि रामचरित।

प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१-२१५।

रामायण सुमिरनी (पद्य)—मनबलसिंह (प्रधान) कृत। वि रामायण का सारांश।

प्रा॰—लाला लक्ष्मीप्रसाद, बैंगल अधिकारी बलिया।→ १-७८ ग्राई।

रामायण सूचनिका (पद्य)—कलानिधि (श्रीकृष्ण भट्ट) कृत । वि० रामायण की प्रमुख घटनाओं की सूची ।
प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर ।→१७-९३ ई ।

रामायण सूचनिका (पद्य)—अन्य नाम 'फकीरारामायण' । रसिकगोविंद कृत । वि० रामायण की संक्षिप्त कथा ।
(क) प्रा०—बाबू रामनारायण, बिजावर ।→०६-१२२ जी (विवरण अप्राप्त) ।
(ख) प्रा०—ठा० मोतीसिंह अनोढ़ा, डा० जुगसना (मथुरा) ।→३५-८६ ।

रामायनी करुहरा (पद्य)—वृंदावन (लाला) कृत । लि० का० स० १९१९ । वि० रामायण की कथा ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२६-५६ ।

रामार्णव (पद्य)—भामदास कृत । र० का० स० १८'८ । वि० रामचरित्र ।
(क) लि० का० स० १८६५ ।
प्रा०—डेरातर के महाराज, मॉडा (इलाहाबाद) ।→स० १-१३४ ग ।
(ख) प्रा०—श्री सीताराम, भदोही (मिरजापुर) ।→०१-२१ ।
(ग) प्रा०—प० रामकिशोर गुरु, मॉडा (इलाहाबाद) ।→२०-७२ ।
(घ) प्रा०—श्री भगवानदत्त मिश्र, कस्रा, डा० हनुमानगज (इलाहाबाद) ।→स० ०१-१३४ क ।

रामालकृतमजरी (पद्य)—केशवदास (?) कृत । वि० अलकार ।→००-५२ (पॉच) ।

रामावतार (पद्य)—जसवत कृत । वि० सक्षिप्त रामकथा ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-२७४ ए (विवरण अप्राप्त) ।

रामावतार—इनकी सहायता से परमानद ('आत्मबोध' के रचयिता) ने ग्रथों की टीकाएँ की थीं ।→स० ०१-२०१ ।

रामवतारदास—वैश्य । दोस्तपुर (अयोध्या से बीस कोस दूर) के निवासी । अत समय में साधु हो गए । स० १९२५ के लगभग वर्तमान ।
सतविलास (पद्य)→स० ०१-३६० ।

रामावली (पद्य)—अचलदास कृत । र० का० स० १९०९ । लि० का० स० १९०९ । वि० रामयश वर्णन ।
प्रा —बाबा साहबदास, श्री गणेश मदिर, डा० सआदतगज (लखनऊ) ।→२६-२ डी ।

रामाश्वमेध (पद्य)—गगाप्रसाद (माथुर) कृत । वि० राम के अश्वमेध यज्ञ का वर्णन ।
प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा) ।→१६-११० बी ।

रामाश्वमेध (पद्य)—देवकृष्ण कृत । र० का० स० १८२८ । वि० राम के अश्वमेध यज्ञ का वर्णन ।
→स० ०१-१६२ ।

रामाश्वमेध (पद्य)—नामगुलाम (त्रिपाठी) कृत । र का सं १८८४। लि का सं १९९५। वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—राजा अवधेशसिंह की रमेश पुस्तकालय कालाकाँकर (प्रतापगढ़) ।→ २१–१२६ ।

रामाश्वमेध (पद्य)—नारायणदास कृत । र का सं १७३१। लि का सं १९१५। वि रामचंद्र जी के अश्वमेध यज्ञ का वर्णन ।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १–१६१ ।

रामाश्वमेध (पद्य)—मधुसूदनदास (माथुरीदास) कृत । र का सं १८३६ (?) । वि श्री रामचंद्र जी का अश्वमेध वर्णन ।
(क) लि का सं १८८१ ।
प्रा०—पं कृष्णलाल चौबे, इटावा ।→ ६ १८१ ।
(ख) लि का सं १९ ७ ।
प्रा —ठा शिवबख्शसिंह, उसरा डा मुसाफिरखाना (सुलतानपुर) ।→ ११–२५१ ए ।
(ग) लि का सं १९१४ ।
प्रा०—पंचायती ठाकुरद्वारा खजुहा (फतेहपुर) ।→१ –२७ ।
(घ) लि का सं १९९४ ।
प्रा —ठा सहीसिंह जमींदार, मौसी लानीपुर, डा लालगकशी (लखनऊ) । →२६–२७८ ए ।
(ङ) लि का सं १९१४ ।
प्रा —राजा लालतावख्शसिंह का पुस्तकालय नीलगाँव (सीतापुर) ।→ ११ २५१ बी ।
(च) लि का सं १९३२ ।
प्रा —पं विष्णुदत्त (पुत्री महाराज), मौसी डा लालगकशी (लखनऊ) । →२६–२७८ बी ।
(छ) लि का सं १९४८ ।
प्रा —श्री भारतराम रामद्वारका महामंदिर भावपुर ।→ १–८७ ।
(ज) लि का सं १९९८ ।
प्रा —श्री रामचंद्र छीपी द्वारा श्री भगीरथप्रसाद दीक्षित मई बटेश्वर (आगरा) ।→१६–२७८ सी ।

रामाश्वमेध (पद्य)—मनसाराम कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
(क) लि का सं १९०८ ।
प्रा —पं भोलानाथ डा बाजने (मथुरा) ।→१२ १ १ बी ।
(ख) प्रा पं गंगाप्रसाद डा सुरीर (मथुरा) ।→१२–१४१ ए ।

रामाश्वमेध (पद्य)—मोहनदास (मिश्र) कृत । वि० राम के अश्वमेध का वर्णन ।
(क) लि० का० स० १६०२ ।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेट एकाउटेंट), छतरपुर ।→ ०६–२६५ ए (विवरण अप्राप्त) ।
(स० १६३४ की एक प्रति टीकमगढ नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ में है) ।
(ख) लि० का० स० १६१६ ।
प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी) ।→०६–१६६ सी ।

रामाश्वमेध (पद्य)—हरिदाससहाय (गिरि) कृत । र० का० स० १८५६ । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) लि० का० स० १६०० ।
प्रा०—महाराज भगवानबख्शसिंह जी, राजा अमेठी (सुलतानपुर) ।→२३–१५४ ।
(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→ ०३–१६ ।

रामाश्वमेध (पद्य)—हरिदेव (जन) कृत । र० का० स० १६१६ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—प० हरिवशलाल, पन्हेरा, डा० बाजना (मथुरा) ।→३८–५७ ।

रामाश्वमेध (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १६३१ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—प० मोहनलाल, सत्तूखेड़ा, डा० गौतम (अलीगढ) ।→३८–१६५ ।

रामाश्वमेध (पद्मपुराण) (पद्य)—रामबकस कृत । लि० का० स० १६३२ । वि० राम के अश्वमेध यज्ञ का वर्णन ।
प्रा० - श्री रामरुचि पाडेय, कोटरी, डा० लेवरुआ (जौनपुर) ।→सं० ०१–३५२ ।

रामाश्वमेध (पातालखण्ड) (पद्य)—बदनराउ कृत । र० का० स० १८८६ । वि० रामाश्वमेध वर्णन ।
प्रा०—श्री पुरुषोत्तम दूबे लेदुका, डा० बरपुर (जौनपुर) ।→सं० ०४–२२५ ।

रामाश्वमेध की टीका (गद्य)—वासुदेव (सनाढ्य) कृत । वि० सस्कृत 'रामाश्वमेध' की टीका ।
प्रा०—प० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा) ।→२६–३० एच ।

रामाश्वमेध यज्ञ या रामचरित्र (पद्य)—गुरुदीन कृत । वि० राम और लवकुश सग्राम ।
(क) लि० का० स १८७८ ।
प्रा०—बाबा सरगीराम पुजारी, अलीगज (एटा) ।→२६–१३२ ।
(ख) प्रा०—प० गिरधारीलाल मिश्र, अब्दुलगनी का कटरा, फतेहपुर । → ०६–१०१ ।

रामाष्टक (पद्य)—चेतनदास कृत । वि० रामस्तुति ।
(क) प्रा०—ठा० श्रीचद्र वैद्य, लमौवा, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) । → ३२–४१ सी ।

(स) प्रा —पं मुंशीलाल नंदपुर डा खैरगढ़ (मैनपुरी) ।→११-४१ एच ।

रामाष्टक (पद्य)—रघुराज कृत । वि राममक्ति ।

प्रा —श्री रामभूषण वैद्य कमलापुर डा इटौंजा (लखनऊ) ।→२६-६१ सी ।

रामाष्टक (पद्य)—मोतीराम कृत । र का सं १८२४ । लि का सं १९२५ ।

वि राम वंदना ।

प्रा —पं गोवर्द्धननाथ कुवर्इ, फतहपुर (महाराष्ट्र) ।→११-२८१ बी ।

रामाष्टक (पद्य)—मोहन (कवि) कृत । लि का सं १९२९ । वि राम वंदना ।

प्रा०—ठा रतिभानसिंह, बल्लमपुर डा सफीपुर (उन्नाव) ।→२६-३०५ सी ।

रामाष्टक (पद्य)—सुकवि कृत । वि रामनाम का माहात्म्य ।

प्रा —पं मन्नीलाल तिवारी गंगापुत्र मिसिख (सीतापुर)→२९-४१४ ।

रामेश्वर—(?)

भाग्यबोधिनी (गद्य)→१२-१८४ ।

रामेश्वर—कोटवा (बाराबंकी) के महंत । सतनामी संप्रदाय के अनुयायी । बोधामल के गुरु ।→२३-६६ ।

रामेश्वर (भट्ट)—पांचाल देश (?) के निवासी । सुलतान गयासुद्दीन (?) के समकालीन और संभवतः उन्हीं के आश्रित ।

योगशास्त्र (यो सा) (गद्य)→सं ४-१४९ ।

रामेश्वरसिंह—भीखपुर के राजकुमार । कालीचरण के आश्रयदाता । सं १९ २ के लगभग वर्तमान ।→ ४-८१ ।

रामोत्सव (पद्य)—भगेरा कृत । वि उत्सव के कवित्तादि ।

प्रा —दी पब्लिक लाइब्रेरी भरतपुर ।→१७-६४ (परि १) ।

रायचंद (नागर) —नागर ब्राह्मण । मुर्शिदाबाद के निवासी । राजा लालचंद के आश्रित । सं १८११ में वर्तमान ।

गीतगोविंदादर्श (पद्य)→१७-१५१; २६-४११ ए, बी सी सं ७ १९६ ।

चित्रमालिका (पद्य)→०२-११९ ।

रायचंद (राइचंद्र)—उप चंद्र । जैन । पंजाबी । सं १७११ के लगभग वर्तमान ।

सीताचरित (पद्य)→११-१११ सं ४-१२६ क, ख ग घ ।

राय रत्नाकरस—(?)

धर्मचर्मकरी (पद्य)→२९ १६८ ।

रायसा या रासो (पद्य)—शिवनाथ कृत । वि धारा नगरी के महाराज जसवंतसिंह और रीवाँ के महाराज प्रवीणसिंह का युद्ध वर्णन ।

प्रा —पं कन्हैयालाल महापात्र असनी (फतेहपुर) ।→९ -१८१ ।

रायसिंह (महाराज)—बीकानेर नरेश । रावकल्याणमल के पुत्र और पृथ्वीराज राठौर के भाई । सं १६५८ के लगभग वर्तमान ।→ -८० रि ११-६९ ।

खो सं रि ४१ (११ ०—१४)

रायसिंह (श्रीमाल)—वैरीसाल के पुत्र। सभवत माधवपुर (जयपुर) निवासी। स० १७१५ के लगभग वर्तमान।

गुनमाला (पद्य)→३२-१८६।

रावकृष्ण—(?)

मनुस्मृति की टीका (गद्य)→३५-८३ ए, बी।

रावण मदोदरी सवाद (पद्य)—मुनिलावण्य कृत। वि० सीताहरण पर रावण मदोदरी का सवाद।

प्रा०—विद्या प्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००-८५।

रावहमीरसोगढ (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अल्लाउद्दीन बादशाह और हम्मीर की लड़ाई का वर्णन।

प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१-५५८।

राशिमाला (गद्य)—अन्य नाम 'सिद्धिसागर'। रचयिता अज्ञात। वि० बारह राशियों की पहचान और उनका फलाफल।

(क) प्रा०—प० रामप्रसाद, बकेवर (इटावा)→३५-२८५ ए।

(ख) प्रा०—प० देवीदयाल, भरथना (इटावा)।→३५-२८५ बी।

रासउत्साह वर्द्धनवेलि (पद्य)—हित वृदावनदास (चाचा) कृत। र० का० स० १८३१। वि० वृदावन की शोभा और राधाकृष्ण का शृगार।

प्रा०—लाला नान्हकचद, मथुरा।→१७-३४ जी।

रास के पद (पद्य)—अष्टछाप के कवि कृत। वि० राधाकृष्ण की रासलीला।

(क) प्रा०—श्री पन्नालाल कायस्थ, महवई, डा० सादाबाद (मथुरा)। → ३२-२२६ एच।

(ख) प्रा०—पं० गोपाल गोस्वामी, नदग्राम (मथुरा)।→३२-२२६ आई।

रासदीपिका (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। वि० रामजानकी विहार।

(क) लि० का० स० १९३०।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→०६-१३४ जे।

(ख) प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६-१८१ बी (विवरण अप्राप्त)।

रासपचाध्यायी (पद्य)—अलीरँगीली कृत। वि० श्रीकृष्ण की रासलीला।

प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१-११।

रासपचाध्यायी (पद्य)—आनद (कवि) कृत। र० का० स० १८३५। वि० राधाकृष्ण की रासलीला।

प्रा०—नगरपालिक सग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-६।

रासपचाध्यायी (पद्य)—कृष्णदास (कायस्थ) कृत। वि० कृष्ण और गोपियों के रास का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १९१०।

प्रा —बाबू शिवकुमार वकील, लखीमपुर (खीरी) ।→२६–२ ४ ।

(ख) प्रा —श्री गोपालचंद्रसिंह, सिविलजज, सुलतानपुर ।→सं १–५२ ।

(ग) प्रा —श्री मनोहरलाल कायस्थ बख्शी, ग्रा छाँगीपुर (प्रतापगढ़) ।→ सं ४–४२ ।

रासपंचाध्यायी (पद्य)—कृष्णदेव कृत । लि का सं १८८७ । वि राधाकृष्ण का रास वर्णन ।

प्रा —गो गोवर्धनलाल राधारमण का मंदिर त्रिमुहानी मिरजापुर । → ६–१५६ ।

रासपंचाध्यायी (पद्य) —गोपाल (बनगोपाल) कृत । र का सं १७५५ । लि का सं १८८१ । वि कृष्ण जी की रासलीला ।

प्रा —पं श्रीधर मिश्र ज्योतिषी चक्रवर्ती, आजमगढ़ ।→४१–५६ ।

रासपंचाध्यायी (पद्य)—दामोदरदास कृत । र का सं १६६६ । वि राधाकृष्ण की रासलीला ।

प्रा —गो किशोरीलाल अधिकारी वृंदावन (मथुरा) ।→१२–४१ बी ।

रासपंचाध्यायी (पद्य)—अन्य नाम 'पंचाध्यायी' । नंददास कृत । वि श्रीकृष्ण की रासलीला ।

(क) लि का सं १७८ ।

प्रा —डा भवानीशंकर याज्ञिक भारतीय हाईजीन इंस्टीट्यूट, मेडिकल कालेज लखनऊ ।→सं ४–१७७ ।

(ख) लि का सं १७६४ ।

प्रा —पं रामगोपाल वैद्य जहाँगीराबाद बुलंदशहर ।→१७–१२६ बी ।

(ग) लि का सं १८१ ।

प्रा —श्रीयुत बालकृष्णदास चौखंभा वाराणसी ।→४१–५०८ प (अप्र) ।

(घ) लि का सं० १८४८ ।

प्रा —भगभट्ट मामूराम जोधपुर ।→०१–६६ ।

(ङ) लि का सं १८७१ ।

प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६–२ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(सं १८६१ की एक प्रति अजयगढ़ के पं भगवानदीन के पास है) ।

(च) लि का सं १८८२ ।

प्रा —ठा शिवसिंह नदीकपुर कोयला (आगरा) ।→२६–२४४ ज ।

(छ) लि का सं १८६८ ।

प्रा —पं देवीराम त्रिपाठी ग्रा करागढ़ (आगरा) ।→२६–२४४ जे ।

(ज) प्रा —श्री बालकृष्णदास चौखंभा वाराणसी ।→४१ ५ ८ ए (अप्र) ।

(झ) प्रा०—बाबा गोपालदास चैतन्य मंदिर चैतन्यगोद वाराणसी । → ४१ ५ ८ ब (अप्र) ।

रायसिंह (श्रीमाल)—मेरीलाल के पुत्र। सभवत माधोपुर (जयपुर) निवासी।
स० १८७५ के लगभग वर्तमान।
गुनमाला (पद्य)→३२-१८६।

रावकृष्ण—(?)
मनुस्मृति की टीका (गद्य)→२६–८३ ए, बी।

रावण मदोदरी सवाद (पद्य)—मुनिलावण्य कृत। वि० सीताहरण पर रावण मदोदरी का सवाद।
प्रा०—जिन प्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००-८५।

रावहमीरसोगढ (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अलाउद्दीन बादशाह और हम्मीर की लड़ाई का वर्णन।
प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१-५५८।

राशिमाला (गद्य)—अन्य नाम 'सिद्धिसागर'। रचयिता अज्ञात। वि० बारह राशियों की पहचान और उनका फलाफल।
(क) प्रा०—प० रामप्रसाद, नकेरर (इटावा) →३५-२८५ ए।
(ख) प्रा०—प० देवीदयाल, भरथना (इटावा)।→३५-२८५ बी।

रासउत्साह वर्द्धनवेलि (पद्य)—हित वृदावनदास (चाचा) कृत। र० का० स० १८३१।
वि० वृदावन की शोभा और राधाकृष्ण का शृगार।
प्रा०—लाला नान्हकचद, मथुरा।→१७-३४ जी।

रास के पद (पद्य)—अष्टछाप के कवि कृत। वि० राधाकृष्ण की रासलीला।
(क) प्रा०—श्री पन्नालाल कायस्थ, मड़वई, डा० सादाबाद (मथुरा)। → ३२-२२६ एच।
(ख) प्रा०—प० गोपाल गोस्वामी, नदग्राम (मथुरा)।→३२-२२६ आई।

रासदीपिका (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। वि० रामजानकी विहार।
(क) लि० का० स० १६३०।
प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→०६-१३४ जे।
(ख) प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६-१८१ बी (विवरण अप्राप्त)।

रासपचाध्यायी (पद्य)—अलीरँगीली कृत। वि० श्रीकृष्ण की रासलीला।
प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-११।

रासपचाध्यायी (पद्य)—आनद (कवि) कृत। र० का० सं० १८३५। वि० राधाकृष्ण की रासलीला।
प्रा०—नगरपालिक सग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-६।

रासपचाध्यायी (पद्य)—कृष्णदास (कायस्थ) कृत। वि० कृष्ण और गोपियों के रास का वर्णन।
(क) लि० का० स० १६१०।

प्रा०—श्री बिहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला इलाहाबाद ।→४१-३७ ।

रासमंडल (पद्य)—रामरोचन कृत । वि विविध राग रागनियों में रास का वर्णन ।

प्रा —ठाकुरद्वारा सबुरा (फतेहपुर) ।→२ -१५६ ।

रासभान के पद (पद्य)—केवलराम कृत । वि राधाकृष्ण के प्रेम और क्लह का वर्णन ।

प्रा —श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन मथुरा ।→१२-११४ ।

रासरसलता (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । वि राधाकृष्ण की रासलीला ।

प्रा —बाबू राधाकृष्णदास चौखंबा वाराणसी ।→ १-१२६ ।

रासा (पद्य)—केशवदास कृत । लि का सं १८६७ । वि निर्गुण भक्ति तथा ज्ञान ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-१५ ।

रासा भगवंतसिंहजी का→भगवंतरायरासा (सदानंद कृत) ।

रासा भैया बहादुरसिंह का→ बहादुरसिंह (भैया) का रासा (शिवनाथ कृत) ।

रिसालगिरि—प्रभुदयाल और रामदयाल के गुरु । सं १७ ४ के लगभग वर्तमान । →

वि ११-६४ ।

बसरा (पद्य)→वि ११-७६ ।

बारहमासी (पद्य)→१५-८३ ।

रिसालाबीरंदाजी (पद्य —अमीर कृत । वि धनुर्विद्या ।

प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ३-४ ।

रिसाला मजमूमुल सालकिन (गद्य)—सैयदअमीन कृत । र का सं १८७४ । वि सूफी मतानुसार परमात्मा की प्राप्ति के मार्ग का वर्णन ।

प्रा —डा मुहम्मद हफीज सैयद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद ।→ →४१-१ १ ।

रीझबाबुर (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । वि कृष्णप्रेम में रीझी गोपिका का वर्णन ।

प्रा —पं भूपदेव शर्मा सिहाना, डा मनसापुर (मथुरा) ।→१८-१ १ बी ।

रुक्मनि पूर्व कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि रुक्मिणी की पूर्व जन्म की कथा ।

प्रा —श्री हरिप्रसाद मीमा डा राया (मथुरा) ।→१५ ९८७ ।

रुक्मांगद की एकादशी कथा (पद्य)—सुंदरदास कृत । र का सं १७ ७ । लि का सं १७८४ । वि राजा रुक्मांगद के एकादशी व्रत की कथा ।

प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६-११४ (विवरण अप्राप्त) ।

रुक्मांगद की कथा एकादशी माहात्म्य (पद्य)—सुखदास कृत । लि का सं १८८६ वि । रुक्मांगद की सुप्रसिद्ध कथा ।

प्रा०—पं शत्रुघ्न मिश्र सिकंदरपुर डा सिसैया (बहराइच) ।→२१-४१७ ए ।

रुक्मिणिमंगल (पद्य)—गुमान (कवि) कृत । वि कृष्ण रुक्मिणी विवाह वर्णन ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ ८२ ।

(ञ) प्रा०—श्री छुन्नू महाराज, निल्ला, डा० शाहदरा, दिल्ली। →दि० ३१-६१ बी।

(ट)→प० २२-७२ बी (दो प्रतियाँ)।

रासपंचाध्यायी (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। लि० का० सं० १८५४। वि० श्रीकृष्ण की रासलीला।

प्रा०—प० श्रीकृष्ण, महिगलगंज (सीतापुर)।→२६-३१३।

रासपंचाध्यायी (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत। वि० कृष्ण की रासलीला।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६-१०० एफ।

रासपंचाध्यायी (पद्य)—रसानंद कृत। र० का० सं० १८८६। वि० श्रीकृष्ण की रासलीला।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-३२६ फ।

रासपंचाध्यायी (पद्य)—व्यास जी कृत। वि० श्रीकृष्ण की रासलीला।

(क) प्रा०—महंत भगवानदास, टट्टीस्थान, वृंदावन (मथुरा)।→१२ १६८।

(ख) प्रा०—गो० हितरूपलाल जी, अधिकारी श्री राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→३८-१६५।

रासपंचाध्यायी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० भागवत दशमस्कंध (रासपंचाध्यायी) का अनुवाद।

प्रा०—प० रामदत्त, ब्रह्मपुरी, डा० कोसी (मथुरा)।→३५-२८३।

रासपंचाध्यायी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्रीकृष्ण और गोपियों का रास वर्णन।

प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना, अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ। →सं० ०४-४६०।

रासपंचाध्यायी सटीक (पद्य)—अन्य नाम 'भाषा पंचाध्यायी'। गोपालराय (भाट) कृत। वि० संस्कृत रासपंचाध्यायी का अनुवाद।

(क) प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा)।→१२-६२ एफ।

(ख)→प० २२-३२ ए।

रासपद्धति (पद्य)—कृपानिवास कृत। लि० का० सं० १६००। वि० सीताराम विहार।

प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या।→०६-१५४ ए।

रासपद्धति और दानलीला (पद्य)—रामसखे कृत। वि० श्री रामचंद्र जी की रासलीला का वर्णन।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२१६ बी (विवरण अप्राप्त)।

रासमंजरी—संभवत सखी संप्रदायानुयायी रूपमंजरी के शिष्य।

अष्टकाल (गद्यपद्य)→४१-२३२।

रासमंडल (पद्य)—चिंतामणि कृत। लि० का० सं० १८२५। वि० कृष्ण और गोपियों की रासलीला का वर्णन।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—नरहरि कृत । वि कृष्णरुक्मिणी विवाह ।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→ ३-११ ।
रुक्मिणीमंगल (पद्य)—मनलसिंह (प्रधान) कृत । र का सं १८२५ । लि का सं १८१२ । वि कृष्णरुक्मिणी विवाह प्रसंग ।
प्रा॰—लाला लक्ष्मीप्रसाद अगत अधिकारी बलिया ।→ ६-७६ पी ।
रुक्मिणीमंगल (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत । वि राधाकृष्ण विवाह ।
प्रा —बिजावरनरेश का पुस्तकालय बिजावर ।→ ६-१ ई ।
रुक्मिणीमंगल (पद्य)—भगवान हितरामराय कृत । वि रुक्मिणी का विवाह वर्णन ।
प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-२५१ क ।
रुक्मिणीमंगल (पद्य)—महरचंद कृत । र का सं १७७८ (?) । वि रुक्मिणी विवाह ।
(क) लि का सं १८ १ ।
प्रा – लाला बद्रीदास वैश्य वृंदावन (मथुरा) ।→१२-११४ ।
(ख) प्रा —सर्वोपकारक नागरी पुस्तकालय अछनेरा (आगरा) । → १२-७४ ।
(ग) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-२७७ ।
टि खो वि १२-७४ में प्रस्तुत रचयिता को भूल से हरचंद मान लिया गया है ।
रुक्मिणीमंगल(पद्य)—राधोदास (राघवदास) कृत । र का सं १८ (?) । वि रुक्मिणी विवाह वर्णन ।
(क) लि का सं १८ ।
प्रा —श्री महेशप्रसाद मिश्र सिरहावरा का भरतामपुर (इलाहाबाद) ।→ ४१-२२१ ।
(ख) प्रा —श्री महेशप्रसाद मिश्र सिरहावरा का भरतामपुर (इलाहाबाद) ।→सं १-३११ म ।
रुक्मिणीमंगल (पद्य) – रामलला कृत । वि श्रीकृष्ण और रुक्मिणी का विवाह ।
(क) लि का सं १८६१ ।
प्रा पं पुरुषोत्तमलाल छाता (मथुरा) ।→१८-१२ ।
(ख) लि का सं १९ ३ ।
प्रा॰—पं गणेशीलाल उपाध्याय नगीना बिजनौर ।→१२ १४७ ।
(ग) लि का सं १९११ ।
प्रा —श्री बिहारी जी मंदिर महाजनीटोला इलाहाबाद ।→४१-२२१ (अप) ।
रुक्मिणीमंगल (गद्य)—विष्णुदास कृत । वि राधाकृष्ण विवाह ।
(क) लि का सं १८७८ ।

रुक्मिणीजी को व्याहलो (पद्य)—अन्य नाम 'रुक्मिणीमंगल'। पद्मभगत कृत।
वि० श्रीकृष्ण और रुक्मिणी के विवाह की कथा।
(क) लि० का० सं० १६६६।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००-६२।
(ख) लि० का० सं० १६४२।
प्रा०—डा० लक्ष्मीचंद शर्मा, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-२५६।
(ग) प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→००-२४।
(घ)→प० २२-८०।

रुक्मिणीपरिणय (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत। र० का० सं० १६०७। वि० भागवत के दशमस्कंध के आधार पर कृष्ण रुक्मिणी विवाह वर्णन।
(क) लि० का० सं० १६१०।
प्रा०—महाराज भगवानबख्शसिंह, अमेठी, डा० रामनगर (सुलतानपुर)।→२३-३३० ए।
(ख) लि० का० सं० १६१७।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६-२१० ए (विवरण अप्राप्त)।

रुक्मिणीव्याह (पद्य)—रामदास कृत। वि० कृष्ण रुक्मिणी विवाह।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-३४५।

रुक्मिणीव्याहलो (पद्य)—कृष्णदास गिरिधर कृत। लि० का० सं० १६६२। वि० कृष्ण रुक्मिणी का विवाह।
प्रा०—श्री गोसाईं जीवनलाल जी, नरी, डा० अकबरपुर (मथुरा)। →३२-१२३।

रुक्मिणीमंगल (पद्य) गणेशप्रसाद कृत। लि० का० सं० १६२४। वि० कृष्ण रुक्मिणी विवाह वर्णन।
प्रा०—पं० रामदत्त, रायपुर, डा० गोनमत (अलीगढ)।→२६-१०७ एल।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—ठाकुरदास कृत। लि० का० सं० १८३७। वि० राधाकृष्ण विवाह।
प्रा०—लाला कुंदनलाल, बिजावर।→०६-३३७ ए (विवरण अप्राप्त)।
(सं० १६३० की एक प्रति बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर में है)।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—नंददास कृत। वि० रुक्मिणी हरण की कथा।
(क) लि० का० सं० १८७८।
प्रा०—पं० विश्वेश्वरदयाल अध्यापक, होलीपुरा (आगरा)।→२६-२४४ एल।
(ख) प्रा०—बाबू कृष्णजीवनलाल वकील, महावन।→१२-१२०।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—नरहरि कृत । वि कृष्णरुक्मिणी विवाह ।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→ ३-११ ।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । र का सं १९२५ । लि का सं १९१२ । वि कृष्णरुक्मिणी विवाह प्रसंग ।
प्रा —लाला लक्ष्मीप्रसाद बंगला अधिकारी, दतिया ।→ ९-७८ पी ।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत । वि राधाकृष्ण विवाह ।
प्रा —विजावरनरेश का पुस्तकालय विजावर ।→ ६-१ ई ।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—भगवान हितरामराय कृत । वि रुक्मिणी का विवाह वर्णन ।
प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-२५१ क ।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—महरचंद कृत । र का सं १७०८ (?) । वि रुक्मिणी विवाह ।
(क) लि का सं १९ १ ।
प्रा —लाला बद्रीदास वैश्य वृंदावन (मथुरा) ।→१२-११४ ।
(ख) प्रा —सर्वोपकारक नागरी पुस्तकालय भरतनेरा (आगरा) । → १२-७४ ।
(ग) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-२७७ ।
टि खो वि १२-७४ में प्रस्तुत रचयिता को भूल से हरचंद मान लिया गया है ।

रुक्मिणीमंगल(पद्य)—रामदास (रायवदास) कृत । र का सं १८ (?) । वि रुक्मिणी विवाह वर्णन ।
(क) लि का सं १८ ।
प्रा —श्री महेशप्रसाद मिश्र सिरहावरा डा भदरामपुर (इलाहाबाद) ।→ ४१-२११ ।
(ख) प्रा —श्री महेशप्रसाद मिश्र सिरहावरा डा भदरामपुर (इलाहाबाद) । →सं १-१११ ग ।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—रामलला कृत । वि श्रीकृष्ण और रुक्मिणी का विवाह ।
(क) लि का सं १८६२ ।
प्रा पं पुरुषोत्तमलाल छाता (मथुरा) ।→१८-१२ ।
(ख) लि का सं १९ ६ ।
प्रा०—पं गणेशीलाल उपाध्याय नगीना बिजनौर ।→१९ १४७ ।
(ग) लि का सं १९११ ।
प्रा —श्री बिहारी जी मंदिर महाजनीटोला इलाहाबाद ।→४१-५११ (अप) ।

रुक्मिणीमंगल (गद्य)—विष्णुदास कृत । वि राधाकृष्ण विवाह ।
(क) लि का सं १८७८ ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१-५६० (अप्र०) ।

(ख) लि० का० सं० १६१६ ।

प्रा०—पं० गनपतलाल दूबे, जदरापुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) । → २६-४६८ ए ।

(ग) लि० का० सं० १६२१ ।

प्रा०—गो० राधाचरण, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१६३ ।

(घ) लि० का० सं० १६४० ।

प्रा०—पं० रामनाथ शुक्ल, मेड़रा, डा० महोली (सीतापुर) →२६-४६८ बी ।

(ङ) लि० का० सं० १६५१ ।

प्रा०—पं० रायसिंह, टीकरी, डा० नरेला (दिल्ली) ।→दि० ३१-६६ ।

(च) प्रा०—श्री अद्वैतचरण जी गोस्वामी, घेरा राधारमण जी, वृंदावन (मथुरा) ।→२६-३२८ बी ।

रुक्मिणीमंगल(पद्य)—हरिनारायण कृत । लि० का० सं० १६२५ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० मदनमोहन जमींदार, चिकसौली, डा० बरसाना (मथुरा) । → ३२-८१ ।

रुक्मिणीमंगल(पद्य)—हीरामनि कृत । लि० का० सं० १८७८ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० विश्वेश्वरदयाल, होलीपुरा (आगरा) ।→२६-१५४ ।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—हीरालाल कृत । र० का० सं० १७०४ । लि० का० सं० १६३६ । वि० रुक्मिणी हरण और विवाह की कथा ।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर । →०५-६४ ।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—हृदयराम कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।→पं० २२-४१ बी ।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति और कलियुग के मनुष्यों के क्रिया कर्म आदि का वर्णन ।
प्रा०—पं० महावीरप्रसाद, कपथुआ, डा० करछना (इलाहाबाद) ।→१७-६८ (परि० ३) ।

रुक्मिणीमंगल→'रुक्मिणीजी को ब्याहलो' (पदमदास या पदुमभगत कृत) ।

रुक्मिणीमंगल (दूसरो) (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत । वि० राधाकृष्ण विवाह ।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६-१०० एच ।

रुक्मिणीविवाह (पद्य)—किसन कृत । वि० रुक्मिणी और श्रीकृष्ण का विवाह ।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-२७ ।

रुक्मिणीविवाह और सुदामाचरित्र (पद्य)—सूरदास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं बद्रीनाथ भट्ट प्राध्यापक, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ। → २१-४११ ई।

रुक्मिणीहरण (पद्य)—सौरंमूला कृत। वि रुक्मिणी का कृष्ण द्वारा हरण।
प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१-२८१।

रुघनाथदास→'रघुनाथदास ('हरिदासजी की परिचयी के रचयिता)।

रुद्रनाथ—उप कुमारी कवि। बिल्हौर (कानपुर) निवासी। सं १८७६ के लगभग वर्तमान।
बारहमासा (पद्य)→२६-४ ए।

रुद्रप्रतापसिंह (महाराज)—मांडा (विंध्याचल के निकट, जि इलाहाबाद) के राजा। विद्वान और प्रतिभाशाली कवि तथा गुणियों के आश्रयदाता। सं १८७७ में वर्तमान।
कौशलपथ (पद्य)→ १ २५।
युधिष्ठिरोत्तम रामसंत (किष्किंधा उत्तरकांड) (पद्य) →सं १-१६१; सं ४-११।

रुद्रमाखिमी (पद्य)—ज्वालासरूप (मुंशी) कृत। र का सं १६२५। वि शिवस्तुति।
प्रा०—पं प्रभुदयाल शर्मा सिरसा का इकदिल (इटावा)।→१८-७१।

रुपैयाअष्टक (पद्य)—श्रीधर कृत। वि रुपये की महिमा।
प्रा —चौधरी प्रसादराम बसनीपुरा (इटावा)।→१८-१४१।

रूप—संभवतः सं १६ ८ के लगभग वर्तमान।
रूपमंजरी (पद्य)→सं १-१६१।

रूप—कोई संत।
ज्ञानोपदेश (?) (पद्य)→सं -१६२।

रूपकरामायण (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। लि का सं १६ १। वि राम कथा।
प्रा —लाला श्रीरेलाल कमसार, समथर।→ १-७२ डी।

रूपकिशोर (पंडित)—अन्य नाम पं रूपराम। सनाढ्य ब्राह्मण। फर्रुखाबाद (आगरा) नवासी। हिंदी उर्दू और फारसी के विद्वान।
फर्मैयी (पद्य)→१२ १६१ सी।
कवित्त संग्रह (पद्य)→१२-१६६।
ख्याल (पद्य)→१२-१६१ ए।
ख्याल चिंतामणि (पद्य)→१२-१६१ एफ।
ख्यालबाजी (पद्य)→१२-१६१ ई।
ख्याल बारहखड़ी (पद्य)→१२ १६१ डी।

ख्याल मजुषा (पद्य)→३२-१६१ जी।
ख्याल सग्रह (पद्य)→ ३२-१६१ एच, आई।
योग और ब्रह्म (पद्य)→३२-१६१ जे।
हिंदी उर्दू ख्याल सग्रह (पद्य)→३२-१६१ बी।

रूपकिशोर (मुशी)—फागारोल (आगरा) निवासी। स० १६२५ के लगभग वर्तमान।
परीक्षाबोधनी (गद्यपद्य)→३२-१६२।

रूपचद (जन)—(?)
ज्ञानकल्याणक (पद्य)→३८-१२८ डी।
तपकल्याणक (पद्य)→३८-१२८ सी।
पंचकल्याणक (पद्य)→२६-४१०, ३८-१२८ बी।
विंती (पद्य)→३८-१२८ ए।

रूपदास—निरजनी पथी। अमरदास जी (सेवादास जी के शिष्य) के शिष्य। स० १८३२ में वर्तमान।
सेवादास की चरिचयी (पद्य)→०६-२६८, स० ०७-१७०।

रूपदीप→'छदसार, (जयकृष्ण कृत)।

रूपदीप (कटारिया)—स० १७७२ के लगभग वर्तमान।
बावनचाल रूपदीप पिंगल (पद्य)→दि० ३१-७३।

रूपदीपक पिंगल (भाषा)→'छदसार' (जयकृष्ण कृत)।

रूपदेव्या→'मुकुद (रूपदेव्या)' ('विनयविहारी रूप उत्सवाष्टक' के रचयिता)।

रूपमजरी—वास्तविक नाम देवकीनंदनदास। वशीअलि के शिष्य। चैतन्य महाप्रभु के अनुयायी। सं० १८१० के लगभग वर्तमान।
अष्टयाम (पद्य)→०६-२६६।
युगलकेलि रसमाधुरी (पद्य)→१२-१५६ बी।
युगलकेलि ललितलीला (पद्य)→१२-१५६ ए।
युगलरहस्य सिद्धात (पद्य)→१२-१५६ सी।

रूपमंजरी (पद्य)—नंददास कृत। वि० राधा के रूप शृगार का वर्णन।
(क) प्रा०—पं० भगवानदीन, अजयगढ।→०६-३०१ (विवरण अप्राप्त)।
(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, कॉंकरोली।→स० ०१-१७१ क।
(ग)→प० २२८-७२ सी।

रूपमजरी (पद्य)—रूप कृत। र० का० स० १६०८। लि० का० स० १६२८। वि० श्रीकृष्ण भक्ति।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, कॉंकरोली।→स० ०१-३६३।

रूपमजरी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६४६। वि० राग रागिनियाँ।
प्रा०—श्रीमन् मतगध्वजनारायणसिंह, बिस्वाँ (अलीगढ)।→१७-६६ (परि० ३)।

रूपमंजरी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि विविध राग रागनियों का संग्रह ।
मा —श्रीमन् महाराजकुमारायणसिंह, विसवाँ (अलीगढ़)।→१७-१७ (परि १) ।
रूपरसिक—निंबार्क संप्रदाय के अनुयायी । हरिव्यासदेव के शिष्य । वृंदावन निवासी ।
उत्सवमणिमाला (पद्य)→१८-१११ बी ।
कृपाअभिलाष (पद्य)→१८-१११ ए ।
स्फाल संग्रह (पद्य)→१२-१६१ ।
वृंदावनमाधुरी (पद्य)→ ६-२२१ ।
रूपराम—(?)
गिरिवरधमी (पद्य)→सं १-११४ ।
रूपराम→'रूपकिशोर (आगरा निवासी) ।
रूपराम (सन)—संभवतः सं १८ के लगभग वर्तमान ।
गंगालहरी (पद्य)→१८ ११ ।
रूपलाल (गोस्वामी)→'हितरूपलाल (हित वृंदावनदास के गुरु) ।
रूपविलास (पद्य)—रूपसाहि कृत । र का सं १८११ । वि काव्यांग और नायिका भेद आदि ।
(क) लि का सं १८२७ ।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान अर्थलेखक छतरपुर ।→ ५-८१ ।
(ख) लि क सं १९ १ ।
प्रा —पं कन्हैयालाल महापात्र असनी (फतेहपुर) ।→२ -११७ ।
(ग) लि का सं १९२५ ।
प्रा —बिजावरनरेश का पुस्तकालय बिजावर ।→ ६-१ ५ ।
(दो अन्य प्रतियाँ सं १९११ और सं १९४१ की क्रमशः टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ और बाबू रामनारायण बिजावर के पास हैं) ।
रूपसखी—सखी संप्रदाय के वैष्णव ।
होरी (पद्य)→ ६-११२ २ -११८ ।
रूपसनातन—गौड़ीय संप्रदाय के वैष्णव । वृंदावन निवासी । संभवतः रूप और सनातन दो भाई थे । रूप राधाकुंड पर और सनातन वृंदावन में रहते थे ।
विदग्धमाधव (गद्य)→सं १-११५ ।
प्रेमरससुधा (पद्य)→ ६-२११ ।
रूपसरो (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत । वि सद्गुरु तथा संत देश (ब्रह्म) की महिमा ।
प्रा०—महंत श्री रामकिशोर रसूलड़ (बलिया) ।→४१-२११ क ।
रूपसाहि—कायस्थ । कमलनयन के पुत्र । पन्ना (मध्यप्रदेश) निवासी । महाराज हिंदूपति के आश्रित । सं १८११ के लगभग वर्तमान ।

नवरस चतुर्वृत्ति वर्णन (पद्य)→४१-२३३ ।

रूपविलास (पद्य)→०५-८३, ०६-१०५, २०-१६७ ।

रूपसिंह (राजा)—हरिहरपुर (अवधप्रान्त) के राजा । मान कवि के आश्रयदाता । १८ वीं शताब्दी में वर्तमान ।→२३ २५६ ।

रूपसुंदरी की चौपाई (पद्य)—दर्पविजय कृत । रूपसुन्दरी की कथा ।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली ।→दि० ३१-३६ ।

रूपहित→'हितरूपलाल' (हित वृदावनदास के गुरु) ।

रूपाली→'जगन्नाथ' (नवलजी के शिष्य) ।

रेखता (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० स० १६०८ ।

प्रा०—श्री गणेशधर दूब, वीरपुर, डा० हँडिया (इलाहाबाद) । → स० ०१-३२ ख ।

(ख) लि० का० सं० १६६१ ।

प्रा०—कबीरसाहब का स्थान, मगहर (बस्ती) ।→०६-१४३ पी ।

(ग) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-१७७ डी (विवरण अप्राप्त) ।

(घ) प्रा०—श्री बाँकेलाल शर्मा, हुडावाला मुहल्ला, फिरोजाबाद (आगरा) । →२६-१७८ पी ।

रेखता (पद्य)—तुलसी साहब कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—बाबा सेवादास, गिरधारी साहब की समाधि, नोबस्ता, लखनऊ । →स० ०७-७४ क ।

रेखता (पद्य)—भीखा साहब कृत । लि० का० स० १८६७ । वि० आत्मकथा ।

प्रा०—महंत श्री राजाराम, चिटबड़ागाँव (बलिया) ।→४१-१७८ ङ ।

रेखता (पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत । वि० गुरुदेव, सुमिरन, परिचय और भ्रम विध्वस के अग का वर्णन ।

प्रा०—श्री हुब्बलाल तिवारी, मदनपुर (मैनपुरी) ।→३२-१७५ यू ।

रेखता (पद्य)—सेवादास कृत । लि० का० स० १८५५ । वि० निर्गुण ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२६६ ड ।

रेखता तथा कीर्तन (पद्य)—वल्लभ गोस्वामी कृत । वि० शृंगार ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→स० ०१-२३४ ।

रेखता दरियासाहब (पद्य)—दरिया साहब कृत । वि० ज्ञान ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-१५ जे ।

रेढ़ (मुनि)—जैन । स० १६४४ के लगभग वर्तमान ।

सरसुदरीचरित्र (पद्य)→दि० ३१-५६ ।

रेल बयान (पद्य)—माधव (माधो) कृत । र का सं १९३३ । लि का सं १९३७ ।
वि रेल का वर्णन ।
प्रा —श्री उमाशंकर दूबे साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।
→२६-२७४ ।

रैदास—काशी के प्रसिद्ध संत । जाति के चमार । स्वामी रामानंद के शिष्य । सं १५ ।
के लगभग वर्तमान । 'नामदेव आदि की परची संग्रह' में भी ये संगृहीत हैं ।
→ १-३३३ (तीन) ।
कबीररैदास संवाद (पद्य)→सं १-३३६ ।
पद और साखी या शब्द (पद्य)→ २-५५; २-६७; २६-२७९ बी
सं ७ १७१ क ख सं १ -३१६ ।
पहरा (पद्य)→सं ७-१७१ घ ।
प्रह्लादलीला (पद्य)→२६-२७९ ए ।
बानी (पद्य)→ ६-२४ ४१-३१४ सं ७-१७१ ग ।
रैदासजी की आरती (पद्य)→सं ७-१७१ ङ ।

रैदास की कथा→ रैदास की परिचयी (अनंतदास कृत) ।

रैदास की परिचयी (पद्य)—अनंतदास कृत । र का सं १६४५ । वि रैदास जी का जीवन वृत्त ।
(क) लि का सं १७४ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-१ क ।
(ख) लि का सं १८५६ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-१ ग ।
(ग) प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६-१९८ बी (विवरण अप्राप्त) ।
(घ) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→ ६ ५ ए

रैदासजी की आरती (पद्य)—रैदास कृत । वि परमात्मा की आरती ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-१७१ ङ ।

रैनरूपारस (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । वि कृष्ण की विलास लीला ।
(क) प्रा —बाबू राधाकृष्णदास चौखंभा वाराणसी ।→ १ ३३६ ।
(ख)→सं २२-२६ डी ।

रोगरत्न नाम दीक्षा विधि (पद्य)—परसराम (परशुराम) कृत । वि परम तत्व का दार्शनिक विवेचन ।
प्रा —लाला रामगोपाल अमथाल मोतीराम धर्मशाला शाहाबाद (मथुरा) ।
→१५-७४ बी ।

रोगाकर्षण (गद्यपद्य)—हरिविलास कृत। र० का० सं० १६१६। वि० वैद्यक।
(क) लि० का० सं० १६२६।
प्रा०—पं० जयंतीप्रसाद, गोसाईंखेड़ा, डा० नागपाली (उन्नाव)।→२६-१७७ सी।
(ग) लि० का० सं० १६३०।
प्रा०—पं० दातानंद गौड़, रानगढ़, डा० छर्रा (अलीगढ़)।→२६-१४८ डी।

रोमावली (गद्य)—गोरखनाथ कृत। वि० ज्ञानोपदेश और सिद्ध साहित्य के विशेष शब्दों का तात्पर्य।
(क) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-३६ ट।
(ख)→०२-६१ (तेरह)।

रोहिणमुनि चतुष्पदी (पद्य)—श्रुतसागर कृत। र० का० सं० १६०१। लि० का० सं० १६४२। वि० रोहिणी मुनि का चरित्र।
प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१-८२।

रोहिणीव्रत की कथा (पद्य)—हेमराज कृत। र० का० सं० १७४२। लि० का० सं० १६५१। वि० जैन धर्मानुसार रोहिणी व्रत की कथा।
प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३-१६४।

लंकाकांड→'रामचरितमानस' (गो० तुलसीदास कृत)।

लंकाकांड की टीका→'निर्मलवैराग्य संपादिनी' (संतसिंह कृत)।

लँगडीरंगत लावनी (पद्य)—गंगादास (साधु) कृत। लि० का० सं० १६२४। वि० राजा भर्तृहरि के योग ग्रहण करने का वर्णन।
प्रा०—पं० रामअधार मिश्र, लखीमपुर (खीरी)।→२६-१२७ ए।

लक्षणशृंगार (पद्य)—मतिराम कृत। लि० का० सं० १८७६। वि० हावभावादि वर्णन।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६-१६६ सी (विवरण अप्राप्त)।

लक्षणाव्यंजना (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत। वि० शब्द शक्ति निरूपण।
प्रा०—श्री श्यामलाल हवेलिया, कोसीकलाँ (मथुरा)।→३२-७३ सी।

लक्षणाव्यंजना (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री रमणलाल हरीचंद चौधरी, कोसी (मथुरा)।→१७-४४ (परि० १)।

लक्ष्योदय→'लालचंद' ('पद्मिनीचरित्र' के रचयिता)।

लक्ष्मण—अयोध्या के गौड़ ब्राह्मण। रामानुज संप्रदाय के अनुयायी। सं० १६०६ के लगभग वर्तमान।
रामरत्नावली (पद्य)→१७-१०३ ए।
हनुमानजी का तमाचा (पद्य)→१७-१०३ बी।

लक्ष्मण (लछिमन)—संभवत कबीर पंथी।
निर्वाणरमैनी (पद्य)→०६-६८३।

भजनविलास (पद्य)→०२-२३ ।
राजविलास (पद्य)→०२-२१ ।

लक्ष्मीनाथ—(?)
बंदीमोचन (?) (पद्य)→सं० ०४-३५१ ।

लक्ष्मीनारायण—१७वीं शताब्दी के आरंभ में वर्तमान ।
प्रेमतरंगिनी (पद्य)→०६-१६६, १७-१०४ ।

लक्ष्मीनारायणविनोद (पद्य)—चेतसिंह कृत । र० का० सं० १८४० । वि० ब्रह्मज्ञान ।
प्रा०—पं० राधाचरण गोस्वामी, वृंदावन (मथुरा) ।→०६-४७ ।

लक्ष्मीपति—सं० १८६३ के लगभग वर्तमान ।
कृष्णरत्नावली (पद्य)→२६-२५७ ।

लक्ष्मीप्रसाद (तिवारी)—सरायराजा (प्रतापगढ) निवासी । २०वीं शताब्दी के प्रारंभ में वर्तमान ।
वैद्यकसार (गद्य)→२६-२५८ ।

लक्ष्मीप्रसाद (मुसाहब)—ब्राह्मण । महाराज छत्रसाल के वंशज बिजावर नरेश भानुप्रताप के आश्रित । सं० १९०६ के लगभग वर्तमान ।
शृंगारकुंडली (पद्य)→०५-८४ ।

लक्ष्मीश्वरचंद्रिका (पद्य)—संत (कविराज) कृत । र० का० सं० १९४२ । वि० अलंकार और नीति ।
प्रा०—श्री दिनेश कवि का पुस्तकालय, रीवाँ ।→००-५१ ।

लक्ष्मीश्वरसिंह—दरभंगा नरेश । प्रसिद्ध दानी और विद्या प्रेमी । संत कवि राज के आश्रयदाता । इनके दीवान पं० शिवप्रसाद की प्रेरणा से संत कवि राज ने 'लक्ष्मीश्वरचंद्रिका' नामक ग्रंथ की रचना की थी । सं०१९४२ के लगभग वर्तमान →००-५१ ।

लखनदास—(?)
गुरुचरितामृत (पद्य)→०६-१६८ ।

लखनसेनि—संभवतः राजा बैजलदास के आश्रित । सं० १४८१ लगभग वर्तमान ।
महाभारत (पद्य)→०६-१६७ ।
हरिचरित्र (विराटपर्व) (पद्य)→सं० ०१-३७० ।

लखनसेनि—संभवत बंगाल या बिहार के निवासी ।
बारहमासा (पद्य)→४१-२३६ क, ख, सं० ०१-३६८ ।

लखनसेनि—(?)
लक्ष्मीचरित (पद्य)→सं० ०१-३६९ क, ख ।

लखमीवल्लभ (लक्ष्मीवल्लभ)—खरतरगच्छीय उपाध्याय लक्ष्मीकीर्ति के शिष्य । १८वीं शताब्दी में वर्तमान । बीकाणपुरी (बीकानेर) के साह बाघमल्ल के आश्रित ।
सत्पट्टाग्रंथ बालावबोध (गद्य)→सं० ०७-

लगनपचीसी (पद्य)—कृपानिवास कृत। वि० ईश्वर प्रेम।

(क) लि० का० सं० १८८८।

प्रा०—श्री रामप्रसाद पुराऊ, पुरवा विभामदास, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)। →२९-१४४।

(ख) लि० का० सं० १९ २।

प्रा०—सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-९९ आई।

(ग) लि० का० सं० १९२१।

प्रा० बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→ ९-१५४ डी।

लगनसुंदरी (पद्य)—रामनाथ कृत। वि० ज्योतिष।

प्रा०—श्री पातीराम पैगू, डा० भरौल (मैनपुरी)।→१९-१८२।

लगनाष्टक (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० कृष्णलीला।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास चौखंबा, वाराणसी।→ १-१२१ (सात)।

लग्नजातक (गद्य)—महाराजदीन (दीक्षित) कृत। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० दुलमसिंह, गाजीपुर, डा० खादरा (दिल्ली)।→दि० ३१-५६।

लग्नसुंदरी (पद्य)—भगतीराम कृत। र० का० सं० १६७ । लि० का० सं० १९७१।

प्रा०—लाला मुकुंदविहारीलाल गुप्ता फरदाबाबाद, शिकोहाबाद (मैनपुरी)। →१९-११ ए।

लग्नसुंदरी (पद्य)—बहूराम (किस्सूराम) कृत। र० का० सं० १८७ । वि० फलित ज्योतिष।

(क) लि० का० सं० १८८१।

प्रा०—पं० केशवराम, रामगढ़ाबाद (आगरा)।→२९-१७ बी।

(ख) लि० का० सं० १९१७।

प्रा०—श्री रामदर्श गौड़ा, डा० केमौला (प्रतापगढ़)।→सं० ४-१ २।

(ग) लि० का० सं० १९११।

प्रा०—पं० हरिप्रसाद आचार्य, खौनखलमेड़ा (आगरा)।→२९-१७ ए।

(घ) लि० का० सं० १९४१।

प्रा०—पं० ब्रजराज प्रधानाध्यापक ज्वालापुर (सहारनपुर)।→१९-४१।

(ङ) प्रा०—पं० शिवशंकर बीबीपुर, डा० बैलपुर (बाराबंकी)।→३१-७८।

(च) प्रा०—पं० ज्ञानप्रसाद बमरौली कटारा (आगरा)।→२९-१७ सी।

लघुआदित्यवार कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १९७८। लि० का० सं० १८९९। वि० जैन मतावलंबियों के रविवार के व्रत का वर्णन।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (फैजाबाद)।→१७-४२ (परि० १)।

लघुकान्ह→कान्ह (कवि) (हरिनामविनोद के रचयिता)।

लघुचाणक्यनीतिसार (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राजनीति आदि।

प्रा०—ठा० कामदेवसिंह, मिटारी, डा० लाला बाजार (प्रतापगढ)।→ सं० ०४-४०८।
(ख) प्रा०-श्री कन्हैयालाल केशरवानी, भारतगज, इलाहाबाद। → सं० ०१-४८० क।
(ग)→सं० ०१-४८० ख।

लक्ष्मणशरण—उप० मधुकर। अयोध्या निवासी। रामानुज संप्रदाय के अनुयायी। उन्नीसवीं शताब्दी में वर्तमान।
रामलीलाविहार नाटक (गद्य)→०६-१६५।

लक्ष्मणसिंह (कुँवर)—दीवान राजसिंह के पुत्र। ओड़छा निवासी। तहरौली के जागीरदार। शाहजू पंडित के आश्रयदाता। सं० १७६४ के लगभग वर्तमान। →०६-१०७।

लक्ष्मणसिंह (प्रधान)—कायस्थ। टीकमगढ निवासी। अर्जुनसिंह (?) के आश्रित। सं० १८६० के लगभग वर्तमान।
सभाविनोद (पद्य)→०६-६६।

लक्ष्मणसिंह (राजा)—बिजावर (बुंदेलखंड) नरेश। राज्यकाल सं० १८६०-१६०८। हिंदी और संस्कृत दोनों भाषाओं में प्रवीण।
धर्मप्रकाश (पद्य)→०६-६५ डी।
नृपनीति शतक (पद्य)→०६-६५ ए।
भक्तिप्रकाश (पद्य)→०६-६५ सी।
समयनीति शतक (पद्य)→०६-६५ बी।

लक्ष्मणसिंह (राजा)—आगरा निवासी। सं० १८८३ में जन्म। यदुवंशी क्षत्री। अंग्रेजी, अरबी, फारसी, बंगला, संस्कृत, हिंदी आदि के अच्छे ज्ञाता। सं० १६१३ में इटावा के तहसीलदार और फिर डिप्टीकलक्टर। सं० १६२७ के दिल्ली दरबार में तत्कालीन सरकार ने इन्हें 'राजा' की पदवी प्रदान की थी। राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद के समकालीन। खड़ीबोली के मार्ग दर्शकों में एक ये भी हैं। सं० १६५३ में मृत्यु।
शकुंतला नाटक (गद्यपद्य)→२६-२५६।

लक्ष्मणसिंहप्रकाश (पद्य)—शाहजू (पंडित) कृत। र० का० सं० १७६४। लि० का० सं० १७६४। वि० ज्योतिष।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६-१०७ ए।

लक्ष्मणसेन पदमावती कथा (पद्य)—दामो कृत। र० का० सं० १५१६। लि० का० सं० १६६६। वि० गढसामौर के राजा हंसराय की कन्या पद्मावती के विवाह की कथा।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००-८८।

लक्ष्मीकांत—अयोध्या निवासी। संभवतः १९ वीं शताब्दी में वर्तमान।
पदरत्नप्रदीप (गद्य)→२०—९५।

लक्ष्मीचंद—कोई राजकुमार। औरंगजेब के समकालीन। काशीराम के आश्रयदाता।→ १-७।

लक्ष्मीचरित्र (पद्य)—लालनठेनि कृत। वि लक्ष्मी की कथा।
(क) लि का सं १९१४।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं १-११९ क।
(ख) लि का सं १९१५।
प्रा०—श्री कोटेश्वर द्विवेदी मउनी डा धरावममरेज (इलाहाबाद)। → सं १-११९ ख।

लक्ष्मीचरित्र (पद्य)—रामकृष्ण कृत। लि का सन् १२६५ साल। वि लक्ष्मी की कथा।
(क) लि का सं १९११।
प्रा —सेठ शिवप्रसाद साहु मोलवारा सरायती (आजमगढ़)।→४१-२२१।
(ख) प्रा —श्री वासुदेव तिवारी मीरा, डा मुहम्मदाबाद गोहना (आजमगढ़)।→सं १-१४।

लक्ष्मीदास—(?)
पद गुटका (पद्य)→सं १-११७।

लक्ष्मीदास (चतुर्वेदी)—करहल (मैनपुरी) निवासी। सं १९११ के लगभग वर्तमान। इन्होंने राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद की आज्ञा से मौलवी कमीरुद्दीन विद्यालय निरीक्षक पं गोपीनाथ, सहायक विद्यालय निरीक्षक और अपने गुरु ईश्वरलाल के प्रसन्नतार्थ टीका प्रस्तुत की थी।
गुटका के पद्यावली टीका (गद्य)→१८-८८।

लक्ष्मीदास (लछमीदास)—शेरपुर (रणथंभौर की तलेटी) के निवासी। खंडेलवाल वैश्य। गोत्र साँभूलाल। पीछे राजा रामसिंह (जयपुर) के राज्य के अंतर्गत साँगानेरी (ढूँढाहर जयपुर) में रहने लगे। कोई दशरथ के पुत्र सदानंद (साँगानेरी) इनके सहायक थे। सं १७११ के लगभग वर्तमान।
श्रेणिकचरित्र (पद्य)→१२-९१ बी; सं ४-१५२।

लक्ष्मीधर→ लाल (कवि) ('भारतसार' के रचयिता)।

लक्ष्मीधर (त्रिपाठी)—सं १९७४ के लगभग वर्तमान।
शाठिकापत्र (गद्य)→२०—९४।

लक्ष्मीनाथ—जोधपुर के पुष्करणा ब्राह्मण। दीनानाथ के पुत्र। बालकृष्ण के पौत्र और जयकृष्ण के प्रपौत्र। जोधपुर नरेश महाराज मानसिंह के आश्रित। सं १८८१ के लगभग वर्तमान।
जो सं वि ४१ (११ ०—९४)

भजनविलास (पद्य)→०२–२३ ।

राजविलास (पद्य)→०२–२१ ।

लक्ष्मीनाथ—(?)

बदीमोचन (?) (पद्य)→स० ०४–३५१ ।

लक्ष्मीनारायण—१७वीं शताब्दी के आरंभ में वर्तमान ।

प्रेमतरगिनी (पद्य)→०६–१६६, १७–१०४ ।

लक्ष्मीनारायणविनोद (पद्य)—चेतसिंह कृत । र० का० स० १८४० । वि० ब्रह्मज्ञान ।

प्रा०—प० राधाचरण गोस्वामी, वृंदावन (मथुरा) ।→०६–४७ ।

लक्ष्मीपति—स० १८६३ के लगभग वर्तमान ।

कृष्णरत्नावली (पद्य)→२६–२५७ ।

लक्ष्मीप्रसाद (तिवारी)—सरायराजा (प्रतापगढ) निवासी । २०वीं शताब्दी के प्रारभ में वर्तमान ।

वैद्यकसार (गद्य)→२६–२५८ ।

लक्ष्मीप्रसाद (मुसाहब)—ब्राह्मण । महाराज छत्रसाल के वशज बिजावर नरेश भानुप्रताप के आश्रित । स० १६०६ के लगभग वर्तमान ।

श्रृगारकुडली (पद्य)→०५–८४ ।

लक्ष्मीश्वरचद्रिका (पद्य)—सत (कविराज) कृत । र० का० स० १६४२ । वि० अलकार और नीति ।

प्रा०—श्री दिनेश कवि का पुस्तकालय, रीवाँ ।→००–५१ ।

लक्ष्मीश्वरसिंह—दरभगा नरेश । प्रसिद्ध दानी और विद्या प्रेमी । सत कवि राज के आश्रयदाता । इनके दीवान प० शिवप्रसाद की प्रेरणा से सत कवि राज ने 'लक्ष्मीश्वरचद्रिका' नामक ग्रथ की रचना की थी । स०१६४२ के लगभग वर्तमान →००–५१ ।

लखनदास—(?)

गुरुचरितामृत (पद्य)→०६–१६८ ।

लखनसेनि—सभवत राजा बैजलदास के आश्रित । स० १४८१ लगभग वर्तमान ।

महाभारत (पद्य)→०६–१६७ ।

हरिचरित्र (विराटपर्व) (पद्य)→स० ०१–३७० ।

लखनसेनि—सभवत बगाल या बिहार के निवासी ।

बारहमासा (पद्य)→४१–२३६ क, ख, स० ०१–३६८ ।

लखनसेनि— (?)

लक्ष्मीचरित (पद्य)→स० ०१–३६६ क, ख ।

लखमीवल्लभ (लक्ष्मीवल्लभ)—खरतरगच्छीय उपाध्याय लक्ष्मीकीर्ति के शिष्य । १८वीं शताब्दी में वर्तमान । बीकाणपुरी (बीकानेर?) के साह बाघमल्ल के आश्रित ।

सप्तपदार्थ्य बालावबोध (गद्य)→स० ०७–१७२ ।

लगनपचीसी (पद्य)—कृपानिवास कृत । वि ईश्वर प्रेम ।
(क) लि का सं १८८८ ।
प्रा०—श्री रामप्रसाद मुराऊ, पुरवा विश्रामदास, डा परियावाँ (प्रतापगढ़) ।
→२६–२४४ ।
(ख) लि का सं १९ २ ।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–९९ आई ।
(ग) लि का सं १९२१ ।
प्रा बाबू मैथिलीशरण गुप्त चिरगाँव (झाँसी) ।→ ९–१५४ बी ।
लगनसुंदरी (पद्य)—रामनाथ कृत । वि ज्योतिष ।
प्रा०—पो पन्नीराम वैद्य डा मारौल (मैनपुरी) ।→१२–१८९ ।
लगनाष्टक (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । वि कृष्णलीला ।
प्रा —बाबू राधाकृष्णदास चौखंभा वाराणसी ।→ १–१११ (सात) ।
लग्नजातक (गद्य)—महाराजदीन (दीक्षित) कृत । वि ज्योतिष ।
प्रा —पं दुखमसिंह गाजीपुर, डा शाहदरा (दिल्ली) ।→दि ३१–५९ ।
लग्नसुंदरी (पद्य)—भवानीराम कृत । र का सं १९७ । लि का सं १९७१ ।
प्रा —लाला मुकुटबिहारीलाल गुप्ता फदरताबाद, शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।
→११–११ ए ।
लग्नसुंदरी (पद्य)—कूरराम (किशुनराम) कृत । र का सं १८७० । वि फलित ज्योतिष ।
(क) लि का सं १८८१ ।
प्रा —पं केशवराम रामराबाद (आगरा) ।→२९–१७ बी ।
(ख) लि का सं १९१७ ।
प्रा —श्री रामदर्श गोयला डा कैथोला (प्रतापगढ़) ।→सं ४–१ १ ।
(ग) लि का सं १९११ ।
प्रा०—पं हरिप्रसाद सारस्वत औंनखलखेड़ा (आगरा) ।→१९–१७ ए ।
(घ) लि का सं १९४१ ।
प्रा —पं मकराज प्रधानाध्यापक ज्वालापुर (सहारनपुर) ।→१२–४१ ।
(ङ) प्रा —पं शिवशंकर बीबीपुर डा कैथपुर (बाराबंकी) ।→११–७८ ।
(च) प्रा०—पं जानकीप्रसाद, धमरौली कलारा (आगरा) ।→२९–१७ सी ।
लघुआदित्यवार कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र का सं ११७८ । लि का सं १८९९ । वि जैन मतावलंबियों के रविवार के व्रत का वर्णन ।
प्रा —पं रामगोपाल वैद्य जहाँगीराबाद (फैजाबाद) ।→१७–४१ (परि १) ।
लघुजान→'जान' (कवि) ('हरिनामविनोद' के रचयिता) ।
लघुचाणक्यराजनीतिसार (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि राजनीति आदि ।

प्रा०—श्री गोस्वामी जी, द्वारा प० बद्रीनाथ भट्ट, हुसेनगज (लखनऊ)। → २६–६३ (परि०३)।

लघुजन—वास्तविक नाम विक्रमाजीत। श्रोड़छा (बुंदेलखंड) नरेश। राज्यकाल स० १८३३ १८७४। शिवराम भट्ट, सर्वसुख, श्रौर भूपसिंह के श्राश्रयदाता। → ०६–१०६, ०६–११०।

पदरागमालावली (पद्य)→०६–६७ सी।

भरतसगीत (पद्य)→ ०६–६७ बी।

लघुसतसैया (पद्य)→ ०६–६७ ए।

विष्णुपद (पद्य)→ ०६–६७ डी, ई।

लघुजातक (पद्य)—श्रखैराम कृत। र० का० स० १८१२। लि० का० स० १६२६। वि० ज्योतिष।

प्रा०—प० नदलाल, बाजना (मथुरा)।→२८–१ बी।

लघुजातक (भाषा) (पद्य)—टीकराम (श्रवस्थी) कृत। वि० ज्योतिष विषयक बराहमिहिर कृत सस्कृत ग्रथ 'लघुजातक' का श्रनुवाद।

प्रा०—ठा० प्रतापसिंह, रतौली, डा० होलीपुरा (श्रागरा)।→२६–३२४।

लघुतिब्बनिघट (गद्य)—हरिप्रसाद कृत। र० का० स० १८६०। लि० का० सं० १६०२। वि० वैद्यक।

प्रा०—लाला रामदयाल निगम, शिवगढ, डा० टप्पल (श्रलीगढ)। → २६–१४३।

लघुतिब्बनिघंट→'निघट' (लाड़िलीप्रसाद कृत)।

लघुनामावली→'लघुशब्दावली' (रामहरी जौहरी कृत)।

लघुपाराशरी सटोक (गद्य)—सुखराम (सुखबोध) कृत। वि० फलित ज्योतिष।

(क) लि० का० सं० १६२६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७–१६६।

(ख) लि० का० सं० १६३७।

प्रा०—पं० चद्रशेखर चतुर्वेदी, बसनेवा, सीतापुर।→२६–४६८।

लघुपिंगल (भाषा) (पद्य)—चेतन कृत। र० का० सं० १८४७। लि० का० सं० १८७०। वि० पिंगल।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–६६ ग।

लघुमति—कोई साधु। सं० १८४३ के लगभग वर्तमान।

चरनायके (पद्य)→०६–२८६।

विवेकसागर (पद्य)→१२–१०१।

लघुयोगवासिष्ठसार (पद्य)—कृष्ण (वासुदेव) कृत। र० का० सं० १७१४। वि० संस्कृत के 'लघुवाशिष्ठसार' का श्रनुवाद।

प्रा०—पं० गोविंदराम पुरवा गदाधर तिवारी, अमहटा (सुलतानपुर) ।→ २१-२११।

लघुराम—(?)

कवित्त (पद्य)→ १-२८७ ए।

भक्तविरदावली (पद्य)→१-२८७ बी।

लघुलाल—(?)

रामगोपाल वैद्यक शास्त्र (गद्य)→२९-२०२।

लघुशब्दावली (पद्य)—अन्य नाम लघुनामावली। रामहरी (चौहरी) कृत। र० का० सं० १८६३ (१८१४)। वि० पर्याय शब्दकोश।

(क) लि० का० सं० १८१५।

प्रा०—बाबा वंशीदास गोविंदकुंड, वृंदावन (मथुरा) ।→२६-२८१ सी।

(ख) प्रा०—बाबा वंशीदास गोविंदकुंड, वृंदावन (मथुरा) ।→२६-२८१ डी।

लघुसतसैया (पद्य)—लघुजन (विक्रमाजीत) कृत। र० का० सं० १८१२। वि० भेंतठ भावों का वर्णन।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→ १-४५ए।

लच्छीराम—सं० १८८५ के लगभग वर्तमान।

भागवत (भाषा) (पद्य)→ ६-१११।

लच्छीराम→लछिराम ('करुणाभरण नाटक' के रचयिता)।

लच्छीराम (त्रिवेदी)—लालराम कवरिया के पुत्र। चोखरा (मौंडा) निवासी। संभवतः वूदन के 'सुजानचरित' में उल्लिखित लच्छीराम यही हैं। सं० १७ १ के लगभग वर्तमान।

विवेक सार अनुभव (पद्य)→२१-२११।

लछिमन—(?)

कवित्त (पद्य)→सं० ४-१२१।

लछिमनदास—गुरु का नाम हीरादास। सं० १८६५ के लगभग वर्तमान।

श्रीकृष्णचरित (पद्य)→सं० १-३७१।

लछिमनदास—सं० १९ ५ के लगभग वर्तमान।

गोपीचंदलीला (पद्य)→२१-२५५ ए, बी।

प्रह्लादचरित (पद्य)→२१-२५५ सी डी।

लछिमनदास—(?)

दोहों का संग्रह (पद्य)→ १-२८४।

लछिमनदास (उदासी)—नामकपंथी।

भजन (पद्य)→१८-८७

लछिराम—अमोढा (बस्ती) में स० १८६८ में जन्म। स० १९६१ (?) में मृत्यु। अयोध्या निवासी। मल्लाँपुर (सीतापुर) के राजा मुनीश्वरबख्शसिंह के आश्रित। अयोध्या, दरभगा, पुरनियाँ आदि स्थानो के राजाओं के आश्रय में रहे।
मुनीश्वर कल्पतरु (पद्य)→२३-२३२।
सियाराम चरण चद्रिका (पद्य)→२०-९३।

लछिराम—पिता का नाम कृष्णजीवन कल्याण। कवींद्राचार्य सरस्वती (कवींद्र) के समकालीन। स० १६८७ से १७१४ के लगभग वर्तमान।
करुणाभरण नाटक (पद्य)→००-७४, ०२-६२, ०६-२८५ बी, स० ०७-१७३।
योगसुधानिधि (पद्य)→०६-२८५ ए, २३-२३४।

लछीराम—ब्रह्मभट्ट। प्रसिद्ध कवि होल के वशज। होलपुर निवासी।
कृष्णविनोद (पद्य)→२३-२३३।

लछिराम—'ख्लाल टिप्पा' सग्रह ग्रथ में इनकी भी रचाएँ सगृहीत हैं। → ०२-५७ (बावन)।

लतीफों की किताब (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अकबर और बीरबल के किस्से।
प्रा०—ठाकु महिपालसिंह, करहरा, डा० सिरसागज (मैनपुरी)→३५-२०८।

लब्धोदय→'लालचद' ('पद्मिनीचरित्र' के रचयिता)।

ललकदास—लखनऊ निवासी। भड़ौआ लिखने में प्रसिद्ध। सं० १८२५-५० के लगभग वर्तमान।
सूतशौनक सवाद (पद्य)→०९-१७१, २३-२४१ ए, बी, सी, डी।

ललन→'लाल जी रगखान' (सवाई महेंद्रप्रतापसिंह के आश्रित)।

ललनपिया—फर्रुखाबाद निवासी। स० १९३० के लगभग वर्तमान।
इश्करंग (पद्य)→२६-२६४।

ललित→'अर्जुन' ('अर्जुन के कवित्त' के रचयिता)।

ललितकिशोरी—(?)
राजपोरियालीला (पद्य)→स० ०१-३७२।

ललितकिशोरीदास—रसिकविहारिनदास के शिष्य। टट्टी आश्रम (वृदावन) के महत। जन्म स० १७३३। मृत्यु स० १८२३।
पदमाला (पद्य)→३२-१३४ डी।
ललितकिशोरीदासजी की बानी (पद्य)→२३-२४६।
ललित पद (पद्य)→३२-१३४ सी।
ललितबानी (पद्य)→३२-१३४ बी।
वचनिका (पद्य)→१२-१०३।
हिंडोरा (पद्य)→३२-१३४ ए।

ललितकिशोरीदासजी की बानी (पद्य)—ललितकिशोरीदास कृत। र का सं १७११ और १८२१ के मध्य। लि का० सं १८२१। वि उन्हीं संप्रदाय के गुरुओं की प्रशंसा।
प्रा —बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली।→२३-२४६।

ललितपद (पद्य)—ललितकिशोरीदास कृत। वि राधाकृष्ण की सोलह कलाओं का वर्णन।
प्रा —श्री न्यादीराम रिठौरा, डा बरसाना (मथुरा)।→३२-११४ सी।

ललितप्रकाश (पद्य)—सहचरीशरण कृत। वि वृंदावन के महात्माओं की कथाएँ।
(क) लि का सं १९२ ।
प्रा —पं रामचंद्र वैद्य बड़े चौबे, कुंज बिहारी जी का मंदिर, मथुरा। → १७-१९६ ए।
(ख) लि का सं १९२१।
प्रा०—महंत भगवानदास खड़ीस्थान, वृंदावन (मथुरा)।→३२-१९१ बी।

ललितबानी (पद्य)—ललितकिशोरीदास कृत। वि कृष्णलीला।
प्रा —पं रामेश्वर, कोसीकलाँ (मथुरा)।→३२-११४ बी।

ललितललाम (पद्य)—मतिराम कृत। वि पिंगल।
(क) लि का सं १८३४।
प्रा —श्री कृष्णबिहारी मिश्र माडल हाउस लखनऊ।→२६-१ ए।
(ख) लि का सं १८७ ।
प्रा —पं मुरलीधर बाजपेयी कुतुबनगर (सीतापुर)।→२३-२७१ ए।
(ग) लि का सं १९१४।
प्रा०—पं कृष्णबिहारी मिश्र, संपादक 'माधुरी' लखनऊ।→२३-२७१ बी।
(घ) प्रा —चकत्ती भयाप्रसाद जी उपरहटी रीवाँ।→सं १०-१ ४।
(ङ) प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)। → १-४७।
(च) प्रा —पं भागीरथप्रसाद दीक्षित मई डा बटेश्वर (आगरा)। → २३-२७१ सी।
(छ) प्रा —पं रामभरोसे दूबे मानीपुर, डा इटौंजा (लखनऊ)। → २६-१ बी।
(ज) प्रा —पं कृष्णबिहारी मिश्र माडल हाउस लखनऊ।→२६-१ सी।

ललितलाल—जौनपुर नरेश मयार्दसिंह के आश्रित। सं १९ १ के लगभग वर्तमान।
मयार्दभूषण (पद्य)→१२-२१ ।

ललितशृंगारदीपिका (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। लि का सं १९६ ।
वि राम जानकी के ध्यान की विधि।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी) ।→०६–१३४ ओ ।

ललिताप्रसाद—कान्यकुब्ज ब्राह्मण । पादरी कलाँ (उन्नाव) के निवासी । सं० १६५४ के लगभग वर्तमान ।

आल्हाखंड रामायण (पद्य)→२६–२६५ ।

लल्लूभाई—वैश्य । भृगुपुर (भड़ोच) निवासी । सं० १८३३ के लगभग वर्तमान ।

उदाहरणमंजरी (गद्यपद्य)→०६–१७३, २६–२१२ ।

लल्लूलाल—उप० लाल कवि । आगरा निवासी । गुजराती ब्राह्मण । काजिमअली के समकालीन । ये कलकत्ते के फोर्ट विलियम कालेज में हिंदी के अध्यापक थे । हिंदी के आदि गद्य लेखकों में से एक ये भी हैं । हरिराम के पिता । सं० १८२० में जन्म और सं० १८८२ में कलकत्ते में मृत्यु ।→०६–१८०, २३–१५६ ।

अंग्रेजी हिंदी फारसी बोली (गद्य)→०६–१६२ बी, ०६–१७४ ए ।

प्रेमसागर (गद्यपद्य)→०६–१६२ ए, २६–२१२ ए, बी ।

माधवविलास (गद्य)→२६–२६६ ए ।

राजनीति (गद्य)→०६–१७४ बी, २६–२६६ बी, २६–२१२ सी, ४१–२३७ ।

लालचंद्रिका (गद्यपद्य)→०६–१७२, २३–२४२ ए, बी, सी ।

लव (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत । वि० संत और शब्द (नाद) से लगन लगाने का उपदेश ।

प्रा०—महंत श्री राजकिशोर जी, रतसढ (बलिया) ।→४१–२६३ च ।

लवकुशपर्व (पद्य)—परमानद कृत । लि०का०सं० १८१८ । वि० लव और कुश की कथा ।

प्रा०—पं० हरिवंशलाल, पन्हेरा, डा० बाजना (मथुरा) ।→३८–१०७ ।

लहनासिंह (स्वामी)—मजीठ (पंजाब) के सरदार । ग्वाल कवि के आश्रयदाता । सं० १८६१ के लगभग वर्तमान ।→०५–११, दि० ३१–३४ ।

लाड़लीदास—राधावल्लभ संप्रदाय के अनुयायी । वृंदावन निवासी । सं० १८४२ के लगभग वर्तमान ।

धर्मसुबोधिनी (गद्यपद्य)→०६–१६४ ।

लाडसागर (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० सं० १८३२ । वि० राधाकृष्ण विवाह ।

प्रा०—पं० गोविंदलाल भट्ट, अठखंभा, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१६६ एल ।

लाडिलोजो की जन्म बधाई (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । वि० राधिका का जन्मोत्सव ।

प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल जी, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१६६ ई ।

लाडिलीप्रसाद—(?)

निघंट (गद्य)→२६–२०८ ए, बी ।

लाडिलीलाल की विहारपाती (पद्य)—युगलकिशोर कृत । लि० का० सं० १६०६ । वि० राधाकृष्ण का विरह ।

प्रा —पं राजाराम शर्मा बरहन (आगरा) ।→१२-१ १ ।

लाड़ नाथ—पूरा नाम गुरुआयुष लाड़नाथ महाराज । जोधपुर नरेश महाराज मानसिंह के वंशज । मनोहरदास के आश्रयदाता । जनश्रुति के अनुसार इन्होंने एक दिन में ९५ हाथी और २५ लाख रुपये १५ कवियों को दान में दिए थे । सं १८९ के लगभग वर्तमान ।→ २-११ ।

लाल—वास्तविक नाम नेवजीलाल दीक्षित । किसी राजा विक्रमशाहि के आश्रित । सं १९४ के लगभग वर्तमान ।

विक्रमविलास (पद्य)→४१-२४१ क ला; सं ४-१११ ।

लाल→लालचंद (विनोदी) (जसमाल आदि के रचयिता) ।

लाल (कवि)—बच्चूलाल के पुत्र । मनसाराम के पौत्र । शिष्यों के नाम बेचूलाल और हीरालाल । गुरु का नाम शिवगुलाम । सं १८८८-९९ के लगभग वर्तमान ।

ककहरा (पद्य)→सं ४-१५४ ख ।

कुकुलचिंतामनी (पद्य)→सं ४-१५४ क ।

लाल (कवि)—बंशीधर के प्रपितामह । गणेश कवि के पितामह । गुलाब कवि के पिता । काशी नरेश महाराज चेतसिंह के आश्रित । सं १८३३ के लगभग वर्तमान ।→ ९ -१२ ।

कवित्त (पद्य)→०१-११४ ।

रसमूल (पद्य)→ १-१११ ।

लालसम्पात (पद्य)→१७ १ ५ ।

लाल (कवि)—सुलतानपुर जिला निवासी । १६ वीं शताब्दी में वर्तमान ।

पंचपचैन (पद्य)→सं १-१७१ क ।

हनुमतपैज (पद्य)→२१-२४४ २१-२५६ सं १-१७१ ख ।

लाल (कवि)—वास्तविक नाम लक्ष्मीधर । जयपुर (राजपूताना) के राजा रामसिंह के आश्रित । सं १९१२ के पूर्व वर्तमान ।

मारतसार (पद्य)→ १-१८८ ।

लाल (कवि)—सं १७९४ के लगभग वर्तमान ।

विष्णुविनोद (पद्य)→२१-२४१ ।

लाल (कवि —सं १८७ के लगभग वर्तमान ।

सभाविलास (पद्य)→२१-२११ सी डी १६-११२ बी ई, एफ; ४१-२४१ क सं ४-१५७ ।

हितपुलाल रामसाला काव्य (पद्य)→४१-२४१ ख ।

लाल (कवि)—(?)

कवित्त रामायण (पद्य)→४१ २१८ ।

लाल (कवि)—(?)

खो सं लि ४४ (११ —१४)

लालचदास (हलवाई)—अन्य नाम भक्तानंद, लालचराम और लालनदास। डालमऊ (रायबरेली) के निवासी। सं १५८० (?) के लगभग वर्तमान।
हरिचरित्र (पद्य)→ ६-१८८; २३ २१८ २६-२६१ ए, बी; ४१-२४२ क, ख; सं १-१७७ क, ख सं ७-१७४।

लालचराम→'लालचदास (हलवाई)' (हरिचरित्र के रचयिता)।

लाल जी (राय)—शाहजादपुर (इलाहाबाद) निवासी। लाला शीतलप्रसाद के पुत्र। सं १९४९ में वर्तमान।
हरिवंशपुराण (भाषानुवाद) (पद्य)→४१-२४४; ४१-२७१।

लालजी को जनम चरित्र (पद्य)—परमानंददास कृत। वि एक वैष्णव संप्रदाय के संस्थापक श्री लालजी के अवतार का वर्णन।
प्रा —पं मयाशंकर याज्ञिक, गोकुलनाथ जी का मंदिर गोकुल (मथुरा)।→ १२-१६२ बी।

लालजीत (जैन)—मेलूपुर (वाराणसी) निवासी। सं १८७ के लगभग वर्तमान।
तेरहद्वीप पूजापाठ (पद्य)→२३-२४ ; सं १०-११६।

लाल जी रंगलाल—उप लालन। जयपुर नरेश सवाई प्रतापसिंह के आश्रित। सं १८३६-६ के लगभग वर्तमान।
सुधा (पद्य)→१५-५६।
टि ग्रंथ का नाम अपूर्ण है।

लालदास—बरेली निवासी। कुछ समय तक अयोध्या में भी रहे। सं १६६ से १७१२ के लगभग वर्तमान।
अवधविलास (पद्य)→ १ १२ ६-१६ सी ६-१६६, १७-१ ७ २३-२३६ ए, बी सी २६ २६२ ए।
ज्ञानविवेक मोह संवाद (पद्य)→२३-२३६ ई।
बारहमासा (पद्य)→०६ १९ ए, २३-२३६ बी ४१-२६६।
मन की बारहमासी (पद्य)→ ६-१६ बी २६-२६२ बी।

लालदास—नैरन आयरा (?) निवासी। ऊधोदास के पुत्र। अकबर बादशाह के समकालीन। सं १६४३ के लगभग वर्तमान।
इतिहास (भाषा) (पद्य)→ १-१ ; २-२६; २६-२६१ ए, १२-१११ ४१-२५६ (अप्र); सं ७ १०६।
बलिवामन की कथा (पद्य)→ ६-१६१।
भागवती तीर्थ माहात्म्य (पद्य)→२६-२६१ बी।

लालदास—मनोहरदास के पुत्र। मालिनी (मालवा) निवासी।
उपाकथा (पद्य)→ ६-१७ ए।

वामनचरित्र (पद्य)→०६–१७० जी ।

लालदास—देवबन (मथुरा) निवासी । गो० गोपीनाथ (राधावल्लभी) के शिष्य । १७वीं शताब्दी में वर्तमान ।
चितावणी (पद्य)→स० ०७–१७५ ।

लालदास (स्वामी)→'लालस्वामी (हित)' (हरिवंश के पुत्र और गो० गोपीनाथ के शिष्य) ।

लालदास की कथा (पद्य)—डूँगरसी (साधु) कृत । लि० का० स० १६५५ । वि० भक्त लालदास की कथा ।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–१३६ ।

लालदीक्षित (नेवजी)→'नेवजीलाल (दीक्षित)' ('विक्रमविलास' के रचयिता) ।

लालनदास→'लालचदास (हलवाई)' ('हरिचरित्र' के रचयिता) ।

लालबाबा—सक्सेना कायस्थ । जलालाबाद (फर्रुखाबाद) निवासी । दाराशिकोह के आश्रित । सं० १८३८ के लगभग वर्तमान ।
ज्ञानफकीरी जोग मत (पद्य)→२२–२३६ ।

लालमनि—(?)
रसालै (रसालय) (पद्य)→४१–२४५ ।

लालमुकुंद→'मुकुंदलाल' ('फरजदखेला' के रचयिता) ।

लालमुकुंदविलास (पद्य)—मुकुंदलाल कृत । वि० नायिकाभेद आदि ।
प्रा०—महराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–६४ ।

लालविनोदी→'विनोदीलाल' ('भक्तामरचरित्र' आदि के रचयिता) ।

लालसाराम (बाबा)—संभवत. डडैला(गोरखपुर) के निवासी । वाराणसी (बनारस) से पढ़कर लौटने पर पंचविमिया (बिहार) स्थान में कबीरपंथ में दीक्षित हो गए । कुछ बी लोग इन्हें हगपुरा (टडैला के समीप) ले आए, जहाँ ये अपनी स्त्री के साथ कुटी बनाकर रहने लगे । पैकोली (गोरखपुर) के पौहारी जी से इनका शास्त्रार्थ हुआ था, जिसमें ये हार गए । तब से पौहारी जी के शिष्य बन गए और कबीर पंथ को छोड़ दिया ।
देवकीचरित्र (पद्य)→स० ०१–३७८ ।

लालस्वामी (हित)—सनाढ्य ब्राह्मण । देवबन (मथुरा) निवासी । पिता का नाम हरिवंश । गुरु का नाम गो० गोपीनाथ । दामोदरदास के गुरु । राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । सं० १८२५ के पूर्व वर्तमान ।→१२–४६ ।
बानी (पद्य)→१२–१०२ ए ।

मनचिंतामनी (पद्य)→११-१ २ सी ४१-५५५ (अप्र)।

मंगल (पद्य)→१२-१ २ बी ४१-१४० ।

श्री स्वामिनीजी ठाकुरजी के सवैया (पद्य)→११-२४५ ।

काव्यसिद्धलता (पद्य)—दत्त (देवदत्त) कृत । र का सं १७९१ । वि अलंकार ।

(क) लि का सं १८ ५ ।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→ १-५५ ।

(सं १८९१ की एक प्रति इस पुस्तकालय में और है)।

(ख) प्रा —पं रघुनाथराम शर्मा मालवीय सर्वोपकारक पुस्तकालय गायघाट, वाराणसी ।→ १-५६ ।

बाद (भट्ट)—उप प्रवीन । संभवतः तैलंग ब्राह्मण । वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी । सं १९४ (?) के लगभग वर्तमान ।

कवित्त सवैया संग्रह (पद्य)→सं १-१७९ ।

बावनी (पद्य)—अन्य नाम 'रागबावनी' । गंगादास (साधु) कृत । वि श्री रामानुज की विनय ।

(क) प्रा —पं रामप्रसाद मिश्र ग्राम नगर डा लखीमपुर (खीरी)। → २१-११७ बी ।

(ख) प्रा —श्री कन्हनलाल, चकवाबुर्ई (इटावा) ।→१८-४९ ।

बावनी (मराठीभाषा)→'कमाल मराठी' (काशीगिरि कृत)।

बावनी की बारामासी (पद्य)—कुतबी साहब कृत । वि ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—बाबा बैजदास समाधि गिरधारीसाहब नौबस्ता लखनऊ । → सं ७-७४ ख ।

बावनीविलास (पद्य)—ननवाँ (शुक्ल) कृत । वि साकार ब्रह्म का मंडन ।

प्रा०—पं प्रह्लाद शुक्ल शाहदरा, दिल्ली ।→दि ११-६२ ।

बावनीमोहना (पद्य)—रूपसिंह प्रभात । वि एक बाजी और मैना नाम की एक स्त्री की मिलन कहानी ।

प्रा —ठा भीषमसिंह जमींदार हैबतपुर डा सिरसागंज (मैनपुरी)। → ११-२ ९ ।

बावनी सममप्रकारा→'बावनी की पुस्तक' (दुलहलालसिंह कृत)।

लिंगपुराण (भाषा) (गद्य)—दुर्गाप्रसाद कृत । र का सं १९११ । वि लिंग पुराण का अनुवाद ।

<u>पूर्वार्द्ध</u>

(क) लि का सं १९४ ।

प्रा —पं मन्नूलाल माधवलाल का पुत्र लखनऊ ।→२१-१११ ए ।

(ख) लि का सं १९४६ ।

प्रा०—पं० दुलारेलाल भटपुरवा, चगर (उन्नाव) ।→२६–११२ सी ।

उत्तरार्द्ध

(ग) लि० का० सं० १६४६ ।

प्रा०—श्री गन्नूलाल, झाऊलाल का पुरा, लखनऊ ।→२६–११२ सी ।

(घ) लि० का० सं० १६४८ ।

प्रा०—पं० रामदुलारेलाल, भटपुरवा, डा० चगर (उन्नाव) ।→२६–११२ डी ।

लिलहारीलीला (पद्य)—पद्माकर कृत । लि० का० सं० १६१४ । वि० श्रीकृष्ण का लिलहारी भेष धारण करना ।

प्रा०—बाबा नारायण शर्मा, मोहनपुर (एटा) ।→२६–२५७ ई ।

लीला (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । वि० ज्ञानोपदेश और भक्ति ।

(क) लि० का० सं० १६२३ ।

प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबंकी) ।→सं० ०४–१०५ ट ।

(ख) लि० का० सं० १६८३ ।

प्रा०—मुंशी गुरुदीन, रानी का पुरवा, डा० तिलोई (रायबरेली) । →२६–१८७ बी ।

(ग) प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर) । २३–१७५ डी ।

लीला (पद्य)—अन्य नाम 'लीलावती बानी' । देवीदास (बाबा) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६४६ ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, नछरावाँ (रायबरेली) ।→सं० ०४–१६६ ख ।

(ख) लि० का० सं० १६८३ ।

प्रा०—मुंशी गुरुदीन कायस्थ, पूरेरानी, डा० तिलोई (रायबरेली) ।→२६–१०० ।

(ग) प्रा०—श्री दुर्गादास साधु, हाजीगुंज, डा० नगराम पूरब (लखनऊ) ।→२६–८२ ए ।

(घ) प्रा०—पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, प्रानपांडे का पुरवा, डा० तिलोई (रायबरेली) ।→सं० ०४–१६६ ग ।

(ङ) प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० पर्वतपुर (सुलतानपुर) । →सं० ०४–१६६ घ ।

(च) प्रा०—पं० चंद्रभूषण त्रिपाठी, डीह (रायबरेली) ।→सं० ०७–८५ ।

लीला (पद्य)—सनेहीराम कृत । वि० श्रीकृष्ण के द्वारा दावानल पीने और इंद्र की पूजा बंद करने का वर्णन ।

लीला (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र का सं १८०४ (?)। लि का सं १८१५ (?)। वि राधाकृष्ण की लीलाएँ।
प्रा —पं गोविंदलाल भट्ट मठलैया वृंदावन (मथुरा)।→१२-१९१ के।
वि प्रस्तुत ग्रंथ ४५ छोटे छोटे ग्रंथों का संग्रह है-१ हरिवंशचंद्र की सहस्रनाम बेलि, २ राधाप्रसादबेलि ३ मंगलविनोदबेलि ४ श्यामसुमिरनबेलि, ५. कृपाअभिलाषबेलि, ६ हितस्वरूपबेलि ७ हितप्रकाशअष्टक, ८. वृंदावनअभिलाषबेलि, ९. कृष्णलगाई अभिलाषबेलि १० कृष्ण प्रति यमुनातिथिमाधबेलि ११ कृष्णमंगलभोरीबचन, १२ ब्रजविनोदबेलि, १३ दानबेलि १४ हरिनामबेलि, १५. ममप्रबोधबेलि, १६ नागरलरी मदनसारबेलि, १७ सुमतिप्रकाशबेलि, १८. महदगुनसाकुनबेलि १९ हरिदम्भावेलि २ गर्वप्रहारबेलि, २१ कलिचरित्रबेलि २२ करुणाबेलि २३ भक्तसुखसबेलि २४ रूपलालजी की दुखरा, २५. राधाजन्मउत्सवबेलि २६ रूपलालजी को अष्टक २७ हरिप्रतापबेलि, २८ ब्रजभजनबाअष्टक, २९ सत्संगमहिमाबेलि, ३ यमुनाष्टक, ३१ बसंतअष्टक, ३२ हितकुलस्वामिनीअष्टक, ३३ विपनेश्वरी अष्टक ३४ महत्वमंगलबेलि, ३५. मदनउपदेशबेलि, ३६ रसिकअनन्यपरिचयावली ३७ यमुनामहिमाबेलि, ३८. वृंदावनमहिमाबेलि ३९ सिंगारअष्टक ४ विवेकपत्रखंडनबेलि ४१ गुरुशपार्वरित्रबेलि, ४२ ज्ञानप्रकाशबेलि ४३ गिरिपूजनबेलि ४४ गुरुमहिमा प्रचारबेलि ४५. ज्वरठगहनी।

लीलाओं के पद (अज्ञा) (पद्य)—रसिका प्रकाश। वि कृष्णलीला।
प्रा०—डा मंगलसिंह बरारही डा सुरीर (मथुरा)।→१२-२५१।

लीला नरसिंह अवतार (पद्य)—दुर्गाप्रसाद कृत। लि का सं १९२६। वि नृसिंह अवतार और प्रह्लाद भक्त की लीला।
प्रा —लाला रामनारायण भीखमपुर, डा अलोसर (एटा)।→२६-५४ ली।

लीलामौखनपुरी (पद्य)—प्राणनाथ कृत। वि नौखनपुरी की लीला (?)।
प्रा —बाबू रामअनोहर विश्वपुरिया पुरानीबस्ती डा कटनी मुड़वारा (जबलपुर)। →२६-३४९ बी।

लीलाप्रकाश (पद्य)—नवरंगदास (स्वामी) कृत। वि धामीपंथ के सिद्धांतों का वर्णन।
प्रा —धर्म पंथ का मंदिर विसुनपुरा डा भागलपुर (गोरखपुर)। → सं १-१८१।

लीलारत्न चूड़ामणि (पद्य)—रामानंद कृत। लि का सं १९३१। वि कृष्णलीलाएँ।
प्रा०—डा भवानीशंकर याज्ञिक लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ। → सं ४-१४८।

लीलावती (पद्य)—धनराम कृत। र का सं १७८६। वि गणित विषयक संस्कृत लीलावती का अनुवाद।

प्रा —पं रामनारायण जोशी (मथुरा) ।→१२-२५४।

लेखराज (मिश्र)—सिधौली (सीतापुर) निवासी । सं १८२९ (१६३८) के लगभग वर्तमान।
गंगाभरण (पद्य)→२१-२८७ २१-२६७।

लखरामसिंह—क्षत्री । कुराली ग्राम (मैनपुरी) निवासी ।
अमृतसागर (पद्य)→१२ १११ ए, बी सी।
दिन नापने का कायदा (गद्यपद्य)→१६-६७।
पदार्थतत्वदीपिका (गद्य)→२६-२६८।

लेखापद्धति (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि पुराने समय का प्रारंभिक गणित ।
प्रा०—श्री गोस्वामी द्वारा पं बद्रीनाथ भट्ट हुसेनगंज (लखनऊ) । → २६-२१ (परि १) ।

लेखिन (पोथी) (गद्य)– रचयिता अज्ञात । वि शिक्षा ।
प्रा —पं रामस्वरूप पिनाहट (आगरा) ।→२६-४५५ ।

लैलामजनूँ (पद्य)—रामराय कृत । वि लैला और मजनूँ की प्रेम कहानी ।
(क) लि का सं १८८६ ।
प्रा०—पं देवतादीन मिश्र सुलतानपुर डा थाना (उन्नाव) ।→२६-२६१ ए ।
(ख) लि का सं १६१७ ।
प्रा —पं रामभरोसे मिश्र बड़ौली डा मेरी (सीतापुर) ।→२६-२६१ बी ।
(ग) लि का सं १६१७
प्रा —ठा अजबपालसिंह मालीमऊ डा सिधौली (सीतापुर) । → २६-२६१ सी ।
(घ) प्रा —कृतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६-११४ (विवरण अप्राप्त) ।

लैखोनराम—गुरु का नाम सूरतराम । संभवतः रामसनेही पंथ के प्रवर्तक स्वामी रामचरण इनके बाबा गुरु थे । राजस्थान निवासी ।
ग्रनभवबानी (पद्य)→सं ७-१७ क ।
चकानधौली (पद्य)→सं ७ १७३ ख ।
पद (पद्य)→सं ७ १७३ ग ।

लैलामजनू (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र का सं १६६१ । लि का सं १७८४ । वि लैला और मजनू की कथा ।
प्रा — हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद ।→सं १-१२६ ख ।

लोक (कवि)—सं १८७५ के पूर्व वर्तमान ।
कंदुकक्रीड़ा (पद्य)→२१-२१३ ।

लोकोक्ति रसकौमुदी (पद्य)—शिवराम (राव) कृत । र का सं १७८७ । लि का सं १८०५ । वि रस और नायिकाभेद ।
खो वि वि ४५ (११ ०-६४)

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–३१।

लीलावती (पद्य)—त्रिलोचनराम कृत। लि० का० सं० १८६१। वि० नाप, तौल, गणना आदि।

प्रा०–ठा० विश्वनाथसिंह साहब, तालुकेदार, अमेसर, डा० तिरमुही (सुलतानपुर)।→२३–४३६।

लीलावती (पद्य)—शकर (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७१६। लि० का० सं० १८४६। वि० संस्कृत 'लीलावती' का अनुवाद।

प्रा०–पं० शिवबालक जमींदार, असनी (फतेहपुर)।→०६–२७७।

लीलावती (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १६१२। लि० का० सं० १६१३। वि० गणित।

प्रा०–पं० शिवलाल शर्मा, भूतपूर्व प्रधानाध्यापक, स्कूल मारहरा, धूमरा, डा० सरोठ (एटा)।→२६–४१६।

लीलावती (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० गणित ('लीलावती' का अनुवाद)।

प्रा०—पं० हीरालाल, पीरूसुना, डा० राया (मथुरा)।→३८–१८१।

लीलावती (भाषा) (पद्य)—चक्रपाणि कृत। वि० गणित।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–१०८।

लीलावती (भाषा) (पद्य)—भोलानाथ कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—लाला देवीप्रसाद मुतसद्दी, छतरपुर (बुंदेलखंड)।→०६–१६।

लीलावती बानी→'लीला' (बाबा देवीदास कृत)।

लीलावती भाषाबंध (पद्य)—लालचंद कृत। र० का० सं० १७३६। लि० का० सं० १७६४। वि० भास्कराचार्य कृत गणित ग्रंथ 'लीलावती' का रूपांतर।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–७६।

लीलासमभनी(पद्य)—परसुराम कृत। वि० विश्व प्रपंच की मीमांसा।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→३५–७४ एफ।

लीला सहित ब्रह्मांडखंड (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० संसार की उत्पत्ति का वर्णन।

प्रा०–पं० सुंदरलाल अध्यापक होलीपुरा (आगरा)।→२६–४१८।

लीलासागर (पद्य)—गंगादत्त कृत। लि० का० सं० १८८६। वि० कृष्ण और नारद के संवाद में लीला वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–४३।

लुकमान—(?)

वैद्यक (पद्य)→०६–१७५।

लुकमान (हकीम)—यूनान के प्रसिद्ध हकीम। 'नसीहतनामा' की रचना इन्हीं के नाम से हुई है।→४१–३८२।

लुकमान के उपदेश (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नीति और सदाचार।

प्रा —पं रामनारायण कोठी (मथुरा) ।→१२-१५४ ।

लेखराज (मिश्र)—धिधौली (सीतापुर) निवासी । सं १९२१ (१९३५) के लगभग वर्तमान ।

गंगाभरण (पद्य)→२१-२४७ २१-२६७ ।

लखरामसिंह—वर्मी । खुशाली ग्राम (मैनपुरी) निवासी ।

धर्मतत्त्वसागर (पद्य)→१२ १११ ए, बी, सी ।

दिन नापने का कायदा (गद्यपद्य)→२५-५७ ।

पदार्थतत्त्वदीपिका (गद्य)→२६-२६८ ।

लेखापट्टाका (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि पुराने समय का प्रारंभिक गणित ।

प्रा —श्री गोस्वामी द्वारा पं बद्रीनाथ भट्ट हुसैनगंज (लखनऊ) । → २६-९१ (परि १) ।

लेखिन (पोथा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि शिक्षा ।

प्रा —पं रामस्वरूप पिनाहट (आगरा) ।→२९-४५५ ।

लैलामजनूँ (पद्य)—रामराव कृत । वि लैला और मजनूँ की प्रेम कहानी ।

(क) लि का सं १८२ ।

प्रा —पं देवतादीन मिश्र सुलतानपुर डा थाना (उन्नाव) ।→२६-२६१ ए ।

(ख) लि का सं १९१७ ।

प्रा —पं रामभरोसे मिश्र मटौली डा मेरी (सीतापुर) ।→२६-१६१ बी ।

(ग) लि का सं १९१७

प्रा —ठा भगवानपालसिंह गागीमऊ, डा सिधौली (सीतापुर) । → २६-१६१ सी ।

(घ) प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६-११४ (विवरण अप्राप्त) ।

लैखोनराम—गुरु का नाम दरवराम । संभवतः रामसनेही पंथ के प्रवर्तक स्वामी रामचरण इनके बाबा गुरु थे । राजस्थान निवासी ।

प्रनभयबानी (पद्य)→सं ७-१७७ क ।

ककहरीती (पद्य)→सं ७-१७७ ख ।

पद (पद्य)→सं ७-१७७ ग ।

लैलामजनूँ (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र का सं १६९१ । लि का सं १७८४ । वि लैला और मजनूँ की कथा ।

प्रा —हिंदुस्तानी एकाडमी इलाहाबाद ।→सं १-१२१ ख ।

लोक (कवि)—सं १८७५ के पूर्व वर्तमान ।

कंदुकक्रीड़ा (पद्य)→२२-२११ ।

लोकउक्ति रसयुक्ति (पद्य)—शिवदास (राय) कृत । र का सं १७५७ । लि का सं १९०५ । वि रस और नायिकाभेद ।

को सं

लोकनाथ--ब्राह्मण। सं० १९१५ के पूर्व वर्तमान।
रामव्याह (कवित्त) (पद्य)→सं० ०४-३१८।

लोकनाथ—(?)
हरिवंशचौरासी सटीक (पद्य)→०६-२८८।

लोकमणिदास (चतुर्वेदी)—ओवरसियर। मैनपुरी निवासी।
क्षेत्रभास्कर (गद्य)→३८-६१।
बजरंगचालीसी (पद्य)→४१-२७८।

लोकसिंह (बाबू)—रामपुर के बलवंतसिंह के आश्रित।
बलवंतप्रकाश (पद्य)→२६-२७०।

लोकीदास (बाबा)—जन्मस्थान शक्तिपुर। अनंतर धर्मपुर में निवास। फिर सरयू के किनारे रुशा (बहराइच) में रहने लगे। मृत्यु सं० १८७३।
प्रह्लादचरित्र (पद्य)→२३-२४८ डी।
भक्तिप्रकाश (पद्य)→२३-२४८ बी, सी।
भागवत गीतावली (दशमस्कंध) (पद्य)→२३-२४८ ए।

लोकोक्ति→'लोकउक्ति रसउक्ति' (शिवदासराय कृत)।

लोगतारिका (पद्य)—शिवभोम कृत। वि० भगवद्गीता का माहात्म्य।
प्रा०—पं० मदनपाल, पैंतीखेड़ा, डा० बाह (आगरा)।→३२-२०१।

लोचनदास—संभवतः कबीरपंथी। सं० १९०३ के लगभग वर्तमान।
भक्तमावन (पद्य)→२०-९६।

लोचनप्रकाश (पद्य)—लोचनसिंह (कायस्थ) कृत। वि० ज्योतिष।
प्रा०—पं० तुलाराम श्रीचंद चतुर्वेदी, घाटी बाहलराय (मथुरा)।→३८-९०।

लोचनसिंह (कायस्थ)—राजमलनगर के निवासी। गुरु का नाम रघुलाल। सं० १९१० के लगभग वर्तमान।
जातकालंकार (भाषा) (पद्य)→२६-२६९ ए, बी, सी, सं० ०४-३५९क, ख, ग।
लोचनप्रकाश (पद्य)→३८-९०।

लोधेदास—स्वामी चरणदास (सुखदेव जी के शिष्य) के अनुयायी। गुरु का नाम लछिदास या लच्छिदास।
बावनअच्छरी (पद्य)→सं० ०७-१७८।

लोना—सं० १७०३ के पूर्व वर्तमान।
बहुला कथा (पद्य)→सं० ०१-३८०।

लोनेदास—सं० १८९२ के लगभग वर्तमान।
रामस्वर्गारोहण (पद्य)→२३-२४९, २६-२७१

सोखंबराज (भाषा (पद्य)—गंगाराम (यति) कृत । र का सं १८७१ । वि सोखंबराज कृत वैद्यक के संस्कृत ग्रंथ का अनुवाद ।→प २२–११ ए ।

सोखंबराज (भाषा) (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि वैद्यक ।
मा०—पं रामनारायण, अमौसी डा बिजनौर (लखनऊ) ।→२६–४२ ।

सोखंबराज वैद्यक (पद्य)—सीतल (कवि) कृत । र का सं १८४४ । लि का सं १६२७ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं बैकुंठनाथ बजार डा मुरसान (अलीगढ़) ।→१८–१४१ ।

सोखिमराज (पद्य)—अन्य नाम 'वेदजीवन' । बेनीप्रसाद त्रिपाठी वनवैद्य कृत । र का सं १८८६ । वि वैद्यक ।
(क) लि का सं १६१२ ।
प्रा —डा शिवप्रसादसिंह राजाशिवगढ़, डा अमेठी (लखनऊ) । →२६–११ ए ।
(ख) प्रा०—पं हीरालाल वैद्योपाध्याय, पचवान डा फ़िरोज़ाबाद (आगरा) →२६–११ बी ।

सोहट—जैन धर्मावलंबी ।
अठारहनाते की चौढालयो (पद्य)→सं १–१८१ ।

सोहा सोना म्हाका (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १६ १ । वि सोहे सोने का अन्योक्तिपरक विवाद ।
प्रा—प भगवतीप्रसाद ठकार रहमतनगर डा अमेठी (लखनऊ) । →२६–५ ४ ।

वंदन (पाठक)—मिरजापुर निवासी । काशी के महाराज ईश्वरीप्रसादनारायणसिंह के आश्रित । सं १६४ के लगभग वर्तमान ।
मानस शंकावली (गद्यपद्य)→१ २ १ २१–४१८ ।

वंदनाजोग (मंत्र) (पद्य) सेवादास कृत । लि का सं १८५६ । वि निरंजन परब्रह्म की वंदना ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१–२६६ ज ।

वंदमाजोग (मंत्र) (पद्य)—हरिदास कृत । लि का सं १८१८ । वि तत्वज्ञान ।
प्रा०—का वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय काशी हिंदू विश्व विद्यालय वाराणसी ।→४५–४६ एच ।

वंदीमोचन (?) (पद्य)— लक्ष्मीनाथ कृत । वि भगवती वंदना ।
प्रा —श्री बकारनाथ मिश्र दुल्लहपुरा डा मझौली वाराणसी ।→सं ४–१५१

वंदीमोचन (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १६४५ । वि भवानी की लीला और महिमा ।
प्रा —पं बीरमल गौड़ देवगाँव डा धनसौई (अलीगढ़) ।→२६–५२६ ।

वंदीमोचन कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नदीदेवी की स्तुति।
प्रा०—प० नकछेदराम मिश्र, धनौर, डा० गड़वारा बाजार (प्रतापगढ)। → २६–६४ (परि०)।

वध्याकल्प चौपाई (पद्य)—हस्ति (कवि) कृत। लि० का० स० १८२७। वि० वध्यात्व की चिकित्सा।
प्रा०—प० श्रॅगनलाल द्विवेदी, राया (मथुरा)।→३५–३६ सी।

वध्याप्रकाश (गद्यपद्य)—गुसानंद कृत। लि० का० स० १८११। वि० वैद्यक।
प्रा०—बाबा भागवतदास, जरवल (बहराइच)।→२३–१४३।

वशमनि—उप० वशराज। पाराशर गोत्रीय त्रिपाठी ब्राह्मण। चयनपुर (भभुआ ?) के निकट वीर भानपुर के निवासी। लोकमनि के पौत्र। बुलाकी शर्मा के पुत्र। ये तीन भाई थे। पहरा ग्राम (गया) के कानूनगो रघुनदन श्रीवास्तव के आश्रित। सभवत स० १६०८ में वर्तमान।
रसचद्रिका (पद्य)→४१–२४६।

वशराज→'वशमनि' ('रसचद्रिका' के रचयिता)।

वशविख्यात (पद्य)—पृथ्वीलाल कृत। र० का० स० १६१७। लि० का० स० १६१७। वि० जहाँगीर का बुदेला राजा वीरसिंह की भुजा की पूजा पर राजाओं का रोष। वर्णन।
प्रा०—राजा महेंद्रमानसिंह जू देव, भदावर नरेश, नौगवाँ (आगरा)। → ३२–१७० बी।

वशविभूषण (पद्य)—गोविंद (कवि) कृत। र० का० स० १८६६। वि० पढेरा (?) के राजा काशीराम की वशावली।
प्रा०—प० शिवकुमार द्विवेदी, धनगढ रियासत (प्रतापगढ)।→स० ०४–८१।

वशावली (पद्य)—शिवनाथ कृत। र० का० स० १८८२। लि० का० स० १८८२। वि० राजाओं की वशावली।
प्रा०—श्री ब्रह्मभट्ट नानूराम, जोधपुर।→०१–१०६।

वशावली (वृषभानुराय की) (पद्य)—किशोरीदास कृत। वि० राधा के पिता वृषभान की वशावली।
प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली।→०६–१५२, २३–२१४ बी।

वशावली तिलोई राज्य→'काव्यकल्पतरु' (सीताराम उपाध्याय कृत)।

वशावली नदजी की→'नदजी की वशावली' (सदानददास कृत)।

वशी (कवि)—कायस्थ लालमणि के पुत्र। वैष्णव (सखी सप्रदाय) धर्मावलबी। ओड़छा नरेश महाराज उद्योतसिंह के आश्रित।
सजनवहोरा (पद्य)→०६–११।

वशीअली—रूपमजरी (देवकीनदनदास) के गुरु। चैतन्य महाप्रभु के अनुयायी। स० १६१० के पूर्व वर्तमान।→१२ १६६।

वंशीअली—अन्य नाम वंशीधर। सखी संप्रदाय के अनुयायी। सं० १७८ १८४ के लगभग वर्तमान।
पद (पद्य)→११-१६।
राधासिद्धांत (पद्य)→१५-१ १ बी।
सिद्धांत के पद (पद्य)→१५-१ १ ए।

वंशीधर—वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी। गुरु का नाम हरिकेश। संभवतः १६वीं शताब्दी के मध्य में वर्तमान।
दानलीला (पद्य)→सं० १-१८२।

वंशीधर—भाट। काशी निवासी। महाराज ईश्वरीप्रसादनारायणसिंह के सेवक चौपड़ लवास के आश्रित। गुलाब कवि के पौत्र और गणेश कवि के पुत्र।
साहित्यतरंगिणी (पद्य)→२ -११।

वंशीधर—बुंदेलखंड के महाराज छत्रसाल के आश्रित। सं० १७१५ के लगभग वर्तमान।
दस्तूरमालिका (गद्यपद्य)→ ६-१८ सं० ४-१६।

वंशीधर—ब्राह्मण। अहमदाबाद निवासी। उदयपुर के महाराणा जगतसिंह के आश्रित। *सं० १७९८ के लगभग वर्तमान। 'अलंकार रत्नाकर' की रचना में दलपतिराय* (राय) के सहयोगी।→ ४ ११ १२-१८; ११-४५; २१-८२ २६-८६।

वंशीधर→वंशीअली (सखी संप्रदाय के अनुयायी)।

वंशीधर (पं० बाल)—आगरा निवासी। सं० १९११ के लगभग वर्तमान।
अंजननिदान (गद्य)→२९-२९ ए से डी तक।
सिन्धप्रहलानी (पद्य)→सं० ४-१११ ए।
भारतवर्ष का इतिहास (गद्य)→२९-२९ ई एफ।
भाषाचंद्रोदय (गद्य)→२९-२९ बी।
भोजप्रबंधसार (गद्य)→२९-२९ के, पं० सं० १-२२५; सं० ४ १११ क।
सूर्यवंशी राजा (गद्य)→२९-२९ एच।
सूर्यवंशी (और) चंद्रवंशी राजाओं के नाम (पद्य)→२९-२९ आई, जे।

वंशीधर (प्रधान)—दुर्गादत्त के पुत्र। जाति के कायस्थ। वंशीपुर निवासी। मानसहीप के आश्रित। सं० १७७४ के लगभग वर्तमान।
मित्रमनोहर (पद्य)→०२-४४ १-११ १७-२; २६-४१।

वंशीप्रशंसा (पद्य)—चतुरसखि कृत। वि० श्रीकृष्ण की वंशी वादन लीला।
प्रा०—गो० गोवर्धनलाल वृंदावन (मथुरा)।→११-१८ बी।

वंशीलाल—हित हरिवंश के वंशज। बेनी प्रवीन वाजपेयी के आश्रयदाता। सं० १८७४ के लगभग वर्तमान।→२ -११।

वंशीलीला (पद्य) भोपालराय कृत। वि० श्रीकृष्ण चरित्र।

वंशीलीला (पद्य)—सूरदास कृत । वि० श्रीकृष्ण की वंशी लीला का वर्णन ।
(क) लि० का० सं० १८०३ ।
प्रा०—श्री जगदेवसिंह, मरैया भवानी तेरी, डा० सिधौली (सीतापुर) । →२६-४७१ बी ।
(ख) प्रा०—श्री पूरणमल शर्मा, राजा, डा० माट (मथुरा) ।→३२-२१२ जे ।
(ग) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, कांकरोली ।→पु० ०१-४६१ ज ।

वंशीवटविलासमाधुरी (पद्य)—माधुरीदास कृत । वि० कृष्णलीला ।
प्रा०—पं० केदारनाथ पाठक, वेलेजलीगंज, मिर्जापुर ।→०२-१०४ (तीन) ।

वंशीवर्णन (पद्य)—अन्य नाम 'दीरमपचीसी' । दीरम कृत । लि० का० सं० १६३८ ।
वि० कृष्ण की वंशी का वर्णन ।
प्रा०—पं० रघुनाथराम मालवीय, गायघाट, वाराणसी ।→०६-७६ ।

वंशीविलास (पद्य)—उदय (कवि) कृत । वि० कृष्णलीला ।
प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा ।→३२-२२३ ओ ।

वचनामृत (गद्य)—हरिराय कृत । वि० महाप्रभु वल्लभाचार्य जी द्वारा नवधा भक्ति का उपदेश । (वल्लभाचार्य के 'वचनामृत' संस्कृत ग्रंथ का भाष्य) ।
प्रा०—पं० मुरलीधर, गाजीपुर, डा० बरसाना (मथुरा) ।→३५-१८ एफ ।

वचनावली (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत । लि० का० सं० १६२१ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा० —महंत लखनलालशरण, लक्ष्मणकिला, अयोध्या ।→१२-८८ ।

वचनिका (पद्य) —ललितकिशोरी (देव) कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—महंत भगवानदास, टट्टी स्थान, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१०३ ।

वचनिका (गगेवनी बावत की) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० गगेव (?) की कथा ।
प्रा०—पं० कुमरपाल पचौली, तरामई, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) । →३२-२८४ ।

वजदी→'वाजिंद' (दादूदयाल के शिष्य) ।

वजहननामा (पद्य)—अन्य नाम 'अलिफनामा' । वजहनशाह कृत । वि० ईश्वर माया आदि का वर्णन ।
(क) लि० का० सं० १६४३ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-५५७ (अप्र०) ।
(ख) प्रा० – श्री चेतनशाह साहिब, औलियापुर, डा० सफदरगंज (बाराबंकी) । →२३-४३७ ।

वजहनशाह—सूफी फकीर । इनकी कब्र बाराबंकी जिले में है । १६ वीं शताब्दी में वर्तमान ।
वजहननामा (पद्य)→२३-४३७, ४१-५५७ (अप्र०) ।

वज्रसूची (ग्रंथ) (पद्य)—शंकरदास (गद्य) कृत । लि० का० सं० १९०० । वि०

ब्राह्मणों का धर्म और लक्षण।

प्रा —पं शिवबिहारीलाल मिश्र वकील गोलागंज लखनऊ।→ ६-२७८।

वणिकप्रिया (पद्य)—शुकदेव कृत। र का सं १७१७। लि का सं १६३१। वि वाणिज्य आदि।

प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान धर्मलेखक (हेड एकाउंटेंट) छतरपुर।→ ०१-८३।

वत्सा (मट्ट)—सं १८७ के पूर्व वर्तमान।

अशौच विचार भाषा तथा मुंडन नखच्छेद नियम (गद्य)→सं १-१८१।

वधूविनोद (पद्य)—कालिदास (त्रिवेदी) कृत। र का सं १७६४। वि नायिकाभेद।

(क) लि का सं १८३५।

प्रा —ठा महावीरसिंह मर्मभक राज नीलगाँव, डा नीलगाँव (सीतापुर)।→ ११-१ ए।

(ख) लि का सं १८६७।

प्रा — दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६-२७८ बी (विवरण अप्राप्त)।

(ग) लि का सं १ ६६।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-४७६ (अप्र)।

(घ) लि का सं १६४२।

प्रा —महंत रामबिहारीशरण जानकीकुंज अयोध्या।→२ -७२।

(ङ) लि का सं १६४२।

प्रा —बाबू गिरधारीलाल रामबरेली।→११-२ बी।

(च) लि का सं १६४३।

प्रा०—पं श्यामबिहारी मिश्र गोलागंज, लखनऊ।→२३-२ सी।

(छ)→पं २२-५३।

वनकांड→'रामचरितमानस (अरण्यकांड) (गो तुलसीदास कृत)।

वनचंद (गोस्वामी)—स्वामी हित हरिवंश के चौथे पुत्र। कल्याण पुजारी और नागरीदास के गुरु। सं १६६ के लगभग वर्तमान।→१२-२; १२-११६।

पद (पद्य)→१२ १५।

वनदुर्गालहरी (पद्य)—गौरीराम (द्विज) कृत। र का सं १ ६। वि विंध्यवासिनी देवी की स्तुति।

(क) लि का सं १६१४।

प्रा०—पं तुलसीराम मिश्र दीगनगौरा डा काशीपुर (सुलतानपुर)। → सं ४-११६ ग।

(ख) प्रा०—श्री रामनंद मिश्र दीगनगौरा, डा काशीपुर (सुलतानपुर)। →२१ ११५।

वनदुर्गा त्रिशी स्तोत्र →'[illegible]' (जोगराम द्विज कृत)।

वनपर्व →'महाभारत दर्पण' (गोकुलनाथ कृत)।

वनयात्रा (पद्य)—गोपालराय (भाट) कृत । र० का० सं० १८६१ । वि० ब्रज के तीर्थ स्थानों का वर्णन ।
प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृन्दावन (मथुरा) ।→१२-६२ बी ।

वनयात्रा (पद्य)—पुरुषोत्तम कृत । लि० का० सं० १[illegible]६ । वि० ब्रज की चौरासी कोस की परिक्रमा का वर्णन ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-२०७ ग ।

वनयात्रा (पद्य)—श्यामा[illegible]टी कृत । वि० ब्रज के विभिन्न स्थान गोकुल, मथुरा, बरसाना और नंदग्राम आदि की महिमा का वर्णन ।
प्रा०—श्री [illegible] गंगाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।
→३५-[illegible]८ ।

वनयात्रा परिक्रमा ब्रज चौरासी कोस की→'गुसाईं जी की ब्रज चौरासी कोस की वनयात्रा' (गो० गोकुलनाथ कृत) ।

वनविहार माधुरी (पद्य)—माधुरीदास कृत । वि० राधाकृष्ण का वनविहार वर्णन ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-२६१ ।

वनविहार लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत । वि० राधाकृष्ण का वन विहार ।
(क) प्रा०—बाबू हरिश्चन्द्र का पुस्तकालय, चौखंभा, वाराणसी । →००-१३ (तीन) ।
(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर । →०६-७२ जेड ।

वनिकप्रिया (पद्य)—हीरालाल (लाला) कृत । वि० वाणिज्य व्यवसाय ।
प्रा०—बाबू काशीप्रसाद अग्रवाल, प्रधान क्लर्क, पुलिस कार्यालय, छतरपुर । →सं० ०१-४६१ ।

वभ्रुवाहन कथा (पद्य)—कनकसिंह कृत । वि० अर्जुन और वभ्रुवाहन का युद्ध ।
(क) प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२६-२२१ ।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-४७६ (अप्र०) ।

वभ्रुवाहन कथा (पद्य)—प्राणनाथ (त्रिवेदी) कृत । र० का० सं० १७५७ (?) । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) लि० का० सं० १८६८ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-२१६ ।
(ख) लि० का० सं० १६२१ ।
प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह तालुकेदार, दिकौलिया (सीतापुर) ।→१२-१३१ ।
(ग) लि० का० सं० १६२४ ।

बभ्रुवाहन की कथा (पद्य)—रामप्रसाद (भाट) कृत । लि का सं १६२५ । वि नाम से स्पष्ट ।
   प्रा —ठा त्रिभुवनसिंह शाहपुर, डा नेरी (सीतापुर) ।→२६–१६ ए ।

वरांगचरित्र (भाषा) (पद्य)—लालचंद कृत । र का सं १८२७ । लि का सं १६४६ । वि वरांग नामक जैन मुनि का चरित्र ।
   प्रा —सरस्वती भंडार, जैन मंदिर खुर्जा ।→१७–१ ६ बी ।

वर्णमाला (पद्य)—ज्ञान कवि (न्यामत खाँ) कृत । लि का सं १७७७ । वि ज्ञानोपदेश ।
   प्रा॰—हिंदुस्तानी एकाडमी इलाहाबाद ।→सं १–१२६ क॰ ।

वर्णपरीक्षा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि पिंगल (प्राकृत में) ।
   प्रा —बाबू पुरुषोत्तमदास विश्रामघाट मथुरा ।→१७–१ (परि १) ।

वर्णे प्रति ज्ञानोपदेश (पद्य)—सियारामशरण कृत । लि का सं १६ ६ । वि ज्ञानोपदेश ।
   प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या ।→१७–१७० ।

वर्णमाला (पद्य)—भूपनारायणसिंह कृत । र का सं १८७५ । वि विंध्यवासिनी देवी की वंदना ।
   प्रा —पं चुन्नीलाल वैद्य वंडपाणि की गली वाराणसी ।→ ६–२६ बी ।

वर्णविचार (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत । लि का सं १६२२ वि ज्ञानोपदेश ।
   प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१–२ ६ ग ।

वर्णाकर पिंगल (पद्य)—गिरिजीव कृत । वि पिंगल ।
   प्रा —श्री वर्षतीप्रसाद शर्मा फतेहाबाद (आगरा) ।→२६–७२ ।

वर्तमान चतुर्विंशति जिनपूजा (पद्य)—अन्य नाम 'वर्तमान चौबीसी (पाठ)' । मनरंगलाल पल्लीवाल । कृत । र का सं १८८७ । लि का सं १६६६ । वि जैनधर्म के अनुसार जिनदेव की पूजा ।
   प्रा —श्री जैन मंदिर (बड़ा) बाराबंकी ।→२१–२१ ।

वर्तमान चौबीसी (पाठ)→'वर्तमान चतुर्विंशतिजिनपूजा' । (मनरंगलाल पल्लीवाल कृत) ।

वर्द्धमानपुराण (पद्य)—नवलशाह (शाहि) कृत । र का सं १८२५ । लि का सं १६६१ । वि जैनतीर्थंकर महावीर का चरित्र ।
   प्रा —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद ।→४१–१२२ ।

वर्द्धमानपुराण (गद्य)—रचयिता अज्ञात । (मूल रचयिता सकलकीर्ति) । लि का सं १६१० । वि वर्द्धमान की जीवनचर्या ।
   प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर ।→सं १ –१७६ ।

वर्षकर्तव्य (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि ज्योतिष ।
   प्रा —श्री मुरलीधर केशवदेव मिश्र कमलेर (आगरा)→१६–५१८ ।

खो सं वि ४६ (११ –५४)

वर्षगाँठ की बधाई (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । लि० का० सं० १८०२ । वि० कृष्ण चरित्र ।

प्रा०—श्री श्यामदास वैष्णव, महाप्रभु जी की बैठक, करहला, डा० बरसाना (मथुरा) ।→३५-३२७ ।

वर्षचिकित्सा (पूतना) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० तंत्रमंत्र ।

प्रा०—श्री बिहारीलाल पटवारी, रसौली, डा० कोटला (आगरा) ।→२६-५२७ ।

वर्षप्रदीप (पद्य)—परमेश्वरदत्त कृत । र० का० सं० १६३१ । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—पं० सत्यदेव त्रिपाठी, फत्तनपुर, डा० गौरा (प्रतापगढ़) । → सं० ०४-२०० ।

वर्षफल (गद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १८४५ । लि० का० सं० १८४५ । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—श्री कन्हैयालाल, फतेहाबाद (आगरा) ।→२६-५२६ ।

वर्षोत्सव (पद्य)—कृपानिवास कृत । लि० का० सं० १६३६ । वि० रामानुज संप्रदाय के वर्षभर के उत्सव ।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी) ।→०६-१५४ ई ।

वर्षोत्सव (पद्य)—गोपालराय (भाट) कृत । लि० का० सं० १६०३ । वि० कृष्ण जीवन से संबद्ध वर्षभर के उत्सव तथा त्योहार ।

प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-६२ एल ।

वर्षोत्सव (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'वर्षोत्सव की भावना' । हरिराय कृत । वि० वल्लभ संप्रदायानुसार वर्षभर के उत्सवों का वर्णन ।

(क) प्रा०—मथुरा संग्रहालय, मथुरा ।→१७-७४ टी ।

(ख) प्रा०—श्री डूँगरसिंह जाट, तँतरोटा, डा० बलदेव (मथुरा) । → ३२-८३ ई ।

वर्षोत्सव (पद संग्रह) (पद्य)—विविध कवियों (माधोदास, रघुवीर, सूरदास आदि) संग्रह । वि० जन्माष्टमी की बधाई, पालना वर्णन, राधाष्टमी, दानलीला आदि ।

प्रा०—श्री मोहनलाल रहसधारी, नंदग्राम (मथुरा) ।→३२-२८५ ।

वर्षोत्सव की भावना→'वर्षोत्सव' (हरिराय कृत) ।

वर्षोत्सव की विधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० कृष्णजीवन के वर्षभर के उत्सव ।

प्रा० – श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) । →३५-३३२ ।

वर्षोत्सव के पद (पद्य)—माधोदास आदि विविध कवियों (वृंदावनहित, रसखान, सूरदास शालिग्राम, लछिराम आदि) का संकलन । वि० वर्षोत्सव ।

प्रा०—पं० चोखेलाल, परसोत्ती की गढी, डा० सुरीर (मथुरा) ।→३२-१३६ ।

वर्षोत्सव के पद (पद्य)—विविध कवियों (अष्टछाप आदि) का संकलन । लि० का० सं० १८५० । वि० कृष्ण भक्ति ।

प्रा —पं बिहारीलाल, चंद्रसरोवर, डा गोवर्धन (मथुरा) ।→१५–१२६ ।

वर्षोत्सव के पद (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि कृष्ण विषयक वर्षोत्सव ।

प्रा —श्री बिहारीलाल शास्त्री, नई गोकुल गोकुल (मथुरा) ।→१५–११ ।

वर्षोत्सव के पद (पद्य)—विविध कवि (हितहरिवंश वनमाली हित आदि) कृत । वि कृष्णभक्ति ।

प्रा —श्री रमनजी हरदोली डा बरसाना (मथुरा) ।→१५–१११ ।

वर्षोत्सव (वरकोत्सव) के पद (पद्य)—अष्टछाप कृत । वि कृष्णलीला ।

प्रा०—श्री रामचंद्र गुलाब कुंड गाठौली डा गोवर्धन (मथुरा) । → १५–१२८ ।

वर्षोत्सव गीत सागर (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि कृष्ण लीलाएँ ।

प्रा०—श्री बिहारीलाल रसधारी चंद्रसरोवर, डा गोवर्धन (मथुरा) । → १५–१११ ।

वर्षोत्सव गीत सागर (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि कृष्णार्चना ।

प्रा —श्री शंकरलाल समाधानी श्री गोकुलनाथजी का मंदिर गोकुल (मथुरा) । →१५–११४ ।

वर्षोत्सव निर्णय (भाषा) (पद्य)—प्रियदास कृत । लि का सं १६२१ । वि राधावल्लभ संप्रदाय के उत्सवों का वर्णन ।

प्रा —गो गोवर्धनलाल जी राधारमण का मंदिर मिरजापुर ।→ ६–१११ ई ।

वल्लभ—(?)

गुरुशतक (पद्य)→१७–१८ ।

वल्लभ (गोस्वामी)—(?)

रेखता तथा कीर्तन (पद्य)→सं १–२१८ ।

वल्लभ (भट्ट)→'हरिवल्लभ (भट्ट)' (कुमारमणि के पिता) ।

वल्लभकुल विस्तार कल्पद्रुम (गद्यपद्य)—राजाराम कृत । र का सं १७७६ । लि का सं १७७६ । वि श्री वल्लभाचार्य के वंशजों का वर्णन ।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली ।→सं १–११४ ।

वल्लभदास—राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । ब्रज निवासी । सेवक स्वामी के अनुयायी । सं १६८१ के लगभग वर्तमान । स्फुट टिप्पा नामक संग्रह ग्रंथ में भी संग्रहीत । → २–५७ (जनतीत) ।

मानविलास (पद्य)→२१–११ ।

सेवकवानी की टिप्पणी (पद्य)→०६–१२१ ।

वल्लभ या विप्रवल्लभ—आदि गौड़ ब्राह्मण । पिता का नाम काशीनाथ । एकिकर्तक रामायण (पद्य)→सं १ –११ ।

वल्लभरसिक—स्वा० हरिदास के शिष्य। जन्मकाल सं० १६८[illegible]।

नारहनाट अठारह पैंडे (पद्य)→१२-१४ डी, सं० ०१-२३५।

वल्लभरसिकजी की बानी (पद्य)→१२-१४ ए, ४१-५५८ (अप्र०)।

वल्लभरसिकजी की सांझी (पद्य)→००-६७, ०६-३२६।

वल्लभरसिक बाईसी (पद्य)→२६-४६०।

सुरतोल्लास (पद्य)→१२-१४ सी।

वल्लभरसिकजी की बानी (पद्य)—वल्लभरसिक कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।

(क) लि० का० सं० १८६५।

प्रा०—पं० गोविंदलाल भट्ट, अठखंभा, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१४ ए।

(ख) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-५५८ (अप्र०)।

वल्लभरसिकजी की सांझी (पद्य)—वल्लभरसिक कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।

(क) प्रा०—पं० माखनलाल, राधारमण का मंदिर, निमुहानी, मिरजापुर।→००-६७।

(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, तिमुहानी, मिरजापुर।→०६-३२६।

वल्लभरसिक बाईसी (पद्य)—वल्लभरसिक कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० शृंगार।

प्रा०—श्री राधावल्लभ, खैराबाद, डा० राजेपुर (उन्नाव)।→२६-४६०।

वल्लभवंशावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६०२। वि० वल्लभाचार्य की वंशावली।

प्रा०—श्री जमुनाप्रसाद ब्राह्मण, इमलीवाले, गोकुल (मथुरा)।→३५-२२६।

वल्लभसंप्रदाय (ग्रंथावली अनु०) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभसंप्रदाय के सिद्धांतों का विवेचन।

प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३५-२२५।

वल्लभाख्यान (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १६११। वि० कृष्णचरित्र और वल्लभाचार्य जी, विट्ठलनाथ जी आदि का संक्षिप्त परिचय।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७-६ (परि०३)।

वल्लभाख्यान सटीक (गद्यपद्य)—गजाभरण (दीक्षित) कृत। वि० श्री वल्लभाचार्य और श्री गुसाईं जी का चरित्र वर्णन।

(क) प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७-३२।

(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-४०३ ख।

वल्लभाचार्य—प्रसिद्ध वल्लभ संप्रदाय के संस्थापक। जन्म सं० १५३५। मृत्यु सं० १५८७। सूरदास, कृष्णदास और परमानंददास के गुरु। गो० विट्ठलनाथ जी के पिता।→००-३८, ०२-५८, १२-२८, पं० २२-१६, ४३-३१०।

बीस ग्रंथ टीका (गद्य)→३२-२२८।

वल्लभाचार्यजी की वंशावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र का॰ सं १८४९।
लि का सं १८४९। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —श्री बालकृष्णदास चौखंबा वाराणसी।→४१-४ ७।

वल्लभाष्टक (गद्य)—गोकुलनाथ कृत। वि वल्लभाचार्य की स्तुति।
प्रा —पं तुलसीचंद, गिरोह ग्रा नंदग्राम (मथुरा)।→१२-१५ ई।

वल्लभी पदों की भाषा (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि वल्लभ संप्रदाय के कवियों के पदों की टीका।
प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१-४ ८।

वशिष्ठगोष्ठी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि जीव, माया ब्रह्म और शब्दादि का वर्णन।
प्रा —पं रामचंद्र अध्यापक, सौंरा ग्रा बरहन (आगरा)। →
२९-१०८ एच।

वशिष्ठसंहिता (पद्य)—नरहरिदास कृत। वि ज्ञान और वैराग्य।
प्रा —श्री लीलाधर पटवारी मदनगाम ग्रा सुरीर (मथुरा)।→१२-१५१।

वसंत (पद्य)—कबीरदास कृत। वि तत्वज्ञान।
प्रा —पं नाथन मिश्र बरचावली, ग्रा कोसी (मथुरा)।→१५-४९ एच।

वसंत (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। वि ब्रह्म और जीव का विवेचन।
प्रा —महंत रामनरायणशरण लक्ष्मणकिला अयोध्या।→ ६ १९९ बी।

वसंत (कवि)—(?)
मरसी की हुंडी (पद्य)→२६-४९१ १८-९।

वसंत के पद (पद्य)—विविध कवि (हितहरिवंश नवलसखी मीराबाई आदि) कृत।
वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —पं जगन्नाथ जी गोस्वामी आनंद भवन पुस्तकालय हरदेव जी का मंदिर गोवर्धन (मथुरा)।→१५-१११।

वसंतधमार (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के तथा अग्रस्वामी रामदास आदि) कृत। वि ब्रज में वसंत वर्णन।
प्रा —पं जमनादास कीर्तनिया नवामंदिर गोकुल (मथुरा)।→१२-१८९।

वसंतधमार संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि वसंत और होरी आदि का संग्रह।
प्रा —पं केदारनाथ ज्योतिषी माथुरगली, मथुरा।→१५-११५।

वसंतपद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के तथा गिरधरलाल व्यास गदाधर आदि) कृत। वि वल्लभाचार्य जी का जन्म और वसंत वर्णन।
प्रा —श्री जमनादास कीर्तनिया नवा मंदिर गोकुल (मथुरा)। →१२-१८७।

वसंतराय—कासगंज (अलीगढ़) के निवासी। सं १९२५ के लगभग वर्तमान।
कार्तिक माहात्म्य (पद्य)→११-४११ ए, बी।
वसंतराय रघुनाथली (पद्य)→१६-४११ सी डी।

वसंतराज (भाषा) (गद्य)—अन्य नाम 'वसंतराज शकुनशास्त्र'। त्रिविक्रमदास कृत।
वि० शकुन।
(क) लि० का० सं० १९०२।
प्रा०—श्री रामसुंदर वाजपेयी, वाजपेयी का खेड़ा, नेवटाकलाँ (रायबरेली)।→
सं० ०४-१५९।
(ख) प्रा०—पं० चंद्रसेन पुजारी, खुर्जा।→१७-१९५।

वसंतराज (भाषा) (पद्य)—निधान कृत। र० का० सं० १८३३। लि० का०
सं० १८३७। वि० शकुनविचार।
प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७-१२७।

वसंतराज ज्योतिष (पद्य)—नेमधर (पंडित) कृत। र० का० सं० १८०१। लि० का०
सं० १९०७। वि० ज्योतिष।
प्रा०—भैया महिपालसिंह रईस, पयागपुर (बहराइच)।→२३-३०२।

वसंतराज शकुनशास्त्र→'वसंतराज (भाषा)' (त्रिविक्रमदास कृत)।

वसंतराज शकुनावली (पद्य)—वसंतराज कृत। वि० शकुनविचार।
(क) लि० का० सं० १९०५।
प्रा०—पं० रामभरोसे मिश्र, बटौली, डा० (सीतापुर)।→२६-४९२ सी।
(ख) प्रा०—पं० विष्णुभरोसे, वेलामऊ, डा० अजगैन (उन्नाव)। →
२६-४९२ डी।

वसंतलीला (पद्य)—दामोदरदास कृत। वि० राधाकृष्ण लीला।
प्रा०—गो० किशोरीलाल अधिकारी, वृंदावन (मथुरा)।→१२-४६ ई।

वसंतविलास (पद्य)—विष्णुदत्त कृत। र० का० सं० १८६६। वि० रस, अलंकार,
नायिकाभेद आदि।
(क) लि० का० सं० १९००।
प्रा०—राजा अवधेशसिंह रईस, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→२६-५००।
(ख) प्रा०—राजा रमेशसिंहजी का पुस्तकालय, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→
१७-२०३।

वसंतविहार नीति→'बसंतबिहार नीति' (ऋतुराज कृत)।

वसंतहोरी की भावना (गद्य)—हरिराय कृत। लि० का० सं० १९०२। वि० वल्लभ
संप्रदायानुसार होली आदि का वर्णन।
प्रा०—पं० नत्थीलाल गोसाईं, बरसाना (मथुरा)।→३२-८३ एफ।

वसिष्टसार (पद्य) - अन्य नाम 'ज्ञानसार' और 'योगवाशिष्ठसार'। कवींद्र सरस्वती
कृत। र० का० सं० १७१४। वि० योगवाशिष्ठ का सारांश।
(क) लि० का० सं० १८२६।

प्रा —पं रामेश्वरप्रसाद तिवारी, खीझन टोला, फतेहपुर। →२ –७६ ए।
(ख) लि का सं १८३६।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ १–२०६ (विवरण अप्राप्त)।
(ग) लि का सं १८४।
प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, रावार्ती, आजमगढ़।→४१–२७७।
(घ) लि का सं १८५८।
प्रा —पं रामप्रसाद अध्यापक, हिम्मतपुर (आगरा)।→२६–१६ बी।
(ङ) लि का सं १८६१।
प्रा —पं रामेश्वरप्रसाद तिवारी खीझन टोला फतेहपुर।→२०–७६ बी।
(च) लि का सं १६ २।
प्रा —पं राजनारायण पहारी बाबा की कुटी, कुर्था (गाजीपुर)। → सं ७–२४।

वसिष्ठ श्रीरामजू का संवाद (पद्य)—सेवकराम कृत। लि का सं १८११। वि ब्रह्मज्ञान।
प्रा०—महंत मक्खनलाल जमींदार, सिराथू (इलाहाबाद)।→ ६–२६।

वसुदेवमोचनी लीला (पद्य)—बनदासमदास कृत। लि का सं १६६१। वि श्रीकृष्ण जन्म और वसुदेव की बंदीगृह से मुक्ति।
प्रा०—लाला कुंदनलाल विशारद।→ १–२६ बी।

वस्तुविचार (पद्य)—बलिराम कृत। वि वेदांत।
प्रा०—पं गोपालदत्त दीक्षाधारी मथुरा।→१८–१५६ सी।

वस्तुरूपनाम दीपिका (पद्य)—दयाराम भाई कृत। र का सं १८७४। लि का सं १८६१। वि कोष।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १–१५६ ए।

वाक्भूषण (?) (पद्य)—कवि (कुमति) कृत। वि पिंगल।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं १–२२४।

वाक्सहेली (पद्य)—रघुनाथ (शुक्ल) कृत। वि कहावतों का संग्रह।
प्रा —पं रघुनाथराम शर्मा साकचाट, वाराणसी।→ ६–१११ बी।

बागविलास (पद्य)—शिव (कवि) कृत। वि बाग लगाने की विधि।
प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि दतिया।→ ६–२३६ (विवरण अप्राप्त)।

वाजिद (बाबा)→वाजिद (दादूदयाल के शिष्य)।

वाजिद की साखी (पद्य)—वाजिद कृत। वि उपदेश।
प्रा —पं शिवनंदन गोवर्धनगंज, डा बमरौली (अलीगढ़)।→२६–११७ बी।

वाणियाँ→'जगजीवनदास की बानी' (स्वा० जगजीवनदास कृत)।
वाणी (पद्य)—अन्य नाम 'साखी'। रसनाजी कृत। लि० का० स० १६६७। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७–१२६ ग।
वाणी→'पद' (नामदेव कृत)।
वाणीअणभे (पद्य)—संतदास कृत। वि० रामभक्ति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७–१८६।
वाणीअणभे→'सूरतराम की बानी' (सूरतराम कृत)।
वाणीअभै (पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७-१६५ ज।
वाणीभूषण (पद्य)—पूरन कृत। वि० अलंकार।
(क) प्रा०—पं० शिवकंठ वाजपेयी, बुभारा, डा० जैतीपुर (उन्नाव)। → २६–३६२ ए।
(ख) प्रा०—पं० रघुवरदयाल मिश्र, द्वारा पं० भगीरथप्रसाद दीक्षित, इटावा। →२६–३६२ बी।
वाणी या शब्दी (पद्य)—पानपदास (बाबा) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना, अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ। → स० ०४–२०५ ड।
वाणी या साखी (पद्य)—साधू जी कृत। लि० का० स० १७६७। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७–१६१ क।
वामनचरित्र (पद्य)—लालदास कृत। वि० बलि और वामन की कथा।
प्रा०—महंत ब्रजलाल जमींदार, सिराथू (इलाहाबाद)।→ ०६–१७० बी।
वामविनोद (पद्य)—गोकुल (कायस्थ) कृत। र० का० स० १६२६। लि० का० स० १६३०। वि० धर्म और आचार।
प्रा०—पं० गनेशदत्त मिश्र, सहायक अध्यापक, इंगलिश ब्रांच स्कूल, गोंडा। → ०६–६५ बी।
वामविलास (पद्य)—बैजनाथ कृत। लि० का० स० १६२८। वि० नायिकाभेद।
प्रा०—श्री मन्नूलाल जी पुस्तकालय, मुरारपुर (गया)।→२६-२४ बी।
वारण (कवि)–उप० बरारीमुगल। सैयद अशरफ जहाँगीर के शिष्य। सुलतानशुजा के आश्रित। म० १७१२ के लगभग वर्तमान।
रत्नाकर (पद्य)→०४–७६।
रसिकविलास (पद्य)→०५–६३।
वारलीला (पद्य)—परसुराम कृत। वि० वारों (दिनों) का तात्विक विवेचन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→३५–७४ के।

वारवधू विनोद→'वधूविनोद' (कालिदास त्रिवेदी कृत)।

वारांगकुमारचरित्र (पद्य)—कंचनम (हमकंचन) कृत। र का सं १८१४। लि का सं १८२१। वि जैनधर्म की एक कथा।→२१-१ ५।

वाराणसी विलास (पद्य)—पंचाननीदेवकवि कृत। र का सं १८ ७। लि का सं १८ ८। वि काशी का प्राचीन ग्रंथों के आधार पर वर्णन।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-१६०।

वाराणसी विलास (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र का सं १७६८। लि का सं १८११। वि काशी का वर्णन।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग काँकरोली।→सं -५५६।

वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि महाप्रभु वल्लभाचार्य की और गुसाईं विठ्ठलनाथ जी की मधुर वार्ता।

प्रा —श्री पुरुषोत्तम लल्लूचंद मोदी गोकुल (मथुरा)→१८-१६७।

वासुदेव—भक्त (उत्तरप्रदेश धर्मखंड) के राजा। धर्मदास ने इनका उल्लेख किया है।→सं १-१७२।

वासुदेव→ कृष्ण (लघुयोगवाशिष्ठसार के रचयिता)।

वासुदेव (शुक्ल)—ब्राह्मण। मिठनेपुर (सुलतानपुर) के निवासी।

कवितावली भक्तविलास (पद्य)→सं १-१ ५।

वासुदेव (सनाढ्य)—गुनौनिया अल्ल के सनाढ्य ब्राह्मण। शाह (आगरा) निवासी। भाई और चचेरे भाई के नाम क्रमशः भगवानदास तथा बिहारीलाल। सं १८२६ के लगभग वर्तमान।→२६-३७ २६-५४।

आत्मबोध स्तोत्ररत्न गूढ़शब्द दीपिका (गद्य)→२६-१ एफ।

एकादशीमाहात्म्य (गद्य)→२६-१ बी।

भगवद्गीता की टीका (गद्य)→२६-१ ई।

मुहूर्तदर्पण (गद्य)→२६-२ डी।

मुहूर्तदर्पण सुगमार्थ प्रकाशिका टीका (गद्य)→२६-१ सी।

योगसारार्थ दीपिका (गद्य)→२६-१ बी।

रामाश्वमेध की टीका (गद्य)→२६-१ ए।

सत्यनारायण व्रत कथा (गद्य)→२६-१ ए।

वासुदेव (स्वामी) बिकरी (कानपुर) निवासी। संन्यासी होने पर वाराणसी में रहने लगे। सं १९२७ के लगभग वर्तमान।

विश्रामप्रकाश (पद्य)→२६-४२१।

वासुदेवाष्टक (पद्य)—मोहन (कवि) कृत। लि का सं १८०६। वि वासुदेव की स्तुति।

प्रा —ठा रतिमानसिंह रामपुरकलाँ का प्रबंधित (उन्नाव)। →२६-१ ५ डी।

खो सं वि ४० (११ -१४)

वास्तुप्रदीप (गद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० स० १६१७ । लि० का० स० १६१७ ।
वि० वास्तुशास्त्र ।
प्रा०—श्री बद्रीनाथ पांडेय, स्टेशन मास्टर, मोहनलालगंज (लखनऊ) । →
स० ०४-४६१ ।

वास्तुप्रदीप (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वास्तुविद्या ।
(क) लि० का० स० १६२२ ।
प्रा०—पं० रामस्वरूप उपाध्याय, सुदिकपुरा तारडीह, डा० फूलपुर (इलाहाबाद) ।
→स० ०१-५६० क ।
(ख) लि० का० स० १६३५ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१-५६० ख ।
(ग) प्रा०—श्री रामनिधि शुक्ल, लोहर पश्चिम, डा० बधुवा (सुलतानपुर) ।
→स० ०१-५६० ग ।

वास्तुविद्या (भाषार्थ) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वास्तुशास्त्र ।
प्रा०—श्री भीष्मदत्त दीक्षित, नराइन का पुरवा, डा० लालगंज (रायबरेली) ।
→स० ०४-४६२ ।

विंती (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० विवाह में वर कन्या पक्ष की विनती ।
का वर्णन ।
प्रा०—श्री खेमराम, फतहपुर, डा० बलरई (इटावा) ।→३५-२३८ ।

विकट कहानी (पद्य)—मयूर कृत । लि० का० स० १८६५ । वि० विरह वर्णन ।
प्रा०—बाबू व्रजरत्नदास, बुलानाला, वाराणसी ।→२०-१०४ ।

विक्रम (जन)—बुंदेलखंड निवासी ।
विनयशतक (पद्य)→३५-१०४ ए, बी ।

विक्रमचरित्र (पद्य)—छत्र (कवि) कृत । र० का० स० १७५१ । लि० का०
स० १८६८ । वि० विक्रमादित्य की कथा ।
प्रा०—पं० छोटेलाल शर्मा, उमरैठा, डा० पिनाहट (आगरा) ।→३२-४५ ।

विक्रमनाटक (गद्य)—रणविजय बहादुरसिंह कृत । वि० राजा विक्रमादित्य की कथा ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०८-३१८ ।

विक्रमबत्तीसी (पद्य)—अन्य नाम 'सिंघासनबत्तीसी' और 'सुजानविलास' । अखैराम
कृत । र० का० स० १६१२ । वि० सिंहासन बत्तीसी की कहानी ।
(क) लि० का० स० १६१० ।
प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय, इलाहाबाद ।→स० ०१-२ ।
(ख) प्रा०—पं० मयाशंकर, अधिकारी, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल
(मथुरा) ।→३२-४ बी ।

विक्रमबत्तीसी (पद्य)—अन्य नाम सिंहासनबत्तीसी । कृष्णदास कृत । वि नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का सं १९२ ।

प्रा —लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़ ।→ ६–१८४ (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) लि का सं १९११ ।

प्रा —ठा हरपालसिंह, नड़वाल, डा मौड़ी (बहराइच) ।→२१–२११ ।

विक्रमबत्तीसी (पद्य)—अन्य नाम सिंहासनबत्तीसी । शिवनाथ कृत । र का सं १८११ । लि का सं १९३५ । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —भिनगानरेश का पुस्तकालय भिनगा (बहराइच) ।→२१–३९२ ।

विक्रमबत्तीसी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि संस्कृत ग्रंथ 'विक्रमद्वात्रिंशतिका' का अनुवाद ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १–५९१ ।

विक्रमविलास (पद्य)—अन्य नाम विक्रमबैताल संवाद । गंगाधर (गंगेश) कृत । र का सं १७११ । वि बैतालपचीसी की कहानियाँ ।

(क) लि का सं १८ १ ।

प्रा श्री रामगोपाल वैद्य जहाँगीराबाद, बुलंदशहर ।→१७–५६ ।

(ख) लि का सं १८०५ ।

प्रा०—श्री रामकृष्णलाल वैद्य गोकुल (मथुरा) ।→१२–५६ ।

(ग) लि का सं १८२ ।

प्रा —पं लक्ष्मीनारायण नरोत्तमदास वैद्य बाह (आगरा) ।→२९–१११ बी ।

(घ) लि का सं १८११ ।

प्रा०—श्री कुंजीलाल भट्ट, औबैला डा किरावली (आगरा) ।→२९ १११ ए ।

(ङ) लि का सं १८३५ ।

प्रा —श्री ब्रजवासीलाल गोपीनाथ चौबे विश्रामघाट मथुरा ।→ ६–८६ ।

(च) प्रा —पं बद्रीनाथ भट्ट लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ । → २१–१२१ ।

विक्रमविलास (पद्य)—भोलानाथ कृत । लि का सं १८८ । वि बैतालपचीसी की कहानियाँ ।

प्रा —मैया हनुमानसिंह, बरदहाकलाँ डा मेरीघाट (बहराइच) ।→११–५७ ।

विक्रमविलास (पद्य)—अन्य नाम नवरत्न । लाल (नेकजीलाल दीक्षित) कृत । र का सं १६४ । वि माविकामेद और नवरत्न वर्णन ।

(क) लि का सं १७२१

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१–२४१ ख ।

(ख) लि का सं १८७२ ।

प्रा०—रत्नाकर संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२४१ क।

(ग) प्रा०—श्री जगप्रसाद पांडेय, कुरेटीह, डा० रानीगंज (प्रतापगढ)।→ स० ०८–३५५।

विक्रमविलास (पद्य)—शिवराम (भट्ट) कृत। लि० का० सं० १८८४। वि० सूर्य वंशावली तथा मंत्री पुरोहित और शासनाधिकारियों आदि के लक्षण।

प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०८–११०।

विक्रमबैताल संवाद→'विक्रमविलास' (गंगाधर कृत)।

विक्रमसतसई (पद्य)—विक्रमसाहि कृत। वि० शृंगार।

(क) लि० का० सं० १८७१।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक, छतरपुर।→०५–५६।

(ख) लि० का० सं० १८८७।

प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६–११६ ए।

(ग) प्रा०—बाबू श्यामसुन्दरदास, हौजकटोरा, वाराणसी। → ४१–५५६ (अप्र०)।

(घ)→२६–४६६।

विक्रमसाहि—उप० विक्रमाजीत या विक्रमादित्य। विजयबहादुर इनकी उपाधि थी। चरखारी (बुंदेलखंड) के नरेश। राज्यकाल सं० १८३३-१८८६। खुमान (मान), भोजराज, प्रताप, प्रयागदास आदि के आश्रयदाता।→०३–५२, ०३–५६, ०३–७४, ०६–१५, ०६–८६, ०६–६१, ०६–२२७, ०६-२२८, २६–२३७।

विक्रमसतसई (पद्य)→०५–५६, ०६–११६, २६–४६६, ४१–५५६ (अप्र०)।

हरिभक्तिविलास (पद्य)→०३–७२, ०३ ७३।

विक्रमाजीत→'लघुजन' ('पदरागमालावती' आदि के रचयिता)।

विक्रमाजीत→'विक्रमसाहि' (चरखारी नरेश)।

विक्रमाजीत (राजा)—ओड़छा नरेश। प्राणसुख कवि के आश्रयदाता।→स० ०४–२२०।

विक्रमादित्य→'विक्रमसाहि' (चरखारी नरेश)।

विग्रह वर्णन (पद्य)—रत्नसिंह कृत। वि० राजनीति (पंचतंत्र का अनुवाद)।

प्रा०—श्री रचेराराम ब्रह्मभट्ट, बसई, डा० ताँतपुर (आगरा)।→२६ २६८।

विचारमाला (पद्य)—अनाथदास कृत। र० का० सं० १७२६। वि० ब्रह्मज्ञान।

(क) लि० का० सं० १७६७।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७–८ ख।

(ख) लि० का० सं० १८८०।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२६५ (विवरण अप्राप्त)।

(ग) लि० का० सं० १८६३।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, काशी।→०१–११६ बी (विवरण अप्राप्त)।
(सं० १६१७ की एक प्रति इस पुस्तकालय में प्राप्त है।)
(प) लि० का० सं० १८२४।
प्रा०—महंत बालाराम, कबीरपंथी मेघली डा० कानेर (आगरा)। →
२६–१६ बी।
(क) लि० का० सं० १६।
प्रा०—श्री मदनसिंह शर्मा अध्यापक, नंदु डा० करहन (आगरा)। →
२६–१६ बी।
(प) लि० का० सं० १६ १।
प्रा०—पं० रामनारायण जी पयहारी बाबा की कुटिया कुरथा (गाजीपुर)।
→सं० ७–४ ग।
(ब) लि० का० सं० १६१८।
प्रा०—श्री बनदामल पंसारी फीरोजाबाद (आगरा)।→२६–१५ सी।
(भ) लि० का० सं० १६१८।
प्रा०—श्री बैजनाथ ब्रह्मभट्ट अमौरा डा० बिकनौर (लखनऊ)।→२६–१५ डी
(म) लि० का० सं० १६२४।
प्रा०—लाला तुलसीराम खुराना रायबरेली।→ ६ ७।
(म) लि० का० सं० १६२४।
प्रा०—लाला तुलसीराम श्रीवास्तव रायबरेली।→२३–११।
(ट) लि० का० सं० १६२६।
प्रा०—पं० रामप्रताप मिश्र जगजीवनपुर डा० ओयल (खीरी)।→२६ १५ ए।
(ठ) प्रा०—पंचायती ठाकुरद्वारा लखुआ (फतेहपुर)।→२ –८ बी।
(ड) प्रा०—लाला पुरुषोत्तमदास रईस वर्क के व्यापारी लालाकीसराय
(प्रतापगढ़)।→२६–१५ बी।
(ढ) प्रा०—पं० रामजीत ब्रह्मभट्ट डा० जमतरी (आगरा)।→२६–१५ ए।
(ण) प्रा०—श्री लक्ष्मीनारायण श्रीवास्तव अध्यापक चौबरा, डा० फीरोजा
बाद (आगरा)।→२६–१५ ई, एफ।
(त)→पं० २३–७ ए, बी।

बिचारमाला (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–२१ ए।

बिचारमाला (गद्य)—भगवान कृत। र० का० सं० १७२६। लि० का० सं० १७३१।
वि० तत्वज्ञान।
प्रा०—पं० गोविंदराम पुरवा मजावर तिवारी अमहटा (सुलतानपुर)। →
२१ ४१।

बिचारमाला (पद्य)—मुरलीदास कृत। वि० गुरु माहात्म्य और ईश्वर भक्ति।

(क) लि० का० स० १९३५ ।

प्रा०—महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय बलरामपुर ।→०६–२११ सी ।

(ख)→पं० २२–१०७ डी ।

विचारमाला की टीका (गद्यपद्य)—चटानद कृत । वि० ब्रह्मज्ञान ।

प्रा०—श्रीयुत गोपालचद्रसिंह, सिविलबज, सुलतानपुर ।→स० ०१–४२६ ।

विचारसागर (पद्य)—निश्चलदास कृत । लि० का० स० १९०५ । वि० दादूपथी मत के अनुसार वेदात का निरूपण ।

प्रा०—बाबा रामदास, ज्ञानकुटी, कपूरपुरा, डा० सहावर (एटा) ।→२६–२१४ ।

विचित्र (कवि)—फफूँद (इटावा) निवासी । मालवा के शासक वगश खाँ के आश्रित । स० १७८० के लगभग वर्तमान ।

दानविलास (पद्य)→०६–३४२ ।

विचित्रमालिका (पद्य)—रामचद्र (नागर) कृत । लि० का० स० १८३४ । वि० 'ब्रजविलास' (बृजवासीदास कृत) का साराश ।

प्रा०—प० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६–२३६ ।

विचित्ररामायण (पद्य)—बलदेवदास (जौहरी) कृत । र० का० स० १९०३ । वि० रामचरित्र विषयक दामोदर मिश्र कृत सस्कृत रचना 'विचित्ररामायण' का अनुवाद ।

(क) प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर ।→१७–१५ ।

(ख) प्रा०—श्री अयोध्याप्रसाद पाठक वकील, गुड़की मडी, आगरा । → ३२–१५ ।

विचित्रालकार (पद्य)—वेणीमाधव (भट्ट) कृत । लि० का० स० १७९८ । वि० प्रेम वर्णन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→स० ०१–३९८ ।

विजयतिलक (उपाध्याय ?)—जैन ।

आदिनाथ स्तवन (पद्य)→दि० ३१–६३ ।

विजयदर्शन (पद्य)—दीनानाथ कृत । वि० वेदात के मत से शक्ति पूजा का प्रतिपादन ।

प्रा०—श्री नौबतराय गुलजारीलाल वैश्य, फीरोजाबाद (आगरा) ।→२६–९१ ।

विजयदेवसूरि—जैन । स० १६६६ के पूर्व वर्तमान ।

सीतारास (पद्य)→००–९१ ।

विजय दोहावली (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । र० का० स० १६३५ (?) । वि० रामचरितमानस के कुछ गूढार्थ ।

(क) लि० का० स० १७४१ ।

प्रा०—प० रामनाथ मिश्र, इमलिया, सदारपुर (सीतापुर) । → २६–४८४ डब्ल्यू' ।

(ग) लि० का० स० १८५२ ।

प्रा०—पं० मन्नीलाल, धनखेड़ा, डा० मुरादाबाद ([illegible]) ।→२६–[illegible] एक्स[2] ।

(च) प्रा —श्री गरापतिराम मिश्र शाहदरा दिल्ली ।→दि ३१ ९ ।

विजयबहादुर विक्रमाजीत→'विक्रमसाहि (चरखारी नरेश)।

विजयमुक्तावली (पद्य)—छत्र (कवि) कृत । र का सं १७५७ । वि महाभारत की कथा ।

(क) लि का सं १८७२ ।

प्रा०—श्री श्यामसिंह ठेंगर बेवपुर डा कासेपुर (एटा) ।→२९- ८ ई ।

(ख) लि का सं १८७० ।

प्रा —श्री गरापतिराम शर्मा शाहदरा दिल्ली ।→दि ३१-२१ ।

(ग) लि का सं १८८४ ।

प्रा —श्री दौलतराम पुजारी बरैली डा बगनेर (आगरा) ।→२९-९८ बी ।

(घ) लि का सं १८९ ।

प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→ १-२१ ।

(ङ) लि का सं १८११ ।

प्रा —लाला शंकरलाल पटवारी मम्होला डा थाना दरियावगंज (एटा) ।
→२९-९८ ए ।

(च) लि का सं १८११ ।

प्रा —श्री स्वामीनारायण आश्रम बड़ा डा बिल्हौर (कानपुर) । →
२९-८१ के ।

(छ) लि का सं १९ ।

प्रा —श्री बेदीलाल पाठक ईंडरा (आगरा) ।→२९-९८ सी ।

(ज) प्रा०—श्री हनुमानप्रसाद सहायक पोस्टमास्टर राया (मथुरा) । →
२९-९८ डी ।

(झ) लि का सं १८ ९ ।→ ९-१८ ।

आदिपर्व

प्रा —ठा चंद्रिकाबक्शसिंह जमींदार कामीपुर डा तालाबबक्शी लखनऊ ।
→२१-८१ ए ।

विराटपर्व

(ट) प्रा —उपर्युक्त ।→२१-८१ बी ।

भीष्मपर्व

(ठ) प्रा —उपर्युक्त ।→२१-८१ सी ।

द्रोणपर्व

(ड) लि का सं १९११ ।

प्रा —उपर्युक्त ।→२१-८१ एफ ।

(ढ) प्रा —उपर्युक्त ।→२१-८१ जी ।

गदापर्व

(ण) लि० का० स० १६३१ ।

प्रा०—उपर्युक्त ।→२६-८३ ई ।

कर्णपर्व

(त) प्रा०—उपर्युक्त ।→२६-८३ जी ।

सभापर्व

(थ प्रा०—उपर्युक्त ।→२६-८३ एच ।

शल्यपर्व

(द) प्रा०—उपर्युक्त ।→२६-८३ आई ।

उद्योगपर्व

(ध) प्रा०—उपर्युक्त ।→२६-८३ जे ।

विजयविवाह (पद्य)—अजयराज कृत । लि० का० स० १८१३ । वि० रुक्मिणी और कृष्ण का विवाह ।
प्रा०—प० व्रजेश्वरदयाल दीक्षित, प्रधानाध्यापक, गोनरथा, डा० फतेहाबाद (आगरा) ।→२६-४ बी ।

विजयसिंह (महाराज)—जोधपुर नरेश । राज्यकाल स० १८०६-१८४६ । शेरसिंह के पिता । माधवदास के आश्रयदाता ।→०१-७८, ०२-१६ ।

विजयसुधानिधि (पद्य)—रामलाल (राम कवि) कृत । लि० का० स० १६०३ । वि० कर्णवध से दुर्योधन ताल प्रवेश तक महाभारत की कथा ।
प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर ।→१७-१४६ ए ।

विजयाष्टक (पद्य)—गोपाल (जन) कृत । लि० का० स० १८६५ । वि० भाँग का गुणगान ।
प्रा०—श्री मुरारीलाल पाठक, सिरसा (इलाहाबाद) ।→स० ०१-६० ।

विजैअवतार गीता→'अवतार गीता' (नरहरिदास बारहट कृत) ।

विज्ञप्ति (भाषा) (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वल्लभ सप्रदाय के ज्ञान और भक्ति का विवेचन । (गो० विट्ठलनाथ कृत ग्रथ का अनुवाद) ।
(क) लि० का० स० १६२३ ।
प्रा०—श्री भोगीराम, सेई, डा० तरोली (मथुरा)→३५-२३७ ए ।
(ख) प्रा०—श्री विहारीलाल ब्राह्मण, श्री नई गोकुल (मथुरा) । →३५-२३७ बी ।

विज्ञानगीता (पद्य)—केशवदास कृत । र० का० स० १६६७ । वि० योगवाशिष्ठ के आधार पर ससार की सारता का वर्णन ।
(क) लि० का० स० १७०५ ।

प्रा —पं रामप्रसाद मिश्र, जगजीवनपुर डा औरंगा (खीरी)। → २१ २११ एच।

(ख) लि का सं १८४६।

प्रा —श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी ग्रा पराग पांडे, डा डिलोई (रायबरेली)। →२६–१६२ बी।

(ग) लि का सं १८८।

प्रा —ठा महेश्वरसिंह विश्वनाथ पुस्तकालय विक्रौलिया डा बिसवाँ (सीतापुर)।→२१–२ ७ पं।

(घ) लि का सं १६ १।

प्रा —श्री संकठाप्रसाद अवस्थी, कोटरा (सीतापुर)।→२६ २११ आई।

(ङ) लि का सं १६४८।

प्रा —बलरामपुर महाराजा का पुस्तकालय बलरामपुर (गोंडा)। → २ ८२ ए।

(च) प्रा —बाबू कृष्णबलदेव वर्मा कैसरबाग, लखनऊ।→ –६६।

(छ) प्रा —श्री रामदत्त मिश्र ग्रा नुनरा डाकघर (सुलतानपुर)।→२१ १ ७ के।

(ज) प्रा —श्री रघुनाथप्रसाद कौशिक ज्योतिष रत्न बनखाराम मुजफ्फर नगर।→सं १ –१७ एल।

(झ)→पं २२–५४ बी।

विज्ञानगीता (पद्य) तुलसीदास कृत। वि ब्रह्म ज्ञानोपदेश।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १ –५१।

विज्ञाननिरूपिणी (पद्य) – मूलाराम कृत। वि राम कृष्ण हनुमान आदि की कथाएँ।

प्रा —पं बालगोविंद अयोध्या।→२ –११।

विज्ञानप्रकाश (पद्य)—वासुदेव (स्वामी) कृत। र का सं १६१७। लि का सं १६५७। वि ज्ञान और उपासना इत्यादि।

प्रा —पं रामभद्र पुजारी कलाकार मौरावाँ (उन्नाव)।→२६–४६१।

विज्ञानभास्कर (पद्य)—भवलसिंह (प्रयाग) कृत। र का सं १८७८। लि का सं १८८८। वि आत्मज्ञान और भक्ति।

प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→ ६ ७८ बी।

विज्ञानमुक्तावली (पद्य)—अन्य नाम 'ब्रह्मबोध ज्ञानमुक्तावली। बनादास कृत। वि ज्ञानोपदेश।

(क) लि का सं १६२४।

प्रा —श्री रामरक्षा त्रिपाठी 'निर्भीक' अध्यापक कार्मल हाईस्कूल फैजाबाद।→सं १ २१ घ।

(ख) प्रा —महंत भगवानदास भवहरण कुंज अयोध्या।→२०–११ बी।

खो सं वि ४८ (११ –६४)

विज्ञानयोग (पद्य)—गदाधर अनन्य कृत । वि० भक्ति ।
प्रा०—लाला तुलसीराम श्रीवास्तव, रायबरेली ।→२३-७ एच ।
विज्ञानसार पद्य)—कबीरदास कृत । लि० का० स० १६६२ । वि० कबीर और धर्मदास के संवाद के रूप में ब्रह्मज्ञानोपदेश ।
प्रा०—बाबा सेवादास, गिरिधारी साहब की समाधि, नौबस्ता (लखनऊ) ।→ स० ०७-११ थ ।
विट्ठल गिरिधरन→'गंगाबाई' ('गंगाबाई के पद' की रचयित्री) ।
विट्ठलदास—(?)
रामनाम गुणसागर (पद्य)→स० ०१-२३८ ।
विट्ठलनाथ—अन्य नाम विठलेश्वर, विट्ठलदास और विट्ठलविपुल । गोसाईं जी के नाम से भी प्रसिद्ध । वल्लभाचार्य के पुत्र और उत्तराधिकारी । गोकुलनाथ तथा गिरिधर गोस्वामी के पिता । स्वामी हरिदास के शिष्य । नंददास, चतुर्भुजदास, छीतस्वामी, रसखान, बिहारिनदास और बिहारीदास (?) के गुरु । इन्होंने अपने पिता वल्लभाचार्य के चलाए हुए पुष्टिमार्ग को दृढ किया था और पुष्टिमार्गी आठ कवियों को लेकर अष्टछाप की प्रतिष्ठा की थी । मथुरा में अपनी गद्दी स्थापित कर अपने शिष्य पूरनमल खत्री द्वारा गोवर्द्धन पर्वत पर स० १५७६ में श्रीनाथ जी का एक बड़ा मंदिर बनवाया था । हिंदी गद्य के पुराने लेखक । जन्म स० १५७२ । मृत्यु स० १६४२ ।→०२-५७, ०५-६१, ०६-१६८, ०६-२००, २३-६४, २३-३५५ ।
चतुश्लोकी टीका (गद्य)→स० ०१-२२६ ग ।
नवरत्न सटीक (गद्य)→१२-२८ बी, ३२ ७२ सी ।
बानी (पद्य)→०१-६०, १२-२६, प० २२-१६ ।
यमुनाष्टक की टीका भाषा में (गद्य)→१२-२८ ए, स० ०१-२२६ क, ख ।
शृंगार रस मंडन (गद्य)→०६-३२ ।
सिद्धांतमुक्तावली (गद्य)→३२-७२ बी ।
विट्ठलविपुल→'विट्ठलनाथ' (स्वा० वल्लभाचार्य जी के पुत्र) ।
विट्ठलविपुल की बानी→'बानी' (विट्ठलनाथ कृत) ।
विदग्धमाधव (गद्य)—रूपसनातन कृत । वि० राधाकृष्ण की क्रीड़ाओं का वर्णन ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→स० १० ३६५ ।
विदग्धमुखमंडन (पद्य)—धर्मदास कृत । वि० शृंगार काव्य ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०४-१७१ ।
विदुरप्रजागर (पद्य)—कृष्ण (कवि) कृत । र० का० स० १७६२ । वि० महाभारत के उद्योगपर्व की विदुरनीति का अनुवाद ।
(क) लि० का० स० १७६२ ।
प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद शर्मा, फतेहाबाद (आगरा) ।→२६-२०५ बी ।

(ख) लि का सं० १८८२ ।
प्रा —श्री हनुमानप्रसाद सहायक पोस्टमास्टर राधा (मथुरा)। → २६–२०५ बी।
(ग) लि का सं १८८६।
प्रा —डा वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय काशी हिंदू विश्व विद्यालय वाराणसी।→सं ७–२१।
(घ) लि का सं १९ ५।
प्रा —लाला हरप्रसाद, छतरपुर।→ ५ ७।
(ङ) लि का सं १९११।
प्रा —बाबू रामबहादुर अग्रवाल साह (आगरा)।→२६–२ ५ डी।
(च) लि का सं १९१२।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→ ६–११ बी।
(छ)→सं २२–१६।

विद्यांकुर (गद्य)—श्रीलाल (पंडित) कृत। र का सं १९१०। मु का सं १९१७। वि भूगोल।
प्रा —श्री शक्तिदनारायण शुक्ल मीरजहाँपुर डा सिंहारा (इलाहाबाद)। →सं १–४१२ ख।

विद्याकमल —जैन।
ममावलीगीत (पद्य)→ –६७।

विद्याधर जी या विद्यादास—कोई संत।
पद (पद्य)→सं ७ १०८।

विद्यापति—प्रसिद्ध मैथिल कवि। तिरहुत के राजा शिवसिंह के आश्रित। सं १४६ में वर्तमान।
कीर्तिलता (पद्य)→२ –२ १।

विद्याबत्तीसी (पद्य)—अजीतसिंह (मेहता) कृत। र का सं १९१८। वि विद्या की महिमा और उसके ग्रहण करने का उपदेश।
(क) लि का सं १९२१।
प्रा – पं रामनाथ मझगावाँ डा बंथर (उन्नाव)।→२६–३ ई।
(ख) लि का सं १९२६।
प्रा – पं रामप्रसाद मिश्र नगर डा लखीमपुर (खीरी)।→२६–३ एफ।
(ग) लि का सं १९४ ।
प्रा —लाला रतनलाल मोदारी डा सदरपुर (सीतापुर)।→२६–३ बी।
(घ) प्रा —पं लक्ष्मीनारायण बदरपुर डा फीरोजाबाद (आगरा)।→ २६–३ सी।

विद्यारण्यतीर्थ 'देव'—उप० देव। काशिराज के प्रेमपात्र बाबू रामप्रसन्नसिंह के आश्रित। सं० १८९८ के लगभग वर्तमान।

युगलसुधा (पद्य)→२६-४९५, सं० ०१-३८६।

विद्याविलास (पद्य)—शंभुनाथ (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १९०३। लि० का० सं० १९२३। वि० भगवती माहात्म्य।

प्रा०—ठा० अम्बिकाप्रसादसिंह, पिपरा, डा० पोल्टरगंज (बस्ती)। → सं० ०१-३७८ छ।

विद्योतचंद्र (उद्योतचंद्र ?)—कुमायूँ नरेश। राजा ज्ञानचंद्र के पिता। सं० १७४० के पूर्व वर्तमान।→पं० २२-९४।

विद्रुमटेस (विदर्भटेश ?) (पद्य)—कृष्णदास (आगरा) कृत। वि० कृष्ण रुक्मिणी विवाह।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरौली।→सं० ०१-१९।

विद्वज्जनबोधक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० जैनशास्त्र ज्ञान।

प्रा०—सरस्वती भंडार, बड़ा जैन मंदिर पंचायती, खुर्जा (बुलंदशहर)। → १७-१०६ (परि० ३)।

विद्वद्विलास (पद्य)—ब्रह्मदत्त (उपाध्याय) कृत। र० का० सं० १८६१। वि० खल, सज्जन, सूम, धनी आदि के लक्षण।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-२४।

टि० प्रस्तुत प्रति कवि की स्वहस्तलिखित है।

विद्वन्मोदतरंगिणी (पद्य)—श्रीधर कृत। र० का० सं० १९००। वि० रस और नायिकाभेद।

(क) लि० का० सं० १९१०।

प्रा०—ठा० महेश्वरसिंह, ढिकौलिया, डा० निसवाँ (सीतापुर)।→२३-४०१ बी।

(ख) लि० का० सं० १९३०।

प्रा०—कुँवर दिल्लीपतिसिंह, जमींदार, बड़ागाँव (सीतापुर)।→१२-१७७ बी।

विधवाविवाह-खंडन (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई।→२६-९५ (परि० ३)।

विनती (पद्य)—रूपचंद (जैन) कृत। वि० भगवान की स्तुति।

प्रा०—लाला शंकरलाल, मलाजनी (इटावा)।→३८-१२८ ए।

विनय कुंडलिया (पद्य)—अलबेलीअलि कृत। वि० राधाकृष्ण की युगल मूर्ति का ध्यान और प्रार्थना।

प्रा०—बाबू श्यामसुंदर मुंसिफ, एम० ए०, एल-एल० बी०, महावन, मथुरा। → ३५-२ सी।

विनय के पद (पद्य)—अन्य नाम 'करुना के पद'। व्रजदूलह कृत। वि० भक्ति।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-४०१ क।

विनयचंद—जैन। सं १८८१ के लगभग वर्तमान।
सम्यक्त्वकौमुदी कथा (पद्य)→दि ११-२४।

विनयदशपंचक (पद्य)—पर्वतदास कृत। देव स्तुति।
प्रा —पंचायती ठाकुरद्वारा, असुथा (फतेहपुर)।→२०–१२६ बी।

विनयनवपंचक (पद्य)—रामगुलाम (द्विवेदी) कृत। वि राम लक्ष्मण सीता आदि की स्तुति।
(क) लि का सं १८७ ।
प्रा —लक्ष्मणकिला अयोध्या।→१७–१४७।
(ख) लि का सं १९२७।
प्रा —भारती भवन पुस्तकालय छतरपुर।→ ६–२११ (विवरण अप्राप्त)।

विनयनिवेदन (गद्य —देवकृष्ण (कृष्ण कवि) कृत। र का सं १८८२।
वि कृष्ण कवि के कुछ पदों का संग्रह।
प्रा —पं मनदेव शर्मा कुरावली (मैनपुरी)।→१८ ८४ ए।

विनयपचीसी (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत। वि कृष्ण की स्तुति।
प्रा —बिजावरनरेश का पुस्तकालय बिजावर।→ ६ १ बी।

विनयपच्चीसी (पद्य)—रामकृष्ण कृत। लि का सं १९४३। वि द्रौपदी चीर हरण।
प्रा —श्री जगदीशप्रसाद शर्मा रामपुर फूलपुर (इलाहाबाद)। → सं १–३१९।

विनयपत्रिका (पद्य)—तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। वि भक्ति।
(क) लि का सं १७६ ।
प्रा —ठा शिवरतनसिंह श्रीनगर, लखीमपुर (खीरी)।→२१– ८८ आई।
(ख) लि का सं १८७१।
प्रा —पं शालिग्राम दीक्षित ग्राम डा संडीला (हरदोई)।→२६–४८४ जेड।
(ग) लि का सं १८७५।
प्रा —बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय बलरामपुर (गोंडा)।→ ३–१२१ एल।
(घ) लि का सं १८८३।
प्रा —पं लक्ष्मीनारायण दूबे करछना (इलाहाबाद)।→१७ १९६ एफ।
(ङ लि का सं १८८३।
प्रा—पं उमाशंकर दूबे साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→ ११ ४८८ ए ।
(च) लि का सं १८८४।
प्रा—श्री स्वामीप्रसाद, उमरी बाराबंकी।→ ६–२४८ बी (विवरण अप्राप्य)।
(छ) लि का सं १८९३।
प्रा—श्री रामपूजन पांडेय श्री महेशप्रसाद, निपनियाँ, रीवाँ।→सं १ ५६ च।

(ज) लि० का० स० १८६५।

प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→४१-५०० भ (अप्र०)।

(झ) लि० का० स० १६०३।

प्रा०—श्री रामभूषण वैद्य, धनकौली, डा० मकई (उन्नाव)।→२६-४८४ बी[२]।

(ञ) लि० का० स० १६२८।

प्रा०—ठा० रामकरणसिंह, ढकवा, डा० ओयल (खीरी)।→२६-४८४ सी[२]।

(ट) प्रा०—प० शिवनद त्रिवेदी बी० ए०, एल एल० बी, असनी (फतेहपुर)। →२०-१६८ के।

(ठ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२३-४३२ सी[३]।

(ड) प्रा०—श्री दामोदरदास गौड़, शमसाबाद (आगरा)।→२६-३२५ पी[२]।

(ढ) प्रा०—प० राम लाल, प्रधानाध्यापक, प्राइमरी स्कूल, किरावली (आगरा)। →२६-३२५ क्यू[२]।

विनयपत्रिका (पद्य)—मदनगोपालसिंह कृत। लि० का० स० १८६६। वि० स्तुति।

प्रा०—प० उमाशकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→ २६-२७२।

विनयपत्रिका (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत। र० का० स० १६०७। वि० राम के प्रति विनय।

प्रा०—बाघवेश भारती भंडार (राज्य पुस्तकालय), रीवाँ।→००-४६।

विनयपत्रिका (पद्य)—सुदर्शनदास कृत। लि० का० स० १६६६। वि० भक्ति।

प्रा०—बाबा सुदर्शनदास, रसिक विहारी की कुज, वृंदावन (मथुरा)। → १२-१८२।

विनयपत्रिका की टीका (गद्य)—रत्नसिंह कृत। र० का० स० १६०८। वि० तुलसीदास जी की 'विनयपत्रिका' की टीका।

प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६-१०४।

विनयपत्रिकातिलकम (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'बालबोधनी'। गगाप्रसाद (व्यास) कृत। वि० विनयपत्रिका की टीका।

(क) लि० का० स० १६१६।

प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-५६।

(ख) प्रा०—भैया जदुनाथसिंह ठाकुर रईस, रेहुआ, डा० बौरी (बहराइच)। →२३-११६।

विनयमाल (पद्य)—दयादास कृत। लि० का० स० १६५६। वि० ईश्वर प्रार्थना।

प्रा०—प० घनश्यामदास पाडे, बिजावर।→०५-२५।

विनयवाटिका (पद्य)—युगलप्रसाद (पतित) कृत। लि० का० स० १८८६। वि० भक्ति और ज्ञान।

प्रा०—लाला नानकचद।→१७-२०६।

विनयविजयगणि—जैन। विजयप्रभु के शिष्य। इन्होंने अपने गुरु के साथ मिलकर ग्रंथ रचना की थी अथवा उनके ग्रंथ को पूरा किया था। सं १७१८ के लगभग वर्तमान।
श्रीपालचरित्र (?)→रि ११-६५।

विनयबिहार (पद्य)—नंदगोपाल (मुलपुर) कृत। र का सं १८१६। वि स्तुति।
प्रा —मिनगानरेश का पुस्तकालय भिनगा (बहराइच)।→२३-११२।

विनयबिहारी रूप छन्दसाष्टक (पद्य)—मुकुंद (रूपदेव्या) कृत। र का सं १६ ८।
लि का सं १६१८। वि स्तुति।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-२६१।

विनयशतक (पद्य)—श्रवणप्रसाद (बाबा) कृत। र का सं १६१ (लगभग)।
वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि का सं १६७१।
प्रा —श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी विशारद पूरेफतान पांडे का तिलोई (रायबरेली)।→३५-५ सी।
(ख) प्रा —श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी प्रानपांडे का पुरवा का तिलोई (रायबरेली)।→सं ८-७।

विनयशतक (पद्य)—विक्रम (कवि) कृत। वि विभिन्न अवतारों तथा हनुमान की की विनय।
(क) प्रा —पं बाबूराम नंबरदार नद्रावली डा करहल (मैनपुरी)। → ३५-१ ४ ए।
(ख) प्रा —पं दौलतिराम कासोन ना मारौल (मैनपुरी)। → ३५-१ ४ बी।

विनयपर्ममाइ (पद्य —रतनदास कृत। लि का सं १६८७। वि वंदना।
प्रा —पं त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी 'विशारद' मिडिल स्कूल तिलोई (रायबरेली) → ५-२१।

विनयसमुद्र—जैन आचार्य। बीकानेर निवासी। हर्षसमुद्र के शिष्य। सं १६११ के लगभग वर्तमान।
सिंहासनबत्तीसी (पद्य)→ १-७८।

विनयसागर (पद्य)—सुंदरदास कृत र का सं १८८७। वि स्तुति और प्रार्थना।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ १-८८।

विनयसिंह (बनोसिंह)—अलवर नरेश बख्तावरसिंह के भतीजे। अपने चाचा की मृत्यु के उपरांत उनके धर्मोरस पुत्र बलवंतसिंह से इन्होंने राज्य छीन लिया था। मोतीलाल के आश्रयदाता। सं १८६१ के लगभग वर्तमान।→२६-६१।

विनोदचंद्रिका या विनयचंद्रोदय→'रतचंद्रोदय (उदयनाथ 'कवीन्द्र' कृत)।

विनोदमंगल (पद्य)—देवीदास कृत । र० का० सं० १८३८ । लि० का० सं० १८५० । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—महंत पुरंदरदास, पूरे ठाकुर दूबे, डा० जगदीशपुर (सुलतानपुर) । → २६–८२ बी ।

विनोदलता (पद्य)–रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि० शृंगार ।
प्रा०—राजा रामदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । १२–१५४ एग ।

विनोदवल्लभ (गोस्वामी)—कृष्णदास के गुरु । कृपारामदास के समकालीन ।→१२–९८ ।

विनोदशतक (पद्य)—गोपालदास (चाणक) कृत । वि० राधाकृष्ण का कुंज विहार तथा बारहमासा वर्णन ।
प्रा० नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–५७ ए ।

विनोदसागर (पद्य)—माधव कृत । र० का० सं० १६५६ । लि० का० सं० १७१८ । वि० श्रीकृष्ण जी की लीला ।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।→०५ ६८ ।

विनोदाय काव्यसरोज (पद्य)—श्रीपति (मिश्र) कृत । वि० काव्य के दोषों का वर्णन । (क) लि० का० सं० १६५८ ।
प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी ।→०६–३०८ सी ।
(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–४८ ।

विनोदीलाल जैन । अनसचूर अल्ल और गर्गगोत्री अग्रवाल वैश्य । पिता का नाम दरिगहमल्ल । पितामह का नाम पारस । प्रपितामह का नाम मदन । वसदेश के अंतर्गत गंगातट पर बसे साहिजादपुर नगर के निवासी । काष्ठसंघ के अंतर्गत माथुर कच्छ के कुमारसेनि के आम्नाय के अनुयायी । औरंगजेब बादशाह के समकालीन । सं० १७४७-५० के लगभग वर्तमान ।
नेमनाथजी को बारामासो (पद्य)→३८–१६०, ४१–२४६ ।
नेमिनाथ के रेखते (पद्य)→१७–२०२ बी ।
नेमिनाथजी का मंगल (पद्य)→पं० २२–५६ ए, ४१–२४० क, ख ।
नेमिनाथराजुल-विवाह (पद्य)→१७–२०२ सी ।
पंचमेरु जयमाल (पद्य)→१७–२०२ डी ।
परमार्थगारी (पद्य)→१७–२०२ ए ।
भक्तामर चरित्र (पद्य)→२३–४४० ए ।
राजुल पच्चीसी (पद्य)→पं० २२ ५६ बी, दि० ३१–५४, ३२–१३२ ए ।
विष्णुकुमार की कथा (पद्य)→२३–४४० बी, सं० ०४–३६२ क, ख, सं० १०–१२१ क, ख, ग ।
श्रीपाल चरित्र (पद्य)→सं० ०४ ३६२ ग, घ ।
सम्यक्तलीला विल

विनोदीलाल (राय)—अग्रवाल। राय चिरंजीलाल के पुत्र। राय सोहनलाल के धर्म पिता। शाहजहाँपुर निवासी। जन्म सं० १८८१। मृत्यु सं० १९१५।
कृष्णविनोद (पद्य)→ २-१ १।

विपर्जैक भंग (विपर्यय को भंग) (पद्य)—हजारीदास कृत। वि० सुंदरदास की की रचना की टीका।
(क) लि० का० सं० १९८१।
प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी पूरेफरान पांडे डा० तिलोई (रायबरेली)।→ ९६-४२७ डी।
(ख) प्रा०—श्री श्यामनारायण पांडेय, रियासत अमारीशपुर (बस्ती)। → से० ४-१२७ ख।

विपिनविनोद (पद्य)—खुस्याल (कन्न) कृत। र० का० सं० १८८२। लि० का० सं० १९११। वि० बागवानी (शार्ङ्गधर के संस्कृत ग्रंथ 'विपिनविनोद' का अनुवाद)।
प्रा०—श्री राधागोविंदचंद का मंदिर, प्रेमसरोवर डा० बरसाना (मथुरा)।→ १२-११८।

विप्र (?)—बादशाह जहाँगीर के समकालीन। सं० १६७५ के लगभग वर्तमान।
कोकशास्त्र (गद्यपद्य)→सं० ४-३६१।

विप्रकरुणासागर (पद्य)—रामबक्स कृत। वि० श्रीकृष्ण स्तुति और ब्राह्मण महिमा।
प्रा०—श्री कन्हैयाराम ब्रह्मभट्ट, बरई नलौवा डा० रौतिपुर (आगरा)। → ११ २८७ बी।

विप्रमतीसी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० उपदेश।
प्रा०—श्री हरिकृष्ण वर्मा डा० छाता (मथुरा)।→१५ ४९ आई।

विप्रमतीसी (पद्य)—परशुराम कृत। वि० विप्रों की आलोचना।
प्रा०—लाला रामगोपाल अग्रवाल मोतीराम धर्मशाला शाहाबाद (मथुरा)। →१९-७ एम।
टि० प्रस्तुत ग्रंथ कबीर कृत 'विप्रमतीसी' से मिलता जुलता है।

विप्रमतीसी सटीक (गद्यपद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १९९२। वि० विप्रमतीसी की टीका।
प्रा०—बाबा सेवादास बाबा गिरिधारी साहब की समाधि नौगवाँ (लखनऊ)। →सं० ७-११९।
टि० प्रस्तुत पुस्तक का टीकाकार अज्ञात है।

विप्रलम्भ→प्रलम्भ (आदि गौड़ आकार)।

विभैविभूति (पद्य)—अमृतदास कृत। लि० का० सं० १७०४। वि० भागवत दिग्दर्शन।
प्रा०—डा० किशोरीनारायण दीक्षित हिंदी विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय लो० वं० वि० ५६ (११०—६४)

लखनऊ।→स० ०५-२८८ अ।

विमलवैराग्य-सपादिनी→'भावप्रकाशिनी टीका' (सतसिंह कृत)।

विमुखउद्धारनबेलि (पद्य)—हित वृन्दावनदास (चाचा) कृत। र० का० स० १८२२। वि० भक्ति और वैराग्य।
प्रा०—नगरपालिका सग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-२१७ घ।

वियोगबेलि (पद्य)—आनदघन कृत। र० का० स० १७६१। वि० विरह।
(क) लि० का० स० १६४८।
प्रा०—प० राधानन्द वैद्य, भरतपुर।→१६-८ बी।
(ख) प्रा०—राजा महेन्द्रमानसिंह, नौगवाँ (आगरा)।→२६-११५ सी।

वियोगमालती (पद्य)—किसनलाल कृत। वि० एक वियोग कथा का वर्णन।
प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-४२।

वियोगसागर (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सन् १०६६ फसली। लि० का० स० १७८४। वि० वियोग शृगार।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→स० ०१-१२६ ट।

वियोगसागर (पद्य)—शेखअहमद कृत। वि० वियोग शृगार।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→स० ०१-४२१।

वियोगाष्टक (पद्य)—मसाराम कृत। वि० गोपियो का विरह वर्णन।
प्रा०—श्री गोपालराम ब्रह्मभट्ट, बिलग्राम (हरदोई)।→१२-११०।

विरचगोसाईं—पाडेय। उप० बनविरच और विरचदास। सभवत बलिया जिला के अतर्गत गड़वार के निकट दामोदरपुर निवासी। स० १६२६ के लगभग वर्तमान।
शब्दावली (पद्य)→४१-२३२।

विरजिकुँवरि—ठा० अमरसिंह के पुत्र साहबदीन की धर्मपत्नी। मायका नेवादा (वाराणसी) में। पिता का नाम सीतलसिंह। गड़वारा (जौनपुर) निवासिनी। स० १६०५ के लगभग वर्तमान।
सतीविलास (पद्य)→०४-३६ २३-४४१, स० ०७-१०८।

विरतिविनोद (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। लि० का० स० १६२२। वि० वैराग्य वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२०६ प।

विरतिशतक (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। लि० का० सं० १६२२। वि० भीष्म और पाडवों के सवाद में त्याग और भक्ति का उपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२०६ फ।

विरदसिंगार→'विरुदशृंगार' (करनीदान चारण कृत)।

विरदसिंह—कृष्णगढ नरेश बहादुरराज के पुत्र। हरिचरणदास के आश्रयदाता। स० १८३५ के लगभग वर्तमान।→०४-५८।

विरहभंग (पद्य)—वाजिद कृत। लि का सं १८५६। वि ज्ञानोपदेश।
प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं १–१८४।

विरह के पद (पद्य)—परमानंददास कृत। वि कृष्णभक्ति।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग कांकरौली।→सं १–२ २ क।

विरहपचीसी (पद्य)—मथुरानाथ (शुक्ल) कृत। र का सं १८१५। वि शृंगार।
प्रा —पं रघुनाथराम शर्मा गायघाट, वाराणसी।→ ६–१६५ ए।

विरहमंजरी (पद्य)—नंददास कृत। वि गोपियों का विरह वर्णन।
(क) लि का सं १८१४।
प्रा —श्री रामजी शर्मा, मई, डा बटेश्वर (आगरा)।→२६–२४८ एम।
(ख) लि का सं १८११।
प्रा०—पं भवानीलाल शर्मा, अछनेरा डा अछनेरा (आगरा)। → २६–२४४ एन।
(ग) प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २–७ ।
(घ) प्रा —पं कुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली वाराणसी। → ६–२०८ एफ।
(ङ)→पं २२–७२ बी।
टि खो वि २–७ की प्रति को भूल से अज्ञात कृत मान लिया गया है।

विरहबयान बारहमासी (पद्य)—अन्य नाम 'रामविरह बारामासी'। मयाराम कृत।
वि राम वनवास के समय कौशिल्या के विरह का बयान।
(क) प्रा —पं चंद्रिकाप्रसाद भट्ट सकरौली डा मोहनगंज (प्रतापगढ़)।→ २६ १२ ए।
(ख) प्रा —पुस्तकालय (शिवसिंह सेंगर के मकान पर) काँथा (उन्नाव)। →२६–१२ बी।

विरहविलास (पद्य)—ईश्वराम (बख्शी) कृत। र का सं १८११। लि का सं १८७५। वि कृष्ण के मथुरागमन पर गोपियों की विरह व्यथा।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→२६–१६५ सी।

विरहशतक (पद्य)—रामचरणदास कृत। वि रामभक्ति।
(क) प्रा —लाला तुलसीराम निगम रायबरेली।→ ६–२१५ एन।
(ख) प्रा०—पं रामकिशोरशरण रसूलाबाद (फैजाबाद)।→२०–१५५ ई।
(ग) प्रा —लाला तुलसीराम श्रीवास्तव रायबरेली।→२६–११ बी।

विरहमन (पद्य)—आन कवि (ग्यासुद्दीन खाँ) कृत। लि का सं १७ । वि विरह शृंगार।
प्रा —हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं १–१६६ द।

लखनऊ ।→स० ०४-२८८ झ।

विमलवैराग्य-सपादिनी→'भावप्रकाशिनी टीका' (सतसिंह कृत)।

विमुखउद्धारनवेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० स० १८२३। वि० भक्ति और वैराग्य।

प्रा०—नगरपालिका सग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-२५७ घ।

वियोगवेलि (पद्य)—आनदघन कृत। र० का० स० १७६५। वि० विरह।

(क) लि० का० स० १६४८।

प्रा०—प० राधाचद्र वैद्य, भरतपुर।→१७-८ बी।

(ख) प्रा०—राजा महेंद्रमानसिंह, नौगवाँ (आगरा)।→२६-११५ सी।

वियोगमालती (पद्य)—किसनलाल कृत। वि० एक वियोग कथा का वर्णन।

प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१-४२।

वियोगसागर (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सन् १०६६ फसली। लि० का० स० १७८४। वि० वियोग शृगार।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→स० ०१-१२६ ङ¹।

वियोगसागर (पद्य)—शेखअहमद कृत। वि० वियोग शृंगार।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→स० ०१-४२१।

वियोगाष्टक (पद्य)—मसाराम कृत। वि० गोपियों का विरह वर्णन।

प्रा०—श्री गोपालराम ब्रह्मभट्ट, त्रिलग्राम (हरदोई)।→१२-११०।

विरचगोसाईं—पाडेय। उप० जनविरच और विरचदास। सभवत. बलिया जिला के अतर्गत गड़वार के निकट दामोदरपुर निवासी। स० १६२६ के लगभग वर्तमान।

शब्दावली (पद्य)→४१-२५२।

विरजिकुँवरि—ठा० अमरसिंह के पुत्र साहबदीन की धर्मपत्नी। मायका नेवादा (वाराणसी) में। पिता का नाम सीतलसिंह। गड़वारा (जौनपुर) निवासिनी। स० १९०५ के लगभग वर्तमान।

सतीविलास (पद्य)→०४-३६, २३-४४१, स० ०७-१०८।

विरतिविनोद (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। लि० का० स० १६२२। वि० वैराग्य वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२०६ प।

विरतिशतक (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। लि० का० स० १६२२। वि० भीष्म और पाडवों के सवाद में त्याग और भक्ति का उपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२०६ फ।

विरदसिंगार→'विरुद शृगार' (करनीदान चारण कृत)।

विरदसिंह—कृष्णगढ नरेश बहादुरराज के पुत्र। हरिचरणदास के आश्रयदाता। स० ८३५ के लगभग वर्तमान।→०४-५८।

विरहचंद्रिका (पद्य)—सारंगधर कृत । लि का सं १७३४ । वि सुनारी विथा ।
प्रा —श्री कृष्णशरन शुक्ल मास्टी, ग्रा मकरामामीर (बस्ती) । → सं ४४८ ।

विरदशृंगार (पद्य)—करनीदान (कवि) कृत । वि जोधपुर नरेश अभयसिंह का यश वर्णन ।
(क) लि का सं १८२८ ।
प्रा —ठा रामसिंह सिपाही नारागाँव भवर डा छर्रा (अलीगढ़) । → २९-१८६ ।
(ख) प्रा —तिवारी गाँव के पुरोहित जी, जोधपुर ।→ १-१ ५ ।
(ग) प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर ।→४१-४७८ (अप्र) ।

विरदावली (पद्य)—कृष्णदास कृत । वि स्तुति ।
प्रा —श्री सीताराम मिश्र भरहौली ग्रा सलेमपुर (गोरखपुर) । → सं १-४९ ।

विरदावली (पद्य)—पद्माकर कृत । वि जयपुर नरेश महाराज जगतसिंह सवाई का यश और वीरता का वर्णन ।
प्रा —पं गौरीशंकर कवि दतिया ।→ १-८२ डी ।

विलास खंड (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । लि का सं १९ ७ । वि राम सीता का विवाह एवं विहार ।
प्रा —लाला लक्ष्मीप्रसाद, जंगल अधिकारी दतिया ।→ ९-७९ बी ।

विलासतरंग (पद्य)—श्री गोविंद कृत । र का सं १८८ । लि का सं १९११ ।
वि दांपत्य विधान ।
प्रा॰—पं बख्तराम पांडेय हलवी (बलिया) ।→ ९-१ ए ।

विलाससंगम (पद्य)—खेमराज कृत । लि का सं १७८ । वि शृंगार ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं ७-२६ ग ।

विलासमाधुरी (पद्य)—चतुरशिरोमणि कृत । वि राधाकृष्ण का दांपत्यप्रेम ।
प्रा —गो गोवर्द्धनलाल वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१८ डी ।

विलासलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि राधाकृष्ण का विहार ।
प्रा॰—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१५४ के ।

विलियम हैंडफोर्ड—युक्तप्रांत (पश्चिमदेश अब उत्तरप्रदेश) शिक्षा विभाग के निर्देशक । पं श्रीलाल (भाषाचंद्रोदय और पत्रमालिका के रचयिता) के आश्रयदाता ।→ सं १-४११ ।

विलोचनराम—(?)
लीलावती (पद्य)→११-४१९ ।

विरहसत (पद्य)—सिध्यादास (सिद्धदास) कृत। र० का० सं० १८१०। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १९८५।

प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरान पांडे, डा० तिलोई (रायबरेली)।→ २६–४३७ डी।

(ख) लि० का० सं० १९८७।

प्रा०—श्री रतननारायण, जगदीशवापुर, डा० इन्हौना (रायबरेली)। → सं० ०४–४०६ ग।

(ग) प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० पर्वतपुर (सुलतानपुर)।→ सं० ०४–४०६ ख।

विरहसागर (पद्य)—सरजूदास कृत। लि० का० सं० १८३८। वि० महंत यशकरन की मृत्यु पर शोक प्रकाश।

प्रा०—श्री परागीदास, जदवापुर, डा० बरनापुर (बहराइच)।→२३–३७७।

विरहसागर→'विरहसार' (पहलवानदास कृत)।

विरहसार (पद्य)—अन्य नाम 'विरहसागर'। पहलवानदास कृत। र० का० सं० १८५१। वि० भक्तो का माहात्म्य और मोरध्वज राजा की कथा।

(क) लि० का० सं० १९८०।

प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरान पांडे, डा० तिलोई (रायबरेली)। →२६–३४० डी।

(ख) प्रा०—महंत गयाप्रसाद, भीखीपुर, डा० राजा फत्तेपुर (रायबरेली)। →सं० ०४–२०४ घ।

विरहिणी बारहमासा (पद्य)—बलदेवप्रसाद कृत। र० का० सं० १९३०। लि० का० सं० १९३६। वि० वियोग वर्णन।

प्रा०—पं० विष्णुभरोसे, वेलामऊ, डा० अजगैन (उन्नाव)।→२६–३४।

विरही कौ मनोरथ (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सं० १६९४। लि० का० सं० १७७८। वि० विरह शृंगार।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ नं।

विरही सुभानदपति विलास→'इश्कनामा' (बोधा कवि कृत)।

विराग सदीपनी→'वैराग्यसंदीपनी' (गो० तुलसीदास कृत)।

विराट चरितामृत (पद्य)—प्राणनाथ कृत। वि० गुप्त तथा भविष्य की बाते जानने की एक क्रिया।

प्रा०—पं० रेवतीनदन (रेवतीरमण) जी मिश्र, वेरी, डा० बरारी (मथुरा)।→ ३८–१०९।

विराटपुराण—गोरखनाथ कृत।→०२–६१ (छै)।

प्रा —याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-५८।

विवेक धैर्याश्रय (गद्य)—गुसाईं की कृत । भक्ति के लिए अपेक्षित विवेक और धैर्य का वर्णन ।
प्रा —श्री लक्ष्मीलाल गुसाईं बरसाना (मथुरा) ।→१५-१२ सी ।

विवेक पंचामृत (पद्य)—मथुरानाथ (शुक्ल) कृत । र का सं १८८२ । वि पाँच दर्शनों का अनुवाद ।
प्रा —पं रघुनाथराम, गायघाट वाराणसी ।→ ६-१६६ एफ ।

विवेकमंत्र (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । र का सं १८१ । लि का सं १६४ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा —महंत गुरुप्रसाददास हरिगाँव डा कोलरगंज (सुलतानपुर) । → २६-१६२ डी ।

विवेकमाल (पद्य) शीतलदास कृत । र का सं १८६८ । लि का सं १६४१ । वि ज्ञान ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ४-१६ ग ।

विवेक मुक्तावली (पद्य)—बनादास कृत । लि का सं १६ । वि ज्ञानोपदेश ।
प्रा —महंत भगवानदास मनहरबाकुंज अयोध्या ।→२०-११ पी ।

विवेक लहरया बेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । वि नीति ।
प्रा—श्री राधागोविंदचंद्र का मंदिर प्रेम सरोवर, डा बरसाना (मथुरा) । → १२-११२ सी ।

विवेक विलास (पद्य)—चंद्रशेखर कृत । र का सं १८८७ । वि पटियाला नरेश कर्मसिंह की वंशावली ।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ १-१ २

विवेक विलास (पद्य)—रामरसिक कृत । लि का सं १६२० । वि आचार और अध्यात्म वर्णन ।
प्रा —श्री रघुनाथप्रसाद चौधरी सराय पंडा ।→ १-२१५ (विवरण अप्राप्त) ।

विवेक वैराग्य दशक (पद्य)—सोमेदास कृत । वि वैराग्य ।
प्रा —श्री रामनारायण त्रिपाठी सीताकुंड डा (जौनपुर) । → सं ४-२४६ ।

विवेकशत-अनुभय (पद्य)—लक्ष्मीराम (द्विवेदी) कृत । र का सं १७ १ । वि अध्यात्म ।
प्रा —ठा गुरुप्रसादसिंह गुप्ता (बहराइच) ।→११-२१६ ।

विवेक शतक (पद्य)—रामचरणदास कृत । लि का सं १६५६ । वि ज्ञानोपदेश ।
प्रा —पं रामकिशोरशरण रसूलाबाद (फैजाबाद) ।→२ -१४८ एफ ।

विवेक सागर (पद्य)—कबीरदास कृत । वि कबीर और धर्मदास के संवाद के रूप में ज्ञान ज्ञानोपदेश ।

विल्किसन—भोपाल के अंग्रेज एजेंट। ओंकार भाट्ट के आश्रयदाता।→०६–२१६।

विवाह (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण विवाह।
प्रा०—गो० राधाशरण, वृंदावन (मथुरा)।→१२–५२ जी।

विवाह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विवाह की शोभा का वर्णन।
प्रा०—श्री बहुरी चिरंजीलाल, भैरोबाजार, आगरा।→२६–५३२।

विवाह खेल (पद्य)—केशवदास नारायण कृत। वि० राधाकृष्ण का विवाह वर्णन।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–५६।

विवाह पद्धति (गद्य)—दुर्गाप्रसाद (द्विवेदी) कृत। लि० का सं० १६७४। वि० विवाह एवं द्विरागमन पद्धति का वर्णन।
प्रा०—पं० हरचंद शर्मा, आलई, डा० बलरई (इटावा)।→३५–२३।

विवाह पद्धति (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १८४८। लि०का० सं० १८४८।
वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० कन्हैयालाल, फतेहाबाद (आगरा)।→२६–५३४।

विवाह पद्धति (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० अमृतलाल पीपलवाला, फीरोजाबाद (आगरा)।→२६–५३३।

विवाह प्रकरण (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८०४।
वि० राधा कृष्ण विवाह का वर्णन।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२५० बी (विवरण अप्राप्त)।

विवाह विलास (पद्य)—कृष्णावती कृत। वि० राधाकृष्ण का विवाह।
प्रा०—लाला दामोदर वैश्य, कोठीवाला, लोई बाजार, वृंदावन (मथुरा)। →
१२–६६।

विविध विषय के कवित्त (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावतसिंह) कृत। वि० विविध।
प्रा०—श्री भूपदेव शर्मा, सिहोना, डा० भरनाखुर्द (मथुरा)।→३८–१०३ ए।

विवेककली (पद्य)—बलिराम कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–२३३।

विवेक चिंतावणी→'चितावणी को अंग' (सुंदरदास कृत)।

विवेक ज्ञान (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत। र० का० सं० १८११। लि० का० सं० १६८७। वि० कलियुग वर्णन।
प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी 'विशारद', पूरेपरान पांडे, डा० तिलोई (रायबरेली)।→२६–१६२ जे।

विवेक दीपिका (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत। वि० ज्ञान।
प्रा०—पं० शिवदुलारे दूबे, हुसेनगंज, फतेहपुर।→०६–८ बी।

विवेक दीपिका (वैराग्यशत भाषा) (गद्य)—केशवदास (?) कृत। लि० का० सं० १७४७। वि० वैराग्य शतक की टीका।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-५८।

विवेक धैर्याश्रय (गद्य)—गुसाईं जी कृत। भक्ति के लिए अपेक्षित विवेक और धैर्य का वर्णन।

प्रा —श्री लक्ष्मीलाल गुसाईं बरसाना (मथुरा)।→११-१२ सी।

विवेक पंचामृत (पद्य)—मथुरानाथ (शुक्ल) कृत। र का सं १८८२। वि पाँच दर्शनों का अनुवाद।

प्रा —पं रघुनाथराम गायघाट वाराणसी।→ ६-१६६ एफ।

विवेकमंत्र (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत। र का सं १८१ । लि का सं १९४ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा —महंत गुरुप्रसाददास हरिगाँव डा जगसरगंज (सुलतानपुर)। → २६-१६२ डी।

विवेकमाला (पद्य) शीतलदास कृत। र का सं १८८८। लि का सं १६४१। वि अज्ञात।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ४-३६ ग।

विवेक मुक्तावली (पद्य)—बनादास कृत। लि का सं १६ । वि ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत भगवानदास मसहराकुंज अयोध्या।→२ -११ पी।

विवेक लक्षण बलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। वि नीति।

प्रा—श्री राधागोविंदचंद्र का मंदिर प्रेम सरोवर डा बरसाना (मथुरा)। → १२-२१२ डी।

विवेक विलास (पद्य)—चंद्रशेखर कृत। र का सं १८६७। वि पटियाला नरेश कर्मसिंह की वंशावली।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ६-१ २

विवेक विश्राम (पद्य)—रामरसिक कृत। लि का सं १६९७। वि आचार और अध्यात्म वर्णन।

प्रा —श्री रघुनाथप्रसाद चौबरी सर्राफ पटना।→ ६-२१६ (विवरण अप्राप्त)।

विवेक वैराग्य दराक (पद्य)—भीखेदास कृत। वि वैराग्य।

प्रा —श्री रामनारायण त्रिपाठी मीरालपुर डा (जौनपुर)। → सं ४-२४१।

विवेकशतक-अनुभव (पद्य)—लक्ष्मीराम (द्विवेदी) कृत। र का सं १७ १। वि अध्यात्म।

प्रा —डा गुरुप्रसादसिंह गुमरा (बहराइच)।→२१-२३१।

विवेक शतक (पद्य)—रामचरणदास कृत। लि का सं १६५५। वि ज्ञानोपदेश।

प्रा —पं रामकिशोरशरण रसूलाबाद (फैजाबाद)।→१०-१४१ एच।

विवेक सागर (पद्य)—कबीरदास कृत। वि कबीर और धर्मदास के संवाद के रूप में ब्रह्म ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० स० १६६२ ।

प्रा०—बाबा सेवादास, गिरिधारी साहब की समाधि, नोबस्ता (लखनऊ) ।→ स० ०७–११ ध ।

(ख) प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–६२ सी ।

विवेक सागर (पद्य)—भीषमदास कृत । र० का० स० १८६८ । लि० का० स० १८६८ । वि० अध्यात्म ।

प्रा०—श्री परागशरणदास, उजेहनी, डा० फतेहपुर (रायबरेली) । → ३५–१४ एम ।

विवेक सागर (पद्य)—लघुमति कृत । र० का० स० १८४३ । लि० का० स० १६२२ । वि० ज्ञान ।

प्रा०—श्री चतुर्भुजसहाय वर्मा, वाराणसी ।→१२–१०१ ।

विवेक सागर (पद्य)—अन्य नाम 'सुखसागर' । सुखलाल कृत । र० का० स० १८४४ । लि० का० स० १६४१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महत रातशरनदास बाबा, कबीर पथी मठ, ऊँचगाँव, डा० बाजार शुक्ल (सुलतानपुर) →स० ०४–४१६ ।

विवेक सागर (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १८३३ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महत रामशरनदास, कबीर पथी मठ, ऊँचगाँव, डा० बाजार शुक्ल (सुलतानपुर) ।→सं० ०४–४६३ ।

विवेकसार (पद्य)—पतितपावनदास कृत । लि० का० स० १६३६ । वि० उपदेश ।

प्रा०—लाला जानकीप्रसाद मुख्तार, समेसी, डा० नगराम (लखनऊ) । → २६–२६८ ए ।

विवेकसार (गद्यपद्य)—शीतलदास कृत । र० का० स० १६०३ । लि० का० सं० १६०८ । वि० ज्ञान और भक्ति ।

प्रा—प० रामानद मिश्र, हिंगनगौरा, डा० कादीपुर (सुलतानपुर) ।→२३–३८८ ।

विवेकसारसुरति (पद्य)—सेवासखी कृत । वि० राधाकृष्ण की लीला ।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३–३८५ बी ।

विवेकामृत (पद्य)—नारायण कृत । वि० अध्यात्म ।→प० २२–७३ ।

विशेष शतक (गद्य)—समयसुदरोपध्याय कृत । र० का० स० १८८२ । लि० का० स० १६०६ । वि० धार्मिक शंका समाधान ।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली ।→दि० ३१–७८ ।

विश्राम (शुक्ल)—सं० १८११ के लगभग वर्तमान ।

समरसार (भाषा तिलक) (गद्य)→सं० ०४–३६४ ।

विश्रामबोध—(पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत । र० का० स० १८५१ । लि० का० स० १६०३ । वि० निर्गुण ब्रह्म वर्णन ।

प्रा —पं गणेशदत्त पाडे सीतापुर डा पहाली (भ्रलीगढ़) ।→२६-२८१बी ।

विश्रामसानस (गद्यपद्य)—रघुनाथदास (बाबा) कृत । वि शरीर को रामायण और शरीर से संबंध रखने वाले काम क्रोध, लोभ मोह आदि का राम रावण, कुंभकरण आदि के रूप में वर्णन ।

(क) लि का सं १६१ ।

प्रा०—पं रामचरण मुरैहरापुर, डा महमूदाबाद (सीतापुर) ।→२६-३७ सी ।

(ख) लि का सं १६१ ।

प्रा पं दयाराम गौड़ रामीपुर, डा मारहरा (एटा) ।→२६-३७८ बी ।

विश्रामसागर (पद्य)—रघुनाथदास (बाबा) कृत । लि का सं १६ १ । वि रामायण आदि धार्मिक ग्रंथों की कथाएँ ।

प्रा०—पं बाबूराम अध्यापक, रामनगर डा अलीगढ़(एटा) ।→२६-२७८ी ।

विश्वंभर—(?)

अरोदय (पद्य)→२६-५ २ ।

विश्वंभरदास—सं १८८२ के पूर्व वर्तमान ।

फूलचरित्र (पद्य)→सं ४-१६५ ।

विश्वकारन (पद्य)—कुवरसीदत्त कृत । लि का सं १६ ८ । वि जगत की उत्पत्ति का कारण और भस्मासुर की कथा ।

प्रा —गुसाँई रामस्वरूपदास सठियाव डा बहौनागंजरोड (आजमगढ़) ।→ सं १-४६ ख ।

विश्वनाथ—भाट । बिसवाँ (सीतापुर) के निवासी । शालिमसिंह तथा फतेहपुर (खीरी) के शिवप्रसाद के आश्रित ।

अलंकारदर्पण (पद्य)→१२-१६६ बी ।

अलंकारादर्श (पद्य)→१२-१६६ ए ।

विश्वनाथ नवरत्न (पद्य)—दीनदयाल (गिरि) कृत । वि काशीस्थ शिव की की स्तुति ।

(क) प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) । → ४-४४ ।

(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-१६० ख ।

विश्वनाथसिंह—संभवतः रीवाँ के महाराज विश्वनाथसिंह । सं १८८४ के लगभग वर्तमान ।

भक्तचंद्रिका (भाषा) (पद्य)→सं १-१८७ ।

विश्वनाथसिंह (महाराज)—रीवाँ नरेश । राज्यकाल सं १८६०-१६११ । महाराज रघुराजसिंह के पिता । बख्शी हमनसिंह, शिवनाथ, गंगाप्रसाद और अजबेस के को सं वि न (११ -६४)

आश्रयदाता ।→००-४२, ०१-१५, ०१-१६, ०६-२२७, १७-५८, २०-३, २०-१८२ ।

अनुभव पर प्रदर्शनी टीका (गद्यपद्य)→०३-२२ ।

अष्टयाम का आह्निक (पद्य)→००-४३ ।

आदिमंगल (पद्य)→०६-३२६ ए ।

आनंदरघुनंदन नाटक (गद्यपद्य)→०४-३८, ०६-२४६ बी, २३-४४५ ए, बी ।

आनंद रामायण (पद्य)→०१-६ ।

आह्निक तिलक प्रकाश (गद्य)→सं० ०४-३६६ ।

उत्तम काव्य प्रकाश (गद्यपद्य)→०१-५३, सं० १०-१२२ ।

उत्तमनीति चंद्रिका (गद्यपद्य)→०६-२४६ ए, बी ।

ककहरा (गद्यपद्य)→०६-३२६ ई ।

गीतरघुनंदन प्रमानिका टीका सहित (गद्यपद्य)→००-४४ ।

गीतावली (पूर्वार्द्ध)→०४-११४ ।

चौतीसी (पद्य)→०६-३२६ सी ।

चौरासी रमैनी (पद्य)→०६-३२६ डी ।

धनुर्विद्या (मूल और टीका) (गद्यपद्य)→०१-४७, ०१-२० ।

परमतत्व प्रकाश (पद्य)→००-४८, २०- २०५ ए ।

परमधर्म निर्णय (गद्यपद्य)→०१-१६, ०१-१७, ०१-१८ ।

पाखंड खंडिनी (गद्यपद्य)→०६-२४६ सी ।

रागसागर (पद्य)→२०-२०५ बी ।

रामायण (पद्य)→०३-११५, ०६-३२६ एफ ।

वसंत (पद्य)→ ०६-३२६ बी ।

वेदांतपंचक सटीक (भाषा) (गद्यपद्य)→०४-८४ ।

शब्द (पद्य)→०६-३२६ जी ।

शांतशतक (पद्य)→०३-५४, ०६-३२६ आई, २६-५०३ ए, बी ।

साखी (पद्य)→०६-३२६ एच ।

विश्वभूषन (जैन)—(?)

जिनदत्तचरित्र (पद्य)→सं० १०-१२३ ।

विश्वभोजन प्रकाश (गद्य)—गंगाप्रसाद कृत । वि० पाकशास्त्र ।

(क) प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय कालाकाँकर (प्रतापगढ़) । → ०६-३२६ जे ।

(ख) प्रा०—राजकीय पुस्तकालय (महाराज रमेशसिंह का), कालाकाँकर (प्रतापगढ़) ।→१७-५८ ।

टि० खो० वि० ०६-३२६ जे पर भूल से महाराज विश्वनाथसिंह को रचयिता मान लिया गया है ।

विश्वरूप विनय (पद्य)—मनियराय कृत। लि का सं १६४८। वि भगवत महिमा और स्तुति।

प्रा०—महाराज श्री प्रभातसिंह जी मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६-३४६ बी।

विश्वसेन—बड़ता (नवापुर सारन) निवासी। जमींदार। हरिचरणदास के आश्रयदाता।→ ४-५८।

विश्वासबोध (पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत। र का सं १८४६। लि का सं १६ ४। वि ईश्वर भक्ति।

प्रा —चौधरी गंगाराम इगलास (अलीगढ़)।→२६-३८१ सी।

विश्वेश्वर (कवि)—(?)

कृष्णचरणाष्टक (पद्य)→१८-१६२ बी।

दोहावलीली (पद्य)→१८-१६२ ए।

सत्यनारायण (उत्था) (पद्य)→१८-१६२ सी।

विश्वेश्वरदास—काशी निवासी। महाराष्ट्रीय ब्राह्मण। नरायत्त के पुत्र और शंकर के पौत्र।

काशीखंड कथा (पद्य)→४१-२५१।

विषनाशन (पद्य)—संतोष (वैद्य) कृत। वि विषनिवारक औषधियों का वर्णन।

(क) लि का सं १६२ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-२८१।

(ख) प्रा –श्री हरिनिरंजन उपाध्याय कसिमदेनपुरा समथर। → १-१२४ (विवरण अप्राप्य)।

विषहरन विधि→'विषनाशन' (संतोष वैद्य कृत)।

विषापहार (भाषा) (पद्य)—अचलकीर्ति (आचार्य) कृत। र का सं १७१५। वि जैनधर्म के 'विषापहार स्तोत्र' का अनुवाद।

(क) प्रा —दिगम्बरप्रचारिणी जैन सभा जयपुर।→०००-१ १।

(ख) प्रा —स्व रविदत्त शर्मा मरेला दिल्ली।→दि १२-१।

(ग) प्रा०—श्री जैन मंदिर (नया), पैंढ़ा का मुस्तफाबाद (मैनपुरी)। →१२-२।

विषापहार (भाषा) (पद्य)—धनंजय कृत। वि विषरूपी दोषों के निवारणार्थ भगवान जिन की वंदना।

प्रा०—स्व रविदत्त शर्मा मरेला दिल्ली।→दि ११-२६।

विषविधि तथा स्तूप रसायन (गद्य)—पुरुषोत्तम कृत। वि विषौषधियों का वर्णन।

(क) प्रा —श्री रामेश्वरशरणसिंह त्रिपाठी देवरिया (गोरखपुर)।→सं १-२ ९।

(ख) प्रा —श्री श्रीपाल वैद्य लखुरी का गौरीगंज (सुलतानपुर)। → सं ४-२१ ।

विपैपहार स्तोत्र (भाषा)→'विषापहार (भाषा)' (अचलकीर्ति कृत)।
विष्णु (कवि)→'विष्णुदास' ('महाभारत कथा' आदि के रचयिता)।
विष्णुकुमार की कथा (पद्य)—विनोदीलाल कृत। लि० का० सं० १६५५। वि० जैन-
धर्म की एक कथा।
प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३-४४० बी।
विष्णुकुमार महामुनि पूजन (पद्य)—बाबूलाल कृत। वि० विष्णुकुमार महामुनि का
पूजन विधान।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-८७ क।
विष्णुगिरि (गोस्वामी)—गोसाई गोविंदगिरि के शिष्य। सं० १८०१ के लगभग
वर्तमान।
वृद्ध चाणक्य राजनीति (भाषा) (पद्य)→२६-५०१।
सुगमनिदान (पद्य)→०२-१०६।
विष्णु गीतावली (पद्य)—महावीरप्रसाद कृत। र० का० सं० १६३७। लि० का०
सं० १६४०। वि० रामस्तुति और उपदेश।
प्रा०—पं० कुंदनलाल, सफीपुर (उन्नाव)।→२६-२८४ सी।
विष्णुदत्त—रामदत्त (आनंद रामदत्त) के पुत्र। चैमलपुर (सिकंदरा) के ठाकुर
जयगोपालसिंह और नसरथपुर के राजा सरनामसिंह के आश्रित। नरहरि कवि
के वंशज। सं० १८६६-१८६५ के लगभग वर्तमान।
राजनीतिचंद्रिका (पद्य)→०४-७०।
वसंतविलास (पद्य)→१७ २०३, २६-५००।
विष्णुदत्त—संभवत किसी मोहनलाल कायस्थ के आश्रित।
महावाक्य विवरण (भाषा) (पद्य)→सं० ०१-३८६।
विष्णुदत्त (महापात्र)—महापात्र ब्राह्मण। विंध्याचल (मिरजापुर) निवासी।
सं० १६१७ के लगभग वर्तमान।
दुर्गाशतक (पद्य)→०६-३२८, २३-४४३, सं० ०१-३६०।
विष्णुदास—अन्य नाम विष्णु कवि। गोपाचलगढ (ग्वालियर) के राजा डोंगरसिंह के
आश्रित। सं० १४६२ के लगभग वर्तमान।
महाभारत कथा (पद्य)→०६-२४८ ए, २६-३२८ ए।
रुक्मिणीमंगल (पद्य)→१२-१६३, २६-४६८ ए, बी, २६-३२८ बी,
दि० ३१-६६, ४१-५६० (अप्र०)।
महाभारत (स्वर्गारोहण पर्व) (पद्य)→०६-२४८ बी, २६-३२८ सी, डी, ई,
एफ, सं० ०१-३८८।
विष्णुदास—झाभर के निवासी। गुरु का नाम संभवत ढढी रामसुख। सं० १८५१ के
लगभग वर्तमान।
बारहखड़ी (पद्य)→०६-३२७, २३-४४२, सं० ०४-३६७।

विष्णुदास—कायस्थ। पन्ना (मध्यप्रदेश) निवासी। १७वीं शताब्दी के अंत में वर्तमान।
एकादशी माहात्म्य (पद्य)→ १-११७।

विष्णुदास—(?)
स्नेहलीला (पद्य)→२०-२ ए बी; २६-४२६।

विष्णुदास—(?)
नवनागरी के पद (पद्य)→सं १-३११।

विष्णुदास—(?)
वाल्मीकि रामायण (भाषा) (पद्य)→ ४१-२१४।

विष्णुदास—परमसुखदेव (पाराशरीनाटक के रचयिता) के आश्रयदाता। → सं १-२।

विष्णुदास→ परमानंददास' (अष्टछाप के प्रसिद्ध कवि)।

विष्णुदास (राजा)—अन्य नाम विष्णुसिंह। समथर (बुंदेलखंड) नरेश। गंगाप्रसाद उदैनिया के आश्रयदाता। सं १८४४ के लगभग वर्तमान।→ ६-१४ १७-६।

विष्णुपद (पद्य)—गंगा कृत। वि भजन स्तुति आदि।
प्रा —बिजावरनरेश का पुस्तकालय बिजावर।→ ६-१३।

विष्णुपद (पद्य)—गंगा कृत। वि भजन स्तुति आदि।
प्रा —बिजावरनरेश का पुस्तकालय बिजावर।→ ६-१३।

विष्णुपद (पद्य)—पृथ्वीसिंह (राजा) उप रसनिधि कृत। लि का सं १८४७। वि राधाकृष्ण प्रशस्ति।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६ ६१ के।

विष्णुपद (पद्य)—रतन (कवि) कृत। र का सं १८५६। वि भगवद भक्ति।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४-१ २।

विष्णुपद (पद्य)—मधुकर (विप्रभावीत) कृत। वि राधाकृष्ण की लीला।
(क) लि का सं १८७१।
प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→ ६-६७ ई।
(ख) प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→ ६-६७ डी।

विष्णुपद (पद्य)—विष्णुरसिक कृत। वि भक्ति।
प्रा —पं रामगुलाम शुक्लपुर डा मानधाता (प्रतापगढ़)।→सं ४-३६८।

विष्णुपद (पद्य)—सर्वजीत कृत। वि भक्ति और उपदेश।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४-६४।

विष्णुपद (पद्य)—सूरदास कृत। लि का सं १६ ४। वि संक्षिप्त कृष्ण चरित।
प्रा —श्री विठ्ठलदास महंत, मिरजापुर, डा बहराइच (बहराइच)। → २१-४१६ डी।

विष्णुपद और कीर्तन (पद्य)—पृथ्वीसिंह (राजा) उप० रसनिधि कृत। वि० भक्ति।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६-६५ ए।

विष्णुपद तथा होरी आदि का संग्रह (पद्य)—गोविंददास कृत। वि० भक्ति तथा होली आदि।
प्रा०—ठा० रुस्तमसिंह, असवाई, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)।→३२-६६ डी।

विष्णुपदी पचासा (पद्य)—वेणीप्रसाद (पाडेय) द्वारा संगृहीत। स० का० सं० १८५६। वि० तुलसी कृत कृष्णगीतावली के ५० पदों का संग्रह।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२३-३६।

विष्णुपुराण (पद्य)—धर्मपाल कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० गौरीशंकर शर्मा, फतेहाबाद (आगरा)।→२६-५३१।

विष्णुपुराण (पद्य)—भिखारीदास (दास) कृत। वि० विष्णुपुराण का अनुवाद।
(क) लि० का० सं० १६३३।
प्रा०—प्रतापगढनरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ।→२६-६१ क्यू।
(ख) मु० का० सं० १६५१।
प्रा०—लाल रमायदुपालसिंह, ताल्लुका नूरुद्दीनपुर, डा० करहिया बाजार (रायबरेली)।→सं० ०४-२६१ झ।
(ग) प्रा०—पं० वचनेश मिश्र, कालाकाँकर।→०६-२७ बी।
(घ) प्रा०—पं० महावीर दूबे, हसनपुर, डा० परियावाँ (प्रतापगढ)। →२६-६१ आर।

विष्णुपुराण (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० सरल चौबे और रामनरेखन चौबे, सहतवार, दक्षिणटोला बहतर, बलिया।→४१-४०६।

विष्णुपुराण (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विष्णुपुराण का अनुवाद।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-५६२।

विष्णुपुराण (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विष्णुपुराण का अनुवाद।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-५६३।

विष्णुपुराण (गोपालचरित्र) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६३४। वि० दशावतार वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-५६४।

विष्णुपुराण (भाषा) (गद्यपद्य)—महेशदत्त कृत। लि० का० सं० १६३०। वि० विष्णुपुराण का अनुवाद।
प्रा०—ठा० रामसिंह, मझगवाँ, डा० बेनीगंज (हरदोई)।→२६-२२० एल।

विष्णुपुरी—किसी माधवदास के मित्र।
भक्तिप्रकाशिका टीका (पद्य)→सं० ०१-३६२।

विष्णुपुरी (परमहंस)—(?)
भक्तिरत्नावली टीका (गद्य)→२३-८४ ४१ ५६१ (अप्र)।
विष्णुभक्त→ रामनारायण' ('युगलकिशोर सहस्रनाम' के रचयिता)।
विष्णुरसिक—(?)
विष्णुपद (पद्य)→र्द ४-११८।
विष्णुविनोद (पद्य)—गोवर्द्धनधर (मिश्र) कृत। र का र्द १६१ । लि का र्द ११३६। वि विष्णु की महिमा और स्तुति।
प्रा —पं शिवदत्त मिश्र फाजिमनगर डा बिल्हौर (कानपुर)। → २६-१५१ डी।
विष्णुविलास (पद्य)—लाल (कवि) कृत। वि नायक नायिकाभेद।
प्रा —ठा नौनिहालसिंह सेंगर काँथा (उन्नाव)।→२१-२४१।
विष्णुशक्ति→ रामनारायण' ('युगलकिशोर सहस्रनाम के रचयिता)।
विष्णुसखी —राधावल्लभी वैष्णव। संभवतः कोई स्त्री। र्द १७९७ के लगभग वर्तमान।
हितासक (पद्य)→१२ १६४।
विष्णुसहस्रनाम (पद्य) - मलूकदास कृत। वि विष्णु के सहस्रनामों का वर्णन।
प्रा —श्री लेकसेसिंह नगलाफौजी, डा सिरसागंज (मैनपुरी)। → १२-११८ डी।
विष्णुसहस्रनाम (पद्य)—हरिभुवनदास कृत। वि विष्णुसहस्रनाम का अनुवाद।
प्रा —श्री जमुनाप्रसाद करूपुर, डा बेलारामपुर (प्रतापगढ़)। → र्द ४-४१४।
विष्णुसिंह—रामगढ़ नगर (?) के राजा। चिरजाराम के आश्रयदाता। र्द १७८० के लगभग वर्तमान।→र्द ८ १७३।
विष्णुसिंह→'विष्णुदास (गंगाप्रसाद उदैनिया के आश्रयदाता)।
विष्णुसिंह (राजा)—आढ़ नरेश। कुलपति मिश्र के आश्रयदाता। र्द १७४९ के लगभग वर्तमान।→१२-१ ।
विष्णुस्वामी चरितामृत (पद्य)—रामदास कृत। वि विष्णु स्वामी का जीवन चरित्र।
प्रा —बाबू बालकृष्णदास चौखंभा वाराणसी।→४१-१ १।
विसराम—वास्तविक नाम विश्रामदास (विश्रामदास)। सेंगर राजपूत। ग्राम (रसड़ा बलिया) निवासी। निम्बार्क और तुलसीदास के शिष्य। र्द ११९५ के पूर्व वर्तमान।
रामनामा (पद्य)→४१-२५१ क।
रामहितावली (पद्य)→४१-२५६ ख।

विहारचंद्रिका (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। र० का० सं० १७८८। वि० राधाकृष्ण का विहार।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंभा वाराणसी।→०१-११३।

विहारपच्चीसी (पद्य)—सुरसखी कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।
प्रा०—पं० उमाशंकर द्विवेदी आयुर्वेदाचार्य, पुराना शहर, वृंदावन (मथुरा)। →३५-६५ बी।

विहारवृंदावन (गद्यपद्य)—वृंदावनदास कृत। वि० ब्रह्मज्ञान।
प्रा०—पं० बैजनाथ ब्रह्मदत्त, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ)।→२६-६०।

वीज्ञानबोध→'ज्ञानबोध' (अक्षर अनन्य कृत)।

वीर—कान्यकुब्ज वाजपेयी ब्राह्मण। मंडला (जबलपुर) निवासी। सं० १८१८ के लगभग वर्तमान।
प्रेमदीपिका (पद्य)→०६-१४०।

वीर (कवि)—पटियाला नरेश महाराज नरेंद्रसिंह के आश्रित। सं० १९१७ के लगभग वर्तमान।
रसबोध (पद्य)→पं० २२-१५।

वीर अमरसिंह (पद्य)—केशवदास कृत। र० का० सं० १८३१। वि० पटियाला नरेश महाराज अमरसिंह की भट्टियों पर विजय का वर्णन। →पं० २२-५५।

वीरकिशोर—कोई राजा। धीर कवि के आश्रयदाता। सं० १८५७ के लगभग वर्तमान। →०६-२९।

वीरभगत—सं० १८४८ के पूर्व वर्तमान।
ब्रज की बाललीला (पद्य)→सं० ०१-३९३।

वीरभद्र (गद्य)—नित्यनाथ कृत। वि० तंत्र, स्वरज्ञान और वैद्यक।
(क) लि० का० सं० १९१५।
प्रा०—पं० रामसेवक मिश्र, मीरक नगर, डा० निगोहाँ (लखनऊ)। →२६-२५५ बी।
(ख) प्रा०—श्री कृष्णगोपाल शर्मा, दी यंग फ्रेंड ऐंड कं०, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१-६३ ए।

वीरभद्र—संभवत 'फागुनलीला के रचयिता वीरभद्र।→१७-२९।
बुढियालीला (पद्य)→३५-१०१।

वीरभद्र—(?)
चंद्रावलीलीला (पद्य)→सं० ०१-३९४ ग।
ब्रजविलास (पद्य)→सं० ०१-३९४ क, ख।

वीरभद्र—(?)
उड्डीश (गद्य)→२६-४९७।

वीरभद्र—(?)
फागुन लीला (पद्य)→१७-१९।

वीरभाण—सं० १७६१ के लगभग वर्तमान।
एकाक्षरमंजरी (पद्य)→१८-१७।

वीरमान (चौहान)—(?)
अश्वमेध (भारत) (पद्य)→सं० १-१६५।

वीरमानुदेव—तोमर क्षत्रिय। पिता का नाम विक्रमसेनदेव।
रविरहस्य (गद्य)→सं० ४-११६।

वीररस वैराग योग (ग्रंथ) (पद्य)—हरिदास (?) कृत। वि० वैराग्य संबंधी दार्शनिक विचार।
प्रा०—श्री वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी।→१५-२६ भाई।

वीरविनोद (पद्य)—गौरीशंकर (भट्ट) कृत। लि० का० सं० १६४। वि० वीर रस वर्णन।
प्रा०—ठा० रतनसिंह कुटी चंदसेन डा० रहीमाबाद (लखनऊ)। → २६-१ १ बी।

वीरविलास→'महाभारत (द्रोणपर्व) (दत्त कृत)।

वीरशतक (पद्य)—गोपालदास (भावुक) कृत। वि० सत रज और तम प्रकृति के आधार पर छै प्रकार के वीरों का वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-१७ क।

वीरसिंहदेव—ओड़छा नरेश। राज्यकाल सं० १६१२ १६८४। केशवदास के आश्रयदाता। इनके भाई चंद्रभान के पौत्र शत्रुजित के लिये मतिराम ने 'वृत्तकौमुदी' की रचना की थी।→ ६-१८ १ -१ ५।

वीरसिंहदेव चरित्र (पद्य)—केशवदास कृत। र० का० सं० १६६४। वि० ओड़छा के राजा वीरसिंहदेव का चरित्र।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६-१८ ए।

वीसलदेवरासा→बीसलदेवरासो (नरपतिनाल्ह कृत)।

वृंद (कवि)—सेवक जाति के ब्राह्मण। मेड़ता जोधपुर निवासी। कृष्णगढ़ नरेश महाराज सावंतसिंह (नागरीदास) के पिता महाराज राजसिंह के गुरु। सं० १७४१ १७६१ के लगभग वर्तमान। सं० १७६१ में बादशाह औरंगजेब की फौज के साथ ढाके तक गए थे। इनके वंशज जयलाल कवि कृष्णगढ़ में वर्तमान हैं। जयकृष्ण कवि कृत 'कवित्त' में भी संगृहीत।→ २ ६८ (आठ); २-७१।

पतिमिलन (पद्य)→४१-२५६ क।

पवन पचीसी (पद्य)→४१-२५६ ख।

भावप्रकाश पचाशिका (पद्य)→०६-३३० ए, २३-४४६ ए, २६-५०४, दि० ३१-१६, ४१-५६२ (अप्र०)।

यमकालकार सतसैया (पद्य)→४१-२५६ ग, स० ०१-३६६।

वृंदसतसई (पद्य)→००-१२१, ०२-६, ०६-३३० बी, २३-४४६ बी।

शृगार शिक्षा (पद्य)→०२-४२।

वृंदविनोद→'यमकालकार सतसैया' (वृंद कवि कृत)।

वृंदसतसई (पद्य)—वृंद (कवि) कृत। र० का० स० १७६१। वि० नीति।

(क) लि० का० स० १८७४।

प्रा०—निमरानानरेश का पुस्तकालय, निमराना।→०६-३३० बी।

(ख) लि० का० स० १६०५।

प्रा०—ठा० गुरुप्रसादसिंह, गुठवा (बहराइच)।→२३-४४६ बी।

(ग) प्रा०—श्री जैन वैद्य, जयपुर।→००-१२१।

(घ) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-६।

वृंदायन—(?)

ज्योतिषसार (गद्य)→२६-५०५।

सामुद्रिक (पद्य)→१७-३३।

वृंदावन→'विंद्रावन' (नौनिधि' के रचयिता)।

वृंदावन (जैन)—गोयल गोत्रीय अग्रवाल जैन। काशी निवासी। पिता का नाम धर्मचद। पितामह का नाम लालजी। छोटेभाई का नाम महावीर। पुत्रों के नाम अजित और सिखिरचद। स० १८६१ के लगभग वर्तमान।

जैनछदावली (गद्यपद्य)→००-११७।

पचकल्याणकपूजा (पद्य)→२३-४४७।

प्रवचनसार परमागम अध्यात्म विद्या भाषा छद (पद्य)→स० १०-१२४।

वृंदावन (जैन)—किसी विश्वभूषण के शिष्य। स १७२६ के लगभग वर्तमान।

शनिश्चर की कथा (पद्य)→स० ०४-३७०।

वृंदावन (भाष्य) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८६०। वि० कृष्ण की प्रेमलीला।

प्रा०—ठा० रामपालसिंह, दातागाँव, डा० बरताल (सीतापुर)।→२६-६६।

वृंदावन (लाला)—सभवत 'गुरुमहिमाप्रसादवेलि' आदि के रचयिता वृंदावनदास।→२६-१८।

रामायनी ककहरा (पद्य)→२६-५६।

वृंदावन अष्टक (पद्य)—अतिवल्लभ कृत। वि० वृंदावन की महिमा।

वृदावनमहिमा (पद्य)—हितचदलाल कृत । लि० का० स० १६४६ । वि० वृदावन की महिमा, उपदेश आदि ।
प्रा०—गो० गिरधरलाल, झाँसी ।→०६–४३ डी ।

वृदावनमाधुरी (पद्य)—रूपराशि कृत । वि० वृदावन की शोभा तथा महिमा ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२२२ (विवरण अप्राप्त) ।

वृदावनमाहात्म्य (पद्य)—गोपालराय (भाट) कृत । र० का० स० १६०३ । लि० का० स० १६०४ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृदावन (मथुरा) ।→१२–६२ डी ।

वृदावनरहस्य (पद्य)—हितरूपलाल कृत । वि० वृदावन माहात्म्य ।
प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, अठखबा, वृदावन (मथुरा) ।→१२–१५८ एफ ।

वृदावनवर्णन (पद्य)—व्यास कृत । लि० का० स० १७८१ । वि० भक्ति ।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–४०० ।

वृदावनविहार माधुरी (पद्य)—माधुरीदास कृत । वि० कृष्णलीला ।
प्रा०—प० केदारनाथ पाठक, वेलेजलीगज, मिरजापुर ।→०२–१०४ (छै) ।

वृदावनशतक (पद्य)—हितचदलाल कृत । वि० वृदावन माहात्म्य और राधाकृष्ण विहार ।
प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृदावन (मथुरा) ।→१२–३५ बी ।

वृदावनशतक→'वृदावनसत' (ध्रुवदास कृत) ।

वृदावनशतक→'वृदावनसत' (भगवतमुदित कृत) ।

वृदावनशरणदेव—(?)
ध्यानमजरी (पद्य)→२३–४४८ ।

वृदावनसत (पद्य)—अखैराम कृत । वि० वृदावन माहात्म्य और शोभा ।
प्रा०–प० पूर्णचद्र, पनवारी, डा० रुनकुता (आगरा) ।→३२–४ सी ।

वृदावनसत (पद्य)—आनदघन कृत । र० का० स० १७०७ । वि० वृदावन की शोभा ।
प्रा०—प० रामनारायण, कोसीकलाँ (मथुरा) ।→३२–७ ई ।

वृदावनसत (पद्य)—अन्य नाम 'वृदावनशतक' । ध्रुवदास कृत । र० का० स० १६८८ । वि० वृदावन की शोभा और महिमा ।
(क) लि० का० स० १७६० ।
प्रा०—श्री लोकमन चौबे, उम्मेदगढी, डा० हरदुआगज (अलीगढ) । → २६–८८ सी ।
(ख) लि० का० स० १८५१ ।
प्रा०—लाला गजाधरप्रसाद, कूराडीह, डा० परियावाँ (प्रतापगढ) । → २६–१०५ ए ।
(ग) लि० का० सं० १८५४ ।

प्रा —पं भगवतीप्रसाद शर्मा करहरा, डा भीटला (आगरा)। →
२१-८८ बी।

(घ) लि का सं १८६ ।

प्रा —गो श्रीसचरण, घेरा श्री राधारमण जी, वृंदावन (मथुरा)। →
२६-८८ एच।

(ङ) लि का सं १८९१ और १९१८।

प्रा —डा वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्व
विद्यालय वाराणसी।→सं ०-६१।

(च) प्रा —बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय चौखंभा वाराणसी।→ ०-८।

(छ) प्रा —श्री चुन्नीलाल वैद्य दंडपाणि की गली, वाराणसी। →
६-७१ सी।

(ज) प्रा —श्री महंत संतदास ब्रह्मचारी जी का स्थान संग्रामपुर डा
परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६-१ ९ बी।

(झ) प्रा —ठा धनकसिंह शाहगुंजी टा बाह (आगरा)।→२६-८८ ई।

(ञ) प्रा —मुंशी चोरामरसिंह अगारोल (आगरा)।→२६ ८८ एफ।

(ट) प्रा —ठा प्रतापसिंह रतौली डा होलीपुरा (आगरा)। →
२६-८८ जी।

(ठ) प्रा —पं कृष्णप्रसाद, बंग मैन ऐंड सं चाँदनी चौक, दिल्ली। →
दि ११-१६।

(ड) प्रा•—पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१-६ ७ क (अप्र)।

वृंदावनसत (पद्य)—अन्य नाम 'वृंदावनशतक'। माधवमुदित कृत। र का
सं १७ ७। वि वृंदावन की महिमा और कृष्णलीला।

(क) लि का सं १८१८।

प्रा —गो गोवर्धनलाल वृंदावन (मथुरा)।→१२ ११।

(ख) प्रा —नागरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद।→४१-५९८ (अप्र)।

वृंदावनसत (पद्य)—रसिकप्रीतम कृत। वि वृंदावन की महिमा।

प्रा —पं राधाचरण गोस्वामी अवैतनिक मजिस्ट्रेट वृंदावन (मथुरा)। →
६-२१४।

वृंदावनमाहात्म्य (पद्य)—कृष्णदास कृत। वि वृंदावन माहात्म्य।

प्रा —बाबा संतदास राधावल्लभ का मंदिर वृंदावन (मथुरा)।→१२-९८।

वृजजीवन—संभवतः व्रजजीवनदास। वृंदावन निवासी। सं १८६१ के लगभग वर्तमान।

गुरुभक्तमाल (पद्य)→सं ०-१९ ।

वृजनाथ—त्रिविक्रम के पुत्र। संभवतः असौथ निवासी।

सरसरस (पद्य →सं १-१६०।

वृजपति→ ब्रजमीत ('नित्य के पद' के रचयिता)।

वृत्तकौमुदी→'छंदसार पिंगल' (मतिराम कृत)।
वृत्तचंद्रिका (पद्य)—कृष्ण कवि (कलानिधि) कृत। वि० पिंगल।
(क) लि० का० सं० १८१०।
प्रा०—पं० नवनीत चतुर्वेदी, मथुरा।→००-८३।
(ख) प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा।→१७-६३ जी।
वृत्ततरंगिणी (पद्य)—रामसहाय कृत। र० का० सं० १८७३। पिंगल।
(क) लि० का० सं० १६००।
प्रा०—पं० नवलविहारी मिश्र, व्रजराज पुस्तकालय, गधौली, डा० सिधौली (सीतापुर)।→२३-३४६ ए।
(ख) लि० का० सं० १६००।
प्रा०—श्री राधावल्लभ, खैराबाद, डा० राजेपुर (उन्नाव)।→२६-३६४ ए।
(ग) लि० का० सं० १६००।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, मौडल हाउस, लखनऊ।→२६-३६४ बी।
(घ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। → ०४-२४।
(ङ) प्रा०—पं० रामानंद मिश्र, हिंगनगौरा, डा० कादीपुर (सुलतानपुर)। →२३-३४६ बी।
(च) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →४१-५५२ (अप्र०)।
वृत्तदीपिका (पद्य)—मातादीन (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १८६६। वि० पिंगल।
प्रा०—पं० वैजनाथ शर्मा, जसवंतनगर (इटावा)।→३५-६१।
वृत्तमंजरी (भाषा) (पद्य)—शिवसिंह कृत। वि० पिंगल।
प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच)।→२३-३८७ डी।
वृत्तरत्नाकर (पद्य)—पृथ्वीलाल कृत। र० का० सं० १८७३। लि० का० सं० १६१४। वि० संगीतशास्त्र।
प्रा०—महाराज महेंद्रमानसिंह, महाराज भदावर, नौगवाँ (आगरा)। → ३२-१७२ सी।
वृत्तरत्नावली (पद्य)—चिरंजीव (भट्टाचार्य) कृत। लि० का० सं० १६०५। वि० पिंगल।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४ ६७।
वृत्तरत्नावली (भाषा) (पद्य)—शिवसिंह कृत। वि० पिंगल।
प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच)।→२३-३८७ ई।
वृत्तविचार (पद्य)—अन्य नाम 'पिंगल'। दशरथ कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १७६३।
प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, गोलवारा, सदावर्ती (आजमगढ)।→४१-१०१ क।
(ख) लि० का० सं० १८५६।

प्रा —पं महावीर मिश्र गुरदौला, श्राजमगढ़ ।→ ६ ५७ ।

(ग) लि का सं १८२७ ।

प्रा —लाला छोटेलाल श्रमदार समधर ।→ १ १२१ (विवरण अप्राप्त) ।

वृत्तविचार→'वृत्तविचार पिंगल (सुखदेव मिश्र) ।

वृत्तविचार पिंगल (पद्य)—अन्य नाम 'पिंगल (भाषा) और 'पिंगलवृत्त विचार' । सुखदेव (मिश्र) कृत । र का सं १७२८ । वि छंदशास्त्र ।

(क) लि का सं १८५१ ।

प्रा —पं रामदुलारे डा देव (पाराबंकी) ।→२३-४१२ एम ।

(ख) लि का सं १८८८ ।

प्रा —श्री गौरीशंकर कवि, रतिया ।→ ६-२४ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(इस ग्रन्थ प्रतियाँ और हैं जिनमें एक का लि का सं १८५ है ।)

(ग) लि का सं १६१५ ।

प्रा —ठा भगवंतसिंह गुजौली डा पौरी (बहराइच) ।→२३-४१२ बी ।

(घ) लि का सं १६१६ ।

प्रा —प कृष्णविहारी मिश्र संपादक, माधुरी लखनऊ ।→२३-४१२ डी ।

(ङ) लि का सं १६१६ ।

प्रा —श्री कृष्णविहारी मिश्र माडल हाउस लखनऊ ।→२६-४१५ बी ।

(च) लि का सं १६१२ ।

प्रा —लाला भगवतीप्रसाद सदाबापुर डा सिसैया (बहराइच) । → २३ ४१२ श्राइ ।

(छ) प्रा —पं युगादत्त अवस्थी कंपिला (फरुखाबाद) ।→१७-१८३ बी

(ज) प्रा०—पं कन्हैयालाल महापात्र असनी (फतेहपुर) ।→१ १८७ ई ।

वृद्ध चाणक्य राजनीति (भाषा) (पद्य)—विष्णुगिरि (गोस्वामी) कृत । लि का सं १६ ८ । वि राजनीति ।

प्रा —पं शिवदत्त शुक्ल, बैतीपुर (उन्नाव) ।→२६-५ १ ।

वृद्ध चाणक्य राजनीति शास्त्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १७१० । वि चाणक्य नीतिशास्त्र का अनुवाद ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-२१४ ।

वृद्धिनिधि (त्रिपाठी)→ भवानीचरण ('गहरीपक के रचयिता) ।

वृषभानुरायजी की वंशावली→वंशावली (वृषभानुराय की) (किशोरीदास कृत) ।

वृषभानुसुयश पचीसी (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । वि राधा जी का सुयश ।

प्रा०—लाला नादकचंद मथुरा ।→१७-१४ एल ।

वृहत्संहिता (भाषा) (पद्य)—महोत्पल कृत । लि का सं १८४८ । वि ज्योतिष ।

प्रा०—श्री रामप्रसाद मिश्र, श्रवभी, डा० त्रिमुडी (सुलतानपुर)। → स० ०१–२५३।

वृहद्कालज्ञान (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० आयुर्वेद।

प्रा०—प० रुथानीराम, सहायक अध्यापक, चमरौला, डा० त्ररहन (आगरा)। →२६–१३५।

वृहस्पतिकाड (गद्यपद्य)—भड्डरी (भड्डलि) कृत। लि० का० स० १८८२। वि० ज्योतिष।

प्रा०—प० रामनिवास त्रिपाठी, परियावॉ (प्रतापगढ)।→२६–४६ बी।

वृहस्पतिकाड→'रत्नसागर ज्योतिष' (तुलसीदास कृत)।

वेकटेश (स्वामी)—(?)

आत्मप्रबोध (गद्य)→०६–३४१, २६–४६४।

वेणी—(?)

पद (पद्य)→स० ०७–१८१।

वेणीप्रसाद (पाडेय)—बहराइच निवासी। स० १८५६ के लगभग वर्तमान।

विष्णुपदीपचासा (पद्य)→२३–३६।

वेणीमाधव (भट्ट)—उप० प्रवीन। स० १७६८ के पूर्व वर्तमान।

चतुर्विधिपत्री (पद्य)→स० ०१–३६८।

विचित्रालकार (पद्य)→स० ०१–३६८।

वेद गोरखनाथ का (पद्य)—गोरखनाथ कृत। लि० का० स० १८५६। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री वेचनराम मिश्र, पडित का पुरा, डा० जॅघई (जौनपुर)। → स० ०१–१०० क।

वेदनिर्णय पचाशिका (पद्य)—बनारसीदास कृत। र० का० स० १६८६। वि० ऋषभदेव की जन्म कथा और जैनों के अनुसार वेदों का परिचय।

(क) प्रा०—प० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद, बुलदशहर।→१७–१६ सी।

(ख) प्रा०—श्री कालिकाप्रसाद, रुस्तमपुर, डा० राजेपुर (उन्नाव)। → २६–३६ सी।

वेदमणि—अन्य नाम मनिवेद और वेदविद।

कवित्त (पद्य)→४१ १८४।

वेद रामायण (पद्य)—भूपनारायणसिंह कृत। र० का० स० १८५३। वि० फारसी चहारदर्वेश का अनुवाद।

प्रा०—प० चुन्नीलाल वैद्य, दडपाणि की गली, वाराणसी।→०६–२६ सी।

वेद विचार—सुदरदास कृत अनुपलब्ध ग्रथ।→०२–२५ (आठ)।

वेदविद→'वेदमणि' ('कवित्त' के रचयिता)।

वेदव्यास→'व्यास' ('प्रश्न' आदि के रचयिता)।

वेदसामुद्रिक→'समाश्रीतसामुद्रिक (रामदया कृत)।
वेदस्तुति (पद्य)—भूपति कृत । वि वेद वर्णित भगवान की स्तुति ।
(क) लि का सं १६११ ।
प्रा —पं रामकृष्ण फतेहाबाद (आगरा)।→२६–२१ ए ।
(ख) प्रा —श्री मक्खनलाल गुड़ की मंडी, फतेहपुरसीकरी (आगरा)।→ २६–२१ बी ।
वेदांत (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि वेदांत दर्शन ।
प्रा —मुं प्यारेलाल नयलासिंगी ग्रा ईंदला (आगरा)।→२६–२१ ।
वेदांत (भाषा)→ वेदांत परिभाषा (मनोहरदास निरंजनी कृत)।
वेदांतअष्टावक (भाषा) (पद्य)—बनारसी (?) कृत । र का सं १७५ ।
लि का सं १८६ । वि वेदांत ।
प्रा —ठा रामचरणसिंह निसारा ग्रा विसावर (मथुरा)।→३५–२ डी ।
वेदांतकीर्तन (पद्य) महामति (महामंत) कृत । वि वेदांत की महिमा और ज्ञानोपदेश आदि ।
प्रा —सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–१ ८ एफ ।
वेदांत के प्रश्न (गद्य)—प्राणनाथ कृत । वि वेदांत की समस्याओं का विवेचन ।
प्रा —बाबू राममनोहर शिवपुरिया, पुरानीबस्ती टा कटनी (जबलपुर)।
→२६–२६६ ए ।
वेदांत के प्रश्न (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि वेदांत संबंधी कुछ प्रश्न और उनके उत्तर ।
प्रा —श्री राममनोहर शिवपुरिया पुरानीबस्ती कटनी मुड़वारा (जबलपुर)।→ २६ ६० (परि १)।
वेदांतत्रयी (गद्य) —मन्नालाल कृत । लि का सं १२२५ । वि वेदांत ।
प्रा – पं रमाकांत मिश्र मुख्तार ग्रा लहरपुर (सीतापुर)।→२६ २१५ ।
वेदांतपंचक सटीक (भाषा) (गद्यपद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत । वि वेदांत ।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४–५४ ।
वेदांतपरिभाषा (पद्य)—मनोहरदास (निरंजनी) कृत । र का सं १७१७ (१७००)।
वि वेदांत ।
(क) लि का सं १८४ ।
प्रा —बलियानरेश का पुस्तकालय बलिया ।→ ६–२६१ बी (विवरण अप्राप्त)।
(ख) प्रा —ठा नौनिहालसिंह सेंगर कांथा (उन्नाव)।→२३–२७२ सी ।
वेदांतरत्नमंजूषा की भाषा टीका (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८५८ ।
वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१–४१ ।

वेदांतरहस्य (पद्य)—अन्य नाम 'अष्टावक्र (भाषा)'। रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६१। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-४११।

वेदांतसार (पद्य)—सुंदरदास कृत। वि० वेदांत।
प्रा०—लाला पुरुषोत्तमदास रईस, कालाकाँकर (प्रतापगढ)।→२६-४७० ई।

वेदांतसार-श्रुति दीपिका (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। लि० का० सं० १९३०। वि० श्री रामचंद्र विहार।
प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→०६-१३४ एच।

वैकुंठ (जन)—(?)
पदावली (पद्य)→सं००१-३९९।

वैकुंठमणि (शुक्ल)—ब्राह्मण। ओड़छा नरेश महाराज जसवंतसिंह और बिजन (टीकमगढ) के जागीरदार सावंतसिंह तथा रानी मोहनकुँवरि के आश्रित।
अगहनमाहात्म्य (गद्य)→०६-५ बी।
वैसाखमाहात्म्य (गद्य)→०६-५ ए।

वैठकचरित्र (गद्य —रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभाचार्य जी की ८४ बैठकों का वर्णन।
प्रा०—देवकीनदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७-१०५ (परि०३)।

वैतसमन व्रेज का (पद्य)—समन कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री देवीगिरि, तिलोई (रायबरेली)।→सं० ०४-४०२।

वैदकसदा (पद्य)—रघुवरदास (रघुवरसखा) कृत। र० का० सं० १९०१। वि० वैद्यक।
प्रा०—महंत विट्ठलदास, मिरजापुर (बहराइच)।→२३-३३३ एफ।

वैद्यक (गद्यपद्य)—केशव कृत। वि० वैद्यक।
प्रा०—श्री कृपानारायण शुक्ल, मुंशीगंज कटरा, डा० मलीहाबाद (लखनऊ)। →२६-२३१।

वैद्यक (गद्य)—दामोदर कृत। वि० 'शार्गधर' का अनुवाद।
प्रा०—श्री चिरंजीलाल वैद्य, बेलनगंज, आगरा →२६-७६।

वैद्यक (गद्यपद्य)—देव (देवदत्त)। वि० वैद्यक।
प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)।→२३-८९ वाई।

वैद्यक (गद्य)—लुकमान कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री रामचरन वैद्य, साले का बाजार, लखनऊ।→०६-१७५।

वैद्यक (पद्य)—श्याम (कवि) कृत। लि० का० सं० १८१६। वि० चिकित्सा।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-३०१।

वैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८५५। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री बाबूराम अध्यापक, रामनगर, डा० अबाढ (एटा)।→२६-५१८।

वैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं शीतलाप्रसाद दीक्षित सिकरी डा तंबौर (सीतापुर) । → १६-६८ (परि १) ।

वैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं दीनानाथ मिश्र फतेहपुर चौरासी, डा सफीपुर (उन्नाव) । → २६-६८ (परि १) ।

वैद्यक (गद्य) रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं गोविंदराम अमरोलीकटारा (आगरा) । → ११-५११ ।

वैद्यक (पद्य) —रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं दामोदरप्रसाद ओलरा डा नारखी (आगरा) । → ११-५२ ।

वैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—ठा नवाबसिंह जमींदार कुराहली डा सिरसागंज (मैनपुरी) । → १५-११६ ।

वैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं छोटेलाल माऊपुरा डा बलर्धनगर (इटावा) । → १५-११७ ।

वैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं रामकृष्ण शर्मा भरथार डा बलरई (इटावा) । → १५-११८ ।

वैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —चौधरी सुमेरसिंह धनेमपुर डा बलर्धनगर (इटावा) । → १५-११६ ।

वैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं रामनारायण शर्मा बसराना (मैनपुरी) । → १५-१२ ।

वैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —चौधरी कृष्णगोपालसिंह रईस जमींदार, रसूलपुर डा तिसिवानी (मैनपुरी) । → १५-१२१ ।

वैद्यक (*कठिन रोग की औषधि*) (*गद्य*)—आत्माराम (*मिश्र*) कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा श्री रामशंकर वैद्य धनराजपुर डा मल्हावाँ (एटा) । → २६-२ बी ।

वैद्यक (ग्रंथ) (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं वासुदेव मिश्र कुड़वर डा इस्माइलगंज (इलाहाबाद) । → ४१-४११ ।

वैद्यक (नानकजी ग्रंथ का मत) (गद्यपद्य)—नानक (गुरु) कृत । वि वैद्यक ।
प्रा —हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग । → र्द १-१८८ क ।

वैद्यकल्प (पद्य)—पतितदास कृत । वि वैद्यक ।
(क) लि का र्द १६३७ ।
प्रा —पं चंद्रशेखर (कमन मिश्र) मैरीपुर, डा बक्सा (जौनपुर) । → र्द ४-२६६ क ।

(ख) लि० का० स० १६३६ ।

प्रा०—प० लक्ष्मीनारायण मिश्र, पुरा कोलाहल, डा० माधोगज (प्रतापगढ) । →२६–३४६ एन ।

वैद्यककल्पतरु (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १८७६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—बाबा देवगिरि, रामगढ, डा० दतौली (अलीगढ) ।→२६–५२१ ।

वैद्यक की पुस्तक (पुष्पिका)→'अमृतसागर' (लेखराजसिंह कृत) ।

वैद्यक की पोथी (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री फूलचद साधु, दिहुली, डा० बरनाहल (मैनपुरी) ।→३५–३२२ ।

वैद्यकगुटिका (गद्य)—हीरालाल (वैश्य) कृत । लि० का० स० १६०० । वि० वैद्यक ।

प्रा०—ठा० जगदम्बिकाप्रसादसिंह, गुड्वापुर, डा० चिलवलिया (बहराइच) । →२३-१६६ ई ।

वैद्यक ग्रथ की भाषा (गद्य)—अनतराम कृत । लि० का० स० १८७१ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—प० लक्ष्मीदत्त त्रिपाठी, द्वारा प० ब्रह्मदत्त पाडेय, पुराना पाडुपुर, नवाबगज ।→०६–६ ।

वैद्यक चित्तहुलास (गद्यपद्य)—रघुवरदास (रघुवरसखा) कृत । र० का० स० १६०२ । लि० का० स० १६०५ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री विट्ठलदास महत, मिरजापुर (बहराइच) ।→२३–३३३ ई ।

वैद्यकजर्राही→'जर्राहीप्रकाश' (रगीलाल कृत) ।

वैद्यकजोग-सग्रह (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'योगसग्रह वैद्यक' । आधार (मिश्र) कृत । वि० वैद्यक ।

(क) लि० का० स० १८५६ ।

प्रा०—पं० श्रीकृष्णलाल दूबे, बलगवाँ, डा० थानगाँव (सीतापुर) ।→२६–३ए ।

(ख) लि० का० स० १८७० ।

प्रा०—पं० सिद्धनाथ वैद्य, हुसेनगज बावली, लखनऊ ।→२६–३ बी ।

(ग) लि० का० स० १८६७ ।

प्रा०—पं० शिवचरण उपाध्याय, तकिया, डा० पयागपुर (बहराइच) । → →२३–१ ए ।

(घ) लि० का० स० १६१४ ।

प्रा०–ठा० गुरुबख्शसिंह, नवाबगज, हरिहरपुर, डा० नानपारा (बहराइच) ।→ २१–१ सी । (द्वितीय खड) ।

(ङ) लि० का० स० १६३२ ।

प्रा०—ठा० शिवरतनसिंह, रामपुर मथुरा, डा० बसोरा (सीतापुर) । → २६–३ सी ।

(च) लि० का० स० १६३४ ।

प्रा —श्री विठ्ठलदास महंत मिरजापुर (बहराइच) ।→२१-२ बी ।

(ख) प्रा —हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग ।→४१-४७४ (ग्रप्र)।

वैद्यकज्ञानलीला→'वैद्यकलीला (मुखदास कृत)।

वैद्यक फरासीस (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८४ । वि रोगों के नाम उत्पन्न होने के निदान और लक्षण आदि का वर्णन।

प्रा —पं शिवदुलारे करनापुर डा किलवाँ (सीतापुर) ।→२६-६६ (परि १)।

वैद्यक फरासीसी→ मंजुकिपुराण (कनाथ साहब कृत)।

वैद्यकभवन (पद्य)—रामजीवन (द्विवेदी) कृत। वि वैद्यक।

प्रा —श्री रामकमल दूबे दुबौली बाजार (बस्ती) ।→सं ४-१२६ ।

वैद्यकभाषा-सार-संग्रह (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'सारसंग्रह'। गंगाराम कृत। र का सं १७१४। वि वैद्यक।

(क) लि का सं १८ १।

प्रा —पं प्यारेलाल हिंदी अध्यापक, मावल स्कूल निमराना ।→ ६-२१४।

(ख) लि का सं १९१६।

प्रा —पं देवीदत्त शर्मा फतहपुर (बाराबंकी) ।→११ ११६।

टि वो वि ६-२१४ के हस्तलेख में नयनसुख कृत 'वैद्यमनोत्सव' भी है।

वैद्यकमंत्रतंत्र (गद्य)—जगन्नाथदास कृत। वि मंत्र तंत्र और वैद्यक आसन आदि।

प्रा —लाला दीनदयाल पटवारी सराय रहीम डा हरीगंज (अलीगढ़) ।→ २६-१६५ सी।

वैद्यकरत्न→वैद्यरत्न (जनार्दन भट्ट कृत)।

वैद्यकरत्नसार (गद्य)—हीरालाल (वैद्य) कृत। लि का सं १९१२। वि वैद्यक।

प्रा —ठा कामेश्वरप्रसादसिंह गुडवापुर डा जिलमसिया (बहराइच) ।→ २१-१९६ बी।

वैद्यकरसविधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि वैद्यक।

प्रा॰—पं ज्वालाप्रसाद वैद्य सेमरा (अमारा) ।→२६-१२२।

वैद्यकलीला (पद्य)- मुखदास कृत। वि श्रीकृष्णलीला।

(क) लि का सं १७८१।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली ।→सं १-१७४ क।

(ख) प्रा॰—बा गोवर्द्धनलाल राधारमण का मंदिर मिरजापुर। → १-७१ आई।

वैद्यकविमान (गद्य)—प्रतापराम कृत। र का सं १७७२। लि का सं १९ ।

वि वैद्यक।

प्रा॰—ठा अमरसिंह परिहार नगला मम्मनसिंह डा पिलखना (अलीगढ़)। →२६-२७१।

वैद्यकविनोद (गद्य)—दरियावसिंह कृत। र० का० स० १८६०। वि० वैद्यक (फारसी से अनुवाद)।
(क) लि० का० स० १६१०।
प्रा०—श्री सीताराम वैद्य, बमनोई (अलीगढ)।→२६-७८ ए।
(ख) लि० का० स० १६१७।
प्रा०—लाला सीताराम, विनोदगज, डा० छर्रा (अलीगढ)।→२६-७८ बी।

वैद्यकविलास (गद्यपद्य)—चरपटनाथ कृत। वि० वैद्यक।
प्रा०—श्री कृष्णशरण शुक्ल, भादी, डा० मझऊग्रामीर (बस्ती)। → स० ०४-६४।

वैद्यकविलास→'दयाविलास' (दयाराम तिवारी कृत)।

वैद्यकविलास-सग्रह (गद्य)—आधार (मिश्र) कृत। लि० का० स० १८६६। वि० वैद्यक।
प्रा०—लाला फन्नूमल पटवारी, बलदेवपुर, डा० उमरगढ (एटा)। → २६-२ सी।

वैद्यक शारगधर (भाषा)→'शारगधर (भाषा)' (हीरालाल वैश्य कृत)।

वैद्यकसग्रह (गद्य)—शिवराम (शास्त्री) कृत। र० का० स० १६२७ (?)। वि० वैद्यक।
(क) लि० का० स० १६२७।
प्रा०—श्री चिरजीलाल वैद्य, वेलनगज, आगरा।→२६-३१३ ए।
(ख) प्रा०—लाला राजकिशोर, जाहिदपुर, डा० अतरौली (हरदोई)। → २६ ३१३ बी।

वैद्यकसंग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।
प्रा०—प० दुर्गादीन दीक्षित, सिकरी, डा० तंबौर (सीतापुर)। → २६-१०० (परि० ३)।

वैद्यकसंग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—सारख, डा० बरनाहल (मैनपुरी)।→३५-३२३।

वैद्यकसग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० श्यामाचरण कपार्उडर, अजीतमल (इटावा)।→३५-३२४।

वैद्यकसर्वसार-सग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।
प्रा०—प० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा)।→२६-५२४।

वैद्यकसार (गद्य)—केशवप्रसाद (दूबे) कृत। र० का० स० १६२७। वि० वैद्यक।
(क) लि० का० स० १६३०।
प्रा०—पं० शिव शर्मा वैद्य, भासूपुर, डा० फरौली (एटा)।→२६-१६३ जी।
(ख) लि० का० स० १६.०।

प्रा —लाला लालबिहारी, गोहरा, डा शाहाबाद (हरदोई)। →
२६-१६३ एच।
(ग) लि का सं १६११।
प्रा —पं रामभजन बाजपेयी धराप पैंड़ डा सरोंहा (एटा)। →
२६-१६१ एफ।
वैद्यकसार (गद्य)—पुरुषोत्तम (मिश्र) कृत। लि का सं १६ २। वि वैद्यक।
प्रा —।।। विनयीदास पेशा चरमकार कुंडौल, डा टौकी (आगरा)।→
२६-२७५।
वैद्यकसार (गद्यपद्य)—मधुसूदन (गिरि) कृत। वि वैद्यक।
प्रा —पं भानुदत्त सुनार डा फरछुना (इलाहाबाद) →९ –६६।
वैद्यकसार (गद्य)—लक्ष्मीप्रसाद (तिवारी) कृत। वि वैद्यक।
प्रा०—भी रामोराम अध्यापक प्राइमरी स्कूल, ग्राममऊ डा मदबारा
(प्रतापगढ़)।→२६–२५८।
वैद्यकसार (पद्य)—गुलजार (द्विज) कृत। र का सं १८८२। वि वैद्यक।
(क) लि का सं १८८२।
प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय भिनगा (बहराइच)।→११–४११।
(ख) लि का सं १६ २।
प्रा —पं गौरीशंकर वैद्य बलरामपुर।→ १ ११ ।
वैद्यकसार (गद्य)—अन्य नाम योगसार। हीरालाल (वैश्य) कृत। र का
सं १६ । लि का सं १६ । वि वैद्यक।
प्रा —ठा जगदंबिकाप्रसादसिंह गुडमापुर डा बिलबलिया (बहराइच)।→
२१ १६६ एच।
वैद्यकसार (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि औषधियों का संग्रह।
प्रा —पं गोविंदराम हकीम खुर्जा (बुलंदशहर)।→२०–१ १ (परि १)।
वैद्यकसार संग्रह (पद्य)—गुरुप्रसाद कृत। वि वैद्यक।
प्रा —श्री नौबतराम गुलजारीलाल फीरोजाबाद (आगरा)।→२६–१११ बी।
वैद्यकसार-संग्रह (गद्य)—रामप्यारे कृत। लि का सं १६१ । वि वैद्यक।
प्रा०—श्री सिद्धिनाथ वैद्य हुसेनगंज बावली लखनऊ →२६–१७४।
वैद्यकसार संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८८१। वि वैद्यक।
प्रा —पं ताराचंद मुनीम द्वारा मेसर्स मुरलीधर महादेवप्रसाद सिरसागंज
(मैनपुरी)।→२६ १ १ (परि १)।
वैद्यकसार संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि वैद्यक।
प्रा —श्री नौबतराम गुलजारीलाल वैद्य फीरोजाबाद (आगरा)।→२६–५११।
वैद्यकसार (सर्व) संग्रह (गद्य)—मथुरादास कृत। र का सं १०९७। वि
वैद्यक।

प्रा०—श्रीमती श्रद्धाकुँवरि देवी, अध्यापिका कन्यापाठशाला, डा० इटौंजा (लखनऊ) ।→२६-२६६ ।

वैद्यजीवन (गद्य)—ईश्वरीप्रसाद (बोहरे) कृत । लि० का० स० १६०५ (?) । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री नारायण, हँसेला, डा० अछनेरा (आगरा) ।→३२-६२ बी ।

वैद्यजीवन (पद्य)—घनश्याम (द्विज) कृत । र० का० स० १६९४ । लि० का० स० १६१७ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री शंकरप्रसादसिंह, खड़हर, डा० मुफ्तीगंज (जौनपुर) । → स० ०१-१०३ ।

वैद्यजीवन (पद्य)—सुखानंद कृत । र० का० स० १६२० । लि० का० स० १६३० । वि० वैद्यक ।

प्रा०—पं० मन्नीलाल अवस्थी, नारायणपुर, डा० गोलागोकर्णनाथ (खीरी) । →२६-४६७ ।

वैद्यजीवन (गद्य)—मुन्नूलाल कृत । वि० वैद्यक । (लोलिंबराज कृत 'वैद्यजीवन' का अनुवाद) ।

प्रा—पं० शिवगोविंद शुक्ल, गोपालपुर, डा० असनी (फतेहपुर) । → २०-१८६ ।

वैद्यजीवन (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १६३० । वि० वैद्यक ।

प्रा०—पं० नारायणसिंह अध्यापक, जारूवाकटरा, डा० मलपुरा (आगरा) ।→ २६-५१७ ।

वैद्यजीवन→'लोलिमराज' (बेनीप्रसाद त्रिपाठी कृत) ।

वैद्यजीवन (भाषा) (पद्य)—शिवप्रसाद कृत । वि० वैद्यक ।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३-३६४ बी ।

वैद्यदर्पण (गद्यपद्य)—प्राणनाथ (भट्ट) कृत । र० का० स० १८७७ । वि० वैद्यक ।

(क) लि० का० स० १८७७ ।

प्रा०—श्री जे० जे० मार्टिनेल्ली पादरी, कीटगंज, नईबस्ती, इलाहाबाद । → १७-१३५ ।

(ख) लि० का० स० १८६८ ।

प्रा०—पं० शिवराम शास्त्री, खरगपुर, कुश, रायबरेली ।→२३-३१६ ए ।

(ग) प्रा०—श्री रामेश्वरप्रसाद तिवारी, छीकनटोला, फतेहपुर । → २०-१३० बी ।

(घ) प्रा०—पं० ईश्वरीनाथ वैद्य, उत्तरपाड़ा, रायबरेली ।→२३-३१६ बी ।

वैद्यदर्पन (गद्य)—दुर्गादत्त (द्विवेदी) कृत । वि० वैद्यक ।

प्रा०—पं० मार्तंड द्विवेदी, रायबरेली ।→स० ०४-१६१ ।

वैद्यनाथ—अन्य नाम बैजनाथ। बामडाबूह या मडयाडीही (बादशाहपुर, जौनपुर) के निवासी। पिता का नाम प्रयीण्वा। सं १६३७ के लगभग वर्तमान।

श्रीकृष्णार्जुन (पद्य)→सं ४–१७१।

टि खो वि २६ २४सं ४–२४८के बैजनाथ प्रस्तुत रचयिता ही प्रतीत होते हैं।

वैद्यनाथ→ बैजनाथ ('शार्गधरसुधाकर' के रचयिता)।

वैद्यनाथ (त्रिपाठी)→'बैजनाथ' (ऐशबाग लखनऊ निवासी)।

वैद्यप्रकाश (गद्य)—'भक्तीप्रसाद' (वैद्य) कृत। र का सं १६१७। लि का सं १६१७। वि वैद्यक।

प्रा —पं शिवगोपाल बलमऊ (रायबरेली)।→सं ४–१।

वैद्यप्रकाश (पद्य)—गणेशदास कृत। र का सं १८७४। लि का सं १६१। वि वैद्यक।

प्रा —लाला सीताराम वैश्य सरदारपुर (सीतापुर)।→२६–१२१।

वैद्यप्रकाश (गद्यपद्य)—रत्नगिरि (गोसाईं) कृत। वि वैद्यक।

(क) प्रा —बाबा लक्ष्मणगिरि गोसाईं छपटी (मैनपुरी)।→ ६–२५६ ए।

(ख) प्रा —लाला बहादुर, कुंदनगंज, रायबरेली।→११–११६।

वैद्यप्रिया (पद्य)—खेतसिंह कृत। र का सं १८८८ (१८७२)। वि वैद्यक।

(क) लि का सं १८९१।

प्रा —श्री रामभूषण वैद्य अमलापुर, डा हर्दोबा (लखनऊ)।→२६–११६ ए।

(ख) लि का सं १६ १।

प्रा॰—लाला भगवतीप्रसाद वैद्य कुंदौली डा सतरौली (हरदोई)। → २६–११६।

(ग) लि का सं १६ ४।

प्रा —पं रामरत्न बाजपेयी खैराबाद (सीतापुर)।→२६–११६ सी।

(घ) प्रा —लाला देवीप्रसाद मुसद्दी छतरपुर।→ ६–६ सी।

वैद्यमनोत्सव (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'नयनसुख (प्रथ)' और 'वैद्यमहोत्सव'। नयनसुख कृत। र का सं १६ ६। वि वैद्यक।

(क) लि का सं १७१५।

प्रा —श्री कृष्ण जी सलगवाँ डा पामगाँव (सीतापुर)।→२६ ११२ बी।

(ख) लि का सं १८ १।

प्रा —पं प्यारेलाल हिंदी अध्यापक, माध्यम विद्यालय निमराना। → ६–२१४।

(ग) लि का सं १८२६।

प्रा —पं देवकीनंदन लरिया डा अलीगंजबाजार (सुलतानपुर)। → २६–२६२ ए।

खो सं वि ४१ (११ –६४)

(घ) लि० का० सं० १८२७ ।
प्रा०—पं० कुँवरपाल, तारामई, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→२३-२६२ जी ।
(ङ) लि० का० सं० १८४६ ।
प्रा०—ठा० जसवंतसिंह, ऊरन, डा० शादगंज (रायबरेली) ।→२३-२६२ सी ।
(च) लि० का० सं० १८६३ ।
प्रा०—श्री भालचंद्र मिश्र, शीतलनटोला, डा० मलीहाबाद (लखनऊ) । →२६-३३२ सी ।
(छ) लि० का० सं० १८७३ ।
प्रा०—पं० लल्लूलाल मिश्र, मवैयाँ (फतेहपुर) ।→२०-११६ सी ।
(ज) लि० का० सं० १६०६ ।
प्रा०—महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय, बलरामपुर ।→२०-११६ बी ।
(झ) लि० का० सं० १६१४ ।
प्रा०—ठा० जगदम्बिकाप्रसादसिंह, गुड़वापुर, डा० चिलबलिया (बहराइच) ।→२३-२६२ डी ।
(ञ) प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंभा, वाराणसी ।→००-३४ ।
(ट) प्रा०—महंत रामलखनलाल, लक्ष्मण किला, अयोध्या ।→२०-११६ ए ।
(ठ) प्रा०—श्री चिरंजीलाल वैद्य ज्योतिषी, सिकंदराबाद (बुलंदशहर) । →१७-१२५ ।
(ड) प्रा०—पं० भालचंद्र मिश्र, शीतलनटोला, डा० मलीहाबाद (लखनऊ) । →२६-३३२ ए ।
(ढ)→पं० २२-७५ ।

वैद्यमनोहर (पद्य)—नोनेशाह कृत । र० का० सं० १८५१ । लि० का० सं० १६१२ । वि० वैद्यक ।
प्रा०—श्री हरिचरण उपाध्याय, कालीमर्दनपुरा, समथर ।→०६-८० ए ।

वैद्यमनोहर (पद्य)—सैयदपहाड़ कृत । वि० वैद्यक ।
प्रा०—गौरहारनरेश का पुस्तकालय, गौरहार ।→०६-२०५ ए (विवरण अप्राप्त) ।

वैद्यमहोत्सव→'वैद्यमनोत्सव' (नयनसुख कृत) ।

वैद्यमातंग (पद्य)—बालकृष्ण (भट्ट) कृत । लि० का० सं० १६०८ । वि० वैद्यक ।
प्रा०—श्री रामकृष्णलाल वैद्य, गोकुल (मथुरा) ।→१२-११ ।

वैद्यरत्न (गद्यपद्य)—जनार्दन (भट्ट) कृत । वि० वैद्यक ।
(क) लि० का० सं० १८८६ ।
प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →२६-२०० ए ।
(ख) लि० का० सं० १८८७ ।

प्रा —पं लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा) ।→२६–१६८ ए ।

(ग) लि का सं १८८८ ।

प्रा —ठा हानसिंह चौपड़िया, डा मिहानी (हरदोई) ।→२६–१६८ बी ।

(घ) लि का सं १६ ।

प्रा —पं पुरुषोत्तम वैद्य ढुंढीकटरा मिरजापुर ।→ ९–१ ५ ।

(ङ) लि का सं १६१२ ।

प्रा॰—श्री महीप्रसाद, मर्दानगर, डा लहरपुर (सीतापुर) ।→२६–२ डी ।

(च) लि का सं १६१४ ।

प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→२६ २६७ बी (विवरण अप्राप्त) ।

(छ) लि का सं १६१५ ।

प्रा —पं देवकीनंदन शुक्ल रामपुरगढ़ौली डा संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़) । →२६–२ बी ।

(ज) लि का सं १६१७ ।

प्रा —पं रामविपावन त्रिवेदी डा ईंसुआ (फतेहपुर) ।→२ –६८ ।

(झ) लि का सं १६१४ ।

प्रा —पं लक्ष्मीदत्त सम्मवीरा डा महाराजगंज (बहराइच) ।→२६ १८१ ए ।

(ञ) प्रा॰—ठा रतनकरणसिंह, गुठीना डा हैदरगढ़ (बाराबंकी) । →२६–१ १ बी ।

(ट) प्रा —ठा शिवप्रसन्नसिंह रामशिवगढ़ डा अमेठी (लखनऊ) । →२६–१६७ सी ।

(ठ) प्रा —श्री श्यामसुंदरलाल अग्रवाल कगनेर (आगरा) । →२६–१६८ डी ।

(ड) लि का सं १८८१ ।→पं २१–५५ ।

वैद्यवल्लभ (गद्य)—हरिश (कवि) कृत । लि वैद्यक ।

(क) लि का सं १६१५ ।

प्रा —पं बीरबल मौंगवान डा कोसीकलाँ (मथुरा) ।→२६–२६ बी ।

(ख) प्रा —पं मथाराम डा राया (मथुरा) ।→११–१६ ए ।

वैद्यविद्या-विनोद (पद्य) - ग्रन्थ नाम 'वैद्यविनोद' । बलभद्र कृत । र का सं॰ १६६५ । लि वैद्यक ।

(क) लि का सं १८६४ ।

प्रा —श्री श्रीपाल वैद्य लखुरी डा गौरीगंज (सुलतानपुर) ।→सं ८–२१२ क ।

(ख) प्रा॰—ठा दिग्विजयसिंह तालुकेदार, रिछौलिया (सीतापुर) ।→२६–६ ।

(ग) प्रा —पं बुद्धिसागर मिश्र 'पंचानन' बढ़नी डा कप्तानगंज (बस्ती) । →सं ४–२१२ ख ।

वैद्यविनोद (पद्य)—दुर्गाप्रसाद (त्रिपाठी) कृत । वि० वैद्यक ।
प्रा०—पं० जगन्नाथप्रसाद, मगरेजपुर (हरदोई) । → १६–११२ ।

वैद्यविनोद (गद्यपद्य)—रामप्रसाद (त्रिपाठी) कृत । र० का० सं० १८६४ । लि० का० सं० १८६४ । वि० वैद्यक ।
प्रा०—पं० ज्वालाप्रसाद त्रिपाठी, खिरवा, डा० भिटौरा (फतेहपुर) । → २०–१५४ ।

वैद्यविनोद (पद्य)—हरिवशराय कृत । वि० वैद्यक ।
प्रा०—गौरद्वारनरेश का पुस्तकालय, गौरद्वार । → ०६–२६१ ए (विवरण अप्राप्त) ।

वैद्यविनोद → 'वैद्यविद्या-विनोद' (बलभद्र कृत) ।

वैद्यविनोद-शारगधर (भाषा)—रामचंद्र (जैन) कृत । र० का० सं० १७२६ । वि० वैद्यक । → पं० २२–८६ बी ।

वैद्यविलास (गद्यपद्य)—हुलास (पाठक) कृत । वि० वैद्यक ।
(क) लि० का० सं० १८७६ ।
प्रा०—पं० रमाकांत त्रिपाठी, बड़ा, गड़वारा (प्रतापगढ) । → २६–१८३ बी ।
(ख) प्रा०—पं० हीरालाल वैद्योपाध्याय, पचवान, डा० फीरोजाबाद (आगरा) । → २६–१५६ ।

वैद्यशास्त्र (गद्यपद्य)—नयनसुख कृत । लि० का० सं० १८६४ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—भैया महिपालसिंह रईस, पयागपुर (बहराइच) । → २३–२६२ ई ।

वैद्यशिरोमणि (पद्य)—राम (कवि) कृत । र० का० सं० १६०८ । वि० वैद्यक ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । → सं० ०४–३२४ ।

वैद्यसर्वस्व (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।
प्रा०—पं० गोकुलप्रसाद शुक्ल, संस्कृत साहित्य तथा आयुर्वेदाचार्य, श्री शंकर औषधालय, बरेंचा, डा० मुहम्मदी (खीरी) । → २६–५२५ ।

वैद्यसिकंदरी (गद्य)—टीकाराम कृत । लि० का० सं० १६१६ । वि० वैद्यक । (फारसी ग्रंथ 'तिब्बसिकंदरी' का अनुवाद) ।
प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी । → १२–१८७ ।

वैद्यसुधानिधि (पद्य)—हरिदेव कृत । वि० वैद्यक ।
प्रा०—श्री महादेवसिंह वर्मा, रामपुर चंद्रसेनी, डा० होलीपुरा (आगरा) । → २६–२६६ ।
टि० प्रस्तुत पुस्तक को खोजविवरण में भूल से रतिराम कृत मान लिया गया है ।

वैद्यसुधासागर (गद्य)—कन्हैयालाल (लाला) कृत । वि० वैद्यक ।
प्रा०—लाला गेंदालाल गोयल, शिकोहाबाद, कटरा बाजार (मैनपुरी) । → ३२–१०६ ।

वैद्यामृतदीपिका (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक । (संभवत मोरेश्वर कृत 'वैद्यामृत' का अनुवाद) ।

प्रा —भारत कला भवन काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी ।→४१ ४१४ ।

वैराग्यवृंद टीका (पद्य)—भगवानदास (निरंजनी) कृत । र का सं १७१ । लि का सं १७५७ । वि भर्तृहरि कृत वैराग्यशतक का अनुवाद ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–११७ ।

वैराग्यसत (पद्य)—बैहप्पा (जन) कृत । लि का सं १८३४ (?) । वि वैराग्य ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→१५–४५ ।

वैराग्यपदावली (पद्य)—किशोरीलाल कृत । वि वैराग्य ।

प्रा —पं रतनलाल शर्मा मलकुप्पा (इटावा) ।→१६–५५ बी ।

वैराग्यतरंग (पद्य)—शंकर प्रमन्न कृत । वि वैराग्य ।

प्रा —लाला विद्याधर, हरिपुर (दतिया) ।→ ६–२ के ।

वैराग्यदिनेश (पद्य) दीनदयाल (गिरि) कृत । र का सं १९ ६ । वि ज्ञान और वैराग्य ।

(क) लि का सं १९ ६ ।

प्रा —पं गंगासागर त्रिवेदी, लक्सरगंज वाराणसी ।→२१–१ ४ एफ ।

(ख) प्रा —पं चुन्नीलाल वैद्य संकटाजी की गली वाराणसी । → ६–७४ बी ।

वैराग्यनिर्णय (पद्य)—परशुराम कृत । वि वैराग्य ।

प्रा —पं माखनलाल मिश्र मथुरा ।→० –७५ ।

वैराग्यपच्चीसी (पद्य)—भगौतीदास (भैया) कृत । र का सं १७५ । लि का सं १८८ । वि वैराग्य ।

प्रा —ठा रामचरणसिंह, किसारा डा विसावर (मथुरा) ।→१५–१ सी ।

टि प्रस्तुत पुस्तक को खो रि में भूल से बनारसी कृत मान लिया गया है ।

वैराग्यमंजरी (पद्य)—प्रतापसिंह (सवाई) कृत । र का सं १८५१ । वि भर्तृहरि के वैराग्यशतक का अनुवाद ।

(क) प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि दतिया ।→ ६–२ ५ सी (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) प्रा —श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग काँकरोली ।→सं १–२११ ग ।

वैराग्यशतक (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत । लि का सं १८७५ । वि वैराग्य ।

प्रा —बाबा फकीरदास महंत, मेला रामदास नरोत्तमपुर डा बरवहा (बहराइच) ।→२१–८६ केड ।

वैराग्यशतक (पद्य)— रामचरणदास कृत । वि वैराग्य ।

(क) प्रा —पं रामकिशोरशरण, रसूलाबाद (फैजाबाद) ।→२ –१४५ बी ।

(ख) प्रा —श्री रामलाल दूबे पुरुषोत्तमबाजार बस्ती ।→सं ४–१२७ ग ।

वैराग्यशांति (पद्य)—गोपालदास कृत । र का सं १६११ । वि वैराग्य वर्णन तथा परिवाजक नरेशों का विवरण →पं २२–११६ बी ।

वैराग्यसंदीपनी (पद्य)—तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। वि० संत स्वभाव, मायामोह विध्वंस और शांति आदि।

(क) लि० का० सं० १८८६।

प्रा०—लाला विद्याधर, होरीपुरा (दतिया)।→०६–२४५ ई (विवरण अप्राप्त)।

(ख) लि० का० सं० १८८६।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→ २६–४८४ डी [२]।

(ग) लि० का० सं० १९०७।

प्रा०—श्री साहित्यसदन सार्वजनिक पुस्तकालय, गूढ, डा० खजुरी (रायबरेली)। →सं० ०४–१४२ ग।

(घ) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंभा, वाराणसी।→००–७।

(ङ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। → ०३–८१।

(च) प्रा०—ठाकुरद्वारा, खजुहा (फतेहपुर) →२०–१९८ जे।

(छ) प्रा०—पं० वैजनाथ ब्रह्मभट्ट, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ)। → २६–३२५ ए[३]।

वैराग्यसंदीपनी टीका (गद्य)—सियाराम कृत। वि० वैराग्यसंदीपनी की टीका।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–६५०।

वैराग्यसंपादिनी→'भावप्रकाशिनी टीका' (संतसिंह कृत)।

वैराग्यसागर (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। र० का० सं० १७८८-१८०१ तक। लि० का० सं० १९३१। वि० ज्ञान, वैराग्य, भक्ति, ब्रजलीलाएँ और श्रृंगार।

प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, प्रांतीय हाईजीन इंस्टीच्यूट, मेडिकल कालेज, लखनऊ।→सं० ०४–१८६ ग।

टि० प्रस्तुत ग्रंथ रचयिता की ३५ छोटी बड़ी रचनाओं का संग्रह है।

वैराटपर्व→'महाभारत' (विराटपर्व), (सुंदर कृत)।

वैष्णवदास—प्रियादास के पुत्र। वृंदावन निवासी। 'भक्तरसबोधिनी टीका' के दृष्टांतकार। सं० १८४४ के लगभग वर्तमान।→०४ ८८।

गीतगोविंद (भाषा) (गद्य)→०६–३२४, ४१–२५८।

भक्तमालप्रसंग (गद्यपद्य) →१०–५४।

भक्तमालमाहात्म्य (गद्य)→०६–२४७।

वैष्णवलक्षण (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैष्णवों के लक्षण। (महाप्रभुजी और कल्याण भट्ट का वार्तालाप)।

प्रा —श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय कामवन, भरतपुर । → १७-१ ४ (परि १)।

वैष्णवलक्षण (ग्रंथ) (गद्य —अन्य नाम चतीलक्षण (भगवदीय वैष्णवों के लक्षण) । गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत । वि वैष्णवों के लक्षण वर्णन ।
(क) प्रा —श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं १-८८ क ।
(ख) प्रा —श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग काँकरोली ।→सं १-८८ ख ।

वैष्णवविलास (पद्य)—पयोपवत्व (मिश्र) कृत । वि वैष्णवों के धर्मकर्म का वर्णन ।
प्रा —पं गुरुप्रसाद मिश्र हीँगनगौरा डा कादीपुर (सुलतानपुर)। → सं ४-६ ।

वैष्णववैरागी-संवाद (गद्यपद्य)—हरिदास कृत । लि का सं १८९७ । वि वेदांत ।
प्रा —ठा रामबौरसिंह मिघौरा डा केसरगंज (बहराइच) ।→२१ १२५ ।

वैष्णवों के नित्यकर्म (गद्यपद्य)—गोविंद द्वारा संगृहीत । वि धर्म ।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली ।→सं १-६५ ।

वैसवंशावली (पद्य)—शंभुनाथ (त्रिपाठी) कृत । लि का सं १९१९ । वि बैस क्षत्रियों की वंशावली ।
प्रा —ठा रघुनाथसिंह सेंगर कौंधा (उन्नाव) ।→२३-३०१ बी ।

वोमहननामा→'बमहननामा (बमहनदास कृत) ।

व्यंकटेश (कवि)→ ईश (कवि)' ('महामहोत्सव' के रचयिता) ।

व्यंगविलास (पद्य)—धरदार कृत । र का सं १९१९ । लि का सं १९५३ । वि नायिकाभेद ।
प्रा —पं चुन्नीलाल वैद्य संकठाजी की गली वाराणसी ।→ ६-२८१ बी ।

व्यंग्यार्थकौमुदी (गद्यपद्य)—प्रतापसाहि कृत । र का सं १८८२ । वि नायिकाभेद ध्वनि आदि ।
(क) लि का सं १९ १ ।
प्रा —श्री कन्हैयालाल महापात्र असनी (फतेहपुर) ।→१ -११२ ।
(ख) लि का सं १९११ ।
प्रा —पं रामदेव प्रसन्न, पुनरा लाम्हा (सुलतानपुर) ।→२१ १११ ए ।
(ग) लि का सं १९१९ ।
प्रा —ठा त्रिभुवनसिंह तैरपुर, डा नीलगाँव (सीतापुर) ।→२१-१११ बी ।
(घ) लि का सं १९५४ ।
प्रा —ठा लालमनसिंह भगवानपुर डा सिरसी (सीतापुर) ।→२१-१११ सी ।
(ङ) प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) । → १-५२ ।
(च) प्रा —श्री गौरीशंकर कवि बलिया ।→ ६-३१ जे ।

(छ) प्रा०—बाबू पद्मनरूणसिंह, लनेदपुर (बहराइच) ।→२१-१२१ डी ।

व्यजनप्रकार (गद्य)—अन्य नाम 'व्यजनप्रकाश'। छोटेलाल (गुजराती) कृत। र० का० स० १६२१। वि० सागभाजी, अचार और मुरब्बे बनाने की रीति।

(क) लि० का० स० १६३६।

प्रा०—प० शिवकुमार मिश्र, हरदोई ।→२६-७० ए।

(ख) लि० का० स० १६३६।

प्रा०—श्री रामजीवन वैद्य, पाचौली, डा० मारहरा (एटा) ।→२६-७० बी।

(ग) लि० का० स० १६३६।

प्रा०—श्री रामजीवन कवि, रामपुरा, डा० रामपुर (एटा) ।→२६-७० सी।

व्यजनप्रकार (गद्य)—पनाहअली (मीर) कृत। लि० का० स० १६४५। वि० पाकशास्त्र।

प्रा०—श्री वेनी मुराऊ, ककरामऊ (सीतापुर) ।→२६-३०४।

व्यजनप्रकार (पहला भाग) (गद्य)—जयशकर सहस्र अवदीच कृत। र० का० स० १६२५। मु० का० स० १६२५। वि० पाकविद्या।

प्रा०—श्री नृसिंहनारायण शुक्ल, मीरजहाँपुर, डा० भिडारा (इलाहाबाद) ।→स० ०१-१२५।

व्यजनप्रकाश→'व्यजनप्रकार' (छोटेलाल गुजराती कृत)।

व्यवहारदर्शन (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६०४। वि० न्यायालय के विधान और वादी प्रतिवादी आदि का वर्णन।

प्रा०—ठा० हरिबक्शसिंह रईस, कुथरिया (प्रतापगढ) ।→२६-१०२ (परि० ३)।

व्यवहारपाद (गद्य)—प्रियादास (?) कृत। लि० का० स० १६०४। वि० मनु और याज्ञवल्क स्मृतियों के आधार पर व्यवहारधर्म का वर्णन।

प्रा०—टैगोर पुस्तकालय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→स० ०४-२२१।

व्यसनसहार (?) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८५६। वि० अध्यात्म।

प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१-५६५।

व्याधिनाशवैद्यक (गद्यपद्य)—मेहरबानदास कृत। र० का० स० १८५१। वि० वैद्यक।

(क) लि० का० स० १८७१।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०४-३०७।

(ख) लि० का० स० १६०६।

प्रा०—कुमार बच्चासाहब रईस, गुधुवापुर, डा० चिलवलिया (बहराइच) ।→२३-२७६ ए।

(ग) लि० का० स० १६२७।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३-२७६ बी।

व्यास—(?)

व्यासदास (?)
ब्रह्मज्ञान (पद्य)→०६-२४३।

व्यासदेव—(?)
ज्योतिषचक्र (पद्य)→२३-४४६।

व्रजगीत (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (तुलसी, सूर, श्रीपति आदि) कृत। वि० भक्ति।
प्रा०—मथुरेश जी का मंदिर, कन्नावर, डा० महावन (मथुरा)।→३५-३४०।

व्रजगीत-संग्रह (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि कृत)। वि० कृष्णलीला।
प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथजी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →३५-३३६।

व्रजगोपिका-विनय (पद्य)—सोहनलाल (चौबे) कृत। वि० गोपियों की कृष्ण से विनय।
प्रा०—श्री शंभुनाथ चौबे, सरवनपुर (मथुरा)।→०६-२६७।

व्रजचंद—(?)
आनंदसिंधु (पद्य)→१२-३०।

व्रजचंद्रिका (पद्य)—ताराचंदराव कृत। लि० का० सं० १८५७। वि० पिंगल।
प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७-१६२।

व्रजजीवनदास—वृंदावन निवासी। कृष्णानंददेव व्यास कृत 'राजा स्वरोदय भानुराजकल्प-द्रुम' में इनका विवरण है। सं० १८६६ के लगभग वर्तमान।
अरिल्ल भक्तमाल (पद्य)→०६-३४ बी।
इश्कमाल (पद्य)→०६-३४ आई।
चौरासीजी को माहात्म्य (पद्य)→०६-३४ डी।
चौरासीसार (पद्य)→०६-३४ सी।
छद्मचौवनी (पद्य)→०६-३४ ई।
प्रियाजी की बधाई (पद्य)→०६-३४ जे।
भक्तरसमान (पद्य)→०६-३४ ए।
रामचंद्रजी की सवारी (पद्य)→०६-३४ के।
सतसंगसार (पद्य)→०६-३४ एल।
हरिरामविलास (पद्य)→०६-३४ एच।
हरिसहचरीविलास (पद्य)→०६-३४ जी।
हितजी महाराज की बधाई (पद्य)→०६-३४ एफ।

व्रजदूलह—(?)
जन्मोत्सवबधाई (पद्य)→३८-१८।
बारहखड़ी (पद्य)→सं० ०१-४०१ ख।

विनय के पद (पद्य)→सं १-४ १ क।

ब्रजनिधि→ प्रतापसिंह (सवाई)' ('नीतिमंजरी' आदि के रचयिता)।

ब्रजनिधिवल्लभ—हितहरिवंश जी की पाँचवी पीढ़ी के वंशज। सं १७५५ के लगभग वर्तमान।

संजीवन चरितावली (पद्य)→११-१२।

ब्रजपति (भट्ट)—हरिदेव (भट्ट) के पुत्र। जन्मकाल सं १६६ ।

रंगभावमाधुरी (पद्य)→११-३१।

ब्रजप्रेमानंद सागर (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र का सं १८१८। लि का सं १८४ । वि राधाकृष्ण चरित।

प्रा —श्री पुरुषोत्तमलाल वृंदावन (मथुरा)→१२-१९६ डी।

ब्रजभूषण (गोस्वामी)—काँकरोली (राजस्थान) के निवासी। काँकरोली स्थित वल्लभ संप्रदाय की गद्दी के गोस्वामी। सं १७९६ १८८३ के लगभग वर्तमान।

दानलीला (पद्य)→सं १-४ २ क।

नीतिविनोद (भाषा) (गद्य)→सं १-४ ग।

सांझीकीर्तन (पद्य)→सं १-८ २ ख।

ब्रजराज—जम्मू नरेश महाराज रणजीतसिंह के पुत्र। कवि देवदत्त (दत्त) के आश्रयदाता। सं १८१८ के लगभग वर्तमान।→ १-६१।

ब्रजराज (पंडित)—संभवतः मथुरानाथ शुक्ल के पिता।

दानलीला (पद्य)→४१-२६ क ख।

ब्रजराजपंचाशिका (पद्य)—दत्त (देवदत्त) कृत। र का सं १८१८। वि राजा ब्रजराज देव की एक चढ़ाई का वर्णन।

प्रा —ठा कर्मसिंह मंत्री क्षत्रिय उमरसभा जम्मू (कश्मीर)।→२ -१४ ए।

ब्रजराजविनोद (पद्य)—भवानीदास कृत। वि राधाकृष्ण विवाह।

प्रा —राजा ब्रजदेवसिंह जी कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→२६ ५६।

ब्रजराजविहार (पद्य)—बलदेवप्रसाद (अवस्थी) कृत। लि का सं १९१४। वि कृष्ण चरित।

प्रा०—पं जवाहर अवस्थी मानपुर चौकी बिसवाँ (सीतापुर)।→२१-११ ई।

ब्रजराज (गोस्वामी)—संभवतः अहमदाबाद (गुजरात) के रहनेवाले। सं १८६ के लगभग वर्तमान।

नित्यसेवाविधि (आह्निक) (गद्य)→सं १-८ ४।

ब्रजलाल (भट्ट)—मान कवि के पुत्र। काशी नरेश उदितनारायणसिंह के आश्रित। सं १८७१ के लगभग वर्तमान।

उदितकीर्तिप्रकाश (पद्य)→ १-६१।

छंदरत्नाकर (पद्य)→०४–१६ ।
हनुमतबालचरित (पद्य)→०३-६१ ।

ब्रजलालसा (पद्य)—चतुरअलि कृत । वि० राधाकृष्ण की स्तुति ।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-३८ सी ।

ब्रजवल्लभदास—(?)
अजामिलचरित्र (पद्य)→ ६–३५ सी ।
प्रह्लादचरित्र (पद्य)→०६–३५ ए
सुदामाचरित्र (पद्य)→०६-३५ बी ।

ब्रजवासीदास—(?)
पुरातन कथा (पद्य)→२६–४६०, ३५–१०६ ।

ब्रजविनोदलीला-पचाध्यायी (पद्य) –हरलाल (चतुर्वेदी) कृत । वि० रासपंचाध्यायी (भागवत दशमस्कंध) का अनुवाद ।
प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा ।→१७–७३ ।

ब्रजविनोदवेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० स० १८०४ । वि० राधाकृष्ण विवाह ।
प्रा०—गो० सोहनकिशोर, मोहनबाग, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१६६ टी ।

ब्रजविहार (पद्य)- नारायण (स्वामी) कृत । लि० का० स० १६२८ । वि० श्रीकृष्ण जी की लीला ।
प्रा० स्वामी नारायणदास, पिलखना (अलीगढ)→ २६–२४७ एफ ।

ब्रजविहारलीला (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० राधाजी का विवाह, फागलीला, वनविहार आदि ।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–४१६ ।

ब्रजसार (ग्रंथ) (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावतसिंह) कृत । र० का० स० १७६६ । वि० ब्रजलीला ।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंभा, वाराणसी ।→ ०१–१२५ ।

ब्रजाधीश—अन्य नाम वृजपति ।
नित्य के पद (पद्य)→ ३२–२३१ ।

ब्रजाभरण (दीक्षित)—दीक्षित ब्राह्मण । वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी तथा कोई गोस्वामी । स० १८३० के पूर्व वर्तमान ।
प्रभु पूर्णपुरुषोत्तम को रूप तथा गुण नाम वर्णन (पद्य)→स० ०१-४०३ क ।
वल्लभाख्यान सटीक (गद्यपद्य)→१७–३२, स० ०१–४०३ ख ।

ब्रजेंद्र→'बलवंतसिंह' (भरतपुर नरेश) ।

प्रश्नेंद्रप्रकाश—(पद्य)—रत्नानंद (भट्ट) कृत। र का सं १८२१ (?)। वि मानिकमेद।
 (क) लि का सं १६७५।
 प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-२१७।
 (ख)→पं २२ ६५।
प्रश्नेंद्रविनोद (पद्य)—मोतीराम कृत। र का सं १८ ५। वि मानिकामेद।
 प्रा —श्री पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७-११४।
प्रश्नेंद्रविनोद →'भागवत (दशमस्कंध भाषा उत्तरार्द्ध) (धामनाथ कृत)।
प्रमेरा—(?)
 रामोत्सव (पद्य)→१७-४१ (परि १)।
व्रतकथा कोप (पद्य —देवदत्त कृत। र का सं १८१२। लि का सं १९६१।
 वि जैन धर्म की कथाएँ।
 प्रा —सरस्वती भंडार जैन मंदिर, सुवा।→१७-१६१।
व्रतचर्या की भाषा (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत। वि स्वामी वल्लभाचार्य की व्रतचर्या की टीका।
 प्रा०—श्री किशोरीलाल पुरोहित पुरानी बस्ती वटीपुरा मथुरा।→१५-२८।
व्रतयुक्ति (पद्य)—रंगनाथ कृत। वि व्रत और उनके फल।
 (क) लि का सं १६ २।
 प्रा —पं अयोध्याप्रसाद मिश्र कमसाहाडी (बहराइच)।→२१-१५४ ए।
 (ख) लि का सं १६११।
 प्रा —पं अयोध्याप्रसाद मिश्र कमसाहाडी (बहराइच)।→२१-१५४ बी।
व्रतविधानरासो (पद्य)—दौलतराम कृत। र का सं १७६०। वि जैन धर्म में उपवासों का वर्णन।
 प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ामंदिर) चूड़ीवाली गली चौक लखनऊ।
 →सं ४-२६६।
व्रतार्क (भाषा) (गद्य)—महेशदत्त (त्रिपाठी) कृत। वि व्रतादि का पुराणों के अनुसार वर्णन।
 प्रा —पं रामनारायण अमौली का बिजनौर (लखनऊ)।→२६-२२१।
शंकर—सारस्वत ब्राह्मण। वृंदावन निवासी। सं १६६ के लगभग वर्तमान।
 रसनारायण कथा (पद्य)→१२-१६६।
शंकर—अमर राज्य (?) के अधिपति विक्रमसिंह के आश्रित।
 गोपालचंद्र (पद्य)→१२-१६५।
शंकर—सं १८८ के पूर्व वर्तमान।
 कर्मविपाक (पद्य)→सं ४-२७१।

शंकर→'शंकरदास (राव)' ('ज्योतिष भाषा' आदि के रचयिता)।

शंकर (दीक्षित)—कान्यकुब्ज ब्राह्मण। लखुना (इटावा) निवासी। गो० उमरावपुरी के शिष्य। सं० १६३२ के लगभग वर्तमान।
माधुरीविलास (पद्य)→२६–४२६।

शंकर (द्विज)—सं० १६०१ के लगभग वर्तमान।
जोगरतन (पद्य)→सं० ०१–४०६।

शंकर (पांडे)—सं० १८६२ के लगभग वर्तमान।
सारसंग्रह (पद्य)→०६–२७६।

शंकर (मिश्र)—आगरा निवासी ब्राह्मण। रूप मिश्र के पुत्र। सं० १७१६ के लगभग वर्तमान।
लीलावती (पद्य)→०६–२७७।

शंकरदत्त—प्रतापगढ के एक अध्यापक। विराज गाँव (तिलोई राज्य) के निवासी। तिलोई के बाबू अजीतसिंह के आश्रित। सं० १६२६ के लगभग वर्तमान।
भूगोल (गद्य)→२६–४२५।

शंकरदयाल—दरियाबाद (बाराबंकी) निवासी। सुखदेव के पुत्र। जन्मकाल सं० १८६२।
अलंकृतमाला (पद्य)→०६–२८०।

शंकरदास—सं० १८७६ के पूर्व वर्तमान।
महाभारत (गदापर्व) (पद्य)→२६–३०३।

शंकरदास (राव)—ब्राह्मण। बिसवाँ (सीतापुर) निवासी। सं० १८६० के पूर्व वर्तमान।
ज्योतिष (भाषा)→०६ ३२८ ए, सं० ०१–४०५, सं० ०४–३७४ क, ख।
ज्ञानचौंतीसी (पद्य)→०६–३२८ बी।
व्रजसूची (ग्रंथ) (पद्य)→०६–२७८।

शंकरपचीसी (पद्य)—विविध कवि कृत संग्रह। वि० शंकर और पार्वती की स्तुति।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–७२।
टि० प्रस्तुत ग्रंथ के संगृहीत कवि हैं— १ रसचंद, २ रसपुंज, ३ सेवक प्रयाग, ४ मुंशी माधोराम, ५ कवि करनीदान, ६ मुंशी माईदास, ७ भीवा सावंतसिंह, ८ रतनूवीरभान, ९ देवीचंद महात्मा, १० सेवक प्रेमचंद, ११ सेवक शिव, १२ आनंदराम, १३ सेवक गुलालचंद, १४ मथेन भीमचंद, १५ साधू पृथ्वीराज।

शंकरराम—ब्राह्मण। श्यामा कात्यायन के पुत्र।
रायमाला (पद्य)→१७–१६८।

शंकरसिंह—बड़गावाँ (सीतापुर) के जमींदार। तुलासिंह के पुत्र।
काव्यामरण सटीक (गद्य)→१२–१६८ ए।
महिमन्नास्तव (पद्य)→१२–१६८ बी।

शंकरसिंह (राजा)—तिलोई (रायबरेली) के तालुकेदार। सीताराम उपाध्याय और महताबदास के आश्रयदाता। सं १८६५ के लगभग वर्तमान। → ३–२११ २६–४४।

शंकराचार्य या संकाचारज—सुप्रसिद्ध शंकराचार्य के कोई अनुयायी।
अनमैप्रोध (गद्य)→सं ७–१८४ क।
ब्रह्मज्ञान योग शास्त्र (गद्य)→सं ७–१८४ ख।

शंकराचार्य—सं १७६६ के पूर्व वर्तमान।
दशावतार (गद्यपद्य)→२६–४२४ ए, बी; सं ४–१७६।
देवीस्तोत्र (पद्य)→सं ४–१७६।
नारायणस्तोत्र (पद्य)→२६–४२४ सी।

शंकराचार्य—(?)
गंगापुष्पांजलि (पद्य)→सं १–४ ७ ख।
तत्वविवेक (गद्य)→सं १–४ ७ क।

शंकराचार्य—(?)
वेदांत (गद्य)→१८–१३६।

शंकामोचन (पद्य)—मनबलसिंह (प्रधान) कृत। र का सं १८७१। लि का सं १८७५। वि शृंगार।
प्रा —बाबा हरमीप्रसाद बंगला अधिकारी दतिया।→ १–७१ बी।

शंकावली (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि रामायण के गूढार्थ।
प्रा —पं बैजनाथ बंदी का नगला डा माट (मथुरा)।→१२–२०६।

शंकावलीरामायण (पद्य)—अन्य नाम 'मानसदीपिकाशंकावली'। रघुनाथदास (बाबा) कृत। वि रामचरितमानस संबंधी शंकाओं का समाधान।
(क) लि का सं १६१।
प्रा —पं गंगादत्त वाजपेयी संभारीखेड़ा डा महमूदाबाद (सीतापुर)।→ २६–३७ बी।
(ख) लि का सं १६१।
प्रा —पं दातराम गौड़ रामीपुर डा मारहरा (एटा)।→१२–२०८ ए।

शंभुदत्त—पौकरण (पुष्करण) जोशी ब्राह्मण। चंडू जी के वंशज। जोधपुर निवासी। जोधपुर के महाराजकुमार जुवसिंह के आश्रित। सं १८७१ के लगभग वर्तमान। इन्हें 'कवीश' की उपाधि मिली थी।

राजकुमारप्रबोध (पद्य)→०२-३६ ।

शंभुनाथ—अमेठी के राजा माधवप्रतापसिंह के आश्रित ।
शिवस्तोत्र (पद्य)→सं० ०१-४०६ ।

शंभुनाथ (त्रिपाठी)—उप० 'शंभु'। टेढा (उन्नाव) के निवासी। डौंरियाखेड़ा (वैसवाड़ा) के राजा अचलसिंह और रगसर (उन्नाव) के राव रघुनाथसिंह के आश्रित । सं० १८०३ के लगभग वर्तमान ।
कवित्त (पद्य)→२३-३७१ ए, सं० ०४-३७७ क ।
कृष्णविलास (पद्य)→सं० ०४-३७७ ख ।
जातकचंद्रिका (पद्य)→०६-२३४ सी, २६-४२१ बी, सं० ०४-३७७ ग ।
प्रेमसुमनमाला (पद्य)→०६-२७४ ।
वैतालपचीसी (पद्य) →०६-२३४ बी, २३-३७१ ई, एफ, २६-४२१ ए, सं० ०१-४०८ ।
मुहूर्तचिंतामणि (पद्य)→०६-२३४ ए, २०-१७३, २३-३७१ बी, सी, डी, २६-४२१ सी, डी, ई, सं० ०४-३७७ घ, ङ ।
वैसवंशावली (पद्य)→२३-३७१ जी ।

शंभुनाथ (द्विज)—छिपिया ग्राम (बस्ती) के निवासी। गर्गगोत्री शुक्ल ब्राह्मण । पिता का नाम त्रिवेणीदत्त। ससारपुर ग्राम (बस्ती) के राजा भैरोंबख्शसिंह के आश्रित । सं० १९१२ के लगभग वर्तमान ।
कालीविजय (पद्य)→सं० ०४-३७८ क, ख, ग ।
ताराविजय (पद्य)→सं० ०४-३७८ घ ।
देवाज्ञाभरण (पद्य)→सं० ०४-३७८ ङ ।
प्रबोधपारिजात (पद्य)→सं० ०४-३७८ च ।
विद्याविलास (पद्य)→सं० ०४-३७८ छ ।
शिवतत्वप्रकाश (पद्य)→सं० ०४-३७८ ज, झ ।

शंभुनाथ (द्विज)—(?)
प्रदोषव्रत कथा (पद्य)→सं० ०४-३७९ ।

शंभुनाथ (मिश्र)—ब्राह्मण। असोथर (फतेहपुर) निवासी। सुखदेव मिश्र के शिष्य। सं० १७८७-१८०७ के लगभग वर्तमान ।
अलंकारदीपक (गद्य)→०४-२७, ०६-२३३, १७-१६७ ।
भगवतराययश-वर्णन (पद्य)→२०-१७२ बी ।
रसकल्लोल (पद्य)→१२-१६५, २०-१७२ ए ।

शंभुपचीसी (पद्य)—अधीन (भागीरथीप्रसाद) कृत। वि० शिव स्तुति ।
प्रा०—पं० रामदयाल, सतवाखेरा (रायबरेली)।→२३-४६ ।

शकुंतला नाटक (पद्य)—धौंकलराम (मिश्र) कृत। र० का० सं० १८५६ । लि० का० सं० १८५६ । वि० नाम से ...

प्रा०—पं मयाशंकर याज्ञिक गोकुल (मथुरा) ।→१२-११ ।

शाकुंतला नाटक (पद्य)—नेवाज कृत । र का सं १७१७ । वि अभिज्ञान शाकुंतल का अनुवाद ।

(क) लि का सं १८११ ।

प्रा०—श्रीमद् मार्तंडप्रपन्नारायणसिंह बिसवाँ (अलीगढ़) ।→१७-१२१ ए ।

(ख) लि का सं १८८१ ।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→ १ ७५ ।

(ग) लि का सं १९११ ।

प्रा०—बाबू पद्मबक्ससिंह तालुकेदार कमेदपुर (बहराइच) ।→२१-१ १ ।

(घ) प्रा०—पं महावीरप्रसाद चतुर्वेदी कान्यकुब्ज अश्विनीकुमार का मंदिर असनी (फतेहपुर) ।→२ -१२ ।

शाकुंतला नाटक (गद्यपद्य)—लक्ष्मणसिंह (राजा) कृत । र का सं १९१८ । लि का सं १९११ । वि अभिज्ञानशाकुंतल का अनुवाद ।

प्रा —ठा ज्ञानसिंह बरगाँव डा नेरी (लखीमपुर) ।→२६-२११ ।

शकुनकुसगुन-परीक्षा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि शुभाशुभ शकुनों की परीक्षा ।

प्रा —श्री गुप्ता पंडित बहुरायपुर डा पुरवा (उन्नाव) । → २१-१ ४ (पारि १)

शकुनज्योतिष (?) (पद्य)—हुसन कृत । लि का सं १८८६ । वि शकुन ।

प्रा —श्री चंद्रिकाप्रसाद उपाध्याय मैनपट्टी डा बनेलरगंज (प्रतापगढ़) । →सं ४-४१२ ।

शकुनपरीक्षा (पद्य)—बुधलाल (मिश्र) कृत । वि पशु पक्षियों की बोली द्वारा शकुन विचारने की विधि ।

प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→०६-२१ बी ।

शकुनविचार (पद्य)—महादेव (जोशी) कृत । वि शुभाशुभ शकुनों के फल ।

प्रा —पं रूपकिशोरराम गर्ग मीठपुरा डा करहिा (मैनपुरी) ।→१५-६ ।

शकुनविचार (पद्य)—सीताराम कृत । र का सं १८२० । वि शकुन ।

प्रा —श्री देवीप्रसाद तिवारी पाउँ डा गायघाट (बस्ती) । → सं /-४१२ ।

शकुनविचार (सगुनविचार)→'सगुनावली (मधुलि या मधुरी कृत ।

शकुनावली (पद्य)—गिरधर कृत । वि शकुन ।

प्रा —श्री मोहनलाल (मोरेलाल) ज्योतिषी बाला (फतेहपुर) । → सं १ ७६ ।

शकुनावली (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि शकुन ।

प्रा —श्री नौबतराय गुलजारीलाल वैद्य फीरोजाबाद (आगरा) ।→२६-४०१ । खो सं वि ११ (११ -१४)

शक्तधर—शुक्ल गोत्रीय ब्राह्मण। मुरादाबाद (उन्नाव) के निवासी। सं० १६४० के पूर्व वर्तमान।

रामायणमाहात्म्य (गद्यपद्य)→२६–३०२।

शक्तभक्तिप्रकाश (पद्य)—माधोराम कृत। वि० भगवत स्तुति।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर→०२–८३।

शक्तिचिंतामणि (पद्य)—भावन (भवानीप्रसाद) कृत। र० का० सं० १८५?। वि० नवरस और नायिकाभेद।

(क) लि० का० सं० १८७३।

प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→सं० ०४–२६० ग।

(ख) लि० का० सं० १६४४।

प्रा०—पं० जुगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर)।→०६–२८।

(ग) लि० का० सं० १६४४।

प्रा०—पं० कृष्णबिहारी मिश्र, संपादक, 'समालोचक', लखनऊ।→२३–५२ सी।

(घ) लि० का सं० १६४४।

प्रा०—श्री कृष्णबिहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गंधौली (सीतापुर)।→सं० ०४–२६० घ।

(ङ) लि० का० सं० १६४४

प्रा०—पं कृष्णबिहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ।→२६–५७।

शक्तिप्रभाकर (पद्य)—अन्य नाम 'अद्भुतरामायण'। गोकुल (कायस्थ) कृत। र० का० सं० १६१३। मु० का० सं० १६३६। वि० सीता और सहस्रवदन रावण का युद्ध।

प्रा०—श्री भगवतीप्रसादसिंह, प्रधानाध्यापक, डी० ए० वी० हाईस्कूल, बलरामपुर (गोंडा)।→सं० ०१–८७ क।

शतपचासिका→'सतपचासिका' (रामचरणदास कृत)।

शतप्रश्नोत्तरी (पद्य)—मनोहरदास (निरंजनी) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८४०।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२६३ सी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–८३।

(ग) प्रा०—श्री महादेवसिंह, रजनपुर, डा० तिलोई (रायबरेली)।→सं० ०४–२८६।

शतरंजशतिका (पद्य)—भिखारीदास (दास) कृत। वि० शतरंज खेल का वर्णन।

प्रा०—राजपुस्तकालय, किला, प्रतापगढ़ (प्रतापगढ़)। ०६–२७ ए, सं० ०४–२६१ ञ।

शत्रुसंबत्सर फल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र का सं १७६६। लि का सं १७६६। वि सौ वर्षों का ज्योतिषानुसार फल।
प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे साहित्यान्वेषक हरदोई।→२६-१०८ (परि १)।

शत्रुजीत—राजा रतनेश के भाई। बस्लेश के आश्रयदाता। सं १८१२ के लगभग वर्तमान।→ ६-७ पं २२-१।

शत्रुवंश कुठार (पद्य)—जानकीराम कृत। लि का सं १९ ८। वि स्तुति।
प्रा —श्री रामरत्न मिश्र बरौली डा गभरा (सुलतानपुर)।→सं १-११८।

शत्रुसंहार (पद्य)—गोकुलराम (द्विज) कृत। वि देवीस्तुति।
प्रा०—पं गुरुप्रसाद मिश्र हीरनगौरा, डा काशीपुर (सुलतानपुर)।
→सं ४-२१५ क।

शनिकथा (पद्य)—ऋषिकेश कृत। लि का सं १९१६। वि शनिदेवता की कथा।
प्रा —पं दीपचंद्र अध्यापक, भारतगली फतेहपुरसीकरी (आगरा)।
→१२-१६ बी।

शनिकथा (पद्य)—रामानंद कृत। र का सं १८२ । वि नाम से स्पष्ट।
(क) लि का सं १९१५।
प्रा —पं नंदकिशोर सेई डा छाता (मथुरा)।→१२-१८१ ए।
(ख) प्रा —पं प्रभुदयाल पुरोहित अकबरा डा बनकुरा (आगरा)।
→१२ १८१ बी।

शनिचरित्र (पद्य)—बद्रीनाथ कृत। लि का सं १८७५। वि विक्रम की कथा द्वारा शनि के शुभाशुभ फल एवं माहात्म्य वर्णन।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-२५१ क।

शनिपुराण (पद्य)- रचयिता अज्ञात। लि का सं १९ १। वि पौराणिक कथा।
प्रा०—पं रामदेव तिवारी पट्टी बरकतनगर, डा भगराम (लखनऊ)।
→२६-४७७।

शनिश्चर की कथा (पद्य)—मनीत कृत। लि का सं १९२१। वि शनि का माहात्म्य।
प्रा०—पं रामप्रसाद फरैह (मथुरा)।→१८-७।

शनिश्चर की कथा (पद्य)—वृंदावन (जैन) कृत। र का सं १०१६। लि का सं १९१८। वि शनि की कथा।
प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली चौक लखनऊ।
→सं ४-२७।

शनिश्चर (देव) की कथा (पद्य)—श्रीरावरमल कृत। र का सं १८२४। वि नाम से स्पष्ट।
(क) लि का सं १९९९।

प्रा०—ठा० त्रिभुवनसिंह, शाहपुर, डा० नेरी (सीतापुर) ।→२६-५१० ए ।

(ख) लि० का० स० १६२६ ।

प्रा०—प० शिवदीन जोशी, पटरासा, डा० ‍ंगराबाद (सीतापुर) ।→२६-५१० बी ।

शब्द (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० स० १६०८ ।

प्रा०—श्री गणेशधर दूबे, मीरपुर, डा० हँडिया (इलाहाबाद) ।→ स० ०१-३२ ख ।

(ख) लि० का० स० १६६२ ।

प्रा०—प० मोतीराम, पलसो, डा० गोवर्द्धन (मथुरा) ।→३५-४६ टी ।

शब्द (पद्य)—खगदास (खड्‌गदास) कृत । वि० निर्गुण ज्ञान तथा निर्गुणियों के मत्रादि ।

प्रा०—लाला ज्वालाप्रसाद पटवारी, किठौत, डा० सिरसागज (मैनपुरी) । →३२-११५ सी ।

शब्द (पद्य)—गिरिवरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—हिंदी साहित्य समेलन, प्रयाग ।→स० ०१-८१ ।

शब्द (पद्य)—गुलालसाहब कृत । लि० का० स० १८३८-१८४० (लगभग) । वि० ज्ञान ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-५२ ख ।

शब्द (पद्य)—अन्य नाम 'शब्दों के मगलाचरण'। चरणदास (स्वामी) कृत । वि० ज्ञान, भक्ति और वैराग्य ।

(क) लि० का० स० १८७८ ।

प्रा०—प० गणपतिराम शर्मा, चुगी दफ्तर के निकट, शाहदरा (दिल्ली) । →दि० ३१-१८ ए ।

(ख) लि० का० स० १६०२ ।

प्रा०—बाबा विष्णुगिर, शिवनगर, डा० सहावर (एटा)→२६-६५ एम ।

(ग) प्रा०—प० अमोल शर्मा, चदनिया, रायबरेली ।→२३-७४ एच ।

(घ) प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-३८ डी ।

(ङ) प्रा०—महत जगन्नाथदास कबीरपथी, मऊ (छतरपुर) । → ०६-१४७ सी (विवरण अप्राप्त) ।

(च) प्रा०—बाबू चद्रभान बी० ए०, अमीनाबाद, लखनऊ ।→२३-७४ आई ।

शब्द (पद्य)—जसराम (उपगारी) कृत । लि० का० सं० १८७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री रामेश्वर दूबे, खीरों (रायबरेली) ।→स० ०४-१२३ ग ।

शब्द (पद्य)—देवकीनंदनसाहब कृत । वि० निर्गुण तथा सगुण भक्ति वर्णन ।

प्रा —महंत श्री रामाराम मठ रामशाखा चित्रकूटगाँव (बलिया)।→ ४१-१ ७ स य।

शब्द (पद्य)—गहनवानदास (बाबा) कृत। लि का सं १६७६। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव डा पर्वतपुर (सीतापुर)। → सं ४ २ ४ ड।

शब्द (पद्य)—गामदास (बाबा) कृत। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना अध्यापक, आई टी कालेज लखनऊ। → सं ४-२ १ च।

शब्द (गद्य)—रामचरण कृत। वि ज्ञान।

प्रा —पं दुक्खलाल तिवारी मदनपुर (मैनपुरी)।→११-२७६ बी।

शब्द (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। लि का सं १८३६। वि कबीरदास कृत शब्द की टीका।

प्रा —महंत शरणलालशरण लक्ष्मणकिला अयोध्या।→ ६-३२६ बी।

शब्द (पद्य)—सहजोबाई कृत। वि योगशास्त्र।

प्रा०—पं लक्ष्मीनारायण श्रीधर, कुंदीगरान का रास्ता जयपुर।→ -१११।

शब्द (हरियासाहब कृत) (पद्य)—हरियासाहब कृत। वि ज्ञान।

प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०१-५५ के।

शब्द अक्षरावली बानी→ अक्षरावली (महा मा रामसेवक कृत)।

शब्दअजबद्धक (पद्य)—कबीरदास कृत। वि उपदेश।

प्रा०—पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ ६-१४१ ई।

शब्द और साखी (पद्य)—केसोदास (बाबा) कृत। र का सं १६ (लगभग)। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि का सं ११८८।

प्रा०—श्री रामकृष्ण ककुरी डा शाहमऊ (रायबरेली)।→१५-५१।

(ख) प्रा —महंत महावीरदास बाबा सामरदास की कुटी डा कोलर (सुलतानपुर)।→सं ४-४४।

शब्दकहरा (पद्य)—कबीरदास कृत। वि ज्ञान।

प्रा —लाला बालामसाद किठौत डा सिरसागंज (मैनपुरी)।→१२-१ १ मू।

शब्दकहरा (पद्य)—कबीरदास (बाबा) कृत। वि निर्गुण ज्ञान।

प्रा —बाबा भैरवदास रामकुटी (मीरमपुर) डा कोसर (एटा)।→२६-२७ सी।

शब्दकामनार्थद (पद्य)—मागदास कृत। वि पुरुष और माया संबंधी विचार।

प्रा०—पं तुलसीराम वैद्य माठ (मथुरा)।→१२-१६७ ए।

शब्द का माहात्म्य या गीतामहात्म्य (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८९। वि गीता और उसके १८वें अध्याय का माहात्म्य।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–४६७ ।

शब्दकोश (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० पर्यायनाम ।

प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद गौहर, जसवंतनगर (इटावा) ।→२५-२८८ ।

शब्दगुंजार (पद्य)—धनलाल कृत । र० का० सं० १६०८ । वि० वेदांत ।

प्रा०—बाबा माधवदास, गणेशमंदिर, मधानी टोला, डा० मशालतगंज (लखनऊ) । →२६–२ एफ ।

शब्दगुंजार (पद्य)—भगवानदास कृत । लि० का० सं० १८८४ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महंत आशारामदास, कुटी गंगदास, पंचवेदना (गोंडा) । → सं० ०४-२५० ड ।

शब्दमय संत-महिमा (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत । वि० ब्रह्म की महिमा ।

प्रा०—महंत श्री साधुशरण, ससना बहादुरपुरभाग, डा० तिलगरोड (बलिया) । →४१-२६३ ज ।

शब्दमूलना (पद्य)—अहलाददास कृत । र० का० सं० १८४० (लगभग) । वि० भक्ति और ज्ञान ।

(क) लि० का० सं० १६६० ।

प्रा०—महंत चंद्रभूषणदास, उमापुर, डा० मीरमऊ (बाराबंकी) ।→३५-१ ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–१० ग ।

शब्दपारखी (पद्य)—ज्ञानी जी कृत । वि० भक्ति, ज्ञान आदि ।

(क) लि० का० सं० १८३६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–८८ ।

(ख) प्रा०—लाला गजाधरप्रसाद, कुराडीह, डा० परियावाँ (प्रतापगढ) । →१६-२१० ।

(ग) प्रा०—पं० उजागरलाल, लुधियानी, डा० चकेवर (इटावा) ।→२८–७५ बी ।

शब्दप्रकाश (पद्य)—जवाहिरपति कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं०००४–१२० फ ।

शब्दप्रकाश (पद्य)—धरनीधर (धरनीदास) कृत । लि० का० सं० १६३६ । वि० राम महिमा, ज्ञान, भक्ति आदि ।

प्रा०—पं० ब्रजभूषण ओझा, तीर, डा० बोरहलगज (गोरखपुर) ।→०६-७१ ।

शब्दप्रकाश (पद्य)—रामचरण कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) प्रा०—पं० हुब्बलाल तिवारी, मदनपुर (मैनपुरी) । →३२–१७५ डब्ल्यू ।

(ख) प्रा —पं० पूरनमल, बैजुआ, डा० अरॉव (मैनपुरी) ।→३२–१७५ एक्स ।

(ग) प्रा०—गो० रघुवरदयाल, खुशहाली, डा० सिरसागज (मैनपुरी) । → ३२–१७५ वाई ।

(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१६५ भ ।

शब्दप्रथममगलादि (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञान ।

प्रा०—लाला बालाप्रसाद, किठौत, डा० करहल (मैनपुरी) ।→३२–१०३ बी ।

शब्दधानी→'शब्दसागर (ब्रजलाल कृत)।

शब्दप्रकाशिकासु (पद्य)—गंगाराम कृत। लि का सं १८८६। वि भक्ति।
प्रा —लाला बैजनाथ, मेजा (इलाहाबाद)।→१७–६१।

शब्दमंगलमाला→'शब्दावली (महात्मा रामसेवकदास कृत)।

शब्द या चेतावनी (पद्य)—तुलसीसाहब कृत। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा —बाबा सेवादास जी गिरधारीसाहब की समाधि, मौरावाँ (लखनऊ)।
→सं ७–७४ ग।

शब्द या पद (पद्य)—दादू जी कृत। लि का सं १८८७। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं –१६१ ल।

शब्द या पद तथा साखी (पद्य)—नामदेव कृत। लि का सं १८६७। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७–१ ४ ग।

शब्द या बानी पद्य)—गंगादास कृत। लि का सं १६४१। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री जगदीशप्रसाद शर्मा राजगुरु फूलपुर (इलाहाबाद)। →सं १–६६।

शब्दरत्नावली (पद्य)—प्रयागदास कृत। र का सं १८६१। वि 'अमरकोष' का अनुवाद।
(क) लि का सं १८७८।
प्रा —सरस्वतीनिकेतन का पुस्तकालय, सरस्वती।→ ६–८२ ए।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→ १–२२८।

शब्दरमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि आत्मज्ञान।
प्रा०—लाला भाजाप्रसाद, किठौत डा सिरसागंज (मैनपुरी)। →१२–१ १ एफ।

शब्दरमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि निर्गुण मतानुसार परमतत्व तथा अमर लोक की अलौकिकता का वर्णन।
प्रा —मुंशी गौरीशंकर सेमरा डा महाव (मैनपुरी)।→१६–१४ बी।

शब्दरसायन→'शब्दरसायन' (देव कृत)।

शब्द राग काफी और राग फगुआ (पद्य)—कबीरदास कृत। वि ज्ञान।
प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ ९–१४१ बी।

शब्द राग गौरी और राग भैरव (पद्य)—कबीरदास कृत। वि ज्ञान।
प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ ९–१४१ एफ।

शब्दराशी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि ज्ञान।
प्रा —लाला भाजाप्रसाद किठौत डा सिरसागंज (मैनपुरी)। →१२–१ १ क्यू।

शब्दरेखता (पद्य)—खड्गदास कृत । वि० निर्गुणज्ञान ।

(क) प्रा०—बख्शी अयाचरण, चतुर्वेदी पुस्तकालय के समीप, मैनपुरी ।→ ३५-४५ बी ।

(ख प्रा०—मुशी गौरीशकर, सेमरा, डा० भदान (मैनपुरी) ।→३५-५४ सी ।

शब्दरैदास कौ वाहु (पद्य)—धर्मदास कृत । वि० निर्गुण ज्ञान ।

प्रा०—लाला बालाप्रसाद, किठौत डा० सिरसागज (मैनपुरी) ।→३२-५३ ।

शब्दलीला (पद्य)—दरियासाहब कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—साधु निरजनदास, कुटी, भैरोपुर, डा० भीमापार बाजार (गाजीपुर)→ स० ०१-१५१ क ।

शब्दवशावली (पद्य)—कबीरदास कृत । लि० का० स० १७६४ । वि० अध्यात्म ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-१७७ जी (विवरण अप्राप्त)

शब्दविष्णुपद (पद्य)—गोविंददास कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री सुदामा पाडेय, चतुरापुर, डा० भीमापार बाजार (गाजीपुर) । →स० ०१-६६ ।

शब्द सतगुरु के (पद्य)—ठाकुरदास (ठाकुर) कृत । वि० ज्ञान, भक्ति और वैराग्य ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-६० क ।

शब्दसागर (पद्य)—अचलदास कृत । र०का० स० १६०६ । वि० वेदात ।

प्रा०—बाबा साहबदास, श्री गणेश मंदिर, मसानी देवी, डा० सआदतगज (लखनऊ) ।→२६-२ जी ।

शब्दसागर (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । र० का सं० १८१२ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० स० १६२६ ।
प्रा०—श्री परागीदास मुराऊ, जदवापुर, डा० बरनापुर (बहराइच) । → २३-१७५ जी ।

(ख) लि० का० स० १६४० ।
प्रा०—महत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगज (सुलतानपुर) । → २३-१७५ एच ।

(ग) लि० का० स० १६४० ।
प्रा०—महत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगज (सुलतानपुर) । → २६-१८७ सी ।

(घ) लि० का० स० १६१० ।
प्रा०—महत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव कुटी, डा० पर्वतपुर (सुलतानपुर) । → स० ०४-१०५ ड ।

शब्दसागर (पद्य)—सुदरदास कृत । वि० ज्ञान ।

प्रा —ठा जगदेवसिंह गुसौली डा चौड़ी (बहराइच) ।→१६–४११ बी ।

शब्दसागर (पद्य)—हजारीदास कृत । र का सं १८८५ । लि का सं १६६७ । वि निर्गुण भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा —महंत चंद्रभूषणदास उमापुर, डा मीरमऊ (बाराबंकी) । → २६–१५ ।

शब्दसागर (पद्य)—विविध कवि (धर्मदास रामानंद कबीर, तुलसी सूर आदि) कृत । लि का सं १८६७ । वि निर्गुण सगुण भक्ति ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१–४११ (अप्र) ।

शब्दसार (पद्य)—दुल्लासाहब कृत । वि ज्ञान और भक्ति ।

प्रा —महंत त्रिवेणीशरण पलटूदास का स्थान अयोध्या ।→२ २१ ।

शब्दसार-बानी (पद्य)—गंगादास कृत । वि आत्मिक ज्ञान और विनय ।

प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६–२१२ बी (विवरण अप्राप्त) ।

शब्दसुमिरण की मंत्र (पद्य)—खड़गदास कृत । वि निर्गुण मतानुसार मूल शब्द के स्मरण का फल ।

प्रा —बख्शी अयोध्याप्रसाद जी चतुर्वेदी पुस्तकालय के समीप मैनपुरी । → १५–१४ ई ।

शब्दसुमिरण (पद्य)—कबीरदास कृत । वि ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—लाला बालकप्रसाद किठौर डा सिरसागंज (मैनपुरी)।→१२–१ १ ए[१] ।

शब्दसुरति-संवाद (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि ज्ञानोपदेश ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ४–४२५ ।

शब्दलोक विधान (पद्य) खड़गदास कृत । वि ब्रह्म और शब्दादि की महत्ता ।

प्रा —ठा विजयपालसिंह रीजरा डा शिकोहाबाद (मैनपुरी) । → १२ ११५ बी ।

शब्दहोरी→होरी ज्ञान की (बाबा फकीरदास कृत) ।

शब्दालंकार (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि संस्कृत शब्दालंकार के अनुसार एक सौ आठ अलंकृत शब्दों के अर्थ ।

प्रा —सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट अयोध्या ।→१७–६६ (परि ३) ।

शब्दावली (पद्य)—अक्षरदास कृत । लि का सं १८८६ । वि ज्ञान और वैराग्य ।

प्रा —ठा शारदाबख्शसिंह बनुहा डा खिजोई (रायबरेली) ।→२६–५ सी ।

शब्दावली (पद्य)—कबीरदास कृत । वि आत्मिक शिक्षा ।

(क) लि का सं १८६१ ।

प्रा —लाला रामनारायण बिसावर ।→ ६–१७ पी (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) प्रा —महंत जगन्नाथदास मऊ छतरपुर ।→ ६–१७० क्यू (विवरण अप्राप्त) ।

शब्दावली (पद्य)—खेमदास कृत। र० का० स० १८३०। लि० का० सं० १६५६।
विं० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरानपाडे, डा० तिलोई (रायबरेली)।
→२६–१६५ बी।

शब्दावली (पद्य)—गोसाईंदास कृत। र० का० स० १८००। लि० का० स० १६४०।
वि० ज्ञान, भक्ति और वैराग्य आदि।
प्रा०—महत श्रीकृष्णदास, कमोली, डा० दरियाबाद (बाराबकी)।→२६–१५१।

शब्दावली (पद्य)—अन्य नाम 'एकाक्षरी'। तोजरदास कृत। र० का० स० १८८७।
वि० ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० स० १६३२।
प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)। ०६–३१८।
(ख) लि० का० स० १६३२।
प्रा०—प० गणेशदत्त, मछली गाँव (गोंडा)।→२०–१६५।
(ग) लि० का० सं० १६८५।
प्रा०—पं० त्रिभुनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरानपाडे, डा० तिलोई (रायबरेली)।
→२६–४८३।

शब्दावली (पद्य)—नवलदास कृत। र० का० स० १८१७। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० स० १६५७।
प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानी कटरा (काराबकी)।
→स० ०४–१८३ ठ।
(ख) प्रा०–श्री चद्रभानदास महत, उमापुर, डा० मीरमऊ (बाराबकी)।
→२६–२४६ ए।

शब्दावली (पद्य)—नेवलसिंह कृत। लि० का० स० १६८८। वि० भक्ति और विनय।
प्रा०– प० परमेश्वरदत्त, ग्राम तथा डा० इन्हौना (रायबरेली)।→३५–७० बी।

शब्दावली (पद्य)—भगनदास कृत। र०का०स० १८८०। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० स० १८८०।
प्रा०—महत अज्ञारामदास, कुटी गूँगदास, पंचपेड़वा (गोंडा)। →
स० ०७–१३६ स।
(ख) लि० का० स० १६०१।
प्रा०—महत अज्ञारामदास, कुटी गूँगदास, पंचपेड़वा (गोंडा)। →
स० ०७–१३६ ग।

शब्दावली (पद्य)—भीखासाहब कृत। र० का० सं० १७६२। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—महंत त्रिवेणीशरण, पलटूदास का स्थान, अयोध्या।→२०–१८।

शब्दावली (पद्य)—भीखमदास कृत। र का सं १८८७। लि का सं १९१८। वि ज्ञान वैराग्य उपदेश आदि।
प्रा —बाबा परागदास ठवेहनी, डा फतेहपुर (रायबरेली)।→१५–१४ एफ।

शब्दावली (पद्य)—भीखमदास कृत। र का सं १८१८। वि ज्ञान।
प्रा —महंत नारायणदास वर्मे डा सिकोई (रायबरेली)।→१५–१४ एन।

शब्दावली (पद्य)—शिरोमणिसाई (मनविरंच) कृत। वि ज्ञान वैराग्य और भक्ति।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–२५२।

शब्दावली (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी)। लि का सं १९३८ (संभवतः)। वि ज्ञानोपदेश।
प्रा०—महंत रामकिशोर रसड़ा (बलिया)।→४१–२११ क।

शब्दावली (पद्य)—संतदास (दयालदास) कृत। लि का सं १९४१। वि ज्ञान और भक्ति।
प्रा —कबीरदास का स्थान, मगहर (बस्ती)।→ ९–२८१ ए।

शब्दावली (पद्य)—शिवदास कृत। र का सं १८१ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि का सं १९८१।
प्रा —पं त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी पूरेपरान पाडे डा सिसाई (रायबरेली)। →१६–४१७ बी।
(ख) लि का सं १९८२।
प्रा०—श्री रतननारायण कालीगयापुर डा हरदोना (रायबरेली)। → सं ४–८ ६ ग।
(ग) प्रा —महंत गुरुप्रसाद हरग्राम डा परवलपुर (सुलतानपुर)। → २१–३८६।
(घ) प्रा —महंत गयाप्रसाद मीलीपुर डा राजाफतेपुर (रायबरेली)।→ सं १–४ ६ क।

शब्दावली (पद्य)—विविध कवि (कबीर तथा धरनदास के) वि ज्ञान और भक्ति।
प्रा —श्री तुलसीदास जी का बड़ा स्थान दारागंज प्रयाग। → ४१–४६७ (ग्राम)।

शब्दावली→'नरकुलनिर्गुन' (बाबा भूखनदास कृत)।
शब्दावली→'रामशब्दावली (बाबा रामदास कृत)।
शब्दावली→'रामशब्दावली (बाबा रामप्रसाद कृत)।
शब्दावली→'शब्द और साखी (बाबा केशौदास कृत)।

शब्दावली और दोहावली (पद्य)—गुरुदयाल कृत। लि का सं १९२७। वि रामनाम की महिमा।

प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी 'विशारद', पूरेपरानपांडे, डा० तिलोई (रायबरेली) ।→२६–१५६ ।

शब्दों के मंगलाचरण→'शब्द' (स्वा० चरणदास कृत) ।

शमशेरबहादुरपाल—महुली राज्य (अयोध्या के पूर्व) के सूर्यवंशी राजा । पिता का नाम सर्फराज । संभवतः अहलाददास के आश्रयदाता । इनके वंशज अब महसों (बस्ती) में रहते हैं । सं० १८१४ के लगभग वर्तमान ।→सं० ०४–११ ।

शरणबंदगी (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । र० का० सं० १८१४ । लि० का० सं० १९४० । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतान पुर) । → २६–१६२ आई ।

शरदनिशा (पद्य)—कृष्णाबाई (कृष्णदासि) कृत । वि० श्रीकृष्ण के रास का वर्णन ।

प्रा० – श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–५५ ।

शरीरभोग-सार गीता (पद्य)—पतितदास कृत । लि० का० सं० १९२१ । वि० ज्ञान वैराग्य ।

प्रा०—लाला गंगादीन बिहारीलाल, धूलामलीपुरा (बहराइच) ।→२३–३१४ डी ।

शशिधर (स्वामी)—नेपाल निवासी । मृत्यु सं० १८८२ । संभवतः गढ़वाल के पहाड़ी ब्राह्मण ।

ज्ञानदीप (पद्य)→१२–१७० बी ।

दोहा को पुस्तक (पद्य)→१२–१७० ए ।

योगप्रेमावली (पद्य)→१२–१७० डी ।

सच्चिदानंदलहरी (पद्य)→१२–१७० सी ।

शशिनाथ→'सोमनाथ' ('कृष्णलीलावली-पंचाध्यायी' आदि के रचयिता) ।

शांतरस वेदांत (पद्य)—निपटनिरंजन कृत । वि० वेदांत ।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, काँथा (उन्नाव) ।→२३–३०६ ।

शांतशतक (गद्यपद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत । वि० ज्ञान, वैराग्य, भक्ति ।

(क) लि० का० सं० १८९५ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–५४ ।

(ख) लि० का० सं० १९०३ ।

प्रा०—महंत लखनलालशरण लक्ष्मणकिला, अयोध्या ।→०६–३२६ आई ।

(ग) लि० का० सं० १९०६ ।

प्रा०—कुटी मानिकपुर, गंगातट ।→२६–५०३ ए ।

(घ) लि० का० सं० १९०७ ।

प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद चौबे, चंद्रपुर, डा० कमतरी (आगरा) ।→२६–५०३ बी ।

शांतिनाथपुराण→'शांतिपुराण' (सेवाराम कृत) ।

शांतिपर्व (पद्य)—गोपीनाथ कृत। र का १९ वीं शती का प्रारंभ। लि का सं १९३३। वि भारत शांति पर्व की कथा।
प्रा —ठा बद्रीसिंह जमींदार, लालीपुर डा ठाकुरगंजमस्त्री (लखनऊ)। →२६-१४५।

शांतिपुराण (पद्य)—सेवाराम (जैन) कृत। र का सं १८५४। वि जैन तीर्थंकर श्री शांतिनाथ का चरित्र।
(क) लि का सं १८८२।
प्रा —जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी। →२३-३८४।
(ख) लि का सं १९ ६।
प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली चौक लखनऊ। →सं ४-४२५।
(ग) लि का सं १९६२।
प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर। →सं १०-११६।

शाखोच्चार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि विवाह के समय की शाखोच्चार परंपरा का वर्णन।
प्रा—पं मारंगीलाल महेशरा डा सिरसागंज (मैनपुरी)। →१६-२८८।

शारंगधर—सं १६७१ के पूर्व वर्तमान।
भावशतक (पद्य)→सं १-४११।

शारंगधर—कोई ब्राह्मण।
संगीतदीपिका (पद्य)→सं १-४१।

शारंगधर (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८ ४। वि वैद्यक।
प्रा —श्री मीरदत्ताचा गुलजारीलाल वैद्य फीरोजाबाद (आगरा)। →२१-४८१।

शारंगधर (भाषा) (गद्यपद्य)—दीपचंद (वैश्य) कृत। र का सं १८६६। वि वैद्यक।
(क) लि का सं १६।
प्रा —ठा शिवनरेशसिंह बख्तावरसिंह का पुरवा डा सैरीघाट (बहराइच)। →२३-१६६ सी (मध्यमखंड)।
(ख) लि का सं १९१२।
प्रा —ठा भगवतीप्रसादवक्षसिंह गुरुबापुर, डा चिलवरिया (बहराइच)। →२३ १६६ एक।

शारंगधरवैद्यक (गद्यपद्य —बलवीर कृत। लि का सं १९ । वि वैद्यक।
प्रा—पं सदेव शर्मा आयुर्वेदाचार्य, औषधालय भीनपुर (बलिया)। →४१-२५१।

शारंगधरसंहिता (प्रथम खंड) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि वैद्यक।
प्रा —वैद्य गुलजारीलाल "विशारद" फीरोजाबाद (आगरा)। →२६-४८५।

शालिहोत्र (पद्य)—उत्तमदास (मिश्र) कृत । लि का सं १९६६ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़ ।→ ६–१४ बी (विवरण अप्राप्त) ।

शालिहोत्र (पद्य)—करठाराम कृत । र का सं १८९४ । वि अश्वविद्या ।
(क) लि का सं १९ १ ।
प्रा —ठा चंद्रभानसिंह रईस (बलिया) ।→४१–२२ क ।
(ख) लि का सं १९ १ ।
प्रा —श्री वशिष्ठ पांडेय ग्राम डा सैदपुर (गाजीपुर) ।→सं १–१८ ।
(ग) लि का सं १९२९ ।
प्रा०—श्री भैया हनुमतप्रसादसिंह रियासत अम्हमा (बस्ती) । → सं ४–२१ ख ।
(घ) लि का सं १९१ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ४–२१ क ।
(ङ) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१ २२ ख ।
(च) प्रा —पं केदारनाथ शर्मा मिरकौलिया डा बेतिया (बस्ती) । → सं ४–२१ ग ।
(छ) प्रा —पं चंद्रभूषण त्रिपाठी गौर (रायबरेली) ।→सं ७–११ ।

शालिहोत्र (पद्य)—गंजनसिंह कृत । र का सं १८४ । वि नाम से स्पष्ट ।
(क) प्रा —पं शिवदुलारे दूबे हुसेनगंज (फतेहपुर) ।→ १–८२ ।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १–७१ ।

शालिहोत्र (पद्य)—गुरुदीन (पांडेय) कृत । वि शालिहोत्र ।
(क) लि का सन् १२८ साल ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ८–१८ ।
(ख) प्रा —श्री सरस्वतीप्रसाद उपाध्याय कुरीकपुर सिंसिहा डा फूलपुर (इलाहाबाद) ।→सं १–८४ क ।
(ग) प्रा —श्री महावीरप्रसाद मिश्र ठठा डा बीबीपुर (इलाहाबाद) ।→ सं १–८४ ख ।

शालिहोत्र (पद्य)—जनार्दन (भट्ट) कृत । वि हाथियों के रोगों की चिकित्सा ।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→०६–२६७ डी (विवरण अप्राप्त) ।

शालिहोत्र—तनसुख (लाला) कृत । र का सं १९२ । लि का सं १९२ । वि नाम से स्पष्ट ।→पं २२–१११ ।

शालिहोत्र (पद्य)—अन्य नाम 'अश्वविनोद' । तारार्चंद (चंदनिचंद) कृत । र का सं १९१९ (?) । वि नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० स० १८५० ।

प्रा०—लाला शिवदयाल, बरखेड़ा, डा० तड़ियावाँ (हरदोई) ।→२६-६६ ।

(ख) लि० का० स० १८५१ ।

प्रा०—पुस्तकालय आर्यसमाज, घासमंडी, सीतापुर ।→२३-७७ ए।

(ग) लि० का० स० १८६० ।

प्रा०—प० शिवरतन, भज्जू का पुरवा, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)। →२६-८० ए।

(घ) लि० का० स० १९०० ।

प्रा०—प० रामप्रसाद मिश्र, गोपऊ, डा० किरावली (आगरा)। →३२-२१४ बी ।

(ङ) लि० का० स० १९१५ ।

प्रा०—प० रामप्रसाद पांडेय, हुसेनगज (फतेहपुर) ।→०६-४६ ।

(च) लि० का० स० १९२१ ।

प्रा०—श्री शिवचरण स्वामी आर्य, रायभा, डा० अछनेरा (आगरा)। →३२-२१४ ए।

(छ) लि० का० स० १९३० ।

प्रा०—श्री शकरप्रसादसिंह, खडहर, डा० मुफ्तीगज (जौनपुर)। →स० ०१-१३८ ख।

(ज) प्रा०—प० देवकीनदन, खनिया, डा० अलीगजबाजार (सुलतानपुर) ।→२३-७७ बी ।

(झ) प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)। →२६-८० बी ।

(ञ) प्रा०—श्री बिहारी जी का मदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद। →४१-४६६ (अप्र०)।

(ट) प्रा०—लाल सकर्षणसिंह, सुंदरपुर, डा० बारा (इलाहाबाद)। →स० ०१-१३८ क।

शालिहोत्र (पद्य)—त्रिविक्रमसेन कृत। र० का० स० १६६३ (?)। वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० स० १८८० ।

प्रा०—पं० चद्रशेखर विद्यार्थी, रामगोपाल का मदिर, अयोध्या ।→२०-१९७ ।

(ख) लि० का० स० १९२३ ।

प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा) ।→०६-३२२ ।

(ग) प्रा० — प० गगासहाय बाजपेयी, अलीपुर (रायबरेली) ।→२३-४३० ।

शालिहोत्र (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'अश्वचिकित्सा'। दयानिधि कृत। वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि का सं १८८५ ।
प्रा – पं शिवदुलारे दूबे दुमैनगाँव फतेहपुर ।→ ६–१२ ।
(ख) लि का सं १८८७ ।
प्रा —भैया महीपतसिंह पयागपुर डा पयागपुर (बहराइच) ।→२१–८६ ए ।
(ग) लि का सं १६ १ ।
प्रा —ठा नौनिहालसिंह सेंगर काँथा (उन्नाव) ।→२१–८६ बी ।
(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा बाराणसी ।→सं ८–१५१ ।

शालिहोत्र (गद्यपद्य)—नकुल कृत । वि अश्वचिकित्सा ।

(क) लि का सं १६ १ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं ४–१७६ क ।
(ख) लि का सं १६११ ।
प्रा —ठा चंद्रीसिंह जमींदार लालीपुर डा लालगंजकछौंदी (रायबरेली) । → २६–११४ ।
(ग) लि का सं १६६१ ।
प्रा —पं श्यामलाल मिश्र मेवा मथुरा की गली मथुरा ।→ ६–२ ४ ।
(घ) प्रा —विद्याप्रचारिणी जैन सभा जयपुर ।→ ६६ ।
(ङ) प्रा —श्री बाबाशंकर त्रिपाठी, बबनली डा सरपतहा (जौनपुर) ।→ →सं ८ १७६ ख ।

शालिहोत्र (पद्य)—निधान (सुकवि) कृत । र का सं १८०१ । वि अश्व चिकित्सा ।

(क) लि का सं १८१२ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→२६–११४ ।
(ख) लि का सं १८६८ ।
प्रा —ठा कालिकावक्ससिंह तालुकेदार मौलगाँव (सीतापुर) । → १२–१२४ ।
(ग) लि का सं १८७८ ।
प्रा०—ठा उदरेसिंह उमरा डा गैढ़ाबाद (प्रतापगढ़) । → सं ४–१६१ ।
(घ) लि का सं १९ ।
प्रा —ठा नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव) ।→२१–१ ४ ए ।
(ङ) लि का सं १६ १ ।
प्रा —श्री चंद्रीप्रसाद पैंड़िया डा सिवाही (बस्ती) ।→सं ७–१ ६ ।
(च) लि का सं १६१५ ।
प्रा —भैया महिपालसिंह पयागपुर (बहराइच) ।→२१–१ ४ बी ।

शालिहोत्र (पद्य)—पाठकदास (द्विज) कृत। र० का० स० १८३१। लि० का० स० १८७६। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर कौंथा (उन्नाव)।→२३-३१३।

शालिहोत्र (पद्य)—पृथ्वीराज (प्रधान) कृत। लि० का० स० १६०६। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६-६४।
(एक अन्य प्रति श्री बिहारी चौबे, पन्ना के पास है।)

शालिहोत्र (पद्य)—वेनी (कवि) कृत। लि० का० स० १६२३। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—लाला देवीप्रसाद मुतसद्दी, छतरपुर।→०६-१३५ (विवरण अप्राप्त)।

शालिहोत्र (पद्य)—मणिराम (शुक्ल) कृत। लि० का० स० १६३५। वि० नाम से स्पष्ट
प्रा०—श्री मन्नू मिश्र, नीलगाँव (सीतापुर)।→२३-२६८।

शालिहोत्र (गद्यपद्य)—मानसिंह (अवस्थी) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १८६६।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→०६-७३।
(ख) लि० का स० १६०५।
प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, कौंथा (उन्नाव)।→२३-२६३।

शालिहोत्र (गद्यपद्य)—रणधीरसिंह (राजा) कृत। र० का० स० १८६४। लि० का० सं० १६५१। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—प० माताप्रसाद दूबे, चदनपारा (इलाहाबाद)।→२०-१६१।

शालिहोत्र (पद्य)—रामदया कृत। वि० अश्वविद्या।
(क) प्रा०—ठा० विश्वनाथसिंह रईस तालुकेदार, अगनेश, डा० तिरसुंडी (सुलतानपुर)।→२३-३४२ जी।
(ख) प्रा०—ठा० महादेव वैद्य, मलिकमऊ चौबारा (रायबरेली)।→ स० ०४-३३०।

शालिहोत्र (गद्यपद्य)—शिवदास (राय) कृत। वि० हाथियों की चिकित्सा।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६-१०८।

शालिहोत्र (पद्य)—श्रीधर कृत। र० का० स० १८६६। वि० अश्वविद्या।
(क) लि० का० स० १६२०।
प्रा०—ठा० दुर्गासिंह, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३-४०१ ए।
(ख) लि० का० स० १६२७।
प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)।→ २६-४५५ ए।
(ग) लि० का० स० १६३६।

प्रा —ठा उमरावसिंह, संडीला का महुराइद्दा (सीतापुर)।→२१–८५ बी।

(घ) लि का सं ११४१।

प्रा —ठा दिग्विजयसिंह तालुकेदार विकौलिया (सीतापुर)।→१२-१७७ए।

(ङ) प्रा —टैगोर पुस्तकालय लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ। → सं ४-४१८।

शालिहोत्र (पद्य)—सहदेव (?) कृत। वि अश्वचिकित्सा।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-२- ।

शालिहोत्र (पद्य)—दुलाल (पाठक) कृत। वि नाम से स्पष्ट।

(क) लि का सं १९४८।

प्रा —ठा बद्रीसिंह जमींदार स्वामीपुर डा तालाबबख्शी (लखनऊ)।→ २१-१८१ए।

(ख) प्रा —पं शिवकुमार श्रोझा ज्याकर्णाचार्य (धर्मसंघ सभा प्रचारक), श्रोझौली डा बरहलगंज बाजार (गोरखपुर)।→सं १-४९२।

शालिहोत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८८४। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —महाराज महेंद्रमानसिंह, भदावर नौगवाँ (आगरा)।→२९-४०१।

शालिहोत्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —मुं छिंगामल सिठौली डा नगराम (लखनऊ)।→२१-४०२।

शालिहोत्र (घोरान की वैदगई) (गद्य)—सादिक कृत। लि का सं १८६६। वि अश्वचिकित्सा।

प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-४४१।

शालिहोत्रप्रकाश→'शालिहोत्र (गंजनसिंह कृत)।

शालिहोत्रप्रकाशिका→ शालिहोत्र (भीखर कृत)।

शास्त्रार्थ (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि स्वामी दयानंद सरस्वती और काशी के पंडितों का शास्त्रार्थ।

प्रा —पं रामगोपाल वैद्य जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)। → १७-८ (परि १)।

शाहआलम—दिल्ली के मुगल बादशाह शाहआलम (बहादुरशाह प्रथम) के प्रपौत्र। हरिलाल मिश्र के आश्रयदाता। सं १८१६ से १८६१ तक वर्तमान। → २-२५, ६-९९, ९-२११।

शाह मू (पंडित)—ब्राह्मण। श्रीडखा (बुंदेलखंड) निवासी। श्रीमान रामसिंह के पुत्र कुँवर लक्ष्मणसिंह के आश्रित। सं १७५४ के लगभग वर्तमान।

बुंदेलवंशावली (पद्य)→ १-१७ बी।

लक्ष्मणसिंहप्रकाश (पद्य)→ १- ७ए।

शाहनामा (गद्य)—मिश्र (?) कृत। वि राजा युधिष्ठिर के समय से बादशाह शाह आलम तक के सम्राटों की वंशावली।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–१११ ।

शाहफकीर→'फकीरशाह' (यारी साहब के शिष्य) ।

शाहफकीर के शिष्य (पद्य)—शकीरशाह कृत । लि० का० स० १८६७ । वि० निर्गुण ज्ञान ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–१४६ ।

शाह मीरों जी—(?)

शाहीदतुल तहकीक (पद्य)→४१-२०१ ।

शाहीदतुल तहकीक (पद्य)—शाह मीरों जी कृत । वि० सूफी सिद्धात ।

प्रा०—डा० मुहम्मद हफीज सैयद, १३, चैथम लाइन, इलाहाबाद ।→४१-२०१ ।

शिक्षा (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत । लि० का० स० १९२१ । वि० ज्ञान ।

प्रा०—श्री रसिकेंद्र, कालपी (हमीरपुर) ।→२०–४ सी ।

शिक्षाककाबत्तीसी (पद्य)—श्रीधर (गौड़) कृत । वि० उपदेश ।

(क) प्रा०—प० रमाकात शुक्ल, पुरवा गरीबदास, डा० गड़वारा (प्रतापगढ) । →२६–४५४ ई ।

(ख) प्रा०—प० रामअधार मिश्र, नगर, डा० लखीमपुर (खीरी) । → २६–४५४ डी ।

शिक्षापत्र (गद्य)—हरिराय कृत । लि० का० सं० १९२३ । वि० कृष्णोपासना की शिक्षा ।

प्रा०—श्री जमुनालाल चौबे, घटाघर, अलीगढ ।→२६–१४५ ।

शिक्षापत्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० पुष्टिमार्गीय वैष्णवों के लिये गोस्वामी गोकुलनाथ की शिक्षा ।

प्रा०—श्री देवकीनदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर ।→१७–९२ (परि०३) ।

शिक्षापत्र टीका (गद्य)—अन्य नाम 'इकतालीस शिक्षापत्र टीका' । गोपेश्वर कृत । वि० पुष्टिमार्ग की विवेचना (हरिराय के गोपेश्वर के नाम भेजे गए इकतालीस पत्रों की व्याख्या) ।

(क) लि० का० स० १८८६ ।

प्रा०—प० ग्यारसीराम पटवारी, कुम्हेर (भरतपुर) ।→३८–५२ ए ।

(ख) लि० का० स० १९१६ ।

प्रा०—श्री बिहारीलाल ब्राह्मण, नई गोकुल, मथुरा ।→३५–२६ बी ।

(ग) प्रा०—श्री देवकीनदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर । → १७–८८ (परि०३) ।

(घ) प्रा०—श्री अमोलकराम, घोसेरस, डा० गोवर्द्धन (मथुरा) ।→३५–२६ ए ।

(ङ) प्रा०—पं० जमनाप्रसाद इमलीवाले, गोकुल (मथुरा) ।→३५–२६ सी ।

(च) प्रा०—प० मथुराप्रसाद, जतीपुरा, डा० गोवर्द्धन (मथुरा) । → ३८–५२ बी ।

टि सी वि १७८८ (परि १) के हस्तलेख को भूल से अज्ञात कृत मान लिया गया है ।

शिक्षापत्री (पद्य)—सहजानंद कृत । र का सं १८८२ । वि उपदेश ।
प्रा —श्री राजवर जमरासी मार्गावर्तक भैरोबाजार आगरा ।→१२-१६४ ।

शिक्षाप्रकाश (पद्य)—नरहरदास कृत । र का सं १८१ । लि का सं १८३६ ।
वि ज्ञानोपदेश ।
प्रा —गो गोवर्द्धनलाल वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१७ ए ।

शिक्षाबत्तीसी (पद्य)—भवानीसिंह (मेहता) कृत । र का सं १९१- । वि उपदेश ।
(क) लि का सं १९९७ ।
प्रा —लाला छीतरमल रामजीत का नगला डा लखनी (अलीगढ़) । →
२६-८ ए ।
(ख) लि का सं १९४ ।
प्रा —लाला रतनलाल मोहारी रामपुर (सीतापुर) ।→२६-१ ए ।
(ग) प्रा —पं रामनाथ शुक्ल मझवार्वां डा बंगर (उन्नाव) ।→२६-१ बी ।
(घ) प्रा —पं रामप्रसाद मिश्र मगर डा लखीमपुर(खीरी) ।→२६-१सी ।
(ङ) प्रा —पं रमाकांत शुक्ल पुरवा गरीबदास डा गड़वारा (प्रतापगढ़) ।
→२६-१ डी ।
(च) प्रा०—पं लक्ष्मीनारायण जसरथपुर डा फीरोजाबाद (आगरा) । →
→२९ ५ बी ।

शिक्षासूत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि वल्लभ संप्रदायांतर्गत पाँच प्रकार की भक्तियों का वर्णन ।
प्रा०—पं रामकिशनदास ठाकुरजी का मंदिर, कालीदह वृंदावन (मथुरा) ।→
१५-१ ३ ।

शिक्षाशतार्द्ध (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १९२८ । वि ज्ञानोपदेश ।
प्रा —पं भैरवप्रसाद गौड़ मनार्थपुर डा मेंड (अलीगढ़) ।→२९-४११ ।

शिक्षाशतार्थ (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १९२५ । वि उपदेश ।
प्रा —पं रामराम नरहा (सीतापुर) ।→२६ ११६ (परि ३) ।

शिखनख (पद्य)—बनादिरराम कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —श्री भगवानदास मसानन्द, बिलग्राम (हरदोई) ।→१२-८४ सी ।

शिखनख (पद्य)—रसरूप कृत । वि राधा जी का नखशिख ।
प्रा —भारती भवन पुस्तकालय छतरपुर ।→ ५-७६ ।

शिखनख (पद्य)—सुखदेव (मिश्र) कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—गो श्रीकृष्णलाल वृंदावन (मथुरा) ।→०९-१ बी ।

शिखनख (पद्य)—हनुमान कृत । वि श्रृंगार ।

(क) प्रा०—प० महादेवप्रसाद, गणेशगज, रायबरेली ।→२३-१७ ।
(ख) प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । → स० ०१-४७६ क ।
(ग) प्रा०—श्री केदारनाथ अवस्थी, रामनाथखेड़ा, डा० विहार (उन्नाव) । →स० ०४-१२८ ।

शिखनख→'नखशिख' (गुलामनबी उप० 'रसलीन' कृत) ।

शिखनख टीका→'नखशिख सटीक' (मणिराम कृत) ।

शिखनख दर्पण (पद्य)—गोपालनाल कृत । र० का० स० १८६१ । लि० का० स० १६५६ । वि० बलभद्र कृत 'नखशिख' की टीका ।
प्रा०—लाला हीरालाल, चौकीनवीस, चरखारी ।→०६-४० ए ।

शिखनख वर्णन→ नखशिख' (बलभद्र कृत) ।

शिखनख वर्णन→'नखशिख राधाजी को' (चदन कृत) ।

शिखरमाहात्म्य (पद्य)—मनशुद्धसागर (जैन) कृत । र० का० सं० १८४५ (?) । वि० समेदशिखर का माहात्म्य वर्णन ।
(क) लि० का० स० १८८८ ।
प्रा०—श्री दिगबर जैन मदिर (बड़ा मदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ । →स० ०४-२८१ ख ।
(ख) लि० का० स० १६०२ ।
प्रा०—उपर्युक्त ।→स० ०४-२८१ ग ।
(ग) लि० का० स० १६१४ ।
प्रा०—श्री जैन मदिर (बड़ा), बाराबकी ।→२३-२६४ ।

शिरोमणि (जैन)—स० १७५१ के लगभग वर्तमान ।
धर्मसार (पद्य)→३२-२०० ।

शिरोमणि (मिश्र)—माथुर ब्राह्मण । शाहजहाँ बादशाह के आश्रित । इनके पितामह परमानद (शतावधानी) और पिता मोहन क्रमश बादशाह अकबर और जहाँगीर के आश्रय में रहते थे । स० १६६७ के लगभग वर्तमान ।
उरवसीनाममाला (पद्य)→०६-२३५, २०-१७८, सं० ०१-४१२ ।

शिरोमनिदास—जैन मतावलबी । भट्टारक सकलकीर्ति के शिष्य । स० १७५१ के लगभग वर्तमान ।
धर्मसार (पद्य)→स० ०४-३८० ।

शिल्पशास्त्र (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात (विश्वकर्मा ?) । लि० का० स० १६४७ । वि० शिल्प विद्या ।
प्रा०—श्री बाबूराम मिस्त्री, खटीकान, मुजफ्फरनगर ।→स० १०-१७७ ।

शिल्पशास्त्र भाषा टीका तथा राजवल्लभे वास्तुशास्त्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा ---पं राधेश्याम ज्योतिषी स्वामोघाट, मथुरा।→१२ २८१।

शिल्पसार (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात (विश्वकर्मा ?)। लि का सं १९४०। वि शिल्प विद्या।

प्रा —श्री बाबूराम मिश्री बर्दीकान मुजफ्फरनगर।→सं १ -१७८।

शिव—असनी (फतेहपुर) निवासी ब्राह्मण। मृत्यु सं ११ ५।

मैंडुवा (पद्य)→२ -१८ ।

शिव— ?)

अवतारचरित्र (पद्य)→सं ४-१८१।

शिव (कवि)—भाट। संभवतः पयागपुर (बहराइच) निवासी। जुलफिकार खाँ के आश्रित। सं १८ के लगभग वर्तमान।→ ४-१ ।

पिंगलार्थप्रबोध (पद्य)→११-१११ ।

शिव (कवि)—ग्वालियर नरेश महाराज दौलतराव सिंधिया के आश्रित। सं १८५७ के लगभग वर्तमान।

वागविलास (पद्य)→ १ २१६।

शिवअंबिका स्तोत्र (पद्य)—ईश कृत। वि शिव पार्वती की स्तुति।

प्रा —श्री शिवकुमार ओझा ओमप्रेसी डा बरहलगंज बाजार (गोरखपुर)।→सं १-२ ।

शिवगीता (गाथार्थ) (पद्य)—बलकृष्ण कृत। र का सं १८१४। वि शिव जी की महिमा।

प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ १-२१।

शिवगुलाम—संभर (उन्नाव) निवासी।

शृंगारसार (पद्य)→२१-११ ।

शिवगुलाम (मिश्र)—पाली (हरदोई) के निवासी। रतन के आश्रयदाता।→११-१४१।

शिवगोपाल—दिल्ली निवासी। सं १८८ के लगभग वर्तमान।

औषधिधूनानीसार (गद्य)→१६-१ १।

शिवचंद (सेवक)—विविध कवि कृत 'शंकरपचीसी' में इनकी रचनाएँ संग्रहीत हैं।→ १-७ (ग्यारह)।

शिवजीअष्टक (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १९२७। वि स्तोत्र।

प्रा -श्री श्यामसुंदर अग्रवाल कामेर (आगरा)।→१६-५ २।

शिवजी की विनती (पद्य)—बलदास कृत। लि का सं १९११। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —लाला रामस्नेही सावजी लेखा चमबानी (उन्नाव)।→२६-२४ सी।

शिवदत्तसिंह (ठाकुर)—गर्ग गोत्रीय। वे अपने को सुमंत (महाराज दशरथ के मंत्री)

के पुत्र का वंशज बतलाते हैं। इनके विष्णुप्रसादसिंह और ठा० भागीरथीसिंह नाम के दो मित्र थे।

राधाष्टक (पद्य)→सं० ०१-४१३।

शिवतत्वप्रकाश (पद्य)—शंभुनाथ (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १९०७। वि० शिवदुर्गा भक्ति।

(क) लि० का० सं० १९१०।

प्रा०—ठा० अम्बिकाप्रसादसिंह, पिपरासंसारपुर, डा० वाल्टरगंज (बस्ती)। →सं० ०४-३७८ भ।

(ख) मु० का० सं० १९३८।

प्रा०—पं० गोमतीप्रसाद, विशुनपुरा, कप्तानगंज (बस्ती)।→सं० ०४-३७८ ज।

शिवदत्त (त्रिपाठी)—ब्राह्मण। वनउधदेश (संभवतः प्रयाग में) के अंतर्गत पटीपुर के राजा जबरेससिंह के आश्रित।

दशकुमारचरित (पद्य)→सं० ०१-४१४।

शिवदत्त (मिश्र)—सनाढ्य ब्राह्मण। काशी निवासी। अनंतर सादाबाद में रहने लगे थे।

सर्वसंग्रहवैद्यक (भाषा) (गद्य)→३२-२०२।

शिवदत्त रामप्रसाद—सं० १९२६ के लगभग वर्तमान।

ज्ञान की बारहमासी (पद्य)→२६-४४३ डी, ई।

ब्रह्मावर्तमाहात्म्य (पद्य)→२६-४४३ ए, बी, सी।

शिवदयाल—माली। दुर्गाकुंड (काशी) निवासी। इन्होंने श्यामाबेटी जी की आज्ञा से यह रचना की थी। सं० १८७९ के पूर्व वर्तमान।

गोपाललालजी काशी पधारे सो प्रकार (गद्य)→४१-२६२।

शिवदयाल—खत्री। प्रयाग निवासी। नारायणदास के पुत्र। सं० १८९३ के लगभग वर्तमान।

शिवप्रकाश (पद्य)→०६-२९३ बी।

सिद्धसागरतंत्र (पद्य)→०६-२९३ ए।

शिवदयाल—जलालाबाद (फरुखाबाद) निवासी। सं० १९१५ के लगभग वर्तमान।

राधाजी की बारहमासी (पद्य)→२६-४४४।

शिवदानसिंह—कहीं के राजकुमार। मंगल मिश्र के आश्रयदाता। सं० १८७९ के लगभग वर्तमान→०६-१८८।

शिवदास—संभवतः पश्चिमी राजस्थान के निवासी।

देवीचरित्र (अनु०) (पद्य)→सं० ०१-४१५।

शिवदास—(?)

अलंकारशृंगार (टीका सहित) (गद्यपद्य)→सं० ०४-३८९।

शिवदास→'हजारीदास' ('कायाविलास' आदि के रचयिता)।

शिवदास (राय)—मट। ब्रजराजपुर (कानपुर निवासी। बहिया नरेश बलपतिराव के आश्रित। सं १७२७ के लगभग वर्तमान।
लोकउक्तिरसउक्ति (पद्य)→ ६-२४१ २ -१-१।
शालिहोत्र (गद्यपद्य)→ ९-१ ८।
सरसरस (पद्य)→ ६-११४ बी।

शिवदास गदाधर—ब्राह्मण। समीगरा (बलरामपुर गोंडा) के निवासी। रामदीन के पुत्र। राजा दिग्विजयसिंह (बलरामपुर गोंडा के राजा) के आश्रित। सं १६१ के लगभग वर्तमान।
दिग्विजैबंधु (पद्य)→सं १-४१६।

शिवदीन—भिलग्राम निवासी। सं १६ १ के लगभग वर्तमान।
कृष्णरसधारा (पद्य)→११ १६।

शिवदीनदास—गंगापुर ग्राम (प्रतापगढ़) के निवासी। सं १८६१ के पूर्व वर्तमान।
ज्ञानकवित्त (पद्य)→सं ८-१८१ क।
पद (पद्य)→सं ४-१८१ ख।
राधाकृष्ण-विहार-कुंज-कल्पलतिका (पद्य)→२१-८९५।

शिवनरेशसिंह—बगदापुर ग्राम (बहराइच) के निवासी। पिता का नाम विजयसिंह। पितामह का नाम मंगलसिंह। रैकवार क्षत्रिय। सं १६३१ के लगभग वर्तमान।
कविकुलकुमुदकलाधर (पद्य)→सं ४ १८४।

शिवनाथ—नरहरि महापात्र के वंशज। ब्रजवेश के पिता। असनी (फतेहपुर) निवासी। रीवाँ नरेश महाराज अजसिंह और विश्वनाथसिंह के आश्रित। सं १८८१ के लगभग वर्तमान।→२ -१।
रासता या रासो (पद्य)→२ -१८२।
वंशावली (पद्य)→ १-१ ६।
विक्रमबत्तीसी (पद्य)→२१-१६२।

शिवनाथ—मैया बहादुरसिंह (बलरामपुर) के आश्रित। सं १८६४ के लगभग वर्तमान।
बहादुरसिंह (मैया का राजा (पद्य)→२ १८१।

शिवनाथ (द्विवेदी)—कुशलसिंह के आश्रित। सं १८१८ १८४१ के लगभग वर्तमान। संभवतः श्यामसखा के साथ मिलकर ग्रंथ की रचना की थी।
नलशिख (पद्य)→ ६-१६१।
रसरंजन (पद्य) →११-१८१ बी; २१-८६८ ए से इ तक; १६-१११; ४१-२१४ (अप्र)।
रसवृष्टि (पद्य)→११-१८१ ए, पं १२-१।

शिवनारायण (स्वामी)—राजपूत। बाघराय के पुत्र। दुखहरन के शिष्य। शिव लो सं वि ५८ (११ -५४)

नारायणी पंथ के प्रवर्तक। इनके पूर्वज कन्नौज से नदनाग (नलिया) आए थे। वहीं आपका जन्म हुआ। स्वस्थापित सतना नामक गाँव में सतनाधाम नाम से इनकी समाधि बनी है। कविता काल सं० १७६१-१८११।

गुरुअन्यास कथा (पद्य)→४१-२६३ क, ख।

टीका (पद्य)→४१-२६३ ग।

नामरहित ग्रंथ (पद्य)→४१-२६३ छ।

बानी (पद्य)→४१-२६३ घ।

रूपसरी (पद्य)→४१-२६३ ङ।

लव (पद्य)→४१-२६३ च।

शब्दग्रंथ संत महिमा (पद्य)→४१-२६३ ज।

शब्दावली (पद्य)→४१-२६३ झ।

सतउपदेश (पद्य)→०६-२६४ ई, २६-४८८।

सतपरवाना (पद्य)→०६ २६४ डी।

सतवाणी (पद्य)→सं० ०४-३८५।

सतविचार (पद्य)→०६-२६४ सी।

सतविलास (पद्य)→०६-२८४ बी।

सतवोजन (गद्य)→४१-२६३ ञ।

सतसुदर (पद्य)→०६-२६४ ए।

सतसरन (पद्य)→३५-६३।

सताखरी (पद्य)→४१ २६३ ट।

हुकुमनामा (पद्य)→४१-२६३ ठ।

शिवपच्चीसी (पद्य)—बनारसी कृत। र० का० सं० १७५०। लि० का० सं० १८८०। वि० शिव का दार्शनिक विवेचन।

प्रा०—ठा० रामचरणसिंह, बिलारा, डा० निसावर (मथुरा)।→३५-१० बी।

शिवपार्वती-विवाह (पद्य)—अन्य नाम 'शिवविवाह कवितावली'। रामऔतार कृत। र० का० सं० १९१९। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १९४९।

प्रा०—पं० हरस्वरूप, सुघरवा, डा० शाहजनपुर (हरदोई)।→२६-२८६ ए।

(ख) लि० का० सं० १९४९।

प्रा०—श्री शिवलाल शर्मा, प्रधानाध्यापक, धूमरी, डा० सरौठ (एटा)। → २६-२८६ बी।

शिवपार्वती-संवाद (पद्य)—भोलानाथ कृत। वि० रामविजय के संबंध में शिव पार्वती का संवाद।

प्रा०—ठा० खेजनवसिंह, सिकंदराराव (अलीगढ)।→२६-४७ ए।

शिवपुराण (पद्य)—महानंद (वाजपेयी) कृत । र का सं १६९६ से पूर्व । वि शिवपुराण का अनुवाद ।

(क) लि का सं १६१७ ।

प्रा —ठा नौनिहालसिंह तैंवर कौंथा (उन्नाव)।→२३-२६१ ए। (पूर्वार्द्ध)।

(ख) लि का सं १६१८ ।

प्रा —ठा नौनिहालसिंह तैंवर कौंथा (उन्नाव)।→२३-२६२ बी। (उत्तरार्द्ध)।

शिवपुराण (भ षा) (गद्य)—प्यारेलाल (कश्मीरी) कृत । वि शिवमाहात्म्य ।

(क) लि का सं १६३२ ।

प्रा —पं श्रीराम शास्त्री चन्द्रपुर डा नौलेखा (एटा) ।→२६-२७१ बी।

(ख) प्रा —पं दुर्गाप्रसाद मिश्र एटा ।→२६-२७१ सी।

शिवप्रकाश—डुमरौंव के राजा जयप्रकाश के छोटे भाई । सुमतिसिंह राजा भोज के वंशज । रामतत्वबोधिनी टीका (गद्य)→सं ४-१८६ ।

शिवप्रकाश (पद्य)—शिवदयाल कृत । र का सं १६१ । लि का सं १६४ । वि वैद्यक ।

प्रा —बाबू मोहनलाल जैन सिपोलिया (इलाहाबाद) ।→ ६-२६६ बी।

शिवप्रसन्नसिंह—दौलतगढ़ (इलाहाबाद) के राजा महरबानसिंह के पुत्र । देवीदत्त शुक्ल (कवि) के आश्रयदाता ।→सं १-१६६ ।

शिवप्रसाद—कायस्थ । तिलोई (प्रतापगढ़) के राजा महिपालसिंह और भिनगा नरेश शिवसिंह के आश्रित । सं १८७४ के लगभग वर्तमान ।

अमरकोष (भाषा) (पद्य)→२३-३६४ ए, २३-३६७ ए, बी।

हरिहार पिंगल (पद्य)→१६-४८ ; १८-१४१ ।

हैहयचरित्र (पद्य)→१७ १७६ सं ४-१८८ ।

वैद्यजीवन (भाषा) (पद्य)→२३ ३६४ बी।

शिवप्रसाद—मगरौरा (लखनऊ से ग्यारह कोस पूर्व) ग्राम के निवासी । किसी रामबख्श नामक सूर्यवंशी क्षत्रिय के आश्रित ।

अमरकोश (नमरसार) (पद्य)→सं ४ १८७ ।

शिवप्रसाद—ब्राह्मण । रामाराम के पुत्र । इनके पितामह बीकानेर में दीवान थे । सं १८३ के लगभग वर्तमान ।

अद्भुतरामायण (पद्य)→०२ १६५ ।

शिवप्रसाद (महंत)—नरैना (बहराइच) निवासी । सं १६१४ के पूर्व वर्तमान । फगुआ (पद्य)→२३-३६५ ।

शिवप्रसाद (राय)—कायस्थ । दतिया निवासी । सं १८६६ के लगभग वर्तमान । ये दतिया के राजा की ओर से कौंसिल में वकील थे ।

रसभूषण (पद्य)→ ६ १ १ ६ ।

शिवप्रसाद(सितारेहिंद)—सं १८८८ में जन्म । बाबू गोपीचंद के पुत्र । राय डालचंद तथा

रत्नकुँवरि के पौत्र। भारतेंदु बाबू हरिश्चन्द्र के विद्यागुरु। संस्कृत, हिंदी, अरबी, फारसी, अंग्रेजी और बंगला के अच्छे ज्ञाता। इन्होंने सं० १६०२ के सिक्ख युद्ध में अंग्रेजों की बड़ी सहायता की थी। साहित्य में विशेष रुचि होने के कारण सरकार ने इन्हें विद्यालय निरीक्षक नियुक्त किया था। विद्यालयों में हिंदी का प्रचार बढ़ाने और शिक्षा विषयक ग्रंथों की पूर्ति के उद्देश्य से इन्होंने अनेक विषयों पर ३५ पुस्तकें लिखीं। सं० १६४४ में 'राजा' की पदवी प्राप्त की। काशी में सं० १६५२ में मृत्यु।→०६-१६५, ०६-२६७, २३-३५६।

मनुधर्म-सार (गद्य)→२६-३१२।

शिवप्रसादसिंह—खानीपुर (लखनऊ) निवासी।

संग्रह (पद्य)→२६-४५१।

शिवबख्शराय—चौंगड़मऊ (हरदोई) के खत्री। नानकचंद के पुत्र। सं० १८८१ के लगभग वर्तमान।

पवनपरीक्षा (पद्य)→२६-४४२, ४१-२६५।

रामायणशृंगार (पद्य)→१२-१७१।

शिवबक्ससिंह—सोमवंशी क्षत्री। समोगरा (प्रयाग) के निवासी। देवीबक्ससिंह के पुत्र। इनके वंशज अभी तक उक्त गाँव में रहते हैं। सं० १८८० के लगभग वर्तमान।

कुंडलिया (पद्य)→सं० ०१-४१७ क।

राधेहरि-मिलन सतसई (पद्य)→सं० ०१-४१७ ख।

शिवभोग—(?)

लोगतारिका (पद्य)→३२-२०१।

शिवमहिम्न (पद्य)—दयाल (कवि) कृत। वि० संस्कृत के महिम्नस्तोत्र का अनुवाद।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-६६।

शिवमाहात्म्य (भाषा) (पद्य)—जयकृष्ण कृत। र० का० सं० १८२५। लि० का० सं० १८५८। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-८६।

शिवमुकुंद→'मुकुंद' ('गंगापुरान' के रचयिता)।

शिवरत्न (मिश्र)—सं० १८५६ के लगभग वर्तमान।

बैतालपचीसी (पद्य)→२६-३१४।

शिवराज (महापात्र)—महापात्र कविराज के पुत्र सदानंद और उनके (सदानंद) पुत्र सुखलाल के वंशज। संभवतः गुरु का नाम मुनिभट्टमयूर। रामपुर के राजा बैरिसाल के आश्रित। सं० १८६६ के लगभग वर्तमान।

कृष्णविलास (पद्य)→२३-३६६, सं० ०४-३८६ क।

रससागर (पद्य)→सं० ०४-३८६ ख।

शिवराजभूषण (पद्य)—भूषण कृत । र का सं १७३ । वि अलंकार ।

(क) लि का सं १९ ।
प्रा —पं रामभरोसे 'निशारद', मानोपुर, हरदोई (लखनऊ) । → २३-३७ ए ।

(ख) लि का सं १९ २ ।
प्रा —राजा बालकरामसिंह मीसर्यों (सीतापुर) । →२३-६१ ए ।

(ग) लि का सं १९४९ ।
प्रा —पं कृष्णबिहारी मिश्र संपादक समालोचक लखनऊ । →२३-६१ बी ।

(घ) लि का० सं १९४२ ।
प्रा —पं कृष्णबिहारी मिश्र माडल हाउस लखनऊ । →२६-४७ बी ।

(ङ) प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । → १-२८ ।

(च) प्रा —श्री चतुर्भुजसहाय वर्मा वाराणसी । →१२-२४ ।

शिवराजभूषण के कवित्त→'शिवराजभूषण' (भूषण कृत) ।

शिवराम—भरतपुर नरेश सवाई प्रतापसिंह के आश्रित । सं १८४० के लगभग वर्तमान ।
प्रेमपचीसी (पद्य)→१७-१७१ ।

शिवराम—(?)
विक्रमसतसईपद्यावली→पं २२-१ १ ।

शिवराम—(?)
कवित्त (पद्य)→४१-२६४ ।

शिवराम(भट्ट)—औरछा नरेश विक्रमाजीत (मधुकर) के आश्रित । सं १८४० के लगभग वर्तमान ।
विक्रमविलास (पद्य)→ ६-११ ।

शिवराम (शास्त्री)—संभवतः सं १९२७ के लगभग वर्तमान ।
वैद्यकसंग्रह (गद्य)→२६-४११ ए, बी ।

शिवराम (स्वामी)—कायस्थ । कारौं (बलिया) निवासी । जन्मकाल सं १७१७ । वैष्णव संप्रदाय के महात्मा । प्रसिद्ध औघड़पंथी कीनाराम के गुरु ।
भक्तिजयमाल (पद्य)→ ६-२९६; ४१-२६१ सं १-४१८ ।

शिवरीमंगल (पद्य)—तुलसीदास (?) और रामदास कृत । वि शिवरी का राम प्रेम ।
प्रा —ठा विष्णुसिंह उर्फ़ाँ का मकान (मैनपुरी) । →११ १२१ बी ।

शिवलाल—(?)
मर्कविलासावली (पद्य)→१६-६९ ए बी ।

शिवलाल (पाठक)—इनके एक शिष्य ने 'रामचरितमानसमुक्तावली' की रचना की थी । सं १८७५ के लगभग वर्तमान । → ३-१ ।

अभिप्रायदीपक (पद्य)→०४-११२, २६-४४६ ।
मानसमयक (पद्य)→०४-११३ ।

शिवविनयपचीसी (पद्य)—आतम (कवि) कृत । वि० शिव स्तुति ।
प्रा०—बाबू नानकप्रसाद, हरदासपुर (रायबरेली) ।→२३-२२ ।

शिवविनोद (पद्य)—गोवर्द्धनधर (मिश्र) कृत । र० का० स० १६२६ । लि० का० स० १६२६ । वि० शिवस्तुति ।
प्रा०—पं० शिवदत्त मिश्र, फाजिलनगर, डा० बिल्हौर (कानपुर) । → २६-१५३ बी ।

शिवविलास (पद्य)—गोवर्द्धनधर (मिश्र) कृत । र० का० सं० १६२४ । लि० का० स० १६२५ । वि० 'काशीखंड' के सोलह अध्यायों का अनुवाद ।
प्रा०—पं० शिवदत्त मिश्र, फाजिलनगर, डा० बिल्हौर (कानपुर) । → २६-१५३ ए ।

शिवविवाह कवितावली→'शिवपार्वती-विवाह' (रामऔतार कृत) ।

शिवव्रत कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शिवजी के व्रत करने की कथा और उसका विधान ।
प्रा०—श्री रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७ ६१ (परि० ३) ।

शिवशक्ति रमल विचार→'रमलप्रश्न' (भगवानदास कृत) ।

शिवसई (पद्य)—हरिदत्त कृत । र० का० स० १६०६ । लि० का० स० १६०६ । वि० शिव की स्तुति ।
प्रा०—ठा० मौलाबक्शसिंह रईस, खजुरी, डा० रानीकटरा (बाराबंकी) ।→ २३-१५७ ।

शिवसगुणविलास (पद्य)—देवनाथ कृत । र० का० स० १८४० । लि० का० सं० १६०२ । वि० व्यापार परीक्षा, रोगपरीक्षा, चौरप्रश्न, संग्राम प्रश्न आदि का वर्णन ।
प्रा०—ठा० बलभद्रसिंह रईस, डा० सिसइया (बहराइच) ।→२३-६१ ।

शिवसागर (पद्य)—दलेलसिंह (राजा) कृत । र० का० स० १७५७ । वि० ब्रह्मवैवर्त-पुराण के आधार पर सृष्टि निरूपण और देव चरित्र वर्णन ।
(क) लि० का० सं० १८१६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-१०० च ।
(ख) लि० का० स० १८४८ ।
प्रा०—पं० देवीदत्त शुक्ल, संपादक, 'सरस्वती', प्रयाग ।→४१-१०० छ ।
(ग) लि० का० स० १८८७ ।
प्रा०—परिवर्तन पुस्तकालय, जमनीपुर, डा० हनुमानगंज (इलाहाबाद) । → २०-३२ बी ।

(ख) लि का सं १८२९ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-?   ख ।
(ग) प्रा —पं रामनाथ, गोवर्धनसराय वाराणसी ।→२०-१२ ए ।

शिवसिंह—मिनगा राजकुल के राजा । उमरावसिंह और काशीप्रसादसिंह के पिता । युवराजसिंह के पितामह । शिवप्रसाद कायस्थ के आश्रयदाता ।→०१-८८ २१-१६७ २१-२ २ २१ १९४ ।
काव्यसुधाप्रकाश (पद्य)→२१ १९७ एफ ।
भक्तिप्रकाश (पद्य)→२१-१९७ डी ।
रामचंद्रचरित (पद्य)→२१-१९७ बी ।
पुष्पमंजरी (भाषा) (पद्य)→२१ १९७ सी ।
पुष्परत्नावली (भाषा) (पद्य)→२१-१९७ ई ।
श्रुतिबोध (भाषा) (पद्य)→२१-१९७ एच ।

शिवसिंह (सेंगर)—काँथा (उन्नाव) के ताल्लुकेदार । कुछ समय तक पुलिस इंस्पेक्टर का भी कार्य किया । जन्म सं १८८ । सं १९११ के लगभग वर्तमान ।
गोकर्णमाहात्म्य (गद्य)→२६-४५२ ए, बी ।
शिवसिंहसरोज (गद्य)→२१ १९८ ।

शिवसिंहसरोज (गद्य)—शिवसिंह (सेंगर) कृत । लि का सं १९३१ । वि हिंदी साहित्य का इतिहास ।
प्रा०—ठा विक्रमसिंह ताल्लुकेदार रिकौली डा बिसवाँ (सीतापुर) । → २१-१९८ ।

शिवस्तुति (पद्य)—तुलाराम कृत । वि शिवजी की स्तुति ।
प्रा —पं महादेवप्रसाद जसवंतनगर (इटावा) ।→१८-१५२ ।

शिवस्तुति (पद्य)—पतितदास कृत । लि का सं १९०८ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —महाराज श्री प्रतापसिंह जी मल्लापुर (सीतापुर) ।→२६-३४५ एल ।

शिवस्तुति (पद्य)—भोलानाथ कृत । लि का सं १९१२ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं रामदीन गौड़ शिवपुरा (दतिया) ।→१९-४ बी ।

शिवस्तोत्र (पद्य)—मानकीमंगल कृत । वि शिवस्तुति ।
प्रा०—मुंशी शिवधारीलाल अमरेजपुर डा बेनीगंज (हरदोई) ।→२६-१९५ ।

शिवस्तोत्र (पद्य)—रघुनाथ कृत । लि का सं १९२९ । वि शिवस्तुति ।
प्रा —हरनंदन अमेठी (सुलतानपुर) ।→सं   १-४ ६ ।

शिवस्मरण (पद्य)—परशुराम कृत । लि का सं १९१५ । वि वैराग्य । → पं २२ ८१ ।

शिवस्वरोदय (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १९२ । वि स्वरोदय ।
प्रा —पं देवीप्रसाद शर्मा फतेहाबाद (आगरा) ।→२६-२ १ ।

शिवाजी—महाराष्ट्र साम्राज्य के सुप्रसिद्ध संस्थापक। जन्म सं० १६८४। मृत्यु सं० १७३७। भूषण कवि के आश्रयदाता।→००-४०, ०२-१४।

शिवानंद—भृगु आश्रम से पाँच कोस दूर हरदीग्राम के निवासी। सं० १८४६ के लगभग वर्तमान।

अगुनसगुन निरूपन कथा (पद्य)→०१-७७।

शिवानंद—सं० १८७८ के लगभग वर्तमान।

रामध्यानमंजरी (पद्य)→१७-१७४।

शिवानंद (स्वामी)—(?)

अन्नाआरती (पद्य)→३८-१४२।

त्रिमूर्तिआरती (पद्य)→२६-४४७।

शिवाराम—गौतम गोत्रीय किसी हरदयालसिंह के आश्रित।

कवित्त (पद्य)→सं० ०७ १८५।

शिष्यसवाल→'ब्रह्मविचार' (रचयिता अज्ञात)।

शीघ्रबोध (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्योतिष।

प्रा०—श्री भगवतीप्रसाद उपाध्याय, लकावली, डा० ताजगंज (आगरा)। → २६-४६७।

शीघ्रबोध (भाषा) (गद्य)—काशीनाथ (भट्टाचार्य) कृत। वि० संस्कृत 'शीघ्रबोध' का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १८४६।

प्रा०—श्री प्रागनारायण अध्यापक, दुर्गापुर, डा० मौली (उन्नाव)। → २६-२२८ डी।

(ख) लि० का० सं० १८७०।

प्रा०—ठा० अजयपालसिंह, गागीमऊ, डा० सिधौली (सीतापुर)। → २६-२२८ सी।

(ग) लि० का० सं० १८७०।

प्रा०—पं० रामभज, वेनीमाधौपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-२२८ ए।

(घ) लि० का० सं० १९११।

प्रा०—श्री रमाकांत शुक्ल, पुरा गरीबदास, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)। → २६-२२८ बी।

शीघ्रबोध (भाषा) (पद्य)—रघुबरदास कृत। र० का० सं० १९११। लि० का० सं० १९३७। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—ठा० शिवप्रतापसिंह, कमला, डा० जैला (बहराइच)।→२३-३३२।

शीघ्रबोध (भाषाटीका) (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९०२। वि० ज्योतिष।

प्रा —सेठ अमृतलाल गुलजारीलाल फीरोजाबाद (आगरा) ।→२६–१६८ ।

शीघ्रबोध वार्तिक→'शीघ्रबोध (भाषा) (काशीनाथ भट्टाचार्य कृत) ।

शीघ्रबोध सटीक (गद्य)—गुलाबदास कृत । र का सं १८ २ । वि संस्कृत के शीघ्रबोध की टीका ।

(क) लि का सं १८२१ ।

प्रा —ठा शोभमानसिंह अकबरपुर डा मुस्तफाबाद (मैनपुरी) ।→११–१८ ।

(ख) लि का सं १८२१ ।

प्रा —श्री उमादत्त अध्यापक बाउ फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६–११ ।

शीघ्रबोध सटीक (गद्य)—भगवानदास कृत । वि नाम से स्पष्ट ।

(क) लि का सं १८८६ ।

प्रा —श्री लक्ष्मीनारायण वैद्य बाह (आगरा) ।→२६–१७ ए ।

(ख) प्रा —पं कैलाशपति सैनगुरिया पुरोहित, बिजौली डा बाह आगरा) । →२६–१७ बी ।

शीतलदास—बहरामऊ (सुबेह परगना अमेठा) ग्राम के निवासी । सं १६२६ के के लगभग वर्तमान ।

रामायणमाहात्म्य (पद्य)→सं १–४१२ सं ४–१६ क ख ।

विवेकमाल (पद्य)→सं ४–३६ ग ।

विवेकसार (पद्यगद्य)→२१–१८८ ।

शीतलदास (महंत)→ शीतलप्रसाद' (बड़ी संगत के महंत) ।

शीतलदीन— ?)

पद (पद्य)→सं १–४२

शीतलप्रसाद—बड़ी संगत के महंत । लखीमोली के कवि । सं १७८ के लगभग वर्तमान ।

गुलजारचमन (पद्य)→०२–११२ १७ १८२ २ –१७८ ।

शीतलप्रसाद (पंडित)—कसल्याज कुरिया (रहीमाबाद) । तुलसीह के आश्रित । सं १६ ६ के लगभग वतमान ।

राधारहस्य (पद्य)→२६–१ ६ ।

शीतलाष्टक (पद्य —कालीप्रसाद (शुक्ल) कृत । वि शीतलादेवी की स्तुति ।

प्रा०—पं कृष्णकुमार शुक्ल रामदयाल का पुरवा डा संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़) । →सं ४–३१ ग ।

शीलकथा (पद्य)—भारामल्ल (जैन) कृत । वि शील गुण का महत्व ।

(क) प्रा —श्री रामशरण सहायक अध्यापक, रसौली (बाराबंकी) । → २१–२१ बी ।

(ख) प्रा —आदिनाथ जी का मंदिर, भानूपुरा मुजफ्फरनगर । → सं १ १७ ड ।

जो सं वि ११ (११ ०–६४)

(ग) प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नईमंडी, मुजफ्फरनगर।→स० १०-६७ ञ।

शीलदेव (जैन)—(?)

धूलिभद्र की चौपाई (पद्य)→दि० ३१-८९।

शील (शालि) महामुनि चरित्र (शीलभद्रचरित्र)→'शालिभद्र की चौपाई' (जिनसिंह कृत)।

शीलमणि—अवध के कोई राजकुमार। स० १६०१ के लगभग वर्तमान। संभवत: किसी ने इनके नाम से ग्रंथ रचना की है।

अष्टयाम (पद्य)→२०-१७७।

आनंदरस (पद्य)→२३-३८७।

इश्कलतिका (पद्य)→१७-१७१।

शीलरासा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शील के गुण और महिमा।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७-९० (परि०३)।

शीलसतीनाम कीर्तन (पद्य)—टीकम (मुनि) कृत। र० का० सं० १७०७। वि० एक जैन स्त्री का चरित्र।

प्रा०—स्वा० रविदत्त शर्मा, नरेला, दिल्ली।→दि० ३१-८८।

शुकदेव—सं० १७१७ के लगभग वर्तमान।

वणिकप्रिया (पद्य)→०५-८५।

शुकदेव की उत्पत्ति कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० श्रवणलाल, रुदमुली, डा० बाह (आगरा)।→२६-५०६।

शुकदेवचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० पौराणिक कथा।

प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद शर्मा, फतेहाबाद (आगरा)।→२६-५०८।

शुकप्रभावती-संवाद (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शुक और प्रभावती की कथा।

(क) लि० का० सं० १८७०।

प्रा०—लाला बैजूमल, चौरापुर (हरदोई)।→२६-५११।

(ख) लि० का० सं० १८७२।

प्रा०—लाला रामदयाल, बाजनगर, डा० नौखेड़ा (एटा)।→२६-५१०।

शुकबहत्तरी (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८१६। वि० प्रभावती और शुक की कथा।

प्रा०—लाला पंडित, जाजूपुर, डा० मुराँव (हरदोई)।→२६-५०७।

शुकरंभा-संवाद (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। र० का० सं० १८८८। लि० का० सं० १९२ । वि० भोग एवं त्याग विमर्श।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६-७९ एफ।

शुक्राचार्य—(?)

दत्तस्तोत्र (पद्य)→३५-९९।

शुक्लाम्बरधर→'नागरीदास' (बिहारिनदास के शिष्य)।

शुभकरन (कवि)—अनवर खाँ के आश्रित। सं १७७१ के लगभग वर्तमान।
अनवरचंद्रिका (पद्य) → ४-११ ६-१२ २३-४ १ २६-४९
४१-५६६ (भ्रम)।
शुभचंद्राचार्य—जैन मतावलंबी। सं १६ ८ के लगभग वर्तमान।
पांडवपुराण (गद्य)→सं ४ १६१।
शून्यविलास (पद्य)—हजारीदास कृत। वि शून्य का माहात्म्य।
(क) लि का सं १६८ ।
प्रा —पं परमेश्वरदत्त, कमालशहापुर, डा रुस्तोना (रायबरेली)। →
१६-४ ए।
(ख) लि का सं १६८८।
प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी मानपांडेय का पुरवा, तिलोई (रायबरेली)।
→सं ४-४२७ ग।
शून्यसार (पद्य —बख्तावर कृत। र का सं १८६ । वि अद्वैत वेदांत।
(क) लि का सं १८७४।
प्रा —एशियाटिक सोसाइटी प्राफ बंगाल कलकत्ता।→ १-२६।
(ख) लि का सं १६४१।
प्रा —पं केदारनाथ दुबे हाथरस।→१७-१२।
शृंगार (पद्य)—बेनी (कवि) कृत। र का सं १८१७। लि का सं १८२ ।
वि नायिकाभेद।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ १-६२।
शृंगार (सिंगार)—हमसता सखी संप्रदाय के कौर वैष्णव।
सप्तदेवरत्नमाला (पद्य)→ ६-११२।
शृंगारकुंडली (पद्य)—लक्ष्मीप्रसाद (मुसाहिब) कृत। र का सं १६ ६। लि
का सं १६६१। वि नायिकाभेद।
प्रा०—बाबू कामताप्रसाद प्रधान धर्मलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर। →
६ ८१।
शृंगारकृत (?)→ रसरत्नावली' (मंडन कृत)।
शृंगार के कवित्त (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा०—चौहरे मथुराप्रसाद, बरनार डा बहराई (इटावा)।→२६-२१ ।
शृंगारचरित्र (पद्य)—देवकीनंदन कृत। र का सं १८४। लि का
सं १६४१। वि नायिकाभेद और अलंकार।
प्रा —पं शिवबिहारीलाल वकील गोलागंज लखनऊ।→ ६-१६ ए,
२३-६ डी।
शृंगारद्वावली (पद्य)—किशोरीलाल कृत। वि शृंगार।
प्रा —पं रतनलाल शर्मा भदावरा (इटावा)।→२६-२५ ए।

शृंगारतिलक (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८६०। वि० कालिदास कृत 'शृगारतिलक' का अनुवाद।

प्रा०—श्री कृष्णदेव पाडेय, गूजरपार, डा० मुबारकपुर (आजमगढ)। → स० ०१-१६६।

शृंगारतिलक (भाषा) (पद्य)—भूप (कवि) कृत। लि० का० स० १६३३। वि० शृगार।

प्रा०—ठा० शिवरतनसिंह, श्रीनगर, डा० लखीमपुर (खीरी)।→२६-१६।

शृगारदर्पण (पद्य)—आजम खाँ कृत। र० का० सं० १७८६। वि० नायिकाभेद और नवरस।

प्रा०—बाबू राधारमणप्रसादसिंह रईस, सहतवार (बलिया)।→०६-११।

शृंगारदर्पण (पद्य)—नदराम कृत। र० का० स० १६२७। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—पं० विश्वनाथप्रसाद, ग्रा० सालेहनगर, डा० माल (लखनऊ)। → सं० ०७-६४।

शृगारनिर्णय (पद्य)—भिखारीदास (दास) कृत। र० का० स० १८०७। वि० नवरस और नायिकाभेद आदि।

(क) लि० का० स० १८६७।

प्रा०—प्रतापगढनरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ।→२६-६१ एल।

(ख) लि० का० स० १६३६।

प्रा०—प० विपिनविहारी, ब्रजराज पुस्तकालय, गधौली, डा० सिधौली (सीतापुर)। →२३-५५ एच।

(ग) लि० का० स० १६४७।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडलहाउस, लखनऊ।→२६-६१ एम।

(घ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। → ०१-४६।

(ङ) प्रा०—भैया संतबक्ससिंह, गुठवारा (बहराइच)।→२३-५५ आई।

(च) प्रा०—श्री रामबहादुरसिंह, बड़वा, प्रतापगढ।→२६-६१ एन।

शृंगारपचीसी (पद्य)—गोपालदत्त कृत। वि० शृगार और गगा जी की स्तुति।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२५४ (विवरण अप्राप्त)।

शृगारपचीसी तिलक समेत→'कवित्त शृंगारपचीसी सटीका' (गोपाल बक्शी कृत)।

शृगारमजरी (पद्य)—प्रतापसाहि कृत। र० का० सं० १८६०। लि० का० सं० १८६०। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—कवि काशीप्रसाद जी, चरखारी।→०६-६१ सी।

शृगारमंजरी (पद्य)—प्रतापसिंह (सवाई) कृत। र० का० स० १८५२। वि० भर्तृहरि के शृगारशतक का अनुवाद।

(क) प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया।→०६-२०५ ए (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-२१२ ग।

शृंगारमंगलावली (पद्य)—गौरगनदास कृत। वि चैतन्य महाप्रभु की वंदना।
प्रा —बाबा बंशीदास, गोविंदकुंड वृंदावन (मथुरा)।→२६-११२ ए।

शृंगारमंडार (पद्य)—गदाधरभट्ट कृत। वि कृष्ण जन्माष्टमी आदि की लीला।
प्रा —पं मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर गोकुल (मथुरा)।→१९-९६ बी।

शृंगारमणि (पद्य)—श्रुवदास कृत। वि राधा का नखशिख वर्णन।
प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१-११७ ग।

शृंगारमाधुरी→ शृंगाररसमाधुरी (कलानिधि कृत)।

शृंगार रस के भावादि (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नायिकाभेद और रसादि वर्णन।
प्रा —पं हारिकाप्रसाद शर्मा बकेवर (इटावा)।→१६-२ १।

शृंगाररस मंडन (गद्य)—विट्ठलनाथ कृत। वि राधाकृष्ण का विहार।
प्रा —महंत जानकीलाल लक्ष्मणकिला अयोध्या।→ १-१२।

शृंगाररस मंडन (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि विट्ठलेश्वर विरचित 'शृंगाररस मंडन' का अनुवाद (श्रीकृष्ण का गोपियों के संग विहार तथा राधिका जी का विरह वर्णन)।
प्रा —लक्ष्मण किला अयोध्या।→१७-६५ (परि १)।

शृंगाररस-माधुरी (पद्य)—अन्य नाम शृंगारमाधुरी। कलानिधि (कृष्ण कवि) कृत। र का सं १७६१। वि रस और नायिकाभेद।
(क) प्रा —श्री जगन्नाथप्रसाद दिगौरा गोकुल (मथुरा)।→१२ १७८ सी।
(ख) प्रा०—श्री मगन जी उपाध्याय भट्ट मथुरा।→१७-६१ ए।
(ग) प्रा —पं हरि मिश्र असकुण्डा बाजार चौबीसक्षेत्री (मथुरा)।→१२-२ १।

शृंगाररस-सिंधु (पद्य)—भगवतदास कृत। र का सं १७७। लि का सं १७७७। वि शृंगार रस का विवेचन।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-२४५।

शृंगारलतिका (गद्यपद्य)—मानसिंह (द्विजदेव) कृत। वि कृष्ण भक्ति।
(क) प्रा —राजा लालताबक्ससिंह तालुकेदार नीलगाँव (सीतापुर)।→२३-२६२।
(ख) प्रा —श्री पन्नालाल कनकभवन अयोध्या।→सं ४ ११६।

शृंगारविलास (पद्य)—सोमनाथ (शशिनाथ) कृत। वि नायिकाभेद।
प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-४७१ क।

शृंगारविलासिनी (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत। वि नायिकाओं के लक्षण आदि।
प्रा —श्री मुरलीधर केशवदेव मिश्र बयनैर (आगरा)।→२६-८ बी।

श्रृंगारशतक (पद्य)—गोपालदास (चाणक) कृत। वि० नायिकाभेद और रस का संक्षिप्त वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–५७ च।

श्रृंगारशतक (पद्य)—नवीन कृत। वि० नायिकाभेद।

(क) लि० का० सं० १८३५।

प्रा०—ठा० शिवरतनसिंह, श्रीनगर, डा० लखीमपुर (खीरी)। →२६–३३० ए।

(ख) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—पं० चंद्रशेखर दूबे, बक्षनेवा, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६–३३० बी।

श्रृंगारशतक (?) (पद्य)—महेश (महेश जू) कृत। वि० श्रृंगार।

प्रा०—श्री जगप्रसाद पांडेय, कूरेडीह, डा० रानीगंज (प्रतापगढ)। →सं० ०४–२९२।

श्रृंगारशतक टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० रामकुमार त्रिपाठी, मास्टर कन्हैयालाल रोड, ऐशबाग, लखनऊ। →सं० ०७–२५५।

श्रृंगारशिक्षा (पद्य)—वृंद (कवि) कृत। र० का० सं० १७४८। वि० नायिकाभेद और सोलह श्रृंगार वर्णन।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–४२।

श्रृंगारशिरोमणि (पद्य)—जसवंतसिंह कृत। वि० श्रृंगार रस और नायिकाभेद।

(क) लि० का० सं० १८९९।

प्रा०—पं० शिवनारायण वाजपेयी, वाजपेयी का पुरवा डा० सिसैया (बहराइच)। →२३–१८४ ए।

(ख) लि० का० सं० १९३४।

प्रा०—पं० श्रीपाल तिवारी, खजुरी, डा० गौरीगंज (सुलतानपुर)। →२३–१८४ बी।

(ग) लि० का० सं० १९४३।

प्रा०—पं० जुगलकिशोर मिश्र, गधौली (सीतापुर)।→०९–१३६।

(घ) लि० का० सं० १९४३।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, संपादक 'माधुरी', लखनऊ।→२३–१८४ सी।

(ङ) लि० का सं० १९४३।

प्रा०—पं० विपिनविहारी मिश्र, गधौली, डा० सिधौली (सीतापुर)।→२३-१८४ डी।

(च) लि० का० सं० १९४३।

प्रा०—श्री कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस लखनऊ।→२६–२०२।

शृंगारशिरोमणि (पद्य)—प्रतापसिंह कृत। र का सं १८३४। लि का सं १८३४। वि नायिकाभेद।
प्रा —कवि काशीप्रसाद जी, बरसानी।→ ६-२१ बी।

शृंगारसंग्रह (पद्य)—सरदार द्वारा संगृहीत। र का सं १९ ५। लि का सं १९१२। वि शृंगार।
प्रा —पं लक्ष्मीदत्त त्रिपाठी द्वारा पं प्रभुदत्त ग्राम नवाबगंज (कानपुर)।→ ३ २८१ ए।

शृंगारसत (पद्य)—रसम कवि (म्यामत खाँ) कृत। र का सं १६७१। लि का सं १७७७। वि नायिकाभेद।
प्रा —हिंदुस्तानी एकाडमी इलाहाबाद।→सं —१२६ स।

शृंगारसत→ शृंगाररसलीला (मुकुंददास कृत)।

शृंगाररसलीला (पद्य)—मुकुंददास कृत। वि राधाकृष्ण विहार और उनका सौंदर्य।
(क) प्रा —बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंभा वाराणसी।→ ०–९।
(ख) प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६–११९ ई (विवरण अप्राप्त)।
(ग) प्रा —पं चुन्नीलाल वैद्य दंडपाणि की गली वाराणसी।→ ६–७१ एल।

शृंगारसागर (पद्य)—चंद्रदास कृत। र का सं १८ २। लि का सं १९ ६। वि कृष्ण के स्वरूप का वर्णन।
प्रा —रत्नाकर संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–६५।

शृंगारसागर (पद्य)—मोहनलाल कृत। र का सं १६१६। लि का सं १९१६। वि अलंकार और नायिकाभेद।
प्रा —बाबू कामताप्रसाद, छतरपुर।→०६–७।

शृंगारसार (पद्य)—मुरलीधर (मिश्र) कृत। वि नायिकाभेद और रस वर्णन।
(क) लि का सं १८६४।
प्रा —श्री बिहारी जी का मंदिर,महाजनीटोला इलाहाबाद।→४१–५४२(अप्र)।
(ख) लि का सं १८३६।
प्रा —पं रेवतीनंदन (रेवतीर म) मिश्र बेरी का बरारी (मथुरा)।→३८–१ २।
(ग) प्रा०—श्री मधुरी चिरंजीलाल मैथीबाजार ,आगरा।→२६–२४।

शृंगारसार (पद्य)—शिवगुलाम कृत। वि शृंगाररस का संग्रह।
प्रा —पं रामप्रसाद दूबे पौर का मगरा का पतियाली (एटा)।→ २६–३१८।

शृंगारसार (पद्य)—सूरति (मिश्र) कृत। र का सं १७८५। वि शृंगार वर्णन।
प्रा —श्री रामचंद्र सैनी बेलनगंज, आगरा।→१२–२११।

शृंगारसुख (पद्य)—सनातन कृत। वि बृहद्गौतमीतंत्र के आधार पर रासलीला का वर्णन।

प्रा०-दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२२३ (विवरण अप्राप्त)।

शृगारसुख-सागर तरग (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत । लि० का० स० १६३२ । वि० नखशिख और नायिकाभेद।

प्रा०—राजा लालताबख्शसिंह का पुस्तकालय, नीलगाँव (सीतापुर)।→ २३–८६ डब्ल्यू।

शृगारसुधाकर (पद्य)—द्विज (कवि) कृत । वि० नायिकाभेद।

प्रा०—प० लक्ष्मीनारायण पाडेय, हरिशकरी, गाजीपुर।→स०१ ०–६२।

शृगारसुधाकर (पद्य)—बलदेव (द्विज) कृत । र० का० स० १६३१। वि० श्री कृष्णलीला।

(क) लि० का० स० १६३३।

प्रा०—प० चक्रधर अवस्थी, मानपुर, डा० त्रिसवाँ (सीतापुर)।→२३–३१ डी।

(ख) मु० का० स० १६३३।

प्रा०—राजपुस्तकालय, किला (प्रतापगढ)।→स० ०४–२३१।

शृगारसौरभ (पद्य)—राम जी (भट्ट) कृत । वि० नायिकाभेद।

(क) लि० का स० १६०४।

प्रा०—प० दुर्गादत्त अवस्थी, कपिला (फरुखाबाद)।→१७–१४८।

(ख) लि० का० स० १६४२।

प्रा०—प० जुगलकिशोर मिश्र, गधौली (सीतापुर)।→१२–१४६।

(ग) लि० का० स० १६४२।

प्रा०—प० श्यामविहारी मिश्र, गोलागज (लखनऊ)।→२३–४०५।

(घ) लि० का० स० १६४२।

प्रा०—श्री कृष्णविहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गधौली (सीतापुर)।→ स० ०४–३२८।

शृ वगसार→'सर्वांगसार' (नवलराम कृत)।

शेख—दिल्ली की एक रगरेजिन, जिसके प्रेम मे प्रसिद्ध कवि आलम ब्राह्मण से मुसलमान हो गए थे और उसके साथ विवाह किया था। आकार के कवित्त, आलमकेलि, कवितासग्रह, कवित्तसंग्रह और कवित्तचतुशती में आलम के साथ इनकी कविताएँ सगृहीत हैं।→०३–३३, ४१-१२, स० ०१–१८, स० ०४–१५। टि० कुछ लोगों के अनुसार आलम और शेख एक ही हैं।

शेखअहमद—साहि मुहुर्दा औलिया के पुत्र पीरजलालमुहुदी के शिष्य। स० १७७८ के पूर्व वर्तमान।

वियोगसागर, मोहनी (पद्य)→स० ०१–४२१।

शेखनिसार—शेखपुर (मुलतानपुर) के निवासी। गुलाममुहम्मद के पुत्र और शेखमुहम्मद के पौत्र। इनके पुरखे रोम देश में रहते थे। शेख हबीबुल्ला ने—जो इनके मूल

पुत्र थे—अकबर बादशाह के समय शेरपुर गाँव बसाया। सं १८४७ के लगभग वर्तमान।
सुधामुक्तावली (पद्य)→सं १-४२२।

शेखमुहम्मद असगर हुसेन (हकीम)→'असगरहुसेन' ('यूनानीसार' के रचयिता)।

शेखसाँई→'आलम (सुप्रसिद्ध कवि)।

शेरशाह सूरी—सूर वंश के प्रसिद्ध बादशाह। वास्तविक नाम फरीद। हसन (हुसेन) नामक जागीरदार के पुत्र। सं १५४१ के लगभग जन्म। सलीमशाह (जलाल खाँ) और दौलत खाँ के पिता। कुछ समय तक दिल्ली के भी शासक रहे। कुशल बादशाह। सं ११ २ में मृत्यु। तानसेन के आश्रयदाता।→ -४; १४ १-११।

शेरसिंह (कुवर)—जोधपुर नरेश महाराज विजयसिंह के पुत्र। सं १८. में अपने पिता की मृत्यु के उपरांत इनके पोते महाराज भीमसिंह ने इनका वध किया था।
रामकृष्ण-कथा (पद्य)→ २-१६।

शोकविनाश (पद्य)—गोकुल (कायस्थ) कृत। र का सं १९११। लि का सं १९३३। वि ग्रामीपदेश।
प्रा॰—श्री भगवतीप्रसादसिंह, प्रधानाध्यापक, बी ए बी हाईस्कूल बलरामपुर (गौंडा)।→सं १-८७ क।

शोधकपटल (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि आयुर्वेद और ज्योतिष।
प्रा —बाबू विवेणीप्रसाद सहायक कोर्ट इंस्पेक्टर, दवरिया (गोरखपुर)। → २६-११ (परि १)।

शोभा (कवि)—जयपुर नवलसिंह (भरतपुर नरेश) के आश्रित। सं १८१८ के लगभग वर्तमान।
नवलरसचंद्रोदय (पद्य)→१७-१७८।

शोभाचंद—वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी। महाराज राव ताराचंद के पुत्र। किसी बलसिंह के सेवक। सं १९८१ के लगभग वर्तमान।
भक्तिविधान (पद्य)→सं १-४२३।

शोभाराम (महाराज)—कामवन (भरतपुर) के निवासी। संभवतः यहीं के किसी आनंदलाल के आश्रित। भरतपुर के राजा बलवंतसिंह के समकालीन।
मणिप्रवीणमणी (प्रथम भाग) (गद्यपद्य)→सं १-४२४।

श्याम (कवि)—(?)
कृष्णध्यान अनुराग (पद्य)→१८-११।

श्याम (कवि)—(?)
वैद्यक (पद्य)→४१-१ ५।

प्रा०-दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२२३ (विवरण अप्राप्त)।

शृंगारसुख-सागर तरंग (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत । लि० का० सं० १६३२।
वि० नखशिख और नायिकाभेद।
प्रा०—राजा ललताबख्शसिंह का पुस्तकालय, नीलगाँव (सीतापुर)।→२३-८६ डब्ल्यू।

शृंगारसुधाकर (पद्य)—द्विज (कवि) कृत। वि० नायिकाभेद।
प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण पांडेय, हरिशंकरी, गाजीपुर।→सं०१ ०-६२।

शृंगारसुधाकर (पद्य)—बलदेव (द्विज) कृत । र० का० सं० १६३१।
वि० श्री कृष्णलीला।
(क) लि० का० सं० १६३३।
प्रा०—पं० चक्रधर अवस्थी, मानपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३-३१ डी।
(ख) मु० का० सं० १६३३।
प्रा०—राजपुस्तकालय, किला (प्रतापगढ)।→सं० ०४-२३१।

शृंगारसौरभ (पद्य)—राम जी (भट्ट) कृत। वि० नायिकाभेद।
(क) लि० का सं० १६०४।
प्रा०—पं० दुर्गादत्त अवस्थी, कपिला (फर्रुखाबाद)।→१७-१४८।
(ख) लि० का० सं० १६४२।
प्रा०—पं० जुगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर)।→१२-१४६।
(ग) लि० का० सं० १६४२।
प्रा०—पं० श्यामबिहारी मिश्र, गोलागंज (लखनऊ)।→२३-४०५।
(घ) लि० का० सं० १६४२।
प्रा०—श्री कृष्णबिहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गंधौली (सीतापुर)।→सं० ०४-३२८।

शृंवगसार→'सर्वांगसार' (नवलराम कृत)।

शेख—दिल्ली की एक रंगरेजिन, जिसके प्रेम में प्रसिद्ध कवि आलम ब्राह्मण से मुसलमान हो गए थे और उसके साथ विवाह किया था। आकार के कवित्त, आलमकेलि, कवितासंग्रह, कवित्तसंग्रह और कवित्तचतुशती में आलम के साथ इनकी कविताएँ संगृहीत हैं।→०३-३३, ४१-१२, सं० ०१-१८, सं० ०४-१५।
टि० कुछ लोगों के अनुसार आलम और शेख एक ही हैं।

शेखअहमद—साहि मुहुदी औलिया के पुत्र पीरजलालमुहुदी के शिष्य। सं० १७७८ के पूर्व वर्तमान।
वियोगसागर, मोहनी (पत्र)→सं० ०१-४२१।

शेखनिसार—शेखपुर (सुलतानपुर) के निवासी। गुलाममुहम्मद के पुत्र और शेखमुहम्मद के पौत्र। इनके पुरखे रोम देश में रहते थे। शेख हबीबुल्ला ने—जो इनके मूल

(ख) प्रा —विजावरनरेश का पुस्तकालय विजावर।→ १-२ ई (विवरण अप्राप्त)।

श्यामस्वरूप (त्रिपाठी)—पिता का नाम बैजनाथ त्रिपाठी। पुत्र का नाम रामकुमार त्रिपाठी (प्रप स्वामी)।

गोचारपचीसा (पद्य)→सं ७-१८६।

श्यामा बेटी—काशी के गोस्वामी गोपालदास जी के पुत्र गिरधरलाल की पुत्री। इन्हें संस्कृत ब्रजभाषा और गुजराती का अच्छा ज्ञान था। जन्म सं १८६१ के लगभग।→ ०-१ ६-६१; ४१-२११।

वनयात्रा (पद्य)→३५-४८।

श्रवणाख्यान (पद्य)—रामप्रसादम कृत। र का सं १६२४। वि श्रवण की कथा।

प्रा —महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय बलरामपुर (गौंडा)।→ ६-२२।

श्रवांगयोग→ सर्वांगयोग (सुंदरदास कृत)।

श्राद्धप्रकाश (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि श्राद्ध विवेचन।

प्रा —पं प्रभुदयाल शर्मा द्वारा 'सनाढ्य' कार्यालय (इटावा)।→१५-१ ७।

श्रावकाचार (पद्य)—बुलाकीदास कृत। र का सं १७४७। वि जैन साधुओं के विहित आचार।

(क) लि का सं १७१२।

प्रा —श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२१-७१।

(ख) लि का सं १८७६।

प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १ -२१ ग।

श्रावकाचार (पद्य)—मायाचंद कृत। र का सं १६११। वि अमितगति कृत जैन धर्म विषयक श्रावकाचार की टीका।

प्रा —लाला ऋषभदास जैन महोना डा इटौंजा (लखनऊ)।→२६-३३।

श्रावकाचार (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८६६। वि श्रावकों के लिये विहित आचार।

प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १ -१७६।

श्री आचार्यजी महाप्रभु को स्वरूप (गद्य)—हरिराम कृत। वि वल्लभ संप्रदाय के आचार्यस्वरूप का वर्णन।

प्रा —श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय कामवन (भरतपुर)।→१७-७४ बी।

श्री आचार्यजी महाप्रभुजी की (प्राकट्य) वार्ता द्वादश कुंजभावना (गद्य)— गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत। वि धर्म।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग कांकरोली।→सं १-८८ ग।

श्री आचार्यजी महाप्रभुन की द्वादश निज वार्ता (गद्य)—हरिराम कृत। वि संप्रदाय के आचार्य की कथा।

(क) लि का सं १६११।

श्याम (कवि)—(?)
स्वरविलास (पद्य)→सं० ०४-३६२ ।

श्यामदास—(?)
विष्णुस्वामी-चरितामृत (पद्य)→४१-३०६ ।

श्यामदास—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → ०२-५७ (छत्तीस) ।

श्यामदासी (बाई)—चरणदास जी के गुरु की पुत्री । इंद्रकुमारी बाई की बहन । सं० १८१० के लगभग वर्तमान । चरणदास ने इनके पढने के लिये एक ग्रंथ की रचना की थी ।→१२-३७ ।

श्यामराम—कायस्थ । मारवाड़ निवासी । इंद्रभान के पुत्र । रामकरण के पिता । सं० १७७५ के लगभग वर्तमान ।
ब्रह्मांडवर्णन (पद्य)→०२-८० ।

श्यामराम—सं० १८६३ के पूर्व वर्तमान ।
द्वादशराशिविचार (पद्य)→सं० ०१-४२५ ।

श्यामलाल - गौरीलखा (कानपुर) निवासी । सं० १९०८ के पूर्व वर्तमान ।
नवरत्न (भाषा) (पद्य)→२६-३२१ ए, बी ।

श्यामलाल (माथुर)—मथुरा निवासी । सं० १८९४ के लगभग वर्तमान ।
दानलीला (पद्य)→२६-३२२ बी ।
सैरवाटिका (पद्य)→२६-३२२ ए ।

श्यामविलास (पद्य)—गौरीशंकर कृत । लि० का० सं० १९३३ । वि० कृष्णचरित्र ।
प्रा०—लाला भगवतीप्रसाद, जयलाल का नगरा, डा० नदरई (एटा) । → २६-१०२ ई ।

श्यामविलास→'भागवत (दशमस्कंध भाषा)' (गिरिधारीदास कृत) ।

श्यामश्यामा-चरित्र (पद्य) - गिरिधरदास (गिरिधारी) कृत । लि० का० सं० १९०४ । वि० कृष्णचरित्र ।
प्रा०—पं० बैजनाथ ब्रह्मभट्ट, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ) ।→२६-११७ ।

श्यामसखे—(?)
रागप्रकाश (पद्य)→२०-१६२ ।

श्यामसगाई (पद्य)—उदय (कवि) । कृत । लि० का० सं० १८८७ । वि० कृष्ण विवाह की कथा ।
प्रा०—पं० प्रभुदयाल, अकनरा, डा० रुनकुता (आगरा) ।→३२-२२१ एन ।

श्यामसगाई (पद्य)—नंददास कृत । वि० कृष्ण राधिका की सगाई ।
(क) लि० का० सं० १९०० ।
प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर ।→१७-११९ सी ।

(ख) प्रा —बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→ ६-२ ई (विवरण अप्राप्त) ।

श्यामस्वरूप (त्रिपाठी)—पिता का नाम बैजनाथ त्रिपाठी । पुत्र का नाम रामकुमार त्रिपाठी (प्रश्न स्वामी) ।

गोचारणलीला (पद्य)→सं ७-१८९ ।

श्यामा बेटी—काशी के गोस्वामी गोपाललाल जी के पुत्र गिरधरलाल की पुत्री । इन्हें संस्कृत ब्रजभाषा और गुजराती का अच्छा ज्ञान था । जन्म सं १८९६ के लगभग ।→ -६ ६-६१; ४१-२६२ ।

वनयात्रा (पद्य)→१६-४८ ।

श्रवणाख्यान (पद्य)—रूपसिराम कृत । र का सं १६२४ । वि श्रवण की कथा ।

प्रा —महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय बलरामपुर (गोंडा) ।→ ९-५२ ।

श्रवांगयोग→ सर्वांगयोग' (सुंदरदास कृत) ।

श्राद्धप्रकाश (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि श्राद्ध विवेचन ।

प्रा —पं मथुराप्रसाद शर्मा, द्वारा 'सनाढ्य' कार्यालय (इटावा) ।→१६-२ ७ ।

श्रावकाचार (पद्य)—बुलाकीदास कृत । र का सं १७४० । वि जैन साधुओं के विहित आचार ।

(क) लि का सं १७११ ।

प्रा —श्री जैन मंदिर (बड़ा) बाराबंकी ।→२१-७१ ।

(ख) लि का सं १८७७ ।

प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, खाजूपुरा मुजफ्फरनगर ।→सं १ -८१ ख ।

श्रावकाचार (पद्य)—भागचंद्र कृत । र का सं १६११ । वि अमितगति कृत जैन धर्म विषयक श्रावकाचार की टीका ।

प्रा —लाला ऋषभदास जैन मोहल्ला का इमौला (लखनऊ) ।→२६-११ ।

श्रावकाचार (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८६६ । वि श्रावकों के लिये विहित आचार ।

प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर खाजूपुरा मुजफ्फरनगर ।→सं १ -१७७ ।

श्री आचार्यजी महाप्रभु को स्वरूप (गद्य)—हरिराम कृत । वि वल्लभ संप्रदाय के आत्मस्वरूप का वर्णन ।

प्रा —श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय कामवन (भरतपुर) ।→१७-७४ बी ।

श्री आचार्यजी महाप्रभुजी की (प्राकट्य) वार्ता द्वादश कुंजभावना (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत । वि धर्म ।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली ।→सं १-८८ ग ।

श्री आचार्यजी महाप्रभून की द्वादश निज वार्ता (गद्य)—हरिराय कृत । वि संप्रदाय के आचार्य की कथा ।

(क) लि का सं १६२१ ।

प्रा०—मथुरा सग्रहालय, मथुरा ।→१७–७४ सी ।

(ख) प्रा०—श्री मोहनलाल विष्णुलाल पड्या, मथुरा ।→०६–११५ ए ।

श्री आचार्यजी महाप्रभून की निजवार्ता तथा घरूवार्ता (गद्य)—हरिराय कृत ।

लि० का० स० १६२१ । वि० वल्लभ सप्रदाय की अतरग वार्ते ।

प्रा०– श्री मोहनलाल विष्णुलाल पड्या, मथुरा ।→०६–११५ सी ।

श्री आचार्यजी महाप्रभून के सेवक चौरासी वैष्णव की वार्ता (गद्य)—हरिराय कृत । वि० वल्लभ सप्रदाय के चौरासी प्रमुख शिष्यों की कथा ।

प्रा०—श्री मोहनलाल विष्णुलाल पड्या, मथुरा ।→०६–११५ बी ।

श्रीकृष्ण (भट्ट)→'कलानिधि' ('अलकारकलानिधि' आदि के रचयिता) ।

श्रीकृष्ण (मिश्र)—लोकमणि मिश्र के पुत्र । स० १७६८ के लगभग वर्तमान ।

तिमिरदीप (पद्य)→१२–१७८, १७–१८०, ४१–२६८ ।

प्रश्नतत्र (पद्य)→२६–४५७ ।

श्रीकृष्णखड (पद्य)—वैद्यनाथ (बैजनाथ) कृत । र० का० स० १६३७ । लि० का० स० १६३६ । वि० श्रीकृष्ण चरित्र ।

प्रा०—श्री अमरनाथ शुक्ल, नऊआडॉडी, डा० बादशाहपुर (जौनपुर) । → स० ०४–३७१ ।

श्रीकृष्ण गगाधर—स० १७१६ के लगभग वर्तमान ।

कुडनिर्माण-वार्तिक (गद्य)→स० ०१–४२६ ।

श्रीकृष्णग्वालिनि को भगरा (पद्य)—अन्य नाम 'दानलीला' । सगम कृत । लि० का० स० १६०७ । वि० श्रीकृष्ण की दानलीला का वर्णन ।

प्रा०—श्री साहित्यसदन, सार्वजनिक पुस्तकालय, गूढ, डा० खजुरी (बछरावाँ) (रायबरेली) ।→स० ०४–३६६ ।

श्रीकृष्णचरित्र (पद्य)—लछिमनदास कृत । र० का० स० १८६५ । लि० का० स० १८७६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—हिंदी साहित्य समेलन, प्रयाग ।→स० ०१–३७१ ।

श्रीकृष्णचर्चरीक→'श्रीकृष्ण (मिश्र)' ('तिमिरदीप' के रचयिता) ।

श्रीकृष्णचैतन्यदेव (निज जू)—माध्वगौडेश्वर सप्रदाय के अनुयायी । राजा शिवप्रसाद 'सितारेहिंद' के पिता बाबू हरखचद के गुरु । स० १६३१ के लगभग वर्तमान ।

रसकौमुदी (पद्य)→२३–२१७ ।

राजनीतिशतक भाषा कुंडलिया (पद्य)→स० ०४–४१ ।

सौंदर्यचद्रिका (पद्य)→०६–३०२ ।

श्रीकृष्णजन्मखड (पद्य)—बलदेवदास (जौहरी) कृत । र० का० स० १६०३ । वि० श्रीकृष्ण चरित्र ।

(क) लि० का० स० १६३३ ।

प्रा०—ठा० बलभद्रसिंह सेंगर, तालुकेदार, कॉथा (उन्नाव) ।→२३–३० ए ।

(ख) मु का सं १६२४।

प्रा —राजपुस्तकालय, जिला प्रतापगढ़ (प्रतापगढ़)।→सं ४-२१।

श्रीकृष्णदास—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) के शिष्य। संभवतः राधावल्लभ संप्रदायानुयायी।

श्रीकृष्णदासजू की मंगल (पद्य)→४१-२६६।

श्रीकृष्णदासजू की मंगल (पद्य)—श्रीकृष्णदास कृत। वि कृष्णलीला।

प्रा —संग्रहालय हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→४१-२६६।

श्रीकृष्णदेवरुक्मिणीवेलि (पद्य)—अन्य नाम 'वेलरा'। पृथ्वीराज (राठौर) कृत। र का सं १६३७ के लगभग। वि कृष्ण रुक्मिणी का विवाह।

(क) लि का सं १६६६।

प्रा - विद्याप्रचारिणी जैन सभा जयपुर।→ -८७।

(ख) प्रा -सरस्वती भंडार, विद्याविभाग कॉंकरोली।→सं १ १ १।

(ग)→दि ११-३१।

श्रीकृष्णपद (पद्य)—सीताराम कृत। वि राम और कृष्ण की भक्ति।

प्रा०—पं चोखेलाल मिश्र गली परतोली का सुरीर (मथुरा)।→१२ ११७।

श्रीकृष्ण बाबा→'रसविंदु ('पद्मपुराणमार्तंड' के रचयिता)।

श्रीकृष्णलीला-पद-संग्रह (पद्य)—अष्टछाप के कवि कृत। लि का सं १८ ७। वि कृष्णलीला।

प्रा —श्री बिहारीजी का मंदिर महाजनीटोला इलाहाबाद।→४१-४४८।

टि प्रस्तुत ग्रंथ में हरिदास हितहरिवंश और दामोदरहित आदि अन्य कवि भी संगृहीत हैं।

श्रीकृष्णविवाह-उत्कंठावेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र का सं १८११। वि श्रीकृष्ण की विवाह विषयक उत्कंठा।

प्रा —लाला नानकचंद, मथुरा।→१७-१४ एफ।

श्रीकृष्णभक्ति-विरदावली→'हरिभक्ति-विलास-सागर (फतेहसिंह कृत)।

श्रीकृष्णसुमिरन-पचीसी (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र का सं १८३ । वि कृष्ण भक्ति और ज्ञान।

प्रा —लाला नानकचंद, मथुरा।→१७-१४ सी।

श्रीकृष्णस्तोत्र (पद्य)—मुन्नालाल (मिश्र) कृत। लि का सं १८७१। वि श्री कृष्ण की स्तुति।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-१६२।

श्रीकृष्णाश्रय (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि कृष्णधर्म विवेचन।

प्रा —श्री मन्नीलाल गुसाईं बरसाना (मथुरा)।→१२-१ १।

श्रीगोपाल→'रामानंद ('श्रीरामरत्नभूरामलिदा' के रचयिता)।

श्री गोवर्द्धनधर को वषभर को शृंगार (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र का सं १८५७

लि० का० सं० १८५८। वि० गोवर्द्धन पर श्रीनाथजी के वर्षभर के शृंगारों का वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–५६७।

श्रीगोविंद—सरयू नदी के उत्तर गोपालपुर के राजा कृष्णकिशोर के आश्रित। सं० १८६७-८० के लगभग वर्तमान।

नखशिख (पद्य)→०६–३०० बी।

ब्रह्मवैवर्तपुराण (पद्य)→२३–४०३।

विलासतरंग (पद्य)→०६–३०० ए।

श्रीचूनरी (पद्य)—भगौतीदास कृत। र० का० सं० १६८०। वि० जीव (शिवसुंदरी) और जिन भगवान का आध्यात्मिक मिलन।

प्रा०—श्री वल्लभराम, मगोरी (मथुरा)।→३८–८ ए।

श्रीचूनरी (पद्य)—हेम कृत। वि० जैन तीर्थंकर नेमचंद के वैराग्य की कथा।

प्रा०—पं० वल्लभराम, मगोरी (मथुरा)।→३८–६४।

श्रीजी→'प्राणनाथ' (धामीपंथ के प्रवर्तक)।

श्री ठाकुरजी के षोडशचिन्ह (सचित्र) (पद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत। वि० भगवान के चरणों के षोडश चिन्हों का वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–४८६ ङ।

श्री दयालजी की आरती (पद्य)—हरिदास कृत। वि० निरंजन की आरती।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–२०६।

श्रीधर—वास्तविक नाम सभासिंह। खीरी जिले (संभवत. ढखवावैल स्थान) के निवासी। पृथ्वीराज चौहान के वंशज। पिता का नाम बखतसिंह। पितामह का नाम हेमसिंह। परपितामह का नाम गजराज। सं० १८६६ के लगभग वर्तमान।→०६–२०६।

विद्वन्मोदतरंगिणी (पद्य)→१२–१७७ बी, २३–४०१ बी।

शालिहोत्र (पद्य)→१२–१७७ ए, २३–४०१ ए, २६–४५५ ए, बी, सं० ०४–४१८।

श्रीधर—अन्य नाम मुरलीधर। ओझा ब्राह्मण। प्रयाग निवासी। नवाब मुसल्लह खाँ (?) के आश्रित। सं० १७६७ के लगभग वर्तमान।

भाषाभूषण (पद्य)→४१–२७०।

श्रीधर—(?)

रुपैयाअष्टक (पद्य)→३८–१४५।

श्रीधर—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→०२–५७ (पाँच)।

श्रीधर (गौड)—गौड़ ब्राह्मण। सलेमाबाद निवासी। सं० १९२१ के लगभग वर्तमान।

छींक और शकुन विचार (पद्य)→२६–४५६।

दयाकुमार→पं० २२–११६।

शिक्षा ककाबत्तीसी (पद्य)→२६-४५४ डी ई।
सामुद्रिक (गद्य)→२६-४५४ सी।
हनुमानविजय (पद्य)→२६-४५४ ए, बी सं ४ १३१।

श्रीधर (सीधर)—(?)
मानलीला (पद्य)→१८-१४ ।

श्रीधर (स्वामी)—उप सनेही। वल्लभाचार्य के अनुयायी। सं १८८२ के लगभग वर्तमान।
भागवत (भावार्थदीपिका) (गद्य)→२६-११५ ए से ई तक।
सुरतक पूर्वार्द्ध टीका (गद्यपद्य)→२१-४ २।
हरिदेवसनेह के कवित्त (पद्य) →१२-१७६।

श्रीधरानंद — भरतपुर निवासी।
शालिस्मारचिंतामणि (गद्यपद्य)→११-२ ८।
टि श्री मुनि कांतिसागर के अनुसार ये भरतपुराधीश महाराजा सूरजमल्ल की महारानी किशोरी के दानाध्यक्ष श्री मिश्र रामबख्श के पुत्र थे। इनका जन्मनाम धासीराम था तथा ये सं १८७१ के लगभग वर्तमान थे।

श्रीधाम की पहेली (गद्य)—मायानाथ कृत। वि कृष्णलीला।
प्रा —मुंशी बंशीधर मुहम्मदपुर डा अमेठी (लखनऊ)।→२६-२६१ बी।

श्रीधाम को वर्णन→ प्रेमपहेली (मायानाथ कृत)।

श्रीमार्गविलास (पद्य)—माखन कृत। वि विमल।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१ ३६१।

श्रीमाथजी की सेवाविधि (गद्य)—गोपिकालंकार (गोस्वामी) कृत। वि धर्म।
प्रा — श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-३१।

श्रीमाथजी के शृंगार के बागा के नौ रंग (पद्य)—गोविंदस्वामी कृत। लि का सं १३११। वि धर्म।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग, काँकरोली।→सं १-९८ घ।

श्रीनित्यकीर्तन→ नित्यकीर्तन (अष्टछाप के कवि कृत)।

श्रीनिवास संभवतः वृंदावन के रंगनाथ मंदिर के पुजारी।
ब्रह्मोत्सवमानंदनिधि (पद्य)→१ -१८४।

श्रीनिवास—(?)
सद्गुरुमहिमा (पद्य)→सं १-४२८।

श्रीनिवास—(?)
जानकीसहस्रनाम (पद्य)→ १-३१ ।

श्रीनिवास—(?)

हनुमानपच्चीसी (पद्य)→स० ०१–४२६

श्रीपति—धर्मदास के पुत्र। पयागपुर (बहराइच) निवासी। गंग, रघुनसेन और दलपति के भाई। चारों भाई अच्छे कवि थे। स० १७१६ के लगभग वर्तमान।→२०–४१।
महाभारत (कर्णपर्व) (पद्य)→२०–१८५, स० ०१–४३० क, ख।

श्रीपति—काशी निवासी।
श्रीपति के कवित्त (पद्य)→स० ०१–४३१।

श्रीपति (भट्ट)—गुजराती औदीच्य ब्राह्मण। इलाहाबाद के नवाब सैयद हिम्मत खाँ के आश्रित। स० १७३१ के लगभग वर्तमान।
हिम्मतप्रकाश (पद्य)→०६–२३८, २६–३१७।

श्रीपति (मिश्र)—कालपी (जालौन) निवासी। स० १७७७ के लगभग वर्तमान।
अनुप्रास (पद्य)→०६–३०४ बी।
काव्यसरोज (पद्य)→०६–३०४ ए, २३–४०४ ए, बी, २६–४५६।
काव्यसुधाकर (पद्य)→२३–४०४ सी।
विनोदाय काव्यसरोज (पद्य)→०४–४८, ०६–३०४ सी।

श्रीपति के कवित्त (पद्य)—श्रीपति कृत। वि० भक्ति और शृंगार।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१–४३१।

श्रीपालचरित्र (पद्य)—अन्य नाम 'श्रीपालपुराण (भाषा)'। परिमल्ल (कवि) कृत। र० का० स० १६५१। वि० जैन धर्मानुयायी राजा श्रीपाल का चरित्र वर्णन।
(क) लि० का० स० १८०७।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ामंदिर , चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →स० ०४–२०२ क।
(ख) लि० का० स० १८३५।
प्रा०—पूर्ववत्।→स० ०४–२०२ ख।
(ग) लि० का० स० १८५६।
प्रा०—पूर्ववत।→सं० ०४–२०२ ग।
(घ) लि० का० स० १८७४।
प्रा०—पूर्ववत।→स० ०४–२०२ घ।
(ङ) लि० का० स० १६१३।
प्रा०—पूर्ववत।→स० ०४–२०२ ङ।
(च) लि० का० स० १६२६।
प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–३०६।
(छ) लि० का० स० १६३७।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→स० १०–७४ क।

(ख) लि का सं १६६१।
प्रा —दिगंबर जैन मंदिर, नई मंडी, मुजफ्फरनगर।→सं १ -७४ ग।
(ग) प्रा —श्री जैन मंदिर नारनौ (आगरा)।→ ६ १६१।

श्रीपालचरित (?)—जिनचंद्रसूरि कृत। वि जैन धर्म विषयक ग्रंथ। → रि ११-६५।

श्रीपालचरित्र (पद्य)—अन्य नाम 'श्रीपालविनोद'। विनोदीलाल कृत। र का सं १७० । वि० जैन धर्मानुयायी राजा श्रीपाल के चरित्र का वर्णन।
(क) लि का सं १८८७।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक लखनऊ।→ सं ८-११२ ग।
(ग) लि का सं १८६४।
प्रा —पूर्ववत।→सं ४-१६१ घ।

श्रीपालपुराण (भाषा)→ श्रीपालचरित (परिमल्ल कवि कृत)।

श्रीपालरासा (पद्य)—अमरचंदमल कृत। र० का सं १६१ । वि उज्जैन के राजा पुहपाल के जामाता श्रीपाल का यश वर्णन।
प्रा —दिवानधारिणी जैन सभा जयपुर।→ १२४।

श्रीपालविनोद→ श्रीपालचरित्र (विनोदीलाल कृत)।

श्रीप्रकाशविनाद की प्रकरण (पद्य)—प्राणनाथ कृत। वि धामी पंथानुसार ज्ञानोपदेश।
प्रा —महंत रतनीसी मठ (प्रनामी संप्रदाय), सिरसी (बस्ती)। → सं ८ ११८ घ।

श्रीप्रधान (फन्दराघरे)→ प्राणगुप्त (तरंगमेरमासिक के रचयिता)।

श्रीभट्ट—अन्य नाम भट्टाचार्य। वृंदावन निवासी। निंबार्क संप्रदाय के वैष्णव। निमादित्य के शिष्य और परशुराम हरिदेव (हरिविशा) तथा हरिदास के गुरु। जन्म सं १६ (?)। समालोचिप्पा नामक संग्रह ग्रंथ में भी संगृहीत।→ -७१; १-६७ (सी) ११-७४ ११ १६६; ११-१६१।
आदिवाणी युगलतत्व सिद्धांत (पद्य)→४१-१७१।
युगलतत्व (पद्य)→ ०-१६ ६-११७ ६-११६; ११-४ ए, बी; १६-४।
पद (पद्य)→११ ९ ४ बी।
पदमाला (पद्य)→११-१ ४ ए।

श्रीभट्टदेव→ श्रीभट्ट (वृंदावन निवासी निंबार्क संप्रदाय के वैष्णव)।

श्रीमद्भागवतानुक्रमणिका (भाषा) (पद्य)—दयाराम भाई कृत। वि भागवत की अनुक्रमणिका।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग, काँकरोली।→सं १-१४६ ग।

हनुमानपच्चीसी (पद्य)→स० ०१–४२६

श्रीपति—धर्मदास के पुत्र। पयागपुर (बहराइच) निवासी। गंग, सद्गुसेन और दलपति के भाई। चारो भाई अच्छे कवि थे। सं० १७५६ के लगभग वर्तमान।→२०–४१।

महाभारत (कर्णपर्व) (पद्य)→२०–१८५, स० ०१–४३० क, ख।

श्रीपति—काशी निवासी।

श्रीपति के कवित्त (पद्य)→स० ०१–४३१।

श्रीपति (भट्ट)—गुजराती औदीच्य ब्राह्मण। इलाहाबाद के नवाब सैयद हिम्मत खाँ के आश्रित। स० १७३१ के लगभग वर्तमान।

हिम्मतप्रकाश (पद्य)→०६–२३८, २६–३३७।

श्रीपति (मिश्र)—कालपी (जालौन) निवासी। स० १७७७ के लगभग वर्तमान।

अनुप्रास (पद्य)→०६–३०४ बी।

काव्यसरोज (पद्य)→०६–३०४ ए, २३–४०४ ए, बी, २६–४५६।

काव्यसुधाकर (पद्य)→२३–४०४ सी।

विनोदाय काव्यसरोज (पद्य)→०४–४८, ०६–३०४ सी।

श्रीपति के कवित्त (पद्य)—श्रीपति कृत। वि० भक्ति और शृंगार।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१–४३१।

श्रीपालचरित्र (पद्य)—अन्य नाम 'श्रीपालपुराण (भाषा)'। परिमल्ल (कवि) कृत। र० का० स० १६५१। वि० जैन धर्मानुयायी राजा श्रीपाल का चरित्र वर्णन।

(क) लि० का० स० १८०७।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ामंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।

→स० ०४–२०२ क।

(ख) लि० का० स० १८३५।

प्रा०—पूर्ववत्।→स० ०४–२०२ ख।

(ग) लि० का० स० १८५६।

प्रा०—पूर्ववत।→स० ०४–२०२ ग।

(घ) लि० का० स० १८७४।

प्रा०—पूर्ववत।→स० ०४–२०२ घ।

(ङ) लि० का० स० १६१३।

प्रा०—पूर्ववत।→स० ०४–२०२ ङ।

(च) लि० का० स० १६२६।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–३०६।

(छ) लि० का० स० १६३७।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→स० १०–७४ क।

(ख) लि का सं १९१२।
प्रा —दिगंबर जैन मंदिर, नई मंडी मुजफ्फरनगर।→सं १ –७४ ख।
(ग) प्रा०—श्री जैन मंदिर नारली (आगरा)।→ ९ १६१।

श्रीपालचरित्र (?)—जिनविजयमणि कृत। वि जैन धर्म विषयक ग्रंथ। →
वि ११–९५।

श्रीपालचरित्र (पद्य)—ग्रन्थ नाम श्रीपालविनोद। विनोदीलाल कृत। र का
सं १७५ । वि जैन धर्मानुयायी राजा श्रीपाल के चरित्र का वर्णन।
(क) लि का सं १८८७।
प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली चौक लखनऊ।→
सं ८–१६२ ग।
(ख) लि का सं १८२४।
प्रा —पूर्ववत।→सं ४–१६२ घ।

श्रीपालपुराण (भाषा)→श्रीपालचरित्र (परिमल्ल कवि कृत)।

श्रीपालरासो (पद्य)—अमरमाणिक्य कृत। र का सं १६१। वि उज्जैन के राजा
पुहपाल के जामाता श्रीपाल का मध्य वर्णन।
प्रा —विद्याप्रचारिणी जैन सभा जयपुर।→ –११४।

श्रीपालविनोद→ श्रीपालचरित्र (विनोदीलाल कृत)।

श्रीप्रकाशकियाव को प्रकरण (पद्य)—प्राणनाथ कृत। वि धामी पंथानुसार ज्ञानोपदेश।
प्रा —महंत रमनौली मठ (प्रनामी संप्रदाय) विरली (बस्ती)। →
सं ४–११८ घ।

श्रीप्रधान (कठेरावारे)→ मायामुक्त (तरंगमेघमालिन के रचयिता)।

श्रीभट्ट—ग्रन्थ नाम महावार्य। वृंदावन निवासी। निंबार्क संप्रदाय के वैष्णव। निमादित्य
के शिष्य और परशुराम हरिदेव (हरिप्रिया) तथा हरिदास के गुरु। जन्म
सं १६ १(?)। स्मरणदिप्पा नामक संग्रह ग्रंथ में भी संग्रहीत।→ –०१
१–५७ (नौ) १२–७४ ११ ११६ ११–१६२।
आदिवाणी युगलसत सिद्धांत (पद्य)→४१–१७१।
युगलसत (पद्य)→ ०–१६; १–२१७ ६–२६२; ११–४ ए, बी; २६–४।
पद (पद्य)→११–२ ४ बी।
पदमाला (पद्य)→११–१ ४ ए।

श्रीभट्टदेव→'श्रीभट्ट' (वृंदावन निवासी निंबार्क संप्रदाय के वैष्णव)।

श्रीमद्भागवतानुक्रमणिका (भाषा) (पद्य)—दयाराम भाई कृत। वि भागवत की
अनुक्रमणिका।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरौली।→सं १–१७६ ग।
खो सं वि ४१ (११ –६४)

श्रीमन्महासोलाभरणभूषित (?) (पद्य)—बुलाकीदास कृत। लि० का० स० १८४८।
वि० जैन धर्म।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→३२-३४ बी।
श्रीमहाप्रभुजी के स्वरूप चिंतन को पद (पद्य)—निश्चयदास कृत। वि० श्री वल्लभाचार्य के स्वरूप का वर्णन।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१-१६७।
श्रीमहाप्रभु श्री गुसाँईजी को स्वरूप विचार (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत।
वि० धर्म।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१-८८ ख।
श्रीराम (वाजपेयी)—स० १८४३ के पूर्व वर्तमान।
समरसार (गद्य)→स० ०४-३६४ क, ख।
श्रीराम (भट्ट)→'रामजी (भट्ट)' ('छंदमंजरी' आदि के रचयिता)।
श्रीराम को परमधाम वर्णन (पद्य)—भवानीप्रसाद कृत। लि० का० स० १६२०।
वि० रामभक्ति।
प्रा०—महंत जगदेवदास, पहरीगनेशपुर, डा० रायबरेली (रायबरेली)। →
स० ०४-२५१।
श्रीरामचरित्र रागसैरा (पद्य)—दुरुदीन कृत। वि० रामरावण युद्ध।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक, छतरपुर।→०५-२४।
श्रीरामनौरत्न-विनय (पद्य)—जानकीप्रसाद कृत। र० का० स० १६०८। वि० रामभक्ति।
(क) लि० का० स० १६२१।
प्रा०—पं० उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→
२६-१६६ बी।
(ख) मु० का० स० १६२३।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०४-१३० ख।
(ग) प्रा०—मुंशी चतुरविहारीलाल, सढवा चंदिका, डा० अतू (प्रतापगढ)।
→२६-१६६ सी।
श्रीलाल—सिंधु नदी के तट के निवासी। स० १६७५ के लगभग वर्तमान।
भागवत (दशमस्कंध) (पद्य)→३२-२०७।
श्रीलाल—स० १६३० के लगभग वर्तमान।
चाणक्यनीतिदर्पण (गद्य)→२६-४५८।
श्रीलाल (पंडित)—इलाहाबाद निवासी। उत्तरप्रदेश के तत्कालीन शिक्षा संचालक विलियम हैंडफोर्ड के आश्रित। स० १६२२ के लगभग वर्तमान।
गणितप्रकाश (गद्य)→२६-३१६ ए, बी, सी, सं० १०-१२५।
भाषाचंद्रोदय (गद्य)→स० ०१-४३२ क।

भूगोलसार (गद्य)→१८-१४७।

महामनीवारसीपिका (गद्य)→२६-२११ बी, ई।

विद्याकुर (पद्य)→र्दं १-४११ क।

श्रीलाल (शाह)→ लाल जी (शाह) ('हरिवंशपुराण भाषानुवाद' के रचयिता)।

श्रीलाल रघुवंशवल्लभ→'रघुवंशवल्लभ (श्रीलाल) ('समरसोम के रचयिता)।

श्री वचनामृत और बैठकवार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १९११।
वि महाप्रभु वल्लभाचार्य की ज्ञान और उपदेश विषयक शिक्षा।
प्रा —श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय कामवन भरतपुर। →
१७—८६ (परि १)।

श्री वल्लभाचार्यजी की वंशावली तथा स्वरूप वर्णन (पद्य)—जगतानंद कृत।
र का सं १७८१। वि श्री वल्लभाचार्य जी की वंशावली।
प्रा —सरस्वती भंडार, विद्याविभाग काँकरौली।→र्दं १-११६ ग।

श्रीवास्तवन के पटा को अष्टक (पद्य)—प्रताप कृत। लि का सं १९३७। वि
श्रीवास्तव कायस्थों का वर्णन।
प्रा —लाला भवानीसिंह मुतसद्दी टीकमगढ़।→ ६-२१ बी।

श्री स्वामिनीजी ठाकुरजी के सवैया (पद्य)—लालस्वामी (हित) कृत। लि का
सं १९४७। वि कृष्ण जी की महिमा।
प्रा —निंबार्क पुस्तकालय महंतदास का मंदिर नानपारा (बहराइच)। →
२१-२८६।

श्रुतपंचमीकथा (पद्य)—अमरावमल कृत। र का सं १९११। लि का
सं १८८९। वि धनिश्री और कमलश्री की जैन कथा आदि।
प्रा —श्री जैनमंदिर (बड़ा) बाराबंकी।→२१ १८।

श्रुतसागर—सं ११ ५ के लगभग वर्तमान।
रोहिणमुनि चतुष्पदी (पद्य)→दि ३१ ८२।

श्रुतिबोध (भाषा) (पद्य)—शिवसिंह कृत। वि पिंगल।
प्रा —महाराज शार्दूलबहादुरसिंह मिनगाराज (बहराइच)।→२१ १६७ एच।

श्रेणिकचरित्र (पद्य)—अन्य नाम श्रेणिकमहाराजचरित्र। लक्ष्मीदास (लखमीदास)
कृत। र का सं १७३१। वि जैन धर्मानुयायी श्रेणिक राजा की कथा।
(क) लि का सं १९११।
प्रा —श्री जैन मंदिर रावमा, डा अछनेरा (आगरा)।→१२-११ बी।
(ख) प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली चौक
लखनऊ।→र्दं ८-१९१।

श्रेणिकमहाराजचरित्र→श्रेणिकचरित्र (लक्ष्मीदास कृत)।

श्लेष (पद्य)—सेनापति कृत। वि श्लेष अलंकार।
प्रा —पं कन्हैयालाल महापात्र, असनी (फतेहपुर)।→१ -१७६।

श्लेपार्थविंशति (पद्य)—कन्हैयालाल (भट्ट) उप० कान्ह कृत। वि० श्लेपालंकार पूर्ण काव्य।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–३१।

पटऋतुकवित्त (पद्य)—सेनापति कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–५१।

पटऋतु की वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभाचार्य जी की पटऋतु की वार्ता।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर। → १७–८३ (परि० ३)।

पटऋतुपदावली (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। वि० छः ऋतुओं का वर्णन तथा जानकी विवाह।

प्रा०—पं० बद्रीदत्त, पूरा बाजार (फैजाबाद)।→२०–१६२।

पटऋतुबरवा-वर्णन (पद्य)– जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि० का० सं० १७७८। वि० शृंगार।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ छ।

षटऋतुमार्तंड (गद्यपद्य)—रससिंधु कृत। र० का० सं० १६३०। वि० भक्ति और कृष्णलीला।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–३२५।

पटऋतुवर्णन (पद्य)—रामनारायण कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—अयोध्या के महाराज का पुस्तकालय, अयोध्या।→०६–२५२।

पटऋतुवर्णन (पद्य)—सरदार कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०६–२८३ सी।

षटऋतु संबंधी कवित्त (पद्य)—अन्य नाम 'कवित्तबसंत'। ग्वाल (कवि) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) प्रा०—पं० रघुवरदयाल, रजौरा, डा० मदनपुर (मैनपुरी)।→३५–३१ ए।

(ख) प्रा०—पं० श्रीनारायण, भाड़री, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)। → ३५–३३ बी।

(ग) प्रा०—चौधरी प्रसादराम शर्मा, भरथना (इटावा)।→३५–३३ सी।

(घ) प्रा०—पं० सोहनपाल, द्वारा पं० लक्ष्मीनारायण, धनुवाँ, डा० बलरई (इटावा)।→३८–५५ बी।

पटकर्महठजोग→'षटरूपमुक्ति' (स्वा० चरणदास कृत)।

पटकर्मोपदेशरत्नमाला (भाषा) (पद्य)—लालचंद पांडेय (जैन) कृत। र० का० सं० १८१८। वि० पटकर्मोपदेश वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–२३७।

(ख) लि का सं १८२५।

प्रा —श्री जैनमंदिर, अछनेरा (आगरा)।→२१-११२ बी।

(ग) लि का सं १९११।

प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं १०-११७।

पटदर्शनसार (पद्य)—कबीरदास कृत। लि का सं १८४७। वि विभिन्न दर्शनों का सारांश।

प्रा —काशी हिंदू विश्वविद्यालय का पुस्तकालय, वाराणसी।→१५-८६ बी।

पटनारीपटवर्णन (पद्य)—महामद कृत। वि कोकशास्त्र।

प्रा —श्री रामचंद्र वकील डोलपुर, डा फीरोजाबाद (आगरा)।→१२-११।

पटपंचाशिका (गद्य)—बद्रीलाल कृत। वि ज्योतिष (संस्कृत ग्रंथ का अनुवाद)।

(क) लि का सं १८२७।

प्रा —पं शिवकंठ दूबे देवरारपुर (खीरी)।→२६-११ ए।

(ख) लि का सं १९१५।

प्रा —पं मलखूसिंह, अलीपुर दिल्ली।→दि ११ ई।

(ग) लि का सं १९११।

प्रा —ठा अवधपालसिंह शिकोहाबाद डा मुरादाबाद (उन्नाव)। →२६-११ बी।

(घ) लि का सं १९११।

प्रा पं शिवदुलारे, ललनपुर डा ममरैर (उन्नाव)।→२६ ११ सी।

पटपंचाशिका (पद्य —राजाराम कृत। लि का सं १७६१। वि ज्योतिष।

प्रा०—बलियानरेश का पुस्तकालय बलिया।→ ६-१११ (विवरण अप्राप्त)।

पटपंचाशिका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १६९ । वि ज्योतिष।

प्रा —श्री चंद्रसेन पुजारी खुर्जा (बुलंदशहर)।→१७-८१ (परि १)।

पटपंचाशिका ज्योतिष (पद्य)—पृथ्वीश (पृथुयश) कृत (अनुवादक अज्ञात)। लि का सं १९१८। वि ज्योतिष।

प्रा —ठा विश्रामसिंह, चरा नगरी डा धौरहरा (खीरी)।→२६ ३५६।

पटपंचाशिका टीका सहित (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र का सं १८४१। लि का सं १८२६। वि ज्योतिष।

प्रा —श्री चंद्रसेन पुजारी खुर्जा (बुलंदशहर)।→१७-८२ (परि १)।

पटपद के भेद (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि सम्पत सुरों के भेदोपभेद।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ४-४९६।

पटप्रदर्शनीनिर्णय (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'पटप्रश्न' या 'पटप्रश्नी'। मनोहरदास (निरंजनी) कृत। वि वेदांत।

(क) लि का सं १८ १।

प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१-५८ ।

(ख) लि० का० सं० १८४० ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-२६३ टी (विवरण अप्राप्त) ।

(ग) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२ १२ ।

षटप्रश्नी (प्रश्न)→'षटप्रदर्शनीनिर्णय' (मनोहरदास निरंजनी कृत) ।

षटरहस्य (पद्य)—अन्य नाम 'षटचतुरभगिनी-रहस्य' । पर्वतदास (जन) कृत । र० का० सं० १७४० । रामकलेवा आदि का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८६८ ।

प्रा०—पं० रामविलास, रामनगर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→ २६-२६५ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६०३ ।

प्रा०—ठा० जगपालसिंह, वीरपुर, परगना अफोना (बहराइच) । → २३-३१२ टी ।

(ग) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—पं० लालताप्रसाद, पंडित का पुरवा, सिसैया (बहराइच) । → २३-३१२ ई ।

(घ) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—पं० विष्णुभरोसे, ककारा, डा० धौरहरा (खीरी) ।→२६-३४५ सी ।

(ङ) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—बाबा शिवपुरी, कश्मीरी मुहल्ला, लखनऊ ।→२६-३४५ ई ।

(च) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—श्री भगतरामदास, मीरपुर, डा० बारहद्वारी (एटा) ।→२६-२६५ बी ।

(छ) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—ठा० शिवरतनसिंह, रामपुर मथुरा, डा० बसौरा (सीतापुर) । → २६-३ ५ डी ।

(ज) लि० का० सं० १६१२ ।

प्रा०—पं० शिवनारायण वाजपेयी, वाजपेयी का पुरवा, सिसैया (बहराइच) ।→ २३-३१२ सी ।

षटरहस्यनिरूपण→'षटरहस्य' (पर्वतदास जन कृत) ।

षटरूपमुक्ति (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत । वि० सालोक्य, सामीप्य, सारूप्य और सायुज्य मुक्ति का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८४८ ।

प्रा०—पं० बलदेवप्रसाद तिवारी, अता, डा० ककवन (कानपुर) । → २६-७८ एम ।

(ख) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा —बाबा रामदास जहाँगीरपुर डा० फतौली (एटा) । →२२-४१ डी ।

षटशास्त्र-विचार (पद्य)—बलिराम कृत । वि षट दर्शन सार ।

प्रा —पं गोपालदत्त शीलशाधारी (मथुरा) ।→१८-१६६ बी ।

षटशास्त्रवेद द्वादश-महावाक्य-विचार (पद्य)—समनाली कृत । वि शास्त्रों और वेदों की व्याख्या ।

प्रा —पं वृंदावन उपाध्याय औरैया (इटावा) ।→१८-४ ए ।

षटपष्टिमपराधा (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत । वि पुष्टिमार्गी सिद्धांत ।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग कॉकरोली ।→सं १-४८६ च ।

संकटचौथीमहिमा→ गणेशकथा (केशवराय कृत) ।

संकटमोचन (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । लि का सं १६१४ । वि हनुमान जी की स्तुति ।

प्रा —ठा चंद्रिकाबक्ससिंह जमींदार, थानीपुर डा ताताबखशी (लखनऊ) । →११-४८४ बार ।

सङ्कटमोचन (पद्य)—नवनिधिदास कृत । लि का सं १६६१ । वि ईश्वर विनय ।

प्रा —श्री लक्ष्मणप्रसाद सुनार मौबहरी (बलिया) ।→ ६-२११ ।

संकटमोचन (पद्य)—रामगुलाम (द्विवेदी) कृत । र का सं १८२१ । वि हनुमान जी की वंदना ।

प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर) ।→ ६-२४७ ए ।

संकष्टव्रतकथा (पद्य)—हरिशंकर (द्विज) कृत । र का सं १४४४ । लि का सं १८८६ । वि गणेश जी की कथा ।

प्रा —पं वासुदेव पंडित कमाल डा मावोगंज (प्रतापगढ़) ।→११ १७२ ।

संकटाश्वरीस्तोत्र (पद्य)—रघसिंह प्रजात । वि काशी की संकटा देवी की स्तुति ।

प्रा —पं रोशनलाल सारस्वत चौबेरी (आगरा) ।→२६ ४०८ ।

संकठाप्रसाद (तिवारी)—हरिबक्सपुर (रायबरेली) के निवासी । कान्यकुब्ज ब्राह्मण । पुत्रों के नाम हृदयनारायण और सर्वकुमार । पुत्री का नाम हरिदेई । ८५ वर्ष की अवस्था में स्वर्गवास हुआ । सं १६१ के वायमय वर्तमान ।

भजन (पद्य)→सं ४-१६५ ।

संकठास्तोत्र (पद्य)—रघसिंह प्रजात । वि संकठा देवी की स्तुति ।

प्रा —श्री रघुवरराम सूरजनगर, डा नौगवाँ (आगरा) ।→११-२६६ ।

संकेतयुगल (पद्य)—सुंदरकुँवरि कृत । र का सं १८३१ । वि राधाकृष्ण का रासविलास ।

प्रा —साधु निर्मलदास वेद (जोधपुर) ।→ १-६६ ।

संकराचारज→ शंकराचारज (सुप्रसिद्ध शंकराचार्य के कोई अनुयायी) ।

संक्षेप दशम→भागवत (दशमस्कंध) (भीखाल कृत) ।

सक्षेप लीलावती→'गणककौतूहल' (पीतमदास कृत) ।

सत्यादरसन—गोरखनाथ कृत । 'गोरखबोध' में सगृहीत ।→०२–६१ (उन्नीस) ।

सगम—स० १६०७ के पूर्व वर्तमान ।

श्रीकृष्णग्वालिनि को झगरा (पद्य)→स० ०४–३६६ ।

सगमलाल—सुवश शुक्ल के वशज । टेढ़ा (उन्नाव) निवासी ।

कवित्त (पद्य)→२३–३७२ ।

सगीत (ग्रथ) (गद्य ,—रचयिता अज्ञात । र० का० स० १८६४ । लि० का० स० १८६४ । वि० सगीत ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–५६८ ।

सगीत (भाषा)→'संगीतदर्पण' (हरिवल्लभ कृत) ।

सगीतकल्पद्रुम→'रागसागर' (कृष्णानद कृत) ।

संगीत की पुस्तक (पद्य)– अन्य नाम 'सगीतरत्नाकर' । गौरीशकर (भट्ट) कृत । वि० राग रागिनियो का वर्णन ।

(क) लि० का० स० १६४० ।

प्रा०—लाला गूजरमल गढिया, डा० उमरगढ (एटा) ।→२६–१०१ डी ।

(ख) प्रा०—कवि विश्रामसिंह, भवानीपुर, डा० सरोढ (एटा) ।
→२६–१०१ ई ।

सगीतदीपिका (पद्य)—शारंगधर कृत । वि० सगीत ।

प्रा०—कुँवर लक्ष्मणप्रतापसिंह, साहीपुर (नौलखा), डा० हँडिया (इलाहाबाद) ।→स० ०१–४१० ।

सगीतपच्चीसी (पद्य)—गहरगोपाल कृत । वि० रामलीला ।

प्रा०—पं० मयाशकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२–५६ ई ।

सगीतसार (पद्य)—तानसेन कृत । लि० का० स० १८८८ । वि० सगीत शास्त्र ।

प्रा०—बाघवेश पुस्तकालय, रीवाँ ।→०१–१२ ।

सगीतसार-सुराराध्य→'सागीतदर्पण' (हरिवल्लभ कृत) ।

सगृहीतलतिका (पद्य)—दाताराम (दीनदास) कृत । वि० कजली, भजन, ठुमरी आदि का सग्रह ।

(क) लि० का० स० १६३६ ।

प्रा०—प० शिवदयाल बाजपेयी, सिंहपुर, डा० सरोढ (एटा) ।→२६–६० ए ।

(ख) लि० का० सं० १६४८ ।

प्रा०—मुशी लालाराम कायस्थ, राकामाली, डा० औरगाबाद (सीतापुर) ।
→२६–६० डी ।

सग्रह (पद्य)—अमरनाथ कृत । र० का० स० १८३३ । वि० तुलसीदास, बिहारी, गग

श्रौर काशीराम की कविताश्रों का संग्रह ।→पं १२-१ ।

संग्रह (पद्य)—ग्रालम श्रौर शेख कृत । वि ग्रालम श्रौर शेख की कविताश्रों का संग्रह ।

प्रा —पं बद्रीनाथ भट्ट बी ए लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ । →२१-६ बी ।

संग्रह (गद्यपद्य)—उमरावसिंह कृत । वि शकुन, हनुमान का सीता के पास संदेश ले जाना सुदामा की कथा श्रौर नायिकाभेद श्रादि ।

प्रा —श्रीमती रानी कुँवरि, मू पू श्रध्यापिका कन्या पाठशाला, सिरसागंज (मैनपुरी) ।→१२-२१५ ।

संग्रह (पद्य)—केशवकृष्ण कृष्ण कवि) कृत । वि विविध कवियों के सवैयों श्रौर कवित्तों का संग्रह ।

प्रा —पं महादेवदत्त शर्मा कुरावली (मैनपुरी) ।→१८-८४ बी एच ।

संग्रह (पद्य)—गंग (कवि) कृत । वि विविध ।

प्रा —पं बद्रीनाथ भट्ट लखनऊ ।→२१-११४ ।

संग्रह (पद्य)—जयलाल कृत । वि शंकर श्रौर कृष्ण जी की विनय श्रादि ।

(क) लि का सं १६ १ ।

प्रा —श्री विश्रामसिंह कवि भगनियापुर, डा करौव (एटा) । → २९-१७४ सी ।

(ख) लि का सं १६१२ ।

प्रा —लाला शिवमुनराय मगरामगढ डा परिवाली (एटा) । → २९-१७४ डी ।

संग्रह (पद्य)—दुर्गाप्रसाद (बाजपेयी) कृत । वि कृष्ण गणेश गंगा श्रादि के भजन ।

प्रा०—चौधरी शाकम्बरसहाय सुचेहरा डा बलवंतनगर (इटावा) ।→१८-४६ ।

संग्रह (पद्य)—नारायण (स्वामी) कृत । लि का सं १६१६ । वि राग रागिनी गजल, भजन इत्यादि ।

प्रा —पं शिवमहेश सिरुनपुर डा श्रलीगंज (एटा) ।→२६-२७० ई ।

संग्रह (पद्य)—निहालदास कृत । लि का सं १८८८ । होरी श्रौर बारहमासी श्रादि ।

प्रा०—ठा रामनरेशसिंह तारापत का निवारा डा मझिबापुर्वा (खीरी) । →१६-११६ सी ।

संग्रह (पद्य)—मियादास कृत । लि का सं १६१ । वि कृष्णलीला ।

प्रा०—लाला शिवमुनराय मगरामगढ परिवाली (एटा) ।→२६-२७१ बी ।

संग्रह (गद्यपद्य)—बनारसी कृत । लि का सं १६७ । विविध ।

प्रा —पं देवदत्त साराबाद (मथुरा) ।→१८-५ ।

संग्रह (पद्य)—माधुरीदास कृत । वि कृष्णलीला ।

प्रा —पं केदारनाथ पाठक, बेलीकन्नीगंज मिरजापुर ।→ ९-१ ४ (श्रौ) ।

संग्रह (पद्य)—शिवप्रसादसिंह कृत । वि० विविध विषयक पुरुषोत्तम, नरहरि, तोष आदि की कविताओं का संग्रह ।
प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, स्वानीपुर, डा० तारावगञ्जी (लखनऊ) । →२६–४१ ।

संग्रह (पद्य)—हरिवल्लभसिंह कृत । वि० रामविनय और पिंगल ।
प्रा०—लाला द्वारकाप्रसाद, मोढा, डा० भरथना (इटावा) । →३८–५९ ।

संग्रह (गद्य)—हीरालाल (वैश्य) कृत । वि० वैद्यक ।
प्रा०—ठा० जगदम्बिकाप्रसादसिंह, गुड़वापुर, डा० चिलबलिया (बहराइच) । →२३–१६६ सी ।

संग्रह (पद्य)—विविध कवि (तुलसी, मतिराम, देव आदि) कृत । वि० स्फुट ।
प्रा०—पं० रामसहाय कारिंदा, पैगू, डा० भागौल (मैनपुरी) । →३५–२६७ ।

संग्रह (पद्य)—विविध कवि (आलम, कालिदास, देव आदि) कृत । वि० शृंगार वर्णन ।
प्रा०—श्री फूलचंद साधु, दिहुली, डा० बरनाहल (मैनपुरी) । →३५–२६८ ।

संग्रह (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० स्फुट ।
प्रा०—पं० ब्रह्मानंद मिश्र, सहायक अध्यापक, हाइस्कूल, प्रतापगढ । →१७–७५ (परि०३) ।

संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १९३३ । वि० कृष्णदास कृत रुक्मिणीविवाह और नारायणदास कृत राधाविवाह आदि का संग्रह ।
प्रा०—श्री अश्विनीकुमार वैद्य, बलदेव (मथुरा) । →१७–७२ (परि०३) ।

संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० राग रागिनी ।
प्रा०—श्री चंद्रसेन पुजारी, गंगाजी का मंदिर, खुरजा । →१७–७३ (परि०३) ।

संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० प्रेमादि वर्णन ।
प्रा०—ठा० बद्रीनाथसिंह, खरौंही, डा० मानधाता (प्रतापगढ) । →२६–१०३ (परि०३) ।

संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० विविध ।
प्रा०—पं० गंगाधर, कोटला (आगरा) । →२६–४८० ।

संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० विविध ।
प्रा०—पं० बच्चूलाल शर्मा, कुकावली (मैनपुरी) । →३५–२६४ ।

संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० भक्ति, विराग एवं प्रेम ।
प्रा०—श्री फूलचंद साधु, दिहुली, डा० बरनाहल (मैनपुरी) । →३५–२६५ ।

संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० राम और कृष्ण विषयक काव्य संग्रह ।
प्रा०—पं० रामजी शर्मा, असरोही, डा० करहल (मैनपुरी) । →३५–२६६ ।

संग्रहकविताई (सारसंग्रह (पद्य)—विविध कवि (केशव, घनानंद, ठाकुर आदि) कृत । वि० स्फुट ।
प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथ का मंदिर, गोकुल (मथुरा) । →३२–२७८ ।

संग्रह कवित्त फुटकर (पद्य)—विभिन्न कवि कृत । वि विविध ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-४६८ (ध्रम)।
संग्रहग्रास (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि ईश्वरोपासना, स्त्री शिक्षा आदि ।
प्रा —श्री शालिग्राम अग्रवाल (अलीगढ़) ।→१७-७४ (परि १) ।
संग्रहधर्ममाला (पद्य) - संकरराम कृत । वि गंगा, दुर्गा शिव आदि की स्तुति ।
प्रा —श्री गयाप्रसाद मनीना डा महमूदाबाद (सीतापुर) ।→२६-४१६ ।
संग्रहतिलक→'संग्रहतिलकतिका' (हरिराम कृत) ।
संग्रहसार (पद्य)—विविध कवि (काशीराम मंडन सेनापति आदि) कृत । लि का
सं १६१४ । वि स्फुट ।
प्रा —लिगोर्ण कृष्णसिंह रईस गोवर्द्धन (मथुरा) ।→१७—७१ (परि १) ।
संग्रहावली→ नानाधनत्रसंग्रहावली (भवानीदीन शुक्ल कृत) ।
संग्रामजोग (ग्रंथ) (पद्य)—हरिदास कृत । र का सं १६६२ से १६४ के बीच
मे वि वैराग्य ।→पं २२ १७ भाग ।
संग्रामदर्पण (पद्य) —सीमनाथ कृत । र का सं १८८९ । लि का सं १८९१ ।
वि स्वरोदय के अनुसार राजाओं के संग्राम जीतने का ज्ञान ।
प्रा —पं रेवतीनंदन मिश्र बरी डा बरारी (मथुरा) ।→१८-१४४ ।
संग्रामदर्पण (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि ज्योतिष ।
प्रा —सेठ अमृतलाल गुलजारीलाल फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६-४८१ ।
संग्रामरत्नाकर (पद्य)—रत्नानंद (भट्ट) कृत । र का सं १८२६ । लि का
सं १६१४ । वि महाराज युधिष्ठिर के राजसूय यज्ञ का वर्णन ।
प्रा —श्री ब्रजनारीलाल गोपीनाथ चौबे विश्रामघाट मथुरा ।→ ६-२९ ।
संग्राम राजा पद्ममन्त्रसिंह पदह्वारी→'धर्मसंग्राम (मथुरेश कवि कृत) ।
संग्रामसार→'महाभारत (द्रोणपर्व भाषा) (कुलपति मिश्र कृत) ।
संग्रामसिंह (राजा) —सिरमौर वंश के राजा । काव्य, पिंगल भूगोल ज्योतिष आदि के
अच्छे ज्ञाता । सं १८११ के लगभग वर्तमान ।
काव्यार्णव (पद्य)→ ६ २७६ २६-४२१ ।
संघपट्ट ग्रंथ बालावबोध (गद्य)—लक्ष्मीवल्लभ कृत । र का सं १७४७ । लि
का सं १७४७ । वि जैन ग्रंथ संघपट्ट का अनुवाद ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-१०२ ।
संक्षेप तिमिरनाशक (पद्य —कृष्णविष्णु (पंडित) कृत । वि इतिहास ।
प्रा —श्री पुरुषोत्तम उपाध्याय रोशनपुर डा० देवीबाबाद (जौनपुर) । →
सं ७-४१ ।
संजीवन (वैद्यक) (गद्यपद्य)—रामलाल (मौदगुल्य वैद्य) कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं बाबूराम पुरोहित वैद्य डा मजाखनी (इटावा) ।→१४-२ ।

सजीवनचरितावली (पद्य)— व्रजनिधिवल्लभ कृत। र० का० स० १७५५। वि० हित हरिवश तथा उनके वशजों का वर्णन।
प्रा०—गो० युगलवल्लभ, राधावल्लभजी का मदिर, वृदावन (मथुरा)। →१२–३२।

संजीवनसार (पद्य)– नोनेशाह कृत। र० का० स० १८६६। लि० का० स० १६२८। वि० वैद्यक।
प्रा०—श्री हरिचरण उपाध्याय, कालीमर्दनपुरा, समथर।→०६–८० सी।

सज्यानाथ – स० १८५६ के पूर्व वर्तमान।
अवधूतगीता (भाषा टीका) (पद्य)→स० ०१–४३३।

सत (कविराज)—रीवाँ राज्य निवासी। दरभगा नरेश महाराज लक्ष्मीश्वरसिंह के दरबारी कवि। स० १६४२ के लगभग वर्तमान।
लक्ष्मीश्वरचद्रिका (पद्य)→०० ५१।

सतउपदेश (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत। वि० उपदेश।
(क) प्रा०—प० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–२६४ ई।
(ख) प्रा०—श्री भागवतलाल, प्रतापगढ।→२६–४४८।

सतदास—सभवत शाहपुरा (राजस्थान) के सत स्वा० रामचरण के दादा गुरु। स० १८३० के लगभग वर्तमान।
बानी या साखी (पद्य)→२३–३७५ ए, बी।
वाणीअणभै (पद्य)→स० ०७–१८६।
साखी (पद्य)→स० ०१–४३४।
सुमिरन को अग (पद्य)→४१–२७४।

सतदास—च्यवनी ग्राम (डलमऊ, रायबरेली) के निवासी। स० १६११ के लगभग वर्तमान।
भक्तिविलास (भाषा) (पद्य)→स० ०४–३६८।

संतदास – व्रज वासी। स० १६८० के लगभग वर्तमान।
गोपीकृष्ण की बारहखड़ी (पद्य) →१२–१६६, २६–४२८ ए, बी, ४१–५६६ (अप्र०), स० ०७–१८७।

सतदास—अन्य नाम सतरसिक। स० १६२३ के पूर्व वर्तमान।
भँवरगीत (पद्य)→स० ०१–४३५।

सतदास—(?)
आरती (पद्य)→स० ०७–१८८।

सतदास→'हजारीदास' ('बानी' आदि के रचयिता)।

संतदास की बानी→'बानी या साखी' (सतदास कृत)।

सतपरवाना (पद्य)→शिवनारायण (स्वामी) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-२२४ डी ।

संतबखरा (कायस्थ)—सतनामी संप्रदाय के अनुयायी। मरही (लखनऊ) के महंत।

कोटवासंदन (पद्य)→२१-१७१ बी।

सत्यप्रकाश (गद्यपद्य)→२१-१७१ ए।

संतबखरा (बंदीजन)—होलपुर (बाराबंकी) निवासी।

नखशिख (पद्य)→२१-१७४।

संत या सेवन (कवि)—बावमऊ (रायबरेली) निवासी।

भ्रमरगीतावली (गद्यपद्य)→सं ४ ११७।

संतरसिक→ संतदास' (भँवरगीत के रचयिता)।

संतलाल (जैन)—पंडित और कवि।

सिद्धिचक्रविधान (गद्यपद्य)→सं १०-१२१ क, ख।

संतवाणी (?) (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा बाराणसी।→सं ४ १८५।

संतविचार (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत। वि ज्ञानोपदेश।

प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ ६-२२४ सी।

संतविनय शतक (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। लि का सं १९२२। वि महात्मा के आधार पर संतों के नाम और महिमा।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा बाराणसी।→४१-२ ६ ब।

संतविलास (पद्य)—नित्यानंद कृत। लि का सं १८८५। वि अवतारों और भक्तों का बखान।→पं २२-७८।

संतविलास (पद्य)—रामावतारदास कृत। र का सं १९२५। लि का सं १९२८। वि स्तुति नीति शिक्षा और शृंगार।

प्रा —श्री रामकरण शुक्ल गवर्नमेंट मॉडल नार्मल स्कूल इलाहाबाद। → सं १-११ ।

संतविलास (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत। वि आत्मज्ञान।

प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ ६-२२४ सी।

संतबोधम (गद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत। वि संतमतों के गुणागुण एवं पंथ इत्यादि वर्णन।

प्रा —महंत रामकिशोर रहवंड (बलिया)।→४१-२११ म।

संतसई (पद्य)—बलसिंह (राबराजा) कृत। र का सं १८११। वि ज्ञान और भक्ति।

(क) लि का सं ११११।

प्रा —मुंशी मथुरप्रसाद रायपुस्तकालयाध्यक्ष बलरामपुर।→ ६ २११।

(ख) लि का सं १२५७।

प्रा०—श्री हरिहरप्रसाद एम ए कमोली डा रामीपकरा (बाराबंकी)।→ सं ४ ११७।

सतसरन (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत । वि० उपदेश ।
प्रा०—श्री लाडिलीप्रसाद, धरवार, डा० बलरई (इटावा) ।→३५–६३ ।

सतसहस्रनाम (पद्य)—कुबेरदास कृत । लि० का० सन् १२७३ साल । वि० एक सहस्र सतों के नाम ।
प्रा०—श्री जगन्नाथदास मठाधीश, ननकेगाँव डा० फादीपुर (सुलतानपुर) ।→ स० ०४–३७ ।

सतसिंह—सिख । पजाबी । सूरतसिंह ज्ञानी के पुत्र । सं० १८८१–८८ मे वर्तमान ।
भावप्रकाशिनी टीका (गद्यपद्य)→०५–७८, ०६–२८२ ए से जी तक, २६–४२६ ए, बी ।

सतसुदर (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत । र० का० स० १८११ । वि० संतो का माहात्म्य ।
प्रा०—प० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–२६४ ए ।

सतसुमिरनी (पद्य)—गगादास कृत । वि० भक्तों का वर्णन ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२५२ ए (विवरण अप्राप्त) ।

सतसुमिरनी (नाल) (पद्य)—नानक (गुरु) कृत । वि० गुरु महिमा, भक्ति, ईश्वर को जानने के उपाय आदि ।
प्रा०—श्री जुगलकिशोर, देवनदपुर (रायबरेली) ।→२३–२६३ जी ।

संताखरी (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत । वि० सासारिक सुख दु ख और सत महिमा ।
प्रा०—महत श्री राजकिशोर, रतसड (बलिया) ।→४१–२६३ ट ।

सतानकल्पलतिका (पद्य)—मुन्ना कृत । वि० वध्या चिकित्सा ।
(क) प्रा०—ठा० रघुराजसिंह मुख्तार, मौहर भासौना, डा० जिठवारा (प्रतापगढ) ।→२६–३११ ।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–२६६ ।

सतान सातैं की कथा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० भादों शुक्ला सप्तमी की सतान सातैं की कथा का वर्णन ।
(क) प्रा०—प० श्रीनारायण शर्मा, भाइरी, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→ ३५–३०० ए ।
(ख) प्रा०—प० विद्याराम शर्मा, परतापनेर (इटावा) ।→३५–३०० बी ।

सतो की गाली (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० आध्यात्मिक गाली ।
प्रा०—प० सत्यनारायण त्रिपाठी, बाँदा, डा० गड़वारा (प्रतापगढ) । → २६–२१४ डी ।

सतों की वाणी (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । वि० श्रीकृष्ण जन्म, बधाई, छठी आदि ।

प्रा —नं तुलसीराम गोस्वामी नंद जी के मंदिर का घेरा डा नंदग्राम (मथुरा) ।→१२-२११ एन ।

संतोष (वैद्य)—अन्य नाम मनसंतोष । संभवतः चंदेरी (ग्वालियर) के निवासी ।
विषमाशन (पद्य)→ १-१२४ ४१-१८१ ।

संतोषबोध (पद्य)—कबीरदास कृत । लि का सं १८१९ । वि जीव विषयक ज्ञान ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-२१ घ ।

संतोषसिंह—सिक्ख । पटियाला निवासी । सं १८९ के लगभग वर्तमान ।
रामायण वाल्मीकीय (पद्य)→ १-१२१ ।

संतोषसुरतरु (गद्यपद्य)— माणिकदास कृत । लि का सं १९११ । वि भक्ति की महिमा आदि ।
प्रा —श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर गोकुल (मथुरा) ।→१२-११८ ।

संदेहबोध (गद्य)—अन्य नाम 'वेदधर्मपूर्वक-पुलपपेटिका । साहबदीन कृत । र का सं १९ ७ । वि अवतार वर्णन ।
प्रा॰—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ ४-१

संदेहसागर→'योगसंदेहसागर (स्वा चरणदास कृत) ।

संप्रदायनिर्णय और प्रार्थनाशतक (पद्य)—कृपानिवास कृत । वि सखी समाज और रामनाम की महिमा ।
प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान धर्मलेखक छतरपुर ।→ १-२७९ ए (विवरण अप्राप्त) ।

संबंध (पद्य)—महामति (महामंत) कृत । वि विरह वर्णन ।
प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या ।→१७-१ ८ बी ।

संबोधपचासिका→ बावनअक्षरी के बाल (धानतराय कृत) ।

संबोधिपंचाशिका (भाषा) (पद्य)—बिहारीदास कृत । र का सं १७५८ । वि जैन ग्रंथ संबोधिपंचाशिका का अनुवाद ।
प्रा —श्री जैन वैद्य जयपुर ।→ -१११ ।

समतसार (ग्रंथ) (पद्य)—सीतलदास कृत । र का सं १८८८ । लि का सं ११ । वि तत्वज्ञान ।
प्रा —बाबा परागदासदास उमेदनी डा फतेहपुर (रायबरेली) । → ३५-२४ एच ।

संमेदशिखरपूजा (पद्य)—जवाहिरलाल कृत । र का सं १ ९१ । वि जैनपूजन ।
प्रा —श्री जैन मंदिर (नया), सिरसागंज (मैनपुरी) ।→१२-८७ ।

संयोगबत्तीसी (पद्य) —मान कवि या मुनिमान कृत। र० का० सं० १७३१। वि० नायिकाभेद वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१-२६२ क।

संवत्सरफल (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० साठ संवतों का फल।

(क) प्रा०—पं० प्रभुदयाल शर्मा, सिरसा, डा० इकदिल (इटावा)। → ३५-२६१ ए।

(ख) प्रा०—पं० हरदयाल, भदेसरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)। → ३५-२६१ बी।

संवत्सरफल (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० साठ संवत्सरों का फल।

प्रा० पं० रामदयाल शर्मा, जगौरा, डा० जसवंतनगर (इटावा)। → ३५-२६१ सी।

संवत्सरफल (गद्यपद्य) - रचयिता अज्ञात। वि० साठ संवत्सरों का फल।

प्रा०—पं० चुन्नीलाल पुजारी, नगलाआशा, डा० बलरई (इटावा)। → ३५-२६२।

संवत्सरसमुच्चय (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० संवत्सरों के नाम और उनके शुभाशुभ का वर्णन।

प्रा०—पं० मातादीन नंबरदार, कजरा, डा० करहल (मैनपुरी)।→३५-२६३।

संवर (कवि)—जैन। सं० १८२७ के पूर्व वर्तमान।

बारहमासा (पद्य)→२६-४२२।

संवाद पलकराम नानकपंथी और तुलसीसाहब (पद्य)—तुलसीसाहब कृत। वि० नानकपंथी पलकराम और तुलसीसाहब का धार्मिक विवाद।

प्रा०—बाबा शिवगिरि, राजारामपुर, डा० सहावर (एटा)।→२६-३२६ डी।

संवाद फूलदास कबीरपंथी और तुलसीसाहब (पद्य)—तुलसीसाहब कृत। लि० का० सं० १६१६। वि० कबीरपंथी फूलदास और तुलसी साहब का धार्मिक विवाद।

प्रा०—बाबा शिवगिरि, राजारामपुर, डा० सहावर (एटा)।→२६-३२६ सी।

संस्कृत के काल (गद्य)—केवलकृष्ण (शर्मा) उप० कृष्ण कवि कृत। वि० संस्कृत के दसों कालों की परिभाषा और व्याख्या सहित उदाहरण।

प्रा०—पं० लालताप्रसाद, मुहल्ला छपैटी, इटावा।→३८-८४ आई।

संस्कृत के कुछ पद्यखंडों पर सवैये (पद्य)—बालगोविंद कृत। वि० कृष्ण के प्रति गोपियों का प्रेम वर्णन आदि।

प्रा०—पं०श्रीकृष्ण, छपैटी, इटावा।→३८-२।

संस्कृत भक्तमाल की टीका (गद्य)—बैजनाथ कृत। र० का० सं० १६३०। लि० का० सं० १६३१। वि० भक्तों की कथा।

प्रा०—पं० रामकुमार त्रिपाठी, मास्टर कन्हैयालालरोड, ऐशबाग, लखनऊ।→ →सं० ०७-१३५।

संस्कृत व्याकरण (गद्य)—केवलकृष्ण शर्मा (कृष्ण कवि) कृत । वि व्याकरण ।
प्रा —श्री भवदत्त शर्मा रियासत मुकरई डा कुरावली (मैनपुरी) । → १८ ८४ क ।

सकलसगहरा मंत्र या रमैणी (पद्य)—कबीरदास कृत । वि ज्ञानोपदेश ।
(क) लि का सं १७७१ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १०-६ प ।
(ख) लि का सं १७६७ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-११ प ।

सखीसमाज नाटक (पद्य)—केशवकीर्ति (केशव मिश्र) कृत । लि का सं १७६ ।
वि *राधाकृष्ण की सखियों और सखाओं का वर्णन ।*
प्रा —राज पुस्तकालय जिला प्रतापगढ प्रतापगढ ।→सं ८-३१ ।

सगारलीला (पद्य)—केसरीसिंह (नंद) कृत । वि राधाकृष्ण का व्याह ।
(क) लि का सं १६२ ।
प्रा —लाला देवीप्रसाद छतरपुर ।→ १ ३७ ।
(ख) प्रा —बलियानरेश का पुस्तकालय, बलिया ।→ ६-१६६ (विवरण अप्राप्त) ।

सगुन→'सगुनावली (मधुरी कृत) ।

सगुन नवों दिशा को (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि ज्योतिष ।
प्रा —पं शालिगराम दीक्षित ग्राम डा संडीला (हरदोई) । → २६-१०५ (परि १) ।

सगुनपरीक्षा (गद्य)—गोकुलचंद कृत । लि का सं १६१७ । वि शकुन ।
प्रा —लाला बिहारीलाल नगराभात डा परिथारी (एटा) ।→२६ १२७ ।

सगुनपरीक्षा (गद्य)—मतिराम कृत । र का सं १८१४ । वि ज्योतिष ।
प्रा —पं पतोवानंद तिवारी कौंधा (उन्नाव) ।→२१-२६६ ।

सगुनमाला→'रामशलाका' (गो तुलसीदास कृत) ।

सगुनविचार (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि सगुनासगुन आगम की विधि ।
प्रा —सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-७ (परि १) ।

सगुनविलास (पद्य)—उदयनाथ कृत । र का सं १८४१ । वि ईश्वर विरह तथा कृष्ण भक्ति और कृष्ण ।
(क) लि का सं १६१६ ।
प्रा —पं मुरलीचंद तिवारी मौजा डा विसवाँ (सीतापुर) ।→२६-४८६ ।
नो लं वि ११ (११ ०-६४)

(ख) लि॰ का॰ स॰ १६२४ ।

प्रा॰—ठा॰ दिग्विजयसिंह तालुकेदार, टिकौलिया (सीतापुर) ।→१२-१६१ ।

(ग) लि॰ का॰ स॰ १६२४ ।

प्रा॰—ठा॰ रामसिंह, रघुनाथपुर, डा॰ निसवाँ (सीतापुर) ।→२३-४३६ ।

सगुनसुभाषित (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि॰ का॰ स॰ १८६८ । वि॰ शकुन ।

प्रा॰—श्री चिरजी वैद्य, वेलनगंज, आगरा ।→२६-४६७ ।

सगुनावली (पद्य)—अन्य नाम 'छींक व शकुन विचार' तथा 'भडुलीसगुनावली' ।

भड्डलि (भड्डरी) कृत । वि॰ शकुन विचार ।

(क) लि॰ का॰ स॰ १६२५ ।

प्रा॰—प॰ शिवकुमार, गोपालपुर, लखीमपुर (खीरी) ।→२६-४६ सी ।

(ख) लि॰ का॰ स॰ १६२८ ।

प्रा—पं॰ रामदत्त दूबे, मुबारकपुर, डा॰ लहरपुर (सीतापुर) ।→२६-४६ डी ।

(ग) प्रा॰—प॰ रामनाथ पांडे, प्रधानाध्यापक, प्राइमरी स्कूल, कुरही, डा॰ जिठवारा (प्रतापगढ़) ।→२६-४६ ई ।

(घ) प्रा॰—प॰ लक्ष्मीनारायण पटवारी, धनुवाँखेड़ा (इटावा) ।→३५-६० ।

(ङ) प्रा॰—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→३८-७ ए ।

(च) प्रा॰—चौधरी जुगलकिशोर, करहला, डा॰ बरसाना (मथुरा) । → ३८-७ बी ।

(छ) प्रा॰—श्री तुलसीदास जी का बड़ा स्थान, दारागज, इलाहाबाद । → ४१-५६६ (अप्र॰) ।

सगुनावली (पद्य)—मोहन कृत । र॰ का॰ स॰ १८७८ । लि॰ का॰ स॰ १६२६ । वि॰ नाम से स्पष्ट ।

प्रा॰—प॰ केवलराम, भरतपुर, डा॰ सौंख (मथुरा) ।→३८-६८ ।

सगुनावली (गद्यपद्य)—व्यास कृत । लि॰ का॰ स॰ १८२७ । वि॰ नाम से स्पष्ट ।

प्रा॰ बिसवाँ आनदभवन पुस्तकालय, डा॰ बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६-५०६ डी ।

सगुनावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि॰ झाड़फूँक ।

प्रा॰—प॰ भगवानदत्त, बेनीपुर, डा॰ माधोगज (प्रतापगढ) । → २६-१०६ (परि॰३) ।

सगुनावली → रामशलाका' (गो॰ तुलसीदास कृत) ।

सगुनौटी (अँकारवल) (गद्य)—गणराम (ऋषि) कृत । लि॰ का॰ स॰ १६२० । वि॰ शकुन ।

प्रा॰—श्री हनुमतदत्त त्रिपाठी, सनातन धर्मोपदेशक, इस्माइलगज, इलाहाबाद ।→ स॰ ०१-७५ ।

सगुनौती (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि॰ ज्योतिष ।

प्रा॰—प॰ विंध्येश्वरीप्रसाद मिश्र, अध्यापक सस्कृत पाठशाला, गोंडा,

दा माधोसिंह (प्रतापगढ़) ।→२६-१ ७ (परि १) ।
सगुनौती (गद्य —रचयिता अज्ञात । वि शकुन ।
        प्रा —ठा भगवानप्रतापसिंह कूर्म चौखंडी, डा नगराम (लखनऊ) ।→२६-४१८ ।
सगुनौती→'रामशलाका (गो तुलसीदास कृत) ।
सगुनौती और शिवाशकुन (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि शकुन ।
        प्रा —श्री नौबतराम पुत्तूलालीलाल वैद्य फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६-४७ ।
सगुनौतीपरीक्षा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १९१२ । वि शकुन ।
        प्रा —श्री श्रीतिमानुराम मालगुजार रायपाड़ा डा कटनी (जबलपुर) । →
        २६ ४१६ ।
सगुनौतीसरन (पद्य ?) परशुराम कृत । वि शकुन विचार ।→पं २२ ८१ ।
सच्चिदानंदलहरी (पद्य)—शशिधर (स्वामी) कृत । वि वेदांत ।
        प्रा —महंत हरिशरण मुनि, पौरी (गढ़वाल) ।→१२ १७ सी ।
सच्चिदानंदविहार-स्तोत्र (पद्य)—भागवतदास कृत । वि भगवद्स्तोत्र ।
        प्रा —पं रामकृष्ण शुक्ल सुदर्शन भवन सूरजकुंड प्रयाग ।→४१-१७१ क ।
सजमनबोरा (पद्य)—बंदी (कवि) कृत । र का सं १७८ । वि नेत्र तथा
        रूपमनु द्वारा वरवधू के लिये मेंढ मेवन का वर्णन ।
        प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→ ६-११ ।
सज्जनचित्त-वल्लभनामा (गद्य)—हरगूलाल (जैन) कृत । र का सं १६ ६ ।
        वि ज्ञानोपदेश ।
        (क) लि का सं १९ ७ ।
        प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा मुजफ्फरनगर ।→सं १ -११६ क ।
        (ख) लि का सं १९११ ।
        प्रा —दिगंबर जैन मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर ।→सं १ ११६ ख ।
        (ग) लि का सं १९६१ ।
        प्रा —आदिनाथ जी का मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर ।→सं १०-११६ ग ।
सज्जनविलास (पद्य)—दत्त (देवदत्त) कृत । र का सं १८ ४ । लि का
        सं १८४६ । वि नायिकाभेद ।
        प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ १-१६ ।
सतकबीरसंदोहोर (पद्य) – कबीरदास कृत । वि आत्मज्ञान ।
        प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६-१७० एच (विवरण अप्राप्त) ।
सतकविगिरविलासदीपिका (पद्य)—मारकराशि (मारनसिंह) कृत । लि का सं १८८७ ।
        वि साहित्यशास्त्र और कवि शिक्षा वर्णन ।
        प्रा —ठा लाल संकर्षणसिंह सुंदरपुर डा वारा (इलाहाबाद) । →
        सं   १-२७० ।
सतगीता (पद्य)—सदीराम कृत । वि दुर्योधन के संतुल पांडवों का पराक्रम प्रदर्शन ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-३२५ (विवरण अप्राप्त)।

सतगुरसाहब की साखी (पद्य)—तुलसी (दास) साहब कृत। वि० निर्गुण ज्ञान।

प्रा०—श्री धर्मपाल श्रोहरे, सलीमपुर, डा० सादाबाद (मथुरा)।→२२-२२१ सी।

सतगुरुप्रसादशरण (स्वामी)—ब्राह्मण। कमोलिया गाँव (?) में जन्म। नैमिषारण्य (हरदोई) निवासी। १६वीं शताब्दी में वर्तमान।

उपदेश (पद्य)→२०-१७५।

सतनाम (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञान और वैराग्य।

प्रा०—श्री लछमनप्रसाद सुनार, हल्दी (बलिया)।→०६-१४३ क्यू[1]।

सतनाम (पद्य)—नानक (गुरु) कृत। वि० ज्ञान और ईश्वर महिमा।

प्रा०—बाबू अमीरचंद ढाकर, व्यवस्थापक, बी० डी० गुप्ता ऐंड क०, चौक बाजार (बहराइच)।→२३-२९१ एफ।

सतपंचचौपाई (पद्य)—तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। वि० सीता राम का नखशिख सौंदर्य।

प्रा०—लाला तुलसीराम निगम, रायबरेली।→२३-४३२ वी[2]।

सतपचासिका (पद्य)—रामचरणदास कृत। र० का० सं० १८४२। वि० पंचतत्व एवं रसादि वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—राजा अवधेशसिंह, तालुकेदार, कालाकाँकर (प्रतापगढ)।→२६-३७८ डी।

(ख) लि० का० सं० १८७०।

प्रा०—महंत जानकीशरण, अयोध्या।→०६-२४५ बी।

सतबारहखड़ी (पद्य)—अन्य नाम 'दत्तलाल की बारहखड़ी'। दत्तलाल (दत्त) कृत। र० का० सं० १७६०। वि० शिक्षाप्रद भजन।

(क) लि० का० सं० १८३७।

प्रा०—श्री रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद, बुलंदशहर।→१७-४५ बी।

(ख) प्रा०—पं० बाबूलाल शर्मा, क्लर्क, विद्यालय निरीक्षक का कार्यालय, मेरठ।→१२-४८।

(ग) प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा।→१७-४५ ए।

(घ) प्रा०—श्री वेदप्रकाश गर्ग, खटीकान, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-५६।

(ङ)→पं० २२-२३।

सतसंग को अंग (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० सतसंग की महिमा।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-१४३ आई[1]।

सतसंगति-महातम (पद्य)—भागवत कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—महंत अज्ञारामदास, कुटी गूँगदास, पचपेड़वा (गोंडा)।→सं० ०७-१३६।

सतसंगविलास (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९१६। वि० मूर्तिपूजा का मंडन।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-५१।

सतसंगसार (पद्य)—मनजीवनदास कृत । वि सतसंग माहात्म्य ।
मा०—गो गोवर्द्धनलाल रामारमण का मंदिर त्रिमुहानी मिरजापुर । → ६-१४ एल ।
सतसंगसार (पद्य)—सुखराम (वन) कृत । वि सतसंगति माहात्म्य ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→ई ७-२ १ ब ।
सतसई→ बिहारी सतसई' (बिहारीलाल कृत) ।
सतसैया→'भूपति सतसई (गुरुदत्तसिंह कृत) ।
सतसैया टीका→ बिहारी सतसई की टीका (राधाकृष्ण चौबे कृत) ।
सतसैया टीका→'हरिप्रकाश टीका (बिहारी सतसई) (हरिचरणदास कृत) ।
सतसैया हरियासाहब (पद्य)—हरिया साहब कृत । लि का सं १८८२ । वि ज्ञान ।
प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर) ।→ ६-५५ एल ।
सतसैयाधरनाथ (गद्य)—ग्रन्थ नाम देवकीनंदनतिलक । ठाकुर (कवि) कृत । र का सं १८६१ । वि बिहारी सतसई की टीका ।
(क) लि का सं १६६ ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ ४-१८ ।
(ख) लि का सं १६११ ।
प्रा —महाराज श्रीप्रभुदत्तसिंह मल्लापुर (सीतापुर) ।→२६-४७८ ।
सतहंसी (पद्य)—रामहरी (बीहरी) कृत । र का सं १८११ । वि राधाकृष्ण और गोपियों की रासलीला ।
प्रा —बाबा बंसीदास गोविंदकुंड वृंदावन (मथुरा) ।→२६-२८३ ई ।
सतहरिवंश कथा→'हरिवंशसत' (ध्यानदास कृत) ।
सतिलक कवित्त शृंगार पचीसी→ 'कवित्त शृंगारपचीसी सटीका' (गोपाल चक्रवर्ती कृत) ।
सतीप्रसाद—चमौली (वाराणसी) जमींदार बाबूबहादुरसिंह के आश्रित ।
वंशवंशावली (पद्य)→ १-२१ ।
सत्तनामी (पद्य)—नीहरदास कृत । वि अद्वैतवाद की व्याख्या तथा हरिभजन की महिमा ।
प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या ।→१७ ११ ।
सतीराम—(?)
सतगीता (पद्य)→ ६ ११५ ।
सतीविलास (पद्य)—गिरिधिकुँवरि कृत । र का सं १६ ६ वि पतिव्रत धर्म की महिमा ।
(क) प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) । → ६ ११ ।
(ग) प्रा —श्री भगवानबख्शसिंह अमेठीराज सुलतानपुर ।→११-२८१ ।

(ग) प्रा०—महाराजकुमार रणञ्जयसिंह जी, अमेठी (सुलतानपुर)। → स० ०७-१०८।

सतीस्तुति→'सत्रासखाँ की कथा' (अमोलक कृत)।

सत्तनामा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० स० १६६३। लि० का० स० १७७७। वि० सत के लक्षणों का वर्णन।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→स० ०१-१२६ ख।

सत्तभक्त-उपदेश (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। लि० का० स० १६३३। वि० उपदेश।
प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमीदार, खानीपुर, डा० तालानबख्शी (लखनऊ)। → २६-४८२ एस।

सत्तररेखता→'अगदनीर' (देवीदास कृत)।

सत्तरामायण (पद्य)—चद्रकीर्ति कृत। वि० रामायण की कथा।→प० २२-१७।

सत्तानिश्चय (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६४८। वि० जैन धर्म।
प्रा०—सरस्वती भडार, जैन मदिर, खुर्जा (बुलदशहर)।→१७-८५ (परि०३)।

सत्य (कवि)—(?)
सामुद्रिक (गद्यपद्य)→स० ०४-३६६।

सत्यनारायण (उल्था) (पद्य)—विश्वेश्वर (कवि) कृत। वि० सत्यनारायण कथा।
प्रा०—प० देवीप्रसाद, हरनाथपुर (इटावा)।→३८-१६२ बी।

सत्यनारायणअष्टक (पद्य)—चतुरदास कृत। र० का० स० १६३६। वि० सत्यनारायण जी की स्तुति।
प्रा०—प० चक्रपाणि मिश्र, विशारद, अध्यापक ऐनावली, डा० सिरसागज (मैनपुरी)।→३२-४१ डी।

सत्यनारायण कथा (गद्य)—गगाधर (शास्त्री) कृत। र० का० स० १८५४। लि० का० स० १६२२। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा०—प० सहजराम, शिवपुर, डा० औरगाबाद (सीतापुर)।→२६-१२८।

सत्यनारायण कथा (पद्य)—नंदकिशोर कृत। र० का० सं० १६०५। लि० का० स० १६०७। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—प० शिवदुलारे, बरनापुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-३१७।

सत्यनारायण कथा (पद्य)—माखनलाल कृत। लि० का० सं० १६२०। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—लाला देवीप्रसाद मुतसद्दी, छतरपुर।→०६-६६ बी।

सत्यनारायण कथा (पद्य)—रामप्रसाद (गूजर) कृत। लि० का० स० १६१८। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० जानकीप्रसाद, पृथ्वीपुरा, डा० किरावली (आगरा)।→३२-१८३।

सत्यनारायण कथा (पद्य)—शकर कृत। र० का० सं० १६६०। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री शकर कवि, केसीघाट, वृदावन (मथुरा)।→१२-१६६।

सत्यनारायण कथा (भाषा) (पद्य)—रामदीन कृत । र का सं १८७१ । वि नाम से स्पष्ट ।
(क) लि का सं १६२४ ।
प्रा —पं गंगाधर चतुर्वेदी असनी (फतेहपुर) ।→१ -१४८ ।
(ख) लि का सं १६३४ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-५१ (अप्र) ।

सत्यनारायण कथा (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १६३४ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —ठा हरनाम सह दाईपुर डा अतरौली (हरदोई) ।→२६-४८१ ।

सत्यनारायण कथा (भाषा टीका) (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट । प्रा —पं मिट्ठूलाल मिश्र अध्यापक पीपलवाला, फिरोजाबाद (आगरा) ।→ २६-४६ ।

सत्यनारायण की कथा (पद्य)—ईश्वरनाम कृत । लि का सं १६११ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —श्री जयदेव मिश्र सरैंढ़ी डा कागारौल (आगरा) ।→२६-१६ ।

सत्यनारायण की कथा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —श्री पन्नालाल तिवारी अकावली, डा ताजगंज (आगरा) ।→२६-४६१ ।

सत्यनारायण की कथा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं गोपीचंद अमरौली कटरा (आगरा) ।→२६-४६४ ।

सत्यनारायण की कथा (भाषा) (पद्य)—मनोहरदास कृत । लि का सं १६४ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं बिहारीलाल शुक्ल गढ़ी मुहम्मदपुर डा अमेठी (लखनऊ) । →२६-१ १ ।

सत्यनारायण की कथा (भाषा टीका) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १६१७ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं दुर्गालाल बड़ागाँव डा कमतरी (आगरा) ।→२६-४६३ ।

सत्यनारायणव्रत कथा (गद्य)—बालुराम (सनाढ्य) कृत । र का सं १८६६ । लि का सं १८८६ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं नरोत्तमदास लक्ष्मीनारायण वैद्य बाह (आगरा) ।→२६-१ ८ ।

सत्यनारायणव्रत कथा (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १६१७ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं गोपालप्रसाद कोठरी डा बारसी (आगरा) ।→२६-४६५ ।

सत्यप्रकाश (गद्यपद्य)—शंकरदास (कायस्थ) कृत । लि का सं १६२१ । वि अमरजीवनदास का चरित्र वर्णन ।

प्रा०—श्री परागीदास मुराऊ, यादनपुर, डा० बरनापुर (बहराइच)। → २३-३७३ ए।

सत्यप्रबंध (पद्य)—गदाधर (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १८८४। लि० का० सं० १८८०। वि० बहुला व्याघ्र की पौराणिक कथा।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-६३।

सत्यवती कथा (पद्य)—ईश्वरदास (इसरदास) कृत। वि० छत्रपति राजा के पुत्र ऋतुवर्ण और मथुरा के राजा चंद्रउदय की पुत्री सत्यवती की प्रेम कथा।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-२२।

सत्यवती कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० मथुरा के राजा की पुत्री सत्यवती की कहानी।

प्रा०—पं० दयाशंकर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़।→४१-४१८।

सत्यसार (पद्य)—जयगोविंद (गोविंद) कृत। वि० उपदेश।

प्रा०—महंत त्रिवेणीशरण, पलटूदास का अखाड़ा, अयोध्या।→२०-७१।

सत्योपाख्यान→'सूतशौनक-संवाद' (ललकदास कृत)।

सत्रह (सतर) भेदपूजा (पद्य)—गुणसागर (जैन) कृत। वि० जिनदेव की पूजा के सत्रह प्रकारों का वर्णन।

प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००-६४।

सत्संगमहिमा (पद्य)—किशोरीअली कृत। र० का० सं० १८३८। लि० का० सं० १८४६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री गोपाल जी का मंदिर, फतेहपुर सीकरी (आगरा)। → ३२-१२० सी।

सदल (मिश्र)—ब्राह्मण। बिहार निवासी। ये कलकत्ते के फोर्ट विलियम कालेज में अध्यापक थे और डाक्टर गिलक्राइस्ट की संरक्षकता में काम करते थे। हिंदी गद्य के सुप्रसिद्ध चार उन्नायकों में से एक ये भी हैं। सं० १८६० के लगभग वर्तमान।

नासिकेतोपाख्यान (गद्य)→०१-३४।

सदाचारप्रकाश (पद्य)—जयतराम कृत। र० का० सं० १७९१। लि० का० सं० १८७३। वि० भक्ति और वैराग्य।

प्रा०—पं० रघुनाथ शर्मा, गयाघाट, वाराणसी।→०९-१४०।

सदानंद—संभवत भगवतराय खीची के आश्रित। सं० १७९७ के लगभग वर्तमान।

भगवतरायरासा (पद्य)→२३-३६४ ए, बी, ४१-५६७ (अप्र०)।

सदानंद—(?)

विचारमाला की टीका (गद्यपद्य)→सं० ०१-४३६।

सदानंद—दोहाराम के भानजे। ऋषिनाथ के आश्रयदाता।→सं० ०४ २३।

सदानंद→'हुसेनअली' ('पुहुपावती' के रचयिता)।

सदानंद (कायस्थ)—पृथ्वीराज के दीवान के संबंधी । भूपतिनाथ मलमद्द के आश्रय दाता । सं १८१ के लगभग वर्तमान ।→२ -१६६ ।

सदानंदवास—जन्म सं ११८ ।
मंडजी की वंशावली (पद्य)→०१-२७१; ११-१६५ ।

सदाफकीरी (पद्य)—इमामीश्वर (रमजानशेख) कृत । वि उपदेश ।
प्रा —मुहम्मद सुलेमान साहब मुदर्रिस इस्लामिया स्कूल पाइकनगर (प्रतापगढ़)।
→२९-१८४ इ ।

सदाराम—राजगढ़ (मध्यप्रदेश) के निवासी । १८वीं शताब्दी में वर्तमान ।
धर्मतत्त्वप्रकाश (पद्य)→ ६-२७२ ए सं १-४१७ ।
अनुभवध्यानंद-विंदु (पद्य)→ ६-२७२ सी ।
ज्ञानसमुद्र (पद्य)→२०- ६६ ।
नाटकदीपिका (गद्य)→ ६-२७२ डी ।
बोधविलास (पद्य)→ ६-२७२ बी ।

सदावास—धमतर पंजाब निवासी ।
चंग (पद्य)→४१-१७५ ।

सदाशिवजी को ब्याहलो (पद्य)—धापा (तापान) कृत । वि शिव पार्वती का विवाह ।
प्रा०—पं मेदीराम चंद्रमाननगर, डा फरैह (मथुरा) ।→१८-१५१ ।

सदाशिवजी को ब्याहलो (पद्य)—दयाराम कृत । लि का सं १९१५ । वि शिव पार्वती विवाह ।
प्रा —बाबू विशनस्वरूप अग्रवाल कोसी छेहगाँव डा कोसीकलाँ (आगरा) ।→
१ -१८ ।

सदाशिवपंजर(पद्य)—भवभूतसिंह कृत । र का सं १८७४ । लि का सं १८७४ ।
वि शिव स्तुति ।
प्रा —श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय कामवन भरतपुर ।→१७-११ सी ।

सदासुख (जैन)—देवराम के वंशज दुलीचंद के पुत्र । कासलीवाल गोत्रीय खंडेलवाल वैश्य । महाराज रामसिंह द्वितीय (सं १८८२-१९३७) के समय में जयपुर में वर्तमान ।
तत्त्वार्थसूत्र की टीका या देश भाषा मय टिप्पण (गद्य)→सं १-११७ क ल ग घ ।
भगवती आराधना की देश भाषा मय वचनिका (गद्य)→सं १०-११७ ङ ।
रत्नकरंड श्रावकाचार की देश भाषा मय वचनिका (गद्य) →२९-१ ;
सं १ -११७ च छ ।

सदासुख (मिश्र)—कान्यकुब्ज ब्राह्मण । सं १८८७ के पूर्व वर्तमान ।

भागनीति (भाषा) (पद्य)→२०-१५० ।

सद्गुरुमहिमा (पद्य)—कृपानिवास कृत । वि० सद्गुरु महिमा, वन्दना आदि ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-९९ ए ।

सद्गुरुमहिमा (पद्य)—शिवराम कृत । वि० गुरु महिमा ।

प्रा०—पं० गिरनाथ तिवारी, नन्दना, डा० बरहलबाजार (गोरखपुर)। → स० ०१-४२८ ।

सद्गुरुविनय (पद्य)—शालिग्राम (परमहंस) कृत । लि० का० सं० १९८० । वि० सद्गुरु की भक्ति और विनय ।

प्रा०—ठा० रूपपालसिंह, मधुआटोट, डा० महमूदाबाद (सीतापुर) ।→२६-४१७ ।

सद्गुरुस्तोत्र (पद्य)—प्रभुदयाल कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—लाला श्रीनारायण पटवारी, धरवार, डा० मलरह (इटावा)। → ३८-१०८ बी ।

सधना —नाभादास कृत 'भक्तमाल' के सधना कसाई ।

पद (पद्य)→स० १०-१२८ ।

सनातनव्यवहारिणी भाषा विवृत्ति (गद्य)—गुणानंद कृत । लि० का० सं० १९१९ । वि० लौकिक व्यवहारों का वर्णन ।

प्रा०—पं० गणपतिराम शर्मा, चुंगी दफ्तर के निकट, शाहदरा, दिल्ली । → दि० ३१-८४ ।

सनेहमंजरी (पद्य)—सुंदरलाल (सुंदरसखि) कृत । र० का० सं० १९१६ । लि० का० सं० १९२५ (के लगभग)। वि० राधाकृष्ण एवं पति से कपट रहित प्रेम रखने का वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२८८ ग ।

सनेहलीला (पद्य)—मोहनदास (जनमोहन) कृत । वि० कृष्ण का ऊधो द्वारा यशोदा को संदेश भेजना ।

(क) लि० का० सं० १८३८ ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक, (हेड एकाउटेंट), छतरपुर । →०६-२९७ (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) लि० का० सं० १८७७ ।

प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ ।→०६-५४ ।

(ग) लि० का० सं० १८९४ ।

प्रा०—श्री मतंगध्वजप्रसादसिंह, बिस्वाँ (अलीगढ) ।→१७-२०४ ।

(घ) लि० का० सं० १९४० ।

प्रा०—प० रामअधार मिश्र, ग्राम नगर, डा० लखीमपुर (खीरी)। → २६-३०७ ए ।

(ङ) प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण मिश्र, पुरा कोलाहल डा माधोगंज (प्रतापगढ़)।→२६-३ ७ बी।

(च) प्रा —पं गणपतिराम शर्मा, शाहदरा दिल्ली।→दि ३१-४१।

सनेहलीला (पद्य)—रसिकराय कृत। ऊधो और गोपियों का संवाद।

(क) लि का सं १६९६।

प्रा —ठा गंगाप्रसादसिंह मंगलाकोट, डा महमूदाबाद (सीतापुर)। → २६-४ ४ ए।

(ख) लि का सं १८४ ।

प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६-३११ ए (विवरण अप्राप्त)।

(ग) लि का सं १८७२।

प्रा —ठा बोधासिंह मिसिया ईशानगर (खीरी)।→२६-४०४ बी।

(घ) प्रा —पं केदारनाथ पाठक, नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→२ -१६४।

सनेहलीला (पद्य)—विष्णुदास कृत। वि श्रीकृष्ण का ब्रजवासियों एवं माता पिता के प्रति प्रेम।

(क) लि का सं १८६४।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→२६-४६६।

(ख) लि का सं १८६१।

प्रा —पं वंशीधर चतुर्वेदी असनी (फतेहपुर)।→२ २ ४ बी।

सनेहलीला→ सनेहसागर' (हंसराज बख्शी कृत)।

सनेहलीलामृत-पच्चीसी (पद्य)—हनुमंत कवि और रामनारायण कृत। वि गोपी उद्धव संवाद।

प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-४०२।

सनेहसंग्राम (पद्य)—प्रतापसिंह (सवाई) कृत। र का सं १८५२। वि राधाकृष्ण की पारस्परिक लड़ाई।

प्रा —पं नवनीत चतुर्वेदी मथुरा।→ -७८।

सनेहसागर (पद्य)—हंसराज (बख्शी) कृत। वि कृष्ण की बाललीला राधाप्रेम राधाकृष्ण विवाह कृष्ण का सखी तथा राधा का सखाभाव आदि वर्णन।

(क) लि का सं १८४८।

प्रा —लाला राधाकृष्ण बड़ा बाजार, कलकत्ता।→ ११५।

(ख) लि का सं १८६१।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→२६-१६५ बी।

(ग) लि का सं १८६१।

प्रा —बाबू राममनोहर सिंघपुरिया पुरानी बस्ती बख्शी मुहल्ला (जबलपुर)। →१९ ११७ बी।

(घ) लि का सं १ ८९१।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–४५ सी।

(ङ) लि० का० सं० १८६४।

प्रा०—श्री नत्थूदास वैश्य, पुरानी बस्ती, कटनी।→२६–१३७ ए।

सनेही→'श्रीधर (स्वामी)' ('भागवतभावार्थ-दीपिका' आदि के रचयिता)।

सनेहीराम—सूदन ने 'सुजानचरित' में इनका उल्लेख किया है। सं० १८०३ के पूर्व वर्तमान।→००–८१।

रसमंजरी (पद्य)→०६–२७५।

सनेहीराम—(?)

लीला (पद्य)→३८–१३५।

सन्निपातकलिका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।

प्रा०—बाबा विनतीदास, कुडौल, डा० डौकी (आगरा)।→२६–४७६।

सन्निपातचंद्रिका (पद्य)—गुरुप्रसादनारायण कृत। र० का० सं० १६१२। लि० का० सं० १६१३। वि० वैद्यक।

प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, गोलवारा, मुहल्ला सदावर्ती, आजमगढ।→४१–५२१।

सन्यासनिर्णय (गद्य)—हरिराय कृत वि० वल्लभाचार्य जी द्वारा भक्ति विषयक सन्यास का वर्णन।

प्रा०—पं० रामदत्त, हौंतिया, डा० नंदग्राम (मथुरा)।→३५–३८ ई।

सन्यासविधि (पद्य)—भोलागिरि (महंत) कृत। वि० सन्यासियों की नित्यक्रिया।

प्रा०—गो० पातीराम, पैगू, डा० भारौल (मैनपुरी)।→३२–२५।

सपतवारजोग (ग्रंथ) (पद्य)—सेवादास कृत। लि० का० सं० १८५५। वि० सात वारों का दार्शनिक विवेचन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२६६ त।

सपतविचार→'नैकाव्यकथा' (सर्वेश्वरदास गोसाँई कृत)।

सप्तक→'रामशलाका' (गो० तुलसीदास कृत)।

सप्तदेवस्तुति (पद्य)—गंगाराम (मिश्र) कृत। र० का० सं० १६०४। लि० का० सं० १६४२। वि० सात देवताओं की स्तुति।

प्रा०—पं० बैजनाथ शुक्ल, सिकंदरपुर घुमनी, डा० सिसैया (बहराइच)।→२३–११७।

सप्तपदीरमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १८४७। वि० अध्यात्म।

प्रा०—काशी हिंदू विश्वविद्यालय का पुस्तकालय, वाराणसी।→३५–४६ यू।

सप्तवध्यालक्षण (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६१६। वि० वैद्यक।

प्रा०—श्रीभोलानाथ (भोरेलाल) ज्योतिषी, घाता (फतेहपुर)।→सं० ०१–५६६।

सप्तवार (पद्य)—गोरखनाथ कृत। लि० का० सं० १८३६। वि० योगी को प्रत्येक वार (दिन) का अपने अनुकूल उपयोग करने का ज्ञानोपदेश।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–१६ ठ ।

सप्तव्यसन (पद्य)—रंगलाल कृत । लि का सं १६३० । वि जुआ मांस मदिरा वेश्यागमन तस्करी, आखेट और परस्त्रीगमन नामक सात व्यसनों के त्यागने का उपदेश ।

प्रा —जैन मंदिर दरियाबाग (बाराबंकी) ।→२१-३५१ ।

सप्तव्यसन (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १६३७ । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर) चूड़ीवाली गली चौक, लखनऊ ।
→सं ४–४३७ ।

सप्तव्यसन पुराण की भाषा (पद्य)—भारामल्ल (जैन) कृत । र का सं १८१४ ।
वि नाम से स्पष्ट ।

(क) लि का सं १८१४ ।

प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आवूपुरा मुजफ्फरनगर ।→सं १ ६७ क ।

(ख) लि का सं १६४ ।

प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आवूपुरा मुजफ्फरनगर ।→सं १ ६७ ख ।

(ग) लि का सं १६५४ ।

प्रा —आदिनाथ जी का मंदिर, आवूपुरा मुजफ्फरनगर ।→सं १ –६७ ग ।

सप्तशतक→ तुलसीसतसई (गो तुलसीदास कृत) ।

सप्तश्लोकी गीता (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८८७ । वि कृष्ण का अर्जुन को उपदेश ।

प्रा —पं बाबूलाल सलेमपुर डा फरैह (मथुरा) ।→१६-१ १ ।

सप्तश्लोकी गीता (पद्य)– रचयिता अज्ञात । वि सात श्लोकों में गीता वर्णन ।

प्रा —ठा कामतासिंह कुर्मी कौलंडी डा नगराम (लखनऊ) ।→२६-४८१ ।

सप्तसतिका (बिहारी सतसई) (गद्यपद्य)—टीकाकार अज्ञात । वि बिहारी के ५ से अधिक दोहों का संग्रह—उनका संबंध बतलाते हुए ।

प्रा•—श्री गोविंदराम ब्राह्मण सिंगोरखेरा डा बमरौलीकटारा (आगरा) । →
२६-५३ बी ।

सप्तसतिका (बिहारी सतसई)→'बिहारी सतसई' (हरजू सुकवि कृत) ।

सबद (पद्य)—कबीरदास और सुन्दरदास कृत । वि भक्ति तथा ज्ञानोपदेश ।

प्रा —महंत श्री भजनरामदास कुटी गूँगदास पंचपेड़वा (गोंडा) । →
सं ७-११ ।

सबदकासराणमता→शब्दकासमानंद (प्रागदास कृत) ।

सबद कुटकर (पद्य)—जैन जी (बाबा) कृत । लि का सं १७२७ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा•—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–४० ।

सबदी (पद्य)—प्रवीनदास कृत । लि का सं १८३३ । वि योग विषयक ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०–१ ।

सबदी (पद्य)—कणेरी कृत । लि० का० स० १८३६ । वि० योग विषयक ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०–८ ।

सबदी (पद्य)—गरीब जी कृत । लि० का० स० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०–२५ ।

सबदी (गद्यपद्य)—गोरखनाथ कृत । लि० का० सं० १६२६ । वि० योग और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—भैया हनुमतप्रसादसिंह, रियासत अठदमा (बस्ती) ।→स० ०४–७६ ।

सबदी (पद्य)—घोड़ाचोली कृत । लि० का० स० १८३६ । वि० योग विषयक ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०–३० ।

सबदी (पद्य)—चरपटनाथ कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० स० १८३६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७–४६ ।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–११३ ख ।

सबदी (पद्य)—चुणकरनाथ (चौणकनाथ) कृत । लि० का० स० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०–३४ ।

सबदी (पद्य)—चौरंगीनाथ कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→स० १०–३५ ।

सबदी (पद्य)—जलध्रीपाव कृत । लि० का० स० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०–४१ ।

सबदी (पद्य)—दत्त कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०–५५ ।

सबदी (पद्य)—देवल जी कृत । लि० का० स० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०–५६ ।

सबदी (पद्य)—धुँधलीमल कृत । लि० का० स० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०-६४ ।

सबदी (पद्य)—पारबती कृत । लि० का० स० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०–७७ ।

सबदी (पद्य)—पृथ्वीनाथ कृत । लि० का० स० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०–७६ क ।

सबदी (पद्य)—बालगुदाई कृत । लि० का० स० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०–८८ ।

सबदी (पद्य)—बालनाथ कृत । लि० का० स० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०–८६ ।

सबदी (पद्य)—मस्थरी जी कृत । लि का सं १८३६ । वि योग ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ४–११८ ।
सबदी (पद्य)—महादेव कृत । लि का सं १८३६ । वि योग विषयक ज्ञानोपदेश ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं १ –१ ६ ।
सबदी (पद्य)—मींडकीपाव कृत । लि का सं १८३६ । वि ज्ञानोपदेश ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १०–११ ।
सबदी (पद्य)—हरवंत कृत । लि का सं १८३६ । वि ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–२ ७ ।
सबदी (पद्य)—हरतालो कृत । लि का सं १८३६ । वि ज्ञानोपदेश ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ –१४२ ।
सबदी (पद्य)—हालीपाव कृत । लि का सं १८३६ । वि योग विषयक ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १०–१४५ ।
सबदी वा माता मैणावंती गोपीचंद संवाद (पद्य)—गोपीचंद कृत । लि का सं १८३६ । वि ज्ञानोपदेश ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ –९७ ।
सबलस्याम→'छत्रस्याम' ('भागवत भाषा दशमस्कंध' के रचयिता) ।
सबलसिंह (चौहान)—चंदगढ़ (?) के राजा मित्रसेन के पूर्वज । ये सिपाही थे । छत्रस्याम से भिन्न । सं १७१४ के लगभग वर्तमान ।
महाभारत (भाषा) (पद्य)→ ४–६६ ६–२२४ ए, बी पं २२ ६७; २६–४६६ ए से भार तक; २६–४११ ए से भी तक सं ४–४ ।
सबलस्याम (सबलस्यास)—अमोधा नगर (अमोढ़ा राज्य बस्ती) के निवासी । सूर्यवंशी क्षत्रिय । राजा वीरसिंह (अमोढ़ा राज्य बस्ती) के छोटे भाई । सं ११८८ में उत्पन्न ।
कवीश्वरप्रबंध (पद्य)→सं १–४१८ ।
भागवत भाषा (दशमस्कंध) (पद्य)→१२–१६ २३–३६३ ए (ए), ए (बी) ए (सी) ए (डी), ए (ई), ए (एफ) ए (जी) २६–४११ ए, बी; सं ४–४ १ ।
सबसुख—कायस्थ । झाँसी निवासी । ओरछा (बुंदेलखंड) के राजा विक्रमाजीत के आश्रित । सं १८७१ के लगभग वर्तमान ।
चित्रगुप्तप्रकाश (पद्य)→ ६–२ ६ ।
सब्द→'पद वा शब्द' (दादूदयाल कृत) ।
समाचंद—आजमगढ़ जिले के निवासी । जयतसिंह और आजम खाँ के आश्रित । सं १७ के लगभग वर्तमान ।
कलिचरित (पद्य)→ ६–२७० ।

सभाजीत→'सभाजीतसर्वनीति' (रामदया कृत)।

सभाजीतज्योतिष (पद्य)—रामदया कृत । लि० का० स० १६२१ । वि० ज्योतिष । ('दयाविलास' का एक खंड)।
प्रा०—लाला भगवतप्रसाद, सधुआपुर, डा० सिसैया (बहराइच) ।→ २३–३४२ सी ।

सभाजीतरागमाला (पद्य)—रामदया कृत । लि० का० स० १६२१ । वि० संगीत । ('दयाविलास' का एक खंड)।
प्रा०—लाला भगवतप्रसाद, सधुआपुर, डा० सिसैया (बहराइच) ।→ २३–३४२ डी ।

सभाजीतवैद्यक (पद्य)—रामदया कृत । लि० का० स० १६२१ । वि० वैद्यक । ('दयाविलास' का एक खंड)।
प्रा०—लाला भगवतप्रसाद, सधुआपुर, डा० सिसैया (बहराइच) । → २३–३४२ एफ ।

सभाजीतसर्वनीति (पद्य)—रामदया कृत । वि० काव्यशिक्षा और राजनीति आदि ।
(क) लि० का० स० १६२१ ।
प्रा०—लाला भगवतप्रसाद, सधुआपुर, डा० सिसैया (बहराइच) । → २३–३४२ बी ।
(ख) प्रा०—श्री शिवकुमार ओझा व्याकरणाचार्य, ओझौली, डा० बरहलगंज बाजार (गोरखपुर) ।→स० ०१–३४४ क ।
(ग) प्रा०—कुँवर लक्ष्मणप्रतापसिंह, साहीपुर नौलखा, डा० हँडियाखास (इलाहाबाद) ।→स० ०१–३४४ ख ।

सभाजीतसामुद्रिक (पद्य)—रामदया कृत । वि० सामुद्रिक शास्त्र । ('दयाविलास'-का एक खंड) ।
(क) लि० का० स० १६२१ ।
प्रा०—लाला भगवतप्रसाद, सधुआपुर, डा० सिसैया (बहराइच) ।→ २३–३४२ ई ।
(ख) प्रा०—श्री महावीरप्रसाद मिश्र, इस्माइलगंज (इलाहाबाद) ।→ स० ०१–३४४ ग ।

सभाजीतसार (पद्य)—रामदया कृत । वि० ज्योतिष, सामुद्रिक, शालिहोत्र और वैद्यक ।
प्रा०—एल० एस०, मेडिकल हाल, बदायूँ ।→१२–१४५ ।

सभाप्रकाश (पद्य)—त्रिलोकसिंह कृत । लि० का० स० ११०५ । वि० राजनीति ।
प्रा०—नागरी प्रचारिणीसभा, वाराणसी ।→०६–३२१ ।

सभाप्रकाश (पद्य)—द्विज (कवि) कृत । र० का० स० १८३६ । लि० का० स० १८६६ । वि० नीति और राजनीति ।

प्रा —बाबू रूपनारायण शर्मा, पन्ना ।→ ६–१६५ (विवरण अप्राप्त) ।

सभाप्रकाश (पद्य)—बुधिसिंह (बुधदेवसिंह) कृत । र का सं १८६७ । वि राजनीति ।

(क) लि का सं १६ ५ ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१–५१७ (अप्र) ।

(ख) लि का सं १६५५ ।

प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→ ६–१७ ।

सभाप्रकाश (पद्य)—हरिचरणदास कृत । र का सं १८१४ (?) । वि अलंकार और नायिकाभेद ।

(क) लि का सं १८८१ ।

प्रा —कवि काशीप्रसाद जी चरखारी ।→ ६–२४५ बी (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) लि का सं १६ ८ ।

प्रा —पं कन्हैयालाल भट्ट महापात्र असनी (फतेहपुर) ।→२ ५६ बी ।

सभाभूषण (पद्य)—गंगाराम कृत । र का सं १७४४ । वि संगीत ।

(क) लि का सं १७६६ ।

प्रा —पं रघुनाथराम गायघाट वाराणसी ।→ ६–८७ ।

(ख) प्रा —लाला बद्रीदास वैश्य वृंदावन (मथुरा) ।→१२ ५८ ।

सभामंडन (पद्य)—अमीरदास कृत । र का सं १८८४ । लि का सं १६६१ । वि अलंकार ।

प्रा —श्री गौरीशंकर कवि दतिया ।→ ६–११४ ए (विवरण अप्राप्त) ।

सभामंडल शृंगार लीला→ *सभामंडली* (मुकराज कृत) ।

सभामंडली (पद्य)—अन्य नाम *सभामंडल-शृंगारलीला* और '*सभामंडली-शृंगार* । मुकराज कृत । र का सं १६८१ । वि राधाकृष्ण के निकुंज सभामंडल का वर्णन ।

(क) प्रा —बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय चौखंभा वाराणसी ।→ ०–११ ।

(ख) प्रा —पं चुन्नीलाल वैद्य ईश्वरगंगी की गली वाराणसी । → ६–७१ एल ।

(ग) प्रा०—पुस्तक प्रकाश जोधपुर ।→४१–५ ७ ब (अप्र) ।

सभामंडली-शृंगार → *सभामंडली* (मुकराज कृत) ।

सभाविनोद (पद्य)—अमरसिंह (प्रधान) कृत । र का सं १८६ । लि का सं १८८७ । वि राजकीय बड़ी व्यक्ति और व्यापार व्यवहारादि की विधि ।

प्रा —लाला देवीदीन प्रतापगढ़ ।→०६–६६ ।

सभाविलास (पद्य)—लाल (कवि) कृत । र का सं० १८३० । वि नीति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि का सं १८७१ ।

प्रा०—पं० रामस्वरूप शुक्ल, सुभानपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→
२६–२६६ सी।

(ग) लि० का० सं० १८७३।

प्रा०—पं० शिवकंठ दूबे, विगहापुर (उन्नाव)।→२६–२१२ ई।

(ग) लि० का० सं० १८८४।

प्रा०—ठा० हरिहरसिंह, छावनी, एटा।→२६–२१२ डी।

(घ) लि० का० सन् १२६३।

प्रा०—श्री कृष्णकुमार शुक्ल, रायदयाल का पुरवा, डा० संग्रामगढ (प्रतापगढ)
→सं० ०४–३१७।

(ट) लि० का० सं० १६१४।

प्रा०—पं० रमाकांत शुक्ल, पुरा गरीबदास, डा० गड़वारा (प्रतापगढ)
→२६–२१६ टी।

(च) प्रा०—ठा० देवीसिंह सेंगर, गजमऊ, डा० दरियावगंज (एटा)।→
२६–२१२ एफ।

(छ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२४३ क।

सभासार (पद्य)—सुदर्शन (शाह) कृत। वि० नीति।

प्रा०—पं० शिवानंद, टेहरी (गढवाल)।→१२–१८३।

सभासार नाटक (पद्य)—रघुराम कृत। र० का० सं० १७५७। वि० नीति।

(क) लि० का० सं० १८२७।

प्रा०—पं० व्रजमोहन व्यास, अहियापुर, इलाहाबाद।→०६–२३८।

(ख) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—श्री कृष्णसिंह खजाची, गोवर्द्धन (मथुरा)।→१२–१४०।

सभासिंह—पन्ना नरेश। छत्रसाल के पौत्र। अमानसिंह और हिंदूपति के पिता। राज
काल सं० १७६६-१८०६। हसराज बख्शी, करण भट्ट, रतन कवि, और फतेहसिं
के आश्रयदाता।→०५–५४, ०५–८३, ०६–३१, ०६–४५, ०६–५७, ०६–८
०६–२६६, २०–४८।

सभासिंह→'श्रीधर' ('शालिहोत्र' के रचयिता)।

समतसार-वचनावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६५३। वि
धर्मादि।

प्रा०—पं० संतप्रसाद शर्मा, मिर्जाबाग (प्रतापगढ)।→२६–११० (परि० ३)

समतानिवास (ग्रंथ) (पद्य)—रामचरण कृत। र० का० सं० १८५२। लि० का
सं० १६००। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—बाबा रामगिरि, भूषणपुर, डा० गौंडा (अलीगढ)।→२८–२८१ सी।

समन—(?)

चैतसमन गैज का (पद्य)→सं० ०४–४०२।

समनसिंह समशी (समनेश)—कायस्थ । रीवाँ नरेश विश्वनाथसिंह के आश्रित । इनके पूर्वज गुजरात से आकर दिल्ली में रहने लगे थे । पिता का नाम शिवराय । पितामह का नाम केसवराय । सं १८७९ के लगभग वर्तमान ।
पिंगलकाव्यभूषण (पद्य)→ ०–४२ सं ४–४ १ ।
रसिकविलास (पद्य)→ ६–२२७ ।

समयनीतिप्रकाश (पद्य)—सरनामसिंह (राजा) कृत । र का सं १९ १ । लि का सं १९ १ । वि राजाओं के लिये समयानुसार नीति पर चलने का वर्णन ।
प्रा —विजावरनरेश का पुस्तकालय विजावर ।→ ६–१९ बी ।

समयपचीसी (पद्य)—हितवंदलाल कृत । वि ज्ञानोपदेश ।
(क) प्रा —पं चुन्नीलाल वैद्य दंडपाणि की गली बाराणसी । → ६–१६ डी ।
(ख) प्रा —गो गोवर्द्धनलाल राधारमण का मंदिर मिर्जापुर (मिरजापुर) । → ६–४१ बी ।

समयपरीक्षा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि शकुन ।
प्रा —पं संतोषीलाल नौमैरा डा कमलरी (आगरा) ।→२६ ४७४ ।

समयप्रबंध (पद्य)—अनिरसिकगोविंद कृत । वि राधाकृष्ण लीला ।
प्रा —राम् रामनारायण विजावर ।→ ६–११२ एफ (विवरण अप्राप्य) ।

समयप्रबंध (पद्य)—कृपानिवास कृत । वि सीताराम का विहार एवं स्वामीपालना ।
(क) प्रा —श्री लक्ष्मीचंद पुस्तक विक्रेता अयोध्या ।→ ६–१५४ बी ।
(ख) प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मण कोट अयोध्या ।→१७–९९ डी ई ।

समयप्रबंध (पद्य)—कृष्णदास कृत । लि का सं १६६१ । वि राधाकृष्ण लीला ।
प्रा —गो युगलवल्लभ, राधावल्लभ का मंदिर वृंदावन (मथुरा)।→१२–६६ ।

समयप्रबंध (पद्य)—चतुरमणि कृत । वि राधाकृष्ण की भक्ति ।
प्रा —गो पुरुषोत्तमलाल वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१६ ।

समयप्रबंध (पद्य)—नागरीदास कृत । लि का सं १८०० । वि राधाकृष्ण की दैनिक लीला ।
प्रा —पं राधाचरण गोस्वामी आनरैरी मजिस्ट्रेट वृंदावन(मथुरा) ।→१२–७९ ।

समयप्रबंध (पद्य)—दामोदरदास कृत । लि का सं १८५१ । वि प्रातः से सायं तक के राधाकृष्ण विषयक भजन और कीर्तन ।
प्रा —गो गोवर्द्धनलाल राधारमण का मंदिर मिर्जापुर मिरजापुर ।→ ६ ४१ ।

समयप्रबंध (पद्य)—नीलकंठदास कृत । लि का सं १८ १ । वि कृष्ण भक्ति, रासलीला और वृंदावन शोभा आदि ।
प्रा —बाबू श्यामकुमार निगम रायबरेली ।→११–११५ सी ।

समयप्रबंध (पद्य)—विहारिनदास कृत । वि राधाकृष्ण विहार ।
(क) लि का सं १६१८ ।

प्रा०—बाबू प्यारेकुमार निगम, रायबरेली।→०६–३१।

(ख) लि० का० स० १६१८।

प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली।→२३–६४।

समयप्रबध (पद्य)—हितचदलाल कृत। वि० राधाकृष्ण के नैत्यिक कर्म।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर। → ०६–४३ एच।

समयप्रबध (पद्य)—हितरूपलाल कृत। लि० का० स० १६६७। वि० राधाकृष्ण सयोग शृंगार।

प्रा०—गो० हितरूपलाल, अधिकारी श्री राधावल्लभ मदिर, वृंदावन (मथुरा)। →३८–१२६ ए।

समयप्रबध (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० स० १८१३। वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ।

प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१६६ ए।

समयप्रबध (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० स० १८३५। लि० का० स० १८३५। वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ।

प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१६६ सी।

समयप्रबध (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० स० १८३५। वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ।

प्रा०—पं० गोविंदलाल भट्ट, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१६६ एम।

समयप्रबध (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८७७। वि० वैष्णवों के राधारमण सप्रदाय में गाए जानेवाले दैनिक भजन।

प्रा०—प० राधाचरण गोस्वामी, वृंदावन (मथुरा)।→००–६०।

समयप्रबध सेवा सात समें की भावना (पद्य)—नागरीदास कृत। लि० का० स० १८६३। वि० हित सप्रदाय के सिद्धात और सेवाभाव वर्णन।

प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →स० ०१–१८६।

समयबोध (पद्य)—कृपाराम कृत। र० का० स० १७७२। वि० ज्योतिष।

(क) प्रा०—श्री बालगोविंद हलवाई, नवाबगज, बाराबकी।→०६–१५६।

(ख) प्रा०—बाबू जयमगलराय बी० ए०, एल० टी०, गाजीपुर।→२६–२४५ बी।

समयसार की वचनिका नाटक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० जैन दर्शन।

प्रा०—दिगबर जैन पचायती मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→स० १०–१६३ ख।

समयसार ग्रथ की वचनिका (गद्यपद्य) —जयचद (जैन) कृत। र० का० स० १८६४। वि० आत्मस्वरूप वर्णन।

(क) लि० का० स० १६१२।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबकी।→२३–१८७ बी।

(ख) लि० का० स० १६१३।

प्रा —श्री दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। → सं १ -१६ ख।

समयसार नाटक (पद्य)—बनारसीदास (जैन) कृत। र का सं १६६३। वि तत्वज्ञान विषयक जैन ग्रंथ 'समयसार' का अनुवाद।

(क) लि का सं १७२८।
प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि ११-११ बी।

(ख) लि का सं १७१८।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-१२७ क।

(ग) लि का सं १८१६।
प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली चौक, लखनऊ। →सं ७-१२७ ख।

(घ) लि का सं १८७१।
प्रा —श्री जैन मेव, जयपुर।→ ०-११२।

(ङ) लि का सं १९११।
प्रा —श्री जैन मंदिर (बड़ा) वाराणसी।→११-१६ बी।

(च) लि का सं १९२८।
प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १ ८४ क।

(छ) प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर। → सं १ -८४ ख।

(ज) प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर। → सं १ -८४ ग।

(झ) प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर। → सं -८४ घ।

(ञ) लि का सं १७१८।→४१-५२१ (प्रम)।

समयसार नाटक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १९१३। वि जैन दर्शन।
प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १ -१६६ क।

समयसुंदर—जैन। सं १६६८ के लगभग वर्तमान।
प्रश्नोत्तरबत्तीसी (पद्य)→दि ११-७१।

समयसुंदरोपाध्याय—जैन। सं १६८१ के लगभग वर्तमान।
विशेषशतक (गद्य)→दि ११-७८।

समयप्रदीप (ग्रंथ) (पद्य)— मकरंदलाल कृत। र का सं १८७७ (?)। लि का सं १९६५। वि नीति।
प्रा —पं बालाप्रसाद जैनगरा ग्रा फतेहपुर (रायबरेली)।→सं ४-११२ ग

समरकवित्त (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १९११। वि युद्धविद्या।
प्रा —संग्रहालय हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग।→४१-४१६।

समरदास—मगरौड़ा (सीतापुर) निवासी। सं० १९०० के लगभग वर्तमान।

भजनावली (पद्य)→२६–४१६ बी।

रामसुयशपताका (पद्य)→१२–१६४, २६–४१६ एच।

रामायण (पद्य)→२३–३७०, २६–४१६ ए से जी तक।

समरविजय→'समरसार' (तीर्थराज कृत)।

समरसार (पद्य)—फणींद्र सरस्वती कृत। लि० का० सं० १८३३। वि० रण में जाने के समय मुहूर्त विचार।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–३६।

समरसार (पद्य)—खुमान (मान) कृत। लि० का सं० १९४०। वि० विक्रमाजीत के पुत्र कुँवर धर्मपाल की वीरता का वर्णन।

प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६–७० जी।

समरसार (पद्य)—गोपाल (जन) कृत। र० का० सं० १८३३। वि० रण में जाने का मुहूर्त।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–३।

समरसार (पद्य)—अन्य नाम 'समरविजय'। तीर्थराज कृत। र० का० सं० १८०७। वि० युद्ध पूर्व का शकुन विचार।

(क) लि० का० सं० १८२६।

प्रा०—पं० अवधबिहारी मिश्र पुजारी, कालाकाँकर (प्रतापगढ)।→२६–४८१ ए।

(ख) लि० का० सं० १८८०।

प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद जू जिगानियाँ, हजूरपुर (बहराइच)।→२३–४२८।

(ग) लि० का० सं० १९०१।

प्रा०—पं० कालिकाप्रसाद दूबे, गौरैया रसूलपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर)। → २६–४८१ बी।

(घ) लि० का० सं० १९०९।

प्रा०—ठा० चंद्रिकाबख्शसिंह, खानीपुर, तालाबबख्शी (लखनऊ)। → २६–४८१ सी।

(ङ) लि० का० सं० १९१५।

प्रा०—श्री कामताप्रसाद दारोगा, अजयगढ।→०६–११५।

(च) लि० का० सं० १९३२।

प्रा०—ठा० हुलाससिंह जमींदार, सढीला, डा० मछरहट्टा (सीतापुर)। → २६–४८१ डी।

(छ) प्रा०—पं० छोटेलाल पहलवान, खजुहा (फतेहपुर)।→२०–१९४ ए।

(ज) प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर।→२०–१९४ बी।

(झ) प्रा०—पं० प्यारेलाल शर्मा, शाहदरा, दिल्ली।→दि० ३१–८९।

समरसार (पद्य)—अन्य नाम 'युद्धसार का चिंतावली'। मिहिर कृत। वि० युद्ध ज्योतिष।

(क) लि का सं १९११।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-२६४।
(ख) लि का सं १९१५।
प्रा —श्री प्रागदत्त ओझा पूरेवेचूलामा, डा सिंहुरवा (सुलतानपुर)। → सं ४-२११ ख।
(ग) प्रा श्री दयाराम दूबे शाहपुर, डा पर्वतपुर (सुलतानपुर)। →सं ४-२११ क।

समरसार (गद्य)—श्रीराम (वाजपेयी) कृत। वि युद्ध ज्योतिष।
(क) लि का सं १८८३।
प्रा —पं रामदत्त गुसाँई गुसाँई का पुरा (रायबरेली) डा कादीपुर (सुलतानपुर)। →सं ४-२६४ क।
(ख) लि का सं १८७०।
प्रा —पं रामलाल मङुनी बस्ती।→सं ८-२६४ ख।

समरसार (पद्य)—रामकर्ण (मिश्र) कृत। र का सं ८६५। लि का सं १८६६। वि युद्ध ज्योतिष।
प्रा —श्री श्रीकृष्णदत्त शुक्ल शुक्लपुर (कहरा) डा विशेश्वरगंज (सुलतानपुर) →सं ४-४१।

समरसार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र का सं १७८३। लि का सं १८२९। वि ज्योतिष।
प्रा —पं रामस्वरूप मिश्र पंडित का पुरवा डा तमामगढ़ (प्रतापगढ़)। →११-१ ६ (परि १)।

समरसार (भाषा तिलक) (गद्य)—विश्राम (शुक्ल) कृत। लि का सं १८५५। वि युद्ध ज्योतिष।
प्रा —ठा भगवानसिंह कछुरी डा कछुराओं (रायबरेली)।→सं ४-११४।

समरसिंह (महाराज) कोई राजा। सं १८४ के पूर्व वर्तमान।
महिम्नस्तोत्र (भाषा) (पद्य)→सं १-४१६।

समरसिषार (पद्य)—मंगल (मिश्र) कृत। र का सं १८७६। लि का सं १६ । वि महाभारत (शल्यपर्व) का अनुवाद।
प्रा —निमरानानरेश का पुस्तकालय निमराना।→ ६-१८८।

समर्पणस्तोत्र गद्यार्थ की टीका (गद्य)—गिरिधर कृत। र का सं १६८ से १७१६। वि पुष्टिमार्गीय दीक्षा पद्धति।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-७०।

समस्यापूर्ति (पद्य)—नवनिधि (श्रीकृष्ण भट्ट) कृत। वि समस्याओं की पूर्तियाँ।
प्रा —बाबू पुरुषोत्तमदास विश्रामघाट मथुरा।→१७-२१ एफ।

समस्यापूर्ति (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० समस्या पूर्तियों का संग्रह।
प्रा०—चौहरे गजाधरप्रसाद, धरवार, डा० बलरई (इटावा)।→३५-२६०।

समस्यावली (छमिछावली (पद्य)—रनादास कृत। र० का० सं० १६३६। वि० सीताराम के नाम की महिमा तथा द्वैताद्वैत।
प्रा०—महत भगवानदास, भजहरण कुंज, अयोध्या।→२०-११ ई।

समाज के पद (पद्य)—हित वृंदावनदास कृत। वि० कृष्णजन्म।
प्रा०—पं० तुलसीराम गोस्वामी, नदजी के मदिर का घेरा, डा० नदग्राम (मथुरा)।→१२-२३२ एम।

समाधतंत्र बालाबोध (गद्य)—पर्वतधर्मार्थी (जैन) कृत। लि० का० सं० १८८६। वि० जैन दर्शन।
प्रा०—दिगबर जैन पचायती मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-७६।

समाधान—जाति के बंदीजन। चरखारी (बुंदेलखड) के निवासी।
लक्ष्मणशतक (पद्य)→सं० ०१-४४० क, ख, सं० ०८-८०४।

समाधिजोग (ग्रंथ) (पद्य)—हरिदास कृत। र० का० सं० १५२०-१५४०। वि० योग।→सं० २२-३७ एच।

समुझिसार (पद्य)—भीषमदास कृत। लि० का० सं० १६०१। वि० वेदातसार और ज्ञान माहात्म्य।
प्रा०—बाबा परागशरनदास, उजेहनी, डा० फतेहपुर (रायबरेली)।→३५-१४ जी।

समेदशिखरमाहात्म्य (पद्य)—लालचद (जैन) कृत। र० का० सं० १८४२। लि० का० सं० १८६०। वि० जैन तीर्थ समेदशिखर का माहात्म्य वर्णन।
प्रा०—दिगबर जैन पचायती मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-११८।

सम्मन—ब्राह्मण। मल्लावाँ (हरदोई) निवासी। सं० १८३४ के लगभग वर्तमान।
सम्मन के दोहे (पद्य)→०६-२२८।

सम्मन के दोहे (पद्य)—सम्मन कृत। वि० नीति और उपदेश।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउटेंट), छतरपुर।→०६-२२८ (विवरण अप्राप्त)।

सम्यक्तकौमुदी (भाषा) (पद्य)—कासीदास कृत। र० का० सं० १७२२। लि० का० सं० १६०४। वि० जैन भक्तों की कथाएँ।
प्रा०—श्री दिगबर जैन मदिर (बड़ा मदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। वि०→सं० ०४-३३।

सम्यक्तकौमुदी (भाषा) (पद्य)—जोधराज गोदीका (जैन) कृत। र० का० सं० १७३४। सम्यक्त व्यक्तियों की कथाएँ।
(क) लि० का० सं० १८४६।
प्रा०—श्री जैन मदिर (बड़ा), बाराबकी।→२३-१६४।

(ख) लि का सं १९ ।
प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर) चूड़ीवाली गली चौक लखनऊ।
→सं ७-६६।
(ग) लि का सं १६४५।
प्रा —आदिनाथ जी का मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १ -८६।

सम्यक्त्वकौमुदी कथा (पद्य)—विनयचंद कृत। र का सं १८८५। लि का सं १९२७। वि बुद्ध भैरिया को सम्यक ज्ञान का उपदेश देना।
प्रा —श्री महावीर जैन पुस्तकालय चाँदनीचौक, दिल्ली।→दि ११-६४।

सम्यक्तलीलाविलास (पद्य)—विनोदीलाल कृत। लि का सं १६६६। वि सम्यक व्यवहार की कथायें।
प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १ १११ घ।

सरजूदास—किसी सतनामी महंत के शिष्य। सं १६१८ के पूर्व वर्तमान।
विरहसागर पद्य)→२१ १७७।

सरजूराष्टक (पद्य)—प्रयागदत्त कृत। वि सरजू का माहात्म्य वर्णन।
प्रा —श्री बलदेव पांडेय पुरेचंद डा अमोढ़ा (बस्ती)।→सं ८-२१४ ख।

सरदार (कवि)—ललितपुर (झाँसी) निवासी। हरिजन के पुत्र। काशी नरेश महाराज ईश्वरीप्रसादनारायणसिंह के आश्रित। सं १९ से १९४ के लगभग वर्तमान।
काशीराजप्रशस्तिका (गद्यपद्य)→ ४-५६।
तर्कप्रकाश (भाषा) (गद्यपद्य)→सं १-४४१ क।
मानसरहस्य (गद्यपद्य)→८१-२७६।
रामकथा कल्पद्रुम (पद्य)→सं १-८४१ ख।
रामरत्नाकर (पद्य)→ ४-७१।
रामरसयत्र (गद्यपद्य)→ ४-८६।
व्यंगविलास (पद्य)→ ६-२८१ बी।
शृंगारसंग्रह (पद्य)→ ६-२८१ ए।
षट्ऋतु वर्णन (पद्य)→ ६-२८१ सी।
साहित्यसुधाकर (पद्य) →०१ ६९; २ -१७८।
सुरतिशतिका (पद्य)→ ४-५७।

सरदार (नरेश)—कन्हैया लाल मट्ट (भट्ट) के आश्रयदाता।→सं १-११।

सरदारसिंह (राजा)—बनेड़ा (मेवाड़) के जागीरदार। महाराज सुलतानसिंह के पुत्र मेवाड़ के महाराणा राजसिंह के वंशज। सं १८ १ के लगभग वर्तमान।
सुरतरंग (पद्य)→ २-२; सं १-४४२।

सरनामसिंह (राजा)—नवलपुर नरेश। विष्णुदत्त के आश्रयदाता। सं १८६६ के लगभग वर्तमान।→१७ २ १ ३६-५ ।
जो कि ११ (११ -३४)

सरफराज (गिरि) स्वामी शंकराचार्य के गिरि संप्रदाय के अनुयायी। उमरावगिरि के पुत्र। देवकीनंदन के आश्रयदाता। सं० १८४३ के लगभग वर्तमान।→०१-५७

सरफराजचंद्रिका (पद्य)—देवकीनंदन कृत। र० का० सं० १८४३। वि० अलंकार। प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१-५७।

सरमद (मुहम्मद औलिया)—संभवत: दाराशिकोह (शाहजहाँ के ज्येष्ठ पुत्र) के उपदेशक। हिंदू मुसलमानों की एकता के समर्थक।
बैत की सरमद (पद्य)→सं० ०१-२७६, सं० ०१-४४३।

सरयूदास—कनपुरिया (कलचुरि ?) क्षत्री। अंगदसिंह के पुत्र। शंकरगंज (रायबरेली) निवासी।
कवितावली (पद्य)→२६-४३०।

सरयूदास—उप० सुधामुखी। प्रमोदवन (अयोध्या) निवासी।
पदावली (पद्य)→१७-१६६ ए।
रसिकवस्तुप्रकाश (पद्य)→१७-१६६ सी।
सर्वसारोपदेश (पद्य)→१७-१६६ बी।

सरयूराम (पंडित)—अवध वासी। सं० १८०५ के लगभग वर्तमान।
जैमिनीपुराण (पद्य)→२३-३७८, २६-४३१।

सरसदास—स्वा० हरिदास के अनुयायी। बिहारिनदास के शिष्य। नरहरिदास के गुरु। वृंदावन निवासी।
बानी (पद्य)→०६-२२६, २३-३७६।

सरसदास की बानी→'बानी' (सरसदास कृत)।

सरसमंजावली (पद्य)—अन्य नाम 'मंजु'। सहचरीशरण कृत। वि० कृष्णभक्ति और प्रार्थना।
(क) लि० का० सं० १६०४।
प्रा०—लाला राधिकाप्रसाद, बिजावर।→०६-२२५ (विवरण अप्राप्त)।
(सं० १६५६ की एक प्रति चरखारी के लाला हीरालाल के पास है)।
(ख) प्रा०—पं० राधाचंद वैद्य, बड़ेचौबे, मथुरा।→१७-१६६ बी।

सरसरस (पद्य)—वृजनाथ कृत। वि० नायिकाभेद।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-३६७।

सरसरस (पद्य)—शिवदास (राय) कृत। र० का० सं० १८६४। लि० का० सं० १६५४। वि० नायिकाभेद।
प्रा०—पं० बद्रीनाथ शर्मा वैद्य, त्रिमुहानी, मिरजापुर।→०६-३१४ बी।
टि० खोज विवरण में यह ग्रंथ भूल से सूरति मिश्र कृत मान लिया गया है।

सरस्वती—माधव या मधुकर के आश्रित। सं० १८८६ में वर्तमान।

रासरूप (पद्य)→१८–११७।

सरस्वती→'कवीन्द्र सरस्वती (काशी निवासी)।

सरस्वतीप्रसाद (पद्य)—जगन्नाथ (जगदीश) कृत। वि रासलीला और नायिकाभेद।

प्रा०—भट्ट मगन जी उपाध्याय, तुलसी चौतरा मथुरा।→१७–८८ बी।

सरस्वती स्तोत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि सरस्वती की प्रार्थना और महिमा का वर्णन।

प्रा —पं रामगोपाल वैद्य जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७–८८ (परि १)।

सरूपदास→ स्वरूपदास' ('पांडवयशेदुचंद्रिका' के रचयिता)।

सरूपसिंह—ओड़छा के राजा विक्रमाजीत (लघुजन) के आश्रित। इन्होंने तथा किशोर दास चौबे ने 'लघुलतलैया' की टीका की थी।→ ६–५७।

सरोदा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि स्वरोदय।

प्रा —पं रोशनलाल शर्मा चौधरी (आगरा)।→२१–४८६।

सरोदोज्ञान→'कवीरस्वरोदय (नागदास कृत)।

सर्फराज—मढ़ुली राज्य (अयोध्या के पूर्व) के सूर्यवंशी राजा। संभवतः असलादराय के आश्रयदाता। इनके वंशज अब भी महसी (बस्ती) में रहते हैं। सं १८१४ के लगभग वर्तमान।→सं ४–११।

सर्वंगी (पद्य)—रज्जब कृत। वि भक्ति और उपदेश।

(क) लि का सं ११६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७–१९ क।

(ख) लि का सं १८३६। प्रा —पूर्ववत।→सं ७– ९ ग।

(ग) लि का सं १८७१। प्रा —पूर्ववत।→सं ७ १९ घ।

सर्वगुण (पोथी) (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८७४। वि वैद्यक।

प्रा —पं पंचमराम पाठक, नामपुरगढ़ौली डा संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़)।→ २१–५१ (परि १)।

सर्वसंग्रह (पद्य)—सेनापति (त्रिवेदी) कृत। लि का सं १९११। वि वैद्यक।

प्रा०—डा कामदेवसिंह मिस्त्री, डा लालगंज बाजार (प्रतापगढ़)। → सं ४–४११।

सर्वसंयोक्ति (गद्य)—पंडितदास कृत। वि वैद्यक।

प्रा—पं चंद्रशेखर (बच्चन) मिश्र मैरीपुर डा बक्सा (जौनपुर)। → सं ४–११९ क।

सर्वजीव—(?)

विष्णुपद (पद्य)→ ४–५४।

सर्वज्ञबावनी (पद्य)—मौयजन कृत। र का सं १६८१। वि ईश्वर और गुरु की भक्ति।

(क) लि० का० स० १८६६ ।

प्रा०—लाला माधोराम, पोरिया, डा० लगनौ (अलीगढ) ।→२६-४१ ।

(ख) लि० का० स० १६०० ।

प्रा०—चौधरी गगासिंह, विशुनपुर, डा० कुसुमरा (मैनपुरी) ।→२३-२४ ।

सर्वसंग्रह (पद्य)—कृष्णविहारी कृत । लि० का० स० १६३६ । वि० सगीत और सामुद्रिक ।

प्रा०—प० रामअधार मिश्र, नगर, डा० लखीमपुर (खीरी) ।→२६-२४६ ।

सर्वसग्रह (वैद्यक) (गद्य)—हीरालाल (वैश्य) कृत । र० का० स० १६०० । वि० वैद्यक ।

(क) लि० का० स० १६२४ ।

प्रा०—वैद्य रामचरन गौड़, मूसागढ, डा० मेड़ (अलीगढ) ।→२६-१५३ ए ।

(ख) प्रा०—श्री वासुदेव वैश्य हकीम, वमई, टा० तॉतपुर (आगरा) । →२६-१५३ बी ।

सर्वसग्रह वैद्यक (भापा) (गद्य)—शिवदत्त (मिश्र) कृत । वि० वैद्यक ।

प्रा०—प० नदराम, सादाबाद (मथुरा) ।→३२-२०२ ।

सर्वसार उपदेश→'प्रबोधचद्रोदय नाटक' (अनाथदास कृत) ।

सर्वसार-सग्रह→'अवगतउल्लास' (दयालनेमि कृत) ।

सर्वसारोपदेश (पद्य)—सरयूदास (सुधामुखी) कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१६६ बी ।

सर्वसिद्धात श्रीराम मोक्ष परिचय (गद्यपद्य)—नायक कृत । लि० का० स० १६२२ । वि० ब्रह्मज्ञान और रामजी के अवतारों की कथा ।

प्रा०—महत श्री रामचरित्तर भगत, मनिअर (मठ), बलिया ।→४१-१२८ ख ।

सर्वसुखदास—वृदावन निवासी । राधावल्लभ सप्रदाय के वैष्णव । स० १८८० के पूर्व वर्तमान ।

कवित्तादि (पद्य)→४१-२७८ ।

मॉझबत्तीसी (पद्य)→३८-१३८ ।

सेवकबानी की टीका (पद्य)→०६-२८५, ४१-५६८ (अप्र०) ।

सर्वसुखशरण—सभवत अयोध्या निवासी कोई महत । स० १८७३ के पूर्व वर्तमान ।

तत्वबोध (पद्य)→०६-२८४, १७-१७० बी ।

बारहमासी विनय (पद्य)→१७-१७० ए ।

सर्वांगजोग (पद्य)—सुदरदास कृत । वि० योग ।

(क) लि० का० स० १७६७ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी →सं० ०७-१६३ ड ।

(ख) लि० का० स० १८३६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-१६३ ढ ।

(म) प्रा०—ठा महीसिंह जमींदार, खानीपुर डा रासावबस्ती (बलमऊ)।→२६-४७ ए।

(य)→ २-२५ (पाँच)।

सर्वांगपीरमोचम→हनुमानबाहुक (गो तुलसीदास कृत)।

सर्वांगवर्णन (पद्य)—विविध कवि (जिनमें गंग रावराना सुकवि आदि) कृत। वि नखशिख।

प्रा —श्री रामचंद्र 'साहित्यरत्न' डा डोलपुरा (आगरा)।→१९-२८ ।

सर्वांगसार (पद्य) नवलराम कृत। र का सं १८१४। वि भक्ति और ज्ञान।→पं २२-७७ बी।

सर्वांशपुराण (पद्य)—बलराम (बाबा) कृत। र का सं १८४४। वि वेद पुराण और धर्मशास्त्रों के आधार पर ज्ञानोपदेश।

प्रा —श्री बालाप्रसाद त्रिपाठी बैनगरा डा राजाफत्तेहपुर (रायबरेली)। → सं ८-२११ ब।

सर्वेश्वरजी का अष्टक (पद्य)—चतुरदास कृत। वि सर्वेश्वर जी की स्तुति।

प्रा —पं चक्रपाणि मिश्र विशारद, अध्यापक सेनावली डा सिरसागंज (मैनपुरी)।→१२-४१ ई।

सर्वेश्वरदास (गोसाईं)—कुरथाग्राम (गाजीपुर) के समीप गंगातट पर निवास स्थान। सं १८८७ के लगभग वर्तमान।

नैकाव्यकथा (समसतीधार) (पद्य)→सं १-४४४ क, स सं ७-१६ ।

सर्वोत्तमस्तोत्र (पद्य)—गोकुलनाथ कृत। वि भगवान की स्तुति।

प्रा —पं हरेकृष्ण कौंवर डा कोसी (मथुरा)।→१२-६१ सी।

सर्वोत्तमस्तोत्र की संस्कृत टीका का हिंदी पद्यानुवाद (पद्य)—गिरिधरलाल (गोस्वामी) कृत। वि स्तुति।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग कॉकरोली।→सं १-८ ।

सर्वोपनिषद (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि अथर्ववेद के 'सर्वोपनिषद' का अनुवाद।

प्रा०—पं प्रभुदयाल गोवर्धन (मथुरा)।→१८-२८ आई।

सहस्रलोपूजन (पद्य)—बाबूलाल रघुसुत या रघुबरसुत कृत। वि जैन धर्मानुसार सहस्रनी पूजाविधान।

प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर अग्रपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १ -८७ ख।

सहोकमहामालो (पद्य)—नानक (गुरु) कृत। वि ज्ञानोपदेश।

प्रा – श्री गोपालचंद्रसिंह सिविल बार, सुलतानपुर।→सं १-१८९ क।

सवइया भेट का (पद्य)—रज्जबदास कृत। लि० का० स० १६६०। वि० दादू का गुण गौरव।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७–१०० ङ।

सवईया या किवत (पद्य)—मुकनदास कृत। लि० का० स० १८५६। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७–१५३ ख।

सवितादत्त—हरदोई जिले के निवासी। कुँवर कृष्णसाहि के आश्रित। स० १७३५ के लगभग वर्तमान।

कृष्णविलास (पद्य)→२६–४३२।

सवैया (पद्य)—माधोदास कृत। वि० भक्ति, नाम और सत्सगति की महिमा।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०३–१५१।

सवैया (पद्य)—रसखान कृत। लि० का० स० १६०६। वि० शृगार।

प्रा०—भैया संतबख्शसिंह, गुठना, बहराइच।→२३–३५५।

सवैया (पद्य)—रामचरण कृत। वि० भक्ति का उपदेश।

प्रा०—प० हुब्बलाल तिवारी, मदनपुर (मैनपुरी)।→३२–१७५ डी[२]।

सवैया (पद्य)—अन्य नाम 'सुदरसवैया' और 'सुदरविलास' आदि। सुदरदास कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० स० १८८५।

प्रा०—बाबू कुँवरबहादुर जी, पँड़रिया, डा० पट्टी (प्रतापगढ)।→२६–४७० बी।

(ख) लि० का० स० १८६१।

प्रा०—प० हरिशंकर वैद्य, नगीना (बिजनौर)।→१२–१८४ बी।

(ग) लि० का० स० १८६४।

प्रा०—प० जयानद मिश्र, बालूजी का फरस, ४।४५, रामघाट, वाराणसी। →४१–५७१ (अप्र०)।

(घ) लि० का० स० १६२३।

प्रा०—प० जगन्नाथ बाजपेयी, माखी, डा० नेवटनी (उन्नाव)। →२६–४७० सी।

(ङ) लि० का० स० १६२७।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६–२४२ ए, सी (विवरण अप्राप्त)।

(च) लि० का० स० १६४०।

प्रा०—ठा० शिवबक्शसिंह, बसतपुर, डा० पयागपुर (बहराइच)।→२३–४१५ एफ।

(छ) लि० का० स० १६७६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७–१६३ ग।

(च) प्रा —श्रीमपुरनरेश का पुस्तकालय श्रीमपुर ।→ २–२५ ।
(छ) प्रा —ठा विश्वेश्वरसिंह सर्वदमनसिंह, हरिहरपुर, डा सिलबसिया (बहराइच) ।→२३–४१५ बी ।
(ज) प्रा —पं ब्रजेश पांडे, सेमरिया पांडे की डा बरनापुर (बहराइच) ।→२३–४१५ एच ।
(ट) प्रा —पं महावीरप्रसाद, बेनीपुर डा माधोगंज (प्रतापगढ़) । →२६–४७ डी ।
(ठ) प्रा —पं बद्रीप्रसाद शर्मा स्नानपुर; मरेला, दिल्ली ।→दि ३१–८९ ।
(ड)→ २–२५ (एफ) ।
(ढ)→पं २२–१ ७ सी ।
सवैया (पद्य)—सेवादास कृत । लि का सं १८६५ । वि ज्ञानोपदेश ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१–२६६ य ।
सवैया तथा कीर्तन पद (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । लि का सं १८४४ । वि कृष्णभक्ति आदि ।
प्रा —पं मयाशंकर याज्ञिक अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→१५–१ २ ।
सवैया तुलसी (पद्य)—तुलसी साहब कृत । वि आपा पंथ के सुरति ज्ञान का मंडन ।
प्रा —श्री धर्मपाल बोहरे सलीमपुर डा सादाबाद (मथुरा) ।→ ११–२२२ डी ।
सवैया भेंट के (पद्य)– अन्य नाम 'कबीरदासजी का सवइया । कबीरदास कृत । लि का सं १८११ । वि स्वामी दादूदयाल जी और गरीबदास का गुण गौरव ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–५ ।
सवैया या झूलना (पद्य)—बान कवि (श्यामत खाँ) कृत । लि का सं १७७८ । वि शृंगार ।
प्रा —हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद ।→सं १–१२६ क ।
ससिनाथ→'शशिनाथ' ('पुष्पविलास के रचयिता) ।
ससुरारिपचीसी (पद्य)—देवकीनंदन कृत । र का सं १८११ । वि ससुराल के सुख और आमोद प्रमोद का वर्णन ।
(क) लि का सं १८६१ ।
प्रा —लाला कन्हैयालाल मधुरापुर, डा कातगंज (एटा) ।→२६–८१ बी ।
(ख) लि का सं १८७२ ।
प्रा —पं देवदत्त लखरामपुर, डा कौड़िया (बहराइच) ।→२३–६ बी ।
(ग) लि का सं १८७६ ।
प्रा —पं शिवदयाल तीन बमें (बहराइच) ।→२३–६ सी ।

(घ) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—पं० रामजीवन कवि, रामपुरा, डा० रामपुर (एटा) ।→२६–८१ ए ।

(ङ) प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन संग्रहालय, प्रयाग ।→४१–५०६ (अप्र०) ।

सहचरीशरण वृंदावन निवासी । स्वा० हरिदास के शिष्य । सखी संप्रदाय के वैष्णव । निंबार्काचार्य के अनुयायी । संभवत: पंजाबी । सं० १६०७ के लगभग वर्तमान ।

गुरुप्रणालिका (पद्य)→१२–१६१ ए ।

सरसमंजावली (पद्य)→०६–२२५, १७–१६६ बी ।

ललितप्रकाश (पद्य)→१२–१६१ बी, १७–१६६ ए ।

सहज—सं० १६०० के पूर्व वर्तमान ।

एकादशीमाहात्म्य (पद्य)→३८–१३३ ।

सहजप्रकाश बहुअंग (पद्य)—सहजोबाई कृत । र० का० सं० १८०० । वि० गुरु महिमा ।

(क) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया →०६–२२६ (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण श्रीधर, कुंदीगरों का रास्ता, जयपुर ।→००–१२६ ।

(ग) प्रा०—महंत रामलखन, लक्ष्मणकिला, अयोध्या ।→२०–१७१ ।

सजमानलीला (पद्य)—बालसनेही दास कृत । वि० राधा का कृष्ण से मान करना ।

प्रा०—गो० मनोहरलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१२ ।

सहजराम—वैश्य । अयोध्या (रामकोट) के निवासी । सं० १७८६ के लगभग वर्तमान ।

कवितावली (पद्य)→२३–३६७ ए ।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)→२६–४१५ बी, सी, ४१–२७६, सं० ०४ ४०५ क, ख ।

प्रह्लादचरित्र इतिहास (पद्य)→१२–१६२, २३–३६७ बी, सी; सं० ०४ ४०५ ग, घ ।

रघुवंशदीपक (पद्य)→१२–१६३, २३–३६७ डी ।

हनुमानलीला (पद्य)→२६–४१५ ए, सं० ०४–४०५ ङ ।

सहजराम—किसी रियासत के नाजिर । राम कवि के आश्रयदाता । राम कवि ने इन्हीं के नाम पर 'सहजराम चंद्रिका' की रचना की थी । सं० १८३४ के लगभग वर्तमान । →०४–६१, २३–३४४ ।

सहजरामचंद्रिका (गद्यपद्य)—राम (कवि) कृत । र० का० सं० १८३४ । वि० केशव कृत कविप्रिया की टीका ।

(क) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–६१ ।

(ख) प्रा०—पं० रामदेव भट्ट, नुनरा लमहा (सुलतानपुर) ।→२३–३४४ ।

टि० खो० वि० ०४–६१ में भूल से सहजराम को पुस्तक का रचयिता मान लिया गया है ।

सहजसनेही→'मोहन ('भ्रमरगीत' के रचयिता)।

सहजानंद—गोकुल निवासी। रामप्रसाद और हरिनारायण के भाई। सं० १८९२ के लगभग वर्तमान।
- शिक्षापत्री (पद्य)→१२-१६४।

सहजानंद (पद्य)—सुंदरदास कृत अनुपलब्ध ग्रंथ।→ २-२५ (ग्यारह)।

सहजोबाई—धूसर वैश्य। परीक्षितपुर (दिल्ली) निवासिनी। हरिप्रसाद की पुत्री। स्वा० चरणदास की शिष्या। सं० १८ के लगभग वर्तमान।→दि० ११-१८।
- ग्रन्थ (पद्य)→ -१११।
- सहजप्रकाश-भक्तिप्रसंग (पद्य)→ ०-१२६ ६-२२६ १०-१७१।
- सहजोबाई की बानी (पद्य)→२१-४१६।
- सोलहतिथि निर्णय (पद्य)→ ०-११।

सहजोबाई की बानी (पद्य)—सहजोबाई कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
- प्रा०—बाबा मनीरामदास परगांव डा० हरदोई (लखनऊ)।→२६-४१६।

सहदेव—रामगढ़ निवासी।
- नंदगाँव बरसाने की होरी (पद्य)→२६-४१४।

सहदेव—(?)
- गजप्रकाश (गद्यपद्य)→ ६-१२१।
- शालिहोत्र (पद्य)→४१-२८।

सहदेव—(?)
- ज्योतिष (पद्य)→सं० १-८४।

सहदेव→'भड्डरि (भडुरी) (प्रसिद्ध शकुनशास्त्री)।

सहसनामचौपदी→'सहस्रनामचौपदी (महाराज रामसिंह कृत)।

सहस्रनाम (पद्य)—पीताम्बर कृत। वि० भगवान के सहस्रनाम वर्णन।
- (क) लि० का० सं० १८१८-४ के लगभग।
- प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-१७४ घ।
- (ख) लि० का० सं० १८६६।
- प्रा०—श्री श्यामसुंदर दीक्षित हरिशंकरी (गाजीपुर)।→सं० ७-१४।
- (ग) लि० का० सं० १९१८।
- प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० १०-९८।

सहस्रनाम (पद्य)—सूरदास कृत। वि० श्रीकृष्ण सहस्रनाम।
- प्रा०—श्री गोपालचंद्रसिंह विश्रा न्यायाधीश मथुरा।→सं० १-११४।

सहस्रनामचौपदी (पद्य)—रामसिंह (महाराज) कृत। वि० श्रीकृष्ण सहस्रनाम।
- प्रा०—बाबा गोपालदास चौखंभा वाराणसी।→४१-२२ ग।

सहस्रनामपाठ (पद्य)—बनारसीलाल कृत। र० का० सं० १९ २। लि० का० सं० १९४। वि० जैन सहस्रनाम।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ।→ सं० ०४–१२२।

सहायराम (सहाईराम)—(?)
अयोध्यामाहात्म्य (पद्य)→२६–३०१।

सहिबाज खाँ—सिंधु नदी से लगे हुए प्रदेश के अंतर्गत जलालपुर के राजा। जटमल नाहर के आश्रयदाता। सं० १६६३ के लगभग वर्तमान।→सं० ०१–१२८।

साँईझूला—झूलासाँप के चारण। ईडर नरेश महाराज कल्याणसिंह के आश्रित। सं० १६४० के लगभग वर्तमान।
रुक्मिणीहरण (पद्य)→४१–२८१।

सांगीतगुलशन (पद्य)—जसवंतराय (लाला) कृत। र० का० सं० १८६६। लि० का० सं० १६१८। वि० संगीत।
प्रा०—श्री रामगौरी गौड़पुर, डा० जलेसर (एटा)।→२६–१६६।

सांगीतगोवर्द्धनलीला (पद्य)—कुँवरसेन (कायस्थ) कृत। र० का० सं० १८६४। लि० का० सं० १६३१। वि० गोवर्द्धन लीला का वर्णन।
प्रा०—लाला सीताराम, संगीतशाला, दीनापुर, डा० गोला गोकर्णनाथ (खीरी)। →२६–२५३ बी।

सांगीतचिंतामणि (पद्य)—चिंतामणि कृत। लि० का० सं० १८६९। वि० रागरागनियों का वर्णन।
प्रा०—लाला देवीराम पटवारी, अगसौली (अलीगढ)।→२६–७१ बी।

सांगीतदर्पण (पद्य)—हरिवल्लभ कृत। वि० संगीत।
(क) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच)→२३–१५० ई।
(ख) लि० का० सं० १८८०।
प्रा०—राजा लालताबख्शसिंह, नीलगाँव (सीतापुर)।→२३–१५० एफ।
(ग) प्रा०—एसियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१–६१।
(घ) प्रा०—श्री रामप्रसाद मुराऊ, एरा विश्रामदास, डा० परियावाँ (प्रतापगढ)। →२६– ७३ बी।

सांगीतध्रुवचरित्र (पद्य)—नयनसुख कृत। लि० का० सं० १६२६। वि० ध्रुव की कथा।
प्रा०—लाला सीताराम, संगीतशाला, दीनापुर, डा० गोलागोकर्णनाथ (खीरी)। →२६–३३१।

सांगीतबदरेमुनीर (पद्य)—धनपति (धन्नूलाल) कृत। र० का० सं० १६२८। लि० का० सं० १६३७। वि० प्रेमाख्यान।

प्रा —लाला सीताराम संगीतशाला, सीतापुर, डा गोलागोकर्णनाथ (खीरी)। →२९-१ २।

सांगीतबालचरित्र (पद्य)—ईश्वरसेन (कायस्थ) कृत। र का सं १८९९। लि का सं १९ २। वि कृष्ण की बालकलीला।
प्रा —लाला सीताराम संगीतशाला सीतापुर, डा गोलागोकर्णनाथ (खीरी)। →२९-२५१८।

सांगीतमाला (पद्य)—प्रियादास कृत। लि का सं १९२४। वि श्रीकृष्ण चरित्र।
प्रा —पं राधानाथ मिश्र विलसड पट्टी डा अलीगंज (एटा)।→ २६-२७१ एफ।

सांगीतरत्नाकर (पद्य)—प्रियादास कृत। लि का सं १८ १। वि श्रीकृष्ण चरित्र।
प्रा —श्री रामदास गोस्वामी गढ़ी मैदिह डा सिकंदरराऊ (अलीगढ़)।→ २६-२७१ ई।

सांगीतरत्नाकर→'संगीत की पुस्तक (गौरीशंकर मट्ट कृत)।

सांगीतरत्नाकर→'सांगीतविहार (गौरीशंकर मट्ट कृत)।

सांगीतलैलामजनूँ (पद्य)—विहराम कृत। लि का सं १८८ । वि लैलामजनूँ की प्रेमकथा।
प्रा —ठा रामनरेशसिंह तारापत का निवासा डा मलियाबुर्ग (खीरी)। →२९-६१ सी।

सांगीतविहार (पद्य)—अन्य नाम सांगीतरत्नाकर। गौरीशंकर (मट्ट) कृत। र का सं १९२४ (?)। वि संगीत।
(क) लि का सं १९११।
प्रा —ठा बहादुरसिंह खेपुरे, डा मुरादाबाद (हरदोई)। → २६-१ १ एफ।
(ख) लि का सं १९४ ।
प्रा —पं देवीप्रसाद शास्त्री सकसिया डा महोली (सीतापुर)।→ २६-१११ बी।

सांगीतसार (पद्य)—देवीप्रसाद कृत। र का सं १९ । लि का सं १९५२। वि संगीत।
प्रा —लाला रामनाथ गुप्त बारोमसर डा हाथरस (अलीगढ़)।→ २६-८४ डी।

साँचनिपेच-लीला (पद्य)—परशुराम कृत। वि ईश्वर भक्ति का माहात्म्य।
प्रा•—लाला रामगोपाल अग्रवाल मोतीराम धर्मशाला बाराबाद (मथुरा)। →१९-७४ डी।

साँझी (पद्य)—घनश्यामदास कृत। वि कृष्णोत्सव की साँझी का वर्णन।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–३६ सी ।

साँझीकीर्तन (पद्य)—व्रजभूषण (गोस्वामी) कृत । लि० का० स० १६६० । वि० भक्ति ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→स० ०१–४०२ ख ।

साँझीलीला (पद्य)—सूरदास (?) कृत । वि० राधाकृष्ण विहार ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२६४ ख ।

साँवरतंत्र (गद्य)—नैनायोगिनी कृत । लि० का० स० १८६३ । वि० मंत्रादि ।

प्रा०—पं० रामप्रसाद भट्ट, संस्कृत अध्यापक, ललितपुर (झाँसी) ।→०६–२०६ ।

साँवरतंत्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १६२४ । वि० तंत्र मंत्र और औषधियाँ ।

प्रा०—बाबू खुमानसिंह बुलंदशहर ।→१७–७१ (परि० ३) ।

साँभरयुद्ध (पद्य)—कलानिधि (श्रीकृष्ण भट्ट) कृत । वि० जयपुर नरेश सवाई जयसिंह का दिल्ली के सेनापति सैयद हुसेनअली और सैयद अबदुल्ला के साथ साँभर में युद्ध ।

प्रा०—पं० लक्ष्मीदत्त त्रिपाठी, द्वारा पं० ब्रह्मदत्त पांडे, नवाबगंज, कानपुर ।→०६–३०१ ।

साँसगुजार (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० कबीर और धर्मदास संवाद के रूप में ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० स० १८४६ ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–१४१ जे ।

(ख) लि० का० स० १८६५ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७–११ न ।

(ग) प्रा०—पं० बैजनाथ ब्रह्मभट्ट, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ) ।→२६–१७८ बी ।

साँईदास—कोई पंजाबी ।

सिहरफी (पद्य)→पं० २२–६८ ।

साखी (पद्य)—अन्य नाम 'कबीर की साखी' । कबीरदास कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० स० १७४० ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–५३ ।

(ख) लि० का० स० १७७१ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०–६ ह ।

(ग) लि० का० स० १७६७ ।

प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा ।→३२–१०३ ओ ।

(घ) लि० का० स० १७६७ ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं ७–११ छ।
(ङ) लि का सं १८२१।
प्रा —एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→ १–१५।
(च) लि का सं १६४२।
प्रा —महंत जानकीदास, मऊ मुजफ्फरपुर।→ ६–१७७ श्रो (विवरण अप्राप्त)।
(छ) प्रा —महंत प्रभुदास कबीरदास, सिराधू (इलाहाबाद)। →
६–१४१ बी।
(ज) प्रा॰—पं हरिप्रसाद, पदमावतपुर (आगरा)।→१२–१ १ आई।
(झ) प्रा॰—श्री सुंदरलाल, बरचावली का कोठीकलाँ (मथुरा)। →
१२–१ ९ जेड।
(ञ) प्रा॰—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–४७७ प (अप्र)।
(ट) प्रा —पं परशुराम चतुर्वेदी एम ए एलएल बी बलिया। →
४१–४७७ ब (अप्र)।
(ठ) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७–११ ब।
(ड)→पं २२–५१ सी।
साखी (पद्य)—काशी कवन की और अन्य साधु (मानिक और सालूर) कृत।
लि का सं १८६६। वि ज्ञानोपदेश।
प्रा॰—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १ –११।
साखी (पद्य)—गरीबदास (स्वामी) कृत। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि का सं १७७१।
प्रा॰—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १ २४ प।
(ख) लि का सं १७६७।
प्रा॰—पूर्ववत।→सं ७–१ ग।
साखी (पद्य)—जगजीवनदास कृत। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा॰—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ४–१२ ल।
साखी (पद्य)—दुलनदास कृत। वि ज्ञानोपदेश।
(क) लि का सं १८६६।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १ –११।
(ख) लि का सं १८५६।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७–७ ङ।
साखी (पद्य)—दरियादास कृत। लि का सं १६१८। वि ज्ञानोपदेश।
प्रा —साधु निरंजनदास कुटी मेरोपुर का भीमापार बाजार (गाजीपुर)।→
सं –१५१ ग।
साखी (पद्य)—अन्य नाम 'भ्रममीमांसा' (अंश) तथा 'मनभेरुस्वरूपमम। दादू
दयाल कृत। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १६६० ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-८१ ट ।
(ख) लि० का० सं० १७७१ ।
प्रा०—उपर्युक्त ।→सं० १०-५७ घ ।
(ग) लि० का० सं० १७६७ ।
प्रा०—उपर्युक्त ।→सं० ०७-८१ च ।
(घ) लि० का० सं० १८०६ ।
प्रा०—उपर्युक्त ।→सं० ०७-८१ छ ।
(ङ) प्रा०—उपर्युक्त ।→सं० १०-५७ ग ।

साखी (पद्य)—परशुराम कृत । वि० साधु संगति की महिमा और वैराग्य की प्रशंसा ।
प्रा०—पं० महावीर दीक्षित, चड़ियाना, फतेहपुर ।→२०-१२६ ।

साखी (पद्य)—परस जी कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-७५ ख ।

साखी (पद्य)—पीपा कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-७८ ख

साखी (पद्य)—फरीद (सेख) कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-८१ ।

साखी (पद्य)—बुल्लासाहब कृत । लि० का० सं० १८३८-१८४० (लगभग) । वि० निर्गुण मतानुसार ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-१६५ ।

साखी (पद्य)—मलूकदास कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—श्री मथुराप्रसाद महेशप्रसाद, कड़ा (इलाहाबाद) ।→सं० ०१-२७५ ।

साखी (पद्य)—मुकुंददास कृत । वि० धामी पंथ के सिद्धांत और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—मठाधीश, रखनौली मठ (धामीपंथ), डा० सिरसी (बस्ती) । →सं० ०४-१०० ।

साखी (पद्य)—रामचरण कृत । वि० नाम माहात्म्य, गुरुमाहात्म्य, भक्ति और ज्ञान का उपदेश ।
प्रा०—लाला जयकुमार गुप्त, फरिहा (मैनपुरी) ।→३२-१७५ ए[2] ।

साखी (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत । लि० का० सं० १६०४ । वि० कबीर की साखियों पर टीका ।
प्रा०—महंत लखनलालसरन, लक्ष्मणकिला, अयोध्या ।→०६-३२६ एच ।

साखी (पद्य)—संतदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-४३४ ।

साखी (पद्य)—सिप्पादास (सिद्धराम) कृत। र का सं १८१ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि का सं १६८५।
प्रा —श्री त्रिभुवनप्रताप त्रिपाठी, पूरेपरान पांडे ग्रा तिलोई (रायबरेली)।→ २१–४१७ सी।
(ख) लि का सं १६८६।
प्रा —पं रतननारायण बगहीशकापुर ग्रा दम्हौना (रायबरेली)। → सं ४-४ १ घ।
साखी (पद्य)—सेवादास कृत। लि का सं १८५५। वि निर्गुण ज्ञानोपदेश।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-१११ घ।
साखी (पद्य)—हरिदास कृत। लि का सं १७७१। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ? –१४१ ग।
साखी→ ज्ञानीजी की साखी (ज्ञानीजी कृत)।
साखी→'दोहावली (दूलनदास कृत)।
साखी→'पद' (मलूकदास कृत)।
साखी→'बानी (साखी)' (संतदास कृत)।
साखी→'बानी (बखना जी कृत)।
साखी (केशोदास) (पद्य)—केशवदास कृत। वि सद्गुरु की महानता।
प्रा —गो कुंजीलाल बरसाना (मथुरा)।→१२-११२।
साखी (गोसाँई तुलसीदास की) (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। लि का सं १८६८। वि ज्ञान उपदेश आदि।
प्रा —पं गोविंदराम पुरवा गजाधर तिवारी अमहट (सुलतानपुर)। → २१-४१२ डी[१]।
साखी (ज्ञानखंड) (पद्य)—नानक (गुरु) कृत। वि ज्ञान।
प्रा —पं धीरजराम पुजारी बड़ी संगति बहराइच।→२१- ६१ ई।
साखी (टेक को अंग) (पद्य)—रामचरण कृत। वि सुमिरण परिचय और उपदेश।
प्रा—पं शिवनारायण समौधा ग्रा शिकोहाबाद (मैनपुरी)। → १२-१७५ सी।
साखी (मन को अंग) (पद्य)—रामचरण कृत। वि मन की विषमता और उसके वशीकरण से लाभ।
प्रा—पं शिवनारायण समौधा शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→१२ १७५ बी।
साखी (माया को अंग) (पद्य)—रामचरण कृत। वि माया से बचाव और ब्रह्म में लीनता।

प्रा०—पं० पूरागन, नैगुश्रा, डा० श्रगौंन (मैनपुरी) ।→३२-१७ा गेड ।

साखी कबीर→'साखी' (कबीरदास कृत) ।

साखी दसपातसाह की (पद्य)—स्वरूपदास कृत । लि० का० स० १८६७ । वि०
सिक्खो के दस गुरुओं का वर्णन ।

प्रा०—शारदा वुधेलसिंह, गुदड़ी बाजार, सहारनपुर ।→२३-४२४ ।

साखी विहारिनदास जो की टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १६५
वि० ज्ञान, भक्ति आदि ।

प्रा०—श्री राधाचन्द्र वैद्य, बड़े चौबे, मथुरा ।→१७-१०१ (परि० ३) ।

साखीशब्द (पद्य)—मदनमोहन कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री चद्रभूषणदास, उदासी कुटी, जगनीपुर, डा० जामताली (प्रतापगढ़)
→स० ०४-२७७ ग ।

साखीसबदी (पद्य)—गोरखनाथ कृत । लि० का० स० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-३६ ङ ।

सागर→'प्रकरण सागरन का' (प्राणनाथ या महामति कृत) ।

सागर (कवि)—मालवा नरेश जोरावरसिंह के आश्रित । स० १७८८ के लग
वर्तमान । राजा जोरावरसिंह ने रामगढ किला के निकट मानपुर ग्राम
कवियों की एक सभा बुलाई थी जिसमें चद के पुत्र बाघोरा भाट और आमे
के कवि नान्हूराम उपस्थित थे, जिन्होंने इन्हें साहित्यशास्त्र पर ग्रथ लि
को कहा ।

कविताकल्पतरु (पद्य)→स० ०४-४०६ ।

सागरदान (चारण)—साँदू चारण । आसोप (जोधपुर) के ठाकुर केशरीसिंह
आश्रित । स० १८६७ के पूर्व वर्तमान ।

गुणविलास (पद्य)→०१-८१ ।

साचार—पिता का नाम तारानाथ ।

रसरत्न (पद्य)→स० ०४-४०७ ।

साठक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० स० १८०३ । लि० का० स० १८०३ । वि
सवत्सरों का फलाफल ।

प्रा०—प० वासुदेव शर्मा, कोटला (आगरा) ।→२६-४८७ ।

साठा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १८८६ । वि० साठ सवत्सरों
फलाफल वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं ०१-५७० ।

साठिक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० सवत्सरों का फलाफल ।

प्रा०—श्री मेघराज ब्राह्मण, कुडौल, डा० डौकी (आगरा) ।→२६-४८८ ।

साठिकमत (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १८६८ । वि० सवत्सरों
फलाफल ।

प्रा —श्री दौलतराम पुजारी सरैंधी डा कागरोल (आगरा) ।→२६–८८ ।

साठिका (गद्य)—दुर्गादेवी (?) कृत । लि का सं १७५६ । वि संवत्सरों के नाम के साथ देश भेद से उसका फलाफल ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१–१ ६ ।

साठिका (पद्य)—बालदास कृत । लि का सं १८६४ । वि ज्योतिष ।

प्रा —पं उमाशंकर चौड़ी (हरदोई) ।→१२–१ ।

साठिका (संवत्सर) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८१७ । वि ज्योतिष ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ४–४९८ ।

साठिकाफल (गद्य)—लक्ष्मीधर कृत । र का सं १६७४ । लि का सं १६७४ । वि साठ वर्षों का फलाफल ।

प्रा —प महादेवप्रसाद चतुर्वेदी अश्विनीकुमार मंदिर, असनी (फतहपुर)। →१ –६४ ।

साठो (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि ज्योतिष ।

प्रा —श्री चंद्रसेन पुजारी खुर्जा (बुलंदशहर) ।→१७–८४ (परि १) ।

सातवार रा दूहा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि शृंगार ।

प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर ।→४१–४२ ।

सातसती रा दूहा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नीति ।

प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर ।→४१–४३१ ।

सात स्वरूप के कीर्तन (पद्य)—हारिकेश (गोस्वामी) कृत । वि वल्लभ संप्रदाय के सात स्वरूपों—मथुरेश जी विट्ठलनाथ जी द्वारिकाधीश जी गोकुलचंद्रमा जी गोकुलनाथ जी और मदनमोहन एवं श्रीनाथ जी का वर्णन ।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरौली ।→सं १–१६८ ।

सादिक—घोड़ों के व्यापारी और मुसलमान । सं १८६६ के पूर्व वर्तमान ।

शालिहोत्र (घोरान की बैदगर) (पद्य)→सं १–४४६ ।

साध को अंग (पद्य)—कबीरदास कृत । वि साधुओं के लक्षण ।

प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ १–१४१ एच ।

साध की ज्यौरी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८३६ । वि साधु रहनी की विधि का उपदेश ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ४–२३६ ।

साध की ज्यौरा→'मालमाला (रचयिता अज्ञात) ।

साधमाकृत्यायोग (पद्य)→'साधप्रप्या' (पृथ्वीनाथ कृत) ।

साधप्रप्या (पद्य)→पृथ्वीनाथ कृत । वि ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८३६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-७६ ख ।

(ख) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-११८ ख ।

साधमहमाँ कौ अंग (पद्य)—सेवादास कृत । वि० साधु माहात्म्य ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-२०३ घ ।

साधुगुणमाला (पद्य)—जयमल (ऋषि) कृत । लि० का० सं० १८९० । वि० साधु चरित्र वर्णन ।

प्रा०—स्वा० रविदत्त शर्मा, आयुर्वेद वैद्य भूषणभिषक, नरेला, दिल्ली । → दि० ३१-३६ ।

साधुजन—(?)

ध्रुवचरित्र (पद्य)→सं० ०१-४४७ ।

साधुमहातम (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री कुंजीलाल भट्ट, अनरैला, डा० किरावली (आगरा) । → २६-१७८ क्यू ।

साधुवंदना (पद्य)—बनारसीदास कृत । वि० जैन मतानुसार साधुओं के २८ मूल गुणों का वर्णन ।

(क) प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००-१०५ ।

(ख) प्रा०—श्री रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७-१६ ए ।

साधुशरण—अन्य नाम साधूराम । स्वा० चरणदास की शिष्य परंपरा में लछिदास के शिष्य ।

अध्यात्मबोध (पद्य)→४१-२८२ ।

साधुसुलच्छणजोग (ग्रंथ) (पद्य)—तुरसीदास (निरंजनी) कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८३८ ।

प्रा०—श्री वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→३५-१०० डी ।

(ख) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-७० च ।

साधू जो (बाबा साधू)—स्वा० दादूदयाल जी के शिष्य । राघोदास के भक्तमाल के अनुसार माड़ोठी के निवासी ।

वाणी या साखी (पद्य)→सं० ०७-१६१ क ।

शब्द या पद (पद्य)→सं० ०७-१६१ ख ।

साधूराम→'साधुशरण' ('अध्यात्मबोध' के रचयिता) ।

साबरमंत्र (गद्य)—दामोदर (पंडित) कृत । वि० प्रसिद्ध साबर मंत्र की प्रशंसा ।

(क) लि० का० सं० १८५६।

प्रा० पं० रामसेवक मिश्र मिरकनगर डा० निगोहाँ (लखनऊ)। → २६-२५५ ए।

(ख) प्रा०—पं० रामगोपाल, मंग मैंड ऐंड कं० चाँदनी चौक, दिल्ली। → दि० ३१-६१ सी।

टि० प्रस्तुत ग्रंथ को खोज विवरणों में भूल से निरमनाथ कृत माना गया है।

साबरमंत्र (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० तंत्र मंत्र।

प्रा०—पं० बिहारीलाल प्रधानाध्यापक, नौगवाँ (आगरा)।→२६-४६६।

साबरमंत्र शास्त्र (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० झाड़फूँक।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे साहित्यान्वेषक हरदोई।→२६-११५ (परि० १)।

सामंतसिंह (भरैया)—जोधपुर नरेश महाराज अमरसिंह के आश्रित। विविध कवि कृत। 'शंकरपच्चीसी' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → २-७२ (सात)।

सामरथी (द्विज)—(?)

प्रेममंजरी (पद्य)→२६-४२।

सामुद्रिक (पद्य)—उत्तमदास कृत। लि० का० सं० १८२६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—महाराज मानसिंहप्रतापसिंह का पुस्तकालय अयोध्या।→२-२।

सामुद्रिक (पद्य)—ताहिर कृत। र० का० सं० १६७८। लि० का० सं० १९ ४। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० रमाशंकर पाण्डे मंडी रामदास मथुरा।→१७ २।

सामुद्रिक (पद्य)—देवनाथ कृत। लि० का० सं० १८८१। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—ठा० महीपसिंह कोहली बेचाईसिंह का पुरवा डा० केसरगंज (बहराइच)। →२३-४११।

सामुद्रिक (पद्य)—दयाराम कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० मातादीन सबरवाल गौरहार।→ ६-१५४ ए (विवरण अप्राप्त)।

सामुद्रिक (पद्य)—बाँकेराम (दीक्षित) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८८९।

प्रा०—पं० रामनाथ शुक्ल कोथवा, डा० महोली (सीतापुर)।→२३-४ ए।

(ख) प्रा०—पं० रमाकांत शुक्ल पुरवा गरीबदास डा० गढ़वारा (प्रतापगढ़)। →२६-४ बी।

सामुद्रिक (पद्य)—बालकदास कृत। लि० का० सं० १८८ । वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० भानुदत्त, सुनई डा० करहमा (फर्रुखाबाद)।→१ -१।

सामुद्रिक (गद्य)—महादेव (जोशी) कृत। लि० का० सं० १९४ । वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० रामप्रसाद दूबे भरौसेपुर डा० चमरौली (उन्नाव)।→२६-२७२।

सामुद्रिक (गद्य)—यदुनाथ (शुक्ल) कृत । र० का० स० १८०३ । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) लि० का० स० १६१७ ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–३४४ (विवरण अप्राप्त) ।
(ख) लि० का० स० १६२४ ।
प्रा०—ठा० कृष्णपालसिंह, तिवारीपुर, डा० साँगीपुर (प्रतापगढ)। → २६–५०७ ।

सामुद्रिक (गद्य)—रत्न (भट्ट) कृत । र० का० स० १७४५ । लि० का० स० १८८१ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—लाला विद्याधर, छोरीपुर, दतिया ।→०६–२१६ (विवरण अप्राप्त) ।
(स० १८८६ की एक प्रति चरखारी नरेश का पुस्तकालय, चरखारी में है) ।

सामुद्रिक (पद्य)—राम कृत । लि० का० स० १६०४ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—प० रामकुमार, बलुवन का शिवपुर, डा० कोहडौर (प्रतापगढ) । → स० ०४–३२३ ।

सामुद्रिक (पद्य)—वृंदावन कृत । लि० का० स० १६१६ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–३३ ।

सामुद्रिक (गद्य)—श्रीधर (गौड़) कृत । र० का० स० १६२८ । लि० का० स० १६४१ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री लालताप्रसाद दूबे, जदवापुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) । → २६–४५४ सी ।

सामुद्रिक (गद्यपद्य)—स य (कवि) कृत । वि० हस्तरेखा शास्त्र ।
प्रा०—श्री तामेश्वरप्रसाद मिश्र, बगही, डा० गायघाट (बस्ती) । → स० ०४–३६६ ।

सामुद्रिक (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १८६१ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—प० बाँकेलाल शर्मा, फतेहाबाद (आगरा) ।→२६–४७५ ।

सामुद्रिक (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १८६० । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—वैद्य सीताराम, बमनोई, अलीगढ ।→२६–४७६ ।

सामुद्रिक (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० हस्तरेखा ।
प्रा०—श्री उमाशकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई ।→२६–१११ (परि० ३) ।

सामुद्रिक की टीका→'पुरुष स्त्री की परीक्षा' (रचयिता अज्ञात) ।

सामुद्रिकनारी-दूषण (पद्य)—कोका (पंडित ?) कृत । वि० सामुद्रिक शास्त्र ।
(क) लि० का० स० १७१० ।
प्रा०—प० गगाराम गौड़, जलाली (अलीगढ ।→२६–१६६ ए ।
(ख) लि० का० स० १८६० ।

प्रा —पं बाबूराम अध्यापक, रामनगर, डा॰ अवागढ़ (एटा) ।→२६-१६६ सी ।

सामुद्रिकभेद (पद्य)—रामदयाल कृत । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —पं ज्वालाप्रसाद त्रिपाठी सिर्सौं, मिठौरा (फतेहपुर) ।→२ -१४१ ।

सामुद्रिकलक्षण (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —तुलसीदास जी का बड़ा स्थान दारागंज प्रयाग ।→४१-४२२ ।

सामुद्रिकलक्षण-नारी-पुरुष→'सामुद्रिकनारी-पुरुष (कोका पंडित ? कृत) ।

सारंगधर—सं १७०४ के पूर्व वर्तमान ।

विरामचंद्रिका (पद्य)→सं ४-४०८ ।

सारंगधर (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८९६ । वि चिकित्सा ।

प्रा —श्री गिरंधीलाल वैद्य ज्योतिषी सिकंदराबाद (बुलंदशहर) । → १७–७७ (परि १) ।

सारंगधरवैद्यक (गद्यपद्य)—नवमसुख (नैनकवेश्वर) कृत । लि का सं १८६ । वि वैद्यक ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-१७८ ।

सारंगधरवैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८८८ । वि वैद्यक ।

प्रा —श्री मनभूषण पाठक बढारठपुर, डा कंजा (जौनपुर) ।→सं ४-४६१ ।

सारंगधरसंहिता (पद्य)—मेलसिंह कृत । र का सं १८ ८ । वि वैद्यक (संस्कृत ग्रंथ शारंगधर का अनुवाद) ।

(क) लि का सं १९११ ।

प्रा लाला राधाकृष्ण बड़ाबाजार कालपी ।→ -११८ ।

(ख) प्रा —लाला अन्नामप्रसाद कश्मिनगंज, बाँदा ।→ ३-२११ ।

सारंगधरसंहिता (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि वैद्यक ।

प्रा —श्री रामगोपाल मुरारी वैद्य ग्राम का ताला डा परियावाँ (प्रतापगढ़) ।→ २६-११३ (परि ३) ।

सारगीता (गद्य)—मुरलीदास कृत । वि भगवद्गीता का सारांश ।

(क) लि का सं १८१२ ।

प्रा —लाला रामस्वरूप समीरा डा रामपुर (एटा) ।→२६-३१४ बी ।

(ख) लि का सं १८६ ।

प्रा॰—श्री रामभजनलाल हसनपुर डा चौंदपहाड़ी (अलीगढ़) ।→२६-३१४ एच ।

(ग) प्रा —ठा भीनाथसिंह रईस एतमादपुर (आगरा) ।→२६-३१४ आई ।

(घ) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ४-१ २ ।

सारगीता (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि वेदांत वर्णन ।

(क) लि का सं १७५७ ।

प्रा०—पं० रामनाथ मिश्र, इमलिया, डा० सदारपुर (सीतापुर)। → २६–११३ (परि० ३)।
(ख) लि० का० स० १८७२।
प्रा०—वैद्य रामभूषण, कामतापुर, डा० इटौंजा (लखनऊ)। → २६–११३ (परि० ३)।
(ग) प्रा०—पं० मन्नीलाल गंगापुत्र तिवारी, मिश्रिख (सीतापुर)। → २६–११३ (परि० ३)।

सारचंद्रिका (पद्य)—किशोरीअली कृत। र० का० सं० १८३७। वि० सत्संग की महिमा।
(क) लि० का० स० १८५६।
प्रा०—कबीरदास का स्थान, मगहर (बस्ती)।→०६–१५१।
(ख) प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७–६७।
(ग) प्रा०—गोपाल जी का मंदिर, नगर, डा० फतेहपुरसीकरी (आगरा)।→ ३२–१२० डी।

सारचंद्रिका (पद्य)—जगन्नाथ (भट्ट) द्वारा संगृहीत। वि० भक्ति।
(क) लि० का० स० १८८७।
प्रा०—एतमादपुर, आगरा।→२६–१६४ ए।
(ख) प्रा०—पं० मिठ्ठूलाल मिश्र, पीपलवाला, फीरोजाबाद (आगरा)।→ २६–१६४ बी।

सारभेद (पद्य)-कबीरदास कृत। लि० का० स० १६३५। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री जगन्नाथप्रसाद मठाधीश, बनकेगाँव, डा० कादीपुर (सुलतानपुर)। →सं० ०४–२४ ङ।

सारशब्दावली (पद्य)—बनादास कृत। लि० का० स० १६३१। वि० भक्ति।
प्रा०—पुजारी मोहनदास, भवहरणकुंज, अयोध्या।→२०–११ क्यू।

सारसंग्रह (पद्य)—प्रवीन (कवि) कृत। लि० का० स० १६४४। वि० भक्ति और शृंगार।
प्रा०—श्री कृष्णविहारी मिश्र, व्रजराज पुस्तकालय, गंधौली (सीतापुर)। → सं० ०४–२१५।

सारसंग्रह (पद्य)—शंकर (पांडे) कृत। र० का० सं० १८६२। लि० का० स० १८६२। वि० नीति।
प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६–२७६।

सारसंग्रह (पद्य)—सुंदरकुँवरि कृत। र० का० स० १८४५। वि० भक्ति।
प्रा०—साधु निर्मलदास, वेरू (जोधपुर)।→०१–१०२।

सारसंग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।

सदेहबोध (गद्य)→०४–३० ।

साहबदीनदास—टिपरी, रामपुर (खीरी) के निवासी । स० १६२१ के लगभग वर्तमान ।

छत्तीसअच्छरी (पद्य)→२३–३६६ ।

साहबराय—सक्सेना कायस्थ । नारायणदास के पुत्र । दयालदास के पौत्र । व्रज निवासी बाबा नद के शिष्य ।

रामायण (पद्य)→३८–१३२ ।

साहबसिंह (राय)—(?)

कोश (गद्य)→१७–१६४ ।

साहिजादे माजम के कवित्त→'मुअज्जमशाह के कवित्त' (जैतसिंह कृत) ।

साहित्यचद्रिका (गद्यपद्य)—करण (भट्ट) कृत । वि० विहारी सतसई की टीका ।

प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ ।→०६–५७ ।

साहित्यतरगिणी (पद्य)—वशीधर कृत । र० का० स० १६०७ । लि० का० स० १६०७ । वि० काव्याग वर्णन ।

प्रा०—प० शिवलाल वाजपेयी, असनी (फतेहपुर) ।→२०-१२ ।

साहित्यशिरोमणि (पद्य)—निहाल (कवि) कृत । र० का० स० १८६३ । वि० साहित्य और पिंगल ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–१०५ ।

साहित्यसार (पद्य)—मतिराम कृत । लि० का० स० १८६४ । वि० नायिकाभेद ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१६६ बी (विवरण अप्राप्त) ।

साहित्यसार-चिंतामणि (गद्यपद्य)—श्रीधरानंद कृत । वि० अलकार निरूपण ।

प्रा०—श्री मयाशकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२–२०५ ।

साहित्यसुधाकर (पद्य)—सरदार (कवि) कृत । र० का० स० १६०२ । वि० पिंगल और काव्य के लक्षण ।

(क) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । →०३–६२ ।

(ख) प्रा०—प० कन्हैयालाल महापात्र, असनी (फतेहपुर) ।→२०–१७४ ।

साहित्यसुधानिधि (पद्य)—जगतसिंह कृत । र० का० स० १८५८ । वि० अलकार और छदादि ।

(क) लि० का० सं० १८६२ ।

प्रा०—प० कृष्णविहारी मिश्र, सपादक 'माधुरी', लखनऊ ।→२३–१७६ एन ।

(ख) लि० का० स० १८८३ ।

प्रा०—पं० कन्हैयालाल महापात्र, असनी (फतेहपुर) ।→२०–६४ ए, बी ।

(ग) लि० का० स० १६४३ ।

प्रा०—पं जुगलकिशोर मिश्र गंधौली (सीतापुर) ।→ ९–१२७ ए ।
(घ) लि का सं १९४१ ।
प्रा —पं कृष्णबिहारी मिश्र संपादक 'माधुरी' लखनऊ ।→२१–१७९ एम ।
(ङ) लि का सं १९४३ ।
प्रा —पं कृष्णबिहारी मिश्र माडल हाउस लखनऊ ।→२६–१६२ बी ।
(च) लि का सं १९४१ ।
प्रा —पं कृष्णबिहारी मिश्र ब्रजराज पुस्तकालय गंधौली (सीतापुर) । → सं ४–१ ६ ख ।

साहित्यसुधानिधि (पद्य)—हरिप्रसाद कृत । र का सं १९११ । वि काव्यांग ।
(क) लि का सं १९११ ।
प्रा —ठा रतिभानसिंह रुस्तमपुर कलाँ डा ब्रजमैन (उन्नाव) । → २६–१७ ए ।
(ख) लि का सं १९८१ ।
प्रा —पं रघुवरदयाल विशारद अध्यापक नगरमहापालिका स्कूल कबीरचौरा वाराणसी ।→२६ १७ बी ।

साहित्यसुधासागर (पद्य)—अयोध्याप्रसाद (वाजपेयी) कृत । र का सं १८८७ ।
वि शिव ब्रह्मा विष्णु आदि की महिमा ।
प्रा —पं शिवनारायण वाजपेयी वाजपेयी का पुरवा डा सिरैया (बहराइच) ।
→२१ २४ बी ।

साहिबजी की कविता (पद्य)—मुरलीधर कृत । वि स्वामी प्राणनाथ की प्रशंसा ।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ १–७६ ।

सिंगारतिलक (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र का सं १७ १ ।
लि का सं १७७८ । वि संस्कृत ग्रंथ शृंगारतिलक का अनुवाद ।
प्रा —हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद ।→सं १–१२६ ए[1] ।

सिंगारशतक→ शृंगारशतक' (गोपालदास नायक कृत) ।

सिंध (नृप)—चरखारी नरेश । मोहनदास मिश्र (शिवराम) के आश्रयदाता । → सं १–१ ९ ।

सिंधु (कवि)—उप आनंद । महाराज जगतसिंह (उदयपुर के राजा राज्यकाल सं १ ६८ के लगभग) के समकालीन ।
दिनमणिवंशावली गुरुकथन (पद्य)→सं १–४४ ।

सिंह→'मानसिंह (द्विज)' ('बहुलाकथा' के रचयिता) ।

सिंहलकुमारचौपई (पद्य)—सुंदर कृत । र का सं १६ । वि सिंहल कुमार के वैराग्य की कथा ।→पं २२ १ १ ।

सिंहासनबत्तीसी (गद्य)—काशिमशली बयान कृत । र का सं १८५८ । लि का
लो सं वि १६ (११ –१४)

स० १६१० । वि० ग्वालियर के सुदर कवि की सिंहासन बत्तीसी का खड़ीबोली में अनुवाद ।

प्रा०—लाला कुंदनलाल, बिजावर ।→०६–१८० (विवरण अप्राप्त) ।

(एक अन्य प्रति लाला देवीप्रसाद, छतरपुर के पास है ।)

सिंहासनबत्तीसी (पद्य)—गंगाराम कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—भट्ट दिवाकरराय का पुस्तकालय, गुलेर (काँगड़ा) ।→०३–६ ।

सिंहासनबत्तीसी (पद्य)—परमसुख कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० स० १६०५ ।

प्रा०—लाला राधाकृष्ण, बड़ाबाजार, कालपी ।→००–१३७ ।

(ख) लि० का० स० १६०५ ।

प्रा०—हिंदी साहित्य समेलन, प्रयाग ।→४१–५१३ (अप्र०) ।

सिंहासनबत्तीसी (पद्य)—पुरुषोत्तमदास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–२०८ ।

सिंहासनबत्तीसी (पद्य)—मेघराज (प्रधान) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–७४ सी ।

सिंहासनबत्तीसी (पद्य)—विनयसमुद्र कृत । र० का० स० १६११ । लि० का० स० १८२४ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—चारण बालकदान जी, खाटा, जोधपुर ।→०१–७४ ।

सिंहासनबत्तीसी (पद्य)—सेनापति कृत । लि० का० स० १८२८ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा० –प० नरोत्तमदास, जियालाल का मुहल्ला, मुरादाबाद ।→१२–१७२ ।

सिंहासनबत्तीसी (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १७६३ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री किरोड़ीसिंह, बाटी, डा० राल (मथुरा) ।→३८–१६६ ।

सिंहासनबत्तीसी (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १६०१ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—ठा० नैनसिंह, हरीपुर, डा० माधोगंज (हरदोई) ।→२६–५०० ।

सिंहासनबत्तीसी→'विक्रमबत्तीसी' ।

सिंहासनबत्तीसी→'सुजानविलास' (शशिनाथ या सोमनाथ कृत) ।

सिकंदरफिरंगी—आलमगीर बादशाह के आश्रित कोई हकीम । स० १८२० के पूर्व वर्तमान ।

बाजनामा (गद्य)→स० ०१-४४६ ।

सिकरावली (पद्य)—जयदयाल कृत । लि० का० स० १८७३ । वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ ।

प्रा —पं भिखना मिश्र बखहर (बस्ती) । →सं ४-१११ ।

सिखनख (सवैया) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नखशिख ।

प्रा —पं आत्माराम रावल का गोकुल (मथुरा) । →११-१ ४ ।

सिखरचंद→'खीवसाल' ('सुंदरचंपरछ के रचयिता) ।

सितकंठ—बरेली निवासी । सं १०२७ के लगभग वर्तमान ।

चलमुक्तावली (गद्यपद्य)→ ६-२६१ ।

सिद्धगरीब— सिद्धों की बानी में इनके पद संग्रहीत हैं । →४१-२१ (चौरह) ।

सिद्धदास→'सिध्यादास (सिद्धदास) ('बानी' आदि के रचयिता) ।

सिद्धदासजी की शब्दावली→'शब्दावली (सिध्यादास या सिद्धदास कृत) ।

सिद्धनाथ—(?)

रसरत्नाकर→पं २२-१ २ ।

सिद्धवंदना (पद्य)—प्रेमदास (प्रेम) कृत । लि का सं १८५५ । वि सिद्धों की वंदना ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी । →सं ७-१११ ।

सिद्धसागरतंत्र (पद्य)—शिवदयाल कृत । र का सं १८२१ । वि तंत्र मंत्र और औषधियों आदि का वर्णन ।

प्रा —बाबू सोहनलाल जैन मिनीलिया इलाहाबाद । → ६-२९१ ए ।

सिद्धसिद्धांतपद्धति (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि वेदांत तथा परमनाथ की उपासना । (संभवतः गोरखनाथ कृत ग्रंथ का अनुवाद । जोधपुर के महाराज मानसिंह के समय में अनुदित) ।

प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर । → २-७५ ।

सिद्धहरवाली—'सिद्धों की बानी में इनके पद संग्रहीत हैं । →४१-२१ (तरह) ।

सिद्धांत (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि ज्ञान ।

प्रा —श्री राधाचरण चौबे बड़े चौबे मथुरा । →१७-८७ (परि) ।

सिद्धांत (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि गुरु रामदास के सिद्धांत ।

प्रा —पं रामस्वरूप शर्मा पंडित का पुरवा का परियावाँ (प्रतापगढ़) । → २६-११७ (परि १) ।

सिद्धांत आदि फुटकर विषय वर्णन (पद्य)—सुंदरलाल (सुंदररसिक) कृत । र का सं १९१७ । लि का सं १९१५ । वि रास के लक्षण और भक्ति आदि ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी । →४१-२८८ क ।

सिद्धांत के पद (पद्य)— कृष्णचंद्र (हित) कृत । वि राधाकृष्ण की भक्ति ।

(क) प्रा —गो पुरुषोत्तमलाल वृंदावन (मथुरा) । →१९-२१ ।

(ख) प्रा —नगरमहापालिका संग्रहालय इलाहाबाद । →४१-११ ख ।

सिद्धांत के पद (पद्य)—वंशीअली कृत । वि राधाकृष्ण की आराधना के सिद्धांत ।

प्रा —श्री राधावल्लभ जी का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ...

सिद्धांतगणना (पद्य)—दीपविजय कृत। र० का० सं० १-८१। लि० का० सं० १६००। वि० जैन धर्म के द्वादशांगी सूत्रों का वर्णन।
प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली। → दि० ३१-३० ए, बी।

सिद्धांतचौंतीसी (पद्य)—अन्य नाम 'बारहखड़ी'। जनकराजकिशोरीशरण कृत। वि० अध्यात्म।
(क) लि० का० सं० १६१२।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-१०।
(ख) लि० का० सं० १६३०।
प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→०६-१३४ एम।

सिद्धांतजोग (पद्य)—कमाल कृत। लि० का० सं० १८३३। वि० योग दर्शन।
प्रा०—पं० सीतलप्रसाद, फतेहपुर (बाराबंकी)।→२३-२०३।

सिद्धांतपंचमात्रा (पद्य)—राघवानंद (स्वामी) कृत। वि० योग और वैष्णव भक्ति।
प्रा०—महात्मा रामशरण, हनुमान जी का मंदिर, दानघाटी, गोवर्द्धन (मथुरा)। →३५-८६।

सिद्धांतपदावली (पद्य)—कृपानिवास कृत। लि० का० सं० १६०७। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→सं० ०४-३६ ख।

सिद्धांतबोध (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत। वि० अध्यात्म।
(क) लि० का० सं० १८६१।
प्रा०—लाला झन्नूमल, गौरियाफलाँ, डा० फतेहपुर (उन्नाव)।→२६-१४ ई।
(ख) प्रा०—पं० रघुवरदयाल मिश्र, इटावा।→२६-१४ एफ।

सिद्धांतबोध (गद्यपद्य)—जसवंतसिंह (महाराज) कृत। वि० ब्रह्मज्ञान।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-१६।

सिद्धांतमुक्तावली (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। र० का० सं० १८७५। वि० वैष्णव भक्ति के सिद्धांत।
(क) लि० का० सं० १६०७।
प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→सं० ०४-१११।
(ख) लि० का० सं० १६२६।
प्रा०—महंत लखनलालशरण, लक्ष्मणकिला, अयोध्या।→०६-११४ ए।
(ग) लि० का० सं० १६४३।
प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़।→०६-१८१ डी (विवरण अप्राप्त)।
(घ) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७-८३ बी।

(ग) प्रा०—पंचायती ठाकुरद्वारा, गढ़ुवा (फतहपुर)।→२-७६।

सिद्धांतमुक्तावली (गद्य)—विट्ठलनाथ कृत। वि० वल्लभ संप्रदाय के सिद्धांत।
प्रा०—पं० रामेश्वराम, परसिवा डा० गोवर्द्धन (मथुरा)।→१२-७२ वी।

सिद्धांतरहस्य (गद्य)—गोकुलनाथ कृत। वि० वल्लभ संप्रदाय के सिद्धांतों की व्याख्या।
प्रा०—पं० ठाकाराम बरसाना डा० बरसाना (मथुरा)।→१२-६५ डी।

सिद्धांतविचार (पद्य)—प्रभुदास कृत। वि० श्रीकृष्ण की रासलीला और भक्ति के सिद्धांत।
(क) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→६-७१ ग्राइ।
(ख) प्रा०—पं० रामचंद्र वैद्य चिकित्सा चूड़ामणि भारत आयपालय मथुरा।→१०-२१ वी।

सिद्धांतविचार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६१। वि० भगवद्भक्ति एवं कृष्ण की शृंगारोपासना।
प्रा०—पं० जमुनाहरि महोली (मथुरा)।→१५-१ ८।

सिद्धांतसार (पद्य)—जसवंतसिंह (महाराज) कृत। वि० मोक्ष और ब्रह्मज्ञान।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २-८३।

सिद्धांतसार (पद्य) मयमलशिवलाल (जैन) कृत। र० का० सं० १८१४। लि० का० सं० १८६। वि० जैन धर्म के सिद्धांत।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक लखनऊ।→सं० ७-६५।

सिद्धांतसार (पद्य)—हितरूपलाल (गोस्वामी) कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।
प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल ग्रहसैया वृंदावन (मथुरा)।→१२-१६८ एच।

सिद्धिइक्कीस गोरखनाथजी का गोरखनाथ कृत। गोरखबोध' में संगृहीत।→२-६१ (इक्कीस)।

सिद्धिचक्र-विधान (गद्यपद्य)—संतलाल (जैन) कृत। वि० पूजापाठ।
(क) लि० का० सं० १६५८।
प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नईमंडी मुजफ्फरनगर।→सं० १ १६६ क।
(ख) लि० का० सं० १६८२।
प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर नईमंडी मुजफ्फरनगर।→सं० १-१६६ ख।

सिद्धिसागर→'राधिमाला (रचयिता अज्ञात)।

सिद्धों की बानी (पद्य)—गोरखनाथ भर्तृहरि गोपीचंद, चर्पटीनाथ पृथ्वीनाथ चारंगीनाथ कणेरीपाव हालीपाव मीढकीपाव दत्तदेव नागाअर्जन हरवाली गरीब घुंडीमल रामचंद्र बालगुदाई चौड़ाचोली धर्मपाल चौड़ानाथ देवलनाथ महादेव पारवती मालीपाव सुकुलहंस और दत्तात्रेय के पदों का संग्रह। लि० का० सं० १८५५। वि० संसार को असार मानकर मुक्ति का उपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–५६।

सिध्यादास (सिद्धदास)—हरगाँव (सुलतानपुर) निवासी। सतनामी सम्प्रदाय के अनुयायी। दूलनदास के शिष्य। सं० १८१० के लगभग वर्तमान।

कवित्त (पद्य)→२६–४३७ ए।

बानी (पद्य)→सं० ०४–४०६ फ।

बिरहसत (पद्य)→२६–४३७ डी, सं० ०४–४०६ ग, ग।

शब्दावली (पद्य)→२३–३८६, २६–४३७ बी, सं० ०४–४०६ घ, ट।

साखी (पद्य)→२६–४३७ सी, सं० ०४–४०६ च।

सिपहदार खाँ—उप० बेगुनदास। कोल (सम्भवतः अलीगढ) निवासी। मुसलमान। सं० १९१२ के पूर्व वर्तमान।

पदमाला श्री जगन्नाथजी (पद्य)→सं० ०४–४१०।

सियाकरमुद्रिका (पद्य)—सीतारामानन्यशीलमणि कृत। वि० सीताराम का वर्षाविहार और वर्षाऋतु की शोभा आदि।

प्रा०—स्वा० रामवल्लभशरण, सद्गुरु सदन, अयोध्या।→१७–१७३।

सियाराम—सं० १८१३ के लगभग वर्तमान।

जानकीविजय (पद्य)→२६–४५३ ए, बी, सी।

वैराग्यसंदीपनी टीका (गद्य)→सं० ०१–४५०।

सियाराम-गुणानुवाद (पद्य)—अहलाददास कृत। र० का० सं० १८१४। वि० सीताराम का गुणानुवाद।

प्रा०—पं० राजेश्वरप्रसाद शुक्ल, बनगवाँ, डा० महसो (बस्ती)। → सं० ०४–११।

सियाराम-चरण-चन्द्रिका (पद्य)—लछिराम कृत। वि० सीताराम की भक्ति।

प्रा०—श्री सेवतीलाल पनवारी, जाफरगंज, फैजाबाद।→२०–६३।

सियाराम-रसमंजरी (पद्य)—जानकीचरण कृत। र० का० सं० १८८१। वि० सीताराम के चरणों का माहात्म्य।

(क) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—महंत लखनलालशरण, अयोध्या।→०६–२४५ ई।

(ख) लि० का० सं० १८६५।

प्रा०—लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–८१ बी।

टि० खो० वि० ०६–२४५ ई पर प्रस्तुत पुस्तक को भूल से रामचरणदास कृत मान लिया गया है।

सियारामशरण—अयोध्या निवासी। सं० १९०६ के पूर्व वर्तमान।

वर्णप्रतिज्ञानोपदेश (पद्य)→१७–१७७।

सियालालसमय रसवर्द्धिनी-कवित्तदाम (पद्य)—रामरतन कृत। वि० रामचरित्र।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–१५६।

सिंगारकेलि-पदावली (पद्य)—ज्ञानप्रली कृत। लि का सं १६५६। वि सीताराम चरित्र।
  प्रा —श्री लक्ष्मीचंद्र पुस्तक विक्रेता अयोध्या।→ ६–२ १।
सिरसागढ़ की लड़ाई (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि आल्हा का एक भाग।
  प्रा —ठा रामलालसिंह शेरपुर खवल डा निगोहाँ (लखनऊ)। → २६–२ ।
सिष (ग्रंथ) (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। वि ज्ञानोपदेश।
  प्रा —हिंदुस्तानी एकादमी इलाहाबाद।→सं १–१२६ प।
सिषरघुवशृगालागस्यानं (गद्य —रचयिता अज्ञात। वि राजा दिलरत्न और चूड़ाला की कथा तथा वशिष्ठ मुनि द्वारा श्री रामचंद्र जी को उपदेश।
  प्रा —पं बेनीलाल तिवारी काकोरी (लखनऊ)।→सं ७ २२७।
सिषसागर-पदनामा (पद्य)- जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र का सं १६६८। लि का सं १७७७। वि ज्ञानोपदेश।
  प्रा —हिंदुस्तानी एकादमी इलाहाबाद।→सं १ १२६ फ'।
सिसदपरसाँख (ग्रंथ)—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संग्रहीत। → १–६१ (सत्ताइस)।
सिहरफी (पद्य)—अन्य नाम 'बावनानकदीबैतालीस'। नानक (गुरु) कृत (?)। वि उपदेश।→पं ११–७ बी।
सिहरफी (पद्य)—साँईदास कृत। वि उपदेश।→पं २२–९८।
सीतापत्री (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १९३८। वि सीता का पाताल गमन वर्णन।
  प्रा —श्री रामनरेश दूबे गजहरा डा मुबारकपुर (आजमगढ़)। → सं १–५७१।
सीताम (कवि)—सं १८४४ के लगभग वर्तमान।
  कीर्तिकराजसैयद (पद्य)→१८–१४१।
सीताम (जैन)—सं १८३८ के लगभग वतमान।
  मुद्राराक्षसतरंगिनी (गद्य)→ -२११ सं ४–४११, सं १०–१९६।
सीताचरित्र (पद्य)—रामचंद्र (रामचंद्र) कृत। र का सं १७११। वि रविषेण के पद्मपुराण के आधार पर सीता जी का चरित्र वर्णन।
  (क) लि का सं १८ १।
  प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली चौक लखनऊ।→ सं ४ १२६ ग।
  (ख) लि का सं १८ ८।
  प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर) चूड़ीवाली गली चौक लखनऊ।→ सं ४–१२६ घ।

(ग) लि० का० सं० १८६२।
प्रा०—जैन मन्दिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३-६२।
(घ) प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।→सं० ०४-३२० क।
(ङ) प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।→सं० ०४-३२६ ग।

सीताचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० सीता का पूर्व जन्म चरित्र।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-१०७।

सीतापदचामर (भाषा टीका) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० सीतापद वंदना।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१८-१७ (परि० ३)।

सीतावनवास-कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० सीता वनवास वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-५०२।

सीतामंगल (पद्य)—प्रियादास कृत। र० का० सं० १८७४। वि० सीताराम का विवाह।
प्रा०—लाला दामोदर वैद्य, कोठीवाला, लोईबाजार, वृन्दावन (मथुरा)। → १२-१३८ डी।

सीतायन (पद्य)—रामप्रियाशरण कृत। र० का० सं० १७६०। वि० सीताराम की कथा।
(क) लि० का० सं० १८६७।
प्रा०—पं० सरयूप्रसाद, कनकभवन, अयोध्या।→२०-१५५।
(ख) लि० का० सं० १९४२।
प्रा०—बाबा जानकीशरण, अयोध्या।→०६-२४५।
(ग) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-१५५।

सीताराम—सरयूपारीण ब्राह्मण। धौकलराम उपाध्याय के पुत्र। जन्मस्थान मवैया (बहरेली) नलीपुर (बाराबंकी)। संस्कृत हिंदी के ज्ञाता। तिलोई (रायबरेली) के राजा शंकरसिंह के आश्रित। सं० १९५५ तक वर्तमान।
काव्यकल्पतरु (पद्य)→२६-४४०, सं० ०४-४१३ क।
रसिकबोध (गद्यपद्य)→३५-६१, सं० ०४-४१३ ख।

सीताराम—हसनपुरा निवासी। हठीसिंह के पुत्र। सं० १८७० के लगभग वर्तमान।
दिललगन-चिकित्सा (पद्य)→२३-३८६, २७-४३८ ए,बी,सी, २९-३०६ ए,बी,सी।

सीताराम—दतिया नरेश राजा परीक्षित के आश्रित। सं० १८८७ के लगभग वर्तमान।
रामायण (पद्य)→०६-१११।

सीताराम—सं० १८२७ के लगभग वर्तमान।
शकुनविचार (पद्य)→सं० ०४-४१२।

सीताराम (वैद्य)—अपर नाम राम कवि। केशव के पुत्र। सं० १७६ के लगभग वर्तमान। ग्रंथ की रचना सैपड़ में हुई थी।

कवितरंग (पद्य)→ २२-६ ए, २६-४४१ ए, बी २६-३७ ए बी सी।

राजनीति (पद्य)→ २२-६ बी।

सीताराम (शुक्ल)—गौडवा (हरदोई) निवासी। सं० १८६ के लगभग वर्तमान।

कविसर्वसंग्रह (पद्य)→ २६-४३६।

प्रमातीमवन (पद्य)→ २६-३८।

सीताराम की गीत होली आदि (पद्य)—गोविंददास कृत। वि० सीताराम की स्तुति और विहार।

प्रा०—बाबू कौशिल्यानंदन शृंगारघाट अयोध्या।→ २-५१।

सीताराम-गुणार्णव रामायण सप्तकांड (पद्य)—गोकुलनाथ (भट्ट) कृत। लि० का० सं० १६ १। वि० संभवतः अध्यात्म रामायण का अनुवाद।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ १-११।

सीतारामचंद्र-रहस्य-पदावली (पद्य)—रामसखे कृत। वि० श्री सीताराम की रहस्यमयी लीलाएँ।

प्रा०—सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या।→ १७-१५८ एच।

सीतारामजी के चरण चिह्न (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राम और सीता के चरण चिह्नों का वर्णन।

प्रा०—सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या।→ १७-२६ (परि० १)।

सीताराम नखशिख→ नखसिख (प्रेमसखी कृत)।

सीताराम-रस-तरंगिणी (गद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। लि० का० सं० १६१। वि० रामजानकी की दिनचर्या।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त चिरगाँव (झाँसी)।→ ६-११४ डी।

सीतारामरहस्य (पद्य)—कृपानिवास कृत। लि० का० सं० १८८। वि० रामसीता की रासलीला।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ३-२४६ एफ (विवरण अप्राप्त)।

सीतारामरासदीपिका→'रासदीपिका' (जनकराजकिशोरीशरण कृत)।

सीताराम-विनय-कवित्त (पद्य)—भगवतनारायण (त्रिपाठी) कृत। लि० का० सं० १९६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० मुरलीधर त्रिपाठी मैला सरैया डा० बौरी (बहराइच)।→ २१-१७८ डी।

सीताराम विनय-दोहावली (पद्य)—भगवतनारायण (त्रिपाठी) कृत। लि० का० सं० १६६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० मुरलीधर त्रिपाठी मैला सरैया डा० बौरी(बहराइच)।→२१-१७८ सी।

सीताराम-विवाह (पद्य)—मुम कृत। वि० रामजानकी का विवाह।

खो० वि० वि० (११ -१४)

प्रा०—पं० मुरलीमनोहर त्रिवेदी, महोबा (हमीरपुर) ।→०६–२०१ ।

सीताराम-सिद्धांत-मुक्तावली→'सिद्धांतमुक्तावली' (जनकराजकिशोरीशरण कृत) ।

सीताराम सिद्धांतानन्य-तरंगिणी (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत । र० का० सं० १८८८ । वि० सीताराम की महिमा और स्तुति ।
(क) लि० का० सं० १६५८ ।
प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या ।→०६–१२४ बी ।
(ख) प्रा०-श्री सद्गुरु सदन, अयोध्या ।→१७–८३ सी ।

सीतारामानन्यशीलमणि—संभवतः अयोध्या के कोई साधु।
सियाकरमुद्रिका (पद्य)→१७ १७३ ।

सीताशरण (साधु)—अयोध्या निवासी । सं० १६०० के लगभग वर्तमान । इन्हीं के कहने पर युगलानन्यशरण ने 'वचनावली' की रचना की थी ।→१२–८८ ।

सीतासत (भाषा) (पद्य)—भगौतीदास (कवि) कृत । र० का० सं० १६८४ । लि० का० सं० १८७० । वि० लंका में सीता जी के द्वारा सतीत्व रक्षा ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–६५ ।

सीतास्वयंवर (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–८६ वी ।

सीतास्वयंवर→'जानकीमंगल' (गो० तुलसीदास कृत) ।

सीयाजोग (ग्रंथ)—कबीरदास कृत ।→पं० २२–५१ डी ।

सीलरास (पद्य)—विजयदेवसूरि कृत । लि० का० सं० १६६६ । वि० नेमिनाथ के पुत्र शीलकुमार का चरित्र ।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००–६१ ।

सीहा जी—गुरु का नाम ज्ञानतिलोक । कोई सुनार जाति के भक्त ।
पद (पद्य)→सं० ०७–१६२ ।

सुंदर—संभवतः ग्वालियर निवासी सुंदरदास । सं० १६८१ के लगभग वर्तमान । →२६–४६६ ।
महाभारत (विराटपर्व) (पद्य)→पं० २२–१०५ ।

सुंदर→'सुंदरदास' ।

सुंदर (कवि)—संभवतः २०वीं शताब्दी में वर्तमान ।
बारहमासी (पद्य)→सं० ०१–४५२ ।

सुंदरकली—मुसलमान कवियित्री । सन् १२६८ हि० के पूर्व वर्तमान ।
सुंदरकली हुदहुद का बारहमासा (पद्य)→०६–३१२, सं० ०४–४१४ ।

सुंदरकली कहानी—'सुंदरकली हुदहुद का बारहमासा' (सुंदरकली कृत) ।

सुंदरकली बुलबुल का बारहमासा (पद्य)—अन्य नाम 'सुंदरकली की कहानी'। सुंदर कली कृत। वि० लावनी शैली पर श्रृंगार वर्णन।
(क) लि० का० सन् १९९८।
प्रा०—श्री परमेश्वर सुनार रायपुर (अमेठी), (सुलतानपुर)। → सं० ४-४१४।
(ख) प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ ९-११२।
सुंदरकांड (पद्य)—जगन्नाथ कृत। वि० रामचरित्र।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० १-१२१।
सुंदरकांड→'रघुवंशदीपक' (सहजराम कृत)।
सुंदरकांड→'रामचरितमानस' (गो० तुलसीदास कृत)।
सुंदरकांड की टीका→'विमलवैराग्यसंपादिनी' (संतसिंह कृत)।
सुंदरकाव्य (पद्य)—सुंदरदास कृत अनुपलब्ध ग्रंथ।→ २ ९५ (तीन)।
सुंदरकुँवरि—महाराज सावंतसिंह (नागरीदास) की बहिन। कृष्णगढ़ नरेश महाराज राजसिंह की पुत्री। सं० १८५४ के लगभग वर्तमान।
गोपीमाहात्म्य (पद्य)→ १-१ ।
नेहनिधि (पद्य)→ १-६७।
प्रेमसंपुट (पद्य)→ ६५।
भावनाप्रकाश (पद्य)→ १-१ ४।
रंगझर (पद्य)→ १ ६६।
रसपुंज (पद्य)→ १-१ १।
रामरहस्य (पद्य)→ १ ९८ सं० १-४५१।
वृंदावनगोपी-माहात्म्य (पद्य)→ १-१ १।
संकेतयुगल (पद्य)→ १-६६।
सारसंग्रह (पद्य)→ १-१ १।
सुंदरगीता (वैराग्य प्रकरण) (पद्य)—सुंदरदास कृत। वि० वैराग्य।
(क) लि० का० सं० १९११।
प्रा०—महंत श्री रामचरित्तर भगत मनियर (मठ), बलिया। → ४१-५७ (क्र०)।
(ग) प्रा०—सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या→१७- ८५।
सुंदरचंद्रिकारसिक (पद्य)—सुंदरलाल (रसिकसुंदर) कृत। र० का० सं० १६ ६।
वि० नायिकाभेद।
प्रा०—श्री लक्ष्मीनारायण श्रीधर श्रीमाधराम का रास्ता जयपुर।→ १२५।
सुंदरदास—दादूदयाल जी के सुप्रसिद्ध शिष्य। खंडेलवाल वैश्य। शाह परमानंद के पुत्र। दौसा (जयपुर राज्य) के निवासी। जन्म सं० १६५३। मृत्यु सं० १७४६। हरिदास कृत दयालजी का पद में भी संगृहीत।→ ९-५४ (चौदह)।

सामनबोध (पद्य)→ २–२५ (सात)।
हरिबोलचिंतामणि (पद्य)→ –२७ बी ७–१६१ ए।

सुंदरदास—उप सुंदर। ब्राह्मण। ग्वालियर निवासी। बादशाह शाहजहाँ और औरंगजेब के आश्रित। सं १६८८ के लगभग वर्तमान। शाहजहाँ द्वारा कविराय और महाकविराय की पदवी से विभूषित हुए थे।
बारहमासी (पद्य)→ ६–२४१ बी।
सुंदरशृंगार (पद्य)→ –१ ६ २–१ ६–२४१ ए, १७–१८४ २०–१८८ ए, बी सी २६–४६६ बी सी, दि ३१–८७।

सुंदरदास—ब्राह्मण। शाहमल के पुत्र। सं १७ ० के लगभग वर्तमान। ग्वालियर निवासी सुंदरदास भी संभवतः यही हैं।→२१–४६६।
रुक्मांगद की एकादशी कथा (पद्य)→ ६–११४।

सुंदरदास—कायस्थ। दूलहराम के पुत्र। काशी निवासी। सं १८६७ के लगभग वर्तमान। दयालजी का पद नामक संग्रह ग्रंथ में भी संगृहीत → ९–६४ (चौदह)।
विनयसार (पद्य)→ १–८८।
सुंदररामविलास (पद्य)→ १ ५७।

सुंदरदास—रामपुरी (अयोध्या ?) निवासी। कालूमूल के शिष्य।
रामचरित (पद्य)→१५–९६।

सुंदरदास—जैन। जिनसिंह सूरि के शिष्य। जैसलमेर निवासी। अनंतर मेड़ता (जोधपुर) में निवास। अमोलक (दानाध्यक्ष) के आश्रित। सं १६ के लगभग वर्तमान।
सिंहलकुमारचौपई (पद्य)→पं २२–१ ६।
हनूमानचरित (पद्य)→११–४१४।

सुंदरदास—(?)
नियामीग (पद्य)→१२–२१ ।

सुंदरदास (जैन)—मदावर रियासत (आगरा) के अंतर्गत अमेर निवासी। कालांतर में इंदौर में रहने लगे। पिता का नाम अमरसिंह।
सुंदरविलास (पद्य)→सं ७–१६४।

सुंदरदास की बानी (पद्य)—सुंदरदास कृत। लि का सं १७८१। वि ज्ञानोपदेश।
प्रा —महंत मक्खनलाल जमींदार सिराथू (इलाहाबाद)।→ ६–१११ बी।

सुंदरदास के अष्टक→'सुंदराष्टक (सुंदरदास कृत)।
सुंदरदास के सवैया→'सवैया (सुंदरदास कृत)।

सुंदरप्रबोध (पद्य)—सुंदरदास कृत। लि का सं १८८१। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(च) लि का सं १८२७।
प्रा —ठा कान्हसिंह चम्मू।→२ -१ ८ बी।
(छ) लि का सं १८४४।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→१ -१८८ ए।
(ज) लि का सं १८६८।
प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→ १-२११ ए (विवरण अप्राप्त)।
(झ) प्रा —श्री रामगोपाल वैद्य जहाँगीराबाद, बुलंदशहर।→१७-१८४।
(ञ) प्रा —पं कन्हैयालाल भट्ट महापात्र असनी (फतेहपुर)। → १ - ८८ सी।

सुंदरदासविलास (पद्य)—सुंदरदास कृत। र का सं १८१७। वि कृष्णलीला और भक्तों का वर्णन।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ १ ५७।

सुंदरदासलि→ सुंदरदास (निकुंजरसमाधुरी आदि के रचयिता)।

सुंदरसत (भाषा) (पद्य)—सुंदरदास कृत। वि ज्ञानोपदेश।→पं १२-१ ७ बी।

सुंदरसतश्रृंगार (पद्य)—सुंदरसिंह कृत। र का सं १८६९। वि कृष्ण भक्ति।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ १ १११।

सुंदरसवैया→ 'सवैया (सुंदरदास कृत)।

सुंदरसिंह—भरतपुर राजवंश के महाराज कुमार। सं १८६९ के लगभग वर्तमान।
गौरीवर्ग की महिमा (पद्य)→ ४-७४।
पंचाध्यायी (पद्य)→ ४-७१।
सुंदरसतश्रृंगार (पद्य)→ १-१११।
दुलचमन (पद्य)→ ४-७५।

सुंदराष्टक (पद्य)—अन्य नाम 'सुंदरदास के अष्टक'। सुंदरदास कृत। वि गुरु माहात्म्य और निर्गुण ज्ञान।
(क) लि का सं १८९१।
प्रा —श्री रामाधीन मुराव मदऊपराव बाराबंकी।→२१-४१५ ई।
(ख)→ १-१५ (चार)।

सुंदरीचरित्र→'उत्तमचरित्र' (श्रवर अनन्य कृत)।

सुंदरीतिलक (पद्य)—गोवर्धनदास (सारस्वत) कृत। र का सं १९१७। लि का सं १९१७। वि राधाकृष्ण के प्रेम विषयक कविताओं का संग्रह।
प्रा —पं रामनाथ शुक्ल लेहवा डा महोली (सीतापुर)।→२६-१५२।

सुंदरीतिलक (पद्य)—पुरुषोत्तम (शुक्ल) कृत। र का सं १९२१। लि का सं १९१ । वि विविध।
प्रा —बाबू ओंकारनाथ ईडन तालुकेदार सीतापुर।→२६-३६४।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–४५१ क।

सुंदरबावनी (पद्य)—सुंदरदास कृत अनुपलब्ध ग्रंथ।→०२–२५ (दस)।

सुंदरलाल—उप० सुंदरसखि। अन्य नाम रसिकसुंदर। कायस्थ। सुखलाल के पुत्र। निंबार्क संप्रदाय के अनुयायी। जयपुर नरेश महाराज रामसिंह की फौज के नायब बख्शी। सखिभाव से युगलकिशोर के सेवक। सं० १९१६ के लगभग वर्तमान।

गंगाभक्ति-विनोद (पद्य)→३५–८७ ए, बी।

निकुंजरस-माधुरी (पद्य)→४१–२८८ ख।

प्रियाभक्ति रसबोधिनी-राधामंगल (पद्य)→००–१२८।

सनेहमंजरी (पद्य)→४१–२८८ ग।

सिद्धांत आदि फुटकर विषय वर्णन (पद्य)→४१–२८८ क।

सुंदरचंद्रिका-रसिक (पद्य)→००–१२५।

सुंदरलाल (वैश्य)—करहला (मथुरा) के निवासी। सं० १९०१ के लगभग वर्तमान।

ऊपालीला (पद्य)→२९–३१८ सी।

ध्रुवलीला (पद्य)→२६–४६६ ए, २९–३१८ ए।

हरिश्चंद्रलीला (पद्य)→२९–३१८ बी।

सुंदरविलास (पद्य)—सुंदरदास (जैन) कृत। र० का० सं० १९२१। लि० का० सं० १९७६। वि० संग्रह ग्रंथ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१९४।

सुंदरविलास→'सवैया' (सुंदरदास कृत)।

सुंदरशतक (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत। र० का० सं० १९०४। वि० हनुमान जी की स्तुति और कथा।

(क) प्रा०—बाघवेश भारती भंडार (राजपुस्तकालय), रीवाँ।→००–६५।

(ख) प्रा०—महंत लखनलालशरण, अयोध्या।→०६-२३७।

सुंदरशिकार→'अवधशिकार' (अयोध्याप्रसाद बाजपेयी कृत)।

सुंदरशृंगार (पद्य)—सुंदरदास कृत। र० का० सं० १६८८। वि० नायिकाभेद।

(क) लि० का० सं० १७३०।

प्रा०—आनंद भवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर)।→२६–४६६ बी।

(ख) लि० का० सं० १७७६।

प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००–१०६।

(ग) लि० का० सं० १७९०।

प्रा०—पं० प्रह्लाद शुक्ल, शाहदरा, दिल्ली।→दि० ३१–८७।

(घ) लि० का० सं० १७९१।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–३।

(ङ) लि० का सं० १८१२।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२६–४६६ सी।

(च) लि का सं १८९०।
प्रा —ठा कान्हसिंह बम्मू।→१०–१ ८ बी।
(छ) लि का सं १८४४।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→२ –१८८ ए।
(ज) लि का सं १८६८।
प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→ ६–२४१ ए (विवरण अप्राप्त)।
(झ) प्रा०—श्री रामगोपाल वैद्य जहाँगीराबाद बुलंदशहर।→१७–१८४।
(ञ) प्रा —पं कन्हैयालाल भट्ट महापात्र, असनी (फतेहपुर)। → १०– ८८ सी।

सुंदरश्यामविलास (पद्य)—सुंदरदास कृत। र का सं १८६७। वि कृष्णलीला और सखों का वर्णन।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ १ ६७।

सुंदरसखि→'सुंदरलाल' ('निकुंजरसमाधुरी आदि के रचयिता)।

सुंदरसत (माया) (पद्य)—सुंदरदास कृत। वि ज्ञानोपदेश।→पं २२–१ ७ बी।

सुंदरसतशृंगार (पद्य)—सुंदरसिंह कृत। र का सं १८६६। वि कृष्ण भक्ति।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ १–१११।

सुंदरसवैया→'सवैया (सुंदरदास कृत)।

सुंदरसिंह—भरतपुर राजवंश के महाराज कुमार। सं १८६६ के लगभग वर्तमान।
गौरीवर्ण की महिमा (पद्य)→ ४–७४।
पंचाध्यायी (पद्य)→ ४–७१।
सुंदरसतशृंगार (पद्य)→ १–१११।
दुखभमन (पद्य)→ ४–७५।

सुंदराष्टक (पद्य)—अन्य नाम 'सुंदरदास के अष्टक। सुंदरदास कृत। वि गुरु माहात्म्य और निर्गुण ज्ञान।
(क) लि का सं १८२१।
प्रा —श्री रामाधीन मुराव बरऊतराव वाराणसी।→२१–४१६ ई।
(ख)→ १–३५ (चार)।

सुंदरीचरित्र→'उत्तमचरित्र' (अक्षर अनन्य कृत)।

सुंदरीविलास (पद्य)—गोवर्द्धनदास (सारस्वत) कृत। र का सं १६१७। लि का सं १६१७। वि राधाकृष्ण के प्रेम विषयक कविताओं का संग्रह।
प्रा —पं रामनाथ शुक्ल खेड़वा डा महोली (सीतापुर)।→२६–१५२।

सुंदरीतिलक (पद्य)—पुरुषोत्तम (शुक्ल) कृत। र का सं १६२६। लि का सं १६१ । वि विविध।
प्रा०—बाबू ओंकारनाथ ईश्वर तालुकेदार सीतापुर।→२६–३६४।

सुंदरीतिलक (पद्य)—संग्रहकर्ता अज्ञात । वि० विविध विषयक मतिराम और ठाकुर आदि की कविताओं का संग्रह ।
प्रा०—पं० विष्णुभरोसे, देवीपुर, डा० मारहरा (एटा) ।→२६–१४६ ।

सुआमैना-चरित्र (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि० राधाकृष्ण का परिहास ।
प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१५४ सी ।

सुकबहत्तरी (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६३१ । वि० कहानी संग्रह ।
प्रा०—पं० रामनारायनदत्त शास्त्री, ज्ञानपुर, डा० लखीमपुर (खीरी) । → २६–१९८ (परि०३) ।

सुकमालचरित्र (गद्य)—गोकुलगोलापूरब कृत । र० का० सं० १८७१ । लि० का० सं० १६५८ । वि० जैनधर्म के सिद्धांत ।
प्रा०—लाला ऋषभदास जैन, महोना, इटौंजा (लखनऊ) ।→२६–१७८ ।

सुकलहंस—कोई सिद्ध । 'सिद्धां की वाणी' में संगृहीत ।→४१-१६, ४१–२८६ ।

सुकवि—(?)
रामाष्टक (पद्य)→२६–४०४ ।

सुकसंवाद (पद्य)—चत्रदास कृत । वि० वैराग्य ।
प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा ।→२२–३६ ।

सुकुमालचरित्र (गद्य)—नाथूलाल कृत । र० का० सं० १६१८ । वि० जैनधर्मानुयायी सुकुमाल का चरित्र वर्णन ।
(क) लि० का० सं० १६४१ ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–७२ ख ।
(ख) लि० का० सं० १६६७ ।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→ सं० ०४-१८८ ।
(ग) प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर । → सं० १०-७२ क ।

सुकृतध्यान (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १५१६ (अनु०) ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–३२ ज ।
(ख) लि० का० सं० १८८३ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–११ भ ।

सुकृतसागर (पद्य)—भीषमदास कृत । र० का० सं० १८५६ । लि० का० सं० १८५६ । वि० कर्मकांड, नवधा भक्ति, दया और क्षमादि का वर्णन ।
प्रा०—महंत परागसरनदास, उजेहनी, डा० फतेहपुर (रायबरेली) । → ३५–१४ के ।

सुखजीवनप्रकाश (पद्य)—रामप्रसाद कृत। र का सं १६११। लि का सं १६११। वि वैद्यक।
मा —श्री देवनारायण वैद्य मोहनपुर डा बढ़वान (इटावा)।→९६–२६

सुखदान (कवि)—संभवतः राधावल्लभी संप्रदाय के अनुयायी। १७वीं शताब्दी में वर्तमान।
अलंकार (ग्रंथ) (पद्य)→४१–२६

सुखदानि—अयोध्या नरेश बख्तावरसिंह की रानी। सं १८ ८ के लगभग वर्तमान।
काशीयात्रा कथा (पद्य)→सं ४–१२४।

सुखदास—साधु। रघुबरदास के भाई। सं १६१७ के पूर्व वर्तमान।
स्तुति (भवानी की) (पद्य)→११–४११।

सुखदुख-वर्णन (पद्य)—गोपाल कृत। वि नाम से स्पष्ट।
मा —श्री प्रभाकरराम पचनीपुरा (इटावा)→१८–५४।

सुखदेव—(?)
गुरुमहिमा (पद्य)→सं १–६४।

सुखदेव (मिश्र)—कंपिला (फर्रुखाबाद) निवासी। पश्चात् दौलतपुर में निवास। शंभुनाथ मिश्र और मान कवि के गुरु। फतेहपुर के राजा भगवंतराय खीची अमेठी के राजा हिम्मतसिंह औरंगजेब के वजीर फाजिलअली डौंडियाखेड़ा के राजा मरदानसिंह आदि के आश्रित। सं १७२८ (के लगभग वर्तमान।
अध्यात्मप्रकाश (पद्य)→ १–८० १–२४ डी १७–१८१ ए २ १८७ ए, बी २१–४१२ ए, बी सी डी ई २६–४६५ ए, बी दि ११–८ ए, सं ७–१६६।
छंदविचार (पद्य)→ ६–१ ७ बी २१ ४१२ ज २६–४६५ सी।
छंदनिवारणसार (पद्य)→२१–४१२ एल दि ११–८ बी।
ज्ञानप्रकाश (पद्य)→२१–४१२ पी क्यू।
पिंगल (पद्य)→२६–४६५ एफ।
पिंगलछंदविचार (पद्य)→०१–१२१ १–२४ बी १७–१८१ डी; २१–४१२ एफ एच के, सं १ –११।
फाजिलअलीप्रकाश (पद्य)→ ६–१ ७ ए; १७–१८१ सी; २ १८७ सी; २१–४१२ एम एन ओ २६–४६५ डी ई।
मरदानरसार्णव (पद्य)→ ९–१२४ ४ ११ २ –१८० डी; २१–४१२ आर।
रसरत्नाकर (पद्य)→४१–२६१।
वृत्तविचारपिंगल (पद्य)→ १–२४ ए; १७ १८१ बी; २ १८७ ई; २१–४१२ बी आई एल टी २६–४६५ बी।

शिखनख (पद्य)→०६–२०७ सी।

सुखदेवचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शुकदेव मुनि का चरित्र।
प्रा० —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-४२३।

सुखदेव जी—चरणदास के गुरु। सं० १७६० के लगभग वर्तमान।→००-१२६, प० २२-१८।

सुखदेवजी का संवाद→'सुखसंवाद' (खेमदास कृत)।

सुखदेवपुराण (पद्य)- वागेश्वर (भारती) कृत। लि० का० सं० १६०६। वि० शुकदेव मुनि की कथा।
प्रा०—श्री जगन्नाथ पांडेय, राजामऊ (रायबरेली)।→सं० ०४- ३६।

सुखदेवलाल—कायस्थ। मैनपुरी निवासी। सं० १७१६ के लगभग वर्तमान।
मानसहंस रामायण (गद्य)→०६–३०८।

सुखदेवलीला (पद्य)—मुरलीदास कृत। वि० सुखदेव मुनि की कथा।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–३०१ ख।

सुखनिदान (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० निर्गुणज्ञान।
प्रा० —भारतकला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→४१–२१ ज।

सुखनिधान—(?)
दोहा व पद (पद्य)→०६-३३३।

सुखपुंज→'नंदगोपाल' ('विनयविहार' के रचयिता)।

सुखबोध→'सुखराम' ('लघुपाराशरी सटीक' के रचयिता)।

सुखमंजरी लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।
(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखम्भा, वाराणसी। →००–१३ (एक)।
(ख) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी। →०६–७३ के।

सुखमनी (पद्य)—नानक (गुरु) कृत। वि० रामनाम की महिमा।
(क) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६–२०७।
(ख) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१०१।
(ग) लि० का० सं० १८६०।
प्रा०—पं० लल्लूप्रसाद दीक्षित, मई, डा० बटेश्वर (आगरा)।→२३–२६३ सी।
(घ) लि० का० सं० १६३०।
प्रा०—ठा० शिवनाथसिंह रईस, एतमादपुर (आगरा)।→२६–१६।
(ङ) प्रा०—श्री गोकुलप्रसाद, रतापुर (रायबरेली)।→२३–२६३ डी।

(घ) प्रा —श्री पुरुषोत्तमदास वर्द्ध विक्रेता कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→ २६-३१५।

टि खो वि २६-१६ में प्रस्तुत पुस्तक को गुरु अनुनदेव कृत माना है।

सुखराम (सुखबोध)—(?)

अनुपारासरी सटीक (गद्य)→२६-४६८ सं ७-१६६।

सुखरामदास—रतनाम के निवासी। सं १६ में वर्तमान।

चूर्णाँमह वैद्यक (गद्य)→११-२ ६।

सुखलाल—भाट। भोवछा (बुंदेलखंड) निवासी। मुनरी के पुत्र। सं १६०८ के लगभग वर्तमान।

रसूलमाल (पद्य)→ ६-११३ ए।

नसीहतनामा (पद्य)→ ६-११३ बी।

राधाकृष्ण-कथा (पद्य)→ ६-११३ सी।

सुखलाल—सं १८४४ के लगभग वर्तमान।

विवेकसागर (पद्य)→सं ४-४१६।

सुखलाल (कवि)—शाहदरा (दिल्ली) निवासी। गिरधारीसिंह के मित्र। बीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में वर्तमान।→वि ११-११।

ख्याल निर्गुनसर्गुन (पद्य)→१२-१ ८ ए।

ख्याल शाहदरा (पद्य)→११-१ ८ बी।

ख्यालों की पुस्तक (पद्य)→वि ११-८५, १८-१४८ सी।

सुखलाल (कायस्थ)—काशी निवासी। अनंतर अयोध्या में रहने लगे थे। सं १११८ के पूर्व वर्तमान।

हनुमानकल्प (पद्य)→सं ४-४१५।

सुखलाल (गुसाईं)—संभवतः राधावल्लभ संप्रदाय के गुसाईं। सं १८६ के पूर्व वर्तमान।

दंपतिमानामृत (पद्य)→१८-१४६।

सुखलाल (द्विज)—गद्दाकर (ग्वालियर) राज्यांतर्गत कंडेर निवासी। दौला के राजा गुमानसिंह के आश्रित। सं १८२१ के लगभग वर्तमान।

वैद्यकसार (पद्य)→ १-११ ११-४११।

सुखलाल (सिद्ध)—(?)

श्रीकृष्णस्तोत्र (पद्य)→४१-२६१।

टि श्री मुनिकांतिसागर के अनुसार ये कौशल्य गोत्रीय मार्ध्यदिनीय गौड़ ब्राह्मण

और आबूराय के पुत्र थे। पानीपत से छै कोस दूर घटोत्कच के निकट घरौंदा ग्राम के निवासी थे। स० १८०१ के लगभग वर्तमान थे।

सुखविलास (पद्य)—रामचरण कृत। र० का० स० १८४६। लि० का० स० १६०५। वि० सतगुर सेवा का फल।

प्रा०—बाबा परमानददास, भुरसानकुटी, डा० भुरसान (अलीगढ)। → २६-२८१ आई।

सुखविलासिका (पद्य)—सरदार (कवि) कृत। र० का० स० १६०३। वि० रसिकप्रिया की टीका।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-५७।

सुखसवाद (पद्य)—अन्य नाम 'सुखसवादजोग (ग्रथ)' तथा 'सुखदेवजी का सवाद'। खेमदास कृत। वि० शुकदेव मुनि की कथा।

(क) लि० का० स० १७०६।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-६४।

(ख) लि० का० स० १७४०।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७-२७ ङ।

(ग) लि० का० स० १७६७।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७-२७ च, छ, ज।

(घ) लि० का० सं० १८७६।

प्रा०—श्री ललितराम, जोधपुर।→०१-१३४।

सुखसवादजोग (ग्रथ)→'सुखसवाद' (खेमदास कृत)।

सुखसखी—सखी सप्रदाय के वैष्णव।

आठोंसात्विक (पद्य)→०६-३०६ बी।

भक्तउपदेशनी (पद्य)→३५-६५ ए।

रगमाला (पद्य)→०६-३०६ ए।

विहारबत्तीसी (पद्य)→३५-६५ बी।

सुखसदन (ग्रथ) (पद्य)—गूँगदास कृत। लि० का० स० १६०१। वि० भक्त तथा उनकी भक्ति।

प्रा०—महत अशारामदास, कुटी गूँगदास, पॅचपेड़वा (गोंडा)। → सं० ०७-३४ ट।

सुखसनास (पद्य)—देवीदास (बाबा) कृत। र० का० स० १८४७। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—प० गुरुप्रसाददास, रमई, डा० तिलोई (रायबरेली)।→स० ०४-१६६ ट।

सुखसमाधि (पद्य)—सुदरदास कृत अनुपलब्ध ग्रथ।→०२-२५ (छै)।

सुखसमूह (पद्य)—रामकृष्ण कृत। वि० वैद्यक।

प्रा —पं रामशरण वैद्यराज, विद्यापुर द्वा किरावली (आगरा)। → १२-१७८।

सुखसागर (पद्य)—कबीरदास कृत। लि का सं १८१२ (लगभग)। वि परब्रह्म का स्वरूप तथा कबीर का संसार में आने का हेतु।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-२१ प।

सुखसागर (पद्य)—नवलदास कृत। र का सं १८१७। वि शुकदेव मुनि का चरित्र वर्णन।

(क) लि का सं १८४१।

प्रा —महंत गुरुप्रसाददास हरिगाँव द्वा पर्वतपुर (सुलतानपुर)। → सं ४ १८१ ठ।

(ख) लि का सं १८८६ (लगभग)।

प्रा - महंत चंद्रभूषणदास उमापुर द्वा मीरमऊ (बाराबंकी)।→२६-१२७ बी।

(ग) लि का सं १८८ ।

प्रा —लाला महावीरप्रसाद पटवारी सराय खीमा द्वा रामनगर (सुलतानपुर)। →२१-१ १ सी।

(घ) लि का सं १९ ८।

प्रा —श्री रामनारायण मिश्र वैद्य शी द्वा शाहमऊ (रायबरेली)। → सं ४-१८१ ण।

(ङ) लि का सं १९१९।

प्रा —महंत गुरुप्रसाददास कठुरौर्वा (रायबरेली)। सं ४-१८१ ड।

सुखसागर (पद्य)—मलूकदास कृत। लि का सं १७८४। वि भागवत लीलाओं का वर्णन।

प्रा —डा त्रिलोकीनारायण दीक्षित हिंदी विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ।→सं ४-२८८ ज।

सुखसागर→'विवेकसागर (सुखलाल कृत)।

सुखसागर कथा→ सुखसागर (नवलदास कृत)।

सुखसागरतरंग (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत। र का सं १७७६। वि नवरस नायिकाभेद आदि।

(क) लि का सं १८९८।

प्रा —महंत मशर्फसिंह सिक्खों का मंदिर अयोध्या।→२ -१६ बी।

(ख) लि का सं १९४६।

प्रा —पं युगलकिशोर मिश्र गंधौली (सीतापुर)।→ ९-५४ बी।

(ग) प्रा —श्री उमाकांत शुक्ल दरियाबाद (बाराबंकी)।→२१ ८८ एक्स।

सुखसागरपुराण (पद्य)—दयालदास कृत। वि अध्यात्म।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→स० ०१–१५० ।

सुखसारलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि० राधाकृष्ण विहार ।
प्रा०—बाबा संतदास, राधा वल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)। → १२–१५४ आर ।

सुखसिंधु→'जगन्नाथ' ('पीयूषरत्नाकर' के रचयिता) ।

सुखानंद—आगरा निवासी । स० १६२७ के लगभग वर्तमान ।
गुलाबकेवड़ा (गद्य)→२६–४६६ ।

सुखानंद—संभवत: सुप्रसिद्ध स्वा० रामानंद जी के शिष्य और नाभादास कृत भक्तमाल के सुखानंद ।
पद (पद्य)→सं० १०–१३१ ।

सुखानंद—स० १६२० के लगभग वर्तमान ।
वैद्यजीवन (पद्य)→२६–४६७ ।

सुखानंद—(?)
सनातनव्यवहारिणी भाषा विवृति (गद्य)→दि० ३१–८४ ।

सुखानंद जी—(?)
पद (पद्य)→स० ०७–१६७ ।

सुखानंदनाथ—हरिहरानंद के शिष्य । शैव धर्मानुयायी । स० १८८७ के पूर्व वर्तमान ।
पशुमर्दन (भाषा) (गद्य)→स० ०१–४५५ ।

सुगंधदशमी कथा (पद्य)—खुशालचंद (जैन) कृत । वि० सुगंध दशमी व्रत कथा ।
प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर नई मंडी, मुजफ्फरनगर ।→स० १०–२० ग ।

सुगंधदशमी व्रत कथा (पद्य)—हेमराज (जैन) कृत । वि० जैन पौराणिक कथा ।
प्रा०—श्री सुखचंद जैन साधु, नहरौली, डा० चंद्रपुर (आगरा) ।→३२–२२६ ।
टि० खो० वि० में प्रस्तुत पुस्तक को भूल से विश्वभूषण कृत मान लिया गया है ।

सुगमनिदान (पद्य)—विष्णुगिरि गोस्वामी) कृत । र० का० स० १८०१ । वि० वैद्यक ।
प्रा० —प० पुरुषोत्तम वैद्य, धुधीकटरा, मिरजापुर ।→०२–१०६ ।

सुगुरुशतक (पद्य)—जिनदान कृत । र० का० स० १८१२ । लि० का० सं० १६१४ ।
वि० अच्छे गुरु का माहात्म्य ।
प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→स० ०७–६३ ।

सुघरसुनारीलीला (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत । वि० श्रीकृष्ण की सुनारीलीला ।
प्रा०—प० शिवलाल, सौनई (मथुरा) ।→३८–१६४ ए ।

सुजसपताका →'रामसुयशपताका' (समरदास कृत) ।

सुजानचरित्र (पद्य)—सूदन कृत । वि भरतपुर नरेश सूरजमल का अहमदशाह दुर्रानी आदि से युद्ध करने का वर्णन ।
(क) लि का सं १८७६ ।
प्रा०—पं नवनीत चतुर्वेदी मथुरा ।→ –८१ ।
(ख) लि का सं १६२७ ।
प्रा०—पं नारायण कवि गोवर्द्धन (मथुरा) ।→१२ १८१ ।
(ग) प्रा —बाबू पुरुषोत्तमदास विट्ठलदास विश्रामघाट, मथुरा ।→१७ १८१ ।

सुजानविनोद (पद्य)—आनदघन (घनानंद) कृत । वि शृंगार ।
प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह भिनगाराज (बहराइच) ।→२६–१४ ।

सुजानविनोद (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत । लि का सं १८१७ । वि शृंगार रस ।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ १ १०८ ।
(एक अपूर्ण प्रति इस पुस्तकालय में और है) ।

सुजानविलास (पद्य)—शशिनाथ (सोमनाथ) कृत । र का स १८ ७ । वि सिंहासनबत्तीसी की कहानियाँ (संस्कृत से अनूदित) ।
(क) लि का सं १८७१ ।
प्रा —पं नवनीत चतुर्वेदी मथुरा ।→ –८२ ।
(ख) प्रा —पं नवनीत कवि मारुगली मथुरा ।→१७–१७६ बी ।

सुजानविलास→सिंहासनबत्तीसी (अखैराम कृत) ।

सुजानसिंह—ओड़छा (बुंदेलखंड) नरेश राजा पहाड़सिंह के पुत्र । मेघराज प्रधान और सुदर्शन वैद्य के आश्रयदाता । सं १७१ –१ २६ तक के लगभग वर्तमान । → ५–८७, ६ ७४ १–११२ २१–४ ६ ११–४११; दि ३१–१८ ।

सुजानसिंह—भरतपुर नरेश बहादुरसिंह के आश्रित । इन्होंने देवेश्वर माथुर के साथ 'पद्दीपप्रकाश (पुष्पप्रकाश) की रचना की थी ।→सं १–१६६ ।

सुजानसिंह (महाराज) – उप सूरजमल । भरतपुर नरेश । महाराज बदनसिंह के पुत्र । राज्यकाल सं १८१२–१८२ । अखैराम सूदन कवि और शशिनाथ (सोमनाथ) के आश्रयदाता । सं १८२ में मुगलों के युद्ध में निहत हुए थे । → ८१; –८१ सं १–२ ।

सुजानहित (पद्य)—आनंदघन (घनानंद) कृत । वि भक्ति प्रेम और शृंगार ।
(क) लि का सं १८६८ ।
प्रा —डा भवानीशंकर याज्ञिक, हार्डिंग इंस्टीच्यूट मेडिकल कालेज लखनऊ ।
→सं ४–१४ अ ।
(ख) लि का सं १६ १ ।
प्रा —डा भवानीशंकर याज्ञिक हार्डींग इंस्टीच्यूट, मडिकल कालेज लखनऊ ।
→सं ४–१४ ब ।

प्रा०—प० कामताप्रसाद तिवारी, अटेर, डा० ससपन (लखनऊ)। → स० ०७-६७।

(ग) लि० का० स० १८६०।

प्रा०—मुशी भोलाराम, भैंसोन, डा० खेरागढ (आगरा)।→२६-२४८।

(घ) लि० का० स० १८७०।

प्रा०—पं० गोविंदलाल दूबे, निहालपुर, डा० नारायणदास खेड़ा (उन्नाव)।→ २६-३२४ ए।

(ङ) लि० का स० १८७१।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखबा, वाराणसी।→००-२२।

(च) लि० का० स० १८८७।

प्रा०—प० भगवानदीन, उर्दू अध्यापक, अजयगढ।→०६-२०१ (विवरण अप्राप्त।

(छ) लि० का० स० १८६२।

प्रा०—श्री भगीरथीप्रसाद, उसका, डा० कौढ़ोर (प्रतापगढ)।→२६-३२४ बी।

(ज) लि० का० स० १६१२।

प्रा०—प० सरजूप्रसाद, महरन, डा० मटेरा (बहराइच)।→२३-३०० बी।

(झ) प्रा०—श्री चद्रसेन पुजारी, गगा जी का मदिर, खुर्जा (बुलदशहर)। → १७-१२४।

(ञ) प्रा०—प० महावीरप्रसाद दीक्षित, चढियाना, फतेहपुर।→२०-११७।

(ट) प्रा०—श्री उमाशकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →२६ ३२४ सी।

(ठ) प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→४१-५२१ (अप्र०)।

सुदामाचरित्र (पद्य)— प्राणनाथ कृत। लि० का० स० १८६१। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय, छतरपुर।→०५-५३।

सुदामाचरित्र (पद्य)—बनमाली कृत। र० का० सं० १८५८। वि० सुदामा की कथा।
प्रा —श्री रामनारायण चौवे, मलौली चौवे, डा० घनघटा (बस्ती)। → स० ०४-२२७।

सुदामाचरित्र (पद्य)—बालकदास कृत। लि० का० स० १८६०। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा०—प० पीताबर भट्ट, मानपुरा दरवाजा, टीकमगढ।→०६-१३३ (विवरण अप्राप्त)।

सुदामाचरित्र (पद्य)—भूधरदास कृत। लि० का० स० १२३६ मुल्की (?)। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० रामनारायण, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ)।→२६-४८।

सुदामाचरित्र (पद्य)—भृगुपति कृत। लि० का० स० १८०३। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा —पं सरजू चौबे रामनरेशन चौबे तहवार दक्षिनटोला बहुवर (बलिया) ।→४१–१७८ ।

सुदामाचरित्र पद्य)—महाराजदास कृत । र का सं १६१६ । लि का सं १६६४ । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —पं बराटीलाल मुकरीम मगर चौपीटोला, डा हसनगंजपार (लखनऊ) । →२१–२८२ ।

सुदामाचरित्र (पद्य)—रालन कृत । लि का सं १६५७ । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —बाबू चतुर्भुजसहाय वर्मा, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→११–१४१ ।

सुदामाचरित्र (पद्य)—ब्रजवल्लभदास कृत । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —महंत ब्रजलाल जमींदार सिराथू (इलाहाबाद) ।→ ६–१५ बी ।

सुदामाचरित्र (पद्य)—हलधरदास कृत । र का सं १६१० (१८) । वि नाम से स्पष्ट ।

(क) लि का सं १८८२ ।

प्रा —धर्मपत्नी स्वर्गीय पं कन्हैयालाल पुजारी देवीमंदिर सिरसागंज (मैनपुरी) । →१६–१६१ ।

(ख) लि का सं १६११ ।

प्रा —पं महावीर मिश्र गुरुटोला आजमगढ़ ।→ ६–१ ४ ।

(ग) प्रा —पं रामसौसे द्वारा पं मनपीसन दहवा डा बकेपुरा (इटावा) । →दि ११ १५ ।

सुदामाचरित्र (पद्य —रचयिता अज्ञात । लि का सं १७ ६ । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर । २–६१ ।

सुदामाचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —श्री गणेशदत्त दूबे पीरपुर, डा हँडिया (इलाहाबाद) ।→सं १–५७१ ।

सुदामाजी की बारहखड़ी (पद्य)—अन्य नाम 'ककहरा । मुरामा कृत । वि भक्ति ।

(क) लि का सं १८८ ।

प्रा०—ठा भवानीप्रसादसिंह सदरपुर डा गारापुर परगना चाँदा (सुलतानपुर)। →२१–४ ७ ।

(ख) लि का सं १८८६ ।

प्रा —श्री तुलसीदास का बड़ा स्थान दारागंज प्रयाग ।→४१–५७२ (अप्र) ।

(ग) लि का सं १६२४ ।

प्रा —पं महीप्रसाद शुक्ल शिवगांव डा हरगाँव (सीतापुर) ।→२६–४६१ सी ।

(घ) लि का सं १६४५ ।

प्रा०—ठा बाबासिंह मिठ्ठसिंवा डा ईशानगर (खीरी) ।→२६–४६१ डी ।

(ङ) प्रा —पं शंकरराम तिवारी मुरालेडू कालाकाँकर (प्रतापगढ़) । → २६ ४६१ ए ।

(ग) प्रा०—श्री रामकृष्णलाल वैद्य, गोकुल (मथुरा)।→१२-४ बी।

(घ) प्रा —महाराज महेंद्रमानसिंह, नौगवाँ (आगरा)।→२६-११५ बी।

सुजानहितप्रबंध→'सुजानहित' (आनंदघन कृत)।

सुथरादास—प्रयाग निवासी। बाबा मलूकदास जी के शिष्य और भानजे। सं० १७८४ के पूर्व वर्तमान।

परिचयी बाबा मलूकदासजी (पद्य)→१७-१६०, सं० ०४-४१७ क, ख, ग।

सुदर्शन—संभवत. सं० १८६१ के लगभग वर्तमान।

बारहमासा (पद्य)→१ -१ २।

सुदर्शन (विप्र)—ब्राह्मण। अजु ग्राम (अंतर्वेद) निवासी। रसूलगुलाम (?) के आश्रित। १७७७ के लगभग वर्तमान।

एकादशीमाहात्म्य (पद्य)→१२-४७, २३-४०८ ,२५-।४६३

सुदर्शन (वैद्य)—श्रीवास्तव कायस्थ। हम्मीरपुर निवासी। गिरधर के पुत्र। ओड़छा नरेश महाराज सुजानसिंह के आश्रित। सं० १७२६ के लगभग वर्तमान।

भिषजप्रिया (पद्य)→०५-८७, ०६-११२, २३-४०६, २६-४६२।

सुदर्शन (शाह)—टेहरी (गढवाल) के राजा। सं० १८७२-१९१६ तक वर्तमान।

सभासार (पद्य)→१२-१८३ ।

सुदर्शन (सेठ) की चौपाई (पद्य)—ऋषिराय ब्रह्महुलास कृत। लि० का० सं० १६४३। वि० जैन सेठ सुदर्शन की प्रशंसा।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१ ११।

सुदर्शनचरित्र (पद्य)—नंद (नंदलाल) कृत। र० का० सं० १६६३। वि० जैन धर्मानुयायी सुदर्शन सेठ की कथा।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।→सं० ०४-१७८ क, ख।

सुदर्शनदास—साधु। वृंदावन निवासी।

विनयपत्रिका (पद्य)→१२-१८२।

सुदामा—सं० १८८६ के पूर्व वर्तमान। गुरु का नाम संभवत प्रीतिदास।

सुदामाजी की बारहखड़ी (पद्य)→२३-४०७, २६-४६१ ए, सी, डी, ई, एफ, दि० ३१-८३, ४१-५७२ (अप्र०)।

नाइनमेष (पद्य)→२६-४६१ बी।

सुदामा की कथा (पद्य)—रामदास कृत। लि० का० सं० १७८५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, गोलवारा, सदावर्ती, आजमगढ।→४१-२२६।

सुदामा की कथा→'सुदामाचरित्र' (नरोत्तमदास कृत)।

सुदामाचरित्र (पद्य)—आनंददास कृत। वि० सुदामा की कथा का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-१७।

सुदामाचरित्र (पद्य)—आलम कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
(क) लि का स १८०९ ।
प्रा —पं रेवतीप्रसाद गद्दी परसोली का सुदीर (मथुरा) ।→४४-४ ।
(ख) प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग कॉकरोली ।→सं -१८ ख ।
सुदामाचरित्र (पद्य —कमलानंद कृत । रि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं मनोहरलाल पाठक श्री बलदेव (मथुरा) ।→४१-५९ ।
सुदामाचरित्र (पद्य) कर्णीराम कृत । र का सं १७११ । लि का सं० १७३१ ।
वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं बालमुकुंद चतुर्वेदी मानिक चौक मथुरा ।→१२-८८ ।
सुदामाचरित्र (पद्य)—कल्याणदास कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
(क) प्रा - पं भालानाथ, कारब डा राया (मथुरा) ।→१४ ख ।
(ख) प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं० १-४४ ।
सुदामाचरित्र (पद्य —अन्य नाम सुदामासमाज । लंकन कृत । लि का
सं १७२६ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६ ५६ ए ।
(सं १८६ की एक अन्य प्रति पं पीतांबर भट्ट, टीकमगढ़ के पास है ।)
सुदामाचरित्र (पद्य)—गंग (कवि) कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —बाबू राधाकृष्णदास चौखंभा वाराणसी ।→ -११ ।
सुदामाचरित्र (पद्य)—गिरिधरदास (गिरिधारी) । कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
(क) लि का सं १९६५ ।
प्रा —पं उमेशदत्त त्रिपाठी गौरा (उन्नाव) ।→सं ४-९६ क ।
(ख) प्रा —पं केदारनाथ त्रिपाठी उत्तरपारा रायबरेली ।→११- ९४ डी ।
सुदामाचरित्र (पद्य)—गोपाल कृत । र का सं १८८१ । लि का सं १९११ ।
वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —लाला रूपनारायण पन्ना ।→ १-२८१ ए (विवरण अप्राप्त) ।
सुदामाचरित्र (पद्य)—रणजीत कृत । लि का सं १९१८ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-१५१ ।
सुदामाचरित्र पद्य)—चिरदाराम कृत । र का सं १८८० । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —श्री नर्मदेश्वर बनवरा डा लौअम (बस्ती) ।→सं ८- ७१ ।
सुदामाचरित्र (पद्य)—अन्य नाम सुदामा की कथा और 'सुदामालीला । नरोत्तमदास
कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
(क) लि का सं १८४२ ।
प्रा —ठा मौनिहालसिंह चौंवा उन्नाव) ।→११-१ ० ए ।
(ख) लि का सं १८५४ ।
को सं वि ७२ (११ —४८)

प्रा०—पं० कामताप्रसाद तिवारी, अटेर, डा० रायपुर (लखनऊ)। → सं० ०७-६७।

(ग) लि० का० सं० १८६० ।

प्रा०—मुंशी भोलाराम, मैंसोन, डा० खैरागढ़ (आगरा)। → २६-२४८ ।

(घ) लि० का० सं० १८७० ।

प्रा०—पं० गोविंदलाल दूबे, निहालपुर, डा० नारायणदास खेड़ा (उन्नाव)। → २६-३२४ ए ।

(ङ) लि० का० सं० १८७१ ।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंभा, वाराणसी । → ००-२२ ।

(च) लि० का० सं० १८८७ ।

प्रा०—पं० भगवानदीन, उर्दू अध्यापक, अजयगढ़ । → ०६-२०१ (विवरण अप्राप्त ।

(छ) लि० का० सं० १८६२ ।

प्रा०—श्री भगीरथीप्रसाद, उसका, डा० फौढोर (प्रतापगढ़)। → २६-३२४ बी ।

(ज) लि० का० सं० १६१२ ।

प्रा०—पं० सरजूप्रसाद, महरन, डा० मटेरा (बहराइच)। → २३-४०० बी ।

(झ) प्रा०—श्री चंद्रसेन पुजारी, गंगा जी का मंदिर, खुर्जा (बुलंदशहर)। → १७-१२४ ।

(ञ) प्रा०—पं० महावीरप्रसाद दीक्षित, चढियाना, फतेहपुर । → २०-११७ ।

(ट) प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । → २६ ३२४ सी ।

(ठ) प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग । → ४१-५२१ (अप्र०) ।

सुदामाचरित्र (पद्य)— प्राणनाथ कृत । लि० का० सं० १८६१ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय, छतरपुर । → ०५-५३ ।

सुदामाचरित्र (पद्य)—वनमाली कृत । र० का० सं० १८५८ । वि० सुदामा की कथा ।
प्रा०—श्री रामनारायण चौबे, मलौली चौबे, डा० घनघटा (बस्ती)। → सं० ०४-२२७ ।

सुदामाचरित्र (पद्य)—बालकदास कृत । लि० का० सं० १८६० । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० पीतांबर भट्ट, बानपुरा दरवाजा, टीकमगढ़ । → ०६-१३३ (विवरण अप्राप्त) ।

सुदामाचरित्र (पद्य)—भूधरदास कृत । लि० का० सं० १२३६ सुल्की (?) । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० रामनारायण, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ)। → २६-४८ ।

सुदामाचरित्र (पद्य)—भृगुपति कृत । लि० का० सं० १८०३ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा —पं सरल चौबे रामनरेश चौबे सहतवार रविनटोला बहरी (बलिया)।→४१-१७८।

सुदामाचरित्र पद्य)—महाराजदास कृत। र का सं १९१६। लि का सं १९२०। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —पं बराटीलाल मुकरीम नगर बोधीटोला डा हसनगंजपार (लखनऊ)। →२१-२८२।

सुदामाचरित्र (पद्य)—रामन कृत। लि का सं १९५७। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —बाबू चतुर्भुजदास वर्मा नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→११-१४१।

सुदामाचरित्र (पद्य)—ब्रजवल्लभदास कृत। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —महंत लक्ष्मणलाल कमीदार सिराथू (इलाहाबाद)।→ ६-११ बी।

सुदामाचरित्र (पद्य)—हलधरदास कृत। र का सं १६२० (१८)। वि नाम से स्पष्ट।

(क) लि का सं १८८१।

प्रा —धर्मपत्नी स्वर्गीय पं कन्हैयालाल पुजारी देवीमंदिर, सिरसागंज (मैनपुरी)। →१६-१६१।

(ख) लि का सं १९११।

प्रा —पं महावीर मिश्र गुरुटोला आजमगढ़।→ ६-१ ४।

(ग) प्रा —पं रामसनेही द्वारा पं मनमोहन दूबे डा बड़ेपुरा (इटावा)। →वि ११ १५।

सुदामाचरित्र (पद्य —रचयिता अज्ञात। लि का सं १० ६। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर। १-६१।

सुदामाचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —श्री गजाधर दूबे मीरपुर, डा हँडिया (इलाहाबाद)।→सं १-५७१।

सुदामाजी को बारहखड़ी (पद्य)—अन्य नाम 'ककहरा'। सुदामा कृत। वि भक्ति।

(क) लि का सं १८८ ।

प्रा•—ठा अयोध्यासिंह खदरपुर डा मारापुर परगना कौंधा (सुलतानपुर)। →२१-४ ७।

(ख) लि का सं १८८३।

प्रा•—श्री तुलसीदास का बड़ा स्थान दारागंज प्रयाग।→४१-५७२ (ग्रम)।

(ग) लि का सं १९३४।

प्रा —पं बद्रीप्रसाद शुक्ल शिवपंज डा हरगाँव (सीतापुर)।→१६-४६१ सी।

(घ) लि का सं १९४२।

प्रा —ठा शोभासिंह मिझौलिया डा ईसानगर (खीरी)।→१६-४६१ बी।

(ङ) प्रा —पं शंकरराम तिवारी मुरारीपुर कालाकाँकर (प्रतापगढ़)। → २६-४६१ ए।

(च) प्रा०—महंत मोहनदास, त्यागी पीताम्बरदास का स्थान, सोनागढ़, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) ।→२६–४६१ ई ।

(छ) प्रा०—श्री चद्रीनाथ भट्ट, हुसैनगज, लखनऊ ।→२६–४६१ एफ ।

(ज) प्रा०—प० गणपतिराम शर्मा, शाहदरा, दिल्ली ।→दि० ३१–८३ ।

सुदामाजी की बारहखड़ी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० स० १८५४ । वि० सुदामा चरित्र ।

प्रा०—श्री चद्रसेन पुजारी, खुर्जा (बुलदशहर) ।→१७-६८ (परि० ३) ।

सुदामाजी के सवैया→'सुदामाचरित्र' (कल्याणदास कृत) ।

सुदामालीला→'सुदामाचरित्र' (नरोत्तमदास कृत) ।

सुदामासमाज→'सुदामाचरित्र' (मदन कृत) ।

सुदृष्टतरगिनी (गद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० स० १८३८ । वि० जैनधर्म का प्रतिपादन ।

(क) लि० का० स० १८६३ ।

प्रा०—दिगबर जैन पचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→स० १०–१२६ ।

(ख) लि० का० स० १६७० ।

प्रा०—श्री दिगबर जैन मदिर, अहियागज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ । → स० ०४–४११ ।

(ग) प्रा०—श्री जैन वैद्य, जयपुर ।→००–११६ ।

टि० प्रस्तुत ग्रथ को खो० वि० स० ०४–४११, स० १०–१२६ मे सीतल जैन कृत माना गया है । पर वस्तुत ग्रंथ अज्ञात कर्तृक है ।

सुधन्वाकथा→'जैमिनिपुराण' (पुरुषोत्तमदास कृत) ।

सुधा (पद्य)—लाल जी रगखान कृत । लि० का० स० १८४७ । वि० नायक नायिकाभेद ।

प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, गोकुलनाथ का मदिर, गोकुल (मथुरा) । → ३५–५६ ।

टि० ग्रंथ का नाम अपूर्ण है ।

सुधाधरपिंगल (पद्य)—चद कृत । वि० पिंगल ।

प्रा०—प० कैलाशनारायण चतुर्वेदी, नगरा पाईसा (मथुरा) ।→३८–२० ।

सुधानिधि (पद्य)—तोषनिधि (तोषमणि) कृत । र० का० स० १६६१ । लि० का० स० १६४८ । वि० रस और नायिकाभेद ।

प्रा०—अयोध्यानरेश का पुस्तकालय, अयोध्या ।→०६-३१६ ।

सुधानिधिकाव्य→'राधासुधानिधि सटीक' (हितदास कृत) ।

सुधामुखी—शीलमणि के शिष्य । १६वीं शताब्दी में वर्तमान ।

भक्तनामावली (पद्य)→२०–१८६, २३–४१० ।

सुधामुखी→'सरयूदास' (प्रमोदवन, अयोध्या निवासी) ।

सुधारस या सुधासर→'प्रबोधरससुधासागर' (नवीन कृत) ।

सुधासार (पद्य)—ब्रज (कवि) कृत। र० का० सं० १७७५। लि० का० सं० १८८१। वि० भागवत (दशम स्कंध) का अनुवाद।
   प्रा० —पं० नरोत्तमदास लक्ष्मीनारायण वैद्य बाह (आगरा)।→२६-४८ एच।

सुधासिंधु (ग्रंथ) (पद्य)—आन कवि (न्यामत खाँ) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
   प्रा० —हिंदुस्तानी एकाडमी इलाहाबाद।→सं० १-१२१ ए।

सुनारिनलीला (पद्य)—हरिवंशराय कृत। वि० कृष्ण का सुनारिन रूप धारण कर राधिका से मिलना।
   (क) लि० का० सं० १६२६।
   प्रा० —पं० श्यामसनोहर शुक्ल मानपुरा (हरदोई)।→२६- ४८ बी।
   (ख) लि० का० सं० १६३३।
   प्रा० —ठा० परशुसिंह रामनगर डा० बारा (सीतापुर)।→२६-१५८ ई।

सुनारिनलीला→'कृष्णलीला' (हितरूपलाल कृत)।

सुनीतिपंथप्रकाश (पद्य)—निहाल (कवि) कृत। र० का० सं० १८ ६। वि० राजनीति।
   प्रा० —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→०१-१ ६।

सुनीतिप्रकाश (पद्य)—भूपति कृत। र० का० सं० १८११। वि० राजनीति की कहानियाँ (फारसी से अनूदित)।
   प्रा० —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४-१।

सुनीतिरत्नाकर (पद्य)—निहाल (कवि) कृत। र० का० सं० १६ १। लि० का० सं० १६ १। वि० नीति।
   प्रा० —महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→ १-१ ७।

सुन्नूलाल—(?)
   वैद्यजीवन (पद्य)→२ - ८३।

सुपच की लीला (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० पौराणिक कथा।
   प्रा० —श्री रामचंद्र सैनी बेलनगंज आगरा।→२६-५११।

सुबरनबेलि→'सोनकुँअरि (जयपुर की रानी)।

सुबरनबेलि की कविता (पद्य)—सोनकुँअरि (सुबरनबेलि) कृत। लि० का० सं० १८१४। वि० कृष्णोत्सव के गीत।
   प्रा० —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६-३११ (विवरण अप्राप्त)।

सुबोध (पद्य)—गंगाप्रसाद कृत। र० का० सं० १८८ । लि० का० सं० १६१६। वि० वैद्यक।
   प्रा० —हकीम गंगासहाय बदायूँ।→१२-२७।

सुभाषित (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १६१७ । लि० का० सं० १६१० । वि० उपदेश ।

प्रा०—लाला प्रभुदयाल, आलमनगर, लखनऊ ।→२६-११६ (परि० २) ।

सुभाषित ग्रंथ या सुभाषित उपदेश रत्नावली→'सुभाषितावली' (खुशालचंद काला कृत) ।

सुभाषितावली (पद्य)—खुशालचंद (काला) कृत । र० का० सं० १७६४ । वि० प्राकृत के 'सुभाषित' ग्रंथ का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १८०६ ।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली ।→दि० ३१-७७ ।

(ख) लि० का० सं० १८४६ ।

प्रा०—जैन मंदिर, रायभा डा० किरावली (आगरा) ।→३२-२३० ।

(ग) लि० का० सं० १८,० ।

प्रा०—श्री जैन मंदिर, कटरा मेदिनीगंज, प्रतापगढ़ ।→२६-२३६ ।

टि० प्रस्तुत ग्रंथ का मूल से खो० वि० दि० ३१-७७ में सकलकीर्ति पंड्या कृत तथा ३२-२३० में वीतरागदेव कृत माना है ।

सुमतिनाथ—जैन । खतरगच्छ (मुलतान) निवासी । चड्ढमल के आश्रित । सं० १७२२ के लगभग वर्तमान ।

ज्ञानकला (पद्य ?)→पं० २२-१०४ ।

सुमनघन (पद्य)—गंगादास कृत । र० का० सं० १८७६ । वि० शेखसादी कृत 'गुलिस्ताँ' का अनुवाद ।

प्रा०—मुंशी अशरफीलाल, बलरामपुर महाराज का पुस्तकालय बलरामपुर ।→ ०६ ८५ ।

सुमनप्रकाश (पद्य)—भोलानाथ कृत । वि० नायक नायिकाभेद ।

(क) प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, गोकुल (मथुरा) ।→३२-२६ ।

(ख) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । → सं० ०१-२६४ ।

सुमरणमंगल (पद्य)—उदय (कवि) कृत । वि० रामचंद्र जी का नखशिख ।

प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, वेलनगंज, आगरा ।→३२-२२३ एल ।

सुमरन को अंग (पद्य)—हजूरीदास (संतदास) कृत । वि० रामनाम महिमा और नाम स्मरण का फल ।

प्रा०— संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→४१-२७४ ।

सुमिरननामपाखी (पद्य)—धर्मदास कृत । लि० का० सं० १८७४ । वि० कबीरपंथ के सिद्धांत ।

प्रा०—बाबू अमीरचंद, प्रबंधक बी० डी० गुप्ता एंड क०, चौक बाजार, बहराइच ।→२३-१०० सी ।

सुमिरनसाठिका (पद्य)—कबीरदास कृत। लि का सं १६९६। वि जीव की महिमा, ईश्वर प्रेम आदि।
प्रा —पं दीनानाथ रामनगर (बाराबंकी)।→२१-१६० एन।

सुमिरनसिंगार (पद्य)—ऊधव (कवि) कृत। वि राम और कृष्ण की स्तुति।
प्रा —श्री रामचंद्र सैनी बेलनगंज आगरा।→१९-२११ एम।

सुमेरशिखर (समेदशिखर ?) माहात्म्य (पद्य)—गुलाबराय मीठीराय कृत। र का सं १८४१। लि का सं १८४६। वि समेदशिखर का माहात्म्य वर्णन।
प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर) चूड़ीवाली गली चौक, लखनऊ। →सं ८-७।

सुरतरंग (पद्य)—सरदारसिंह (राजा) कृत। र का सं १८ ५। वि संगीत।
(क) प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ १-२।
(ख) प्रा —सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-४२।

सुरतराम→'रामसागर (आनंदराम द्वारा संगृहीत जिसमें इनकी भी बानियाँ हैं)।

सुरतांतझोला (पद्य)—जीवनचन कृत। लि० का सं १८४। वि राधाकृष्ण का दाम्पत्य विहार।
प्रा०—श्री बिहारी जी का मंदिर, महाजनीटोला इलाहाबाद।→४१-८९।

सुरतिशब्द-संवाद (पद्य)—अन्य नाम 'सुरतिसंवाद'। कबीरदास कृत। वि ज्ञान योग।
(क) लि का सं १८२६।
प्रा —पं जयमंगलप्रसाद वाजपेयी रसुआ (फतेहपुर)।→२ -७४ डी
(ख) प्रा०—पं वैजनाथ प्रसाद मुमौसी डा विजनौर (लखनऊ)। → २६ १७८ आर।

सुरतिसंवाद→ सुरतिशब्दसंवाद (कबीरदास कृत)।

सुरतोल्लास (पद्य)—वल्लभरसिक कृत। वि राधाकृष्ण विहार।
प्रा०—बाबा संतदास राधावल्लभ का मंदिर वृंदावन (मथुरा)। → ११-१४ डी।

सुरमावारी (पद्य)—गल्लू जी (महाराज) कृत। र का सं १६१ । वि श्रीकृष्ण की छद्मलीला।
प्रा०—श्री महेश्वरलाल गोस्वामी घेरा राधारमण जी वृंदावन (मथुरा)। → २९-१ १ बी।

सरसुंदरीकथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र का सं १७१४। वि पुत्रवती मल की कथा।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-४२४।

सुरसुंदरीचरित्र (पद्य)—रेइ (मुनि) कृत। र० का० सं० १६४४। लि० का० सं० १७०८। वि० सुरसुंदरी की कथा।
प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१-५६।

सुरापचीसी (पद्य)—अवधूतसिंह कृत। र० का० सं० १८८४। लि० का० सं० १८८४। वि० सुरापान की महिमा।
प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७-१ डी।

सुरेंद्रकीर्ति—ग्वालियर के जैन भट्टारक। सं० १७४० के लगभग वर्तमान।
रविव्रत कथा (पद्य)→२३-४२०।

सुलेमान (शेख)—(?)
खालिफनामा (पद्य)→०६-२८६।

सुलोचनासत(पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० मेघनाथ वध और सुलोचना का सती होना।
प्रा०—श्री रामअनद तिवारी, दरवेशपुर, डा० भरवारी (इलाहाबाद)। → सं० ०१-५७४।

सुवंश (शुक्ल)—बिसवाँ (सीतापुर) निवासी। राजा उमरावसिंह और सूर्यासिंह के आश्रित। सं० १८६४ के लगभग वर्तमान।
अमरकोष (पद्य)→०५-८८, २०-१६१, २३-४२२ डी, २६-४७५ ए, जी, सं० ०४-४१६ क।
उमरावकृपाकर (पद्य)→२३-४२२ ई।
ढेकी (पद्य)→०२-१०७, २३-४२२ ए, सं० ०४-४१६ ख।
द्विघटिका (पद्य)→१२-१८०।
पिंगल (पद्य)→०६-३०६, २६-४७५ सी, डी।
रसतरंगिनी (पद्य)→२६-४७५ एफ।
रसमंजरी (पद्य)→२६-४७५ ई।
रामचरित्र (पद्य)→२३-४२२ बी।
स्फुटकाव्य (पद्य)→२३-४२२ सी।

सुवंशराय→'सुवंस (कवि)' ('जैमिनिअश्वमेध' के रचयिता)।

सुवंस (कवि)—पूरा नाम सुवंशराय। संभवतः कोई गोस्वामी। गदाधर के पुत्र। गोवर्द्धन के पौत्र। सं० १७१० के लगभग वर्तमान।
जैमिनिअश्वमेध (पद्य)→३५-६८।
नरसिंहपचासिका (पद्य)→सं० ०१-४५६।

सुवरण—(?)
कवित्त (पद्य)→सं० ०१-४५७।

सुवर्णमाला (पद्य)– गिरिवर (भट्ट) कृत । र का सं १९ ८ । वि नायिकाभेद ।
प्रा०—ठा हनुमंतसिंह गोरहार । → ६–१८ बी ।

सद्गृहहार (पद्य)—रामराज कृत । र का सं १९ १ । वि पिंगल ।
(क) प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । → १–७१ ।
(ख) प्रा —श्री रमाकांत उपाध्याय, मडहैर डा गुठवन (जौनपुर) । → सं १–७१ ।

ससिद्धांतोत्तम रामखंड (किष्किंधा उत्तरकांड) (पद्य)—रुद्रप्रतापसिंह (महाराज) कृत । र का सं १८८१ (लगभग) । वि रामचरित ।
(क) मु का सं १९६८ ।
प्रा —श्री महंत जी गुरुद्वारा, शाहाबाद डा मानिकपुर (प्रतापगढ़) । → सं ४–१५ ।
(ख) प्रा —श्री बेरातर के महाराज मौदा (इलाहाबाद) । → सं १–१६१ ।

सुक्तावली (भाषा) (पद्य)—फतेचंद (जैन) कृत । र का सं १९ २ । वि ज्ञानोपदेश ।
(क) लि का सं १९ ३ ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर । → सं १ –८ क ।
(ख) लि का सं १९४ ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर । → सं १ –८ ख ।

सूक्तिमुक्तावली (पद्य)—बनारसीदास कृत । र का सं १६९१ । वि जैन धर्म विषयक सूक्तियाँ ।
प्रा —पं कृष्णबिहारी मिश्र माडल हाउस अमीनाबाद पार्क लखनऊ । → १६–११ बी ।

सूक्ष्मवेद (पद्य —गोरखनाथ कृत । लि का सं १८१७ । वि ज्ञानोपदेश ।
प्रा —श्री वशिष्ठ उपाध्याय पोस्टमास्टर विरवाकोट (आजमगढ़) । → सं १–१ क ।

सूक्ष्मवेदांत (पद्य)—रामदास कृत । वि वेदांत ।
प्रा —श्री हुँगर पंडित पनवारी डा पनकुना (आगरा) । → ११–१०५ सी ।

सूतशौनक संवाद (पद्य)—शंकरदास कृत । र का सं १८११–५ । वि रामकथा । वाल्मीकि रामायण
(क) लि का सं १८५ ।
प्रा —ठा अनिरुद्धसिंह सर्वज्ञ, राज्य नीलगाँव नीलगाँव (सीतापुर) । → २३–२४१ सी ।
(ख) लि का सं १९११ ।
प्रा —पं शिवबिहारीलाल वकील मौलागंज लखनऊ । → २– ७१ ।
खो सं वि ७१ (११ –१४)

(ग) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—पं० श्यामबिहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ ।→२३-२४१ डी ।

फौशलखंड

(घ) लि० का० सं० १८५१ ।

प्रा०—ठा० गंगानरेशसिंह, मिश्रइया (बहराइच) ।→२३-२४१ ए ।

(ङ) लि० का० सं० १६२० ।

प्रा०—ठा० महेश्वरसिंह, विश्वनाथ पुस्तकालय, दिफौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३-२४१ जी ।

सूत्रजी (टीका सहित) (गद्य)--रचयिता अज्ञात । वि० जैन धर्मानुसार मोक्ष साधन ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-१८० ।

सूत्रजी की टीका (गद्य)—मकरंद (जैन) कृत । वि० जैन दर्शन ।

(क) लि० का० सं० १६०० ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-१०२ क ।

(ख) लि० का० सं० सं० १६३७ ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-१०२ ख ।

सूत्रार्थपातंजलि (भाषा) (गद्य)—मथुरानाथ (शुक्ल) कृत । र० का० सं० १८४६ । वि० योग ।

प्रा० पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६-१६५ सी ।

सूदन—चौबे ब्राह्मण । मथुरा निवासी । बसंतराम के पुत्र । भरतपुर नरेश सुजानसिंह (सूरजमल) के आश्रित । सं० १८०३ के लगभग वर्तमान ।

सुजानचरित्र (पद्य)→००-८१, १२-१८१, १७-१८' ।

सूबासिंह (सुब्बासिंह)→'श्रीधर (राजा)' ।

सूमसागर (पद्य)—देवीदास (देवी) कृत । र० का० सं० १७६४ । वि० सूमों के भेद ।

(क) प्रा०—तुलसी सतसंग सभा अयोध्या ।→२०-४० ।

(ख) प्रा०—बाबू रामचंद्र एम० ए०, एल एल० बी०, अमीनाबाद, लखनऊ । →२३-६४ ।

सूमाज (जैन)—(?)

आत्मानुशासन की भाषा वचनिका (गद्य)→सं० १०-१३२ ।

सूर—गुरु का नाम संभवत तुलसी साहब (आपापंथी साधु) ।→१२-१६०, सं० ०७-७४ ।

झूलना (पद्य)→सं० ०७-१६८ ।

सूरकिशोर—संभवत मिथिला निवासी ।

मिथिलामाहात्म्य (पद्य)→१७-१८८ ।

सूरगूढार्थ पदसंग्रह और अर्थ→'दृष्टिकूट के पद' (बालकृष्ण वैष्णव कृत) ।

सूरच (सूर्य)—ज्योतिषी । १८वीं शताब्दी के आरंभ में वर्तमान । सूदन ने इनकी प्रशंसा की है ।
    कर्मविपाक (गद्य)→ ६-१ ५ ।

सूरजदास—संभवतः माधनाथ के शिष्य । मौबपुरी माषी प्रदेश के निवासी । सं १७८५ । के पूर्व वर्तमान ।
    एकादशीमाहात्म्य (पद्य)→१७- ८० बी २३-४१७ बी; २६-४७१ ए, ४१-५७४ क (प्रप्र)· सं १ -१११ क ख ।
    रामजन्म (पद्य)→१७-१८७ ए, २३-४१७ सी २६-४७१ बी ४१-५७४ ख (प्रप्र)· सं १०-१११ क, ख ।
    रामरहारी (लवकुशकांड) (पद्य)→सं -४५८ ।
    रुक्मांगद की कथा एकादशीमाहात्म्य (पद्य)→११-४१७ ए ।

सूरजपुराण (पद्य)—अंबतीदास कृत । वि सूर्य कथा ।
    प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी । →सं १ -१ ।

सूरजपुराण (पद्य)—गोंवीराम (वैद्य) कृत । वि सूर्य की स्तुति ।
    प्रा —पं हरिमोहन मिश्र सिंगरावली डा तोंतपुर (आगरा) ।→२६-११४ ।

सूरजपुराण (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । वि सूर्य की कथा और माहात्म्य ।
    (क) लि का सं १८७ ।
    प्रा —ठा शिवसिंह विक्रमपुर डा ओयल (खीरी) ।→२६-४८६ बी ।
    (ख) लि का सं १८७१ ।
    प्रा —पं रामअवतार, पंडित का पुरवा डा रहिया (बहराइच) । → २३-४१२ अन्यम् ।
    (ग) लि का सं १८७१ ।
    प्रा —श्री रामेश्वरप्रसाद बेगा (प्रतापगढ़) ।→२६-४८६ सी ।
    (घ) लि का सं १८९१ ।
    प्रा —श्री रामप्रसाद मुराऊ पुरवा विश्रामदास डा परियावाँ (प्रतापगढ़) ।→ २६ ४८६ डी ।
    (ङ) लि का सं १८९९ ।
    प्रा —पं शुकदेवप्रसाद मिश्र भदियामा (फतेहपुर) ।→२ -१६६ ए ।
    (च) लि का सं १९ ५ ।
    प्रा —ठा महीसिंह जमींदार लालीपुर डा तालाब बख्शी (लखनऊ) । → २६-४८६ ई ।
    (छ) लि का सं १६ ६ ।
    प्रा —श्री हजारीलाल रहुआ (रायबरेली) ।→२३-४१२ एक्स ।
    (ज) लि का सं १९ ७ ।

प्रा०—श्रीमती महंतनी लक्ष्मणरानी, कुटी बाबा भागदास, डा० कैसरगंज (सुलतानपुर)।→२३-४३२ वाई।

(ञ) लि० का० सं० १६१६।

प्रा०—श्री शिवरतन पांडेय, भिटारी, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)। → २६-४८५ एफ।

(ञ) लि० का० सं० १६२५।

प्रा०—ठा० रामदौरसिंह, पिगौरा, डा० कैसरगंज (बहराइच)।→२३-४३१ जेड।

(ट) लि० का० सं० १६२५।

प्रा०—श्री शिवधारीलाल, ममरेजपुर, डा० बेनीगंज (हरदोई)।→२६-४८५ जी।

(ठ) लि० का० सं० १६२६।

प्रा० पं० महावीरप्रसाद, कपसुआ, डा० फरछुना (इलाहाबाद)।→१७-१६७।

(ड) लि० का० सं० १६४१।

प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़।→२६-४८५ एच।

(ढ) प्रा०—लाला कौलेश्वरलाल, मदोरा (गाजीपुर)।→०६-३२३ एग।

(ण) प्रा०—पं० महादेवप्रसाद चतुर्वेदी, असनी (फतेहपुर)। → ००-६६ बी।

(त) प्रा०—पं० कृपानारायण शुक्ल, मुंशीगंज कटरा, डा० मलीहाबाद (लखनऊ)।→२६-४८५ आई।

(थ) प्रा०—पं० गंगासहाय, डा० बुआरण (दिल्ली)।→दि० ३१-६२।

सूरजप्रकाश (पद्य)—करनीदान (कवि) कृत। र० का० सं० १७८७। वि० महाराज अजयसिंह और उनके पूर्वजों का यश वर्णन।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-२४।

सूरजमल→'सुजानसिंह' (भरतपुर नरेश)।

सूरजमल की कृपाण (पद्य)—दत्त (कवि) कृत। वि० भरतपुर नरेश सूरजमल की कृपाण का ओजस्वी वर्णन।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-१४८।

सूरजराज (कवि)—संभवतः 'रामजन्म' के रचयिता सूरजदास। →१७-१८७; २३-४१७, २६-४७३।

रामचरित्र (पद्य)→सं० ०७-१६६।

सूरत—जैन। सं० १६०३ के पूर्व वर्तमान।

बारहखड़ी (पद्य)→सं० २२-१०८।

सूरत (कवि)→'सूरति (मिश्र)' ('अमरचंद्रिका' आदि के रचयिता)।

सूरतप्रकाश (पद्य)—अन्य नाम 'भावदीपक'। गंगाराम (यति) कृत। र० का० सं० १८८१। वि० वैद्यक।→पं० २२-३१ बी।

सूरतराम (बन)—गुरु का नाम रामचरण। सं० १८९१ के पूर्व वर्तमान।→१९-१८१, सं० ७-१९५।

ककाबत्तीसी (पद्य)→१९-९७ बी।

चिंतामणिसोष (ग्रंथ) (पद्य)→१५-९७ ए; सं० ७-२१ क।

नौंबत्तीसी (पद्य)→सं० ७-२१ ख।

पद (पद्य)→सं० ७-२१ ग।

पदबावनी (पद्य)→१९-९७ सी।

भ्रमखंडन (पद्य)→सं० ७-२१ घ।

सत्संगसार (पद्य)→सं० ७-२१ च।

सूरतराम की बानी (पद्य)→२३-४१८; सं० ७-२१ क।

सूरतराम की बानी (पद्य)—अन्य नाम चारोंपिसबमे। सूरतराम (बन) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८९२।

प्रा०—श्री हरगोबिंदराम तिवारी (रामपरेली)।→२३-४१८।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० ७-२१ क।

सूरति (मिश्र)—आगरा निवासी। कान्यकुब्ज ब्राह्मण। पिता का नाम सिंघमनि। गुरु का नाम गनेस। जन्म सं० १७४ । अमरसिंह, मसनवीखा खाँ, बीकानेर नरेश जोरावरसिंह और दिल्ली के बादशाह मुहम्मदशाह के आश्रित। अलीमुहिब खाँ प्रीतम के गुरु। सं० १७६६ से १८ तक कविता काल।

अमरचंद्रिका (पद्य)→ ६-२४१ बी; ९-३१४ सी; २३ ४१९ बी; २६ ४७४ ए, आई।

अलंकारमाला (पद्य)→ ३-१ ४।

कविप्रिया सटीक (पद्य)→१२-१८९; २३-४१९ ए।

काव्यसिद्धांत (पद्य)→ ६-२४१ ई।

खेतसार (पद्य)→४१-२११ ख।

नखशिख (पद्य)→२३-४१९ सी; सं० ९-४१९।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)→४१-२११ क।

बैताल पचीसी (पद्य)→२६-४७४ बी सी डी ई; सं० ७-२ ।

भक्तविनोद (पद्य)→१०-१८८ बी।

रसग्राहकचंद्रिका (पद्य)→ ६-२४१ ए, बी; ९-३१४ ए; १७-१८८ ए; २३-१ ९; २६-४७४ एफ, जी।

रसरत्न (पद्य)→ १-८६; १-९९; ६-२४१ सी; ९-३१९; २६-४७४ एच।

शृंगारसार (पद्य)→११ २११।

सूरदया—(?)

कवित्त (पद्य)→सं० ०१–४६० ।

सूरदास—ब्राह्मण । व्रज निवासी । वल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । भक्त और महात्मा । हिंदी के सुप्रसिद्ध कवि । वल्लभाचार्य जी के शिष्य । अष्टछाप के कवियों में ये प्रमुख थे ।

अष्टपदीवनयात्रा (पद्य)→२६–४७१ ए ।

गोवर्द्धनलीला (पद्य)→१७–१८६ ई, सं० ०१–४६१ ट ।

दानलीला (पद्य)→सं० ०१–४६१ छ, ज ।

पंचाध्यायी (रासलीला) (पद्य)→सं० ०१–४६१ झ ।

बिसातिनलीला (पद्य)→२६–४७१ बी, २६–३१६ जे, के, सं० ०४–४२० ख ।

भ्रमरगीत (पद्य)→२३–४१६ ए, बी, ४१–२६४ क ।

रागमाला (पद्य)→२६–३१६ आई ।

राधाकृष्णमंगल (पद्य)→०६–२४४ ए, २५–४७१ जी, एच ।

रुक्मिणीविवाह और सुदामाचरित्र (पद्य)→२३–४१६ ई ।

वंशीलीला (पद्य)→२६–४७१ बी, ३२–२१२ जे, सं० ०१–४६१ ञ ।

विष्णुपद (पद्य)→२३–४१६ डी ।

साँझीलीला (पद्य)→४१–२६४ ग ।

सूरपचीसी (पद्य)→१२–१८५ बी ।

सूररतन (पद्य)→२६–३१६ सी ।

सूररामायण (पद्य)→सं० ०१–४६१ ख ।

सूरसागर (पद्य)→०१–२१, ०६–२४४ सी, डी, १२–१८५ ए, सी, १७–१८६ ए, बी, सी, डी, २३–४१६ एफ, जी, एच, आई, जे, २६–४७१ एम, एन, २६–३१६ ए, बी, डी, ई, एफ, जी,एच, ३२–२१२ सी,जी, एच, ४१–२६४ ग से ढ तक, सं० ०४–४२० ग, सं० ०७–२०२ ।

सूरसागर के पद (पद्य)→३२–२१२ आई ।

सूरसागरसार (पद्य)→०६–३१३ ।

सूरसाठि (पद्य)→सं० ०१–४६१ क ।

सूरसारावली (पद्य)→सं० ०१–४६१ ग ।

सेवाफल (पद्य)→सं० ०१–४६१ ङ, च ।

सूरदास—संभवत 'सूरसागर' के रचयिता सुप्रसिद्ध भक्त सूरदास ।

सहस्रनाम (पद्य)→सं० १०–११४ ।

सूरदास—सं० १८३६ के पूर्व वर्तमान ।

बारहखड़ी (पद्य)→सं० ०१ ४६२ ।

सूरदास—(?)

अर्जुनगीता (पद्य)→२६–४७२ ।

सूरदास—(?)
कबीर (पद्य)→२३-४१६ सी।
सूरदास—(?)
गोपालगारी (पद्य)→सं १-४६१।
सूरदास—(?)
धूपरों का पद (पद्य)→४१-२९६।
सूरदास—(?)
नागलीला (पद्य)→ ६-२७४ ई २६-४७१ एफ सं ४ ४१० क।
सूरदास—(?)
पदसंग्रह (पद्य)→ ६-२४४ बी; ११-१११ ई।
सूरदास—(?)
द्रौपदी के भजन (पद्य)→११-११२ बी।
सूरदास (?)
ब्रह्मचारी (पद्य)→१७-१८६ एफ।
सूरदास—(?)
बारहखड़ी (पद्य)→१२-२१२ ए।
सूरदास—(?)
रामजी की बारहमासी (पद्य)→२६-४७१ आई जे, के।
सूरदास—(?)
बारहमासा (पद्य)→२६-४७१ सी।

सूरदासजी के दृष्टिकूट सटीक→ दृष्टिकूट के पद (बालकृष्ण वैष्णव कृत)।

सूरपचीसी (पद्य)—सूरदास (?) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा —बाबू कृष्णजीवनलाल वकील महाबन।→११-१८६ बी।

सूररतन (पद्य)—सूरदास (?) कृत। लि का सं १८७४। वि भजन।
प्रा —पं बालकृष्ण धर्मनपुर डा पडिवाली (एटा)।→२६-११६ सी।

सूररामायण (पद्य)—सूरदास (?) कृत। वि रामचरित्र।
प्रा —हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग।→सं १-४६१ ख।

सूरशतक पूर्वार्द्ध टीका (गद्यपद्य)—श्रीधर (स्वामी) कृत। र का सं १८८१।
लि का सं १९११। वि सूरदास कृत कूट पदों की टीका।
प्रा —पं रामशंकर वाजपेयी, बहोरी के वाजपेयी का पुरवा डा सिधौना (बाराबंकी)।→२१-४ २।

सूरसागर (पद्य)—सूरदास कृत। र का सं १६११ (?)। वि भागवत के
बारह स्कंधों तथा रामायण की संक्षिप्त कथा।
(क) लि का सं १७९२।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६-२४४ सी (विवरण अप्राप्त)।
(दो अन्य प्रतियाँ दतियानरेश के पुस्तकालय में हैं तथा स० १८७३ की एक प्रति बिजावरनरेश के पुस्तकालय, में है।)
(ख) लि० का० का० स० १७६८।
प्रा०—ठा० रामप्रसादसिंह, बरौली, डा० पहाड़ी (भरतपुर)।→१७-१८६ बी (सपूर्ण भागवत)।
(ग) लि० का० स० १८२७।
प्रा०—प० गगाप्रसाद, फजरा, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)।→२६-४७१ एम (कृष्ण जन्म से लेकर कृष्ण के व्रज में रहने तक की कथा)।
(घ) लि० का० सं० १८४४।
प्रा०—श्री जमनादास कीर्तनियाँ, नयामदिर, गोकुल (मथुरा)। → २३-२१ एच (सपूर्ण भागवत)।
(ङ) लि० का० स० १८६६।
प्रा०—श्री श्यामसुदरलाल, मशकगज, लखनऊ।→०१-२३ (भागवत की कथा, बारहों अध्याय)।
(च) लि० का० स० १८८०।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२६४ च (सपूर्ण भागवत)।
(छ) लि० का० स० १८८५।
प्रा —श्री गयादीन पाडेय, आशपुर, डा०अमरगढ (प्रतापगढ)।→स० ०४-४२०ग।
(ज) लि० का० स० १८६६।
प्रा०—पं० शिवनारायण बाजपेयी, बाजपेयी का पुरवा, सिसैया (बहराइच)।→ २३-४१६ एफ (श्री कृष्ण की लीला जन्म से अत तक)।
(झ) लि० का० स० १६००।
प्रा०—पं० लालमणि वैद्य, पवायाँ (शाहजहाँपुर)।→१२-१८५ सी (सपूर्ण भागवत तथा रामायण)।
(ञ) लि० का० स० १६००।
प्रा०—अमीरउद्दौला सार्वजनिक पुस्तकालय, लखनऊ। →स० ०७-२०२ (भागवत के दशम, एकादश और द्वादश स्कध)।
(ट) लि० का० स० १६१७।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२६४ ट (सपूर्ण भागवत)।
(ठ) प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)। → २३-४१६ आई (संपूर्ण भागवत)।

खडित प्रतियाँ

(ड) लि० का० स० १७४५।

प्रा —पं नटवरलाल चतुर्वेदी, कोटेवाले, शीतलापायसा मथुरा।→१७–१८६ ए (दशम स्कंध से द्वादश स्कंध तक)।

(ड) लि का सं १७६०।
प्रा —ठा नैनसिंह, हरिपुरा डा माधोगंज (हरदोई)। →२६–११६ जी (श्रीकृष्ण जन्म से लेकर गोपी उद्धव संवाद तक)।

(ढ) लि का सं १८२ ।
प्रा —बाबा नागरीदास कालीमर्दन घाट वृंदावन (मथुरा)।→११–११२ बी (भागवत दशमस्कंध)।

त) लि का सं १८११।
प्रा०—श्री ब्रह्मेशचरण गोस्वामी वृंदावन (मथुरा) ।→२६–११६ ए (स्फुट)।

(थ) लि का सं १८५४।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–२६४ ड (दशम स्कंध भागवत तथा कृष्ण चरित्र)।

(द) लि का सं १८६०।
प्रा —बाबू कृष्णजीवनलाल वकील महावन।→१२–१८३ ए (दशम स्कंध को छोड़कर भागवत के शेष ग्यारह स्कंध)।

(ध) लि का सं १८७१।
प्रा —श्री मर्तण्डध्वजप्रसादसिंह तिरवाँ (अलीगढ़)। →१७–१८६ सी (प्रथम स्कंध से नवम स्कंध तक)।

(न) लि का सं १८७६।
प्रा —श्री मर्तण्डध्वजप्रसादसिंह तिरवाँ (अलीगढ़)।→१७–१८६ डी (दशम स्कंध से बारहवाँ स्कंध तक)।

(प) लि का सं १८८२।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा गोकुलपुरा आगरा।→१२–२१२ सी (भागवत और रामायण की कथा)।

(फ) लि का सं १८८१।
प्रा —ठा जगदीशसिंह महरूडीह डा मलाकहरहर (इलाहाबाद)। →४१–२६४ ख (भागवत नवम स्कंध)।

(ब) लि का सं १६ २।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–२६४ च (कृष्णलीला)।

(भ) लि का सं १६ ६।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।—४१–२६४ ङ (प्रथम से नवम स्कंध तक)।

(म) लि का सं १६१७।

प्रा०—लाला जयंतीप्रसाद, बलहुर (कानपुर)।→२६-३१६ डी (दशम से बारह स्कंध तक)।

(य) लि० का० सं० १६१७।

प्रा०—ठा० ज्ञानसिंह, मड़ौली, डा० कादिरगंज (एटा)।→२६-३१६ ई, एफ, एच (द्वादश स्कंध)।

(र) लि० का० सं० १६१७।

प्रा०—ठा० रामसिंह, दीनाखेड़ा, डा० सोरों (एटा)। →२६-३१६ जी (एकादश स्कंध)।

(ल) लि० का० सं० १६२६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२६४ ठ (दशम स्कंध पूर्वार्द्ध)।

(व) लि० का० सं० १६४३।

प्रा०—महंत श्री ब्रह्मदेव शर्मा आचार्य, रतनपुरा (बलिया)।→४१-२६४ ञ (भागवत दशम स्कंध)।

(श) प्रा०—लाला देवीप्रसाद मुतसद्दी, छतरपुर।→०६-२४४ डी (विवरण अप्राप्त) (दशम स्कंध)।

(ष) प्रा०—पं० बद्रीनाथ, प्राध्यापक, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ। → २३-४१६ जी, एच (बाललीला तथा जन्मलीला)।

(स) प्रा०—पं० दुर्गाचरण दीक्षित, सीकरी, डा० तंबौर (सीतापुर)। → २६-४७१ एन (उद्धव गोपी संवाद)।

(ह) प्रा०—श्री मुरारीलाल केडिया, नंदनसाहु की गली, वाराणसी। → ४१-२६४ ग (जन्म से लेकर मथुरा गमन तक की कथा)।

(क[1]) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२६४ घ (प्रथम से ग्यारह स्कंध तक)।

(ख[1]) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२६४ झ (भागवत दशम स्कंध तथा विष्णुपद)।

(ग[1]) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२६४ ढ (दशम स्कंध पूर्वार्द्ध)।

(घ[1]) प्रा०—ठा० पद्मरुद्रशसिंह, लवेदपुर (बहराइच)।→२३-४१६ जे।

सूरसागर के पद (पद्य)—सूरदास कृत। वि० राधाकृष्ण का शृंगार, भक्ति, प्रेम आदि।

प्रा०—श्री भूदेवप्रसाद स्वर्णकार, परसोचीगढी, सुरीर (मथुरा)।→३२-२१२ आई।

सूरसागरसार (पद्य)—सूरदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६-३१३।

सूरसागरादि (पद्य)—विविध कवि (सूरदास, तुलसीदास, किशोरीदास आदि) कृत। वि० कृष्णभक्ति आदि।

प्रा०—पं० बसंतलाल, नोहझील (मथुरा)।→३२-२८२।

सूरसाठि (पद्य)—सूरदास कृत । वि भक्ति और ज्ञान ।
 प्रा०—श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं १-४६१ क ।

सूरसारावली (पद्य)—सूरदास कृत । वि रामचरित्र और श्रीकृष्ण लीलाएँ ।
 प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-४६१ ग ।

सूरसिंह—जोधपुर नरेश । महाराज गजसिंह के पिता । नरहरिदास के आश्रयदाता ।
 सं १६७० के पूर्व वर्तमान ।→ २-२ २ ४८; ९ २१ ।

सूरसिंह (जिन)—सं १६७८ के लगभग वर्तमान ।
 शीलभद्रमहामुनि-चरित्र→पं २१-४८ ।

सूरसेन—संभवतः राजस्थान के निवासी ।
 कुँवर सदैवच्छ सावलिंग्यारी वार्ता (गद्यपद्य)→सं १-४६२ ।

सूरिया—(?)
 सूरिया रा दूहा (पद्य)→४१-४२५ ।

सूरिया रा दूहा (पद्य)—सूरिया कृत । वि नीति ।
 प्रा०—पुस्तक प्रकाश जोधपुर ।→४१-४२५ ।

सूर्यकथा (पद्य)—भूपराम कृत । वि सूर्य की महिमा व्रत और अन्य कथाएँ ।
 प्रा —सम्मेलन हिंदी साहित्य सम्मेलन इलाहाबाद ।→४१-१७७ ।

सूर्यकांड (पद्य) दासराम कृत । लि का सं १९११ । वि ज्योतिष ।
 प्रा —श्री भागवत तिवारी कुरथा डा पीरनगर (गोराबाजार) (गाजीपुर) ।
 सं १-१५७ ।

सूर्यकुमार— ?)
 जानकीविजय (पद्य)→२१-४१ ए, बी ।

सूर्यनारायणप्रसाद—कोड़ (मिरजापुर) निवासी । सं १९५६ के पूर्व वर्तमान ।
 कविताबली पूर्तिप्रभाकर (पद्य)→२६-१२ ।

सूर्यपुराण (पद्य)—भागवतदास कृत । लि का सं १८८१ । वि सूर्य की महिमा ।
 प्रा —पं रामकृष्ण शुक्ल सुदर्शन भवन सुलकुंड प्रयाग ।→४१-१०१ ख ।

सूर्यपुराण→'सूर्यपुराण (तुलसीदास कृत) ।

सूर्यपंचसत्तई→'हरिदास ('कवित्तरामायण के रचयिता) ।

सूर्यमाहात्म्य (पद्य)—मयामीदास कृत । लि का सं १९२ । वि नाम से स्पष्ट ।
 प्रा —पं लक्ष्मूलाल मिश्र मवईयाँ (फतेहपुर) ।→२ -१६ ।

सूर्यमाहात्म्य (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८७१ । वि नाम से स्पष्ट ।
 प्रा०—पं राममनोहर, कौड़िहार, डा श्यामपुर (इलाहाबाद) ।→४१-४२६ ।

सूर्यवंशी (और) चंद्रवंशी राजाओं के नाम (गद्य)—वंशीधर कृत । र का
 सं १९ ७ । वि नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० स० १६११ ।

प्रा०—प० रामौतार अध्यापक, नगला वीरसिंह, डा० मारहरा (एटा) । → २६-२६ एच ।

(ख) लि० का० स० १६१३ ।

प्रा०—लाला भोलानाथ हकीम, जगरावा, डा० कादिरगज (एटा) । → २६-२६ जे ।

(ग) प्रा०—लाला स्यामसुदर पटवारी, सराय रहमतखाँ, डा० विजयगढ (अलीगढ) । → २६-२६ आई ।

सूषण—(?)

भाषापचपच्ची (पद्य) → स० ०४-४२१ ।

सृष्टि की उत्पत्ति (?) (पद्य)—गुलावहसनपीर कृत । वि० सृष्टि उत्पत्ति वर्णन ।

प्रा०—मुहम्मद इस्माइल, लभुआबाजार (सुलतानपुर) । → स० ०४-७२ ।

सृष्टिक्रम कथन (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ससार की उत्पत्ति का क्रम ।

प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, गोलवारा, सदावर्ती, आजमगढ । → ४१-४२७ ।

सृष्टिपुराण (गद्य)— सेवादास कृत । वि० सृष्टि की रचना का वर्णन ।

(क) लि० का० स० १७७२ ।

प्रा०—श्री रायलाल, रमुआपुर, डा० धौरहरा (खीरी) । → २६-४३४ ।

(ख) लि० का० स० १७६४ ।

प्रा०—श्री महत जी, डिडवाना राज (जोधपुर) । → २३-३८१ ई ।

सृष्टिसागर (पद्य)—भीषमदास (बाबा) कृत । वि० सृष्टि उत्पत्ति वर्णन ।

(क) लि० का० स० १८६२ ।

प्रा०—महंत परागसरनदास, उजेहनी, डा० फतेहपुर (रायबरेली) । → ३५-१४ जे ।

(ख) लि० का० स० १८६२ ।

प्रा०—महत सतनदास बाबा, उजेहनी, डा० राजाफतेपुर (रायबरेली) । → सं० ०४-२६४ ।

सेंत को ढोला (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० कुँवर ढोला की प्रसिद्ध दत कथा ।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर । → १७-८६ (परि० ३) ।

सेउसमन की परिचयी (पद्य)—अनतदास कृत । वि० सेऊ और समन नामक भक्तों का परिचय वृत्त ।

(क) लि० का० स० १८५६ ।

प्रा० - नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । → ४१-२ ।

(ख) लि० का० स० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । → स० ०७-३ ट ।

(ग) प्रा०—पं० श्यामलाल, आरौंज, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) । → ३२-६ ।

(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । → स० ०४-४ ।

सेक्समंत जी—'नामदेव आदि की परची संग्रह' नामक संग्रह ग्रंथ में इनके कुछ पद संगृहीत हैं।→ २–१११ (बार)।

सेखी—(?)

सेखी रा दोहा (पद्य)→४१–२६६।

सेखी रा दोहा (पद्य)—सेखी कृत। वि शृंगार।

प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१–२६६।

सेतुरंजनरास (पद्य)—पद्मेशरसूरि कृत। र का सं १६८२। लि का सं १७८७। वि सेतुरंजन की प्रशंसा।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय चाँदनी चौक दिल्ली।→दि ३१ २७।

सेन जी या सैना जी→'सैन (सैनदास)' ('कबीरसैनदास-संवाद' आदि के रचयिता)।

सेनापति—कान्यकुब्ज दीक्षित ब्राह्मण। परशुराम के पौत्र। गंगाधर के पुत्र। हीरामणि दीक्षित के शिष्य। जन्म सं १६८४। कविता काल लगभग सं १७०६। अनूपशहर (बुलंदशहर) के निवासी। अंत समय में सन्यासी होकर वृंदावन में रहने लगे थे।→२१–१६७।

कवित्त (पद्य)→६–२११ ४१–२६७।

कवित्तरत्नाकर (पद्य)→ ६–२८७ ११–१७८ ए बी २६–४११ ए, बी।

कवित्तरामायण (पद्य)→१९–१६६ ए।

रसतरंग (पद्य)→१२–१७१।

रसायन (पद्य)→१२–१६६ बी।

श्लेष (पद्य)→२ –१७६।

षट्ऋतुकवित्त (पद्य)→ ५–८१।

सेनापति—ये गुरु गोविंदसिंह की सभा में लेखक थे।

चाणक्यशास्त्र (भाषा) (पद्य →सं ४–४१२।

सेनापति (चतुर्वेदी)—(?)

सिंहासनबत्तीसी (पद्य)→१२–१७२।

सेनापति (त्रिवेदी)—ब्राह्मण। गंगातीर के निवासी। राजा बरिबंडसिंह (संभवतः महाराजा बलवंतसिंह बनारस राज्य) के आश्रित।

सर्वधर्मप्रमत (पद्य)→सं ४–८३१।

सेरहा (पद्य)—मोहन (साईं) कृत। लि का सं १९९१। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—मुं कैलाशबहादुर श्रीवास्तव उप 'मलूक' पूरे बिचाप्रसाद चौहान डा शिवगढ़ (रायबरेली)।→सं ४–१ ६ क।

सेवक—जोधपुर नरेश महाराज अभयसिंह के आश्रित।→ २–७२।

अभयरामामा (पद्य)→ ६–११६।

सेवक→ 'सेवकराम' (असनी निवासी)।

सेवक→'सेवकहित' (वृंदावन निवासी)।
सेवक (सुकवि) —सं० १८६३ के पूर्व वर्तमान।
रामायण (पद्य)→सं० ०१-४६।
सेवक की बानी (पद्य)—कृष्णचंद्र (हित) कृत। वि० हित हरिवंश जी की धार्मिक शिक्षा।
प्रा०—पं० राधेश्याम द्विवेदी, स्वामीघाट, मथुरा।→२०-१२२।
सेवकचरित (पद्य)—प्रियादास कृत। वि० हित हरिवंश के शिष्य सेवक जी का चरित्र।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१३७ ए।
सेवकचरित (पद्य)—भगवतमुदित कृत। वि० राधावल्लभी श्री सेवक जी की कथा।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर। →०६-१३ बी।
सेवकजी की भक्ति परिचावली (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८४४। लि० का० सं० १८५१। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—गो० जुगलवल्लभ, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१९६ बी।
सेवकजी की विरदावली (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८४४। वि० सेवक जी का यश वर्णन।
प्रा०—गो० जुगलवल्लभ, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१९६ एन।
सेवकजू की जन्म बधाई (पद्य)—प्रियादास कृत। वि० हित हरिवंश जी के शिष्य सेवक जी का जन्मोत्सव।
प्रा०—गो० राधाकृष्ण महाराज, बिहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद।→४१-१४२।
सेवकप्रयाग→'नाना कवि कृत शंकरपचीसी' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→०२-७२ (तीन)।
सेवकबानी (पद्य)—रसिकमोहनराय (महाराज) कृत। वि० गीतगोविंद के रचयिता जयदेव और उनके वंशजों की स्तुति।
प्रा०—गो० यमुनावल्लभ, विहारीपुरा, वृंदावन (मथुरा)। (वर्तमान पता)-२७, बाँसतल्ला स्ट्रीट, कलकत्ता।→३८-१२५।
सेवकबानी (पद्य)—व्यास (मिश्र) कृत। लि० का० सं० १८४३। वि० राधाकृष्ण लीला और हरिवंश नाम की महिमा आदि।
प्रा०—पं० श्यामबिहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ।→२३-४५०।
सेवकबानी टीका (पद्य)—सर्वसुखदास कृत। वि० सेवक कृत 'बानी' की टीका।
(क) लि० का० सं० १८८०।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-२६८ (अप्र०)।
(ख) लि० का० सं० १९५४।
प्रा०—गो० गिरिधरलाल, हर्दीगंज, झाँसी।→०६-२८५।

सेवकवानी को सिद्धांत (पद्य)—बल्लभदास कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —गो गोवर्द्धनलाल राधारमण का मंदिर मिर्जापुर, मिरजापुर । → ६-३३५ ।

सेवकवानी फलस्तुति (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । लि का सं १८४१ । वि सेवक जी कृत सेवकवानी का माहात्म्य ।
प्रा —गो गोवर्द्धनलाल राधेरमण का मंदिर, मिरजापुर ।→ ६-३३१ टी ।

सेवकवानी सटीक रसिक मदिनी (गद्यपद्य)—हरिलाल (व्यास) कृत । र का सं १८१७ । लि का सं १६११ । वि सेवकवानी की टीका और राधावल्लभ संप्रदाय के सिद्धांत ।
प्रा —गो गोवर्द्धनलाल राधारमण का मंदिर मिर्जापुर मिरजापुर । → ६-१ ४ ।

सेवकराम—कान्यकुब्ज ब्राह्मण । अनंतर जाति से बहिष्कृत होने के कारण भाट हो गए थे । असनी (फतेहपुर) निवासी । ऋषिनाथ के प्रपौत्र । ठाकुर कवि के पौत्र । धनीराम के पुत्र तथा मान के पिता । शंकर कवि के भाई । महाराज रामरतनसिंह और महाराज हरिशंकरसिंह के आश्रित । संभवत: काशी के बाबू देवकी नंदनसिंह के भी आश्रित । जन्म सं १८७२ और मृत्यु सं १६१८ ।
→२१-१ १ ।
बरवैनखशिख (पद्य)→ ६-२८६ ।
बागविलास (गद्यपद्य)→२१ १८१ ४१-२६८ क, ख ।

सेवकराम—(?)
वशिष्ठ श्रीरामजू का संवाद (पद्य)→ ६-२६ ।

सेवकराम—(?)
संग्रहसंग्रमाला (पद्य)→२६ ४११ ।

सेवकहित (हितसेवक)—राधावल्लभी संप्रदाय के अनुयायी । श्री हितहरिवंश जी के शिष्य । वृंदावन निवासी ।
बानी (पद्य)→ ६-३३१ १२-१६१ ४१ ५७२ (अप्र) ।
हितहरिवंशयश और मंगल आदि (पद्य)→सं ४-८१ ।

सेवकहित की बानी→बानी (सेवकहित कृत) ।

सेवाद्रपन (पद्य)—शिवदास कृत । र का सं १६ ५ । वि राधाकृष्ण की सेवा तथा पूजा की विधि ।
प्रा —गो गोवर्द्धनलाल राधारमण का मंदिर मिरजापुर ।→ ६-३३१ बी ।

सेवादास—पांडेय ब्राह्मण । अयोध्या निवासी । रामप्रेमदास जी के शिष्य । सं १८११ के १८४ के लगभग वर्तमान ।
रामसंस्कार (पद्य)→१२ १६७ बी सं १-१६८ क ।
रामप्रेमदासजू के स्फुट (पद्य)→१२-१६७ ए ।

सेवादास—नवरंग नगर निवासी। सं १७ के लगभग वर्तमान।
  जैमिनिपुराण (पद्य)→२३–१८ ।

सेवादास—कोई संत। गुरु का नाम गाजी गिरधरदास।
  प्रश्नावलीपार (प्रश्नसंहार) (पद्य)→सं ०–२ ४।

सेवादास→सेवाराम (गंगाचरित्र आ द के रचयिता)।

सेवादास (स्वामी)—कोई संतमतानुयायी।
  बानी (पद्य)→सं १ ४६७।

सेवादास की परचाई (पद्य)—रूपदास कृत। र का स १८३२। वि सेवादास का चरित्र।
  (क) लि का सं १८५६।
  प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७–१७ ।
  (ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→ ६ २६८।

सेवादाससमर्थमाला (पद्य)—सेवादास कृत। वि ज्ञानोपदेश।→पं १९–६६ ई।

सेवादासजी की आरती (पद्य)—सेवादास कृत। वि निरंजन की आरती।
  प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ०–२ १ क।

सेवादासजी की बानी (पद्य)—सेवादास कृत। लि का सं १८८५। वि ज्ञानोपदेश।
  प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→ ६–१८८।

सेवाफल (पद्य)—सूरदास कृत। वि भगवान की सेवा का फल वर्णन।
  प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग कांकरोली।→सं १–४६१ क घ।

सेवाफल (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि बालकृष्ण की भक्ति।
  प्रा —मदनमोहन जी का मंदिर अलीपुरा (मथुरा)।→१५–१ १।

सेवाराम—करी ग्राम (मथुरा) के निवासी। ब्राह्मण। किसी राजा रामपाल के आश्रित।
  सं १८७४ के लगभग वर्तमान।→१८–१।
  गंगाचरित्र (पद्य)→१८–१३३ ए।
  गीतामाहात्म्य (पद्य)→२३–१६८ सी।
  नवपुराण (पद्य)→सं १ ४६६।
  मार्कंडेयपुराण (पद्य)→१८ १३३ बी।
  भागवत (गद्य)→२३–१६८ बी।
  भागवत दशमस्कंध (भाषा) (गद्य)→२३ १६८ ए १८–१३३ सी।

सेवाराम→सेवकराम (नामचिंतामणि आदि के रचयिता)।

सेवाराम (जैन)—चौसा ग्राम के निवासी। पश्चात् डीग (भरतपुर) में रहे।
  पिता का नाम मायाचंद। जयपुर के टोडरमल्ल और रायमल्ल के उपदेश से

सावंतसिंह नरेश के राज्यकाल मे देवगढ नगर में प्रस्तुत ग्रथ की रचना की। स० १८३४ के लगभग वर्तमान।

मल्लिनाथचरित्र (गद्य)→४१-३००।

शातिपुराण (पद्य)→२३-३८४, स० ०४-४२५, स० १०-१३६।

सेवाविधि (गद्य)—हरिराय कृत। र० का० स० १८६४। वि० गोकुलनाथ जी की सेवा विधि।

प्रा०—श्री जमनाप्रसाद बोहरे, भदौरा, डा० (मथुरा)।→३२-८३ डी।

सेवाविधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ सप्रदायानुसार ठाकुर जी की सेवा विधि।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय काशी हिंदू विश्व-विद्यालय, वाराणसी।→स० ०७-२१८।

सेवाविधि→'अष्टयामसेवाविधि' (रामचरणदास कृत)।

सेवासखी—वल्लभ सप्रदाय की सखी शाखा के वैष्णव।

विवेकसारसूरति (पद्य)→२३-३८५ बी।

सेवासखी की बानी (पद्य)→२३-३८५ ए।

सेवासखी की बानी (पद्य)—सेवासखी कृत। लि० का० स० १८२५। वि० सखी सप्रदाय के सिद्धात।

प्रा०—प० रामबली दूबे, भिटौरालखन, डा० जैदपुर (बाराबकी)। → २३-३८५ ए।

सेवासिंह—फतेहपुर राज्य (सीतापुर) के सस्थापक लुहगराई के पौत्र। जीतसिंह के पुत्र। फतेहपुर निवासी।

नलचरित्र (पद्य)→२६-४३६, ४१-३०१।

सेवोपदेश, निवेदन विचार (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का स० १८४४। वि० पुष्टि सप्रदाय के सिद्धातानुसार सेवा, भक्ति और निवेदन मत्र।

प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१-५७५।

सैंन (सैनदास)—प्रसिद्ध भक्त। धना के साथी। स्वा० रामानद के शिष्य।

कबीररैदास-सवाद (पद्य)→४१-३०१, स० ०७-२०५ क।

पद (पद्य)→स० ०७-२०५ ख, स० १०-१३५।

प्रभुतारैदासगोष्ठी (पद्य)→स० ०४-४२६।

सैयद अमीन—शाह आरिफजगबख्श के शिष्य। चिश्ती वंश की परपरा से सबद्ध। स० १८७४ के लगभग वर्तमान।

रिसाला मजजूबुल सालकिन (गद्य)→४१-३०३।

सैयदपहाड—काशी निवासी। सैयद हमजा के पुत्र।

रसरत्नाकर (पद्य)→ ६-१ ५ बी २-२७१, २१-११८।
रससागर (पद्य)→ सं १-४७ ।
रससार (ग्रंथ) (पद्य → ६-१०१ सी।
मैनमनोहर (पद्य)→ ६-१ ५ ए।
सैरबाटिका (पद्य)—श्यामलाल (माथुर) कृत। र का सं १८९४। लि का सं १६ । वि ध्रुव प्रह्लाद और बलि का चरित्र तथा दानलीला नागलीला आदि।
प्रा —मौलाना रसूल खाँ काजी गोंगीरी डा सलेमपुर (अलीगढ़)। → २६-१२२ ए।
सोमइया या सोम्झी→ सौम या सोम्झ जी (पद' के रचयिता)।
सोम या सोम्झ जी—अन्य नाम सोमइया और सोम्झी। कदाचित ये दादूपंथी राघवदास के भक्तमाल में आए सोम्झ सोम्झी भक्तों में से एक हैं। संभवतः बाल्यावस्था राजस्थान में बीती। पश्चात् रमते साधु के रूप में रहते रहे।
पद (पद्य)→सं १ —११७।
सोनकुँवरि—उप सुवरनबेलि। जयपुर नरेश की रानी। राधावल्लभ संप्रदाय की वैष्णव।
सुवरनबेलि की कविता (पद्य)→ ६-२१६।
सोनबोधक (पद्य)—परसनदास (पांडेय) कृत। र का सं १६ । वि सोनारी विद्या का वर्णन।
(क) लि का सं १९४६।
प्रा —ठा गयादीनसिंह मौहर हसनपुर डा रखहा (प्रतापगढ़)। → २६ ३४१।
(ख) प्रा —श्री बहुनाथ चतुर्वेदी बरसी चौबे का पुरवा (मवाल), डा मुसाफिरखाना (सुलतानपुर)।→सं ४—२ १।
सोनारीविद्या→ सोनबोधक (परसनदास पांडेय कृत)।
सोनालोहावाद (पद्य)—बंधलाल कृत। वि सोनालोहा का झगड़ा।
प्रा —महंत ईश्वरशरण भारती चौकी डा महराजगनी (गोरखपुर)। → सं २४१।
सोने जू—छत्रपुर राज्य (बुंदेलखंड) के संस्थापक। अमरसिंह के आश्रयदाता। सं १८८ के लगभग वर्तमान।→ ६-१।
सोनेलोहे का झगड़ा (पद्य)—महावीर कृत। लि का सं १६१ । वि सोने लोहे का धर्मोपदेशक विवाद।
प्रा —पं देशराजदीन मिश्र, सुलतानपुर डा बाना (उन्नाव)।→२६-२८१।
सोनेलोहे की बरचा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि सोने लोहे का धर्मोपदेशक विवाद।

प्रा०—श्री नत्थू बनिया, पुरानी बस्ती, कटनी (जबलपुर)।→२६-५०५।

सोम जी—(?)

पद (पद्य)→स० ०७-२०६, स० १०-१३८।

सोमनाथ—अन्य नाम शशिनाथ। माथुर ब्राह्मण (मिश्र)। नीलकंठ के पुत्र। भरतपुर के महाराजकुमार प्रतापसिंह के आश्रित। कविताकाल सं० १७८६-१८०६।

कृष्णलीलावली पंचाध्यायी (पद्य)→०६-२९८ बी।

ध्रुवचरित्र (पद्य)→१७-१७६ बी।

प्रेमपच्चीसी (पद्य)→स० ०१-४७१ ग।

ब्रजेंद्रविनोद दशमस्कंध भाषा उत्तरार्ध (पद्य)→१७-१७६ ए।

माधवविनोद नाटक (पद्य)→०१-१७।

रसपियूसनिधि (पद्य)→०६-२९८ ए, १७-१७६ एफ, पं० २२-१०३, २३-३९६ ए, बी।

रामकलाधर (पद्य)→१७-१७६ सी।

रामचरित्ररत्नाकर (पद्य)→१७-१७६ डी, ई।

शृंगारविलास (पद्य)→स० ०१-४७१ क।

संग्रामदर्पण (पद्य)→३८-१४४।

सुजानविलास (पद्य)→००-८२, १७-१७६ जी।

सोमवंश की वंशावली (पद्य)—देवीदास कृत। लि० का० सं० १८३१। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१-१६५।

सोयाजी श्रीराम→'हरकर्ण (मिश्र)' ('समरसार' के रचयिता)।

सोरठे (पद्य)—पानपदास (बाबा) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना, अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ। →स० ०४-२०५ छ।

सोलहकला (तिथि) (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १८४७। वि० आत्मज्ञान।

प्रा०—काशी हिंदू विश्वविद्यालय, का पुस्तकालय वाराणसी।→३५-४६ डब्ल्यू।

सोलहतिथि-निर्णय (पद्य)—सहजोबाई कृत। वि० ज्ञान और भक्ति।

प्रा० —पं० लक्ष्मीनारायण श्रीधर, कुंदीगरान का रास्ता, जयपुर।→००-१३०।

सोला जैमाल (अर्थ सहित) (गद्य)— रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९०८। वि० जैन दर्शन।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→स० १०-१८६।

सोपासार (पद्य) मीपमदास कृत । र का सं १७२६ । लि का सं १८८६ । वि मायावाम और योगादि का वर्णन ।
प्रा०—बाबा परामसरनदास उपेहनी डा फतेहपुर (रायबरेली) । → १५-१४ भाई ।

सोहबी—संभवतः राजस्थानी ।
वीमैठीयी रा दूहा (पद्य)→४१-१ ४ ।

सोहन—(?)
रामजन्म (पद्य)→१६-६४ ।

सोहनदास (चौबे)—सरवनपुर (मथुरा) निवासी ।
ब्रजमोमिका विनय (पद्य)→ ६-१२७ ।

सौंदर्यचंद्रिका (पद्य)—कृष्णचैतन्यदेव कृत । लि का सं १६१२ । वि राधाकृष्ण का सौंदर्य ।
प्रा०—सं रघुनाथराम गायघाट बाराणसी ।→ ६-३ २ ।

सौंदर्यलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि राधिका जी का सौंदर्य ।
प्रा —बाबा संतदास राधावल्लभ का मंदिर वृंदावन (मथुरा)।→१२-१५४ भो।

सौंदर्यलहरी (पद्य)—मनिआरसिंह कृत । र का सं १८४१ । वि भवानी की स्तुति ।
प्रा —ठा मौनिहालसिंह सेंगर कौंमा (उन्नाव) ।→२३-२७ ।

सौंदर्यलहरी टीका (पद्य)—शिवलाल कृत । वि संस्कृत ग्रंथ सौंदर्यलहरी का अनुवाद ।
प्रा०—श्री अनिरुद्धनारायण तिवारी तकराधारा डा रामपुर कारखाना (गोरखपुर) ।→सं १-१७५ ।

सौभाग्यलता (पद्य) रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि राधाकृष्ण की क्रीड़ा ।
प्रा०—बाबा संतदास राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१५४ एम ।

स्तुति (?)(पद्य)—माधवसिंह (राजा) कृत । वि देवी देवताओं की स्तुतियाँ।
प्रा —कुँ हाकिमसिंह खजुराहा तहसील राममगर (छतरपुर) । → सं १-९६ ल ।

स्तुति भवानी की (पद्य)—गुमदास कृत । लि का सं १६१७ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —ठा बालदत्तसिंह गुर्याली डा बौढी महाराष्ट्र)।→२३-४११ ।

स्तुति महावीरजी की (पद्य)—बालजीवनदास (स्वामी) कृत । र का सं १८१२ ।
वि नाम से स्पष्ट ।
(क) लि का सं १६११ ।
प्रा —श्री हरिहरप्रसाद एम ए कमौली डा रानीकटरा (बाराबंकी) ।→सं ४-१ ५ ४ ।

(ख) लि॰ का॰ सं॰ १६४० ।
प्रा॰—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा॰ जगेसरगंज (सुलतानपुर)। → २६–१६२ एन, ओ ।
(ग) प्रा॰ - महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा॰ जगेसरगंज (सुलतानपुर)। → २३–१७५ एफ ।

स्तुति श्री बजरंग की (पद्य)—नवलदास कृत । लि॰ का॰ सं॰ १६२१ । वि॰ हनुमान की स्तुति ।
प्रा॰—श्री हरिशरणदास एम॰ ए॰, कमोली, डा॰ रानीकटरा (बाराबंकी) ।→ सं॰ ०४–१८३ क ।

स्तुति हिमवतजी की (पद्य)—हिमवत कृत । लि॰ का॰ सं॰ १८८१ । वि॰ शिवजी की स्तुति ।
प्रा॰—पं॰ रामप्रपन्न मालवीय वैद्य, सुलतानपुर ।→ २३–१६५ ।

स्तोत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि॰ कृष्ण की स्तुति ।
प्रा॰ — नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→ ४१–४३० ।

स्तोत्रविधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि॰ का॰ सं॰ १७८४ । वि॰ स्तोत्र ।
प्रा॰—बा॰ राधाकृष्ण, बुकिंग क्लर्क, मथुराकैंट, मथुरा ।→ २६–४०६ ।

स्तोत्रसंग्रह (पद्य)—जयश्री (विप्र) कृत । र॰ का॰ सं॰ १८१० । लि॰ का॰ सं॰ १८७८ । वि॰ विविध देवी देवताओं के स्तोत्र ।
प्रा॰—श्री रघुनाथप्रसाद कौशिक, ज्योतिषरत्न, बनजारान, मुजफ्फरनगर । → सं॰ १०–४० ।

स्तोत्रसंग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि॰ का॰ सं॰ १६२३ । वि॰ नाम से स्पष्ट ।
प्रा —दिगंबर जैन मंदिर, नई मंडी, मुजफ्फरनगर ।→ सं॰ १०–१८२ ।

स्त्रीचिकित्सा (गद्य)—अन्य नाम 'बालतंत्र (भाषा)' । दीपचंद कृत । र॰ का॰ सं॰ १७६५ । वि॰ वैद्यक (संस्कृत ग्रंथ का अनुवाद) ।→ पं॰ २२–२६ ।

स्त्रीरोग-चिकित्सा (पद्य)—बाबासाहब (डाक्टर) कृत । वि॰ नाम से स्पष्ट ।
प्रा॰—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या ।→ ०६–१२ डी ।

स्नेहतरंग (पद्य)—बुधसिंह (रावराजा) कृत । र॰ का॰ सं॰ १७८४ । लि॰ का॰ सं॰ १८६४ । वि॰ रस, नायिकाभेद और अलंकार ।
प्रा॰—प्रा॰ देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, गोकुलचंद्रमा जी का मंदिर, कामवन (भरतपुर) ।→ ३८–१६ ।

स्नेहविहार (पद्य)—प्रतापसिंह (सवाई) कृत । र॰ का॰ सं॰ १८५० । वि॰ राधाकृष्ण का प्रेम ।
(क) प्रा॰—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→ सं॰ ०१–२१२ घ ।
(ख) → पं॰ २२–८६ ।

स्नेहसागर (चतुर्थ तरंग) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १९१५। वि राधाकृष्ण का प्रेम और विवाह वर्णन।
प्रा —श्री गयेशशंकर दुबे, मीरपुर डा हैंडिया (इलाहाबाद)।→६ १-१७१।

स्नेहामृत (पद्य)—रसिकशिरोमनि (हरिराम) कृत। वि कृष्ण भक्ति और लीलाएँ।
प्रा —पं रामकिशनदास राऊजीमंदिर कालीदह वृंदावन (मथुरा)। → १६-१८ सी।

स्फुट कवित्त (पद्य)—आनंदघन (घनानंद) कृत। वि वियोग शृंगार और राधाकृष्ण गुणानुवाद।
प्रा —श्री जमुनादास कीर्तनिया नवनीतमंदिर गोकुल (मथुरा)।→११-७ सी।

स्फुट कवित्त (पद्य)—रामकृष्ण (चौबे) कृत। वि कृष्ण गुणगान।
प्रा —बिजावरनरेश का पुस्तकालय बिजावर।→ ६-१ डी।

स्फुट कवित्त (पद्य)—हित चंदलाल कृत। वि विविध।
प्रा —गो गोवर्द्धनलाल राधारमण का मंदिर निमुवानी मिरजापुर। → ९-४१ आई।

स्फुट कवित्त→'प्रस्फुट कवित्त' (गोपाललाल कृत)।

स्फुट काव्य (पद्य)—पुर्वेश (शुक्ल) कृत। वि विविध।
प्रा —बाबा वनमालदास मुंशी रायबरेली।→२३-४२२ सी।

स्फुट दोहा→ दोहा (रतनिधि कृत)।

स्फुट दोहा कवित्त और विष्णुपद (पद्य)—जानकीदास कृत। वि विविध।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६-३१ए।

स्फुट दोहे (पद्य)—अमान कृत। लि का सं १८३६। वि विविध।
प्रा —पं शिवप्रसाद मिश्र मौजमाबाद (फतेहपुर)।→२ -१६।

स्फुट पद (पद्य)—रामकृष्ण (चौबे) कृत। वि विविध।
प्रा बिजावरनरेश का पुस्तकालय बिजावर।→ ६-१ सी।

स्फुट पद और कवित्त (पद्य —परमदास (स्वामी) कृत। वि होली तथा भक्ति विषयक पद।
प्रा —पं मूलचंद मुख्तारी अ छाता (मथुरा)।→१८-२५ सी।

स्फुट पद टीका (पद्य)—प्रियादास कृत। र का सं १९१६। लि का सं १९१६। वि हित हरिवंश जी के पदों की टीका।
प्रा —गो गोवर्द्धनलाल राधारमण का मंदिर मिरजापुर।→० -२३१ सी।

स्फुट रचना (पद्य)—बलदेव (मिश्र) कृत। लि का सं १८७२ (लगभग)। वि ईश्वरीय चमत्कार राम का अयोध्या के जीवों का उद्धार और भक्ति आदि।
प्रा०—पं दयाशंकर मिश्र, गुढ़ौला जालमगढ़।→४१-१६ क।

स्मरणमंगल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि राधाकृष्ण का स्मरण।
प्रा —गो राधाचरण जी वृंदावन (मथुरा)।→१७-२७ (परि १)।

स्यमतकोपाख्यान (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० स्यमतकमणि की कथा ।
प्रा०—चौहरे मन्नालाल, जाजऊ, डा० फिरावली (आगरा) ।→२६-५१४ ।

स्यामदास→'घनस्याम' ('प्रह्लादलीला' के रचयिता) ।

स्यामसगाई (पद्य)—नददास कृत । वि० राधाकृष्ण की सगाई का वर्णन ।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, कॉंकरोली ।→स० ०१-१७१ ग ।

स्यामसनेही (पद्य)—आलम कृत । वि० कृष्ण रुक्मिणी की कथा ।
(क) लि० का० स० १७७५ ।
प्रा०—डा० भवानीशकर याज्ञिक, प्रोवि० हाईजीन इस्टीच्यूट, लखनऊ । → स० ०८-१५ छ ।
(ख) प्रा०—प० सियाराम शर्मा, करहरा, डा० सिरसागज (मैनपुरी) । → ३२-६ ।

स्यामीदास (स्वामीदास)—(?)
रामअच्छरी (पद्य)→सं० ०१-४७२ ।

स्वगुरुप्रताप (पद्य)—दामोदरदास कृत । वि० गुरु की महिमा ।
प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, वृदावन (मथुरा) ।→१२-४६ सी ।

स्वजनानद (ग्रथ) (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावतसिंह) कृत । र० का० स० १८०२ । वि० कृष्णचरित्र ।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→०१-१२७ ।

स्वदृष्टितरगिणी→'सुदिष्टतरगिणी' (रचयिता अज्ञात) ।

स्वप्नपरीक्षा (गद्य)—अन्य नाम 'स्वप्नार्थचिंतामणि' । घनश्यामराय कृत । र० का० स० १६२८ । वि० स्वप्नों का फलाफल ।
(क) लि० का० स० १६१० ।
प्रा०—पं० शिवकठ तिवारी, बरगदिया (सीतापुर) ।→२६-१३४ ए ।
(ख) लि० का० स० १६३० ।
प्रा०—श्री रायलाल, रमुआँपुर, डा० धौरहरा (खीरी) ।→२६-१३४ बी ।
(ग) लि० का० स० १६३४ ।
प्रा०—पं० श्रीकृष्ण दूबे, शिवदत्तपुर, डा० बरताल (सीतापुर) । → २६-१३४ सी ।

स्वप्नपरीक्षा (पद्य)—छत्रसाल (मिश्र) कृत । लि० का० स० १८४६ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—लाला कुदनलाल, बिजावर ।→०६-२१ सी ।

स्वप्नपरीक्षा (गद्य)—हुलासराय (वैद्य) कृत । र० का० स० १६२० । लि० का० स० १६२४ । वि० स्वप्नों के शुभाशुभ विचार तथा उनके कुपरिणामों से बचने के उपाय ।

प्रा —ठा शिवनरेशसिंह रामनगर डा महमूदपुर (सीतापुर)। → २६–१८२।

स्वप्नप्रबोध (पद्य)—सुंदरदास कृत प्रमुपलब्ध ग्रंथ।→ २–२५ (सात)।

स्वप्नभेद (पद्य)—अमरसिंह कृत। र का सं १८२९। वि स्वप्न शास्त्र।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ४–५।

स्वप्नविचार (पद्य)—पीताम्बरराय कृत। लि का सं १८२६। वि स्वप्न शास्त्र।

प्रा०—श्री ओंकारनाथ पांडेय हैसर बाजार (बस्ती)।→सं ४–२ ८।

स्वप्नविचार (पद्य)—रघुपति कृत। वि स्वप्नों के फलाफल।

प्रा —पं मोहनलाल शर्मा मगला उत्तनियाँ डा करहल (मैनपुरी)। → दि ११ ६६।

स्वप्नाध्याय (पद्य)—इच्छासिंह कृत। लि का सं १८६२। वि स्वप्नों का शुभ शुभ वर्णन।

प्रा —ठा महेशसिंह चौधरी बेचईसिंह का पुरवा, डा केसरगंज (बहराइच)। →२६–१२४।

स्वप्नार्थचिंतामणि→'स्वप्नपरीक्षा (प्रमरदास कृत)।

स्वर्णप्रकाश—(?)

रामनाम-माहात्म्य (पद्य)→१७ १६१।

स्वयंवर→'जानकीमंगल' (गो तुलसीदास कृत)।

स्वरभेद→'ज्ञानस्वरोदय' (स्वा चरणदास कृत)।

स्वरविलास (पद्य)—श्याम (कवि) कृत। वि संगीत।

प्रा —श्री रूपलाल त्रिपाठी रामतारा डा लालगंज (प्रतापगढ़)। → सं ४–११२।

स्वरूपदास—उप ग्याम। सं १८८२ के लगभग वर्तमान।

पांडवयशेंदुचंद्रिका (पद्य)→२१–४२१ २६–४०६ ४१–३०७।

स्वरूपदास— ?)

साखी बसपाठनाह की (पद्य)→२१–४२४।

स्वरूपसिंह—ओरछा नरेश राजा वीरसिंहदेव के भाई चंद्रभान के पौत्र। मतिराम के आश्रयदाता। सं १८५८ के लगभग वर्तमान।→१०–१०५; पं २२–६४।

स्वरोदय (पद्य)—प्रतैराम कृत। लि का सं १६ १। वि श्वास प्रश्वास के द्वारा शुभाशुभ विचार।

प्रा —पं गिरधर मिश्र चंद्रमनगढ़ी डा अछनेरा (आगरा)।→१२–४ ए।

स्वरोदय (पद्य)—उदयराज (मिश्र) कृत। लि का सं १६४ । वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —श्री बिहारी सुनार मऊरानीपुर (झाँसी) → ६ १४ ए (खंडित प्रमाण)।

(एक प्रन्य प्रति लाला भगतराय, टीकमगढ़ के पास है।)

को सं दि ७६ (११ —६४)

स्वरोदय (पद्य)—उदयचंद (जौनी) कृत। र० का० सं० १८३०। लि० का० सं० १८३५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० बद्रीनारायण भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→२३-४२४।

स्वरोदय (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० श्वास प्रश्वास के आवागमन से शुभाशुभ विचार।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२२ ग.।

स्वरोदय (पद्य)—गुरुप्रसाद कृत। लि० का० सं० १९३०। वि० इड़ा पिंगला नाड़ी और स्वरभेदादि वर्णन।

प्रा०—श्री विष्णुदत्त (पुत्ती महाराज), भौली, डा० तालाब बख्शी (लखनऊ)। →२६-१६०।

स्वरोदय (पद्य)—बालचंद (बालनाग) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० शिवशंकरराम मिश्र, परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६-३०।

स्वरोदय (पद्य)—रतनदास कृत। वि० स्वरोदय शास्त्र।

(क) लि० का० सं० १९२६।

प्रा०—लाला जगतराज, सदर कचहरी, टीकमगढ़।→०६-३२० (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—पं० राधारमण, पंडित का पुरवा, डा० बेलारामपुर (प्रतापगढ़)। →सं० ०४-३१९।

स्वरोदय (पद्य)—रसालगिरि (गोसाईं) कृत। र० का० सं० १८७५। लि० का० सं० १९०१। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—बाबा लक्ष्मणगिरि गोसाईं, छपती (मैनपुरी)।→०६-२१६ बी।

स्वरोदय (गद्य)—रामदत्त कृत। र० का० सं० ९२५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—ठा० रामसिंह, रघुनाथपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३-३४३।

स्वरोदय (पद्य)—विश्वंभर कृत। वि० तत्वज्ञान, स्वर पहचान, स्वरसाधना आदि।

प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)।→२६-५०२।

स्वरोदय (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८८६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० राजाराम तिवारी पंडित का पुरवा, बरीओज, डा० अटरामपुर (इलाहाबाद)।→४१-४३४।

स्वरोदय (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६१। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-४३३।

स्वरोदय (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९१७। वि० श्वास द्वारा शुभाशुभ विचार।

प्रा०—ठा० ब्रजभूषणसिंह, झुकवारा, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)। →२६-१२१ (परि०३)।

स्वरोदय (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९५१। वि० स्वरोदय शास्त्र।
प्रा० —पं० चंद्रभूषण त्रिपाठी डीह (रायबरेली)।→सं० ७-२५१।

स्वरोदय (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० युद्ध के अवसर पर स्वरों का विचार।
प्रा० —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ १-११।
टि० प्रस्तुत पुस्तक संभवतः गद्य कृत है।

स्वरोदय (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शरीर के भिन्न भिन्न लक्षण और स्वरादि से कालज्ञान के लक्षण आदि का वर्णन।
प्रा० —पं० चंद्रसेन पुजारी गंगाजी का मंदिर खुर्जा (बुलंदशहर)। → १७-१९ (परि० ३)।

स्वरोदय (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० युद्ध, पंचतत्त्व और नाड़ी भेद आदि।
प्रा० —पं० महेशप्रसाद मिश्र सिकंदरा, डा० भरद्वाजपुर (इलाहाबाद)।→ ४१-१११।

स्वरोदय (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट। (संस्कृत के स्वरोदय ग्रंथ का अनुवाद)।
प्रा० —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-४१२।

स्वरोदय (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट। (संस्कृत के स्वरोदय ग्रंथ का अनुवाद)।
प्रा० —पं० जनार्दन तिवारी गुलालपुर डा० काजीपुर (बलिया) →४१-४१३।

स्वरोदय→'ज्ञानस्वरोदय (स्वा० चरणदास कृत)।

स्वरोदय (पटप्रकाश) (पद्य)—ब्रह्मविकेश कृत। र० का० सं० १८८८। वि० स्वरोदय।
(क) लि० का० सं० १९९१।
प्रा० —लाला परमानंद पुरानी टेहरी टीकमगढ़। → १-२१ (विवरण अप्राप्त)।
(ख) प्रा० —पं० चंद्रसेन पुजारी गंगाजी का मंदिर खुरजा (बुलंदशहर)।→ १७ १९५।
(ग) प्रा० —श्री अंबिकादत्त शुक्ल शेरगढ़, डा० मूरतगंज (इलाहाबाद)। → सं० १-२८।

स्वरोदय (सरोद) (गद्य) रचयिता अज्ञात। वि० तंत्रसार स्वरोदय।
प्रा० —सरस्वती भंडार लक्ष्मण कोट अयोध्या।→१७-७२ (परि० ३)।

स्वरोदय तथा वेदांत (पद्य)—बालकदास (महात्मा) कृत। वि० कर्म कर्म वर्णन तथा मीमांसादिक मत निरूपण।
प्रा० —पं० रघुनाथप्रसाद चौबे डा० सिरसागंज (मैनपुरी)।→११-११।

स्वरोदय पवन बचार→ ज्ञानविचार स्वरोदय (मोहनदास कृत)।

स्वरोदयमनयोध (पद्य)—मयामीदास कृत। लि० का० सं० १९८२। वि० स्वास द्वारा शकुन विचार।

प्रा०—प० काशीराम मिश्र, भलुइया (बहराइच)।→२३–५३।

स्वरोदयशास्त्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० स्वरोदय।

प्रा०—श्री वासुदेव वैश्य हकीम, नसई, डा० ताँतपुर (आगरा)।→२६–५११।

स्वर्गारोहण पर्व→'महाभारत' (ईश्वरदास कृत)।

स्वर्गारोहनी→'रामस्वर्गारोहण' (लोनेदास कृत)।

स्वर्गारोहनी पर्व→'स्वर्गारोहणपर्व (महाभारत)' (सबलसिंह चौहान कृत)।

स्वर्गारोहिणि (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० मोक्ष वर्णन।

प्रा०—मु० शिवधारीलाल, ममरेजपुर, डा० बेनीगज (हरदोई)। → २६–१२२ (परि०३)।

स्वर्णादिधातुशोधन (गद्य ग्रंथ)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—प० द्वारिकाप्रसाद, बकेवर (इटावा)।→३५–३१२।

स्वाँसगुजार→'साँसगुजार' (कबीरदास कृत)।

स्वाँसविलास (पद्य)—संतदास (हजारीदास) कृत। वि० शरीर के षट्चक्रों का वर्णन।

(क) लि० का० स० १६४४।

प्रा०—कबीरदास का स्थान, मगहर (बस्ती)।→०६–२८१ बी।

(ख) लि० का० स० १६८३।

प्रा०—प० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरे परान पाडे, डा० तिलोई (रायबरेली)। →२६–४२७ बी।

स्वातिगसुभलच्छिन (पद्य)—आत्माराम कृत। लि० का० स० १८०६। वि० सात्विक जीवन का निरूपण।

प्रा०—हिंदी साहित्य समेलन, प्रयाग।→४१–८।

स्वामिनीजी को ब्याह (पद्य)—नारायणदास (ब्रजवासिया) कृत। वि० राधाकृष्ण का विवाह।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१–१६२ ख।

स्वामीकार्तिक—स० १६२० के पूर्व वर्तमान।

रागसंकीर्णरागमाला (पद्य)→स० ०१–४७३।

स्वामीकार्तिकेयानुप्रेक्षा (गद्य)—जयचद (जैन) कृत। र० का० स० १८६३। वि० वैराग्य।

(क) लि० का० स० १८६७।

प्रा०—आदिनाथ जी का मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–३६ क।

(ख) लि० का० स० १६५६।

प्रा०—दिगबर जैन पचायती मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→स० १०–३६ ख।

स्वायभु मुनि की कथा (पद्य)—नयसिंह (जूदेव) कृत। वि० स्वायभु मुनि के अवतार की कथा।

प्रा०—रीवांनरेश सरस्वती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ। → ०-१४६ ।

हंस—(?)

नामरहित ग्रंथ (पद्य)→१७-६७ ।

हंसजवाहिर (पद्य)—कासिम कृत । र का सन् ११४६ हि (सं १७८८)। वि बलख के राजकुमार हंस और चीन की राजकुमारी जवाहिर की प्रेमकथा ।

(क) लि का सं १९५८ ।

प्रा०—शेख कादिरबख्श, मकड़ी खोह मिर्जापुर ।→ २-१११ ।

(ख) मु का सं १९३१ ।

प्रा —पांडेय श्यामनारायण जी रियासत बनवीरपुर (बस्ती) ।→सं ४-१२ ।

(ग) प्रा —श्री हबीबुल्ला रसहा बाजार डा खास (प्रतापगढ़)। → २६-२८७ ।

टि खो वि २६-२८७ में रचयिता का नाम भूल से मखदूमशाह मान लिया गया है ।

हंसदूत (पद्य)—पन्नालाल (वैरव) कृत । वि गोपियों का हंस के द्वारा कृष्ण के पास संदेश भेजना ।

प्रा —श्री लीलाधर शर्मा कचहरीघाट, आगरा ।→१२-१६१ ।

हंसनादउपनिषद (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत । वि अध्यात्म ।

प्रा —ठा ब्रजरसिंह बरनाहल (मैनपुरी) ।→१२-१८ ।

हंसनामा (पद्य)—नजीर कृत । वि० एक हंस की कहानी ।

(क) लि का सं १९१ ।

प्रा —शेख मौलाबख्श अध्यापक, माहिरपुर डा तहरौर (एटा)। → २६-२५१ डी ।

(ख) लि का सं १९१८ (?) ।

प्रा —ठा रतनसिंह, मरवा डा किसवाँ (सीतापुर) ।→२६ ३११ सी ।

(ग) लि का सं १९२६ ।

प्रा —श्री शिवकंठ दूबे देवरारपुर (खीरी) ।→२६-३११ ए ।

हंसप्रमोद (ग्रंथ) (पद्य)—हरिदास कृत । र का सं १९३ –४ के बीच । वि अध्यात्म ।→पं २२-१७ डी ।

हंसमुक्तावली (पद्य)—कबीरदास कृत । लि का सं १९१८ । वि ज्ञान ।

प्रा —महंत जगन्नाथदास मऊ छतरपुर ।→ ६-१७७ एम (विवरण अप्राप्त)।

हंसराज—संभवतः जाति के बदेल । दुगारी नामक स्थान के निवासी ।

बारहमासा (पद्य)→४१ १ ६ ।

हंसराज—सं १६११ के लगभग वर्तमान । पटियाला के महाराज नरेंद्रसिंह के आश्रित । महाभारत के भी अनुवादकों में से एक ये भी हैं ।→ ४-४७ ।

हसराज (जैन)—वर्द्धमानसूरि के शिष्य।
ज्ञानद्विपंचाशिका (पद्य)→४१–३०८ ।

हसराज (बख्शी)—कायस्थ। पन्ना निवासी। विजय सखी के शिष्य। सखी सम्प्रदाय के वैष्णव। पन्ना नरेश हृदयसाह, सभासिंह और अमानसिंह के आश्रित। कुछ समय तक ये ओड़छा में भी रहे। स० १७८६–१८११ के लगभग वर्तमान।
कृष्णजू की पाती (पद्य)→०६–४५ ए।
चुरिहारिनभेष (पद्य)→०३–४५ ई, २६–१६५ ए।
जुगलस्वरूप-विरह-पत्रिका (पद्य →०५–४५ बी।
फागतरगिनी (पद्य)→०६–४५ डी।
विरहविलास (पद्य)→२६–१६५ सी।
सनेहसागर (पद्य)→००–१३५, ०६–४५ सी, २६–१६५ बी, २६–१३७ ए, बी।

हसवारस्वरोदय (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८६३। वि० स्वरोदय।
प्रा०—श्री हरिहरदत्त द्विवेदी, बहरा, डा० तियारा (जौनपुर)। → स० ०४–५०२।

हसाभरण (पद्य)—मकरद कृत। र० का० सं० १८२१। लि० का० सं० १६५५।
वि० हास्यरस के कवित्तों का सग्रह।
प्रा०—कुमार रामेश्वरसिंह जमींदार, नेरी (सीतापुर)।→१२–१०६।

हजारा (पद्य)—तुलसीदास कृत। वि० भक्ति, ज्ञान और उपदेश के एक हजार दोहों का सग्रह।
प्रा०—कुँवर सुरेशसिंह, कालाकाँकर (प्रतापगढ)।→सं० ०४–१४६।

हजारीदास—अन्य नाम संतदास और शिवदास। सतनामी सम्प्रदाय के अनुयायी। उरेरमऊ (सुलतानपुर) के निवासी। गुरु का नाम गजाधरदास। ये और इनके गुरु किसी फौज में सिपाही थे। पैंशन मिलने पर दोनों विरक्त होकर भूलामऊ (बाराबकी) में रहने लगे। स० १६०० के लगभग वर्तमान।
कायाविलास (पद्य)→२ –४२७ ए।
त्रिकाडबोध (पद्य)→३५–४० बी।
बानी (पद्य)→स० ०४–४२७ क।
विपर्जेकअग (विपर्यय को अग) (पद्य)→२६–४२७ सी, स० ०४–४२७ ख।
शब्दसागर (पद्य)→२६–११० ।
शब्दावली (पद्य)→०६–२८१ ए।
शून्यविलास (पद्य)→३५–४० ए, स० ०४–४२७ ग।
स्वासविलास (पद्य)→०६–२८१ बी, २६–४२७ बी।

हजारीलाल—इटावा निवासी। सं० १९१६ के पूर्व वर्तमान।
उपदशचिकित्सा (गद्य)→२६–१५१।

हजारीलाल—(?)
    गंगापंचक (पद्य)→दि० ११-१७।

हजारीलाल (कायस्थ)—पुवायाँ निवासी।
    बारहमासी (पद्य)→१५-४१।

हजारीलाल (लाला)—फर्रुखाबाद निवासी।
    भास्करार्क (भास्करनिकाशी) (पद्य)→२६-१५१।

हजूरी (संत)—(?)
    योगानुसार (पद्य)→१७-६६।

हठी (द्विज)—ब्राह्मण। कालिंजर (बुंदेलखंड) निवासी। सं० १८४७ के लगभग वर्तमान।
    राधाशतक (पद्य)→ ५-८२ २१-१११।

हणवंत—शिवा की बानी में संग्रहीत।→४१-५६।
    सवैया (पद्य)→सं० ७-२०।

हनुनाटक (पद्य)—मन सु कृत। लि० का० सं० १८४७। वि० संक्षिप्त राम कथा।
    प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→६-२६२ (विवरण अप्राप्त)।

हनुमंत (कवि)—ब्राह्मण। किसी अज्ञ स्थान के निवासी। सं० १६१५ के लगभग वर्तमान।
    पाराशरी (भाषा) (पद्य)→सं० १-४७४।

हनुमंत कवि और रामनारायण—राधाकुंड (ब्रज) के निवासी।
    सनेहलीलामृतपचीसी (पद्य)→सं० १ ४७५।

हनुमंतविनय→'कपीशविनय' (मोहन कवि कृत)।

हनुमतप्रश्नोत्तर-शत-विजय (पद्य)—दयालदास कृत। र० का० सं० १८६१। लि० का० सं० १ ६२। वि० एक झगड़े में विजय के हेतु हनुमानजी से विनय।
    प्रा०—पं० शिवलाल बाजपेयी असनी (फतेहपुर)।→२ ११।

हनुमतजसतीसा (पद्य)—महादेवप्रसाद पाठक (कन) कृत। लि० का० सं० १८१४। वि० हनुमान जी का यश वर्णन।
    प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-२११।

हनुमतजी को नखशिख→'हनुमतनखशिख' (मदन या गुमान कृत)।

हनुमतनाटक (भाषा)→'हनुमाननाटक' (हृदयराम कृत)।

हनुमतपंचक (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। लि० का० सं० १९१८। वि० हनुमान स्तुति।
    प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर ग्राम कांथा (उन्नाव)।→२१-४१२ बी।

हनुमतपचासा (पद्य)—अन्य नाम 'हनुमानजी के कवित्त'। भगवतराम खीची कृत।
    वि० हनुमान जी की स्तुति।

(क) लि० का० स० १६३० ।
प्रा०—ठा० हनुमानसिंह, गोथनी, डा० औंगीपुर (उन्नाव) ।→२६-४६ ए ।
(ख) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, फाँथा (उन्नाव) ।→२३-४२ ।
(ग) प्रा०—श्री जवाहरलाल प्रधान, पेशकार, दरबार, चरखारी ।→२६-४६ ए।

हनुमतपचीसी (पद्य)—इच्छाराम कृत । वि० हनुमान जी की स्तुति ।
प्रा०—श्री बिहारी सुनार, अजयगढ ।→०६-२६३ बी (विवरण अप्राप्त) ।

हनुमतपचीसी (पद्य)—खुमान (मान) कृत । वि० हनुमान स्तुति ।
(क) लि० का० स० १६३२ ।
प्रा०—लाला जगतराज, सदर कचहरी, टीकमगढ ।→०६-७० बी ।
(एक प्रति लाला वृंदावन, पन्ना के पास है) ।
(ख) लि० का० स० १६६० ।
प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय, छतरपुर ।→०६-७० सी ।
(एक प्रति लाला हीरालाल, चरखारी के पास है) ।

हनुमतपचीसी (पद्य)—गणेश (कवि) कृत । र० का० स० १८६६ । लि० का० स० १६३२ । वि० हनुमान के बल पराक्रम का वर्णन ।
प्रा०—प० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६-८३ ।

हनुमतपैज (पद्य)—लाल (कवि) कृत । वि० हनुमान और रावण का संवाद ।
(क) लि० का० स० १६४० ।
प्रा०—श्री कुँवरबहादुर, पड़रिया डा० पट्टी (प्रतापगढ)→२६-२५६]
(ख) लि० का० स० १६५१ ।
प्रा०—बाबू राजेश्वरीप्रसाद रईस, रामपुर, कोथरा (सुलतानपुर) ।→२३-२४४ ।
(ग) प्रा०—कुँवर ब्रजराजसिंह, साहिपुर, डा० हँडिया (इलाहाबाद) । → स० ०१-३७३ ख ।

हनुमतबालचरित्र (पद्य)—व्रजलाल (भट्ट) कृत । र० का० स० १८७६ । वि० हनुमान जी की बाल्यावस्था का चरित्र । (रामायण उत्तरकांड से अनूदित) ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-६१ ।

हनुमतबोध (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—गुसाईं रामस्वरूपदास, सठियाँवाँ, डा० जहाँनागजरोड (आजमगढ) ।→ स० ०१-३२ झ ।

हनुमतयश (पद्य)—आनंदीदीन कृत । वि० हनुमान जी की स्तुति ।
प्रा० - प० विष्णुदत्त (पुच्ची महाराज), मौली, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । →२६-११ ए ।

हनुमतविजय (पद्य)—बनादास कृत । र० का० स० १६४० । वि० हनुमान जी का चरित्र ।

प्रा०—महंत भगवानदास भवहरण कुंज अयोध्या।→२ -११ ग्यार।

हनुमतवीररक्षा (पद्य)—देवीदत्त शुक्ल (वीर) कृत। र का सं १६ ४। लि का सं १६ ४। वि हनुमान जी की स्तुति।

प्रा —श्री छोटेलाल मिश्र ईसरामपुर, डा होलागढ़ (इलाहाबाद)। → सं १-१११ क।

हनुमतशिखनख (पद्य)—अन्य नाम 'हनुमानजू को नखशिख'। सुमान (मान) कृत। वि हनुमान जी का सौंदर्य।

(क) लि का सं १६२५।

प्रा —लाला माधवप्रसाद छतरपुर।→ ६-७ ई।

(सं १८१ १६५२ और १६५६ की प्रतियाँ क्रमशः लाला वृंदावन पन्ना, लाला हीरालाल चरखारी तथा लाला परमानंद टीकमगढ़ के पास हैं।)

(ख) प्रा —ठा नौनिहालसिंह सेंगर काँथा (उन्नाव)।→ ११-११।

(ग) प्रा —श्री जवाहरलाल प्रधान पेशकार चरखारी।→२६-२१७ ई।

हनुमतसिंह→'हिम्मतसिंह (अमेठी के राजा)।

हनुमदाष्टक (पद्य)—गोपाल (जन) कृत। लि का सं १८८१। वि हनुमान जी की स्तुति।

प्रा —श्री मुरारीलाल पाठक, सिरसा (इलाहाबाद)→सं १-६।

हनुमन्नाटकदीपिका (पद्य)—परमानंद कृत। वि संस्कृत के हनुमन्नाटक की टीका।

प्रा —पं छोटीलाल भट्ट अवागढ़।→ ६ ग।

हनुमान—कायस्थ। लखनऊ निवासी।

गोपदीपाष्टक (पद्य)→सं १-४७१ ख।

शिखनख (पद्य)→ १-१४० सं १-८ ६ क सं ४ ४२८।

हनुमानअष्टक (पद्य)—तुलसीदास कृत। लि का सं १६१। वि हनुमान जी की स्तुति।

प्रा —पं सुखदेव शर्मा खैरगढ़ (मथुरा)।→१८-१११ ए।

हनुमानअष्टक (पद्य)—भागवतदास कृत। वि हनुमान जी की स्तुति।

प्रा —पं रामकृष्ण शुक्ल सुदर्शन भवन सुलकुंड प्रयाग।→४१-१०१ ख।

हनुमानअष्टक (पद्य)—द रेतानिधि सरदार (त्रिवेदी) कृत। वि हनुमान जी की स्तुति।

प्रा —पं मुरलीमनोहर त्रिवेदी महोबा (हमीरपुर)।→ ६-११८।

हनुमानचरित्र (पद्य)—सुंदरदास कृत। र का सं १६ ६। लि का सं १६१५। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३-४१४)

हनुमानचालीसा (पद्य)—अन्य नाम हनुमानचालीसा। तुलसीदास (?) कृत। वि हनुमान जी की स्तुति।

लो सं वि ७० (११ ०-१४)

(क) लि० का० स० १६०२ ।

प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । →२६-४८५ एक्स ।

(ख) लि० का० स० १६२६ ।

प्रा०—श्री श्यामसुदर अग्रवाल, जगनेर (आगरा) । →२६-३२५ वाई[२] ।

(ग) प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, मौली, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । →२६-४८४ वाई ।

(घ) प्रा०—प० वियाराम शर्मा, मक्खनपुर, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) । → ३२-२२१ ए ।

हनुमानचिंतामनी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० हनुमान जी का यश ।

प्रा०—प० बच्चा पाडेय वैद्य, हुसनपुर, डा० जखनिया (गाजीपुर) । → स० ०७-२६० ।

हनुमानछबीसी (पद्य)—मनियारसिंह कृत । वि० हनुमान जी की वीरता का वर्णन ।

प्रा०—प० विश्वनाथप्रसाद मिश्र, मुसौला माफी, डा० लोटन (बस्ती) । → स० ०४-२८३ ।

हनुमानजन्म (पद्य)—सुखलाल (कायस्थ) कृत । लि० का० स० १६१८ । वि० हनुमान जी का जन्मचरित्र ।

प्रा०—मु० सुखदेवराय, शुक्ल का पुरवा, डा० शिवरतनगज (रायबरेली) । → स० ०८-४१५ ।

हनुमानजन्म-लीला (पद्य)—केशव कृत । लि० का० सं० १८६४ । हनुमान जी की जन्म कथा ।

प्रा०—प० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) । →०६ १४६ बी ।

हनुमानजयति (पद्य)—रामरतन लघुदास कृत । वि० हनुमान जी की स्तुति ।

(क) लि० का० स० १८६५ ।

प्रा०—श्री सद्गुरुप्रसाद श्रीवास्तव, किला, रायबरेली । →स० ०८-३३६ ख ।

(ख) प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →स० ०२-३२८ क ।

हनुमानजी का कवच (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० तत्रमत्र ।

प्रा०—प० जीयाराम शर्मा, सौरई, डा० खदौली (आगरा) । →२६-३८४ ।

हनुमानजी [illegible] (पद्य)—[illegible] कृत । लि० का० स० १६०६ । वि० हनुमान जी [illegible] ।

प्रा —श्री शिवविलास बरिश्चारा (रम्नाव) ।→२६ १ ७ सी ।

हनुमानजी के कवित→'हनुमतपच्चासा (सुखदेव मिश्र कृत) ।

हनुमानजी के कवित→'हनुमानपच्चासा (भगवंतराय खीची कृत) ।

हनुमानजू को नखशिख→ हनुमतशिखनख (सुमान वा मान कृत) ।

हनुमानटीका (पद्य)—तुलसी कृत । वि हनुमानजी की स्तुति ।

(क) प्रा —महंत मक्खलाल जगदीशपुर (रायबरेली) ।→२६-४११ ।

(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ४-१४५ ।

हनुमानत्रिभंगीछंद (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । वि हनुमान जी की प्रशंसा ।

प्रा —पं भागवतप्रसाद टेढ़ू डा अहारन (आगरा) ।→११-११५ एच[3] ।

हनुमाननाटक (पद्य)—उदय (कवि) कृत । वि हनुमान द्वारा सीता की खोज और अहिरावण वध ।

प्रा —पं मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर गोकुल (मथुरा) ।→११-१ २ डी ।

हनुमाननाटक (पद्य)—अन्य नाम 'हनुमतनाटक' । हृदयराम (राम कवि) कृत । र का सं १६८ । वि रामकथा (संस्कृत हनुमन्नाटक का अनुवाद) ।

(क) लि का सं १८१ ।

प्रा —पं रघुनाथराम गायघाट वाराणसी ।→ १-२४१ ।

(ख) लि का सं १८११ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ ४-१७ ।

(ग) लि का स १९४४ ।

प्रा०—श्री राधेराम सहायक अध्यापक, प्राइमरी स्कूल भाममऊ, डा मधुवारा (प्रतापगढ़) ।→२९-१८ ।

(घ) प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर) ।→०६ ११६ ।

(ङ) प्रा —पं भीखराम पुजारी बड़ीसंगत बहराइच ।→२६-१६८ ।

(च)→पं २२-४१ ए ।

हनुमानपंचक (पद्य)—सुमान (मान) कृत । वि हनुमान स्तुति ।

प्रा —लाला हीरालाल चौकी मवीस परवारी ।→ १-७ ए ।

हनुमानपचासा (पद्य)—सुमान (मान) कृत । वि हनुमान स्तुति ।

प्रा —श्री रामचंद्र जैनी बेलनगंज, आगरा ।→१२-१४ ए

हनुमानपचीसी→'हनुमतपचीसी (सुमान वा मान कृत) ।

हनुमानपच्चीसी (पद्य)—मीनिवास कृत । वि हनुमान की स्तुति ।

प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-४२६ ।

हनुमानपैज→'हनुमतपैज (लाल कवि कृत) ।

हनुमानबंदीमोचन→ हनुमानबाहिक' (तुलसीदास ? कृत) ।

हनुमानबाललीला या हनुमानबालचरित→'हनुमानलीला' (सहजराम कृत)।

हनुमानबाहुक (पद्य)—अन्य नाम 'बाहुक', 'बाहुकविनय', 'बाहुकस्तोत्र' और 'हनुमान स्तुति'। तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। वि० हनुमान जी की स्तुति।

(क) लि० का० स० १८३५।
प्रा०—प० भागीरथी पाडेय, पीपरपुर (सुलतानपुर)।→२३-४३२ यू।
(ख) लि० का० स० १८५७।
प्रा०—प० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-३२३ के।
(ग) लि० का० स० १८५६।
प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बगाल, कलकत्ता।→०१-६०।
(घ) लि० का० सं० १८७४।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→स० ०१-१४१ छ।
(ट) लि० का० स० १८७८।
प्रा०—प० भवानी मिश्र, उत्तरगाँव, डा० अलीगज बाजार (सुलतानपुर)। → २३-४३२ टी।
(च) लि० का० स० १८६६।
प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)। → २६-४८४ टी।
(छ) लि० का० सं० १६०७।
प्रा०—प० महावीर दीक्षित, चढियाना (फतेहपुर)।→२०-१६८ डी।
(ज) लि० का० स० १६१०।
प्रा०—पं० रघुनदन मिश्र, मई, डा० बटेश्वर (आगरा)।→२६-१८४ यू।
(झ) लि० का० स० १६१२।
प्रा०—श्री भावतलाल, प्रतापगढ।→२६-४८४ वी।
(ञ) लि० का० स० १६१७।
प्रा०—बलरामपुर महाराज का पुस्तकालय, बलरामपुर।→०६-३२३ डी।
(ट) लि० का० सं० १६२८।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६-२४५ बी (विवरण अप्राप्त)।
(सं० १६२८ की एक प्रति पं० नतोला उपाध्याय, नलबदीपुर, समथर के पास है)।
(ठ) लि० का० स० १६२६।
प्रा०—प० बैजनाथ, गोविंदपुर (रायबरेली)।→२३-४३२ एस।
(ड) लि० का० स० १६३२।
प्रा०—ठा० जयबख्शसिंह, मिथौरा, डा० केसरगज (बहराइच)।→२३-४३२ आर।
(ढ) लि० का० सं० १६३४।
प्रा०—पं० श्यामा पाडेय औदर, डा० जखनियाँ (गाजीपुर)।→सं० ०७-७१।

(घ) लि का सं १९४५।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→२६-४८४ बी।
(ङ) प्रा —पं श्यामबिहारी पांडेय नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी। →
२३-१९२ क्यू।
(च) प्रा —ठा शिवलालसिंह पिपरौली (आगरा)।→२६-१२५ जेड।
हनुमानलीला (पद्य)—अन्य नाम 'हनुमानबालतीला' या हनुमानबालचरित।
परशुराम कृत। वि हनुमान चरित्र।
(क) लि का सं १८२८।
प्रा —महंत बलदेवदास पहरीगनेशपुर (रायबरेली)।→सं ४-४ ए क।
(ख) लि का सं १८५४।
प्रा —ठा देवसिंह छोटा गाँव डा बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-४१५ ए।
हनुमानविजय (पद्य)—मनियारसिंह कृत। लि का सं १९६२। वि रामायण के
सुंदर कांड की कथा।
प्रा —पं रामेश्वर कोसी कर्मा (मथुरा)।→१२-४५।
टि खो वि में रचयिता का नाम चिंतामनि मनियारसिंह माना है, पर
वस्तुतः नाम मनियारसिंह ही है।
हनुमानविजय (पद्य)—श्रीधर कृत। र का सं १९२१। वि हनुमान जी की स्तुति।
(क) लि का सं १९२७।
प्रा०—पं शिवकंठ तिवारी बरगदिया (सीतापुर)।→२६-४५४ ए।
(ख) लि का सं १९११।
प्रा —पं रामअवतार मिश्र नगर डा लखीमपुर (खीरी)।→२६-४५४ बी।
(ग) प्रा —श्री रामकुबेर शुक्ल मगरवीह, डा बिर्सुवी (सुलतानपुर)। →
सं ४-११३।
हनुमानविनय (पद्य)—तुलसीदास कृत। वि हनुमान जी की स्तुति।
(क) प्रा —पं सोहनलाल शर्मा नगला अमिया डा करहल (मैनपुरी)।
→दि ३२-११।
(ख) प्रा —पं बालपालि दूबे अलाई (इटावा)।→१८ १४३ डी।
हनुमानविरुदावली (पद्य —सुमान (नाम) कृत। लि का स १९१६। वि
नाम से स्पष्ट।→२ –१ ।
हनुमानविरुदावली (पद्य)—भारतशाह कृत। वि हनुमान जी की प्रशंसा।
(क) लि का सं १९१४।
प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→ १ १४ डी।
(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→ २-११, ४१ ५११ (अप्र)
हनुमानसाठिका (पद्य)—अन्य नाम 'बंदीमोचन' 'बजरंगसाठिका' और 'हनुमानबंदी
मोचन'। तुलसीदास (?) कृत। वि हनुमान स्तुति।

(क) लि० का० स० १८६३ ।
प्रा०—ठा० चंद्रिकाबक्ससिंह जमींदार, रानीपुर, डा० तालाबखशी (लखनऊ) →२६–४८४ आई ।
(ख) लि० का० स० १९०६ ।
प्रा०—श्री चौहरिजालाल, नवाबगंज (प्रतापगढ़) ।→२६–४८४ जेड ।
(ग) प्रा०—पं० जगन्नाथप्रसाद, अजगरा खुर्द, डा० अजगरा (प्रतापगढ़) । →२६–४८४ डब्ल्यू ।

हनुमानसाठिका→'बजरंगसाठिका' (तुलसीदास ? कृत) ।
हनुमानस्तुति→'हनुमानबाहुक' (गो० तुलसीदास कृत) ।
हनुमानस्तुति→'हनुमानविनय' (तुलसीदास ? कृत) ।
हनुमानस्तोत्र (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । वि० हनुमानजी की स्तुति ।
प्रा०—पं० गजाधर चौबे, बटा, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़) ।→२६–४८४ ए' ।
हनुमानस्तोत्र (पद्य)—बलदेव कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० तुलसीराम वैद, माट (मथुरा) ।→३२–१३ ।

हनुवतमोष्यगामी कथा→'हनूमानचरित्र' (ब्रह्मरायमल जैन कृत) ।
हनूमानचरित्र (पद्य)—अन्य नाम 'हनुवतमोष्यगामी कथा' । ब्रह्मरायमल (जैन) कृत । र० का० सं० १६१६ । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) लि० का० स० १६५६ ।
प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–६३ ।
(ख) लि० का० स० १७३० ।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००–१२३ ।

हफीजुल्ला खाँ—मुसलमान । बन्नापुर (हरदोई) पाठशाला के अध्यापक । सं० १६३६ के लगभग वर्तमान ।
नवीनसंग्रह (पद्य)→सं० ०४–४२६ ।
हमीदउद्दीन (काजी)—संभवत अवधवासी ।
तवल्लुद (पद्य)→२६–१६४ ।

हमीररायसा (पद्य)—जोधराज कृत । र० का० सं० १८५५ । वि० हमीर चरित्र ।→पं० २२–४६ ।

हमीरसिंह—ओड़छा (बुंदेलखंड) के राजा । मदनसिंह और दामोदरदेव के आश्रयदाता । सं० १८८८ के लगभग वर्तमान ।→०६–२४ ।

हम्मीररासो (पद्य)—महेश कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) लि० का० सं० १८६१ ।
प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१–६२ ।
(ख) प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→४१–५३६ (अप्र०) ।

हम्मीरहठ (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत । र का सं १८८१ । वि अलाउद्दीन खिलजी और रणथंभौर के राजा हमीरसिंहदेव का युद्ध ।

(क) लि का सं १६५५ ।

प्रा —बाबू आम्नायप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक छतरपुर ।→ ५–६६ ।

(ख) लि का सं १६६७ ।

प्रा —श्री चुन्नीलाल द्वारा गिरधरदास पुरुषोत्तमदास की दुकान (कंठीमाला) विश्रामघाट, मथुरा ।→४१–६६१ (अप्र) ।

हम्मीरहठ (पद्य)—चंद्रशेखर कृत । लि का सं १६ २ । वि हम्मीरसिंह चौहान का इतिहास ।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ ६ ६ ।

हयग्रीव कथा (पद्य)—बरसिंह (बुदेल) कृत । वि भगवान विष्णु के हयग्रीव अवतार की कथा ।

प्रा —बांधवेश भारती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ ।→ -१६६ ।

हयातबेग (हजरत)—पीरगुरु के शिष्य । संभवता सं १ ७७ के पूर्व वर्तमान ।

ज्ञानस्वरोदय (पद्य)→४१–३१ ।

हरकृष्ण (मिश्र)—अन्य नाम सीताजी श्रीराम । वत्सगोत्री ब्राह्मण । रावलपिंडी (पंजाब) के निवासी । दामोदर (कश्मीरी) के शिष्य । सं १८८ के लगभग वर्तमान ।

रामरसार (पद्य)→सं ४–८६ ।

हरगुलाल (जैन)—कुरु जांगल देशांतर्गत लखौती नगर के निवासी । वैश्य । किसी पालमुकुंद ब्राह्मण द्वारा इनका भक्तियों में प्रवेश हुआ । सहारनपुर में कीर्तिकोपार्जन किया ।

तत्त्वमचित्त-वल्लभनामा (गद्य)→सं १ –११६ क, ख ग ।

हरगोविंद बाजपेयी या गोविंद (सुकवि)—सं १८६७ में वर्तमान ।

करनामरस (पद्य)→पं २१ १४ ११–११७ सं १ –२४ क ग ।

हरचंद→'हरिप्रसाद ('साहित्यसुधानिधि के रचयिता) ।

हरजीमंडन—(?)

चतुर्विंशतितीर्थंकर (पद्य)→१७–१८ (परि १) ।

हरजीमल्ल (जैन)—पानीपथ (पानीपत) के निवासी । गुरु का नाम गिरिचंद शास्त्री । सं १८४२ के लगभग वर्तमान ।

चरचाशतक की वचनिका (गद्यपद्य)→११–१४८ सं १ –१४१ क ख ।

हरजू (सुकवि)—जौनपुर निवासी । किसी रामदत्त के आश्रित । सं १८१६ के पूर्व वर्तमान ।

बिहारी सतसई (पद्य)→४१–३११ सं १ ४७ ।

हरताश्चग्रोधन (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि वैद्यक—हरताल शोधन की विधि ।

प्रा०—श्री उमाशकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई ।→२६–१२३ (परि० ३) ।

हरतालिका की कथा (गद्य)—मीनराज (प्रधान) कृत। लि० का० स० १७८३ ।
विं० हरतालिका व्रत की कथा ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–७५ ।

हरतालिकाप्रसाद (त्रिवेदी)—भोजपुर (रायबरेली) निवासी ।
हनुमानअष्टक (पद्य)→०६–११८ ।

हरताली—सभवत नाथ परपरा के कोई सिद्ध ।
सबदी (पद्य)→स० १०–१४२ ।

हरदास—स० १६२७ के लगभग वर्तमान ।
कृष्णजी का बारहमासा (पद्य)→२६–१६६ सी ।
गिरिधरजी की मुरली (पद्य)→२६–१६६ ए, बी ।
बारहमासी कृष्णजी की (पद्य)→२६–१६६ डी ।

हरदास→'हरिदास' ('गुरुनामावली' के रचयिता) ।

हरदासजी का पद (पद्य)—हरिदास (हरदास) कृत। वि० ज्ञान, भक्ति और उपदेश ।
प्रा०—बाबा हरिदास, छर्रा (अलीगढ) ।→२६–१४० जी ।

हरदेव—नागपुर के रघुनाथराव के आश्रित । स० १८५७ के लगभग वर्तमान ।
नायिकालक्षण (पद्य)→२६–१७१ ।

हरदेव→'हरिदेव (भट्टाचार्य)' ('रंगभावमाधुरी' के रचयिता) ।

हरदेव (गिरि)- काशी के परमहस साधु। पश्चात् दलीपपुर गाँव में रहने लगे। विश्रामदास के गुरु। इन्होंने एक हनुमत नृपति का उल्लेख किया किया है। स० १६०१ के लगभग वर्तमान ।
भगवतगीता (पद्य)→१७–६६ स० ०१–४७८ ।

हरदेवसहाय—सभव मेरठ या उसके आसपास के निवासी ।
हरदेवसहाय की बारहखड़ी (पद्य)→स० १०–१४३ ।

हरदेवसहाय की बारहखड़ी (पद्य)—हरदेवसहाय कृत। वि० शिक्षाप्रद दोहे ।
प्रा०—श्री वेदप्रकाश गर्ग, खटीकान स्ट्रीट, मुजफ्फरनगर ।→स० १०–१४३ ।

हरदौलचरित्र (पद्य)—बिहारीलाल कृत। र० का० स० १८१५। लि० का० स० १६२८। वि० वीरसिंहदेव के पुत्र कुँवर हरदौल की कथा ।
प्रा०—लाला देवीप्रसाद, मुतसद्दी, छतरपुर ।→०५–६२ ।

हरनाम—स० १६८० के लगभग वर्तमान ।
बारहमासा (हरनाम का) (पद्य)→२६–१६७ ए, बी ।

हरपाल (पारवाले)—जाट क्षत्रिय ।
धनुषभंज (पद्य)→३२–७६ ।

हरप्रसाद—भाट। बिलग्राम (हरदोई) निवासी। मसाराम के पुत्र। हरिवश (घसीटे) के पौत्र। स० १८४३ के लगभग वर्तमान ।→१२–११० ।

हरप्रसाद→ हरिप्रसाद (सहजोबाई के पिता)।

हरलाल (चतुर्वेदी)—माथुर ब्राह्मण। मथुरा निवासी। संभवतः कृष्ण कवि के वंशज। सं १८ १ के लगभग वर्तमान।

भागवत (दशमस्कंध भाषा) (पद्य)→११-७९।

ब्रजविनोदलीला पंचाध्यायी (पद्य)→१७-७१।

हरवंशपुराण (पद्य)—खुशालचंद (जैन) कृत। र का सं १७८ । वि नेमिनाथ जी तथा कृष्ण जी का वंश परिचय।

प्रा —दिगंबर पंचायती मंदिर, बाबूपुरा मुजफ्फरनगर।→ख १०-२ ध।

हरवंशराय (राजा)—पन्ना नरेश। हरप्रसाद के आश्रयदाता। सं १८२७ के लगभग वर्तमान।→ १-९५, १-४९।

हरसहाय—गाजीपुर निवासी। जीवनदास के शिष्य। सं १८८५ के लगभग वर्तमान।

रामरत्नावली (पद्य)→ ६ १ ५ ए।

रामरहस्य (पद्य)→ ६-१ ५ बी।

हरसूचमुक्तावली (पद्य)—ब्रजनारनाथ कृत। र का सं १६ ४। वि हरसूब्रह्म की कथा।

प्रा —श्री देवराज पाठेय नोनरा डा रामपुर (गाजीपुर)।→सं १-६।

हरि (कवि)→'हरिचरणदास' ('कविप्रियाभरणाख्या' आदि के रचयिता)।

हरिअवतार कथा (पद्य)—जयसिंह (बघेल) कृत। वि गज को ग्राह से छुड़ाने के समय भगवान विष्णु के हरि अवतार की कथा।

प्रा —बाघवेश भारती भंडार (रीवाँ नरेश का पुस्तकालय) रीवाँ।→ -१५५।

हरिआचार्य—कोई भक्त।

अष्टयाम (पद्य)→ ६-२६२।

हरिआनंद —ब्राह्मण। गंगा यमुना के बीच बिसाई नगर के निवासी। पिता का नाम फूलहराम। सीताराम नाम के इनके एक मित्र थे। सं १८७६ के लगभग वर्तमान।

देवीविलास (पद्य)→सं १-४७९।

हरिकरुणाबेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र का सं १८१०। वि ब्रज पर होनेवाली एक चढ़ाई के समय परमेश्वर से प्रार्थना।

प्रा०—चौबदार मदनगोपाल शर्मा वृंदावन (मथुरा)।→१२-१९१ के।

हरिकीर्तन (पद्य)—किशोरीदास कृत। वि कृष्ण भक्ति।

प्रा —श्री तुलसीराम गोस्वामी नंदजी के मंदिर का घेरा डा नंदग्राम (मथुरा)।→११-१११।

हरिकीर्तन (पद्य)—गदाधर के तथा अन्य कवियों का संग्रह। लि का सं १८९८। वि पर्व के उत्सव और भगवान का नित्य कीर्तन।

प्रा —श्री गोपाल जी गोस्वामी नंदग्राम (मथुरा)।→११-१११ ए।

हरिकृष्ण (आभा)—नैगवाद्रा निवासी। संभवतः मायादास के शिष्य।

ज्ञानबोधप्रकाश (पद्य)→४१–३१८ ग।

ज्ञानबोधामृत (पद्य)→४१–३१८ फ।

हरिकृष्ण (पांडेय)—नगमारा ग्राम (गोरखपुर) निवासी। सं० १८५५ के लगभग वर्तमान।

अनंतचतुर्दशी की कथा (पद्य)→३२–८० ए।

रत्नत्रयव्रत की कथा (पद्य)→३२–८० बी।

हरिकृष्णदास—अन्य नाम कृष्णदास। वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी। सं० १९०७ के लगभग वर्तमान।

रसमहोदधि (पद्य)→सं० ०१–१८०।

हरिकेश (द्विज)—ब्राह्मण। जहाँगीराबाद (परगना सेंहुड़ा, दतिया) निवासी। पन्ना नरेश राजा छत्रसाल और हृदयसाहि तथा जैतपुर के राजा जगतराज के आश्रित। सं० १७८२ के लगभग वर्तमान।

जगतराजदिग्विजय (पद्य)→०६–४६ ए।

ब्रजलीला (पद्य)→०६–४६ बी।

हरिकेस या हृषीकेश—कोई संत।

परमोधलीला या जखड़ी (पद्य)→सं० ०७–२०८।

हरिगुरुस्तोत्र (पद्य)—जसराम (उपनागी) कृत। लि० का० सं० १८७१। वि० हरि और गुरु की स्तुति।

प्रा०—श्री रामेश्वर दूबे, गीरा (रायबरेली)।→सं० ०१–१२३ घ।

हरिचंद—बरसाना (ब्रज) के निवासी।

हरिचंदशतक (पद्य)→०६–१०७।

हरिचंद (गंगवाल)→'नाथूलाल' ('सुकुमालचरित्र' के रचयिता)।

हरिचंद की कथा (पद्य)—नारायण कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६–२०३ (विवरण अप्राप्त)।

हरिचंदपुराण कथा (पद्य)—नारायणदेव कृत। र० का० सं० १४५३। वि० अयोध्या के राजा हरिश्चंद्र की कथा।

प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००–८६।

हरिचंदशतक (पद्य)—हरिचंद कृत। वि० ज्ञान, भक्ति और वैराग्य।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६–१०७।

हरिचंदसत (पद्य)—ध्यानदास कृत। वि० राजा हरिश्चंद्र की कथा।

(क) लि० का० सं० १७६७।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–६२ च।

(ख) लि० का० सं० १८५६।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-११६; सं ७-६२ घ ।

(ग) लि का सं १८८६ ।

प्रा —श्री रामदास वैरागी कुटी बड़का नगला, डा मुरसान (अलीगढ़) ।→ २६-८६ ।

(घ) प्रा —श्री ललितराम जोधपुर ।→ १-१ ७ ।

(ङ) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-६२ ङ छ ।

(च)→पं २२-२८ ।

हरिश्चंद्रसत (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १७४ । वि राजा हरिश्चंद्र की कथा ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-२६१ ।

हरिचरणविलास (पद्य)—मनाराम कृत । वि रामकथा कृष्णलीला और महाभारत का युद्ध आदि ।

प्रा०—श्री गोपाल जी का मंदिर नगर डा फतेहपुरसीकरी (आगरा) । → १२-१४४ ।

हरिचरणदास—उप हरि कवि । चैनपुर (सारन बिहार) के निवासी । पिता का नाम रामधन । पितामह का नाम वासुदेव । इनके पूर्वज कोई विश्वंभर थे । पहले राज नदैया ग्राम (नयागार के अंतर्गत) के राजा विश्वसेन के आश्रित थे । बाद में पं कृष्णगढ़ (राजस्थान) चले गए और वहाँ के राजा विरदसिंह के आश्रय में रहने लगे । जन्म सं १७६६ । सं १८३४ के लगभग वर्तमान ।

कविप्रियाभरण (गद्यपद्य)→ ४-२८; ६-१ ८ सं ४-४११ क ।

कविवल्लभ (पद्य)→ ६-२६५ ए, सं ४-४११ ख ।

भाषाभूषण की टीका (गद्यपद्य)→ ६-४ १ -५६ ए प २२-३६ ए बी ४१-३११ ।

रामायणसार (पद्य)→४१-३१५ ।

सभाप्रकाश (पद्य)→२ -१६ बी ६-२६५ बी ।

हरिप्रकाश टीका (बिहारी सतसई) (गद्यपद्य → ४-८; १७-७१ ४१-३१६ सं ४-४११ ग ।

हरिचरणदास—अयोध्या निवासी । सं १८७० के लगभग वर्तमान ।

रामचरितमानस की टीका (गद्यपद्य)→३१-१४१ ।

हरिचरम (द्विज ७मराउ मौजपुर प्रांत के निवासी ।

आयु (पद्य)→ सं १-४ ।

हरिचरितचंद्रिका (पद्य कर्ता ह (व देव) कृत । लि का सं १८६ । वि भागवत दशमस्कंध के आधार पर भगवान की कथा ।

प्रा —चीनवेश भारती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय) रीवाँ ।→ -१४६ ।

हरिचरितामृत (पद्य)—जयसिंह (जूदेव) कृत । र० का० सं० १८७५ । वि० भगवान के मत्स्य, कूर्म, मोहनी और वराह अवतार का वर्णन ।

प्रा०—बाघवेश भारती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ ।→००-१४० ।

हरिचरितामृत (पद्य)—जयसिंह (जू देव) कृत । वि० संक्षिप्त राम कथा, विशेषत रामाश्वमेध वर्णन ।

प्रा०—बाघवेश भारती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ ।→००-१४८ ।

हरिचरित्र (पद्य)—चतुर्भुजदास कृत । लि० का० सं० १८६३ । वि० भक्ति उपदेश आदि ।
प्रा०—श्री रामधीन मुराऊ, बदौसराय (बाराबंकी) ।→२३-७५ बी ।

हरिचरित्र (पद्य) - लालचदास (हलवाई) कृत । र० का० सं० १५८७ । वि० भागवत का अनुवाद ।
(क) लि० का० सं० १८५८ ।
प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६-२६१ बी ।
(ख) लि० का० सं० १८८१ ।
प्रा०—श्री वंशीधरराय, चौंडीपुर, डा० पचचौरा (गाजीपुर) ।→सं० ०७-१७४ ।
(ग) लि० का० सं० १८८२ ।
प्रा०—ठा० माधवराम, नवतना, डा० सिसैया (बहराइच) ।→२३-२३८ ।
(घ) लि० का० सं० १८८४ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-३७७ ख ।
(ङ) लि० का० सं० १८६४ ।
प्रा०—ठा० विश्वनाथसिंह, गाढ़ा, डा० रतनपुरा (बलिया) ।→४१-२४२ ख ।
(च) लि० का० सं० १८६८ ।
प्रा०—बाघवेश भारती भंडार, रीवाँ ।→०६-१८६ (विवरण अप्राप्त) ।
(छ) लि० का० सं० १६६८ ।
प्रा०—ठा० शिवबालकसिंह, असना, डा० मनियर (बलिया) ।→४१-२४२ क ।
(ज) प्रा०—पं० दूबर शुक्ल वैद्य, शाहजादपुर (फैजाबाद) । → १७-२८ (परि०३) ।
(झ) प्रा०—आनंद भवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६-२६१ ए ।
(ञ) प्रा०—श्री मुन्नी स्वर्णकार, पाली, डा० बहादुरगंज (गाजीपुर) । → सं० ०१-३७७ क ।

हरिचरित्र (पद्य)—हरिशंकर कृत । लि० का० सं० १८१८ । वि० कृष्णलीला ।
प्रा०—श्री हरिकृष्ण औषधालय, डीग (भरतपुर) ।→३८-६० ।

हरिचरित्र→'भागवत (दशमस्कंध)' (भूपति कृत) ।

हरिचरित्र→'भागवत भाषा (दशमस्कंध)' (सबलस्याम या सबलश्याम कृत) ।

हरिचरित्र (विराटपर्व) (पद्य)—लालनसेनि कृत। र० का० सं० १७८१। लि० का० सं० १८७०। वि० महाभारत विराटपर्व का अनुवाद।
प्रा०—ठा० शिवशरनसिंह रघुनाथसिंह उमौगरा डा० नैनी (इलाहाबाद)।→ सं० १-३७।

हरिचरित्रपारावार अमृत कथा (वृंदावनखंड) (पद्य)—भगवानदास कृत। र० का० सं० १६११। वि० भागवत (पूर्वार्ध) की कथा।
प्रा०—संग्रहालय हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→४१-१६८।

हरिजन—कायस्थ। टीकमगढ़ (बुंदेलखंड) निवासी। सं० १९ १ के लगभग वर्तमान।
युक्तीचिंतामणि (पद्य)→ ९-४८।

हरिजनयशावली→'भक्तनामावली' (ध्रुवामुली कृत)।

हरिजस (पद्य)—भोपसिंह कृत। वि० भक्ति।
प्रा०—श्रीराम पांडेय बराढ़ा (प्रतापगढ़)।→सं० ४ ६६।

हरिजीवन—'स्वामाशरिप्या' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संग्रहीत हैं। → २-५७ (बीस)।

हरिजू (मिश्र)—आजमगढ़ निवासी। दिल्ली के बादशाह तथा आजमगढ़ के संस्थापक आजम खाँ के आश्रित। सं० १७८१ के लगभग वर्तमान।
अमरकोष (भाषा) (पद्य)→ ६-११२।

हरितालिकाव्रत कथा (पद्य)—निर्मलदास कृत। र० का० सं० १८३६। लि० का० सं० १८३६। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री रामनिरंजन तिवारी उप० 'लाटू' बहादुरपुर डा० पश्चिमशरीरा (इलाहाबाद)।→सं० १-१६६।

हरिदत्त—बैस क्षत्रिय। बैला (बाराबंकी) निवासी। सं० १९ ६ के लगभग वर्तमान।
शिवशर्ई (पद्य)→११-११७।

हरिदत्तसिंह (राजा)—शाकद्वीपी ब्राह्मण। संभवतः अयोध्या राज के वंशज।
राधाविनोद (पद्य)→ ९- ७२; ६-१११।

हरिदास—कायस्थ। पन्ना (बुंदेलखंड) निवासी। भैरवप्रसाद बख्शी के पुत्र। जन्म सं० १८०६। मृत्यु सं० १९ । पन्ना नरेश हरवंशराय के आश्रित।
कर्णपर्व (पद्य)→ ६-४६ सी।
गोपालपचीसी (पद्य)→ ६-४६ बी।
रसकौमुदी (पद्य)→ ३-२५; ६-४६ ए।

हरिदास—दादूपंथी। भाइ का नाम बनवारी।
प्रंथमौक्ती (पद और रमैनी) (पद्य)→सं० ७-२१ क।

पद (पद्य)→स० १०–१४४ क।
प्रेमसागर (पद और साखी) (पद्य)→स० ०७–२१० ख।
रमैनी (पद्य)→स० ०७–२१० ग, स० १०–१४४ ग।
साखी (पद्य)→स० १०–१४४ ग।

हरिदास—रामानंदी संप्रदाय के अनुयायी। गुरु का नाम कृष्णानंद।
नामदेव की परिचयी (पद्य)→स० ०७–२११।

हरिदास—ब्राह्मण। डिडवाना (जोधपुर) निवासी। भीखादास के शिष्य। अरिमर्दनसिंह के आश्रित। सं० १८११ के लगभग वर्तमान।
भगवद्गीता सटीक (पद्य)→०४–७२, ०६–२५६ ए; १७–८१।
भाषा भागवत समूल एकादश स्कंध (पद्य)→०४–५५।
रामायण (पद्य)→०६–११०।
वैष्णववैरागी-संवाद (गद्यपद्य)→२३–१५६।

हरिदास—वास्तविक नाम सूर्यबक्स सप्तई। जायस (रायबरेली) निवासी। सं० १८६६ के लगभग वर्तमान।
कवित्तरामायण (पद्य)→२६–१४१।

हरिदास—निंबार्क संप्रदाय के अनुयायी।
गुरुनामावली (पद्य)→२६–१४० सी, ३२–७७ बी।
भागवत (दशमस्कंध) (पद्य)→३२–७७ ए।

हरिदास—ओड़छा निवासी।
प्रस्तावरत्नाकर (गद्य)→२०–६०।

हरिदास—(?)
व्रजलीला (पद्य)→स० ०१–४८२।

हरिदास→'हरिचरणदास' ('कविप्रियाभरण' के रचयिता)।

हरिदास (जन)—(?)
पद (पद्य)→स० ०१–४८४।

हरिदास (बाबा)—क्षत्रिय। बबुरिहा गाँव (महाराजगंज, रायबरेली) के निवासी। पिता का नाम लालसाहि। पितामह का नाम सुखसाहि। अयोध्या के प्रसिद्ध महात्मा रघुनाथदास के शिष्य। उच्च कोटि के संत। सं० १६३८ के लगभग वर्तमान।
भक्तिविलास (पद्य)→३५–३५, सं० ०४–४३२ ख।
मसलविवेक (पद्य)→स० ०४–४३२ क।

हरिदास (वैन)—वृंदावन निवासी। टट्टी संप्रदाय के प्रवर्तक स्वामी हरिदास के अनुयायी। हरिदास के उत्तराधिकारी रामप्रसाद के शिष्य।
गोपीश्याम संदेश (पद्य)→३५–३७ ए।

पदावली (पद्य)→१८—१७ बी ।

हरिदास (स्वामी)—भक्त और संगीतज्ञ । प्रसिद्ध कवि । सनाढ्य ब्राह्मण । टट्टी संप्रदाय के प्रवर्तक । देवचंद्र अनन्यरसिक सहचरीशरण, वल्लभरसिक प्रभावतरसिक, विट्ठलविपुल और तानसेन के गुरु । मीर के पुत्र । ज्ञानबीर के पौत्र और ब्रह्मबीर के प्रपौत्र । प्रारंभ में हरिदासपुर में रहते थे । अनंतर वृंदावन में रहने लगे । जन्म सं १५१७ । मृत्यु सं १६१२ ।→ २२ १० १-१२ १-२२५ पं २२-१९ २३ २ , २३-८८ ।

केलिमाला (पद्य)→१२-७२; १२-७८ बी ।

पदसंग्रह (पद्य)→१२ ७८ सी ।

बानी (पद्य)→ १-१७ ६ १ ६ बी २३-१५५ २६-१४ ई, एच १२-७८ए, ३५-३६ बी ४१-११८ ।

रास के पद (पद्य)→२६-१४ डी ।

हरिदासजी के पद (पद्य)→ ०-१७ ।

हरिप्रकाश (पद्य)→२६-१४ एफ ।

हरिदास (स्वामी)—निरंजनी पंथ के संस्थापक । डिडवाना (जोधपुर-मेवाड़) निवासी । पीतांबरदास और सेवादास के गुरु । सं १५२ -४ के लगभग वर्तमान ।

अगाधअविरलबोध (ग्रंथ) (पद्य)→३५-३६ ए ।

अष्टपदीजोग (ग्रंथ) (पद्य)→पं २२-३७ ए ।

उतपतिब्रह्मेतजोग (ग्रंथ) (पद्य)→३५-३६ बी ।

दयालजी का पद (पद्य)→ २-३४ ।

दयालजी की आरती (पद्य)→दं ७-२ ६ ।

मौनिरूपणाजोग (ग्रंथ) (पद्य)→३५-३६ ई ।

निरंजनलीलाजोग (ग्रंथ) (पद्य)→३५ ३६ एफ ।

निरपक्षामूल (ग्रंथ (पद्य)→पं २२-३७ ई ।

पूजाजोग (ग्रंथ) (पद्य)→पं २२-३७ बी ।

ब्रह्मस्तुति (पद्य)→पं २२-३७ बी ।

मनपरसंगजोग (ग्रंथ) (पद्य)→३५-३६ डी ।

मनहठजोग (ग्रंथ) (पद्य) ३५-३६ सी ।

रामगीता (पद्य)→पं २२-३७ एफ ।

बंधनाजोग (ग्रंथ) (पद्य)→३५ ३६ एच ।

बीररतबैरागजोग (ग्रंथ) (पद्य)→३५-३६ आई ।

संग्रामजोग (ग्रंथ) (पद्य)→पं २२-३७ आई ।

समाधिजोग (ग्रंथ) (पद्य)→पं २२-३७ एच ।

हंसप्रमोद (ग्रंथ) (पद्य)→पं २२-३७ डी ।

हरिदास की बानी (पद्य)→०६-१०६ ए।
हरिदास ग्रंथमाला (पद्य)→पं० २२-३७ सी।

हरिदास (हरदास)—(?)
हरदासजी का पद (पद्य)→२६-१८० जी।

हरिदास (हरिराय ?)—वल्लभ सम्प्रदाय के अनुयायी।
गोवर्द्धनलीला (पद्य)→स० ०१-४८३ क।
गुसाईंजी विट्ठलनाथजी की वनयात्रा (पद्य)→स० ०१-४८३ ख।

हरिदास की बानी (पद्य)—हरिदास (स्वामी) कृत। लि० का० स० १८५५। वि० ज्ञान और उपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६-१०६ ए।

हरिदास की वाणी→'बानी' (हरिदास कृत)।

हरिदास के पदन की टीका (पद्य)—अन्य नाम 'हरिदासजी की वाणी की टीका'। पीताम्बरदास कृत। वि० हरिदास स्वामी के पदों की टीका।
(क) प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली।→२३-३१५ ए।
(ख) प्रा०—प० रामलाल, गिड़ोह, डा० कोसीकलाँ (मथुरा)।→३२-१६५ ए।

हरिदास ग्रंथमाला (पद्य)—हरिदास कृत। र० का० स० १५२० से १५८० के बीच। वि० संत और योगाभ्यास विषयक कहानियाँ।→प० २२-३७ सी।

हरिदासजी की परिचयी (पद्य)—रघुनाथदास (रुघनाथदास) कृत। वि० स्वा० हरिदास जी का जीवनवृत।
(क) लि० का० स० १८५६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७-१५८।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६-२३६।

हरिदासजी की वाणी की टीका→'हरिदास के पदन की टीका' (पीताम्बरदास कृत)।

हरिदासजी के पद (पद्य)—हरिदास कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखम्बा, वाराणसी।→००-३७।

हरिदासजी को मगल (पद्य)—नागरीदास कृत। वि० गुरु प्रशंसा।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान अर्थ लेखक, छतरपुर।→०५-४०।

हरिदासजू की बानी→'बानी' (हरिदास कृत)।

हरिदाससहाय (गिरि)—सन्यासी। मिरजापुर निवासी। स० १८१६ के लगभग वर्तमान।
रामाश्वमेध (पद्य)→०३-१६, २३-१५४।

हरिदेव—रतिराम के पुत्र। रसिकगोविंद के शिष्य। स० १८९२ के लगभग वर्तमान।
छदपयोनिधि (पद्य)→१७-७२ ए स० ०४-४३३।
वैद्यसुधानिधि (पद्य)→२६-२६६।

हरिदेव—ब्राह्मण। सं० १८८९ के लगभग वर्तमान।

हरिदास की बानी (पद्य)→०६–१०६ ए।
हरिदास ग्रंथमाला (पद्य)→पं० २२–३७ सी।

हरिदास (हरदास)—(?)
हरदासजी का पद (पद्य)→२६–१४० जी।

हरिदास (हरिराय ?)—वल्लभ सम्प्रदाय के अनुयायी।
गोवर्द्धनलीला (पद्य)→स० ०१–४८३ क।
गुसाईंजी विट्ठलनाथजी की वनयात्रा (पद्य)→स० ०१–४८३ ख।

हरिदास की बानी (पद्य)—हरिदास (स्वामी) कृत। लि० का० स० १८५५। वि० ज्ञान और उपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६–१०६ ए।

हरिदास की वाणी→'बानी' (हरिदास कृत)।

हरिदास के पदन की टीका (पद्य)—अन्य नाम 'हरिदासजी की वाणी की टीका' पीताम्बरदास कृत। वि० हरिदास स्वामी के पदों की टीका।
(क) प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली।→२३–३१५ ए।
(ख) प्रा०—पं० रामलाल, गिड़ोह, डा० कोसीकलाँ (मथुरा)।→३२–१६५ ए

हरिदास ग्रंथमाला (पद्य)—हरिदास कृत। र० का० स० १५२० से १५४० के बीच वि० संत और योगाभ्यास विषयक कहानियाँ।→पं० २२–३७ सी।

हरिदासजी की परिचयी (पद्य)— रघुनायदास (रघनाथदास) कृत। वि० स्वा० हरिदा जी का जीवनवृत।
(क) लि० का० स० १८५६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७–१५८।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६–२३६।

हरिदासजी की वाणी की टीका→'हरिदास के पदन की टीका' (पीताम्बरदास कृत)

हरिदासजी के पद (पद्य)—हरिदास कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखम्बा, वाराणसी।→००–३७।

हरिदासजी को मंगल (पद्य)—नागरीदास कृत। वि० गुरु प्रशंसा।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान अर्थ लेखक, छतरपुर।→०५–४०।

हरिदासजू की बानी→'बानी' (हरिदास कृत)।

हरिदाससहाय (गिरि)—सन्यासी। मिरजापुर निवासी। स० १८१६ के लगभ वर्तमान।
रामाश्वमेध (पद्य)→०३–१६, २३–१५४।

हरिदेव—रतिराम के पुत्र। रसिकगोविंद के शिष्य। स० १८६२ के लगभग वर्तमान।
छंदपयोनिधि (पद्य)→१७–७२ ए, सं० ०४–४३३।
वैद्यसुधानिधि (पद्य)→२६–२६६।

हरिदेव—ब्राह्मण। सं० १८८६ के लगभग वर्तमान।

(ख) लि का सं १८८१।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४ ४।
(ग) प्रा —लाला भगवतीप्रसाद अनूपशहर (बुलंदशहर)।→१७–७१।
(घ) प्रा —पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–११९।

हरिप्रसाद—उप हरकेश। रीवाँ नरेश महाराज रघुराजसिंह के आश्रित। सं १९११ के लगभग वर्तमान।
साहित्यसुधानिधि (पद्य)→२१–१७ ए, बी।

हरिप्रसाद—कायस्थ। कड़ा (प्रयाग) निवासी। कुछ दिन रानीपुर (झाँसी) में रहकर टीकमगढ़ राज्य के आश्रय में चले गए थे।
हिसाब (पद्य)→ ६ ५।

हरिप्रसाद—सं १८६ के लगभग वर्तमान।
लघुलिम्बनिर्णय (पद्य →२१–१४१।

हरिप्रसाद—(?)
बालक रामविनोद नवरस (पद्य)→१२–८२।

हरिप्रसाद (मिश्र)—रामवन के पुत्र। पर्वती ग्राम (अयोध्या के निकट) के निवासी। सं १९१९ के लगभग वर्तमान।
रत्नमुहूर्त (पद्य)→२१–१५८, २१–१७१ ए बी।

हरिप्रिया→'हरिव्यासदेव (महावानी के रचयिता)।

हरिबक्ससिंह—विसेन क्षत्री। प्रतापगढ़ निवासी। पृथ्वीलाल के पुत्र। चंद्रिकाबक्स के पौत्र। सं १९ ७ के लगभग वर्तमान।
ज्ञानमहोदधि (पद्य)→ ६–१ ६ ११–१५१।
पुराणाष्टक (पद्य)→१५–२४।
रामरत्नावली (पद्य)→१७–१८ बी।
रामायणशतक (पद्य)→ ७–१८ ए।
संग्रह (पद्य)→१८–५१।

हरिबोधचिंतामणि (पद्य)—सुंदरदास कृत। वि ज्ञानोपदेश।
(क) प्रा —बाबू राधाकृष्णदास चौखंभा वाराणसी।→ २०।
(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी →सं ७–११७ ग।

हरिभक्तसिंह→'हरिबक्ससिंह' ('ज्ञानमहोदधि आदि ग्रंथों के रचयिता)।

हरिभक्तिप्रकाश (पद्य)—गंगाराम (पुरोहित) कृत। र का सं १८२६। लि का सं १८८०। वि आध्यात्मिक ज्ञान।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→११–६६।

हरिभक्तिविलास (पद्य —चंद्रशेखर कृत। र का सं १८१७। वि भक्त के लक्षण और कर्तव्य।

हरिनामवेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० स० १८०३। लि० का० स० १८८९। वि० कृष्ण भक्ति।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२१० ए (विवरण अप्राप्त)।

हरिनाममहिमा (पद्य)—दामोदरदास कृत। लि० का० स० १८३४। वि० भगवान की महिमा।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-१०२ ग।

हरिनाममहिमावली (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० स० १८०३। लि० का० स० १८४३। वि० वैष्णव धर्म के सिद्धात।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल जी, राधारमण का मदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर। → ०६-३३१ ए।

हरिनाममाला (पद्य)—निरजनदास कृत। र० का० सं० १८८५। वि० ईश्वर की नामावली।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६-२०२ (विवरण अप्राप्त)।

हरिनामसुमिरनी (पद्य)—रघुनाथदास (बाबा) कृत। वि० सीताराम के नाम स्मरण का माहात्म्य।
(क) लि० का० स० १६३६।
प्रा०—परमहस द्वारिकादास बड़ी छावनी, अयोध्या (फैजाबाद)।→२०-१३६।
(ख) प्रा०—प० रामशकर बाजपेयी, बहोरिका बाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच)।→२३-३२८ ए।

हरिनारायण—ब्राह्मण। कुम्हेर (भरतपुर) निवासी।
रुक्मिणीमगल (पद्य)→३२-८१।

हरिनारायण—स० १८१२ के लगभग वर्तमान।
माधवानल की कथा (पद्य)→०५-६१।

हरिनारायण→'हरिनाम (मिश्र)' ('गोवर्द्धनलीला' के रचयिता)।

हरिप्रकाश (पद्य)—हरिदास (स्वामी) कृत। वि० कृष्ण चरित्र तथा नाम माहात्म्य।
प्रा०—श्री बनवारीदास पुजारी, समाई, डा० एतमादपुर (आगरा)। → २६-१४० ए।

हरिप्रकाश टीका (बिहारी सतसई) (गद्यपद्य)—हरिचरणदास कृत। र० का० स० १८३४। वि० बिहारी सतसई की टीका।
(क) लि० का० स० १८६८।
प्रा०—श्री रामनारायण चौबे, मलौली चौबे, डा० धनघटा (बस्ती)। → स० ०४-४३१ ग।

चौरासीवार्तामाव (गद्यपद्य)→२१-१५६ बी।

जानकीरामचरित्रनाटक (गद्यपद्य)→ ६-११५; २१-१५६ ए।

हरिराम—संभवतः पंजाब की ओर रहने वाले। सं० १६५१ के लगभग वर्तमान।

छंदरत्नावली (पद्य)→ १-१५७; ११ ७१; पं० २२-३८ ई० ४-४११।

हरिराम→'रामहरी (चौहरी) ('बुद्धिविलास' आदि के रचयिता)।

हरिराम (कविराव)—सं० १९१५ के लगभग वर्तमान।

मृगयाविहार (पद्य)→१९-१४४।

हरिराम (व्यास)→'व्यास जी ('पदसंग्रह' आदि के रचयिता)।

हरिरामदास (निरंजनी)→ हरिराम' ('छंदरत्नावली' के रचयिता)।

हरिरामविलास (पद्य)—भक्तजीवनदास कृत। वि० गाजीपुर निवासी महात्मा हरिराम की परिचर्या का वर्णन।

प्रा —गो० गोवर्द्धननाथ जी राधारमण का मंदिर, विमुहानी मिरजापुर। → १-१४ एच।

हरिराय→'हरिदास (वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी)।

हरिराय (गोस्वामी)—उप० रसिकदास रसिकराय रसिकप्रीतम आदि। गोकुल निवासी श्री वल्लभाचार्य के वंशज। सिहाड़ नाथद्वारा (मेवाड़ उदयपुर) में स्थित श्री गोकुलनाथ जी के मंदिर के अधिष्ठाता। सं० १७०१ के लगभग वर्तमान। स्फुटटिप्पण नामक संग्रह ग्रंथ में भी संगृहीत।→ २-२७ (दो)।

अष्टाक्षरमंत्र की टीका (गद्य)→सं० १-८८९ ग घ।

कीर्तनसंग्रह (पद्य)→सं० १-४८९ ए।

कुंभनदास की वार्ता चौरासी अपराध वर्णन (पद्य)→सं० १-४८९ ब।

कृष्णप्रेमामृत (गद्य)→११-८१ ए, १५ १८ डी।

गोकुलाष्टक की टीका (गद्य)→सं० १-८८९ र।

चतुःश्लोकी टीका (गद्य)→सं० १-४८९ त।

चिंतन (पद्य)→सं० १-४८९ ल।

चौरासी वैष्णवन की वार्ता की भाव टीका (गद्य)→सं० ४-४११।

दैन्यामृत (पद्य)→११-१८ ए।

नवरत्नभाष्कर (नवरत्नपूजन प्रकार) (पद्य)→सं० १-४८९ व।

नवरात्रि के कीर्तन (पद्य)→सं० १-४८९ छ।

नामरत्नस्तोत्र विवरण भाषा में (गद्य)→सं० १-८८९ क।

नित्यस्वरूप (गद्य)→४१-१११।

नित्यभावना (सेवा तथा स्वरूप की) (गद्य)→सं० १-४८९ म।

निरोधलीला (पद्य)→ १८; ११-११।

निरोधलक्षण (गद्य)→१५-१८ बी।

पुष्टिदृढाव (गद्य)→११-८१ बी सं० १-८८९ ड ड।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-१०१।

हरिभक्तिविलास (पद्य)—विक्रमसाहि कृत। र० का० स० १८८०। वि० भागवत दशमस्कंध का अनुवाद।

(क) लि० का० स० १८८३।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। → ०३-७३ (उत्तरार्द्ध)।

(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। → ०३-७२ (पूर्वार्द्ध)।

हरिभक्तिविलास (उत्तरखंड) (पद्य)—छबील (जन) कृत। लि० का० स० १८१६। वि० भागवत की कथाओं का संक्षिप्त वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →४१-७२।

हरिभक्ति-सिद्धांत-समुद्र (पद्य)—अन्य नाम 'श्रीकृष्णश्रुति-विरदावली'। फतेहसिंह (हितराम) कृत। र० का० स० १७२२। लि० का० स० १८६६। वि० कृष्ण-भक्ति, वैराग्य, मोक्ष आदि।

प्रा०—बाबू छत्रपतिसिंह जी रईस, कालाकाँकर (प्रतापगढ)।→२६-१२०।

हरिभजन (पद्य)– दासगिरद कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—लाला जयनारायण, नगलाराजा, डा० नौखेरा (एटा)।→२६-११६।

हरिभान—उप० भान। दीवान रणधीरसिंह बुंदेला के आश्रित। सं० १६१२ के पूर्व वर्तमान।

नरेंद्रभूषण (पद्य)→२३-१५२।

हरिभुवनदास—(?)

विष्णुसहस्रनाम (पद्य)→स० ०४-४३४।

हरियराय (हरिराय)—जैन मतावलंबी।

हरिवंशपुराण (भाषा) (पद्य)→स० ०४-४३७।

हरिरस (पद्य)—आतम कृत। लि० का० सं० १७८१। वि० भक्ति।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-३६।

हरिराधाविलास (पद्य)—मान (कवि) कृत। लि० का० स० १८२२। वि० राधा कृष्ण की लीलाएँ।

प्रा०—ठा० यदुनाथबाबूसिंह, हरिहरपुर, डा० चिलवलिया (बहराइच)। → २३-२५६।

हरिराम—आगरा निवासी। गुजराती ब्राह्मण। लल्लूलाल के पुत्र। १६वीं शताब्दी में वर्तमान।

हरिलीला सोलहकला (पद्य)—भीम कृत । र का सं १५४१ । लि का सं १ २६ । वि श्रीकृष्ण चरित्र वर्णन ।
 प्रा०—संग्रहालय हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग ।→सं १-२४९ ।

हरिवंश—उप पसीठा । बिलग्राम (हरदोई निवासी । बगदीश के पुत्र । मंसाराम के पिता । प्रसाद के पितामह । सं १७११ के लगभग वर्तमान ।→१२-११ ।
 नखशिख (पद्य)→१२-७१ ।

हरिवंश—पचवारा (मऊ) निवासी । सं १८५५ के लगभग वर्तमान
 मनोरञ्जनमाला (पद्य)→१८-११ ।

हरिवंश—(?)
 पाडवगीता की टीका (गद्य)→१२-८१ ए ।
 रामचंद्रवनवास (पद्य)→१२-८१ बी ।

हरिवंश —(?)
 बारहमासा (पद्य)→सं ४-४११ ।

हरिवंश—'रसालहरिप्या नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनायें संगृहीत हैं ।→ १-१७ (रस) ।

हरिवंश→ हरिवंशराय ('अनंतमत कथा आदि के रचयिता) ।

हरिवंश(जैन रचना) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि श्रीकृष्ण चरित्र (जिनसेनाचार्य कृत संस्कृत ग्रंथ का अनुवाद ।
 प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर अहियागंज डाल्ली मोहल्ला लखनऊ ।→ सं ४-१ १ ।

हरिवंश (टंडन)—टंडन खत्री । मुगल दरबार से संबद्ध । पिता का नाम मदनंद वा सदनंद । पितामह का नाम सुखमल । सं १६ १ के पूर्व वर्तमान ।
 रसमंजरी (पद्य)→ १-२१ बी १८-६२ सं ७-२१२ ।

हरिवंश (द्विज)—(?)
 वराटिकाप्रश्न (पद्य)→सं ४-१४ ।

हरिवंशअली—संभवतः सखी संप्रदायानुयायी
 ग्रंथक (पद्य)→१८-६१ ।

हरिवंशचौरासी→चौरासीपद (हितहरिवंश कृत)

हरिवंशचौरासी टीका (गद्य —प्रेमदास कृत । र का सं १९२१ । लि का सं १९११ । वि हित हरिवंश कृत हरिवंशचौरासी की टीका ।
 प्रा —परनारीमरेश का पुस्तकालय बरसाती । → १-२ १ ए (विवरण अप्राप्त) ।

हरिवंशचौरासी सटीक (पद्य)—लोकनाथ कृत । लि का सं १८४८ । वि हरिवंश चौरासी की टीका ।

पुष्टिप्रवाहमर्यादा (गद्य)→३२-८३ सी ।
बरसदिन के उत्सव को भाव (गद्य)→स० ०१-४८६ ढ ।
भावभावना (गद्य)→३२-८३ जी ।
मधुराष्टक की टीका (गद्य)→स० ०१-४८६ क ।
यमुनाजी के नाम (गद्य)→१७-७४ ए ।
रसिकलहरी या कीर्तन (पद्य)→३८-५९ ।
वचनामृत (गद्य)→३५-३८ एफ ।
वर्षोत्सव (गद्यपद्य)→१७-७४ डी, ३२-८३ ई ।
वसतहोरी की भावना (गद्य)→३२-८३ एफ ।
शिक्षापत्र (गद्य)→२६-१४५ ।
श्री आचार्यजी महाप्रभु को स्वरूप (गद्य)→१७-७४ बी ।
श्री आचार्यजी महाप्रभून की द्वादश निज वार्ता (गद्य)→०६-११५ ए, १७-७४ सी ।
श्री आचार्यजी महाप्रभून की निजवार्ता तथा घरूवार्ता (गद्य)→०६-११५ सी ।
श्री आचार्यजी महाप्रभून के सेवक चौरासी वैष्णव की वार्ता (गद्य) → ०६-११५ बी ।
श्री ठाकुरजी के षोडशचिह्न (सचित्र) (पद्य)→स० ०१-४८६ ङ ।
षटषष्टिअपराध (गद्य स० ०१-४८६ च ।
सन्यासनिर्णय (गद्य)→३५-३८ ई ।
सेवाविधि (गद्य)→३२-८३ डी ।
स्नेहामृत (पद्य)→३५-३८ सी ।
होरी तथा डोल की भावना तथा तदात्मक वर्णन (गद्य)→स० ०१-४८६ ग ।

हरिराय (पुरी)—आरभिक नाम श्रीलाल पुरी ।
जोगरत्न (पद्य)→४१-३२१ ।

हरिलाल—राजपुर ग्राम (ब्रज) के निवासी । स० १६०१ के पूर्व वर्तमान ।
ब्रजविहारलीला (पद्य)→स० ०४-४३८ ।

हरिलाल (मिश्र)—आजमगढ़ निवासी बादशाह शाह आलम के आश्रित । स० १८५० के लगभग वर्तमान ।
रामजी की वशावली (पद्य)→०६-१३ ।

हरिलाल (व्यास) –राधावल्लभ सप्रदाय के वैष्णव । स० १८३७ के लगभग वर्तमान ।
सेवकबानी सटीक रसिकमेदिनी (गद्यपद्य)→०६-११४ ।

हरिलीला (पद्य)—परसुराम कृत । वि० कृष्णलीला का दार्शनिक विवेचन ।
प्रा०—लाला रामगोपाल अग्रवाल, मोतीराम धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा) । → ३५-७८ ई ।

हरिलीला सोलहकला (पद्य)—भीम कृत। र का सं १५४१। लि का सं १ २६। वि श्रीकृष्ण चरित्र वर्णन।

प्रा०—संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग।→स १-२५६।

हरिवंश—उप पचौरा। किसग्राम (हरदोई निवासी। जगदीश के पुत्र। मंसाराम के पिता। प्रसाद के पितामह। सं १७११ के लगभग वर्तमान।→१२-११।

नखशिख (पद्य)→१२-७१।

हरिवंश—पचवारा (मऊ) निवासी। सं १८५५ के लगभग वर्तमान

मनोरंजनमाला (पद्य)→२८-११।

हरिवंश—(?)

पांडवगीता की टीका (गद्य)→१२-८५ ए।

रामचंद्रमनबास (पद्य)→१२-८८ बी।

हरिवंश —(?)

बारहमासा (पद्य)→सं ४-४१६।

हरिवंश—'कमलादित्या नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनायें संगृहीत हैं।→ ९-२७ (ख)।

हरिवंश→ हरिवंशराय ('अनंतव्रत कथा आदि के रचयिता)।

हरिवंश(जैन रचना) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि श्रीकृष्ण चरित्र (जिनसेनाचार्य कृत संस्कृत ग्रंथ का अनुवाद।

प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर, अलियागंज टाटपट्टी मोहल्ला लखनऊ।→ सं ४ ५ १।

हरिवंश (टंडन)—टंडन खत्री। मुगल दरबार से संबद्ध। पिता का नाम मदनंद या सदनंद। पितामह का नाम सुखमल। सं १६ ६ के पूर्व वर्तमान।

रसमंजरी (पद्य)→ ६–२५ बी; १८–६२ सं ७ २१२।

हरिवंश (द्विज)—(?)

बराहिकाप्रश्न (पद्य)→सं ८–८४।

हरिवंशाचली—संभवतः सखी संप्रदायानुयायी

भासक (पद्य)→१८–६१।

हरिवंशचौरासी→चौरासीपद (हितहरिवंश कृत)

हरिवंशचौरासी टीका (गद्य —प्रेमदास कृत। र का सं १६६१। लि का सं १६११। वि हित हरिवंश कृत हरिवंशचौरासी की टीका।

प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय चरखारी।→ ६–२ १ ए (विवरण अप्राप्त)।

हरिवंशचौरासी सटीक (पद्य)—लोकनाथ कृत। लि का सं १८७८। वि हरिवंश चौरासी की टीका।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२८ (विवरण अप्राप्त)।

हरिवंशपुराण (भाषा) (पद्य)—हरियराय (हरिराय) कृत। वि० जैन हरिवंशपुराण का अनुवाद।

प्रा०–श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ।→ सं० ०४–४३७।

हरिवंशपुराण भाषानुवाद (पद्य)—लाल जी (शाह) कृत। र० का० सं० १८४६।

वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं १८८२।

प्रा०–कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→ ४१–२७३।

(ख) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–२२४।

हरिवंशपुराण की भाषा वचनिका (पद्य)—दौलतराम कृत। र० का० सं० १८२६।

वि० नेमिनाथ और कृष्ण भगवान की कथा।

(क) लि० का० सं० १८८६।

प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–६० अ।

(ख) लि० का० सं० १९०१।

प्रा०—श्री जैन मंदिर, बाराबंकी।→२३–८५ बी।

हरिवंशराय—ब्राह्मण। सं० १८२२ के लगभग वर्तमान।

अनंतव्रत कथा (गद्य)→२१–१४८ एफ।

गणपति कृष्ण चतुर्थी व्रत कथा (पद्य)→०६–२६१ बी।

पक्षीचेतावनी (पद्य)→२६–१४८ एफ।

रसिकविनोद (पद्य)→२६–१७४ ए, बी, सी, २६–१४८ ए, बी, सी।

वैद्यविनोद (पद्य)→०६–२६१ ए।

सुनारिनलीला (पद्य)→२६–१४८ डी, ई।

हरिवंशराय—काशी निवासी। सं० १६२८ के लगभग वर्तमान।

भगवतगीता (भाषा) (गद्य)→२६–१७५ ए, बी।

हरिवल्लभ—ब्राह्मण। सं० १७७१ के लगभग वर्तमान।

भगवद्गीता (भाषा) (पद्य)→०२–६०, ०६–२६०, ०६–११७, १७–७०, पं० २२–३५ ए, बी, २१–११० ए, बी, सी, डी २६–१७३ ए, सी, २६–२४६, २६–१४७ ए, से एफ तक, २६–१४७ एच, आई, जे।

राधानाममाधुरी (पद्य)→२६–१४७ जी, सं० ०१–४८७।

सांगीतदर्पण (पद्य)→०१–६१, २३–१५० ई, एफ, २६–१७३ बी।

हरिविलास—दामोदर के पुत्र। गोमती तट (लखनऊ) निवासी। सं० १६१६ से १६३३ के लगभग वर्तमान।

गोविंदविलास (पद्य)→सं० ०१–४८८, सं० ०४–४४१।

रागसागर (पद्य)→२६-१७० ए २६-१ ६ बी सी।
रागाकपरा (गद्यपद्य)→१६-१७७ सी २ -१४६ बी।
हरिविलाससंग्रह (पद्य)→२६-१७० बी।

हरिविलास—सं १८२६ के पूर्व वर्तमान।
गोविंदभूषण (पद्य)→२१-१६१ २६-१७६।

हरिविलाससंग्रह (पद्य)—हरिविलास कृत। र का सं १८१६। लि का सं १८२७। वि राधाकृष्ण का प्रेम।
प्रा – ठा श्यामसनोहरसिंह मुबारकपुर डा मगरायर (उन्नाव)। → २६ १७७ बी।

हरिविलासाख्य→गोविंदविलास (हरिविलास कृत)।

हरिव्यास—रूपरसिक और ग्रालिरसिकगोविंद के गुरु। वृंदावन निवासी। सं ८५७ के पूर्व वर्तमान।→ ६-१२९, ६-२२२।

हरिव्यासदेव—उप हरिप्रिया। परशुराम के गुरु और श्रीभट्ट के शिष्य। निंबार्क संप्रदाय के वैष्णव। परमहंस वंशाचार्य के नाम से विख्यात। १६वीं शताब्दी में वर्तमान।
→ -७५; १२-१२६।
महावानी-ग्रष्टकाल सेवासुख (पद्य)→१२-७४ २१-१६२ ए, बी १२-८६।

हरिशंकर—सं १८ ८ के पूर्व वर्तमान।
हरिचरित (पद्य)→१८-६ ।

हरिशंकर (द्विज)—ब्राह्मण। राजा बरजोरसिंह के ग्राश्रित। सं १६६१ के लगभग वर्तमान।
गणेशजू की कथा (पद्य)→ ६-२६८।
संकटव्रत कथा (पद्य)→२१ १७२।

हरिश्चंद्र—(?)
मिताक्षरा ग्रथवा व्यवहारचंद्रिका (गद्य)→११-८४।

हरिश्चंद्र कथा (पद्य)—कृष्णराम कृत। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —हतिमानसिंह का पुस्तकालय बठिया।→ ६-६४ ई।

हरिश्चंद्र कथा (पद्य)—जगन्नाथ (जन जगन्नाथ) कृत। वि नाम से स्पष्ट।
(क) लि का सं १६१ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ४ १ ८।
(ख) प्रा—पं महावीर मिश्र गुरटीला ग्राजमगढ़।→ ६-११४।

हरिश्चद्र कथा (पद्य)—वेनीबख्श कृत। र० का० स० १८३६। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० स० १६३१।
प्रा०—पुजारी रघुवर पाठक, त्रिसवाँ (सीतापुर)।→१२-१७।
(ख) लि० का० स० १६३१।
प्रा०—श्री गयाप्रसाद, मनौना, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)। →२६-४२।

हरिश्चद्रलीला (पद्य)—सुदरलाल कृत। लि० का० स० १६३२। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—बाबा शिवलाल, भीषमपुरा, डा० सासनी (अलीगढ)।→२६-३१८ बी।

हरिसहचरोविलास (पद्य)—ब्रजजीवनदास कृत। वि० हित हरिवंश जी की दिनचर्या।
प्रा० – गो० गोवर्द्धनलाल, त्रिमुहानी, मिरजापुर।→०६-३४ जी।

हरिसहाय (गिरि)→'हरिदाससहाय (गिरि)' ('रामाश्वमेध' के रचयिता)।

हरिसिंघ—(?)
हरिसिंघ की चितावनी (पद्य)→स० ०७-२१३।

हरिसिंघ की चितावनी (पद्य)—हरिसिंघ कृत। लि० का स० १७४०। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७-२१३।

हरिसेवक (मिश्र)—ओड़छा (बुदेलखड) के राजा पृथ्वीसिंह के आश्रित। स० १८०८ के लगभग वर्तमान।
कामरूप की कथा (पद्य)→०५-६०, ०६-५१ बी।
हनुमानजी की स्तुति (पद्य)→०६-५१ ए।

हरिहरब्रह्म—(?)
शारदास्तोत्र (पद्य)→२६-१६६।

हरीतक्यादिनिघटु (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६१०। वि० निघटु।
प्रा०—प० केशवराम, शमशाबाद (आगरा)।→२६-३८१।

हरीदास→'हरिदास (स्वामी)' (निरजनी पंथ के सस्थापक)।

हरीसिंह—स० १८२८ के लगभग वर्तमान।
प्रश्नावली (पद्य)→०६-२५६।

हरेकृष्णदास—वृंदावन निवासी। राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव। स्वामी हरिदास के अनुयायी। स० १८७१ के लगभग वर्तमान।
हरेकृष्णदास की बानी (पद्य)→२३-१४६।

हरेकृष्णदास की बानी (पद्य)—हरेकृष्णदास कृत। र० का० स० १८७१। वि० राधाकृष्ण का स्तुति, गुणगान, भक्ति और वृंदावन की शोभा आदि।

प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली।→२३-१४८।

हर्षकीर्तिमुनि—जैन साधु। नागपुर निवासी।

योगचिंतामणि (पद्य)→पं २२ १६।

हर्षविजय—जैन।

रूपसुंदरी की चौपाई (पद्य)→दि ३१-३१।

हलधरदास—सं १६१७ के लगभग वर्तमान।

सुदामाचरित्र (पद्य)→ द-१ ४ २६-१६३; दि ३१-३५।

हमनामा (पद्य)—इलाहीबख्श (रसखान) कृत। र का सं १८२१। वि इसलाम धर्म के फारसी ग्रंथ हमनामा का अनुवाद।

प्रा —मुहम्मद सुलेमानशाह मुदर्रिस इस्लामियाँ मकतब पार्कनगर (प्रतापगढ़)।→२६-१८४ बी।

हसन—सं १८६ के पूर्व वर्तमान।

शकुनज्योतिष (पद्य)→सं ४-४४२।

हसनअली खाँ—संभवतः सं १८११ के लगभग वर्तमान।

दस्तूर शिकार का (गद्य)→सं १-४८८।

हस्तरेखादिलक्षण (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —पं रामाधार महता डा बाह (आगरा)।→२६-१८६।

हस्तरेखाविचार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —श्री रामप्रसाद मुराऊ पुरा विश्रामबाद डा परियावाँ (प्रतापगढ़)।→ २६-११४ (परि १)।

हस्तामलक वेदांत (पद्य)—मनसाराम कृत। वि वेदांत ज्ञान।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी भरतपुर।→१७-४।

हस्तिरुचि—(१)

चंपाकबल चौपाई (पद्य)→२५ १६ डी।

वैद्यवल्लभ (गद्य)→१६-१६ ए बी।

टि श्री मुनिकांतिसागर के अनुसार ये तपागच्छीय रुचि शाखा के यति थे तथा सं १७२६ के लगभग वर्तमान थे।

हाथी को शालिहोत्र→ शालिहोत्र (जनार्दन भट्ट कृत)।

हारमाला→ हारसमय (नरसी मेहता कृत)।

हारसमय (पद्य)—अन्य नाम 'हारमाला'। नरसी (मेहता) कृत। लि का सं १६४४। वि भक्ति।

प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१-११६।

हरिश्चद्र कथा (पद्य)—वेनीचरण कृत । र० का० स० १८३५ । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) लि० का० स० १६३१ ।
प्रा०—पुजारी रघुवर पाठक, निसवाँ (सीतापुर) ।→१२-१७ ।
(ख) लि० का० स० १६३१ ।
प्रा०—श्री गयाप्रसाद, मनौना, डा० महमूदाबाद (सीतापुर) । →२६-४२ ।

हरिश्चद्रलीला (पद्य)—सुदरलाल कृत । लि० का० स० १६३२ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—बाबा शिवलाल, भीषमपुरा, डा० सामनी (अलीगढ) ।→२६-३१८ बी ।

हरिसहचरीविलास (पद्य)—व्रजजीवनदास कृत । वि० हित हरिवश जी की दिनचर्या ।
प्रा० – गो० गोवर्द्धनलाल, त्रिमुहानी, मिरजापुर ।→०६-३४ जी ।

हरिसहाय (गिरि)→'हरिदाससहाय (गिरि)' ('रामाश्वमेध' के रचयिता) ।

हरिसिंघ—(?)
हरिसिंघ की चितावनी (पद्य)→स० ०७-२१३ ।

हरिसिंघ की चितावनी (पद्य)—हरिसिंघ कृत । लि० का स० १७४० । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-२१३ ।

हरिसेवक (मिश्र)—ओड़छा (बुदेलखड) के राजा पृथ्वीसिंह के आश्रित । स० १८०८ के लगभग वर्तमान ।
कामरूप की कथा (पद्य)→०५-६०, ०६-५१ बी ।
हनुमानजी की स्तुति (पद्य)→०६-५१ ए ।

हरिहरब्रह्म—(?)
शारदास्तोत्र (पद्य)→२६-१६६ ।

हरीतक्यादिनिघटु (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १६१० । वि० निघटु ।
प्रा०—पं० केशवराम, शमशाबाद (आगरा) ।→२६-३८५ ।

हरीदास→'हरिदास (स्वामी)' (निरजनी पंथ के सस्थापक) ।

हरीसिंह—स० १८२८ के लगभग वर्तमान ।
प्रश्नावली (पद्य)→०६-२५६ ।

हरेकृष्णदास—वृदावन निवासी । राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । स्वामी हरिदास के अनुयायी । स० १८७१ के लगभग वर्तमान ।
हरेकृष्णदास की बानी (पद्य)→२३-१४६ ।

हरेकृष्णदास की बानी (पद्य)—हरेकृष्णदास कृत । र० का० स० १८७१ । वि० राधाकृष्ण की स्तुति, गुणगान, भक्ति और वृदावन की शोभा आदि ।

हितउत्तमदास—सं० १९११ के पूर्व वर्तमान।
    अनन्यमाल (पद्य)→१८-१५८।

हितउपदेशविलास (पद्य)—रामश्रौतारदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
    प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित हरिशंकरी गाजीपुर।→सं० ७-१६१।

हितकल्पतरु (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत। वि० राधावल्लभ संप्रदाय के गोस्वामी जी की वंशावली।
    प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१९५ एफ।

हितचंदलाल—अन्य नाम चंदहित और चंदलाल। वृंदावन निवासी गोस्वामी। हित हरिवंश के अनुयायी। संभवतः जयपुर नरेश के आश्रित। सं० १८२४-५४ के लगभग वर्तमान।
    अभिलाषबत्तीसी (पद्य)→ ९-१६ बी, ९-४१ एच।
    उत्कंठामाधुरी (पद्य)→ ९-४१ बी, १२-३५ एफ।
    उपसुधानिधि सटीक (पद्य → ९-१६ ए; १२-३५ ए।
    बानी (पद्य)→१२-३५ सी।
    भागवतधरपचीसी (पद्य)→९-१६, ९-४१ सी।
    भावनापचीसी (पद्य)→ ९-१६ डी, ९-४१ जे।
    भावनानुबोधिनी (पद्य)→ ९-४१ ई।
    यमुनाष्टक सटीक (पद्य)→१२-३५ ई।
    वृंदावनप्रकाशमाला (पद्य)→ ९-४१ ए।
    वृंदावनमहिमा (पद्य)→ ९-४१ डी।
    वृंदावनशतक (पद्य)→१२-३५ बी।
    समयपचीसी (पद्य)→ ९-१६ सी, ९-४१ के।
    समयप्रबंध (पद्य)→ ९-४१ एल।
    स्फुट कवित्त (पद्य)→ ९-४१ आइ।
    हितजी के कृपापात्र (पद्य)→९-२१ बी।
    हिताष्टक (पद्य)→१२-३५ डी, १८-२२ ए।

हितचरित्र (पद्य)—भगवतमुदित कृत। वि० स्वा० हित हरिवंश और उनके अनुयायियों का वृत्तांत।
    प्रा०—गो० गिरधरलाल हरदौगंज मौंठी।→ ९-२१ ए।

हितचौरासी की टीका (पद्य)—प्रेमदासि (प्रेमदास) कृत। र० का० सं० १७९१।
    वि० हित हरिवंश की कृत हित चौरासी की टीका।
    प्रा०—श्री चंद्रभान विद्यार्थी, एम० ए० (हिंदी) लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ।→सं० ४-२२२।

हालीपाव—गोरखनाथ के शिष्य। डा० बड़थ्वाल (योगप्रवाह) के अनुसार कान्हपाव नाम से भेष बदलकर रानी मौनावती के यहाँ भंगी के रूप में रहे। 'सिद्धों की वाणी' में भी संगृहीत।→४१-५६, ४१-२२३।

सबदी (पद्य)→सं० १०-१४५।

हिंडोरा (पद्य)—पृथ्वीसिंह (राजा) उप० रसनिधि कृत। लि० का० सं० १८५७। वि० राधाकृष्ण का झूला झूलना।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-६५ एन।

हिंडोरा (पद्य)—ललितकिशोरीदास कृत। वि० राधाकृष्ण का प्रेम वर्णन।

प्रा०—श्री गोपाल जी का मंदिर, प्रेमसरोवर, डा० बरसाना (मथुरा)।→ ३२-१३४ ए।

हिंडोरा और रेखता→'रेखता' (कबीरदास कृत)।

हिंडोल (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० अध्यात्म।

प्रा०—श्री हरिकृष्ण वर्मा, छाता (मथुरा)।→३५-४६ एम।

हिंडोला राधाकृष्ण (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत। लि० का० सं० १९१८। वि० राधाकृष्ण का हिंडोला झूलना।

प्रा०—श्री छीतरमल, पिथौरा, डा० सिकंदराराऊ (अलीगढ)।→ २६-१०७ एफ।

हिंदीउर्दू ख्याल संग्रह (पद्य)—रूपराम (रूपकिशोर) कृत। वि० अध्यात्म।

प्रा०—पं० रामचंद्र, नीलकंठ महादेव, सिटी स्टेशन, आगरा।→३२-१९१ बी।

हिंदीमतायलादीनो (पद्य)—खिरदमंदअली कृत। र० का० सं० १८४८। लि० का० सं० १८६४। वि० कुरान की आयतों का अनुवाद और व्याख्या।

प्रा०—बाबू ब्रजरत्नदास, बुलानाला, वाराणसी।→२०-८३।

हिंदूपति—अरवर (प्रतापगढ) निवासी। राजा पृथ्वीसिंह के भाई। भिखारीदास के आश्रयदाता। सं० १८०३ के लगभग वर्तमान।→०४-२१, २०-१७, पं० २२-२२।

हिंदूपति—पन्ना नरेश। करण भट्ट के आश्रयदाता। सं० १८१५-१८३४ के लगभग वर्तमान।→०४-१५, ०६-५७, १७-९५, २३ २०४।

हिंदूपति—समथर नरेश। नवलसिंह प्रधान के आश्रयदाता। सं० १८७८ के लगभग वर्तमान।→०६-७६।

हिकमत (पोथी) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० यूनानी वैद्यक।

प्रा०—वैद्य गुलजारीलाल विशारद, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-४५४।

हिकमतयूनानी (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० यूनानी वैद्यक।

प्रा०—श्री नौबतराम गुलजारीलाल वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा)→२६-३८७।

हिकमतलक्षणावली—शिवराम कृत। वि० वैद्यक।→पं० २२-१०१।

हितअष्टक→'हिताष्टक' (गो० हितचन्द्रलाल कृत)।

हितभजनदास की बानी (पद्य)—हितभजनदास कृत । लि का सं १८७९ । वि राधाकृष्ण का प्रेमविहार ।
    प्रा —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद ।→४१-१७१ ।
हितमकरंद—राधावल्लभ संप्रदाय के अनुयायी । सं १८१८ में वर्तमान ।
    मकरंदबानी (पद्य)→४१-१८ ।
हितमालिका की टीका (रसिकलता) (गद्यपद्य)- हितदास कृत । लि का सं १६११ । वि राधावल्लभ सम्प्रदाय के भक्तों की नामावली ।
    प्रा —फौजदार मदनगोपाल शर्मा वृंदावन (मथुरा) ।→१२-७६ ए ।
हितराम→'फतेहसिंह (हरिभक्तिसिद्धांत-समुद्र' के रचयिता) ।
हितरूपचरितावली (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत । वि गो रूपलाल की जीवनी ।
    प्रा —फौजदार मदनगोपाल शर्मा वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१६६ यू ।
हितरूपलाल (रूपहित)—वास्तविक नाम रूपलाल गोस्वामी । जन्मकाल सं १७३८ । राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । वृंदावन निवासी । गो हरिलाल के शिष्य । हित वृंदावनदास चाचा के गुरु । स्वा हित हरिवंश की छठीं पीढ़ी में वर्तमान ।→१२-१६६ ।
    गुरुध्यान (पद्य → २-१५८ बी ।
    ध्यानलीला (पद्य)→१८-१२६ बी ।
    नित्यविहार-युगलध्यान (पद्य)→१२-१६८ बी ।
    पद सिद्धांत के (पद्य)→११-१६८ सी ।
    प्रियाध्यान (पद्य)→१२-१६८ ई ।
    बानीविलास (पद्य)→११-१६८ जे ।
    मानसिद्धान्तसीसी (पद्य)→१५८ सी ।
    मानसिकसेवा (पद्य)→१२-१६८ ए ।
    रत्नाकर पद्य)→१२-१५८ आई ।
    वृंदावनरहस्य (पद्य)→१२-२५८ एच ।
    समयप्रबंध (पद्य)→१८ १२६ ए ।
    सिद्धांतसार (पद्य)→१२-१५८ एच ।
हितरूपस्वामिनी-अष्टक (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत । वि राधा ।
    प्रा —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद ।→४१-२६७ क ।
हितललित—उप धीन । हितकीरति के पुत्र । हित हरिवंश के अनुयायी ।
    हिताष्टक (पद्य)→१८-८२ ।
हितवृंदावनदास (चाचा)—गौड़ ब्राह्मण । पुष्कर निवासी । हित हरिवंश के राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । जन्म सं १७६५ या १७७० । रूपलाल के शिष्य । कुछ समय तक नागरीदास जी के यहाँ रहा

हितचौरासी टीका (पद्य)—मूल रचनाकर हित हरिवंश। टीकाकार अज्ञात। वि० हित हरिवंश कृत चौरासी पदों की टीका।
प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर।→सं० ०७-२१४।

हितचौरासीधनी→'चौरासीपद या पदी' (हित हरिवंश कृत)।

हितजी के कृपापात्र (पद्य)—हितचंदलाल कृत। लि० का० सं० १६६८। वि० हित हरिवंश जी के कृपापात्रों का वर्णन।
प्रा०—गो० हितरूपलाल जी, अधिकारी, राधावल्लभ मंदिर, वृंदावन (मथुरा)। →३८-२२ बी।

हितजी महाराज की बधाई (पद्य)—व्रजजीवनदास कृत। वि० हित हरिवंश जी की बधाई।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल जी, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर। → ०६-३१ एफ।

हितजू को मंगल (पद्य —चतुर्भुजदास कृत। वि० हित हरिवंश जी की प्रशंसा।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१८४ सी (विवरण अप्राप्त)।

हिततरंगिणी (पद्य)—कृपाराम कृत। र० का० सं० १५६८ (लगभग)। वि० नायिकाभेद।
(क) लि० का० सं० १६६०।
प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ।→०६-२८० (विवरण अप्राप्त)।
(ख) प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६-११७।

हितदास—राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव। भोरी सखी के शिष्य। सं० १८३५ के लगभग वर्तमान।
भागवत (दशमस्कंध भाषा) (पद्य)→१२-७६ सी।
राधासुधानिधि सटीक (पद्य)→१२-७६ बी, ३८-६६।
हितमालिका की टीका (रसिकलता) (गद्यपद्य)→१२-७६ ए।

हितध्रुवदास→'ध्रुवदास' (हित हरिवंश जी के शिष्य)।

हितपंचक (पद्य)—हितप्रसाद कृत। हित हरिवंश जी की महिमा।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल जी, वृंदावन (मथुरा)।→१२-७७।

हितप्रसाद—राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव।
हितपंचक (पद्य)→१२-७७।

हितभजनदास—राधावल्लभी संप्रदाय के श्री चेतनदास के शिष्य। सं० १८७६ के पूर्व वर्तमान।
हितभजनदास की बानी (पद्य)→४१-१७१।

हितशृंगार लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि राधाकृष्ण की रासलीला
(क) प्रा —पं चुन्नीलाल वैद्य ईश्वपारि की गली वाराणसी
(ख) प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरौली।→।
हितसेवक→सेवकचरित (राधावल्लभी संप्रदाय के अनुयायी)।
जी वं नि ८१ (११ -६४)

(कृष्णगढ नरेश) के आश्रित । जनश्रुति के अनुसार ये १ लाख पदों के रचयिता है जिनमें लगभग २० हजार पद प्राप्त हैं । रचनाकाल सं० १८००–१८४४ तक ।

(कृष्णगढ नरेश के आश्रित। जनश्रुति के अनुसार ये १ लाख पदों के रचयिता हैं जिनमें लगभग २० हजार पद प्राप्त हैं। रचनाकाल सं० १८००-१८४४ तक।

आनंदवर्द्धनवेलि (पद्य)→१७-३४ टी।
आभास प्रथपद को तथा पद (गद्यपद्य)→४१-२५७ फ।
इष्टभजनपचीसी (पद्य)→१७-३४ एच।
करुणावेलि (पद्य)→१२-१६६ एच।
कलिप्रतापवेलि (पद्य)→४१-२५७ ख।
कृपाअभिलाषवेलि (पद्य)→४१-२५७ झ।
ख्यालविनोद (पद्य)→१२-१६६ क्यू।
गुरुमहिमाप्रतापवेलि (पद्य)→२६-४८ बी।
छद्मषोडसी (पद्य)→१२-१६६ ओ, एस, ४१-५६३ क (अप्र०)।
छप्पय नाभादास कृत श्री हरिवंशजी के टीका (पद्य)→१७-३४ एम।
जगनिर्वेदपचीसी (पद्य)→१७-३४ आई।
जमुनाप्रतापवेलि (पद्य)→०६-२५० सी।
दीक्षामंगल (पद्य)→३२-२३२ बी।
नीतिकुंडलिया (पद्य)→४१-२५७ ग।
नौमसमय-प्रबंध-शृंखला-पचीसी (पद्य)→१७-३४ ई।
पद (पद्य)→१७-३४ एन, ३२-२३२ डी, ई।
पदसंग्रह (पद्य)→३२-२३२ एफ, जी, ४१-२५७ च।
पदावली (पद्य)→३२-२३२ एच, आई, जे।
प्रार्थनापचीसी (पद्य)→१७-३४ जे।
भँवरगीत (पद्य)→१२-१६६ आई।
भक्तसुजसवेलि (पद्य)→१२-१६६ जी।
भजनउपदेशवेलि (पद्य)→३२-२३२ ए।
भावविलास (पद्य)→०६-३३१ सी।
मंगलविनोदवेलि (पद्य)→२६-४८ ए, ४१-५६३ ख (अप्र०)।
मनचिंतावनीवेलि (पद्य)→४१-२५७ च।
मनप्रबोधवेलि (पद्य)→४१-२५७ ह।
माखनचोरलहरी (पद्य)→०६-२५० डी।
युगलप्रीति-प्रकाश-पचीसी (पद्य)→१७-३४ बी।
रसिकअनन्य (पद्य)→१२-१६६ पी, ३२-२३२ एल।
रसिकयश-वर्द्धनवेलि (पद्य)→१७-३४ ए।
राधाजन्मोत्सव के कवित्त (पद्य)→३२-२३२ के।
राधाजन्मोत्सववेलि (पद्य)→१७-३४ के।
राधाबालविनोद (पद्य)→१२-१६६ बी।

हितशृंगार लीला (पद्य)—प्रकरण हृत। वि राधाकृष्ण की रासलीला।
(क) प्रा —पं चुन्नीलाल वैद्य वंशपाणि की गली वाराणसी।→
(ख) प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग कॉकरोली।→सं
हितसेवक→'सेवकचरित (राधावल्लभी संप्रदाय के अनुयायी)।
जी वं वि ...

हितहरिलाल—हितहरिवंश के पुत्र। वृंदावनदास के गुरु। सं० १६८७ के लगभग वर्तमान।→०९—१५६।

हितहरिवंश (स्वामी)—गौड़ ब्राह्मण। पिता का नाम केशवदास मिश्र। माता का नाम तारावती। वृंदावन निवासी। राधावल्लभी संप्रदाय के संस्थापक। जन्म सं० १५५६। संस्कृत और हिंदी के अच्छे विद्वान। कृष्णचंद्र (कृष्णदास) के पिता। ध्रुवदास, व्यास जी, देवचंद्र और चतुर्भुजदास के गुरु। सं० १६०० के लगभग वर्तमान। 'रागकल्पद्रुम' नामक संग्रह ग्रंथ में भी संगृहीत। →०२—१७ (सचाइंस), ०९—१४८, १२—६५, २०—२०१, २३—१८८, दि० ३१—२९।
चौरासीपद (पद्य)→०६—१७६, २२—१६८ ए, बी, सी, २६—१९६ ए, बी, २६—१५५ ए, बी, सी, सं० ०१—११३ क।
फुटकरवानी (पद्य)→०६—१२०, सं० ०१—११३ ख।
टि० खो० वि० सं० ०७—२१४ में 'चौरासीपद' ग्रंथ 'हितचौरासी टीका' नाम से सटीक प्राप्त हुआ है।

हितहरिवंश की जन्मबधाई (पद्य)—परमानंद (हित) कृत। र० का० सं० १८३३। लि० का० सं० १८३३। वि० श्री हरिवंश जी के जन्मोत्सव की बधाई।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६—२०४ ए (विवरण अप्राप्त)।

हितहरिवंशचंद्रजू को सहस्रनामावली (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८१२। लि० का० सं० १९१४। वि० श्री हरिवंश जी के हजार नाम और उनकी वंदना।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, हरदीगंज, झाँसी।→०६—३३१ बी।

हितहरिवंशजस और मंगल आदि (पद्य)—सेवकहित (हितसेवक) कृत। वि० हितहरिवंश जी का यश वर्णन।
प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना, अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ। →सं० ०१—१२६।

हितहीरासखी—हितमहाप्रभु के अनुयायी। वृंदावन निवासी।
अनुपमरसअष्टयाम तथा चतुर्थअष्टयाम (पद्य)→३८—६५ ए, बी।

हितामृतलतिका (पद्य)—रामलाल (राम कवि) कृत। वि० हितोपदेश की कथाएँ।
प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७—१४६ बी।

हिताष्टक (पद्य)—चतुरशिरोमणिलाल कृत। वि० हितहरिवंश की प्रशंसा।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२—४१।

हिताष्टक (पद्य)—रामनारायण कृत। लि० का० सं० १८७७। वि० हितहरिवंश जी की वंदना।
प्रा०—पं० हृदयराम, अगरवाला, डा० छाता (मथुरा)।→३८—१२१।

हिताष्टक (पद्य)—विष्णुसखी कृत। वि० हितहरिवंश जी की वंदना।
प्रा०—बाबा मनदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→१२—१६४।

हिताष्टक (पद्य)—हितचंद्रलाल कृत । वि हित हरिवंश जी की महिमा का गुणगान ।
(क) लि का सं १६६८ ।
प्रा —गो हितरूपलाल अधिकारी राधावल्लभ का मंदिर, मथुरा । →
१८-२१ द ।
(ख) प्रा —गो गोवर्धनलाल वृंदावन (मथुरा) ।→२-१५ डी ।
हिताष्टक (पद्य)—हितललित (रसीन) कृत । वि हितहरिवंश की वंदना ।
प्रा —पं हृदयराम, अगरवाला का छाता (मथुरा) ।→१८-८६ ।
हिताष्टक (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत । वि हितहरिवंश जी की प्रशंसा ।
प्रा —गो जुगलवल्लभ राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । →
११-१६६ आर ।
हिताष्टक→'अष्टक' (नागरीदास कृत) ।
हितोपदेश (पद्य)—चंदन कृत । र का सं १८६१ । वि हितोपदेश' का अनुवाद ।
(क) लि का सं १६६६ ।
प्रा —कविरत्न सत्यनारायण शर्मा आगरा ।→१७-३६ ।
(ख) लि का सं १८६६ ।
प्रा —ठा शिवरतनसिंह राजापुर का बालपुर (गोंडा) ।→२ -२८ ।
हितोपदेश (गद्य)—देवीचंद कृत । लि का सं १८५४ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —निमरानानरेश का पुस्तकालय निमराना ।→ ६-६० ।
हितोपदेश (पद्य)—नारायण (भट्ट) कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
(क लि का सं १८१८ ।
प्रा —आनंद भवन पुस्तकालय बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६-१२२ क ।
(ख) लि का सं ८७७ ।
प्रा —बाबू पद्मबक्ससिंह सबरपुर (बहराइच) । २३ २६० ए ।
(ग) लि का सं १८८१ ।
प्रा —श्री ब्रजमोहनलाल साहब प्रतापगढ़ ।→२३-१६२ सी ।
(घ) लि का सं १६१४ ।
प्रा —पं ज्योतिस्वरूप मंदिर स्वर्गद्वार अयोध्या ।→२ -११५ ए ।
(ङ) लि का सं ६२४ ।
प्रा —ठा विजियबहादुर ताल्लुकेदार बिकोलिया का बिसवाँ (सीतापुर) ।→
२३ २६० बी ।
(च) लि का सं १६२० ।
प्रा —ठा रणजीतसिंह कासिमसिंह का पुरवा का बेलरगांव (बहराइच) ।→
२३-२६० सी ।
(छ लि का सं १६१२ ।
प्रा —श्री लंकाप्रसाद म स्थी कोदरा (सीतापुर) →२६-

(ज) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। → ०४–६०।

(झ) प्रा०—पं० शिवनंदन त्रिवेदी, जमींदार, असनी (फतहपुर) ।→२०–१७५ बी।

हितोपदेश (पद्य)—पदुमनदास कृत। र० का० सं० १७३८। लि० का० सं० १८७८।
वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री मन्नूलाल पुस्तकालय, मुरारपुर (गया)।→२९–१३६।

हितोपदेश (पद्य)—प्रयागदास कृत। र० का० सं० १८८७ (?)। लि० का० सं० १८८६।
वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३ ६६।

हितोपदेश (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६८। वि० संस्कृत 'हितोपदेश' का अनुवाद।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–४३०।

हितोपदेश (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री रामगोपाल वैद्य मुराऊ, नर्लीका ताल, डा० परियावाँ (प्रतापगढ)।
→२६–१२५ (परि० ३)।

हितोपदेश→'मित्रमनोहर' (वंशीधर प्रधान कृत)।

हितोपदेश→'हितामृतलतिका' (रामलाल कृत)।

हितोपदेश (भाषा) (पद्य)—कोविद कृत। लि० का० सं० १८९७। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–६२ बी।

हितोपदेशउपपाण (उपाख्यान) बावनी→'कुंडलिया' (अग्रदास कृत)।

हितोपदेश की कथा (पद्य)—जयसिंहदास कृत। र० का० सं० १७८२। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३८।

हितोपदेश टीका (सुहृद्भेद) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८०२।
वि० राजनीति।
प्रा०—श्री महादेवसिंह, रजनपुर (गगासिंह का पुरवा), डा० तिलोई (रायबरेली)।→सं० ०४–५०४।

हिदायतनामा (पद्य)—कलक्टर ? (आगरा) कृत। र० का० सं० १६०६। लि० का० सं० १६०६। वि० कानून।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, गोकुलपुरा, आगरा।→३२–४२।

हिमवंत—सं० १८८१ के पूर्व वर्तमान।
स्तुति (हिमवतजी की) (पद्य)→२३–१६५।

हिम्मत खाँ—बादशाह औरंगजेब के मंत्री खाँजहाँ के पुत्र। बलवीर और श्रीपति भट्ट के आश्रयदाता। सं० १७३१ के लगभग वर्तमान।→०१–८२, ०२–२८, ०६–२३८।

हिम्मतप्रकाश (पद्य)—श्रीपति (भट्ट) कृत । र का सं १७११ । वि वैद्यक ।

(क) लि का सं १८९८ ।

प्रा —श्री रामप्रसाद अध्यापक कोटला (आगरा) ।→२६-११७ ।

(ख) लि का सं १९ ५ ।

प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→ ६-२१८ (विवरण अप्राप्त) ।

हिम्मतबहादुर महेंद्रगिरि—उप रंग । वास्तविक नाम गोसाई अनूपगिरि । स्थान (कानपुर के सिकंदरा और फतेहपुर के खजुहा परगने) के गोसाई । नवाब शुजाउद्दौला के जागीरदार । पद्माकर और ठाकुर आदि कवियों के आश्रयदाता । सं १८७४ में वर्तमान ।→ ५-१२ २६-११८ ।

रसरंग (पद्य)→सं १-२४६ ।

हिम्मतबहादुरविरदावली (पद्य —पद्माकर कृत । वि हिम्मतबहादुर की प्रशंसा ।

(क) लि का सं १९ १ ।

प्रा —श्री गुमानसिंह अध्यापक सूपा बुंदेलखंड, डा कुलपहाड़ (हमीरपुर) ।→२६-११८ बी ।

(ख) प्रा —लाला भगवानदीन हाइ स्कूल छतरपुर ।→ ५ ४२ ।

हिम्मतसिंह—कायस्थ । बुंदेलखंड निवासी । सं १७७४ के लगभग वर्तमान ।

रूपवरनामा (पद्य)→०६-१२ ।

हिम्मतसिंह—सं १८९५ के लगभग वर्तमान ।

गंगाप्रबोध गीता (पद्य)→सं १-४६ ।

हिम्मतसिंह→महीपति ('कविकुलतिलकप्रकाश के रचयिता) ।

हिम्मतसिंह (राजा)—अमेठी के राजा । सुखदेव मिश्र के आश्रयदाता । सं १७५५ के लगभग वर्तमान ।→ ६-२२३ १०-१८७ दि ११ ८ ।

हिम्मतसिंहदेव (महेंद्र)—अमेठी के राजा (?) । अमृत कवि के आश्रयदाता । सं १८११ के लगभग वर्तमान ।→१७-६ ।

हियहुलास (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि संगीत ।

प्रा —श्री राममनोहर त्रिपुरिया 'सम्राट' पुरानीबस्ती कटनी (जबलपुर) ।→ २६-१८८ ।

हियहुलास रागमाला-काव्य (पद्य)—लाल (कवि) कृत । र का सं १८७ । वि संगीत ।

प्रा —डा धीरमानसिंह, रतसंड (बलिया) । वर्तमान पता-अवसरप्राप्त,भारती प्रेस बलिया ।→४१-२४३ ग ।

टि प्रस्तुत पुस्तक 'सभाविलास' का एक अंश है ।

हिरण्यकश्यपवध→'प्रह्लादचरित' (हृदयराम कृत) ।

हिरदैराम→हृदयराम ('रुक्मणीचरित्र' के रचयिता) ।

हिसाब (गद्यपद्य)—गुलाबराय कृत। र० का० स० १६०८। लि० स० का० १६०८। वि० गणित तथा अन्य स्फुट विषय।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२३-१३८।

हिसाब (पद्य)—हरिप्रसाद कृत। वि० गणित।
प्रा०—लाला मुरलीधर, सुपरिटेंडेंट (जागीरदारी), टीकमगढ।→०६-५०।

हीरामनि—कान्यकुब्ज दीक्षित ब्राह्मण। सेनापति के गुरु। स० १७०६ के पूर्व वर्तमान।
→०६-२८७।
एकादशीमाहात्म्य (पद्य)→२३-१६७।
रुक्मिणीमगल (पद्य)→२६-१५४।

हीरालाल—हेमराज के पुत्र। दलपतिराय के पौत्र। स० १७०४ के लगभग वर्तमान।
रुक्मिणीमगल (पद्य)→०५-६४।

हीरालाल (जैन)—हस्तिनापुर के पश्चिम में स्थित पुरवडौत निवासी। जाति के अग्रवाल वैश्य। गुरु का नाम ठंढीराम।
चद्रप्रभुपुराण (भाषा) (पद्य)→स० १०-१४७।

हीरालाल (लाला)—(?)
वनिकप्रिया (पद्य)→स० ०१-४६१।

हीरालाल (वैश्य)—हलवाई। डोड़वा (कानपुर) निवासी। रामप्रसाद के पुत्र। स० १६०० के लगभग वर्तमान।
औषधिसग्रह (गद्य)→२३-१६६ ए।
मदनसुधाकर (गद्यपद्य)→३२-८८।
रसमजरी (गद्यपद्य)→२३-१६६ बी।
वैद्यकगुटिका (गद्य)→२३-१६६ ई।
वैद्यकरत्नसार (पद्य)→२३-१६६ जी।
वैद्यकसार (गद्य)→२३-१६६ एच।
शारगधर (भाषा) (गद्यपद्य)→२३-१६६ डी, एफ।
सग्रह (गद्य)→२३-१६६ सी।
सर्वसग्रह (गद्य)→२६-१५३ ए, बी।

हुकुमनामा (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत। वि० उपदेश।
प्रा०—महत श्री राजकिशोर जी, रतसड (बलिया)।→४१-२६३ ठ।

हुकुमराज—धामी सप्रदाय के अनुयायी। प्राणनाथ के शिष्य। १७वीं शताब्दी में वर्तमान।
प्रभाती (पद्य)→२६-१८१।

हुक्कासुराहिया (पद्य)—अवधूतसिंह कृत। र० का० सं० १८४४। लि० का० स० १८४४। वि० हुक्के की प्रशसा।

प्रा —श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय कामवन भरतपुर।→१७–११ ए।

हुलास (पाठक)—(?)

वैद्यविलास (गद्यपद्य)→१६–१८१ बी २१–१५६।

शालिहोत्र (पद्य)→२१– ८१ ए ई १–४६२।

हुलास (मिश्र)—शाकद्वीपी ब्राह्मण। रामनगर धमेड़ी (बाराबंकी) निवासी। राजा गुरुबक्ससिंह के आश्रित। सं १८ के लगभग वर्तमान।

बुद्धिप्रकाश (पद्य →२१–१७ ए।

हुलास के अष्टक (पद्य)→२१–१७ बी।

हुलास के अष्टक (पद्य)—हुलास (मिश्र) कृत। वि बाबा हरदेवदास की स्तुति।

प्रा —पं मथुराप्रसाद मिश्र रामनगर धमेड़ी बाराबंकी।→२१–१७ बी।

हुलासदास—सं १८८७ के पूर्व वर्तमान।

गणेश कथा (पद्य)→सं –४६१।

हुलासराय (वैद्य)—आगरा निवासी। सं ६१ के लगभग वर्तमान।

स्वप्नपरीक्षा (गद्य)→१६–१८२।

हुलासलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि राधाकृष्ण विहार।

प्रा —बाबा संतदास राधावल्लभ का मंदिर वृंदावन (मथुरा)। → १२– ५८ ई।

हुसेनअली—उप सदानंद। सैयद मुसलमान। गुरु का नाम केशवलाल (कन्नौ निवासी)। सं १ ७६ के लगभग वर्तमान।

पुहुपावती (पद्य)→सं ७–२१६।

हुसेनशाह—सहसराम (बिहार) के शासक। शेरशाह सूर के पिता। कुतबन के आश्रयदाता। सं १५६१ के लगभग वर्तमान।→ –४।

हुल्लसमन (पद्य)—सुंदरसिंह कृत। र का सं १८७ । वि कृष्णभक्ति।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४ ७६।

हृदयदास (स्वामी) –(?)

धर्मसंवाद या धर्मसमाधि (पद्य)→११–८२।

हृदयप्रकाश (पद्य)—रामसनेहीदास कृत। लि का सं १९१८। वि राममक्ति।

प्रा —श्री सद्गुरुप्रसाद श्रीवास्तव जिला रायबरेली।→सं ४–३४।

हृदयप्रकाश (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र का सं १ ६। वि सृष्टि निरूपण तथा आत्मज्ञान।

प्रा —बाबू राममनोहर विलपुरिया पुरानी बस्ती बरनी मुहल्ला (कानपुर)→११ १२६ (परि १)।

हृदयमानसीपूजा→'अष्टयामसेवा विधि (रामचरणदास कृत)।

हृदयराम—उप० राम कवि पजाब निवासी। कृष्णदास के पुत्र। स० १६८० के लगभग वर्तमान।

रुक्मिणीमगल (पद्य)→प० २२–४१ बी।

हनुमाननाटक (पद्य)→०४–१७, ०६–११६ ०६–२४३, प० २२–४१ ए, २३–१६६, २६–१८०।

हृदयराम—स० १६६० के लगभग वर्तमान।

धर्मचरित्र (पद्य)→४ –३२४।

बलिचरित्र (पद्य)→१२–७५।

हृदयराम—(?)

चित्रकूटविलास (पद्य)→स० ०४–४४४।

हृदयविनोद→'कविहृदयविनोद' (ग्वाल कवि कृत)।

हृदयशाह (महाराजकुँवर दीवान)—महाराज छत्रसाल के पुत्र हृदयशाह से भिन्न कोई राजा। सरगराय के आश्रयदाता। स० १७६५ के लगभग वर्तमान। → १२–६२।

हृदयसर्वस्व (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राधाकृष्ण का प्रेम और भक्ति।

प्रा०—श्री श्यामसुदर अग्रवाल एम० ए०, मुसिफ महावन, नगरपालिका के कार्यालय के पास, मथुरा।→३५–१७१।

हृदयसाहि (सिंह)—पन्ना नरेश महाराज छत्रसाल के पुत्र। कुँवर मेदिनीमल्ल जू देव के पिता। राज्यकाल स० १७८६–१७६६। हरिकेश द्विज, हसराज बख्शी और रामकृष्ण के आश्रयदाता।→०५–६६, ०६–४५, ०६–४६, ०६–२४८।

हेम—राजस्थान निवासी। सभवत. गुरु का नाम गुणचद।

श्रीचूनरी (पद्य)→३८–६४।

हेमनाथ—स० १८७५ के पूर्व वर्तमान।

महाभारत (विराटपर्व) (पद्य)→स० ००४–४१५।

हेमरतन—राजस्थान (मेवाड ?) के निवासी। पद्मराज वाचक के शिष्य। स० १६४५ के लगभग वर्तमान।

गोराबादल पद्मिनी चौपाई (पद्य)→स० ०१–४६४।

हेमराज—रूपनगर (?) निवासी। स० १८१६ के लगभग वर्तमान।

बैनबत्तीसी (पद्य)→स० ०१–४६५।

हेमराज (जैन)—वीरपुर या वीरनपुर (आगरा ?) नगर निवासी। रूपचद के शिष्य। सं० १७४२ के लगभग वर्तमान।

कर्मकाड (गद्य)→३२–८७ बी।

चक्रमूल टीका (गद्य)→स० ०७–२१६ क।

पंचास्तिकाय (गद्य)→१७–३४ सं १ –१४८ ।

प्रवचनसार सिद्धांत की बालावबोध टीका (गद्य)→सं ७–११६ ख ।

भक्तामरस्तोत्र (भाषा (पद्य)→ –१ ८ पं २२–४ २६–१८८ १२–८७ ए, ४१–३६६ क ख सं ७–२१६ ग सं १ –१४६ क ख; सं १ –१७१ ।

रोहिणीव्रत की कथा (पद्य)→२३–११४ ।

सुगंधदशमीव्रत कथा (पद्य)→१२–२२६ ।

हैदर—दिल्ली निवासी मुसलमान ।

कासिदनामा (पद्य)→२६–१११ ए बी २६–१११ ए, बी ।

होरा या शकुनगमन (गद्य —कैलाशप्रसाद (दुबे) कृत । लि का सं १६१ । वि ज्योतिष ।

प्रा०—ठा रतनसिंह सिकंदरराऊ (अलीगढ़) ।→२६–१६१ बी ।

होरी (पद्य)—प्रेमसखी कृत । वि होली संग्रह ।

(क) लि का सं १६१७ ।

प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या ।→१७–११७ ए ।

(ख) प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ १–१ ८ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(ग) प्रा —लाला माताप्रसाद सम्मन वकील मेजा (इलाहाबाद) ।→ १ –११४ ए ।

होरी (पद्य)—सीतलसखि कृत । लि का सं १८८२ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ४–१ ८ ।

होरी (पद्य)—रूपसखी कृत । वि राम और सीता की होली ।

(क) प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ १–१२२ (विवरण अप्राप्त) (प्रस्तुत पुस्तक की एक प्रति इसी पुस्तकालय में और है) ।

(ख) प्रा —ठाकुरद्वारा लखुवा (फतेहपुर) ।→१ –११८ ।

होरी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि होली के गीतों का संग्रह ।

प्रा —पं लक्ष्मीकांत कोठीवाल भगुआपुर डा लक्ष्मीकांतगंज (प्रतापगढ़) । →२६–११७ (परि १) ।

होरी→'गोलिकाविनोद दीपिका (बनकराजकिशोरीशरण कृत) ।

होरी आदि का छंद (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत । वि कृष्ण और गोपियों की होली ।

प्रा०—पं सोहनलाल द्वारा पं लक्ष्मीनारायण पखुओं डा बकेवर (इटावा)। →१८–१५ सी ।

होरी के पद (पद्य)—विभिन्न कवि कृत । वि कृष्णभक्ति विषयक ...

प्रा —श्री बिहारी जी का मंदिर महाजनी टोला इला ४१–४० (ग्रम) ।

होरीछंदादिप्रबंध→ होरी' (प्रेमसखी कृत)।

होरी ज्ञान को (पद्य)—फकीरदास (बाबा) कृत। र० का० सं० १८८८। वि० होरी के माध्यम से निर्गुण ज्ञान।
(क) लि० का० सं० १९२४।
प्रा०—बाबा किशोरीदास, नरोत्तमपुर, डा० देदहा (बहराइच)।→२६-११६ ई।
(ख) लि० का० सं० १९३०।
प्रा०—बाबा रामगिरि महंत, केशोपुरा, डा० तंबौर (सीतापुर)। → २६-११६ एफ।
(ग) लि० का० सं० १९३०।
प्रा०—पं० शिवमहेश, विशुनपुर, डा० अलीगंज (एटा)।→२६-९७ ए।

होरी तथा डोल की भावना तथा तदात्मक वर्णन (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत। वि० डोलोत्सव वर्णन।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-४८६ ण।

होरीधमारि (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत। वि० व्रज में राधा की होरी। (इसमें कृष्णदास, कुंजलाल, कमलनैन, अचलदास, हरिदास, राघवदास, किशोरीलाल, रूपलाल और हितहरिलाल भी संगृहीत हैं)।
प्रा०—श्री प्रेमबिहारी का मंदिर, प्रेमसरोवर, डा० बरसाना (मथुरा)।→ ३२-२३२ सी।

होलिकाविनोद-दीपिका (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। वि० श्री रामचंद्र जी का होली खेलना।
(क) लि० का० सं० १९३०।
प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→०६-१३४ जी।
(ख) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-३१७ (विवरण अप्राप्त)।

होली (पद्य)—पानपदास (बाबा) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ।→ सं० ०४-२०५ ज।

होली उषादि (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। वि० ऊषा, रुक्मिणी, गजग्राह और द्रौपदी की कथा एवं होली वर्णन।
प्रा०—पं० जगन्नाथप्रसाद, फूलपुर, डा० भरथना (इटावा)।→३८-१०८ बी।

होलीगजल आदि (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—ठा० महिपालसिंह, करहरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)। → ३[illegible]-१६६ जी।

होलीसंग्रह (पद्य)—गौरीशंकर (भट्ट) कृत। र का सं १९६१ । लि का सं १९६१ । वि राधाकृष्ण भक्ति।

प्रा —डा० हरविलाससिंह रानीपुर, डा पेंधरा (एटा)।→२६–१ १ ए।

होलीसंग्रह (पद्य)—कामनाथ (चन) कृत। र का सं १७७५। लि का सं १८८९। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —ठा सूरतसिंह, रिमरा डा महमूदाबाद (सीतापुर)।→२९–११४ ए।

होलीसंग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —पं चंद्रसेन पुजारी गंगा जी का मंदिर जुरखा।→१७–२१ (परि १)।

होलीसंग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि होली के गीत।

प्रा —पं बाबूराम अध्यापक रामनगर, डा अवागढ़ (एटा)।→२६–१८९।

इनवोकेशन टु गणेश, प्रेज आव विष्णु, एकाउट आव द ओरिजिन आव द कृष्ण इनकारनेशन, वी वी (आर पी पी) ११–१५ आथर्स एकाउट आन हिमसेल्फ ऐंड आव हिज पैट्रन (गिविंग एनी डेट्स ऐंड नेम्स ऐवेलेबुल), वी वी (आर पी पी) १६–२१ कृष्ण वाडरिंग इन द फारेस्ट, वी वी (आर पी पी) २२–५० द मीटिंग विद राधा, वी वी (आर पी पी) ५१–१०० डेस्क्रिप्शन आव राधाज ब्यूटी, वी वी (आर पी पी) १०१–१५० कृष्ण लीव्स राधा, हर डिस्पेयर, वी वी (आर पी पी) १५१–२०० एराइवल आव उद्धव विद ए मेसेज फ्राम कृष्ण, ऐंड सो आन

इन ए वर्क डीलिंग विद द 'लाडेशन आव भक्ति' इट आट टु बी पासिबुल टु गिव ऐन ऐकाउट आव द जेनेरल स्कोप आव द वर्क, ऐंड आव द लाइस एलांग ह्विच द लाडेशन प्रोसीड्स, ऐंड इन ऐन एकाउट आव ईश्वराज इनकारनेशस ऐंड लाडेशन आव हिज नेम, वी माइट ऐट लीस्ट बी टोल्ड ह्वाट इनकारनेशस आर डेस्क्राइब्ड एंड ह्वाट स्पेस आउट आव द होल इज डिवोटेड टु द लाडेशन अगेन मेनी बुक्स आर मियरली डेस्क्राइब्ड ऐज 'नख शिखाज,' आर कैटेलाग्स आव फीमेल चार्म्स देयर आर ह्ट्रेड्स आव दीज नखशिखाज, सम गुड ऐंड सम बैड, ऐंड आल डिफरेंट मियरली टु नेम द वर्क ऐज ए नखशिख इज नाट सफिश्यंट वी शुड बी गिवेन सम ऐकाउट आव द प्रिंसिपुल्स आन ह्विच द कैटेलागिंग इज डन इवेन ऐन ऐंथालाजी ऑर ए कलेक्शन आव सानेट्स बाइ वन आथर, आर द लाइफ, इज बेस्ट आन सम सिस्टम ऐंड ए लिस्ट कुड बी गिवेन आव द वैरियस ग्रुप्स आव पोएम्स इन द केस आव ऐन ऐंथालाजी, ए लिस्ट आव द नेम्स आव द आथर्स हूज पोएम्स आर कोटेड, इज आल इपार्टेंट इफ वी नो द डेट आव ऐन ऐंथालाजी ऐंड दैट ए सर्टेन आथर इज कोटेड इन इट, वी हैव ए *'टर्मिनस ऐड क्वेम'* ह्विच मे बी मोस्ट यूसफुल इन फिक्सिंग हिज डेट

फार नैरेटिव वर्क, एस्पेशली दोज ह्विच आर हिस्टारिकल, और सेमी-हिस्टारिकल, सच ऐज द इटरेस्टिंग मैन्युस्क्रिप्ट मेंशड ऐज *नबर ६० आन पेज ७३* द वैल्यू आव ऐन ऐब्स्ट्रैक्ट आव द कटेंट्स इज सेल्फ-एविडेंट

परिशिष्ट ३

नागरीप्रचारिणी सभा द्वारा ५५ वर्षों की हिंदी खोज में १९ वीं शताब्दी तक की रचनाएँ विवृत की गई हैं। विवृत ग्रंथों के विषय में पूरी जानकारी पहले ही दी जा चुकी है। कुछ महत्वपूर्ण और विशिष्ट ग्रंथों की संक्षिप्त सूची यहाँ प्रस्तुत की जा रही है। निम्नांकित विषयों के ग्रंथ खोज में उपलब्ध हुए—

१ रासो इतिहास और विरुदावलियाँ। २ सिद्धों का साहित्य (योगधारा)। ३ संतसाहित्य (निर्गुणधारा)। ४ कृष्ण और रामभक्ति साहित्य (सगुणधारा)। ५ सूफी प्रेमकथाएँ। ६ भारतीय प्रेमकथाएँ। ७ साहित्यशास्त्र (रस अलंकार काव्यरचना और रीति) ८ पिंगल। ९ कोश। १० काव्य। ११ नाटक। १२ भक्तकथा परिचयी और वार्ता। १३ यात्रा। १४ लावनी और ख्याल। १५ गद्यग्रंथ।

(१) रासो, इतिहास और विरुदावलियाँ

क्रम सं	ग्रंथ	ग्रंथकार	रचनाकाल	लिपिकाल	विशेष
१	हमीररासो	मंडनदाई	सं १२५ वि	×	इसकी १४ प्रतियाँ मिली हैं जिनमें से एक में लि का सं १९४ है।
२	बीसलदेव रासो	नरपति नाल्ह	सं ११५५	सं १६६६	
३	खुमान रासो	दलपति	१८ वीं शती (नाइम)	×	
४	गजसिंह महाराज जी का गुणरूपक कथा	केशवदास चारण	सं १६८१	सं १७८	
५	रतपाल नायक	महाराज राजसिंह	१८ वीं शती		

	बावरी साहिबा	१७	,,
	वीरू साहब	,,	,,
	यारी साहब	१७ वीं शती	
	बुल्ला साहब	१८	,,
	गुलाल साहब	,,	,,
तथा शब्दावली	भीखा साहब	,,	,,
	विरञ्च गोसाईं	२० वीं	,,
	नवनिधिदास बाबा	,,	,,
रचनाएँ	धरनीदास	१८ वीं	,,
इसमें निर्गुणी संतो		,,	,,
उल्लेख			
	...स	१६ वीं	,,
	सतदास	,,	
	बाबा रामचरणदास (रामसनेही पथी)	१६ वीं	,,
	उमा	,,	,,
स्वकारण	कुदरतीदास	,,	,,
अन्य रचनाएँ	शिवनारायण स्वामी	१८ वीं	,,
	मलूकदास	१७ वीं	,,

(४) रामकृष्ण भक्ति साहित्य (सगुणधारा)

१ रामचरितमानस (चार प्रतियाँ प्राचीन हैं—(१) महाराज बनारस की, लि० का० स० १७०१, (२) अयोध्या की प्रति, स० १६६१, (३) राजापुर की प्रति, सेवादास की प्रति, सं० १७२२, जो भारत कला भवन में है)	गो० तुलसीदास	१७ वीं शती	
	नाभादास	१७ वीं शती	
...नेया	अग्रदास	,,	,,
...काड	काष्ठजिह्वा देव	१६ वीं	,,
शृंगाररस मडन	गो० विट्ठलनाथ	१७ वीं	,,
...रसागर (प्राचीन प्रतियाँ दो हैं— ...) स० १७४५, (२) स० १७६८)	सूरदास	,,	,,
...मानदसागर	परमानंददास	,,	,,
...ी, भ्रमर गीत और	नददास	,,	,,

क्रम सं०	ग्रंथ	ग्रंथकार	रचनाकाल
६	पद	व्यास स्वामी	१७वीं शती
१	हित चौरासी	हित हरिवंशजी	" "
११	कवित्त सवैया और दानलीला	रसखान	" "
१२	बानी और ब्यालीसलीला	ध्रुवदास	"
१३	हित चरित्र	भगवत मुदित	"
१४	पद और बानियाँ	बाबा वृंदावनदास	१८ वीं
१५	पद	श्री भट्ट जी (निम्बार्क)	१६ वीं
१६	पद और महाबानी	हरिव्यास देव जी	" "
१७	परशुरामसागर	परशुराम	१७ वीं
१८	पद तथा बानियाँ	स्वामी हरिदास (टट्टी संप्र	"
१६	पद	मीराबाई	"
२०	पद	गंगाबाई	" "
२१	चंद्रचौरासी	गो० चंद्रप्रभु (माध्व संप्र)	" "
२२	पद तथा अन्य रचनाएँ	नागरीदास (राजा सावंतसिंह)	१८ वीं शती
२३	कवित्त सवैया तथा अन्य रचनाएँ	घनानंद	
२४	हरिलीला सोलह कला	भीम	१६ वीं
२५	रूपामकरंद	रूपरसिक	१७ वीं
२६	कुलजम स्वरूप	स्वामी प्राणनाथ (धामी संप्र)	१८
२७	रघुराजविलास यदुराजविलास आदि	राजा रघुराजसिंह	
२८	राधारमण विहार-माधुरी और मानमाधुरी आदि	माधुरीदास	

(४) सूफी प्रेमकथानक क

क्रम सं०	ग्रंथ	ग्रंथकार
१	पद्मावती	जायसी
२	मृगावती की कथा	कुतुबन
३	इंद्रावत	नूरमुह
४	इंसजवाहिर	
५	ज्ञानदीप	
६	कामरूप की कथा	
७	प्रेमरतन	
८	पुहुपावती	
६	यूसुफ जुलेखा	

१०	इसनामा	नजीर	२० वीं ,,
११	कासिदनामा	हैदर	×

(६) भारतीय प्रेमकथाएँ

१	लक्ष्मणसेन पद्मावती कथा	दामो	१६ वीं ,,
२.	ढोला मारवणी चउपई	कुसललाभ	१७ वीं ,,
३	मृगावती की कथा	मेघराज प्रधान	१८ वीं ,,
४	मकरध्वज की कथा	,,	,, ,,
५	रसरतन	पुहकर कवि	१७ वीं शती
६	छिताई की कथा	रतनरंग	,, ,,
७	कामरूप का किस्सा	×	२० ,,
८	मैनसत के उत्तर	गंगाराम	,, ,,
९	रत्नावली रतनमंजरी, पुहुपवरिखा आदि	जान कवि	१७ वीं ,, ,,
१०	गोराबादल पद्मिनी चौपाई	हेमरतन	,, ,, ,,
११	माधवानल कामकंदला	आलम	,, ,,
१२	प्रेमविलास प्रेमलता कथा	जटमल नाहर	,, ,,
१३	चतुर्मुकुट की कथा	×	,,
१४	मधुमालती की कथा	चतुर्भुजदास	१६ वीं ,,
१५	पद्मावती चरित्र	लालचंद या लब्धोदय	१८ वीं ,,
१६	सुरसुंदरी चरित्र	रेड़ मुनि	१७ वीं ,,

(७) साहित्य शास्त्र (रस, अलंकार, काव्यरचना और रीति)

१	कविप्रिया	केशवदास	१७ वीं ,,
२	रसिक प्रिया	,,	,, ,,
३	काव्य निर्णय, रससार, शृंगारनिर्णय	भिखारीदास	१८ वीं ,,
४	हिततरंगिनी	कृपाराम	१६ ,, ,,
५	रूपविलास	रूपसाहि	१९ ,, ,,
६	अलंकारमणिमंजरी	ऋषिनाथ	१८ ,, ,,
७	व्यंगार्थ कौमुदी	प्रतापसाहि	१९ ,, ,,
८	काव्यविलास	,,	,, ,, ,,
	काव्यसरोज	श्रीपति	१८ ,, ,,
	भाकर	,,	,, ,,

क्रम सं०	ग्रंथ	ग्रंथकार	रचनाकाल
११	शालिस्पशार रसराज और ललितश्रृंगार	मतिराम	१८ वीं शती
१२	काव्य रसायन	देव	,,
१३	भाव विलास		
१४	भाषा काव्य प्रकाश	बलभद्र	१७ वीं ,,
१५.	काव्यसिद्धांत रसरत्नाकर अलंकार माला रसगाहक चंद्रिका	सूरत मिश्र	१८ वीं
१६	भूषणदर्पण	ग्वाल कवि	१९ वीं
१७	रसरंग		
१८.	काव्याभरण रसकल्लोल केसरी प्रकाश	चंदन भाट	,, ,,
१९	रसविलास	प्रेमपुरुष	१८ वीं
२०	कविकुलकल्पतरु	चिंतामणि	१८ वीं शती
२१	रसमंजरी	हरिवंश रंजन	,, ,,
२२	कवि सर्वस्व	जयगोविंद वाजपेयी	,, ,,
२३	काव्यरस	राजा जसवंतसिंह	
२४	तत्त्वविकुलदीपिका	भारतवारि	१९ वीं
२५	कविकुलतिलक प्रकाश	महीप या महीपति	१८ वीं
२६	जगद्विनोद पद्माभरण	पद्माकर	१९ वीं ,,
२७	सुंदरश्रृंगार	सुंदर कविराय	१७ वीं
२८	रसरत्नाकर	सुखदेव मिश्र	१८ वीं ,,
२९	रसरहस्य युक्तितरंगिणी	कुलपति मिश्र	,,
३०	रसविलास अलंकार शिरोमणि टिकैतराय प्रकाश	बेनी कवि	१९ वीं
३१	नवरस तरंग नानाराव प्रकाश	बेनी प्रवीन	,,
३२	श्लेषप्रकाश	नामकवि	,, ,,
३३	पशुपक्षी नायक नायिका लक्षण	बोधा	१७ वीं ,,
३४	सनेहतरंग	रावराजा बुधसिंह	१८ वीं ,,
३५.	मिश्रविलास	नेपालीलाल दीक्षित	१७ वीं
३६	नायिकाविलास	सेवक	१९ वीं ,,
३७	हरिनाम विनोद	[illegible]	२० वीं ,,
३८	श्रृंगारविलास	सोमनाथ	१९ वीं
३९.	रसरत्नावली	[illegible]	१८ वीं ,,
४०	अंतर्लापिका	दीनदयाल गिरि	२० वीं ,,

खो रि वि ८४ (११ -- २४)

क्रम स० ग्रंथ		ग्रंथाकार	रचनाकाल
४१	शिवराजभूषण	भूषण	१८ वीं ,,
४२	रामप्रकाश	मुनिलाल	×
४३	कविकुलकठाभरण	दूलह	१६ वीं ,,
४४	भाषाभूषण	राजा जसवतसिंह	१८ वीं ,,
४५	भाषाभूषण	श्रीधर मुरलीधर	१८ वीं ,,
४६	श्लेषार्थविंशति	कान्ह	×
४७	यमकालकार	वृदकवि	१८ वीं ,,
४८	कविताकल्पतरु	सागर कवि	,, ,,
४९	वधूविनोद	कालिदास त्रिवेदी	,, ,,
५०	रसचद्रोदय	उदयनाथ कवींद्र	,, ,,

(८) पिंगल

१	छदार्णवपिंगल, छदप्रकाश	भिखारीदास	१८ वीं शती
२	भाषापिंगल	चिंतामणि त्रिपाठी	,, ,,
३	छदसार पिंगल	मतिराम	,, ,,
४	पिंगल, वृत्तविचार, छदविचार	सुखदेव मिश्र	,, ,,
५	छदसार	सूरत मिश्र	,, ,,
६	माधवसुयश प्रकाश	छविनाथ	१६ वीं शती
७	पिंगल	चतुर्भुज	१७ वीं ,,
८	षटपद के भेद (छप्पय छदों के भेद, प्राचीन रचना है)	×	×
९	रूपदीप पिंगल	जयकृष्ण भोजग	१८ वीं ,,
१०	छंदरत्नावली	हरिराम	×

(९) कोश

१	अनेकार्थमजरी और नाममजरी	नददास	१७ वीं ,,
२	नामप्रकाश	भिखारीदास	१८ वीं ,,
३	नामरत्नमाला कोश	गोकुलनाथ	१६ वीं ,,
४	नामचिंतामणि	नवलसिंह प्रधान	२० वीं ,,
५	नाममाला	चदन	,, ,,

(१०) काव्य

१	पचसहेलरी रा दूहा	छीहल	१६ वीं ,,
२	अहिल्यापूर्व प्रसग	वारहट नरहरदास	१७ वीं ,,

क्रम सं०	ग्रंथ	ग्रंथकार	रचनाकाल
१	सतसई	बिहारीलाल	१८ वीं ,
४	मतिराम सतसई	मतिराम	,, ,
५.	सतसई	भूपति (राजा गुरुदत्तसिंह)	,
६	चंदन सतसई	चंदन भाट	१ वीं
७	रुक्मिणी मंगल, छप्पय और कवित्त	नरहरि	१६ वीं शती (नाहटा जी के अनुसार १७ वीं)
८.	बाहुविलास	राजा रामसिंह	१८ वीं ,,
९	अनुरागबाग श्लेषार्थपंचक दीपकपंचक	दीनदयालगिरि	१ वीं ,,
१	रामरसायन	पद्माकर	१६ वीं ,
११	कवित्त	ठाकुर	, ,,
१२	वंसीरासद	कालिदास	१८ वीं
१३	रामचंद्रिका	केशवदास	१७ वीं
१४	कलिचरित्र	भाग्य कवि	,,
१५	प्रेमदीपिका	अक्षर अनन्य	१८ वीं शती
१६	बरवै मदनाष्टक और सतसई	रहीम	१७ वीं
१७	कवित्त रत्नाकर	सेनापति	१७ वीं
१८.	प्रेमतरंग चंद्रिका आदि	देव	१८ वीं ,,
१९.	कवित्त	आलम और शेख	१७ वीं
२	सुदामाचरित्र और श्यामसनेही	आलम	१७ वीं
२१	नखशिख	बलभद्र	१८ वीं ,,
२२	गुलजार चमन	दीक्षित	,,
२३	राधाकृष्ण विलास	गोकुल बंदीजन	१६ वीं ,,
२४	हम्मीरहठ, मदनमोहन और गोपपच्चीसी	ग्वाल	१८ वीं
२५.	हम्मीरहठ	चंद्रशेखर वाजपेयी	१६ वीं ,
२६	कवित्त	गंग	१७ वीं ,,
२७.	सूक्ति मुक्तावली या बनारसी विलास	बनारसीदास	१८ वीं ,,
२८.	रामायण रामविलास	ईश्वरी त्रिपाठी	१६ वीं ,,
२९	कन्हैया जन्म बंशी बंजारनामा हंसनामा	नजीर	१० वीं
१	हरिभक्ति प्रकाश	गंगाराम पुरोहित भांग	१८ वीं
११	सुदामा चरित्र	नरोत्तम	१७ वीं ,,
१२	,,	कालीराम	१८ वीं ,,

क्रम सं०	ग्रंथ	ग्रंथकार	रचनाकाल	
३३	रासपंचाध्यायी	जनगोपाल	१७ वीं	,,
३४	कान्ह की बारहमासी, हरिचरित्र विराटपर्व	लालसेनी	१५ वीं	,,
३५	वाग्विलास	सेवक	२० वीं	,,
३६	सत्यवती कथा, भरतविलाप	ईश्वरदास	१६ वीं	,,
३७	जेहली जवाहिर	प्राणनाथ सोती	१८ वीं	,,
३८	जोगलीला	उदयराम	१८ वीं	,,
३९	दशकुमारचरित	शिवदत्त त्रिपाठी	१८ वीं	,,
४०	दिग्विजै चंपू	शिवदास गदाधरदास	२० वीं	,,
४१	वियोगसागर, मोहनी	शेखअहमद	१८ वीं	,,
४२	लक्षणशतक	समाधान	×	
४३	रसधमार और खटमल बाईसी	अलीमुहिब खाँ 'प्रीतम'	१८ वीं	,,
४४	भाषा भक्त चंद्रिका	विश्वनाथसिंह	१९ वीं	,,
४५	प्रेमरस सागर और कृष्ण चंद्रिका	अखैराम	,,	,,
४६	प्रेमपच्चीसी	सोमनाथ	,,	,,
४७	कवित्त	राजा बीरबल	१७ वीं शती	
४८	विरही सुभान दंपति विलास	बोधा	१९ वीं	,,
४९	द्वारिका विलास	रामनारायण	,,	,,
५०	जानकीविजय रामायण	प्रसिद्ध	,,	,,
५१	श्रीपाल चरित्र	परिमल्ल कवि	१७ वीं	,,
५२	विरहविलास	हसराज बख्शी	१८ वीं	,,
५३	सुदामाचरित्र	भूधरदास	१७ वीं	,,
५४	भूधरविलास	भूधरदास	१८ वीं	,,

(११) नाटक

१	प्रबोधचंद्रोदय नाटक	राजा जसवंतसिंह	१८ वीं शती	
२	प्रबोधचंद्रोदय नाटक	सूरत मिश्र	,,	,,
३	करुणाभरण नाटक	लच्छीराम	,,	,,
४	नहुष नाटक	गिरिधरदास	२० वीं	,,

(१२) आत्मकथा, परिचयी और वार्ता

१	अर्द्धकथानक	बनारसीदास	१७ वीं	,,
२	पीपा की परिचयी	अनंतदास	,,	,
३	कबीर की परिचयी	,,	,,	,,
४	त्रिलोचन की परिचयी	,,		

क्रम सं० ग्रंथ	ग्रंथकार	रचनाकाल
५. मना जी की परिचयी	अनंतदास	१७वीं शती
६ नामदेव की परिचयी	"	"
७ रैदास की परिचयी		
८ रौंका बाँका की परिचयी		"
९ सेठ समन की परिचयी	"	"
१० हरिदास निरंजनी की परिचयी	रघुनाथदास	१८वीं
११ सेवादास की परिचयी	रूपदास	
१२ चौरासी वैष्णवन की वार्ता	गो० गोकुलनाथ	१७वीं "
१३ दो सौ बावन वैष्णवों की वार्ता	गो० गोकुलनाथ	"

(१३) यात्रा

१ वनयात्रा	श्रीमन महाराज जी की माँ	१ वीं
२ बद्रीनाथ यात्रा कथा	अयोध्यानरेश बख्तावरसिंह की धर्म पत्नी	१९ वीं
३ वनयात्रा	गो० गोकुलनाथ	१७ वीं "

(१४) लावनी और ख्याल

१ बारहमासी	मीराबाई	१ वीं शती (नाहटा जी के अनुसार १९ वीं शती)
२ लावनी ललत	मनवाँ शुक्ल	१ वीं शती
३ ख्याल वर्षा	गिरिधारीसिंह	
४ लावनी समस्त प्रकार	सुखलाल	
५ ख्याल हुआ ख्याल	मथुरदास	"
६ ख्याल वियोग	मथुरदास	
७ बारहमासी ख्याल	हरदत्त	

(१५) गद्य ग्रंथ

१ गोरखनाथ का गद्य (प्राचीन खड़ी बोली)	गोरखनाथ	१४ वीं "
२ योगाभ्यासमुद्रा (खड़ी बोली)	कुम्भरिपा	"
३ शृंगार मंडन (ब्रज)	श्री विठ्ठलनाथ	१७ वीं
४ चंद छंद बरनन की महिमा (खड़ी बोली)	गंग	" "

५	नासिकेत पुराण (ब्रज)	नंददास	,,	,,
६	वैताल पच्चीसी (ब्रज)	सूरति मिश्र	१८ वीं	,,
७.	व्यवहारपाद (ब्रज)	प्रियादास	२० वीं	,,
८	योग वाशिष्ठसार (खड़ी बोली)	रामप्रसाद निरंजनी	१८ वीं	,,
९	तीरदाजी रिसाला (खड़ी बोली)	ख्वाजा महम्मद फाजिल	१९ वीं	,,
१०	वचनिका (ब्रज)	बनारसीदास	१७ वीं	,,
११	इफतालीय (ब्रज)	गोपेश्वर जी	१८ वीं	,,
१२	पंचायत का न्यायपत्र (अवधी)	फणींद्र मिश्र	१७ वीं	,,
१३	ज्योतिष और गोलाध्याय (खड़ी बोली)	तामसन साहब	१९ वीं	,,
१४	चौरासी वैष्णवन की वार्ता (ब्रज)	गो० गोकुलनाथ	१७ वीं	,,
१५	दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता (ब्रज)	गो० गोकुलनाथ	,,	,,
१६	भूगोलसार (खड़ी बोली)	श्रीलाल	२० वीं	,,
१७	आचार्य महाप्रभून की द्वादश निजी वार्ता	हरिराय	१७ वीं	,,
१८	पाडव पुराण (जैन रचना)	×	१७ वीं शती (नाहटा जी के अनुसार १८ वीं)	
१९	तत्वज्ञान तरंगिणी (जैन रचना)	×	×	
२०	आदि पुराण की बालबोध वचनिका	दौलतराम	१९ वीं शती	
२१	पुण्याश्रव कथाकोस	दौलतराम	१८ वीं शती	
२२	मोहमद गजाली किताब ऊपर भाषा पारस भाग	कृपाराम (सेवापंथी)	१९ वीं	,,
२३	सुदृष्ट तरंगिनी (खड़ी बोली)	सीतल जैन (?)	,,	,,